BABASAHEB
BHIMRAO
AMBEDKAR
UNIVERSITY

•LUCKNOW•

प्रज्ञा शील करूणा

ESTABLISHED 1996

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(नैक द्वारा ए++ प्रत्यायित)

विद्या विहार, रायबरेली रोड, लखनऊ–226025

उत्तर प्रदेश, भारत





वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करूणा
ESTABLISHED 1996

वार्षिक प्रतिवेदन

2024–25

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विद्या विहार, रायबरेली रोड, लखनऊ– 226025

टोल फ्रीः 1800–180–5789

वेबसाइटः www.bbau.ac.in

विषय–सूची

- संकायाध्यक्ष vii
- निदेशक/केन्द्र के समन्वयक viii
- विभागाध्यक्ष/समन्वयक ix
- कुलपति की कलम से x
- प्रबंधन मंडल xi
- शैक्षणिक परिषद xiii
- वित्त समिति xxiii
- योजना मंडल xxiv
- समाचार पत्रों में बीबीएयू xxv

1. कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ 1
- उद्यान विभाग

2. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ 32
- अर्थशास्त्र विभाग
- राजनीति विज्ञान विभाग
- समाजशास्त्र विभाग
- लोक प्रशासन विभाग
- इतिहास विभाग
- सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र (सीएसएसआई)

3. पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ 126
- भूविज्ञान विभाग
- पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
- पर्यावरण विज्ञान विभाग

4. शिक्षा विद्यापीठ 176
- शिक्षा विभाग

5. गृह विज्ञान विद्यापीठ 205
- मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग
- खाद्य एवं पोषण विभाग

6. सूचना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ 236
- कंप्यूटर विज्ञान विभाग
- पुस्तकालय सूचना विज्ञान विभाग
- सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

7. भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ 294
- हिंदी विभाग

8. विधि अध्ययन विद्यापीठ 308
- मानवाधिकार विभाग
- विधि विभाग
- स्नातकोत्तर विधि अध्ययन केंद्र

9. जीव विज्ञान विद्यापीठ 352
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग
- प्राणि विज्ञान विभाग

10. प्रबंधन एवं वाणिज्य विद्यापीठ 387
- प्रबंधन अध्ययन विभाग
- वाणिज्य विभाग

11. मीडिया एवं संचार विद्यापीठ 410
- जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग
- ईएमआरसी (मीडिया सेंटर)

12. भैषजिक विज्ञान विद्यापीठ 424
- भैषजिक विज्ञान विभाग

13. भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ 440
- रसायन विज्ञान विभाग
- गणित विभाग
- भौतिकी विभाग
- सांख्यिकी विभाग
- एकीकृत बी.एससी., एम.एससी. (बुनियादी विज्ञान)

14. प्रदर्शन कला विद्यापीठ 518
- संगीत विभाग

15. संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्यापीठ 525
- संस्कृत एवं वेदिक अध्ययन विभाग

16. योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं संज्ञानात्मक अध्ययन विद्यापीठ 536
- योग विभाग

17. अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ 549
- सिविल अभियांत्रिकी विभाग
- कंप्यूटर अभियांत्रिकी विभाग
- विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग
- यांत्रिक एवं ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग विभाग

18. व्यावसायिक एवं भविष्यवादी अध्ययन विद्यापीठ 591
- कौशल एवं व्यावसायिक अध्ययन विभाग

19. सैटेलाइट केन्द्र, अमेठी 598
- सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
- कंप्यूटर विज्ञान विभाग
- इतिहास विभाग
- समाजशास्त्र विभाग
- वाणिज्य विभाग
- खाद्य एवं पोषण विभाग
- अंग्रेजी विभाग
- भैषजिक विज्ञान विभाग

20. महिला बुनियादी सुविधा समिति (सीबीएफडब्ल्यू) 672

21. गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय 675

22. विश्वविद्यालय निर्माण विभाग 693

23. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र 701

24. हिंदी प्रकोष्ठ 709

25. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) 712

26. मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) का कार्यालय 717

27. अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ 719

28. राष्ट्रीय कैडेट कोर 723

29. राष्ट्रीय सेवा योजना 725

30. उपचारात्मक कोचिंग कार्यक्रम (आरसीपी) 734

31. कुलानुशासक कार्यालय 737

32. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण प्रकोष्ठ 741

33. भर्ती एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ 745

34. ईएमआरसी (मीडिया केंद्र) 746

35. खेल–कूद अनुभाग 750

36. विश्वविद्यालय परिष्कृत उपकरण केंद्र (यूएसआईसी) 752

37. सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो 757

38. अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय 763

39. बागवानी और सौंदर्यीकरण अनुभाग 778

40. केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ 782

41. डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) 785

42. वित्तीय विवरण 789

43. वार्षिक प्रतिवेदन समिति 791

कुलाध्यक्ष

महामहिम भारत की राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

कुलपति

आचार्य राज कुमार मित्तल

कुलसचिव	डॉ. अश्विनी कुमार सिंह
वित्त अधिकारी	डॉ. अजय कुमार मोहंती
परीक्षा नियंत्रक	आचार्य विक्रम सिंह यादव
पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. सुनील गोरिया
कुलानुशासक	आचार्य महेन्द्र प्रताप सिंह
अधिष्ठाता छात्र कल्याण	आचार्य नरेंद्र कुमार

संकायाध्यक्ष

1. **आचार्य मनीष कुमार वर्मा**	अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
2. **आचार्य दीपा हंसराज द्विवेदी**	कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
3. **आचार्य राजेश कुमार**	पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ
4. **आचार्य राजशरण शाही**	शिक्षाशास्त्र विद्यापीठ
5. **आचार्य बाल चंद्र यादव**	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
6. **आचार्य उरैमिंदी वेंकटा किरन**	गृह विज्ञान विद्यापीठ
7. **आचार्य महेंद्र प्रताप सिंह**	सूचना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
8. **आचार्य राम पाल गंगवार**	भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ
9. **आचार्य प्रीती मिश्रा**	विधि अध्ययन विद्यापीठ
10. **आचार्य संगीता सक्सेना**	जीवन विज्ञान विद्यापीठ
11. **आचार्य अमित कुमार सिंह**	वाणिज्य एवं प्रबंधन विद्यापीठ
12. **आचार्य गोपाल सिंह**	मीडिया एवं संचार विद्यापीठ
13. **आचार्य महेंद्र प्रताप सिंह**	प्रदर्शन कला विद्यापीठ
14. **आचार्य पी.एस. रजनीकांत**	भैषजिक विज्ञान विद्यापीठ
15. **आचार्य बाल चंद्र यादव**	भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ
16. **आचार्य राम पाल गंगवार**	संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्यापीठ
17. **आचार्य मनीष कुमार वर्मा**	व्यावसायिक एवं भविष्य अध्ययन विद्यापीठ
18. **आचार्य बाल चंद्र यादव**	योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं संज्ञानात्मक अध्ययन विद्यापीठ

निदेशक / केंद्र के समन्वयक

1. निदेशक, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ	आचार्य शिशिर कुमार
2. निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ	आचार्य राम चन्द्रा
3. निदेशक (प्रभारी), सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र	आचार्य सार्तिक बाग
4. निदेशक, आवासीय कोचिंग अकादमी	आचार्य सुरिंदर कुमार
5. निदेशक (प्रभारी), संगणक केंद्र	आचार्य एस.के. द्विवेदी
6. निदेशक (प्रभारी), सैटेलाइट केंद्र, अमेठी	डॉ. संदीप कुमार नायक
7. निदेशक, स्नातकोत्तर विधि अध्ययन केंद्र	आचार्य प्रीती मिश्रा
8. निदेशक (प्रभारी), ईएमआरसी (मीडिया केंद्र)	आचार्य गोपाल सिंह
9. समन्वयक, डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र	आचार्य शशि कुमार
10. समन्वयक, उपचारात्मक कोचिंग कार्यक्रम	आचार्य एम. रवि कुमार वेजेंदला

विभागाध्यक्ष

1. जैव प्रौद्योगिकी विभाग	आचार्य दिनेश राज मोदी
2. रसायन विज्ञान विभाग	आचार्य अंजनी कुमार तिवारी
3. सिविल अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. मानवेन्द्र सिंह चौहान
4. वाणिज्य विभाग	आचार्य कुशेंद्र मिश्र
5. कंप्यूटर अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. धीरेंद्र पांडे (प्रभारी)
6. कंप्यूटर विज्ञान विभाग	आचार्य शिशिर कुमार
7. अर्थशास्त्र विभाग	आचार्य सनातन नायक
8. शिक्षा विभाग	आचार्य राजशरण शाही
9. विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. अंशुल अग्रवाल
10. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. बलराज सिंह
11. अंग्रेजी विभाग,	डॉ. बी. पात्रा, सैटेलाइट केन्द्र अमेठी
12. पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	आचार्य राजेश कुमार
13. पर्यावरण विज्ञान विभाग	आचार्य वेंकटेश दत्ता
14. खाद्य एवं पोषण विभाग	आचार्य नीतू सिंह
15. भूविज्ञान विभाग	आचार्य नरेंद्र कुमार
16. हिंदी विभाग	आचार्य राम पाल गंगवार
17. इतिहास विभाग	आचार्य एम. रवि कुमार वेजेंदला
18. बागवानी विभाग	आचार्य मुफत लाल मीना
19. मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग	आचार्य शालिनी अग्रवाल
20. मानवाधिकार विभाग	आचार्य शशि कुमार
21. सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	डॉ. राज श्री
22. विधि विभाग	आचार्य सुदर्शन वर्मा
23. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	आचार्य कन्हैया लाल महावर
24. प्रबंधन अध्ययन विभाग	आचार्य अमित कुमार सिंह
25. जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग	आचार्य गोविंद जी पांडे
26. गणित विभाग	आचार्य सुनील कुमार सिंह
27. संगीत विभाग	डॉ. बबिता पांडे (समन्वयक)
28. भैषजिक विज्ञान विभाग	आचार्य पी.एस. रजनीकांत
29. भौतिकी विभाग	आचार्य बाल चंद्र यादव
30. राजनीति विज्ञान विभाग	आचार्य सार्तिक बाग
31. लोक प्रशासन विभाग	आचार्य ओशधीश पति भूषण शुक्ल
32. संस्कृत एवं वैदिक अध्ययन विभाग	आचार्य रिपु सूदन सिंह
33. कौशल एवं व्यावसायिक अध्ययन विभाग	आचार्य दीपा हंसराज द्विवेदी
34. समाजशास्त्र विभाग	संकायाध्यक्ष, अम्बेडकर सामाजिक अध्ययन विद्यापीठ
35. सांख्यिकी विभाग	आचार्य सुरिंदर कुमार
36. योग विभाग	डॉ दीपेश्वर सिंह
37. प्राणि विज्ञान विभाग	आचार्य वी. एलंगोवन

कुलपति महोदय की कलम से.....



मुझे यह कहते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि मैं बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ की 28 वीं वार्षिक रिपोर्ट (वित्त वर्ष 2024–2025) प्रस्तुत कर रहा हूँ। यह वर्ष विश्वविद्यालय समुदाय के लिए उल्लेखनीय प्रगति, नवाचार और सामूहिक उपलब्धियों का रहा है।

मैं यह कहते हुए गर्व और संतोष की अनुभूति कर रहा हूँ कि विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय साख को सुदृढ़ किया है। विश्वविद्यालय ने जहाँ राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) 2025 में विश्वविद्यालय श्रेणी में 37 वाँ स्थान, प्रबंधन श्रेणी में 79 वाँ स्थान प्राप्त किया है, वहीं वह समग्र श्रेणी में 69 वें स्थान पर है। विश्वविद्यालय ने कृषि एवं संबंधित क्षेत्र श्रेणी में 21 वाँ, लॉ श्रेणी में 12 वाँ एवं फार्मेसी में 23 वाँ स्थान प्राप्त किया। ये उपलब्धियाँ शिक्षण, अनुसंधान और समावेशी शिक्षा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

इस वर्ष विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक, सामाजिक एवं नीतिगत विमर्शों की एक समूची श्रृंखला आयोजित की, जिसका उद्देश्य राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में अपने दायित्वों का निर्वहन करना था। इनमें विश्व बाल श्रम निषेध दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व साइकिल दिवस, अंबेडकर जयंती, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती, विश्व पर्यावरण दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) से संबंधित कार्यक्रम, बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स लीग, राष्ट्रीय पोषण माह, रन फॉर यूनिटी, संविधान दिवस, इंटर स्कूल स्पोर्ट्स इवेंट्स, रिसर्च मेथोडोलोजी पर पांच दिवसीय कार्यशाला, स्वच्छता पखवाड़ा, विश्व ध्यान दिवस, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, संत रविदास जयंती, सतत विकास के लक्ष्यो को सार्थक करने हेतु कार्यक्रम, परीक्षा पे चर्चा, प्रबंधन उत्सव "तरंग 2025", आर्थिक स्थिरता हेतु परियोजनाओं पर चर्चा जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

छात्रों के लिए एक व्यापक और बहुआयामी 'सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास' का उद्घाटन किया गया। छात्रों के लिए शैक्षिक भ्रमण आयोजित किए गए, और विभिन्न शिक्षण संस्थानों द्वारा अपने छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय में भ्रमण कराया।

छात्रों के छात्रवृत्ति आवेदनों को विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा संसाधित किया गया, जिससे लगभग 34 प्रतिशत छात्रों को अपनी शिक्षा जारी रखने में सहायता मिली। मुझे यह बताते हुए भी प्रसन्नता है कि शिक्षा मंत्रालय के अधीन स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केन्द्र के प्रयासों से अनेक विद्यार्थियों को विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय संस्थानों में चयनित होने का अवसर मिला।

यह वास्तव में उत्साहवर्धक है कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय उन आदर्शों और लक्ष्यों की ओर निरंतर अग्रसर है, जिनकी कल्पना इसके संस्थापकों और दूरदर्शी विचारकों ने की थी । हमारे शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का परिश्रम, समर्पण एवं अथक प्रयास ही हमारी प्रगति की संचालक है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि अनवरत परिश्रम, नवाचार और सामूहिक भावना के साथ बीबीएयू आने वाले वर्षों में अकादमिक उत्कृष्टता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगा।

मैं विश्वविद्यालय परिवार तथा शिक्षा मंत्रालय के प्रति उनके निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

राज कुमार मित्तल

(आचार्य राज कुमार मित्तल)

प्रबंधन मंडल

1. **आचार्य राज कुमार मित्तल**
   कुलपति
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

2. **आचार्य बाल चंद्र यादव**
   संकायाध्यक्ष, भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

3. **आचार्य कुशेंद्र मिश्र**
   विभागाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन विभाग
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

4. **आचार्य एस. विक्टर बाबू**
   आचार्य, इतिहास विभाग
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

5. **डॉ. सुनील बाबू गोसीपटाला**
   उपाचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

6. **डॉ. देवेंद्र सिंह**
   सहायक आचार्य, भौतिकी विभाग
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

7. **मनोनीत (लोकसभा)**
8. **मनोनीत (लोकसभा)**

9. **श्री मिथलेश कुमार**
   सदस्य, राज्य सभा
   बंगला नंबर 06, महादेव रोड, नई दिल्ली–110001

10. **मनोनीत (विजिटर द्वारा मनोनीत शिक्षा विभाग से)**

11. **मनोनीत (विजिटर द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से)**

12. **आचार्य (सेवानिवृत्त) शैलेश एन. जाला**
    अध्यक्ष, पश्चिम क्षेत्रीय समिति, एनसीटीई, नई दिल्ली
    पूर्व कुलपति, महाराजा कृष्णकुमार सिंह जी, भावनगर विश्वविद्यालय, गुजरात
13. **डॉ. मनरूप सिंह मीणा**
    पूर्व उपकुलपति, इग्नू, नई दिल्ली

14. आचार्य (डॉ.) सविता सेंगर
कुलपति, झारखंड राय विश्वविद्यालय, रांची

15. डॉ. एल. गोमती देवी
कुलपति, महारानी क्लस्टर विश्वविद्यालय, बैंगलोर

16. पदेन सचिव, प्रबंधन मंडल
कुलसचिव
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

शैक्षणिक परिषद

1. **आचार्य राज कुमार मित्तल**
   कुलपति
   बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

2. **आचार्य धनंजय सिंह**
   सदस्य सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
   अरुणा आसफ अली मार्ग, जेएनयू परिसर
   नई दिल्ली–110067

3. **डॉ. संजय के. मिश्रा**
   वरिष्ठ सलाहकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
   सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली
   ईमेल: sanjaykr.mishra@nic.in
   मोबाइलः 9452373125

4. **डॉ. अखिलेश मिश्रा**
   वैज्ञानिक–एफ
   तकनीकी अनुवाद एवं नवाचार प्रभाग
   डीएसटी, नई दिल्ली
   ईमेलः akhilesh.mishra@nic.in
   मोबाइलः 8527503219

5. **आचार्य एस.के. सिंह**
   उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान)
   आईसीएआर, कृषि अनुसंधान भवन–II
   पूसा, नई दिल्ली–110012
   ईमेल: ddghort.icar@gov.in
   फैक्सः 011–25841976

6. **आचार्य सुनीता मिश्रा (प्रतिनियुक्ति पर)**
   गृह विज्ञान विभाग
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

7. **आचार्य एस. विक्टर बाबू**
   इतिहास विभाग
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

8. **आचार्य डी.आर. मोदी**
   जैव प्रौद्योगिकी विभाग
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

9. **आचार्य प्रीति सक्सेना (प्रतिनियुक्ति पर)**
मानवाधिकार विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

10. **आचार्य विपिन सक्सेना**
कंप्यूटर विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

11. **आचार्य शिव कुमार द्विवेदी**
पर्यावरण विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

12. **आचार्य के.एल. महावर**
पुस्तकालय एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग,
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

13. **आचार्य कमल जयसवाल**
प्राणि विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

14. **आचार्य कमान सिंह**
रसायन विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

15. **आचार्य बी.एस. भदौरिया**
गणित विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

16. **आचार्य राम चन्द्रा**
पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

17. **आचार्य शुभिनी ए. सराफ (प्रतिनियुक्ति पर)**
भैषजिक विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

18. **आचार्य रिपु सूदन सिंह**
राजनीति विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

19. **आचार्य विभूति भूषण मलिक**
समाजशास्त्र विभाग

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

20. **आचार्य संजय कुमार**
बागवानी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

21. **आचार्य संजय कुमार द्विवेदी**
कंप्यूटर विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

22. **आचार्य आर.ए. खान**
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

23. **आचार्य मनीष कुमार वर्मा**
समाजशास्त्र विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

24. **आचार्य एल.सी. मल्लैया (ग्रहणाधिकार पर)**
अर्थशास्त्र विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

25. **आचार्य शूरा दारापुरी**
इतिहास विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

26. **आचार्य** प्रीती मिश्रा
मानवाधिकार विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

27. **आचार्य** बी.सी. यादव
भौतिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

28. **आचार्य सुरिंदर कुमार**
सांख्यिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

29. **आचार्य गजानन पांडे**
रसायन विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

30. **आचार्य कुशेन्द्र मिश्र**
प्रबंधन अध्ययन विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

31. **आचार्य देवेश कुमार**
भौतिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

32. **आचार्य संगीता सक्सेना**
जैव प्रौद्योगिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

33. **आचार्य वी. एलंगोवन**
प्राणि विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

34. **आचार्य एम.पी. सिंह**
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

35. **आचार्य राजेश कुमार**
पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

36. **आचार्य शशि कुमार**
मानवाधिकार विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

37. **आचार्य सुदर्शन वर्मा**
विधि विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

38. **आचार्य गोपाल सिंह**
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

39. **आचार्य सनातन नायक**
अर्थशास्त्र विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

40. **आचार्य शशिकांत पांडे**
राजनीति विज्ञान विभाग

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

41. **आचार्य गोविंद जी पांडे**
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

42. **आचार्य सार्तिक बाग**
राजनीति विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

43. **आचार्य दीपा एच. द्विवेदी**
बागवानी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

44. **आचार्य बी.एन. दुबे**
समाजशास्त्र विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

45. **आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा**
पर्यावरण विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

46. **आचार्य शिल्पी वर्मा**
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

47. **आचार्य मधुलिका दुबे**
सांख्यिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

48. **आचार्य जया श्रीवास्तव**
समाजशास्त्र विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

49. **आचार्य हरिशंकर सिंह**
शिक्षा विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

50. **आचार्य शिखा**
पर्यावरण विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

51. **आचार्य वेंकटेश कुमार आर.**

प्राणि विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

52. **आचार्य वेंकटेश दत्ता**
पर्यावरण विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

53. **आचार्य यू.वी. किरण**
मानव विकास एवं परिवारिक अध्ययन विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

54. **आचार्य गौरव कैथवास**
भैषजिक विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

55. **आचार्य सर्वेश कुमार सिंह**
हिन्दी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

56. **आचार्य अंजनी कुमार तिवारी**
विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

57. **आचार्य सुनील कुमार सिंह**
विभागाध्यक्ष, गणित विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

58. **आचार्य संजीव कुमार चड्ढा**
विधि विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

59. **आचार्य राम पाल गंगवार**
हिन्दी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

60. **आचार्य शिशिर कुमार**
कंप्यूटर विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

61. **आचार्य नरेंद्र कुमार**
विभागाध्यक्ष, भूविज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

62. **आचार्य एम.एल. मीना**
उद्यान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

63. **आचार्य सुमन मिश्रा**
प्राणि विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

64. **आचार्य आभा मिश्रा**
प्राणि विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

65. **आचार्य एम. रवि कुमार वेजेन्दला**
इतिहास विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

66. **आचार्य दीपा राज**
कंप्यूटर विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

67. **आचार्य अमित कुमार सिंह**
प्रबंधन अध्ययन विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

68. **आचार्य नीतू सिंह**
विभागाध्यक्ष, खाद्य एवं पोषण विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

69. **आचार्य शरद कुमार सोनकर**
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

70. **आचार्य ओषधीश पति भूषण शुक्ल**
विभागाध्यक्ष, लोक प्रशासन विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

71. **आचार्य पी.एस. रजनीकांत**
भैषजिक विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

72. **आचार्य गुलाब चंद यादव**
उद्यान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

73. **आचार्य विनोद फत्तूजी खोबरागड़े**
राजनीति विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

74. **आचार्य राजशरण शाही**
संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

75. **आचार्य शालिनी अग्रवाल**
विभागाध्यक्ष, मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

76. **आचार्य देवेन्द्र कुमार यादव**
अर्थशास्त्र विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

77. **आचार्य जगमोहन तांती**
गणित विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

78. **डॉ. राज श्री, उपाचार्य**
विभागाध्यक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

79. **डॉ. मानवेंद्र सिंह चौहान, उपाचार्य**
विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

80. **डॉ. धीरेंद्र पांडे, उपाचार्य**
विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

81. **डॉ. अंशुल अग्रवाल, उपाचार्य**
विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

82. **डॉ. बलराज सिंह, उपाचार्य**
विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

83. **डॉ. दीपेश्वर सिंह, उपाचार्य**
विभागाध्यक्ष, योग विभाग

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

84. **डॉ. नंदकिशोर एस. मोरे, उपाचार्य**
पर्यावरण विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

85. **डॉ. जी. सुनील बाबू, उपाचार्य**
जैव प्रौद्योगिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

86. **डॉ. जय शंकर सिंह, उपाचार्य**
पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

87. **डॉ. महेंद्र कुमार पाढ़ी, उपाचार्य**
जनसंचार और पत्रकारिता विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

88. **डॉ. देवेन्द्र सिंह, सहायक आचार्य**
भौतिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

89. **डॉ. प्रीति गुप्ता, सहायक आचार्य**
रसायन विज्ञान विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

90. **डॉ. रेनू पांडे, सहायक आचार्य**
इतिहास विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

91. **डॉ. राहुल वार्ष्णेय, सहायक आचार्य**
सांख्यिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

92. **डॉ. सुनील गोरिया**
पुस्तकालयाध्यक्ष
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

93. **श्री फहद अशरफ, पीएच.डी. शोधार्थी, सांख्यिकी विभाग**
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

94. **सुश्री पूजा लांबा, पी.जी. विद्यार्थी**
सांख्यिकी विभाग
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

95. **डॉ. अश्विनी कुमार सिंह**
कुलसचिव (सचिव)
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

वित्त समिति

1. **आचार्य राज कुमार मित्तल** — **अध्यक्ष**
   कुलपति
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

2. **संयुक्त सचिव (सीयू)** — **सदस्य**
   उच्च शिक्षा विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

3. **संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार** — **सदस्य**
   उच्च शिक्षा विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

4. **संयुक्त सचिव (सीयू)** — **सदस्य**
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
   बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली

5. **डॉ. जितेंद्र देव गंगवार** — **सदस्य**
   वित्त अधिकारी
   इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

6. **डॉ. सुमन कुमार** — **सदस्य**
   वित्त अधिकारी
   जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

7. **आचार्य एस. विक्टर बाबू** — **सदस्य**
   इतिहास विभाग
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

8. **डॉ. अजय कुमार मोहंती** — **पदेन सचिव**
   वित्त अधिकारी
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

योजना मंडल

1. **आचार्य राज कुमार मित्तल**
   कुलपति
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

2. **आचार्य बाल चन्द्र यादव**
   संकायाध्यक्ष, भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

3. **आचार्य मनीष कुमार वर्मा**
   संकायाध्यक्ष, अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

4. **आचार्य सार्तिक बाग**
   विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

5. **आचार्य कुशेंद्र मिश्र**
   विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग
   बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

6. **आचार्य आर.एस. वर्मा**
   निदेशक, एमएनएनआईटी, प्रयागराज।

7. **आचार्य चंद्रशेखर**
   कुलपति,
   राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़।

8. **श्री अमिताभ तिवारी**
   अध्यक्ष, टीसीएस, लखनऊ

9. **डॉ. अशोक कुमार सिंह**
   निदेशक
   आईसीएआर–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली।

10. **मनोनीत किया जाना है**

11. **मनोनीत किया जाना है**

12. **वित्त अधिकारी**
    बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

13. **कुलसचिव**
    बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

स्केल और स्कोप पर गंभीरता से होगा काम : प्रो . राज कुमार

जासं • लखनऊ: एक साल से कार्यवाहक कुलपति के सहारे चल रहे बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में नए कुलपति प्रो.राज कुमार मित्तल ने मंगलवार को कार्यभार संभाल लिया। नई दिल्ली के गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल की नियुक्ति की पांच मार्च को हुई थी। कार्यभार संभालने से पांच साल या सेवानिवृत्त तक वह कुलपति बने रहेंगे। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प दोहराया। साथ ही विश्वविद्यालय कार्यप्रणाली से जुड़े तीन महत्वपूर्ण स्तंभ स्पीड, स्केल और स्कोप पर गंभीरता से कार्य करने की बात कही।

कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने विश्वविद्यालय की विजिटर (कुलाध्यक्ष) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का आभार जताया। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण स्तंभ स्पीड, स्केल और स्कोप पर बात करते हुए कहा कि स्पीड के माध्यम से विभाग संबंधी



नए कुलपति प्रो .राजकुमार मित्तल को बधाई देती प्रो . शिल्पी वर्मा व अन्य • जागरण

तेजी के साथ विकास किया जाएगा। स्केल के अंतर्गत शिक्षा के स्तर में बहुमुखी विकास का लक्ष्य रखा है, जिससे सभी विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का लाभ मिले। स्कोप के माध्यम से मूल्य आधारित शिक्षा, नये पाठ्यक्रमों की शुरुआत, तकनीकी, नवाचार, उद्यमिता एवं महिला सशक्तीकरण आदि के क्षेत्र में कार्य किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा प्रणाली का और भी बेहतरीन ढंग से विकास, विश्वविद्यालयं को राष्ट्रीय

- बीबीएयू के नए कुलपति प्रो.राज कुमार मित्तल ने कार्यभार संभाला
- विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प
- नये पाठ्यक्रमों की शुरुआत, तकनीकी, नवाचार पर होगा काम

के नए मापदंडों और सतत विकास लक्ष्यों के अनुसार विकसित करना एवं विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास मेरा

चुनौतियां भी कम नहीं....

कार्यभार संभालने के साथ ही नए कुलपति के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बीबीएयू के पूर्व कुलपति प्रो. संजय सिंह को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पिछले साल तीन मार्च को डा. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय का कुलपति बना दिया था। इसके बाद से विश्वविद्यालय कार्यवाहक कुलपति के सहारे चल रहा था। वर्तमान में प्रो .एसके द्विवेदी कार्यवाहक कुलपति के रूप में तैनात थे। उनसे पहले प्रो .एनएमपी वर्मा कार्यवाहक कुलपति थे। कार्यवाहक कुलपतियों के समय हुए कई निर्णयों को बदलने, विश्वविद्यालय को ए डबल प्लस की रैंकिंग में बनाए रखने, शैक्षणिक वातावरण को सुधारने की चुनौती होगी। न्यायालय द्वारा बहाल तत्कालीन कुलसचिव की नियुक्ति के साथ ही 20 करोड़ के आरोप की जांच कराने, गुटबाजी को खत्म करने को लेकर गठित समितियों की कार्य प्रणाली को सुधारना भी उनके सामने चुनौती से कम नहीं होगा।

Prof RK Mittal appointed as BBAU VC for 5 yrs

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Prof RK Mittal was appointed as the vice-chancellor of Dr Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (BBAU) on Wednesday.

A letter sent to the BBAU registrar by deputy secretary to the Government of India, Partha Kansabanik, stated that Prof Mittal will serve as the university's full-time vice-chancellor for a term of five years.



The letter further said that the President of India, in her capacity as the Visitor of BBAU, has appointed Prof Raj Kumar Mittal, Professor at Guru Gobind Singh Indraprastha University, New Delhi, as the vice-chancellor of BBAU for a period of five years from the date he assumes office or until he reaches the age of seventy, whichever is earlier.

A professor of management studies, Mittal has previously served as the vice-chancellor of Chaudhary Bansi Lal University, Haryana, and Teerthanker Mahaveer University, Moradabad. He has also held various key positions in different academic institutions throughout his career.

Speaking to TOI, he expressed his happiness and gratitude for the appointment. "With everyone's cooperation, I will shoulder the responsibility entrusted to me. It will take some time for me to join BBAU, Lucknow, as I am currently working at Guru Gobind Singh Indraprastha University, New Delhi," he said.

The post of BBAU's full-time vice-chancellor had been vacant for the past year. In Feb last year, former VC Prof Sanjay Singh completed his five-year term, after which Prof NMP Verma from the economics department was appointed as the acting V-C based on seniority until a new appointment was made. Prof Verma subsequently retired from his professorial duties at BBAU in Dec last year, and Prof SK Dwivedi from the environmental sciences department was designated as the officiating vice-chancellor until a full-time appointment was made.

श्रेष्ठता की रैंकिंग में बीबीएयू का दबदबा, पांच श्रेणियों में स्थान

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी की गई एनआईआरएफ रैंकिंग | 58 वें स्थान पर आया बीबीएयू, ओवरऑल श्रेणी में 69वें से | बीबीएयू को विविध श्रेणी में 33वीं, प्रबंधन में 86वीं, फार्मेसी में 21वीं, लॉ में 10वीं रैंक



सांकेतिक तस्वीर

केजीएमयू : डेंटल छोड़ हर श्रेणी में नुकसान

लखनऊ। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर (केबीएयू) केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एकल्क स्थान हासिल किया है। इससे पहले केबीएयू को 69 वां स्थान मिला था।

- पीजीआई ने सुधारी रैंक : पीजीआई को मेडिकल की श्रेणी में 72.07 अंकों के साथ 22वां स्थान मिला है। पिछले साल इसे 24वां स्थान मिला था।
- पहली बार शीर्ष 100 में संस्थान : एनआईआरएफ की रैंकिंग में पहली बार संस्थान को शीर्ष 100 में स्थान मिला है। इसे शीर्ष की श्रेणी में 97वां स्थान मिला।
- फार्मेसी में सर्वाधिक रुचिवर्धक स्थानांक में शीर्ष 50 : फार्मेसी की श्रेणी में केबीएयू ने 54.03 अंकों के साथ 47वां स्थान हासिल किया। पिछले साल इसे 51.78 अंकों के साथ 49वां स्थान मिला था। इसके अलावा रुचिवर्धक स्थानांक में शीर्ष 50 में स्थान हासिल किया है। केबीएयू इस श्रेणी में 42वें स्थान पर रहा।

सबसे अच्छी अवधारणा आईआईएम व केजीएमयू की

उपलब्धि के संबंधों में उसको उसकी उपलब्धता आईआईएम और केजीएमयू को है। आईआईएम ने उसका के मानकों में 100 में से 79.93 अंक हासिल किए हैं। केजीएमयू ने मेडिकल की श्रेणी में 41.74 अंक पाए हैं। एनआईआरएफ की रैंकिंग के पांच मानकों में से 100 अंक किसी संस्थान के हिस्से में हैं। इन्हीं में संस्थान के संसाधनों को शीर्ष संस्थानों के साथ साझा किया है। यही नहीं, संस्थान के संसाधनों में पीयर और रिव्यूअर के दृष्टिकोण से भी संस्थान को अच्छा माना गया है। इसके अलावा संस्थान के संसाधनों को शीर्ष संस्थानों के साथ साझा किया है। यही नहीं, संस्थान के संसाधनों में पीयर और रिव्यूअर के दृष्टिकोण से भी संस्थान को अच्छा माना गया है।

'Ranking & placement made BBAU top pick for students'

Along With Research Faculty: VC

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: It was a mix of good national and international ranking, high standards of research, qualitative faculty at the undergrad level and good student placement that made Babasaheb Bhimrao Ambedkar University as the third most preferred university by the candidates seeking admission at 28 higher education institutes of the country through CUET-UG.

In the CUET-UG 2024 applications, Delhi University was the first choice of candidates with 26 lakh applications for UG admissions followed by Banaras Hindu University with 8.4 lakh applications and BBAU with 5.1 lakh applications.

PREFERRED CHOICE

- BBAU is enlisted as Category 1 varsity by UGC
- A++ rating by NAAC
- Among top 100 univs of India
- Modern infrastructure
- Research strength
- Boasts of highly qualified teachers and good student-teacher ratio

Last year, BBAU was the second most preferred university in the country for postgraduate admissions. Both BBAU and Banaras Hindu University had attracted over 3 lakh candidates, who marked them as their first preference for pursuing postgraduate studies.

According to the varsity officials, its high number of citations, its top spots in the national and international ranking, student-centric facilities and a host of other such factors made BBAU one of the top choices of students for graduation.

"Higher education is all about having strong research and teaching activities. Talking about research, the number of BBAU's citations in top journals are almost equal to central universities of the country, like Jawaharlal Nehru University" said BBAU vice-chancellor Prof Sanjay Singh.

He said also BBAU has A++ grade from the National Assessment Accreditation Council while it has been enlisted in the category 1 university of the University Grants Commission and is consistently improving its ranking in the National Institutional Ranking Framework (NIRF). BBAU not only figured among the top 100 academic institutions of the country but also significantly improved its ranking from 78 last year to 69 last year.

"A student wants good teachers and research environment, modern infrastructure and campus placement. For the last five years in a row BBAU has done exceptional well in all three dimensions" said the VC.

"At present, we have ideal student-teacher ratio, we have established new hostels for students and initiated innovation in academic and extra-curricular activities. A post of dean, research and development, has been created to promote collaboration, consultancy services based on principles of public private partnership," the official

BBAU finds 20 plant species to combat air pollution on highways

Mohita.Tewari
@timesofindia.com



ROOTING FOR GREEN BELTS

Lucknow: Research conducted by faculty members of Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (BBAU) identified 20 plants with a high Air Pollution Tolerance Index (APTI), indicating their ability to tolerate high levels of air pollution. These plants are suitable for planting along highways to help combat air pollution. The study was published in Springer Nature's journal Air Quality, Atmosphere and Health.

The 20 indigenous plant species shortlisted are: Oleander (commonly called pink Kaner), Sapta parna, Indian beech tree (commonly Karanj), Gray Mold, Ramphal, Castor plant, Neem, Ashoka, Kadamb, Peepal, Champa, Mango, Guava, Amaltas, Harsingar, Trumpet flower, Hibiscus, Fiery Costus, Chinar, and Earleaf Acacia.

Prof Narendra Kumar of the department of environmental science led the six-member research team, which screened the tolerance of these plants towards air pollution by considering their biochemical composition and socio-economic attributes.

Kumar explained that APTI categorises plants into three groups based on pollution tolerance (sensitive, intermediate tolerant, and tolerant). Plants in the tolerant category have superior APTI values, indicating enhanced resistance to air pollution and suitability for urban pollution control. They retain suspended particulate matter efficiently between 40% and 80%. This means the dust-capturing potential (DCP) varied between 0.38 and 1.05 mg/sq-are cm. Plants with broad leaves and rough surfaces are more effective in capturing dust compared to those with small and smooth leaf structures.

Plants with lower APTI scores serve as biological indicators of air quality due to their sensitivity to pollution. "We have shortlisted plants that can be very effective in lowering air pollution levels based on their dust-capturing potential, their ability to sustain high pollution levels without adversely affecting their biochemistry" said Prof Narendra. He said that the findings supported the development of green belts along highways as a cost-effective and eco-friendly strategy for air pollution

2ND INSTITUTION OF CITY TO GET THE HONOUR

UGC upgrades BBAU to Category-I university status

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The University Grants Commission (UGC) granted the status of category-I university to Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (BBAU) on Monday.

The status would empower BBAU with greater academic and administrative autonomy in designing curriculum, starting new courses, appointing foreign faculty, and engaging in academic collaborations without UGC approval.

Category 1 status is given by UGC to academic institutes that are awarded NAAC scores of more than 3.51. BBAU has the score of 3.72, which is currently the highest among central universities. BBAU is the second institution from the city after Lucknow University to get category 1 status. "We are elated to achieve category-1 status. This will give us greater academic autonomy eventually benefitting our students and teachers," said BBAU controller of examination Vikram Singh Yadav. "Now, BBAU can initiate new curriculum or skill course, run distance learning courses, establish research parks, incubation or innovation centres, and engage foreign professors and others without the approval of UGC. BBAU will also get govt grants easily and will not need any campus inspections or approvals to move ahead with academic decisions," Yadav said.

BBAU vice-chancellor Prof Sanjay Singh said, "BBAU was recently awarded A++ grade by the NAAC for scoring 3.72 out of 4. The university also secured 42nd position in National Institution Ranking Framework (NIRF), 204th position in South Asia ranking and star rating of 3.5 by Institution Innovation Council. All these achievements made us eligible to be a category 1 university."

"BBAU will generate more resources so that quality of education and infrastructure can be improved. Besides, BBAU will create a new image in the academic field on the global stage," the VC said.

GREATER AUTONOMY ON CARDS

- Univ can start courses directly in line with National Skills Qualification Framework (NSQF) by intimating UGC
- Can open off-campus centres and units within geographical jurisdiction without UGC approval
- Univ can charge foreign students fees without any restrictions, engage in academic collaboration with foreign educational institutions without UGC approval

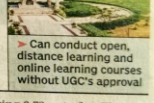

- Can conduct open, distance learning and online learning courses without UGC's approval

बीबीएयू के 13 प्रोफेसरों ने हासिल की उपलब्धि

जासं • लखनऊ: बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के 13 शिक्षकों ने एक प्रतिष्ठित सूची में शामिल किया गया है। उन्हें विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल किया गया है। यह सूची स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका के प्रोफेसर जॉन आयोनिडिस के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा तैयार की गई है। इस सूची में वैज्ञानिकों को उनके शोध प्रकाशन की संख्या, गुणवत्ता और साइटेशन के आधार पर शामिल किया जाता है।

यह सूची 22 प्रमुख वैज्ञानिक क्षेत्रों और 174 उपक्षेत्रों में वैज्ञानिकों के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की गई है। इसमें वैज्ञानिकों के पूरे करियर डाटा को ध्यान में रखकर उनके शोध के प्रभाव को मापा जाता है। बीबीएयू के इन 13 शिक्षकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर इस प्रतिष्ठित सूची में अपनी जगह बनाई है। बीबीएयू के कुलपति प्रो. एनएमपी वर्मा ने इन शिक्षकों को उनकी इस असाधारण उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए इन्हें विश्वविद्यालय का गौरव बताया है।

शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में कुलपति

प्रो. अब्बास शाबिल ... स्टैनफोर्ड

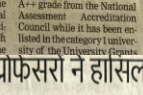

• विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में हुए शामिल स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने तैयार वैज्ञानिकों की सूची

टाप- दो प्रतिशत में ये प्रोफेसर शामिल

- प्रो. नवीन कुमार अरोरा : इनेवेटिव एंड स्ट्रेटीजिक टेक्नोलाजीज के क्षेत्र में 20,605 रैंक।
- प्रो. राम नरेश मार्गव : डार्य और एप्लायमेंटल साइंसेज के क्षेत्र में 26,140 रैंक।
- प्रो. राम चंद्रा : एप्लायमेंटल साइंसेज के क्षेत्र में 26,719 रैंक।
- डा. जयशंकर सिंह : एग्रीकल्चर, फिशरीज एंड फारेस्ट्री के क्षेत्र में 36,418 रैंक।
- डा. आदित्य खन्नारिया : इन्फार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलाजीज में 63,716 रैंक।
- प्रो. बाल चंद्र यादव ,डीन प्रो. राजेश कुमार : इनेवेटिव एंड स्ट्रेटीजिक टेक्नोलाजीज में क्रमशः 1,17,651 और 1,36,484 रैंक।
- डा. दितीप कुमार : इन्फार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलाजीज में 2,00,129 रैंक।
- प्रो. वीरस भटोरिया : इंजीनियरिंग में 2,23,715 रैंक।
- डा. अभिषेक वर्मा : इन्फार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलाजीज में 2,69,569 रैंक।
- डा. मुकेश कुमार अलस्थी : इंजीनियरिंग में 3,67,289 रैंक।
- प्रो. गौरव देवबाला : बिलियोलस मेडिसिन में 3,87,743 रैंक।
- प्रो. देवेश कुमार : फैमिस्ट्री में 4,38,530 रैंक।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी विश्व के टाप दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में एस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अब्बास शाबिल शामिल हैं। वह लगातार चार वर्ष से इस सूची में आ रहे हैं। उनके 415 अधिक प्रकाशन, 33 पुस्तकें सहित कई पाठ्यक्रमों प्रकाशित हो चुकी हैं।

हाथ में बंधी डिवाइस रोकेगी महिला अपराध

बीबीएयू में हैकाथॉन में छात्रों ने पेश किए अडवांस मॉडल

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ: बीबीएयू के छात्र महिला अपराध रोकने के लिए ऐसी डिवाइस बना रहे हैं, जिसे हाथ में घड़ी की तरह बांधा जा सकेगा। कोई भी खतरा होने पर यह डिवाइस पुलिस और घरवालों को अलर्ट भेजकर लोकेशन भी बताएगी। इसमें कैमरा लाइव फोटो भी कैप्चर करेगा, जिससे अपराधियों की पहचान हो सकेगी। बीबीएयू में केंद्र सरकार की ओर से आयोजित हैकॉथन में बीटेक के छात्रों ने इसका प्रोटोटाइप पेश किया।

पानी की बरबादी रोकेगी डिवाइस

■ डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स के छात्र दीपक कुमार ने स्मार्ट इरिगेशन डिवाइस का प्रोटोटाइप तैयार किया है। इससे खेतों में पानी की बरबादी रोकी जा सकेगी। दीपक ने बताया कि यह डिवाइस लगाने से एक निश्चित समय के लिए मोटर ऑन होगा और बंद हो जाएगा। इससे जितनी जरूरत होगी, उतना ही पानी खेतों में जाएगी।

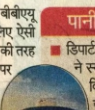

बीबीएयू में आईटी विभाग की ओर से रविवार से शुरू हुए दो दिवसीय हैकॉथन में कुल दस टीमों का प्रोटोटाइप चयनित किया गया। इनमें पब्लिक ट्रांसपोर्ट की लाइव ट्रैकिंग, पानी बच समेत कई मॉडल हैं। इसके नोडल डॉ. पीके चौरसिया ने बता अब ये टीमें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा ले इसके बाद जो डिवाइस चयनित होगी उसका निर्माण हो सकें

उज्बेकिस्तान में पुरस्कृत हुए बीबीएयू के प्रो .नवीन अरोड़ा

जासं • लखनऊ : बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा को उज्बेकिस्तान सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया गया। प्रो. अरोड़ा को यह सम्मान उज्बेकिस्तान सरकार के कृषि मंत्रालय की प्रमुख संस्था फर टेरनेशनल स्टेटजिक सेंटर फार एग्री-फूड टेक्नोलमेंट द्वारा टेरनेशनल कांफ्रेंस आफ इकोलाजी, नवायरमेंट एंड सस्टेनेबल डेलपमेंट-2024 कार्यक्रम में पर्यावरणीय स्थिरता और सतत विकास के क्षेत्र में अनुकरणीय गदान के लिए दिया गया। यह स्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एमपी. वर्मा ने प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा को बधाई दी।

नेशनल यूनिवर्सिटी आफ बेकिस्तान और नेशनल रिसर्च बर्सिटी के साथ मिलकर पर्यावरण



उज्बेकिस्तान में पुरस्कृत हुए अंबेडकर विवि के प्रो .नवीन अरोड़ा • बीबीएयू

शोध कर 100 एकड़ बंजर भूमि को बनाया उपजाऊ

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पृथ्वी एवं पर्यावरण विभाग के शोध में मिली सफलता

सतीश संगम

लखनऊ। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के पृथ्वी एवं पर्यावरण विभाग के शोध से 150 किसानों की जिंदगी बदल गई। साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन इन हार्टिकल्चर एनवायरमेंट नामक शोध से कानपुर देहात जिले में करीब 100 एकड़ बंजर भूमि को उपजाऊ भूमि बनाया गया। कृषि कार्य के जरिए किसानों की न केवल आमदनी बढ़ी है बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

बीबीएयू के पृथ्वी एवं पर्यावरण साइंस विभाग के प्रोफेसर नवीन कुमार अरोड़ा ने इस संबंध में बताया कि बीबीएयू और हैदराबाद की श्री बाग्गी एग्रोटेक कंपनी के बीच हुए एमओयू के तहत बंजर भूमि पर



बीबीएयू की टीम ने कानपुर देहात के उमरी गांव में किया बंजर भूमि पर शोध। फोटो : स्वयं

शोध किया जा रहा है। इसी क्रम में कानपुर देहात जिले के उमरी, ताजपुर, रहेली आदि गांवों की करीब 100 एकड़ बंजर भूमि जिस पर लंबे समय से खेती नहीं हो रही थी, उस पर शोध किया गया। इस शोध कार्य में बीबीएयू के सिनर्जी स्कालर फाजिया, जीतेंद्र, जयप्रकाश, दिया, प्रियंका, चंदा और श्रद्धा शामिल रहे। कई अन्य विद्यार्थियों को भी रोजगार के अवसर मिले।

प्रो. अरोड़ा ने बताया कि उमरी व अन्य गांवों की मिट्टी बेहद खराब होने की वजह हिमालयन प्रदेश के करीब 15 गांवों में पूरे किसानों के मिलने पर जैविक तकनीक का प्रयोग किया गया और मात्र दो साल अंदर इसे उपजाऊ भूमि बनाने में सफलता मिली। उन्होंने बताया कि पर्यावरण विभाग कानपुर देहात के अलावा उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में भी इस तरह का शोध कार्य में सफलता पाई है। अब यहां इस तरह की फसल हो रही है। (संवाद)

जैविक तकनीक से ऑर्गेनिक कार्बन में हुआ सुधार

■ प्रोफेसर नवीन कुमार अरोड़ा ने बताया कि बंजर भूमि में अधिक तकनीक से न केवल मिट्टी में सुधार हुआ बल्कि उपजाऊ भूमि बनने में सफलता मिली। इसके लिए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय और श्रीराम सामी संस्थान के अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ। इस तरह के प्रयोग से मिट्टी में नमी लाने के लिए कार्य किया गया। मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ाने के लिए कार्य किया गया। इसके लिए बायोचार, केंचुआ खाद, वर्मी कंपोस्ट और माइक्रोबियल कंसोर्टिया का प्रयोग किया गया। इससे मिट्टी में नमी लाने के लिए कार्य किया गया। इसके लिए बायोचार, केंचुआ खाद, वर्मी कंपोस्ट और माइक्रोबियल कंसोर्टिया का प्रयोग किया गया। इससे मिट्टी में नमी लाने के लिए कार्य किया गया।

धरती से दुर्लभ तत्वों को जीवाणुओं की मदद से निकालेगा बीबीएयू

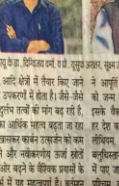

• जीवाणुओं की मदद से निकालने के लिए सरकार से मिला अनुदान

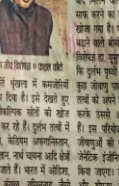

• इस शोध से दुर्लभ तत्वों की तस्कर भारत की निर्भरता होगी

बीबीएयू के डा. दिनेशकर वर्मा, रो.डी. दुबुरु आजर, सुरभ तीर विशेषज्ञ • जागरण फोटो

लखनऊ: अब धरती के अंदर पाए जाने वाले लैंथेनम, सेरियम जैसे दुर्लभ तत्वों को जीवाणुओं की मदद से जैविक तरीके से बाहर निकाला जाएगा। देश में पहली बार धरती के अंदर से निकलने वाले दुर्लभ तत्वों के शोधन के लिए केमिकल की जगह जीवाणुओं की मदद ली जाएगी। इसके लिए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय और श्रीराम सामी संस्थान के अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ। इस शोध से दुर्लभ तत्वों को लेकर भारत की निर्भरता घटेगी।

दुर्लभ पृथ्वी तत्वों का हनीमोन कोच, बल्ब, रडुबलाट, चुंबक, हार्ड डी, कन्वर्टर, इंटरनेट के उपकरण, सोलर कंडक्टर, पवनचक्कर, रसायन, दवाई, सूक्ष्म प्रौद्योगिकी, वागण इंडस्ट्रीज • लखनऊ: अब धरती के अंदर पाए जाने वाले लैंथेनम, सेरियम जैसे दुर्लभ तत्वों को जीवाणुओं की मदद से जैविक तरीके से बाहर निकाला जाएगा। देश में पहली बार धरती के अंदर से निकलने वाले दुर्लभ तत्वों के शोधन के लिए केमिकल की जगह जीवाणुओं की मदद ली जाएगी। इसके लिए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय और श्रीराम सामी संस्थान के अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ। इस शोध से दुर्लभ तत्वों को लेकर भारत की निर्भरता घटेगी।

दुर्लभ पृथ्वी तत्वों का हनीमोन कोच, बल्ब, रडुबलाट, चुंबक, हार्ड डी, कन्वर्टर, इंटरनेट के उपकरण, सोलर कंडक्टर, पवनचक्कर, रसायन, दवाई, सूक्ष्म प्रौद्योगिकी, वागण इंडस्ट्रीज • लखनऊ: अब धरती के अंदर पाए जाने वाले लैंथेनम, सेरियम जैसे दुर्लभ तत्वों को जीवाणुओं की मदद से जैविक तरीके से बाहर निकाला जाएगा। देश में पहली बार धरती के अंदर से निकलने वाले दुर्लभ तत्वों के शोधन के लिए केमिकल की जगह जीवाणुओं की मदद ली जाएगी। इसके लिए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय और श्रीराम सामी संस्थान के अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ। इस शोध से दुर्लभ तत्वों को लेकर भारत की निर्भरता घटेगी।

माध्यम से साफ करने निकाल जाता था। इससे वातावरण केमिकल घटते थे। इसके बजाय जीवाणुओं के गांव में दुर्लभ पृथ्वी तत्व एकत्रित हो गए तो उन्हें आसानी से निकाल जाएगा। यह खुलासे हैं खनन से मिलने जैविक ढंग से खनन से मिलने वाले दुर्लभ तत्वों को केमिकल का से सस्ते होंगे। ऐसे होंगे में सूक्ष्म इस्तेमाल करने से दुर्लभ खाइयों को जीवों से दुर्लभ तत्वों को प्राप्त नुकसान भी होता है। अब खनन के किया जा सकेगा। उन्होंने बताया बाद मिलने वाले दुर्लभ तत्वों को कि इस विधि के लिए अभी 40 साफ करने का एक जैविक तरीका लाख रुपये का अनुदान मिला है। खोजा गया है। परंपरागत के आगे यह वैज्ञानिक मेक इन इंडिया और बढ़ने वाले केमिस्ट्री के सूक्ष्म जीव स्वच्छ और हरित ऊर्जा की चाल विधियां हैं। सुक्ष्म जीवों ने बताया को और आसानी तक ले जाएगी। की दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के खनन में निर्माण पर निर्भरता को कम करके कुछ जीवाणु पाए जाते हैं। जो ऐसे और केमिक दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के तत्वों को अपने शरीर में अवशोषित बाजार में भारत की पूंजीमा को कर लेते हैं। वैज्ञानिक इन्हें बढ़ाया जा सकेगा। इसके साथ ही जीवाणुओं की मदद से निकालने भारत की निर्भरता घटेगी।

कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

1. परिचय

कृषि ने आजीविका के स्रोत, राष्ट्रीय राजस्व में योगदान, भोजन की आपूर्ति के साथ–साथ चारा, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्व, विपणन योग्य अधिशेष, कच्चे माल का स्रोत, परिवहन में महत्व, विदेशी मुद्रा संसाधन, महान रोजगार के अवसर, आर्थिक विकास, बचत का स्रोत, खाद्य सुरक्षा आदि की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उद्योग और सेवाओं के क्षेत्र में भारत द्वारा की गई जबरदस्त प्रगति के बावजूद, कृषि भारत की 2 ट्रिलियन अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत में लगभग 58 प्रतिशत घर खेती पर निर्भर करते हैं। कृषि, भारत के आर्थिक विकास में एक अहम योगदानकर्ता बनी हुई है, न सिर्फ सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अपनी हिस्सेदारी के कारण, बल्कि महत्वपूर्ण कच्चे माल पैदा करके और फनलिंग, बचत और खपत के व्यवहार के जरिए भी, जिस पर कई औद्योगिक विकास की बिक्री निर्भर करती है। औद्योगिक उत्पादों को बढ़ावा देने में भी करती है।

एक अवधारणा के रूप में कृषि भी बढ़ी है। एक या दो दशक पहले, यह केवल बुनियादी फसलों (अनाज, बाजरा, दालों, तेल फसलों, फाइबर फसलों, गन्ना, कॉटन और आलू) के उत्पादन से जुड़ा हुआ था। आधुनिक कृषि में वानिकी, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, मुर्गी पालन, डेयरी, मत्स्य पालन और उच्च तकनीक बागवानी उत्पादन शामिल हैं जिसमें वृक्षारोपण और औषधीय और सुगंधित पौधे शामिल हैं।

सीमित प्राकृतिक संसाधनों के कारण जैसे खेती योग्य भूमि क्षेत्र का सिकुड़ना, जल स्तर में कमी, खराब मिट्टी के स्वास्थ्य और भारी जनसांख्यिकी दबाव, गरीब, अशिक्षित और कम उपयोग किए गए मानव संसाधनों का एक विशाल बहुमत, हमारे शहर तेजी से संयुक्त राष्ट्र के टिकाऊ होते जा रहे हैं। बागवानी फसलों की पेरी–शहरी खेती शहरी गरीबों को नियोजित करने के लिए एक समाधान है, साथ ही साथ निर्मित पर्यावरण में सुधार भी है। शहरी इलाकों में बागवानी फसलों की खेती, शहरी गरीबों को नौकरी दिलाने और साथ ही बने हुए माहौल को बेहतर बनाने का एक तरीका है। आम तौर पर खेती और खास तौर पर बागवानी के महत्व को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय ने कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ (एसएएसटी) के नाम से एक नया विद्यापीठ खोला है, जो शैक्षणिक सत्र 2017–18 में अस्तित्व में आया।

2. विभागों की संख्याः

i. बागवानी विभाग, जिसे पहले अनुप्रयुक्त पादप विज्ञान विभाग (बागवानी) के रूप में जाना जाता था, अभी वर्तमान में मौजूद है।
ii. आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग (प्रस्तावित)

3. प्रत्येक विभाग में संकाय की संख्याः

- **आचार्य संजय कुमार**
  वरिष्ठ आचार्य
  विशेषज्ञताः कृषि विज्ञान के अंतर्गत बागवानी में सब्जी विज्ञान
  योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)
- **आचार्य दीपा एच. द्विवेदी**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः फल विज्ञान (फल विज्ञान)

योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)

- **डॉ. एम. एल. मीणा**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः कृषि विज्ञान के अंतर्गत बागवानी
  योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)
- **डॉ. गुलाब चंद यादव**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः सब्जी प्रजनन
  योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)
- **डॉ. सुतनु माजी**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः फल विज्ञान (बागवानी)।
  योग्यताः एम.एससी. (बागवानी), पीएच.डी. (बागवानी)
- **डॉ. रविशंकर वर्मा**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः फल विज्ञान (फल विज्ञान)
  योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)
- **डॉ. रूबी लता**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः फल और सजावटी फसलों की उत्पादन तकनीक
  योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)

4. विद्यापीठ की खास बातें, अगर कोई हों:

शुरुआत में, विश्वविद्यालय ने बागवानी में एक वर्ष (दो सेमेस्टर) पीजी डिप्लोमा की पेशकश शुरू की शैक्षिक सत्र 1997–98 से सेंटर फॉर रूरल टेक्नोलॉजी (सीआरटी) के तहत 'बीज और नर्सरी उत्पादन' जो सत्र 2000–01 तक जारी रहा। इसके अलावा, जैव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ के तहत अनुप्रयुक्त पादप विज्ञान (बागवानी) विभाग के निर्माण के बाद शैक्षणिक सत्र 2001–02 से पाठ्यक्रम को बागवानी में परास्नातक डिग्री कार्यक्रम में अपग्रेड किया गया था। बाद में, विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2003–04 से बागवानी में पीएच.डी. कार्यक्रम शुरू किया। तब से, विभिन्न बागवानी फसलों यानी फल विज्ञान (पोमोलॉजी), सब्जी विज्ञान (ओलेरीकल्चर) और फूलों के उत्पादन (फ्लोरिकल्चर) पर शोध करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिसमें औषधीय और सुगंधित पौधे, मसाले और मसाले और सजावटी जलीय पौधे शामिल हैं ताकि उनके उत्पादन और उत्पादकता, संरक्षण और उपयोग में सुधार हो सकें।

प्रयोगों (अनुसंधान परीक्षण) के संचालन के लिए, विभाग में दो बागवानी अनुसंधान फार्म और विभिन्न प्रकार के अत्याधुनिक प्रयोगशाला और ग्रीन हाउस संरचनाएं जैसे फाइबर ग्लास हाउस, पॉली हाउस, शेड नेट हाउस और वायर नेट हाउस हैं। इसके अलावा विभाग साप्ताहिक आधार पर विशेष रूप से अंतिम वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर) के छात्रों को उनके अभिविन्यास/संचार कौशल को बढ़ाने और बागवानी के विभिन्न पहलुओं पर उनके बीच सामान्य जागरूकता पैदा करने के लिए नियमित रूप से सेमिनार का

आयोजन करता है। विभाग छात्रों को बागवानी फसलों पर संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला, प्रदर्शनी, किसानों के मेले आदि में भाग लेने/भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके अलावा, प्रत्येक वर्ष विभाग के छात्रों को एनबीआरआई, बागवानी यूपी सरकार निदेशालय, राज भवन द्वारा आयोजित 'फ्लावर शो' में भाग लेने की अनुमति है; फल नर्सरी सीआईएमएपी, आईआईएसआर में किसानों के मेले के प्रोगेनी ऑर्चर्ड, मलिहाबाद और प्रदर्शनी सीआईएसएच, लखनऊ के माध्यम से कृषि प्रौद्योगिकियों/ नवाचार के आम शो/शोकेसिंग का दौरा करने अनुमति दी जाती है।

5. विद्यापीठ का साइटेशन–इंडेक्सः शून्य

6. कोई अन्य जानकारीः शून्य

उद्यान विभाग

विभाग का परिचय

बागवानी विभाग की स्थापना 2001 में जैव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ के तहत की गई थी और अब यह कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ (एसएएस एंड टी) का हिस्सा है। प्रारंभ में, बीज और नर्सरी उत्पादन में एक पीजी डिप्लोमा (1997–2001) की पेशकश की गई थी, जिसे बाद में एम.एससी. (बागवानी). वर्तमान में विभाग बी. वोक. (फूलों की खेती और लैंडस्केप बागवानी), एम.एससी. (उद्याान) फल विज्ञान, एम.एस.सी. (उद्याान) वनस्पति विज्ञान और पीएच.डी. (उद्याान) फल विज्ञान, पीएच.डी (उद्याान) वनस्पति विज्ञान में प्रदान करता है। विभाग विशेष रूप से फल और सब्जियों के साथ–साथ सजावटी पौधों, औषधीय और सुगंधित फसलों के साथ–साथ संरक्षित खेती, जैव विविधता संरक्षण और कौशल विकास में शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार पर जोर देता है।

विभाग की ताकत

- अत्यधिक योग्य विविध संकाय (बागवानी में पीएच.डी के साथ आचार्य, उपाचार्य और सहायक आचार्य)।
- **आधुनिक सुविधाएंः** स्मार्ट क्लासरूम, अच्छी सुविधाओं वाली च्ळ/चे.क. लैब, हॉर्टिकल्चर रिसर्च फार्म, फ्रूट जर्मप्लाज्म ब्लॉक, ग्रीनहाउस स्ट्रक्चर, माइक्रो–इरिगेशन सिस्टम।
- कई प्रकाशने, किताबें और पुरस्कार (जैसे, एच.बी. सिंह अवॉर्ड, यंग वुमन साइंटिस्ट अवॉर्ड) के साथ मजबूत शोध अध्येता।
- सिविल सेवा चयन और उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियों और शिक्षण पदों में सफल छात्र प्रगति।
- नई फसलों, बॉटनिकल उद्यान (20 एकड़) और जैव विविधता संरक्षण पार्क (10 एकड़) के नए फलों के बगीचों का विकास अद्वितीय संसाधनों के रूप में।
- विशिष्ट बी.वॉक प्रोग्राम जो रोजगार और उद्यमिता कौशल को बढ़ाता है।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)



- नई प्रयोगशाला सुविधाओं (जैसे, वैद्युतकण संचलन इकाई, पोर्टेबल पत्ती क्षेत्र मीटर) की स्थापना।
- सहयोगी अनुसंधान और छात्र इंटर्नशिप के लिए उद्योग संबंधों और समझौता ज्ञापन को मजबूत करना।
- एनईपी 2020 के साथ संरेखित नए कौशल–आधारित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पेश करें।
- हाइड्रोपोनिक्स, ऊर्ध्वाधर खेती, और जलवायु–लचीला प्रौद्योगिकियों पर ध्यान देने के साथ उच्च तकनीक बागवानी अनुसंधान का विस्तार करें।
- ज्ञान के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार/सम्मेलन आयोजित करना।
- छात्र परामर्श और प्लेसमेंट समर्थन के लिए पूर्व छात्रों की भागीदारी को मजबूत करना।

1. पाठ्यक्रम संबंधी पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास/पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन



- विभाग एम.एससी. (बागवानी) फल विज्ञान और सब्जी विज्ञान में, पीएच.डी. (बागवानी), और बी. वोक. (फूलों की खेती और लैंडस्केप बागवानी) प्रदान करता है।
- बीज और नर्सरी उत्पादन में परास्नातक डिप्लोमा (1997–2001) को एम.एससी. (उद्यान) 2001–2002 में।
- रोजगार, उद्यमिता और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए पाठ्यक्रम (खासकर बी.वोक. कार्यक्रम)।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- विकल्प आधारित स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट अनुसंधान कार्यक्रम (फल विज्ञान, सब्जी विज्ञान) प्रदान करता है।
- कौशल विकास के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का एकीकरण।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

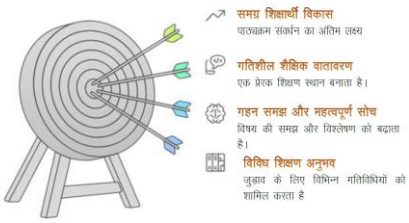

- उच्च तकनीक बागवानी प्रशिक्षण (ग्रीनहाउस प्रौद्योगिकी, संरक्षित खेती, सूक्ष्म सिंचाई, उच्च घनत्व रोपण)।
- जैव विविधता संरक्षण पहल (बॉटनिकल गार्डन, जैव विविधता पार्क)।
- सतत विकास लक्ष्यों के साथ जुड़े पाठ्यक्रम।

1.4 प्रतिक्रिया प्रणाली

- छात्रों द्वारा फीडबैक फॉर्म भरे जाते हैं।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- एम.एस.सी. और पीएच.डी. नामांकन चल रहा है; परास्नातक प्रस्तुति और पीएच.डी. प्रदत्त के डेटा उपलब्ध (17 पीएच.डी./एमएस.सी 2024 में प्रस्तुतियाँ)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- सिविल सेवा (बीपीएससी, यूपीपीएससी, आरपीएससी), उच्च शिक्षा, बैंकिंग सेवाओं, निजी और सार्वजनिक नौकरियों में चयनित छात्र–व्यापक अनुकूलनशीलता का संकेत देते हैं।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक शिक्षण सहायक उपकरण, अनुसंधान फार्म, और प्रयोगशाला उपकरण।
- जर्मप्लाज्म रखरखाव, जलीय पौधों और संरक्षित खेती के साथ हाथों पर प्रशिक्षण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

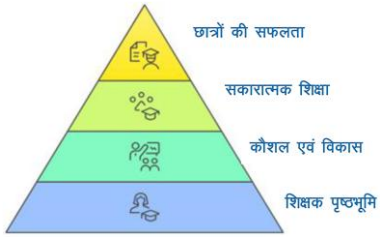

- संकाय की संख्याः 7 संकाय सदस्य (4 आचार्य, 1 उपाचार्य और 2 सहायक आचार्य) पीएच.डी. के साथ फल और सब्जी विज्ञान में विशेषज्ञता।
- संकाय सदस्य शैक्षणिक निकायों, बीओएस, और अन्य विश्वविद्यालयों में मूल्यांकनकर्ताओं/परीक्षकों के रूप में शामिल हैं।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- थीसिस, वाइवा वॉयस और व्यावहारिक के माध्यम से अनुसंधान–उन्मुख निरंतर मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- सिविल सेवा चयन (बीपीएससीः 13, यूपीपीएससीः 3, आरपीएससीः 3)।
- शिक्षण, सरकारी नौकरियों और निजी कंपनियों में प्लेसमेंट।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

पूर्व छात्रों की बैठक के साथ आवधिक छात्र शिक्षक बैठक आयोजित की गई है, जहां छात्रों की प्रतिक्रियाओं को दर्ज किया गया है और संभावित समाधान पर चर्चा की गई है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- अनुसंधान फ़ार्म, नए फलों के जर्मप्लाज़म ब्लॉक, ग्रीनहाउस, सूक्ष्म–सिंचाई प्रणाली।
- प्रयोगशाला उपकरण (स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, सेंट्रीफ्यूज, रोटरी बाष्पीकरणकर्ता, आदि)।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



शोध के लिए संसाधन जुटाना

- उत्पादित विभागीय फसल को विश्वविद्यालय आय सृजन के लिए बेचा गया है।
- छात्रों को उनके अनुसंधान और व्यावहारिक कक्षाओं के लिए आवश्यक रसायन और कृषि उपकरण प्रदान किए जाते हैं।
- विभागीय छात्र अनुसंधान फार्म विकास जैसे सफाई, प्रशिक्षण, छंटाई आदि में लगे हुए हैं।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- संरक्षित खेती, जैव विविधता संरक्षण पार्क, और ऊर्ध्वाधर हाइड्रोपोनिक्स अनुसंधान।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- संकाय (2024–25) द्वारा प्रकाशित कई शोध पत्र (75), किताबें (6), पुस्तक अध्याय (32), और पत्रिका लेख (22)।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रस्तुतियां– राष्ट्रीय– 9, अंतर्राष्ट्रीय –10
- पुरस्कारः बीबीएयू (डॉ. सुतनु माजी) से अनुसंधान और अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार एचबी सिंह पुरस्कार (डॉ. आरएस वर्मा), युवा महिला वैज्ञानिक पुरस्कार (डॉ. रूबी लता)।

3.5 परामर्शदाता

- शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- पूरे परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम।
- हरियाली, जैव विविधता संरक्षण का विकास।

3.7 सहयोग

- शून्यः औपचारिक एमओयू।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

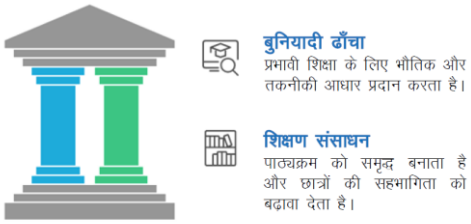

4.1 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट कक्षाएं, अनुसंधान प्रयोगशालाएं, कृषि सुविधाएं।
- विदेशी और स्वदेशी फल फसलों, बॉटनिकल गार्डन (20 एकड़), जैव विविधता संरक्षण पार्क (10 एकड़) का नया बाग।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- डिपार्टमेंट के स्टूडेंट के लिए एक डिपार्टमेंटल लाइब्रेरी रखी जा रही है, जहां स्टूडेंट किताबें, मैगज़ीन, थीसिस वगैरह पढ़ या ले सकते हैं।
- विभाग के छात्र के लिए एक विभागीय पुस्तकालय रखा जा रहा है जहां छात्र पुस्तकें, पत्रिका थीसिस आदि पढ़ या ले सकते है।

4.3 आईटी अवसंरचना

- स्मार्ट कक्षा की सुविधा, शिक्षण में आईसीटी उपकरणों का उपयोग।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- हरियाली और वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू किए गए।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- रोजगार के लिए व्यावसायिक और कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रम।

5.2 छात्र प्रगति

- सिविल सेवाओं, उच्च शिक्षा, अनुसंधान, शिक्षण और निजी नौकरियों को करने वाले स्नातक छात्र।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सह पाठयक्रमः जर्मप्लाज्म रखरखाव, हाई–टेक बागवानी परियोजनाएं।
- पाठ्येतरः वृक्षारोपण और परिसर का हरियाली विकास।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- सीमित उल्लेख; कुछ संकाय बीबीएयू के पूर्व छात्र हैं।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विद्यापीठ द्वारा आयोजित स्कूल बोर्ड, बीओएस और अनुसंधान समितियों में नेतृत्व की भूमिका।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- व्यावसायिक और कौशल आधारित शिक्षा को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित करना।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- राष्ट्रीय शैक्षणिक निकायों, संपादकीय बोर्डों और नीतिगत भूमिकाओं में लगे संकाय।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- स्पष्ट रूप से प्रलेखित नहीं (गैप)।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आचार्य एमएल मीणा की अध्यक्षता में विभागीय एनएएसी समिति का गठन किया गया।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- जैव विविधता पार्कों का विकास और पारिस्थितिक स्थिरता के लिए हरियाली का विकास।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- हाई–टेक बागवानी (संरक्षित खेती, हाइड्रोपोनिक्स)।
- कौशल आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण का एकीकरण।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- विश्वविद्यालय में केवल विभाग बी.वोक (फूलों की खेती और लैंडस्केप बागवानी) की पेशकश कर रहा है।
- छात्रों द्वारा मजबूत सिविल सेवा चयन।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट)

8.1 शैक्षिक विवरण

- **आचार्य संजय कुमार**
  वरिष्ठ आचार्य
  विशेषज्ञताः कृषि विज्ञान के अंतर्गत बागवानी में सब्जी विज्ञान
  योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)
- **आचार्य दीपा एच. द्विवेदी**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः फल विज्ञान (फल विज्ञान)
  योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)
- **डॉ. एम. एल. मीणा**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः कृषि विज्ञान के अंतर्गत बागवानी
  योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)
- **डॉ. गुलाब चंद यादव**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः सब्जी प्रजनन
  योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)
- **डॉ. सुतनु माजी**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः फल विज्ञान (बागवानी)।
  योग्यताः एम.एससी. (बागवानी), पीएच.डी. (बागवानी)
- **डॉ. रविशंकर वर्मा**

सहायक आचार्य
विशेषज्ञताः फल विज्ञान (फल विज्ञान)
योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)

- **डॉ. रूबी लता**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः फल और सजावटी फसलों की उत्पादन तकनीक
  योग्यताः एम.एससी. (कृषि), पीएच.डी. (बागवानी)

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–

आचार्य संजय कुमार

- सदस्य, अध्ययन मंडल, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, महात्मा गांधी बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग, रायपुर।

आचार्य दीपा एच द्विवेदी

- सदस्य, कार्यकारी समिति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
- सदस्य, आईसीसी, एनआईपीईआर, रायबरेली।
- सदस्य, आईसीसी, आरडीएसओ, लखनऊ।
- सदस्य, परास्नातक अध्ययन मंडल, बागवानी विभाग, सीएचएफ, झालारापाटन, झालावाड़, राजस्थान।
- अध्यक्ष, स्कूल मंडल, एसएएसटी, बीबीएयू, लखनऊ।
- समन्वयक, कौशल और व्यावसायिक अध्ययन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- आचार्य प्रभारी, बागवानी और सौंदर्यीकरण, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, उद्याान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, उद्याान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्नातक अध्ययन मंडल, उद्याान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- समीक्षक, इमर्जेंट लाइफ साइंसेज रिसर्च एक इंटरनेशनल जर्नल।
- समीक्षक, फिलीपीन जर्नल ऑफ साइंस।

आचार्य एम एल मीना

- अध्यक्ष, विभागीय अनुसंधान समिति।
- अध्यक्ष, उद्यान अध्ययन मंडल।
- अध्यक्ष, बी.वोक स्नातक अध्ययन मंडल।
- सदस्य, स्कूल मंडल, एसबी और बीटी।
- अध्यक्ष, विभागीय खरीद समिति।
- अध्यक्ष, प्रवेश समिति।
- अध्यक्ष, विभागीय नैक समिति।

आचार्य जी सी यादव

- सदस्य, स्कूल बोर्ड, कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्नातक अध्ययन मंडल, उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, प्रवेश समिति, उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, आरडीसीयू, उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रभारी, पुस्तकालय उद्यान विभाग।
- उद्याान विभाग के विभागाध्यक्ष का नियमित प्रभार।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, डीडीयू, विश्वविद्यालय गोरखपुर।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, एसआरएम, विश्वविद्यालय बाराबंकी।

डॉ. सुतनु माजी

- सदस्य, स्कूल बोर्ड, कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्नातक अध्ययन मंडल, उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, प्रवेश समिति, उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, आरडीसीयू, उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रभारी, पीएच.डी. प्रयोगशाला और बी वोक फील्ड उद्यान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रशासनिक वार्डन, सिद्धार्थ पुरूष छात्रावास, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी बीसीकेवी के आजीवन सदस्य
- हाई–टेक बागवानी सोसायटी, मेरठ के जीवन सदस्य
- एसवीडब्ल्यूएस, लखनऊ के जीवन सदस्य
- जीव विज्ञान और कृषि उन्नति सोसायटी, उत्तर प्रदेश के जीवन सदस्य
- लघु फलों, औषधीय और सुगंधित पौधों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी के जीवन सदस्य
- सहयोगी संपादक, फसल और खरपतवार के जर्नल. (पी आईएसएसएनः 0974–6315; ई आईएसएसएनः 2349 –9400),
- पैनल समीक्षक] एल्सेवियर, साइंटिया हॉर्टिकल्चर, जर्नल ऑफ़ सॉइल साइंस एंड प्लांट न्यूट्रिशन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड सोसाइटी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ माइनर फ्रूट्स, मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स।
- पेपर सेटर, एनटीए, विभिन्न राज्य और केंद्रीय संस्थानों के मूल्यांकनकर्ता।

डॉ. रविशंकर वर्मा

- वार्डन, कनिष्का पुरूष छात्रावास, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

- प्रभारी, स्वच्छता अनुभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रभारी, बॉटनिकल गार्डन, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रभारी, दीन दयाल उपाध्याय स्मृति उपवन, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, गार्डेन और सौंदर्यीकरण समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य और संयोजक, कुलानुशासक मंडल, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य और संयोजक, बॉटनिकल गार्डन समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, प्रवेश समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, आरडीसीयू, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय परिषद।
- सदस्य, स्नातक एवं परास्नातक के लिए विभागीय प्रवेश समिति।
- सदस्य, विभागीय क्रय समिति।

डॉ. रूबी लता

- वार्डन, संघमित्रा गर्ल्स हॉस्टल, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- समन्वयक, कौशल और व्यावसायिक अध्ययन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, प्रवेश समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, आरडीसीयू, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य और संयोजक, बीवीओसी के लिए स्नातक अध्ययन मंडल।
- सदस्य, विभागीय परिषद।
- सदस्य, स्नातक और परास्नातक के लिए विभाग की प्रवेश समिति।
- सदस्य, विभागीय क्रय समिति।
- सदस्य, एनएएसी सुधार 2024 की स्वच्छता समिति के सदस्य क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला– उत्तरी क्षेत्र।
- भारतीय बागवानी सोसायटी (एचएसआई), नई दिल्ली
- एशियाई जैविक अनुसंधान फाउंडेशन–प्रयागराज, (भारत) दिसंबर, 2019 से।
- आजीवन सदस्य, भारतीय बागवानी अनुसंधान और विकास सोसायटी (आईएसएचआरडी), अल्मोड़ा, उत्तराखंड।
- आजीवन सदस्य, 15 जुलाई, 2021 से बीबीएयू एल्युमनी एसोसिएशन।
- समीक्षक, मृदा विज्ञान और पादप पोषण के एशियाई जर्नल।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

i. वी.के. सोनकर, संजय कुमार, अनुश्रुति, शत्रुंजय यादव, ललित कुमार, दीक्षा संघ मित्र, दिनेश कुमार मीना, सुनील कुमार रावत और रतन कुमार पाल (2024)। इफेक्ट ऑफ फोलीयर स्प्रे ऑफ माइक्रो–न्यूट्रियेंट्स ऑन फ्रूट यील्ड एण्ड क्वालिटी ऑफ ग्वावा (साइडियम गुआजावाएल.) सीवी ललित। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एड्वॉन्स्ड बायोकेमिस्ट्री रिसर्च 8 (10): 432–436।

ii. अनुश्रुति, संजय कुमार, विकाश कुमार सोनकर, शत्रुंजय यादव, ललित कुमार, सुनील कुमार रावत, दिनेश कुमार मीना, दीक्षा संघ मित्र और रतन कुमार पाल (2024)। इफेक्ट ऑफ डिफरेंट प्लान्टिंग डेट्स एण्ड स्पेसिंग ऑन यील्ड एण्ड इट्स एट्रिब्युटिंग कैरेक्टर्स ऑफ कैबेज (ब्रैसिका ओलेरासिया वेर. कैपिटाटा एल.)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड बायोकैमिस्ट्री रिसर्च 8(10): 437–441।

iii. अनुश्रुति, संजय कुमार, रुचिका आभा, विकाश कुमार सोनकर, दीक्षा संघ मित्र और दिनेश कुमार मीना (2024)। रूट–नाट नेमेटोड मैनेजमेंट इन वेजिटेबल क्रॉप्सः ए रिव्यू। प्लांट आर्काइव्स 24 (2): 613–620।

iv. अनुश्रुति, संजय कुमार, विकाश कुमार सोनकर, शत्रुंजय यादव, ललित कुमार, दीक्षा संघ मित्र, दिनेश कुमार मीना, रतन कुमार पाल और सुनील कुमार रावत (2024)। इफेक्ट ऑफ डिफरेंट प्लान्टिंग डेट्स एण्ड स्पेसिंग ऑन ग्रोथ पैरामीटर्स ऑफ कैबेज (ब्रैसिका ओलेरासिया वेर. कैपिटाटा एल.)। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी 27 (11): 81–89।

v. वी.के. सोनकर, संजय कुमार, अनुश्रुति, उषा शुक्ला, शत्रुंजय यादव, दिनेश कुमार मीना, सुनील कुमार रावत और रतन कुमार पाल। इफेक्ट ऑफ फोलीयर स्प्रे ऑफ माइक्रो –न्यूट्रियेंट्स ऑन फ्रूट ग्रोथ एण्ड यील्ड ऑफ ग्वावा (साइडियम गुआजावा एल.) सीवी ललित। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी 27 (11): 90–98।

vi. एस. मीना, संजय कुमार, राजेश कुमार मीना, राकेश मीना, निकिता दिवाकर और कृपाराम मीना (2024)। इफेक्ट ऑफ फोलीयर स्प्रे ऑफ माइक्रो न्यूट्रियेंट्स एण्ड प्लांट ग्रोथ रेग्युलेटर्स ऑन यील्ड एण्ड क्वालिटी एट्रिब्यूट्स ऑफ ग्वावा (साइडियम गुआजावा एल.) सीवी एल–49। प्लांट आर्काइव्स 24 (1): 1049–1054।

vii. एस. मीना, संजय कुमार, राजेश कुमार मीना, निकिता दिवाकर, कृपाराम मीना और राकेश मीना (2024)। इम्पैक्ट ऑफ फोलीयर स्प्रे ऑफ माइक्रो न्यूट्रियेंट्स एण्ड प्लांट ग्रोथ रेग्युलेटर्स ऑन यील्ड ऑफ ग्वावा (साइडियम गुआजावा एल.) सीवी एल–49। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण, कृषि और जैव प्रौद्योगिकी जर्नल 9 (6): 36–39।

viii. वी. कुमार, संजय कुमार, शत्रुंजय यादव, विपिन सुनील कुमार और नीरज कुमार प्रजापति (2024)। एस्टिमेशन ऑफ जेनेटिक वैरियबिलिटी, हेरिटबिलिटी एण्ड जेनेटिक एड्वान्स फॉर यील्ड एण्ड देयर एट्रिब्यूट्स ट्रेट्स इन टोमैटो (सोलेनम लाइकोपर्सिकम एल.)। प्लांट आर्काइव्स 24 (2): 2261–2264।

ix. एस. सैनी, संजय कुमार, शत्रुंजय यादव, कृष्णा जाट, उदल सिंह और नरेंद्र यादव (2024)। इफेक्ट ऑफ बायो–फर्टिलाइज़र्स ऑन ग्रोथ एट्रिब्यूट्स ऑफ ब्राकोली ब्रोकोली (ब्रैसिका ओलेरेशिया अंत. इटालिका एल.)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट–स्वायिल साइन्स 36 (12): 367-372.

x. एन. के. प्रजापति[1], आर.सी. मीना[2], अंजलि[3], बी. स्वैन[4], एस. कुमार "हिली वेजिटेबल्सः इश्यूस, कन्सर्वेशन एण्ड प्रमोशन" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च स्टडीज ऑन एनवायरनमेंट, अर्थ एंड एलाइड साइंसेज वॉल्यूम 1, नंबर 1, पेज 21–26, 2024।

xi. जी. वाटके, संजय कुमार, नीरज कुमार प्रजापति और ब्योमकेश स्वैन (2024)। रिस्पॉन्स ऑफ इनऑर्गेनिक फर्टिलाइज़र एण्ड बायोफर्टिलाइजर्स ऑन ग्रोथ, यील्ड एण्ड क्वालिटी ऑफ गार्डेन

पी (पाइसम सैटिवम वर. हॉर्टेंस एल.)। अर्का अजीत। बायोकैम। सेल। आर्क। 24, अनुपूरक 1: 3757–3761।

xii. एन.के. प्रजापति, मोनिका कुमारी, ब्योमकेश स्वैन, दिनेश कुमार मीणा, संजय कुमार (2024)। कांट्रैक्ट फार्मिंग ऑफ वेजिटेबल प्रोडक्शनः इकोनामिक बेनिफिट्स एण्ड चैलेंज। पर्यावरण, पृथ्वी और संबद्ध विज्ञान पर शोध अध्ययन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 1(1): 5–12।

xiii. एन.के. प्रजापति, अंजलि, आर.सी. मीना, रजाउद्दीन, पी. कुमार, के. चंद, पी. कुमार और एस. कुमार "कैबेज ब्रीडिंग टूल्स फॉर बायोटिक एण्ड एबायोटिक रेजीस्टेंस'', रोमानियन जर्नल हॉर्टिकल्चर वॉल्यूम V, 2024।

xiv. एम. कुमारी, संजय कुमार, शत्रुंजय यादव, ललित कुमार, जूही असवानी, कमल कुमार बैरवा और नीरज कुमार प्रजापत (92025)। रिस्पॉन्स ऑफ इंटीग्रेटेड न्यूट्रियेंट मैनेजमेंट ऑन ग्रोथ एण्ड यील्ड ऑफ रैडिश (रैफनस सैटिवस एल.) सीवी। काशी स्वेता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन एग्रोनॉमी 2025; 8(2):154–158।

xv. डी.के. मीणा, संजय कुमार, विक्रम सिंह मीणा, विकास कुमार सोनकर, दीक्षा संघ मित्रा, ऋषभ, सुनील कुमार रावत और नीरज कुमार प्रजापति (2025)। एंथोसायनिन इन पर्पल कौलीफ्लावरः जेनेटिक मेकेनिज्म, बायोसिंथेसिस एण्ड हेल्थ बेनिफिट्सः ए रिव्यू। जर्नल ऑफ एडवांस इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी 28 (3):562–578।

xvi. वी. कुमार, संजय कुमार, अनिल कुमार, राज नारायण, विवेक पांडे, संतोष कुमार और विपिन (2025)। जेनेटिक डाइवरजेन्स फॉर यील्ड एण्ड यील्ड एट्रिब्यूट्स इन टोमैटो टू (सोलेनम लाइकोपर्सिकम एल.)। प्लांट आर्काइव्स 25(1):1257–126।

xvii. रजउद्दीन, सुतानु माजी, संजय कुमार, गुलाब चंद यादव, रमेश चंद मीना और सुभाष वर्मा (2025)। द इफिकेसी ऑफ नैनो फर्टिलाइज़र ऑन यील्ड एण्ड फिजिको–केमिकल क्वालिटी ऑफ ओक्रा फ्रूट। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी 28(3):967–981।

xviii. रजउद्दीन, सुतनु माजी', संजय कुमार, मुफत लाल मीना, मायाराम, रमेश चंद मीना और उषा शुक्ला (2025)। यूज ऑफ नैनो फर्टिलाइज़र्स टू रेड्यूज़ केमिकल फर्टिलाइज़र लोड फॉर ओक्रा प्रोडक्शन। प्लांट आर्काइव्स 25(1):1219–1231।

xix. एस. सैनी, संजय कुमार, मधु बाई मीना, शत्रुंजय यादव, जूही असवानी, फेमिना खानम और महेंद्र मीना (2025)। इफेक्ट ऑफ बायो–फर्टिलाइज़र्स ऑन यील्ड एण्ड क्वालिटी एट्रिब्यूट्स ऑफ ब्रोकोली (ब्रैसिका ओलेरासिया संस्करण इटालिका एल.)। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी 28(5) 672–681।

xx. यू. निषाद, एस. कुमार, वी. कुमार, सुनीता, एन. कुमार, नितेश्वरी बघेल और चंदन कुमार "एक्सप्लोरिंग बायोफर्टिलाइज़र एफीशियेन्सी इन ऑप्टिमाइज़िंग कैबेज (ब्रैसिका ओलेरासिया वार. कैपिटाटा एल.) ग्रोथ डाइनमिक्स सीवी गोलडेन एकड़'', प्लांट आर्काइव्स वॉल्यूम 25, नंबर 1, पेज 1373–1377, 2025।

आचार्य दीपा एच. द्विवेदीः

i. के. राज, डब्लू हबीब, डी. द्विवेदी, आर.एन डोंगरे, ए. कुमार, यू. मौर्य, डी. पात्रा, एस. वर्मा (2025)। एसेसमेंट ऑफ जेनेटिक डाइवर्सिटी थ्रू मॉर्फोमेट्रिक एण्ड बायोकेमिकल ट्रेट्स इन ट्रपा नेटन्स वार. स्पिनोसा रॉक्सब फ्रॉम साउथवेस्टर्न उत्तर प्रदेश, इटावा एण्ड औरैया डिस्ट्रिक्ट्स, इंडिया। पादप कोशिका जैव प्रौद्योगिकी और आणविक जीव विज्ञान। खंड 26, अंक– 7–8, पृष्ठः 78–84।

ii. के. जाट, डी. एच. द्विवेदी, एस. के. मीणा, टी. चौहान, ए. धाकड़ और एच. मीणा (2025)। जेनोटिपिक डाइवरजेन्स एण्ड क्लस्टर पैटर्न्स इन ब्रॉड बीन (विसिया फैबा एल.): इंप्लिकेशन्स फॉर

जेनेटिक इंप्रूवमेंट। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, खंड 28, अंक 5, पृष्ठ 851–859, 2025; लेख संख्या जेएबीबी.136322 आईएसएसएनः 2394–1081।

iii. यू. शुक्ला, आर. लता, आर.एस. वर्मा, डी. द्विवेदी (2025)। फिजिको–केमिकल स्टडीज ऑफ सम लोकल वुड एप्पल (फेरोनिया लिमोनिया एल.) जेनोटाइप्स अंडर अवध रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश, इंडिया। जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिपोर्ट्स, खंड–31, अंक–2, पृष्ठ 122–134।

iv. एस. सुंदर, डी.एच. द्विवेदी, बी. कुमार, एस. वर्मा, एच.के. मौर्य (2024)। रोल ऑफ अंडरयूटिलाइज्ड फ्रूट्स फॉर न्यूट्रिटिव वैल्यू एण्ड इट्स वैल्यू–एडेड प्रोडक्ट्सः ए रिव्यू। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी। खंड 27, अंक–12, पृष्ठ 95–108।

v. एल पांडे, के के शुक्ला, डी. एच द्विवेदी, एस पाठक, एस पूजन (2024)। रिस्पॉन्स ऑफ आईबीए एण्ड एनएए ऑन शूट डेवेलपमेंट इन स्टेम कट्टिंग्स ऑफ ड्रैगन फ्रूट (हाइलोसेरियस अंडटस (हावर्थ) ब्रिटन एंड रोज) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड एनवायरनमेंट 10 (03), 169–173।

vi. एस सुंदर, डी. एच द्विवेदी, एस वर्मा, एच के मौर्य, बी कुमार (2024)। ए रिव्यू ऑन इंपॉर्टेन्स न्यूट्रीशनल वैल्यू एण्ड यूज़ेस ऑफ वॉटर चेस्टनट (ट्रैपा नटंस वर. बिस्पिनोसा रॉक्सब.)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस 36 (11), 377–385।

vii. एस किशोर, डी.एच द्विवेदी, एस माजी, सीएस अहिरवार (2024)। एनॉलिसिस ऑफ इंट्रा–कल्टिवर हेटरोजेनीयिटी इन दशहरी आम (मैंगीफेरा इंडिका एल.) बाइ यूज़िंग स्कैनिंग इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोपी। बांग्लादेश जर्नल ऑफ बॉटनी 53 (2), 391–399।

आचार्य एम. एल. मीनाः

i. ए. मीना, एम.एल. मीना, एस. यादव, शैली, एम. कुमारी, एल. कुमार, एस. सैनी, आर. मीना और एन. यादव (2025)। ग्रोथ एण्ड यील्ड ऑफ कैबेज (ब्रैसिका ओलेरेशिया एल. वर. कैपिटाटा) एज इन्फ्लुयेन्स्ड बाइ एप्लाइड डिफरेंट वेराइयेटीज एण्ड प्लांट स्पेसिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड बायोकैमिस्ट्री रिसर्च; 9(2): 328–331, आईएसएसएन प्रिंटः 2617–4693 आईएसएसएन ऑनलाइनः 2617–4707।

ii. एस. पासवान, मिश्रा, एस.के., मीना, आर.सी., पाल, आर.के., आशुतोष और मीना, एम.एल. (2025)। आइडेंटिफिकेशन ऑफ द मोस्ट सूटेबल हाइब्रिड टोमैटो इन टर्म ऑफ ग्रोथ, यील्ड एण्ड क्वालिटी अंडर गोरखपुर एग्रो–क्लामेटिक कंडीशन्स। प्लांट आर्काइव्स वॉल्यूम। 25, अनुपूरक 1, 2276–2281 ई–आईएसएसएन 2581–6063 (ऑनलाइन), आईएसएसएनः 0972–5210।

iii. पी. कुमार, आर. एस. वर्मा, एम. एल. मीणा, पी. कुमार, राहुल और एल. चंद्र, (2025)। इफेक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड न्यूट्रियेंट मैनेजमेंट ऑन ग्रोथ एट्रिब्यूट्स ऑफ फ्रेंच मैरीगोल्ड (टैगेटेस्पैटुला एल.) सीवी रस्टी रेड। प्लांट आर्काइव्स खंड 25, अनुपूरक 1, 1104–1108 ई–आईएसएसएनः 2581–6063 (ऑनलाइन), आईएसएसएनः 0972–5210।

iv. सुनीता, एम. एल. मीणा, एस. कुमार, बी. सी. शिवरन, यू. निषाद और कुमार, ए (2025)। इन्फ्लुयेन्स ऑफ द प्लांट ग्रोथ रेग्युलेटर्स ऑन द डेवेलपमेंट ऑफ ड्रैगन फ्रूट (हाइलोसेरेसकोस्टारिसेंसिस (वेब.) (ब्रिटन और रोज़) कटिंग शूट्स। जर्नल ऑफ इको–फ्रेंडली एग्रीकल्चर 20(1):87–91।

v. पी. कुमावत, एम.एल. मीणा, ऋषभ और यू. श्रीवास्तव (2024)। इंपैक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड न्यूट्रियेंट मैनेजमेंट अप्रोच ऑन ग्रोथ एण्ड यील्ड पैरामीटर्स ऑफ ग्वावा (साइडियम गुआजावा एल.) सीवी सरदार। जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड मोबिलाइजेशन इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट। 19(4): 1116–1121।

vi. पी. कुमावत, एम.एल. मीणा, ऋषभ और एल. बैरवा (2025)। इफेक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड न्यूट्रियेंट मैनेजमेंट ऑन क्वालिटी एट्रिब्यूट्स ऑफ ग्वावा (साइडियम गुआजावा एल.)। प्लांट आर्काइव्स खंड 25, पूरक 1, 959–962 ई–आईएसएसएनः 2581–6063 (ऑनलाइन), आईएसएसएनः 0972–5210।

vii. ए. तिवारी, एमएल मीना, आर. आभा और एस.के यादव (2024)। इफेक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड न्यूट्रियेंट मैनेजमेंट ऑन ग्रोथ ऑफ ऑनियन (एलियम सेपा एल.) सीवी. पूसा शोभा। जर्नल ऑफ़ एक्सपेरिमेंटल एग्रीकल्चर इंटरनेशनल, 46(6):681–692।

viii. ए. तिवारी, एमएल मीना, आर. आभा और एस.के यादव (2024)। इफेक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड न्यूट्रियेंट मैनेजमेंट ऑन यील्ड एट्रिब्यूट्स ऑफ ऑनियन (आल्लीयम सेपा एल.) क्व.च्उसषोभ.इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ प्लांट आंड सायिल साइन्स, प्याज की उपज विशेषताओं पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन का प्रभाव (एलियम सेपा एल.) सीवी. पूसा शोभा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉयल साइंस, 63 (9): 450–460।

ix. आभा आर. और एम.एल.मीणा (2024)। स्टडीज ऑन जेनेटिक वैरियबिलिटी, हेरिटबिलिटी एण्ड जेनेटिक एड्वान्स इन काउपी (विग्नांगिकुलाटा (एल.) वाल्प.) फॉर ग्रीन पॉड यील्ड एण्ड इट्स कम्पोनेंट। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एग्रीकल्चर इंटरनेशनल, 46(7):1005–1015।

x. आभा आर. और एम.एल. मीना (2024)। कोरिलेशन एण्ड पाथ एनॉलिसिस इन काउपी (विग्नांगिकुलाटा (एल.) वाल्प.)। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एग्रिकल्चर इंटरनेशनल, 46(7):1071–1085।

xi. रजउद्दीन, एस. माजी, एस. कुमार, एम.एल. मीना, मायाराम, आर. सी. मीना और यू. शुक्ला (2025)। यूज ऑफ नैनो फर्टिलाइज़र्स टू रेड्यूज़ केमिकल फर्टिलाइज़र लोड फॉर ओक्रा प्रोडक्शन। प्लांट आर्काइव्स 25(1): 1219–1231।

आचार्य गुलाब चंद यादव

i. आर. दयाल, यादव, जी.सी., सिंह, एच, सिंह, जे और मौर्य, एच.के. (2024)। एसेसमेंट ऑफ जेनेटिक डाइवरजेन्स थ्रू क्लस्टर एनॉलिसिस इन चिल्ली (कैप्सिकम एनम एल.)। प्लांट आर्काइव्स खंड 24, विशेषांक (GABELS), पृष्ठ 537–540।

ii. सिंह, एन.के.; यादव, जी.सी.; सिंह, डी.बी.; तिवारी, ए. और प्रशांत (2024)। एस्टिमेट ऑफ जेनोटिपिक एण्ड फिनोटिपिक कोरिलेशन एण्ड पाथ कोवेफीशियेंट इन ब्रिंजल (सोलनम मेलोंगेना एल.)। जे. एडव. बायोलॉजी बायोटेक. 27(5): 440–447।

iii. सिंह, एच., यादव, जी.सी.; मौर्य, एच.के.; मौर्य, बी.के.; सिंह, एन. और सिंह, जे (2024)। डिटर्मिनेशन ऑफ एसोसियेशन ऑफ यील्ड कम्पोनेंट्स बाइ पाथ एनॉलिसिस इन टोमैटो (सोलनम लाइकोपर्सिकम एल.)। प्लांट आर्काइव्स खंड 24, विशेषांक (GABELS), पृ. 533–536।

iv. प्रशांत, प्रजापति, एन. के., जी. सी. यादव, सिंह, वी. और रविकांत (2024)। प्रमोटिंग ब्रीडिंग ऑफ इंडिजेनस वेजिटेबल्स तो प्रिज़र्व बायोडाइवर्सिटी एण्ड कल्चरल हेरिटेज ऑफ इंडिया। प्लांट आर्काइव्स खंड 24, विशेषांक (GABELS): 770–774।

v. पटेल, ए. के. यादव, जी. सी. सिंह, डी. बी.; प्रशांत और अंजलि (2025))। जेनेटिक वैरियबिलिटी फॉर क्वांटिटेटिव ट्रेट्स इन बॉटल गॉर्ड (लेगेनेरिया सिसेरिया (मोल.) स्टैंडल.)। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ प्लांट सॉइल साइंस 37(4), पृ. 388–394।

vi. सिंह, डी. बी.; यादव, जी. सी.; प्रशांत; पटेल, ए. के. और सिंह, आर. (2025)। एस्टिमेट ऑफ जेनेटिक डाइवरजेन्स फॉर यील्ड एण्ड यील्ड रिलेटेड ट्रेट्स इन चिल्ली (कैप्सिकम एन्नुम एल.)। प्लांट आर्काइव्स, खंड 25, अनुपूरक 1, 2025, पृष्ठ 623–627।

vii. कुमार, पी.; यादव, जी.सी.; कुमार, एस.; हर्षिता, सी.आर. और सिंह, एन.के. (2024)। एस्टिमेशन ऑफ जेनेटिक डाइवर्सिटी एमांग द जेनोटाइप्स ऑफ पंपकिन (कुकुर्बिता मोस्काटा डच. एक्स पॉयर)। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ एडवांस बायोकैम रिसर्च, 2024; एसपी–8(9): 534–536।

viii. यादव, ए.; यादव, जी.सी.; रुचिका, ए.; कुमार, एस. यादव, एल. और शिहारे, एच. (2025)। कद्दू (कुकुर्बिता मोस्काटा डच. एक्स पॉयर) के जीनोटाइप में आनुवंशिक विविधता का अनुमान। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ रेस. एग्रोन. 8(4): 581–592

ix. रजउद्दीन, माजी, एस.; कुमार, एस.; यादव, जी.सी.; मीना आर.सी. और वर्मा, एस. (2025)। द एफिकेसी ऑफ नैनो फर्टिलाइज़र ऑन यील्ड एण्ड फिजिको–केमिकल क्वालिटी ऑफ ओक्रा। जर्नल ऑफ एडवांस बायोलॉजी एंड बायोटेक. 28, (3): पीपी 967–981।

x. यादव, ए.; यादव, जी.सी.; रुचिका, ए.; कुमार, एस. यादव, एल. और भैया, आर. (2025)। एस्टिमेशन ऑफ कंबाइनिंग अबिलिटी एण्ड नेचर ऑफ जीन आक्शन फॉर यील्ड एण्ड क्वालिटी ट्रेट्स इन बॉटल गॉर्ड (लेगेनेरिया सिसेरिया (मोल.) स्टैंडल.,। वेज. साइंस. 52(1): 112–121।

xi. हर्षिता, सी. आर.; यादव, जी. सी. और पटेल, ए. के. (2024)। कम्पोनेंट्स ऑफ जेनेटिक वैरीयेशन फॉर यील्ड एण्ड इट्स एट्रिब्युटिंग ट्रेट्स इन बॉटल गॉर्ड (लेगेनेरिया सिसेरिया (मोल.) स्टैंडल.,। जे. एक्सपेरिमेंटल एग्रीकल्चर इंटरनेशनल.46(4). पृष्ठ : 105–109।

डॉ. सुतनु माजीः

i. एम. राम, एस. माजी, रजउद्दीन, एम. प्रसाद और आर. सी. मीणा (2024)। सेलेक्शन ऑफ सूटेबल डेट ऑफ ट्रॉन्सप्लाटिंग फॉर एयर–राउंड प्रोडक्शन ऑफ ऑनियन (एलियम सेपा एल.) सीवी। अग्रिफ़ौण्ड डार्क रेड. एन्वाइरन्मेंट आंड एकॉलजी एग्रीफाउंड डार्क रेड। पर्यावरण और पारिस्थितिकी। 42 (1ए): 285–292। डीओआईः https://doi.org/10.60151/envec/EEVG1351

ii. एस किशोर, दीपा एच द्विवेदी, एस. माजी और सीएस अहिरवार (2024)। एनॉलिसिस ऑफ इंट्रा–कल्टिवर हेटरोजेनीयिटी इन दशहरी मैंगो (मैंगिफेरा इंडिका एल.) बाइ यूज़िंग स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी। वनस्पति विज्ञान। 53(2): 391–399। डीओआईः https://doi.org/10.3329/bjb.v53i2.74429

iii. यू. शुक्ला, आर. लता, एस. माजी, रजउद्दीन और आर. सी. मीणा। (2024)। हिस्टोरिकल बैकग्राउंड, ऑरिजिन, डिस्ट्रिब्यूशन एण्ड प्रेज़ेंट स्टेटस ऑफ वुड एप्पल। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी। 27 (10): 1457–1467। डीओआईः https://doi.org/10.9734/jabb/2024/v27i101566

iv. एन बेरवा, आर.एल. मीणा, एस. माजी, एम. कुमारी और के. मीणा (2024)। इफेक्ट ऑफ एडिबल कोटिंग्स ऑन मॉर्फोलॉजिकल कैरेक्टर्स ऑफ स्ट्रॉबेरी फ्रूट्स। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एग्रीकल्चर इंटरनेशनल। 46 (10): 830–840। डीओआईः https://doi.org/10.9734/jeai/2024/v46i103008

v. एन. कुमार, आर. सी. मीना, एम. राम, रजउद्दीन, एस. वर्मा, एस. माजी (2024)। स्टडीज ऑन इंटीग्रेटेड न्यूट्रियेंट मैनेजमेंट ऑन ऑनियन (एलियम सेपा एल.) सीवी। ग्रीफाउंड लाइट रेड। पर्यावरण और पारिस्थितिकी 42 (4ए): 1659–1663। डीओआईः https://doi.org/10.60151/envec/CWJD2355

vi. ए. धाकड़, एस. माजी, रज़उद्दीन, टी. चौहान, डी. मीना, नेहा और एस. के. मीना (2024)। इफेक्ट ऑफ बोरोन एण्ड ज़िंक ऑन ग्रोथ एण्ड यील्ड ऑफ ऑलीफ्लॉवर (ब्रेसिका ओलेरासिया वेर. बोट्रीटिस एल.) सी.वी. पूसा स्नोबॉल के 1। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस। 36 (12): 254–261। डीओआईः https://doi.org/10.9734/ijpss/2024/v36i125199

डॉ. रविशंकर वर्माः

- एस. मिश्रा, आर.एस. वर्मा, वी. सिंह और डी. मीणा (2024)। एफिकेसी ऑफ वेरियस ग्रोयिंग सबस्ट्रेट्स ऑन रूट डेवेलपमेंट इन कट्टिंग्स ऑफ ड्रैगन फ्रूट (हाइलोसेरियस अंडटस एल.)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड बायोकेमिस्ट्री रिसर्च 2024; 8(5), 371–374 में प्रकाशित।

- एस. वर्मा, आरएस वर्मा, वी कुमार और एम. यादव (2024)। स्टडीज ऑन फिज़िकल एट्रिब्यूट्स ऑफ ग्वावा (सिडियम ग्वाजावा एल.) जेनोटाइप्स इन अवध रीजन। इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड बायोसाइंसेज (2024)12(3),51–57 में प्रकाशित।
- एन. दिवाकर, आर.एस.वर्मा, एम. मीना, आर. मीना और के. मीना (2024)। स्टडी ऑन फिज़ियोलॉजिकल एट्रिब्यूट्स ऑफ बेर (ज़िज़िफ़स मॉरिटियाना लैम) जीनोटाइप अंडर अवध रीजन ऑफ इंडिया। प्लांट आर्काइव्स खंड 24, संख्या 2,2024 पृष्ठ 2321–2324 में प्रकाशित।
- एम.के. धानका, आर.एस.वर्मा, ए. बैठा, सिखा चौधरी, एस. वर्मा और बी. कुमार (2024)। इफेक्ट ऑफ बायो–फर्टिलाइज़र्स ऑन शूट ग्रोथ ऑफ ड्रैगन फ्रूट कट्टिंग्स (हिलोसेरियस अंडैटस एल.)। एशियन रिसर्च जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर वॉल्यूम 17 (4), 417–422 में प्रकाशित।
- ए. बैठा, आर.एस. वर्मा, एम.के. धानका, एस. चौधरी, एस. वर्मा और बी. कुमार (2024)। इफेक्ट ऑफ डिफरेंट ग्रोयिंग मीडीया ऑन शूट ग्रोथ ऑफ ड्रैगन फ्रूट कट्टिंग्स (हाइलोसेरियस अंडैटस एल. (हावर्थ) ब्रिटन एंड रोज़। एशियन रिसर्च जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर वॉल्यूम.17(4),443–448 में प्रकाशित।
- एम.के. धानका, आर.एस. वर्मा, ए. बैठा, एस. चौधरी, एस. वर्मा और बी. कुमार (2025) इफेक्ट ऑफ बायो–फर्टिलाइज़र्स ऑन रूट ग्रोथ ऑफ ड्रैगन फ्रूट कट्टिंग्स (हाइलोसेरियस अंडैटस एल.) प्लांट आर्काइव्स वॉल्यूम 25, सप्लीमेंट 1,293–297 में प्रकाशित।
- ए. बैठा, आर.एस. वर्मा, एम.के. धानका, एस. चौधरी, एस. वर्मा और बी. कुमार (2025) इफेक्ट ऑफ डिफरेंट ग्रोयिंग मीडीया ऑन रूट ग्रोथ ऑफ ड्रैगन फ्रूट कट्टिंग्स (हाइलोसेरियस अंडैटस एल. (हावर्थ) ब्रिटन एंड रोज़। प्लांट आर्काइव्स वॉल्यूम 25, सप्लीमेंट 1, 288–292 में प्रकाशित।
- आर. सिंह, आर.एस. वर्मा, एस.एस. वर्मा, एस. वर्मा और बी. कुमार (2025) इफेक्ट ऑफ डिफरेंट ग्रोयिंग मीडीया ऑन शूट डेवेपमेंट ऑफ ड्रैगन फ्रूट कट्टिंग्स [हाइलोसेरियस अंडैटस एल. (हावर्थ) ब्रिटन एंड रोज। प्लांट आर्काइव्स वॉल्यूम 25, सप्लीमेंट 1,1893–1897 में प्रकाशित।
- पी. कुमार, आर.एस. वर्मा, एम.एल. मीना, पी. कुमार, राहुल और एल. चंद्र, एस. वर्मा और बी. कुमार (2025) इफेक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड न्यूट्रियेंट मैनेजमेंट ऑन ग्रोथ एट्रिब्यूट्स ऑफ फ्रेंच मैरीगोल्ड (टैगेटेस पैटुला एल.) सीवीए रस्टी रेड प्लांट आर्काइव्स वॉल्यूम 25, सप्लीमेंट 1,1104–1108 में प्रकाशित।
- एस. मिश्रा, आर.एस. वर्मा, एस.एस. वर्मा, रविकांत और ए.के. मौर्य (2025) इंपैक्ट ऑफ वेरीड ग्रोयिंग सब्सट्रेट्स ऑन शूट डेवेलोपोमेंट इन ड्रैगन फ्रूट [हाइलोसेरियस अंडैटस एल. (हावर्थ) ब्रिटन एंड रोज कटिंग, प्लांट आर्काइव्स वॉल्यूम .25, सप्लीमेंट 1,298–301 में प्रकाशित।
- यू. शुक्ला, आर. लता, आर.एस. वर्मा, एस. यादव, सी. शेखावत, वी.के. सोनकर और अआर. मीणा (2025) मॉर्फलॉजिकल एण्ड क्वांटिटेटिव कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ वुड एप्पल (फेरोनिया लिमोनिया एल.) जेनोटाइप्स अंडर अवध रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश, भारत। प्लांट आर्काइव्स खंड 25, सप्लीमेंट 1,1560–1566 में प्रकाशित।
- यू. शुक्ला, आर. लता, आर.एस. वर्मा और डी. एच. द्विवेदी (2025) फिजिको–केमिकल स्टडीज ऑफ सम लोकल वुड एप्पल (फेरोनिया लिमोनिया एल.) जेनोटाइप्स अंडर अवध रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश, भारत। जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिपोर्ट्स खंड 31, अंक 2, पृ. 122–134 में प्रकाशित।

डॉ. रूबी लता

- यू. शुक्ला, आर. लता, एस. माजी, रजउद्दीन और आर.सी. मीना, (2024)। हिस्टोरिकल बैकग्राउंड, ऑरिजिन, डिस्ट्रिब्यूशन एण्ड प्रेज़ेंट स्टेटस ऑफ वुड एप्पल। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, 27(10): 1457–1467।

- यू. शुक्ला, आर. लता, आर.एस. वर्मा, प्रतीक्षा, सी. शेखावत, एस. यादव, और वी. सिंह, (2024)। एफिकेसी ऑफ फोलीयर अप्लिकेशन ऑफ माइक्रोन्यूट्रिएंट्स ऑन बायो–केमिकल एट्रिब्यूट्स ऑफ ग्वावा (सिडियमगुआजावा एल.) सीवी. इलाहाबाद सफेदा। एशियन जर्नल ऑफ सॉइल साइंस एंड प्लांट न्यूट्रिशन, 10(4): 562–568।
- एच.के. मौर्य, आर. लता, डी.एस. मित्रा, एस सुंदर, और जी.सी. यादव, (2024)। ए रिव्यू ऑन एड्वॉन्स्ड प्रिज़र्वेशन टेक्नीक्स फॉर पोस्ट–हार्वेस्ट क्वालिटी मेंटेनेन्स ऑफ फ्रूट्स एण्ड वेजिटेबल्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस। 36(11): 186–197।
- एच.के. मौर्य, डी.एस. मित्रा, आर. लता, जी.सी. यादव, और एस. सुंदर, (2024)। ए रिव्यू ऑन कामन फिज़ियोलॉजिकल डिसॉर्डर्स ऑफ टोमैटो एण्ड देयर मैनेजमेंट। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी। 27(11): 221–231।
- एच.के. मौर्य, आर. लता, डी.एस. मित्रा, और एस. सुंदर, (2024)। प्रिसिशन एग्रिकल्चरः ऑप्टिमाइज़िंग रिसोर्सस फॉर हाइयर यील्ड एण्ड ससटेनबिलिटी, एग्री आर्टिकल्स (कृषि लेखों के लिए ई–पत्रिका), 4 (6): 714–716।
- एच.के. मौर्य, आर. लता, एस. सुंदर, डी.एस. मित्रा, और डी.के. मीना, (जनवरी, 2025)। कामन फिज़ियोलॉजिकल डिसॉर्डर्स ऑफ कौलीफ्लावर एण्ड देयर मैनेजमेंट। द एग्रीकल्चर मैगज़ीन, 4(5): 83–87।
- यू. शुक्ला, आर. रूबी, आर.एस. वर्मा और डी. एच. द्विवेदी (2025) फिजिको–केमिकल स्टडीज ऑफ सम लोकल वुड एप्पल (फेरोनिया लिमोनिया एल.) जेनोटाइप्स अंडर अवध रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश, भारत। जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिपोर्ट्स खंड 31, अंक 2, पृ. 122–134 में प्रकाशित।
- यू. शुक्ला, आर. रूबी, आर.एस. वर्मा, एस. यादव, सी. शेखावत, वी.के. सोनकर और आर. मीणा (2025) मॉर्फलॉजिकल एण्ड क्वांटिटेटिव कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ वुड एप्पल (फेरोनिया लिमोनिया एल.) जेनोटाइप्स अंडर अवध रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश, भारत। प्लांट आर्काइव्स खंड 25, सप्लीमेंट 1,1560–1566 में प्रकाशित।
- एस. लता, आर. लता, और आर.बी. राम, (2025)। अनवेलिंग द इकोलॉजिकल एण्ड न्यूट्रीस्यूटिकल रिचेस ऑफ सस्टेनबल एक्वाटिक लोटस प्लांट एण्ड इट्स माइक्रोबियल आलाइस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड प्लांट साइंस, 7(2): 1–8।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

आचार्य संजय कुमार

- संजय कुमार, विकास कुमार सोनकर, ललित कुमार, नन्हे लाल सरोज और दिनेश कुमार मीणा (2025)। इमर्जिंग पोटेन्शियल ऑफ अंडरयूटिलाइज्ड फ्रूट क्रॉप थ्रू मॉडर्न टेक्नोलॉजी। पुस्तकालय प्रकाशन, लखनऊ, आईएसबीएनः 978–93–91900–53–3।

आचार्य जी. सी. यादव

- यादव, ए. और यादव, जी.सी. (2024)। कंद फसलों की पाठ्य पुस्तक, कल्याणी प्रकाशक द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएनः 9789355407474।
- यादव, ए. और यादव, जी.सी. (2024)। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सब्जी विज्ञान की झलकियाँ, दया पब्लिशिंग हाउस, एस्ट्रल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के एक प्रभाग द्वारा प्रकाशित। आईएसबीएनः 978–93–5919–761–6 (पीबी)

डॉ. रविशंकर वर्मा

- वर्मा, आर.एस., वर्मा, एस.एस., लता, आर. और लता, एस. (2025)। बागवानी फसलों का प्रसार। वाइटल बायोटेक प्रकाशन।

डॉ. रूबी लता

- वर्मा, आर.एस., वर्मा, एस.एस., लता, आर. और लता, एस. (2025)। बागवानी फसलों का प्रसार। वाइटल बायोटेक प्रकाशन।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व के किसी भी अन्य प्रकाशनः– आचार्य संजय कुमारः

- ''ग्रीन इनोवेशन्सः मॉडर्नाइज़िंग वेजिटेबल कल्टिवेशन'' नामक पुस्तक में नीरज कुमार प्रजापति, अंजलि, दिनेश के. मीणा, संजय कुमार, जसवंत प्रजापति, बृजेश पटेल और जोशीता पी. द्वारा ''वर्टिकल फार्मिंग सिस्टम्स फॉर अर्बन वेजिटेबल प्रोडक्शनः एन ओवरव्यू'' शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2024 में, आईएसबीएनः 978–81–976308–5–9, (पृष्ठ संख्या 185–218)।
- ''वेजिटेबल साइन्सः प्रिन्सिपल्स एण्ड प्रैक्टिसेस ऑफ हॉर्टिकल्चर'' नामक पुस्तक में दिनेश कुमार मीणा, संजय कुमार और राजेश कुमार मीणा द्वारा ''क्रॉप इस्टब्लिशमेंट प्रैक्टिसेस इन वेजिटेबल्स'' शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2024 में, आईएसबीएनः 978–93–6048–581–8 के साथ (पृष्ठ संख्या 124–145)।
- ''वेजिटेबल साइन्सः प्रिन्सिपल्स एण्ड प्रैक्टिसेस ऑफ हॉर्टिकल्चर'' नामक पुस्तक में दिनेश कुमार मीणा, संजय कुमार और राजेश कुमार मीणा द्वारा ''वेजिटेबल प्रोडक्शन इन क्लाइमेट–रिसिलियेंट एग्रिकल्चर'' शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2024 में, आईएसबीएनः 978–93–6048–581–8 के साथ (पृष्ठ संख्याः 304–323)।
- ''इंडियन नालेज सिस्टम्सः विकसित भारत 2047'' नामक पुस्तक में नीरज कुमार प्रजापति, प्रदीप कुमार, सूरज पासवान, रतन कुमार पाल और संजय कुमार द्वारा ''इंप्लिमेंटिंग ईको–फ्रेंड्ली प्रैक्टिसेस इन एग्रिकल्चर एण्ड इंडस्ट्री'' शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2024 में, आईएसबीएनः 9788198096449 के साथ (पृष्ठ संख्याः 148–161)।
- "एग्रोफोरेस्ट्री, प्रिसिजन एग्रीकल्चर एंड सर्कुलर इकोनॉमी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर" नामक पुस्तक में, दिनेश कुमार मीणा, संजय कुमार, विक्रम सिंह मीणा द्वारा "प्रिसिजन एग्रीकल्चरः लेवरेजिंग एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज फॉर सस्टेनेबल फार्मिंग एंड ग्लोबल फूड सिक्योरिटी" शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2025 में, आईएसबीएनः 978–81–985085–6–0 (पेज संख्या 95–105)।
- ''सब्जी फसलों की हाल की उत्पादन तकनीक'' नामक पुस्तक में अनुश्रुति, संजय कुमार, विकाश कुमार सोनकर और रमेश चंद मीणा द्वारा ''गाजर'' शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय, 2024 में, आईएसबीएन–9788196728632 के साथ (पृष्ठ संख्या 181–190)।
- ''सब्जी फसलों की हाल की उत्पादन तकनीक'' नामक पुस्तक में अनुश्रुति, संजय कुमार, विकाश कुमार सोनकर और सुधीर कुमार यादव द्वारा ''चुकंदर'' शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय, 2024 में, आईएसबीएन–9788196728632 के साथ (पृष्ठ संख्या 200–206)।
- ''सब्जी फसलों की हाल की उत्पादन तकनीक'' नामक पुस्तक में विकास सोनकर, संजय कुमार, दिनेश कुमार मीणा, ललित कुमार, नन्हे लाल सरोज और दीक्षा संघ मित्रा द्वारा ''बाबाको'' शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2025 में, आईएसबीएन–9788196728632 के साथ (पृष्ठ संख्या 15–22)।
- ''आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से कम उपयोग की जाने वाली फल फसल की उभरती संभावनाएं'' नामक पुस्तक में नीरज कुमार प्रजापति, रविकांत, ब्रजेश पटेल, यादव शिवानी इंद्रजीत और संजय कुमार द्वारा ''नोनी'' नामक पुस्तक अध्याय 2025 में, आईएसबीएनः 9789391900533 के साथ (पृष्ठ संख्या 228–241)।
- "फ्रंटियर्स इन एग्रीकल्चरः इनोवेशन एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स" नामक पुस्तक में नीरज कुमार प्रजापति, अंजलि, हिमांशु कुमार गुप्ता और संजय कुमार द्वारा "डिजिटल एग्रीकल्चरः टेक्नोलॉजी के माध्यम से खेती के भविष्य को बदलना" शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2025 में, आईएसबीएन 9789349921849 के साथ (पृष्ठ संख्या 1–17)।

- "फ्रंटियर्स इन एग्रीकल्चरः इनोवेशन एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स" नामक पुस्तक में नीरज कुमार प्रजापति, अचल गरीबदास वाटके, सौम्या प्रगलव मोहंती और संजय कुमार द्वारा "लीमा बीन की उत्पादन तकनीक" शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2025 में, आईएसबीएन 978–93–49921–84–9 के साथ (पृष्ठ संख्या 36–80)।
- "फ्रंटियर्स इन एग्रीकल्चरः इनोवेशन एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स" नामक पुस्तक में दीक्षा संघ मित्रा, संजय कुमार और दिनेश कुमार मीणा द्वारा "हेल्थ पॉलिसीः वन नेशन एंड वन हेल्थ टू अचीव सस्टेनेबल डेवलपमेंट" शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2025 में आईएसबीएन 978–93–49921–84–9 2025 के साथ (पृष्ठ संख्या 100–110)।
- "फ्रंटियर्स इन एग्रीकल्चरः इनोवेशन एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स" नामक पुस्तक में दिनेश कुमार मीणा, संजय कुमार और दीक्षा संघ मित्रा द्वारा "एग्रीकल्चर–बिजनेस मैनेजमेंट एंड मार्केटिंग" शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2025 में, आईएसबीएन 978–93–49921–84–9 2025 के साथ (पृष्ठ संख्या 132–138)।
- "फ्रंटियर्स इन एग्रीकल्चरः इनोवेशन एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स" नामक पुस्तक में दीक्षा संघ मित्रा, संजय कुमार, दिनेश कुमार मीणा और हरेश कुमार मौर्य द्वारा "वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2025 में, आईएसबीएन 978–93–49921–84–9 के साथ (पृष्ठ संख्या 152–160)।
- "फ्रंटियर्स इन एग्रीकल्चरः इनोवेशन एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स" नामक पुस्तक में दिनेश कुमार मीणा, संजय कुमार और दीक्षा संघ मित्रा द्वारा "डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियांः रोगी सुरक्षा और देखभाल की गुणवत्ता में सुधार" शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2025 में, आईएसबीएन 978–93–49921–84–9 2025 के साथ (पृष्ठ संख्या 186–199)।
- "फ्रंटियर्स इन एग्रीकल्चरः इनोवेशन एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स" नामक पुस्तक में दीक्षा संघ मित्रा, संजय कुमार और दिनेश कुमार मीणा द्वारा "किसानों की आय दोगुनी करना तथा फसल विविधीकरण एवं स्थिरता" शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2025 में, आईएसबीएन 978–93–49921–84–9 के साथ (पृष्ठ संख्या 209–219)।
- "फ्रंटियर्स इन एग्रीकल्चरः इनोवेशन एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स" नामक पुस्तक में दिनेश कुमार मीणा, संजय कुमार और दीक्षा संघ मित्रा द्वारा "मत्स्य आनुवंशिकी संसाधन और संरक्षण" शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय 2025 में आईएसबीएन 978–93–49921–84–9 के साथ (पृष्ठ संख्या 221–230)।

लेख

- डी.के. मीणा, एस. कुमार, एन.के. प्रजापति और वी.के. सोनकर (2024)। प्रोडक्शन पैकेजस ऑफ ओक्रा। एग्री–इंडिया टुडे, पृष्ठ संख्या 131–136. आईएसएसएनः 2583–0910
- एन.के. प्रजापति, आर.के. पाल और एस. कुमार (2024) फूल गोभी का कटाई उपरान्त प्रबन्धन। कृषक भारती, पृष्ठ संख्या 37 (आईएसएसएन–2582–5976)।
- आर.के. पाल, एन.के. प्रजापति और एस. कुमार (2024) सफ़ेद सब्जियाँः स्वास्थ्य के लिए एक स्वास्थ्य विकल्प। कृषक भारती, ग्वालियर, पृष्ठ संख्या 32। आईएसएसएन–2582–5976।
- डी. के. मीणा, एस. कुमार और आर. मिश्रा। पूसा पर्पल कौलीफ्लावर–1ः न्यू रेवेन्यू स्ट्रीम्स फॉर उत्तर प्रदेश फार्मर्स विथ ए न्यूट्रीशनल पावरहाउस। एग्री–इंडिया टुडे, आईएसएसएनः 2583–0910 पृष्ठ संख्या 163–167।
- डी. के. मीणा, एस. कुमार, आर. गुप्ता और पी. के. मीणा (2024)। हारनेस्सिंग नेचरः द रोल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेग्युलेटर्स इन मॉडर्न एग्रिकल्चर। एग्री–इंडिया टुडे, 4/12/42/1124 आईएसएसएनः 2583–0910 पृष्ठ संख्या 181–185।
- डी. के. मीणा, एस. कुमार, डी. एस. मित्रा, एस. के. रावत, एच. के. मौर्य और एस. सुंदर (2024)। रोल ऑफ वेरियस कलरिंग पिगमेंट्स विदिन डिफरेंट वेराइयेटीज ऑफ कैरट। एग्री–इंडिया टुडे 4/12/2024, पृष्ठ संख्या 42–46. आईएसएसएनः 2583–0910।
- एन. के. प्रजापति, वी. सिंह, आर. के. पाल और एस. कुमार, 'ड्राउट रिसिलियेन्स स्ट्रैटजीस फॉर वेजिटेबल फार्मिंग (2024)। एनविस न्यूजलेटर ऑन हिमालयन इकोलॉजी 21(1–2)ः पृष्ठ संख्या 16–17।

- एन. के. प्रजापति, बी. स्वैन, आर.सी. मीना और एस. कुमार, ''रिव्यू ऑन द इफेक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन क्रॉप प्रोडक्टिविटी (2024)। प्योर अर्थ एनवायरनमेंट कॉन्फ्रेंस 2024, पृष्ठ संख्या 26–32।
- एस. कुमार और एस. यादव (2024)। पपीता की वैज्ञानिक खेती। प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शिनी–2024 पृष्ठ 19–23।
- डी. के. मीना, एस. कुमार, डी. एस. मित्रा, एच. के. मौर्य, एस. के. रावत और एस. सुंदर (2025)। रैडिशेसः द क्रिस्प एण्ड कलरफुल स्टार ऑफ एवेरी सीज़न। एग्री–इंडिया टुडे 5/1/2025, पृष्ठ संख्या 186–190, आईएसएसएनः 2583–0910।
- डी. के. मीणा, एस. कुमार, डी. एस. मित्रा, एस. के. रावत, एच. के. मौर्य और एस. सुंदर। रोल ऑफ वेरियस कलरिंग पिगमेंट्स विदिन डिफरेंट वेराइयेटीज ऑफ कैरट। एग्री–इंडिया टुडे 4(12): पृष्ठ संख्या 42–46, आईएसएसएनः 2583–0910।
- डी. के. मीना, एस. कुमार, आर. गुप्ता और पी. के. मीना (2024)। हारनेस्सिंग नेचरः द रोल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेग्युलेटर्स इन मॉडर्न एग्रिकल्चर। एग्री–इंडिया टुडे 4(11): पृष्ठ संख्या 181–185। आईएसएसएनः 2583–0910।
- एन. के. प्रजापति, एस. पासवान, एम. राम और एस. कुमार (2024)। लीफी चेनोपोडसः ए न्यूट्रीशनल पावरहाउस। जर्नल ऑफ एग्रिकल्चर एण्ड इकोलॉजी 18: पृष्ठ संख्या 28–31।
- एन. के. प्रजापति, पी. कुमार, एस. पासवान, आर. कु. पाल और एस. कुमार, (2025)। ''इंप्लिमेंटिंग ईको–फ्रेंड्ली प्रैक्टिसेस इन एग्रिकल्चर एण्ड इंडस्ट्री''। इंडियन नालेज सिस्टम्सः विकसित भारत 2047, पृष्ठ संख्या 148–161।
- एस. कुमार एवं एन. के. प्रजापति (2025) उत्तर भारत में सिंघाड़े की व्यावसायिक खेती एवं प्रबंधन। प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शिनी–2025 पृष्ठ संख्या 13–16।
- एस. कुमार एवं आर. के. पाल। मखाने की उन्नत खेती। प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शिनी–2025 पृष्ठ 17–19।
- डी. के. मीणा, एस. कुमार और वी. एस. मीणा। द रोल ऑफ इंडियन साइन्स पॉलिसीज इन एग्रिकल्चरल प्रॉस्पेरिटी, डेवेलपमेंट, एण्ड फुड सेक्यूरिटीः एड्वान्सिंग सस्टेनबल डेवेलपमेंट गोल्स। एग्री–इंडिया टुडे 5(3): पृष्ठ संख्या 61–63. आईएसएसएनः 2583–0910।
- रजाउद्दीन, एस. माजी, एस. कुमार, आर. सी. मीणा (2025)। इमर्जिंग प्रैक्टिसेस इन रिवरबेड कल्टिवेशन ऑफ कुकुरबिटेसी क्रॉप्सः इनक्रीजिंग यील्ड एण्ड ससटेनबिलिटी। सनशाइन एग्रिकल्चर 5(3): पृष्ठ संख्या 20–23, आईएसएसएन (ई): 2583–0821।
- एस. के. रावत, एस. कुमार और डी. के. मीना (2025)। कल्चरल प्रैक्टिसेस ऑफ ओक्रा। एग्री–इंडिया टुड, पृष्ठ संख्या 144–148, आईएसएसएनः 2583–0910।
- एन. के. प्रजापति, अंजलि, डी. के. मीना, एस. कुमार, जे. प्रजापति, बी. पटेल और पी. जोशीता (2024)। वर्टिकल फार्मिंग सिस्टम्स फॉर अर्बन वेजिटेबल प्रोडक्शनः एन ओवरव्यू। हरित नवाचारः सब्जी की खेती का आधुनिकीकरण, पृष्ठ संख्या 185–218, आईएसएसएनः 978–81–976308–5–9।
- डी. के. मीना, एस. कुमार और वी. एस. मीना। ''द रोल ऑफ इंडियन साइन्स पॉलिसीस इन आग्रिकल्चरल प्रॉस्पेरिटी, डेवेलपमेंट, एण्ड फुड सेक्यूरिटीः एड्वान्सिंग सस्टेनबल डेवेलपमेंट गोल्स'' एग्री–इंडिया टुडे 5(3): पृष्ठ संख्या 61–63, आईएसएसएनः 2583–0910।
- डी. के. मीना, एस. कुमार और आर. मिश्रा। ''पूसा पर्पल कौलीफ्लावर–1: न्यू रेवेन्यू स्ट्रीम्स फॉर उत्तर प्रदेश फार्मर्स विथ ए न्यूट्रीशनल पावरहाउस''। एग्री–इंडिया टुडे, वॉल्यूम 4, नंबर 10, पृष्ठ संख्या 163–167, आईएसएसएनः 2583–0910।

आचार्य एम. एल. मीनाः

- एस. पासवान, एम. एल. मीना, पी. कुमार, प्रदीप कुमार, ''घर पर उगाई जाने वाली सब्जियों के लिए किचन गार्डन''एडवांसेज इन हॉर्टिकल्चर साइंसेज, वॉल्युम 17, पृष्ठ संख्या 75–87, 2024 आईएसबीएनः 978–93–5834–057–0।

- अंजलि, एन.के. प्रजापति, वी. सिंह और एम. एल. मीना (2024)। ''हाइड्रोपोनिक्सः ए सिस्टम फॉर एयर–राउंड विजेटेबल्स ग्रोयिंग''। ग्रीन इनोवेशन मॉडर्नाइजिंग वेजिटेबल कल्टीवेशन, 2024 ई–आईएसबीएनः 978–81–976308–8–0।

आचार्य जी.सी. यादव

- जी. सी. यादव और एस. स्वैन, ''अनलॉकिंग द पॉवर ऑफ नैनोपार्टिकल्स इन वेजिटेबल क्रॉप इनोवेशन" पर जीबीपीयूएटी, पंतनगर में आयोजित विकसित भारत के लिए कृषि में अग्रणी विज्ञान और प्रौद्योगिकिया विषय पर 17वें कृषि विज्ञान कांग्रेस में, एएससी 2025/सार 102, एसआर. नं. 102, पृष्ठ संख्या 41533, फरवरी 20–22, 2025।
- जी. सी. यादव, "डाइरेक्ट एण्ड इनडाइरेक्ट एसोसियेशन ऑफ इनडिपेंडेंट ट्रेट्स विथ सीड यील्ड टुवर्ड्स एड्स फॉर सेलक्शन इन बॉटल गॉर्ड (लगेंरिया सिसेररिया (मोल.) स्टैंदल.)'' पर जीबीपीयूएटी, पंतनगर में आयोजित 'विकसित भारत के लिए कृषि में अग्रणी विज्ञान और प्रौद्योगिकिया' विषय पर 17वें कृषि विज्ञान कांग्रेस में, एएससी2025/एब्स्ट्रैक्ट 1235, एसआर. नं. 196, पृष्ठ संख्या 402, फरवरी 20–22, 2025।
- एस. स्वैन और जी. सी. यादव "हाइड्रोपोनिक्स टेक्नोलॉजी फॉर हाई वैल्यू क्रॉप प्रोडक्शन'' पर जीबीपीयूएटी, पंतनगर में आयोजित 'विकसित भारत के लिए कृषि में अग्रणी विज्ञान और प्रौद्योगिकिया' विषय पर 17वें कृषि विज्ञान कांग्रेस में, एएससी2025/एब्स्ट्रैक्ट 1235, एसआर. नं. 81. पृष्ठ संख्या 603, फरवरी, 20–22, 2025।
- आर. सी. मीना, जी. सी. यादव, जी. सी. और एस. माजी, सुतानु, "प्याज की गुणवत्तपूर्ण नर्सरी प्रबंधन। लोकप्रिय लेख, मरुधर कृषि, आईएसएसएन, 2583–1410 पृष्ठ संख्या 8–9, 2025।
- आर. सी. मीना, जी. सी. यादव, जी. सी. और एस. माजी, "प्याज की खेती''। लोकप्रिय लेख, मरुधर कृषि, आईएसएसएन, 2583–1410 पृष्ठ संख्या 23–26, 2025।

डॉ. सुतनु माजीः

- रजउद्दीन, एस. माजी, पी. कुमार, ए. मिलन, आई. अली (2024)। ट्रॉन्सफॉर्मिंग लिव्स थ्रू हॉर्टिकल्चरः ए विजन फॉर सस्टेनबल ग्रोथ। न्यू एरा एग्रीकल्चर मैगज़ीन। 3(2): 114–117।
- रजउद्दीन, एस. माजी, पी. कुमार और एस. पूनिया (2024)। द एसेन्स ऑफ हॉर्टिकल्चर साइन्स एण्ड इट्स फ्यूचर पर्स्पेक्टिव्सः कल्टिवेटिंग ए सस्टेनबल फ्यूचर। द एग्रीकल्चर मैगज़ीन। 3(11): 313–315।
- रजउद्दीन, एस. माजी, वी. कुमार, ए. मिलन और आई. अली (2024)। कृषि में महिलाएँः खाद्य उत्पादन की गुमनाम नायक। न्यू एरा एग्रीकल्चर मैगज़ीन। 3(3): 43–47।
- रजउद्दीन, एस. माजी, विपिन, ए. मिलन, आई. अली (2024)। रूरल लाइव्लिहुड थ्रू एग्री–हॉर्टिकल्चरः ए कॉर्नरस्टोन ऑफ ससटेनबिलिटी। न्यू एरा एग्रीकल्चर मैगज़ीन 3(3):73–76।
- रजाउद्दीन, एस. माजी, पी. कुमार, ए. मिलन और आई. अली (2024)। द प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीः ए कैटलिस्ट फॉर एग्रिकल्चरल एण्ड हॉर्टिकल्चरल ग्रोथ। न्यू एरा एग्रीकल्चर मैगज़ीन। 3(3):16–21।
- आर. सी. मीना, जी. सी. यादव, जी. सी. और एस. माजी, (2024)। प्याज की खेती। लोकप्रिय लेख, मरुधर कृषि, पृष्ठ 23–26।

डॉ. रूबी लता

- एच.के. मौर्य, आर. लता, डी.एस. मित्रा और एस. सुंदर, "प्रिसिशन एग्रिकल्चरः ऑप्टिमाइज़िंग रिसोर्सेस फॉर हाइयर यील्ड एण्ड सस्टेनबिलिटी", एग्री आर्टिकल्स (एग्रीकल्चर आर्टिकल्स के लिए ई–मैगज़ीन), वॉल्यूम 4, नंबर 6, पृष्ठ 714–716, 2024।
- एच. के. मौर्य, आर. लता, एस. सुंदर, डी.एस. मित्रा और डी.के. मीना, "कामन फिज़ियोलॉजिकल डिसॉर्डर्स ऑफ कॉलीफ्लावर एण्ड देयर मैनेजमेंट", द एग्रीकल्चर मैगज़ीन, वॉल्यूम 4, नंबर 5, पृष्ठ 83–87, जनवरी, 2025।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

आचार्य संजय कुमार

- उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में सतत कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए संभावनाओं और चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सब्जी फसलों में शोध पहल'' पर प्रस्तुत दिया।
- 8 से 9 नवंबर 2024 को श्री सत्य साईं मानव उत्कृष्टता विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक के जीवन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञानः सतत विकास के लिए सहयोगी मार्ग' विषय पर पहले अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''संरक्षित सब्जियों की खेती में कीट प्रबंधन के लिए जैव प्रौद्योगिकी कुंजी'' पर समीक्षा प्रस्तुत की।
- 18–19 नवंबर, 2024 के दौरान आईसीएआर–आईआईएसआर, लखनऊ में हाई–टेक बागवानी, बागवानी नवाचारों, खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जलवायु लचीला स्मार्ट कृषि प्राप्त करने के लिए नवाचारों पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

आचार्य दीपा एच. द्विवेदी

- दिनांक 07.05.2024 से 16.05.2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (यूजीसी–एमएमटीटीसी) द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ''एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम'' में भागीदारी।
- 27 जुलाई, 2024 को कलाम केंद्र, केजीएमयू, लखनऊ में आयोजित ''स्वास्थ्य विज्ञान संस्थानों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथि वक्ता।
- आईसीएआर–केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ''शाश्वत सृष्टि संरक्षण–प्राकृतिक आपदाओं से विश्व की रक्षा हेतु प्रतिज्ञाः कृषि–जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान।
- 17–19 अक्टूबर, 2024 के दौरान एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल), उत्तराखंड द्वारा आयोजित ''भारत में हिमालय में बागवानी पर प्रगतिशील बागवानी'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीएचएनएस–2024) में प्रशंसा प्रमाण पत्र और अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- 17–19 अक्टूबर, 2024 के दौरान एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल), उत्तराखंड द्वारा आयोजित ''भारत में हिमालय में बागवानी पर प्रगतिशील बागवानी'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीएचएनएस–2024) में ''खुबानी तेलः हिमालय के लिए एक लाभकारी उद्यम'' पर मुख्य व्याख्यान।
- 17–19 अक्टूबर, 2024 के दौरान एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल), उत्तराखंड द्वारा आयोजित ''भारत में हिमालय में बागवानी पर प्रगतिशील बागवानी'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीएचएनएस–2024) में ''कटाई उपरांत एवं मूल्य संवर्धन प्रौद्योगिकियों'' पर मुख्य व्याख्यान।
- 8 मार्च, 2025 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रगति में उनके उत्कृष्ट समर्पण, प्रतिबद्धता और योगदान के सम्मान में भागीदारी।

डॉ. गुलाब चंद यादवः

i. 20–22 फरवरी, 2025 के दौरान जीबीपीयूएटी पंतनगर में आयोजित 'विकसित भारत के लिए कृषि में अग्रणी विज्ञान और प्रौद्योगिकियां' विषय पर 17वें कृषि विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।

ii. 20–22 फरवरी, 2025 के दौरान जीबीपीयूएटी पंतनगर में आयोजित 'विकसित भारत के लिए कृषि में अग्रणी विज्ञान और प्रौद्योगिकी' विषय पर 17वें कृषि विज्ञान कांग्रेस में ''सब्जी फसल नवाचार में नैनोकणों की शक्ति को अनलॉक करना'' विषय पर मौखिक प्रस्तुति।

iii. माननीय राज्यपाल भवन, लखनऊ, 2025 में प्रादेशिक फाल–शक भाजी एवं पुष्पा प्रदर्शिनी के न्यायाधीश के रूप में काम किया।

डॉ. सुतनु माजीः

i. 22–23 नवंबर, 2024 को आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर माइनर फ्रूट्स, मेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स और विश्व भारती द्वारा आयोजित 'माइनर फ्रूट्स, मेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स' पर 7वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और मौखिक प्रस्तुति दिया।

ii. एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत द्वारा 21–22 फरवरी 2025 को आयोजित एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (डीईटी–ईएएस) –2025 में "भारत में ड्रैगन फ्रूट की खेतीः भविष्य की संभावना" पर आमंत्रित व्याख्यान।

iii. 5–11 अगस्त, 2024 को एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली–एनसीआर, सोनीपत, हरियाणा के पर्यावरण विज्ञान और कृषि विज्ञान विभाग द्वारा मिलकर आयोजित "क्लाइमेट चेंज और एग्रीकल्चर पर इसका असर" विषय पर एक सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) में रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित व्याख्यान।

डॉ. रूबी लताः

i. 3–5 नवंबर, 2024 को ''प्राकृतिक कृषि नवाचारः हरित कृषि भविष्य के लिए एआई और ड्रोन के साथ मृदा स्वास्थ्य और बीज की गुणवत्ता में वृद्धि'' विषय पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में भाग लिया। यह सम्मेलन गुजरात प्राकृतिक कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, हलोल; भारतीय आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन सोसाइटी, नई दिल्ली; आईसीएआर–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; भारतीय कृषि विज्ञान सोसायटी, नई दिल्ली; हिंदुस्तान कृषि अनुसंधान कल्याण सोसायटी, आगरा, दक्षिणी संघीय विश्वविद्यालय, रूस; कैम्ब्रिज अंतर्राष्ट्रीय कृषि संगठन, सीआईएओ; आईएजीएससी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी; सीआईएमएमवाईटी–भारत, नई दिल्ली; आईसीएआरडीए–भारत, नई दिल्ली; हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; और डी. वाई. पाटिल कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर द्वारा हाइब्रिड मोड में हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था।

ii. 21–22 फरवरी 2025 के दौरान एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली–एनसीआर, सोनीपत द्वारा आयोजित 'पर्यावरण और कृषि–खाद्य विज्ञान में सतत समाधान के लिए भविष्य की मांग और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां' (डीईटी–ईएएस–2025) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'उपेक्षित लघु फलों का पोषण पावरहाउस' पर पेपर प्रस्तुत किया।

iii. 21–22 फरवरी 2025 के दौरान एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली–एनसीआर, सोनीपत द्वारा आयोजित 'पर्यावरण और कृषि–खाद्य विज्ञान में सतत समाधान के लिए भविष्य की मांग और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां (डीईटी–ईएएस–2025)' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मानव स्वास्थ्य और पोषण सुरक्षा के लिए कम उपयोग वाली सब्जी फसलों के महत्व' पर पेपर प्रस्तुत किया।

iv. 21–22 फरवरी 2025 के दौरान एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली–एनसीआर, सोनीपत द्वारा आयोजित 'पर्यावरण और कृषि–खाद्य विज्ञान में सतत समाधान के लिए भविष्य की मांग और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां' (डीईटी–ईएएस–2025) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ड्रैगन फ्रूट और भोजन की धारणा पर इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव' पर पेपर प्रस्तुत किया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य संजय कुमार

- दिनेश कुमार मीणा ने ''इफेक्ट ऑफ फॉलीयर अप्लीकेशन ऑफ माइक्रोन्यूट्रिएंट्स ऑन ग्रोथ, यील्ड, क्वालिटी एण्ड इकोनॉमिक्स इन कॉलीफ्लावर (ब्रैसिका ओलेरासिया वर. बोट्राइटिस एल)'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- दीक्षा संघ मित्रा ने "स्टडीज ऑन कंबाइनिंग एबिलिटी, हेटेरोसिस, कोरिलेशन एण्ड पाथ कोएफिशिएंट इन ब्रिंजल (सोलेनम मेलोंगेना एल.)'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- सुनील कुमार रावत ने "इफेक्ट ऑफ डिफरेंट लेवेल्स़ ऑफ फॉस्फोरस, जिबरेलिक एसिड एण्ड पिकिंग ऑन क्वालिटी सीड प्रोडक्शन इन ओक्रा (एबेलमोस्कस एस्कुलेंटस एल. मोएंच)'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- रतन कुमार पाल ने "स्टडीज ऑन लाइन एक्स टेस्टर एनालिसिस फॉर यील्ड एंड इट्स एट्रिब्यूटिंग ट्रेट्स इन टोमैटो (सोलेनम लाइकोपर्सिकम एल.)'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- नीरज कुमार प्रजापति ने "एक्सप्लोरिंग द जेनेटिक आर्किटेक्चर ऑफ यील्ड एंड इकोनॉमिक ट्रेट्स इन खीरा (कुकुमिस सैटिवस एल.)" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।

आचार्य दीपा एच. द्विवेदी

- सुधीर कुमार यादव ने ''नैनो एनकैप्सुलेशन ऑफ़ ऑर्गेनिक फर्टिलाइज़र्स एंड इट्स एफिकेसी ऑन स्पिंच बीट (बीटा वल्गेरिस वर. बेंगालेंसिस रॉक्सब) प्रोडक्शन'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- राजेश कुमार मीणा ने ''नैनो–फॉर्टिफिकेशन ऑफ फर्टिलाइज़र्स फॉर एफीशियेंट टोमैटो (सोलेनम लाइकोपर्सिकम एल.) प्रोडक्शन'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- श्याम सुंदर ने "ऑप्टिमाइजेशन ऑफ स्पेसिंग एण्ड वाटर न्यूट्रिशनल रिजीम्स फॉर क्वालिटी प्रोडक्शन ऑफ वॉटर चेस्टनट (ट्रैपा नैटंस वर. बिस्पिनोसा रॉक्स्ब)'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- शिवांगी मिश्रा ने "डायवर्सिटीज ऑन वॉटर चेस्टनट (ट्रैपा नैटंस वर. बिस्पिनोसा रॉक्स्ब) जर्मप्लाज्म ऑफ लखनऊ डिविजन फाइलोग्नेटिक एनालिसिस'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- आदित्य कुमार मौर्य ने "मैपिंग एण्ड एकरीज इस्टीमेशन ऑफ वॉटर चेस्टनट (ट्रैपा नैटंस वर. बिस्पिनोसा रॉक्स्ब) पाण्ड्स इन लखनऊ डिविजन थ्रू स्पेशियल टेक्नीक'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।

आचार्य एम. एल. मीना

- सुश्री अंजलि ने "स्टडीज ऑन हेटेरोसिस एण्ड कंबाइनिंग एबिलिटी फॉर यील्ड एण्ड क्वालिटी ट्रेट्स इन ओक्रा (एबेलमोस्कस एस्कुलेंटस (एल.) मोएंच)'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- श्री सूरज पासवान ने "स्टडीज ऑन हेटेरोसिस एण्ड कंबाइनिंग एबिलिटी फॉर यील्ड इंप्रूवमेंट इन स्पंज गॉर्ड (लुफ्फा सिलिंड्रिकल (एल.) रोम)'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।

- श्री पंकज कुमार ने "स्टडीज ऑन जेनेटिक वैरियबिलिटी, करेक्शन एण्ड पाथ एनॉलिसिस इन ऑनियन (एलियम सेपा एल.)'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।

आचार्य जी. सी. यादव

- श्री प्रदीप कुमार ने पीएच.डी के लिए नामांकन किया है और भिंडी में हेटेरोसिस ब्रीडिंग पर काम कर रहे हैं।
- श्री विकास सिंह ने पीएच.डी के लिए नामांकन किया है और बैंगन में हेटेरोसिस ब्रीडिंग पर काम कर रहे हैं।
- श्री अनुज तिवारी ने ने पीएच.डी के लिए नामांकन किया है और टमाटर के जेनेटिक आर्किटेक्चर पर काम करेंगे।
- श्री रेहान अंजुम ने ने पीएच.डी के लिए नामांकन किया है और मटर की सब्जी में जेनेटिक स्टडी पर काम करेंगे।
- श्री धीरज कुमार सरोज ने ने पीएच.डी के लिए नामांकन किया है और भिंडी में हेटेरोसिस ब्रीडिंग पर काम करेंगे।
- श्री रमेश खरवार ने ने पीएच.डी के लिए नामांकन किया है और करेले में हेटेरोसिस ब्रीडिंग पर काम कर रहे हैं।

डॉ. सुतनु माजी

- रमेश चंद मीणा ने ''एफिकेसी ऑफ वेराइयेटीज एण्ड ट्रॉन्सप्लांटिंग डेट्स ऑन खरीफ ऑनियन (एलियम सेपा एल.) अंडर लखनऊ कंडीशन्स'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- रज़उद्दीन ने ''इफेक्ट ऑफ नैनो युरिया, टाइटेनियम डाईआक्साइड (TiO_2), एण्ड ज़िंक ऑक्साइड (ZnO) नैनोपार्टिकल्स ऑन द ग्रोथ, यील्ड एण्ड क्वालिटी ऑफ ओक्रा (एबेलमोस्कस एस्कुलेंटस (एल.) मोएंच'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- रविकांत ने ''न्यूट्रियेंट शेड्यूलिंग फॉर ऑप्टिमम ग्रोथ, फ्लावरिंग एण्ड फ्रूटिंग इन ड्रैगन फ्रूट (हाइलोसेरेस कोस्टारिसेंसिस (वेबर) ब्रिटन एंड रोज)'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।

डॉ. रवि शंकर वर्मा

- श्री सौरभ वर्मा ने "स्टडीज ऑन इफेक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड न्यूट्रियेंट मैनेजमेंट इन ड्रैगन फ्रूट (हाइलोसेरेस कोस्टारिसेंसिस (वेबर) ब्रिटन एंड रोज)'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- श्री बिपिन कुमार ने "स्टडीज ऑन जेनेटिक वेरियबिलिटी इन स्ट्रॉबेरी (फ्रैगरिया अनानासा × डच) अंडर लखनऊ रीजन'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।

डॉ. रूबी लता

- सुश्री उषा शुक्ला ने "स्टडीज ऑन जेनेटिक वैरियबिलिटी इन वुड एप्पल (फेरोनिया लीमॉनिया एल.) जेनोटाइप्स अंडर अवध रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- श्री ब्रजेंद्र कुमार पुष्कर ने "इफेक्ट ऑफ प्लांट ग्रोथ रेग्युलेटर्स ऑन रूटिंग ऑफ माइक्रो कट्टिंग्स ऑफ एसिड लाइम (साइट्रस ऑरेंटिफोलिया स्विंगल)" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।
- श्री हरीश कुमार मौर्य ने "स्टडीज ऑन हेटेरोसिस, कंबाइनिंग एबिलिटी एण्ड जीन एक्शन फॉर क्वांटिटेटिव ट्रेट्स इन टोमैटो (सोलनम लाइकोपर्सिकॉन एल.)" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन किया।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी

आचार्य संजय कुमार

- अनुश्रुति को "इफेक्ट ऑफ डिफरेंट प्लांटिंग डेट्स एण्ड प्लांट स्पेशिंग्स ऑन ग्रोथ, यील्ड एण्ड क्वालिटी ऑफ कैब्बेज (ब्रैसिका ओलेरासिया अंत. कैपिटाटा एल.)'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच. डी. प्रदान की गयी।
- विकास कुमार सोनकर को "इफेक्ट ऑफ फोलीयर स्प्रे ऑफ माइक्रो–न्यूट्रिएंट्स ऑन फ्रूट ग्रोथ, यील्ड एण्ड क्वालिटी ऑफ ग्वावा (सिडियम ग्वाजावा एल.) सीवी. ललित'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

आचार्य दीपा एच. द्विवेदी

- सुधीर कुमार यादव को ''नैनो एनकैप्सुलेशन ऑफ़ ऑर्गेनिक फर्टिलाइज़र्स एंड इट्स एफिकेसी ऑन स्पिंच बीट (बीटा वल्गेरिस वर. बेंगालेंसिस रॉक्सब) प्रोडक्शन'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

आचार्य एम. एल. मीना

- सुश्री रुचिका आभा को "जेनेटिक वेरियबिलिटी, कोरिलेशन पाथ एनालिसिस इन काउपी (विग्नौंगिकुलाटा (एल.) वाल्प.)'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।
- श्री अभिषेक कुमार तिवारी को "इफेक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट ऑन ग्रोथ, यील्ड एण्ड क्वालिटी ऑफ ऑनियन (एलियम सेपा एल.) सीवी. पूसा शोभा" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच. डी. प्रदान की गयी।

डॉ. सुतनु माजी

- माया राम को "स्टडीज ऑन ऑफ–सीज़न प्रोडक्शन ऑफ ऑनियन (एलियम सेपा एल.) सीवी. एग्री फाउंड डार्क रेड" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. 2025 में प्रदान की गयी।

डॉ. रवि शंकर वर्मा

- धर्मराज मीणा को "इफेक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड न्यूट्रियेंट मैनेजमेंट ऑन ग्रोथ, यील्ड एण्ड क्वालिटी ऑफ रैडिश (राफानस सैटिवस एल.)'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः–

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–

आचार्य संजय कुमार

- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से 26 जनवरी 2024 को आउटस्टैंडिंग अचीवर अवॉर्ड।

आचार्य दीपा एच. द्विवेदी

- राजेश कुमार मीणा, दीपा एच. द्विवेदी और इंद्रेश कुमार (2024)। कृषि अनुप्रयोगों के लिए पीले ओलियंडर (थेवेटिया पेरुवियानन (पर्स.) के. स्कम) स्टेम अर्क का उपयोग करके सिल्वर नैनोकणों का ग्रीन संश्लेषण, पेटेन्ट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार से।

डॉ. सुतनु माजी

- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से जीवन विज्ञान के क्षेत्र में शोध और शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार।
- पेटेंट के लिए आवेदन किया (नंबर– 202411001303)

डॉ. रवि शंकर वर्मा

- डॉ. एच.बी. सिंह अवॉर्ड (उद्यान)

डॉ. रूबी लता

- 3–5 नवंबर, 2024 को गुजरात नेचुरल फार्मिंग साइंस यूनिवर्सिटी, हलोल; इंडियन सोसाइटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नई दिल्ली; आईसीएआर–इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली; इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, नई दिल्ली द्वारा हाइब्रिड मोड में हंसराज कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी में आयोजित ''नेचुरल फार्मिंग इनोवेशनः ग्रीन एग्रीकल्चरल फ्यूचर के लिए एआई और ड्रोन से मिट्टी की हेल्थ और बीज की क्वालिटी को बढ़ाना'' विषय पर दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के मौके पर 'यंग वुमन साइंटिस्ट अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

आचार्य संजय कुमार

- परास्नातक/स्नातक/डिप्लोमा पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या– 06
- सिविल सेवा (यूपीएससी/यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या– 00
- उच्च शिक्षा में शिक्षण के लिए चयनित छात्रों का विवरण– 00
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या– 03
- अन्य सरकारी नौकरियों/बैंकिंग/ स्कूल शिक्षण आदि पर चयनित छात्रों की संख्या– 01
- स्लेट/नेट/जेआरएफ/किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या–

आचार्य दीपा एच. द्विवेदी

- परास्नातक/स्नातक/डिप्लोमा पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या– 04
- सिविल सेवा (यूपीएससी/यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या– 00
- उच्च शिक्षा में शिक्षण के लिए चयनित छात्रों का विवरण– 00
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या– 00
- अन्य सरकारी नौकरियों/बैंकिंग/ स्कूल शिक्षण आदि पर चयनित छात्रों की संख्या– 00
- स्लेट/नेट/जेआरएफ/किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या– 00

आचार्य एम.एल.मीना

- परास्नातक/स्नातक/डिप्लोमा पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या– 06
- सिविल सेवा (यूपीएससी/यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या– 01
- उच्च शिक्षा में शिक्षण के लिए चयनित छात्रों का विवरण– 01
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या– 04
- अन्य सरकारी नौकरियों/बैंकिंग/ स्कूल शिक्षण आदि पर चयनित छात्रों की संख्या– 01
- स्लेट/नेट/जेआरएफ/किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या– 01

आचार्य जी.सी. यादव

- परास्नातक/स्नातक/डिप्लोमा पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या– 04
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या– 07
- अन्य सरकारी नौकरियों/बैंकिंग/स्कूल शिक्षण आदि पर चयनित छात्रों की संख्या– 01

डॉ. सुतनु माजी

- परास्नातक/स्नातक/डिप्लोमा पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या– 08
- सिविल सेवा (यूपीएससी/यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या– 04
- उच्च शिक्षा में शिक्षण के लिए चयनित छात्रों का विवरण– 01
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या– 04
- अन्य सरकारी नौकरियों/बैंकिंग/ स्कूल शिक्षण आदि पर चयनित छात्रों की संख्या– 02
- स्लेट/नेट/जेआरएफ/किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या– 03

डॉ. रवि शंकर वर्मा

- परास्नातक / स्नातक / डिप्लोमा पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या– 06
- सिविल सेवा (यूपीएससी / यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या– 02
- उच्च शिक्षा में शिक्षण के लिए चयनित छात्रों का विवरण– 00
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या– 01
- अन्य सरकारी नौकरियों / बैंकिंग / स्कूल शिक्षण आदि पर चयनित छात्रों की संख्या– 01
- स्लेट / नेट / जेआरएफ / किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या– 01

डॉ. रूबी लता

- परास्नातक / स्नातक / डिप्लोमा पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या– 06
- सिविल सेवा (यूपीएससी / यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या– 01
- उच्च शिक्षा में शिक्षण के लिए चयनित छात्रों का विवरण– 01
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या– 04
- अन्य सरकारी नौकरियों / बैंकिंग / स्कूल शिक्षण आदि पर चयनित छात्रों की संख्या– 01
- स्लेट / नेट / जेआरएफ / किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या– 01

9. विभाग / केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	17
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	58
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	3
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं / सम्मेलनों / सेमिनारों / आदि की कुल संख्या	
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	6
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	39
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	
8.	डिप्लोमा / प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	
9.	छात्रों की कुल संख्या	12
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	4
11.	पेटेंट / कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज / प्रदान की गई	2
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	6
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	23

अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एएसएसएस) ने वर्ष 1998 में अपने शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए थे। विद्यापीठ ने सबसे पहले अर्थशाास्त्र और इतिहास विभाग से शुरूआत की और 2008 में इसमें तीन नए विभाग और एक केंद्र जोड़ा गया। बाद में 2015 में लोक प्रशासन विभाग भी शुरू हुआ। इस प्रकार, विद्यापीठ में वर्तमान में पाँच स्नातकोत्तर विभाग और एक केंद्र है। इसमें अर्थशास्त्र विभाग, इतिहास विभाग, समाजशास्त्र विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग, लोक प्रशासन विभाग और सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र (सीएसएसआई) शामिल हैं। विद्यापीठ यूजी, पीजी और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है और इसका अंतःविषयक अभिविन्यास है। यह विद्यापीठ सामाजिक विज्ञान में स्नातकोत्तर शिक्षण और अनुसंधान में उत्श्ष्टता का एक केंद्र है। इसका एक जीवंत शैक्षणिक माहौल है जो इसके शिक्षण अनुसंधान तथा अन्य गतिविधियों जैसे कि विशेष व्याख्यान, सेमिनार और आज के समय के बड़े महत्व के मुद्दों पर और कार्यशालाओं में परिलक्षित होता है।

अर्थशास्त्र विभाग

विभाग का परिचय

अर्थशास्त्र विभाग वर्ष 2000 में शिक्षा की गुणवत्ता उन्नत तरीकों के माध्यम से सीखने और सार्थक अनुसंधान के साथ छात्रों और संकायों के साथ प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था।

इसका उद्देश्य व्यावहारिक और समकालीन आर्थिक मुद्दों में शिक्षण और शोध में अकादमिक उत्कृष्टता का एक संस्थान बनना है। विभाग वर्तमान में अर्थशास्त्र में एम.ए., एम.एससी. और पीएच.डी. चलाता है। इसमें शिक्षण और अनुसंधान में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के साथ अच्छी तरह से योग्य संकाय सदस्य हैं। छात्रों और समाज की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए विभाग अक्सर अपने पाठ्यक्रम को अद्यतन करता है।

विभाग की ताकत

- योग्य और अनुसंधान उन्मुख संकाय सदस्य।
- अच्छा अनुसंधान आउटपुट (किताबें, अध्याय, पत्रिकाएं)।
- अच्छी तरह से सुसज्जित बुनियादी ढांचा (आईसीटी, प्रलेखन केंद्र, प्रयोगशाला)।
- अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलनों का आयोजन।
- शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय छात्र भागीदारी।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

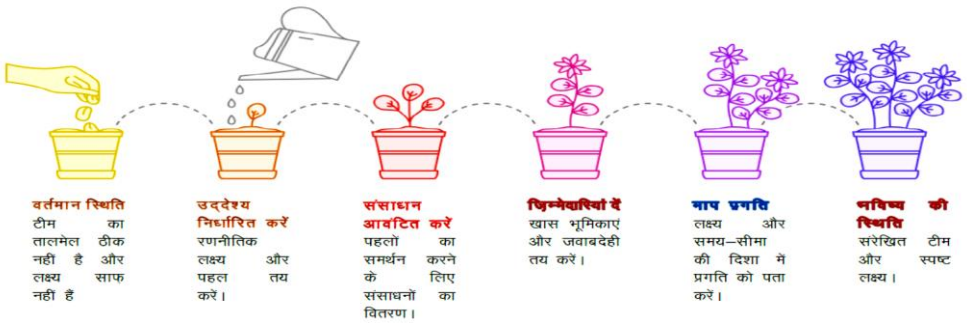

पाठ्यक्रम और शिक्षण

- व्यवहारिक अर्थशास्त्र में कौशल आधारित प्रमाण पत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम पेश करना।
- मिश्रित शिक्षा के लिए एमओओसी और ई–सामग्री विकसित करना।

शोध और प्रकाशन

- सहयोगी अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करें।
- संकाय और छात्रों को स्कोपस/यूजीसी केयर प्रकाशनों के लिए प्रोत्साहित करना।

छात्र सहायता और प्रगति

- नेट/जेआरएफ और सिविल सेवाओं के लिए सलाह प्रणाली को मजबूत बनाना।
- पूर्व छात्रों के सहयोग से स्थायी निधि छात्रवृत्ति स्थापित करना।

विस्तार और आउटरीच

- कम से कम 2 अंतर्राष्ट्रीय और 3 राष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों का आयोजन करें।
- सरकारी और निजी संगठनों के लिए परामर्श सेवाएं बढ़ाना।

अवसंरचना विकास

- आईसीटी सुविधाओं का विस्तार और उन्नत सॉफ्टवेयर के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला का उन्नयन।
- डिजिटल एक्सेस के साथ विभागीय अनुसंधान संसाधन केंद्र का विकास करना।

पूर्व छात्र और नेटवर्किंग

- संरचित वार्षिक बैठकों के माध्यम से पूर्व छात्रों के जुड़ाव को मजबूत करना।
- पूर्व छात्रों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान और छात्र सहायता पहल बनाएं।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- पाठ्यक्रम नियमित रूप से अर्थशास्त्र और नीति में उभरती मांगों को पूरा करने के लिए अद्यतन किया जाता है।

पाठ्यक्रमों की पेशकशः

- एम.ए. अर्थशास्त्र
- एम.एस.सी. अर्थशास्त्र
- पीएच.डी. अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन

- इकोनोमेट्रिक्स, पर्यावरण अर्थशास्त्र, मात्रात्मक तकनीकों जैसे उन्नत तरीकों से डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रम।
- संकाय, पाठ्यक्रम समितियों (बीपीजीएस, डीआरसी, बीयूजीएस) में शामिल है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में विकल्प–आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करता है।
- शोध अध्येताओं ने अंतःविषय विषयों (पर्यावरण, लिंग अर्थशास्त्र, सार्वजनिक नीति, जलवायु परिवर्तन, आदि) में निर्देशित किया।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन



- स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से आईसीटी का एकीकरण।
- सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग (स्टेटा, एसपीएसएस).
- विभागीय सेमिनार और कार्यशालाएं पाठ्यक्रम वितरण को बेहतर बनाते हैं।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- प्रतिक्रिया के लिए संरचित तंत्र विभागीय समितियों के माध्यम से मौजूद है।
- संकाय सदस्य सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया और गुणवत्ता आश्वासन (आईक्यूएसी, प्रतिक्रिया समिति) में शामिल हैं।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल

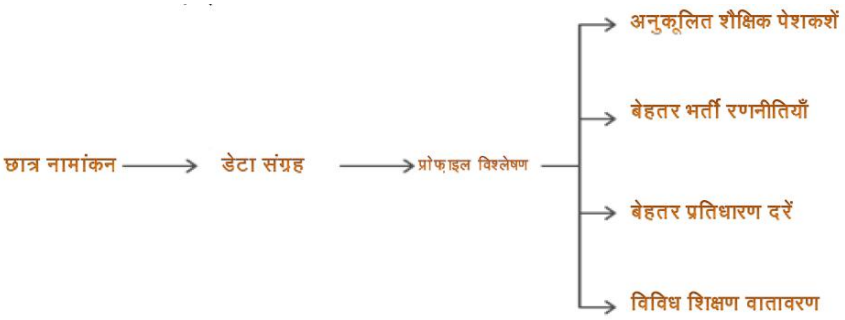

- परास्नातक छात्रः एम.ए. (34), एम.एससी. (17)।
- पीएच.डी. अध्येता (सक्रिय और पुरस्कृत): 42+ (7 के बीच पुरस्कृत किया 2024–25)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- अलग–अलग राज्यों और सामाजिक पृष्ठभूमि के छात्र।
- संकायों द्वारा रेमेडियल क्लास और मेंटरिंग।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- आईसीटी उपकरणों के साथ मिश्रित शिक्षण।
- सेमिनार, प्रोजेक्ट के माध्यम से स्मार्ट क्लासरूम और व्यक्तिगत मार्गदर्शन।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता



- संकायः 7 मुख्य सदस्य (आचार्य, उपाचार्य, सहायक आचार्य) पीएच.डी. और शोध विशेषज्ञता के साथ।
- सम्मेलनों और सहयोग के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- आंतरिक परीक्षण, कार्य, वाइवा–वाइस, प्रस्तुतियाँ।
- पीएच.डी. अध्येता के लिए निरंतर मूल्यांकन (आरडीसी, प्रगति रिपोर्ट)।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- 2024–25 के दौरान 07 पीएच.डी. डिग्री दी गई।
- छात्रों ने यूजीसी–नेट/जेआरएफ को पास किया और शिक्षण और शोध में प्रवेश किया।
- कई छात्र उच्च अध्ययन कर रहे हैं और शैक्षणिक/अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

2.7 विद्यार्थी संतुष्टि सर्वेक्षण

- विभाग आईक्यूएसी शिक्षण गुणवत्ता, पाठ्यक्रम और सुविधाओं पर संरचित प्रतिक्रिया एकत्र करता है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 शोध और सुविधाओं को बढ़ावा देना



- स्टेटा, एसपीएसएस के साथ अच्छी तरह से विकसित कंप्यूटर प्रयोगशाला।
- प्रलेखन केंद्र पत्रिकाओं के साथ, किताबें, ई–संसाधन।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना

- वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं और सहयोग (आईसीएसएसआर कार्यशालाओं, सीबीपीएस) में शामिल संकाय।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- जलवायु परिवर्तन, लैंगिक अर्थशास्त्र, पर्यावरण और कृषि अर्थशास्त्र में अंतःविषय अनुसंधान।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- संकाय ने प्रतिष्ठित जर्नल्स (स्प्रिंगर, एल्सवेयर, रूटलेज) में प्रकाशित किया है।
- संकाय सदस्यों द्वारा लिखी और संपादित की गई पुस्तकें।
- संपादित वॉल्यूम में कई अध्याय।

3.5 परामर्शदाता

- संकाय सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों को परामर्श (भुगतान और अवैतनिक) प्रदान करते हैं।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- एनएसएस, पूर्व छात्रों की गतिविधियों, महिला प्रकोष्ठ, एंटी–रैगिंग, अतिरिक्त समन्वय में शामिल संकाय।

3.7 सहयोग

- यूपीयूईए, आईसीएसएसआर, राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ सम्मेलनों/सेमिनारों के माध्यम से सहयोग

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन



4.1 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट क्लासरूम, सेमिनार हॉल।
- आईसीटी सुविधाओं वाले संकाय कक्ष।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- किताबों, पत्रिकाओं, ई–संसाधनों वाला विभागीय प्रलेखन केन्द्र।

4.3 आईटी अवसंरचना

- विभागीय कम्प्यूटर केन्द्र जिसमें सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर और इंटरनेट की सुविधा है।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- सुविधाओं का रखरखाव नियमित रूप से विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशासन द्वारा किया जाता है।

5. छात्र सहायता और प्रगति

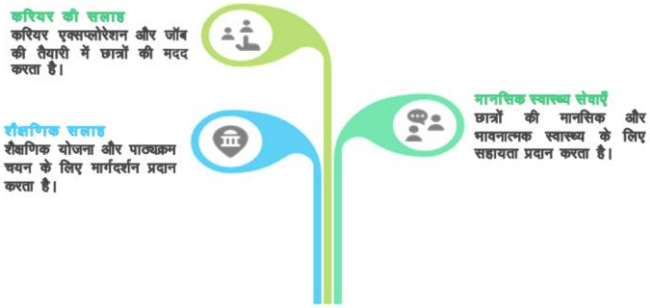

5.1 छात्र सहायता

- सलाह प्रणाली।
- नेट/जेआरएफ की तैयारी के लिए संकाय मार्गदर्शन।

5.2 छात्र प्रगति

- कई छात्र उच्च शिक्षा, शिक्षण और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।
- उच्च शिक्षा में 6 छात्र कार्यरत हैं।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- छात्रों ने विभागीय सेमिनार, कार्यशालाओं में भाग लिया।
- एनएसएस और शैक्षणिक कार्यक्रमों में भागीदारी।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र प्रकोष्ठ सक्रिय रूप से समन्वित।
- पूर्व छात्र शैक्षणिक बातचीत और सलाह में योगदान करते हैं।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विभाग का दृष्टिः अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र में शिक्षण, शोध और विस्तार में उत्कृष्टता कार्य करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- गतिविधियों की वार्षिक विभागीय योजना (सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन)।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- सीबीपी, एफडीपी, रिफ्रेशर कोर्स के लिए संकाय सदस्यों को भेजा जाता है।
- शोध सहयोग के अवसर प्रदान करना।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- आईसीएसएसआर और बाहरी एजेंसियों के माध्यम से अनुसंधान के लिए धन जुटाना।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- विभाग के आईक्यूएसी समन्वयक निरंतर सुधार सुनिश्चित करते हैं।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- एनएसएस, महिला प्रकोष्ठ, शिकायत निवारण और सामाजिक आउटरीच में संकाय की भागीदारी।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- जलवायु परिवर्तन और सतत विकास के मुद्दों को शोध में शामिल करना।
- शिक्षण–अधिगम में आईसीटी और सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- पर्यावरण अर्थशास्त्र, जलवायु परिवर्तन, श्रम अध्ययन में मज़बूत शोध प्रोफ़ाइल।
- प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में महत्वपूर्ण अनुसंधान उद्धरण और संपादकीय भूमिकाओं वाले संकाय सदस्य।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट):

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य सनातन नायक**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र
  विशेषज्ञताः पर्यावरण अर्थशास्त्र, अर्थमिति, अर्थशास्त्र में कंप्यूटर अनुप्रयोग, कृषि अर्थशास्त्र
  योग्यताः एम.ए., एम.फ़िल., पीएच.डी., एम.एससी. (पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण)
- **आचार्य एन एम पी वर्मा (31 दिसंबर 2024 को सेवानिवृत्त)**
  वरिष्ठ आचार्य, अर्थशास्त्र
  विशेषज्ञताः विकास अर्थशास्त्र, समष्टि अर्थशास्त्र
  योग्यताः एम.ए., पीएच.डी.
- **आचार्य एल सी मल्लैया (अवकाश पर)**
  आचार्य, अर्थशास्त्र

विशेषज्ञताः सूक्ष्म अर्थशास्त्र, अम्बेडकर अर्थशास्त्र, लैंगिक अर्थशास्त्र, भेदभाव का अर्थशास्त्र, औद्योगिक अर्थशास्त्र
योग्यताः एम.ए., एम.फ़िल., पीएच.डी.

- **आचार्य डी के यादव**
  आचार्य, अर्थशास्त्र
  विशेषज्ञताः मौद्रिक अर्थशास्त्र, अर्थमिति गणितीय अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, लोक अर्थशास्त्र
  योग्यताः एम.ए., पीएच.डी.
- **डॉ. सुरेन्द्र मेहर**
  उपाचार्य, अर्थशास्त्र
  विशेषज्ञताः श्रम अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, संवृद्धि और विकास का अर्थशास्त्र, अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र
  योग्यताः एम.ए., एम.फ़िल. और पीएच.डी.
- **डॉ. प्रणव कुमार आनंद**
  सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र
  विशेषज्ञताः कृषि अर्थशास्त्र, वृद्धि एवं विकास अर्थशास्त्र, परिमाणीकरण विधियाँ, लोक अर्थशास्त्र एवं भारतीय अर्थव्यवस्था
  योग्यताः एम.ए., एम.फिल. एवं पीएच.डी.
- **डॉ. सुरेन्द्र सिंह जाटव**
  सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र
  विशेषज्ञताः जलवायु परिवर्तन अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र, सूक्ष्म अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, कृषि अर्थशास्त्र, विकास अर्थशास्त्र
  योग्यताः एम.ए., एम.फिल. एवं पीएच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पदः–

आचार्य एन एम पी वर्मा

- 30 दिसंबर, 2024 से 12 मई, 2024 तक अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

आचार्य सनातन नायक

- 13 मई 2024 से आज तक अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- अध्यक्ष, ओबीसी प्रकोष्ठ।
- सदस्य, बजट समिति, बीबीएयू।

डॉ. प्रणव कुमार आनंद

- कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस, बीबीएयू; 01 –02 –2022 से।

डॉ. सुरेंद्र मेहर

- सदस्य, डीआरसी, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू लखनऊ।
- सदस्य, बीपीजीएस, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।

डॉ. सुरेंद्र सिंह जाटव

- सदस्य प्लेसमेंट सेल, बीबीएयू, लखनऊ (2021 से)।
- समन्वयक, आईक्यूएसी, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ (08.08.2022 से)।
- सदस्य बीयूजीएस, वाणिज्य विभाग, बीबीएयू, लखनऊ (2022 से)।
- समन्वयक, एल्युमनी प्रकोष्ठ, बीबीएयू, लखनऊ (2022 से)।
- सदस्य, फीडबैक तंत्र समिति, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ (21.06.2022 से)।
- संयोजक, पूर्व छात्र प्रकोष्ठ, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ (21.06.2022 से)।

- सदस्य, महिला प्रकोष्ठ, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ (21.06.2022 से)।
- सदस्य, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ (21.06.2022 से)।
- संयोजक, पाठ्येतर गतिविधि, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ (21.06.2022 से)।
- प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ (21.06.2022 से)।
- संयोजक, एंटी रैगिंग सेल, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ (21.06.2022 से)।
- सदस्य, इंटर्नशिप प्रकोष्ठ, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू, लखनऊ (21.06.2022 से)।
- वार्डेन, अशोका पुरूष छात्रावास, बीबीएयू, लखनऊ (05.01.2023 से)।
- सदस्य, बीयूजीएस, कृषि विज्ञान विभाग, एएमयू, अलीगढ़।
- सदस्य, बीयूजीएस, कृषि विज्ञान विभाग, केरल कृषि विश्वविद्यालय।
- उप–संपादक, फ्रंटियर्स ऑफ़ सस्टेनेबल फूड सिस्टम्स।
- सह–संपादक, डिस्कवर सस्टेनेबिलिटी।
- उप–संपादक, एसएन बिज़नेस एंड इकोनॉमिक्स (स्प्रिंगर नेचर)।
- समीक्षक, इकोलॉजिकल इंडिकेटर्स (एल्सेवियर)।
- समीक्षक, पर्यावरण विकास और सस्टेनेबिलिटी (स्प्रिंगर नेचर)।
- समीक्षक, जलवायु जोखिम प्रबंधन (एल्सेवियर)।
- समीक्षक, प्राकृतिक खतरे (स्प्रिंगर नेचर)।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य सनातन नायक

- मल्टिडाइमेन्शनल पॉवर्टी इन बेसिक कंट्रीज़ः ए कंपरेटिव एनालिसिस ऑफ चैलेंजस एण्ड स्ट्रैटजीस, पुष्पेंद्र सिंह और नवीन लिंडा के साथ, अनुभवजन्य अर्थशास्त्र पत्र, 2024, खंड 23, संख्या 2, पृष्ठ 273–288।
- असेसिंग एडॉप्टिव केपासिटी टू क्लाइमेट चेंज ऑफ फार्मर्स इन गांगेटिक प्लेन्स रीजन, इंडिया, सुरेंद्र सिंह जाटव, कालू नायक के साथ, डिस्कवर एग्रीकल्चर में, नवंबर, 2024, खंड 2, पृष्ठ 1–14।
- इग्ज़ॅमिनिंग रिलेटिव सिग्निफिकेन्स ऑफ सोसियो–डेमोग्रॉफिक फैक्टर्स विस–ए–विस इनकम इन कॉटेक्स्ट ऑफ अर्बन हाउशोल्ड एमिशन्स इन इंडियाः केस फ्रॉम लखनऊ सिटी, एकता श्रीवास्तव के साथ, जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी में, सितंबर, 2024, खंड 1 12, संख्या 9, पृ. 743–763।
- इंपैक्ट ऑफ रिवर वॉटर पॉल्यूशन ऑन राइस एण्ड व्हीट प्रोडक्टिविटीः ए केस स्टडी इन महाराजगंज डिस्ट्रिक्ट, इंडिया, सुरेंद्र सिंह जाटव और नाथू भारती के साथ कृषि विज्ञान डाइजेस्ट, सितंबर, 2024, खंड 45, अंक 5, पृ. 1–7।

आचार्य डी.के. यादव

- "लिंकेज बिट्वीन फाइनेन्शियल डेवेलपमेंट एण्ड इकोनामिक डेवेलपमेंटः एविडेन्सेस फ्रॉम सिक्स जियोग्रॉफिकल रीजन्स ऑफ इंडिया", शीर्षक से शोधपत्र, यूरोपियन इकोनॉमिक लेटर्स आईएसएसएन 2323–5233 खंड 15, अंक 2 (2025) में प्रकाशित।

डॉ. सुरेंद्र मेहर

- एनलाइज़िंग द रिटर्न्स एण्ड इनवेस्टमेंट ऑफ मार्केट पार्टिसिपेंट्स फॉर पेडी क्रॉप इन उत्तर प्रदेश राज्य (शेखर के साथ सह–लेखक), यूपीयूईए इकोनॉमिक जर्नल, खंड। 19 (डी), सम्मेलन संख्या 19 (खंड 4), अप्रैल 2024, पृ. 410–415, आईएसएसएनः 0975–2382।

- रीसेंट ट्रेंड्स ऑफ एंप्लाय्मेंट पैटर्न इन इनफॉर्मल सेक्टर इन इंडिया (शिवांश त्रिपाठी और निधि सिंह के साथ सह–लेखक), यूपीयूईए आर्थिक जर्नल, खंड 19 (डी), सम्मेलन संख्या 19 (खंड 4), अप्रैल 2024, पृ. 195–202, आईएसएसएनः 0975–2382।
- प्री– एण्ड पोस्ट–कोविद–19 इंपैक्ट ऑन द टूरिज्म इंडस्ट्री इन कश्मीर एण्ड लद्दाख (मोहम्मद सादिक के साथ सह–लेखक), जर्नल ऑफ सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी, खंड 4, संख्या 4, जून–जुलाई, 2024, पृ. 24–39, आईएसएसएनः 2799–1016।
- थियरेटिकल एण्ड कॉन्सेप्चूयल इवाल्यूशन ऑफ अनपेड वर्कः रिव्यू एण्ड कमेंट्स (अनुष्का सिंह के साथ सह–लेखक), मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, खंड 29, अंक 2, दिसंबर 2024, पृष्ठ 1–15।

डॉ. सुरेन्द्र सिंह जाटव

- राजकुमार, एस. बूपथी, और जाटव, एस. एस. (2024)। इम्पॉवरमेंट ऑफ फ़ीशर वोमेन थ्रू सेल्फ़–हेल्प ग्रूप्सः एमल्टिडाइमेन्शनल इंपैक्ट असेसमेंट इन तूतुकुड़ी, थूथुकुडी, तमिलनाडु, भारत। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, 60(4): 47–52. https://epubs.icar.org.in/index.php/IJEE/article/view/156285.
- जाटव, एस.एस. (2024)। इंपैक्ट ऑफ कोविड–19 ऑन लाइव्लिहुड्स ऑफ स्लम हाउशोल्ड्स इन आगरा सिटी, भारत। जर्नल ऑफ केमिकल हेल्थ रिस्क, 14(2): 1–5. https://jchr.org/index.php/JCHR/index.
- जाटव, एस.एस., नाथू, बी. और सनातन, एन. (2024)। इंपैक्ट ऑफ रिवर वॉटर पॉल्यूशन ऑन राइस एण्ड व्हीट प्रोडक्टिविटीः ए केस स्टडी इन महाराजगंज डिस्ट्रिक्ट, भारत। कृषि विज्ञान डाइजेस्ट, 44(4): 1–7 https://arccjournals.com/journal/agricultural-science-digest/D-5952.
- जाटव, एस. एस. (2024). फैक्टर्स अफेक्टिंग एडॉप्शन ऑफ क्लाइमेट–स्मार्ट एग्रिकल्चर प्रैक्टिसेसः एविडेन्स फ्रॉम उत्तर प्रदेश, भारत। भारतीय विस्तार शिक्षा जर्नल, 60(2): 27–32. https://epubs.icar.org.in/index.php/IJEE/article/view/149307.
- जाटव, एस. एस. (2024)। लाइव्लिहुड डाइवर्सिफिकेशन एण्ड रूरल हाउशोल्ड इकोनॉमिक सिक्योरिटी इन उत्तर प्रदेश, भारत। भारतीय विस्तार शिक्षा जर्नल, 60(3): 7–11. https://epubs.icar.org.in/index.php/IJEE/article/view/151802.
- जाटव, एस.एस. (2024)। मीजरिंग एडॉप्टिव केपॅसिटी ऑफ इंडियन एग्रिकल्चर टू क्लाइमेट चेंजः एन अप्लिकेशन ऑफ इंडिकेटर अप्रोच। एनआईडीएम जर्नलः आपदा और विकास, 13(1): 1–21।
- जाटव, एस.एस., कालू, एन. और सनातन, एन. (2024)। असेसिंग एडॉप्टिव केपासिटी टू क्लाइमेट चेंज ऑफ फार्मर्स इन गांगेटिक प्लेन्स रीजन, भारत। डिस्कवर एग्रीकल्चर, 5(347). https://link.springer.com/article/10.1007/s44279-024-00112-4.
- भरने, एस. पुष्पेंद्र, वाई. और सुरेंद्र एस.जे. (2025)। इफेक्ट ऑफ क्रॉप इंश्योरेन्स एण्ड एंप्लाय्मेंट सपोर्ट ऑन एग्रिकल्चरल हाउशोल्ड्स' वेल–बीयिंगः एविडेन्स फ्रॉम इंडिया। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, (61), 1:66–72. https://doi.org/10.48165/IJEE.2025.61112.
- जाटव, एस.एस. और पुष्पेंद्र, एस. (2025)। ट्रैकिंग ट्रेंड्स ऑफ मल्टिडाइमेन्शनल पॉवर्टी इन डिफरेंट मेनस्ट्रीम एग्रो–क्लाइमेटिक रीजन्स इन इंडियाः ए जियो–स्पेशियल एनॉलिसिस। इंडियन जर्नल ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट। https://journals.sagepub.com/home/jhd

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

सुरेंद्र मेहर

- ''एन इकोनामिक एनॉलिसिस ऑफ स्माल–स्केल इंडस्ट्रीज इन जम्मू एण्ड कश्मीर", (सुहैल अहमद भट्ट और शांभवी सिंह के साथ सह–लेखक), स्ट्रिंग प्रोडक्शन द्वारा प्रकाशित, अप्रैल 2024, आईएसबीएन 978–93–6048–262–6।

आचार्य डी. के. यादव

- पुस्तक शीर्षक ''फाइनेन्शियल रिसिलियेन्स एण्ड एन्वाइरन्मेंटल सस्टेनबिलिटीः ग्लोबल साउथ पर्स्पेक्टिव्स'' स्प्रिंगर द्वारा 2025 में प्रकाशित, आईएसबीएनः 978–981–96–4268–7, http://doi.org/10.1007/978-981-96-4269-4

सुरेंद्र सिंह जाटव

- जाटव, एस.एस. और मोहम्मद अवैस (2024)। सांख्यिकी के मूल सिद्धांत, राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन

आचार्य डी. के. यादव

- अध्याय शीर्षक, ''ए स्टडी ऑन फाइनेन्शियल इंक्लूजन, फाइनेन्शियल रिसिलियेन्स इन इंडिया प्री एण्ड पोस्ट कोविद–19ः ए मल्टी–डाइमेन्शनल अप्रोच", स्प्रिंगर द्वारा ''फाइनेन्शियल रिसिलियेन्स एण्ड एन्वाइरन्मेंटल सस्टेनबिलिटीः ग्लोबल साउथ पर्स्पेक्टिव्स'' नामक पुस्तक में प्रकाशित, आईएसबीएनः 978–981–96–4268–7, पृष्ठः 247–266।

डॉ. सुरेंद्र मेहर

- "इनफॉर्मल एंप्लाय्मेंट इन इंडियाः एमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ जिग इकोनॉमी एण्ड द रोल ऑफ द न्यू एजुकेशन पॉलिसी", अनुष्का सिंह और शिवांश त्रिपाठी के साथ सह–लेखक, 'न्यू एजुकेशन पॉलिसी, सस्टेनबल डेवेलपमेंट एण्ड नेशन बिल्डिंगः पर्स्पेक्टिव, इश्यूस एण्ड चैलेंजस' मनीष कुमार वर्मा द्वारा संपादित, रूटलेज इंडिया, 2025। आईएसबीएन 9781032996417।
- "रिसर्च मेथोडोलॉजी फॉर सोशल साइंस में ''शोध समस्या का चयन और निरूपण", एनएमपी वर्मा द्वारा संपादित, देवयानी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2025, पृष्ठ संख्या 66–78, आईएसबीएन 978–93–93751–36–2।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति एवं भागीदारी

आचार्य सनातन नायक

- अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस), (मानद विश्वविद्यालय), मुंबई–400088, भारत द्वारा दिनांक 19 मार्च, 2025 को आयोजित XXIX आईआईपीएस राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''रोगी स्वास्थ्य व्यय के लिए संकटकालीन वित्तपोषणः भारत में राज्यों का एक अध्ययन'' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- भारत में वर्षा आधारित कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, 7 फरवरी, 2025 को अर्थशास्त्र विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस द्वारा आयोजित ''उत्तर प्रदेश और बिहार में वर्षा आधारित क्षेत्रः सतत आजीविका के लिए चुनौतियाँ और नीतिगत सिफारिशें'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक विशेष व्याख्यान दिया।

डॉ. सुरेन्द्र मेहर

- भारत में अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार पैटर्न के हालिया रुझान" विषय पर 19वें उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड आर्थिक संघ (यूपीयूईए) में पेपर प्रस्तुत किया गया, जिसका आयोजन आर्थिक विभाग, एएसएसएस, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड

आर्थिक संघ (यूपीयूईए) और सामाजिक–आर्थिक विकास अध्ययन संघ (एएसईडीएस) के सहयोग से दिनांक 13–14 अप्रैल 2024 को किया गया।

डॉ. सुरेंद्र सिंह जाटव

- ओकेडी सामाजिक परिवर्तन एवं विकास संस्थान, गुवाहाटी में 15–28 जुलाई, 2024 के दौरान सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भागीदारी।
- लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, यू.के. में 5 और 6 अक्टूबर, 2024 तक समान भविष्य के लिए खाद्य सुरक्षा विषय पर लघु पाठ्यक्रम कार्यक्रम।
- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 16–31 अगस्त 2024 तक बहुभाषीयता और पाठ्यचर्या विकास (अंतर–अनुशासनात्मक) विषय पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना द्वारा 23 जून–05 जुलाई, 2025 तक ''उन्नत अनुसंधान विधियों और प्रभावी शिक्षण तकनीकों'' पर दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) (युवा सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए) आयोजित।
- 7–8 नवंबर, 2024 के दौरान एमपीआईएसएसआर, उज्जैन द्वारा आयोजित भारत में जनजातीय विकास के क्षेत्रीय मुद्देः जमीनी हकीकत, नीतिगत हस्तक्षेप और वांछित रणनीतियां विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''ग्रामीण भारत में जैवभौतिक और सामाजिक भेद्यता के बीच की खाई को पाटनाः एक सामुदायिक आजीविका भेद्यता दृष्टिकोण'' शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- 22–23 जनवरी 2025 के दौरान क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, एनसीआर द्वारा आयोजित 'विकसित भारत के लिए भारत का मार्ग तैयार करनाः सामाजिक क्षेत्र की चुनौतियों और अवसरों का समाधान' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''जलवायु परिवर्तन के लिए भारतीय कृषि की अनुकूली क्षमता को मापनाः संकेतक दृष्टिकोण का एक अनुप्रयोग'' शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- 12 फरवरी 2025 को मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'परिवर्तन की खेतीः सतत प्रथाओं और पोषण जागरूकता के माध्यम से ग्रामीण खाद्य सुरक्षा को बढ़ाना' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''खाद्य सुरक्षा पर जोखिम, धारणा और कोविड–19 प्रभावः बुंदेलखंड क्षेत्र, भारत से साक्ष्य'' शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, एनसीआर द्वारा 22–23 जनवरी 2024 के दौरान आयोजित ''विकसित भारत के लिए भारत का मार्ग तैयार करनाः सामाजिक क्षेत्र की चुनौतियों और अवसरों का समाधान'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''डिजिटल परिवर्तन सामाजिक क्षेत्र को बदल रहा है'' सत्र की अध्यक्षता की।
- 22–23 मार्च, 2025 के दौरान सीतापुर शिक्षा संस्थान, सीतापुर, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020 का प्रभाव और विकसित भारत में शिक्षा की गुणवत्ता'' की सह–अध्यक्षता की।
- 22–23 मार्च, 2025 के दौरान सीतापुर शिक्षा संस्थान, सीतापुर, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020 का प्रभाव और विकसित भारत में शिक्षा की गुणवत्ता'' विषय पर पैनल चर्चा के वक्ता।

आमंत्रित व्याख्यान

आचार्य सनातन नायक

- 18 मार्च, 2025 को जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में एसडीजी गोल 7 और भारत का क्लाइमेट एक्शनः अवसर और चुनौतियाँ" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 25 दिसंबर, 2024 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के अर्थशास्त्र विभाग "पब्लिक पॉलिसी के लिए जनगणना डेटा का उपयोग" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

- 26 दिसंबर, 2024 को डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुर्नवास विश्वविद्यालय, मोहान रोड, लखनऊ के अर्थशास्त्र विभाग में "नींव का निर्माणः साहित्य में साहित्य समीक्षा और व्यवस्थित समीक्षा की भूमिका" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 24 सितंबर, 2024 को एमएमटीटीसी यूजीसी– मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में "पब्लिक पॉलिसी के लिए बड़े पैमाने के डेटा का उपयोगः बुनियादी मुद्दे" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 19 और 20 सितंबर, 2024 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के अर्थशास्त्र विभाग में "सैंपलिंग डिज़ाइनः प्रोबेबिलिटी और नॉन–प्रोबेबिलिटी सैंपलिंग तकनीकें" विषय पर दो विशेष व्याख्यान दिया।

डॉ. सुरेंद्र मेहर

- मानव अधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 12 जून 2024 को हाइब्रिड मोड में आयोजित "बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस" के अवसर पर राष्ट्रीय सेमिनार में अतिथि वक्ता।
- एनएसएस इकाई, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 6 अगस्त 2024 को आयोजित "बजट और खाद्य सुरक्षा" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- अर्थशास्त्र विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 25 से 26 नवंबर 2024 तक आयोजित "जलवायु अनुकूल समाज का निर्माणः मुद्दे और चुनौतियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "जलवायु अनुकूल और ग्रामीण विकास पर केस स्टडीज़" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- अर्थशास्त्र विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 25–02–2025 को आयोजित "बजट, 2025–26 पर विशेष पैनल चर्चा" में पैनलिस्ट।

डॉ. सुरेंद्र सिंह जाटव

- 6 अगस्त 2024 को महर्षि विज्ञान एवं मानविकी विद्यालय, एमयूआईटी, लखनऊ में "भारतीय बजट को समझनाः संभावनाएँ और भविष्य" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 24 जुलाई से 29 जुलाई 2024 तक ''सामाजिक विज्ञान में शोधः लिखित, तरीके और लिखने के कौशल'' पर ऑनलाइन समर स्कूल वर्कशॉप में एकेडमिक जर्नल्स में पब्लिशिंग पर व्याख्यान दिया।
- 3–14 अगस्त 2024 तक भूगोल विभाग, ए.एम.यू., अलीगढ़ द्वारा आयोजित युवा सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त जर्नल्स में अध्येताओं के लेख प्रकाशित करने पर व्याख्यान दिया।
- 3–14 अगस्त 2024 तक भूगोल विभाग, ए.एम.यू., अलीगढ़ द्वारा आयोजित युवा सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में सैंपलिंगः मुद्दे और चुनौतियाँ विषय पर व्याख्यान दिया।
- 5 फरवरी से 14 फरवरी 2025 तक बी.के. पेशेवर एवं प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ, गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 10–दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय अनुसंधान पद्धति कार्यक्रम में गुणात्मक अनुसंधान के परिचय पर व्याख्यान दिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य सनातन नायक

- मनोज कुमार ने "रूरल प्राइमरी हेल्थकेयर इनफ्रास्ट्रक्चरः ए केस स्टडी ऑफ जौनपुर डिस्ट्रिक्ट इन उत्तर प्रदेश" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- पुष्पेंद्र कुमार ने "मल्टिडाइमेन्शनल पॉवर्टी इन अर्बन स्लम्सः ए केस स्टडी ऑफ लखनऊ सिटी इन उत्तर प्रदेश" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- राशिद गौहर ने "एक्शप्लोनिंग द क्लाइमेट फाइनेन्स पोटेन्शियल एण्ड इट्स लिंकेज विथ इकोनामिक डेवेलपमेंटः ए स्पेशल रेफरेन्स टू इंडिया एण्ड लखनऊ सिटी" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- कमलेश मीना ने "इकोनामिक बर्डन ऑफ हेल्थ केयर फेसिलिटीः ए केस ऑफ स्लम ड्वेल्लर्स इन लखनऊ, उत्तर प्रदेश" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- सुमित सौरभ ने "कॉस्ट–बेनीफिट एनॉलिसिस ऑफ इलेक्ट्रिक वेहिकल एडॉप्शन इन इंडिया" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- अजीत कुमार ने पीएच.डी में प्रवेश लिया है (शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है)।
- अंबेश कुमार ने पीएच.डी में प्रवेश लिया है (शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है)।

आचार्य एन.एम.पी. वर्मा (सेवानिवृत्ति)

- बृजेश कुमार ने "इंपैक्ट ऑफ फिस्कल पॉलिसीज ऑन स्लोडाउन ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर इन इंडियाः ए केस ऑफ ऑटोमोबाइल सेक्टर" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- निधि सिंह ने "एक्सपोर्ट ऑफ इंडियन सॉफ्टवेयर ड्यूरिंग 2012–2022ः ए ट्रेंड एनॉलिसिस" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- रुचिका पांडे ने ''एन इकॉनोमीट्रिक एनॉलिसिस ऑफ इंटर–रिलेशन्शिप बिट्वीन पब्लिक डेट एण्ड मैक्रोइकोनॉमिक परफॉर्मेन्स ऑफ इंडिया" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- अजय कुमार गौतम ने "कॉस्ट–बेनिफ्ट एनॉलिसिस ऑफ सोलर एनर्जी प्रोडक्शन एण्ड कन्संप्षनः ए केस स्टडी ऑफ लखनऊ" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- अंकित कनौजिया ने "एन इंपैक्ट एनॉलिसिस ऑफ इंक्यूबेटर सेंटर्स इन प्रमोटिंग स्टार्ट–अप इन इंडियाः ए स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू गुरुग्रम एण्ड फरीदाबाद डिस्ट्रिक्ट ऑफ हरियाणा" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- नवीन लिंडा ने "एन इकोनामिक एनॉलिसिस ऑफ पब्लिक सेक्टर बैंक्स फाइनेन्शियल परफॉर्मेन्स इन इंडियन स्टॉक मार्केटः ए स्टडी विथ द रेफरेन्स टू द फोर मेजर मर्ज्ड पब्लिक सेक्टर बैंक्स" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।

आचार्य एल.सी. मल्लैया

- पवन कुमार राव ने "इंपैक्ट ऑफ न्यू इकोनामिक रिफॉर्म्स ऑन लेदर इंडस्ट्रीज इन उत्तर प्रदेश" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- पूजा तिवारी ने "इकोनामिक एनॉलिसिस ऑफ इंपैक्ट ऑफ स्किल डेवेलपमेंट प्रोग्राम्स ऑन विमन एम्पावरमेंट इन उत्तर प्रदेश विथ स्पेशल रेफरेन्स टू पीएमकेवीवाई'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- अंजू दुबे ने "इकोनामिक एफीशियेन्सी एनॉलिसिस ऑफ विमन एंट्रेप्रेन्योरशिप इन उत्तर प्रदेश" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- शिवांगी ने "इकोनामिक इंपैक्ट ऑफ आईसीटी इन एग्रिकल्चरल डेवेलपमेंट इन उत्तर प्रदेश विथ स्पेशल रेफरेन्स टू ई–एनएएम'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- खुशबू गुप्ता ने "इंपैक्ट ऑफ एग्रिकल्चरल क्रेडिट ऑन स्माल एण्ड मार्जिनल फार्मर्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू किसान क्रेडिट कार्ड इन यूपी'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।

आचार्य डी. के. यादव

- सालेहा जमील अंसारी ने "फॉरेन एक्सचेंज रेट एण्ड फंडामेंटल वेरिएबलः एनलाइजिंग द रोल ऑफ इंटरनेशनल मॉनिटरी सिस्टम इन द कंटेक्स्ट ऑफ जी20 नेशन्स" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- पंकज कुमार ने "फाइनेन्शियल इनोवेशन्स एण्ड मनी सप्लाइ पैटर्न इन इंडियाः एनलाइजिंग द रोल ऑफ पब्लिक बिहेवियर इन द पोस्ट रिफॉर्म पीरियड" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- अरसलान नवाबी ने ''डीमानीटाइजेशन, फाइनेन्शियल इनोवेशन्स एण्ड पैटर्न ऑफ मनी डिमांड इन इंडियाः एनलाइजिंग द इंपैक्ट ऑन ब्लैक इकोनॉमी" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- अभिनव मिश्रा ने "मॉनिटरी पॉलिसी, असेट प्राइस एण्ड इनक्रीजिंग इनईक्वालिटी इन इंडियनः ए फील्ड लेवेल इन्वेस्टिगेशन ऑफ अर्बन एण्ड रूरल एरिया" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- विवेकानंद ने "इंपैक्ट ऑफ बिज़्नेस कोरेस्पांडेंट मॉडल्स ऑन फाइनेन्शियल इंक्लूजन ऑफ दलित विमन" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- अविनाश कुमार ने पीएच.डी में प्रवेश लिया है (शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है)।

डॉ. सुरेंद्र मेहर

- शिवांश त्रिपाठी ने "एंप्लाय्मेंट डाइनेमिक्स ऑफ जिग इकोनॉमी इन इंडियाः ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ जिग वर्कर्स इन टायर–2 साइट्स ऑफ उत्तर प्रदेश" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- दीक्षा ने "लेबर मार्केट कंडीशन इन पोस्ट रिफॉर्म पीरियडः ए केस स्टडी ऑफ लखनऊ एण्ड कानपुर" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- सचिन सिंह ने पीएच.डी में प्रवेश लिया है (शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है)।
- कुलदीप भारती ने पीएच.डी में प्रवेश लिया है (शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है)।

डॉ. प्रणव कुमार आनंद

- यासर महमूद ने "एन इकोनामिक एनॉलिसिस ऑफ एग्रिकल्चरल सेक्टर इन जम्मू एण्ड कश्मीर फ्रॉम सिन्स 1991'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- अंशु चौधरी ने "एन एनॉलिसिस ऑफ कंज्यूमर बिहेवियर ऑफ ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्सः ए केस स्टडी ऑफ लखनऊ डिस्ट्रिक्ट इन उत्तर प्रदेश" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- अविनाश कुमार ने "इंपैक्ट ऑफ हाइयर एजुकेशन ऑन एंप्लाय्मेंट ऑपर्चुनिटीज ऑफ विमन एण्ड देयर करियर एड्वान्स्मेंट्स इन इंडियाः स्पेशल रेफरेन्स टू उत्तर प्रदेश" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- देवेंद्र यादव ने पीएच.डी में प्रवेश लिया है (शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है)।

डॉ. सुरेंद्र सिंह जाटव

- नाथू भारती ने "एन इकोनामिक एनॉलिसिस ऑफ फार्मर'स पर्सेप्शन ऑन क्लाइमेट चेंज एण्ड क्लाइमेट वल्नरबिलिटी इन उत्तर प्रदेशः एविडेन्स फ्रॉम ड्राफ्ट प्रोन एण्ड फ्लड प्रोन रीजन्स" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- आशीष रंजन ने पीएच.डी में प्रवेश लिया है (शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है)।
- शुभंगम कुमार रघुबंशी ने पीएच.डी में प्रवेश लिया है (शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है)।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी.

आचार्य सनातन नायक

- देबब्रत साहू को "एक्सट्रैक्शन ऑफ मिनरल रिसोर्सेस एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन लोकल लाइव्लिहुडः ए केस स्टडी ऑफ उड़ीसा'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

आचार्य एन. एम. पी. वर्मा (सेवानिवृत्त)

- विकास प्रताप सिंह को "ए स्टडी ऑफ कॉर्पोरेट टैक्सेशन एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन इनकम एण्ड प्रॉफिट ऑफ मेजर एफएमजीसी कंपनीज़ इन इंडिया" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

आचार्य एल.सी. मल्लैया

- सुप्रिया गौतम को "द इंपैक्ट ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइज़ेशन ऑन सोसियो–इकोनामिक कंडीशन्स ऑफ स्माल एण्ड मार्जिनल फार्मर्स इन उत्तर प्रदेश" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच. डी. प्रदान की गयी।
- दिशा घिल्डियाल को "इकोनामिक एवॉल्यूयेशन ऑफ ऑर्गेनिक एण्ड नॉन–ऑर्गेनिक फार्मिंग इन इंडियाः ए केस स्टडी ऑफ उत्तराखंड" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

डॉ. सुरेन्द्र मेहर

- कुहू अवस्थी को "लेबर प्रोडक्टिविटी एण्ड वेजेस इन द ऑर्गेनाइज़्ड मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टरः एन इंटर स्टेट्स एनॉलिसिस इन इंडिया" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।
- मो. सादिक को "इंपैक्ट ऑफ टूरिज्म ऑन एंप्लाय्मेंट एण्ड इनकम जेनरेशन इन इंडियाः ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ कश्मीर एण्ड लद्दाख'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

डॉ. प्रणव कुमार आनंद

- वेद प्रकाश को "वुमेन पार्टिसिपेशन एण्ड एंप्लाय्मेंट जेनरेशनः रोल ऑफ मनरेगा विथ स्पेशल रेफरेन्स टू बरेली डिविजन इन उत्तर प्रदेश" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः– कोई नही

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–

डॉ. सुरेन्द्र सिंह जाटव

- आर्थिक कृषि में सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए आईएसईसी, बैंगलोर द्वारा आरएस देशपांडे 2024–25 पुरस्कार दिया गया।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	18
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	0
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	0
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	3
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	7
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	51
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	0
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	0
9.	कुल छात्रों की संख्या	6
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	0
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	0
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	0

13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	0
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	0
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	0
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	0
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	0

राजनीति विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय

राजनीति विज्ञान विभाग की स्थापना 2008 में हुई थी। यह पारंपरिक क्षेत्रों (राजनीतिक सिद्धांत, राजनीतिक दर्शन, भारतीय राजनीति) और उभरते क्षेत्रों (सार्वजनिक नीति, शासन, मानव अधिकार, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, तुलनात्मक राजनीति) दोनों में शिक्षण और शोध को बढ़ावा देता है।

विभाग ने 2 अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, 3 राष्ट्रीय सेमिनार और 5 विशेष चर्चा आयोजित की हैं। यह एम.ए. (2 वर्ष) और पीएच.डी. (3–6 वर्ष 6 महीने) कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग में 02 क्लासरूम (01 स्मार्ट क्लासरूम, 01 एसी क्लासरूम), कंप्यूटर, प्रिंटर, माइक साउंड सिस्टम और प्रोजेक्टर सुविधाओं सहित उपलब्ध हैं।

विभाग की ताकत

शैक्षणिक शक्तियां

- प्रमुख संस्थानों (जेएनयू, बीएचयू, आदि) से पीएच.डी. और विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ संकाय।
- 37 वर्तमान पीएच.डी अध्येता और 04 अध्येताओं को पीएच.डी डिग्री प्रदान की गयी।

छात्रों की उपलब्धियां

- 17 छात्रों ने नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण किया।
- 38 छात्रों ने परास्नातक पूर्ण किया एवं 03 छात्रों ने उच्च अध्ययन कर रहे है।

अवसंरचना क्षमताएँ

- आईसीटी सक्षम कक्षाओं (स्मार्ट कक्षा, एसी कक्षा, प्रोजेक्टर, माइक प्रणाली)।
- केंद्रीय पुस्तकालय और ई–संसाधनों तक पहुंच।

संस्थागत भागीदारी

- आईक्यूएसी, अकादमिक परिषद, प्रबंधन मंडल, आरडीसी, बीपीजीएस में संकाय सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।
- व्यावसायिक संघों में जीवन सदस्यता (आईपीएसए, तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी, आदि.)।

सामाजिक प्रासंगिकता

- दलित अध्ययन, नारीवाद, कमजोर राजनीति और मानवाधिकारों पर शोध और शिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

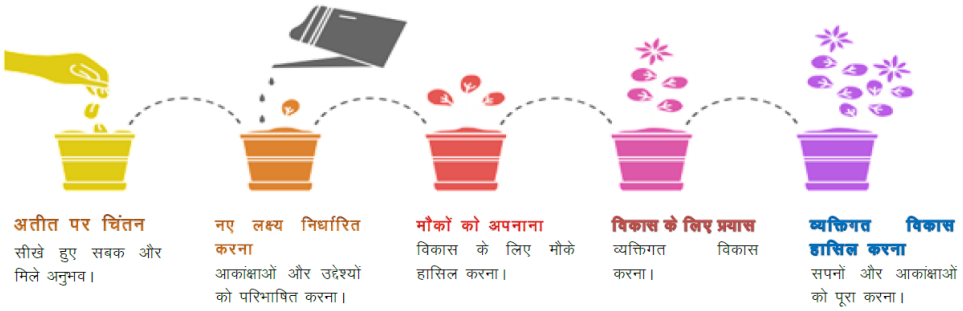

पाठ्यक्रम और विकास

- वैश्विक शासन, जलवायु राजनीति और नीति अनुसंधान में नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू करें।

अनुसंधान संवर्धन

- आईसीएसएसआर/यूजीसी परियोजनाओं के लिए आवेदन करने के लिए संकाय को प्रोत्साहित करना।
- स्कोपस/इंटरनेशनल अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशनों को बढ़ावा देना।

शैक्षिक गतिविधियाँ

- 1 अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और 2 राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करें।
- छात्र कार्यशालाओं और विशेष व्याख्यानों को बढ़ाएं।

छात्र सहायता

- नेट/जेआरएफ और यूपीएससी के उम्मीदवारों के लिए एक परामर्श कार्यक्रम शुरू करना।
- कैरियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल पहल।

अवसंरचना विकास

- एक विभागीय पुस्तकालय और डिजिटल अनुसंधान केंद्र की स्थापना।
- उच्च गति इंटरनेट और अनुसंधान सॉफ्टवेयर के साथ आईटी बुनियादी ढांचे का उन्नयन।

सहयोग और आउटरीच

- आदान–प्रदान और संयुक्त शोध के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करें।
- स्थानीय समुदायों में मतदाता जागरूकता, लैंगिक संवेदनशीलता और मानवाधिकारों पर विस्तार कार्यक्रम शुरू करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- पाठ्यक्रम में दोनों पारंपरिक और समकालीन क्षेत्रों को शामिल किया गयारू राजनीतिक सिद्धांत, भारतीय राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, शासन, मानव अधिकार।

1.2 पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन

- एम.ए. और पीएच.डी. कार्यक्रम यूजीसी के मानदंडों के अनुसार डिजाइन किए गए हैं।
- आईसीटी–सक्षम शिक्षण (स्मार्ट कक्षा, प्रोजेक्टर) का उपयोग।

1.3 शैक्षिक लचीलापन



- पीएच.डी. अनुसंधान क्षेत्रों में लचीलापनः उपमहाद्वीप अध्ययन, नारीवाद, शांति और संघर्ष अध्ययन, तुलनात्मक धर्म, सार्वजनिक नीति।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

- 05 विशेष व्याख्यान आयोजित।
- अंतःविषय केन्द्रित (दलित अध्ययन, महिला अध्ययन, राजनीतिक अर्थव्यवस्था)।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- शून्य (उपलब्ध नहीं)।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकनः–



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल

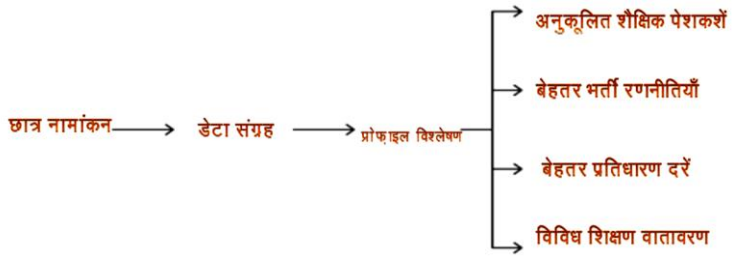

- परास्नातक छात्रः 87
- कोई यूजी/डिप्लोमा कार्यक्रम नहीं।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- अनुसंधान विषयों में विभिन्न वर्गों (हाशिए पर पड़े समूहों, महिलाओं, दलितों, धार्मिक अल्पसंख्यकों) को संबोधित किया जाता है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- प्रोजेक्टर, माइक ध्वनि प्रणाली के साथ आईसीटी आधारित शिक्षण।
- सेमिनार और चर्चाओं के माध्यम से छात्र–केंद्रित शिक्षा।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता



- संकाय सामर्थ्यः 7 (4 आचार्य, 1 उपाचार्य, 2 सहायक आचार्य)।
- सभी पीएच.डी. (जेएनयू, बीएचयू, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय) रखते हैं।
- विशेषज्ञताः अंतर्राष्ट्रीय संबंध, भारतीय राजनीति, मानव अधिकार, नारीवाद, शासन, राजनीतिक दर्शन।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार मूल्यांकन (आंतरिक+अंतिम सेमेस्टर)।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- पीएच.डी प्रदत्तः 04
- पीएच.डी प्रस्तुतः 01
- पीएच.डी. में अध्ययनरतः 37
- परास्नातक 38 (03 उच्च अध्ययन कर रहे हैं)।
- नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण छात्रः 17

2.7 विद्यार्थी संतुष्टि सर्वेक्षण

- शून्य

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 शोध और सुविधाओं को बढ़ावा देना



- मजबूत पीएच.डी. मार्गदर्शन (37 जारी)।
- अनुसंधान गतिविधियों के लिए आईसीटी समर्थन।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना–

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र–

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- प्रकाशित पेपरः 04 (राष्ट्रीय)
- पुस्तक अध्यायः 01
- सम्मेलन/सेमिनारों में भाग लियाः 03 (भारत)

3.5 परामर्शदाता

- शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- शून्य

3.7 सहयोग

- एमओयू'एसः शून्य

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन



4.1 भौतिक सुविधाएं

- 02 कक्षाएं (01 स्मार्ट, 01 एसी)।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीय पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग करता है।

4.3 आईटी अवसंरचना

- कंप्यूटर, प्रिंटर, प्रोजेक्टर, माइक साउंड सिस्टम।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित।

5. छात्र सहायता और प्रगति

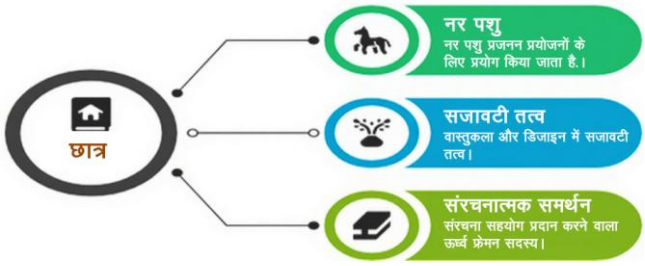

5.1 छात्र सहायता

- शोध अध्येताओं के लिए मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण।

5.2 छात्र प्रगति

- 38 परास्नातक, 03 उच्च अध्ययन कर रहे है।
- 17 छात्रों ने नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण किया।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सह–पाठ्यचर्या/पाठ्येतरः शून्य

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- शून्य

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- दृष्टिकोणः सामाजिक दायित्व और समावेशी अनुसंधान के साथ राजनीति विज्ञान में अकादमिक उत्कृष्टता।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- समकालीन विषयों पर जोरः शासन, सार्वजनिक नीति, मानव अधिकार, शांति अध्ययन।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- पेशेवर संघों में शामिल संकाय, अकादमिक परिषदों, संपादकीय बोर्डों.
- आईक्यूएसी, स्कूल बोर्ड, अनुसंधान समितियों में सक्रिय भूमिका।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- शून्य

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- पारदर्शिता के लिए आईक्यूएसी और विभागीय समितियों का संकाय भागीदारी।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- दलितों, हाशिए पर पड़े समूहों, लिंग संबंधी मुद्दों, मानवाधिकारों पर संकाय अनुसंधान।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- आईसीटी आधारित शिक्षण (स्मार्ट कक्षा)।
- विशेष व्याख्यान आयोजित।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- प्रमुख संस्थानों (जेएनयू, बीएचयू) के संकाय।
- समावेशी और सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों पर शोध केंद्रित।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट):

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. विनोद खोबरागड़े**
  आचार्य
  विशेषज्ञता: अंतर्राष्ट्रीय संबंध, भारत की विदेश नीति, भारतीय राजनीति, दलित और हाशिए के अध्ययन।
  योग्यता: एम.ए., पीएच.डी.
- **डॉ. रिपु सूदन सिंह**
  आचार्य
  विशेषज्ञता: अंतर्राष्ट्रीय संबंध शांति और संघर्ष बौद्ध धर्म और तुलनात्मक धर्म, पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में जातीयता और राजनीति, समकालीन भारत में सबाल्टर्न राजनीति।
  योग्यता: एम.ए., पीएच.डी.
- **डॉ. सार्तिक बाग**
  आचार्य
  विशेषज्ञता: राजनीतिक दर्शन, राजनीति में प्रमुख अवधारणाएँ (राजनीतिक सिद्धांत), विकास के मुद्दे और कल्याणकारी नीतियाँ राजनीतिक प्रक्रिया (भारतीय राजनीति)।
  योग्यता: एम.ए., पीएच.डी.
- **डॉ. एस.के. पांडे**
  आचार्य
  विशेषज्ञता: भारतीय राजनीति, स्थानीय स्वशासन, भारत में चुनावी राजनीति, मानवाधिकार।
  योग्यता: एम.ए., पीएच.डी.
- **डॉ. सिद्धार्थ मुखर्जी**
  उपाचार्य

विशेषज्ञताः राजनीतिक अर्थशास्त्र, तुलनात्मक राजनीति, राज्य चुनाव, सार्वजनिक नीति और शासन।

योग्यताः एम.ए., पीएच.डी.

- **डॉ. प्रीती चौधरी**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः सार्वजनिक नीति और शासन, नारीवाद और महिला अध्ययन, भारतीय विदेश नीति, पर्यावरण विधान और शासन का उदय
  योग्यताः एम.ए., पीएच.डी.
- **सुश्री मंजरी राज उरांव**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः अंतर्राष्ट्रीय संगठन और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, राज्य राजनीति, विकास प्रक्रिया और सामाजिक आंदोलन
  योग्यताः एम.ए.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पदः–

आचार्य रिपु सूदन सिंह

- विभागाध्यक्ष, संस्कृत और वैदिक अध्ययन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, वार्षिक समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, प्रॉस्पेक्टस समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- सदस्य, चयन समिति, रामदुलारी बच्चूलाल जायसवाल महाविद्यालय, नवाबगंज।
- सदस्य, चयन समिति, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- सदस्य, चयन समिति, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
- सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी), राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, राजनीति विज्ञान विभाग, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, राजनीति विज्ञान विभाग, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य विनोद खोबरागड़े

- "एक्सप्लोरिंग डाइमेन्शन्स ऑफ सीनो–रशियन कंटेंपोररी रिलेशन्स" शीर्षक वाला लेख, सामाजिक–राजनीतिक अध्ययन के दक्षिण एशियाई जर्नल, वॉल्यूम XXV, संख्या 2, जनवरी–जून, 2025।
- "इंडिया–रशिया कल्चरल कोआपरेशन", शीर्षक वाला लेख, पूर्वदेव, खंड 29, संख्या 116, पृष्ठ 109 –117, जनवरी–मार्च, 2024।

- "रिस्टोरिंग द प्रेज़ेन्सः कन्स्टरकटिंग दलित थियरी एण्ड काउंटरिंग एपिसटेमिक इनजस्टिस", शीर्षक वाला लेख, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल इम्पैक्ट, वॉल्यूम 10, नंबर 2, पृष्ठ 565–570, अप्रैल–जून, 2025।

आचार्य रिपु सूदन सिंह

- कुमारी पूजा भारती एवं आचार्य रिपु सूदन सिंह द्वारा "उत्तर प्रदेश में चुनाव, पोलिंग प्रति रूप और जनता की धारणाः लोकसभा चुनाव के विशेष संदर्भ में" शीर्षक वाला पेपर, "सेज पब्लिकेशन" जर्नल में DOI: I0-II7/258I6543241313019 के साथ प्रकाशित हुआ।
- कुमारी पूजा भारती एवं आचार्य रिपु सूदन सिंह द्वारा "उत्तर प्रदेश के विकास में एक्सप्रेसवे का योगदान तथा इसके राजनीतिकरण का अध्ययन" शीर्षक वाला पेपर, "आलो चना जर्नल" पत्रिका में आईएसएसएनः 2331–6329, 2025 के साथ प्रकाशित हुआ।
- कुमारी पूजा भारती एवं आचार्य रिपु सूदन सिंह द्वारा "महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी, प्रतिनिधित्व एवं मतदान व्यवहारः मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के विशेष संदर्भ में" शीर्षक वाला पेपर, "मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान जर्नल" पत्रिका में आईएसएसएनः 0973–8568, 2024 के साथ प्रकाशित हुआ।
- कुमारी पूजा भारती एवं आचार्य रिपु सूदन सिंह द्वारा "विकास के मॉडल और आधार भूत संरचना एक पुरातन एवं विश्लेषण आत्मक अध्ययन" शीर्षक वाला पेपर, "दस्तावेज रिसर्च जर्नल" पत्रिका में आईएसएसएनः 2348–7763, 2024 के साथ प्रकाशित हुआ।
- कुमारी पूजा भारती एवं रिपु सूदन सिंह द्वारा "उत्तर प्रदेश की राजनीति का बदलता परिदृश्य एवं उसके परिदृश्य" शीर्षक वाला पेपर "पूर्वदेवा" पत्रिका में आईएसएसएनः 0974–1100, 2024 के साथ प्रकाशित हुआ।
- यशस्वी शुक्ला एवं रिपु सूदन सिंह द्वारा "भारत की पश्चिम एशिया विदेश नीति के अंतर्गत भारत–इजराइल संबंधः एक अध्ययन" शीर्षक वाला पेपर "शब्दार्णव" पत्रिका में आईएसएसएनः 2395–5104, 2024 के साथ प्रकाशित हुआ।
- शिखा ओझा एवं रिपु सूदन सिंह द्वारा "शोध आलेखः भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पार्टियों की केंद्रीय भूमिका विश्लेषणात्मक अध्ययन" शीर्षक वाला पेपर "आलोचना जर्नल" पत्रिका में आईएसएसएनः 2231–6329, 2025 के साथ प्रकाशित हुआ।
- शिखा ओझा एवं रिपु सूदन सिंह द्वारा ''संसदीय मूल्यों का पतनः भारतीय लोकतंत्र के परिप्रेक्ष्य में" शीर्षक वाला पेपर "द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मल्टीडिसिप्लिनरी साइंसेज" ईआईएसएसएनः 2581–8996, 2023 के साथ प्रकाशित हुआ।
- शिखा ओझा एवं रिपु सूदन सिंह द्वारा "भारतीय लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव सुधार की आवश्यकताः वर्तमान परिप्रेक्ष्य में" आईएसएसएनः 2231–6329, 2024 के साथ "आलो चना जर्नल" जर्नल में प्रकाशित हुआ।

आचार्य सार्तिक बाग

- सिद्धार्थ मुखर्जी एवं सार्तिक बाग द्वारा "मैपिंग डेवेलपमेंट इन ए ट्रांसफार्मेटिव स्टेटः हेल्थ एण्ड एजुकेशन", शीर्षक वाला लेख ''राजगिरी जर्नल ऑफ सोशल डेवलपमेंट, वॉल्यूम। 17, सं. 1, पृष्ठ 18–32, जनवरी–जून, 2025 में प्रकाशित हुआ।
- आचार्य सार्तिक बाग', रेणु एवं कनिका राज का "इश्यूज ऑफ इंक्लूजन एण्ड एक्सक्लूजन इन इंडियन हाइयर एजुकेशनः ए स्टडी ऑफ स्टूडेंट्स विथ डिसबिलिटीज", शीर्षक वाला लेख, रिसर्च एक्सप्रेशन, खंड 10, अंक 7, मार्च 2024 में प्रकाशित हुआ।
- रेणु और सार्तिक बाग द्वारा ''विकार पर पूर्णविचारः पश्चिम वनम भारतीय परंपरा'' शीर्षक वाला लेख, लोक पश्यान, जनवरी–मार्च 2025 में प्रकाशित हुआ।

- दिनेश कुमार और सार्तिक बाग द्वारा ''ग्लोबलाइज़ेशन एण्ड लैंड एक्वज़िशन कॉन्सिक्वेन्सस एण्ड चैलेंजसः एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी'', शीर्षक वाला लेख, शोध समालोचन, अप्रैल–जून 2025 में प्रकाशित हुआ।
- सार्तिक बाग, मनोज कुमार चौधरी, रवींद्र भारती द्वारा "पुश एण्ड पुल फैक्टर्स ऑफ माइग्रेशनः थियरीज ऑफ ह्यूमन फैक्टर", शीर्षक वाला लेख, विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र पत्रिका, खंड XXVIII, अंकः 25, 2024 में प्रकाशित हुआ।
- बालन जी और प्रो. सार्तिक बाग द्वारा "स्ट्रेंथेनिंग डेमोक्रेसी थ्रू इलेक्शन इंटीग्रिटी इन कंटेंपोररी इंडिया", शीर्षक वाला लेख, साउथ एशियन रिव्यू, फ़रवरी–2024 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. एस.के. पांडे

- मिर्ज़ा असमर बेग, शशि कांत पांडे और डॉ. अभिषेक पाल द्वारा "असेंब्ली पोल्स 2022 इन उत्तर प्रदेश एण्ड इट्स आफ्टरमैथः एन एनॉलिसिस", शीर्षक वाला लेख, साउथ एशिया जर्नल ऑफ़ सोशियो–पॉलिटिकल स्टडीज़, वॉल्यूम XIV, नंबर 2, जनवरी–जून, 2024 में प्रकाशित हुआ।
- मिर्ज़ा असमर बेग, शशि कांत पांडे, और अखिलेश कुमार द्वारा "रीडिंग द 2024 लोक सभा इलेक्शन रिज़ल्ट्स इन उत्तर प्रदेश", शीर्षक वाला लेख, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम LIX, नंबर 38, पेज 51–54, 21 सितंबर, 2024 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. सिद्धार्थ मुखर्जी

- शीर्षक लेख "लीगल प्रेस्पेक्टिव्स बियॉन्ड मार्जिन्स", बुक रिव्यू, वॉल्यूम XLVIII, पेज 53–55, मई 2024 में प्रकाशित।
- राकेश कुमार और सिद्धार्थ मुखर्जी द्वारा, "पॉलिटिकल बिहेवियर एंड द डेवलपमेंट ऑफ़ इलेक्टोरल स्टडीज़ इन इंडियाः ए थ्योरेटिकल स्टडीज़", शीर्षक वाला लेख, एमपी सामाजिक विज्ञान रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम 22, नंबर 1, पेज 13–24, जून, 2024 में प्रकाशित।
- सिद्धार्थ मुखर्जी और सार्तिक बाग द्वारा, "मैपिंग डेवलपमेंट इन ए ट्रांसफॉर्मेटिव स्टेटः हेल्थ एंड एजुकेशन", शीर्षक वाला लेख, राजगिरी जर्नल ऑफ़ सोशल डेवलपमेंट, वॉल्यूम 17, नंबर 1 1, पेज 18–32, जनवरी–जून, 2025 में प्रकाशित।
- शीर्षक लेख ''भारत में सांस्कृतिक जागृति और भारत–पूर्वी एशिया संबंधों पर इसके असर'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंडियन स्टडीज़, वॉल्यूम XII, पेज 173–187, मई 2025।
- शीर्षक लेख ''कोविड–19 एण्ड डिज़ास्टर मैनेजमेंटः स्टेट केपासिटी एण्ड फ़ेडरल रेस्पॉन्सेस इन इंडिया'', इंडियन जर्नल ऑफ़ सोसाइटी एंड पॉलिटिक्स, वॉल्यूम 12, नंबर 1, पेज 7–14, जुलाई–अक्टूबर, 2025 में प्रकाशित।

डॉ. प्रीति चौधरी

- शीर्षक लेख ''ट्रिन धारी ओटीः वार, इकोफेमिनिज्म, और सीतायन''– इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 59, अंक संख्या 6, 10 फरवरी 2024 में प्रकाशित।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन

आचार्य एस. के. पांडे

- अमल मिश्रा की किताब, 'उत्तर प्रदेश कल और कल', प्रलेख प्रकाशन, 2025 में ''उत्तर प्रदेश की पंचायत राज व्यवस्था'' शीर्षक से एक अध्याय लिखा।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यान में भागीदारी

आचार्य रिपु सूदन सिंह

- संस्कृत और वैदिक स्टडीज़ विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में "नवान्निक व्याकरण महाभाष्य कोश समीक्षा" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार के अध्यक्ष, 2024 में।
- संस्कृत और वैदिक स्टडीज़ विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में "वेद और कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स–पॉसिबिलिटीज़ एंड चैलेंजेज़" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार के अध्यक्ष, 2024 में।
- संस्कृत और वैदिक स्टडीज़ विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में लेक्चरमाला (पीरियोडिक लेक्चर) विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार के अध्यक्ष, 2025 में।
- ''नेबरहुड फॉरेन पॉलिसी ड्यूरिंग प्रधानमंत्री मोदी रिजीम" पर आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय के राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल हुए।
- ''गांधियन अप्रोच टू सोशल वर्कः प्रॉस्पेक्ट्स एण्ड चैलेंजस'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य भाषण हेतु आमंत्रित किया गया,यह सेमिनार 3 से 4 मार्च 2025 तक महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार में गांधीवादी और शांति अध्ययन विभाग और सामाजिक कार्य विभाग ने इंडियन सोसाइटी ऑफ़ गांधीवादी स्टडीज़ के साथ मिलकर आयोजित किया था।
- श्रीलंका में "द बुद्धा'स पर्स्पेक्टिव ऑफ धम्मा एण्ड इट्स रेलवेन्स 21सेंचुरी" विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2024 में पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 2024 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ के मानव अधिकार अध्ययन कार्यक्रम द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य एस. के. पांडे

- 28 मई 2024 को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी के कानून, सार्वजनिक नीति और शासन केंद्र में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
- 31 जुलाई 2024 को ''पर्यावरणवाद पर महात्मा गांधी के विचारों और इसकी समकालीन प्रासंगिकता'' पर एमएमटीसी, बर्धमान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया गया।
- 12–16 जुलाई, 2025 के दौरान दक्षिण कोरिया के सियोल में ''भारत में लोकतांत्रिक शासन के लिए रास्ते नेविगेट करनाः राज्य और सोशल मीडिया'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विज्ञान सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

डॉ. सिद्धार्थ मुखर्जी

- 7–8 अप्रैल, 2025 से लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (यूपी) के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'राज्य, समाज और राष्ट्र के बीच अंर्तसंबंधोंः एक भारतीय परिप्रेक्ष्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''उत्तर प्रदेश में ई–जिला कार्यक्रमः अवसर और प्रशासनिक चुनौतियां'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रीति चौधरी

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

- ''एक सतत और न्यायसंगत भविष्य की ओरः सामाजिक परिवर्तन में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, राजनीति और अर्थशास्त्र की भूमिका'', विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''सतत विकास की चुनौतियां और शांति पर नारीवादी परिप्रेक्ष्य'' विषय पर एक व्याख्यान दिया जो संयुक्त रूप से 10 से 13 मई 2025 तक भूटान में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और नॉर्थब्यूलिंग रीटर कॉलेज, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान द्वारा आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय सेमिनार

- भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान (आईआईएएस), शिमला द्वारा 7–8 नवंबर 2024 को आयोजित 'भारतीय विचार में शासन और प्रशासन'' पर दो दिवसीय संगोष्ठी में ''कौटिल्यः भारतीय प्रशासन और शासन में यथार्थवाद का प्रस्तावक'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 6 मार्च 2025 को आयोजित ''स्त्री साहित्यः विविध आयाम'' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी में ''स्त्री कथा और कथा में स्त्री'' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 15 जुलाई 2025 को एमएमटीसी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित महिला अध्ययन में एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक व्याख्यान दिया।
- रचियता और हिंदी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा 22 अप्रैल 2025 को आयोजित ''नई सदीं का हिंदी कथा साहित्यः परम्परा और नवचार'' पर व्याख्यान दिया।
- प्रबंधन अध्ययन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में नारीवादी पद्धति पर एक व्याख्यान दिया।
- स्त्री शक्ति द्वारा आयोजित और भारत सरकार द्वारा समर्थित, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, 7–9 अप्रैल 2025 में आयोजित सत्र महिला नेताओं का सम्मेलन (डब्ल्यूएलसी 2025) में 'सशक्त और संरक्षितः में महिलाओं की सुरक्षा पर पुनर्विचार'', में एक पैनलिस्ट के रूप में काम किया।
- 9 फरवरी 2025 को मेटाफ़र लखनऊ और उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित भागीदारी साहित्य महोत्सव में "दलित साहित्य की मुख्य विशेषताएंः दलित अनुभवों का चित्रण, भाषा शैली, सामाजिक–राजनीतिक संदर्भ और साहित्यिक मूल्य" विषय पर पैनलिस्ट के रूप में काम किया।
- 15 दिसंबर 2024 को आयोजित मेटाफ़र लखनऊ लिटफेस्ट में मशहूर लेखिका नासिरा शर्मा के साथ उनके उपन्यास "पारिजात" पर एक डायलॉग में चर्चाकर्ता।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य विनोद खोबरागड़े

- श्री करण मीणा ने "सेलेब्रिटीज इन इंडियन पॉलिटिक्सः ए स्टडी ऑफ इंडियन पार्लियामेंट (2014–2024)'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- श्री राजेश पटेल ने "नेविगेटिंग हाइड्रो हीजेमनी एण्ड एमर्जिंग वॉटर डिस्प्यूट इन द इंडो–चाइना रीजनः द केस ऑफ ब्रह्मपुत्रा रिवर" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- सुश्री अनु तिवारी ने पीएच.डी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है और उनकी सिनॉप्सिस वर्तमान में तैयारी में है।
- श्री कुमार सिद्धार्थ ने पीएचडी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है और उनकी सिनॉप्सिस की तैयारी चल रही है।

आचार्य रिपु सूदन सिंह

- शिखा ओझा ने ''फंडिंग ऑफ नेशनल पॉलिटिकल पार्टीज इन इंडिया एण्ड युनाइटेड स्टेटः इट'स इंप्लिकेशन्स फॉर डेमोक्रेसी (2014–2020)'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- कुमारी पूजा भारतीय ने ''कंपरेटिव स्टडी ऑफ द रोल ऑफ रूलिंग गर्वन्मेंट्स इन इनफ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेंट वर्क्स इन उत्तर प्रदेश (2007 टू 2021)" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।

- यशस्वी शुक्ला ने ''इंपैक्ट ऑफ इंडिया–इजराइल रिलेशन्स ऑन इंडिया'स जीओपॉलिटिक्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू अप्लिकेशन एण्ड एक्सचेंज" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- आशा गुप्ता ने ''चेंजिंग डाइनेमिक्स ऑफ इंडियन'स डिफेन्स पॉलिसी एण्ड इट्स इंप्लिकेशन सिन्स 2014: विथ स्पेशल रेफरेन्स टू आत्मनिर्भर भारत मिशन" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- यागवी वैष्णव ने "मल्टीपॉलेरिटी विदाउट मल्टीलेटरलिज्मः ए स्टडी ऑन क्लाइमेट फाइनेन्सिंग पोस्ट पेरिस एग्रीमेंट" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- आलोक प्रियदर्शी ने "इंडिया'स कल्चरल डिप्लोमेसी इन साउथईस्ट एशियाः ए स्टडी ऑफ सॉफ्ट पावर डाइनेमिक्स इन पोस्ट–2014 पीरियड" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।

आचार्य सार्तिक बाग

- श्री मृदुल मलय ने ''भारत में किसान और नव–उदारवादी अर्थव्यवस्थाः उत्तर प्रदेश के हरदोई जनपद के संदर्भ में एक अध्ययन'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- श्री अरबिंद भगत ने "रोल ऑफ आदिवासी विमन इन पॉलिटिकल डिसिजन मेकिंगः स्टडी ऑफ रेप्रेज़ेंटेशन ऑफ आदिवासी विमन इन लोकल गवर्नेन्स इन झारखंड" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- सुश्री रेणु ने "डीसेंट्रलाइज़ेशन ऑफ हेल्थकेयर सिस्टमः ए केस स्टडी ऑफ आम आदमी मोहल्ला क्लिनिक इन ईस्ट दिल्ली'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- श्री चित्रांश पटेल ने "सोसियो–पॉलिटिकल इम्पैक्ट्स ऑफ विद्या भारती स्कूल्स ऑन बैकवर्ड कास्ट्स इन बरेली डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेशः एन ऑल्तुसरियन एनॉलिसिस" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- सुश्री मधुलता कोरी ने पीएच.डी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है और उनकी सिनॉप्सिस वर्तमान में तैयारी में है।
- सुश्री ज्योत्सना रावत ने पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए नामांकन किया और उनकी सिनॉप्सिस वर्तमान में तैयारी में है।

आचार्य एस.के. पांडे

- विकास तिवारी ने "विद्युत क्षेत्र में सुधार एवं राज्य की कार्रवाईः उत्तर प्रदेश के लखनऊ जनपद का एक अध्ययन" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- चंद्रेश कुमार शुक्ला ने "मुस्लिम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी, प्रतिनिधित्व और मतः लखनऊ और बहराइच जिले का तुलनात्मक अध्ययन'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- वर्षा ने "ह्यूमन राइट्स एंड स्ट्रगल फॉर डिग्निटीः ए केस स्टडी ऑफ मैनुअल स्कैवेंजर्स इन संगम विहार, नई दिल्ली'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- प्रिया सिंह ने पीएच.डी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार किया जा रहा है।
- उज्ज्वल कुमार बास्के ने पीएच.डी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।
- अर्चित पांडे ने पीएच.डी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।

डॉ. सिद्धार्थ मुखर्जी

- शुभांगी चौधरी ने "दलित विमन एण्ड वॉटर जस्टीसः ए स्टडी ऑफ रूरल वॉटर गवर्नेन्स इन झाँसी डिस्ट्रिक्ट ऑफ बुंदेलखंड रीजन (उत्तर प्रदेश)" थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- नवीन कुमार प्यासी ने "पॉलिटिक्स ऑफ वेलफेयर स्टेट एण्ड पब्लिक एकाउंटबिलिटी इन इंडियाः ए स्टडी ऑफ डाइरेक्ट बेनेफिट ट्रान्स्फर स्कीम्स इन सतना डिस्ट्रिक्ट, मध्य प्रदेश'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- नागेश मिश्रा ने "राइज़ ऑफ नियो–मिड्ल क्लास एण्ड इट्स इंप्लिकेशन्स फॉर गवर्नेन्स एण्ड इलेक्टोरल पॉलिटिक्स इन उत्तर प्रदेशः ए स्टडी ऑफ लखनऊ डिस्ट्रिक्ट'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- नीरज कुमार ने पीएच.डी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार किया जा रहा है।
- प्रशांत पांडे ने पीएच.डी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार किया जा रहा है।

डॉ. प्रीति चौधरी

- मिस्टर देशराज मीणा ने "इंडो–बांग्लादेश रिलेशन्स सिन्स 2014ः एन एनलिटिकल स्टडी ऑफ कॉन्फ्लिक्ट एण्ड कोवापरेशन'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- यशराज ने पीएच.डी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।
- अंजलि ने पीएच.डी कार्यक्रम के लिए नामांकन किया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी.

8.3.6 परियोजनाएं/परामर्श/और कोई अन्य

आचार्य रिपु सूदन सिंह

- नज़ीर हुसैन को 2024 में "ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ सेक्युलरिज्म इन इंडिया एण्ड टर्की इन द पोस्ट–कोल्ड वॉर ग्लोबल पॉलिटिक्स" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।
- गुखू मेग को 2024 में "इलेक्टोरल डाइनेमिक्स एण्ड पार्टी पॉलिटिक्स इन द स्टेट ऑफ अरुणाचल प्रदेशः स्टडी इन द पोस्ट 1998 पीरियड" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

आचार्य एस.के. पांडे

- टीका राम को "उत्तर आधुनिकताः भारती; राज्य की बदलती भूमिका समकालीन मतभेद और बदलाव" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

आचार्य सार्तिक बाग

- बालन जी. को "रोल ऑफ गवर्नर इन इंडियन फ़ेदरल सिस्टम विथ स्पेशल रेफरेन्स टू एनडीए एण्ड यूपीए गवर्न्मेंट्स सिन्स 1999" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।
- प्रमोद कुमार शर्मा को ''डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स एण्ड ट्राइबल डिस्प्लेसमेंट इन नियो–लिबरल पीरियडः ए स्टडी ऑफ ज्यूडिशियल रिस्पॉन्स इन इंडिया'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

डॉ. प्रीति चौधरी

- वर्तमान में आईसीएसएसआर प्रायोजित लघु परियोजना (अनुदानः ₹10 लाख) शीर्षक ''बियॉन्ड द स्मॉगः एसेसिंग पॉलिसी इफीकेसी एण्ड चैलेंजस ऑफ अर्बन गर्वेनेन्स इन मिटीगेशन ऑफ एयर पॉल्युशन इन द सिटी ऑफ लखनऊ'' पर कार्य कर रही है।

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–
डॉ. प्रीति चौधरी

- आकांक्षा (महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करने वाला एक एनजीओ) की उपाध्यक्ष के तौर पर, भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मेरी तारीफ़ की और मुझे राष्ट्रपति भवन में आकांक्षा की अध्यक्ष और टीम के सदस्यों के साथ उनसे मिलने का मौका मिला।
- सेल्फ–हेल्प ग्रुप (एसएचजी) प्रोडक्ट्स के प्रमोशन के लिए "आकांक्षा हाट" को आयोजित करने की कोशिशों को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ जी ने मान्यता दी और सराहनीय कहा।
- महाकुंभ में आकांक्षा के पवेलियन को आयोजित करने में योगदान हेतु जम्मू और कश्मीर के माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर, श्री मनोज सिन्हा जी ने तारीफ़ की।
- आकांक्षा के काम और नेतृत्व की तारीफ़ भारत के नेशनल कमीशन फॉर विमेन (एनसीडब्लू) ने भी की।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	20
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	03
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	0
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	05
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	03
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	87
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	0
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	कुल छात्रों की संख्या	01
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	02
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	00
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	01
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	04
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	12

समाजशास्त्र विभाग

विभाग का परिचय

समाजशास्त्र विभाग स्नातकोत्तर (एम.ए.) और डॉक्टरेट (पीएच.डी.) शिक्षण और शोध के लिए एक जीवंत केंद्र है। यह सामाजिक न्याय, हाशिए पर पड़े समुदायों, लिंग, पर्यावरण और विकास के मुद्दों पर जोर देने के साथ सामाजिक सिद्धांत, अनुसंधान पद्धति और लागू क्षेत्रों में एक मजबूत आधार प्रदान करता है। संकाय में उच्च योग्य आचार्य, उपाचार्य और सहायक आचार्य शामिल हैं, जिनमें से कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं। विभाग के पास शिक्षण–सीखने और शोध का समर्थन करने के लिए स्मार्ट क्लासरूम, एक विभागीय पुस्तकालय, एक मूट कोर्ट और एक कंप्यूटर प्रयोगशाला–सह–पुस्तकालय है।

विभाग की ताकत

- शैक्षिक उत्कृष्टता: समाजशास्त्र के विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ मजबूत संकाय प्रोफ़ाइल (पर्यावरण, लिंग, हाशिए पर समुदायों, शिक्षा, सामाजिक न्याय)।
- अनुसंधान आउटपुट: प्रतिष्ठित पत्रिकाओं, पुस्तकों और अध्यायों में लगातार प्रकाशन; संपादकों और समीक्षकों के रूप में सेवारत संकाय।
- छात्र उपलब्धियां: उच्च संख्या में जेआरएफ, नेट क्वालीफायर और सफल प्लेसमेंट।
- नीति और राष्ट्रीय सहभागिता: संकाय सदस्य सक्रिय रूप से नैक, आईसीएसएसआर, यूपीएसी और अन्य राष्ट्रीय निकायों के साथ जुड़े हुए हैं।
- सामाजिक जिम्मेदारी: हाशिए पर पड़े समुदायों, सामाजिक न्याय और स्थिरता पर जोर।
- सहयोगात्मक कार्यक्रम: राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पेशेवर संघों में संकाय सदस्यता (आईएसए, आईएसएस, बीएसए, एएसए)।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

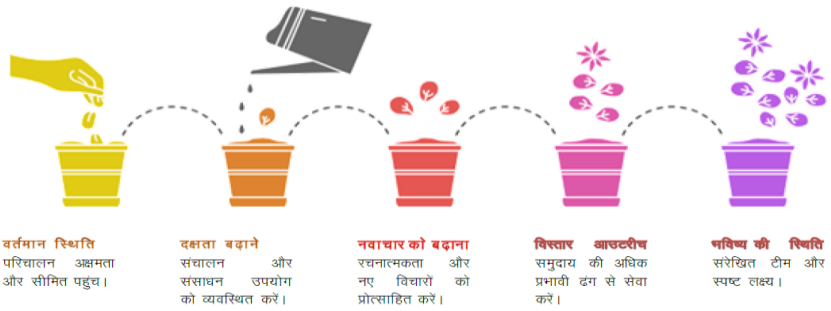

- **पाठ्यक्रम विकास:** अद्यतन पाठ्यक्रम मॉड्यूल के साथ एनईपी–2020 के एकीकरण को मजबूत करना और कौशल–आधारित, अंत:विषय ऐच्छिक शुरू करना।
- **अनुसंधान जुटाना:** यूजीसी, आईसीएसएसआर और अन्य फंडिंग निकायों से प्रमुख और मामूली शोध परियोजनाओं के लिए आवेदन करें।
- **विस्तार और आउटरीच:** समकालीन समाजशास्त्रीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अधिक सेमिनार, कार्यशालाएं और विशेष व्याख्यान आयोजित करें।
- **अवसंरचना संवर्धन:** विभागीय पुस्तकालय संसाधनों का विस्तार, आईटी सुविधाओं का उन्नयन, और उन्नत डेटा विश्लेषण के लिए एक अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना.
- **विद्यार्थी सहायता:** प्लेसमेंट सेल, मेंटरशिप प्रोग्राम और नेट/जेआरएफ कोचिंग पहल को मजबूत करें।

- **सहयोगः** अनुसंधान सहयोग और छात्र विनिमय के लिए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन।
- **सर्वोत्तम अभ्यासः** नैक के लिए अभिनव शिक्षण–शिक्षा और अनुसंधान प्रथाओं का दस्तावेज और प्रसार।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- समाजशास्त्र विभाग परास्नातक (एम.एम., पीएच.डी.) शिक्षण और शोध में लगा हुआ है।
- समाजशास्त्रीय सिद्धांत, कार्यप्रणाली, अनुप्रयुक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम, एनईपी 2020 संरेखण पर ध्यान केन्द्रित करता है (आचार्य वर्मा के प्रकाशन)।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- वैकल्पिक/लागू पाठ्यक्रमों के साथ एम.ए. और पीएच.डी. कार्यक्रम।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

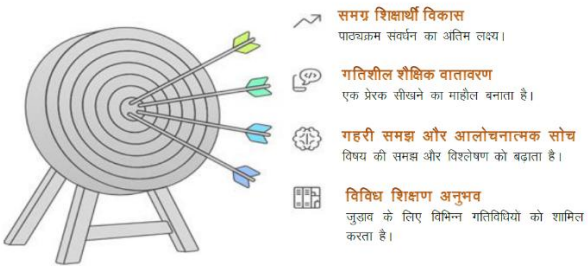

- विशेष व्याख्यान (उदाहरण के लिए, ''बोंडा जनजाति और उनके सामाजिक–सांस्कृतिक जीवन'', ''अनुसंधान और नैतिकता'')।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- लगातार संकाय–छात्र बातचीत और प्रतिक्रिया का उल्लेख किया जाता है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

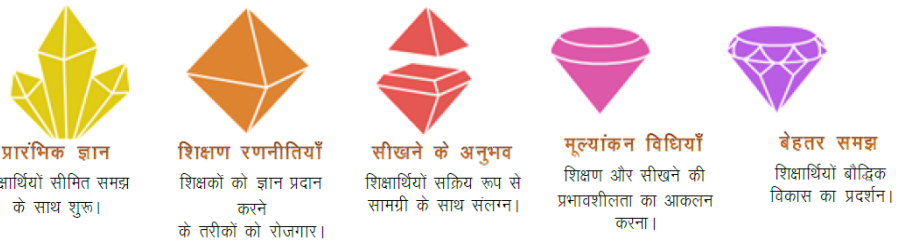

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- 37 छात्रों ने एम.ए. कोर्स पूरा किया; नेट/जेआरएफ/पीएच.डी. नामांकन की जानकारी दी गई।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- संकाय का शोध और शिक्षण हाशिए पर पड़े समुदायों, दलितों, आदिवासियों और लैंगिक अध्ययन पर केंद्रित है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट क्लासरूम, मूट कोर्ट, विभागीय कंप्यूटर प्रयोगशाला–पुस्तकालय।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

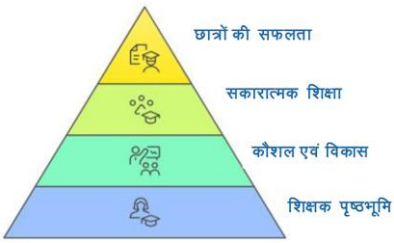

- योग्यता और विशेषज्ञता के साथ संकाय सूची (आचार्य मलिक, आचार्य वर्मा, आचार्य दुबे, आचार्य श्रीवास्तव, डॉ. बी कुमार, डॉ. अजय कुमार)।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

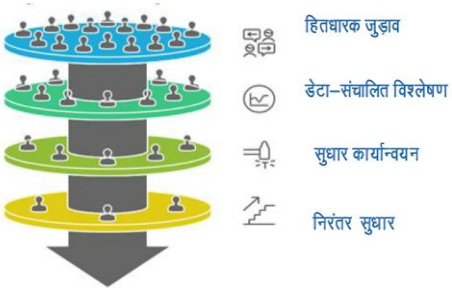

- परीक्षा समितियों और मूल्यांकन (यूपीएससी, लोक सेवा आयोग) में संकाय की भागीदारी।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- नेट (10), जेआरएफ (7), पीएच.डी. अध्येतावृत्ति के साथ और प्रक्रियाधीन शोध अध्येतावृत्ति को सम्मानित किया गया।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- उल्लेख नही किया गया।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- शोध केंद्रित संकाय; सेमिनार, कार्यशालाएं; यूजीसी–एसएपी समन्वय।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- सीमित (कुछ प्रायोजित परियोजनाएं उल्लिखित हैं)।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- विशेष व्याख्यान, एनईपी पाठ्यक्रम नवाचार, अंतःविषय गतिविधियां।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- पुस्तकों, अध्यायों, पत्रिकाओं में व्यापक संकाय प्रकाशन।
- आचार्य मलिक और आचार्य वर्मा राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं।

3.5 परामर्शदाता

- शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- सामाजिक न्याय, लैंगिक, स्वच्छता, पर्यावरण पर व्याख्यान दिए गए।

3.7 सहयोग

- एमओयू: शून्य।
- अंतरराष्ट्रीय संघों के संकाय हिस्सा (आईएसए, आईएसएस, बीएसए, एएसए, आदि)।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

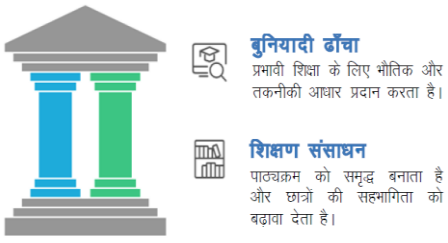

4.1 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट क्लासरूम, मूट कोर्ट, विभागीय पुस्तकालय, कंप्यूटर प्रयोगशाला।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- विभागीय पुस्तकालय (संकाय + छात्र संसाधन)।

4.3 आईटी अवसंरचना

- विभागीय कंप्यूटर प्रयोगशाला।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- नेट/जेआरएफ सलाह प्रणाली।
- प्लेसमेंट प्रकोष्ठ (अध्यक्ष के रूप में आचार्य मलिक)।

5.2 छात्र प्रगति

- सरकारी नौकरी चयन (एसएसबी, बिहार स्कूल शिक्षक)।
- छात्र फेलोशिप के साथ पीएच.डी. कर रहे है।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सह/पाठ्येतर गतिविधियाः कोई सूचना नही दी गई।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- डॉ. अजय कुमार बीबीएयू एल्युमनी एसोसिएशन के आजीवन सदस्य हैं।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन

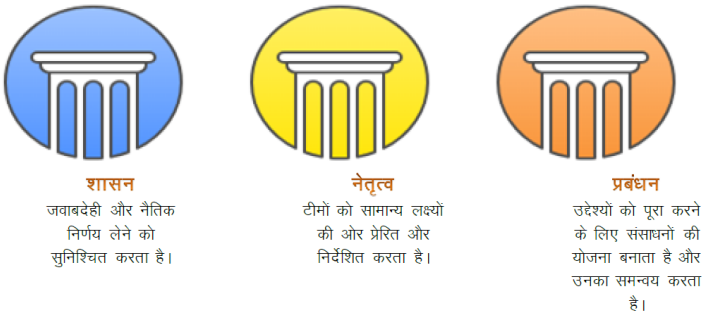

- विश्वविद्यालय स्तरीय बजट भूमिकाएं (आचार्य मलिक, आचार्य वर्मा)।
- संकाय सदस्यों को आईक्यूएसी समन्वयक/समिति के सदस्यों के रूप में।

6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- समाजशास्त्र विभाग उत्कृष्टता का केंद्र बनना चाहता है।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- नैक/यूजीसी/आईक्यूएसी समितियों में संकाय नेतृत्व।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय नैक, आईसीएसएसआर, यूपीएससी, शैक्षणिक परिषदों, अंतर्राष्ट्रीय संघों में कार्यरत।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- विश्वविद्यालय स्तरीय बजट भूमिकाएं (आचार्य मलिक, आचार्य वर्मा)।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईक्यूएसी समन्वयक/समिति के सदस्यों के रूप में संकाय सदस्य।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- हाशिए पर पड़े समूहों, लैंगिक, सामाजिक न्याय, पर्यावरण पर ध्यान देना।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- राष्ट्रीय नीति, सामाजिक न्याय के मुद्दों, पाठ्यक्रम सुधार (एनईपी–2020) में सक्रिय रूप से शामिल संकाय।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- समाजशास्त्र विभाग का सीमांत समुदायों, पर्यावरण, लैंगिक अध्ययन, सामाजिक न्याय पर मजबूत ध्यान।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य बिभूति भूषण मलिक**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः पारिस्थितिकी और पर्यावरण के समाजशास्त्र; समाजशास्त्रीय सिद्धांत; गरीबी और आर्थिक अभाव का समाजशास्त्र
  योग्यताः एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (जेएनयू, नई दिल्ली)
- **आचार्य मनीष कुमार वर्मा**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी
  विशेषज्ञताः पर्यावरण और विकास; वैश्वीकरण पर्यावरण और सामाजिक न्याय; पर्यटन; सामाजिक विचारक; शहरीकरण और ग्रामीण पारिस्थितिकी
  योग्यताः एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (जेएनयू, नई दिल्ली)
- **आचार्य बीरेंद्र नारायण दुबे**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः शिक्षा का समाजशास्त्र; जनजातीय समाजशास्त्र; सामाजिक न्याय और सामाजिक आंदोलन
  योग्यताः एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (जेएनयू, नई दिल्ली)

- **आचार्य जया श्रीवास्तव**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः लैंगिक अध्ययन; सामाजिक आंतरविज्ञान; मानवाधिकार और सामाजिक न्याय; अनुसंधान पद्धति
  योग्यताः एमए (बीएचयू), पीएच.डी. (वीकेएसयू) पोस्ट डॉक्टरेट (ह्यूस्टन विश्वविद्यालय–क्लीयर लेक, टेक्सास, यूएसए)
- **डॉ. ब्रजेश कुमार**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः वैश्वीकरण और युवा; सामाजिक जनसांख्यिकी; एस पी एस एस का उपयोग करते हुए मात्रात्मक विश्लेषण, शिक्षा का समाजशास्त्र
  योग्यताः एम.ए., पीएच.डी. (बीएचयू, वाराणसी)
- **डॉ. अजय कुमार**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः सामाजिक आंदोलनों का समाजशास्त्र, दलितों और हाशिए पर पड़े समुदायों का समाजशास्त्र, भारतीय समाज का समाजशास्त्र, भारत में ग्रामीण और शहरी जीवन का समाजशास्त्र।
  योग्यताः एमए, एम.फिल, पीएच.डी., पोस्ट डॉक्टरेट।

8.2 संस्थान के अंदर एवं बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य विभूति भूषण मलिक

- लेख शीर्षक ''प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीणः भारत में ग्रामीण आवास के बदलते परिदृश्यः एक समाजशास्त्रीय मुल्यांकन'', राधा कमल मुखर्जीः चिंतन परंपरा, खंड 1, जनवरी–जून 2025, (आईएसएसएन–0974–0074), पृष्ठ 55–62 (दीपक के साथ)।
  http://www.chintanparampara.co.in/pdf/January-June-2025.pdf
- लेख शीर्षक ''महाकुंभ मेला 2025ः सामाजिक–धार्मिक आयाम और दर्शन'' मानविकीः ए पीयर रिव्यूड इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, वॉल्यूम 16, नंबर 1, अप्रैल 2025, पृष्ठ 24–32, आईएसएसएन–0976–0830।
- लेख शीर्षक ''वैश्विक महामारीः एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण'' अन्वेषण, आईएसएस ई–जर्नल, वॉल्यूम 9 (1), अप्रैल 2025, पृष्ठ 20–34, आईएसएसएन 2581–5741 (निराकार और विजय के साथ)।
- लेख शीर्षक ''धर्म, कानून और एएसआईः जगन्नाथ मंदिर'' रथभंडार, इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, सोशियोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज, वॉल्यूम 16, अंक II, फरवरी 2025, आईएसएसएन 2277–98–09 पृष्ठ 218–224 (विजय के साथ)।
- लेख शीर्षक ''बैगा जनजाति का सामाजिक जीवन एवं समस्यायेंः एक सामाजशास्त्रीय अध्ययन'', लोक प्रशासनः त्रैमासिक शोध पत्रिका, वर्षा 16, अंक 2, अप्रैल–जून 2024, पृष्ठ 145–163, आईएसएसएनः 2249–2577 (दीपक के साथ)।
- लेख शीर्षक ''दक्षिण एशिया में स्वैच्छिक संगठन और ग्रामीण विकासः धारणाएं और वास्तविकताएं, उमाकांत महापात्र द्वारा, स्प्रिंगर, 2022'', सोशियोलॉजिकल बुलेटिन, 16 जून 2024 (पहली बार ऑनलाइन) {आईएसएसएन 0038–0229}।

- लेख शीर्षक ''सोनभद्र जिले का जनसंख्या समाजः सामाजिक आर्थिक जीवन का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य'', मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान जर्नल (एम पी सामाजिक विज्ञान अनुसंधान का समक्षित अर्धवार्षिक) आईएसएसएनः 0973–8568, वर्षा। 21, नंबर 2, दिसंबर 2023, पृष्ठ 175–191 (दीपक के साथ में)।
- लेख शीर्षक ''स्वच्छता और सफाई का समाजशास्त्रः मुद्दे, चुनौतियां और चिंताएं'' विशेष अंक स्वच्छताः मुद्दे, चुनौतियां और भविष्य की दिशाएं, अंतर अनुशासनात्मक अध्ययन के लिए स्कॉलरली रिसर्च जर्नल, सितंबर–नवंबर 2024, वॉल्यूम 13/16, आईएसएसएन 2278–8808, पृष्ठ 46–52 (दिलीप खैरनार के साथ), https://www.srjis.com/issues_data/237 पर उपलब्ध है।
- लेख शीर्षक ''भारतीय राष्ट्रीय प्रतिबंध–नितीया एवं आदिवासियों के वन अधिकारः औपनिवेशिक कल के पूर्व से अब तक के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में एक विश्लेषण, बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, पटना, न्यू सीरीज वॉल्युम XX, नंबर 1, जनवरी–जून 2023 पृष्ठ 229–237 (दीपक के साथ) http://www.iipabiharbranch.org/ upload/Journal%20Volume%20XX.pdf

आचार्य मनीष कुमार वर्मा

- मनीष के. वर्मा एवं मोनी चंद्र द्वारा ,"द डाइनेमिक्स ऑफ क्लीन फ्युयेल यूज़ेज इन पेरी–अर्बन एरीयाज़ ऑफ उत्तर प्रदेशः विमन'स पर्स्पेक्टिव्स" लेख शीर्षक पर, इंडियन जर्नल ऑफ़ जेंडर स्टडीज़ में प्रकाशित, 03.04.2025; सेज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली; https://doi.org/10.1177/09715215251323878
- मनीष के. वर्मा द्वारा ''एनईपी 2020ः इनसाइट्स फॉर करिक्युलम एण्ड कंटेंट इन सोशियोलॉजी" पेपर का शीर्षक के साथ संपादित पुस्तक "सोशियोलॉजी ऑफ इंडियाः नीड फॉर इंडिजेनाइजेशन ऑफ सोशियालजी फॉर इंडिया", विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, रिसर्च इंडिया प्रेस, नई दिल्ली में प्रकाशित (आईएसएसएनः 978–81–971796–4–8)।
- मनीष के. वर्मा, "इश्यूस एण्ड कन्सर्न्स ऑफ एल्डर्ली विमन इन इंडियाः ए सोसियोलॉजिकल एनॉलिसिस" ज्ञानशौर्यम, इंटरनेशनल साइंटिफिक रेफर्ड रिसर्च जर्नल, अंक 3, खंड 7, मई–जून 2024 में प्रकाशित (आईएसएसएनः 2582–0095)।
- मनीष के. वर्मा, ,"फ्यूयेलिंग विमन लिव्स विथ एलपीजीः ए सोसियोलॉजिकल स्टडी ऑफ फ्युल यूज पैटर्न एमिड्स्ट पॉलिसी इंटरवेन्शन इन पेरी–अर्बन एरीयाज़ ऑफ उत्तर प्रदेश", वेंकटेश दत्ता और प्रियंका घोष द्वारा संपादित पुस्तक, "सस्टेनेबिलिटीः साइंस, पॉलिसी एण्ड प्रैक्टिस इन इंडिया–चुनौतियाँ और अवसर" में प्रकाशित पेपर, स्प्रिंगर नेचर, जर्मनी, 7 फरवरी 2024। (आईएसएसएनः 978–3–031–50134–0)।
- मनीष के. वर्मा, "ट्रांसजेंडर समुदाय का आर्थिक समावेशन" विषय पर पेपर, शोध दिशा जर्नल, बिजनौर, यू.पी., अंक 62/6, अप्रैल–जून 2023 में प्रकाशित (आईएसएसएन–0975–735X)।
- मनीष के. वर्मा, "महामारी, वर्क फ्रॉम होम और महिलाओं के खिलाफ अंतरंग साथी हिंसाः महिलाओं के मुकाबला करने के तंत्र की एक पड़ताल" विषय पर लेख, शोध दिशा जर्नल (यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल), बिजनौर, यू.पी., अंक 62/6, अप्रैल–जून 2023 में प्रकाशित (आईएसएसएन –0975–735X)।
- मनीष के. वर्मा, "भारत में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की व्यापकताः एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण" विषय पर लेख, शोध दिशा जर्नल, बिजनौर, यू.पी., अंक 62/6, अप्रैल–जून 2023 में प्रकाशित (आईएसएसएन –0975–735 X)।
- मनीष के. वर्मा, "सामाजिक–कानूनी पहचान और असमानता का मानचित्रणः शहरी क्षेत्रों में महिला स्ट्रीट वेंडर्स पर कोविड–19 महामारी के प्रभाव का एक समाजशास्त्रीय अन्वेषण" विषय पर लेख, जर्नल ऑफ़ सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी वॉल्यूम 03 (नंबर 06):13–25, सितंबर 2023 में प्रकाशित डीओईः 10.55529/jsrth.36.13.25

डॉ. ब्रजेश कुमार

- ब्रजेश कुमार ''मीराबाई भक्ति और विरोध की कविता'', मिरायन, खंड 18, संख्या 04, पृष्ठ 11–13, (आईएसबीएन 2455–6033) ''भारत में जनजातीय महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक आर्थिक स्थिति'', सुष्मिता सिंह, नीलाक्ष पिथौरिया, और छाया कुमारी (संपादित) में। समसामयिक लिंग अध्ययनः मुद्दे और रुझान। पृष्ठ 163–177. (2024)। खारघरः पीपल्स लिटरेचर पब्लिकेशन (आईएसबीएन 978–81–957203–4–7)।

डॉ. अजय कुमार

- अजय कुमार, (2024), ''भारतीय समाजशास्त्र में जाति एवं दलित प्रश्नः एक सैद्धांतिक समीक्षा'' पर एक शोध पत्र भारतीय समाजशास्त्र समीक्षा, जर्नल ऑफ इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी (आईएसएसएन 2349–1396) में प्रकाशित हुआ है। खंड–11, अंक–2, दिसंबर 2024, सेज प्रकाशन द्वारा प्रकाशित।
- अजय कुमार, (2024), ''हिंदी क्षेत्र की दलित पत्रकारिताः ऐतिहासिक संदर्भ समकालीन प्रसंग'' पर एक शोध पत्र मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान पत्रिका (आईएसएसएन 0973–8568) खंड में प्रकाशित हुआ है। 21–2, दिसंबर–2023, एम. पी. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (एमपीआईएसएसआर), उज्जैन, मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित।
- अजय कुमार, कौशलेंद्र, प्रताप सिंह (2024) द्वारा ''भारत में समाज कार्य अभ्यासः नवीन परिप्रेक्ष्य एवं मूलभूत मूल्यों की प्रस्तुति'' पर 'हिमांजलि पत्रिका इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला' (आईएसएसएनः2349–4905) में एक शोध पत्र प्रकाशित हुआ है। खंड–28, जुलाई–दिसंबर (पृष्ठ 46–50)। भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला, राष्ट्रपति निवास शिमला द्वारा प्रकाशित, यूजीसी केयर लिस्टेड।
- अजय कुमार, (2024), ''दलित ज्ञान की देशज परंपराः उत्तर भारत में दलित आंगिक ज्ञान की निर्मिति और आधुनिक मूलबोध वाया हिंदी दलित पत्रकारिता'' एक शोध पत्र बनास जन जर्नल (आईएसएसएन 2231–6558) में प्रकाशित हुआ है।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

आचार्य मनीष कुमार वर्मा

- मनीष के. वर्मा द्वारा संपादित पुस्तक "नई शिक्षा नीति, सतत विकास और राष्ट्र निर्माणः परिप्रेक्ष्य, मुद्दे और चुनौतियाँ" रटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, यूके से प्रकाशित हुई है। (आईएसबीएनः 13: 978–1032996417)।
- मनीष के. वर्मा द्वारा संपादित पुस्तक ''शिक्षा और सतत विकासः चुनौतियाँ, अवसर और भविष्य की संभावनाएँ'' रावत पब्लिकेशंस, जयपुर और नई दिल्ली से 2025 में प्रकाशित हुई है। (आईएसबीएनः 978–81–316–1432–7)।
- मनीष के. वर्मा और संजय श्रीवास्तव द्वारा संपादित पुस्तक "समावेशी विकास के लिए एक रोडमैपः राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020), सतत विकास लक्ष्य और नीति एकीकरण" रावत पब्लिकेशंस, जयपुर और नई दिल्ली से 2025 में प्रकाशित हुई है। (आईएसबीएनः 9788131614600)।
- मनीष के. वर्मा द्वारा संपादित पुस्तक "नई शिक्षा नीति एवं भारत में समावेशी विकासः सम्भावनाएँ, चुनौतियाँ एवं नवीनीकरण (भारत में नई शिक्षा नीति और समावेशी विकास)" रावत पब्लिकेशंस, जयपुर और नई दिल्ली से 2025 में प्रकाशित हुई है। (आईएसबीएनः 978–81–3161468–6)।

डॉ. अजय कुमार

- अजय कुमार, शिष्या ज्ञानमीमांसाः समाजशास्त्र में दलित एवं दिव्यांश की कुंजियां, भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, राष्ट्रपति निवास शिमला, (एच.पी.) द्वारा प्रकाशित आईएसबीएनः 978–93–82396–97–0, 2024।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन

आचार्य विभूति भूषण मलिक

- विभूति भूषण मलिक, विजय लक्ष्मी मल्ल द्वारा "ओडिशा में दलित आंदोलनः 'जाति के भीतर जातियाँ' और पक्षपातपूर्ण राजनीति" आभा चौहान, अजैलियू नियूमई, तत्वमसी पलटासिंह (संपादक) भारत में समाजशास्त्र के सौ सालः विकसित होते मुद्दे, उभरते रुझान, स्प्रिंगर, नई दिल्ली 2025 (विजय के साथ) आईएसबीएन संख्या 978–981–96–1316–8 (पृष्ठ संख्या 85–96)।
- विभूति भूषण मलिक द्वारा "पर्यावरण और विकासः नैतिक और अनुभवजन्य विरोधाभास" कामेश्वर चौधरी और बी.के. नागला (संपादक) आधुनिकता, वैश्वीकरण और सामाजिक स्तरीकरण, रावत पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2024 (निराकर के साथ) आईएसबीएन संख्या 978–81–316–1364–1, (पृष्ठ संख्या 85–96)

आचार्य मनीष कुमार वर्मा

- मनीष के. वर्मा द्वारा संपादित ''शिक्षा और सतत विकासः चुनौतियाँ, अवसर और भविष्य की संभावनाएँ'' पुस्तक अध्याय ''शिक्षा और सतत विकासः चुनौतियाँ, अवसर और भविष्य की संभावनाएँ'' में प्रकाशित, रावत पब्लिकेशंस, जयपुर और नई दिल्ली द्वारा 2025 में प्रकाशित। (आईएसबीएन 978–81–316–1432–7)।
- मनीष के. वर्मा और संजय श्रीवास्तव द्वारा संपादित "समावेशी विकास के लिए एक रोडमैपः राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020)'' पुस्तक अध्याय ''सतत विकास लक्ष्य और नीति एकीकरण" में रावत पब्लिकेशंस, जयपुर और नई दिल्ली द्वारा 2025 में प्रकाशित। (आईएसबीएन 978–81–316–1460–0)।
- मनीष के. वर्मा द्वारा संपादित पुस्तक "महामारी के युग के दौरान पारिवारिक गतिशीलता और ईसीसीई'' पुस्तक अध्याय "समावेशी विकास के लिए एक रोडमैपः राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020), सतत विकास लक्ष्य और नीति एकीकरण" में प्रकाशित, रावत पब्लिकेशंस, जयपुर और नई दिल्ली द्वारा 2025 में प्रकाशित। (आईएसबीएनः 978–81–316–1460–0)।
- मनीष के. वर्मा ने ''नई शिक्षा नीति और भारत में समावेशी विकासः दुर्लभें, चुनौतियाँ एवं नवीनीकरण (भारत में नई शिक्षा नीति और समावेशी विकास)'' रावत प्रकाशन, जयपुर और नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तक का संपादन 2025 में किया। (आईएसबीएनः 978–81–3161468–6)।
- मनीष के. वर्मा ने ''भारत का समाजशास्त्रः भारत के लिए समाजशास्त्र के स्वदेशीकरण की आवश्यकता'' में ''एनईपी 2020: समाजशास्त्र में पाठ्यचर्या और सामग्री के लिए अंतर्दृष्टि'' विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, रिसर्च इंडिया प्रेस, नई दिल्ली द्वारा संपादित पुस्तक पर पेपर प्रकाशित किया। (आईएसबीएनः 978–81–971796–4–8)।

डॉ. ब्रजेश कुमार

- दीपक कुमार खरवार एवं ब्रजेश कुमार, ''भारत में जनजातीय महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं आर्थिक स्थिति'', सुष्मिता सिंह, नीलाक्ष पिथौरिया, एवं छाया कुमारी (संपादक) ''समसामयिक लिंग अध्ययनः मुद्दे और रुझान'' में पृष्ठ 163–177 (2024)। खारघरः पीपल्स लिटरेचर पब्लिकेशन (आईएसबीएन 978–81–957203–4–7)।

डॉ. अजय कुमार

- अजय कुमार (2024), विवेक कुमार (संपादक), कमजोर वर्गो का समाजशास्त्रः दलित, जनजाति समाज एवं महिलाये (पृष्ठ 107–132), आईएसबीएन 978–81–316–1359–7 में ''दलित इतिहास लेखनः वैकल्पिक अधिनस्थ समाजशास्त्र की तलाश में एक समीक्षात्मक मुल्यांकन''। इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली।

- अजय कुमार (2024), ''गांधी–अंबेडकरः द स्पेस फॉर शेयर्ड ड्रीम्स'' राजीव गुप्ता (संपादक), महात्मा गांधी एवं अहिंसा का समाजशास्त्र (पृष्ठ 174–209), आईएसबीएन 978–81–316–1358–0। इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

आचार्य बिभूति भूषण मलिक

- विभूति भूषण मलिक ने 29 मई, 2025 को इग्नू द्वारा आयोजित, श्री जय नरायण मिश्रा पीजी कॉलेज, लखनऊ में बी एड II कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में ''सामाजिक प्रथाओं में लिंग समानता में बाधा की पहचान'' पर एक व्याख्यान दिया।
- विभूति भूषण मलिक ने दूसरे साउथ एशियन सोशलॉजिकल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस दुबई, यूएई, द्वारा 23–25 मार्च, 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एसडीजी की बारीकियों और इसके सामाजिक प्रभावः विकास पर एक महत्वपूर्ण प्रतिबिंब'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- विभूति भूषण मलिक ने 48वीं अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन, 22–24 दिसंबर, 2024 में भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी, बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा आयोजित ''उत्तर प्रदेश में बसपा की राजनीतिः मुद्दे और चिंताएं'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 7–8 दिसंबर 2024 को शैक्षिक विकास परिषद द्वारा फातमा डिग्री कॉलेज, पटना के सहयोग से आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सतत विकास और समकालीन चुनौतियों'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- विभूति भूषण मलिक ने 24 सितंबर 2024 को गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिक्स, पुणे में अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी के सहयोग से आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी ''सफाईः नीतियां और प्रौद्योगिकी'' सत्र की अध्यक्षता की और इस पर चर्चा की।
- विभूति भूषण मलिक ने 23–24 सितंबर 2024 को गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिक्स, पुणे एवं अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी के सहयोग से आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में ''स्वच्छता का समाजशास्त्रः चिंताएं और चुनौतियां'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- विभूति भूषण मलिक ने इग्नू द्वारा 12 अप्रैल 2025 को आयोजित, श्री जय नरायण मिश्रा पीजी कॉलेज, लखनऊ में ''एनईपी 2020: एक सामाजिक अंतर्दृष्टि'' विषय पर उच्च शिक्षा में पीजी डिप्लोमा–विस्तार संपर्क कार्यक्रम पर व्याख्यान दिया।
- विभूति भूषण मलिक ने यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात द्वारा 13 फरवरी 2025 को आयोजित ''सार्वजनिक नीति और सामाजिक विज्ञान अनुसंधानः विकास की बारीकियां'' पर व्याख्यान दिया।
- विभूति भूषण मलिक ने 12 दिसंबर 2024 को यूजीसी मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''नीति निर्माण और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान'' पर व्याख्यान दिया
- विभूति भूषण मलिक ने 4 दिसंबर 2024 को एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ कैंपस, लखनऊ द्वारा आयोजित ''प्रत्यायन और रैंकिंग के माध्यम से उत्कृष्टता प्राप्त करनाः मानक और आवश्यकताएँ" विषय पर व्याख्यान दिया।
- विभूति भूषण मलिक ने यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, बीएचयू, वाराणसी द्वारा 29 नवंबर 2024 को आयोजित "समकालीन सामाजिक सिद्धांत, आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता" विषय पर व्याख्यान दिया।

- विभूति भूषण मलिक ने यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) 28 नवम्बर 2024 द्वारा आयोजित ''भारतीय ज्ञान प्रणालीः दर्शन और अवधारणाएं'' विषय पर व्याख्यान दिया।
- विभूति भूषण मलिक ने 30 मई, 2024 को इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, श्री जय नारायण मिश्रा पी जी कॉलेज, लखनऊ द्वारा आयोजित ''शिक्षा और कार्य चुनौतियों में उभरते रुझान'' विषय पर व्याख्यान दिया।
- विभूति भूषण मलिक ने इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र, श्री जय नारायण मिश्रा पी जी कॉलेज लखनऊ द्वारा 14 अप्रैल 2024 को आयोजित ''वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा और सामाजिक न्याय पर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के विचारों के महत्व'' विषय पर व्याख्यान दिया।

आचार्य मनीष कुमार वर्मा

- आचार्य मनीष के. वर्मा ने 28 मई 2025 को यूजीसी, एमएमटीसी, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा द्वारा आयोजित 16वें दो सप्ताह के ''एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम'' ऑनलाइन कार्यक्रम में ''नई शिक्षा नीति, सतत विकास और राष्ट्र निर्माण'' विषय पर समापन भाषण दिया।
- आचार्य मनीष के. वर्मा ने 18 मई 2025 को आरसी 27ः देखभाल का समाजशास्त्र, भारतीय समाजशास्त्रीय सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की लेक्चर सीरीज़ में विशेष अतिथि के तौर पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसका विषय ''पर्यावरण संरक्षण और सतत विकासः मुद्दे और आंदोलन'' था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 19 मई 2025 को श्रद्धेय कल्याण सिंह सनातन सेवा स्मृति न्यास, लखनऊ द्वारा आयोजित ''एक राष्ट्र एक इलेक्शन क्यों'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 23 अप्रैल से 2 मई, 2025 के दौरान आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित 10 दिवसीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में 2 मई, 2025 को समापन भाषण दिया। जो 23 अप्रैल से 2 मई 2025 तक शिक्षा विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित किया गया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 21–22 अप्रैल 2025 को समाजशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया, बिहार में आयोजित द्वितीय बिहार समाजशास्त्र संघ (बीएसए) सम्मेलन में ''शिक्षा, विकास और सामाजिक परिवर्तनः बिहार में चुनौतियाँ और अवसर'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में समापन भाषण दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 12 मार्च 2025 को यूजीसी–एमएमटीसी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश द्वारा ''भारत में उच्च शिक्षा में सुधार और शिक्षकों की भूमिका'' विषय पर 10 से 25 मार्च 2025 तक आयोजित समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान में दो सप्ताह के ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को संसाधन व्यक्ति के के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 17 फरवरी 2025 को यूजीसी–एमएमटीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित ऑनलाइन दो सप्ताह का ''समाजशास्त्र और मानवशास्त्र में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम'' प्रतिभागियों के लिए ''भारत में उच्च शिक्षा में सुधार और शिक्षकों की भूमिका'' विषय पर दो आमंत्रित व्याख्यान दिए।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 12 फरवरी 2025 को ''भारत में उच्च शिक्षा में सुधार'' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान यूजीसी–एमएमटीसी, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात द्वारा आयोजित दो सप्ताह के ऑनलाइन ''सोशल साइंसेज में रिफ्रेशर कोर्स'' के प्रतिभागियों के लिए था।

- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 10–11 जनवरी, 2025 को सरकारी मीरा गर्ल्स कॉलेज, उदयपुर के समाजशास्त्र विभाग में आयोजित 30वें राजस्थान सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन (आरएसए) सम्मेलन में ''प्रौद्योगिकी, नैतिकता और पर्यावरणः सतत समाज के भविष्य की ओर'' विषय पर आयोजित एक अंतर–विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में समापन भाषण दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 22–24 दिसंबर, 2024 के दौरान बीएमएल–मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन के दौरान आरसी 27, समाजशास्त्र में 'वैश्वीकरण, आधुनिकीकरण और देखभालः एक वैकल्पिक विकास प्रतिमान की आवश्यकता' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 22–24 दिसंबर, 2024 के दौरान बीएमएल–मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन के दौरान आरसी 20, मीडिया अध्ययन में '21वीं सदी में वैश्वीकरण, आधुनिकीकरण और मीडिया' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 22–24 दिसंबर, 2024 के दौरान बीएमएल–मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन के दौरान आरसी 10, लैंगिक अध्ययन में 'लैंगिक और समाज' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- आचार्य आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 22–24 दिसंबर, 2024 के दौरान आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में एड–हॉक ग्रुप 4, 'भारतीय समाजशास्त्र और ज्ञान प्रणालियों में समकालीन समय में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर किया गया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 22–24 दिसंबर, 2024 के दौरान आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में आरसी 14, वैश्वीकरण और समाज में 'वैश्वीकरण और समाज' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की, जिसका आयोजन बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर किया गया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 22–24 दिसंबर, 2024 के दौरान आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में आरसी 11, पर्यावरण का समाजशास्त्र में 'पर्यावरण और समाज' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की, जिसका आयोजन बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर किया गया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 22–24 दिसंबर, 2024 के दौरान आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में आरसी 19, शहरी अध्ययन में 'शहरीकरण और समाज' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की, जिसका आयोजन बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर किया गया था।
- आचार्य मनीष के. वर्मा ने 22–24 दिसंबर, 2024 के दौरान आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में आरसी 25, खेल का समाजशास्त्र में 'समाज में खेलों का महत्व' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की, जिसका आयोजन बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर किया गया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 16 दिसंबर 2024 को यूजीसी–एमएमटीसी, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन दो सप्ताह के ''एनईपी ओरिएंटेशन और

सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम'' के प्रतिभागियों को ''समग्र बहु–विषयक शिक्षा'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 13 दिसंबर 2025 को आईसीएसएसआर समाजशास्त्र विभाग, एसओए विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा में 6–15 जनवरी, 2025 के दौरान आयोजित ''अनुसंधान के मूल सिद्धांत; सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में कार्यप्रणाली की प्रासंगिकता'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 13 दिसंबर 2025 को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दस दिवसीय अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यक्रम में ''हाल के दशकों में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में प्रमुख वैचारिक बदलाव और वैश्विक संदर्भ में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उभरते विषय'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन समाजशास्त्र विभाग, एसओए विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा 6–15 जनवरी, 2025 के दौरान किया गया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 7 दिसंबर 2024 को ''शोध के मूल सिद्धांत; सामाजिक विज्ञान शोध में कार्यप्रणाली की प्रासंगिकता'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान 2–12 दिसंबर, 2024 के दौरान आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दस दिवसीय रिसर्च मेथोडोलॉजी प्रोग्राम में आयोजित किया गया था, जिसे लोकगीत विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय, नादिया, पश्चिम बंगाल ने आयोजित किया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 7 दिसंबर 2024 को ''हाल के दशकों में सामाजिक विज्ञान शोध में प्रमुख वैचारिक बदलाव और वैश्विक संदर्भ में सामाजिक विज्ञान शोध में उभरते विषय''विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान 2–12 दिसंबर, 2024 के दौरान आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दस दिवसीय रिसर्च मेथोडोलॉजी प्रोग्राम में आयोजित किया गया था, जिसे लोकगीत विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय, नादिया, पश्चिम बंगाल ने आयोजित किया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 18 नवंबर 2024 को ''भारतीय ज्ञान प्रणाली और पर्यावरण'' विषय पर यूजीसी–एमएमटीसी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में एक ऑनलाइन पुनश्चर्या के प्रतिभागियों को संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 12 नवंबर 2024 को "विकास, हाशिए पर होना और विस्थापन के मुद्दे" विषय पर यूजीसी–एमएमटीसी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, एचपी द्वारा 11–16 नवंबर, 2024 के दौरान आयोजित पर्यावरण अध्ययन और सतत विकास पर एक ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 16 अक्टूबर 2024 को ''सामाजिक विज्ञान शोध में नैतिकता'' विषय पर यूजीसी–एमएमटीसी, पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में एक ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 8 अगस्त 2024 को ''विकास, हाशिए पर होना और विस्थापन के मुद्दे'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में दो आमंत्रित व्याख्यान दिए। यह व्याख्यान यूजीसी–एमएमटीसी, ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, प्रयागराज द्वारा आयोजित ''समाजशास्त्रीय जांच में समकालीन परिप्रेक्ष्य'' पर एक ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए थे।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 8 जुलाई 2024 को ''अनुसंधान और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान का अर्थ और पहलू'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान असम काजीरंगा

विश्वविद्यालय, जोरहाट के सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ द्वारा 8–20 जुलाई, 2024 के दौरान आयोजित सामाजिक विज्ञान के संकाय सदस्यों के लिए दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिया गया।

- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 8 जुलाई 2024 को मुख्य अतिथि के तौर पर ''आत्मनिर्भर भारत की ओर अंतर–विषयक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान असम काजीरंगा विश्वविद्यालय, जोरहाट के सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ द्वारा 8–20 जुलाई, 2024 के दौरान आयोजित सामाजिक विज्ञान के संकाय सदस्यों के लिए दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिया गया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 17 जून को इंडियन रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों और शोधार्थियों को 'सामाजिक अनुसंधान कैसे करें' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 8 जुलाई 2024 को ''अनुसंधान और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान का अर्थ और पहलू'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान असम काजीरंगा विश्वविद्यालय, जोरहाट के सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ द्वारा 8–20 जुलाई, 2024 के दौरान आयोजित सामाजिक विज्ञान के संकाय सदस्यों के लिए दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिया गया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 8 जुलाई 2024 को मुख्य अतिथि के तौर पर ''आत्मनिर्भर भारत की ओर अंतर–विषयक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान असम काजीरंगा विश्वविद्यालय, जोरहाट के सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ द्वारा 8–20 जुलाई, 2024 के दौरान आयोजित सामाजिक विज्ञान के संकाय सदस्यों के लिए दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिया गया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 17 जून, 2024 को इंडियन रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों और शोधार्थियों को 'सामाजिक शोध कैसे करें' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 5 जून, 2024 को ''विश्व पर्यावरण दिवस'' के अवसर पर भारतीय रेलवे, लखनऊ के अधिकारियों और कर्मचारियों को ''हमारी ज़मीन हमारे लोग'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसका मकसद लोगों को व्यवहार में बदलाव के पर्यावरण पर पड़ने वाले असर के बारे में जागरूक करना था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 5 जून 2024 को ''एनईपी और भारत में उच्च शिक्षा'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान 27 मई से 5 जून, 2024 के दौरान आयोजित एनबीएस एनईपी (ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन) कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए था, जिसका आयोजन यूजीसी–एमएमटीसी, डीडीयू, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने किया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 29 मई 2024 को गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, ताला सतना, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित एक वेबिनार में विशेष अतिथि के तौर पर 'भारतीय ज्ञान प्रणाली के विभिन्न पहलुओं' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 17 अप्रैल, 2024 को पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के छात्रों और शोधार्थियों को 'समाजशास्त्र पर ओरिएंटेशन व्याख्यान' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 13–15 अप्रैल, 2024 के दौरान आयोजित उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड इकोनॉमिक एसोसिएशन (यूपीयूईए) के तीन दिवसीय 19वें वार्षिक सम्मेलन में ''पर्यावरण, जलवायु

परिवर्तन और सतत विकास'' पर एक सत्र की अध्यक्षता की। यह सम्मेलन ''समानता के साथ विकास को बनाए रखनाः 21वीं सदी में क्षेत्रीय विकास, व्यापार और सामाजिक सुरक्षा'' विषय पर था, जिसका आयोजन अर्थशास्त्र विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा 13–15 अप्रैल, 2024 के दौरान किया गया था।

- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 27 मार्च 2024 को कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित बेला दत्ता गुप्ता मेमोरियल व्याख्यान में ''पर्यावरण और सतत विकासः भारतीय संदर्भ'' विषय पर व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष के. वर्मा ने 19–20 मार्च, 2024 के दौरान डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ''बुनियादी भारतीय सामाजिक संस्थाएंः निरंतरता और परिवर्तन'' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में समापन भाषण दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 20 मार्च, 2024 को ''विकसित भारत की अवधारणा में सामाजिक सशक्तिकरण के विभिन्न आयाम'' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन संयुक्त रूप से सामाजिक सशक्तिकरण बहु–उद्देशीय संस्था, वर्धा, डॉ. अंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क वर्धा, सामाजिक कार्य विभाग मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर, और सामाजिक कार्य विभाग, श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर द्वारा किया गया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 13–14 मार्च, 2024 के दौरान आयोजित 'भारतीय समाजशास्त्र के 100 सालः पाठ, संदर्भ और भविष्य की शिक्षाशास्त्र' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा किया गया था।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 9 मार्च 2024 को लखनऊ विश्वविद्यालय के केकेवी कॉलेज द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित प्रभाव मूल्यांकन कार्यशाला में 'प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) का प्रभाव' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 8 मार्च 2024 को शिक्षा विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित प्रभाव मूल्यांकन कार्यशाला में 'उत्तर प्रदेश में बालिका को बचाने, शिक्षित करने और सशक्त बनाने के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम की प्रभावशीलता का विश्लेषण' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 27 जनवरी 2024 को समाजशास्त्र विभाग, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में 'शोध प्रस्ताव कैसे लिखेंः मुख्य तत्व, मुद्दों की पहचान और प्रस्तुति' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 27 जनवरी 2024 को समाजशास्त्र विभाग, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में 'रिपोर्ट लेखन और रिपोर्ट लेखन में संदर्भ (एपीए)' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य मनीष कुमार वर्मा ने 19–20 जनवरी, 2024 को आयोजित आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय वर्कशॉप में 'भारत में स्वदेशी समाजशास्त्र की आवश्यकता' विषय पर संसाधन व्यक्ति के तौर पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह कार्यशला ''समाजशास्त्र पर पुनर्विचारः पाठ, संदर्भ, शिक्षणशास्त्र'' विषय पर जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के सहयोग से आयोजित की गई थी।

आचार्य बीरेंद्र नारायण दुबे

- आचार्य बीरेंद्र नारायण दुबे ने 16 अप्रैल, 2025 को श्री जेएन पीजी कॉलेज, लखनऊ के पीजीडीएचई के ईसीपी में ''वैश्वीकरण और निजीकरण–भारत में उच्च शिक्षा पर इसके प्रभाव'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- आचार्य बीरेंद्र नारायण दुबे ने 16 अप्रैल, 2025 को श्री जेएन पीजी कॉलेज, लखनऊ के पीजीडीएचई के ईसीपी में ''एनईपी 2020 और भारत की उच्च शिक्षा में उभरते मुद्दे'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- आचार्य बीरेंद्र नारायण दुबे ने 22 दिसंबर, 2024 को बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 22–24 दिसंबर, 2024 को ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन के दौरान आरसी 05, शिक्षा का समाजशास्त्र में ''उत्तर प्रदेश में पीएम–किसान योजना में शिक्षा की भूमिका'' पर एक व्याख्यान दिया।
- आचार्य बीरेंद्र नारायण दुबे ने 23 दिसंबर, 2024 को बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 22–24 दिसंबर, 2024 को ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन के दौरान आरसी 25 सत्र 6, खेल का समाजशास्त्र में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- आचार्य बीरेंद्र नारायण दुबे ने 24 दिसंबर, 2024 को बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 22–24 दिसंबर, 2024 को ''समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र'' विषय पर आयोजित 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन के दौरान आरसी 05, शिक्षा का समाजशास्त्र में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- आचार्य बीरेंद्र नारायण दुबे ने 16 दिसंबर, 2024 को यूजीसी–एमएमटीसी (एचआरडीसी), लखनऊ विश्वविद्यालय में ''वैश्वीकरण और निजीकरण और भारत में उच्च शिक्षा'' विषय पर दो व्याख्यान दिया।

आचार्य जया श्रीवास्तव

- आचार्य जया श्रीवास्तव ने 26 अप्रैल, 2025 को फेनोमेनोलॉजी और समाजशास्त्र विभाग, अल्फ्रेड शुर्ज़ सर्कल वियना विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया द्वारा आयोजित VII-अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत की झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाली महिलाओं के मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन और रोज़मर्रा के अनुभवों'' शीर्षक से एक पेपर (ऑनलाइन) प्रस्तुत किया और उसमें भाग लिया।
- आचार्य जया श्रीवास्तव ने 28 फरवरी, 2025 को यूजीसी–एमएमटीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा उपाचार्य और सहायक आचार्यो के लिए समाज कार्य और मानव विज्ञान में आयोजित बहु–विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के पहले सत्र में ''एक वैश्वीकृत समाज में पर्यावरणीय चेतना का बदलता परिदृश्य'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य जया श्रीवास्तव ने 28 फरवरी, 2025 को यूजीसी–एमएमटीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा उपाचार्य और सहायक आचार्यो के लिए समाज कार्य और मानव विज्ञान में आयोजित बहु–विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दूसरे सत्र में ''गुणात्मक अनुसंधान पद्धतियाँः मानवीय अनुभवों की खोज'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य जया श्रीवास्तव ने 11 फरवरी, 2025 को यूजीसी–एमएमटीसी, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात द्वारा विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए ''सामाजिक विज्ञान'' में 91वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''वैश्वीकरण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चेतना'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य जया श्रीवास्तव ने 28 जनवरी, 2025 को यूजीसी–एमएमटीसी, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा पूरे भारत के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के समाजशास्त्र और समाज कार्य के सहायक आचार्यों के लिए ''समाजशास्त्र और समाज कार्य'' में आयोजित पुनश्चर्या

पाठ्यक्रम में ''इंटरसेक्शनैलिटी की खोजः जाति, लिंग और भारत में दलित महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले भेदभाव के कई रूप'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- आचार्य जया श्रीवास्तव ने 21 जनवरी, 2025 को डॉ. राम मनोहर लोहिया शोधपीठ समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित ''लोहिया के सपनों का भारत'' पर एक दिवसीय कार्यशाला की अध्यक्षता की और अध्यक्षीय भाषण दिया।
- आचार्य जया श्रीवास्तव ने 20 नवंबर 2024 को इंटरनेशनल सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन और जेएनपीजी कॉलेज, लखनऊ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''जनसंख्या और विकास 2024ः चुनौतियों का सामना करना और अवसरों की तलाश'' में ''वैश्वीकरण, पर्यावरणीय चेतना और जलवायु परिवर्तन, जिसमें यूएसए और भारत के दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया'' विषय पर एक मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य जया श्रीवास्तव ने 21 नवंबर 2024 को यूजीसी–एमएमटीसी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए ''सामाजिक विज्ञान'' में एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''वंचित स्थानीय लोगों की समस्याओं और उनके समाधान की पहचान के लिए वैकल्पिक अनुसंधान दृष्टिकोण'' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य जया श्रीवास्तव ने 21 अक्टूबर 2024 को यूजीसी–एमएमटीसी, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा द्वारा आयोजित ''एनईपी ओरिएंटेशन और संवेदीकरण कार्यक्रम'' पर दो–सप्ताह के कार्यक्रम में ''उच्च शिक्षा और समाज'' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. ब्रजेश कुमार

- ब्रजेश कुमार ने 19 अप्रैल, 2024 को आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा आयोजित ''समाजशास्त्रीय सोच और समाजशास्त्र का दायरा (तरीके और कार्यप्रणाली)'' पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में 'समाजशास्त्रीय ज्ञान का दार्शनिक आधार' विषय पर व्याख्यान दिया।
- ब्रजेश कुमार ने 28 जनवरी–01 फरवरी, 2025 को प्रबंधन अध्ययन विभाग, बीबीएयू, लखनऊ द्वारा आयोजित ''भारत में पर्यटन और यात्रा प्रबंधन'' पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम में 'सांस्कृतिक पर्यटन के समाजशास्त्रीय आयाम' विषय पर व्याख्यान दिया।
- ब्रजेश कुमार ने 24 फरवरी–07 मार्च, 2025 को समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में डॉ. राम मनोहर लोहिया चेयर द्वारा आयोजित ''सामाजिक विज्ञान में दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला'' में 'नमूनाकरण का ब्रह्मांड, प्रकृति और प्रकारः संभाव्यता नमूनाकरण' विषय पर व्याख्यान दिया।
- ब्रजेश कुमार ने 24 फरवरी–07 मार्च, 2025 को समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में डॉ. राम मनोहर लोहिया चेयर द्वारा आयोजित ''सामाजिक विज्ञान में दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला'' में 'गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान डिजाइन–ग्राउंडेड थ्योरी, केस स्टडी' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अजय कुमार

- अजय कुमार ने सामाजिक समावेश अध्ययन के लिए केंद्र (सीएसएसआई) सामाजिक विज्ञान संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित "आधुनिक भारत में समानता और सामाजिक न्याय के बारे में डॉ. बी.आर. अंबेडकर का दृष्टिकोण" पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "समकालीन भारत में डॉ. अंबेडकर की मौजूदगीः समाज, राजनीति और साहित्य के सन्दर्भ में" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

- अजय कुमार ने सामाजिक समावेश अध्ययन के लिए केंद्र (सीएसएसआई) सामाजिक विज्ञान संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित "आधुनिक भारत में समानता और सामाजिक न्याय के बारे में डॉ. बी.आर. अंबेडकर का दृष्टिकोण" पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "लोकतंत्र के लोक में डॉ. अंबेडकर दलित एवं दलित आंदोलन" पर एक पेपर पेश किया। (मोहिनी गौतम के साथ मिलकर पेश किया)।
- अजय कुमार ने सामाजिक समावेश अध्ययन के लिए केंद्र (सीएसएसआई) सामाजिक विज्ञान संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 11–12 अप्रैल 2025 को आयोजित "आधुनिक भारत में समानता और सामाजिक न्याय के बारे में डॉ. बी.आर. अंबेडकर का दृष्टिकोण" पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "समकालीन परिदृश्य में जातिगत भेदभाव और अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- साउथ एशियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस दुबई, यूएई 23–26 मार्च 2025 को आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ''साउथ एशियन सोसाइटीः टुडे एंड टुमॉरो'' में (ऑनलाइन मोड में) "साउथ एशियन सोसाइटीः टुडे एंड टुमॉरो" पर एक सत्र की अध्यक्षता और आयोजन किया।
- साउथ एशियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस दुबई, यूएई 23–26 मार्च 2025 को आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ''साउथ एशियन सोसाइटीः टुडे एंड टुमॉरो'' में (ऑनलाइन मोड में) "भारत में उत्तर–उदारीकरण दौर में नव–सामाजिक आंदोलनों का उभार एवं नागरिक अधिकार सक्रियता" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- साउथ एशियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस दुबई, यूएई 23–26 मार्च 2025 को आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ''साउथ एशियन सोसाइटीः टुडे एंड टुमॉरो'' में (ऑनलाइन मोड में) "आदिवासी किशोरियों में हेल्थ केयर चाहने के व्यवहार का आकलनः बिलासपुर जिले, छत्तीसगढ़ में एक समुदाय–आधारित अध्ययन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 22–23 मार्च, 2025 को आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित और लखनऊ विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित 'वीमेन लेड डेवलपमेंटः उभरती चिंताएँ और स्ट्रेटेजीज़ फॉर विकसित भारत@विज़न 2047' पर दो दिवसीय के राष्ट्रीय सेमिनार में हिस्सा लिया।
- अजय कुमार ने स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 22 से 24 दिसंबर, 2024 तक आयोजित समाजशास्त्र विकास और लोकतंत्र पर 49वां अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में (एडहॉक रिसर्च कमेटी–04, इंडियन सोशियोलॉजी एंड नॉलेज सिस्टम) ''सेंटेनरी ऑफ़ सोशियोलॉजी इन इंडियाः द क्वेश्चन ऑफ़ प्रेजेंस एंड एब्सेंस ऑफ़ इंडिजिनस सोशियोलॉजी एंड इंडिजिनाइज़ेशन इन टेक्स्ट एंड कॉन्टेक्स्ट'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार ने स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 22 से 24 दिसंबर, 2024 तक आयोजित समाजशास्त्र विकास और लोकतंत्र पर 49वां अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में ''उत्तर भारत के दलित जैविक बुद्धिजीवियों, हिंदी दलित पत्रकारिता और दलित प्रिंटिंग प्रेस के बीच आपसी संबंधः कुछ समाजशास्त्रीय विचार (आरसी–09ः दलित स्टडीज़)'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार ने स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 22 से 24 दिसंबर, 2024 तक आयोजित समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र पर 49वा अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में "लोकतंत्र, नागरिक अधिकार सक्रियता और उदारीकरण के बाद के युग में नव–सामाजिक आंदोलनों का उदय (आरसी–17ः सामाजिक आंदोलन)" एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 19–20, जनवरी 2024, गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'समाजशास्त्र पर पुनर्विचारः पाठ,

संदर्भ, शिक्षाशास्त्र' में 'भारत में समाजशास्त्र की शताब्दीः सवाल देशज समाजशास्त्र एवं देशीकरण की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य बी.बी. मलिक

- शशांक शुक्ला ने ''बदलती कृषि पद्धतियाँ एवं उभरते प्रतिमानः बस्ती जिला का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- काजल माणिकराव वानकर ने ""अंबेडकर बुद्धिज्म, दीक्षा भूमि एण्ड रिलिजियस कॉग्रिगेशनः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

आचार्य मनीष कुमार वर्मा

- रिया सिंह ने "वर्क फ्रॉम होम एण्ड चेंजिंग डाइनेमिक्स ऑफ फैमिली स्ट्रक्चर इन द एज ऑफ कोविड–19 पैंडेमिकः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड स्टेट्स ऑफ इंडिया" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- अभिलाषा दोहरे सिंह ने "ई–वेस्ट मैनेजमेंट, वर्कर्स' हेल्थ एण्ड सस्टेनबिलिटीः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड प्लांट्स ऑफ उत्तर प्रदेश" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- आशीष कुमार वर्मा ने "स्वच्छ भारत मिशन एण्ड सस्टेनबल डेवेलपमेंट गोल्सः ए सोसीयोलॉजिकल एनॉलिसिस ऑफ पेरी–अर्बन लखनऊ सिटी" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- शिवानी ने "ऑटोनामी, सोशियल स्ट्रैटिफिकेशन एण्ड वर्कर्स' वेल–बीयिंगः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ जिग वर्कर्स इन सेलेक्टेड अर्बन सिटीज" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

आचार्य बीरेन्द्र नारायण दुबे

- अग्निवेश पांडे ने "कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी और लोकल एरिया कम्युनिटी डेवलपमेंटः ए सेलेक्टेड कंपनीज ऑन नार्थ इंडिया'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- श्रुति सिंह ने "एक्सेस, ईक्विटी, सोशल जस्टीस एण्ड दलित विमनः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ पब्लिक एण्ड प्राइवेट यूनिवर्सिटीज ऑफ लखनऊ डिस्ट्रिक्ट'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- अश्वनी उमर ने "पोस्ट–पैंडेमिक एमर्जिंग ट्रेंड्स इन हाइयर एजुकेशनः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ स्टूडेंट्स' लर्निंग आउट्कम्स फ्रॉम सेलेक्टेड यूनिवर्सिटीज ऑफ लखनऊ" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- वनलालवमकिमी ने "एथ्निसिटी, रेकग्निशन एण्ड बिलॉगिंगः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ द लाई एण्ड मारा ट्राइब ऑफ द सिक्स्थ शेड्यूल एरिया ऑफ मिज़ोरम" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- शशि कुमार ने "रिसेटल्मेंट, लाइव्लिहुड एण्ड डेवेलपमेंट ऑफ स्लम ड्वेल्लर्सः ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ टू कॉलोनीस ऑफ दिल्ली'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

आचार्य जया श्रीवास्तव

- सिमरन ने "ट्रांस्फोबिया, ट्रांसजेंडरिज्म एण्ड चैलेंजस ऑफ सोशल इंक्लूजनः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ लखनऊ डिस्ट्रिक्ट" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

- रीमा बर्धन ने "एवेरीडे डिस्कोर्सस ऑफ रिप्रोडक्टिव हेल्थः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ विमन ऑफ सुंदरबन ऑफ इंडिया एण्ड बांग्लादेश" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. ब्रजेश कुमार

- आनंद कुमार ने "सोशल मीडिया एण्ड कास्ट आइडेंटिटी एमांग यूथः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड यूनिवर्सिटीज इन लखनऊ" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- आमिर फैसल ने पसमांदा मुसलमानों में पहचान निर्माण एवं सामाजिक गतिशीलताः उत्तर प्रदेश के मऊ नगर का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- शिवम पटेल ने ''हिन्दू त्यौहार, अनुष्ठान एवं तीर्थयात्राः वाराणसी में बदलते धार्मिक प्रतिमानों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. अजय कुमार

- आशका राज ने "फ्रेंडशिप, सोशल स्टेटस एण्ड आइडेंटिटीजः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड यूनिवर्सिटीज ऑफ दिल्ली एण्ड लखनऊ'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- मेहताब खान ने "यूथ माइग्रेशन, सेटलमेंट इश्यूस एण्ड एडाप्टेशन स्ट्रैटजीसः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ दिल्ली'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी

आचार्य कामेश्वर चौधरी

- अशोक कुमार सोनकर को ''दलितों में वर्ग विभाजन एवं विकासः इलाहाबाद जिले के चयनित गॉवो का अध्ययन (क्लास डिविजन एमांग दलित'स एण्ड डेवेलपमेंटः ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड विलेजस ऑफ इलाहाबाद डिस्ट्रिक्ट)'' शीर्षक वाली थीसिस पर 2024 में पीएच.डी. प्रदान की गयी।

आचार्य मनीष कुमार वर्मा

- कुमारी मनीषा को ''महिलायें, वृद्धावस्था एवं स्वास्थ्यः बिहार के छपरा जिला का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (विमन, एजियिंग एण्ड हेल्थः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ छपरा डिस्ट्रिक्ट ऑफ बिहार)'' शीर्षक वाली थीसिस पर 2024 में पीएच.डी. प्रदान की गयी।

आचार्य बीरेन्द्र नारायण दुबे

- अभिषेक कुमार को ''डिजिटलाइजेशन इन इंडिया एण्ड विमनः ए सोसीयोलॉजिकल स्टडी ऑफ हज़ारीबाग डिस्ट्रिक्ट" शीर्षक वाली थीसिस पर 2024 में पीएच.डी. प्रदान की गयी।
- दुर्गा प्रसाद यादव को 'भारत में दिव्यांगजन की उच्च शिक्षा संबन्धित सरकारी नीतियांः लखनऊ शहर के चयनित विश्वविद्यालयों का समाजशास्त्रीय अध्ययन (गवर्नमेंट पॉलिसीज फॉर हाइयर एजुकेशन ऑफ डिफरेंट्ली एबल्डड पीपुल इन इंडियाः ए सोसीयलॉजिकल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड यूनिवर्सिटीज इन लखनऊ सिटी)' शीर्षक वाली थीसिस पर 2024 में पीएच.डी. प्रदान की गयी।

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः–

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–

आचार्य विभूति भूषण मलिक

- शैक्षिक विकास परिषद, पटना द्वारा 7 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार।

डॉ. अजय कुमार

- बोधिसत्व बाबासाहेब टुडे मासिक पत्रिका, बुद्ध–अंबेडकर कल्याण संघ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा 14–06–2025 को छत्रपति शाहूजी महाराज राष्ट्रीय पुरस्कार–2025।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	00
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	00
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	00
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	00
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	04
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	84
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	00
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	छात्रों की कुल संख्या	03
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	02
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	00
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	00
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	18
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	14

लोक प्रशासन विभाग

विभाग का परिचय

लोक प्रशासन विभाग की स्थापना वर्ष 2015 में की गई थी। यह विभाग लोक प्रशासन के उभरते क्षेत्रों, विशेष रूप से लोक नीति और शासन, तुलनात्मक लोक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सिविल सेवा सुधार, विकास प्रशासन और विकास बहस, वित्तीय प्रशासन, शहरी और ग्रामीण शासन, वैश्विक शासन के मुद्दों, ई–शासन, बहिष्करण और समावेशी नीति और मानवाधिकारों में शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है, साथ ही साथ शासन के सिद्धांत और दर्शन आदि जैसे कुछ पारंपरिक क्षेत्रों में छात्रवृत्ति को बनाए रखता है।

विभाग में तीन स्थायी शिक्षक हैं, जिनमें से दो संसाधन व्यक्ति हैं और अनुसूचित जाति श्रेणी की एक सीट खाली है। विभाग में लगभग 200 छात्र हैं। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग अपने शिक्षण के साथ–साथ सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में वैश्विक मानकों को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अब तक, इसने लगभग दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया है जिन्हें शिक्षा जगत और मीडिया में बहुत सराहा गया। इसके शिक्षक और छात्र अपने आसपास की प्रशासनिक और सामाजिक समस्याओं को समझने में गहरी रूचि रखते हैं।

विभाग इस विषय में शिक्षण विधियों और अनुसंधान क्षेत्रों को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह विभाग इस विषय में अद्वितीय अवसर प्रदान करता है, क्योंकि यह लोक प्रशासन का एकमात्र विभाग है, अम्बेडकर सामाजिक अध्ययन विद्यापीठ में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करने वाला एकमात्र लोक प्रशासन विभाग है। वर्तमान में, विभाग बी.ए. (ऑनर्स) लोक प्रशासन, एम.ए. लोक प्रशासन और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान कर रहा है।

कार्यक्रमों की पेशकश

- बी.ए. (ऑनर्स) लोक प्रशासन
- एमए लोक प्रशासन
- पीएच.डी. कार्यक्रम।

उपलब्ध सुविधाएं

- स्मार्ट कक्षा

विभाग की शक्तियां

- एनईपी 2020 के अनुसार 04 वर्ष स्नातक डिग्री कार्यक्रम।
- ज्योतिबा फुले इलेक्ट्रोल साक्षरता क्लब चल रहा है।
- सामुदायिक सेवा और सामुदायिक सशक्तिकरण स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम का हिस्सा है)।
- अम्बेडकर सामाजिक अध्ययन विद्यापीठ में छात्रों की संख्या के मामले में सबसे बड़ा विभाग।
- सभी संकाय सदस्य पीएच.डी. धारक और शीर्ष विश्वविद्यालयों के पूर्व छात्र हैं।
- पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर पेपर की पेशकश।
- नियमित रूप से नेट/जेआरएफ छात्रों को तैयार करता है। और 01 छात्र 2025 में आईएएस साक्षात्कार में शामिल हुआ।
- नियमित रूप से रेमेडियल कक्षाएं आयोजित की जाती हैं।
- छात्र मार्गदर्शन, परामर्श और संरक्षण नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

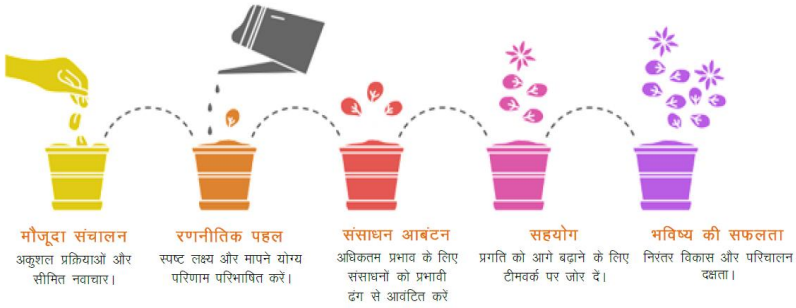

- परामर्श और नेटवर्किंग के लिए औपचारिक पूर्व छात्र संघ की स्थापना।
- फंक्शनल फूड्स, डायटेटिक्स और खाद्य सुरक्षा में अल्पकालिक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम पेश करें।
- इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के लिए उद्योग सहयोग बढ़ाएं।
- न्यूट्रास्यूटिकल्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन का आयोजन–सार्वजनिक स्वास्थ्य।
- संयुक्त अनुसंधान/प्रकाशनों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत बनाना।
- स्कोपस/एससीआई पत्रिकाओं में प्रकाशित करके छात्र अनुसंधान आउटपुट बढ़ाएँ।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- परास्नातक कार्यक्रमः एम.ए. लोक प्रशासन।
- पाठ्यक्रम इंटर्नशिप, कार्यशालाओं, सेमिनारों और अनुसंधान परियोजनाओं को एकीकृत करता है।
- अनुसंधान पद्धति, सार्वजनिक नीति और कार्यालय प्रबंधन पर ध्यान देना।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन

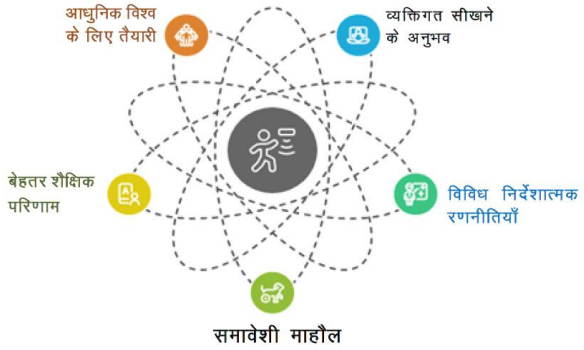

- विकल्प आधारित परास्नातक पाठ्यक्रम।
- विभाग लगातार अपने शिक्षण के साथ–साथ सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में वैश्विक मानकों को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- नियमित आधार पर सेमिनार/कार्यशाला/विशेष व्याख्यान/संगोष्ठी का आयोजन।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

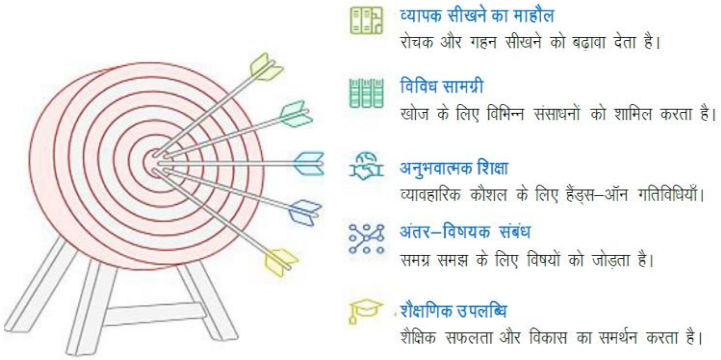

1.4 प्रतिक्रिया प्रणाली

- प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में छात्रों का फीडबैक लिया गया।
- पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए छात्रों को सत्रीय/परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाएं दिखाई जाती है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

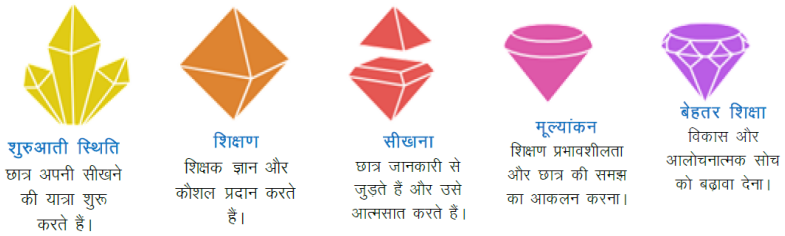

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल

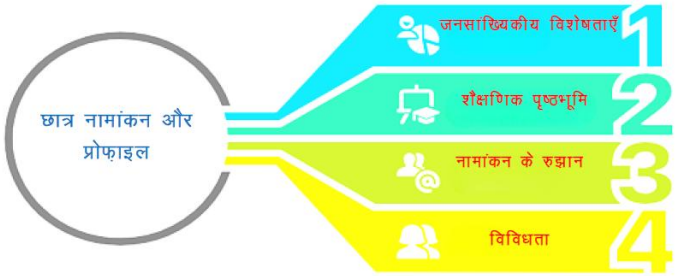

- प्रवेश क्षमता: प्रति पाठ्यक्रम 40 परास्नातक छात्र।
- प्रवेश क्षमता: प्रति पाठ्यक्रम 60 स्नातक छात्र।
- बी.ए. (ऑनर्स) बैच 2024–2025 में 62 छात्र।
- 2024–2025 बैच में एम.ए. लोक प्रशासन में 32 छात्र।
- 04 पीएच.डी. छात्र 2024–2025 बैच में प्रवेश लिया है।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- छात्रों ने व्यक्तिगत शिक्षण आवश्यकताओं के अनुसार एमओओसी को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- विभागीय शिक्षकों और उपचारात्मक सलाह के माध्यम से सहायता दी जाती है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- आईसीटी–सक्षम स्मार्ट क्लासरूम।
- इंटर्नशिप और परियोजना आधारित शिक्षा।
- सह पाठयक्रम प्रतियोगिताओं: पोस्टर, स्लोगन राइटिंग, रेसीपि प्रतियोगिता, रंगोली, क्विज।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

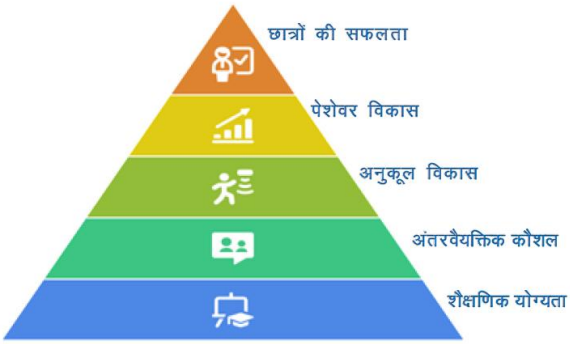

- संकाय की ताकत: 01 आचार्य + 02 सहायक आचार्य और 02 संसाधन व्यक्ति।
- लोक प्रशासन में पीएच.डी. के साथ सभी।
- गूगल स्कॉलर प्रोफाइल बनाए रखे गए।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- पारदर्शी मूल्यांकन: अंतिम परिणाम जमा करने से पहले उत्तर पुस्तिकाएं दिखाई जाएंगी।
- आंतरिक मूल्यांकन + प्रैक्टिकल मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम

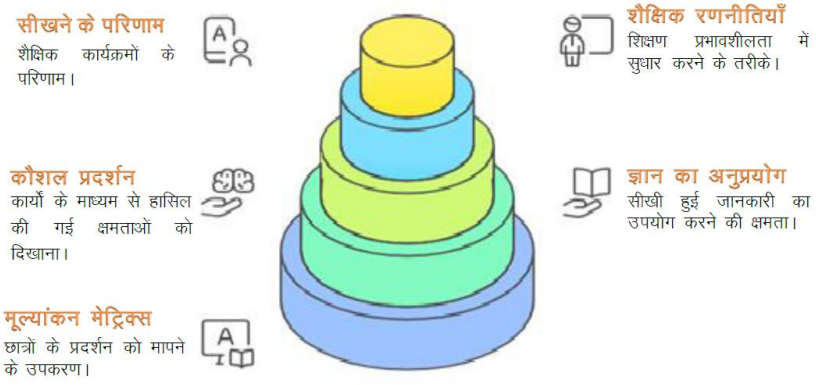

- परास्नातक पूर्णः 42 (2024–25).
- स्नातक पूर्णः 65 (2024–2025)
- उच्च अध्ययनः 54 छात्र।
- नौकरी/शिक्षण/अन्यः 15 छात्र।
- नेट/एसएलईटी/जेआरएफः 08 छात्र।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- फीडबैक फॉर्म और विभागाध्यक्ष के साथ सीधे बातचीत के ज़रिए नियमित रूप से इकट्ठा किया जाता है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- स्नातक छात्रों के लिए इंटर्नशिप प्रोजेक्ट।
- सभी परास्नातक छात्रों के लिए शोध कार्य।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना : शून्य

3.4 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र : शून्य

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- वर्ष 2024–25 के लिए राष्ट्रीय प्रकाशन।

- राधा कमल मुखर्जी, चिंतन परंपरा, इंडियन जर्नल ऑफ सोसाइटी एंड पॉलिटिक्स के साथ–साथ प्रेस में प्रकाशित शोध पत्र।

3.5 परामर्शदाता

- भुगतान परामर्शः शून्य
- मुफ्त परामर्शः शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- व्याख्यान, प्रतियोगिता, बहस, जागरूकता कार्यक्रम आदि।

3.7 सहयोग

- एमओयूः शून्य

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

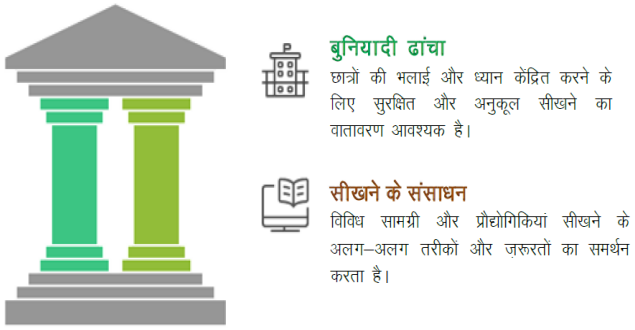

4.1 भौतिक सुविधाएं

- छात्रों की पढ़ाई के लिए स्मार्ट क्लासरूम।
- प्रभावी इंटरनेट सुविधा।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- संदर्भ पुस्तकों और पत्रिकाओं के साथ विश्वविद्यालय पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी–सक्षम स्मार्ट क्लासरूम।
- छात्र डिजिटल लर्निंग, शोध पेपर और प्रोजेक्ट के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित नियमित कक्षा रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- उच्च शिक्षा और कैरियर की प्रगति के लिए परामर्श।

5.2 छात्र प्रगति

- 54 उच्च अध्ययन कर रहे हैं।
- 15 सरकारी/निजी क्षेत्र में कार्यरत।
- 08 नेट/जेआरएफ के लिए योग्य।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताएं: पोस्टर, प्रश्नोत्तरी, रंगोली, रेसिपी प्रतियोगिता।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- औपचारिक पूर्व छात्र संघः प्रगति पर।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- शिक्षा के माध्यम से प्रशासनिक मूल्यों और जन जागरूकता को विकसित करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन : शून्य

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को प्रकाशन, आमंत्रित व्याख्यान, समन्वय प्रतियोगिताओं के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना : शून्य

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- मूल्यांकन प्रक्रिया में छात्रों की भागीदारी।
- गुणवत्ता वृद्धि के लिए नियमित कार्यशालाएँ/यात्राएँ।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- सार्वजनिक नीति के मुद्दों और प्रशासनिक बाधाओं पर शोध।
- सामुदायिक जुड़ाव और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विस्तार।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- सार्वजनिक नीति, शासन, पर्यावरणीय मुद्दे और लोक प्रशासन जैसे विषयों पर विशेष व्याख्यान आयोजित करना।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- शैक्षणिक पाठ्यक्रम और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के बीच मजबूत संबंध।
- शोध के माध्यम से वर्तमान सरकार का मूल्यांकन।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य ओ.पी.बी शुक्ला**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, लोक प्रशासन विभाग।
  विशेषज्ञताः भारत सरकार और राजनीति, सार्वजनिक नीति, विकास और सामाजिक नीति, सुशासन, शासन और संबद्ध क्षेत्र, प्रशासनिक प्रणाली।
  योग्यताः एम.ए. और पीएच.डी.
- **डॉ. विभूति नारायण**
  सहायक आचार्य, लोक प्रशासन विभाग
  विशेषज्ञताः भारतीय नीति एवं शासन, वित्तीय प्रशासन, सार्वजनिक नीति, भारतीय प्रशासन अनुसंधान पद्धति, संगठनात्मक व्यवहार आदि।
  योग्यताः एम.ए., पी.एच.डी.
- **डॉ. प्रदीप कुमार सिंह**
  सहायक आचार्य, लोक प्रशासन विभाग
  विशेषज्ञताः सार्वजनिक नीति, विकास और सामाजिक नीति, प्रशासनिक सिद्धांत और विचार, सुशासन, शासन और संबद्ध क्षेत्र, वित्तीय प्रशासन और संगठनात्मक व्यवहार
  योग्यताः एम.ए., पी.एच.डी. एवं पोस्ट–डॉक्टरेट फेलोशिप

8.2 संस्थान के अंदर एवं बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–

आचार्य ओ.पी.बी शुक्ला

- विभागाध्यक्ष, लोक प्रशासन विभाग।
- अध्यक्ष, विभागीय प्रवेश समिति, बीयूजीएस, बीपीजीएस और डीआरसी।
- पदेन सदस्य, अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान अध्ययन विद्यापीठ।
- अध्यक्ष, विभागीय मेंटर–मेंटी क्लब।
- अध्यक्ष, विभागीय लिंग संवेदीकरण समिति।
- अध्यक्ष, ज्योतिबा फुले इलेक्ट्रोल साक्षरता क्लब।
- अध्यक्ष, विभागीय एंटी रैगिंग समिति।
- अध्यक्ष, विभागीय खरीद समिति।
- अध्यक्ष, विभागीय परीक्षा/समय–सारणी समिति।
- उप कुलानुशासक, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय।
- सदस्य, विश्वविद्यालय योजना मंडल।
- सदस्य, विश्वविद्यालय स्थायी समिति।
- सदस्य, विश्वविद्यालय शिकायत समिति।
- सदस्य, पीएच.डी. की तैयारी विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा का परिणाम।
- सदस्य, सैटेलाइट सेंटर अमेठी की विकास समिति।

- सदस्य, विश्वविद्यालय की खेल आयोजन समिति।

डॉ. विभूति नारायण

- समन्वयक, लोक प्रशासन विभाग के वार्षिक प्रतिवेदन।
- सदस्य, विभागीय प्रवेश समिति, बीयूजीएस, बीपीजीएस और डीआरसी।
- सदस्य, विभागीय शिकायत निवारण समिति।
- सदस्य, विभागीय मेंटर–मेंटी क्लब।
- सदस्य, विभागीय लिंग संवेदीकरण समिति।
- सदस्य, ज्योतिबा फुले इलेक्ट्रोल साक्षरता क्लब।
- सदस्य, विभागीय एंटी रैगिंग समिति।
- सदस्य, विभागीय क्रय समिति।
- सदस्य, विभागीय परीक्षा/समय–सारणी समिति।
- सहायक कुलानुशासक, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय।

डॉ. प्रदीप कुमार सिंह

- समन्वयक, विभागीय प्लेसमेंट सेल।
- सदस्य, विभागीय प्रवेश समिति, बीयूजीएस, बीपीजीएस और डीआरसी।
- सदस्य, अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान अध्ययन विद्यापीठ।
- सदस्य, विभागीय मेंटर–मेंटी क्लब।
- सदस्य, विभागीय लिंग संवेदीकरण समिति।
- सदस्य, ज्योतिबा फुले इलेक्ट्रोल साक्षरता क्लब।
- सदस्य, विभागीय एंटी रैगिंग समिति।
- सदस्य, विभागीय परीक्षा/समय–सारणी समिति।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य ओ.पी.बी शुक्ला

- ओ.पी.बी शुक्ला और प्रवीण कुमार गौतम, शोध अध्येता, लोक प्रशासन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ''बियांड एजुकेशन इन रूरल उत्तर प्रदेशः ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ हाथरस एण्ड वाराणसी'' विषय पर ज्ञानशौर्यम, इंटरनेशनल साइंटिफिक रेफरीड रिसर्च जर्नल वॉल्यूम 8 अंक–I में जनवरी–फरवरी, 2025 में प्रकाशित।
- ओ.पी.बी शुक्ला, लोक प्रशासन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ''जेंडर सेन्सिटिविटी इन इंडियन पब्लिक पॉलिसीजः ए क्रिटिकल एनॉलिसिस'' विषय पर इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ़ ह्यूमैनिटीज़, लैंग्वेज एंड लिटरेचर आईएसएसएनः (2394–1642) इम्पैक्ट फैक्टर 7.972 वॉल्यूम 12, अंक 3 के साथ एसोसिएशन ऑफ़ एकेडमिक रिसर्चर्स एंड फैकल्टीज़ (एएआरएफ) में मार्च 2025 में प्रकाशित।
- ओ.पी.बी शुक्ला, लोक प्रशासन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ''एआई एण्ड एथिक्स इन पब्लिक पॉलिसीः चैलेंजस एण्ड ऑपर्चुनिटीज'' विषय पर इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ़ ह्यूमैनिटीज़, लैंग्वेज एंड लिटरेचर, आईएसएसएनः (2394–1642 इम्पैक्ट फैक्टर 7.972 वॉल्यूम 12, अंक 4, के साथ अप्रैल, 2025 में प्रकाशित।
- ओ.पी.बी शुक्ला, लोक प्रशासन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ''एनईपी 2020ः एज चेंज वैल्यू सिस्टम फॉर न्यू इंडिया'' विषय पर इंडियन जर्नल ऑफ़

सोसाइटी एंड पॉलिटिक्स, आईएसएसएनः 2348–0084 (प्रिंट) आईएसएसएनः 2455–2127 (ऑनलाइन) वॉल्यूम 12 (01) के साथ जुलाई–दिसंबर, 2024 में प्रकाशित।

- ओ.पी.बी शुक्ला, लोक प्रशासन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ''एन्वाइरन्मेंट गवर्नेन्स एण्ड अनसस्टेनबल ह्यूमन लाइफ'' विषय पर इंडियन जर्नल ऑफ़ सोसाइटी एंड पॉलिटिक्स आईएसएसएनः 2348–0084 (प्रिंट) आईएसएसएनः 2455–2127 (ऑनलाइन) वॉल्यूम 11 (02) के साथ 31 जुलाई, 2024 को प्रकाशित।

डॉ. विभूति नारायण

- डॉ. विभूति नारायण, लोक प्रशासन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ''राधाकमल मुकर्जीः चिन्तन परम्परा प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरणः भारत में वित्तीय समावेशन का बदलता परिदृश्य'' विषय पर आईएसएसएनः 0974–0074 वाल्युम 1 के साथ जनवरी से जून, 2024 तक प्रकाशित।
- डॉ. विभूति नारायण, लोक प्रशासन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ''भारत में फिन्टेक उद्भव, नियमन, संभावनाएँ एवं चनौतिया'' विषय पर बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, वॉल्यूम XXI आईएसएसएनः 0974–2735 के साथ जनवरी से जून, 2024 तक प्रकाशित।

डॉ. प्रदीप कुमार सिंह

- डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, लोक प्रशासन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ''भारत में साइबर अपराधः प्रवृत्तियाँ, विश्लेषण एवं समाधान'' विषय पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की त्रैमासिक शोध पत्रिका) लोक प्रशासन आईएसएसएनः 2249–2577 के साथ जुलाई से सितंबर, 2024 में प्रकाशित।
- डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, लोक प्रशासन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ''डिजिटल ट्रांसफार्मेशन इन उत्तर प्रदेशः एन एनॉलिसिस'' विषय पर बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन खंड XXI आईएसएसएनः 0974–2735 के साथ जनवरी से जून, 2024 में प्रकाशित।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन : शून्य

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

- डॉ. विभूति नारायण ने महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया। यह सेमिनार राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 27–28 फरवरी, 2025 को ''भारतीय संविधान@75ः हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान'' विषय पर आयोजित किया गया था।
- डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया। यह सेमिनार राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 27–28 फरवरी, 2025 को ''भारतीय संविधान@75ः हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान'' विषय पर आयोजित किया गया था।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य ओ.पी.बी शुक्ला

- मंगल सिंह ने "सोशल मीडिया का युवाओं पर प्रभावः लखनऊ जनपद के उच्च शिक्षण संस्थानों के विशेष संदर्भ में" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- रवि प्रकाश वर्मा ने "इंपैक्ट असेसमेंट ऑफ अमृत मिशन ऑन सस्टेनबल डेवेलपमेंट गोल्सः ए केस स्टडी ऑफ सिटी ऑफ लखनऊ'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- निधि प्रकाश ने "एम्पॉवरमेंट ऑफ अर्बन स्ट्रीट वेंडर्स थ्रू प्रधान मंत्री स्वनिधि स्कीमः ए स्टडी ऑफ लखनऊ'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- अर्नव बंसल ने "ए स्टडी ऑफ लेबर प्रोडक्टिविटी इन इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्रीः ए कंपरेटिव एनॉलिसिस ऑफ इंडिया एण्ड चाइना'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- शशांक पांडे ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है, लेकिन उनके थीसिस का शीर्षक अभी प्रतीक्षित है।
- एड्रियन राज कुमार चावटे पांडे ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है, लेकिन उनके थीसिस का शीर्षक अभी प्रतीक्षित है।

डॉ. विभूति नारायण

- विंद्रासेन ने "वित्तीय समावेशन में प्रधानमंत्री जन–धन योजना की भूमिका का एक अध्ययनः संत कबीर नगर जिले के विशेष संदर्भ में" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- दीपांशी सिंघारिया ने "एक्सप्लोरिंग डिजिटल सिटिज़न इंगेज्मेंटः विथ स्पेशल रेफरेन्स टू माईजीओवी प्लेटफॉर्म इन द सिटी ऑफ लखनऊ'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- नबनीता नारज़री ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है, लेकिन उनके थीसिस का शीर्षक अभी प्रतीक्षित है।

डॉ. प्रदीप कुमार सिंह

- पारुल राय ने "इंपैक्ट असेसमेंट ऑफ आयुष्मान भारत–प्रधान मंत्री जन आरोगय योजनाः ए केस स्टडी ऑफ वाराणसी डिस्ट्रिक्ट'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- अजमेरा कीर्ति चंद्र ने "एन इवॉल्यूयेशन ऑफ पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम इन एन्श्यूरिंग फुड एण्ड न्यूट्रीशनल सेक्यूरिटीः ए केस स्टडी ऑफ लखनऊ डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- विजय प्रकाश ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है, लेकिन उनके थीसिस का शीर्षक अभी प्रतीक्षित है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी

- आचार्य ओ.पी.बी शुक्ला के पर्यवेक्षण में शोध अध्येता श्री प्रवीण कुमार गौतम को पीएच.डी. थीसिस प्रदान की गई है जिसका शीर्षक है ''उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा की प्रस्थितिः जनपद वाराणसी के विशेष संदर्भ में।''

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः– शून्य

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	08
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	00
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	08

4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	03
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	02
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	59
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	184
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	छात्रों की कुल संख्या	08
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	00
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	00
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	00
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	19
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	54

इतिहास विभाग

विभाग का परिचय

इतिहास विभाग की स्थापना 1996 में हुई थी और इसने 1997 में अम्बेडकर अध्ययन विद्यापीठ (अब अम्बेडकर सामाजिक अध्ययन विद्यापीठ) के हिस्से के रूप में काम करना शुरू किया। यह डॉ. बी.आर. अंबेडकर के विचारों के ढांचे के भीतर भारतीय इतिहास के लिए एक अंतःविषयक दृष्टिकोण अपनाने वाले सबसे पुराने विभागों में से एक है। विभाग प्राचीन, मध्ययुगीन, आधुनिक और समकालीन भारत के राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक इतिहास में मजबूत नींव बनाए रखते हुए हाशिए पर रहने वाले समुदायों पर ध्यान केंद्रित करते हुए "नीचे से इतिहास" पर जोर देता है।

इसमें समर्पित संकाय, शोध अध्येताओं और प्रेरित छात्रों के साथ एक जीवंत शैक्षणिक माहौल है। संकाय सदस्य आईसीएचआर जैसी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं में लगे हुए हैं, प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध, लेख प्रकाशित करते हैं, तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। विभाग नियमित रूप से ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज और कोलंबिया जैसे विश्वविद्यालयों से प्रतिष्ठित विद्वानों को आमंत्रित करता है, तथा अपने शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने के लिए व्याख्यान, सम्मेलन और सेमिनार आयोजित करता है।

विभाग की ताकत

- **योग्य संकायः** प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक, दलित, जनजातीय, बौद्ध, पर्यावरण और लिंग अध्ययन में विशेषज्ञता वाले आचार्य, उपाचार्य और सहायक आचार्य।
- **अनुसंधान संस्कृतिः** कई आईसीएचआर–प्रायोजित परियोजनाएं, यूजीसी–नेट/जेआरएफ कोचिंग, यूजीसी–अनुमोदित और स्कोपस पत्रिकाओं में प्रकाशन, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों में भागीदारी।
- **शैक्षणिक सुविधाएंः** स्मार्ट कक्षाएं, विभागीय पुस्तकालय, पीएच.डी. अध्येताओं के लिए वाचनालय, सम्मेलन हॉल, सुधारात्मक कक्षाएं, सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण, कैरियर परामर्श, मार्गदर्शन प्रणाली।

- **छात्र उपलब्धियां:** छात्र एनईटी/जेआरएफ उत्तीर्ण करते हैं, जेएनयू, जामिया, बीएचयू, पंजाब विश्वविद्यालय जैसे विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन में शामिल होते हैं, और आईसीएचआर, राजीव गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप, एनएफएससी, एनएफएसटी आदि जैसी फेलोशिप प्राप्त कर रहे हैं।
- **सहयोग:** राष्ट्रीय/विदेशी संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर; भारत और विदेश से विद्वानों का नियमित दौरा।
- **विस्तार एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ:** बुद्ध पूर्णिमा का उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वृक्षारोपण जैसी पर्यावरणीय गतिविधियाँ और छात्रों द्वारा आयोजित कार्यक्रम।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

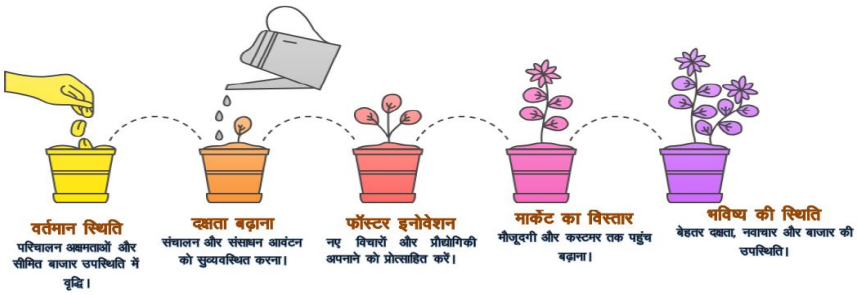

- **शैक्षणिक:** डिजिटल इतिहास, दक्षिण एशिया का पर्यावरण इतिहास और वैश्विक इतिहास जैसे अग्रणी क्षेत्रों में नए वैकल्पिक पेपर प्रस्तुत करना।
- **अनुसंधान:** आईसीएचआर, आईसीएसएसआर और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग को मजबूत करना; प्रमुख अंत:विषय परियोजनाओं के लिए आवेदन करना।
- **छात्र विकास:** सिविल सेवाओं की तैयारी के लिए कार्यशालाएं आयोजित करना, सुधारात्मक और कौशल–आधारित प्रशिक्षण जारी रखना, और मार्गदर्शन प्रणाली को बेहतर करना।
- **बुनियादी ढांचा:** विभागीय पुस्तकालय संसाधनों का विस्तार करें, आईटी और स्मार्ट कक्षा सुविधाओं को उन्नत करें।
- **आउटरीच:** "समावेशी इतिहास पर अम्बेडकरवादी दृष्टिकोण'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करें और गैर सरकारी संगठनों और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से विस्तार गतिविधियों का संचालन करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- एमए कार्यक्रम भारत के सामाजिक–आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास को कवर करता है।

- पाठ्यक्रमों में प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक, समकालीन इतिहास, पर्यावरण इतिहास, प्रवासी अध्ययन, गैर–भारतीय इतिहास के पेपर शामिल हैं।
- हाशिए पर पड़े समुदायों और अंतःविषय दृष्टिकोण पर जोर।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- वैकल्पिक और अंतःविषय पेपर शुरू किये गए।
- छात्रों ने सिविल सेवाओं और एनईटी/जेआरएफ के लिए तैयार किया गया।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

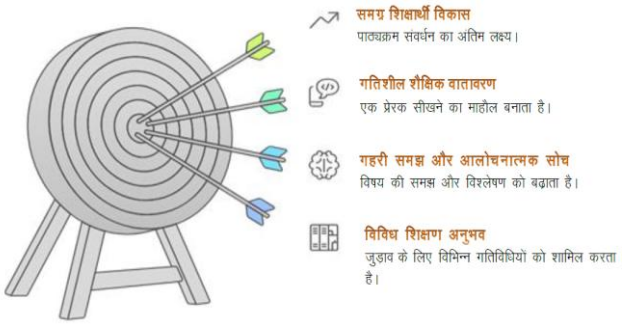

- प्रख्यात विद्वानों द्वारा अतिथि व्याख्यान।
- अंबेडकरवाद, बौद्ध धर्म और आधुनिक भारत पर सेमिनार।
- जाति, लिंग और पर्यावरण जैसे सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों को शामिल करना।

1.4 प्रतिक्रिया प्रणाली

- छात्र मार्गदर्शन और प्रगति निगरानी प्रणाली।
- फीडबैक के आधार पर नियमित सुधारात्मक कक्षाएं।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- पीजी छात्र (एम.ए.): 65
- पीएच.डी. छात्रः जारी (जेआरएफ/नॉन–नेट फेलोशिप वाले कई विद्वान)।
- पूरे भारत से विविध छात्र प्रवेश।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- उपचारात्मक कक्षाएं, नेट/जेआरएफ कोचिंग, सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण।
- प्रवेश स्तर से कैरियर परामर्श।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट कक्षाएँ, मार्गदर्शन, आईसीटी–सक्षम शिक्षण।
- प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अभिमुखीकरण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

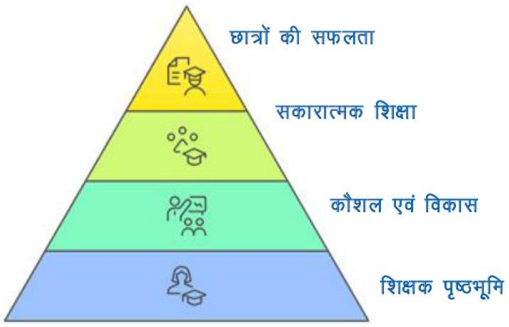

- प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक, दलित, जनजातीय, बौद्ध अध्ययन, पर्यावरण इतिहास, लैंगिक अध्ययन में विशेषज्ञता वाले संकाय।
- संकाय राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं और प्रकाशनों में शामिल।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- निरंतर आंतरिक मूल्यांकन, सेमिनार, प्रस्तुतियाँ।
- पीएच.डी. पाठ्यक्रम मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- 44 छात्रों ने एमए कार्यक्रम पूरा किया।
- 01 को सरकारी नौकरी मिली।
- कई छात्रों को नेट/जेआरएफ से सम्मानित किया गया।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- मार्गदर्शन, उपचारात्मक और व्यक्तित्व विकास कक्षाएं संतुष्टि में योगदान देती हैं।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

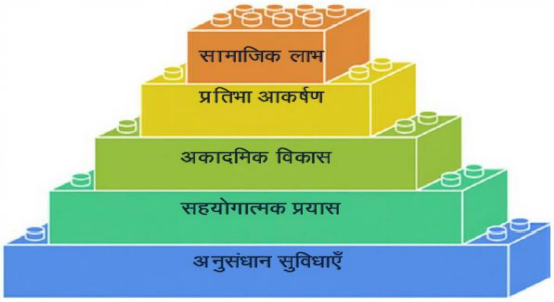

- पुरातत्व, धातुकर्म, बौद्ध धर्म और पर्यावरण इतिहास पर आईसीएचआर–प्रायोजित परियोजनाएँ।
- विभागीय पुस्तकालय, वाचनालय और सम्मेलन कक्ष जैसी अनुसंधान सुविधाएं।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- आईसीएचआर और अन्य एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं।

3.5 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

3.6 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- यूजीसी और स्कोपस–सूचीबद्ध पत्रिकाओं में कई राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पत्र प्रकाशित हुए।
- संकाय उद्धरण और एच–इंडेक्स गूगल स्कॉलर पर जोड़े गए।
- पुरस्कारः ईएसडीए शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार (आचार्य शूरा दारापुरी)।

3.5 परामर्शदाता

- शून्य (भुगतान/निःशुल्क)।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- बुद्ध पूर्णिमा समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पर्यावरण दिवस, वृक्षारोपण।

3.7 सहयोग

- राष्ट्रीय/विदेशी संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

- ब्रिटेन, थाईलैंड, श्रीलंका, कनाडा, सिंगापुर, बांग्लादेश, चीन, म्यांमार से आये अतिथि विद्वान।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

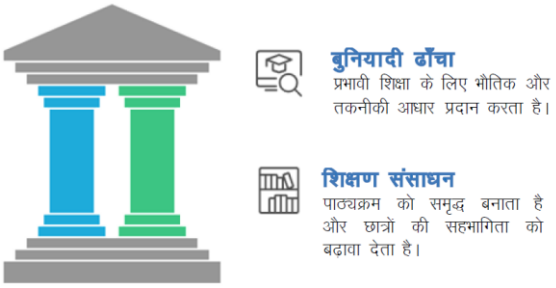

4.1 भौतिक सुविधाएं

- विभागीय पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाएँ, वाचनालय, सम्मेलन कक्ष।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- समृद्ध विभागीय पुस्तकालय संग्रह; नए शीर्षकों के साथ अद्यतन।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी–सक्षम शिक्षण, इंटरनेट सुविधाएं।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- रखरखाव के लिए विश्वविद्यालय का समर्थन; कक्षाओं का नियमित उन्नयन।

5. छात्र सहायता और प्रगति

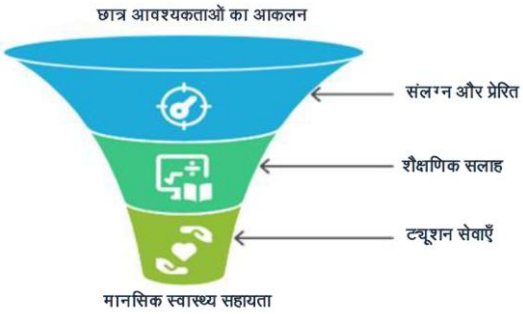

5.1 छात्र सहायता

- कैरियर परामर्श, उपचारात्मक कक्षाएं, मार्गदर्शन प्रणाली, एनईटी/जेआरएफ कोचिंग।

5.2 छात्र प्रगति

- उच्च शिक्षा संस्थानों और सरकारी सेवाओं में पूर्व छात्र।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- छात्र–संगठित सांस्कृतिक कार्यक्रम, विदाई, स्वागत, शिक्षक' दिवस, पर्यावरण गतिविधियाँ।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- जेएनयू, जामिया, बीएचयू, पंजाब विश्वविद्यालय आदि में उच्च अध्ययन कर रहे पूर्व छात्र।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- समावेशी शिक्षा और सामाजिक न्याय के अम्बेडकरवादी दृष्टिकोण द्वारा निर्देशित।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- अंतःविषय अनुसंधान और शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करें।
- विभागीय लक्ष्यों के अनुरूप वार्षिक सेमिनार और सम्मेलन।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी।
- शैक्षणिक निकायों और संपादकीय बोर्डों में सदस्यता।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- आईसीएचआर के माध्यम से वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनायें।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- नैक से संबंधित प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी।
- छात्र मार्गदर्शन और शैक्षणिक गतिविधियों की नियमित समीक्षा।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- अंबेडकरवादी विचारधारा, बौद्ध धर्म, जाति और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना।
- सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण दिनों का उत्सव मनाना।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- हाशिए पर पड़े इतिहास ("नीचे से इतिहास") पर ध्यान केंद्रित करें।
- शिक्षण के साथ अनुसंधान का एकीकरण।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- अंबेडकरवादी ढांचे, पर्यावरण इतिहास और बौद्ध अध्ययन पर खास ज़ोर।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य वी.एम. रवि कुमार**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
  विशेषज्ञताः आधुनिक भारतीय इतिहास, पर्यावरण इतिहास, आधुनिक भारत का दलित और जनजातीय इतिहास
  योग्यताः एम.ए. एवं पीएच.डी.
- **आचार्य एस. विक्टर बाबू**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः उत्तर मध्यकालीन भारतीय इतिहास, पर्यावरण इतिहास और उत्तर पूर्व भारत में ईसाई धर्म और इतिहासलेखन
  योग्यताएंः एम.ए., एम.फिल. एवं पीएच.डी.
- **आचार्य शूरा दारापुरी**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः आधुनिक बौद्ध आंदोलन
  योग्यताएंः एम.ए., एम.फिल. एवं पीएच.डी.
- **डॉ. आनंद सिंह (03 वर्ष की प्रतिनियुक्ति पर)**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः बौद्ध कथा साहित्य, गंगा घाटी के विशेष संदर्भ में बौद्ध धर्म, बौद्ध पर्यावरणवाद, पुरातात्विक परिदृश्य और बौद्ध धर्म का पवित्र भूगोल
  योग्यताः एम.ए. एवं पीएच.डी.
- **डॉ. रेणु पांडे**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः लैंगिक अध्ययन व्यवसाय इतिहास, आधुनिक सामाजिक विचारक
  योग्यताः एमए एवं पीएच.डी.
- **डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः प्राचीन इतिहास और पुरातत्व
  योग्यताः एम.ए., एवं डी.फिल
- **डॉ. सुदर्शन चक्रधारी**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः क्षेत्र पुरातत्व, सिरेमिक विशेषज्ञ, सिरेमिक का वैज्ञानिक विश्लेषण, प्राचीन इतिहास
  योग्यताः एमए, एवं पीएच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर एवं बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य वीएम रवि कुमार

- वी.एम. रवि कुमार, बसंत कुमार कनौजिया द्वारा ''एन्वाइरन्मेंटल हिस्टरी ऑफ ट्राइब्स इन इंडियाः ए रिव्यू ऑफ हिस्टोरियोग्रफी'' हरियाणा इतिहास कांग्रेस की कार्यवाही, खंड 03, 2024, पृ. 223–232।

- वी.एम. रवि कुमार, ''नेशनल एजुकेशनल पॉलिसी इन हिस्टॉरिकल कंटेक्स्टः एन एनॉलिसिस ऑफ स्वदेशी मूवमेंट इन इंडिया, (1900–1910)'', रिसर्च इन इंडिया, वॉल्यूम IX में दिनेश आर. जारोंडे द्वारा संपादित, पृ. 96–103।

आचार्य एस. विक्टर बाबू

- विक्टर बाबू सरगंडला द्वारा ''मिशनरी स्कूल इन कोलोनियल नागालैंडः एन ऑनस्लॉट ऑफ नेटिव कल्चर'' यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल, आईएसएसएन 2278–6864, अंक, 2024, पृ.101–108।
- विक्टर बाबू सरगंडला द्वारा ''नेचर ऑफ मिडिवल आंध्र स्टेटः सम हिस्टोरियोग्रॉफिकल रिफ्लेकशन्स'' काकतीय जर्नल ऑफ हिस्टोरिकल स्टडीज, अंक, खंड XIX. सं.1 मई, 2024, पृ. 43–50।

आचार्य शूरा दारापुरी

- शोध सरिता में "अंधकार से प्रकाश की ओर" शीर्षक से पेपर, एक अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी सहकर्मी समीक्षित शोध पत्रिका, अप्रैल–जून, 2024, खंड, 11, अंक 42, आईएसएसएन–2348–2397।
- सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित पेपर, जिसका शीर्षक हैः ''बौद्ध दर्शन–एतिहासिक परिप्रेक्ष में बौद्ध धर्म में थिच नहत हान का योगदान'', डॉ. शेखर ब्राह्मण द्वारा संपादित, अपुर्णव प्रकाशन गृह, लातूर, आईएसबीएनः 978–81–978061–2–4। संस्करण–10/3/2025।

डॉ. आनंद सिंह

- आनंद सिंह, 'वॉटर सोर्सेस इन बुद्धिस्ट इकोलॉजीः लूकिंग थ्रू द इंगेज्ड ट्रेडीशन'', जर्नल ऑफ सोशल इनोवेशन एंड नॉलेज, ब्रिल द्वारा, (2024) 1–23 (स्कोपस/ओपन एक्सेस), आईएसएसएनः 2950–2683।
- आनंद सिंह, 'आनंद सिंह, 'बौद्ध मठवासियों में असहमति और विचलनः बुद्ध के युग में गैर–अनुरूपता', जर्नल ऑफ इंटरनेशनल बुद्धिस्ट स्टडीज, खंड 15, संख्या 2, 2024, पृ. 88–105, (स्कोपस/ओपन एक्सेस), आईएसएसएनः 2586–9620।

डॉ. रेणु पांडे

- दलित वुमन एण्ड द इंडियन स्टेटः जेंडर्ड डाइमेन्शन्स ऑफ कॉस्ट, राइट्स, एण्ड रेज़िस्टेन्स इन पोस्टकोलोनियल इंडिया'' विषय पर, द एकेडमिक्स (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च), वॉल्यूम। 3, अंक 3, मार्च 2025, पृ. 1718–1726. आईएसएसएनः 2583–973X (ऑनलाइन)। सहकर्मी–समीक्षित/संदर्भित।
- ''चैलेंजिंग द नॉर्मः रेडिकल लव, फेमिनिज्म, एण्ड द पॉलिटिक्स ऑफ मैरेज'' द एकेडमिक्स (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च), वॉल्यूम। 3, अंक 4, अप्रैल 2025, पृ. 679–687. आईएसएसएनः 2583–973X (ऑनलाइन), सहकर्मी–समीक्षित/संदर्भित।

डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय

- राय, सिद्धार्थ शंकर; राय, प्रेरणा द्वारा ''मेडिसिन एण्ड मेडिटेशन एज ए कंप्लीट हीलिंग सिस्टम इन योगा एण्ड आयुर्वेदा'', विश्वेश्वरानंद इंडोलॉजिकल जर्नल, 2024, वॉल्यूम। LXII–LXIII, आईएसएसएनः 0507–1410।

डॉ. सुदर्शन चक्रधारी

- 2024, सरस्वती नदी घाटी सभ्यता और संस्कृत, रत्नेश त्रिपाठी, इतिहास–जर्नल, वॉल्यूम 10, भाग–2, जुलाई–दिसंबर 2024, यूजीसी–केयर जर्नल, आईडी 2319–8818, आईसीएचआर, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
- 2024, विकास के. सिंह, जेनिफर बेट्स, आरएन सिंह, मनीषा सिंह, बृज मोहन, सुदर्शन चक्रधारी, सुनील कुमार सिंह, चुंग ह्वान ही, माटेव कोंटे, ओल्ज़बयार गनखुयांग, नथानिएल जेम्स, जंग यूनसुन, राकेश जोल्लू, जंग सियोवोन, किम जिह्युन, किन पंग्यू, सुंगहुई किम, उर्वशी सिंह, स्निगधा

कोनार, सत्यम कुमार, एके पांडे, लिली अल्बर्ट रॉबिन्सन, सेओ युजिन, अभय पी सिंह, अनीशा सिंह, धनंजय कुमार और पीपी, जोगलेकर, "टोकवा में उत्खनन (2023–2024), मिर्जापुर जिला, उत्तर प्रदेश" मानव और पर्यावरण (आईएसएसएन संख्या 0258–0446) खंड– XLIX (2): 2024, पृ. 20–32।

- 2024, जे. बेट्स, वी.के. सिंह, आर.एन. सिंह, मनीषा सिंह, बृज मोहन, सुदर्शन चक्रधारी, अभय पी. सिंह, मैथ्यू कोंटे और योंगजे ओह, "साकास, बिहार, भारत के पुरातात्विक स्थल से रेडियोकार्बन तिथियाँ", रेडियोकार्बन (एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कॉस्मोजेनिक आइसोटोप रिसर्च), कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा ऑनलाइन प्रकाशित। https//doi.org/10.1017/RDC.2024.42, पृ. 267–279, 0033–8222 (प्रिंट), 1945–5755 (ऑनलाइन), खंड 66 / अंक 2, अप्रैल 2024।
- 2024, मनीषा सिंह, विकास कुमार सिंह, सुदर्शन चक्रधारी, बृज मोहन, अभय पी सिंह, जे. बेट्स और आरएन सिंह, ''रामडीहरा का टोही सर्वेक्षणः सासाराम (रोहतास) जिले, बिहार'' एक पुरातात्विक स्थल, विरासतः पुरातत्व में बहुविषयक अध्ययन जर्नल 11:2023–24 (आईएसएसएन 2347–5463)। पृ. 378–389।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

डॉ. रेणु पांडे

- ''गाँधी'स ग्रीन विजनः टाइमलेस विस्डम फॉर ए सस्टेनबल फ्यूचर'', पृ. 208दृ221. गांधीः विचारधारा, दर्शन और भारतीय राजनीति, संपादक डॉ. प्रतिमा गुप्ता, पुस्तक भारती, टोरंटो, कनाडा, 2025। आईएसबीएनः 978–1998027–16–3।

डॉ. सुदर्शन चक्रधारी

- एमए की पाठ्यक्रम पुस्तक में 07 अध्याय, (पाठ्यक्रम संहिताः–एमएएएच–19, विषयः– प्राचीन भारत का संस्कृत संबंध), संपादकः–प्रो. श्याम बिहारी लाल, आईएसबीएन नंबर 978–93–48987–19–8, राजर्षि टंडन ओपन विश्वविद्यालय, प्रयागराज–211002।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

आचार्य एस. विक्टर बाबू

- विक्टर बाबू सरगंडला, (2024) ''द कन्स्ट्रक्शन ऑफ दलित आइडेंटिटी बाइ माला महनाडु एण्ड माडीगा डंडोरा इन आंध्र प्रदेश, ओरिएंट ब्लैक स्वान, आईएसएसएन 978–93–5442–920–0, पृष्ठ 180–190।

डॉ. रेणु पांडे

- जोतिबा फूलेः ए टाइमलेस इन्स्पिरेशन फॉर इंडिया'स रिफॉर्म एजेंडा। द पायनियर, संपादकीय अनुभाग, 29 अप्रैल 2024।
- जोतिबा फुलेः उत्पीड़ितों के प्रतीक, जनसंदेश टाइम्स, संपादकीय अनुभाग, 11 अप्रैल 2024।

डॉ. सुदर्शन चक्रधारी

- 2025, आरएन सिंह, कैमरून ए. पेट्री, ए.के. पांडे, डीपी सिंह, विकास कुमार सिंह, अमित रंजन, सुदर्शन चक्रधारी, आफताब आलम, पीपी। जोगलेकर, सयंतानी नियोगी और चार्ली फ्रेंच, खानक, भिवानी, हरियाणा में उत्खनन (2013–2014 और 2015–2016), हड़प्पा अध्ययनः दक्षिण एशियाई पुरातत्व में हालिया शोध, खंड–III, आईएसबीएन–13: 978–81–7305–715–1, आईएसबीएन–10: 817305715X (संपादक मनमोहन कुमार, अकिनोरी उएसुगी और विनय कुमार), आर्यन बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित (पृष्ठ सं. 64–119)।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

आचार्य वी.एम. रवि कुमार

- वीएम रवि कुमार ने ''भारत का शासन और पर्यावरण इतिहासः एक समीक्षा'', हरियाणा इतिहास कांग्रेस के 9वें सत्र में, 16–17 नवंबर 2024।
- वीएम रवि कुमार ने ''समावेशी आधुनिक भारत के लिए विजन और मिशनः अम्बेडकरवादी परिप्रेक्ष्य का एक अध्ययन, आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ. अंबेडकर के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, 27–28 सितंबर 2024।
- वीएम रवि कुमार ने ऑनलाइन 23–26 मार्च 2025 को दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित दक्षिण एशियाई समाजशास्त्रीय सोसायटी सम्मेलन द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई सोसायटीः आज और कल नामक सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य एस. विक्टर बाबू

- ''बहुसंस्कृतिवाद के रूप में धम्माः एक स्वदेशी सामाजिक सिद्धांत'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 7 और 8 जनवरी, 2025 को क्लूनी महिला कॉलेज, कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल द्वारा भारतीय ज्ञान का उपनिवेशीकरणः स्वदेशी ज्ञानमीमांसा और प्रथाओं को पुनः प्राप्त करना विषय पर आयोजित की गई।

आचार्य शूरा दारापुरी

- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 26–27 नवंबर, 2024 को आयोजित राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान की प्रस्तावना के महत्व पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अज्ञानता से सशक्तिकरण तकः राष्ट्र निर्माण में संवैधानिक जागरूकता की भूमिका" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- राजनीति विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 6/3/2025 को आयोजित प्रोफेसर वेलेरियन रोड्रिग्स द्वारा अंबेडकर के राजनीतिक दर्शन–सामाजिक मार्जिन से सार्वजनिक जीवन का व्याकरण पर पुस्तक चर्चा में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

डॉ. रेणु पांडे

- "रानी गाइदिन्ल्यू" शीर्षक पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल, फरवरी 2025 में पेपर प्रस्तुत किया।
- 21–22 सितंबर 2024 को "एक विद्रोही की प्रतिज्ञाः पंडिता रमाबाई की पितृसत्ता की अवज्ञा'' शीर्षक पर आईआईटी गुवाहाटी शीर्षक में पेपर प्रस्तुत किया।
- "रेडिकलाइज़िंग लव" शीर्षक पर राष्ट्रीय सेमिनार, लखनऊ विश्वविद्यालय, 10–11 अप्रैल 2025 को पेपर प्रस्तुत किया।
- "महात्मा गांधी के आर्थिक विचारः समकालीन प्रासंगिकता" 19वां वार्षिक सम्मेलन, उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड आर्थिक संघ, बीबीएयू, 13–15 अप्रैल 2024 में शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- महिला सशक्तिकरण, एमएमएमटीसी, पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय, 28 फरवरी 2025।

डॉ. सुदर्शन चक्रधारी

- रवींद्र नाथ सिंह, कैमरून ए. पेट्री, विकास कुमार सिंह, मनीषा सिंह और एस. चक्रधारी ने "हाशिये पर जीवन और खननः भारत के भिवानी में सिंधु सभ्यता की बस्ती खानक में जांच" शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया और उसमें भाग लिया, जो जो यूरोपियन एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सैक्सन एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, लीपज़िग, जर्मनी द्वारा 16 से 20 सितंबर 2024 तक आयोजित किया गया था। www.saw-leipzig.de/easaa.

- जेनिफर बेट्स, विकास कुमार सिंह, रविंद्र नाथ सिंह, एस. चक्रधारी, पी. किम, बृज मोहन, मनीषा सिंह, और ए.पी. सिंह ने ''मध्य गंगा के मैदानों में शुरुआती से लेकर उन्नत खेती के विकासः नवपाषाण काल के रास्ते और पारिस्थितिकी और संस्कृति का मिलन'' शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया और उसमें भाग लिया, जो जो यूरोपियन एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सैक्सन एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, लीपज़िग, जर्मनी द्वारा 16 से 20 सितंबर 2024 तक आयोजित किया गया था। www.saw-leipzig.de/easaa.
- मनीषा सिंह, विकास कुमार सिंह, एस. चक्रधारी, बृज मोहन, अभय प्रताप सिंह, जेनिफर बेट्स, और रविंद्र नाथ सिंह ने ''निचली सोन घाटी में हालिया जांचः साकास और रामदिहरा, सासाराम (रोहतास), बिहार, भारत के पुरातात्विक स्थलों के संदर्भ में'' शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया और उसमें भाग लिया, शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया और उसमें भाग लिया, जो यूरोपियन एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सैक्सन एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, लीपज़िग, जर्मनी द्वारा 16 से 20 सितंबर 2024 तक आयोजित किया गया था। www.saw-leipzig.de/easaa
- विकास कुमार सिंह, मनीषा सिंह, एस. चक्रधारी, बृज मोहन, अभय प्रताप सिंह, और रविंद्र नाथ सिंह ने ''निंदौर 2021–22, जिला–कैमूर (भभुआ), बिहार, भारत में खुदाई'' शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया और उसमें भाग लिया, जो यूरोपियन एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सैक्सन एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, लीपज़िग, जर्मनी द्वारा 16 से 20 सितंबर 2024 तक आयोजित किया गया था। www.saw-leipzig.de/easaa.
- एस चक्रधारी, विकास कुमार सिंह, मनीषा सिंह, बृजमोहन, सुनील कुमार सिंह, अनिशा सिंह और रवींद्र नाथ सिंह ने ''साकास के सिरेमिक्स की वैज्ञानिक जांच'' शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया और उसमें भाग लिया, जो यूरोपियन एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सैक्सन एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, लीपज़िग, जर्मनी द्वारा 16 से 20 सितंबर 2024 तक आयोजित किया गया था। www.saw-leipzig.de/easaa.
- एस. चक्रधारी ने ''राजस्थान के सीकर जिले के गणेश्वर सिरेमिक्स'' शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया और उसमें भाग लिया, जो दक्षिण एशियाई सिरेमिक्स के इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, जिसका आयोजन तमिलनाडु राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास, चेन्नई–600036 में 05 से 09 जनवरी 2024 तक किया गया।
- ''पुरातत्व, नृवंशविज्ञान और वैज्ञानिक तरीकों से मिट्टी के बर्तनों का अध्ययन'' पर 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया, जिसका आयोजन डॉ. राजीव कुमार जायसवाल और आचार्य विदुला जायसवाल द्वारा 'वसंत कॉलेज फॉर विमेन, केएफआई राजघाट, वाराणसी' में 7 से 11 जनवरी 2025 तक किया गया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य वी.एम. रवि कुमार

- बसंत कुमार कनौजिया ने "हिंदू कल्चरल रिवाइवल मूवमेंट एण्ड दलित'सः ए स्टडी ऑफ कोलोनियल एण्ड पोस्ट–कोलोनियल उत्तर प्रदेश (1880–1980)" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- इंदासिहा ने "एवॉल्यूयेशन ऑफ थेरावड़ा बुद्धिज्म इन म्यांमारः 3 सी.ई. टू 11 सेंचुरी सी.ई.'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

- मीनाक्षी ने "कॉस्ट एण्ड मेडिसिन इन कोलोनियल एण्ड पोस्ट–कोलोनियल युनाइटेड प्रॉविन्स (1900–2000)" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- प्रियंका मिश्रा ने "इंडिक एन्वाइरन्मेंटलिज़्मः एन एनॉलिसिसि ऑफ हिंदू कल्चरल ऑर्गनाइज़ेशन (1900–2000)" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- शिवांगी मैंडोला ने "इंपीरीयल एन्वाइरन्मेंटलिज़्मः ए हिस्टोरिकल ट्रेजेक्टरी ऑफ फॉरेस्ट रिसर्च इन्स्टिट्यूट, 1906–1947" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- देशपांडे प्रमोद ताराचंद ने "हिस्टरी ऑफ कोलोनियल एजुकेशनल पॉलिसीज इन महाराष्ट्राः ए स्टडी फ्रॉम फूले–अंबेडक्राइट पर्स्पेक्टिव बिट्वीन 1850 टू 1950" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- तरुण पांडे ने "एन्वाइरन्मेंटल कॉन्शियसनेसः एन इंक्वाइरी इंटू इकोलॉजिकल अवेयर्नेस इन द वर्क्स ऑफ कालिदास" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- नंदसारा ने "ए कम्प्रेहेन्सिव स्टडी ऑफ बुद्धिस्ट स्कॉलर्स एण्ड देयर मिशनरी वर्क्स इन द इनवा (एवीए) पीरियड म्यांमार (ए.डी. 1364–1555)" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

आचार्य एस. विक्टर बाबू

- मर्सी ने "एथनो–मेडिसिन ऑफ द अंगामी नागास इन कोलोनियल नागालैड" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- पूनम ने "आर्या समाज इन युनाइटेड प्रॉविन्सेसः विमन'स एजुकेशन 1860–1947" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- निशांत राज ने "एनर्जी एण्ड डेवेलपमेंट इन पोस्ट–इनडिपेंडेंट इंडिया (1947–1998): विथ स्पेशल रेफरेन्स टू इलेक्ट्रिक पावर" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- के विविकली ने "फ्रॉम हेड–हंट्स टू इंपीरीयल सब्जेक्ट्सः नागा हिल्स, 1880–1947" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- जानेय्या ने "ए हिस्टोरिकल स्टडी ऑफ मोनास्टिक एजुकेशन ड्यूरिंग द कांगबौंग किंग्डम, 1819–1885 ए.डी" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- कोविदा ने "द हिस्टोरिकल ट्रेडीशन ऑफ वीपस्सना मेडिटेशन इन कंटेंपोररी बारमीस सोसाइटी" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- पन्नीस्सारा ने "थेरावड़ा बुद्धिस्ट नवा निक्यायस इन म्यांमार हिस्टोरिकल स्टडी" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- रिन्चेन जांगमू भूटिया ने "स्पोर्ट्सः अंडरस्टैडिंग रिक्रियेशनल एक्टिविटी इन ए डिफरेंट लाइट अंडर द मुगल्स (1526–1707)" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- रितविक राज सिंह ने "कोलोनियल टाइम्स एण्ड पर्सेप्शन्स ऑफ ब्रिटेन इन इंडिया" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

आचार्य शूरा दरपुरी

- वासफी फ़ातिमा ने "उत्तर प्रदेश के बौद्ध स्मारकों का अध्ययन (तथागत के चारिका से संबंधित)" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- अनुबा चतुर्वेदी ने ''कन्नौज के इत्र का ऐतिहासिक दृष्टिकोण 1947 से 1990 तक'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- सविंद्रा कुमार ने ''थिच न्हाट हान्हः ज़ेन मास्टर, हिज़ लाइफ एण्ड वर्क्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

- राहुल कुमार भारती ने "ऑरिजिन ऑफ मॉडर्न एन्वाइरन्मेंटलिज़्मः ए हिस्टॉरिकल ट्रेजेक्टरी ऑफ फोरेस्ट रिसर्च इन्स्टिट्यूट 1906–1960" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- आनंद कुमार साहिल ने "ट्रेसिंग द फूड एण्ड क्यूलिनरी इवॉल्यूशन ऑफ मुसहर कम्यूनिटी इन उत्तर प्रदेशः ए हिस्टोरिकल एनॉलिसिस फ्रॉम 1900 तो 2000" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- असीन पन्नीस्सारा ने "द कॉन्सेप्ट ऑफ पीस एण्ड राइट व्यू इन थेरावड़ा बुद्धिज्म इन म्यांमार– ए स्टडी फ्रॉम 1947–2000" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- चंद्रा भाल तिवारी ओम ने "दलित आइडेंटिटी मूवमेंट्स इन 20 सेंचुरी उत्तर प्रदेश विथ स्पेसिफिक रेफरेन्स टू दलित विमन" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- राजवीर चीर्डिया ने "लेबर पॉलिसी एण्ड लेबर वेलफेयर इन इंडियाः ए हिस्टोरिकल स्टडी ऑफ डॉ. बी. आर. अंबेडकर'स कॉट्रिब्यूशन्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- सत्यजीत प्रामाणिक ने "अनवेलिंग द एनटैंगल्ड हिस्टरीज ऑफ कोलोनीयलिज़्म एण्ड द पोलिटिको–कल्चरल आंटोलाजीस ऑफ कन्ज्यूमर नेशनलिज्म इन मॉडर्न इंडिया 1885–1947" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. आनंद सिंह

- आदया सहाय ने "अर्ली बुद्धिस्ट लैंडस्केप ऑफ श्रावस्ती एण्ड इट्स सराउंडिंग्सः एन आर्कियोलॉजिकल इन्वेस्टिगेशन" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- अग्गा न्याना ने "ए हिस्टॉरिकल स्टडी ऑफ 'मेट्टा' (लविंग काइंडनेस) एण्ड 'सुख' (हैप्पीनेस) एकार्डिंग टू द बुद्धिस्ट डॉक्ट्रिन" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय

- श्रीप्रिया पांडे ने "ट्रेड नेटवर्क्स एण्ड सोसियो–रिलिजियस लाइफ इन नॉर्थ सेंट्रल इंडिया (सर्का 600–1200 एडी)" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- जावना ने "ए स्टडी ऑफ अशोका'स रिलिजियस ट्रॉन्स्फर्मेशन एण्ड हिज़ विजन फॉर बुद्धिज्म'स फ्यूचर फ्रॉम ए हिस्टॉरिकल पर्स्पेक्टिव" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- नानोभासा ने "हिस्टरी ऑफ बुद्धिस्ट साइनाड्स इन थेरावड़ा पर्स्पेक्टिव व्यूस" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- राजीव रंजन ने "अर्कियो–मेटलर्जी एण्ड ओर प्रोसेसिंग इन विंध्या–कैमूर रीजन एण्ड एडज्वाइनिंग एरीयाज़ः 2न्ड मिलेनियम बीसीई टू अर्ली हिस्टॉरिक पीरियड" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. सुदर्शन चक्रधारी

- गरिमा गुप्ता ने "इंटर–साइट कंपरेटिव एनॉलिसिस ऑफ नियोलिथिक टू कालकोलिथिक ऐज सेरेमिक्स फ्रॉम मिड्ल गंगा प्लेनः एन इंटीग्रेटेड साइंटिफिक अप्रोच" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- सुंदरा ने "ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ उपसंपदा सेरेमनी इन म्यांमार; ऑरिजिन एण्ड हिस्टॉरिकल डेवेलपमेंट" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- उत्तमासरा ने ''ए हिस्टॉरिकल स्टडी एण्ड एनॉलिसिस ऑफ पाली अभिधम्मा" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी.

- रंजीत कुमार को ''आजादी के बाद उत्तर प्रदेश में दलित आन्दोलनः एक ऐतिहासिक अध्ययन (1947-2011)" शीर्षक वाली थीसिस पर 2024 में पीएच.डी. प्रदान की गयी।

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः–

डॉ. आनंद सिंह

- 'आर्कियोलॉजिकल इन्वेस्टिगेशन एण्ड एक्सप्लोरेशन्स ऑफ एन्शियेंट केव्स ऑफ गया–राजगीर –जहानाबाद रीजन एण्ड देयर रेफरेन्सस इन बुद्धिस्ट एण्ड ब्राहमानिकल लिटरेचर''–आईसीएचआर, नई दिल्ली (राशि 4.5 लाख)

डॉ. सिद्धार्थ एस. राय

- अनुसंधान परियोजना–01, 2024, प्रमुख परियोजना (जारी), परियोजना का शीर्षक ""कॉपर मेटलर्जी एण्ड एलाइंग प्रैक्टिसेसिन अर्ली हिस्टोरिक गंगा वैली" आईसीएचआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (राशि केवल 3.5 लाख रुपये)।

डॉ. सुदर्शन चक्रधारी

- 2024, मेजर परियोजना (जारी), परियोजना का शीर्षकः " "इंडस–सरस्वती सिविलाइज़ेशन एण्ड गंगा प्लेनः अंडरस्टैंडिंग द कनेक्शन एण्ड लेगेसी" आईसीएचआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (राशि केवल 4.5 लाख रुपये)।

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–

आचार्य शूरा दारापुरी

- ईएसडीए एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड 2024, ईएसडीए (इंडिया) द्वारा 16–18 नवंबर 2024 को आयोजित 5वें विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2024 के दौरान प्रदान किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के विकास और प्रगति में उत्कृष्ट समर्पण, प्रतिबद्धता और योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र, 8/3/2025 को जेंडर चौंपियन कमेटी, बीबीएयू और महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाएं सेल, बीबीएयू, लखनऊ द्वारा प्रदान किया गया।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	14
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	0
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	17
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	03
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	01
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	65
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	0
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	0
9.	छात्रों की कुल संख्या	01
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	02
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	0
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	03
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	0
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	0
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	0
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	04
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	05

सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र (सीएसएसआई)

विभाग का परिचय

सामाजिक समावेशी नीति अध्ययन केंद्र (सीएसएसआई) की स्थापना 2007 में यूजीसी के 10वें योजना दिशानिर्देशों के तहत बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में की गई थी। हाल ही में यूजीसी द्वारा इसका नाम बदलकर सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र (सीएसएसआई) कर दिया गया है (पत्र संख्या एफ.सं. 1–8/2016 (सीपीपी) (सीएन100245), दिनांक 12 जुलाई 2024)।

यह केन्द्र भारत में यूजीसी द्वारा समर्थित 35 केन्द्रों में से एक है और सामाजिक बहिष्कार एवं समावेशन से जुड़े मुद्दों पर काम करता है। कम समय में ही, इस केन्द्र ने उत्तर प्रदेश में सफाई कर्मचारियों, मुस्लिम अल्पसंख्यक लड़कियों, मुसहर समुदायों, दलितों, आदिवासियों, अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों जैसे हाशिए पर पड़े समूहों से संबंधित शोध और परियोजनाएं शुरू किए हैं।

उद्देश्यः

- जाति/जातीयता/धर्म के आधार पर भेदभाव, बहिष्कार और समावेशन की अवधारणा बनाना।
- बहिष्कार की अनुभवजन्य और सैद्धांतिक समझ विकसित करना।
- हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए समावेशी नीतियां तैयार करना।
- डॉक्टरेट अनुसंधान का पर्यवेक्षण करना और शैक्षणिक कार्यक्रमों का निर्माण करना।
- सामाजिक समावेशन पर सेमिनार, सम्मेलन और आउटरीच का आयोजन करना।

केन्द्र की ताकत

- शिक्षा, राजनीति विज्ञान, इतिहास, लैंगिक अध्ययन, अधीनस्थ राजनीति और लोकतांत्रिक संस्थाओं में विशेषज्ञता वाले योग्य संकाय।
- पीएच.डी. शिक्षा और राजनीति विज्ञान में कार्यक्रम शुरू किया गया (2023–24) जिसमें 06 डॉक्टरेट विद्वान नामांकित हैं।
- विकसित भारत@2047 के अंतर्गत समुदाय–आधारित आउटरीच और आसपास के गांवों में सामाजिक कल्याण नीतियों पर अध्ययन।
- राष्ट्रीय सेमिनारों, आमंत्रित व्याख्यानों और सम्मेलनों के माध्यम से सक्रिय शैक्षणिक सहभागिता।
- **शोध परिणामः** पुस्तकें, संपादित खंडों में अध्याय, समकक्ष–समीक्षित जर्नल लेख, और नीति–संबंधी शोध।
- **बुनियादी ढांचाः** स्मार्ट कक्षा और विभागीय पुस्तकालय।
- **व्यावसायिक सदस्यताएँः** कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक निकायों से जुड़े संकाय।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

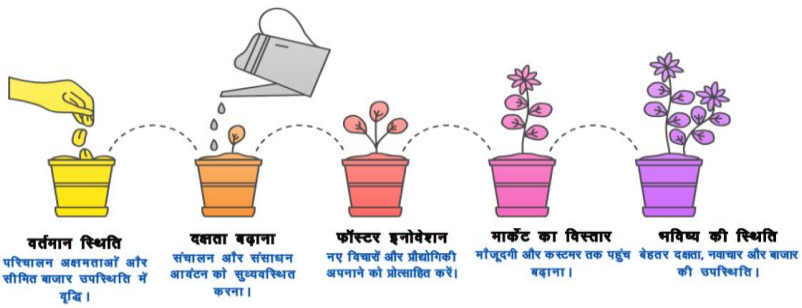

- पीएच.डी. प्रवेश का विस्तार और अंतःविषयक पर्यवेक्षण को मजबूत करना।
- विकास अध्ययन में एक पूर्ण परास्नातक कार्यक्रम का विकास।
- समावेशन अध्ययन पर राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों और विशेष व्याख्यानों का आयोजन।
- नीति मूल्यांकन और सामाजिक सहभागिता के लिए अधिक गांवों तक सामुदायिक पहुंच को मजबूत करना।
- यूजीसी/आईसीएसएसआर और अन्य एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करना।
- यूजीसी–केयर/स्कोपस अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशनों को बढ़ाना।
- अनुसंधान विद्वानों के लिए पुस्तकालय और आईसीटी संसाधनों का उन्नयन।
- नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन और सहयोग स्थापित करना।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- 2023 में शुरू किया गया पीएचडी कार्यक्रम (शिक्षा और राजनीति विज्ञान)–24।
- पाठ्यक्रमों में शामिल हैं:
    - अनिवार्य शोधपत्रः सीएसएसपीएच–सी1 अनुसंधान पद्धति, सीएसएसपीएच–सी2 अनुसंधान एवं प्रकाशन नैतिकता
    - वैकल्पिक पत्रः सीएसएसपीएच–ई1 सामाजिक बहिष्कार और समावेशन की समझः सैद्धांतिक और वैचारिक ढांचा, सीएसएसपीएच–ई2 सामाजिक रूप से वंचित समूहों (एसडीजी) के लिए समावेशी स्कूल शिक्षा सीएसएसपीएच–3 भारत में सबाल्टर्न राजनीति।
- परास्नातक स्तर पर विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं (जैसे, सामाजिक बहिष्कार और समावेशी विकास, सार्वजनिक नीति और शासन, विविधता, समानता और समावेशन)।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- पीएच.डी. कार्यक्रम के अंतर्गत वैकल्पिक पाठ्यक्रम।
- सीबीसीएस स्नातकोत्तर स्तर पर शुरू किया गया।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन



- सामुदायिक भागीदारी और संवर्धन पर इकाई पाठ्यक्रम में शामिल है।
- सरकारी योजनाओं (एसबीएम, पीएमयूवाई, पीएमएमवीवाई, एबी–पीएमजेएवाई, एमडीएम, वृद्धावस्था पेंशन योजना) का क्षेत्र–आधारित अध्ययन।

1.4 प्रतिक्रिया प्रणाली

- शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में एकीकृत पाठ्यक्रमों और सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों पर छात्रों' की प्रतिक्रिया।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

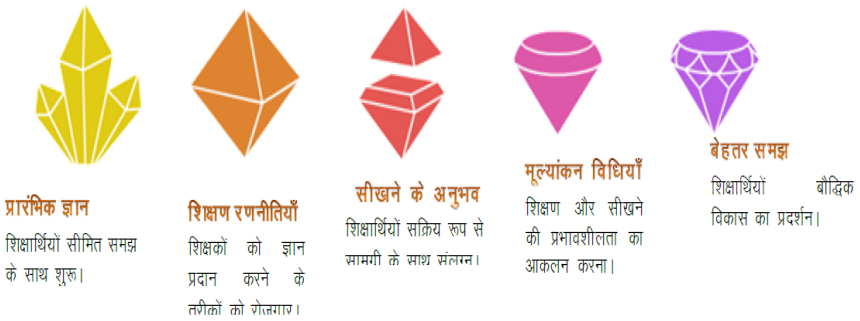

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- 2023–24 से नामांकित छह पीएच.डी. अध्येता (शिक्षा और राजनीति विज्ञान)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- हाशिए पर पड़े समुदायों (दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, ओबीसी) पर ध्यान देना।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट कक्षा–आधारित शिक्षण।
- पीएच.डी. स्तर पर अनुसंधान पर्यवेक्षण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

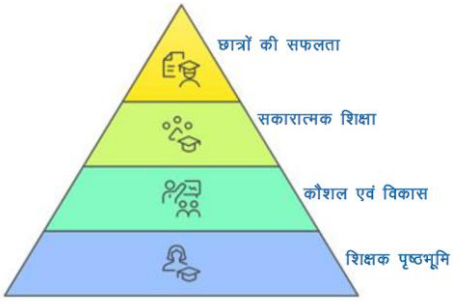

- **संकाय:**
  - डॉ. प्रसमिता मोहंती (उपाचार्य, शिक्षा एवं समावेशन में विशेषज्ञता)।
  - डॉ. आरपी साहू (सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान और बहिष्करण अध्ययन में विशेषज्ञता)।
  - डॉ. संगीता कृष्णा (सहायक आचार्य, इतिहास, लैंगिक अध्ययन, सबाल्टर्न मुद्दों में विशेषज्ञता)।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- सेमिनारों, क्षेत्रीय परियोजनाओं और थीसिस प्रस्तुति के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- 02 पीएच.डी. अध्येता को यूजीसी–जेआरएफ फेलोशिप प्राप्त हुई।
- 01 पीएच.डी. अध्येता को एनएफएससी फेलोशिप प्राप्त हुई।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- छात्र फीडबैक और सक्रिय पाठ्यक्रम भागीदारी में लगे हुए हैं।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- शिक्षा एवं राजनीति विज्ञान में डॉक्टरेट कार्यक्रम।
- अनुसंधान के लिए स्मार्ट कक्षा और केंद्रीय पुस्तकालय उपलब्ध है।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



शोध के लिए संसाधन जुटाना

- शून्य (अभी तक कोई वित्त पोषित परियोजना नहीं)।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- स्थानीय समुदायों में समावेशी नीति अनुसंधान।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- संकाय सदस्यों द्वारा पुस्तकों, पत्रिकाओं और संपादित संस्करणों में प्रकाशन।

3.5 परामर्शदाता

- शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- लखनऊ जिले के गांवों में सामुदायिक आउटरीच सर्वेक्षण।
- विकसित भारत@2047 आउटरीच और स्कूल–आधारित कार्यक्रम।

3.7 सहयोग

- अभी तक कोई औपचारिक समझौता ज्ञापन नहीं, सामुदायिक संगठनों के साथ अनौपचारिक सहयोग।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

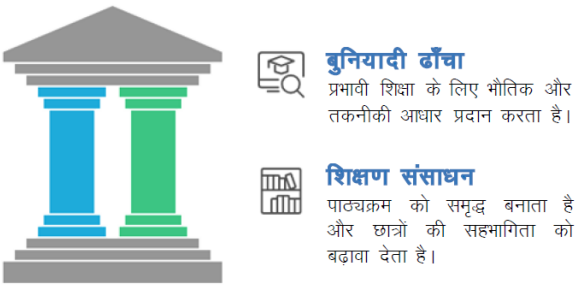

4.1 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट कक्षा।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- पुस्तकों और फाइलों सहित विभागीय पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी–सक्षम शिक्षण।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- रखरखाव के लिए विश्वविद्यालय स्तर का समर्थन।

5. छात्र सहायता और प्रगति

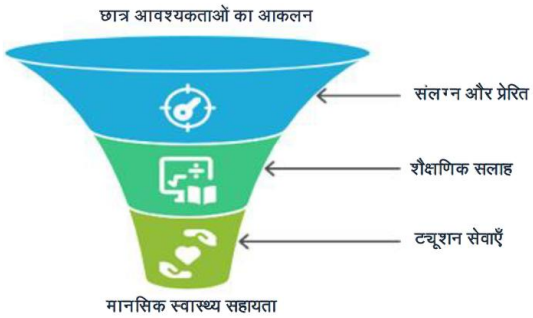

5.1 छात्र सहायता

- पीएच.डी. अध्येताओं को यूजीसी द्वारा फेलोशिप प्राप्त की गई।

5.2 छात्र प्रगति

- 06 पीएच.डी. छात्र वर्तमान में डॉक्टरेट शोध कर रहे हैं।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- विस्तार और सामुदायिक संवर्धन परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- शून्य (नया कार्यक्रम)।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- सामाजिक समावेशन और समानता के प्रति प्रतिबद्धता।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- पाठ्यक्रम में क्षेत्र अध्ययन और आउटरीच का एकीकरण।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को प्रकाशन, शैक्षणिक निकायों में भाग लेने और अनुसंधान प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- अभी तक कोई बाहरी अनुसंधान निधि नहीं।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- नियमित सेमिनारों और कार्यशालाओं के माध्यम से अकादमिक समीक्षा।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- वंचित समूहों को शामिल करने की प्रतिबद्धता।
- विकसित भारत@2047 के तहत आस–पास के गांवों में आउटरीच।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- पाठ्यक्रम–एकीकृत सामुदायिक भागीदारी (क्षेत्र–आधारित नीति अध्ययन इकाई)।
- प्रख्यात विद्वानों द्वारा विस्तार व्याख्यान आयोजित करना।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- विश्वविद्यालय में केवल यूजीसी समर्थित केंद्र ही विशेष रूप से सामाजिक समावेशन और बहिष्करण अध्ययन पर केंद्रित था।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट):

8.1 शैक्षणिक विवरण

शिक्षण एवं अनुसंधान पद

- **डॉ. प्रसमिता मोहंती**
  उपाचार्य–सह–उप निदेशक
  विशेषज्ञताः समावेशी शिक्षा, हाशिए पर डालना और शिक्षा, लड़कियों का शैक्षिक समावेशन, अनुसंधान पद्धति और उन्नत सांख्यिकी, शैक्षिक प्रशासन।
- **डॉ. आर.पी. साहू**
  सहायक आचार्य–सह–सहायक निदेशक
  विशेषज्ञताः लोकतांत्रिक संस्था (सिद्धांत और व्यवहार) बहिष्कार और समावेशन, संस्कृति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध।
- **डॉ. संगीता कृष्णा**
  सहायक आचार्य–सह–सहायक निदेशक
  विशेषज्ञताः आधुनिक भारतीय इतिहास, सामाजिक और महिला इतिहास, लिंग अध्ययन, दलित और निम्नवर्गीय मुद्दे, लोकप्रिय संस्कृति।

गैर–शिक्षण पद

- **डॉ. बेचा लाल**
  अनुसंधान सहायक

- **डॉ. राम प्रवेश पाल**
  अनुसंधान सहायक
- श्री अखिलेश सिंह
  परिचारक

8.2 संस्थान के अन्दर एवं बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

डॉ. आरपी साहू

- ''इंप्रूविंग द मेंटल हेल्थ ऑफ यंग पीपुल इन इंडियाः ए सोशल इंक्लूसिव पर्स्पेक्टिव'', जर्नल थर्ड वॉयसः रियलिटी एंड विजन, दिसंबर–2024 अंक, DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.15168655
- ''द इंडस वॉटर ट्रीटी 1960ः इंक्लूजन ऑर मॉडिफिकेशन ऑफ प्रोविजन्स इन द लाइट ऑफ चेंजिंग जियोपोलिटिकल रियलिटी'', वर्ल्ड फोकस, नवंबर 2024, आईएसएसएन 2230–8458, पृ. 69–74।
- रिविज़िटिंग डेमोक्रेटिक सिविलिटी इन इंडिया वाया द लेंस ऑफ (एक्सक्लूडेड) कॉस्ट एण्ड एसर्सन बाइ अदर्स (इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस को प्रस्तुत)।

डॉ. संगीता कृष्णा

- ''दलित सिंबलिज्मः ए जर्नी टुवर्ड्स रिन्यूड आस्पिरेशन्स एण्ड डेमोक्रेटिक पब्लिक स्पेस, कंटेंपोररी वाय्स ऑफ दलित'', 17(3) 2025, पृ. 294–313। DOI:10.1177/2455328X221083726
- ''ब्रेकिंग साइलेन्स विथ मी टू कैंपेन अगेन्स्ट सेक्सुअल हरासमेंट ऑफ वुमन एट वर्कः ए न्यू विज़िबिलिटी टू वुमन वाय्स ऑन मीडीया'', अलोचना जर्नल खंड 13 अंक 1 2024, पृष्ठ 100–114। आईएसएसएन संख्याः 2231–6329, डीओआईः 20. 14118.AJ. 2024.V13I1.2168
- ''चेंजिंग लैंडस्केप्स ऑफ सोशल साइन्सेस रिसर्च विथ फोकस ऑन द डिसिप्लिन ऑफ हिस्टरी'', इतिहास अनुसंधान जर्नल, खंडः 30, अंकः 01, संख्या 1, जनवरी–फरवरीः 2024, पृष्ठ 70–76। आईएसएसएनः 0976–5425 (पी)।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

डॉ. आर.पी. साहू

- नरोत्तम गान और रुद्र प्रसाद साहू, (2024) (संपादक) ग्लोबल कॉन्टेस्टेशन फॉर पावरः इंडिया एंड चाइना, आईआईपी इंटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स, कर्नाटक, आईएसबीएन 978–93–6252–829–2।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

डॉ. पी. मोहंती

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020ः अवसर और चुनौतियाँ, बिमल चरण स्वैन द्वारा संपादित, कुणाल बुक्स (प्रकाशक और वितरक), नई दिल्ली, पृष्ठ 01–22,

डॉ. आरपी साहू

- इक्कीसवीं सदी में भारत–चीन संबंधः सहयोग, संघर्ष और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का पुनर्गठन और उससे आगे, नरोत्तम गान और रुद्र प्रसाद साहू, (2024) (संपादक) ग्लोबल कॉन्टेस्टेशन फॉर पावरः इंडिया एंड चाइना, आईआईपी इंटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स, कर्नाटक, पृष्ठ 49–67।

डॉ. संगीता कृष्णा

- सामाजिक विज्ञान विषयों में अनुसंधान वातावरण में एक स्थायी अनुसंधान सह प्रणाली की ओर ऐतिहासिक शैलियों में वर्तमान परिवर्तन को नेविगेट करना, एस सी दास द्वारा संपादित, रिलायंस पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2024, आईएसएसएनः 978–81–7510–281–1।
- लिंग हिंसा लिव–इन संबंध और विवाह मेंः एक लैंगिक परिप्रेक्ष्य, पुस्तक लैंगिक न्यायः समकालीन विकास, वी. के. आहूजा द्वारा संपादित, लॉ एंड जस्टिस पब्लिशिंग कंपनी दिल्ली, 2025 आईएसएसएनः 978–93–48076–48–9।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

डॉ. आरपी साहू

- बहुसांस्कृतिक देश में राष्ट्रीय एकता के लिए मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के दृष्टिकोण पर ऑनलाइन सेमिनार शुक्रवार, 21 फरवरी, 2025।
- विशेष अतिथि के रूप में बाबासाहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर लखनऊ के मौलाना आजाद मेमोरियल अकादमी द्वारा 13–14 अप्रैल 2025 को सेमिनार आयोजित किया गया था जिसका विषय ''सामाजिक न्याय और डॉ. अंबेडकर'' था।
- अध्येता के रूप में रविवार, 18 अगस्त, 2024 को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक होटल रीजेंटा सेंट्रल, 36/18–4, सप्रू मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ (सहारा गंज मॉल के पास) में होने वाले समुदायों के बीच एक रचनात्मक बातचीत और ''मौजूदा हालात'' पर सलाह–मशविरे के लिए आमंत्रित किया गया। इस सलाह–मशविरे की अध्यक्षता जमीयत उलेमा–ए–हिंद के माननीय अध्यक्ष मौलाना महमूद ए. मदनी ने किया था।

डॉ. संगीता कृष्णा

- महिला उद्यमियों का वित्तीय समावेशनः भारतीय समाज में सामाजिक–आर्थिक संस्कृति और राजनीतिक जीवन में महिलाओं के समावेशन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में गृह निर्माताओं से उद्यमी बनने के जुनून की कहानियांः सभी के लाभ के लिए एक कदम आगे, विधि विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ और महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाएं समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, 8 मार्च, 2024 को आयोजित।
- ''भारतीय समाज में सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक जीवन में महिलाओं को शामिल करनाः सभी के फायदे के लिए एक कदम आगे'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की सह–अध्यक्षता की, विधि विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ और महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाएं समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, 8 मार्च, 2024 को आयोजित।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

डॉ. प्रसमित मोहंती

- यशप्रिया बाजपेयी, शिक्षा/सीएसएसआई ने "एक्सप्लोरिंग मैथमेटिकल पोटेन्शियलः द इंटरप्ले ऑफ मीटा–कॉग्निटिव स्किल्स एण्ड एकेडेमिक रिसिलियेन्स एमांग अनडरप्रिव्लेज्ड स्टूडेंट्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- वंदना मिश्रा, शिक्षा/सीएसएसआई ने "चैलेंजस टू इनक्लूसिविटीः ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ पेरेंटल इन्वॉल्मेंट एण्ड इनवेस्टमेंट पैटर्न ऑन चिल्ड्रेन एजुकेशन ऑफ अर्बन एण्ड रूरल रीजन इन उत्तर प्रदेश'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. आर. पी. साहू

- पंकज कुमार, राजनीति विज्ञान/सीएसएसआई ने सुबआल्टर्न पॉलिटिक्स एण्ड कम्यूनिटी इम्पॉवरमेंटः ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ मुसहर कम्यूनिटी इन उत्तर प्रदेश" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी.

- परास्नातक/स्नातक/डिप्लोमा पूरा करने वाले छात्रों की संख्या – शून्य
- सिविल सेवाओं (यूपीएससी/यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या – शून्य
- उच्च शिक्षा में अध्यापन के लिए चयनित छात्रों का विवरण–शून्य
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या– शून्य
- अन्य सरकारी नौकरियों/बैंकिंग/स्कूल शिक्षण आदि में चयनित छात्रों की संख्या–
- एसएलईटी/एनईटी/जेआरएफ/किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या –02(जेआरएफ)

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः–

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	08
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	–
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	–
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	–
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	–
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	02
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	–

पृथ्वी एवं पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान विद्यापीठ

पृथ्वी एवं पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग शामिल हैं।

- भूविज्ञान
- पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान
- पर्यावरण विज्ञान

पृथ्वी एवं पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान (एसईईएस) एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अंतःविषयक विद्यापीठ है जिसका उद्देश्य पृथ्वी पर स्थायी पर्यावरण हासिल करने के लिए तर्क, नवाचार, आलोचनात्मक विश्लेषण और समस्या–समाधान विकसित करना है। हाल ही में, पहले से कहीं ज़्यादा, बेहतर और सुरक्षित माहौल की ज़रूरत महसूस की गई है, क्योंकि ज़हरीले पदार्थों से पानी, मिट्टी और हवा के दूषित होने की समस्या से उत्पादकता में कमी आ रही है और स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ रहे हैं। जल संकट, ऊर्जा की कमी, ग्लोबल वार्मिंग, जैव विविधता की हानि, वनों की कटाई और पारिस्थितिक तंत्र समग्र असंतुलन दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ की स्थापना वर्ष 1997 में इस मकसद से की गई थी ताकि ऐसे उत्साही पेशेवरों को बढ़ावा दिया जा सके और तैयार किया जा सके जो संसाधन स्थिरता, संसाधनों के संरक्षण, स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी के विकास के क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला सकें, और पर्यावरण के क्षेत्र में नेतृत्व भी प्रदान कर सकें। इसमें 19 सुयोग्य, पूर्णकालिक स्थायी संकाय सदस्य हैं। विभाग 09 पूर्णकालिक यूजी, पीजी और पीएच.डी. कार्यक्रम चला रहा है, जिसमें छात्रों को उनके संबंधित अध्ययन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रशिक्षण देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए पर्याप्त अवसर भी मिलते हैं।

भूविज्ञान विभाग

विभाग का परिचय

भूविज्ञान विभाग की स्थापना 2015 में पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के तहत की गई थी और 2020 में इसे पृथ्वी एवं पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान (एसईईएस) के तहत अपग्रेड किया गया। यह एनईपी 2020 के तहत बी.एससी. (ऑनर्स) भूविज्ञान (4 साल) और एम.एससी. भूविज्ञान (2 साल) पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो उत्तरी भारत में भूवैज्ञानिक अध्ययन के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। विभाग खनिज विज्ञान, पेट्रोलॉजी, भूगतिकी, भू–रसायन विज्ञान, जीवाश्म विज्ञान, समुद्र विज्ञान, कायांतरण, भूजल भूविज्ञान, स्तरिकी, संरचनात्मक भूविज्ञान, जीआईएस और आपदा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करता है। क्षेत्र प्रशिक्षण, प्रयोगशाला अध्ययन और अंतःविषय अनुसंधान पर समान जोर दिया जाता है।

विभाग की ताकत

- अनुभवी, अंतःविषय और अनुसंधान–उन्मुख संकाय (सभी पीएच.डी. धारक)।
- क्षेत्र–आधारित भूविज्ञान प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान, जो पाठ्यक्रम का मुख्य आधार है।
- **सक्रिय शोध संस्कृतिः** 30 अंतर्राष्ट्रीय और 2 राष्ट्रीय प्रकाशन, 2024–25 में।
- संकाय सदस्य अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं, संपादित पुस्तकों और पुस्तक श्रृंखलाओं के संपादक हैं।
- पर्यावरण और अनुप्रयुक्त भूविज्ञान डोमेन में पेटेंट प्रदान/दायर किए गए।
- गेट और जेम परीक्षाओं में छात्रों की उपलब्धियाँ।
- कक्षाओं, प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय और कंप्यूटर सुविधाओं से सुसज्जित।
- पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

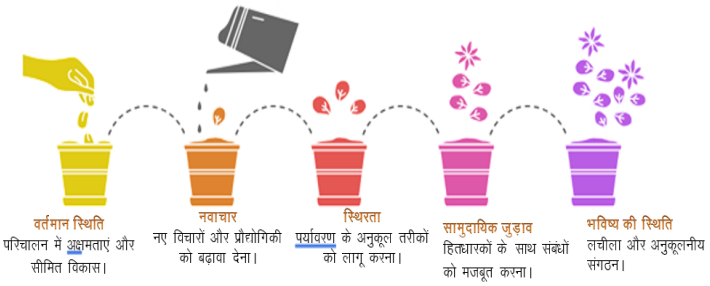

- स्थायी संकाय सदस्यों की भर्ती।
- पेट्रोलॉजिकल और रिमोट सेंसिंग प्रयोगशालाओं की स्थापना।
- भूविज्ञान में पीएच.डी कार्यक्रम की शुरुआत।
- भूविज्ञान में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करना।
- अपडेटेड संदर्भ और शोध सामग्री के साथ विभागीय पुस्तकालय को मजबूत करना।
- प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विकसित करना।
- मेंटरिंग और करियर सहायता के लिए पूर्व छात्रों की भागीदारी बढ़ाना।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास

1.2 पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन



- बीएस.सी. (ऑनर्स) भूविज्ञान (3 वर्ष) और एम.एससी. भूविज्ञान (2 वर्ष) को 2015 में पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के तहत शुरू किया गया; जिसे 2020 में भूविज्ञान विभाग में अपग्रेड कर दिया गया।
- पाठ्यक्रम को उन्नत खनिज विज्ञान, शैल विज्ञान, भूगतिकी, भू–रसायन विज्ञान, जीवाश्म विज्ञान, समुद्र विज्ञान, भूजल भूविज्ञान, भू–स्तर विज्ञान, संरचनात्मक भूविज्ञान, आपदा प्रबंधन आदि को कवर करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- क्षेत्र–आधारित कौशल, प्रयोगशाला प्रशिक्षण और अंतःविषय शिक्षण (भूविज्ञान को जैविक, रासायनिक और भौतिक विज्ञान से जोड़ना) पर समान जोर दिया गया है।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- पूर्णकालिक यूजी और पीजी डिग्री कार्यक्रम।
- क्षेत्र–आधारित अध्ययन घटक और अंतःविषय ऐच्छिक।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

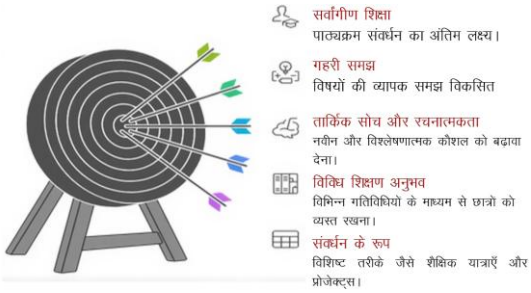

- विश्व पृथ्वी दिवस (2023) को दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में आयोजन, जिसमें प्राकृतिक संसाधन संरक्षण पर सेमिनार और प्रतियोगिताएं शामिल थी।
- बीएसआईपी, लखनऊ; आईआईटी–बीएचयू, वाराणसी; और लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा अतिथि व्याख्यान और मौखिक भाषण।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- बाहरी विशेषज्ञों द्वारा मौखिक रूप से छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया।
- विभाग भविष्य में पूर्व छात्रों और उद्योग फीडबैक को शामिल करते हुए फीडबैक तंत्र को मजबूत करने की योजना बना रहा है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- बी.एससी. भूविज्ञानः 203 छात्र
- एम.एससी. भूविज्ञानः 45 छात्र

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- क्षेत्रीय छात्रों और राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान और उद्योग के अवसरों के इच्छुक लोगों दोनों पर ध्यान केंद्रित करना।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- अंतःविषय शिक्षण पद्धति।
- नियमित क्षेत्र यात्राएं और व्यावहारिक प्रशिक्षण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता



- 09 उच्च योग्य संकाय सदस्य (सभी पीएचडी धारक) जिन्हें पर्यावरण भूविज्ञान, जीवाश्म विज्ञान, रिमोट संवेदन एवं जीआईएस, भू–रसायन विज्ञान, समुद्री भूविज्ञान और कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान में विशेषज्ञता हासिल है।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

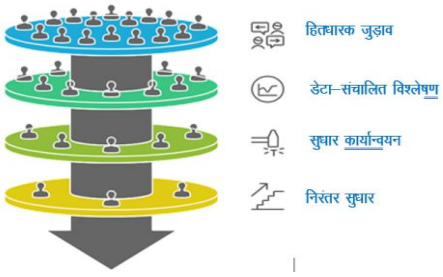

- आईआईटी–बीएचयू, वाराणसी के बाहरी विशेषज्ञों के साथ मौखिक परीक्षा और व्यावहारिक परीक्षा; बीएसआईपी, लखनऊ; जे.एन.यू., नई दिल्ली; एलयू, लखनऊ; एएमयू, अलीगढ; आईएसएम धनबाद, आदि।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- छात्र उपलब्धियाँ: गेट और जैम क्वालीफायर (2023)–शुभम मिश्रा, कुमार अभिनव, अनुपम नाग, रिपुल कुमार सिंह, प्रतिष्ठा कुमार।
- 35 एम.एससी. और 09 बी.एससी. छात्रों ने 2024–25 में स्नातक किया।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- उच्च शिक्षा/प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़े हुए नामांकन और लगातार प्लेसमेंट में सकारात्मक परिणाम परिलक्षित होते हैं।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

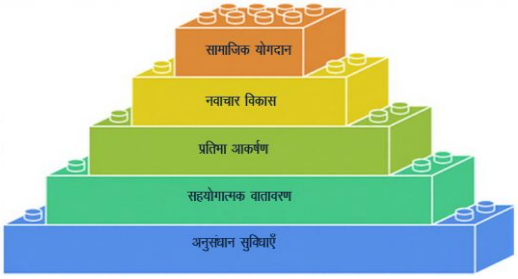

- शोध के क्षेत्रों में पर्यावरणीय भू–रसायन, पैलेओ–जलवायु अध्ययन, भूजल की गुणवत्ता, संरचनात्मक भूविज्ञान, तलछट विज्ञान और पर्यावरणीय स्थिरता शामिल हैं।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- संकाय अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय शोधकर्ताओं के साथ सहयोगी प्रकाशनों में लगे हुए हैं।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

दिए गए पेटेंट:

- बायो–जियो–एडसॉर्बेंट फॉर फ्लोराइड रिमूवल (भारतीय सरकार; पेटेंट संख्या 444346)।
- इको–फ्रेंडली नैनोकम्पोजिट फर्टिलाइजर (जर्मन सरकार; पेटेंट संख्या 202025101544)।
- सोलर विंड इफेक्ट एनालाइजर (भारतीय सरकार; पेटेंट संख्या 47383–001)।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- राष्ट्रीय प्रकाशनः 02
- अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनः 30
- पुरस्कारः 02

3.5 परामर्शः शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- विश्व पृथ्वी दिवस (2023) संरक्षण और स्थिरता पर जागरूकता गतिविधियां।

3.7 सहयोग

- बीएसआईपी लखनऊ, आईआईटी–बीएचयू और लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग।
- भविष्य की योजनाः अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

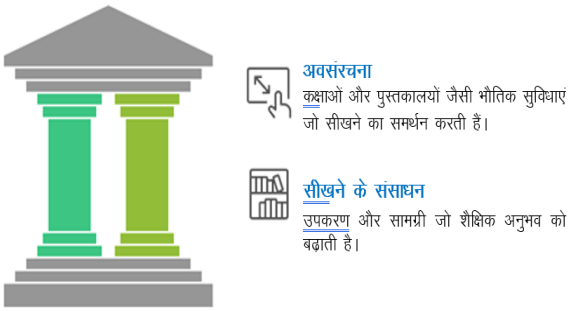

4.1 भौतिक सुविधाएं

- 1 प्रयोगशाला, 4 व्याख्यान कक्ष, 1 विभागीय पुस्तकालय।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीय सुविधाओं के अलावा विभागीय पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना

- कक्षाएं आईसीटी सक्षम हैं।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं और कक्षाओं नियमित रूप से रखरखाव किया जाता है।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं (गेट, जेएएम, नेट) के लिए मार्गदर्शन।

5.2 छात्र प्रगति

- कई छात्रों ने गेट और जेएएम परीक्षा उत्तीर्ण किया है।
- स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में ज्यादा नामांकन।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- विश्व पृथ्वी दिवस और विभागीय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में लगे हुए हैं।
- पूर्व छात्रों के नेटवर्क को मजबूत करने की योजना है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, उन्नत भूवैज्ञानिक अनुसंधान और छात्र कौशल विकास को बढ़ावा देना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- पाठ्यक्रम नियमित रूप से नए रुझानों के साथ अपडेट किया जाता है।
- अंतःविषय अनुसंधान पर ध्यान।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय अंतरराष्ट्रीय पुस्तक श्रृंखला संपादन, संपादकीय मंडल में शामिल और शोध पुरस्कार प्राप्त कर रहें है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- अनुसंधान को सहयोग और बाहरी एजेंसियों (विस्तार के लिए भविष्य की गुंजाइश) के माध्यम से वित्त अनुदान मिलता है।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- बाहरी वाइवा वॉयस परीक्षकों के माध्यम से चल रहे अकादमिक ऑडिट।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

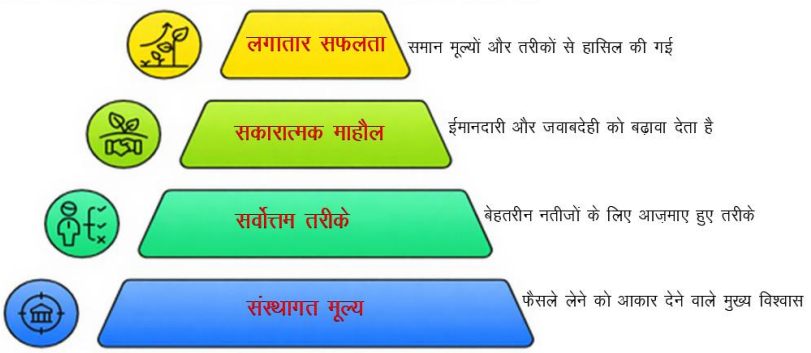

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- संरक्षण और स्थिरता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है।
- शिक्षण में सहिष्णुता, प्रगतिशीलता और भाईचारे के मूल्यों पर जोर।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- मजबूत क्षेत्र–आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम (भूविज्ञान पाठ्यक्रम का कैपस्टोन)।
- अंतःविषय विज्ञान (जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, भूविज्ञान के साथ गणित) का एकीकरण।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- उत्तरी भारत में एकीकृत यूजी–पीजी कार्यक्रमों के साथ केवल समर्पित भूविज्ञान विभाग।
- मजबूत पेटेंट पोर्टफोलियो, संकाय अनुसंधान उत्पादन, और प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सफलता।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- आचार्य नरेन्द्र कुमार एवं 09 संसाधन व्यक्ति

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य– शून्य

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें :

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण– शून्य

- बी.एससी. प्रोजेक्टः 35
- एम.एससी. डिसर्टेशनः 32

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री – शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –शून्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः

8.3.8 पेटेंटः

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल

1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	02
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	30
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	03
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	03
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	45
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	203
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	04
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	03
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	05
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	35

पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय

पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की स्थापना 2010 में हुई थी (पहले 2007–08 में एक नवोन्मेषी परियोजना के रूप में शुरू किया गया था)। यह पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान में एम.एससी. और पीएच.डी. कार्यक्रम, और औद्योगिक सूक्ष्मजीव विज्ञान में एम.एससी. तथा खाद्य सूक्ष्मजीव विज्ञान और विष विज्ञान में एम.एससी. प्रदान करता है। पाठ्यक्रम एनईपी 2020 के दिशानिर्देशों का पालन करता है, और इसमें बायोरेमेडिएशन, सतत सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकियों, खाद्य सूक्ष्मजीव विज्ञान, और औद्योगिक अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

विभाग में 2 आचार्य, 4 उपाचार्य और 2 सहायक आचार्य हैं, जो सूक्ष्मजीव पारिस्थितिकी, बायोरेमेडिएशन, आणविक सूक्ष्मजीव विज्ञान, मेटाजेनोमिक्स, तनाव शारीरिकी, संक्रमण जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता रखते हैं। इसमें डीएसटी–फिस्ट, डीबीटी, और यूजीसी अनुदानों द्वारा समर्थित सुसज्जित शिक्षण और अनुसंधान प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लासरूम, और आधुनिक उपकरण हैं।
विभाग का मिशन सूक्ष्मजीवी दृष्टिकोणों के माध्यम से पर्यावरणीय समस्याओं से निपटना, खाद्य सुरक्षा में योगदान करना, और उद्योग–तैयार मानव संसाधन तैयार करना है।

विभाग की ताकत

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त मजबूत अंतःविषय संकाय विशेषज्ञता।
- राइजोस्फीयर बायोलॉजी, बायोरेमेडिएशन, आणविक सूक्ष्मजीव विज्ञान, और अनुप्रयुक्त सूक्ष्मजीव विज्ञान में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं।
- डीएसटी, डीबीटी, यूजीसी, एएनआरएफ, और यूपी–सीएसटी से वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं।

- उच्च–प्रभाव वाले शोध प्रकाशनों, पुस्तकों और प्रगति पर चल रहे पेटेंट्स का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड।
- व्यावहारिक प्रशिक्षण, शोध–प्रबंध और उद्योग के अनुभव के साथ छात्र–केंद्रित दृष्टिकोण।
- प्लेसमेंट और उच्च शिक्षा के मार्ग: सरकारी, शैक्षणिक और औद्योगिक क्षेत्रों में पूर्व छात्र।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

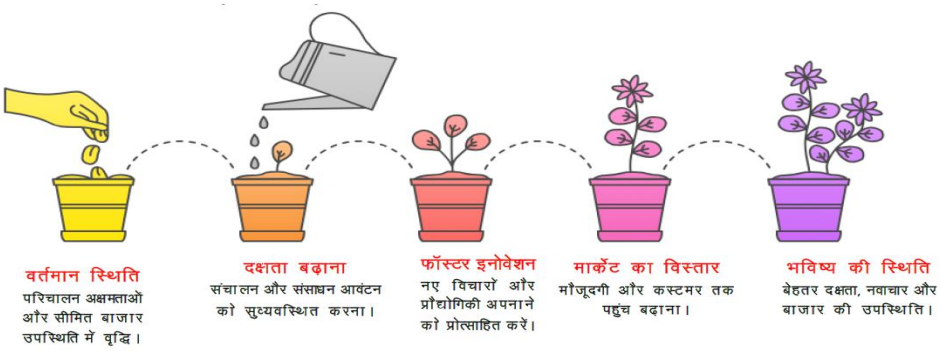

- **पाठ्यक्रम विकास:** बायोइन्फॉरमैटिक्स, माइक्रोबियल नैनोटेक्नोलॉजी, और औद्योगिक सूक्ष्मजीव विज्ञान अनुप्रयोगों में नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू करना।
- **अनुसंधान अवसंरचना:** जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, और माइक्रोबियल फ्यूल सेल अनुसंधान के लिए उन्नत सुविधाएं स्थापित करना।
- **सहयोग:** संयुक्त परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के साथ एमओयू शुरू करें।
- **छात्र सहायता:** नेट/जेआरएफ और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग सत्र शुरू करना।
- **विस्तार और पहुंच:** पर्यावरणीय स्थिरता पर कम से कम 2 राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ और 1 सामुदायिक पहुंच कार्यक्रम आयोजित करें।
- **स्थिरता लक्ष्य:** जैव–शोधन और सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों में एक आत्म–निर्भर उत्कृष्टता केंद्र की ओर बढ़ना।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास

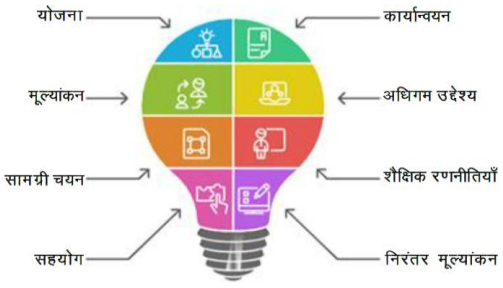

- पर्यावरणीय सूक्ष्मजीव विज्ञान में एम.एससी. और पीएच.डी., साथ ही औद्योगिक सूक्ष्मजीव विज्ञान में एम.एससी. और खाद्य सूक्ष्मजीव विज्ञान और विषाणु विज्ञान में एम.एससी.।
- पाठ्यक्रम एनईपी 2020 के अनुरूप है; इसमें मुख्य, वैकल्पिक और कौशल विकास पाठ्यक्रम शामिल हैं।
- अंतिम सेमेस्टर के छात्रों के लिए शोध प्रबंध का काम अनिवार्य है।

1.2 पाठ्यचर्या योजना और कार्यान्वयन

- औद्योगिक और अनुसंधान संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रम।
- शिक्षण में औद्योगिक भ्रमण और व्यावहारिक प्रशिक्षण का समावेशन।
- हितधारकों से प्राप्त प्रतिक्रिया के साथ पाठ्यक्रम को अपडेट किया जाता है।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- पर्यावरणीय, औद्योगिक और खाद्य सूक्ष्मजीव विज्ञान में विकल्प।
- वैकल्पिक और कौशल–आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

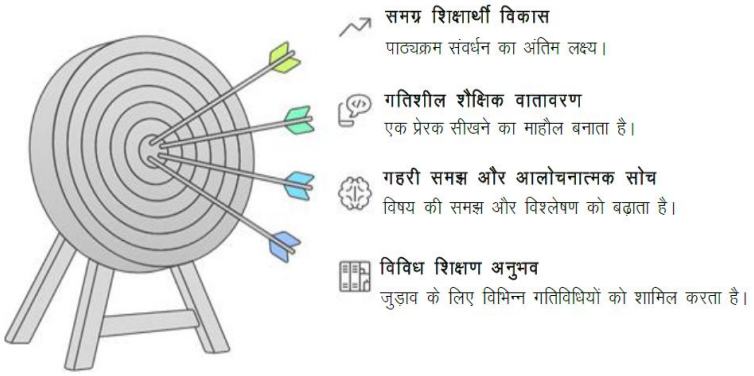

- सततता, जैव–शोधन, न्यूट्रास्यूटिकल खाद्य पदार्थों, और औद्योगिक अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करना।
- इसमें सेमिनार, बातचीत बैठकें, और उद्योग का अनुभव शामिल हैं।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- पाठ्यक्रम कार्यान्वयन पर छात्र प्रतिक्रिया।
- संकाय द्वारा आयोजित नियमित समीक्षा बैठकें।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

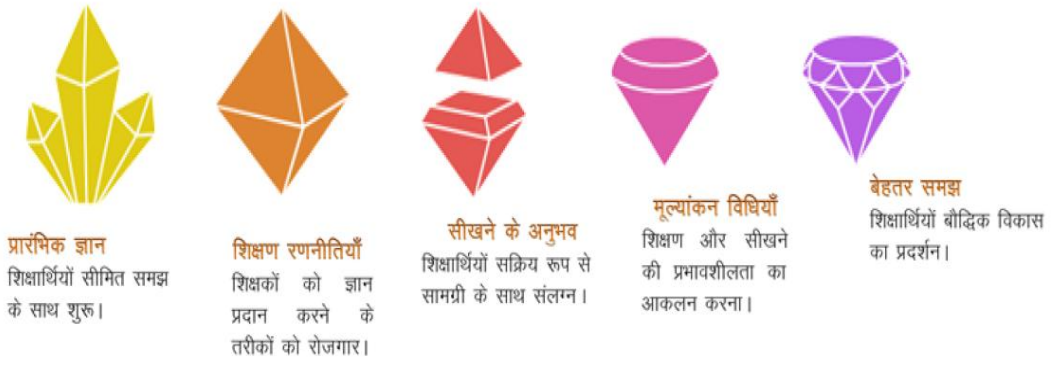

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल

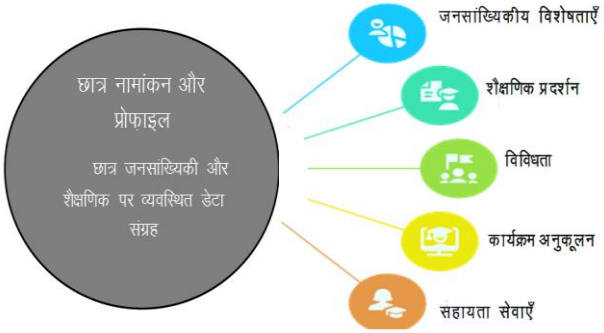

- परास्नातक छात्रः 102
- पीएच.डी. छात्रः 35 (प्रदत्त), 25 अध्ययनरत है।
- विविध पृष्ठभूमियों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) के छात्र।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- विविध सीखने में सहायता के लिए औद्योगिक और क्षेत्रीय भ्रमण।
- शोध–प्रबंध और पीएच.डी. के कार्य के दौरान व्यक्तिगत मार्गदर्शन।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, अनुसंधान–आधारित शिक्षण।
- क्षेत्र भ्रमण और परियोजनाओं के माध्यम से औद्योगिक अनुभव।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

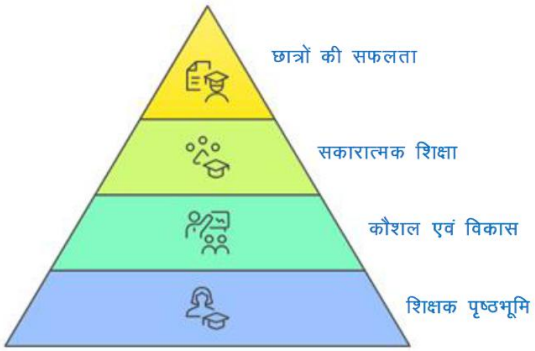

- संकायः 2 आचार्य, 4 उपाचार्य, 2 सहायक आचार्य।
- माइक्रोबियल इकोलॉजी, बायोरेमेडिएशन, स्ट्रेस फिजियोलॉजी, आणविक सूक्ष्मजीव विज्ञान, मेटाजेनोमिक्स, आदि में विशेषज्ञता।
- कई संकाय सदस्य फेलोशिप, संपादकीय भूमिकाएँ, और राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हैं।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

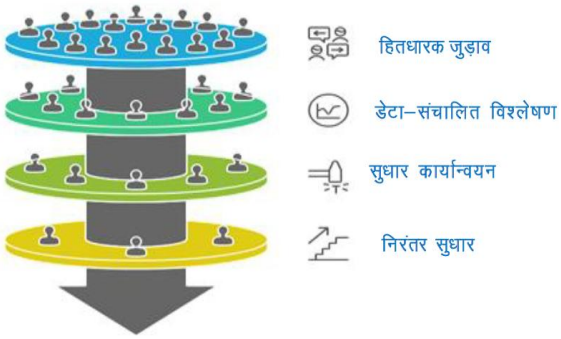

- निरंतर आंतरिक मूल्यांकन।
- पारदर्शिता और प्रतिक्रिया के लिए छात्रों को उत्तर पुस्तिकाएँ दिखाई जाती हैं।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- सरकारी, शिक्षण और निजी क्षेत्रों में स्नातकों की नियुक्ति।
- 36 छात्रों की उपलब्धियों/नियुक्तियों की सूचना।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- सेमिनारों, क्षेत्रीय भ्रमण, सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों और अनुसंधान अनुभव में भागीदारी से प्राप्त संतुष्टि का प्रमाण।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- **अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाएँ:** राइजोस्फीयर बायोलॉजी, बायोरेमेडिएशन, आणविक सूक्ष्मजीव विज्ञान, आदि।
- डीएसटी, डीबीटी, यूजीसी (एफआईएसटी लेवल 1) द्वारा वित्त पोषित।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों से अनुसंधान अनुदान।
- एएनआरएफ, यूपी–सीएसटी, यूजीसी, डीएसटी–इंस्पायर द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएँ।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- माइक्रोबियल फ्यूल सेल, बायोरेमेडिएशन, नैनोफाइबरस मैट, दुर्लभ पृथ्वी तत्व रिकवरी पर रिसर्च।

- माइक्रोबियल–आधारित खाद्य उत्पादों और न्यूट्रास्यूटिकल्स का विकास।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- प्रकाशन (2024–25): राष्ट्रीय– 06, अंतर्राष्ट्रीय– 55।
- पुस्तकें, पुस्तक अध्याय, संपादित खंड, और उच्च–प्रभाव वाले जर्नल लेख: 15
- राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय निकायों में संकाय फेलो।

3.5 परामर्शदाता

- आचार्य राम चंद्रा द्वारा सेवियर एनवायरटेक, लखनऊ को निःशुल्क परामर्श (ईटीपी और एसटीपी डिजाइन)।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- औद्योगिक भ्रमण (जैसे, पकका लिमिटेड, सीईटीपी उन्नाव)।
- पर्यावरण–अनुकूल प्रक्रियाओं और अपशिष्ट जल प्रबंधन पर जागरूकता।

3.7 सहयोग

- सीमित एमओयू; सहयोग मुख्य रूप से अनुसंधान परियोजनाओं और अतिथि विशेषज्ञों के माध्यम से।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

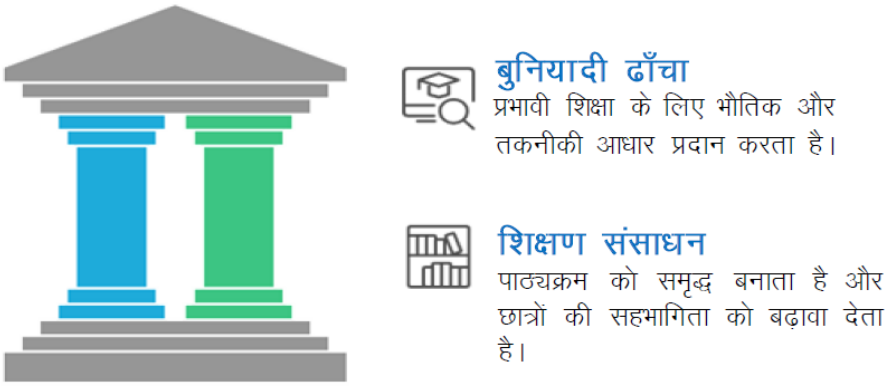

4.1 भौतिक सुविधाएं

- एम.एससी. प्रयोगशाला, अनुसंधान प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लासरूम।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालय पुस्तकालय का उपयोग करता है; प्रयोगशालाओं के संदर्भ में सामग्री उपलब्ध है।

4.3 आईटी अवसंरचना

- डिजिटल सुविधाओं के साथ स्मार्ट क्लासरूम।
- ऑनलाइन जर्नल और डिजिटल संसाधनों तक पहुंच।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- एम.एससी. प्रयोगशालाओं का निरंतर नवीनीकरण।
- विश्वविद्यालय के समर्थन और बाहरी वित्त पोषण के माध्यम से रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति

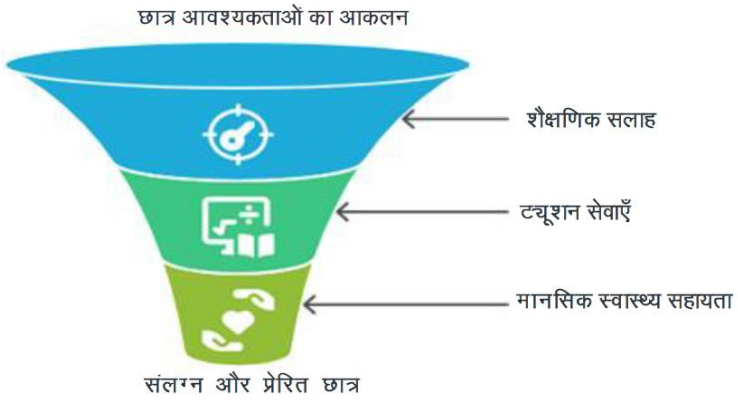

5.1 छात्र सहायता

- नेट/जेआरएफ, उच्च अध्ययन, और प्लेसमेंट के लिए मार्गदर्शन।
- शोध प्रबंध परियोजनाएं अनुसंधान कौशल को बढ़ावा देती हैं।

5.2 छात्र प्रगति

- 15 छात्र उच्च अध्ययन कर रहे हैं।
- 01 सरकारी नौकरी, 06 उच्च शिक्षा में शिक्षण, 29 नौकरियों में।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- क्रिकेट मैच, सह–पाठ्यक्रम/अतिरिक्त–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ।
- औद्योगिक भ्रमण और कार्यशालाएं।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र शिक्षा जगत, उद्योगों और अनुसंधान संस्थानों में कार्यरत हैं।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- दृष्टिः सूक्ष्मजीवी अनुप्रयोगों के माध्यम से सतत पर्यावरण।
- राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त वरिष्ठ प्रोफेसरों का नेतृत्व।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- रोडमैपः आत्मनिर्भर विभाग, जैव–शोधन और सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- शोध अनुदान, संपादकीय पदों, और राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए संकाय को प्रोत्साहित किया जाता है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- डीएसटी, डीबीटी, यूजीसी, यूपी–सीएसटी, एएनआरएफ से वित्त पोषण।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- पारदर्शी मूल्यांकन प्रणाली।
- नियमित शैक्षणिक बैठकें और छात्र संवाद।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

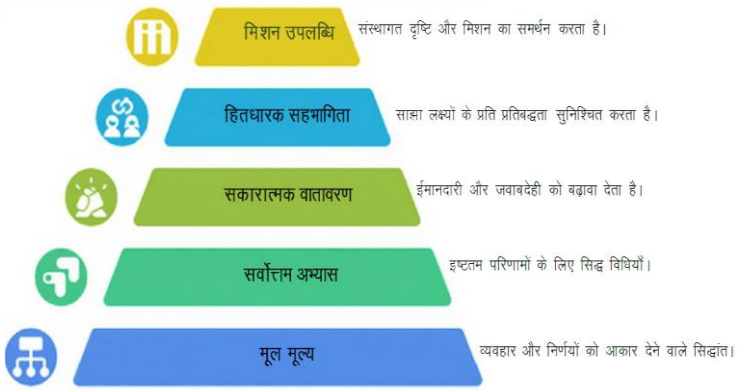

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता।
- पारिस्थितिक संतुलन और औद्योगिक समस्या–समाधान के अनुरूप अनुसंधान।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- पारिस्थितिकी–पुनर्स्थापना और औद्योगिक अपशिष्ट निवारण के लिए सूक्ष्मजीवी समाधान।
- उद्योग–उन्मुख सूक्ष्मजीव विज्ञान प्रशिक्षण।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- जैव–शोधन, सूक्ष्मजीव विविधता, और खाद्य सुरक्षा पर केंद्रित।
- राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अनुसंधान परिणाम और संकाय नेतृत्व।

8. संकाय प्रोफ़ाइलः

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य राजेश कुमार**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
  संकायाध्यक्ष (एसईईएस)
  विशेषज्ञताः पर्यावरणीय सूक्ष्मजीव विज्ञान, अजैविक तनाव प्रबंधन
  अनुभवः शिक्षण एवं शोध 25 वर्ष
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **आचार्य राम चंद्र**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः पर्यावरणीय सूक्ष्मजीव विज्ञान और जैव–शोधन
  अनुभवः शिक्षणः 14 वर्ष, शोधः 35 वर्ष
  योग्यताः पीएच.डी.
- **डॉ. जय शंकर सिंह**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः सूक्ष्मजीव पारिस्थितिकी और पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान
  अनुभवः शिक्षणः 19 वर्ष, शोधः 19 वर्ष
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. सुनीश कुमार पाचाथुंडिकंडी**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः जन्मजात प्रतिरक्षा, संक्रमण जीव विज्ञान, साइटोकाइन जीव विज्ञान, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और जीनोमिक्स, प्रतिरक्षा विज्ञान, जैव रसायन
  अनुभवः शिक्षणः 06 वर्ष, शोधः 18 वर्ष
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. विनय सिंह बघेल**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः जल और ग्लेशियर माइक्रोबायोलॉजी
  अनुभवः शिक्षणः 16 वर्ष, शोधः 16 वर्ष
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. राम नरेश भार्गवा**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी और जैव प्रौद्योगिकी
  अनुभवः शिक्षणः 14 वर्ष, शोधः 14 वर्ष
  योग्यताः पीएच.डी.

- **डॉ. रवि कुमार गुप्ता**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः आणविक सूक्ष्मजीव विज्ञान, प्राकृतिक रोगाणुरोधी, सूक्ष्मजीवी बायोप्लास्टिक।
  अनुभवः शिक्षणः 08 वर्ष, शोधः 14 वर्ष
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. दिग्विजय वर्मा**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः मेटाजेनोमिक्स, माइक्रोबायोमिक्स और एक्सट्रीमोजाइम्स
  अनुभवः शिक्षणः 08 वर्ष, शोधः 14 वर्ष

8.2 संस्थान के अंदर एवं बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य राजेश कुमार

- भारती एस, सिंह बी, कुमार एस, कुमार आर, कुमार जे. ''सिंथेसिस ऑफ बायो–स्टेबिलाइज्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूज़िंग रोसेला मोंटेगनी, देयर एंटीकैंडिडल केपासिटीज एण्ड पोटेन्शियल टू इन्हाइबिट द वायरुलेन्स फैक्टर्स इन फ्लुकोनाज़ोल–रेज़िस्टेंट कैंडिडा एल्बिकेंस'', वर्ल्ड जे माइक्रोबायोल बायोटेक्नोलोजी, 2024;40, doi:10.1007/s11274-024-03928-w
- अम्बस्ट एस, पुरोहित ए, दास एजे, कुमार आर, घोष डी., ''ग्लाइकोलिपिड बायोसर्फेक्टेंट–असिस्टेड रिमिडियेशन स्ट्रैटजी टू मिनिमाइज़ द पेट्रोलियम कंटेमिनेंट फुटप्रिंट इन एन्वाइरन्मेंटल कम्मपाट्मैंट्स''। जल वायु मृदा प्रदूषण। 2023;234(12):767।
- उपाध्याय एस, वर्मा एस, धवन एस, चंद्र आर, कुमार आर., ''आइसोलेशन, आइडेंटिफिकेशन एण्ड स्टडी ऑफ एंटीमाइक्रोबायोल प्रॉपर्टी ऑफ पोटेन्शियल प्रोबायोटिक बैक्टीरिया फ्रॉम डेरी प्रोडक्ट्स ऑफ लखनऊ सिटी'', ओपन एक्सेस जे माइक्रोबायोल बायोटेक्नोलोजी. 2023;8, doi:10.23880/oajmb-16000276
- भारती एस, पलिया बी, नायक एस, कुमार आर., ''डिपॉज़िशन ऑफ डाल्डिनिया स्टारबेकी (ईएलएफ) फंक्शनलाइज्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स ऑन यूरिनरी कैथेटर ट्यूब यूज़िंग चिटोसन पॉलिमर टू प्रिवेंट बैक्टीरियल बायोफिल्म फॉर्मेशन ड्यूरिंग यूटीआई इन्फेक्शन'', आर्क माइक्रोबायोल। 2023; 205:277। doi:10.1007/s00203-023-03608-7

आचार्य राम चंद्रा

- सोनी के, कोठामासी डी, चंद्रा आर., ''म्युनिसिपल वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट प्लांट शोयिंग ए पोटेन्शियल रिज़र्वायर फॉर क्लिनिकली रेलिवेंट एमडीआर बैक्टीरियल स्ट्रेन्सः को–अक्करेन्स ऑफ ईएसबीएल जीन्स एण्ड इंटेग्रोन–इंटीग्रेस जीन्स'', जे एनवायरन मैनेज. 2024;351:119938।
- ज्योति के, सोनी के, चंद्रा आर. ''फाइटोटॉक्सिसिटी एण्ड जीनोटॉक्सिसिटी असेसमेंट ऑफ ऑर्गेनिक एण्ड इनऑर्गेनिक कंटेमिनएंट्स डीटेक्टेड इन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रियल वेस्टवॉटर्स यूज़िंग विग्ना रेडिएटा एण्ड एलियम सेपा'', जे एक्सप बायोल एग्रीक साइंस. 2024;12(1):76–92।
- वर्मा पी, चंद्रा आर., ''रिमूवल ऑफ रेसिडुयल ऑर्गेनिक पॉल्यूटेंट्स फ्रॉम पल्प पेपर इंडस्ट्री वेस्टवॉटर यूज़िंग बैक्टीरियल स्ट्रेन्स एसिनेटोबैक्टर बाउमानी (ओके582199) पीसी4 एण्ड बैसिलस सेरेस (ओके582201) पीसी10 वाया बायोस्टिम्यूलेशन एण्ड बायोऑग्मेंटेशन प्रोसेस'', टोटल एनवायरन एडव. 2024; 10:200101।

- शर्मा पी, चंद्रा आर. ''फायटोरेमेडिएशन मेकेनिज्म एण्ड रोल ऑफ प्लांट ग्रोथ प्रमोटिंग राइजोबैक्टीरिया इन वीड प्लांट्स फॉर ईको–रेस्टोरेशन ऑफ हज़ार्डस इंडस्ट्रियल वेस्ट पॉल्यूटेड साइटः ए रिव्यू'', पर्यावरण विज्ञान प्रदूषण अनुसंधान 2024;31(30):42495–42520।
- ज्योति के, सोनी के, चंद्रा आर., ''फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रियल वेस्टवॉटर एग्ज़िबिटिंग द को–अक्करेन्स ऑफ बायोफिल्म–फॉर्मिंग जीन्स इन द मल्टीड्रग–रेज़िस्टेंट बैक्टीरियल कम्यूनिटी पोज़ेस ए नोवेल एन्वाइरन्मेंटल थ्रेट'', एक्वाट टॉक्सिकोल 2024; 273:107019।
- ज्योति के, सोनी के, चंद्रा आर., अप्टिमिज़ेशन ऑफ द प्रोडक्शन ऑफ एक्सोपॉलीसेकेराइड (ईपीएस) फ्रॉम बायोफिल्म–फॉर्मिंग बैक्टीरियल कन्सॉर्टियम यूज़िंग डिफरेंट पैरामीटर्स'', माइक्रोब, 2024; 4:100117।
- सोनी के, ज्योति के, कुमार ए, चंद्रा आर., कोइग्ज़िस्टेन्स ऑफ मल्टीड्रग–रेज़िस्टेंस एण्ड ईएसबीएल एन्कोडिंग जीन्स *bla*_{TEM}, *bla*_{SHV}, and *bla*_{CTX-M}: इट्स इंप्लिफिकेशन एण्ड डिसपर्सन इन द एन्वाइरन्मेंट वाया म्युनिसिपल वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट प्लांट'', केमोस्फीयर। 2024; 362:142829।
- इकबाल एमजेड, सिंह के, चंद्रा आर. ''रीसेंट एड्वान्सेस ऑफ प्लांट ग्रोथ प्रमोटिंग राइजोबैक्टीरिया (पीजीपीआर) फॉर ईको–रेस्टोरेशन ऑफ पॉल्यूटेड स्वायल'', स्वच्छ इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, 2024;100845।
- बानो एस, सिंह के, चौधरी ए, चंद्रा आर. ''इनोवेटिव मेथड्स फॉर द वेलोरिसेशन ऑफ सॉलिड वेस्ट्स फ्रॉम शुगर मिल एण्ड रेफाइनरीज फॉर सस्टेनबल डेवेलपमेंटः ए रिव्यू'' क्लीन वेस्ट सिस्टम, 2025;100230।

डॉ. जय शंकर सिंह

- सिंह जेएस, तिवारी एस, सिंह पी, निगम आरके, क्रावचेंको आईके, ''पैडी कल्टिवर डाइवर्सिफिकेशन फॉर मैनेजमेंट ऑफ स्वायल मेथेन एमिशन्स एण्ड सस्टेनबल राइस प्रोडक्शन'', इन्वायर. सस्टेन, 2025; 8:709–713।
- विमल एसआर, सिंह जेएस, प्रसाद एसएम, ''रोल ऑफ एंडोफाइटिक बैसिलस सबटिलिस एसएसए4 एण्ड मेलाटोनिन इन इनहैन्सिंग पैडी सीडलिंग'', करेंट माइक्रोबायोल, 2025; 7:100299।
- निगम आरके, सिंह पी, सिंह जेएस, ''एसेसमेंट ऑफ शुगर मिल एफ्ल्यूयेंट डिसचार्ज ऑन स्वायल फिजिको–केमिकल एट्रिब्यूट्स एण्ड इट्स कोरिलेशन विथ स्वायल माइक्रोबियल बायोमास इन पैडी फील्ड्स''ए डिस्कव. एग्रीक, 2025;11(2): ई15डीए3155।
- विमल एसआर, प्रसाद एसएम, ''पैडी सीड्स बैक्टीरियाइजेशन विथ एसीसी डेमिनेज–प्रोड्यूसिंग एंडोफाइट अल्कालिजेन्स फेकेलिस एसएसपी8 रेग्युलेट्स फिज़ियोलॉजी, लीफ गैस एक्सचेंज पैरामीटर्स, पीएसआईआई फोटोकैमिस्ट्री, एण्ड एंटीऑक्सीडेंट एन्ज़ाइम मेटाबॉलिज्म इन NaCl –स्ट्रेस्ड सीडलिंग्स'', करेंट रिस. माइक्रोब साइंस, 2024; 5:100299।
- बौध एस, तिवारी एस, सिंह सी, सिंह जेएस, ''लिंडेन डेग्रडेशन पोटेन्शियल ऑफ मीथेनोट्रोफ्स एण्ड स्वायल माइक्रोबियल बायोमॉस फ्रॉम एचसीएच–कंटेमिनेटेड साइट्स'', एनवायरन एडव. 2024; 8:100581।
- राय ए, शर्मा एनके, सिंह वीके, द्विवेदी बीएस, सिंह जेएस, राय पीके, ''यूज ऑफ बायोवेस्ट टू एमीलियोरेट क्रोमियम–कंटेमिनेटेड स्वायल्स टू इंप्रूव क्रॉप प्रोडक्टिविटी'' अपशिष्ट प्रबंधन बुले.। 2024;2(1):276–288।
- विमल एसआर, सिंह जेएस, कुमार ए, प्रसाद एसएम, ''द प्लांट एंड माइक्रोबायोमः स्ट्रक्चर एण्ड स्ट्रैटजीस टू प्रोड्यूस स्ट्रेस–रिसिलियेंट फ्यूचर क्रॉप्स'', करेंट रिसर्च माइक्रोब साइंस, 2024; 5:100236।

डॉ. सुनीश कुमार पचथुंडिकंडी

- वर्मा जे, अनवर एमटी, लिंज़ बी, बैकर्ट एस, पचथुंडिकंडी एसके, ''द इन्फ्लुयेन्स ऑफ गैस्ट्रिक माइक्रोबायोटा एण्ड प्रोबायोटिक्स इन हेलिकोबैक्टर पाइलोरी इन्फेक्शन एण्ड एसोसीयेटेड डिसीज़ेस'', बायोमेडिसिन। 2024;13(1):61।
- कशौधन के, पांडे पीपी, शर्मा जे, शंकर आर, चौरसिया ए, वर्मा जे, पचथुंडिकंडी एसके, मधेशिया एके, ''पॉली (एक्रिलिक एसिड)–ग्राफ्टेड ज़ैंथन गम ज़ैंथेट एज रियूज़ेबल एडसॉरबेंट फॉर द रिमूवल ऑफ Cu (II) एण्ड Co (II) आयन्स फ्रॉम एक्वीयस सल्यूशन्स'', एनवायरन प्रोग सस्टेन एनर्जी। 2025;44(4): ई70006।

डॉ. वी.एस. बघेल

- सिंह पी, सिंह ए, सिंह आर, बघेल वी.एस. ''इंडिकेटर बैक्टीरियल एसेसमेंट ऑफ कुवानो रिवर, लाइफलाइन ऑफ बस्ती सिटी, उत्तर प्रदेश, इंडिया'', अफ्रीकन जर्नल बायो साइंस 2024;6(15):8332–8345।
- सिंह पी, हरे वी, बघेल वी.एस., ''माइक्रोबायोलॉजिकल क्वालिटी इन्वेस्टिगेशन एण्ड एंटीबायोटिक सेन्सिटिविटी टेस्ट ऑफ सई रायबरेली, यूपी, भारत'', अफ्रीकन जर्नल बायो साइंस 2024;6(5):6409–6444।
- शाही एन, सिंह पी, हरे वी, बघेल वी.एस., ''माइक्रोबायोलॉजिकल एसेसमेंट ऑफ गोमती रिवर, लखनऊ, भारत विथ स्पेशल रेफरेन्स टू एंटरिक बैक्टीरिया''. जर्नल एक्स्प जूलॉजी इंडिया, 2024;27(1):1345–1350।

डॉ. राम नरेश भार्गवा

- देवी ए, सिंह वी, राज ए, साराताले जीडी, फरेरा एलएफआर, मुल्ला एसआई, भार्गवा आरएन, अप्टिमिज़ेशन ऑफ लाइपिड प्रोडक्शन इन टेट्राडेसमस डिमोर्फसयूज़िंग रिस्पॉन्स सर्फेस मेथेडोलॉजी एण्ड टेनरी वेस्टवॉटर फॉर बायोडीजल प्रोडक्शन'', बायोरिर्सोस टेक्नोलॉजी, 2025; 430:132585।
- भारती एस, राज ए, साराताले जीडी, फरेरा एलएफआर, डी सूजा आरएल, मुल्ला एसआई, भार्गवा आरएन, ''ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन द सिमबियाटिक इफेक्ट ऑफ बैक्टीरिया एण्ड माइक्रोएल्गी ऑन स्यूयेज ट्रीटमेंट विथ बायोफर्टिलाइजर प्रोडक्शन'', जे एनवायरन मैनेज. 2025; 373:123704।
- प्रताप बी, नंद एस, कुमार एस, कुमार पी, भार्गवा आरएन, दत्ता वी., ''एसेसमेंट ऑफ वॉटर क्वालिटी स्टेटस एण्ड हैवी मेटल कंटेमिनेशन इन रिवर काली–ईस्ट, इंडिया यूज़िंग पॉल्यूशन इंडेक्सेस एण्ड हेल्थ हज़ाड्र्स'', जल वायु मृदा प्रदूषण, 2025; 236:246।
- गोल्गेरी एमडी, मुल्ला एसआई, बागेवाड़ी जेडके, फैनिबैंड बी, मिश्रा पी, बैंकोले पीओ, शर्मा एस, अमेरिको–पिनहेइरो जेएचपी, भार्गवा आरएन, फरेरा एलएफआर, ''माइक्रोबियल नारिंगिनेजः फ्रॉम माइक्रोबियल सोर्स टू इट्स करेंट अप्लिकेशन्स इन वेरियस फील्ड्स'' बायोलोजिया (ब्राटिसल)। 2025; 80:977–991।
- साराताले आरजी, चो एसके, भार्गवा आरएन, पटेल एके, विवेकानंद वी, भाटिया एसके, फरेरा एलएफआर, शिन एचएस, अवस्थी एमके, चक्रवर्ती एस, कुमार आर, साराताले जीडी, थर्ड–जेनरेशन बायोमास फॉर बायोप्लास्टिक्सः ए कंप्रेहेन्सिव रिव्यू ऑफ माइक्रोएल्गी–ड्राइवेन पॉलीहाइड्रॉक्सीअल्केनोएट प्रोडक्शन'', बायोफ्यूल रिस. जर्नल, 2024;11(4):2256–2282।

डॉ. रवि कुमार गुप्ता

- कपूर डीडी, मदान पी, कुमार जे, तिवारी एसके, गुप्ता केके, गुप्ता आरके, ''ट्रॉन्ज़िशन टुवर्ड्स रिन्यूएबल एण्ड बायोडेग्रेडेबल पॉलिमर्सः ए कंप्रेहेन्सिव रिव्यू'', जर्नल पॉलीम. रिस. 2025;32(11):45–24, doi:10.1007/s10965-025-04524-8

- यादव एस, गुप्ता आरके, कुमार एस, रिजवी ए, त्यागी डी, सतीश ए, वर्मा डी, विश्वकर्मा ए, सक्सेना एस., ''लीफ miRNAs ऑफ विथानिया सोम्नीफेरा नेगेटिवली रेग्युलेट द एजिंग–असोसीयेटेड जीन्स इन सी. एलिगेन्स'', मोल न्यूरोबायोल, 2025 मई 2, doi:10.1007/s12035-025-04995-2
- यादव एस, आर्य डीके, कनौजिया एस, कुमार एस, कुशवाहा डी, कुमार ए, पांडे पी, कपूर डीडी, कुमार ए, गुप्ता आरके, अहमद आईजेड, रजनीकांत पीएस, '' पॉली (विनाइल अल्कोहल)/पॉलीकैप्रोलैक्टोन नैनोफाइबर इनरिच्ड विथ लाइकेनिसिन अगेन्स्ट मल्टीड्रग–रेज़िस्टेंट बैक्टीरियल इन्फेक्शन इन वाउंड हीलिंगः इन विट्रो स्टडीज एण्ड इन वीवो एवॉल्यूयेशन इन विस्टार रैट्स'', एसीएस एप्पल बायो मैटर.2025;8(4):2847–2866, doi:10.1021/acsabm.4c01532
- गौतम ए.के., शंखवार आर., स्निग्धा, गुप्ता आर.के., श्रीवास्तव एस.के., पांडे जी., ''ग्रीन सिंथेसिस ऑफ Co_3O_4 नैनोमटेरियल्स एण्ड $Co_3O_4/Ce_{24}Co_{11}/CeO_2$ नैनोकंपोजिट यूज़िंग किगेलिया पिनाटा फ्रूट एक्सट्रैक्ट एण्ड देयर एंटीबैक्टीरियल पोटेन्शियल'', जर्नल मोल स्ट्रक्चर. 2025; 1327:141170, doi: 10.1016/j.molstruc.2024.141170
- सांखवार आर, एट अल. कंपरेटिव मेटाजेनोमिक एनॉलिसिस ऑफ बैक्टीरियल डाइवर्सिटी इन थ्री डिस्टेंट्ली रिलेटेड स्वायल्स इन इंडिया'', जर्नल एप्पल नेट साइंस, 2024;16(3). doi:10.31018/jans. v16i3.5635
- सिद्दीकी आई, सांखवार आर, कुमार ए, गुप्ता आरके., ''जीसी–एमएस एनॉलिसिस ऑफ हॉस्पिटल वेस्ट स्वायल एण्ड आइसोलेशन ऑफ एंटीमाइक्रोबियल एजेंट–प्रोड्यूसिंग बैक्टीरिया'', माइक्रोब, 2024; 3:100079. doi: 10.1016/j.microb.2024.100079
- कुमार ए, सांखवार आर, यादव एस, गुप्ता आरके., ''लाइकेनिसिन प्रोड्यूस्ड बाइ बैसिलस लाइकेनिफोर्मिस आरजी1002 इन्हाइबिट्स बायोफिल्म फॉर्मेशन ऑफ स्यूडोमोनास एरुगिनोसा ऑन वेरियस सर्फेसेस'', जर्नल प्योर एप्पल माइक्रोबायोल, 2024;18(2):1196–1208, doi:10.22207/JPAM.18.2.38

डॉ. दिग्विजय वर्मा

- श्रीवास्तव ए, अख्तर वाई, वर्मा डी., ''ए स्टेप–बाइ–स्टेप प्रोसीजर फॉर एनलाइज़िंग द 16S rRNA–बेस्ड माइक्रोबायोम डाइवर्सिटी यूज़िंग QIIME 2 एण्ड कंप्रेहेन्सिव PICRUSt2 इलस्ट्रेशन फॉर फक्शनल प्रिडिक्शन'', आर्क माइक्रोबायोल, 2024; 206:467।
- कुमार वी, आनंद पी, श्रीवास्तव ए, एट अल., ''स्ट्रक्चरल इनसाइट्स ऑफ एल–एस्पैरजिनेज फ्रॉम स्यूडोमोनास एरुगिनोसा सीएसपीएस4 एट एलिवेटेड टेंपरेचर्स हाइलाइट इट्स थर्मोफिलिक नेचर'', 3 बायोटेक, 2024; 14:230।
- आर्य एम, चौहान जी, फातिमा टी, वर्मा डी, शर्मा एम., ''स्टैटिस्टिकल मॉडलिंग ऑफ थर्मोस्टेबल सेल्युलेस प्रोडक्शन कंडीशन्स ऑफ थर्मोफिलिक जियोबैसिलस एसपी, टीपी–1 आइसोलेटेड फ्रॉम तपोवन हॉट स्प्रिंग्स ऑफ द गढ़वाल हिमालय माउंटेन रेंजेस, इंडिया'', इंडियन जर्नल माइक्रोबायोल, 2024; 64:1132–1143।
- आर्य एम, चौहान जी, फातिमा टी, कुमारी ए, वर्मा डी, शर्मा एम., ''स्टैटिस्टिकल आप्टिमिज़ेशन ऑफ सेल्युलेस प्रोडक्शन बाइ ए नॉवेल थर्मोफिलिक लिग्नोसेल्यूलोलिटिक बैक्टीरियम जियोबैसिलस स्टीयरोथर्मोफिलस टीपी–3 फ्रॉम तपोवन हॉट स्प्रिंग इन इंडिया'', जर्नल प्योर एप्पल माइक्रोबायोल, 2025; 19:1085–1100।
- कुमार वी, वर्मा डी. ''प्रोडक्शन, कैरेक्टरिज़ेशन, एण्ड अप्लिकेशन्स ऑफ ए नॉवेल थर्मो–एसिडोफिलिक एल–एस्पैरजिनेज ऑफ स्यूडोमोनास एरुगिनोसा सीएसपीएस4'', 3 बायोटेक, 2024; 12:1–15।
- वर्मा डी, सत्यनारायण टी, डायस पीजे., एडिटोरियलः माइक्रोबियल कंपरेटिव जीनोमिक्स एण्ड पैनजेनोमिक्सः न्यू टूल्स, अप्रोचेस एण्ड इनसाइट्स इंटू जीन एण्ड जीनोम एवॉल्यूशन'', फ्रंट जेनेट, 2024; 15:1490645।
- तिवारी वी.के., विश्वकर्मा ए., वर्मा डी., एट अल. ''माइक्रोबियल डाइवर्सिटी एनॉलिसिस ऑफ म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट लैंडफिल सॉयिल्स ऑफ दिल्ली (एनसीआर) एण्ड प्लास्टिक डंप साइट्स

ऑफ उत्तर प्रदेश, इंडिया, एण्ड देयर फंक्शन प्रिडिक्शन फॉर प्लास्टिक–डिग्रेडिंग एन्ज़ाइम्स'', वर्ल्ड जर्नल माइक्रोबायोल बायोटेक्नॉल। 2025; 41:187।

- श्रीवास्तव ए, वर्मा डी., ''डाइवर्सिटी, एंटीबायोटिक रेज़िस्टेन्स, एण्ड बायोफिल्म प्रोफाइलिंग ऑफ द इन्हैबिटेंट बैक्टीरिया ऑफ द गंगा रिवर, इंडिया'', माइक्रोब, 2025; 7:100404।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

आचार्य राम चन्द्रा

- चंद्रा आर, सिंह के. ''बायोरेमेडिएशनः ग्रीन सल्यूशन ऑफ एन्वाइरन्मेंटल पॉल्यूटेंट्स'', नई दिल्लीः एलीट पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स; 2024. आईएसबीएनः 9789358991246।

डॉ. जय शंकर सिंह

- ''माइक्रोब्स बेस्ड नेक्स्ट जेनरेशन सस्टेनबल सल्यूशन्स फॉर क्लाइमेट रिसिलियेंट एग्रिकल्चर'', बोका रैटनः सीआरसी प्रेस; 2025।
- ''बॉटेनिकल माइक्रोबायोमः सस्टेनबल प्रैक्टिसेस इन एग्रिकल्चर एण्ड ईकोसिस्टम मैनेजमेंट'' एम्स्टर्डमः एल्सेवियर; 2025।

डॉ. रवि कुमार गुप्ता

- जोशी एस, वर्मा डी, गुप्ता आरके., ''सीआरआईएसपीआर/कैस सिस्टमइन ट्रॉन्स्लेशनल बायोटेक्नोलॉजी'' सैन डिएगो (सीए): एकेडमिक प्रेस (एल्सेवियर); 2024. आईएसबीएनः 9780323918084।

डॉ. दिग्विजय वर्मा

- वर्मा डी, सत्यनारायण टी, डायस पीजे., ''माइक्रोबियल कंपरेटिव जीनोमिक्स एण्ड पैनजेनोमिक्सः न्यू टूल्स, अप्रोचेस एण्ड इनसाइट्स इंटू जीन एण्ड जीनोम एवॉल्यूशन'', फ्रंट जेनेट, 2025।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व में कोई अन्य प्रकाशनः

आचार्य राजेश कुमार

- कुमार आर, मेधी एमके, एम्बस्ट एस, कुमार आर, दास एजे., ''कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड प्यूरिफिकेशन ऑफ बायोसर्फैक्टेंट'' इनः असलम आर, मोबिन एम, असलम जे, ज़ेहरा एस, संपादक। बायोसर्फैक्टेंट अनुसंधान में प्रगति, केमः स्प्रिंगर; 2023. doi:10.1007/978-3-031-21682-4_4.

डॉ. एस के पचथुंडिकंडी

- वर्मा जे, गुप्ता आरके, पचथुंडिकंडी एस.के., ''आइसोलेशन, मॉलीक्युलर आइडेंटिफिकेशन एण्ड अप्टिमिज़ेशन ऑफ एन एंडोफाइटिक बैक्टीरिया फ्रॉम ग्वावा फ्रूट'' प्रॉक. इंत. सेमिन. एन्वीरों. इश्यूस चॅलेंजस 21स्ट्रीट सेंचुरी (ईआईसीसी–2025); 2025 जून; बरेली, उत्तर प्रदेश, भारतः बरेली कॉलेज और पर्यावरण, कृषि और शिक्षा सोसायटी।

डॉ. राम नरेश भार्गवा

- सरन सी, देवी ए, सारातालेे जीडी, सारातालेे आरजी, फरेरा एलएफआर, मुल्ला एसआई, भार्गवा आरएन., ''बैक्टीरियल ट्रीटमेंट ऑफ इंडस्ट्रियल वेस्टवॉटर्सः अप्लिकेशन्स एण्ड चैलेंजस'' इनः भार्गवा आरएन, संपादक, खतरनाक संदूषकों के प्रबंधन के लिए सूक्ष्मजीव आधारित दृष्टिकोण, प्रथम संस्करण। होबोकेन (एनजे): विली; 2024. पी. [अध्याय पृष्ठांकन]। doi:10.1002/9781119851158.ch11.
- देवी ए, सरन सी, सारातालेे जीडी, सारातालेे आरजी, फरेरा एलएफआर, मुल्ला एसआई, भार्गवा आरएन., ''सस्टेनबल एल्गल इंडस्ट्रियल वेस्टवॉटर ट्रीटमेंटः अप्लिकेशन्स एण्ड चैलेंजस'' इनः भार्गवा आरएन, संपादक, खतरनाक संदूषकों के प्रबंधन के लिए सूक्ष्मजीव आधारित दृष्टिकोण, प्रथम संस्करण। होबोकेन (एनजे): विली; 2024. पी. [अध्याय पृष्ठांकन]। doi:10.1002/9781119851158.ch12.
- सरन सी, देवी ए, वर्मा एम, सारातालेे जीडी, फरेरा एलएफआर, भार्गवा आरएन., ''ए कंटिन्युवस सिस्टम ऑफ बायोफ्यूल प्रोडक्शन फ्रॉम माइक्रोएल्गे'', इनः भार्गवा आरएन, संपादक, रीसेंट ट्रेंड्स एण्ड डेवेलपमेंट्स इन एल्गल बायोफ्यूल्स एण्ड बायोरिफाइनरी, पहला संस्करण। केमः स्प्रिंगर; 2024. पृ. [अध्याय पृष्ठांकन] doi: 10.1007/978-3-031-52319-9.ch4.

- देवी ए, सरन सी, वर्मा एम, सारातालेे जीडी, फरेरा एलएफआर, भार्गवा आरएन., ''साइमल्टेनियस एक्सट्रैक्शन, सेप्रेशन एण्ड कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ बायोमॉलीक्यूल्स फ्रॉम माइक्रोएल्गे बायोमास'' इनः भार्गवा आरएन, संपादक, रीसेंट ट्रेंड्स एण्ड डेवेलपमेंट्स इन एल्गल बायोफ्यूल्स एण्ड बायोरिफाइनरी, पहला संस्करण, केमः स्प्रिंगर; 2024. पृ. [अध्याय पृष्ठांकन] doi: 10.1007/978-3-031-52319-9.ch7.
- सरन सी, देवी ए, सारातालेे जीडी, फरेरा एलएफआर, भार्गवा आरएन., ''बायोएनर्जी जेनरेशन एण्ड कोजेनरेशन फ्रॉम एल्गे–बेस्ड बायोरिफाइनरीज'', इनः भार्गवा आरएन, संपादक, वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स फ्रॉम बायोएल्गे बेस्ड बायोरिफाइनरीज ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजस, पहला संस्करण, सिंगापुरः स्प्रिंगर; 2024. पृ. [अध्याय पृष्ठांकन] doi: 10.1007/978-981-97-1662-3.ch9.
- देवी ए, सरन सी, फरेरा एलएफआर, मुल्ला एसआई, भार्गवा आरएन., ''सस्टेनबल अप्रोचेस टू एल्गल बायोफ्यूल्सः ऑपर्चुनिटीज, की चैलेंजस एण्ड करेंट स्टेटस'' इनः भार्गवा आरएन, संपादक, वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स फ्रॉम बायोएल्गे बेस्ड बायोरिफाइनरीज ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजस, पहला संस्करण, सिंगापुरः स्प्रिंगर; 2024. पृ. [अध्याय पृष्ठांकन] doi: 10.1007/978-981-97-1662-3.ch8.

डॉ. रवि कुमार गुप्ता

- सिंह ए.के., कपूर वी., गुप्ता आर.के. ''अप्लिकेशन ऑफ सीआरआईएसपीआर इन कैन्सर रिसर्च एण्ड ट्रीटमेंट'', इनः मॉलीक्युलर बायोमार्कर्स फॉर कैन्सर डाइयग्नोसिस एण्ड थेरेपी, सिंगापुरः स्प्रिंगरर नेचर; 2025। आईएसबीएनः 9819937450.
- कपूर डीडी, यादव एस, गुप्ता आरके., ''माइक्रोबियल लाइफ एण्ड एडाप्टेशन ऑन लैंड, अंडरवॉटर, एण्ड अदर प्लेनेट्स फॉर सस्टेनबल डेवेलपमेंट'' इनः सोबती आर.सी., संपादक बाइयोटेक्नालजी इनोवेशन्स फॉर ए सस्टेनबल फ्यूचर, सिंगापुरः स्प्रिंगर नेचर; 2025. doi:10.1007/978-981-97-9859-9_21.
- यादव एस, गुप्ता आरके., ''अप्लिकेशन ऑफ सीआरआईएसपीआर/कैस इन डिसीज़ डाइयग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट''. इनः जोशी एस, वर्मा डी, गुप्ता आरके, संपादक, सीआरआईएसपीआर/कैस सिस्टम इन ट्रॉन्स्लेशनल बायोटेक्नोलॉजी, कैम्ब्रिज, एमएः एकेडमिक प्रेस (एल्सेवियर); 2024. पृ. 163–173. आईएसबीएनः 9780323918084।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

- 23 अगस्त, 2024 को माइक्रोबायोलॉजिकल एसोसिएशन फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट (MASTD), भारत और ग्लोरियस विजन यूनिवर्सिटी, नाइजीरिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सतत विकास के लिए माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "टेनरी कीचड़ से Cr के फाइटोएक्सट्रैक्शन में सक्षम डेक्टीलोक्टेनियम एजिप्टियम से राइजोस्फेरिक बैक्टीरिया समुदायों की विशेषता" विषय पर मौखिक प्रस्तुति।
- 24 अगस्त, 2024 को माइक्रोबायोलॉजिकल एसोसिएशन फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट (MASTD), भारत और ग्लोरियस विजन यूनिवर्सिटी, नाइजीरिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सतत विकास के लिए माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिस्टिलरी कीचड़ में मौजूद कार्बनिक और अकार्बनिक प्रदूषकों का पर्यावरणीय प्रभाव और उनकी उपचार रणनीति" विषय पर मौखिक प्रस्तुति।
- 65वें एएमआई सम्मेलन में ''प्रदूषित स्थलों की पर्यावरण–पुनर्स्थापना के लिए डिस्टिलरी कीचड़ पर उगने वाले कैनबिस सैटिवा और एलुसिन इंडिका की फाइटोरेमेडिएशन क्षमता और संवर्धन योग्य जीवाणु समुदायों के तुलनात्मक अध्ययन'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति।
- 65वें एएमआई सम्मेलन में ''चमड़े के कारखानों के कचरे से क्रोमियम के फाइटोएक्सट्रैक्शन में सक्षम डेक्टीलोक्टेनियम एजिप्टियम से संवर्धित और गैर–संवर्धित राइजोस्फेरिक जीवाणु समुदायों का लक्षण वर्णन'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति।
- आचार्य राम चंद्र ने 04 सितंबर, 2024 को आईएनएसए, नई दिल्ली में यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय द्वारा बीबीएयू के नोडल अधिकारी और अध्यक्ष के रूप में संस्थागत विकास कार्यक्रम (आईडीपी) पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

- आचार्य राम चंद्र ने 03–05 मार्च, 2024 को उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "नैक मान्यता और एआई संचालित डिजिटल लर्निंग के माध्यम से परिणाम आधारित शिक्षा" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- आचार्य राम चंद्र ने "माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबियल जेनेटिक्स और जीनोमिक्स ICMBMGG–24 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया और "डिस्टिलरी अपशिष्ट प्रदूषित स्थल के इको रेस्टोरेशन और मेटाजेनोमिक विश्लेषण के लिए एक अभिनव तकनीक के रूप में फाइटोरेमेडिएशन के साथ FeO और CuO नैनोकणों का एकीकरण" पर मुख्य वक्ता के रूप में एक व्याख्यान दिया, जो 05–06 जून, 2024 को डबलिन, आयरलैंड में आयोजित किया गया था।

आमंत्रित व्याख्यान

- आचार्य राम चंद्र (2024) ने गुरु जंबेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा द्वारा आयोजित भारतीय माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन (एएमआई) के 65वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "देशी पौधों की जीवाणु सहायता प्राप्त भारी धातु फाइटोएक्स्ट्रेक्शन क्षमता और डिस्टिलरी कीचड़ पर उगने वाले उनके हिस्टोलॉजिकल अवलोकनः पर्यावरण बहाली के लिए खतरनाक औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के इन–सीटू फाइटोरेमेडिएशन के लिए एक नया हरित प्रौद्योगिकी उपकरण" विषय पर दिनांक 15 नवंबर को, 14 से 17 नवंबर, 2024 के बीच आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- आचार्य राम चंद्र (2024) ने 22 अगस्त, 2024 को माइक्रोबायोलॉजिकल एसोसिएशन फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट (MASTD), भारत और ग्लोरियस विजन यूनिवर्सिटी, नाइजीरिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सतत विकास के लिए माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिस्टिलरी अपशिष्ट का बायोरेमेडिएशन'' पर आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- आचार्य राम चंद्र (2024) ने 22 अगस्त, 2024 को माइक्रोबायोलॉजिकल एसोसिएशन फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट (MASTD), भारत और ग्लोरियस विजन यूनिवर्सिटी, नाइजीरिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सतत विकास के लिए माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिस्टिलरी अपशिष्ट का बायोरेमेडिएशन'' पर आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. जय शंकर सिंह

- 25–27 जुलाई, 2025 को माया देवी विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड, भारत द्वारा आयोजित 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पारिस्थितिकी अनुकूल विकास के लिए कृषि, जैविक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में हालिया प्रगति (RAABASED–2025) में ''पारिस्थितिक CH_4 उत्सर्जन प्रबंधन और सतत चावल उत्पादन में धान की फसल विविधीकरण'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- ''सूक्ष्मजीवः अगली पीढ़ी की जलवायु लचीली कृषि के लिए एक नया आयाम'' विषय पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण सह पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 01 जनवरी, 2025 को चिंतामणि कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर, कर्नाटक और एईएसडी, भारत द्वारा आयोजित।
- 23–25 अक्टूबर, 2024 को उत्तरांचल विश्वविद्यालय देहरादून, उत्तराखंड, भारत के 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरणीय स्थिरता के लिए कृषि, इंजीनियरिंग, अनुप्रयुक्त और जीवन विज्ञान में हालिया प्रगति (RAAEALSES–2024)" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 01–03 मार्च, 2024, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड, भारत द्वारा आयोजित सतत विकास के लिए कृषि, जैविक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में वर्तमान दृष्टिकोण (CAABASSD–2024) विषय पर आयोजित 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''कृषि और पर्यावरणीय स्थिरता में सूक्ष्मजीवों का भविष्य'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. राम नरेश भार्गवा

- 24–29 मार्च, 2025 तक यूजीसी के शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के मालवीय मिशन के तहत मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), दक्षिण केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिहार (सीयूएसबी), गया, बिहार द्वारा आयोजित एक सप्ताह के अंतःविषय अल्पकालिक कार्यक्रम में "ज़ेनोबायोटिकः प्रकार, पर्यावरण और स्वास्थ्य खतरे और उपचार" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसका शीर्षक थाः जैव सूचना विज्ञान और जैविक अनुसंधान"।

डॉ. दिग्विजय वर्मा

- 14–17 नवंबर, एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया, 2024 के दौरान जीजेयूएसटी, हिसार में 'स्यूडोमोनास एरुगिनोसा सीएसपीएस4 के एक नए थर्मो–एसिडोफिलिक एल–एस्पैरजिनेज की विशेषता और स्टार्च आधारित खाद्य उत्पादों में एक्रिलामाइड क्षरण में इसकी प्रयोज्यता' पर एक मौखिक प्रस्तुति दी।

8.3.5.1 प्रक्रियाधीन पर्यवेक्षण–

- आचार्य राजेश कुमारः 05
- आचार्य रामचंद्रः 06
- डॉ. जय शंकर सिंहः 02
- डॉ. सुनीश कुमार पचथुंडिकंडीः 03
- डॉ. राम नरेश भार्गवाः 02
- डॉ. रवि कुमार गुप्ताः 03
- डॉ. दिग्विजय वर्माः 03

8.3.5.2 पीएचडी प्रदान की गई (2024–2025)

- आचार्य राजेश कुमारः 01
- आचार्य रामचंद्रः 03
- डॉ. रवि कुमार गुप्ताः 01
- डॉ. दिग्विजय वर्माः 01

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य

एम/एस सेवियर एनवायरोटेक, लखनऊ

- ड्रॉयिंग, डिज़ाइनिंग, इंजिनियरिंग, कन्स्ट्रक्शन, सप्लाइ, इन्स्टालेशन एण्ड एरेक्शन एण्ड कमिशनिंग ऑफ 5KLD एफ्ल्यूयेंट ट्रीटमेंट प्लांट एण्ड 80 KLD एसटीपी, रेलवे अस्पताल लखनऊ।

डॉ. आर.एन. भार्गवा

- ''एक साथ जैव–विद्युत उत्पादन के साथ कपड़ा उद्योग के अपशिष्ट जल से अवशिष्ट रंगों के प्रभावी क्षरण और विषहरण के लिए माइक्रोबियल ईंधन सेल (एमएफसी) कंसोर्टियम का विकास और अनुकूलन''।
- ''नदी प्रदूषण के पुनः उपयोग और रोकथाम के लिए जैव–संवर्द्धन और निर्मित आर्द्रभूमि उपचार प्रक्रिया के संयोजन द्वारा द्वितीयक उपचार के बाद पल्प पेपर मिल अपशिष्ट विषहरण प्रौद्योगिकी का विकास और प्रदर्शन''।

डॉ. रवि कुमार गुप्ता

- डेवेलपमेंट ऑफ नॉवेल बायोडेग्रेडबल नैनोफाइब्रस मैट्स फॉर रैपिड हीलिंग ऑफ डायबेटिक वाउंड इन्फेक्शन्स'', यूपी–सीएसटी 09–08–2024–08–08–2027 (बजटः15.36 लाख): पीआई।

डॉ. दिग्विजय वर्मा

- इन्वेस्टिगेटिंग द रोल ऑफ स्मोकलेस टोबॅको मेटाबोलाइट्स इन बायोफिल्म फॉर्मेशन एण्ड एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेन्स'', एएनआरएफ–सीआरजी अनुदान (बजटः 51.97 लाख): पीआई।
- ''माइक्रोब्स असिस्टेड रिकवरी ऑफ रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) फ्रॉम लैटेराइट बैडलैंड्स, कोल एण्ड लिग्नाइट माइन्स ओवरबर्डन'', एएनआरएफ–सीआरजी अनुदान (बजटः 40.35 लाख); को–पीआई।
- ''प्रोटोटाइप डेवेलपमेंट फॉर एक्रिलामाइड डेग्रडेशन इन स्टार्च–बेस्ड फ्राइड फूड प्रोडक्ट्स यूज़िंग थर्मोस्टेबल बैक्टीरियल एल–एस्पैरजिनेज'' यूपी–सीएसटी (बजटः 11.89 लाख) पीआई।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ

डॉ. जय शंकर सिंह

- उत्कृष्ट शोध उपलब्धि पुरस्कार–2023 (स्टैंडफोर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए के एक अध्ययन में दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में से एक) 26 जनवरी 2024 को।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	06
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	55
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	0
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	05
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	04
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	92
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	कुल छात्रों की संख्या	12
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	02
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	01
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	04
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	01
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	03
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	05

पर्यावरण विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय

पर्यावरण विज्ञान विभाग की स्थापना 1997 में पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत की गई थी। यह अंतर–विषयक ध्यान के साथ पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी. और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी, विष विज्ञान, पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जल संसाधन, पर्यावरण प्रदूषण निगरानी और नियंत्रण तथा पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) जैसे प्रमुख क्षेत्रों में शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों पर विशेष जोर देता है। 6 आचार्यो, 2 उपाचार्य एवं 2 सहायक आचार्य की एक समर्पित टीम के साथ, विभाग ने शोध में महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं, डीबीटी, डीएसटी, सीएसआईआर से प्रतिष्ठित परियोजनाएं प्राप्त की हैं, और आईआईटीआर, एनबीआरआई, और सीआईएमएपी जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के साथ मजबूत सहयोग है।

विभाग का सामर्थ्य

- शैक्षणिक मजबूतीः शैक्षणिक और उद्योग विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार पाठ्यक्रम के साथ सुव्यवस्थित एम.एससी. और पीएच.डी. कार्यक्रम।
- **अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्रः**

- राष्ट्रीय एजेंसियों (डीएसटी, डीबीटी, एसईआरबी, सीएसआईआर) से वित्त पोषित परियोजनाएं।
- 50 लाख रुपये के समर्थन के साथ डीएसटी–एफआईएसटी कार्यक्रम में शामिल होना।
- प्रतिष्ठित इंडेक्स्ड जर्नलों में प्रकाशन का मजबूत रिकॉर्ड।

- **संकाय विशेषज्ञता:** पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान, जलवायु परिवर्तन, विष विज्ञान, जैव–शोधन, ईआईए, पर्यावरण रसायन विज्ञान, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वायु प्रदूषण, आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले संकाय।
- **अवरसंरचना:** 05 सुसज्जित अनुसंधान प्रयोगशालाएं, 01 एम.एससी. लैब, विभागीय पुस्तकालय, स्मार्ट क्लासरूम, और फील्ड स्टेशन।
- **नवाचार और उद्यमिता:**
  - संस्थान की इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के तहत 3.5–स्टार रेटिंग के साथ मान्यता प्राप्त।
  - नवाचार, इनक्यूबेशन और उद्यमिता के लिए सक्रिय केंद्र (सीआईआईई)।

- **छात्र उपलब्धियाँ:** 27 से अधिक छात्रों ने नेट/जेआरएफ की योग्यता प्राप्त की, विस्तार गतिविधियों, क्षेत्र भ्रमण और शोध–प्रबंध आधारित अनुभवात्मक शिक्षा में नियमित भागीदारी।
- **विस्तार एवं पहुंच:** उन्नत भारत अभियान (मृदा पुनर्स्थापन, जैव उर्वरक वितरण, ग्राम संपर्क) और एक भारत श्रेष्ठ भारत सांस्कृतिक एकीकरण गतिविधियों में सक्रिय भूमिका।
- **सहयोग एवं संपर्क:** प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों (आईआईटीआर, एनबीआरआई, सीआईएमएपी) के साथ एमओयू।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

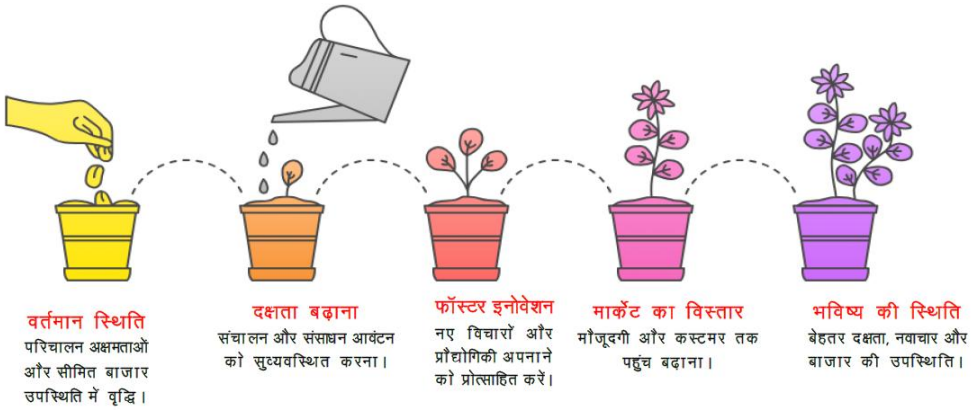

- **शैक्षणिक और पाठ्यक्रम विकास**
  - जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी, और सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीएस) में ऐड–ऑन/कौशल–आधारित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों का परिचय।
  - पाठ्यक्रम संवर्धन के लिए उद्योग–शिक्षण संस्थान सहयोग को मजबूत करना।
- **अनुसंधान और नवाचार**
  - डीएसटी, डीबीटी, एसईआरबी, और एमओई एफसीसी के तहत नए अनुसंधान प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण।
  - विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए एक पर्यावरण नवाचार हब की स्थापना।

- जल प्रबंधन, अपशिष्ट उपचार और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन में परामर्श सेवाओं का विस्तार।

- **छात्र सहायता और विकास**
  - प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं (नेट/जेआरएफ/यूपीएससी) के लिए कैरियर परामर्श कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना।
  - राष्ट्रीय स्तर की सम्मेलनों/सेमिनारों और उद्यमिता संमेलनों का आयोजन करना।
  - मार्गदर्शन और प्लेसमेंट के लिए पूर्व छात्रों के नेटवर्किंग को मजबूत करना।
- **संरचनात्मक ढांचा और सुविधाएं**
  - उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों (जीसी–एमएस, एएएस, आदि) के साथ प्रयोगशालाओं का विस्तार।
  - ई–संसाधनों के साथ विभागीय पुस्तकालय का डिजिटलीकरण।
  - अनुसंधान और नीति अध्ययन के लिए एक पर्यावरण डेटा केंद्र की स्थापना।
- **सामुदायिक संपर्क और विस्तार**
  - उन्नत भारत अभियान पहलों को बढ़ाना (जैविक उर्वरक उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन)।
  - टिकाऊ पर्यावरणीय प्रथाओं के लिए आस–पास के गांवों को गोद लेना।
  - जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण नियंत्रण और जैव विविधता संरक्षण पर जागरूकता अभियान आयोजित करना।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- प्रस्तावित एम.एससी. और पीएच.डी. पर्यावरण विज्ञान कार्यक्रम।
- पर्यावरणीय क्षेत्रों के लिए मानव शक्ति को प्रशिक्षित करने हेतु शैक्षणिक और उद्योग विशेषज्ञों के सुझावों से तैयार किया गया पाठ्यक्रम।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- विभाग की अंतःविषय प्रकृति, जिसमें पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, विष विज्ञान, ईआईए, जलवायु परिवर्तन आदि शामिल हैं।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

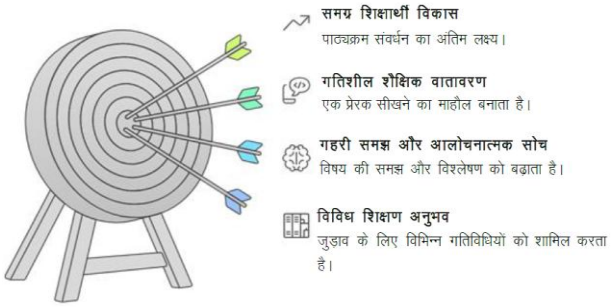

- क्षेत्र का दौरा (जैसे, कानपुर का बायोगैस संयंत्र)
- नैनो प्रौद्योगिकी, वायु प्रदूषण, सूक्ष्मजीव जैव प्रौद्योगिकी जैसे अत्याधुनिक विषयों पर सेमिनार, कार्यशालाएं, आमंत्रित व्याख्यान।
- पर्यावरण–संबंधी दिनों का उत्सव (विश्व पर्यावरण दिवस, आर्द्रभूमि दिवस, ओज़ोन दिवस, आदि)।

1.4 प्रतिक्रिया प्रणाली

- कोई स्पष्ट प्रणाली उल्लेखित नहीं है, लेकिन नियमित सेमिनार और छात्र बातचीत अप्रत्यक्ष रूप से योगदान करते हैं।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

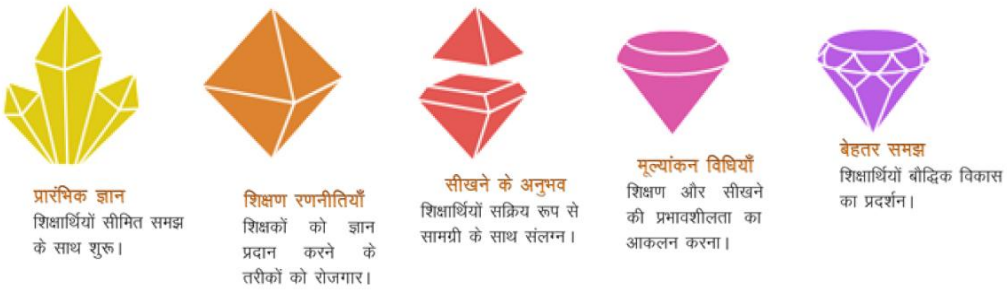

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- 41 परास्नातक छात्र, 15 शोध छात्र

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- व्यावहारिक वास्तविक–विश्व अनुभव के लिए स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शोध प्रबंध कार्य।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट क्लासरूम और फील्ड स्टेशन की सुविधाएँ।
- सेमिनार, कार्यशालाएँ, और अतिथि व्याख्यान।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

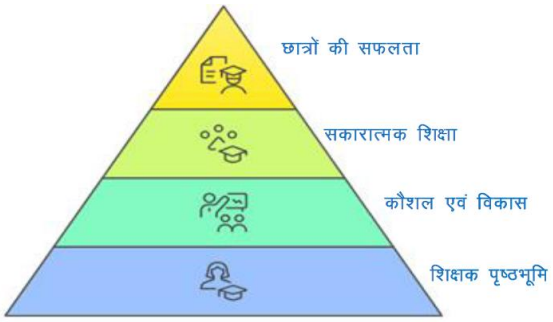

- 6 आचार्य, 2 उपाचार्य, 2 सहायक आचार्य, जिनकी विशेषज्ञता अलग–अलग क्षेत्रों में है।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शोध–प्रबंध आधारित मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम

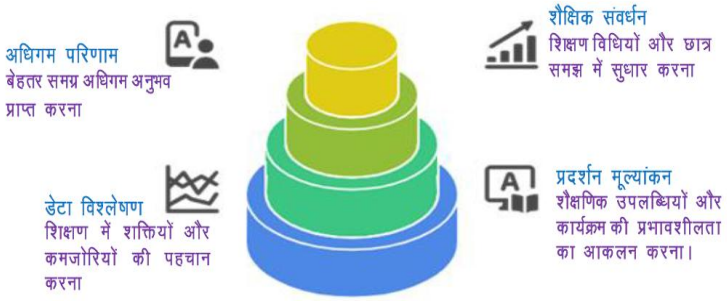

- पिछले 5 वर्षों में 27 से अधिक छात्रों ने नेट (यूजीसी/आईसीएआर/एआईसीटीई) में योग्यता प्राप्त की।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- दस्तावेज़ में स्पष्ट रूप से नहीं दिया गया है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- वित्त पोषित परियोजनाएँ (डीबीटी, डीएसटी, सीएसआईआर, आदि)।
- 50 लाख रुपये के वित्त पोषण के साथ एफआईएसटी कार्यक्रम में शामिल होना।
- शोध प्रयोगशालाएँ (05)।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- ''बायोचार और राइज़ोबैक्टीरिया,'' ''गोमती नदी में माइक्रोप्लास्टिक,'' आदि जैसे वित्त पोषित परियोजनाएँ।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- संस्थान की इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के तहत 3.5–स्टार रेटिंग के साथ मान्यता प्राप्त।
- नवाचार, इनक्यूबेशन और उद्यमिता के लिए सक्रिय केंद्र (सीआईआईई)।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में संकाय के कई प्रकाशन।
- अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार (जैसे, गंगा सम्मान, संपादकीय उत्कृष्टता पुरस्कार)।

3.5 परामर्शदाता

- भुगतान और निःशुल्क परामर्श परियोजनाएँ (उदाहरण के लिए, कुकरैल नदी का पुनरुद्धार, चित्रकूट जिला जलवायु–जोखिम अनुकूलन, आर्गो, जीआईजेड, सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, भूजल विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, डीसीएम, श्रीराम फाउंडेशन, वॉटर एड, इंडिया)

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- उन्नत भारत अभियान गतिविधियाँ (जैव उर्वरक वितरण, मिट्टी बहाली)।
- एक भारत श्रेष्ठ भारत छात्र भागीदारी।

3.7 सहयोग

- आईआईटीआर, आईआईटीके, एनबीआरआई, सीआईएमएपी के साथ एमओयू।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

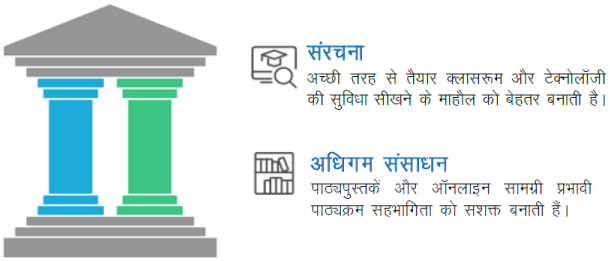

4.1 भौतिक सुविधाएं

- 01 एम.एस.सी. प्रयोगशाला, 05 अनुसंधान प्रयोगशालाएं, 01 स्मार्ट क्लासरूम, 01 फील्ड स्टेशन।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- विभागीय पुस्तकालय उपलब्ध।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी–सक्षम शिक्षण के साथ स्मार्ट क्लासरूम।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- एफआईएसटी कार्यक्रम के माध्यम से बेहतर बुनियादी ढांचा।

5. छात्र सहायता और प्रगति

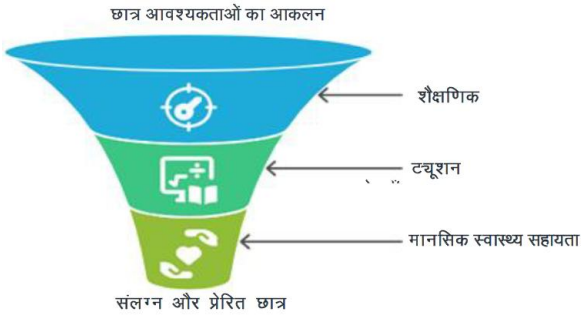

5.1 छात्र सहायता

- शोध–प्रबंध, प्रशिक्षण और अनुसंधान परियोजनाओं में छात्र लगे हुए है।

5.2 छात्र प्रगति

- नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण करने वाले, उच्च अध्ययन करने वाले, पीएच.डी. पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- बहस, निबंध, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में भागीदारी।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पेशेवर समाजों के सदस्य के रूप में उल्लेखित पूर्व छात्र (लेकिन दस्तावेज़ में सीमित विवरण)।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- उभरती पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करने की दृष्टि

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- अंतर–विषयक शिक्षण और अनुसंधान पर ध्यान

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- एफडीपी, आमंत्रित व्याख्यानों, संपादकीय बोर्डों, पुरस्कारों में संकाय की भागीदारी

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- डीबीटी, डीएसटी, एसईआरबी, आदि से अनुसंधान वित्त पोषण

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईआईसी, सीआईआईई, और अनुसंधान निगरानी में भागीदारी

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

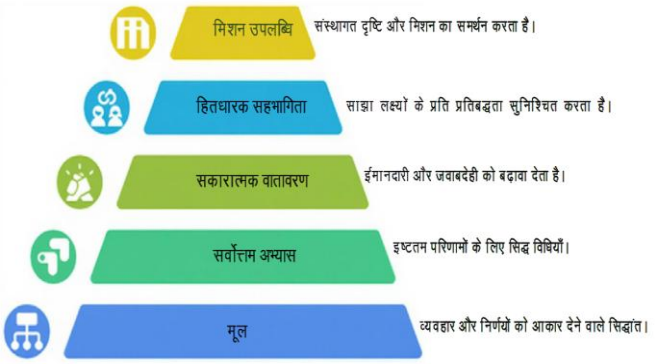

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- उन्नत भारत अभियान के तहत सामुदायिक सहभागिता (किसान प्रशिक्षण, गाँव के स्कूलों का दौरा)।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- पर्यावरण दिवसों का नियमित आयोजन (विश्व आर्द्रभूमि, ओज़ोन, आदि)।
- छात्रों के कौशल–निर्माण के लिए सप्ताहांत सेमिनार।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- पर्यावरणीय मुद्दों पर अंतःविषय अनुसंधान और परामर्श पर विशेष ध्यान।

8. संकाय प्रोफ़ाइलः

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य एस.के. द्विवेदी**
  वरिष्ठ आचार्य
  विशेषज्ञताः सूक्ष्मजीव विज्ञान, पारिस्थितिकी, पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः पर्यावरणीय और कृषि सूक्ष्मजीवी प्रौद्योगिकी
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **आचार्य शिखा**
  आचार्य और विभागाध्यक्ष
  विशेषज्ञताः पर्यावरण सूक्ष्मजीव विज्ञान, जैव–शोधन
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **आचार्य वेंकटेश दत्ता**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः पर्यावरण प्रबंधन, ईआईए, मॉडलिंग, जल संसाधन प्रबंधन
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **आचार्य नरेंद्र कुमार**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः पर्यावरण प्रदूषण, प्रभाव आकलन और जैव–शोधन
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. नंदकिशोर एस. मोरे**
  उपाचार्य
  जलवायु परिवर्तन और नीति अध्ययन
  योग्यताः एम.एससी., एम.फिल. पीएच.डी.
- **डॉ. राजेश सिंह**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः ऊर्जा वसूली के साथ जैविक अपशिष्ट का उपचार, प्रदूषण निगरानी और प्रबंधन, बायो इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम
  योग्यताः एम.एससी., एम.टेक., पीएच.डी.
- **डॉ. जीवन सिंह**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल और अपशिष्ट जल उपचार, नैनोमटेरियल्स का संश्लेषण और उनके अनुप्रयोग, कम्पोस्टिंग/वर्मिकम्पोस्टिंग, फाइटोरेमेडिएशन
  योग्यताः एम.एससी. एम.टेक., पीएच.डी.
- **डॉ. शैलेन्द्र कुमार यादव**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः शहरी वायु प्रदूषण, यातायात उत्सर्जन, सतत परिवहन, जल और अपशिष्ट जल उपचार, पर्यावरणीय प्रभाव
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा

- अध्यक्ष, संस्था की नवाचार परिषद (आईआईसी), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, नवाचार, उद्यम संवर्धन और उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- नोडल अधिकारी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) के उत्कृष्ट भारत अभियान कार्यक्रम।
- नोडल अधिकारी, 'एक भारत श्रेष्ठ भारत'।
- समन्वयक, फाउंडेशन कोर्स सेल (एमपीडीसी), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, एसडीजीएस समिति बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, ''माई भारत पोर्टल'' और ''विकसित भारत अभियान'' बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य डीआरसी समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बीपीजीएस समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- मुख्य संपादक, स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित 'एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी' (वेब ऑफ साइंस और साइंटिफिक साइटेशन इंडेक्स में सूचीबद्ध, प्रभाव कारकः 2.8)।
- संपादक, प्लांट पैथोलॉजी, वाइली द्वारा प्रकाशित (प्रभाव कारक 2.4)।
- श्रृंखला संपादक, स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित 'माइक्रोऑर्गनिज़्म्स फॉर सस्टेनेबिलिटी'।
- फेलो, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनवायरनमेंटल बोटनिस्ट्स (आईएसईबी), सीएसआईआर, एनबीआरआई।
- उपाध्यक्ष, पीएचएसएस फाउंडेशन, लखनऊ।
- आजीवन सदस्य, एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स (एएमआई), भारत।
- आजीवन सदस्य, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, कोलकाता, भारत।
- आजीवन सदस्य, एशियाई पीजीपीआर सोसायटी।
- आजीवन सदस्य, प्रोफेसर एचएस श्रीवास्तव फाउंडेशन, विज्ञान और समाज।
- आजीवन सदस्य, स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण सोसायटी, लखनऊ।
- अध्यक्ष, वन्यजीव संरक्षण सोसायटी, लखनऊ।
- सचिव, सोसाइटी फॉर एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी, लखनऊ।
- आजीवन सदस्य, भारतीय वनस्पति सोसायटी, रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली।
- आजीवन सदस्य, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ।
- विषय विशेषज्ञ, शोध परामर्श समिति, पर्यावरण विज्ञान विषय, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी।
- सदस्य, अध्ययन मंडल (बीओएस), सूक्ष्मजीव विज्ञान विषय, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
- सदस्य, अध्ययन मंडल (बीओएस), पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय।

- सदस्य, अनुसंधान डिग्री समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ।

आचार्य शिखा

- विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग 17 फरवरी 2025 तक।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, पर्यावरण विज्ञान विभाग, डॉ. आरएमएल अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के 31 मार्च 2025 तक
- सदस्य, अध्ययन बोर्ड, 31 मार्च 2025 तक डॉ. आरएमएल अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।

आचार्य वेंकटेश दत्ता

- राज्य जूरी सदस्य–उत्तर प्रदेश, सिटी ब्यूटी प्रतियोगिता, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली (2024)।
- सदस्य, छोटी नदियों और सहायक नदियों का नदी पुनरुद्धार, उत्तर प्रदेश सरकार (2022 से)।
- सदस्य, आईक्यूएसी, वास्तुकला और योजना संकाय, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ (2024 से)।
- सदस्य, आरडीसी, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ
- सदस्य, अध्ययन मंडल– लिबरल एजुकेशन, एरा यूनिवर्सिटी, लखनऊ (2024 से)।
- सदस्य, संस्थान की नवाचार परिषद (आईआईसी), एनआईपीईआर, रायबरेली, 2023 से।
- विभागाध्यक्ष, डीईएस, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ (फरवरी 2025 से)।
- अध्यक्ष, अनुसंधान कार्यक्रम, नीति विकास समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ (2024 से)।
- सदस्य, संस्थान की नवाचार परिषद (आईआईसी), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

आचार्य नरेंद्र कुमार

- सदस्य, तकनीकी कार्यक्रम समिति, पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान, अनुशंदन राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), नई दिल्ली
- सदस्य, सीनेट, राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर), रायबरेली, उत्तर प्रदेश

डॉ. नंदकिशोर एस. मोरे

- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बीपीजीएस, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बीयुजीएस, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, डीआरसी, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, इको क्लब, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

डॉ. राजेश सिंह

- सदस्य, क्रय समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- वार्डेन, अशोक छात्रावास, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- एनईपी समन्वयक, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए शिकायत निवारण समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

डॉ. जीवन सिंह

- सहायक निदेशक, अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी)।

- केंद्रीय जन सूचना अधिकारी, सीपीआईओ (आर एंड डी)।

डॉ. शैलेन्द्र कुमार यादव

- सदस्य स्कूल मंडल, एसईईएस, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, डीआरसी, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, क्रय समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- समन्वयक, आईक्यूएसी, प्लेसमेंट सेल, पर्यावरण विज्ञान विभाग।
- वार्डेन, आरसीए, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य एस.के. द्विवेदी

- गुप्ता एन, गुप्ता वी, द्विवेदी एसके, उप्रेती डीके., ''अंडरस्टैंडिंग फिज़ियोलॉजिकल, एलिमेंटल डिस्ट्रिब्यूशन एण्ड बायोएक्युमुलेशन रिस्पॉन्सेस ऑफ क्रस्टोज एण्ड फोलियोज लाइकेन इन द विसिनिटी ऑफ कोल–बेस्ड थर्मल पावर प्लांट, रायबरेली, उत्तर प्रदेश, भारत'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोरेमेडिएशन, खंड 27, संख्या 1, पृ. 57–73. जनवरी 2025।

आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा

- एगम्बरडीवा डी, एशबोएव एफ, जब्बारोव जेड, बोटिरोवा डी, नाज़रोव के, खामिदोव एम, अरोड़ा एनके, बेलिंगराथ–किमुरा एसडी., ''चैलेंजस एण्ड प्रॉस्पेक्ट्स फॉर ग्रेन लेग्यूम प्रोडक्शन इन उज़बेकिस्तानः ए रिव्यू'', एन्वाइरन्मेंटल ससटेनबिलिटी, वॉल्यूम 1, संख्या 1 मार्च 2025।
- ठाकुर टीके, पटेल डीके, ठाकुर ए, अरोड़ा एनके, ''एवॉल्यूयेशन ऑफ लैंड डेग्रेडेशन वल्नरबिलिटी इन कोल माइंड एरीयाज़ ऑफ मध्य प्रदेश, इंडिया यूज़िंग जीओस्पेशियल एण्ड एएचपी मॉडलिंगः ए 40–ईयर असेसमेंट एण्ड ईको–रेस्टोरेशन ऑफ डिग्रेडेड लैंडस्केप'', एन्वाइरन्मेंटल ससटेनबिलिटी, खंड 1, संख्या 8, पृ. 85–101, मार्च 2025।
- मिश्रा पी, मिश्रा जे, भारती सी, अरोड़ा एनके., ''सॉल्ट–टॉलरेंट स्यूडोमोनास ताइवानेंसिस पीडब्लूआर–1 मीडियेटेड ऑर्गेनिक एसिड प्रोडक्शन फॉर बायोफोर्टिफिकेशन ऑफ ज़िंक एण्ड रेड्यूसिंग फर्टिलाइज़र डिपेंडेन्सी इन व्हीट अंडर सेलीन कंडीशन्स'', जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन। खंड 44, पृ. 3348–3368, जनवरी 2025।
- अरोड़ा एन.के., मिश्रा आई., ''लाइफ ऑन लैंडः प्रोग्रेस, आउट्कम्स एण्ड फ्यूचर डाइरेक्शन्स टू अचीव द टार्गेट्स ऑफ एसडीजी 15'', एन्वाइरन्मेंटल ससटेनबिलिटी, खंड 7, पृष्ठ 369–375 संख्या 4 दिसंबर 2024।
- वर्मा पी, भट्टाचार्य ए, भारती सी, अरोड़ा एनके., ''एंटीफंगल मेटाबोलाइट्स प्रोड्यूस्ड बाइ स्यूडोमोनास हुनानेंसिस एसपीटी26 इफेक्टिव इन बायोकंट्रोल ऑफ फ्यूजेरियम विल्ट ऑफ लाइकोपर्सिकम एस्कुलेंटम अंडर सेलीन कंडीशन्स'', वर्ल्ड जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, खंड 40, संख्या 10, पृष्ठ 305, अक्टूबर 2024।
- अरोड़ा एनके, फातिमा टी., ''एन्वाइरन्मेंटल सस्टेनबिलिटी एण्ड बायोटेक्नोलॉजीः ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजस'', एन्वाइरन्मेंटल ससटेनबिलिटी, खंड 7 संख्या 2–पृष्ठ 115–9 जून; 2024।
- भारती सी, फातिमा टी, मिश्रा पी, वर्मा पी, भट्टाचार्य ए, अलयलर बी, अरोड़ा एनके., ''सॉल्ट–टॉलरेंट एंडोफाइटिक बैसिलस अल्टीट्यूडिनिस एनकेए32 विथ एसीसी डेमिनेज एक्टिविटी मॉड्यूलेट्स

फिजिकोकेमिकल मेकेनिजम्स इन राइस फॉर एडाप्टेशन इन सेलीन ईकोसिस्टम'', एन्वाइरन्मेंटल ससटेनबिलिटी, खंड 7 संख्या 2 पृष्ठ 231–49, जून 2024।

- अरोड़ा एन.के., मिश्रा जे., सिंह पी., फातिमा टी., ''सॉल्ट–टॉलरेंट प्लांट ग्रोथ–प्रमोटिंग स्यूडोमोनास अटाकामेंसिस के.एस.एस.–6 इन कंबिनेशन विथ ऑर्गेनिक मेनुर इनहैन्सेस राइस यील्ड, इम्प्रूव्स न्यूट्रियेंट कंटेंट एण्ड स्वायल प्रॉपर्टीज अंडर सेलिनिटी स्ट्रेस'', जर्नल ऑफ बेसिक माइक्रोबायोलॉजी, खंड 64 संख्या 6 पृ. 2300767, जून 2024।

आचार्य शिखा

- विश्वकर्मा डी, रावत एस, कन्नौजिया डी, शिखा, शुक्ला बी. ''एड्सॉर्प्शन ऑफ मैलाकाइट ग्रीन आंटू सोडियम एल्गिनेट/बेंटोनाइट (एसए/बीएनटी) नैनोकंपोजिटः आप्टिमिज़ेशन एण्ड मॉडलिंग वाया आरएसएम–डीएसडी एण्ड इनसाइट किनेटिक्स एण्ड मेकेनिज्म ऑफ एड्सॉर्प्शन'', अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज, खंड 17 संख्या 5 पृ. 152, मई 2024।
- अवस्थी एस, विश्वकर्मा डी, कन्नौजिया डी, गौर आर, शिखा एस., ''आइसोलेशन एण्ड कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ ड्राउट टॉलरेंट राइजोबैक्टीरिया फ्रॉम ड्राउट–प्रोन रीजन्स ऑफ सेंट्रल उत्तर प्रदेश, इंडिया एण्ड एवॉल्यूयेशन ऑफ इट्स ग्रोथ प्रमोशनल एक्टिविटीज इन टोमैटो प्लांट्स'', जैव रासायनिक एवं कोशिकीय अभिलेखागार, खंड 24 संख्या 1, पृष्ठ 3069, अक्टूबर 2024।
- विश्वकर्मा, डी, कन्नौजिया, डी, अवस्थी, एस, शिखा, ''रिमूवल ऑफ डाइ फ्रॉम रियल टेक्सटाइल वेस्टवॉटर यूज़िंग सोडियम एल्गिनेट एण्ड बेनटनाइट कम्पोजिट, जर्नल ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी पर्सेप्शन्स'', जर्नल ऑफ परसेप्शन वॉल्यूम 20 नंबर 6, पीपी. 4272–4280, 2024।
- अवस्थी एस, गौर आर., ''एसेसमेंट ऑफ ग्रोथ प्रमोशनल एक्टिविटीज इन टोमैटो (एल. एस्कुलेंटम) एण्ड चिल्ली (कैप्सिकम एनम) प्लांट्स अंडर ड्राउट थ्रू एजोटोबैक्टर स्टेन्स आइसोलेटेड फ्रॉम ड्राउट प्रोन एरीयाज'', बायोकेमिकल और सेलुलर अभिलेखागार खंड 24, संख्या 2, अक्टूबर 2024।
- दीपा कन्नौजिया, देवेश विश्वकर्मा, शिवांगी, अवस्थी, शिखा (2024) ''यूटिलाइज़िंग इंडिजेनस ट्राइकोडर्मा विरेन्स dk04 फ्रॉम सुकिंडा क्रोमाइट माइन फॉर इफेक्टिव सीआर (VI) डेटॉक्सिफिकेशनः ए प्रॉमिसिंग बायोरेमिडियेशन स्ट्रैटजी'', बायोकेमिकल और सेलुलर अभिलेखागार, 24(2) 2495–2505, डॉ. पीआर यादव, ई–आईएसएसएनः 0976–1772 पी–आईएसएसएनः 0972–5075 (DOI 10.51470/bca.2024.24.2.2495).
- कन्नौजिया डी, विश्वकर्मा डी, अवस्थी एस., ''यूटिलाइज़िंग इंडिजेनस ट्राइकोडर्मा विरेन्स डीके04 फ्रॉम सुकिंडा क्रोमाइट माइन फॉर इफेक्टिव सीआर (VI) डेटॉक्सिफिकेशनः ए प्रॉमिसिंग बायोरेमिडियेशन स्ट्रैटजी'', जैव रासायनिक एवं कोशिकीय अभिलेखागार, खंड 24, संख्या 2, अक्टूबर 2024।

आचार्य वेंकटेश दत्ता

- दुबे डी, टोप्पो के, कुमार एस, दत्ता वी., ''इंटेन्सिव एक्वाकल्चर अफेक्ट्स लेक'स ट्रॉफिक स्टेटस एण्ड एक्वाटिक फ्लोरल डाइवर्सिटी'', एन्वाइरन्मेंटल साइन्सः एड्वान्सेस, खंड 3, संख्या 11, पृ. 1628–42, 2024।
- दुबे डी, कुमार एस, दत्ता वी. ''ए सर्क्युलर इकोनॉमी अप्रोच फॉर सस्टेनबल वॉटर रियूज इन इंडियाः पॉलिसीज, प्रैक्टिसेस एण्ड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स'', एन्वाइरन्मेंटल ससटेनबिलिटी, वॉल्यूम 7 संख्या 3, पृ. 303–23, सितम्बर 2024।

आचार्य नरेंद्र कुमार

- भान सी, अनीता, कुमार एन., ''इम्पैक्ट्स एण्ड डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ माइक्रोप्लास्टिक्स इन डिफरेंट एन्वाइरन्मेंटल मेट्रिसेसः ए रिव्यू'', एन्वाइरन्मेंटल सस्टेनबिलिटी, वॉल्यूम 7, संख्या 2, पृ. 171–80, जून 2024।

- कुलसूम एम, कुमार एन., ''अप्लिकेशन ऑफ मॉडिफाइड माइन वेस्ट फॉर द सस्टेनबल मैनेजमेंट ऑफ फ्लोराइड इन ड्रिंकिंग वॉटर'', जर्नल ऑफ एडवांस्ड जूलॉजी। वॉल्यूम 45, संख्या 2, अप्रैल 2024।
- स्वैन एए, शर्मा पी, केसवानी सी, मिनकिना टी, तुक्कराजा पी, गधमशेती वी, कुमार एस, बौद्ध के, कुमार एन, शुक्ला एसके, कुमार एम, ''द एफीशियेंट अप्लिकेशन्स ऑफ नेटिव फ्लोरा फॉर फाइटोरेस्टोरेशन ऑफ माई टेलिंग्सः ए पैन–ग्लोबल सर्वे'', एन्वाइरन्मेंटल साइन्स एण्ड पॉल्यूशन रिसर्च, वॉल्यूम 31 संख्या 19 पृ. 27653–78, अप्रैल 2024।
- अनीता, कुलसूम एम, यादव ए.के., कुमार एम, रॉ के. पी., प्रसाद एस, कुमार एन., ''एक्युम्युलेशन एण्ड ट्रांसलोकेशन ऑफ हेवी मेटल्स इन हिबिस्कस कैनाबिनस ग्रोन इन टेनरी स्लज अमेंडेड स्वायल'', प्रकृति पर्यावरण एवं प्रदूषण प्रौद्योगिकी, खंड 23, संख्या 2, जून 2024।
- कुलसूम एम, अनीता, यादव ए.के., कुमार एम, रॉ के.पी., मिश्रा एस, कुमार एन., ''अप्लिकेशन ऑफ केमिकली मॉडिफाइड कोल माइन वेस्ट फॉर द सस्टेनबल मैनेजमेंट ऑफ फ्लोराइड इन ड्रिंकिंग वॉटर'', जर्नल ऑफ वॉटर केमिस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी, खंड 46 संख्या 3, पृ. 247–51, जून 2024।

डॉ. एन के एस मोरे

- गौतम आर.के., विथानागे एन., मोर एन., मुथुकुमारन एस., नवरत्न डी., '' बायोमीथेन रिकवरी परफॉर्मेन्स एण्ड माइक्रोबियल कम्यूनिटी डाइनेमिक्स ऑफ ए हाइ–बायोमास सबमर्ज्ड एन एमबीआर (एचबीएसएएनएमबीआर) ट्रीटिंग एबैटायर वेस्टवॉटर'', बायोकेमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, खंड 1, संख्या 205, पृ. 109275, मई 2024।

डॉ. राजेश सिंह

- रेनजू, सिंह आर., ''री–राउटिंग लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास फॉर द जेनरेशन ऑफ बायोएनर्जी एण्ड अदर कमॉडिटी फ्रैक्शनेशन इन ए (बायो) इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम टू ट्रीट सीवेज वेस्टवॉटर'', इंडस्ट्रियल क्रॉप्स एण्ड प्रोडक्ट्स, खंड 15, संख्या 222, पृ. 119664, दिसंबर 2024।
- रेनजू, सिंह आर., ''(बायो) इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टमः ए सिस्टमेटिक अप्रोच फ्रॉम एग्रिकल्चरल वेस्ट टू सीवेज वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट विथ न्यूट्रियेंट्स एण्ड हाइड्रोजन रिकवरी'', जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, खंड 10, संख्या 457, पृ. 142387, जून 2024।

डॉ. जीवन सिंह

- रावत एस, सिंह केआर, सिंह जे., ''सिंथेसिस ऑफ आयरन नैनोपार्टिकल्सयूज़िंग आयरन रिकवर्ड फ्रॉम रस्टः एन अप्लिकेशन फॉर द कैटलिटिक डेग्रेडेशन ऑफ फिनोल्स'', एन्वाइरन्मेंटल साइन्स एण्ड पॉल्यूशन रिसर्च, पृ., 1–5, 2025 फ़रवरी 25।
- सिंह, एस., सिंह, जे., 2024, ''वेस्ट मेटीरियल यूटिलाइज्ड ट्राइबोइलेक्ट्रिक इफेक्ट इंड्यूस्ड सेल्फ–हीलेबल एण्ड सेल्फ–पावर्ड सेसिंग ऑफ हज़ार्डस फ्लोराइड आयन्स इन ड्रिंकिंग वॉटर एण्ड इट्स रिमूवल विथ नॉवेल एडसॉर्बेंट'', मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस वॉल्यूम 41, पृ. 111061, 2024।
- कांत एम, यादव ए, रावत एस, सिंह जे, सेन एम., ''आप्टिमिज़ेशन बाइ द फुल फैक्टोरियल मेथड फॉर द रिमूवल ऑफ Cr (VI) यूज़िंग मेज़ कॉब हस्क'', रिएक्शन किनेटिक्स, मैकेनिजम्स एण्ड कैटलिसिस, वॉल्यूम खंड 137, संख्या 4, पृ. 2269–88, अगस्त 2024।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा

- पुस्तक का शीर्षक "माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनबल एग्रिकल्चर" माइक्रोवार्गेनिजम्स फॉर सस्टेनबिलिटी, ब्राहिम बौइज़ागर्ने, अरोड़ा एनके द्वारा खंड 2, स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन 978–981–97–2354–6, 2024।
- पुस्तक का शीर्षक "डेवलपमेंट एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी एण्ड बायोटेक्नोलॉजी'' बायोएक्टिव माइक्रोबियल मेटाबोलाइट्स स्कोप एण्ड चैलेंजेस, मिश्रा वी, मिश्रा जे और अरोड़ा एनके द्वारा एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित आईएसबीएनः 978–0–443–18568–7, DOI: 10.1016/C2022-0-00301-9,
- पुस्तक का शीर्षक "अप्लिकेशन्स ऑफ बेसिलस एण्ड बेसिलस डिराइव्ड जेनेरा इन एग्रिकल्चर, बाइयोटेक्नोलॉजी एण्ड बियांड" इन सीरीज माइक्रोवार्गेनिजम्स फॉर सस्टेनबिलिटी, 51 वी मागेश्वरन, सिंह यूबी, सक्सेना एके, सिंह एचबी, अरोड़ा एनके स्प्रिंगर द्वारा, आईएसबीएन 978–981–99–8197–7 के साथ, 2025, DOI: https://doi.org/10.1007/978-981-99-8195-3. 2025.
- पुस्तक का शीर्षक "माइक्रोबियल बायोकंट्रोलः मॉलीक्युलर पर्स्पेक्टिव इन प्लांट डिसीज़ मैनेजमेंट" इन सीरीस, माइक्रोवार्गेनिसम्स फॉर ससटेनबिलिटी, 49, बस्तास केके, कुमार ए, कुमार एसयू, अरोड़ा एनके संपादक द्वारा स्प्रिंगर द्वारा आईएसबीएन 978–981–99–3949–7, DOI: https://doi.org/10.1007/978-981-99-3947-3 के साथ प्रकाशित 2023 में
- पुस्तक का शीर्षक "एनारोब्स एंड वेस्ट कन्वर्जन टेक्नोलॉजीज, इन सीरीस माइक्रोवार्गेनिजम्स फॉर ससटेनबिलिटी 44, बाइ चेल्लियापन एस, कृष्णन एस, ज़म्बारे वी, अरोरा एनके, स्प्रिंगर द्वारा। आईएसबीएन 978–981–97–4158–8, DOI: https://doi.org/10.1007/978-981-97-4159-5 2024 में।

आचार्य वेंकटेश दत्ता

- पुस्तक का शीर्षक "सस्टेनबिलिटीः साइन्स, पॉलिसी, एण्ड प्रैक्टीस इन इंडिया'' सस्टेनबल डेवेलपमेंट गोल्स सीरीस, दत्ता, वी., घोष, पी. द्वारा स्प्रिंगर, केम द्वारा, आईएसबीएनः 978–3–031–50131–9, DOI: https://doi.org/10.1007/978-3-031-50132-6 2024 में

डॉ. जीवन सिंह

- पुस्तक का शीर्षक "ऑर्गेनिक सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंटः रोटरी ड्रम कंपोस्टिंग, जैन एमएस, सिंह, जे. , कलामढाद, एएस, प्रकाशक–पूंजी और स्प्रिंगर नेचर, आईएसबीएनः 978–3–031–81366–5 DOI: https://doi.org/10.1007/978-3-031-81366-5; प्रकाशितः 18 अप्रैल 2025।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन

आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा

- पुस्तक अध्याय शीर्षक "डायजोट्रोफ्स फॉर इनहैन्स्मेंट ऑफ प्रोडक्टिविटी ऑफ मेजर सीरील क्रॉप्स अंडर एबायोटिक स्ट्रेसेस इन माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर" वर्मा पी, भट्टाचार्य ए, भारती सी, अरोड़ा एनके द्वारा ''माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर'' पुस्तक में, स्प्रिंगर नेचर द्वारा आईएसबीएनः 978981972355536, DOI: 10.1007/978-981-97-2355-36. के साथ 2024 में प्रकाशित किया गया (पृष्ठ संख्या 131–158)।
- पुस्तक अध्याय शीर्षक "माइक्रोब–बेस्ड बायो स्टिम्युलेंट्सः लेटेस्ट डेवेलपमेंट्स एण्ड फ्यूचर पर्स्पेक्टिव्स इन माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनबल एग्रिकल्चर" भट्टाचर्या ए, मिश्रा पी, मिश्रा ई, अरोरा पी, अरोरा एनके, ''माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर'' पुस्तक में, स्प्रिंगर नेचर द्वारा आईएसबीएनः 978981972355536, DOI: 10.1007/978-981-97-2355-36. के साथ 2024 में प्रकाशित किया गया (पृष्ठ संख्या 29–54)।

आचार्य शिखा

- पुस्तक अध्याय शीर्षक ''फाइटोरेमेडिएशन ऑफ कंटेमिनेटेड वॉटर, इट्स मैकेनिजम्स, एण्ड एड्वान्स्मेंट्स'' देवेश विश्वकर्मा, दीपा कन्नौजिया, शिवांगी अवस्थी एण्ड शिखा द्वारा "फाइटोरेमेडिएशन" शीर्षक वाली पुस्तक में, स्प्रिंगर नेचर में आईएसबीएनः 978–3–031–60760–8 DOI: 10.1007/978-3-031-60761-5_2 के साथ 2024 में प्रकाशित (पृष्ठ संख्या 37–56)।

आचार्य वेंकटेश दत्ता

- पुस्तक अध्याय शीर्षक है "अंडरस्टैंड अर्बन फ्लडस, स्टेट ऑफ इंडिया'स एन्वाइरन्मेंट 2025" दत्ता, वी द्वारा विज्ञान और पर्यावरण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएनः 978–81–984866–0–8 2025 में (पृष्ठ सं. 338–345)।
- पुस्तक अध्याय शीर्षक "वॉटर सैक्चुवरीज, स्टेट ऑफ इंडिया'स एन्वाइरन्मेंट 2024" दत्ता, वी द्वारा विज्ञान और पर्यावरण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएनः 2024 में 978-81-946639-4-2 (पृष्ठ संख्या 321–323)।

आचार्य नरेंद्र कुमार

- पुस्तक अध्याय शीर्षक क्लाइमेट चेंज एण्ड इट्स इंपैक्ट इन वेटलैंड डाइनेमिक्स ऑफ साउथवेस्ट कोस्ट ऑफ इंडिया" पूजा तिवारी, नरेंद्र कुमार और बिस्वजीत ठाकुर (2024)।

डॉ. एन.के.एस मोरे

- पुस्तक अध्याय शीर्षक ''ए कंटिन्युअस सिस्टम ऑफ बायोफ्यूल प्रोडक्शन फ्रॉम माइक्रोएल्गल बायोमास" क्रिस्टीना सरन, अनुराधा देवी, गणेश दत्तात्रय सरताले भारती, लौज फर्नानाडो आर फरेरा, नंदकिशोर मोर और राम नरेश भार्गवा द्वारा "रीसेंट ट्रेंड्स एण्ड डेवेलप्मेंट्स इन एल्गल बायोफ्यूल्स एण्ड बायोरिफाइनरी" पुस्तक शीर्षक में स्प्रिंगर नेचर में आईएसबीएनः 978–3–031–52318–2 के साथ प्रकाशितः https://doi.org/10.1007/978-3-031-52319-9_4 2024 में (पृष्ठ संख्या 77–106)।
- अनुराधा देवी, क्रिस्टीना सरन, मीनाक्षी वर्मा गणेश दत्तात्रया सरताले भारती, लौज फर्नानाडो आर फरेरा, नंदकिशोर मोरे और राम नरेश भार्गवा द्वारा लिखित पुस्तक अध्याय शीर्षक "साइमल्टेनियस एक्सट्रैक्शन, सेपरेशन एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ बायोमॉलीक्युल्स फ्रॉम एल्गल बायोमॉस'' पुस्तक शीर्षक में, स्प्रिंगर नेचर में आईएसबीएनः 978–3–031–52318–2 डीओआई के साथ प्रकाशितः DOI: https://doi.org/10.1007/978-3-031-52319-9_4 2024 में (पृष्ठ संख्या 147–170)।

डॉ. राजेश सिंह

- पुस्तक अध्याय शीर्षक "प्रोडक्शन ऑफ ग्रीन हाइड्रोजन थ्रु फोटोकैटलिसिस'' कुमार, मनोज, सिंह, नीरज कुमार, कुमार, रूपलापारा शरत, सिंह, राजेश द्वारा अमेरिकन केमिकल सोसाइटी में प्रकाशित पुस्तक "एसीएस सिम्पोजियम सीरीज वॉल्यूम 1468" में आईएसबीएनः 9780841296701 DOI: 10.1021/bk-2024-1468.ch001 2024 में (पृष्ठ संख्या 1–24)।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा

- मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग, गृह विज्ञान विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 13–14 फरवरी, 2025 को आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला, चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन ''विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण" पर आयोजित किया गया।

- 18–20 मार्च 2025 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश में "एनएसीपी के तहत उन्नत सहकर्मी नेतृत्व दृष्टिकोण के माध्यम से रोकथाम को मजबूत करना" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 23/12/2024 से 27//12/2024 तक लखनऊ के बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के अर्थशास्त्र विभाग में आयोजित होने वाली कार्यशाला "शोध प्रस्ताव लेखन, बड़े पैमाने पर डेटा विश्लेषण और अकादमिक पेपर प्रकाशन" में "संपादक शोधकर्ता से क्या देख रहे हैं'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 2/8/2024 को एएसएसएस हॉल, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में स्प्रिंगर नेचर के सहयोग से करंट टाइम्सः लाइफ साइंस प्रोग्राम में रिसर्च पब्लिशिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 17–20 अप्रैल 2024 के बीच अंताल्या, तुर्की में आयोजित "प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में प्रगति पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICANAS 2024)" में मुख्य वक्ता।
- 12–15 नवंबर 2024 को राष्ट्रीय अनुसंधान विश्वविद्यालय, टीआईआईएएमई, ताशकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित पारिस्थितिकी, पर्यावरण और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओईईएसडी 24) में मुख्य वक्ता और सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य शिखा

- 24–25 मार्च 2025 के दौरान एसईआरबी, नई दिल्ली द्वारा समर्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ–226025, यूपी में रासायनिक विज्ञान में हरित और टिकाऊ दृष्टिकोण पर "राष्ट्रीय सम्मेलन" में एक तकनीकी सत्र में भाग लिया और अध्यक्षता की।

आचार्य वेंकटेश दत्ता

- "जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए जल निकायों और आर्द्रभूमि के प्रबंधन के लिए प्रकृति–आधारित समाधानों का उपयोग करना", भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बैंगलोर, जल चक्रीयता और स्थिरता के लिए प्रकृति–आधारित समाधानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 26–28 फरवरी, 2025 को आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- "पीपुल्स वरुणाः नदी के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव", आईआईटी–बीएचयू, वाराणसी, 31 जनवरी, 2025 में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।
- "जल–संवेदनशील शहररू शहरी जल संकट और नीतिगत प्रतिक्रियाएँ", 5वां भारत सार्वजनिक नीति नेटवर्क सम्मेलन, आईआईटी बॉम्बे, 7 दिसंबर, 2024 को आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 29 नवंबर, 2024, विहांग उत्सव, लखनऊ विकास प्राधिकरण, एलडीए, लखनऊ द्वारा आयोजित ''सतत पारिस्थितिकी तंत्र में आर्द्रभूमि की भूमिका'' विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 27 नवंबर, 2024 को 'नदी अधिकार और जिम्मेदारियाँ', बुधवार–पानी के लिए, आमंत्रित वक्ता।
- आमंत्रित वक्ता, "नदियाँ, नदी के किनारे और 'शहरी नदियाः नदी सातत्य पर पुनर्विचार", 25 अक्टूबर 2024, ट्रेड्स वार्ता, नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली।
- पैनलिस्ट, वेटलैंड्स फॉर लाइफ, मीडिया राउंड टेबल–मीडिया और सिविल सोसाइटी के बीच की खाई को पाटना सीएमएस, जीआईजेड और वन विभाग, यूपी, लखनऊ 13 सितंबर 2024 को आयोजित।
- आमंत्रित वक्ता, "वानिकी के माध्यम से नदी कायाकल्प का विज्ञान और कला," भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम), भोपाल, 28 अगस्त, 2024 को आयोजित।
- आमंत्रित वक्ता, "बाढ़ के मैदानों के अतिक्रमण से संबंधित चुनौतियाँ और समाधान", बाढ़ के मैदानों की सुरक्षा पर वेबिनार, विज्ञान और पर्यावरण केंद्र, नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 2024 को आयोजित।

- संसाधन व्यक्ति, "अनुक्रमण, प्रभाव कारक, उद्धरण और संदर्भ का महत्व", 'अनुसंधान पद्धति और प्रकाशन नैतिकता' पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, 24 अप्रैल, 2024 को आयोजित।
- आमंत्रित वक्ता, "टॉक शो", भूमि फेस्ट–2024, डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ में 23 अप्रैल 2024 को आयोजित।
- पैनलिस्ट, जल, ज़मीन, जंगल – भावी पीढ़ी के लिए एक सतत उपयोग पर पैनल चर्चा, पृथ्वी दिवस, बुनियादी विज्ञान विद्यापीठ, बीबीडीयू, लखनऊ, 22 अप्रैल 2024 को आयोजित।
- आमंत्रित व्याख्यान, "गंगा बेसिन में नदियों का पुनरुद्धारः कला और विज्ञान", वीआईटी–एपी विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश में 19 अप्रैल 2024 को आयोजित।
- आमंत्रित व्याख्यान, "लखनऊ में लैंडफिल साइटों का पर्यावरणीय मूल्यांकन", सीएसआईआर–आईआईटीआर, लखनऊ, 4 अप्रैल, 2024 को आयोजित।

देश के बाहर सम्मेलनों/सेमिनार/कार्यशाला में भागीदारी

- जल और जलवायु वैश्विक सम्मेलन 2024, 25–29 सितंबर 2024, मिल्वौकी, विस्कॉन्सिन, यूएसए।

डॉ. एन.के.एस. मोरे

- 26–31 जुलाई 2024 के दौरान भूविज्ञान विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया द्वारा आयोजित इसरो आपदा प्रबंधन सहायता क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत प्रायोजित बाढ़ जोखिम मूल्यांकन में पृथ्वी अवलोकन प्रौद्योगिकी पर एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया और बिहार के विशेष संदर्भ में।
- फ्यूचर यूनिवर्सिटी, बरेली, यूपी के सहयोग से पीएएआई–महर्षि दयानंद सरस्वती उत्कृष्टता पुरस्कार–2024 के तहत उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार प्राप्त किया। 5 दिसंबर 2024।
- 5 जून 2024 को ऑल इंडिया रेडियो पर एक व्याख्यान दिया विषयरू जीवन पर बदलते पर्यावरण का प्रभाव।
- 20 सितंबर 2024 को ऑल इंडिया रेडियो पर एक व्याख्यान दिया विषयरू जल संसाधनों पर बढ़ती आबादी का बढ़ता दबाव
- 5 नवंबर 2024 को ऑल इंडिया रेडियो पर एक व्याख्यान दिया विषयरू महासागरों पर पर्यावरण प्रदूषण का आसन्न खतरा।
- 17 फरवरी 2025 को ऑल इंडिया रेडियो पर एक व्याख्यान दिया विषयरू घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन की राष्ट्रीय नीति
- पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में डीएसटी–एसईआरबी वित्त पोषित परियोजना के तहत 31 जनवरी 2025 को आयोजित वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 15 फरवरी 2025 को संचार एवं व्यक्तित्व विकास पर डीएसीई कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- 1 मार्च 2025 को केबीसी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव एमएस द्वारा आयोजित यूएनएसडीजी के ढांचेः समकालीन समाज में सामाजिक विज्ञान की भूमिका पर राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतःविषय चुनौतियां पर मुख्य भाषण दिया।

डॉ. जीवन सिंह

- 6 फरवरी 2025 को आईपीआर कानूनी और नैतिक संबंधित समिति (आर एंड डी सेल), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता 2025 (यूपीसीएसटी द्वारा वित्त पोषित) पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. शैलेन्द्र कुमार यादव

- रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा 10 "12 जून, 2024 को प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में भू–स्थानिक तकनीकों (रिमोट सेंसिंग जीआईएस और जीपीएस) की भूमिका पर आयोजित एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 03 से 04 फरवरी, 2025 तक बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में "सरकारी ई–मार्केट प्लेस (जीईएम) और ई–प्रोक्योरमेंट" पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 24–26 फरवरी 2025 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, फिनिश मौसम विज्ञान संस्थान और आईआईटी मद्रास में साइप्रस संस्थान द्वारा आयोजित–अल्ट्राफाइन एरोसोल प्रक्रियाएं और शहरी जलवायु चरम सीमाओं की संख्यात्मक मॉडलिंग में पोस्टर प्रस्तुति (प्रायोजित) प्रस्तुत की।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य राणा प्रताप सिंह (सेवानिवृत्त)

- पवन कुमार, फॉर्मुलेशन ऑफ माइक्रोबियल इनोक्युलेंट एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन अपटेक–एसिमिलेशन ऑफ नाइट्रोजन इन व्हीट (ट्रिटिकम एस्टिवम एल.) कोरेस्पांडिंग टू कम्युनिकेशनल चेंजेस इन कन्ज्यूमर्स''।
- स्नेह लता, ''एसेसमेंट ऑफ इनहैन्स्ड स्वायल एण्ड क्रॉप बायोडाइवर्सिटी ऑन इकोनॉमिक एण्ड इकोलॉजिकल बेनिफिट्स ऑफ सस्टेनबल एग्रिकल्चर''।
- प्रदीप कुमार, ''हेवी मेटल कंटेमिनेशन ऑफ एग्रोइकोसिस्टम एण्ड रोल ऑफ प्लांट ग्रोथ प्रमोटिंग माइक्रोब (पीजीपीएम) इन बायोरेमिडियेशन ऑफ हेवी मेटल्स एण्ड ऑर्गनोफॉस्फेट पेस्टिसाइड" (पीएच.डी प्रस्तुत)।

आचार्य एस.के. द्विवेदी

- प्रियंका, ''रिमूवल ऑफ हेवी मेटल्स बाइ सेलेक्टेड मल्टी–मेटल टॉलरेंट फंजाइ आइसोलेटेड फ्रॉम टेनरी वेस्टवॉटर''।
- अश्वनी कुमार चौधरी, ''ग्रीन सिंथेसिस ऑफ नैनोपार्टिकल्स फ्रॉम प्लांट्सः इट्स अप्लिकेशन इन प्लांट पैथोजन मैनेजमेंट'' (पीएचडी प्रस्तुत)।

आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा

- प्रियंका वर्मा, ''एवॉल्यूयेशन ऑफ सॉल्ट टॉलरेंट फ्लोरोसेंट स्यूडोमोनैड्स फॉर एंटीबायोटिक्स प्रोडक्शन इन्वॉल्व्ड इन बायोकंट्रॉल ऑफ फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम एफ.एस.पी. लाइकोपर्सिकी कॉज़िंग विल्ट इन सोलेनम लाइकोपर्सिकॉन एल.'' (पीएचडी प्रस्तुत)।
- चंदा भारती, ''एवॉल्यूयेशन ऑफ सॉल्ट–टॉलरेंट एंडोफाइटिक डायज़ोट्रोफ़्स विथ एसीसी डेमिनेज एक्टिविटी फॉर इनहैन्सिंग द यील्ड ऑफ ओरिजा सातिवा एल. अंडर सेलीन कंडीशन्स'' (पीएचडी प्रस्तुत)।
- पल्लवी सागर, पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य।
- नरेंद्र परास्ते, पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य।
- कुमार अभिषेक, पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य।

आचार्य शिखा

- देवेश विश्वकर्मा, ''सिंथेसिस ऑफ बायोपॉलिमर–बेस्ड एड्सॉरबेंट्स एण्ड देयर अप्लिकेशन फॉर द रिमूवल ऑफ डाइज़ फ्रॉम टेक्सटाइल वेस्टवॉटर'' (पीएचडी प्रस्तुत)।

- दीपा कन्नौजिया, ''बायोरेमिडियेशन ऑफ Cr (VI) कंटेमिनेटेड वॉटर बाइ इंटीग्रेटिंग बायोचार एण्ड मेटल टॉलरेंट फंजाइ आइसोलेटेड फ्रॉम क्रोमाइट माइन्स'' (पीएचडी प्रस्तुत)।
- गौरव सिंह रौतेला, पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य

आचार्य वेंकटेश दत्ता

- भानु प्रताप, ''एसेसमेंट ऑफ वेस्टवॉटर इरिगेशन एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन प्लांट ग्रोथ पैरामीटर्स ऑफ सेलेक्टेड वेजिटेबल्स एण्ड सीरील्स क्रॉप्स''
- अनन्या जोशी, पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य।

आचार्य नरेंद्र कुमार

- मोनू कुमार, ''डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ हेवी मेटल्स एण्ड ऑर्गेनिक कंटेमिनएंट्स इन द वॉटर एण्ड सेडिमेंट्स ऑफ काली रिवर एण्ड देयर इफेक्ट्स ऑन एक्वाटिक लाइफ एण्ड ह्यूमन हेल्थकली''।
- कमलापत राय, ''अप्लिकेशन ऑफ बायोफ्यूल्स क्रॉप्स फॉर रेस्टोरेशन ऑफ स्वायल कंटेमिनेटेड विथ इंडस्ट्रियल वेस्ट''।
- सलोनी त्रिपाठी, पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य।
- शिवांगी शर्मा, पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य।

डॉ. एन.के.एस मोरे

- प्रवीण कुमार, पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य।

डॉ. राजेश सिंह

- सलेहान खातून, पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य।

डॉ. जीवन सिंह

- पूजा अडवानी, ''रिमूवल ऑफ एंटीबायोटिक्स फ्रॉम एक्वीयस सल्यूशन यूज़िंग बायोमास–बेस्ड सेलेक्टेड मेटीरियल्स''।
- सुश्री रोशनी बजाज, ''डेवेलपमेंट ऑफ कम्पोस्टिंग टेक्नीक्स फॉर ट्रीटमेंट ऑफ एक्वाटिक वीड्स''।
- निकिता कनौजिया, ''सिग्निफिकेन्स ऑफ प्रिट्रीटमेंट ऑफ लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास फॉर बायोगैस प्रोडक्शन'' (पीएचडी प्रस्तुत)।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी.

आचार्य आर.पी. सिंह

- दीप्ति, ''स्टडीज ऑन कंटेमिनेशन ऑफ हेवी मेटल्स ऑन माइक्रोबियल कम्यूनिटी स्ट्रक्चर ऑफ एग्रोइकोसिस्टम इन द विसिनिटी ऑफ लखनऊ (भारत) एण्ड एसोसीयेटेड एन्वाइरन्मेंटल हज़ाड्र्स''।
- सोनम गुप्ता, हारनेस्सिंग पोटेन्शियल ऑफ प्लांट ग्रोथ प्रमोटिंग माइक्रोब्स (PGPMs) फॉर ज़िंक एण्ड आयरन फॉर्टिफिकेशन इन पोटैटो (सोलनम ट्यूबरोसम एल.) एण्ड लेट्यूस (लैक्टुका सातिवा एल.) फॉर सस्टेनबल एग्रिकल्चर''।

आचार्य एस.के. द्विवेदी

- सुरेश कुमार, ''एसेसमेंट एण्ड केमिकल कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ एट्मॉस्फियरिक पर्टिक्युलेट मैटर इन लखनऊ सिटी, उत्तर प्रदेश''।
- अजय राज त्रिपाठी, ''मैनेजमेंट ऑफ मैक्रोफोमिना फेसियोलिना कॉज़िंग चारकोल रॉट डिसीज़ इन सोयाबीन क्रॉप''।

आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा

- प्रिया मिश्रा, ''सॉल्ट–टॉलरेंट फ्लोरोसेंट स्यूडोमोनैड्स फॉर द बायोफार्टिकेशन ऑफ व्हीट अंडर सेलीन कंडीशन''।
- अंकिता भट्टाचार्य, ''डाइवर्सिटी ऑफ बैक्टीरियल एंडोफाइट्स फ्रॉम ब्रैसिका जंसिया एल. एण्ड देयर प्लांट ग्रोथ प्रमोटिंग एट्रिब्यूट्स अंडर सेलीन कंडीशन्स''।

आचार्य वेंकटेश दत्ता

- दिव्या दुबे, ''ट्रॉफिक स्टेट्स ऑफ फ्रेशवॉटर लेक्स एण्ड देयर रिलेशन्शिप विथ एल्गे एण्ड मैक्रोफाइट्स''।
- काशिफा इकबाल, ''वेरियबल फ्लो रेजीम्स एण्ड देयर रोल इन डाइवर्सिटी ऑफ हैबिटेट्स एण्ड फिश कम्यूनिटी स्ट्रक्चर इन ए ट्रॉपिकल रिवर''।

आचार्य नरेंद्र कुमार

- माहिया कुलसूम, ''फ्लोराइड रिमूवल फ्रॉम ग्राउंडवॉटर बाइ एड्सॉर्प्शन टेक्नोलॉजी''।
- अनीता, ''फाइटोरेमेडिएशन पोटेन्शियल, प्लांट यील्ड एण्ड बायो–आयल प्रोडक्टिविटी ऑफ हिबिस्कस कैनाबिनस ग्रोन इन स्लज अमेंडेड स्वायल''।
- अनीत कुमार यादव, ईको–केमिकल हेल्थ एसेसमेंट ऑफ रिवर बसुही एण्ड ग्राउंडवॉटर क्वालिटी एवॉल्यूयेशन इन इट्स बेसिन, जौनपुर, उत्तर प्रदेश''।

डॉ. जीवन सिंह

- चंद्र भान, ''एवॉल्यूयेशन ऑफ सॉल्ट–टॉलरेंट एंडोफाइटिक डायज़ोट्रोफ़्स विथ एसीसी डेमिनेज एक्टिविटी फॉर इनहैन्सिंग द यील्ड ऑफ ओरिजा सातिवा एल. अंडर सेलीन कंडीशन्स''।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य

आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा

- ''नॉवेल बायोचार एण्ड राइजोबैक्टीरिया बेस्ड बायोइनोकुलेंट फॉर सस्टेनबल प्रोडक्शन ऑफ हेल्थी फूड फ्रॉम स्ट्रेस्ड एग्रो ईकोसिस्टम्स'', डीएसटी, नई दिल्ली, 2021–2024, 13.48 लाख।
- ''डेवेलपमेंट ऑफ ए रिसिलियेंट माइक्रोबियल प्रोडक्ट टू इन्हैन्स राइस यील्ड इन सेलीन स्वायल्स'', डीबीटी, बीआईआरएसी, 2022–24, 26.24 लाख।

आचार्य वेंकटेश दत्ता

- पीआई, रेस्टोरेशन प्लान ऑफ लोवर ऑर्डर स्ट्रीम्स एण्ड ट्रिब्यूटरीज इन द अपर गोमती रिवर बेसिन थ्रु नेचर–बेस्ड सल्यूशन्स (एनबीएस), नमामि गंगे, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार (प्रमुख परियोजना)।
- को–पीआई, डीएसटी एसटीआई हब परियोजना उत्तर भारत (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश) में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार (प्रमुख परियोजना)।

आचार्य नरेंद्र कुमार

- ''एन्वाइरन्मेंटल डाइनमिज्म ऑफ माइक्रोप्लास्टिक इन रिवर गोमती (ड्रेनिंग गंगा एल्यूवियल प्लेन): एन इंटीग्रेटेड अप्रोच टू आइडेंटिफाइ सोर्स, फेट, इफेक्ट्स एण्ड कंट्रोल स्ट्रैटजीस" 33,93,764/– लाख रुपये एसईआरबी, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
- "डेवेलपमेंट ऑफ 3–ई डीफ्लोरिनेशन असेंबली फॉर सस्टेनबल रिमूवल ऑफ फ्लोराइड फ्रॉम ड्रिंकिंग वॉटर", 33,64,240 रुपये की कुल निधि से पूरा हुआ, जिसका वित्तपोषण एसईआरबी, नई दिल्ली द्वारा किया गया।

आचार्य वेंकटेश दत्ता

- प्राप्त राशि के साथ भुगतान की गई परामर्शः चित्रकूट जिले, उत्तर प्रदेश, जीआईजेड भारत के लिए जल क्षेत्र में जलवायु–जोखिम सूचित अनुकूलन उपाय (5,60,000/–)।

ग्राहक के विवरण के साथ निःशुल्क परामर्शः

- फिज़िबिलिटी स्टडी ऑफ रिज्यूवेनेशन ऑफ कुकरेल रिवर, सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार।
- फ्लड प्लैइन ज़ोनिंग ऑफ स्मालर रिवर्स ऑफ उत्तर प्रदेश, सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार।
- स्यूयेज ट्रीटमेंट, पॉल्यूशन कंट्रोल एण्ड रिज्यूवेनेशन ऑफ कुकरेल रिवर, यूपी जल निगम, उत्तर प्रदेश सरकार।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ

आचार्य वेंकटेश दत्ता

- गंगा सम्मान 2025, स्वच्छ गंगा के लिए राज्य मिशन (एसएमसीजी), उत्तर प्रदेश सरकार

आचार्य नरेंद्र कुमार

- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा हाई इम्पैक्ट जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए मान्यता पुरस्कार।

डॉ. शैलेन्द्र कुमार यादव

- प्रकृति मित्र सोसाइटी फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ द्वारा पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2024।

आचार्य नवीन कुमार अरोड़ा

- पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिए "उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित आईसीओईईएसडी 24, 12–15 नवंबर 2024, ताशकंद, उज्बेकिस्तान।
- स्प्रिंगर नेचर द्वारा सम्मानित "संपादकीय उत्कृष्टता "संपादकीय पत्रिका में उनका उत्कृष्ट योगदान "पर्यावरणीय स्थिरता" एक संस्थापक ईआईसी के रूप में पारिस्थितिकी, पर्यावरण और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीओईईएसडी 24, 12–15 नवंबर 2024, ताशकंद, उज्बेकिस्तान में प्रस्तुत किया गया।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	28
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	09
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	07
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	12
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	43
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	09
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	05
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	02
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	06
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	04
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–

16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	01
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	01

शिक्षाशास्त्र विद्यापीठ

शिक्षाशास्त्र विद्यापीठ की स्थापना 21 वीं शताब्दी में देश में वर्तमान प्रवृत्ति के संदर्भ में शिक्षकों के सशक्तिकरण के संबंध में कौशल की कमी और बेरोजगारी की आवश्यकता को संबोधित करने के लिए किया गया है। जबकि सभी चरणों (नर्सरी, प्राथमिक, माध्यमिक, वरिष्ठ माध्यमिक, कॉलेज और तकनीकी और व्यावसायिक सहित विश्वविद्यालय) से शिक्षा के अनुशासन में परास्नातक डिप्लोमा, स्नातक, परास्नातक और पीएच.डी. से लेकर कार्यक्रमों को लागू करने के प्रयास चल रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार, शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार करने के लिए शिक्षक शिक्षकों और शोधकर्ताओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए शिक्षाशास्त्र विद्यापीठ के तहत 06 केंद्र स्थापित किए गए हैं। फिर से, कार्यक्रमों को डिजाइन करने और वितरित करने के लिए प्राथमिक संदर्भ बिंदु उद्योग की जरूरतों और मांगों के हिसाब से होना चाहिए। वर्तमान में, शिक्षक और शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम (सीपीडीटीटीईसी) के व्यावसायिक विकास केंद्र ने पहले ही अभिनव पाठ्यक्रम के तहत एम.ए. शिक्षा कार्यक्रम शुरू कर दिया है।

शिक्षा विभाग

विभाग का परिचय

शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्यापीठ के तहत स्थापित, भारतीय दर्शन और संस्कृति में निहित गतिशील, तकनीकी–प्रेमी, भविष्य–उन्मुख व्यक्तियों को तैयार करने के लिए समर्पित है। यह स्नातक, परास्नातक और पीएच.डी. प्रदान करता है। जिसे एनईपी 2020 कार्यक्रम के अनुसार पुनर्डिज़ाइन किया गया है, जिसमें अभिनव अध्यापन, अनुभवात्मक शिक्षण और अनुसंधान पर जोर दिया गया है।

सामर्थ्य

- अनुभवी और शोध उन्मुख संकाय।
- एनईपी 2020 के साथ पाठ्यक्रम।
- मजबूत अनुसंधान आउटपुट और वित्त पोषित परियोजनाओं।
- आईसीटी–सक्षम कक्षाओं और विभागीय प्रयोगशालाओं सहित सुविधाएं।
- शिक्षाविदों, अनुसंधान और सामुदायिक कार्यक्रमों में सक्रिय छात्र भागीदारी।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)



1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- भारतीय ज्ञान प्रणाली पर जोर देने के साथ एनईपी 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन और पुनर्गठित किया गया।
- कार्यक्रमों की पेशकश की: बी.एड., एम.ए. (शिक्षा), एम.एड., पीएच.डी. (शिक्षा)।
- अनुभवात्मक शिक्षण, भागीदारी अध्यापन, मिश्रित शिक्षण और सामुदायिक जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित करना।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- पाठ्यक्रम बहु–विषयक शिक्षा के लिए लचीलेपन के साथ बनाया गया है।
- सीबीसीएस प्रणाली और ऐच्छिक शामिल।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

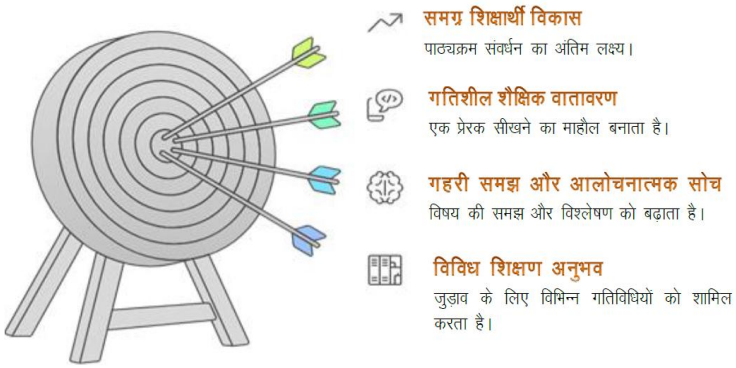

- आईसीटी, मूल्य शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा और स्वदेशी ज्ञान का एकीकरण।
- अतिथि व्याख्यान, विशेष व्याख्यान (उदाहरण के लिए, प्रो. केएम भंडारकर, अध्यक्ष, सीटीई द्वारा)।

1.4 प्रतिक्रिया प्रणाली

- पाठ्यक्रम सुधार के लिए छात्रों और संकाय से नियमित रूप से प्रतिक्रिया एकत्र की गई।
- एनईपी 2020 के तहत पाठ्यक्रम के नए स्वरूप में शामिल किया गया।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

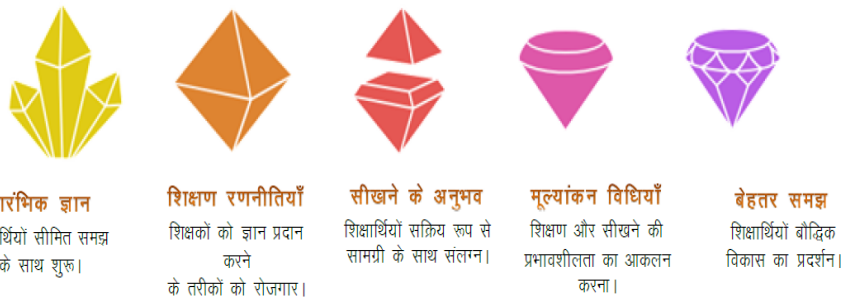

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्रः 227
- परास्नातक छात्रः 66
- पीएच.डी. छात्रः 20 + (संकाय के तहत पर्यवेक्षित)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए

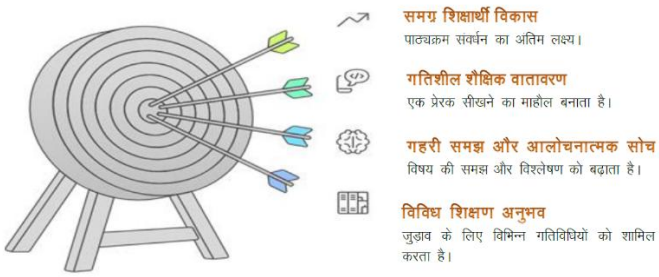

- विविधता पर जोर देने के साथ समावेशी दृष्टिकोण (आदिवासी शिक्षा, लैंगिक अध्ययन, आदि)।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और वंचित समूहों पर अनुसंधान।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- आईसीटी–सक्षम शिक्षण, अनुभवात्मक शिक्षण और कार्रवाई अनुसंधान सहित अभिनव अध्यापन।

- विभागीय गतिविधियों में सक्रिय छात्र भागीदारी।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

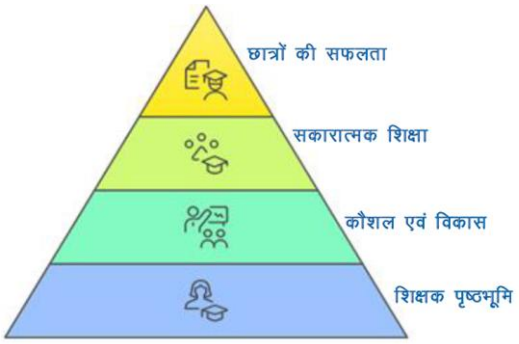

- संकाय की संख्याः 11 (आचार्य, उपाचार्य, सहायक आचार्य)।
- संकाय विशेषज्ञता में शिक्षक शिक्षा, आईसीटी, दर्शन, मनोविज्ञान, समावेशी शिक्षा, पाठ्यक्रम विकास, जनजातीय शिक्षा और अनुसंधान पद्धति शामिल हैं।
- सभी संकाय पीएच.डी. शोध और प्रकाशनों के साथ योग्य हैं।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- निरंतर मूल्यांकन के साथ आंतरिक और बाहरी मूल्यांकन।
- मूल्यांकन में एनईपी 2020 सुधारों को अपनाना।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- 93 बी.एड. और 20 एम.ए. छात्रों ने स्नातक किया।
- नेट उत्तीर्णः 05 छात्र।
- विद्यार्थियों का चयन शिक्षण और सरकारी नौकरी के लिए किया जाता है।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- सांस्कृतिक कार्यक्रमों, अनुसंधान भागीदारी और प्लेसमेंट के माध्यम से सकारात्मक छात्र भागीदारी परिलक्षित होती है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- शोध–उन्मुख परास्नातक और पीएच.डी. कार्यक्रम।
- कंप्यूटर और विभागीय प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- संकाय द्वारा आईसीएसएसआर और यूजीसी द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं।

3.7 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- कार्य अनुसंधान, स्वदेशी अनुसंधान और शिक्षा में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करना।

3.8 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- कुल प्रकाशनः 51 (36 राष्ट्रीय + 15 अन्तर्राष्ट्रीय)।

- संकाय ने यूजीसी केयर और अनुक्रमित पत्रिकाओं में किताबें, पुस्तक अध्याय और पेपर प्रकाशित किए।

3.5 परामर्शदाता

- प्रदत्त परामर्श और परियोजना आधारित कार्य (जैसे, एमओओसी, शैक्षिक नीति अध्ययन)।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- सामुदायिक आउटरीच, वृक्षारोपण अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- कार्यशालाओं और नीति से संबंधित गतिविधियों में भागीदारी।

3.7 सहयोग

- सम्मेलनों और संयुक्त परियोजनाओं के माध्यम से एनसीईआरटी, आईसीएसएसआर, यूजीसी और अन्य विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

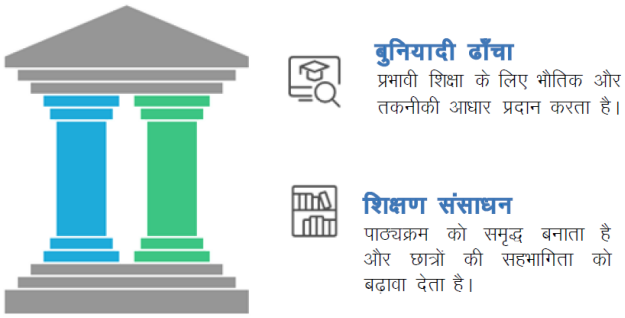

4.1 भौतिक सुविधाएं

- विभागीय कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, और सेमिनार हॉल।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीय विश्वविद्यालय पुस्तकालय और ई–संसाधनों तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी–सक्षम शिक्षण सुविधाएं और कंप्यूटर लैब।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय प्रशासन के माध्यम से नियमित रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति

5.1 छात्र सहायता

- मार्गदर्शन और परामर्श समर्थन उपलब्ध है।
- सह पाठयक्रम और विस्तार गतिविधियों में भागीदारी।

5.2 छात्र प्रगति

- 22 विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।
- विद्यापीठ में 12 छात्र कार्यरत हैं।
- उच्च शिक्षा शिक्षण पदों में 5 छात्र।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रमों (शिक्षक दिवस, गणतंत्र दिवस, विदाई, आदि) में भाग लेते हैं।
- वृक्षारोपण अभियान और सामुदायिक कार्यक्रम।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- उच्च अध्ययन और शिक्षण करियर कर रहे पूर्व छात्र; पेशेवर नेटवर्क बनाए रखने।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- समग्र शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी और भारतीय दर्शन को एकीकृत करने का दृष्टिकोण।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- एनईपी 2020 और राष्ट्रीय शैक्षिक नीतियों के साथ संरेखण।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- राज्य और राष्ट्रीय स्तर की समितियों में नामांकित संकाय।
- प्रशिक्षण, अभिविन्यास, और संवेदीकरण कार्यक्रमों में भागीदारी।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- आईसीएसएसआर, यूजीसी और परामर्श परियोजनाओं के माध्यम से अनुसंधान अनुदान जुटाए गए।
- आईक्यूएसी में संकाय और अनुसंधान भागीदारी।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- अकादमिक उत्कृष्टता के लिए नियमित समीक्षा और निगरानी।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- समावेशी शिक्षा और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों और वंचित समूहों पर जोर।
- महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और स्थिरता पर अनुसंधान।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- आईसीटी और अनुभवात्मक अधिगम का एकीकरण।
- एनईपी 2020 के साथ मिश्रित सीखने की प्रथाएं।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- शिक्षक शिक्षा और भारतीय ज्ञान प्रणाली पर जोर।

- राज्य और राष्ट्रीय शिक्षा नीति कार्यान्वयन में योगदान।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- डॉ. राज शरण शाही,
  आचार्य, विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष
  विशेषज्ञताः शैक्षिक प्रौद्योगिकी, शिक्षा का इतिहास, शिक्षा का समाजशास्त्र, शिक्षक शिक्षा, शिक्षा का अध्यापन
  योग्यताः पीएच.डी., एम.एड., एम.ए.।
- **आचार्य हरिशंकर सिंह**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः शिक्षक शिक्षा, दर्शनशास्त्र और शिक्षा का समाजशास्त्र, पर्यावरण शिक्षा, शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन, मार्गदर्शन और परामर्श आदि।
  योग्यताः एम.ए., एम.एड, पीएच.डी.।
- **डॉ. बी एस गुप्ता**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः शैक्षिक दर्शन, शैक्षिक अनुसंधान, शैक्षिक प्रशासन, माप और मूल्यांकन, योग शिक्षा, पाठ्यक्रम विकास आदि।
  योग्यताः एम.एड., परास्नातक–दर्शनशास्त्र एवं योगा, यूजीसी–नेट और पीएच.डी. इन एजुकेशन।
- **डॉ. सुभाष मिश्रा**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः पाठ्यचर्या विकास, शिक्षा का दर्शन हिंदी और सामाजिक अध्ययन और गुणात्मक अनुसंधान
  योग्यताः पीएच.डी., एम.एड., बी.एड., एम.ए. (राजनीति विज्ञान), एम.ए. (हिंदी), यूजीसी–नेट।
- **डॉ. विक्टोरिया सुसान इज्जिना,**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः विज्ञान, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी), मूल्य शिक्षा, समावेशी शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, मानव अधिकार, दार्शनिक और सामाजिक शिक्षा की नींव
  योग्यताः एम.एस.सी. (भौतिकी), एम.एस.सी. (मनोविज्ञान), एम.एड., पीएच.डी. यूजीसी नेट
- **डॉ. संगीता चौहान**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः अनुसंधान पद्धति, मापन और मूल्यांकन, शिक्षक शिक्षा, शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन, शैक्षिक प्रौद्योगिकी
  योग्यताः (गणित) एम.एड, एम.फिल, नेट, पीएच.डी. (शिक्षा)
- **डॉ. राजेश इक्का,**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः शिक्षा का समाजशास्त्र, शिक्षा का दर्शन, जनजातीय शिक्षा, लिंग अध्ययन, सामाजिक विज्ञान का शिक्षण।
  योग्यताः एम.एस.सी. (गणित), एमए (समाजशास्त्र), एमए (दर्शन), एमए (शिक्षा), एमएड, पीएच.डी. , पोस्ट डॉक्टरेट (आईसीएसएसआर, नई दिल्ली)
- **डॉ. ललिमा,**

सहायक आचार्य

विशेषज्ञताः मापन और मूल्यांकन, बाल विकास और अध्यापन, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, प्रायोगिक अनुसंधान

योग्यताः एमएससी, एमए, एमएड., पीएच.डी.

- **डॉ. विवेक नाथ त्रिपाठी**

  सहायक आचार्य

  विशेषज्ञताः विशेष शिक्षा, वाणिज्य की अध्यापन, नीति अनुसंधान, मनोविज्ञान मात्रात्मक अनुसंधान

  योग्यताः पीएच.डी., एम. कॉम, एम.एड., नेट, पीजीपीडी

- **डॉ. शिखा तिवारी**

  सहायक आचार्य

  विशेषज्ञताः शैक्षिक मनोविज्ञान, अंग्रेजी शिक्षण, आईसीटी, शिक्षक शिक्षा

  योग्यताः पीएच.डी., एम.एड., एम.ए., यूजीसी–नेट (जेआरएफ)

- **डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे**

  विशेषज्ञताः शिक्षा मनोविज्ञान, हिंदी शिक्षण, आईसीटी, योग, शिक्षक शिक्षा, मार्गदर्शन परामर्श

  योग्यताः पीएच.डी., एम.एड., बी.एड., एमए, यूजीसी–नेट

8.2 संस्थान के अंदर एवं बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–

आचार्य राज शरण शाही

- अध्यक्ष, स्कूल शिक्षा मंडल, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, अकादमिक परिषद, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपेन विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- सदस्य, अकादमिक परिषद, किसान पीजी कॉलेज, बहराइच (ए, स्वायत्त कॉलेज)।
- उत्तर प्रदेश में एनईपी–2020 के कार्यान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा संचालन समिति के नामित सदस्य।
- उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल द्वारा उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा परिषद के लिए नामित सदस्य।
- उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद द्वारा नियुक्त किए गए मेंटर जो एनएएसी के मूल्यांकन और प्रत्यायन के लिए एसएसआर की तैयारी के लिए हैं।
- सदस्य– शिक्षा संकाय मंडल, राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय अलीगढ़।
- सदस्य, आईक्यूएसी संचालन समिति, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, शिक्षाशास्त्र विद्यापीठ, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, शिक्षा और अंग्रेजी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य– अध्ययन मंडल, डीडीयू विश्वविद्यालय गोरखपुर।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, असम केंद्रीय विश्वविद्यालय, सिलचर।
- सदस्य–डीआरसी, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य– डीआरसी, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद।
- सदस्य, डीआरसी, तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम।
- सदस्य– आरडीसी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर मध्य प्रदेश।
- सदस्य– परीक्षक मंडल, दक्षिण बिहार गया केंद्रीय विश्वविद्यालय।

डॉ. सुभाष मिश्रा

- उप निदेशक, अनुसंधान और विकास।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति समन्वयक/विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी।
- सदस्य सचिव, एनईपी कार्यान्वयन समिति।
- सचिव, विश्वविद्यालय की एमओयू समिति।
- सदस्य, विश्वविद्यालय एनआईआरएफ समिति।
- सदस्य, दीक्षांत समिति।
- सदस्य, विश्वविद्यालय के नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई)।
- सदस्य सचिव, संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) समिति
- सदस्य संयोजक, शैक्षणिक कैलेंडर समिति
- सदस्य, यूजी/पीजी विनियमों का संशोधन/संशोधन।
- सदस्य, संशोधन/पीएच.डी. के संशोधन. नियम।

डॉ. संगीता चौहान

- सदस्य, संपादकीय मंडल ''एडी एडक्सियन जर्नल, त्रैमासिक बहुविषयक ब्लाइंड पीयर'' की समीक्षा की और रेफरी ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय जर्नल।
- प्रशासनिक वार्डेन, यशोधरा महिला छात्रावास।
- सहायक कुलानुशासक, कुलानुशासक मंडल।

डॉ. शिखा तिवारी

- वार्डन, यशोधरा महिला छात्रावास।
- सहायक छात्र अधिष्ठाता कल्याण रखरखाव (महिला)।
- सह–समन्वयक, फाइन आट्र्स क्लब, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विभागीय स्तर पर विभिन्न समितियों के समन्वयक/सदस्य।
- सदस्य, फाउंडेशन कोर्स सेल, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, प्रवेश समिति, शिक्षाशास्त्र विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बीईजीएस अंग्रेजी, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बीपीजीएस अंग्रेजी, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- समन्वयक, बीबीएयू लखनऊ एवं अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद के बीच।
- सदस्य, उन्नत भारत अभियान समिति।
- सदस्य, मानव मूल्य समिति।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य राज शरण शाही

- शंकर बैरागी और आचार्य राज शरण शाही, 30 दिसंबर, 2024–5 जनवरी, 2025, विश्व गुरु भारतः आज़ादी के 78 साल पर विचार, यूनिवर्सिटी न्यूज़, हायर एजुकेशन का एक वीकली जर्नल, एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज़, वॉल्युम 62 संख्या 53, पेजः 3–10।
- दिगपिजसनाथ, आचार्य राज शरण शाही, दिसंबर 2024 राजकीय शिक्षा नीति में स्व के जागरण के प्रयास और महंत दिग्विजयनाथ, विकसित भारत अंक पेजः 63–65।
- डॉ. विनोद कुमार यादव, आचार्य राज शरण शाही, दिसंबर 2024, एलएमए इंटर नेशनल पीयर रिव्यू रेफर्ड जर्नल माध्यमिक शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन उत्तर

प्रदेश के विशेष संदर्भ में इम्पैक्ट फैक्टरः 6.875 एक इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड रेफरीड रिसर्च जर्नल, इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ़ कंटेम्पररी रिसर्च, वॉल्यूम 11, नंबर 12.1, दिसंबर, 2024।

- विवेक नाथ त्रिपाठी और राज शरण शाही, 25–26 फरवरी, 2025, इंडियन क्लासरूम में कल्चरल और सोशल सेंसिटिविटीः एक ग्लोबल नज़रिया, आईएसएसएन नंबर 0566–2257 एआईयू सेंट्रल ज़ोन वाइस चांसलर्स मीट–2025 के मौके पर ग्लोबलाइज़ेशन और इंटरनेशनलाइज़ेशन पर स्पेशल इश्यू, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (डीम्ड–टू–बी यूनिवर्सिटी) द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित किया गया।

आचार्य हरि शंकर सिंह

- जायसवाल, सोनाली और सिंह, एच. (2024), ट्रेनिंग द स्टूडेंट्स टू बी अप स्टैंडर्स नोट जस्ट बाई स्टैंडस''यूनिवर्सिटी न्यूज़ः उच्च शिक्षा की एक साप्ताहिक पत्रिका; (वॉल्यूम 62, अंक 21, 20–26 मई, 2024). एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज़। आईएसएसएन–0566–2257।
- जायसवाल, सोनाली और सिंह, एच. (2024)। एन एटिट्यूड ऑफ बी.एड. ट्रेनीज ऑन बुलईयिंगः ए स्टडी ऑफ टू सेंट्रल यूनिवर्सिटीज लोकेटेड इन उत्तर प्रदेश'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (ष्श्रब्ज्) (वॉल्यूम 12, अंक 4, अप्रैल 2024), आईएसएसएन 2320–2882।
- कुमार, ए. और सिंह, एच. (2024)। ''मुसहर समुदाय की सामाजिक और शैक्षिक स्थितिः गाज़ीपुर ज़िले के विशेष संदर्भ में''। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस इन्वेंशन (IJHSSI). वॉल्यूम 13, अंक 4, अप्रैल 2024, पृष्ठ 60–66, आईएसएसएन (ऑनलाइन): 2319–7722, आईएसएसएन (प्रिंट): 2319–7714. डीओईः 10.35629/7722–13046066।
- रश्मि और सिंह, एच. (2024), ''रीइमेजिंग हाइयर एजुकेशन थ्रू एक्सपीरियेन्शियल लर्निंग'' इन जीनियस (वॉल. XIII, इश्यू I, अगस्त–जनवरी 2024–2025, पृष्ठ 29–37), अजंता प्रकाशन। आईएसएसएन –2279–0489।
- रश्मि और सिंह, एच. (2024), ''द इन्फ्लुयेन्स ऑफ एक्सपीरियेन्शियल लर्निंग ऑन यूथ मेंटल हेल्थः ए होलिसटिक अप्रोच'', अफ्रीकन जर्नल ऑफ़ बायोमेडिकल रिसर्च वॉल्यूम 27(4एस), नवंबर 2024; 3078–3082, आईएसएसएन 1119–5096। https://doi.org/10.53555/AJBR.v27i4S.4153
- रश्मि और सिंह, एच. (2024), ''द रोल ऑफ टीचर्स एक्सपीरियेन्शियल लर्निंग इन प्रमोटिंग देयर पर्सनल एण्ड प्रोफेशनल डेवेलपमेंट'', अजंता (वॉल्युम XIII, अंक III, जुलाई–सितंबर 2024)। अजंता प्रकाशन, आईएसएसएनः 2277–5730।
- रश्मि और सिंह, एच. (2024), द रोल ऑफ इंडिविजुयल्स इन एन्वाइरन्मेंटल प्रोटेक्शन थ्रू एक्सपीरियेन्शियल लर्निंग'' अजंता (खंड XIII, अंक IV, अक्टूबर–दिसंबर 2024), अजंता प्रकाशन, आईएसएसएनः 2277–5730।
- रस्तोगी, श्रुति कीर्ति और सिंह, एच. (2024), इंक्लूसिव एजुकेशन इन फोकसः अड्रेसिंग द एजुकेशनल नीड्स ऑफ विजुवली इम्पेयर्ड स्टूडेंट्स अंडर एनईपी 2020'', लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल (खंड 44, संख्या 3, जुलाई–दिसंबर 2024, पृष्ठ 21504–21513). आईएसएसएनः (प्रिंट) 0970–1052; आईएसएसएनः (ऑनलाइन) 2320–317X।
- रस्तोगी, एस.के. और सिंह, एच. (2024), ओवर व्यू ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी, 2020 इन द कंटेक्स्ट ऑफ इंक्लूसिव एजुकेशन'', संशोधक (खंड 02, जून 2024). आई.वी.के. राजवाड़े संशोधन मंडल, आईएसएसएनः 2394–5990।
- रस्तोगी, एस.के. और सिंह, एच. (2024), ''असिस्टिव टेक्नोलॉजी फॉर मल्टिपल डिसाबिलिटीज विथ विजुयल इम्पेयरमेंट स्टूडेंट्स इन इंक्लूसिव एजुकेशन रिगार्डिंग नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020ः ए रिव्यू'' भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका (खंड 43, संख्या 2, जुलाई–दिसंबर 2024, पृष्ठ 01–08), भारतीय शिक्षा शोध संस्थान, आईएसएसएनः 0970–7603।

- रस्तोगी, एस.के. और सिंह, एच. (2024), इंटीग्रेटिंग कम्प्रेहेन्सिव असेसमेंट एण्ड इंटरवेन्शन स्ट्रैटजीस फॉर स्टूडेंट्स विथ स्पेशल नीड्सः ए केस स्टडी एनॉलिसिस अलाइंड विथ एनईपी 2020'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च कल्चर सोसाइटी (खंड 08, अंक 37, नवंबर 2024)। आईएसएसएनः 2456–6683।
- शर्मा, त. और सिंह, भ. (2024), ''रोल ऑफ योगा टू डेवेलप ए पॉज़िटिव सेल्फ–कॉन्सेप्ट इन स्कूल गोयिंग गर्ल्सः ए रिव्यू'' जीनियस (खंड XIII, अंक I, अगस्त–जनवरी 2024–2025, पृष्ठ 48–53)। अजंता प्रकाशन। आईएसएसएनः 2279–0489।
- हलाप्पा, छ.ळ. और सिंह, भ. (2025). एविडेन्स–बेस्ड योगा थेरेपी एज मोनो ओर अड्ज्यूवेंट थेरपी फॉर मेजर डिप्रेसिव डिसॉर्डरः ए नरेटिव लिटरेचर रिव्यू'', अफ्रीकन जर्नल ऑफ़ बायोमेडिकल रिसर्च, खंड 28, अंक 15, जनवरी 2025; 1460–1468, आईएसएसएनः 1119–5096। https://doi.org/10.53555/AJBR.v28i1S.6453
- रश्मि और सिंह, एच. (2025), फ्रॉम थियरी टू प्रैक्टीसः एक्सपीरियेन्शियल लर्निंग फॉर सस्टेनबल एंट्रेप्रेन्योरशिप'' अजंता (खंड XIV, अंक I, भाग III, जनवरी–मार्च 2025)। अजंता प्रकाशन। आईएसएसएनः 2277–5730।
- रश्मी और सिंह, एच. (2025)। ''ट्रॉन्सफॉर्मिंग जेंडर पैराडाइम्सः एक्सपीरियेन्शियल लर्निंग स्ट्रैटजीस इन द डिजिटल ऐज'', अजंता (खंड XIV, अंक I, भाग I, जनवरी–मार्च 2025)। अजंता प्रकाशन, आईएसएसएनः 2277–5730।
- रश्मी और सिंह, एच. (2025), ''ग्रामीण पर्यटन और उद्यमिताः रोजगार, स्वरोजगार, और, अनुभवात्मक शिक्षा एक सहक्रियात्मक अध्ययन'' शोध धारा (विशेष खंड, जनवरी–मार्च 2025, पृष्ठ 46–51)। शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई (जालौन) उ.प्र. आईएसएसएनः 0975–3664।
- रश्मी और सिंह, एच. (2025)। ''प्रोफेशनल डेवेलपमेंट ऑफ टीचर ट्रेनीज थ्रू एक्सपीरियेन्शियल लर्निंग'', रिसर्च स्ट्रीम वॉल्यूम. 02, अंक 01, अप्रैल 2025। ई आईएसएसएन 3049–2610।

डॉ. बी. एस. गुप्ता

- कुमार, एम. और गुप्ता, बी. एस. (मार्च, 2025), ''भारतीय संस्कृति, त्योहार एवं ग्रामीण पर्यटनः एक अध्ययन'', शोध धारा, एक यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल वॉल्यूम 01, पृष्ठ 380–386, मार्च। 2025, आईएसएसएनः 09753664.

डॉ. सुभाष मिश्रा

- ज़फ़र इक़बाल, डॉ. सुभाष मिश्रा (2024), ''प्रॉब्लम्स एण्ड प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ एजुकेशन एमांग गुज्जर पास्टरलिस्ट स्टूडेंट्स ऑफ राजौरी डिस्ट्रिक्ट ऑफ जम्मू एण्ड कश्मीर इन सोशल साइन्स एण्ड ह्यूमनिटीज इंटरनेशनल, सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज़ इंटरनेशनल'', एक अंतर्राष्ट्रीय बहु–विषयक, पीयर–रिव्यूड जर्नल, आईएसएसएनः 2581–7965, वॉल्यूम 02, अंक–01 जून 2024, पृष्ठ–10–18।
- ज़फ़र इक़बाल, डॉ. सुभाष मिश्रा। (2024), ''कननड्रम्स ऑफ लैंग्वेज कम्यूनिकेशन एमांग गुज्जर पास्टरलिस्ट्स स्टूडेंट्स ऑफ राजौरी डिस्ट्रिक्ट ऑफ जम्मू एण्ड कश्मीर इन डायलॉग'', त्रैमासिक यूजीसी–अनुमोदित जर्नल, आईएसएसएनः 0973–0095, वॉल्यूमः 26, अंक–01 जुलाई–सितंबर 2024, पृष्ठ–82–94।
- त्रिपाठी, एन., और मिश्रा, एस. (2024), ''प्रिपेयरिंग टीचर्स फॉर टुमॉरोः प्रोफेशनल डेवेलपमेंट इन ए डिजिटल वर्ल्ड'' रिसर्च रिव्यू, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टिडिसिप्लिनरी, दिसंबर 2024, वॉल्यूम 9(12), 325–334, https://doi.org/10.31305/rrijm.2024.v09.n12.041
- चौधरी, नेहा और मिश्रा, सुभाष (2024), कनेक्टिंग द डॉट्सः स्टेम एण्ड द मल्टिडिसिप्लिनरी अप्रोच इन भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका, एक पीयर–रिव्यूड जर्नल, आईएसएसएनः 0970–7603, वॉल्यूम 43, नंबर 2, जुलाई–दिसंबर 2024 (यूजीसी–केयर लिस्टेड जर्नल) पृष्ठ–587–593।

- मिश्रा, सुभाष (2025)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के परिप्रेक्ष्य, मुद्दें एवं चुनौतियां, राष्ट्रधर्म में, आईएसएसएनः 2581–6179, वर्ष/खंड 78, अंक–06, जनवरी 2025. पृष्ठ–11–14।

डॉ. विक्टोरिया सुसान इजिना

- पांडे, एन और इजिना, वी.एस., "मेंटल हेल्थ एण्ड यूडेमोनिक वेल–बीयिंग इन डिजिटल ऐज'', बायोस्कैन, खंड 19, अंक 2, 131–134, 2024, आईएसएसएनः 0973–7049. वेब ऑफ़ साइंस।
- अग्निहोत्री, एच और इजिना, वी.एस., "वेस्टर्न फिलॉसफीस फ्रॉम प्लेटोनिज्म टू एग्ज़िस्टेन्शियलिज्मः ए स्टडी ऑफ पर्पज इन लाइफ" शोध–समीक्षा, खंड XIV, अंक 1, 124–130, आईएसएसएनः 2249–5045, यूजीसी केयर।
- अग्निहोत्री, एच और इजिना, वी.एस., "स्ट्रेस मैनेजमेंट विथ मेटा कॉग्निटिव अवेयर्नेस" टुवर्ड्स एक्सीलेंस, खंड 16, अंक 1, आईएसएसएनः 0974–035X, यूजीसी–एचआरडीसी, गुजरात विश्वविद्यालय।
- पांडेय, छ और इजिना, वी.एस., "रेमीफिकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी ऑन मेंटल हेल्थः एक्सप्लोरिंग यूडेमोनिक वेल–बीयिंग" अजंता, वॉल्यूम XIII, अंक IV, अक्टूबर–दिसंबर 2024, 100–108, आईएसएसएनः 2277–5730।
- अग्निहोत्री, एच और इजिना, वी.एस., "एक्सप्लोरिंग द इंटरडेपेंडेन्स ऑफ मेटाकॉग्निशन इन टीचिंग लर्निंग प्रोसेस", रबीन्द्र भारती पत्रिका, वॉल्यूम XXVII, नंबर 10, 72–76, आईएसएसएनः 0937–0037, यूजीसी केयर।
- पांडेय, एन और इजिना, वी.एस., "भारतीय लोकाचार लोक कलाएं और ग्रामीण पर्यटन के बीच अंतर संबंधों का अध्ययन" शोध धारा, विशेष खंड, जनवरी से मार्च, 339–344, आईएसएसएनः 0975–3664, यूजीसी केयर।
- श्रेया और इजिना, वी.एस., "द जनेसिस ऑफ माइक्रो–क्रेडेन्शियल्स एण्ड एनईपी 2020ः ए सिस्टमेटिक ओवरव्यू'' द सोशल साइन्स रिव्यू, एक बहु–विषयक जर्नल, वॉल्यूम 3, अंक 3, 139–143, आईएसएसएनः 2584–0789।
- पांडेय, एन और इजिना, वी.एस., "कल्चरल आइडेंटिटी एण्ड वेल बीयिंग ऑफ एडोलेसेंट्सः ए कम्प्रेहेन्सिव रिसर्च पेपर" अजंता, वॉल्यूम XIV, अंक I, जनवरी–मार्च 2025, 122–128, आईएसएसएनः 2277–5730।
- पांडेय, छ और इजिना, वी.एस., "द रोल ऑफ इंडियन ईथोस इन द टीचर–स्टूडेंट रिलेशन्शिपः ए म्यूचुयल शेपिंग प्रोसेस", आइडियलिस्टिक जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन प्रोग्रेसिव स्पेक्ट्रम्स, वॉल्यूम 4, नंबर 5, आईएसएसएनः 2583–6986।

डॉ. संगीता चौहान

- ए. कुमार, एस. चौहान, एम. टी. सूरज, और एस. बारा, "जेंडर डाइनेमिक्स एण्ड ग्रोथ ट्रेंड्स इन एग्रिकल्चर एजुकेशन इन इंडिया", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च, खंड 14, अंक 02, पृष्ठ 54–63, जून 2025।
- ए. कुमार, एस. चौहान, एम. टी. सूरज, और एस. बारा, "एक्सप्लोरिंग एग्रिकल्चर स्टूडेंट्स' इनसाइट्स टुवर्ड्स सस्टेनबल लाइव्लिहुड", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड बायोटेक्नोलॉजी, खंड 10, अंक 05, पृष्ठ 131–140, अक्टूबर 2025।

डॉ. राजेश एक्का

- राजेश एक्का, 2025, ''एजुकेशनल आस्पिरेशन्स ऑफ यूनिवर्सिटी गर्ल स्टूडेंट्सः ए स्टडी ऑफ लखनऊ'', जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन एजुकेशन। सेंट ज़ेवियर कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन। आईएसएसएन (प्रिंट): 2347–5676। आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2582–2357।

डॉ. ललिमा

- राधा रानी, डॉ. ललिमा द्वारा लिखित ‘‘"पर्सेप्शन ऑफ प्राइमरी स्टूडेंट्स टुवर्ड्स म्यूज़िक इंटीग्रेटेड लर्निंग एन्वाइरन्मेंट" पेपर का शीर्षक, स्वर सिंधु (संगीत का राष्ट्रीय पीयर–रिव्यूड/रेफरीड जर्नल) में प्रकाशित हुआ, जो एक यूजीसी केयर सूचीबद्ध जर्नल है, आईएसएसएन 2320–7175 (ऑनलाइन), वॉल्यूम–13, अंक–1, आईएसएसएन–199–208।
- सुश्री जया शुला और डॉ. ललिमा द्वारा लिखित "प्रोजेक्ट–बेस्ड लर्निंग अप्रोच इन स्टेम एजुकेशन" पेपर शीर्षक जो भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ, जो एक पीयर–रिव्यूड जर्नल है। आईएसएसएन संख्या 0970–7603 (वॉल्यूम 43, संख्या 2 जुलाई–दिसंबर 2024।) पृष्ठ 50–58।

डॉ. विवेक नाथ त्रिपाठी

- ‘‘कल्चरल एण्ड सोशल सेन्सिटिविटी इन इंडियन क्लासरूम फ्रॉम ग्लोबल पर्स्पेक्टिव यूनिवर्सिटी न्यूज़: उच्च शिक्षा का एक साप्ताहिक जर्नल, एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज 63(08) 24 फरवरी–02 मार्च, 2025।
- त्रिपाठी, वी.एन., (2024), ‘‘कैटलाइजिंग क्वालिटी एकेडमिक रिसर्च थ्रू न्यू एजुकेशन पॉलिसी: पाथ फॉर इंप्लिमेंटेशन’’ शोध कोष: विजुअल और परफॉर्मिंग आर्ट्स का जर्नल, 5(1), 832–838, डीओई: 10.29121/shodhkosh. v5.i1.2024.3513
- ‘‘टेंपर्मेंट ऑफ करेंट रिसर्चस इन सोशल साइन्सेस इन इंडिया’’, वॉल्यूम: 26 (जुलाई–दिसंबर, 2024) यूजीसी–केयर सूचीबद्ध।
- महंत दिग्विजय नाथ और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1968 से 2020): असहमति से सहमति तक भारतीय शिक्षक मण्डल की पत्रिका सार्थक मार्च 2025।

डॉ. शिखा तिवारी

- शर्मा प्रिया, तिवारी शिखा, ‘‘द रोल ऑफ साइकोलॉजिकल हार्डिनेस इन एनहैन्सिंग प्रोफेशनल डेवेलपमेंट ऑफ टीचर एजुकेटर्स’’, जीआईएमआरजे, आईएसएसएन 2394–8426, अंक 27, खंड XIII, अप्रैल– 2025।
- तिवारी शिखा, ‘‘डोमेस्टिक वॉयलेंस एण्ड वुमन इम्पॉवरमेंट इन कंटेंपोररी इंडियन सोसाइटी’’ रिसर्च रिव्यू इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ मल्टिडिसिप्लिनरी, आईएसएसएन संख्या 2255–3085। दिसंबर 2024।

डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे

- पेपर का शीर्षक "ह्यूमन राइट्स एण्ड सोसियो–इकोनामिक चैलेंजस ऑफ वुमन टी वर्कर्स इन द जलपाईगुड़ी डिस्ट्रिक्ट" पर कमलिनी रॉय और डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे द्वारा, जर्नल "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स (IJARESM)" में प्रकाशित, आईएसएसएन: 2455–6211, वॉल्यूम 13, अंक 1, जनवरी–2025, ऑनलाइन उपलब्ध: www.ijaresm.com
- पेपर का शीर्षक "एक्सप्लोरिंग द स्टेटस ऑफ एलिमेंटरी एजुकेशन इन द टी गार्डेन कम्यूनिटीज ऑफ बनारहाट ब्लॉक" पर कमलिनी रॉय और डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे द्वारा जर्नल "द सोशल साइंस रिव्यू ए मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल" में प्रकाशित, जनवरी–फरवरी, 2025. वॉल्यूम 3. अंक 1, 36–41।
- पेपर का शीर्षक "फ्रॉम बैरियर्स टू ब्राइट फ्यूचर्स: एलिवेटिंग डिसएड्वांटेज्ड ग्रूप इन हाइयर एण्ड टेक्निकल एजुकेशन" पर कमलिनी रॉय और डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे द्वारा, जर्नल ‘‘एडी एडुक्सियन जर्नल’’ में प्रकाशित, एक त्रैमासिक बहु–विषयक ब्लाइंड पीयर रिव्यू और रेफरीड, ओपेन एक्सेस और इंडेक्स्ड अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, ई–आईएसएसएन: 3048–9751, वॉल्यूम (1–2), अंक (3), नवंबर–जनवरी 2024–25, उपलब्ध डीओई लिंक: https://doi-ds.org/Articleswww.ijaresm.com

- पेपर का शीर्षक ष्पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में माध्यमिक स्तर पर चाय बागान श्रमिकों के बच्चों की शैक्षिक समस्याएँ", पर कमलिनी रॉय और डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे, जर्नल ''एडी एडुक्सियन जर्नल'' में प्रकाशित,, एक त्रैमासिक बहु–विषयक ब्लाइंड पीयर रिव्यू और रेफरीड ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएनः 3048–7951, वॉल्यूम–(2) अंक–(1) फरवरी–अप्रैल 2025, पीआईएफ एडीईजे के साथः 1.024।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

आचार्य हरिशंकर सिंह

- सिंह, एच. और त्रिपाठी, वी.एन. (2024), रिवैम्पिंग टीचर एजुकेशनः प्रोफेशनल डेवेलपमेंट ऑफ टीचर्स एण्ड टीचर एजुकेटर्स; नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020'' (पहला संस्करण, 2024). रुद्र प्रकाशन, आईएसबीएनः 978–93–94923–67–6।
- यादव, ए., सिंह, एच., और टाटर, एस. आर. (2024). योग स्पेक्ट्रम (दूसरा संस्करण, खंड 1, 2024). रुद्र पब्लिकेशंस, आईएसबीएनः 978–93–94923–94–2।
- सिंह, एच., और राक्षे, एम. वी. (2025), ''फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन'' (पहला संस्करण, खंड 1), राघव प्रकाशन, आईएसबीएनः 978–93–49122–31–4।
- सिंह, एच., और राक्षे, एम. वी. (2025), ''ह्यूमन ग्रोथ एंड डेवलपमेंट'' (पहला संस्करण, खंड 1), राघव प्रकाशन, आईएसबीएनः 978–93–49122–51–2।

डॉ. मीना वी. राक्षे

- ''ह्यूमन ग्रोथ एंड डेवलपमेंट'' नामक पुस्तक लिखी, आईएसएसएन/आईएसबीएन संख्या 978–93–49122–51–2।
- ''फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन'' नामक पुस्तक लिखी, आईएसएसएन/आईएसबीएन संख्या 978–93–49122–31–4।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन

आचार्य राज शरण शाही

- मीनाक्षी पांडे और आचार्य राज शरण शाही, कुणाल बुक्स, 30.11.2024 नई दिल्ली, भारतीय ज्ञान प्रणाली और एनईपी 2020ः एक संक्षिप्त विश्लेषण पृष्ठ 123–130, विकसित भारत@2047ः एक संक्षिप्त भविष्य, आईएसबीएन 978–93–6389–482–2।

आचार्य हरिशंकर सिंह

- जैसवाल, सोनाली और सिंह, एच. (2024), ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इतने सुधार के बाद 21वीं सदी में भारत में शिक्षक शिक्षा'', शिक्षक शिक्षा का पुनरुद्धार (पहला संस्करण, पृष्ठ 17–26)। रुद्र प्रकाशन। आईएसबीएन 978–93–94923–67–6।
- सिंह, एच. और शिवमगन (2024), ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शैक्षिक स्थगन के संदर्भ में अध्ययन'', शिक्षक शिक्षा का पुनरुद्धार (पहला संस्करण, पृष्ठ 139–142)। रुद्र प्रकाशन। आईएसबीएन 978–93–94923–67–6।
- रश्मि और सिंह, एच. (2024), ''भारतीय ज्ञान प्रणाली की उत्पत्ति और विकासः भारतीय ज्ञान प्रणाली और अनुभवात्मक शिक्षाः समग्र रूप से परस्पर जुड़े हुए'', भारतीय ज्ञान प्रणाली की उत्पत्ति और विकास (पहला संस्करण, खंड 1, पृष्ठ 458–472)। कालिंदी प्रकाशन। आईएसबीएन 978–9937–9715–1–5।

- रश्मि और सिंह, एच. (2024), ''सामाजिक विकासः डिजिटल युग में सामाजिक विकासः अवसर और चुनौतियाँ'', सामाजिक विकास (खंड 1, पृष्ठ 203–208)। समता प्रकाशन। आईएसबीएन 978–93–93403–73–5।
- रश्मि और सिंह, एच. (2024), ''एनईपी 2020 21वीं सदी की शिक्षण पद्धतियों को बदलनाः एनईपी 2020 के आलोक में अनुभवात्मक शिक्षा और शिक्षक शिक्षा'', पर एनईपी 2020 21वीं सदी की शिक्षण पद्धतियों को बदलना (पहला संस्करण, खंड 2, पृष्ठ 134–142) में भारती प्रकाशन, आईएसबीएन 978–81–19757–22–0 के साथ प्रकाशित।
- रश्मि और सिंह, एच. (2024)। ''व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माणः अनुभवात्मक शिक्षा और चरित्र निर्माण'', पर व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण (पहला संस्करण, खंड 1, पृष्ठ 171–180) में संकल्प प्रकाशन, आईएसबीएन 978–93–91435–77–6 के साथ प्रकाशित।
- रश्मि और सिंह, एच. (2024)। ''उच्च शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा का महत्वः उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुभवात्मक शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण'' पर उच्च शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा का महत्व (पहला संस्करण, खंड 1, पृष्ठ 202–215) में जे.टी.एस. प्रकाशन में आईएसबीएन 978–81–978024–9–2 के साथ प्रकाशित।
- रश्मि और सिंह, एच. (2023)। ''सामाजिक अभिव्यक्तियाँः सामाजिक अभिव्यक्ति में अनुभवात्मक शिक्षा की आवश्यकता'', पर सामाजिक अभिव्यक्तियाँ (पहला संस्करण, खंड 1, पृष्ठ 122–128)। संकल्प प्रकाशन में आईएसबीएन 978–93–48772–95–4 के साथ प्रकाशित।
- रश्मि और सिंह, एच. (2023)। ''विकसित भारत@2047 अपेक्षाएँ एवं चुनौतियाँः विकसित भारत @2047ः प्रौद्योगिकी विकास'', पर विकसित भारत@2047 अपेक्षाएँ एवं चुनौतियाँ (पहला संस्करण, खंड 1, पृष्ठ 34–41) में संकल्प प्रकाशन, आईएसबीएन 978–93–48772–68–8 के साथ प्रकाशित।
- रश्मि और सिंह, एच. (2024)। समकालीन भारत और शिक्षाः आधुनिक शिक्षा के साथ सांस्कृतिक विरासत का एकीकरणः शिक्षा और विरासत दृष्टिकोण'' पर समकालीन भारत और शिक्षा (प्रथम संस्करण, खंड 1, पृ. 86–92) में समता प्रकाशन, आईएसबीएन 978–93–93403–45–2 के साथ प्रकाशित।
- रश्मी एवं सिंह, प्रो. एच. (2024)। ''भारतीय सामाजिक व्यवस्थाः आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन (हिन्दी)'' पर भारतीय सामाजिक व्यवस्था (प्रथम संस्करण, खंड 1) में समता प्रकाशन, आईएसबीएन 978–93–93403–68–1 के साथ प्रकाशित।
- रश्मी एवं सिंह, एच. (2022)। ''संस्कृति प्रवाहः संस्कृतियों को जोड़नाः ज्ञान हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाने में सांस्कृतिक आदान–प्रदान की भूमिका'' पर संस्कृति प्रवाह (पहला संस्करण, खंड 1, पृ. 161–166) में संकल्प प्रकाशन, आईएसबीएन 978–93–91435–62–2 के साथ प्रकाशित।
- रश्मी एवं सिंह, एच. (2024)। ''भारतीय ज्ञान परंपरा विविध संदर्भः भारतीय ज्ञान परंपराएं और अनुभवात्मक शिक्षाः एनईपी 2020 के संदर्भ में एक अध्ययन'' पर भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध संदर्भ (प्रथम संस्करण, खंड 1, पृष्ठ 240–250) में जिज्ञासा प्रकाशन, आईएसबीएन 978–81–97648–49–6 के साथ प्रकाशित।

डॉ. बी.एस. गुप्ता

- गुप्ता, बी.एस. (2024), ''भगवद गीताः द डिवाइन, अहमदाबादः माही प्रकाशन'' पुस्तक में 'श्रीमद भगद गीता पुरुष परमर्श स्वरूप एवं प्रकृति'।
- कुमार, एम. एवं गुप्ता, बी.एस. (2024), ''राष्ट्रीय निर्माण में महिलाओं का योगदान'' पुस्तक में ''कला के क्षेत्र पुरुष महिलाओं का योगदान–1961''। कानपुरः संकल्प प्रकाशन। आईएसबीएन–9789391435677, 80–87।

- कुमार, एम. एवं गुप्ता, बी.एस. (2024), 'एनसीईआरटी' पुस्तक ''भारतीय शिक्षा का इतिहास'', कानपुरः संकल्प प्रकाशन। आईएसबीएन– 9789391435738, पृ. 85–92।
- गुप्ता, बी.एस. और कुमार, एम. (2024), 'प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान परंपरा एवं योग वर्तमान वैश्विक प्रदेश में प्रसंगिकता' पुस्तक में 'सतत भविष्य के लिए स्वदेशी ज्ञान प्रणाली, काठमांडूः केंद्रीय हिंदी विभाग, टीयू। आईएसबीएन– 9789937971508, 46–53।
- गुप्ता, बी.एस. (2024) 'श्रीमद्भगद गीता' 'पुरुष नैतिक दर्शन' पुस्तक 'लीला पुरषोत्तम श्रीकृष्ण', प्रयागराजः ऋषि कुल प्रकाशन में। आईएसबीएन– 9788197281785. पृ. 170–180।
- कुमार, एम. एवं गुप्ता, बी.एस. (2024) 'व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण' पुस्तक में 'अष्टांग योग की व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका', कानपुरः संकल्प प्रकाशन। आईएसबीएन– 9789391435776, पृ. 01–11।
- कुमार, एम. एवं गुप्ता, बी.एस. (2024) 'वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों की प्रस्तुति' पुस्तक ''मूल्य एवं शांति शिक्षा, आज़मगढ़ः कालिंदी प्रकाशन। आईएसबीएन– 9788196642020, पृ. 55–60।
- कुमार, एम. एवं गुप्ता, बी.एस. (2024) 'शिक्षा के दार्शनिक और समाजशास्त्रीय आधार' पुस्तक में 'भारतीय योग दर्शन', कानपुरः समता प्रकाशन। आईएसबीएन– 9789393403520, पृ. 59–72।
- कुमार, एम. एवं गुप्ता, बी.एस. (2024) 'भारत की प्रमुख जंजाजियां' पुस्तक ''जनजातिया'': समाज एवं संस्कृति, कानपुरः समता प्रकाशन। आईएसबीएन– 9789393403940, पृ. 81–85।
- गुप्ता, बी.एस. (2024) 'पाठ्यचर्या के पार भाषा' पुस्तक में 'भारतीय भाषा की उत्पत्ति', प्रयागराजः यूपीआरटीओयू। आईएसबीएन– 9789348270962, पृ. 05–18।
- गुप्ता, बी.एस. (2024) 'पाठ्यचर्या के पार भाषा' पुस्तक में 'भाषा विकास', प्रयागराजः यूपीआरटीओयू। आईएसबीएन– 9789348270962, पृ. 19–33।
- गुप्ता, बी.एस. (2024) 'पाठ्यचर्या के पार भाषा' पुस्तक में 'मानक भाषा के मानक', प्रयागराजः यूपीआरटीओयू। आईएसबीएन– 9789348270962, पृ. 34–46।

डॉ. विक्टोरिया सुसान इज्जिना

- इज्जिना, ई.पी., एरुकला, एस.बी., और इज्जिना, वी.एस. (2024)। ''हाइपर ऑटोमेशन में पौधों की बीमारी का पता लगाने के लिए एक हल्के वजन वाला गहन शिक्षण मॉडल'', सिंह, एस एट अल द्वारा संपादित प्रिसिजन एग्रीकल्चर में हाइपर ऑटोमेशन में। अकादमिक प्रेस, आईएसबीएनः 9780443241390. एल्सेवियर।
- पांडे, एन और इज्जिना, वी.एस. (2025)। ''भारतीय शिक्षा एवं धर्म के संदर्भ में स्वामी विवेकानंद के विचार'', भारतीय सांस्कृतिक पुरातत्व में स्वामी विवेकानंद, संकल्प प्रकाशनः कानपुर, आईएसबीएनः 9789348772312।
- पांडे, एन और इज्जिना, वी.एस. (2025)। ''विकसित भारत @2047ः प्रयाग महाकुंभ 2022'', ''विकसित भारत में @2047 अपेक्षा एवं चुनौतियां, संकल्प प्रकाशनः कानपुर, आईएसबीएन 9789348772688।
- पांडे, एन और इज्जिना, वी.एस. (2025)। ''मूल्यों का पोषणः किशोर विकास में भारतीय लोकाचार की भूमिका'', अभ्युदय संकल्प प्रकाशन मेंः कानपुर, आईएसबीएनः 9789348772015।
- पांडे, एन और इज्जिना, वी.एस. (2025)। ''भारतीय ज्ञान प्रणालीः प्राचीन ज्ञान और आधुनिक प्रासंगिकता के लिए एक समग्र दृष्टिकोण'', सामाजिक अभिव्यक्तियों में, संकल्प प्रकाशनः कानपुर, आईएसबीएन 9789348772954।

- पांडे, एन और इज्जिना, वी.एस. (2025)। ''किशोरों पर भारतीय लोकाचार और ज्ञान प्रणाली के प्रभाव की जांचः एक समकालीन परिप्रेक्ष्य'', सतत भविष्य (अन्वेषण और विकास) के लिए स्वदेशी ज्ञान प्रणाली में, संकल्प प्रकाशनः कानपुर. आईएसबीएनः 9789937971508।
- पांडे, एन और इज्जिना, वी.एस. (2025)। ''समावेशिता को अमल में लानाः एनईपी 2020 के माध्यम से भारतीय शिक्षा में बदलाव'', समावेशी शिक्षा में, संकल्प प्रकाशनः कानपुर, आईएसबीएनः 978–93–93403–81–0।

डॉ. संगीता चौहान

- संगीता चौहान, सोनू बारा और विदिशा मिश्रा द्वारा लिखित पुस्तक अध्याय ''डिजिटल युग में आगे बढ़नाः आधुनिक उच्च शिक्षा में साक्षरता का एक गुणात्मक अध्ययन'' जो ''डिजिटल युग में उच्च शिक्षा में बदलाव (खंड II)'' नामक पुस्तक में एबीएस बुक्स द्वारा आईएसबीएनः 978–93–49078–57–4 के साथ 2025 में प्रकाशित हुआ (पृष्ठ संख्या 121–136)।
- संगीता चौहान, अपूर्वा सक्सेना और माइकल टेरेंस सूरज द्वारा लिखित पुस्तक अध्याय ''कक्षा शिक्षण में एआई पर पूर्व सेवा शिक्षकों की अंतर्दृष्टि की खोज'' जो ''डिजिटल युग में उच्च शिक्षा में बदलाव (खंड II)'' नामक पुस्तक में एबीएस बुक्स द्वारा आईएसबीएनः 978–93–49078–57–4 के साथ 2025 में प्रकाशित हुआ (पृष्ठ संख्या 99–110)।

डॉ. ललिमा

- डॉ. ललिमा की संपादित पुस्तक 'फंडामेंटल्स ऑफ एजुकेशन' में ''आधुनिक समाज में शिक्षा के कार्य'' शीर्षक से एक अध्याय कलिंदी प्रकाशन द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएनः 978–81–986666–5–9. पृष्ठ–15–28।

डॉ. विवेक नाथ त्रिपाठी

- कुमार, ए., एवं त्रिपाठी, वी. एन. (2025), विकसित भारत 2047 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, पांडे, एस. ए., जैन, ए., एवं रश्मि. (एडिटर्स), विकसित भारत 2047 अपेक्षाएं एवं चुनौतियाँ (प्रथम संस्करण, पृ. 118–130 संकल्प प्रकाशन।
- कुमार, ए., एवं त्रिपाठी, वी. एन. (2025), राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 एवं विद्यालय शिक्षा राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2023 के सिद्धांत और कार्यान्वयन चुनौतियाँ, पांडे, एस. ए., द्विवेदी, पी., एवंपांडे, एन. (एडिटर्स), अन्वेषण (प्रथम संस्करण, पृ. 54–63), संकल्प प्रकाशन।
- कुमार, ए., एवं त्रिपाठी, वी. एन. (2025), विकसित भारत, 2047ः राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020. पांडे, एस. ए., जैन, ए., एवं रश्मि. (एडिटर्स), विकसित भारत 2047 अपेक्षाएं एवं चुनौतियाँ (प्रथम संस्करण, पृ. 118–130), संकल्प प्रकाशन।

डॉ शिखा तिवारी

- तिवारी शिखा (2023) इवान इलिच की डी स्कूलिंग और एनईपी 2020। एनईपी 2020ः भारतीय शिक्षा प्रणाली एवं विचारक'' कालिंदी प्रकाशन, आज़मगढ़, आईएसबीएन 978–81–982576–3–5।

डॉ. मीना वी. राक्षे

- लाइफलॉन्ग लर्निंग (एलएलएल) एनईपी 2020 के विशेष संदर्भ मेंः संक्षिप्त विवरण" डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे द्वारा, पृष्ठ संख्या 143–147, संपादित, आईएसबीएन 978–93–94923–67–6।
- पुस्तक अध्याय "समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देनाः शिक्षकों, माता–पिता और समुदायों की भूमिका की खोज" कमलालिनी रॉय और डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे द्वारा, पीयर–रिव्यूड संपादित पुस्तक जिसका शीर्षक है "भारत में शिक्षक शिक्षा का बदलता प्रतिमान"।
- पुस्तक अध्याय "कल्याण का योगः समग्र स्वास्थ्य के लिए शरीर, मन और आत्मा को एकजुट करना" कमलालिनी रॉय और डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे द्वारा, यह रेड यूनिकॉर्न पब्लिशर पर पीयर–रिव्यूड संपादित पुस्तक ''योग, मनोविज्ञान और शिक्षा के माध्यम से समग्र विकास'' में

प्रकाशित हुआ था। मई, 2025 (एक अंतर्राष्ट्रीय संस्करण), आईएसबीएन–10: 93–5809–263–7, डीआईपीः 18.10.9358092637, डीओईः 10.25215/9358092637, आईएसबीएनः 978–93–5809–263–9।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलन/कार्यशाला/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी– आचार्य राज शरण शाही

- एनईपी 2020 और समग्र विकास राष्ट्रीय एनईपी 2020 ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम यूजीसी एमएमटीसी और जम्मू विश्वविद्यालय, जून 2024।
- भारतीय ज्ञान प्रणाली राष्ट्रीय एनईपी 2020 ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, 11 जून 2024।
- ऐतिहासिक अनुसंधान संदर्भ और प्रतिबद्धता राष्ट्रीय एनईपी 2020 ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम यूजीसी एमएमटीसी और डीएवीवी, इंदौर 11 जून 2024 15।
- ऐतिहासिक अनुसंधान संदर्भ और प्रतिबद्धता राष्ट्रीय एनईपी 2020 ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम यूजीसी एमएमटीसी और सीयुएचपी, 15 जून 2024।
- शिक्षण और अनुसंधान में भारतीय भाषा को बढ़ावा राष्ट्रीय व्याख्यान एनईपी 2020 ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम यूजीसी एमएमटीसी और आईक्यूएसी, सिलचर।
- उच्च शिक्षा में वित्तीय योजना और आंतरिक संसाधनों का जुटाना राष्ट्रीय व्याख्यान एनईपी 2020 ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम यूजीसी एमएमटीटीसी, 18 जून 2024।
- एनईपी 2020 और समग्र विकास, यूजीसी एमएमटीसी, जम्मू विश्वविद्यालय 01.06.2024।
- भारतीय ज्ञान प्रणाली एनईपी ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 11. 06.2024।
- शिक्षण और अनुसंधान में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना, 26.06.2024।
- वित्तीय योजना और प्रबंधन एमएमटीटीसी और सीयुएसबी, गया, 31.07.2024।
- एनईपी 2020 और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा, एमएमटीटीसी और असम विश्वविद्यालय, सिलचर, 06.08.2024।
- शिक्षण और अनुसंधान एनईपी 2020 और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा, एमएमटीटीसी और असम विश्वविद्यालय, सिलचर, 07.09.2024।
- ईश्वर शरण पी.जी. कॉलेज, प्रयागराज और एमएमटीटीसी, 18.09.2024।
- नारी शक्ति वंदन अधिनियम –2023 का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ राष्ट्रीय सम्मेलन नारी शक्ति वंदन अधिनियम –2023: एक समग्र विमर्श, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पट्टी प्रतापगढ़ द्वारा आयोजित, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज यूपी से संबद्ध, वी.बी.एस. पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर यूपी के सहयोग से।
- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 22 अक्टूबर 2024।
- ऐतिहासिक अनुसंधान, लखनऊ विश्वविद्यालय, 27.11.2024।
- वित्तीय योजना और प्रबंधन एमएमटीटीसी और सीयुएसबी, गया, 27.11.2024।
- सीपीआरजी द्वारा आयोजित, आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित दिल्ली में एक सत्र की अध्यक्षता की 28.11.2024।
- समग्र विकास और 360° मूल्यांकन, असम केंद्रीय विश्वविद्यालय, सिलचर, 03.12.2024।
- एनईपी 2020 एमएमटीटीसी असम विश्वविद्यालय, सिलचर और त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, 13. 12.2024।

- शिक्षा के ऐतिहासिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य, एमएमटीटीसी और लखनऊ विश्वविद्यालय, रिफ्रेशर कार्यक्रम 18.12.2024।
- शैक्षणिक नेतृत्व शासन और प्रबंधन, एमएमटीटीसी दिल्ली विश्वविद्यालय और भास्कराचार्य कॉलेज, दिल्ली 09.01.2025।
- नेतृत्व प्रबंधन और शासन, एमएमटीटीसी और ईश्वर शरण, पी.जी. कॉलेज, प्रयागराज, 16.01. 2025।
- उच्च शिक्षा में स्वायत्तता, जवाबदेही और प्रबंधन, एमएमटीटीसी सिलचर 10.02.2025।
- भारत की सांस्कृतिक चेतना और एकात्म मानववाद, पंडित दीन दयाल शोध पीठ, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर 11.02.2025।
- एसडीजी 4 हासिल करने में टीचर की भूमिका शिक्षा विभाग, डीडीयू, गोरखपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, 15.02.2025।
- सीमाओं के पार संस्कृति और राजनीतिक संबंध विकसित पूर्वोत्तर भारत और एक्ट ईस्ट पॉलिसी पर दो दिवसीय रिसर्च कॉन्क्लेवः संबंध, रुकावटें और संभावनाएं विकसित पूर्वोत्तर भारत और एक्ट ईस्ट पॉलिसीः संबंध, रुकावटें और संभावनाएं असम यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन, स्टूडेंट्स फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमैनिटी (शोध) और राजनीति विज्ञान विभाग असम विश्वविद्यालय, सिलचर–788011 19 और 20 फरवरी 2025।

आचार्य हरिशंकर सिंह

- 6–7 मार्च, 2025 को उच्च शिक्षा में रेगुलर, ऑनलाइन और व्क्स मोड के कन्वर्जेंस और टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "समावेश के लिए डिजिटल मार्गः विविध सीखने के अनुभव के लिए ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा (ओडीएल) और ई–लर्निंग टूल का लाभ उठाना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित था।
- 22–23 मार्च, 2025 को विकसित भारत में शिक्षा की गुणवत्ता पर एनईपी 2020 के प्रभाव पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "राष्ट्रों को जोड़ना, भविष्य को आकार देनाः वैश्वीकरण उच्च शिक्षा के एक नए युग के लिए एनईपी 2020 का दृष्टिकोण'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन शिक्षा विभाग, सीतापुर शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया था और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित था।
- योग और प्राकृतिक चिकित्सा के मांसपेशियों की प्रणाली पर प्रभाव पर 20वें राष्ट्रीय सेमिनार में "मांसपेशियों की प्रणाली पर योग का प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन योग विभाग, योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था।
- वैश्वीकरण के युग में भारत में शैक्षिक परिदृश्यः चुनौतियाँ और संभावनाएँ पर राष्ट्रीय सेमिनार में "चाय बागान श्रमिकों के बच्चों के उत्थान के लिए अभिनव शैक्षिक दृष्टिकोण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन शरण कॉलेज ऑफ एजुकेशन फॉर वुमन और सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट (सीपीडी) आर एण्ड डी सेल, एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय कैथल, हरियाणा द्वारा किया गया था।
- 8–9 नवंबर 2024 को अनुसंधान और नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्कूल शिक्षा के लिए शिक्षाशास्त्रः एनईपी 2020" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संघ द्वारा किया गया था।
- समग्र शिक्षा सुधारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः एनईपी–2020, परामर्श और साइकोमेट्रिक आकलन के बीच तालमेल बनाना में "स्कूल में शैक्षिक मनोविज्ञान की भूमिका" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन शिक्षा विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था।

डॉ. बी.एस. गुप्ता

- ''अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम'' पर दस दिवसीय कार्यशाला आईसीएसएसआर, नई दिल्ली प्रायोजित कार्यक्रम में पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में काम किया, जो 23 अप्रैल से 02 मई 2025 तक आयोजित की गई थी।
- ''अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम'' पर सात दिवसीय कार्यशाला में समन्वयक के रूप में काम किया, जो 04 मार्च से 10 मार्च 2025 तक आयोजित किया गया था।
- 25–26 मार्च, 2025 को यूपीआरटीओयू, प्रयागराज द्वारा आयोजित महाकुंभः सनातन मूल्यों के माध्यम से मानव जीवन का परिवर्तन विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारतीय शिक्षा परंपरा में शाश्वत मूल्यों की भूमिका' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- 06–07 जून, 2024 को केंद्रीय हिंदी विभाग, टीयू, काठमांडू द्वारा आयोजित 'प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान परंपरा एवं योगः वर्तमान शैक्षिक प्रदेश में प्रसंगिकता' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 19–21 सितंबर, 2024 को एसआरएसटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जहानाबाद, बिहार द्वारा आयोजित 'राजभाषा हिंदी की स्थिति समग्र भारत के संदर्भ में' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी भाषा एवं देव नागरीलिपि की वैश्विक प्रसंगिकता' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- 16 जून, 2024 को शिक्षा विभाग, त्रिबुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल द्वारा आयोजित ''सतत भविष्य के लिए स्वदेशी ज्ञान प्रणाली'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में अध्यक्षता की।
- 16 जून, 2024 को शिक्षा विभाग, सीएमपी पीजी कॉलेज, प्रयागराज द्वारा आयोजित ''सांख्यिकी में एसपीएसएस'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
- 19 जून, 2024 को शिक्षा विभाग, सीएमपी पीजी कॉलेज, प्रयागराज द्वारा आयोजित ''सांख्यिकी में एसपीएसएस'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. सुभाष मिश्रा

- 24 अप्रैल 2024 को भारतीय शिक्षा शोध संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय सेमिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति और आत्मनिर्भर भारत पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- 23–24 अप्रैल 2024 को भारतीय शिक्षा शोध संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ''एनईपी–2020 के जवाब में विकसित शिक्षण पद्धतिः इंटरैक्टिव तरीकों, प्रौद्योगिकी, एकीकरण, समावेशिता और चिंतनशील प्रथाओं को अपनाना'' शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 14 मई 2024 को दोपहर 1.30 बजे से 03:00 बजे तक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तत्वावधान में आयोजित एनईपी ओरिएंटेशन और संवेदीकरण पर ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स में ''समग्र विकास और बहु–विषयक शिक्षा (थीम I)'' पर व्याख्यान दिया।
- 13 जुलाई, 2024 को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.40 बजे तक यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र में पाठ्यक्रम के विचार और पाठ्यक्रम के विभिन्न दृष्टिकोणों पर दो व्याख्यान दिए।
- 29 नवंबर 2024 को दो व्याख्यान दिए, पहला, दोपहर 02:15 बजे से 3:45 बजे तक ''एनईपी 2020 के तहत पाठ्यक्रम में सुधार'' पर और दूसरा दोपहर 04:00 बजे से 5:30 बजे तक ''एनईपी 2020 के तहत पाठ्यक्रम में सुधार'' पर यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा ऑनलाइन मोड में आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) कार्यक्रम में।

- 25 नवंबर 2024 को मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, डीएवीवी, इंदौर (एम.पी.) द्वारा आयोजित टीचिंग, लर्निंग और इवॉल्यूएशन पर शॉर्ट टर्म कोर्स में दो व्याख्यान दिए।
- 14 दिसंबर 2024 को एमएमटीटीसी–इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन, गांधीनगर द्वारा आयोजित पहले आरसी (रिफ्रेशर कोर्स) में दो व्याख्यान दिए, सेशन का समयः 3 (2.00 बजे से 03.30 बजे) और 4 (3.30 बजे से 05.00 बजे)।
- 14 मई 2024 को दोपहर 01.30 बजे से 03:00 बजे तक यूजीसी के तत्वावधान में मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी), तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एनईपी ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन पर एसटीसी ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स में समग्र विकास और बहु–विषयक शिक्षा (थीम I) पर व्याख्यान दिया।
- ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा 01 अक्टूबर 2024 को आयोजित ''उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल कार्यान्वयन में शिक्षकों की भूमिका'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में ''उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सफल कार्यान्वयनः शिक्षकों की नेतृत्वकारी भूमिका'' (उच्च शिक्षा को सशक्त बनानाः एनईपी 2020 के कार्यान्वयन में उत्प्रेरक के रूप में शिक्षक) शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी), तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा यूजीसी के तत्वावधान में 26 नवंबर 2024 को आयोजित एनईपी ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम में समग्र मूल्य शिक्षाः आईकेएस से परिप्रेक्ष्य (थीम II) पर व्याख्यान दिया।
- मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी), तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा यूजीसी के तत्वावधान में आयोजित 360 डिग्री मूल्यांकन और एनईपी 2020 पर ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स में 26 फरवरी 2025 को दोपहर 2:30 बजे से 4:00 बजे तक 360 डिग्री मूल्यांकन के कार्यान्वयन पर व्याख्यान दिया।
- आईओई–हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा 10–11 फरवरी 2025 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ''एनईपी 2020 के बाद शैक्षिक प्रौद्योगिकी में रुझान और अंतर्दृष्टि'' में ''एनईपी 2020 के बाद शैक्षिक प्रौद्योगिकी में रुझान और अंतर्दृष्टि'' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में पेपर प्रस्तुत किया और व्याख्यान दिया।
- आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला में ''बहु–विषयक अनुसंधानः विकसित भारत की ओर एक मार्ग'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन बीबीएयू ने जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया और शिक्षण मंडल के सहयोग से 13–14 फरवरी 2025 को ''विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण'' पर किया।
- मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी), तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा और यूजीसी के तत्वावधान में आयोजित ऑनलाइन गुरु दक्षता–संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) में 14 फरवरी 2025 को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक ''सीबीसीएस और कार्यान्वयन की चुनौतियों'' पर व्याख्यान दिया।
- आईक्यूएसी और उदार शिक्षा विभाग, इरा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 05 मार्च 2025 को आयोजित उच्च शिक्षा में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रभावी कार्यान्वयन'' पर व्याख्यान दिया।
- एसओसी, बीबीएयू, लखनऊ द्वारा 13–14 अप्रैल 2025 को आयोजित ''बाबासाहेब की राष्ट्र निर्माण की अवधारणा और संवैधानिक प्रतिबद्धताओं'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में ''राष्ट्र निर्माण में अंबेडकर के योगदान के बारे में जागरूकता फैलाना'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. विक्टोरिया सुसान इज्जिना

- मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, कॉलेज ऑफ़ टीचर एजुकेशन, दरभंगा द्वारा 24 और 25 फरवरी 2025 को आयोजित ''21वीं सदी में शिक्षाः चुनौतियाँ और अवसर'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और "माइक्रो–क्रेडेंशियल्स, एनईपी 2020 के विशेष संदर्भ में: एक व्यवस्थित समीक्षा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- स्कूल ऑफ़ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज़ और सोशल साइंसेज़ और स्कूल ऑफ़ टीचर एजुकेशन, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा 29 अप्रैल 2025 को आयोजित ''स्थिरता के प्रति दृष्टिकोणः भविष्य के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और ''एक उभरते हुए उपकरण के रूप में माइक्रो–क्रेडेंशियल्सः डिजिटल क्रेडिट की डिग्री'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित, शिक्षा विभाग, सीतापुर शिक्षा संस्थान, कनवाखेड़ा, सीतापुर द्वारा 22 और 23 मार्च 2025 को आयोजित ''विकसित भारत में शिक्षा की गुणवत्ता पर एनईपी 2020 के प्रभाव'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और ''एनईपी 2020 के संदर्भ में कौशल अंतर को पाटने के लिए माइक्रो–क्रेडेंशियल्स एक क्रांतिकारी दृष्टिकोण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित, मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग, बीबीएयू, लखनऊ द्वारा 13 और 14 फरवरी 2025 को आयोजित ''विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "मानसिक कल्याण और भारतीय माँः एक व्यवस्थित समीक्षा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- समाजशास्त्र विभाग केपीएम राजकीय महिला महाविद्यालय भदोही, यूपी द्वारा 21–22 फरवरी 2025 तक आयोजित ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के लिए समाजशास्त्रीय दृष्टिकोणः विकसित भारत 2047 को आकार देना'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और ''एनईपी 2020 में सीखने के लिए बहु–विषयक दृष्टिकोणः यूडेमोनिक कल्याण का एक मार्ग" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित समाजशास्त्र विभाग, केपीएम राजकीय महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के लिए समाजशास्त्रीय दृष्टिकोणः विकसित भारत 2047 को आकार देना'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और ''एनईपी 2020 में सीखने के लिए बहु–विषयक दृष्टिकोणः यूडेमोनिक कल्याण का एक मार्ग'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. संगीता चौहान

- 10 फरवरी, 2025 से 11 फरवरी, 2025 तक आयोजित ''एनईपी 2020 के बाद एजुकेशनल टेक्नोलॉजी में ट्रेंड्स और इनसाइट्स'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, जिसका आयोजन शिक्षा और शिक्षा प्रौद्योगिकी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, ने एमएमटीटीसी हैदराबाद विश्वविद्यालय इंटर–यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन वाराणसी, यूपी के सहयोग से किया गया था।
- 27 फरवरी, 2025 से 28 फरवरी, 2025 तक आयोजित ''डिजिटल युग में उच्च शिक्षा में बदलाव'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, जिसका आयोजन शिक्षा विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, (यूपी) भारत ने किया था।
- 6 से 7 मार्च, 2025 तक आयोजित ''इनोवेशन पैराडाइमः समकालीन अपराध मुद्दें और चुनौती के लिए एक बहु–विषयक दृष्टिकोण'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, जिसका

आयोजन अपराध विज्ञान और आपराधिक न्याय विभाग, मनोन्मनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय, त्रिनेलवेली, तमिलनाडु भारत ने किया था।

- 23 से 24 अप्रैल, 2025 तक आयोजित ''मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार (ऑनलाइन मोड) में भाग लिया, जिसका विषय था ''शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें पूरा करने के लिए शिक्षकों को तैयार करना'', जिसका आयोजन शिक्षा विभाग संकाय, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ (यूपी) भारत ने किया था।

डॉ. विवेक नाथ त्रिपाठी

- सेल्फ–एफिकेसी और मानसिक स्वास्थ्य, एक समीक्षा अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय, परिवार अध्ययन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती और विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, 13–14 फरवरी, 2025।
- विकसित भारत की ओर शिक्षक शिक्षा में बदलाव, राष्ट्रीय सम्मेलन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, 28 और 29 अप्रैल 2025 को।

डॉ. शिखा तिवारी

- असम विश्वविद्यालय और बीबीएयू, लखनऊ द्वारा आयोजित एनईपी 2020 ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम में 18.03.25 से 27.03.25 तक भाग लिया।
- डॉ. शिखा तिवारी ने 1 अक्टूबर 2024 को केएमएलसीयू लखनऊ द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल कार्यान्वयन में शिक्षकों की भूमिका'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में 'एनईपी 2020 को लागू करने में शिक्षक की भूमिका' पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. शिखा तिवारी ने 13 और 14 फरवरी 2025 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के एचडीएफएस विभाग में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित ''विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण'' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'भावी शिक्षकों के बीच मनोवैज्ञानिक दृढ़ता की खोजः लचीलेपन का एक मार्ग' पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. शिखा तिवारी ने 16 से 18 फरवरी 2025 को सीएसजेएमयू, कानपुर में ''डिजिटल भविष्य के लिए बहु–विषयक अनुसंधान में वैश्विक मुद्दे'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'किशोरों के समाजीकरण पैटर्न पर डिजिटल लत का प्रभाव' पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. शिखा तिवारी ने 20 से 22 फरवरी 2025 को शिक्षा विभाग, गुरु घासी दास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आईएटीई द्वारा प्रायोजित वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शिक्षक शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को बढ़ाने में मनोवैज्ञानिक दृढ़ता की भूमिका' पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. शिखा तिवारी ने 13 और 14 अप्रैल 2025 को एसओसी, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''राष्ट्र निर्माण और संवैधानिक प्रतिबद्धताओं पर बाबासाहेब की अवधारणा'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में 'राष्ट्र निर्माण के लिए डॉ. अंबेडकर का योगदान' पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. शिखा तिवारी ने 28 फरवरी 2025 को शिक्षा विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में ''शिक्षा का भारतीयकरणः परंपरा और आधुनिकता का समन्वय'' विषय पर सेमिनार आयोजित किया।

डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे

- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में नियमित, ऑनलाइन और ओडीएल मोड का अभिसरण और प्रौद्योगिकी एकीकरण'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार (हाइब्रिड मोड) में भाग लिया, जो आईसीएसएसआर, उत्तर–पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ द्वारा प्रायोजित था। यह 6–7 मार्च, 2025 को आयोजित हुआ, जिसमें ''समावेश के लिए डिजिटल मार्गः विविध सीखने के अनुभव के लिए ऑनलाइन और

डिजिटल शिक्षा (ओडीएल) और ई–लर्निंग टूल का लाभ उठाना'' शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।

- 22 और 23 मार्च, 2025 को आयोजित ''विकसित भारत में शिक्षा की गुणवत्ता पर एनईपी 2020 का प्रभाव'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार (हाइब्रिड मोड) में भाग लिया, जिसे इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित और शिक्षा विभाग, सीतापुर शिक्षा संस्थान, कनवाखेड़ा, रेसोरा–सीतापुर (यूपी) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें ''राष्ट्रों को जोड़ना, भविष्य को आकार देनाः वैश्वीकरण उच्च शिक्षा के एक नए युग के लिए एनईपी 2020 का दृष्टिकोण'' शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 22 मार्च, 2025 को आयोजित ''भारत में शैक्षिक परिदृश्यः वैश्वीकरण के युग में चुनौतियाँ और संभावनाएँ'' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार (हाइब्रिड मोड) में भाग लिया। जिसे शरण कॉलेज ऑफ एजुकेशन फॉर विमेन कांगड़ा (एचपी) (एचपी यूनिवर्सिटी शिमला से संबद्ध) के आईक्यूएसी और सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट (सीपीडी) आर एण्ड डी सेल, एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय, कैथल, हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, जिसमें ''चाय बागान श्रमिकों के बच्चों के उत्थान के लिए अभिनव शैक्षिक दृष्टिकोण'' शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया गया।
- योग विभाग, योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय में ''मांसपेशी प्रणाली पर योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रभावों पर 20वें राष्ट्रीय सेमिनार'' में भाग लिया, जिसमें ''मांसपेशी प्रणाली पर योग का प्रभाव'' शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 8–9 नवंबर 2024 को ''इंटरनेशनल साइंटिफिक रिसर्च एसोसिएशन'', बैंकाक, थाईलैंड में ''रिसर्च और इनोवेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' में भाग लिया, जिसमें ''स्कूल शिक्षा के लिए शिक्षाशास्त्रः एनईपी 2020'' शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया गया।
- ''समग्र शिक्षा सुधारः काउंसलिंग और साइकोमेट्रिक असेसमेंट में एनईपी–2020 के बीच तालमेल बनाना'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षा विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय में भाग लिया ''शैक्षिक मनोविज्ञान की भूमिका'' शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

आचार्य राज शरण शाही

- मीनाक्षी पांडे ने "ए स्टडी ऑफ धर्मपाल एजुकेशनल कंट्रिब्यूशन इन द लाइट ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- नूतन सुकन्या ने "उच्च माध्यमिक स्तर के जनजातीय विद्यार्थियों की अभिवृत्ति एवं व्यावसायिक आकांक्षा पर पारंपरिक ज्ञान आधारित एसटीईएम शिक्षा मॉड्यूल के प्रभाव का अध्ययन" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- शंकर बैरागी ने ''ए स्टडी ऑफ वोकेश्नल एटिट्यूड मेचुरिटी, करियर रिस्क–टेकिंग बिहेवियर एण्ड सेल्फ–मोटिवेशन एमांग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

आचार्य हरिशंकर सिंह

- रिया शर्मा ने "इफेक्ट ऑफ योगिक प्रैक्टिसेस ऑन इमोशनल इंटेलिजेन्स एण्ड सेल्फ कॉन्सेप्ट ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- सावित्री कश्यप ने "इफेक्ट ऑफ कन्स्ट्रक्टिविस्ट अप्रोच ऑन अचीवमेंट इन मैथमेटिक्स एट सेकेंडरी लेवेल" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

- रश्मि ने "ए स्टडी ऑफ एटिट्यूड टुवर्ड्स एक्सपीरियेन्शियल लर्निंग एमांग टीचर ट्रेनीस" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- सुनंदा सिंह ने ''ए स्टडी ऑफ एक्सपेक्टेन्सी–वैल्यू ऑफ लर्निंग इंग्लिश, सेल्फ़–एस्टीम एण्ड अचीवमेंट इन इंग्लिश एमांग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- रानी सिंह ने "इफेक्ट ऑफ वॅल्यू बेस्ड इंटरवेन्शन प्रोग्राम ऑन एकेडेमिक स्ट्रेस एण्ड इमोशनल इंटेलिजेन्स एमांग मिड्ल स्कूल स्टूडेंट्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- बिश्वजीत सरकार ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. बी. एस. गुप्ता

- मृत्युंजय कुमार ने ''उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म–नियन्त्रण, समस्या–समाधान एवं सामाजिक व्यवहार पर यौगिक क्रियाओं के प्रभाव का अध्ययन'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- मोहिनी संखवार ने "इफेक्ट ऑफ मोबाइल फोन एण्ड इंटरनेट यूज़ेज ऑन एकेडेमिक प्रोक्रेस्टिनेशन एण्ड सोशल बिहेवियर एमांग अंडरग्रेजुयेट स्टूडेंट्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- शिखा सिंह ने "इफेक्ट ऑफ एक्सपीरियेन्शियल लर्निंग ऑन प्राब्लम–सॉल्विंग एण्ड एकेडेमिक अचीवमेंट एमांग मिड्ल स्कूल स्टूडेंट्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. सुभाष मिश्रा

- नेहा चौधरी ने "मल्टिडिसिप्लिनरी रिसर्च इन इंडियन यूनिवर्सिटीज विथ स्पेशल रेफरेन्स टू रिसर्च ट्रेंड्स एक्रॉस द डिसिप्लिन" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. विक्टोरिया सुसान इज्जिना

- हिमांशी अग्निहोत्री ने "ए स्टडी ऑफ मेटाकॉग्निटिव अवेयर्नेस, इमोशनल मेचुरिटी एण्ड पर्पस इन लाइफ ऑफ प्रॉस्पेक्टिव टीचर्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- निष्ठा पांडे ने "इंडियन ईथोस एण्ड यूडेमोनिक वेल–बीयिंग ऑफ एडोलेसेंट्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- श्रेया ने माइक्रो–क्रेडेंशियल्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू एनईपी 2020: पर्सेप्शन ऑफ स्टूडेंट्स ऑफ हाइयर एजुकेशन" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. संगीता चौहान

- सोनू बारा ने "रिसर्च कल्चर इन टीचर एजुकेशन इन्स्टिट्यूशन्सः ए क्रिटिकल एनॉलिसिस" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- माइकल टैरेंस सूरज ने "एक्सप्लोरिंग द स्टेटस ऑफ माइनोरिटी स्कूल्स इन झारखंड" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. राजेश इक्का

- अनीस अहमद खान ने "उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों में निहित हिंदी भाषा कौशलों के अनुप्रयोग का विश्लेषणात्मक अध्ययन" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- संजय सिंह ने "ए स्टडी ऑन अर्ली चाइल्डहुड केयर एण्ड एजुकेशन एमांग मुंडा ट्राइब इन जंगल महल ऑफ वेस्ट बेंगल" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. ललिमा

- राधा रानी ने "इफेक्ट ऑफ म्यूज़िक इंटीग्रेटेड टीचिंग प्रोग्राम ऑन द मेमोरी एण्ड अटेन्शन ऑफ प्राइमरी स्कूल स्टूडेंट्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।
- मोरोमी हाजोंग ने "इंपैक्ट ऑफ गेम–बेस्ड लर्निंग ऑन मैथमेटिक्स अचीव्मेंट एमांग हजोंग ट्राइबल स्टूडेंट्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. विवेक नाथ त्रिपाठी

- अंकित कुमार ने "लाक्षणिक क्षमता के विभिन्न स्तरों के विद्यार्थियों के आदर्श–आत्म, मूल प्रवृत्ति एवं आत्म–सामर्थ्य का अन्वेषणात्मक अध्ययन" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. शिखा तिवारी

- प्रिया शर्मा ने "साइकोलॉजिकल हार्डिनेस एण्ड सोशल इंटेलिजेन्स इन रीलेशन टू प्रोफेशनल कमिटमेंट एण्ड कंपिटेन्सी एमांग प्रॉस्पेक्टिव टीचर्स" नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया।

डॉ. मीना विश्वेश्वर राक्षे

- कमलिनी रॉय ने "एजुकेशनल ऑस्पिरेशन एण्ड अचीवमेंट मोटिवेशन ऑफ द चिल्ड्रेन ऑफ टी गार्डेन वर्कर्स इन जलपाईगुड़ी डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बंगाल'' नामक शीर्षक थीसिस के साथ पीएच. डी. में प्रवेश लिया।

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य हरिशंकर सिंह

- अवनिश कुमार को ''बदलते सामाजिक परिवेश में मुसहर समुदाय जातिः एक शैक्षिक–सामाजिक अध्ययन (मुसहर कम्यूनिटी इन चेंजिंग सोशल सिनॉरियोः एन एजुकेशनल–सोशल स्टडी)" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।
- राहुल बाल्मीकि को "एक्सेस, रिटेन्शन एण्ड एजुकेशनल सोशियलाइज़ेशन ऑफ शेड्यूल कॉस्ट एण्ड शेड्यूल ट्राइब स्टूडेंट्सः ए केस स्टडी ऑफ टू सेंट्रल यूनिवर्सिटीज ऑफ इंडिया" ीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

डॉ. सुभाष मिश्रा

- कोमल शुक्ला को "ए स्टडी ऑफ टेक्नोलॉजिकल पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज एमांग इंग्लीश पेडागोजी टीचर ट्रेनीस ऑफ सेकेंडरी लेवेल" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।
- नवनीता त्रिपाठी को "लीडरशिप एण्ड प्रोफेशनल केपासिटीज एमांग टीचर ट्रेनीस ऑफ सेकेंडरी लेवेल" लेवेल" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।
- ज़फ़र इक़बाल को "प्रिफरेन्सस एण्ड पैटर्न्स ऑफ एजुकेशन एमांग गुज्जर पास्टरलिस्ट्स इन जम्मू रीजनः ए केस स्टडी ऑफ राजौरी डिस्ट्रिक्ट" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

डॉ. विक्टोरिया सुसान इज्जिना

- श्रीनिवास आज़ाद को "ए स्टडी ऑफ एन्वाइरन्मेंटल अवेयर्नेस एण्ड प्रो–एन्वाइरन्मेंटल बिहेवियर ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

डॉ. संगीता चौहान

- शाश्वत कुमार को "ए स्टडी ऑफ टीचिंग–लर्निंग एण्ड इवॉल्यूयेशन प्रैक्टिसेस इन हाइयर एजुकेशन इन्स्टिट्यूशन्स ऑफ उत्तर प्रदेश" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

डॉ. राजेश इक्का

- कुमारी ज्योति को "द सोसियो–इकोनामिक इम्पॉवरमेंट ऑफ वुमन थ्रू सेल्फ़–हेल्प ग्रूप्सः ए स्टडी ऑफ बिहार" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

डॉ. ललिमा

- जया शुक्ला को "इंपैक्ट ऑफ इंटरवेन्शन प्रोग्राम ऑन द एटिट्यूड ऑफ सेकेंडरी गर्ल्स स्टूडेंट्स टुवर्ड्स स्टेम एजुकेशन" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

डॉ. विवेक नाथ त्रिपाठी

- सोनाली जायसवाल को "स्टूडेंट्स विथ डिसाबिलिटीज एण्ड बुलईयिंगः ए स्टडी" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गयी।

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः–

आचार्य राज शरण शाही

- ''प्राचीन भारत में शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण में बौद्ध शिक्षा का योगदान'', आईसीएचआर द्वारा वित्त पोषित।
- ''एशिया के शैक्षिक विकास में बौद्ध आचार्यों का योगदान'', यूजीसी द्वारा वित्त पोषित एक लघु अनुसंधान परियोजना।

डॉ. सुभाष मिश्र

- डॉ. सुभाष मिश्रा, परियोजना निदेशक, अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना (व्यक्तिगत) जिसका शीर्षक है "एन एनॉलिसिस ऑफ इफेक्टिव्नेस ऑफ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) प्रोग्राम टू सेव, एजुकेट एण्ड एम्पॉवर द गर्ल चाइल्ड इन उत्तर प्रदेश" राशि रु.4,50,000/ (रिपोर्ट का मूल्यांकन किया गया और सफलतापूर्वक अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई)।
- डॉ. सुभाष मिश्रा, सह–परियोजना निदेशक, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है "नीड एसेसमेंट ऑफ मैसिव ऑनलाइन ओपन कोर्सस (मूक्स) फॉर स्वयं प्लेटफॉर्म ऑफ हाइयर एजुकेशन" राशि रु. 9,82,000/–

डॉ. संगीता चौहान

- डॉ. संगीता चौहान भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा एक वर्ष के लिए 11 लाख के अनुदान से वित्त पोषित "डेवेलपमेंट ऑफ इन्स्ट्रक्शनल पैकेज टू इंकल्केट लाइफ स्किल्स एजुकेशन एट एकलव्य मॉडल रेसिडेन्शियल स्कूल (ईएमआरएस)" नामक लघु परियोजना चला रही हैं (01.04.2025 से)।

डॉ. शिखा तिवारी

- डॉ. शिखा तिवारी, परियोजना निदेशक, लघु शोध परियोजना, आईसीएसएसआर नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'नीड असेसमेंट ऑफ मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सस (एमओओसी) फॉर स्वयं प्लेटफॉर्म ऑफ हाइयर एजुकेशन' विषय पर।

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–

- डॉ. विक्टोरिया सुसान इज्जिना को ''डिजिटल एजुकेशन ट्रेनिंग डिवाइस'' शीर्षक से पेटेंट दिया गया, डिज़ाइन नंबर–444124–001, प्रकाशन तिथि 25.04.25।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	36
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	15
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	01

4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	03
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	10
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	66
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	227
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	छात्रों की कुल संख्या	11
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	00
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	01
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	05
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	01
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	15
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	17

गृह विज्ञान विद्यापीठ

1. परिचय

गृह विज्ञान विद्यापीठ एक प्रतिष्ठित संस्था है जो शिक्षा और अनुसंधान के लिए बहु–विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए समर्पित है। हमारा मिशन शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और सामाज की भलाई को बढ़ावा देना है, जो हमारे अलग–अलग तरह के और बड़े कार्यक्रमों में दिखता है, जिन्हें छात्रों को आज की चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया हैं। हमारी शैक्षणिक पेशकशों में मानव विकास और परिवार अध्ययन, खाद्य एवं पोषण तथा खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के साथ–साथ गृह विज्ञान की विभिन्न विशेषज्ञताओं में पीएच.डी. कार्यक्रम शामिल है। विद्यापीठ अलग–अलग विभिन्न क्षेत्रों में सीखने और ज्ञान फैलाने के एक जरूरी केन्द्र के तौर पर काम कर रहा है।

हमारे छात्रों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए, बुनियादी ढांचे को लगातार उन्नत किया जा रहा है, जिससे शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं मिल रही हैं। सांस्कृतिक गतिविधियों, सामुदायिक आउटरीच, कार्यशालाओं और सेमिनारों के आयोजन करने और उनमें हिस्सा लेने के लिए बहुत सारी सुविधाएं हैं। हमारी जीवंत छात्र परिषद सांस्कृतिक कार्यों का आयोजन करती है, जिससे छात्रों में नेतृत्व के गुण आती है और उन्हें अपना प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है।

हमारे पाठ्यक्रम की उत्कृष्टता और संकाय सदस्यों के समर्पण ने गृह विज्ञान विद्यापीठ को शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक विस्तार के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में बनाया है। हमारे पूर्व छात्र निजी और सरकारी संगठनों में प्रतिष्ठित पदों पर हैं, जो हमारी शिक्षा की गुणवत्ता का प्रमाण है। हम रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने, नवाचार को बढ़ावा देने और अपने छात्रों को उद्यमिता और पेशेवर दक्षता के लिए वैश्विक कौशल के साथ तैयार करने के लिए समर्पित हैं।

2. विभागों की संख्या – 02 (दो)

i. मानव विकास एवं परिवार अध्ययन विभाग
ii. खाद्य एवं पोषण विभाग

3. मानव विकास एवं परिवार अध्ययन विभाग में संकाय की संख्या– 06 (छः), (प्रतिनियुक्ति पर 01, ग्रहणाधिकार पर 01)

4. विद्यापीठ की विशेष विशेषताएं

विद्यापीठ के संकाय सदस्य शोध में सक्रिय हैं, उनके शोध के काम प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं, और स्कोपस, वेब ऑफ साइंस, पबमेड आदि में अनुक्रमित भी हैं। इस क्षेत्र में उनका योगदान संकाय सदस्यों को दिए गए पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से पता चलता है। विद्यापीठ छात्रों के ज्ञान को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से इस क्षेत्र के जाने–माने लोगों द्वारा व्याख्यान श्रृंखला भी आयोजित करता है ताकि उन्हें अच्छी तरह से पता चल सकें।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रमों, साथ ही विकसित भारत@2047 को विद्यापीठ के छात्रों और संकाय सदस्यों बड़े पैमाने पर मनाते हैं, जिसमें व्याख्यान, कौशल विकास कार्यक्रम, उद्यमिता मेले, शैक्षणिक गतिविधियों और अन्य प्रतियोगिताओं के आयोजित किये जाते है।

5. विद्यापीठ का उद्धरण–सूचकांक

विद्यापीठ का कुल उद्धरण–सूचकांक–

i. उद्धरण – 1668
ii. एच–इंडेक्स – 43
iii. आई10–सूचकांक – 44

मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग

विभाग का परिचय

मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग (एचडीएफएस) मानव विकास, विकास और पारिवारिक गतिशीलता के समग्र अध्ययन के लिए समर्पित है। यह स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रदान करता है जो सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव, शोध और सामुदायिक सहभागिता के साथ जोड़ते हैं। विभाग छात्रों को पेशेवर और शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए तैयार करने हेतु अंतःविषय शिक्षण, क्षेत्र–आधारित प्रशिक्षण और विस्तार गतिविधियों पर ज़ोर देता है।

विशेषताएँ

- अंतःविषय विशेषज्ञता वाले अनुभवी और शोध–उन्मुख संकाय।
- व्यक्तिगत मार्गदर्शन को सक्षम करने वाला मज़बूत छात्र–शिक्षक अनुपात।
- सीबीसीएस के साथ स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर पर सुव्यवस्थित कार्यक्रम।
- शोध, प्रकाशन और परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी।
- सेमिनार, कार्यशालाओं, विस्तार और आउटरीच गतिविधियों का नियमित आयोजन।
- शिक्षा जगत, गैर–सरकारी संगठनों और विकास क्षेत्रों में प्लेसमेंट के साथ मज़बूत पूर्व छात्र नेटवर्क।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

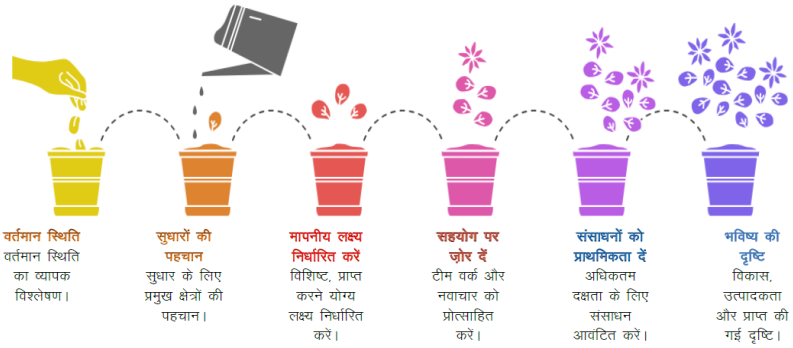

- एनईपी–2020 के अनुरूप नए मूल्यवर्धित/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करें।
- छात्र इंटर्नशिप और शोध के लिए उद्योग–अकादमिक सहयोग को मज़बूत करें।
- आईसीटी–सक्षम शिक्षण संसाधनों और स्मार्ट कक्षा सुविधाओं को बढ़ाएँ।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों के माध्यम से अनुसंधान परियोजनाओं का विस्तार करें।
- अधिक राष्ट्रीय संगोष्ठियों, एफडीपी और कौशल–विकास कार्यक्रमों का आयोजन करें।
- मज़बूत सामुदायिक आउटरीच और विस्तार सेवाएँ स्थापित करें।

1. पाठ्यचर्या संबंधी पहलू

1.1 पाठ्यचर्या डिजाइन और विकास



- यूजीसी/आईसीएआर दिशानिर्देशों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।
- अध्ययन बोर्ड (बीओएस) के माध्यम से पाठ्यक्रम का नियमित संशोधन और अद्यतनीकरण।
- सीबीसीएस और एनईपी–2020 के सिद्धांतों को शामिल किया गया है।
- हितधारकों (छात्र, पूर्व छात्र, उद्योग विशेषज्ञ) से इनपुट।

1.2 पाठ्यचर्या नियोजन एवं कार्यान्वयन

- शैक्षणिक कैलेंडर का कड़ाई से पालन।
- संकाय द्वारा विस्तृत शिक्षण योजनाएँ तैयार की गईं।
- पाठ्यक्रम वितरण की निरंतर निगरानी।
- प्रभावी शिक्षण के लिए आईसीटी–आधारित उपकरणों का उपयोग।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- वैकल्पिक विकल्पों के साथ सीबीसीएस–आधारित पाठ्यक्रम।
- सभी विभागों में खुले वैकल्पिक विषय उपलब्ध।
- अंतःविषयक शिक्षण और कौशल संवर्धन का प्रावधान।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

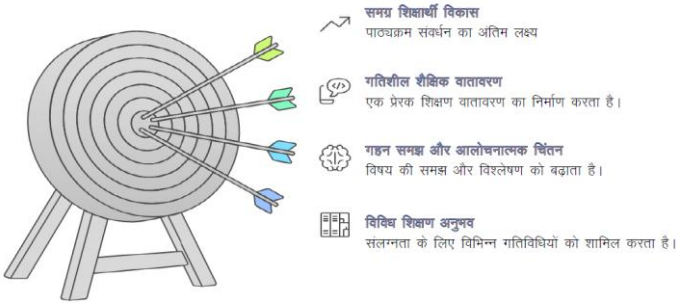

- मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम और कौशल विकास कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।
- जीवन कौशल, लैंगिक संवेदनशीलता और पर्यावरण जागरूकता को एकीकृत किया गया।
- पाठ्यक्रम से जुड़े विस्तार और आउटरीच कार्यक्रम।

1.5 फीडबैक प्रणाली

- छात्रों, पूर्व छात्रों, नियोक्ताओं और संकाय से संरचित फीडबैक तंत्र।
- प्रत्येक फीडबैक चक्र के बाद तैयार की गई कार्रवाई रिपोर्ट।
- पाठ्यक्रम सुधार के लिए फीडबैक का उपयोग।

2 शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- समानता और विविधता सुनिश्चित करने वाले विश्वविद्यालय मानदंडों के माध्यम से प्रवेश।
- विभिन्न राज्यों और सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व।
- आरक्षण नीतियों का कार्यान्वयन।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- प्रथम वर्ष के प्रवेशार्थियों के लिए ब्रिज कोर्स।
- धीमी गति से सीखने वालों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं।
- उन्नत शिक्षार्थियों को शोध अनुभव और अतिरिक्त परियोजनाएं प्रदान की जाती हैं।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- समूह चर्चा, केस स्टडी और रोल–प्ले के साथ शिक्षार्थी–केंद्रित शिक्षण।
- आईसीटी एकीकरण के साथ मिश्रित शिक्षण।
- फील्डवर्क और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

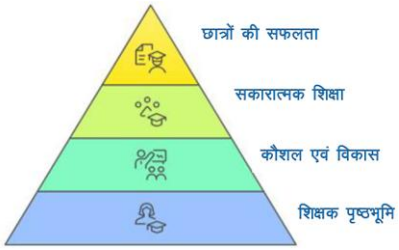

- पीएच.डी. डिग्री के साथ योग्य संकाय।
- संकाय सक्रिय रूप से अनुसंधान, प्रकाशन और परियोजनाओं में संलग्न।
- एफडीपी, अभिविन्यास और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में भागीदारी।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- सतत आंतरिक मूल्यांकन (सीआईए)।
- मॉडरेशन और पुनर्मूल्यांकन सहित पारदर्शी परीक्षा प्रणाली।
- महामारी के दौरान ऑनलाइन मूल्यांकन को शामिल किया गया।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- पीओ/सीओ/पीएसओ स्पष्ट रूप से परिभाषित और मैप किए गए।
- असाइनमेंट, प्रोजेक्ट और मौखिक परीक्षा के माध्यम से सीखने के परिणामों का मूल्यांकन किया गया।
- प्लेसमेंट और उच्च अध्ययन रिकॉर्ड में सुधार हुआ।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- नियमित एसएसएस आयोजित किया गया।
- शिक्षण गुणवत्ता और सुविधाओं में सुधार के लिए विश्लेषण का उपयोग किया गया।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- आईसीएसएसआर, आईसीएआर और अन्य एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएँ।
- संकाय और शोधार्थियों के लिए आंतरिक वित्त पोषण सहायता।

3.2 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- समुदाय–आधारित अनुसंधान से जुड़ी छात्र परियोजनाएँ।
- उद्यमिता और कौशल–आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा।

3.2 अनुसंधान प्रकाशन और पुरस्कार



- समकक्ष–समीक्षित और यूजीसी केयर पत्रिकाओं में संकाय प्रकाशन।
- पुस्तकें और पुस्तक अध्याय लिखित।
- अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए मान्यता और पुरस्कार।

3.4 विस्तार गतिविधियाँ

- नियमित सामुदायिक आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम।
- स्वास्थ्य, पोषण और बाल विकास पहल।
- गैर–सरकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग।

3.5 सहयोग

- शैक्षणिक संस्थानों और गैर–सरकारी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन।
- सहयोगात्मक परियोजनाएँ और संगोष्ठियाँ आयोजित।

4 अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

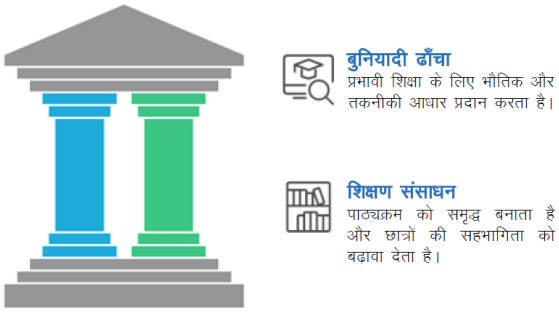

4.1 भौतिक सुविधाएँ

- सुसज्जित कक्षाएँ और प्रयोगशालाएँ।
- स्मार्ट कक्षा सुविधाएँ।
- अद्यतन संसाधनों से युक्त विभागीय पुस्तकालय।

4.2 शिक्षण संसाधन के रूप में पुस्तकालय

- इनफ्लिबनेट, ई–शोध सिंधु के माध्यम से ई–संसाधनों तक पहुँच।
- अद्यतन पाठ्यपुस्तकें, पत्रिकाएँ और संदर्भ सामग्री।

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई सक्षम परिसर।
- आईसीटी–आधारित शिक्षण सुविधाएँ।
- एकीकृत ऑनलाइन शिक्षण संसाधन।

4.4 परिसर अवसंरचना का रखरखाव

- वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) लागू।
- भौतिक और डिजिटल अवसंरचना का नियमित ऑडिट।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ।
- शोधार्थियों के लिए वित्तीय सहायता।

5.2 क्षमता निर्माण और कौशल संवर्धन

- संचार, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षण।
- रोज़गार क्षमता संवर्धन हेतु प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

5.3 छात्र प्रगति

- उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर/पीएचडी) प्राप्त कर रहे छात्र।
- पूर्व छात्र शैक्षणिक संस्थानों, गैर–सरकारी संगठनों और सरकारी सेवाओं में कार्यरत।

5.4 पूर्व छात्र जुड़ाव

- सक्रिय पूर्व छात्र संघ।
- सेमिनारों, प्लेसमेंट और मार्गदर्शन में पूर्व छात्रों का योगदान।

6 शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विश्वविद्यालय के लक्ष्यों के अनुरूप दृष्टि।
- निर्णय लेने और समितियों में संकाय की सक्रिय भागीदारी।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- शैक्षणिक और अनुसंधान विकास के लिए रणनीतिक योजना।
- विभागीय गतिविधियों की नियमित निगरानी।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय विकास कार्यक्रमों के अवसर।
- सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए सहायता।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- पारदर्शी बजट और संसाधन आवंटन।
- अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से धन जुटाने के प्रयास।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईक्यूएसी दिशानिर्देशों का पालन।
- नियमित ऑडिट और स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- लैंगिक संवेदनशीलता कार्यक्रम।
- पर्यावरणीय स्थिरता पहल।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

i. समुदाय–आधारित विस्तार और आउटरीच कार्यक्रम।
ii. छात्र मार्गदर्शन और परामर्श प्रणाली।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- अनुसंधान, विस्तार और शिक्षण का सुदृढ़ एकीकरण।
- समावेशी और सतत विकास प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित।

8 संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. सुनीता मिश्रा**
  आचार्य (03 वर्षों के लिए प्रतिनियुक्ति पर)
  विशेषज्ञताः खाद्य एवं पोषण
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी., डॉक्टरेट ऑफ़ लेटर, फ्रेंच में डिप्लोमा
- **आचार्य यू वी किरन**
  आचार्य, संकायाध्यक्ष
  विशेषज्ञताः संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **आचार्य नीतू सिंह**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः खाद्य एवं पोषण
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.

- **आचार्य शालिनी अग्रवाल**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः पारिवारिक संसाधन प्रबंधन
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. ख्वैरकापम शर्मिला**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः मानव विकास एवं परिवार अध्ययन
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. प्रियंका शंकर**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः खाद्य एवं पोषण
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.

8.2 संस्थान के भीतर और बाहर विभिन्न पद –

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य यू.वी. किरन

- संगीता सिंह, यू.वी. किरन, शिखा गौतम और आर. दिलीप कुमार द्वारा लिखित "एक्सप्लोरिंग अपर लिंब डिसकंफर्ट ड्यू टू स्मार्टफोन यूज़ेज एण्ड इंटरनेट एडिक्शन एक्रॉस ऐज ग्रूप्सः ए साइंटिफिक एक्सप्लोरेशन" शीर्षक से शोधपत्र, ''जर्नल ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च'' पत्रिका में आईएसएसएनः 1000–6052, 2025 के साथ प्रकाशित।
- संगीता सिंह, यू.वी. किरन द्वारा लिखित "प्रिवलेन्स ऑफ स्मार्टफोनयूज़ेज हैबिट एण्ड इट्स एसोसियेशन विथ सिंप्टम्स ऑफ हैंड डिसकंफर्ट" शीर्षक से शोधपत्र, किरण, शिखा गौतम का शोध पत्र ''हिल क्वेस्ट'' पत्रिका में आईएसएसएनः 2454–3144 / 2025 के साथ प्रकाशित हुआ।
- प्रकृति सिंह, यू वी किरन, नेहा रावत और सविता मिश्रा द्वारा ''एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ टीचर'स नालेज एण्ड द डेवेलपमेंट ऑफ फोनलॉजिकल अवेयर्नेस स्किल्स इन किंडरगॉर्टेन चिल्ड्रेन" शीर्षक से शोध पत्र ''शोध दृष्टि'' पत्रिका में आईएसएसएनः 0976–6650 / 2025 के साथ प्रकाशित हुआ।
- निशा राज, यू वी किरन और शिखा गौतम द्वारा "इमोशनल रेग्युलेशन एण्ड मेंटल हेल्थ एमांग एजियिंग पॉप्युलेशन्सः पाथवेज टू हेल्थी एजियिंग" शीर्षक से शोध पत्र ''शोधकोषः जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स'' पत्रिका में आईएसएसएनः 2582–7472 / 2024 के साथ प्रकाशित हुआ।
- गौतम शिखा और किरन यू वी द्वारा "क्लिनिकल इफेक्ट्स ऑफ योगा एण्ड मेडीशनल प्रैक्टिसेस ऑन द होलिस्टिक हेल्थ ऑफ क्रॉनिक किड्नी डिसीज़ पेशेंट्सः ए सिस्टमेटिक रिव्यू" शीर्षक से शोध पत्र जर्नल ''क्यूरियस जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज'' में प्रकाशित, स्प्रिंगर नेचर और पबमेड में अनुक्रमित, DOI:10.7759/Cureus.57546 with e-ISSN2168-8184.के साथ।

आचार्य नीतू सिंह

- केएम, ए., सागर, पी., और सिंह, एन. (2025), ''एफिकेसी ऑफ लेमनग्रास इंटू कॉफी पाउडर फॉर द डेवेलपमेंट ऑफ कैपुचीनो'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 4(1), 226–234।

- यादव, ए., सिंह, एन., और नंदा, ए. (2025)। ''एसोसियेशन बिट्वीन फैमिली सोसियोडेमोग्राफिक कैरेक्टरिस्टिक्स एण्ड एथ्रोपोमेट्रिक मीजरमेंट्स ऑफ प्रिस्कूल चिल्ड्रेन इन नगराम, लखनऊ, भारत'', शिक्षण पर शोध में प्रगति, 26(2), 275–289।
- सत्यवती, पी., सिंह, एन., और सिंह, ए. (2024), ''नालेज रिगार्डिंग एनीमिया एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन एडोलेसेंट गर्ल्स ऑफ द कोलम ट्राइबः ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी'', (21 अगस्त, 2024)। पूरक एवं वैकल्पिक चिकित्सा अनुसंधान जर्नल।
- अज़हर, एम., सिंह, एन., और नंदा, ए. (2024), ''प्रॉक्सिमेट एण्ड फंक्शनल कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ डेवेलप्ड मालाबार टाम्रिंड (गार्सीनिया कंबोगिया) पेस्ट'', करेंट जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 43(12), 81–88।
- राज, टी., सिंह, एन., और नंदा, ए. (2024), ''ऑप्टिमाइज़िंग न्यूट्रीशनल कंटेंट इन फोर्टिफाइड राइस केकः फाइटोकेमिकल एण्ड सेन्सरी एवॉल्यूयेशन'', करेंट जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 43(9), 67–77।
- आदर्श कृष्ण एस., सिंह, एन., और सागर, पी. (2024), ''फॉर्मुलेशन एण्ड आप्टिमिज़ेशन ऑफ चिया बेस्ड स्ट्रॉबेरी जैमः ए फंक्शनल फुड इनोवेशन'',एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 3(2), 381–389।
- पोधेम, वाई., सिंह, एन., सागर, पी., और नंदा, ए. (2024), ''डेवेलपमेंट ऑफ फ्लोरल–बेस्ड फर्मेंटेड ड्रिंक विथ महुआ फ्लावर्स'', एसएसआरएन इलेक्ट्रानिक जर्नल https://doi.org/10.2139/ssrn.5006110.
- राज, टी., सिंह, एन., और नंदा, ए. (2024), ''इनहैन्सिंग न्यूट्रीशनल वैल्यूः फॉर्मुलेशन एण्ड एनॉलिसिस ऑफ राइस केक एनरिच्ड विथ ग्रीन ग्राम पी'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 3(3), 431–438।
- अज़हर, एम., सिंह, एन., और नंदा, ए. (2024), ''डेवेलपमेंट एण्ड ऑर्गनोलेप्टिक एवॉल्यूयेशन ऑफ मलाबार टाम्रिंड (गार्सिनिया कैम्बोजिया) पेस्ट'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 3(3), 574–581।
- पाणिग्रही, एस., नंदा, ए., सागर, पी., और सिंह, एन. (2024), ''कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड स्टैंडर्डाइज़ेशन ऑफ ए मिलेट–बेस्ड प्रोबायोटिक बेवरेज वाया फिजिकोकेमिकल एण्ड माइक्रोबियल एनॉलिसिस'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 3(2), 371–380।
- यादव, ए., सिंह, एन., और सिंह, ए. (2024), ''स्टडी ऑन कोरिलेशन बिट्वीन फुड गैप एण्ड डाइयिटरी ऑफ प्रिस्कूल चिल्ड्रेन इन नगरम (लखनऊ), इंडिया'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 3(41140–1146)।
- चौहान, टी., सिंह, एन., सागर, पी., और नंदा, ए. (2024), ''डेवेलपमेंट ऑफ जेली केक एण्ड इट्स सेन्सरी एवॉल्यूयेशन बाइ यूज़िंग मिलेट एण्ड आंवला'', एशियन फूड साइंस जर्नल, 23(9), 44–56. https://doi.org/10.9734/afsj/2024/v23i9743

आचार्य शालिनी अग्रवाल

- सिंह एस., और अग्रवाल एस. (2025), ''एक्सप्लोरिंग द इंटरप्ले बिट्वीन कॉग्निटिव इमोशन रेग्युलेशन स्ट्रैटजीस एण्ड स्पिरिचुयल बिलीफ्स'', आईएनएसपीए जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड स्कूल साइकोलॉजी, जनवरी, खंड VI, विशेषांक, 393–404।
- सिंह एस. और अग्रवाल एस. (2024), ''जेंडर–बेस्ड कंपॅरटिव एनॉलिसिस ऑफ लाइफ स्किल्स एक्वज़िशनः एन एक्सप्लोरेटरी पाइलट स्टडी इन गवर्नमेंट शेल्टर होम'', आईएनएसपीए जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड स्कूल साइकोलॉजी, अक्टूबर, खंड VI (01), 33–42।

- सक्सेना एस., अग्रवाल एस. और ख्वैराकपमएस. (2024), ''सिवियरिटी ऑफ इनसोमनिया एमांग एडोलसेंट एण्ड यंग एडल्ट फीमेल्सः ए कंपरेटिव स्टडी'', बुलेटिन ऑफ एन्वाइरन्मेंट, फार्मकोलॉजी एण्ड लाइफ साइन्सेस, खंड 13 (3), 277–282।
- सिंह एस. और अग्रवाल एस. (2024), ''इम्पॉवरिंग इंडिविजुयल्स फॉर ए सस्टेनबल टुमॉरोः रोल ऑफ लाइफ स्किल्स डेवेलपमेंट'', जर्नल ऑफ इको फिजियोलॉजी एंड ऑक्यूपेशनल हेल्थ, जून खंड 24(2) 211–219, आईएसएसएन (ई)–072–4397।
- सक्सेना एस., अग्रवाल एस. और ख्वैराकपमएस. (2024), ''स्क्रीनिंग ऑफ एडोलेसेंट्स एण्ड यंग एडल्ट फीमेल्स सफरिंग फ्रॉम पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोमः ए कंपरेटिव स्टडी'', बुलेटिन ऑफ एन्वाइरन्मेंट, फार्मकोलॉजी एण्ड लाइफ साइन्सेस, खंड 13 (3), 277–282।

डॉ. ख्वैराकपम शर्मिला

- रस्तोगी, पूर्णिमा और शर्मिला, ख्वैराकपम (2024), ''एन एनॉलिसिस ऑफ सोशल सपोर्ट एण्ड मेंटल हेल्त ऑफ एल्डर्लीः ए पाइलट स्टडी'', अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, 27(3), 7221–7228. आईएसएसएन संख्या 1119–5096. स्कोपस इंडेक्स्ड और वेब ऑफ साइंस।
- रस्तोगी, पूर्णिमा और शर्मिला, ख्वैराकपम (2024), ''ए क्रॉस–सेक्शनल एनॉलिसिस ऑफ स्पीरिचुवालिटी एण्ड मेंटल हेल्थ एमांग एल्डर्ली इन लखनऊ सिटी'', फ्रंटियर्स इन हेल्थइंफॉर्मेटिक्स, 13 (8) 1513–1525 आईएसएसएन–ऑनलाइनः 2676–7104. स्कोपस इंडेक्स्ड।

डॉ. प्रियंका शंकर

- शैलेश कुमार, प्रियंका शंकर (2025), ''यूटिलाइज़ेशन ऑफ फ्रूट्स एण्ड वेजिटेबल्स प्रोसेसिंग वेस्ट्स इंटू फुड प्रोडक्ट्सः ए डिस्क्रिप्टिव रिव्यू'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिव्यूज़ एंड रिसर्च इन सोशल साइंसेज। 13(1): जनवरी–मार्च, 2025।
- देवी, मधु, और प्रियंका शंकर, 2024, ''अंडरस्टैडिंग सॉल्ट कन्संप्शन पैटर्न्स एण्ड हेल्थ रिस्क्सः ए स्टडी एमांग यंग एडल्ट्स इन लखनऊ'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन 3 (4):997–1006।
- श्रेया आर्य और प्रियंका शंकर, 2024, ''स्टडी ऑन ऑर्गेनोलेप्टिक एवॉल्यूयेशन ऑफ द बार्नयार्ड मिलेट मफिन्स'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज़, खंड 5, संख्या 9, पृष्ठ 806–812 सितंबर 2024।
- श्रेया आर्य, प्रियंका शंकर, 2024, ''न्यूट्रीशनल एण्ड शेल्फ–लाइफ एनॉलिसिस ऑफ द बार्नयार्ड मिलेट'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स (आईजेआरईएसएमएम), आईएसएसएनः 2455–6211, खंड 12, अंक 9, सितंबर–2024।
- आनंदु ए, प्रियंका शंकर, ''डेवेलपमेंट ऑफ ड्राइ मॉरिंगा चटनी पाउडर एण्ड प्रॉक्सिमेट एनॉलिसिस'' जनवरी 2025, खंड 12, अंक 1।
- आनंदु ए, प्रियंका शंकर, ''सेन्सरी एवॉल्यूयेशन ऑफ ड्राइ मॉरिंगा चटनी पाउडर'', आईजेसीआरटी, खंड 12, अंक 9, सितंबर 2024।
- चंद, अनुष्का, और प्रियंका शंकर, 2025, ''यूथ प्रिफरेन्सस ऑफ फोरटिफाइड प्रोडक्ट्स इन लखनऊ सिटी इन इंडियाः एक्सप्लोरिंग कन्संप्शन पैटर्न एण्ड बैरियर्स'' एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन 4 (1):168–74. Https://Doi.Org/10.9734/Ajfrn/2025/V4i1234.
- चंद, अनुष्का, और प्रियंका शंकर, 2025, ''अंडरस्टैडिंग यूथ अवेयर्नेस ऑफ फुड फॉर्टिफिकेशन इन लखनऊ सिटीः ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी'', जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस एण्ड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), 12 (1)।

- कौशिक घोष, प्रियंका शंकर, 2025, ''फिजिकोकेमिकल एनॉलिसिस ऑफ एलोवेरा एण्ड साइट्रस एसेन्शियल आयल एज कोटिंग मेटीरियल टू एन्हैन्स शेल्फ लाइफ ऑफ स्ट्रॉबेरीज'', द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च (टीआईजेईआर) जनवरी 2025, 12 (1)।
- कौशिक घोष, प्रियंका शंकर, 2025, ''माइक्रोबियल एनॉलिसिस ऑफ कोटेड स्ट्रॉबेरी सैम्पल्स यूजिंग यूज़िंग एलोवेरा जेल एण्ड साइट्रस एसेंशियल ऑयल'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी (आईजेआईआरटी) 11 (8)।
- चौधरी एनवी श्रीकांत रेड्डी, प्रियंका शंकर 2025, ''न्यूट्रीशनल एवॉल्यूयेशन ऑफ यूनिवर्सिटी हॉस्टल फुड इन लखनऊ'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एण्ड रिव्यूज़, 6(1), 2978–2983।
- कृपा ए. के., प्रियंका शंकर, 2025, ''प्रॉक्सिमेट एनॉलिसिस एण्ड शेल्फ–लाइफ एवॉल्यूयेशन ऑफ द मिलेट–बेस्ड न्यूट्रिटियस पॉरिज पाउडर'', जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस एण्ड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), 12 (1)।
- साकेत कुमार रंजन, प्रियंका शंकर, 2024, ''इफेक्ट ऑफ डीहाइड्रेशन मेथड ऑन एंटीऑक्सीडेंट एण्ड द डिफरेन्स इन सैंपल्स' शेल्फ लाइफ व्हेन ट्रीटेड एट डिफरेंट टेंपरेचर्स'', जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस एण्ड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), 11 (7)।
- चौधरी एन.वी. श्रीकांत रेड्डी, प्रियंका शंकर, 2024, ''डाइयिटरी प्रिफरेन्सस ऑफ यूनिवर्सिटी हॉस्टल इनमेट्स इन लखनऊ'', इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मॉडर्निज़ेशन इन इंजिनियरिंग, टेक्नोलॉजी एण्ड साइन्स, 6(8)।
- साकेत कुमार रंजन, प्रियंका शंकर, 2024, ''स्टडी ऑन फिजिकोकेमिकल एण्ड न्यूट्रीशनल प्रॉपर्टीज ऑफ टोमैटो पाउडर ड्राइड इन सोलर ड्राइयर एण्ड डिहाइड्रेटर'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एण्ड रिव्यूज़, 5(7), 1512–1517।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें – शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन

आचार्य यू.वी. किरन

- शिखा गौतम और यू.वी. किरण द्वारा "कंप्रेहेन्सिव सल्यूशन फॉर द मैनेजमेंट ऑफ क्रोनिक किडनी डिसीज़ः अप्लिकेशन ऑफ एआईओटी–असिस्टेड टेक्नोलॉजी" नामक पुस्तक अध्याय ''आईओटी इनोवेशन्स इन डिजिटल हेल्थः एनर्जी ट्रेंड्स, चैलेंजस एण्ड सल्यूशन्स" पुस्तक शीर्षक में, सीआरसी प्रेस टेलर एंड फ्रांसिस द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएनः 9781032744414 DOI: 10.1201/9781003469896 2025 में (पृष्ठ संख्या 61–64)।
- सविता मिश्रा और यू.वी. किरण द्वारा "एनहॅन्सिंग मोबिलिटी विथ एक्सेसिबिलिटी ऑफ असिस्टिव टूल्स फॉर द एल्डर्ली" नामक पुस्तक अध्याय ''ओल्ड ऐजः फाइनल स्टेज ऑफ लाइफ स्पैन" पुस्तक शीर्षक में, नव्या बुक हाउस द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएनः 978–81–962865–9–0, 2024 में (पृष्ठ संख्या 129–140)।

आचार्य नीतू सिंह

- सिंह, एन., नंदा, ए., सिंह, ए., कुमारी, पी., और सिंह, टी. ''कटिंग–एड्ज एंटीमाइक्रोबियल्स इन फूड पैकेजिंग अप्लिकेशन्स'' इन ''एन्वाइरन्मेंटल सस्टेनबिलिटी एण्ड बायोटेक्नोलॉजीः ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजेस'' स्प्रिंगरर नेचर।

डॉ. के. शर्मिला

- रजनी कर्णवाल और ख्वैराकपम शर्मिला (2024), ''पेरेंटिंग स्टाइल एण्ड इट्स इफेक्ट ऑन टीनेजर'स सेल्फ़ एस्टीम'' नामक पुस्तक अध्याय ''पेरेंटिंग एण्ड चाइल्ड केयरः ए चैलेंज ओर एन ऑपर्चुनिटी'' पुस्तक शीर्षक में डॉ. सोनाली कार्तिक और डॉ. नीतू सिंह द्वारा लिखित, कुणाल बुक्स प्रकाशक एवं वितरक, 4648/21, प्रथम तल, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली 110002। आईएसबीएनः 978–93–6389–998–8।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

आचार्य यू.वी. किरन

- मानव विकास एवं परिवार अध्ययन विभाग, बीबीएयू, लखनऊ द्वारा 13–14 फरवरी, 2025 को भारतीय प्राणी समाज और भारतीय शिक्षण मंडल (अवध प्रांत) के सहयोग से आयोजित ''विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने की दिशा में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण'' विषय पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला के अध्यक्ष एवं संयोजक।
- भारतीय शिक्षण मंडल (अवध प्रांत) के सहयोग से गृह विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित ''शोध आनंदशाला–शोध लेखन एवं प्रकाशन'' की अध्यक्षा, जो 09 अगस्त, 2024 से 23 अगस्त, 2024 तक चली।
- विश्व एल्ज़ाइमर दिवस के उपलक्ष्य में मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग, गृह विज्ञान संकाय, बीबीएयू में 24 सितंबर, 2024 को आयोजित ''डिमेंशिया पर कार्रवाई का समय, अल्ज़ाइमर पर कार्रवाई का समय'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी की अध्यक्षा।
- 25वीं इंडो–यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला की रजत जयंती की आयोजन समिति की सदस्या।
- 24/07/2024 को आयोजित व्यास पूजा एवं शोध आनंदशाला कार्यशाला में भाग लिया।

आचार्य नीतू सिंह

- 7 और 8 फरवरी 2025 को भारतीय पोषण परिषद और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय पोषण एवं जन स्वास्थ्य सम्मेलन (एनसीआईसीओएन) में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।
- 18 दिसंबर 2024 को विश्व खाद्य कार्यक्रम और चावल फोर्टिफिकेशन हेतु नवाचार केंद्र, आईआईटी दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''फोर्टिफाइड चावल कर्नेल और प्रीमिक्स निर्माण में गुणवत्ता सुदृढ़ीकरण'' विषय पर राज्य सम्मेलन में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।
- 21–23 नवंबर 2024 को ईआरए विश्वविद्यालय और ईरा के लखनऊ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, लखनऊ द्वारा आयोजित ''रोगी सुरक्षा में वृद्धिः एचपीई को स्वास्थ्य सेवा से जोड़ना'' विषय पर स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा में 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष।
- 26 अक्टूबर 2024 को सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, आचार्य नरेंद्र देव कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनडीयूएटी) अयोध्या द्वारा आयोजित ''चावल फोर्टिफिकेशन और एनीमिया रोकथाम पर इसके प्रभाव'' पर आमंत्रित वार्ता।
- 27 अगस्त 2024 को आकाशवाणी केंद्र लखनऊ में ''भारत के सतत विकास लक्ष्य और उनकी प्राप्ति के प्रयास'' पर एक रेडियो वार्ता दी।

आचार्य शालिनी अग्रवाल

- 13–14 फरवरी, 2025 को मानव विकास एवं परिवार अध्ययन विभाग, गृह विज्ञान संकाय, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा भारतीय प्राणी विज्ञान सोसायटी और भारतीय शिक्षण मंडल, अवध प्रांत के सहयोग से आयोजित ''विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने

की दिशा में युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- 24 सितंबर, 2024 को मानव विकास एवं परिवार अध्ययन विभाग, गृह विज्ञान संकाय, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में विश्व एल्जाइमर दिवस के उपलक्ष्य में ''डिमेंशिया पर कार्रवाई का समय'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी में संयोजक।
- 9 अगस्त से 23 अगस्त 2024 तक भारतीय शिक्षण मंडल, अवध प्रांत और गृह विज्ञान संकाय, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित ''शोधानंदशाला'' शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन पर 15 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 24/07/2024 को आयोजित व्यास पूजा एवं शोध आनंदशाला पर कार्यशाला में भाग लिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य सुनीता मिश्रा

- रजनी सिंह ने ''ए कंप्रेहेन्सिव स्टडी ऑन न्यूट्रीशनल एण्ड न्यूट्रास्युटिकल्स आस्पेक्ट्स ऑफ फुड्स फोरटिफाइड विथ मिलेट्स न्यूट्री–सीरिल्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- ज़िया परवीन ने ''एक्सट्रैक्शन एण्ड कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ एडिबल फ्लावर्स एण्ड देयर पोटेन्शियल अप्लिकेशन इन फुड" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- कुरील संजीत बाबूलाल ने "ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ डाइयिटरी पैटर्न प्रोवाइडेड टू प्रिज़नर्स एण्ड सजेशन्स फॉर बेटर प्रिज़नर्स वेल–बीयिंग" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।

आचार्य यू.वी. किरण

- सुश्री शिखा ने ''कॉग्निटिव डिसफंक्शन एण्ड लाइफ ओरियेंटेशन एमांग क्रोनिक किडनी डिसीज़ पेशेंट्सः एन इंटरवेन्शनल स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- सुश्री सविता मिश्रा ने ''क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ पीपुल विथ लोकोमोटर डिसबिलिटीजः एन इंटरवेन्शनल स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- श्री ऋषि दीक्षित ने ''सोशल मीडीया एक्सपोजर एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन वर्किंग मेमोरी एण्ड सोशल कंपिटेन्स–एन इंटरवेन्शनल स्टडी ऑन डिफरेंट्ली एबल्ड'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- सुश्री वैष्णवी मिश्रा ने ''वर्कप्लेस कंटेमिनेंट्सः असेसिंग हेल्थ रिस्क्स ऑफ लेड एण्ड माइक्रोप्लास्टिक एमांग अनआर्गेनाइज़्ड सेक्टर वर्कर्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- सुश्री शिवांगी गुप्ता ने पीएचडी के लिए नामांकन कराया है, और उनका सारांश अभी तैयार किया जा रहा है।

आचार्य नीतू सिंह

- अलका नंदा ने "ए स्टडी ऑन नॉवेल बायो कंपोज़िट फिल्म इंटीग्रेटेड विथ पिकरिंग इमल्शन फॉर एक्टिव पैकेजिंग अप्लिकेशन" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।

- आयुषी सिंह ने "पोटेन्शियल ऑफ वेगेन विटामिन डी2 फॉर्मुलेशन–बेस्ड फुड सप्लिमेंट फ्रॉम मशरूम वेस्टः एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी". शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- प्रशांत सागर ने "इनहैन्सिंग माइक्रोन्यूट्रिएंट्स बायोअवेलबिलिटी इन स्वायल न्यूट्रीशन थ्रू राइज़ोबियम बैक्टीरिया एण्ड इंडस्ट्रियल सीड वेस्ट" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- तान्या सिंह ने "सस्टेनबिलिटी ऑफ फोरटिफाइड प्रोसेस्ड फूड एण्ड न्यूट्रियेंट स्टेबिलिटी–ए कंपरेटिव एनॉलिसिस" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- पूजा कुमारी ने "थेरप्यूटिक वैलिडेशन ऑफ मिलेट एण्ड प्रोटीन बेस्ड वेगेन सप्लिमेंट (एमपीवीएस) फॉर प्रिवेंटिंग मॉलन्यूट्रिशन इन चिल्ड्रेन" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- साकेत कुमार रंजन ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है, और उनका सारांश अभी तैयार किया जा रहा है।

आचार्य शालिनी अग्रवाल

- शिवानी सिंह ने ''लाइफ स्किल इनहैन्समेंट ऑफ एडोलेंट्स रेज़ाइडिंग इन शेल्टर होम्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- स्मृति सिंह ने ''कॉग्निटिव एमोशन रेग्युलेशन एण्ड साइकोलॉजिकल वेल–बीयिंग एमांग एबल्ड एण्ड डिफरेंट्ली यंग एडल्ट्सः एन इंटरवेन्शनल स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- सुश्री अंजलि सिंह ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है, और उनका सारांश अभी तैयार किया जा रहा है।
- सुश्री पूजा ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है, और उनका सारांश अभी तैयार किया जा रहा है।

डॉ. ख्वैराकपम शर्मिला

- सुश्री पूर्णिमा रस्तोगी ने "सोसियो–कल्चरल डिटरमिनेंट एण्ड मेंटल हेल्थः ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ अर्बन एण्ड रूरल एल्डर्ली" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- सुश्री रजनी कर्णवाल ने "इफेक्ट ऑफ फाइन मोटर स्किल्स इंटरवेन्शन इन ग्राफोमोटोर स्किल्स ऑफ प्री–स्कूल चिल्ड्रेन" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।

डॉ. प्रियंका शंकर

- सुश्री हेमा देउपा ने ''डेवेलपमेंट ऑफ माइक्रोइनकैप्सूलटेड स्पिरुलिना एडेड चॉकलेट एज ए फंक्शनल फूड'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- श्री शैलेश कुमार ने ''डेवेलपमेंट ऑफ मिलेट बेस्ड फंक्शनल फुड प्रोडक्ट एनरिच्ड विथ डाइयिटरी फाइबर कंन्सेंट्रेट प्रेज़ेंट इन फ्रूट्स एण्ड वेजिटेबल्स वेस्ट्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।

8.3.5.2 प्रदान की गई पीएच.डी.

आचार्य सुनीता मिश्रा

- एम.ए. फिरदौस को "ट्रांस–फैट रीप्लेस्मेंट बाइ यूज़िंग फुड ग्रेड एडिबल बिगेल्स" शीर्षक पर 2024 में पीएच.डी. प्रदान की गई।

- दीप शिखा को "न्यूट्रीशनल एसेसमेंट ऑफ पेशेंट्स अंडरगोयिंग हेमोडायलिसिस एट डाइलिसिस इन सेंट्रल अर्बन लखनऊ" शीर्षक पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

आचार्य यू.वी. किरण

- पद्मिनी पांडे को "हेल्थ हज़ार्ड्स एमांग पेंटर्सः एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी" शीर्षक पर 2024 में पीएच.डी. प्रदान की गई।
- पीएच.डी. नेहा रावत को 2025 में "एक्सप्लिसिट फोनलॉजिकल अवेयर्नेस ट्रेनिंगः एन इंटरवेन्शनल स्टडी ऑन नेटिव हिन्दी स्पीकिंग चिल्ड्रेन" शीर्षक पर 2025 में पीएच.डी. प्रदान की गई।

आचार्य नीतू सिंह

- निधि को ''एन इंटरवेन्शनल स्टडी ऑन मिल्क एक्सक्लूसिव ब्रेस्ट्फडिंग प्रैक्टिसेस एण्ड बरियर्स ओवरकम थ्रू न्यूट्रीशनल एजुकेशन" शीर्षक पर 2024 में पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. ख्वैराकपम शर्मिला

- गायत्री प्रजापति को "इमोशनल एण्ड मेंटल वेलबीयिंग ऑफ एल्डर्ली डिपेंडेंट ऑन असिस्टिव डिवाइसेस" शीर्षक पर 2024 में पीएच.डी. प्रदान की गई।

- स्नातक/स्नातकोत्तर/डिप्लोमा पूरा करने वाले छात्रों की संख्या – 13
- सिविल सेवाओं (यूपीएससी/यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या – शून्य
- उच्च शिक्षा में शिक्षण के लिए चयनित छात्रों का विवरण – 01
- उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या – 02
- अन्य सरकारी नौकरियों/बैंकिंग/स्कूली शिक्षण आदि में चयनित छात्रों की संख्या – 01
- स्लेट/नेट/जेआरएफ/किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या – 03

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य

आचार्य यू.वी. किरण

- "मल्टीसेंसरी एन्वाइरन्मेंट्स एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन मेमोरी रिट्राइवल, कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी एण्ड वेल–बीयिंगः एन इंटरवेन्शनल रिसर्च ऑन यूथ इन नॉर्दर्न इंडिया" प्रायोजित शीर्षक वाली परियोजना अनुसंधान अनुदान आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा रूपये 20,00,000.00/– का अनुदान 2024 में प्रदान किया गया।

आचार्य नीतू सिंह

- पहली परियोजना, जिसका शीर्षक ''लेव्रेजिंग द केपासिटीस एण्ड एक्सपर्टीज ऑफ पार्टीज टू मेनस्ट्रीम फोरटिफाइड राइस इन द गवर्नमेंट फुड–बेस्ड सेफ्टी नेट सिस्टम्स'', विश्व खाद्य कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र द्वारा वित्त पोषित है, जिसका कुल अनुदान रूपये 19 लाख है, और यह जून 2023 से दिसंबर 2027 तक कार्यान्वित की जा रही है, जिसमें समन्वयक के रूप में कार्य किया जा रहा है।
- दूसरी परियोजना, जिसका शीर्षक ''लर्निंग इनिशियेटिव फॉर विटामिन ए एण्ड डी फॉर्टिफिकेशन प्रोग्रामिंग'', बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, सिएटल, वाशिंगटन, अमेरिका द्वारा वित्त पोषित है, जिसका कुल अनुदान 154,937 अमेरिकी डॉलर (लगभग रूपये 1,34,42,671), है। नवंबर 2024 से अप्रैल 2028 (42 महीने) की अवधि को कवर करते हुए, सह–प्रमुख अन्वेषक (सह–पीआई) के रूप में सेवारत।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/तथा कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ

आचार्य यू.वी. किरन

- भारतीय प्राणी समाज द्वारा प्रो. बी.एन. पांडे पदक, 2025।
- भारतीय प्राणी समाज द्वारा मानव संसाधन प्रबंधन में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र, 2025।
- मैत्री मंच के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शैक्षिक उत्कृष्टता में उत्कृष्ट सेवा उपलब्धियों और योगदान के लिए वर्ष 2025 का ग्लोरी ऑफ इंडिया पुरस्कार।
- गृह विज्ञान विषय के माध्यम से सामान्य रूप से पर्यावरण के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए डॉ. के.के. त्यागी स्वर्ण पदक, 2024।
- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 1–3 अगस्त, 2024 को आयोजित वेटलैंड्स फॉर लाइफ फिल्म महोत्सव एवं मंच की सफलता में अमूल्य सहयोग के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

आचार्य शालिनी अग्रवाल

- मैत्री मंच के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शैक्षिक उत्कृष्टता में उत्कृष्ट सेवाओं, उपलब्धियों और योगदान के लिए वर्ष 2025 के लिए भारत का सर्वश्रेष्ठ भारतीय स्वर्णिम व्यक्तित्व पुरस्कार।

डॉ. ख्वैराकपम शर्मिला

- नवंबर 2024 में मानव विकास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए, प्राकृतिक कृषि नवाचार पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में महिला वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गयाः हरित कृषि भविष्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ड्रोन के साथ मृदा स्वास्थ्य और बीज की गुणवत्ता में वृद्धि। यह सम्मेलन गुजरात प्राकृतिक कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, हलोल; भारतीय आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन सोसायटी, नई दिल्ली; आईएआरआई, नई दिल्ली; भारतीय कृषि विज्ञान सोसायटी, नई दिल्ली; हिंदुस्तान कृषि अनुसंधान कल्याण सोसायटी, आगरा; दक्षिणी संघीय विश्वविद्यालय, रूस; कैम्ब्रिज अंतर्राष्ट्रीय कृषि संगठन, सीआईएओ; बीएचयू, वाराणसी; सीआईएमएमवाईटी–इंडिया, नई दिल्ली; आईसीएआरडीए–इंडिया, नई दिल्ली; हंसराज कॉलेज, डीयू और डी. वाई. पाटिल कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम संख्या	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	25
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	07
3.	सम्मेलन कार्यवाही में प्रकाशनों की कुल संख्या	00
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	04
5.	विभाग द्वारा प्रदान की गई पीएचडी डिग्री की कुल संख्या	06
6.	स्नातकोत्तर छात्रों की कुल संख्या	16
7.	स्नातकोत्तर छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाणपत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	06
9.	नियुक्त छात्रों की कुल संख्या	04
10.	पुरस्कारों और पदकों की कुल संख्या	07
11.	दायर/प्रदान किए गए पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या	02
12.	स्वीकृत प्रायोजित शोध परियोजनाओं की कुल संख्या	03

13.	स्वीकृत परामर्श परियोजनाओं की कुल संख्या	00
14.	विकसित किए गए मूक्स पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए मूक्स पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की कुल संख्या	09
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	04

खाद्य एवं पोषण विभाग

विभाग का परिचय

2020 में स्थापित खाद्य एवं पोषण विभाग, खाद्य एवं पोषण तथा खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है, जिनमें प्रत्येक में 40 छात्र शामिल होते हैं। विभाग घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए नवीन पोषण प्रथाओं, खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों, पौष्टीय औषधीय–आधारित कार्यात्मक खाद्य पदार्थों और बेकरी नवाचारों के माध्यम से मानव स्वास्थ्य में सुधार के लिए समर्पित है। यह छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान, क्षेत्र दौरे, प्रयोगशाला प्रयोगों और सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों को एकीकृत करता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- एम.एससी. खाद्य एवं पोषण
- एम.एससी. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- पोषण एवं आहार विज्ञान में परास्नातक डिप्लोमा

उपलब्ध सुविधाएं

- खाद्य विश्लेषण प्रयोगशाला
- माइक्रोबायोलॉजी लैब
- बेकरी और कन्फेक्शनरी सह खाद्य प्रसंस्करण प्रयोगशाला
- स्मार्ट क्लासरूम
- विभागीय पुस्तकालय
- सेमिनार हॉल

विभाग की ताकत

- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से उच्च योग्य संकाय।
- संयुक्त राष्ट्र एवं गेट्स फाउंडेशन से वित्त पोषित परियोजनाओं के साथ मजबूत अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र।
- आधुनिक प्रयोगशालाएँ (खाद्य विश्लेषण, माइक्रोबायोलॉजी, बेकरी/प्रसंस्करण)।
- अनुसंधान और पाठ्येतर गतिविधियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी।
- समुदाय–उन्मुख पोषण जागरूकता और विस्तार।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

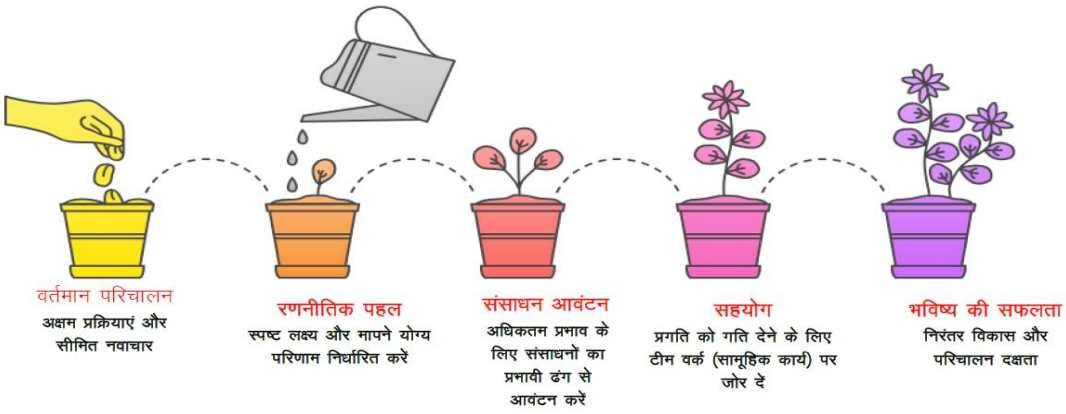

- मार्गदर्शन और नेटवर्किंग के लिए औपचारिक पूर्व छात्र संघ की स्थापना करें।
- कार्यात्मक खाद्य पदार्थ, आहार विज्ञान और खाद्य सुरक्षा में अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करें।
- इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के लिए उद्योग सहयोग बढ़ाएँ।
- न्यूट्रास्युटिकल्स एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन आयोजित करें।
- संयुक्त अनुसंधान/प्रकाशन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करें।
- स्कोपस/एससीआई पत्रिकाओं में प्रकाशन करके छात्र अनुसंधान आउटपुट को बढ़ाएं।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- परास्नातक कार्यक्रमः एम.एससी. (खाद्य एवं पोषण), एम.एससी. (खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी), पोषण एवं आहार विज्ञान में परास्नातक डिप्लोमा।
- पाठ्यक्रम प्रयोगशाला प्रयोगों, इंटर्नशिप, कार्यशालाओं, सेमिनारों और अनुसंधान परियोजनाओं शामिल है।
- कार्यात्मक खाद्य पदार्थों, न्यूट्रास्युटिकल्स, खाद्य प्रसंस्करण और बेकरी प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- विकल्प–आधारित परास्नातक पाठ्यक्रम।
- मूक/स्वयं पाठ्यक्रम एकीकृत; छात्रों को तीसरे सेमेस्टर से पहले कम से कम एक मूक पूरा करना आवश्यक है।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन



शैक्षणिक पर्यटन:

- चंद्र शेखर आज़ाद विश्वविद्यालय, कानपुर और फोर्टिफाइड चावल कर्नेल उत्पादक (मार्च 2025)।
- क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केंद्र, लखनऊ (जनवरी 2025)।
- खाद्य अनुसंधान सुविधाओं और सुदृढ़ खाद्य उद्योगों के संपर्क में आना।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- हर सेमेस्टर के आखिर में छात्रों की प्रतिक्रिया ली जाती है।
- पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सत्रीय/परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाएं दिखाई गई।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- प्रवेशः प्रति पाठ्यक्रम 40 पीजी छात्र।
- एम.एससी. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (2024–25 में 31 छात्र)।
- एम.एससी. खाद्य एवं पोषण (2024–25 में 19 छात्र)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- छात्रों को उनकी व्यक्तिगत सीखने की जरूरतों के अनुसार मूक्स करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- विभागीय पुस्तकालय और सुधारात्मक मार्गदर्शन के माध्यम से सहायता दी जाती है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- आईसीटी–सक्षम स्मार्ट कक्षाएं
- क्षेत्र भ्रमण, प्रयोगशाला प्रयोग, इंटर्नशिप, और परियोजना–आधारित शिक्षा
- सह–पाठयक्रम प्रतियोगिताएं

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता



- संकाय संख्याः 01 आचार्य + 04 संसाधन व्यक्ति।
- सभी के पास खाद्य एवं पोषण में पीएच.डी. है।
- गूगल स्कॉलर प्रोफाइल बनाए हुए है (उद्धरण, एच–इंडेक्स)।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- पारदर्शी मूल्यांकनः अंतिम परिणाम जमा करने से पहले उत्तर पुस्तिकाएं दिखाई जाएंगी।
- आंतरिक मूल्यांकन + प्रैक्टिकल मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम

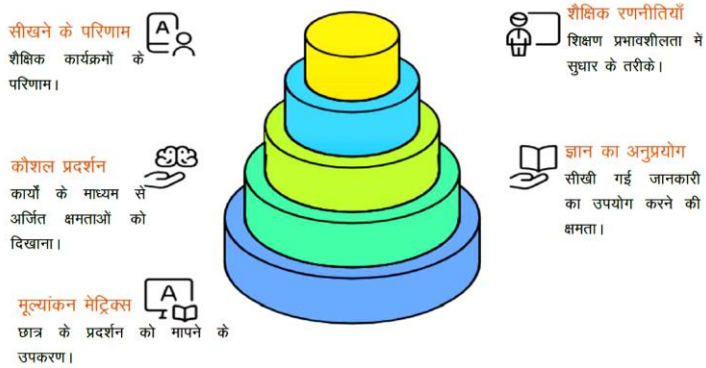

- परास्नातक पूर्णः 50 (2024–25)।
- उच्च अध्ययनः 05 छात्र।
- सरकारी नौकरियाँ/शिक्षण/अन्यः 10 छात्र।
- नेट/एसएलईटी/जेआरएफः 02 छात्र।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- फीडबैक फॉर्म और विभागाध्यक्ष के साथ सीधी बातचीत के माध्यम से नियमित रूप से एकत्र किया जाता है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

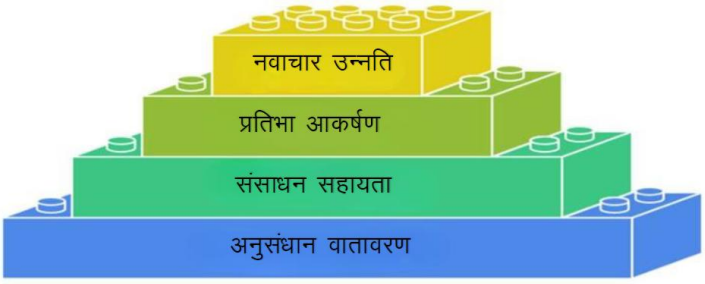

- शोध प्रयोगशालाएँ (खाद्य विश्लेषण, सूक्ष्म जीव विज्ञान, प्रसंस्करण)।
- सभी परास्नातक छात्रों के लिए शोध प्रबंध कार्य।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



चल रही परियोजनाएं:

- सरकारी खाद्य प्रणालियों में फोर्टिफाइड चावल। (विश्व खाद्य कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र)– रूपये 19 लाख।
- विटामिन ए एवं डी फोर्टिफिकेशन (बिल एवं मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यूएसए)– रूपये 1.34 करोड़।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- न्यूट्रास्युटिकल्स, कार्यात्मक खाद्य पदार्थ, बाजरा–आधारित नवाचारों पर संकाय और छात्र परियोजनाएं।
- उपकरण: उच्च दबाव बंध्यीकरण, अल्ट्रा–सोनिफिकेशन, ओमिक प्रसंस्करण।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- 25 राष्ट्रीय + 07 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन (2024–25)।
- स्प्रिंगर नेचर, कृपा–दृष्टि पब्लिकेशन्स, वेल प्रेस में प्रकाशित पुस्तक अध्याय।

3.5 परामर्श

- सशुल्क परामर्श– शून्य
- निःशुल्क परामर्श–शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- पोषण, चावल सुदृढ़ीकरण, एनीमिया की रोकथाम पर रेडियो वार्ता और आमंत्रित व्याख्यानों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम।

3.7 सहयोग

- समझौता ज्ञापनः शून्य।
- वित्त पोषित परियोजनाओं (डब्ल्यूएफपी, बीएमजीएफ, एम्स, आईआईटी दिल्ली) के माध्यम से सहयोग।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

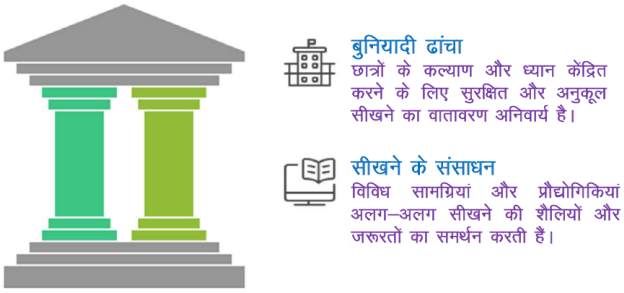

4.1 भौतिक सुविधाएं

- छात्रों की पढ़ाई के लिए विशेष प्रयोगशालाएँ और सेमिनार हॉल।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- संदर्भ पुस्तकों और पत्रिकाओं के साथ विभागीय पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी–सक्षम स्मार्ट कक्षा।
- छात्र एमओओसी, अनुसंधान और परियोजनाओं के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करते हैं।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय द्वारा नियमित प्रयोगशाला और कक्षा रखरखाव के रखरखाव में सहायता।

5. छात्र सहायता और प्रगति

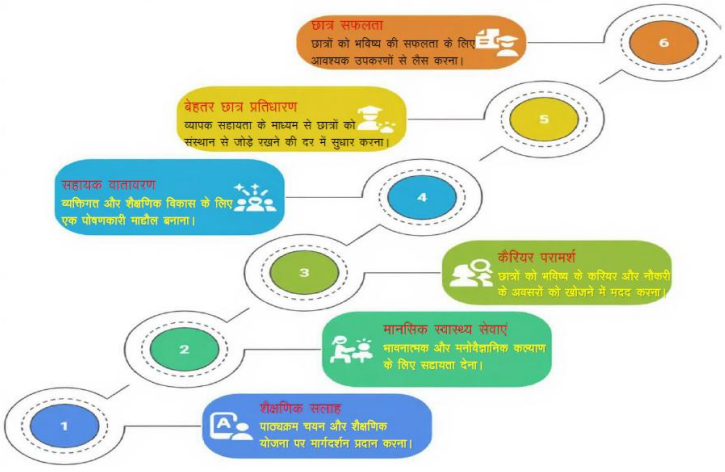

5.1 छात्र सहायता

- मूक्स मार्गदर्शन और प्रमाणन।
- उच्च शिक्षा और कैरियर में आगे बढ़ने के लिए परामर्श।

5.2 छात्र प्रगति

- 05 उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।
- 10 सरकारी/निजी क्षेत्रों में कार्यरत हैं।
- 02 नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण किया।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताएंः पोस्टर, प्रश्नोत्तरी, रंगोली, रेसिपी प्रतियोगिता।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- औपचारिक पूर्व छात्र संघः प्रगति पर है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- दृष्टिकोणः खाद्य एवं पोषण शिक्षा और नवाचार के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार लाना तथा युवाओं को सशक्त बनाना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- कार्यात्मक खाद्य पदार्थों, न्यूट्रास्युटिकल्स और वैश्विक बाजार अनुसंधान के लिए रोडमैप।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को प्रकाशन, आमंत्रित व्याख्यान, एमओओसी विकास के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- आचार्य नीतू सिंह–राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पैनलिस्ट/अध्यक्ष के लिए आमंत्रण।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- अनुसंधान अनुदान जुटाए गएः रू. 1.53 करोड़ (डब्ल्यूएफपी + बीएमजीएफ)।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- मूल्यांकन प्रक्रिया में छात्रों की भागीदारी।
- गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नियमित कार्यशालाएँ/यात्राएँ।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- कुपोषण, एनीमिया, आहार शिक्षा पर शोध।
- सामुदायिक रेडियो और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विस्तार।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- मूक्स एकीकरण–तीसरे सेमेस्टर से पहले अनिवार्य ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- कार्यात्मक खाद्य नवाचार–संकाय और छात्र न्यूट्रास्युटिकल्स, फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थ, बाजरा–आधारित उत्पादों पर काम कर रहे हैं।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- शैक्षणिक पाठ्यक्रम और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के बीच मजबूत जुड़ाव।
- चावल सुदृढ़ीकरण एवं पोषण सुरक्षा पर सरकारी नीतियों में योगदान।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. सुनीता मिश्रा**
  आचार्य (03 वर्षों से प्रतिनियुक्ति पर)
  विशेषज्ञताः खाद्य एवं पोषण
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी., डॉक्टर्स ऑफ लेटर, फ्रेंच में डिप्लोमा
- **डॉ. नीतू सिंह**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः खाद्य एवं पोषण
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. प्रियंका शंकर**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः खाद्य एवं पोषण
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.

8.2 संस्थान के भीतर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद– शून्य

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

आचार्य नीतू सिंह

- केएम, ए., सागर, पी., और सिंह, एन. (2025), ''एफिकेसी ऑफ लेमनग्रास इंटू कॉफी पाउडर फॉर द डेवेलपमेंट ऑफ कैपुचीनो'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 4(1), 226–234।
- यादव, ए., सिंह, एन., और नंदा, ए. (2025)। ''एसोसियेशन बिट्वीन फैमिली सोसियोडेमोग्राफिक कैरेक्टरिस्टिक्स एण्ड एथ्रोपोमेट्रिक मीजरमेंट्स ऑफ प्रिस्कूल चिल्ड्रेन इन नगराम, लखनऊ, भारत'', शिक्षण पर शोध में प्रगति, 26(2), 275–289।
- सत्यवती, पी., सिंह, एन., और सिंह, ए. (2024), ''नालेज रिगार्डिंग एनीमिया एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन एडोलेसेंट गर्ल्स ऑफ द कोलम ट्राइबः ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी'', (21 अगस्त, 2024)। पूरक एवं वैकल्पिक चिकित्सा अनुसंधान जर्नल।
- अज़हर, एम., सिंह, एन., और नंदा, ए. (2024), ''प्रॉक्सिमेट एण्ड फंक्शनल कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ डेवेलप्ड मालाबार टाम्रिंड (गार्सीनिया कंबोगिया) पेस्ट'', करेंट जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 43(12), 81–88।

- राज, टी., सिंह, एन., और नंदा, ए. (2024), ''ऑप्टिमाइज़िंग न्यूट्रीशनल कंटेंट इन फोर्टिफाइड राइस केकः फाइटोकेमिकल एण्ड सेन्सरी एवॉल्यूयेशन'', करेंट जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 43(9), 67–77।
- आदर्श कृष्ण एस., सिंह, एन., और सागर, पी. (2024), ''फॉर्मुलेशन एण्ड आप्टिमिज़ेशन ऑफ चिया बेस्ड स्ट्रॉबेरी जैमः ए फंक्शनल फुड इनोवेशन'',एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 3(2), 381–389।
- पोधेम, वाई., सिंह, एन., सागर, पी., और नंदा, ए. (2024), ''डेवेलपमेंट ऑफ फ्लोरल–बेस्ड फर्मेंटेड ड्रिंक विथ महुआ फ्लावर्स'', एसएसआरएन इलेक्ट्रानिक जर्नल https://doi.org/10.2139/ssrn.5006110.
- राज, टी., सिंह, एन., और नंदा, ए. (2024), ''इनहैन्सिंग न्यूट्रीशनल वैल्यूः फॉर्मुलेशन एण्ड एनॉलिसिस ऑफ राइस केक एनरिच्ड विथ ग्रीन ग्राम पी'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 3(3), 431–438।
- अज़हर, एम., सिंह, एन., और नंदा, ए. (2024), ''डेवेलपमेंट एण्ड ऑर्गनोलेप्टिक एवॉल्यूयेशन ऑफ मलाबार टाम्रिंड (गार्सिनिया कैम्बोजिया) पेस्ट'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 3(3), 574–581।
- पाणिग्रही, एस., नंदा, ए., सागर, पी., और सिंह, एन. (2024), ''कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड स्टैंडर्डाइज़ेशन ऑफ ए मिलेट–बेस्ड प्रोबायोटिक बेवरेज वाया फिजिकोकेमिकल एण्ड माइक्रोबियल एनॉलिसिस'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 3(2), 371–380।
- यादव, ए., सिंह, एन., और सिंह, ए. (2024), ''स्टडी ऑन कोरिलेशन बिट्वीन फुड गैप एण्ड डाइयिटरी ऑफ प्रिस्कूल चिल्ड्रेन इन नगरम (लखनऊ), इंडिया'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन, 3(41140–1146)।
- चौहान, टी., सिंह, एन., सागर, पी., और नंदा, ए. (2024), ''डेवेलपमेंट ऑफ जेली केक एण्ड इट्स सेन्सरी एवॉल्यूयेशन बाइ यूज़िंग मिलेट एण्ड आंवला'', एशियन फूड साइंस जर्नल, 23(9), 44–56. https://doi.org/10.9734/afsj/2024/v23i9743

डॉ. प्रियंका शंकर

- शैलेश कुमार, प्रियंका शंकर (2025), ''यूटिलाइज़ेशन ऑफ फ्रूट्स एण्ड वेजिटेबल्स प्रोसेसिंग वेस्ट्स इंटू फुड प्रोडक्ट्सः ए डिस्क्रिप्टिव रिव्यू'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिव्यूज़ एंड रिसर्च इन सोशल साइंसेज। 13(1): जनवरी–मार्च, 2025।
- देवी, मधु, और प्रियंका शंकर, (2024), ''अंडरस्टैडिंग सॉल्ट कन्संप्शन पैटर्न्स एण्ड हेल्थ रिस्क्सः ए स्टडी एमांग यंग एडल्ट्स इन लखनऊ'', एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन 3 (4):997–1006।
- श्रेया आर्य और प्रियंका शंकर, (2024), ''स्टडी ऑन ऑर्गेनोलेप्टिक एवॉल्यूयेशन ऑफ द बार्नयार्ड मिलेट मफिन्स'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज़, खंड 5, संख्या 9, पृष्ठ 806–812 सितंबर 2024।
- श्रेया आर्य, प्रियंका शंकर, (2024), ''न्यूट्रीशनल एण्ड शेल्फ–लाइफ एनॉलिसिस ऑफ द बार्नयार्ड मिलेट'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स (आईजेआरईएसएमएम), आईएसएसएनः 2455–6211, खंड 12, अंक 9, सितंबर–2024।
- आनंदु ए, प्रियंका शंकर, ''डेवेलपमेंट ऑफ ड्राइ मॉरिंगा चटनी पाउडर एण्ड प्रॉक्सिमेट एनॉलिसिस'' जनवरी 2025, खंड 12, अंक 1।

- आनंदु ए, प्रियंका शंकर, ''सेन्सरी एवॉल्यूयेशन ऑफ ड्राइ मॉरिंगा चटनी पाउडर'', आईजेसीआरटी, खंड 12, अंक 9, सितंबर 2024।
- चंद, अनुष्का, और प्रियंका शंकर, (2025), ''यूथ प्रिफरेन्सस ऑफ फोरटिफाइड प्रोडक्ट्स इन लखनऊ सिटी इन इंडियाः एक्सप्लोरिंग कन्संप्शन पैटर्न एण्ड बैरियर्स'' एशियन जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड न्यूट्रिशन 4 (1):168–74. Https://Doi.Org/10.9734/Ajfrn/2025/V4i1234.
- चंद, अनुष्का, और प्रियंका शंकर, (2025), ''अंडरस्टैडिंग यूथ अवेयर्नेस ऑफ फुड फॉर्टिफिकेशन इन लखनऊ सिटीः ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी'', जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस एण्ड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), 12 (1)।
- कौशिक घोष, प्रियंका शंकर, (2025), ''फिजिकोकेमिकल एनॉलिसिस ऑफ एलोवेरा एण्ड साइट्रस एसेन्शियल आयल एज कोटिंग मेटीरियल टू एन्हैन्स शेल्फ लाइफ ऑफ स्ट्रॉबेरीज'', द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च (टीआईजेईआर) जनवरी 2025, 12 (1)।
- कौशिक घोष, प्रियंका शंकर, (2025), ''माइक्रोबियल एनॉलिसिस ऑफ कोटेड स्ट्रॉबेरी सैम्पल्स यूजिंग यूज़िंग एलोवेरा जेल एण्ड साइट्रस एसेंशियल ऑयल'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी (आईजेआईआरटी) 11 (8)।
- चौधरी एनवी श्रीकांत रेड्डी, प्रियंका शंकर 2025, ''न्यूट्रीशनल एवॉल्यूयेशन ऑफ यूनिवर्सिटी हॉस्टल फुड इन लखनऊ'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एण्ड रिव्यूज़, 6(1), 2978–2983।
- कृपा ए. के., प्रियंका शंकर, (2025), ''प्रॉक्सिमेट एनॉलिसिस एण्ड शेल्फ–लाइफ एवॉल्यूयेशन ऑफ द मिलेट–बेस्ड न्यूट्रिटियस पॉरिज पाउडर'', जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस एण्ड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), 12 (1)।
- साकेत कुमार रंजन, प्रियंका शंकर, (2024), ''इफेक्ट ऑफ डीहाइड्रेशन मेथड ऑन एंटीऑक्सीडेंट एण्ड द डिफरेन्स इन सैंपल्स' शेल्फ लाइफ व्हेन ट्रीटेड एट डिफरेंट टेंपरेचर्स'', जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस एण्ड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), 11 (7)।
- चौधरी एन.वी. श्रीकांत रेड्डी, प्रियंका शंकर, (2024), ''डाइयिटरी प्रिफरेन्सस ऑफ यूनिवर्सिटी हॉस्टल इनमेट्स इन लखनऊ'', इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मॉडर्निज़ेशन इन इंजिनियरिंग, टेक्नोलॉजी एण्ड साइन्स, 6(8)।
- साकेत कुमार रंजन, प्रियंका शंकर, (2024), ''स्टडी ऑन फिजिकोकेमिकल एण्ड न्यूट्रीशनल प्रॉपर्टीज ऑफ टोमैटो पाउडर ड्राइड इन सोलर ड्राइयर एण्ड डिहाइड्रेटर'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एण्ड रिव्यूज़, 5(7), 1512–1517।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

आचार्य नीतू सिंह

- सिंह, एन., नंदा, ए., सिंह, ए., कुमारी, पी., और सिंह, टी. ''कटिंग–एड्ज एंटीमाइक्रोबियल्स इन फूड पैकेजिंग अप्लिकेशन्स'' इन ''एन्वाइरन्मेंटल सस्टेनबिलिटी एण्ड बायोटेक्नोलॉजीः ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजेस'' स्प्रिंगरर नेचर।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

आचार्य नीतू सिंह

- 7 और 8 फरवरी 2025 को भारतीय पोषण परिषद और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय पोषण एवं जन स्वास्थ्य सम्मेलन (एनसीआईसीओएन) में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।
- 18 दिसंबर 2024 को विश्व खाद्य कार्यक्रम और चावल फोर्टिफिकेशन हेतु नवाचार केंद्र, आईआईटी दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''फोर्टिफाइड चावल कर्नेल और प्रीमिक्स निर्माण में गुणवत्ता सुदृढ़ीकरण'' विषय पर राज्य सम्मेलन में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।
- 21–23 नवंबर 2024 को ईआरए विश्वविद्यालय और ईरा के लखनऊ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, लखनऊ द्वारा आयोजित ''रोगी सुरक्षा में वृद्धिः एचपीई को स्वास्थ्य सेवा से जोड़ना'' विषय पर स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा में 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष।
- 26 अक्टूबर 2024 को सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, आचार्य नरेंद्र देव कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनडीयूएटी) अयोध्या द्वारा आयोजित ''चावल फोर्टिफिकेशन और एनीमिया रोकथाम पर इसके प्रभाव'' पर आमंत्रित वार्ता।
- 27 अगस्त 2024 को आकाशवाणी केंद्र लखनऊ में ''भारत के सतत विकास लक्ष्य और उनकी प्राप्ति के प्रयास'' पर एक रेडियो वार्ता दी।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

आचार्य नीतू सिंह

- अलका नंदा ने "ए स्टडी ऑन नॉवेल बायो कंपोज़िट फिल्म इंटीग्रेटेड विथ पिकरिंग इमल्शन फॉर एक्टिव पैकेजिंग अप्लिकेशन" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- आयुषी सिंह ने "पोटेन्शियल ऑफ वेगेन विटामिन डी2 फॉर्मुलेशन–बेस्ड फुड सप्लिमेंट फ्रॉम मशरूम वेस्टः एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी". शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- प्रशांत सागर ने "इनहैन्सिंग माइक्रोन्यूट्रिएंट्स बायोअवेलबिलिटी इन स्वायल न्यूट्रीशन थ्रू राइज़ोबियम बैक्टीरिया एण्ड इंडस्ट्रियल सीड वेस्ट" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- तान्या सिंह ने "सस्टेनबिलिटी ऑफ फोरटिफाइड प्रोसेस्ड फूड एण्ड न्यूट्रियेंट स्टेबिलिटी–ए कंपरेटिव एनॉलिसिस" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- पूजा कुमारी ने "थेरप्यूटिक वैलिडेशन ऑफ मिलेट एण्ड प्रोटीन बेस्ड वेगेन सप्लिमेंट (एमपीवीएस) फॉर प्रिवेंटिंग मॉलन्यूट्रिशन इन चिल्ड्रेन" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- साकेत कुमार रंजन ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है, और उनका सारांश अभी तैयार किया जा रहा है।

डॉ. प्रियंका शंकर

- सुश्री हेमा देउपा ने ''डेवेलपमेंट ऑफ माइक्रोइनकैप्सूलटेड स्पिरुलिना एडेड चॉकलेट एज ए फंक्शनल फूड'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- श्री शैलेश कुमार ने ''डेवेलपमेंट ऑफ मिलेट बेस्ड फंक्शनल फुड प्रोडक्ट एनरिच्ड विथ डाइयिटरी फाइबर कंन्सेंट्रेट प्रेज़ेंट इन फ्रूट्स एण्ड वेजिटेबल्स वेस्ट्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री –

आचार्य नीतू सिंह

- निधि को ''एन इंटरवेन्शनल स्टडी ऑन मिल्क एक्सक्लूसिव ब्रेस्टिफडिंग प्रैक्टिसेस एण्ड बरियर्स ओवरकम थ्रू न्यूट्रीशनल एजुकेशन" शीर्षक पर 2024 में पीएच.डी. प्रदान की गई।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –

आचार्य नीतू सिंह

- पहली परियोजना, जिसका शीर्षक ''लेव्रेजिंग द केपासिटीस एण्ड एक्सपर्टीज ऑफ पार्टीज टू मेनस्ट्रीम फोरटिफाइड राइस इन द गवर्नमेंट फुड–बेस्ड सेफ्टी नेट सिस्टम्स'', विश्व खाद्य कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र द्वारा वित्त पोषित है, जिसका कुल अनुदान रूपये 19 लाख है, और यह जून 2023 से दिसंबर 2027 तक कार्यान्वित की जा रही है, जिसमें समन्वयक के रूप में कार्य किया जा रहा है।
- दूसरी परियोजना, जिसका शीर्षक ''लर्निंग इनिशियेटिव फॉर विटामिन ए एण्ड डी फॉर्टिफिकेशन प्रोग्रामिंग'', बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, सिएटल, वाशिंगटन, अमेरिका द्वारा वित्त पोषित है, जिसका कुल अनुदान 154,937 अमेरिकी डॉलर (लगभग रूपये 1,34,42,671), है। नवंबर 2024 से अप्रैल 2028 (42 महीने) की अवधि को कवर करते हुए, सह–प्रमुख अन्वेषक (सह–पीआई) के रूप में सेवारत।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ: शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	25
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	07
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	04
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	–
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	01
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	06
9.	छात्रों की कुल संख्या	04
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	02
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	33
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	02
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	03

सूचना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

सूचना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ की शुरुआत विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से ही शुरू किया गया था। यह विश्वविद्यालय में एक महत्वपूर्ण अंतःविषयक संकाय है, जिसका उद्देश्य आज के सूचना युग और सूचना प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता का केंद्र बनना है। वर्तमान में, सूचना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ में तीन विभाग हैं, यानी पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, कंप्यूटर विज्ञान विभाग और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जो अपने–अपने क्षेत्रों में अत्याधुनिक अध्ययन और अनुसंधान के लिए समर्पित हैं। ये तीनों विभाग अपने–अपने विषयों में स्नातकोत्तर स्तर के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और पीएच.डी. कार्यक्रम चला रहे हैं।

इस विद्यापीठ में छात्रों को क्षेत्रीय दौरों और शैक्षणिक दौरों के लिए प्रेरित किया जाता है, जिससे वे व्यावहारिक समस्याओं को देखकर उनसे परिचित होते हैं। विद्यापीठ के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सम्मेलनों में शामिल कराया जाता है और वे नियमित रूप से सेमिनार देते है।

यह विद्यापीठ हर क्षेत्र में, खासकर सूचना विज्ञान और उससे संबंधित प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नेतृत्व के विकास के लिए हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ती जरूरत के लिए एक दूरदर्शी प्रतिक्रिया के रूप में काम कर रहा है। यह विद्यापीठ शिक्षा और अनुसंधान दोनों में अपने सहयोगी प्रयासों से नया ज्ञान पैदा कर रहा है, जिससे प्रौद्योगिकी में प्रगति हो रही है और इस तरह यह समझने में मदद मिलती है कि आईटी हमारे जीवन को कैसे आकार दे रहा है। इस विद्यापीठ से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों की कई क्षेत्रों में बहुत ज्यादा मांग है। हमारे प्रतिष्ठित संकाय, जो अलग–अलग सोच वाले लोगों का एक समूह है, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में अग्रणी है। अपने लगातार प्रयासों और विशेषज्ञता के माध्यम से हमारा संकाय मिलकर छात्रों और शोध अध्येताओं को मार्गदर्शन करने में मदद कर रहे है। मुख्य और प्रासंगिक क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करना जिनकी कॉर्पोरेट क्षेत्रों, अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा मांग है।

प्रवेश के साथ पेश किए जाने वाले कार्यक्रमः

- कंप्यूटर विज्ञान
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
- सूचना प्रौद्योगिकी
- **प्रवेश के साथ पेश किए जाने वाले कार्यक्रमः कंप्यूटर विज्ञान विभाग।**

क्रम सं.	कार्यक्रम	अवधि	सींटे
1.	एमसीए*	2 साल	60
2.	एम. टेक (कंप्यूटर साइंस)	2 साल	38
3.	पीएच.डी (कंप्यूटर साइंस)	3 साल	

- **प्रवेश के साथ पेश किए जाने वाले कार्यक्रमः पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग**

क्रम सं.	कार्यक्रम	अवधि	सींटे
1.	स्नातक, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	1 साल	50
2.	स्नातकोत्तर, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	1 साल	38
3.	पीएच.डी. (पुस्तकालय और सूचना विज्ञान)	3 साल	

- **प्रवेश के साथ पेश किए जाने वाले कार्यक्रमः सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग**

क्रम सं.	कार्यक्रम	अवधि	सीटें
1.	एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी)	2 साल	50
2.	एम.टेक.(सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग)	2 साल	30
3.	एम.एससी. साइबर सुरक्षा (शाम)	2 साल	30
4.	पीएच.डी. (सूचना प्रौद्योगिकी)	3 साल	

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय

कंप्यूटर विज्ञान विभाग की स्थापना 1997 में व्यावसायिक अध्ययन केंद्र (सीवीएस) के रूप में हुयी थी और इसने 2001 में स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू किया। इसका मुख्य उद्देश्य प्रभावी शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से कंप्यूटर विज्ञान का अद्यतन ज्ञान देना है। यह विभाग एमसीए, एम.टेक (कम्प्यूटर विज्ञान) और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। सेमिनार, आमंत्रित वार्ता और वाद–विवाद जैसी शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। वर्ष 2009 से, सीएसआई छात्र बैच ने छात्रों को शैक्षणिक और सह–पाठ्यचर्या संबंधी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक मंच प्रदान किया है। संकाय सदस्य अनुसंधान, पीएच.डी. अध्येताओं के मार्गदर्शन तथा प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में पुस्तकों, अध्यायों और शोधपत्रों के प्रकाशन में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

विभाग की ताकत

- संकायः 09, जिन्हें उभरती प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञता हासिल है।
- छात्रः 151 (एमसीए), 34 (एम.टेक), कई पीएच.डी. अध्येता।
- शोधः 24 प्रकाशन, (2) पुस्तकें, (27) अध्याय, वित्त पोषित परियोजनाएँ।
- बुनियादी ढांचाः स्मार्ट कक्षाएँ, शोध प्रयोगशालाएँ, विभागीय पुस्तकालय।
- छात्र उपलब्धियाँः 12 नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण, कई प्लेसमेंट, (06) पीएच.डी. प्रदत्त।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

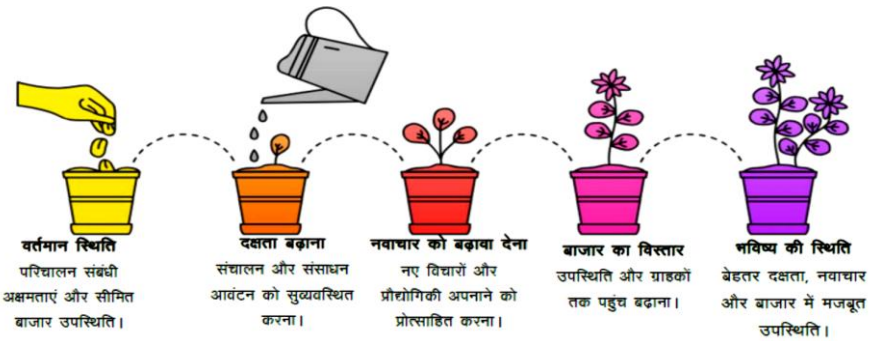

- एआई, साइबर सुरक्षा, डेटा एनालिटिक्स में मूल्य वर्धित/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करें।
- डीएसटी/यूजीसी/एआईसीटीई को 3–4 अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करें।
- प्रयोगशालाओं को क्लाउड सर्वर और आईओटी/साइबर सुरक्षा सुविधाओं के साथ अपग्रेड करें।
- हर सेमेस्टर में 2 छात्र कार्यशालाएँ/सेमिनार आयोजित करें।
- संरचित पूर्व छात्र नेटवर्क और फीडबैक प्रणाली शुरू करें।
- इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के लिए उद्योग गठजोड़ को मजबूत करें।
- आउटरीच शुरू करें (डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम, कोडिंग शिविर)।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास

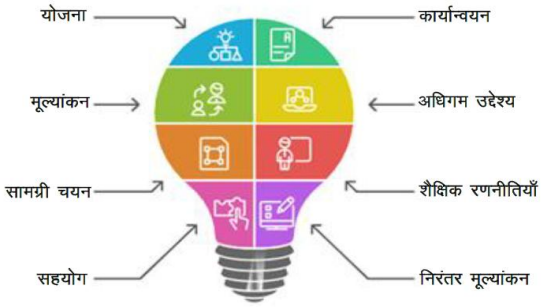

- 1997 में व्यावसायिक अध्ययन केंद्र (सीवीएस) के रूप में स्थापित, बाद में 2001 में कंप्यूटर विज्ञान विभाग बन गया।
- कंप्यूटर विज्ञान में अद्यतन ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए प्रोग्राम।
- आईटी और कॉर्पोरेट क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रमों को अद्यतन किया गया।

1.2 पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन

- तीन पूर्णकालिक कार्यक्रमः एमसीए, एम.टेक (सीएस), पीएच.डी. (सीएस)।
- शैक्षणिक गतिविधियों में सेमिनार, आमंत्रित वार्ता, बहस, प्रस्तुतियाँ शामिल हैं।
- सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए सीएसआई छात्र शाखा की स्थापना (2009) में की गई।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- पीजी और डॉक्टरेट कार्यक्रमों को चुनने का विकल्प।
- अनुसंधान क्षेत्र में एआई, एमएल, एनएलपी, वेब इंजीनियरिंग, साइबर सुरक्षा, आईओटी, डेटा विज्ञान शामिल हैं।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

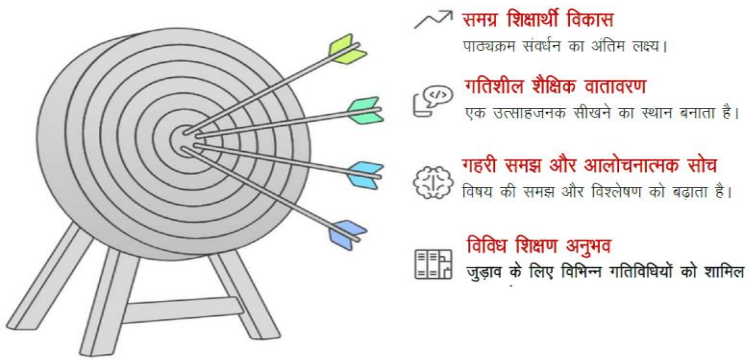

- विभागीय सेमिनार और सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

- पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- दस्तावेज़ में कोई संरचित फीडबैक प्रणाली की सूचना नहीं दी गई है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

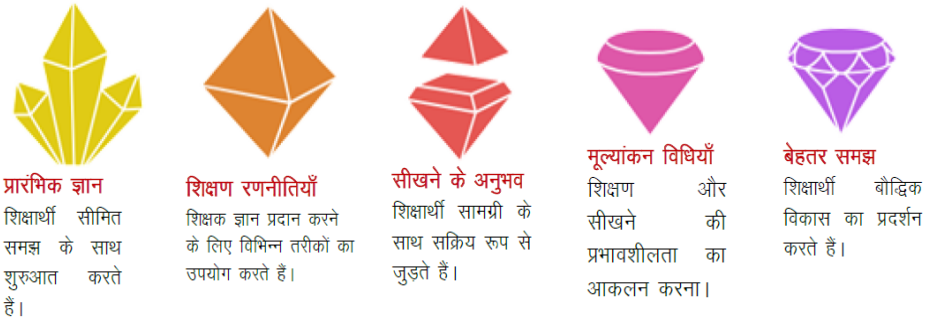

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- एमसीएः 50 छात्र (चालू वर्ष)।
- एम.टेक (सीएस): 11 छात्र।
- पीएच.डी. छात्रः कई (यूजीसी/एनईटी/जेआरएफ वित्त पोषित)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- उच्च अध्ययन कर रहे छात्र (2 रिपोर्ट किए गए)।
- नेट (09) और जेआरएफ (03) उत्तीर्ण।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट कक्षाएँ, विभागीय पुस्तकालय, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ उपलब्ध हैं।
- संकाय छात्रों को मार्गदर्शन देने हेतु अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

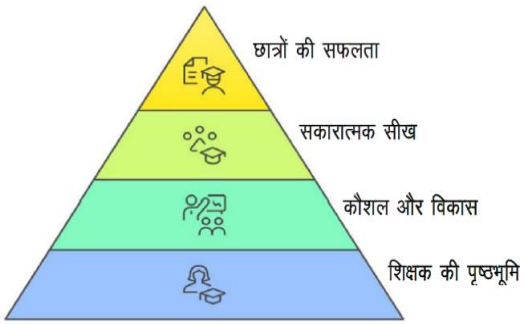

- संकाय संख्याः 10 (आचार्य, उपाचार्य, सहायक आचार्य)।
- विशेषज्ञता के क्षेत्रों में एआई, एमएल, एनएलपी, साइबर सुरक्षा, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विजन शामिल हैं।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- पीएच.डी. पुरस्कार और प्रस्तुतीकरण प्रक्रिया सक्रिय है।
- परियोजनाओं, सेमिनारों, शोध प्रकाशनों के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम

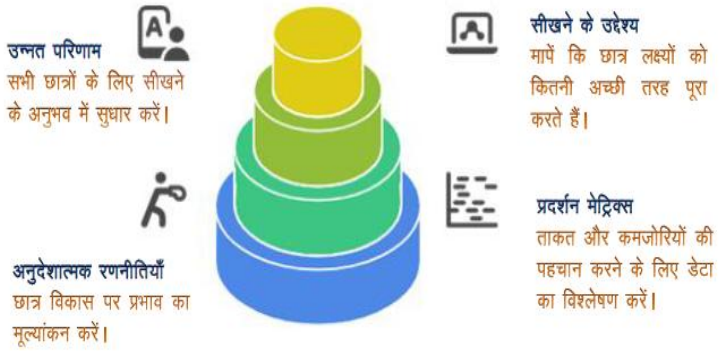

- नेट/जेआरएफ योग्यः 12 छात्र।
- कैम्पस साक्षात्कार के माध्यम से नियुक्तिः 03।
- सरकारी नौकरियों में छात्रः 01।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

दस्तावेज़ में रिपोर्ट नहीं किया गया।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- यूजीसी द्वारा वित्त पोषित दो परियोजनाएं पूरी हुईं।
- एक चालू परियोजना (समवाद, सीएसटी लखनऊ, रूपये 13.08 लाख)।
- अनुसंधान प्रयोगशालाएँ उपलब्ध हैं।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- वित्तपोषित परियोजनाएं एजेंसियों को प्रस्तुत की गईं।
- राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन (वर्तमान चक्र के दौरान 19)।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- एआई, साइबर सुरक्षा, एनएलपी, फेडरेटेड लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग में संकाय अनुसंधान।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनः 19।
- पुस्तकें/संपादित वाल्युमः उदाहरण के लिए, माइक्रोबियल रिसर्च में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (स्प्रिंगर, 2025)।
- स्प्रिंगर/आईईईई संस्करणों में अध्याय।

3.5 परामर्शदाता

- किसी परामर्श की सूचना नहीं दी गई।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- शून्य की सूचना दी गई।

3.7 सहयोग

- कोई सक्रिय समझौता ज्ञापन की सूचना नहीं दी गई।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

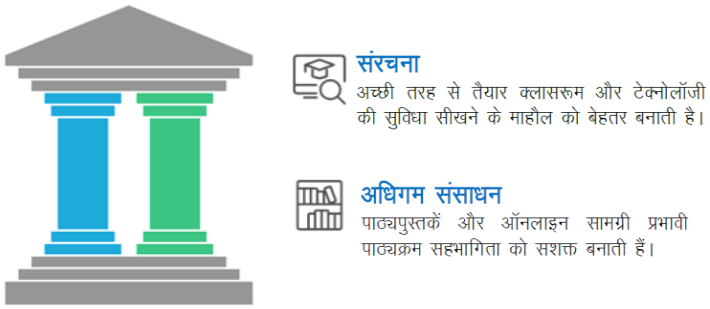

4.1 भौतिक सुविधाएं

- विभागीय पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, व्याख्यान कक्ष, स्मार्ट क्लास, अनुसंधान लैब।
- केंद्रीकृत सुविधाएंः इंस्ट्रूमेंटेशन लैब, कंप्यूटर सेंटर, स्वास्थ्य केंद्र, खेल अनुभाग।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- विभागीय पुस्तकालय का रखरखाव किया गया।
- केंद्रीय पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ, स्मार्ट कक्षाएं, अनुसंधान कंप्यूटिंग संसाधन।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- स्पष्ट रूप से रिपोर्ट नहीं किया गया।

5. छात्र सहायता और प्रगति

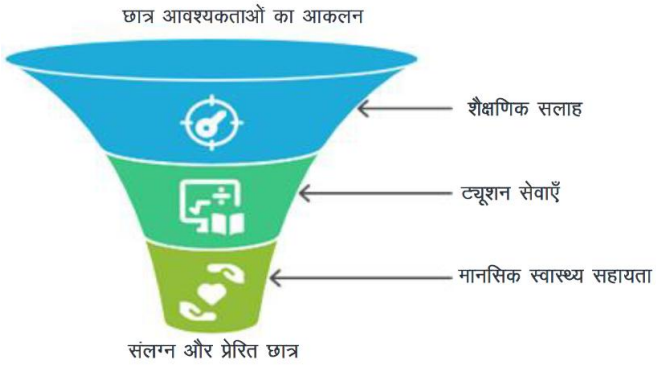

5.1 छात्र सहायता

- छात्रों को नेट/जेआरएफ, अनुसंधान फेलोशिप के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

5.2 छात्र प्रगति

- उच्च अध्ययनः 2 छात्र।
- सरकारी नौकरियाँः 1, निजी नौकरियाँः 8, परियोजनाएँः 1।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सीएसआई छात्र शाखा (2009 से सक्रिय)।
- सीमित सह–पाठ्यचर्या/पाठ्येतर भागीदारी का उल्लेख किया गया।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्रों का डेटा उपलब्ध नहीं कराया गया।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विजनः उन्नत शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से डिजिटल विभाजन को खत्म करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- एआई, साइबर सुरक्षा, क्लाउड, एनएलपी पर जोर देने के साथ अनुसंधान–संचालित रणनीति।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग में शामिल हैं।
- सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- यूजीसी वित्त पोषित परियोजना।
- राज्य सीएसटी वित्त पोषित परियोजना जारी है।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- स्पष्ट रूप से रिपोर्ट नहीं किया गया।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

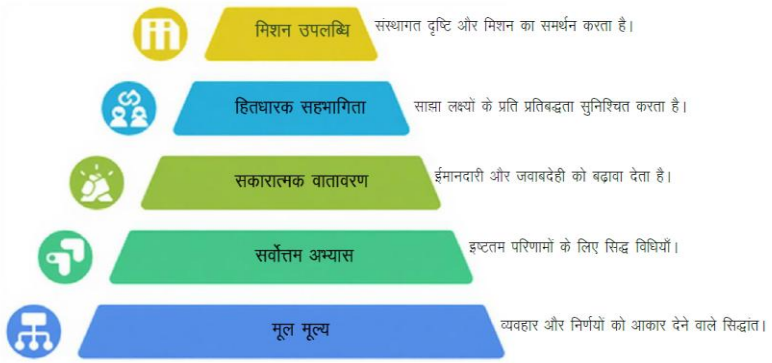

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- किसी विशिष्ट समुदाय/सामाजिक जुड़ाव का उल्लेख नहीं किया गया है।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- शोध प्रकाशनों का सक्रिय प्रचार–प्रसार।
- सीएसआई शाखा की गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- मजबूत शोध प्रकाशन रिकॉर्ड (19 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन)।
- पीएच.डी. उत्पादनः इस वर्ष 6 पुरस्कार प्रदान किये गये।
- संकाय के बीच अंतःविषयक विशेषज्ञता।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट):

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य शिशिर कुमार**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग
  विशेषज्ञताः सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, वेब इंजीनियरिंग, इंटेलिजेंट, कम्प्यूटेशनल तकनीकें।
  योग्यताः पीएच.डी.
- **आचार्य विपिन सक्सेना**
  विशेषज्ञताः साइंटिफिक कंप्यूटिंग/सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और कंप्यूटर नेटवर्किंग।
  योग्यताः एम.एससी. (अनुप्रयुक्त गणित), एमसीए, एमबीए, एम. फिल (कंप्यूटर अनुप्रयोग), पीएच. डी. (आईआईटी रुड़की)
- **आचार्य एस.के. द्विवेदी**
  विशेषज्ञताः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वेब माइनिंग, एनएलपी और डब्लूएसडी
  योग्यताः एमसीए, पीएच.डी. (कंप्यूटर विज्ञान)
- **आचार्य दीपा राज**
  विशेषज्ञताः कंप्यूटर ग्राफिक्स, डेटा स्ट्रक्चर और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग।
  योग्यताः एम.एससी. (कंप्यूटर विज्ञान) पीएच.डी. (कंप्यूटर विज्ञान), नेट।
- **डॉ. बबीता पांडे**
  विशेषज्ञताः मशीन लर्निंग सोशल नेटवर्क डीप लर्निंग ई–लर्निंग एक्सपर्ट सिस्टम
  योग्यताः एमसीए, पीएच.डी.
- **डॉ. मनोज कुमार**

विशेषज्ञताः कंप्यूटर विजन, ग्राफिक्स और इमेज प्रोसेसिंग।
योग्यताः एमसीए, जेएनयू (नई दिल्ली), पीएच.डी. (आईआईटी रुड़की), नेट, जेआरएफ।

- **डॉ. नरेंद्र कुमार**
  विशेषज्ञताः कंप्यूटर नेटवर्क, ऑब्जेक्ट मॉडलिंग नेटवर्क सिमुलेशन (OMNETPP)।
  योग्यताः एमसीए, पीएच.डी. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी)
- **डॉ. शालिनी चंद्रा**
  विशेषज्ञताः सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर सिक्योरिटी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, फॉग कंप्यूटिंग
  योग्यताः एमसीए, नेट, पीएच.डी. (आईटी), पीडीएफ
- **डॉ. कर्मवीर सिंह**
  विशेषज्ञताः मल्टीमीडिया इंफॉर्मेशन रिट्रीवल, डेटा साइंस, मेडिकल इमेजिंग, क्वांटम न्यूरल नेटवर्क, रिलायबिलिटी, साइबर सिक्योरिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस।
  योग्यताः बीई (कंप्यूटर इंजीनियरिंग), एमएस (सॉफ्टवेयर सिस्टम), पीएच.डी.।

8.2 संस्थान के अंदर एवं बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–

- निदेशक आर एंड एन, निदेशक कंप्यूटर सेंटर, समन्वयक संगीत विभाग, वार्डन, एडीएसडब्ल्यू, सदस्य आईसीसी, समन्वयक प्लेसमेंट सेल।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य शिशिर कुमार

- किशोर कुमार, सर्वेश तंवर, शिशिर कुमार (अप्रैल 2024) ''एमएएनसीः ए मास्क्ड ऑटोएनकोडर न्यूरल क्रिप्टोग्राफी–बेस्ड एनक्रिपशन स्कीम फॉर स्ट्रीट स्कैन इमेजस", मेथड्स एक्स, वॉल्यूम 12 नंबर 2024, आईएसएसएन 2215–0161, (स्कोपस (एल्सवियर)ः साइंटिफिक जर्नल रैंकिंग (एसजेआर):0.424)।
- अनुराग तिवारी, नीलेश कुमार पटेल, शिशिर कुमार (जनवरी 2025), ''एफीशियेंट ऑब्जेक्ट डिटेक्शन एण्ड ट्रैकिंग इन कोलेबोवरेटिव मिक्स्ड रियलिटी सिनारियोज विथ आई इंटीग्रेशन", एडवांसेज इन नॉनलाइनियर वेरिएशनल इनइक्वालिटीज, वॉल्यूम 28, नंबर 3एस, 609–622, आईएसएसएन 1092–910X, (स्कोपसः साइंटिफिक जर्नल रैंकिंग (एसजेआर)ः 0.103)।
- प्रवीण गोयल, दिनेश कुमार वर्मा और शिशिर कुमार (जनवरी 2025), ''डिटेक्शन एण्ड मॉनिटरिंग फॉर एनहैन्स्ड प्रेवेन्शन ऑफ ग्रेन प्लांट डिसीज़ यूज़िंग क्लासिफिकेशन–बेस्ड डीप एन्सेम्बल न्यूरल नेटवर्क्स इन स्मार्ट एग्रिकल्चर'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिमोट सेंसिंग, वॉल्यूम 46 नंबर 5, आईएसएसएन 1992–2022, DOI: 10.1080/01431161.2024.2443618 (स्कोपस (टेलर एंड फ्रांसिस)ः साइंटिफिक जर्नल रैंकिंग (एसजेआर)ः 0.676)।

आचार्य विपिन सक्सेना

- पवन कुमार और विपिन सक्सेना, ''सिक्योर ट्रॉन्समिशन ऑफ इन्फार्मेशन थ्रु हाइब्रिड क्रिप्टोग्राफिकल टेक्नीक्स", ट्विस्ट, 19(2), 508–512 आईएसएसएन 1759–0418, स्कोपस, 2024, https:// twistjournal.net/twist/article/view/388
- जयदीप कुमार, हेमंत कुमार, कर्मवीर सिंह, विपिन सक्सेना, ''सिक्योर डाटा स्टोरेज एण्ड रिट्रीवल ओवर द एनक्रिपटेड क्लाउड कंप्यूटिंग'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर नेटवर्क एण्ड इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी, 16(4), 52–64, आईएसएसएनः 2074–9090, स्कोपस, 2024, doi:10.5815/ijcnis.2024.04.04
- हेमंत कुमार और विपिन सक्सेना, ''मशीन लर्निंग फॉर टेस्ट केस प्राइयारिटिज़ेशन इन कंटिन्युवस इंटीग्रेशनः ए कम्प्रेहेन्सिव एनॉलिसिस'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड नेटवर्किंग एंड एप्लीकेशंस", 15(06), 6218–6228 आईएसएसएनः 0975–0290, पीयर रिव्यूड, 2024, doi:10.35444/IJANA.2024.15609

- हेमंत कुमार और विपिन सक्सेना, ''इफेक्टिव टेस्ट केसेस जेनरेशन विथ हार्मनी सर्च एण्ड आरबीएफ न्यूरल नेटवर्क'', इंटरनेशनल अरब जर्नल ऑफ़ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 21(5), 786–799, आईएसएसएनः 2309–4524, स्कोपस, (क्यू2 जर्नल), 2024, https://doi.org/10.34028/iajit/21/5/2
- हेमंत कुमार और विपिन सक्सेना, ''एचवी प्रोसेस मॉडेल ऑफ सॉफ्टवेयर डेवेलपमेंट", जर्नल ऑफ़ सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग एंड एप्लीकेशंस, 17(7), 553–570, आईएसएसएनः 1945–3124, पीयर रिव्यूड 2024, doi:10.4236/jsea.2024.177032
- वर्षा वर्मा, हेमंत कुमार, विपिन सक्सेना, कर्मवीर सिंह और विशाल वर्मा, ''ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजीः ए कम्प्रेहेन्सिव रिव्यू", ग्रीनज़ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी, जनवरी अंक, 2445–2458, आईएसएसएनः 2395–5295, पीयर रिव्यू, 2025, Grenze ID: 01. GIJET.11.1.88
- हेमंत कुमार और विपिन सक्सेना, ''अप्टिमिज़ेशन एण्ड प्राइयारिटिज़ेशन ऑफ टेस्ट केसेस थ्रु द हंगेरियन आल्गारिदम", जर्नल ऑफ़ एडवांसेज इन मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, 40(3), 61–72, आईएसएसएनः 2456–9968, पीयर रिव्यू, 2025, doi: https://doi.org/10.9734/jamcs/2025/v40i31978
- हेमंत कुमार और विपिन सक्सेना, ''ए नॉवेल अप्रोच टू टेस्ट सूट प्राइयारिटिज़ेशन यूज़िंग बाइनरी इन्सरशन सॉर्ट'', इंटरनेशनल जर्नल फॉर मॉडर्न ट्रेंड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 11(3), 39–47, आईएसएसएनः 2455–3778, पीयर रिव्यू, 2025, https://doi.org/10.5281/zenodo.15078281
- दीपिका गौतम और विपिन सक्सेना, ''ए स्मार्टर वे टू कम्प्रेस एण्ड डीकंप्रेस डाटा फॉर क्लाउड स्टोरेज", जर्नल ऑफ़ एडवांसेज इन मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, 40(4),1–12 आईएसएसएनः 2456–9968, पीयर रिव्यू, 2025, doi: https://doi.org/10.9734/jamcs/2025/v40i41984
- हेमंत कुमार और विपिन सक्सेना, ''टेस्टिंग ऑफ सॉफ्टवेयर प्रोजेक्ट्स बेस्ड ऑन फंक्शन पायंट्स थ्रु ए मशीन–लर्निंग अप्रोच", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड नेटवर्किंग एंड एप्लीकेशंस, 16(5), 6583–6590 आईएसएसएनः 0975–0290, पीयर रिव्यू, 2025, doi:10.35444/IJANA.2024.15609
- वर्षा वर्मा, विपिन सक्सेना, विशाल वर्मा और कर्म वीर सिंह, ''ए फ्रेमवर्क फॉर सेक्यूर्ड एक्सेस कंट्रोल ऑफ क्लाउड डाटा यूज़िंग ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी'' जर्नल ऑफ़ इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 10(29), 934–940, आईएसएसएनः 2468–4376, स्कोपस (क्यू3 जर्नल), 2025, https://www.jisem-journal.com/index.php/journal/article/view/4606/21

आचार्य संजय कुमार द्विवेदी

- नाथ, डी., और द्विवेदी, एस. के. (2024), ''आस्पेक्ट–बेस्ड सेंटिमेंट एनॉलिसिसः अप्रोचेस, अप्लिकेशन्स, चैलेंजस एण्ड ट्रेंड्स'' नॉलेज एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम्स, 66(12), 7261–7303।
- अमित अस्थाना, "परफार्मेन्स एनॉलिसिस ऑफ एमटी टूल्स थ्रु हिन्दी टू इंग्लीश वेब क्वीरी ट्रॉन्सलेशन'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड एप्लीकेशंस इन इंजीनियरिंग, वॉल्यूम 12, नंबर 23एस, नवंबर 2024, पृष्ठ 2811, https://www.ijisae.org/index.php/IJISAE/article/view/7498.
- शुक्ला, डी., द्विवेदी, एस.के, ''सेंटिमेंट एनॉलिसिस वर्सेस आस्पेक्ट–बेस्ड सेंटिमेंट एनॉलिसिस वर्सेस इमोशन एनॉलिसिस फ्रॉम टेक्स्टः ए कंपरेटिव स्टडी", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम अश्युरेन्स इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट 16, 512–531 (2025). https://doi.org/10.1007/s13198-024-02666-4.
- अमित अस्थाना, गणेश चंद्र, संजय के. द्विवेदी, ''अप्रोच टू हैंडल कम्पाउंड आउट ऑफ वोकेबुलरी वर्ड्स इन हिन्दी वेब क्विरीज'', जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 10 नंबर 13एस (2025), https://doi.org/10.52783/jisem.v10i13s.2158.
- शुक्ला, डी., द्विवेदी, एस.के, ''द स्टडी ऑफ द इफेक्ट ऑफ प्रीप्रोसेसिंग टेक्नीक्स फॉर इमोशन डिटेक्शन ऑन अमेज़न प्रोडक्ट'' सोशल नेटवर्क एनॉलिसिस एण्ड माइनिंग 14, 191 (2024). https://doi.org/10.1007/s13278-024-01352-4.

डॉ. बबीता पांडे

- कोंजेंगबम, एम., पांडे, बी., और पांडे, डी. के. (2024), ''ए रेस्पॉन्स सर्फेस–बेस्ड अप्रोच टू ऑप्टिमाइज़ प्रिकर्सर फीडिंग इन ओफियोराइजा मुंगोस शूट कल्चर्स फॉर द इनहैन्समेंट ऑफ कैम्पटोथेसिन'' इंडस्ट्रियल क्रॉप्स एंड प्रोडक्ट्स, 216, 118685, https://doi.org/10.1016/j.indcrop.2024.118685

- द्विवेदी, एम., पांडे, बी. और सक्सेना, वी, ''एक्सप्लोरिंग द स्कोप ऑफ एक्सप्लेनेबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन लिंक प्रिडिक्शन प्राब्लम–एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी", मल्टीमेड टूल्स एप्लीकेशंस, (2024), https://doi.org/10.1007/s11042-024-18287-9
- रहमान, डब्ल्यू., खान, जे., खान, जी. ए., अशरफ, जेड., पांडे, बी., खान, एम. ए. और शेख, एम. के. (2024), ''कंपरेटिव स्टडी ऑफ आईओटी–एण्ड एआई–बेस्ड कंप्यूटिंग डिसीज़ डिटेक्शन अप्रोचेस", डेटा साइंस एंड मैनेजमेंट।

डॉ. मनोज कुमार

- संगीता गौतम, और मनोज कुमार, ''लोकल बाइनरी पैटर्न बेस्ड रोबस्ट कवरलेस इन्फार्मेशन हाइडिंग अप्रोच'', एसएन कंप्यूटर साइन्स 6, नंबर 1 (2024): 24।
- दिलीप कुमार, और मनोज कुमार, ''हाइब्रिड क्रिप्टोग्राफिक अप्रोच फॉर डाटा सेक्यूरिटी यूज़िंग एलिप्टिक कर्व क्राइप्टोग्रफी फॉर आईओटी'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर नेटवर्क एंड इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी (IJCNIS) (2024)।

डॉ. नरेंदर कुमार

- अर्चना, नरेंदर कुमार (संबंधित लेखक), ''ए मॉडिफाइड बैट मेकेनिज्म फॉर वर्चुयल मशीन माइग्रेशन इन ए क्लाउड एन्वाइरन्मेंट", पब्लिश्ड इन एसएन कंप्यूटर साइंस, एक स्प्रिंगर नेचर जर्नल, वॉल्यूमः 6, नंबर 1, लेख संख्या 74, पृष्ठः 1–13, प्रकाशन का वर्ष/दिनांकः 14 जनवरी 2025, प्रकाशकः स्प्रिंगर नेचर©2025 स्प्रिंगर नेचर, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड। आईएसएसएनः 2662–995एक्स (प्रिंट), ई–आईएसएसएनः 2661–8907 (ऑनलाइन), https://doi.org/10.1007/s42979-024-03627-1 (स्कोपस इंडेक्स्ड)।
- ए. श्रीवास्तव, नरेंदर कुमार, ''एन एफीशियेंट फायरफ्लाइ एण्ड हनीबी–बेस्ड लोड बैलेन्सिंग मेकेनिज्म इन क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर", पब्लिश्ड इन क्लस्टर कंप्यूटिंग–द जर्नल ऑफ़ नेटवर्क्स, सॉफ्टवेयर टूल्स एंड एप्लीकेशंस, वॉल्यूम 27, पृष्ठ 2805–2827, (2024), प्रकाशक स्प्रिंगर, वन न्यूयॉर्क प्लाजा, सुइट 4600, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका, न्यूयार्क, 10004। आईएसएसएनः 1386–7857, ई–आईएसएसएनः 1573–7543, DOI: https://doi.org/10.1007/s10586-023-04118-3 (स्कोपस, एससीआईई इंडेक्स्ड)।
- ए. श्रीवास्तव, नरेंदर कुमार (संबंधित लेखक), ''ए सेक्यूर वीएम प्लेसमेंट स्ट्रैटजी टू डिफेंड अगेन्स्ट को–रेसिडेन्स अटैक इन क्लाउड डेटासेंटर'', पब्लिश्ड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर नेटवर्क एंड इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी (IJCNIS) में प्रकाशित, वॉल्यूमः 16, नंबर 2, पृष्ठ 55–64, प्रकाशन का वर्ष/तारीखः 8 अप्रैल 2024, प्रकाशकः स्प्रिंगर, वन न्यूयॉर्क प्लाजा, सुइट 4600, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका, न्यूयार्क, 10004. आईएसएसएनः 2074–9090 (प्रिंट), ई–आईएसएसएनः 2074–9104 (ऑनलाइन), https://doi.org/10.5815/ijcnis.2024.02.05 (स्कोपस इंडेक्स्ड)।

डॉ. शालिनी चंद्रा

- ए. प्रसाद, एस. चंद्र, एम. उद्दीन, टी. अल–शेहरी, एन. ए. अलसधान और एस. साजिद उल्लाह, ''पर्मगार्ड ए स्केलेबल फ्रेमवर्क फॉर एंड्राय्ड मालवेयर डिटेक्शन यूज़िंग पर्मिशन–टू–एक्सप्लाय्टेशन मैपिंग'', इन आईईईई एक्सेस, वॉल्यूम 13, पृष्ठ 507–528, 2025।
- पी. कौशल, एस. चंद्र. वी. सक्सेना, प्रिडिक्शन ऑफ टाइप–II डाइयेबेटिक थ्रु ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी'' इंडियन जर्नल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम 18, पृष्ठ 1177–1188।

डॉ. कर्म वीर सिंह

- वर्षा वर्मा, विपिन सक्सेना, विशाल वर्मा, और कर्म वीर सिंह, ''ए फ्रेमवर्क फॉर सिक्योर्ड एक्सेस कंट्रोल ऑफ क्लाउड डाटा यूज़िंग ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी'' जर्नल ऑफ़ इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 10(29), 934–940, DOI: https://www.jisem-journal.com/
- जयदीप कुमार, हेमंत कुमार, कर्म वीर सिंह, विपिन सक्सेना, ''सिक्योर डेटा स्टोरेज एण्ड रिट्रीवल ओवर द एन्क्रिप्टेड क्लाउड कंप्यूटिंग'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर नेटवर्क एंड इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी (IJCNIS), वॉल्युम 16, नं 4, पृष्ठ 52–64, 2024. https://doi.org/10.5815/ijcnis.2024.04.04

- सक्सेना, विपिन, वर्षा वर्मा, विशाल वर्मा, और कर्म वीर सिंह. 2024, "हंगेरियन टेक्नीक एण्ड सेलेक्शन ऑफ ऑप्टिमाइज्ड प्लान ऑफ इन्श्युरेन्स'', जर्नल ऑफ़ एडवांसेज इन मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटर साइंस 39 (3):11–19, https://doi.org/10.9734/jamcs/2024/v39i31871.
- वर्मा, वर्षा, विपिन सक्सेना, विशाल वर्मा, और कर्म वीर सिंह. 2024, ''क्लस्टरिंग बेस्ड रिकमेंडर सिस्टम फॉर कम्पिलेशन ऑफ रिसर्च पेपर्स'', जर्नल ऑफ़ एडवांसेज इन मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटर साइंस 39 (8):24–32, https://doi.org/10.9734/jamcs/2024/v39i81918.

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

डॉ. बबिता पांडे

- ''आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन माइक्रोबियल रिसर्चः ब्रिड्जिंग द गैप'', बबीता पांडे (संपादक), देवेंद्र पांडे (संपादक), आदित्य खंपरिया (संपादक), वेंकटेश दत्ता (संपादक), वेलेंटीना ई. बालास (संपादक), प्रकाशकः स्प्रिंगर नेचर (14 जून 2025) द्वारा। आईएसबीएन–10: 9819634474, आईएसबीएन–13: 978–9819634477।
- ''कंप्युटेशनल इंटेलिजेन्स फॉर जीनोमिक्स डेटा गैप'', बबीता पांडे (संपादक), वेलेंटीना एमिलिया बालास (संपादक), सुमन लता त्रिपाठी (संपादक), देवेंद्र कुमार पांडे (संपादक), मुफ्ती महमूद (संपादक), प्रकाशकः अकादमिक पीआर (1 फरवरी 2025), आईएसबीएन–10: 0443300801, आईएसबीएन –13: 978–0443300806।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

आचार्य शिशिर कुमार

- शुक्ला, ए., शुक्ला, वी., कुमार, एस., आनंद, ए. (2024), "सिक्योर डिजाइन एण्ड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ स्मार्ट ट्रैफिक लाइट मैनेजमेंट सिस्टम'' क्रिप्टोलॉजी एण्ड नेटवर्क सिक्योरिटी विथ मशीन लर्निंग, ICCNSML 2023, लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स, वॉल्यूम 918, स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-0641-9_5
- शुक्ला, ए., शुक्ला, वी., कुमार, एस., कुशवाह, वी.एस., मालवीय, एस. (2024), ''रियल–टाइम ऑथेंटिकेटेड एण्ड सिक्योर मॉनिटरिंग एण्ड कंट्रोल ऑफ लो–कॉस्ट सस्टेनबल हाइड्रोपोनिक सिस्टम इन क्लाउड'', क्रिप्टोलॉजी एण्ड नेटवर्क सिक्योरिटी विथ मशीन लर्निंग, ICCNSML 2023, लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स, वॉल्यूम 918, स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-0641-9_4
- अंजू शुक्ला, शिशिर कुमार, वीरेंद्र सिंह कुशवाह, और अमरजीत सिंह, ''मेडिकल इमेज सेगमेंटेशन टेक्नीक्सः ए रिव्यू'', कंप्यूटर–असिस्टेड एनालिसिस फॉर डिजिटल मेडिसिनल इमेजरी, प्ळप् ग्लोबल, आईएसबीएन 13:9798369352267, पेज 209–220।

आचार्य संजय कुमार द्विवेदी

- रेवंत, एम. कुमार और एस. के. द्विवेदी, ''एचयू–नेटः ए हाइब्रिड यू–नेट फॉर सिंगल इमेज डीहेज़िंग यूज़िंग कंपोज़िट अटेन्शन मॉड्यूल'', IEEE स्टूडेंट्स कॉन्फ्रेंस ऑन इंजीनियरिंग एंड सिस्टम्स (SCES), प्रयागराज, भारत, 2024 पेज 1–6, doi: 10.1109/SCES61914.2024.10652524.
- चंद्रा, जी., अस्थाना, ए., पांडे, एम. एस., दीक्षित, एम., द्विवेदी, एस. के., और द्विवेदी, ए. पी. (2024, मई), "ए परफॉर्मेन्स एवॉल्यूयेशन ऑफ क्रॉस–लिंगुअल एण्ड मोनो–लिंगुअल आईआर'', इन इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन कंप्यूटिंग एण्ड कम्यूनिकेशन सिस्टम्स फॉर इंडस्ट्रियल अप्लिकेशन्स'', (पेज 45–55). सिंगापुरः स्प्रिंगरर नेचर सिंगापुर।
- नाथ, डी., और द्विवेदी, एस. के. (2024, सितंबर), "ट्रॉन्सफॉर्मिंग आस्पेक्ट–बेस्ड सेंटिमेंट एनॉलिसिस टू डोमेन–स्पेसिफिक माइनिंग बाइ इंटीग्रेटिंग मशीन लर्निंग एन्सेम्बल (MLE) मॉडल'', इन 2024 IEEE इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिग्नल प्रोसेसिंग एंड एडवांस रिसर्च इन कंप्यूटिंग (SPARC) (वॉल्यूम 1, पेज 1–6)।

- नाथ, डी., और द्विवेदी, एस. के. (2024, दिसंबर), ''आस्पेक्ट केटेगरी डिटेक्शन विथ अटेन्शन मेकेनिज्म", इन 2024 IEEE इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन इंटीलिजेंट सिग्नल प्रोसेसिंग एण्ड इफेक्टिव कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजीज (INSPECT) (पेज 1–6)।
- शुक्ला, डी., और द्विवेदी, एस. के. (2025), "वर्ड एम्बेडिंग फॉर इमोशन डिटेक्शन ऑन अमेज़न प्रोडक्ट रिव्यू डेटासेट'', इन इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन डाटा साइन्स एण्ड अप्लिकेशन्स (पेज 441–453), स्प्रिंगर, सिंगापुर।

आचार्य विपिन सक्सेना

- खम्पारिया, ए., पांडे, बी., पांडे, डी.के., गुप्ता, डी. (एड्स). द्विवेदी, एम., पांडे, बी., सक्सेना, वी. (2024), ''एनलाइज़िंग द फ्रंटियर ऑफ एआई–बेस्ड प्लांट डिसीज़ डिटेक्शनः इनसाइट्स एण्ड पर्स्पेक्टिव्स इनः माइक्रोबियल डाटा इंटीलिजेन्स एण्ड कंप्युटेशनल टेक्नीक्स फॉर सस्टेनबल कंप्यूटिंग, माइक्रोवार्गेनिजम्स फॉर सस्टेनबिलिटी, वॉल 47, स्प्रिंगरर, सिंगापुर, https://doi.org/10.1007/978-981-99-9621-6_13
- एम. द्विवेदी, बी. पांडे और वी. सक्सेना, ''एक्स–फेड ऐवजः एन एक्सप्लेनेबल अप्रोच टू फेड ऐवज इन लिंक प्रिडिक्शन,'' 2024 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटीग्रेटेड सर्किट्स, कम्युनिकेशन, एंड कंप्यूटिंग सिस्टम्स (ICIC3S), ऊना, भारत, 2024, पृष्ठ 1–6, doi: 10.1109/ICIC3S61846.2024.10603121 **कीवर्डः** {प्रशिक्षण; डेटा गोपनीयता; फेडरेटेड लर्निंग; सॉफ्ट सेंसर; वितरित डेटाबेस; प्रणोदन; भविष्य कहनेवाला मॉडल; फेडरेटेड लर्निंग; लिंक प्रेडिक्शन; अनुशंसा प्रणाली;FedAvg;XAI;LIME},

आचार्य दीपा राज

- सुप्रिया सिंह, दीपा राज, ''ऑप्टिमाइज़िंग ग्रेस्केल इमेज क्वालिटी थ्रु जेनेटिक आल्गरिदम ओवर क्वाड हिस्टोग्राम डिवीजन'' क्वाड हिस्टोग्रॅम डिविषन", इन द कान्फरेन्स 2024 आईईईई स्टूडेंट कॉन्फ्रेंस ऑन इंजीनियरिंग एंड सिस्टम (SCES–2024)'' (कान्फरेन्स पेपर)।
- दिवाकर, डी., और राज, डी. (2025), ''जेनरेटिव एआई इन वेअरेबल्सः एक्सप्लोरिंग द इंपैक्ट ऑफ GANs, VAEs, एण्ड ट्रांसफॉरमर्स'', जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स फॉर बायोमेडिकल एण्ड स्मार्ट हेल्थ इनफॉरमेटिक्स, 1–34, प्रकाशित, 2025, (पुस्तक अध्याय)।

डॉ. बबीता पांडे

- शुक्ला, एस., पांडे, बी., पांडे, डी. के., मिश्रा, बी. पी., और खम्पारिया, ए. (2025), "एक्सप्लोरिंग ट्रस्ट एण्ड मिसट्रस्ट डाइनेमिक्सः जेनरेटिव एआई–क्यूरेटेड नैरेटिव्स इन हेल्थ कम्यूनिकेशन मीडिया कंटेंट एमांग जेन एक्स'', जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स फॉर बायोमेडिकल एण्ड स्मार्ट हेल्थ इनफॉरमेटिक्स,, 417–433।
- पांडे, बी., पांडे, डी., खम्पारिया, ए., दत्ता, वी., बालास, वी.ई. (संपादक), शुक्ला, एस., पांडे, बी., पांडे, डी. (2025), "थिमेटिक एनॉलिसिस ऑफ मीडीया इन्फ्लुयेन्स ऑन द एडॉप्षन ऑफ एआई क्लाइमेट प्रिडिक्शन मॉडेल्स इन माइक्रोबियल एग्रिकल्चर प्रैक्टिसेसः ए केस स्टडी ऑफ उत्तर प्रदेश यूज़िंग डिफ्यूजन ऑफ इनोवेशन्स थियरी'' इनः आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन माइक्रोबियल रिसर्च, माइक्रोवार्गेनिसम्स फॉर सस्टेनबिलिटी, वॉल 45, स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-3448-4_1
- पांडे, बी., पांडे, डी., खम्पारिया, ए., दत्ता, वी., बालास, वी.ई. (संपादक), शुक्ला, एस., पांडे, बी., पांडे, डी., मिश्रा, बी.पी. (2025), अंडरस्टैंडिंग मीडिया इन्फ्लुयेन्स ऑन द एडॉप्शन ऑफ एआई क्लाइमेट प्रिडिक्शन मॉडल्स इन माइक्रोबायोलॉजिकल एग्रिकल्चरल प्रैक्टिसेसः ए स्टडी ऑफ उत्तराखंड'' इनः आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन माइक्रोबियल रिसर्च'' माइक्रोवार्गेनिसम्स फॉर सस्टेनबिलिटी, वॉल 45, स्प्रिंगर, सिंगापुर, https://doi.org/10.1007/978-981-96-3448-4_2
- पांडे, बी., पांडे, डी., खम्पारिया, ए., दत्ता, वी., बालास, वी.ई. (संपादक), पांडे, बी., श्रीवास्तव, आर. , पांडे, डी. (2025), ''एन एक्सप्लेनबल एआई–बेस्ड सीएनएन मॉडल फॉर प्लांट डिसीज़ डाइयग्नोसिस'' इनः आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन मिक्रोबियल रिसर्च'' माइक्रोवार्गेनिसम्स फॉर सस्टेनबिलिटी, वॉल 45, स्प्रिंगर, सिंगापुर, https://doi.org/10.1007/978-981-96-3448-4_8

- अध्याय 3–3– प्रिन्सिपल कंपोनेंट एनॉलिसिस एण्ड अप्टिमिज़ेशन–बेस्ड फीचर सेलेक्शन एण्ड एक्सट्रैक्शन फॉर जीन एक्सप्रेशन माइक्रोएरे ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ क्लॉसिफिकेशन ऑफ न्यूरोमस्कुलर डिसॉर्डर'' https://doi.org/10.1016/B978-0-443-30080-6.00017-1
- खम्पारिया, ए., पांडे, बी., पांडे, डी.के., गुप्ता, डी. (संपादक), द्विवेदी, एम., पांडे, बी., सक्सेना, वी. (2024), ''एनालाइज़िंग द फ्रंटियर ऑफ एआई–बेस्ड प्लांट डिसीज़ डिटेक्शनः इनसाइट्स एण्ड पर्स्पेक्टिव्स'' इनः माइक्रोबियल डेटा इंटेलिजेन्स एण्ड कंप्युटेशनल टेक्नीक्स फॉर सस्टेनबल कंप्यूटिंग", माइक्रोवार्गेनिसम्स फॉर ससटेनबिलिटी, वॉल्यूम 47. स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-99-9621-6_13
- खम्पारिया, ए., पांडे, बी., पांडे, डी.के., गुप्ता, डी. (संपादक), पांडे, बी., शुक्ला, ए., खम्पारिया, ए. (2024), ''एन ऑप्टिमाइज़्ड हाइब्रिड एरिमा–एलएसटीएम मॉडल फॉर टाइम सीरीज फोरकॉस्टिंग ऑफ एग्रिकल्चरल प्रोडक्शन इन इंडिया'' इनः माइक्रोबियल डाटा इंटेलिजेन्स एण्ड कंप्युटेशनल टेक्नीक्स फॉर सस्टेनबल कंप्यूटिंग'' माइक्रोवार्गेनिसम्स फॉर सस्टेनबिलिटी", वॉल्यूम 47. स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-99-9621-6_7
- कौर, आर.के., पांडे, बी., पांडे, डी.के., खम्पारिया, ए. (2024), ''एन एक्सप्लोरेटिव स्टडी ऑन कोड कंप्रेहेन्शनः इश्यूस एण्ड चैलेंजस'' इनः अल–तुर्जमान, एफ. (संपादक), द स्मार्ट आईईटी ब्लूप्रिंटः इंजिनियरिंग ए कनेक्टेड फ्यूचर", आईओटीएसएस 2024, एड्वान्सेस इन साइन्स, टेक्नालजी एण्ड इनोवेशन. स्प्रिंगरर, केम, https://doi.org/10.1007/978-3-031-63103-0_21
- शुक्ला, एस., पांडे, बी., पांडे, डी.के., खम्पारिया, ए. (2024), ''डेवेलपमेंट ऑफ एन एकाउस्टिक एण्ड ऑनलाइन वीआर गेम टू इंप्रूव सोशल कनेक्टिविटी एण्ड अवेयर्नेस एबाउट टूरिस्ट प्लेसेस इन विजुवली इम्पेयर्ड पीपुल", इनः अल–तुर्जमान, एफ. (संपादक), द स्मार्ट आईईटी ब्लूप्रिंटः इंजिनियरिंग ए कनेक्टेड फ्यूचर", आईओटीएसएस 2024, एडवांसेज इन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। स्प्रिंगर, केम. https://doi.org/10.1007/978-3-031-63103-0_23

डॉ. मनोज कुमार

- संगीता गौतम, और मनोज कुमार, ''ए कवरलेश इन्फार्मेशन हाइडिंग अप्रोच यूज़िंग द मोस्ट सिग्निफिकेंट बिट'', इन 2024 आईईईई स्टूडेंट्स कान्फरेन्स ऑन इंजिनियरिंग एण्ड सिस्टम्स (SCES), पेज 1–6, आईईईई, 2024।
- बनाला रेवंत, मनोज कुमार, और संजय कुमार द्विवेदी, ''एचयु–नेटः ए हाइब्रिड यू–नेट फॉर सिंगल इमेज डीहेज़िंग यूज़िंग कंपोज़िट अटेन्शन मॉड्यूल'' इन 2024 आईईईई स्टूडेंट्स कान्फरेन्स ऑन इंजिनियरिंग एण्ड सिस्टम्स (SCES), पृष्ठ 1–6, आईईईई, 2024।
- संगीता गौतम, रुचि अग्रवाल, और मनोज कुमार, ''ए नॉवेल अप्रोच फॉर कवरलेश इन्फार्मेशन हाइडिंग विथ एनक्रिपटेड इमेजेस'' इन 2024, 15वें इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन कंप्यूटिंग कम्यूनिकेशन एण्ड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीस (ICCCNT), पृष्ठ 1–6, आईईईई, 2024।

डॉ. नरेंदर कुमार

- गौरव सिंह, नरेंदर कुमार (कॉरेस्पोंडिंग लेखक), ""सिक यूथायरॉइड डिटेक्शन यूज़िंग मशीन लर्निंग टेक्नीक्स" एक अध्याय के रूप में प्रकाशित, आठवीं अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस ऑन पैरेलल, डिस्ट्रीब्यूटेड एंड ग्रिड कंप्यूटिंग (PDGC–2024), कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, वाकनाघाट, सोलन, एचपी, भारत द्वारा आयोजित, सम्मेलन की तारीखः 18 – 20 दिसंबर, 2024, आईईईई द्वारा प्रकाशित, आठवीं अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस ऑन पैरेलल, डिस्ट्रीब्यूटेड एंड ग्रिड कंप्यूटिंग (च्क्ळब्–2024), चच–176–181, प्रकाशन की तारीखः 09 मई 2025, आईईईई कॉन्फ्रेंस रिकॉर्ड नंबरः 64653, आईएसबीएनः 979–8–3315–2134–9, 979–8–3315–2135–6 (ई–बुक), आईएसएसएनः 2573–3079, 2573–3087 (इलेक्ट्रॉनिक) https://doi.org/10.1109/PDGC64653.2024.10984176 (स्कोपस इंडेक्स्ड)।

डॉ. शालिनी चंद्रा

- पी. कौशल, एस. चंद्र., "टैक्सॉनोमी ऑफ अटैक्स एण्ड इवॉल्विंग सल्यूशन इन द आईओटी पैरडाइम"– 5वीं स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस ऑन डेटा इंजीनियरिंग एंड एप्लीकेशंस (IDEA–2024)।
- पी. कौशल, वी. सक्सेना, एस. चंद्र, "रैकिंग ऑफ सिक्योरिटी फैक्टर्स थ्रू द हंगेरियन मेथड" चौथें अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस ऑन सॉफ्ट कंप्यूटिंग एंड मैथमेटिकल मॉडलिंग (ICSCMM–24)।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

आचार्य विपिन सक्सेना

- स्मार्ट कंप्यूटिंग पर विश्व कांग्रेस (WCSC2024), 2024 (स्कोपस);
- डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2025 (स्कोपस);

डॉ. नरेन्दर कुमार

- आनंद गौतम, नरेंदर कुमार (संवाददाता लेखक), "एनलिटिकल एण्ड कंप्रेहेन्सिव स्टडी ऑफ वेरियस एसाइनमेंट प्रॉब्लम्स फॉर सस्टेनबल मैनेजमेंट ऑफ रिसोर्सेस इन क्लाउड कंप्यूटिंग एन्वाइरन्मेंट", द इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन सस्टेनबिलिटी एण्ड टेक्नोलॉजिकल एड्वान्समेंट्स इन इंजिनियरिंग डोमेन (SUSTAINED–2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत द्वारा एसडीए समिति आईईईई इंडिया काउंसिल, आईईईई रिकॉर्ड के सहयोग से आयोजितः #63638 सम्मेलन तिथिः 13 14 दिसंबर, 2024।

डॉ. कर्म वीर सिंह

- वर्मा, वी., कुमार, एच., सक्सेना, वी., सिंह, के.वी. और वर्मा, वी., ''ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजीः ए कम्प्रेहेन्सिव रिव्यू", हिनवेइस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, AIDE–2024।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य शिशिर कुमार

- श्वेता श्रीवास्तव, आचार्य शिशिर कुमार और सह–पर्यवेक्षक डॉ. नरेन्दर कुमार के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी कर रही हैं। (शीर्षक अभी तय नही)
- श्वेता मौर्या, आचार्य शिशिर कुमार और सह–पर्यवेक्षक डॉ. नरेन्दर कुमार के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी कर रही हैं। (शीर्षक अभी तय नही)

आचार्य विपिन सक्सेना

- वर्षा वर्मा, आचार्य विपिन सक्सेना के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से "डिज़ाइन ऑफ फ्रेमवर्क टू सिक्योर डाटा ओवर द क्लाउड" विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।
- सुगंधा सिंह, आचार्य विपिन सक्सेना के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से "डिज़ाइन एण्ड एनॉलिसिस ऑफ इफेक्टिव टेक्नीक्स फॉर आइडेंटिफिकेशन ऑफ ब्रेन ट्यूमर इन ह्यूमन मैग्नेटिक रेज़नेन्स इमेजेस" विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।
- मृदुला द्विवेदी, आचार्य विपिन सक्सेना और सह–पर्यवेक्षक डॉ. बबीता पांडे के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से ''"इंप्रूविंग लिंक प्रेडिक्शनः एन एक्सप्लेनबल लिंक प्रिडिक्शन अप्रोच" विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।
- दीपिका गौतम, आचार्य विपिन सक्सेना के मार्गदर्शन में, यूजीसी एसआरएफ फेलोशिप के सहयोग से "डिज़ाइन एण्ड एनॉलिसिस ऑफ इफेक्टिव सिक्योरिटी टेक्नीक्स फॉर क्लाउड डेटाबेस'' विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।

- हेमंत कुमार, आचार्य विपिन सक्सेना के मार्गदर्शन में, यूजीसी एसआरएफ फेलोशिप के सहयोग से "स्टडी एण्ड डिज़ाइन ऑफ इफेक्टिव सॉफ्टवेर टेस्टिंग टेक्नीक्स" विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।
- सुषमा साहू, आचार्य विपिन सक्सेना के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी कर रही हैं। (शीर्षक अभी तय नही)
- संयम मित्तल, आचार्य विपिन सक्सेना के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी कर रहे हैं। (शीर्षक अभी तय नही)

आचार्य संजय कुमार द्विवेदी

- समीक्षा त्रिपाठी, आचार्य संजय कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से "पर्सनलाइज्ड हाइब्रिड बुक रेकमेंडेशन सिस्टम यूज़िंग मशीन लर्निंग टेक्नीक्स" विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।
- दीक्षा शुक्ला, आचार्य संजय कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से ''इंटेन्सिटी बेस्ड इमोशन डिटेक्शन ऑफ प्रोडक्ट रिव्यूज़ यूज़िंग डीप लर्निंग" विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।
- अमित अस्थाना, आचार्य संजय कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से "इंप्रूविंग रिट्रीवल इफेक्टिवनेस इन हिन्दी–इंग्लिश क्रॉस लिंगुअल इन्फॉर्मेशन रिट्रीवल यूज़िंग क्वीरी रिफॉर्मुलेशन" विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।
- दीना नाथ, आचार्य संजय कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में, एनएफएससी फेलोशिप के सहयोग से "आस्पेक्ट–बेस्ड सेंटीमेंट एनालिसिस" पर विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।
- प्रियंका सिंह, आचार्य संजय कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी कर रहे हैं। (शीर्षक अभी तय नही)

आचार्य दीपा राज

- दिवाकर, आचार्य दीपा राज के मार्गदर्शन में, यूजीसी–एसआरएफ फेलोशिप के सहयोग से "डिज़ाइनिंग ए फ्रेमवर्क ऑफ मल्टी–डिजीज डिटेक्शन एण्ड प्रीडिक्शन'' विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।
- सुप्रिया सिंह, आचार्य दीपा राज के मार्गदर्शन में, एनएफएससी फेलोशिप के सहयोग से "इनहैन्समेंट ऑफ डिजिटल इमेज यूजिंग कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस'' विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।
- नेहा मौर्या, आचार्य दीपा राज के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी कर रहे हैं। (शीर्षक अभी तय नही)
- महिमा पांडे, आचार्य दीपा राज के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी कर रहे हैं। (शीर्षक अभी तय नही)

डॉ. बबीता पांडे

- आकृति श्रीवास्तव, डॉ. बबीता पांडे के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से "अभी ''शीर्षक अभी तय नहीं'' विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।

डॉ. मनोज कुमार

- बनाला रेवंत डॉ. मनोज कुमार और सह–पर्यवेक्षक आचार्य एस.के. द्विवेदी के मार्गदर्शन में एनएफएससी फेलोशिप के सहयोग से ''रिस्टोरेशन ऑफ हैजी इमेजस यूजिंग मशीन लर्निंग'' विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।
- संगीता गौतम, डॉ. मनोज कुमार के मार्गदर्शन में, यूजीसी–एसआरएफ फेलोशिप के सहयोग से "सेक्रेट कम्युनिकेशन थ्रु कवरलेस इन्फॉर्मेशन हाइडिंग'' विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।
- सृष्टि गहलोत, डॉ. मनोज कुमार के मार्गदर्शन में यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से के सहयोग से पीएच.डी कर रही हैं। (शीर्षक अभी तय नही)

डॉ. नरेन्दर कुमार

- अर्चना, डॉ. नरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में, यूजीसी–एसआरएफ फेलोशिप के सहयोग से "एन एफीशियेंट रीसोर्स एलोकेशन मेकेनिजम्स फ्रेमवर्क फॉर क्लाउड एन्वाइरन्मेंट'' विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।
- आनंद गौतम, डॉ. नरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से "एफीशियेंट रीसोर्स मैनेजमेंट मेकेनिजम्स फॉर क्लाउड कंप्यूटिंग एन्वाइरन्मेंट" विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।
- गौरव सिंह, डॉ. नरेंद्र कुमार और सह–पर्यवेक्षक आचार्य शिशिर कुमार के मार्गदर्शन में, यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से ''डिटक्शन एण्ड डाइयग्नोसिस ऑफ थायराइड डिसॉर्डर्स यूज़िंग इंटेलिजेंट कंप्युटेशनल मेकेनिजम्स'' विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।
- निखिल सिंह, डॉ. नरेंद्र कुमार और सह–पर्यवेक्षक आचार्य शिशिर कुमार के मार्गदर्शन में, यूजीसी–जेआरएफ फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी कर रहे हैं। (शीर्षक अभी तय नही)

डॉ. शालिनी चंद्रा

- अश्विन कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शालिनी चंद्रा के मार्गदर्शन में यूजीसी–जेआरएफ फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी कर रहे हैं। (शीर्षक अभी तय नही)
- प्रियंका कौशल, डॉ. शालिनी चंद्रा और सह–पर्यवेक्षक आचार्य विपिन सक्सेना के मार्गदर्शन में एनएफएससी फेलोशिप के सहयोग से "सिक्योरिटी एनहैन्समेंट इन आईओटी पैरडाइम यूज़िंग ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी'' विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।

डॉ. कर्मवीर सिंह

- सौरभ कुमार, डॉ. कर्मवीर सिंह और सह–पर्यवेक्षक आचार्य विपिन सक्सेना के मार्गदर्शन में यूजीसी–जेआरएफ फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी कर रहे हैं। (शीर्षक अभी तय नही)
- आंचल गुप्ता, डॉ. कर्मवीर सिंह के मार्गदर्शन में यूजीसी गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच. डी कर रही हैं। (शीर्षक अभी तय नही)

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी.

आचार्य विपिन सक्सेना

- श्री बंशीधर चौधरी, आचार्य विपिन सक्सेना के मार्गदर्शन में, यूजीसी नॉन–नेट फेलोशिप के सहयोग से "एनॉलिसिस एण्ड डिजाइन ऑफ डाटा माइनिंग एप्लिकेशन फॉर बैंकिंग इंडस्ट्री'' विषय पर पीएच.डी कर रहे है।
- श्री पवन कुमार, आचार्य विपिन सक्सेना के मार्गदर्शन में, यूजीसी नॉन–नेट फ़ेलोशिप के सहयोग से "एनॉलिसिस एण्ड डिज़ाइन ऑफ इफेक्टिव हाइब्रिड क्रिप्टोग्राफ़िकल टेक्नीक्स" विषय पर पीएच. डी कर रहे है।

आचार्य दीपा राज

- अंशु गुप्ता, आचार्य दीपा राज के मार्गदर्शन में, यूजीसी नॉन–नेट फ़ेलोशिप के सहयोग से "मल्टीमॉडल बायोमेट्रिक ऑथेनटिकेशन सिस्टम यूज़िंग ह्यूमन फुटप्रिंट्स" विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।

डॉ. मनोज कुमार

- रुचि अग्रवाल, डॉ. मनोज कुमार के मार्गदर्शन में, यूजीसी नॉन–नेट फ़ेलोशिप के सहयोग से "सिक्योरिंग एनक्रिपटेड इमेजेस थ्रु रिवर्सिबल डाटा हाइडिंग" विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।

डॉ. नरेन्दर कुमार

- अंकिता श्रीवास्तव, डॉ. नरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में, यूजीसी नॉन–नेट फ़ेलोशिप के सहयोग से "एनॉलिसिस एण्ड डिज़ाइन ऑफ एफिकेशियस रीसोर्स मैनेजमेंट मेकेनिजम्स फॉर क्लाउड कंप्यूटिंग'' विषय पर पीएच.डी कर रही हैं।

डॉ. शालिनी चंद्रा

- अरविंद प्रसाद, डॉ. शालिनी चंद्रा के मार्गदर्शन में एनएफएससी फ़ेलोशिप के सहयोग से "सिक्योरिटी एनहैन्स्मेंट बाइ कम्बेटिंग साइबर अटैक्स यूज़िंग मशीन लर्निंग टेक्नीक्स" विषय पर पीएच.डी कर रहे हैं।

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः– शून्य

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	14
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	10
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	16
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	–
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	06
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	185
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	10
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	12
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	03

पुस्तकालय सूचना विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, जिसकी स्थापना वर्ष 1997 में हुई थी, इसका उद्देश्य पुस्तकालयाध्यक्षता, ज्ञान प्रबंधन, अभिलेखीय विज्ञान और सूचना सेवाओं में सक्षम पेशेवरों को तैयार करना है। यह विभाग शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, सरकारी निकायों और निजी क्षेत्रों में रोजगार के लिए आईसीटी अनुप्रयोगों, अनुसंधान अभिविन्यास और कौशल विकास पर जोर देता है। इन वर्षों में इसने 500 से अधिक एलआईएस पेशेवर, 42 एम.फिल. और 62 पीएच.डी. तैयार किए हैं।

विभाग की ताकत

- **शैक्षणिक उत्कृष्टताः** अनुभवी संकाय जिनके पास डिजिटल लाइब्रेरी, सूचना प्रणाली, सांस्कृतिक सूचना विज्ञान, अनुसंधान नैतिकता और साइंटोमेट्रिक्स जैसी विभिन्न विशेषज्ञताएं हैं।
- **अनुसंधान आउटपुटः** मजबूत प्रकाशन रिकॉर्ड जिसमें अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाएं, पुस्तक अध्याय और पुरस्कार विजेता अनुसंधान योगदान शामिल है।

- **बुनियादी ढांचा:** स्मार्ट कक्षाओं, विभागीय आईटी प्रयोगशाला, वाई–फाई सक्षम शिक्षण वातावरण और 559 पुस्तकों के वाली एक विभागीय पुस्तकालय से सुसज्जित।
- **छात्र–केंद्रित दृष्टिकोण:** साप्ताहिक "मन की बात" सत्र, सुधारात्मक कोचिंग, और जेआरएफ/एनईटी उम्मीदवारों के लिए सहायता।
- **पूर्व छात्र नेटवर्क:** 500 से अधिक पेशेवर जो पूरे भारत में विश्वविद्यालयों, सरकारी संगठनों और पुस्तकालयों में कार्यरत है।
- **एनईपी 2020 के प्रति प्रतिबद्धता:** राष्ट्रीय शिक्षा लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने के लिए पाठ्यक्रम का पुनर्गठन और एफडीपी/कार्यशालाओं में भागीदारी।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

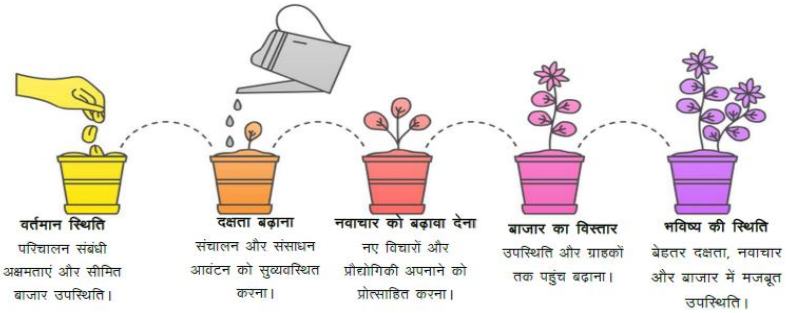

- **पाठ्यक्रम में सुधार:** एनईपी 2020 के अनुसार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोगों, अनुसंधान डेटा प्रबंधन और ग्रीन लाइब्रेरीज़ में नए पाठ्यक्रम शुरू करें।
- **अनुसंधान पहल:** राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित करें; वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं को प्रोत्साहित करें।
- **छात्र सहायता:** बीएलआईएससी और एमएलआईएससी छात्रों के लिए रोजगार बढ़ाने के लिए लिए मेंटरशिप और प्लेसमेंट सेल शुरू करें।
- **बुनियादी ढांचे का विकास:** हाल के प्रकाशनों के साथ विभागीय पुस्तकालय संसाधनों का विस्तार करें। विभाग की आईटी लैब का उन्नयन।
- **पूर्व छात्र एवं उद्योग संबंध:** वार्षिक बैठकों और व्यावसायिक निकायों के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से पूर्व छात्रों की भागीदारी को मजबूत करें।
- **गुणवत्ता आश्वासन:** हितधारकों से नियमित प्रतिक्रिया; छात्र संतुष्टि और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र पर ध्यान केंद्रित करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास

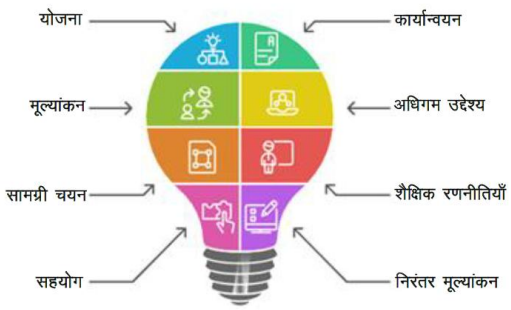

- विभाग में बीएलआईएससी, एमएलआईएससी और पीएच.डी. कार्यक्रम पेश किए जाते हैं।

- बाजार की जरूरतों, एनईपी 2020 और नई प्रौद्योगिकियों के हिसाब से पाठ्यक्रमों का नियमित पुनर्गठन।
- इसका उद्देश्य छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में आईटी अनुप्रयोगों, सूचना प्रबंधन, पुस्तकालय प्रबंधन और ज्ञान सेवाओं में प्रशिक्षित करना है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- बीएलआईएस और एमएलआईएस दोनों पाठ्यक्रमों सीबीसीएस को लागू किया गया है।
- सीबीसीएस के सुचारू रूप से लागू करने के लिए सीबीसीएस समन्वयक नियुक्त किया गया है।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

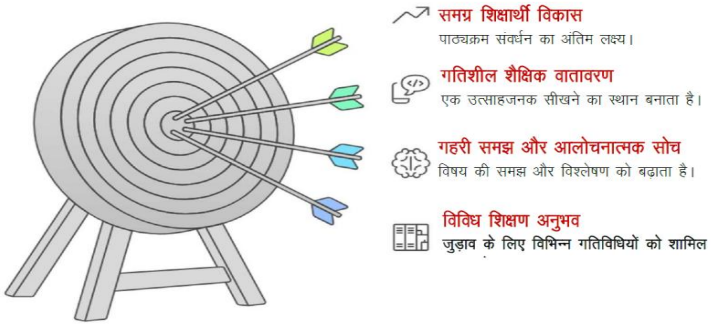

- आईसीटी–सक्षम शिक्षा, अनुसंधान–आधारित प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का एकीकरण।
- सामाजिक जरूरतों, सतत विकास और रोजगार के हिसाब से बनाए गए पाठ्यक्रम।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- छात्र–संकाय साप्ताहिक इंटरैक्टिव सत्र जैसे "मन की बात"।
- पाठ्यक्रम में सुधार के लिए पाठ्यक्रम फीडबैक शामिल किया गया।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

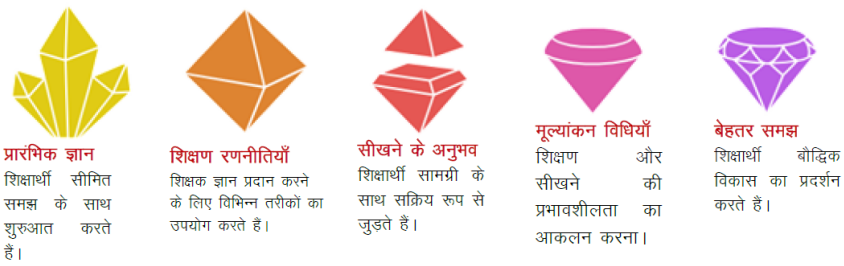

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- बीएलआईएसः 33 छात्र।
- एमएलआईएसः 28 छात्र।
- पीएच.डी.: 62 को डिग्री मिली, 40 अभी कर रहे हैं।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- सुधारात्मक कोचिंग और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यकों और पीडब्ल्यूडी विद्वानों के लिए सहायता।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया

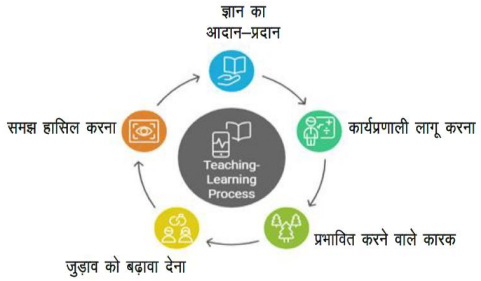

- स्मार्ट कक्षाएँ, विभागीय पुस्तकालय, उन्नत सुविधाओं के साथ आईटी प्रयोगशाला, आगे पढ़ने के लिए शिक्षण सामग्री छात्रों के साथ साझा किया जाता है।
- परियोजना–आधारित शिक्षा और आईसीटी एकीकरण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

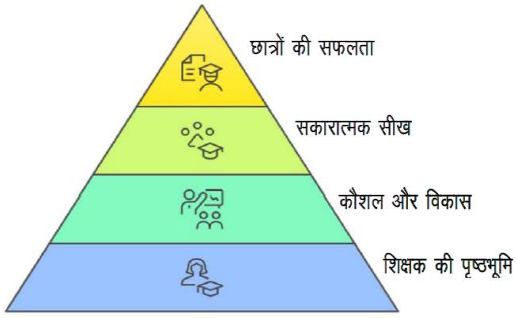

- 7 संकाय सदस्य (आचार्य और सहायक आचार्य) जिनकी विशेषज्ञता एलआईएस, आईटी अनुप्रयोगों, डिजिटल पुस्तकालयों, अनुसंधान नैतिकता, सांस्कृतिक सूचना विज्ञान आदि में है।
- आईएलए, आईएएसएलआईसी, एसएलए, एसएएलआईएस, आदि में सदस्यता वाले संकाय।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- मध्यावधि मूल्यांकन परीक्षणों के साथ सतत आंतरिक मूल्यांकन।
- छात्रों का मूल्यांकन सेमिनार, प्रस्तुतियों और असाइनमेंट के माध्यम से किया जाता है।
- विभाग में आंतरिक एवं बाह्य मूल्यांकन लागू किया गया है।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- पीएच.डी. प्रदत्त छात्रों की उच्च संख्या (2024–25 के दौरान 08)।
- छात्रों का उच्च शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आगे बढ़ना।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- प्रत्यक्ष फीडबैक और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से आयोजित किया गया।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- अच्छी तरह से सुसज्जित आईटी प्रयोगशाला और विभागीय पुस्तकालय।
- संकाय वर्तमान में 40 से ज्यादा पीएच.डी. अध्येताओं का मार्गदर्शन कर रहे है।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- संकाय की यूजीसी, इन्फ्लिबनेट कार्यशालाओं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों में भागीदारी।
- पीएच.डी. अध्येताओं को जेआरएफ/नेट/अन्य फेलोशिप से सहायता प्रदान किया जाता है।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- शोध का फोकस डिजिटल पुस्तकालयों, एलआईएस में एआई, सांस्कृतिक सूचना विज्ञान, साइंटोमेट्रिक्स, हरित पुस्तकालयों आदि पर केंद्रित है।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- 15 शोध पत्र प्रकाशित (2024–25) हुए।
- संकाय ने पुस्तक अध्याय और वाल्युम संपादन में योगदान दे रहे हैं।
- पुरस्कारः सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार, अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार, उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार।

3.5 परामर्शदाता

- अभी तक कोई औपचारिक परामर्श नहीं (भुगतान/निःशुल्क= शून्य)।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- छात्रों और शिक्षकों को शपथ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया (सतर्कता जागरूकता, स्वच्छता)।
- आमंत्रित वार्ताओं और सम्मेलनों के माध्यम से आउटरीच।
- एमएलआईएस पाठ्यक्रम में छात्रों की सामुदायिक सहभागिता के लिए 2 क्रेडिट का सूचना और डिजिटल साक्षरता सामाजिक समूहों पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया है।

3.7 सहयोग

- समझौता ज्ञापनः शून्य (अभी शुरू होना बाकी है)।
- संकाय ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और प्रशिक्षणों में सहयोग किया।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

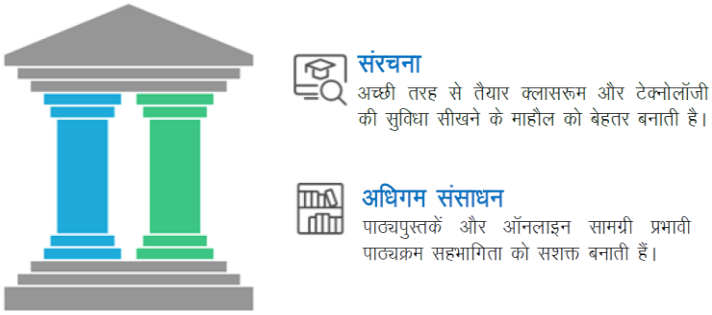

4.1 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट कक्षाएँ, सेमिनार हॉल, आईटी प्रयोगशाला।
- प्रोजेक्टर, डिजिटल बोर्ड, एलसीडी टीवी के साथ वाई–फाई सक्षम।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- 559 पुस्तकों वाला विभागीय पुस्तकालय।
- केंद्रीय विश्वविद्यालय पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पीसी के साथ आईटी लैब ।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय आईसीटी सेल और विभाग की पहल के तहत बनाए रखा गया है।

5. छात्र सहायता और प्रगति

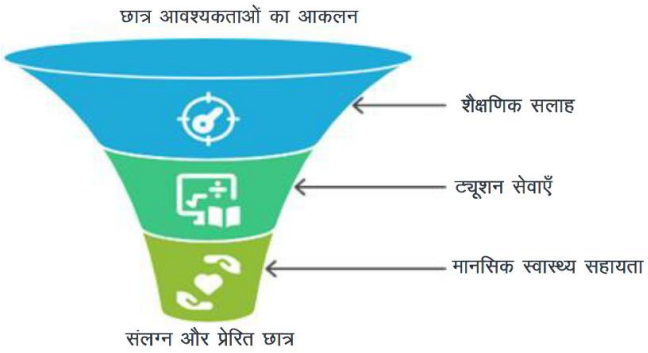

5.1 छात्र सहायता

- उपचारात्मक कोचिंग कार्यक्रम।
- जेआरएफ/नेट योग्य छात्रों को पीएच.डी. कार्यक्रम में फेलोशिप सहायता मिलती है।

5.2 छात्र प्रगति

- बीएलआईएस से एमएलआईएस प्रगतिः 15 छात्र।
- उच्च शिक्षा और अनुसंधानः विभाग के कई छात्र अन्य विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. कर रहे हैं।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- विभाग दीक्षाम्भ (प्रेरण कार्यक्रम) का आयोजित करता है।
- छात्र कार्यशालाओं/सेमिनारों में भाग लेते हैं।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- शुरूआत (1997) से अब तक 500 से ज्यादा एलआईएस पेशेवरों को प्रशिक्षित किया गया।
- पूर्व छात्र सरकारी, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संगठनों में कार्यरत है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विज़नः एलआईएस, अभिलेखागार, ज्ञान प्रबंधन और आईटी–आधारित सेवाओं के लिए पेशेवरों को तैयार करना।
- शैक्षणिक परिषद, डीआरसी, बीओएस के माध्यम से नेतृत्व।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- पाठ्यक्रम नियमित रूप से अद्यतन किये जाते हैं।
- रणनीति एनईपी 2020 के साथ जुड़ी हुई है।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय एफडीपी, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं में भाग लेते हैं।
- राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- विश्वविद्यालय वित्त पोषण और यूजीसी योजनाओं के माध्यम से प्रबंधित।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- एमओओसी, एनईपी कार्यान्वयन, मूल्यांकन सुधारों के लिए विभागीय समितियाँ।
- छात्रों से नियमित प्रतिक्रिया तंत्र।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

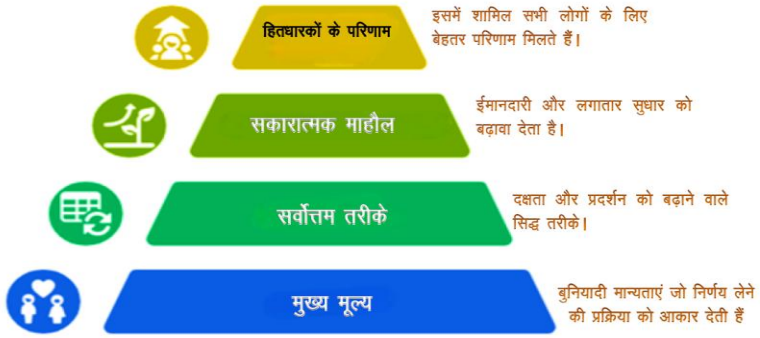

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- छात्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए साप्ताहिक मन की बात।
- स्वच्छता, नैतिकता और स्थिरता पर जागरूकता अभियान।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- आईसीटी–सक्षम शिक्षण का उपयोग।
- छात्रों को व्यावहारिक पुस्तकालयाध्यक्षता से परिचित कराने के लिए नियमित अंतराल पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- भारत के सबसे पुराने एलआईएस विभागों में से एक (1997 से)।
- बड़ी संख्या में एलआईएस पेशेवरों, शोधकर्ताओं और नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट):

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य कन्हैया लाल महावर**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
  विशेषज्ञताः शैक्षणिक पुस्तकालय और सूचना प्रणाली, उपयोगकर्ता सेवाएँ/आवश्यकताएँ, सूचना स्रोत, प्रणाली और कार्यक्रम।
  योग्यताः पीएच.डी., एम.एल.आई.एस.सी., कंप्यूटिंग में सर्टिफिकेट (सी.आई.सी.–2000)।
  ईमेलः mahawar_67@yahoo.co.in, mahawar67@gmail.com
- **आचार्य महेन्द्र प्रताप सिंह**
  आचार्य एवं संकायाध्यक्ष, एसआईएसटी
  विशेषज्ञताः पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों का प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, उपयोगकर्ता अध्ययन
  योग्यताः पीएच.डी., एमएलआईएससी, एम. कॉम, एम.एससी. (आईटी), एमबीए।
  ईमेलः mpsinghdlis@gmail.com
- **आचार्य** शिल्पी वर्मा
  आचार्य
  विशेषज्ञताः इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन, डिजिटल पुस्तकालय, पुस्तकालय स्वचालन और नेटवर्किंग, एलआईएस में उभरते रुझान और प्रौद्योगिकी।
  योग्यताः पीएचडी, एमएलआईएससी, पीजीडीएम पीजी डिप्लोमा इन मार्केटिंग एंड सेल्स मैनेजमेंट।
  ईमेलः shipoo_lko@rediffmail.com; shipoo.lko@gmail.com
- **आचार्य शरद कुमार सोनकर**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन, डिजिटल पुस्तकालय, पुस्तकालय स्वचालन और नेटवर्किंग, एलआईएस में उभरते रुझान और प्रौद्योगिकी।
  योग्यताः पीएच.डी., पीजीडीसीए, एमएलआईएससी।
  ईमेलः sksonker@yahoo.co.in
- **डॉ. विनित कुमार**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः पुस्तकालयों में सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग, अनुसंधान विधियां और सांख्यिकीय तकनीकें, सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति, पुस्तकालयों में वेब प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग।
  योग्यताः पीएच.डी., एमएलआईएससी, आईएमएडी कोर्स, यूजीसी–जेआरएफ।
  ईमेलः vinitkr@bbau.ac.in, mailvinitkumar@gmail.com
- **डॉ. सोमिपम आर शिमरे**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः अनुसंधान नैतिकता, ज्ञान साझाकरण और सांस्कृतिक सूचना विज्ञान।
  योग्यताः पीएच.डी., एमएलआईएससी, पीजीडीएलएएन, यूजीसी–जेआरएफ।
  ईमेलः srshimray@yahoo.com
- **डॉ. नितेश कुमार वर्मा**
  सहायक आचार्य

विशेषज्ञताः वेबसाइट प्रयोज्यता विश्लेषण, वेबोमेट्रिक्स, वेबसाइट सामग्री विश्लेषण, लाइब्रेरी में ओपन–सोर्स सॉफ़्टवेयर का उपयोग, डिजिटल लाइब्रेरी।
योग्यताः बी. कॉम (ऑनर्स), एमएलआईएससी, यूजीसी–नेट, पीएच.डी.।
ईमेलः vermanite@gmail.com

8.2 संस्थान के अंदर एवं बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–

आचार्य के.एल. महावर

- विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, 2022 से–जारी।
- अध्यक्ष, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, 2022 से–जारी।
- अध्यक्ष, विभागीय अनुसंधान समिति, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, 2022 से–जारी।
- अध्यक्ष, विभागीय प्रवेश समिति, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, 2022 से–जारी।
- समन्वयक, उपचारात्मक कोचिंग कार्यक्रम (आरसीपी) 2019 से 05.03.2025।
- निदेशक, खेल 2018 से–जारी।
- अध्यक्ष, विश्वविद्यालय की स्थायी आयोजन समिति (एसओसी) 2022 से–जारी।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति (डीआरसी)–सूचना प्रौद्योगिकी विभाग।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति (डीआरसी)–जनसंचार और पत्रकारिता विभाग।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति (डीआरसी)–पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग।
- शैक्षणिक परिषद
- सदस्य, 1997 से पुस्तकालय समिति/पुस्तकालय सलाहकार समिति।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ।

आचार्य एम.पी सिंह

- आजीवन सदस्य, भारतीय पुस्तकालय संघ (आईएलए)।
- आजीवन सदस्य, भारतीय विशेष पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र संघ (आईएएसएलआईसी)।
- आजीवन सदस्य, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान उन्नति सोसायटी (SALIS)।
- आजीवन सदस्य, भारतीय पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षक संघ (आईएटीएलआईएस)।
- अध्यक्ष निर्वाचित 2023–25, स्पेशल लाइब्रेरी एसोसिएशन (एसएलए) एशियन चैप्टर।

आचार्य एस.के. सोनकर

- आजीवन सदस्य, भारतीय पुस्तकालय संघ (आईएलए)।
- आजीवन सदस्य, भारतीय पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षक संघ (आईएटीएलआईएस)।
- आजीवन सदस्य, भारतीय विशेष पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र संघ (आईएएसएलआईसी)।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल (बीपीजीएस), बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल (बीपीजीएस), यूपीआरटीओयू, लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी स्कूल, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल (बीपीजीएस), सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल (बीपीजीएस), महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर में एक राज्य विश्वविद्यालय है।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल (बीपीजीएस), लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

आचार्य शिल्पी वर्मा

- आजीवन सदस्य, भारतीय पुस्तकालय संघ (आईएलए) (सदस्यता संख्या सीएल–9677)।
- आजीवन सदस्य, भारतीय विशेष पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र संघ (आईएएसएलआईसी)।
- आजीवन सदस्य, भारतीय पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षक संघ (आईएटीएलआईएस)।

- आजीवन सदस्य, वन्यजीव संरक्षण सोसायटी।
- आजीवन सदस्य, भारतीय प्राणी सोसायटी (सदस्यता संख्या एस–222(एलबी)।
- आजीवन सदस्य, ब्लू प्लैनेट सोसाइटी, इलाहाबाद।
- आजीवन सदस्य, समग्र विकास कल्याण सोसायटी (एसवीडब्ल्यूएस), लखनऊ।

डॉ. विनीत कुमार

- डॉ. विनीत कुमार कोलकाता स्थित भारतीय विशेष पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र संघ (आईएएसएलआईसी) के आजीवन सदस्य हैं।
- डॉ. विनीत कुमार भारतीय पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षक संघ (आईएटीएलआईएस), पटियाला के आजीवन सदस्य हैं।

डॉ. सोमिपम आर शिमरे

- सदस्य, सूचना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एसोसिएशन (एएसआईएसएंडटी)।
- आजीवन सदस्य, इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन (आईएलए)।

डॉ. नितेश कुमार वर्मा

- आजीवन सदस्य, इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन (आईएलए)।
- आजीवन सदस्य, भारतीय पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षक संघ (IATLIS)।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य के.एल. महावर

- हुरम, यू., के.एल. महावर और आर.एस. सोमिपम, ''इग्ज़ॅमिनिंग यूज़र ओपीनियन्स, सटिस्फैक्शन लेवेल्ज़, एण्ड चैलेंजस टुवर्ड्स इन्स्टिट्यूशनल रिपॉज़िटरीः एन इंपिरिकल स्टडी", डेसिडोक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, खंड 44, संख्या 5, पृष्ठ 289–297, सितंबर 2024।

आचार्य एम.पी. सिंह

- गुप्ता, के. और एम.पी. सिंह, ''एक्सप्लोरिंग द को–ऑथरशिप नेटवर्क्स ऑफ द इंटरनेट ऑफ थिंग्स इन लाइब्रेरीस", जर्नल ऑफ इंडियन लाइब्रेरी एसोसियेशन, वॉल. 61, नं. 1, पृष्ठ 28–34, 2025।
- सिंह, एम.पी., के. गुप्ता, अर्शिया, पी. भगत और एस. भारती, ''अनवेलिंग द डिजिटल फेसेट्सः एन इनसाइट इंटू इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट लाइब्रेरीस' वेब परफॉर्मेन्स", जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड नॉलेज, खंड 61, संख्या 6, पृष्ठ 321–326, 2024, https://doi.org/10.17821/srels/2024/v61i6/171627.

आचार्य शिल्पी वर्मा

- दुबे, वी. और एस. वर्मा, ''इवॉल्यूयेटिंग द डिजिटल परफॉर्मेन्स एण्ड एक्सेसिबिलिटी ऑफ वेबसाइट्स यूज़िंग गूगल लाइट हाउस'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइन्सेस एण्ड इंजिनियरिंग, खंड 13, संख्या 3, पृष्ठ 16–23, मार्च 2025, https://doi.org/10.26438/ijcse/v13i3.1623.

आचार्य एस.के. सोनकर

- खान, ए. और एस.के. सोनकर, ''ए कंप्रेहेन्सिव रिव्यू ऑफ लिटरेचर एण्ड एक्सप्लोरेशन ऑन लाइब्रेरी सिक्योरिटी सिस्टम'', लाइब्रेरी फिलॉसोफी एण्ड प्रैक्टीस (ई–जर्नल), संख्या 8058, 2024. https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/8058.
- वर्मा, ए.के., एस.के. सोनकर और पी. श्रीवास्तव, ''पब्लिकेशन अवेयर्नेस एण्ड प्रिफरेन्सस ऑफ इंडियन साइन्स ऑथर्सः एन इवॉल्यूयेटिव स्टडी", लाइब्रेरी हेराल्ड, खंड 62, संख्या 4, पृष्ठ 612–622, 2024।

- अमरीन और एस.के. सोनकर, ''द इंटेलिजेंट लाइब्रेरीजः इम्पोसिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स टू इन्हैन्स एक्टिविटीज एण्ड सर्वीसेज़", जर्नल ऑफ इंडियन लाइबेरी एसोसियेशन, वॉल 60, संख्या 3, पृष्ठ 466–472, 2024, https://journal.ilaindia.net/index.php/lib/article/view/353.

डॉ. विनीत कुमार

- बसुमतारी, बी., एमके सिन्हा, वी. कुमार और एमके वर्मा, ''रिट्रैक्शन्स इन इंडियन बिजनेस रिसर्चः ए क्लोज़र लुक एट ट्रेंड्स, रीज़न्स एण्ड इम्पैक्ट्स ऑफ रिट्रैक्टेड आर्टिकल्स", डेसिडोक जर्नल ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, खंड 45, संख्या 2, पृष्ठ 131–140, 2025, https://doi.org/10.14429/djlit.20357.
- कुशवाहा, ए.के., जे. सिंह और वी. कुमार, ''पोस्ट–कोविड–19 पब्लिकेशन ऑपर्चुनिटीज फॉर मेडिकल एकेडेमिक्स इन टॉप इंडियन मेडिकल इनस्टिट्यूट्सः एन इन्वेस्टिगेशन इंटू प्रोडक्टिविटी, न्यू वेन्यूज, एण्ड कोलाबोवरेशन्स", साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी लाइब्ररीज, वॉल. 0, संख्या 0, 2024, https://doi.org/10.1080/0194262X.2024.2434830.
- कुमार, वी., चंद्रप्पा और एनएस हरिनारायण, ''एक्सप्लोरिंग डाइमेन्शन्स ऑफ मेटाडेटा क्वालिटी एसेसमेंटः ए स्कोपिंग रिव्यू", जर्नल ऑफ लाइब्रेरियनशिप एण्ड इन्फार्मेशन साइन्स, वॉल. 57, संख्या 3, पृष्ठ 661–673, 2025।

डॉ. सोमिपम आर. शिमरे

- दीप्ति, सी., एसआर शिमरे, ए. काबा और सीके रामैया, ''द इंपैक्ट ऑफ नालेज क्रिएशन, एक्वज़िशन, एण्ड कैप्चर ऑन नालेज शेयरिंगः एन इन्वेस्टिगेशन एमांग नर्सिंग प्रोफेशनल्स", डेसिडोक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, खंड 45, संख्या 1, पृष्ठ 65–73, जनवरी 2025, https://doi.org/10.14429/djlit.20187.
- शिमरे, एसआर और पी. नोंगसीज, ''एन इग्ज़ॅमिनेशन ऑफ द 'टॉप 100' आर्टिकल्स पब्लिश्ड इन 2023: एन अल्टमेट्रिक एनॉलिसिस", ग्लोबल नॉलेज, मेमोरी एण्ड कम्यूनिकेशन, सितंबर 2024, https://doi.org/10.1108/GKMC-02-2024-0083.
- हुरम, यू., केएल महावर और एसआर शिमरे, ''इग्ज़ॅमिनिंग यूज़र ओपीनियन्स, सटिस्फैक्शन लेवेल्ज़, एण्ड चैलेंजस टुवर्ड्स इन्स्टिट्यूशनल रिपॉज़िटरीः एन एंपिरिकल स्टडी", डेसिडोक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, खंड 44, संख्या 5, पृष्ठ 289–297, सितंबर 2024. https://doi.org/10.14429/djlit.44.5.19669.

डॉ. नितेश कुमार वर्मा

- वर्मा, एन.के., एस.के. यादव और एम.के. वर्मा, ''एक्सप्लोरिंग ऑनलाइन कम्यूनिटी सर्च इंटेरेस्ट ऑन टेंपोरल डाइनेमिक्स ऑफ अयोध्याः ए केस स्टडी ऑफ द राम मंदिर बेस्ड ऑन गूगल सर्च ट्रेंड्स इनसाइट",एनाल्स ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन स्टडीज, खंड 71, संख्या 3, पृष्ठ 331–340, 2024।
- बसुमतारी, बी., एम. युवराज, एनके वर्मा और एमके वर्मा, ''मैपिंग ऑफ द सेलेक्टेड लिटरेचर ऑन रोबोटिक टेक्नोलॉजी अप्लिकेशन्स इन लाइब्रेरीस बेस्ड ऑन स्कोपस डेटाबेसः ए सब्जेक्टिव कंप्युटेशनल रिव्यू", लाइब्रेरी हाई–टेक, खंड 43, संख्या 1, पृष्ठ 224–248, 2025।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें–

8.8.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

आचार्य एम. पी. सिंह

- सिंह, एम. पी., पी. भगत, अर्शिया, के. गुप्ता और एस. भारती, ''नेविगेटिंग चैलेंजस एण्ड सीज़िंग ऑपर्चुनिटीज इन इंप्लिमेंटिंग द नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 एण्ड विजन 2047: द रोल ऑफ लाइब्रेरीज", इन इनोवेटिव लाइब्रेरी प्रैक्टिसेस इन डिजिटल एराः एलाइनिंग विथ नेशनल

एजुकेशन पॉलिसी फॉर विकसित भारत 2047, पृष्ठ 731–737, डिसकाउंट ग्रूप ऑफ पब्लिकेशन, 2024. आईएसबीएनः 978–93–6904–925–7।

- सिंह, एम. पी., पी. भगत, के. गुप्ता, अर्शिया और एस. भारती, ''रिवॉल्यूशनरी लाइब्रेरी स्पेस रिडिज़ाइनः मेकरस्पेसेस, डिज़ाइन थिंकिंग, एण्ड जीआईएस फॉर यूज़र एंगेज्मेंट एण्ड स्पेशल एफीशियेन्सी", इन एम. रघुनंदना (एडिटर–इन–चीफ), एम. पी. सिंह, एम. टी. मंजुला एण्ड इंद्रकुमारा (संपादक), डिजिटल लैंडस्केप इन लाइब्रेरी 4.0 (डीएलएल 4.0), पृष्ठ 786–818, बैंगलोर विश्वविद्यालय, 2024. आईएसबीएन 978–81–9815217–6।
- सिंह, एम. पी., एस. भारती, के. गुप्ता, अर्शिया और पी. भगत, ''साइनर्जिस्टिक पाट्नरशिप्सः ए नीड ऑफ द मॉडर्न लाइब्रेरीज इन द चेंजिंग सिनॉरियो", इन इनोवेटिव टेक्नॉलजीस इन लाइब्रेरियनशिपः चैलेंजस एण्ड ऑपर्चुनिटीज (पहला संस्करण), पृष्ठ 367–372, ओशियन पब्लिशिंग हाउस, 2024, आईएसबीएनः 978–93–48184–87–0।
- सिंह, एम. पी., के. गुप्ता, अर्शिया, पी. भगत और एस. भारती, ''ए साइंटियोमेट्रिक स्टडी ऑफ इफेक्टिव टूल्स एण्ड टेक्नॉलजीस फॉर ऑप्टिमाइज़िंग लाइब्रेरी वेबसाइट परफॉर्मेन्स", इन इनोवेटिव टेक्नोलॉजीस इन लाइब्रेरियनशिपः चैलेंजस एण्ड ऑपर्चुनिटीज (पहला संस्करण), पृष्ठ 373–379, ओशियन पब्लिशिंग हाउस, 2024, आईएसबीएनः 978–93–48184–87–0।
- सिंह, एम. पी., पी. भगत, एस. भारती, के. गुप्ता और अर्शिया, ''मैपिंग द एवॉल्यूशन ऑफ वर्चुयल रियलिटी इन लाइब्रेरीजः ए साइंटियोमेट्रिक एनॉलिसिस एण्ड फ्यूचर डाइरेक्शन्स", इन इनोवेटिव टेक्नोलॉजीस इन लाइब्रेरियनशिपः चैलेंजस एण्ड ऑपर्चुनिटीज (पहला संस्करण), ओशियन पब्लिशिंग हाउस, 2024, आईएसबीएनः 978–93–48184–87–0।
- सिंह, एम. पी., अर्शिया, के. गुप्ता, पी. भगत और एस. भारती, ''डेटा इंटीग्रिटी एण्ड साइंटिफिक पब्लिकेशन्सः ए साइंटियोमेट्रिक स्टडी ऑफ पब्लिकेशन रिट्रैक्शन्स फ्रॉम इंडिया", इन प्रोसीडिंग्स ऑफ द फिफ्थ इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी मीट्रिक्स (STMet 2024), 2024, आईएसबीएनः 978–93–341–3801–6।
- सिंह, एम. पी., ए. अर्शिया, के. गुप्ता, पी. भगत और एस. भारती, ''साइंटियोमेट्रिक रिव्यू ऑफ रिट्रैक्शन्स विदिन द फील्ड ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्सः इंप्लिकेशन्स फॉर रिसर्च इंटीग्रिटी'', इन आर. तंवर, एस. शर्मा, ए. के. पाठक, ए. एस. ठाकुर और एम. रावत (सं.), रिसर्च पैराडाइम इन द एज ऑफ़ न्यू एजुकेशन पॉलिसी (NEP)–2020, इंटीग्रिटी एजुकेशन इंडिया, 2024, आईएसबीएनः 978–81–979937–1–8।
- सिंह, एम. पी., एस. भारती, पी. भगत, अर्शिया और के. गुप्ता, ''एसेसमेंट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स टूल्स एण्ड देयर यूज़ेस", के. वीरंजनेयुलु, जी. रथिनसबपति, एम. मधुसूदन और डी. डी. लाल (सं.), लीडिंग द इन्फार्मेशन रिवॉल्यूशनः द रोल ऑफ एलआईएस इन ए कनेक्टेड वर्ल्ड, पृष्ठ 334–338, बीएसपी बीएस पब्लिकेशंस, 2024।

आचार्य शिल्पी वर्मा

- वर्मा, एस., वी. दुबे और एस. वर्मा, ''बैलेन्सिंग सस्टेनबिलिटी एण्ड इनक्लूसिविटी इन डिजिटल लाइब्रेरी सर्वीसेज़ः स्ट्रैटजीस, चैलेंजस, एण्ड केस स्टडीज'', इन इनोवेटिव लाइब्रेरी प्रैक्टिसेस इन डिजिटल एराः एलाइनिंग विथ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी फॉर विकसित भारत 2047, संपादक आर. एन. मालवीय एट अल., 2025, आईएसबीएनः 9789369049257।
- मिश्रा, आर. आर. और एस. वर्मा, ''एक्सप्लोरिंग द रोल ऑफ ई–लाइब्रेरीज एण्ड डिजिटल रिपॉज़िटरीसः ट्रेंड्स, चैलेंजस एण्ड ऑपर्चुनिटीज'', इन इनोवेटिव लाइब्रेरी प्रैक्टिसेस इन डिजिटल एराः अलाइनिंग विथ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी फॉर विकसित भारत 2047, संपादक आर. एन. मालवीय एट अल., 2025, आईएसबीएनः 9789369049257।
- कुमार, वी. और एस. वर्मा, ''गौतम बुद्ध सेंट्रल लाइब्रेरी, बीबीएयू'स लीडरशिप एमिड्स्ट द कोविड–19 पैंडेमिकः लीडिंग थ्रु क्राइसिस", पृष्ठ 131–138, 2025, आईएसबीएनः 9789392711589।
- कुमार, वी., ओ. पी. सैनी और एस. वर्मा, ''इनोवेटिव टेक्नोलॉजीस इन कॉन्सेप्चूयल कपलिंग ऑफ डिजिटल प्राइवेसी इन लाइब्रेरीजः ए थियरेटिकल फ्रेमवर्क'' इन लाइब्रेरियनशिपः चैलेंजस एण्ड ऑपर्चुनिटीज, संपादक डी. सी. कर एट अल., 2024, आईएसबीएनः 9789348148870।

- दुबे, वी., एस. वर्मा एट अल., ''अनलॉकिंग द फ्यूचरः हाउ ब्लॉकचेन इज ट्रॉन्सफॉर्मिंग लाइब्रेरी ट्रॉन्जेक्शन्स", इन इनोवेटिव टेक्नोलॉजीस इन लाइब्रेरियनशिपः चैलेंजस एण्ड ऑपर्चुनिटीज, संपादक डी. सी. कर एट अल., पृष्ठ 208– (अंतिम पृष्ठ डालें), 2024. आईएसबीएनः 9789348148870।
- मिश्रा, आर. आर. और एस. वर्मा, "ग्रीन लाइब्रेरीः इंटीगेटिंग सस्टेनबिलिटी इंटू लाइब्रेरी डिज़ाइन एण्ड ऑपरेशन'' इन ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजस फॉर लाइब्रेरीज इन द चेंजिंग एजुकेशन एण्ड सोशल कन्स्ट्रक्ट, संपादक एस. सिंह एट अल., 2024, आईएसबीएनः 9788195461738।
- कुमार, वी., बी. बसुमतारी और एस. वर्मा, ''आईएफएलए'स पॉलिसी एण्ड एड्वोकसी फॉर ग्रीन लाइब्रेरीजः ए लिटरेचर स्टडी'', इन ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजस फॉर लाइब्रेरीज इन द चेंजिंग एजुकेशन एण्ड सोशल कन्स्ट्रक्ट, संपादक एस. सिंह एट अल., 2024, आईएसबीएनः 9788195461738।
- जोशिया, एम. और एस. वर्मा, ''कॉपीराइट एण्ड आईपीआर एथिकल इश्यूस इन डिजिटल एरा", इन ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजस फॉर लाइब्रेरीज इन द चेंजिंग एजुकेशन एण्ड सोशल कन्स्ट्रक्ट, संपादक एस. सिंह एट अल., 2024, आईएसबीएनः 9788195461738।
- कुमारी, पी. और एस. वर्मा, ''इंडियन मूक्सः ए लाइफलांग लर्निंग", इन ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजस फॉर लाइब्रेरीज इन द चेंजिंग एजुकेशन एण्ड सोशल कन्स्ट्रक्ट, संपादक एस. सिंह एट अल., 2024, आईएसबीएनः 9788195461738।
- दुबे, वी., एस. वर्मा और एस. वर्मा, ''डिजिटल प्रिज़र्वेशनः इन्श्यूरिंग एक्सेस फॉर फ्यूचर जेनरेशन्स", इन ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजस फॉर लाइब्रेरीज इन द चेंजिंग एजुकेशन एण्ड सोशल कन्स्ट्रक्ट, संपादक एस. सिंह एट अल., 2024, आईएसबीएनः 9788195461738।

आचार्य एस. के. सोनकर

- कुमार, एस., एस. कुमारी, एस. पी. पटेल, पी. झा और एस. के. सोनकर, ''लाइब्रेरी पॉडकास्टः एन ऑपर्चुनिटी टू टेक योर लाइब्रेरी बियॉड द वॉल्स", के. वीरंजनेयुलु, जी. रथिनसबपति, एम. मधुसूदन और डी. डी. लाल (संपादक), लीडिंग द इन्फार्मेशन रिवॉल्यूशनः द रोल ऑफ एलआईएस इन ए कनेक्टेड वर्ल्ड, पृष्ठ 483–492, बीएसपी बीएस पब्लिकेशंस, 2024।

डॉ. विनीत कुमार

- देव, ए. और वी. कुमार, ''अनवेलिंग द इंपैक्ट ऑफ आईसीएसएसआर–फंडेड रिसर्चः ए बिबलियोमेट्रिक एक्सप्लोरेशन ऑफ सोशल साइन्स कंट्रिब्यूशन्स इन इंडिया", इन एम. देवी, एम. नाज़िम और एम. मुश्ताक (संपादक), ट्रांन्सफॉर्मिंग लाइब्रेरी सर्वीसेज़ः इनोवेशन, एक्सेस एण्ड रिसर्च सपोर्ट, पृष्ठ 87–101, देवयानी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली, 2025, आईएसबीएनः 978–93–93751–07–2।
- कुशवाहा, ए. के. और वी. कुमार, ''मैपिंग द स्कॉलर्ली डिस्कोर्स ऑन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020ः ए बिबलियोमेट्रिक स्टडी", इन वी. विक्रमजीत और एच. चंदर (संपादक), प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल कान्फरेन्स ऑन रिवैम्पिंग एकेडेमिक लाइब्रेरीज इन द कंटेक्स्ट ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020ः प्रॉस्पेक्ट्स एण्ड चैलेंजस, पृष्ठ 107–121, शिवालिक प्रकाशन, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, भारत, 2024, https://doi.org/10.5281/zenodo.16740453.

डॉ. सोमिपम आर. शिमरे

- दीप्ति, सी., एस. आर. शिमरे, ए. काबा और सी. के. रमैया, ''नॉलेज मैनेजमेंट प्रैक्टिसेस एमांग मेडिकल स्टूडेंट्सः एन इन्वेस्टिगेशन ऑफ नॉलेज क्रिएशन, एक्वज़िशन, शेयरिंग, एण्ड कैप्चर", इन 2024 ग्लोबल डिजिटल हेल्थ नॉलेज एक्सचेंज एंड एम्पावरमेंट कॉन्फ्रेंस (gDigiHealth-KEE), अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरातः आईईईई, सितंबर 2024, पृष्ठ 1–8, https://doi.org/10.1109/gDigiHealth.KEE62309.2024.10761684.

डॉ. नितेश कुमार वर्मा

- कुशवाहा, एस. एस., यू. पी. सिंह, एम. सिंह और एन. के. वर्मा, ''मैपिंग द इंटेलेक्चुयल लैंडस्केप ऑफ ग्लेशियोलॉजीः ए साइंटियोमेट्रिक एनॉलिसिस", इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑफ एशियन एकेडेमिक लाइब्रेरीज (ICAAL 2025) ऑन न्यू टेक्नोलॉजीस इन द नालेज सिस्टम एण्ड लाइब्रेरीजः

टुवर्ड्स विकसित भारत 2047, एच. शर्मा, पी. के. शर्मा, ए. भदौरिया और के. राहत, संपादक, ग्वालियरः लायंस पब्लिकेशन, पृष्ठ 125–135, 2025, आईएसबीएनः 9789349740983।

- कुमार, एन., एन. के. वर्मा और ए. लाल, ''एसेसिंग लाइब्रेरी यूज़र पर्सेप्शन एण्ड सैटिस्फैक्शन विथ ग्रीन लाइब्रेरी इनिशियेटिव्स एट बीबीएयूः ए केस स्टडी", 70वां आईएलए इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन लाइब्रेरीज एण्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्सः इम्पॉवरिंग यूज़र्स फॉर सस्टेनबल नॉलेज सिस्टम्स, ओ. एन. चौबे, एम. एस. मचेन्द्रनाथ, वी. हंचिनल, ए. सिन्हा, आई. एम. शेट्टार और आर. गौर, संपादक, दिल्लीः इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन, पृष्ठ 66–82, 2025, आईएसबीएनः 9788195664337।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी– आचार्य के.एल महावर

- कुशवाहा, आकांक्षा और महावर, के.एल. (2024), ने 10–11 सितंबर 2024 को पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय और राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय संगोष्ठी समुदायों को समृद्ध बनानाः सामाजिक उन्नति और उत्थान की दिशा में पुस्तकालयों में उभरती प्रौद्योगिकियों और तकनीकों की भूमिका" विषय के तहत "एलआईएस प्रोफेशनल के विद्वानों के संचार में विकसित आदतेंः एक ग्रंथ सूची अध्ययन" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया ।
- होर्मियो, वाई और महावर, केएल (2024), ने 10–11 सितंबर 2024 को पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय और राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ''एलआईएस पेशेवरों के बीच ई–संदर्भ स्रोतों का उपयोग और जागरूकताः गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ की भूमिका" विषय के तहत ''राष्ट्रीय संगोष्ठी समुदायों को समृद्ध करना+ सामाजिक उन्नति की दिशा में पुस्तकालयों में उभरती प्रौद्योगिकियों और तकनीकों की भूमिका और अपलिफ्टमेंट" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- सोनी, और महावर, केएल (2024), ने 10–11 सितंबर 2024 को पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय और राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय संगोष्ठी ''समृद्ध समुदायः सामाजिक उन्नति और उत्थान की दिशा में पुस्तकालयों में उभरती प्रौद्योगिकियों और तकनीकों की भूमिका'' के तहत ''उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने में समाज के कमजोर वर्गों का उत्थानः गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ" पर पेपर प्रस्तुत किया।
- महतो, प्रदीप कुमार और महावर, केएल (2024), ने 10–11 सितंबर 2024 को पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय और राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''समुदायों को समृद्ध बनानाः सामाजिक उन्नति और उत्थान की दिशा में पुस्तकालयों में उभरती प्रौद्योगिकियों और तकनीकों की भूमिका'' विषय के तहत ''जनजातीय भाषा विभाग, रांची विश्वविद्यालय रांची के छात्रों के बीच सूचना चाहने का व्यवहारः एसडीजी" प्राप्त करने में उनकी भूमिका विषय के तहत पेपर प्रस्तुत किया।
- कुमारी, स्वेता और महावर, के.एल. (2024), ने 10–11 सितंबर 2024 को पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय और राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''समुदायों को समृद्ध बनानाः सामाजिक उन्नति और उत्थान की दिशा में पुस्तकालयों में उभरती प्रौद्योगिकियों और तकनीकों की भूमिका'' विषय के तहत गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय, बाबासाहेब भीमराव

अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में ऑनलाइन संसाधनों की लागत प्रभावशीलता'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

- रिंकी, केएम और महावर, केएल (2024), ने 10–11 सितंबर 2024 को पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय और राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''समुदायों को समृद्ध बनानाः सामाजिक उन्नति और उत्थान की दिशा में पुस्तकालयों में उभरती प्रौद्योगिकियों और तकनीकों की भूमिका'' विषय के तहत ''पुस्तकालय सेवाओं पर क्लाउड कंप्यूटिंग का प्रभाव'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

आमंत्रित व्याख्यान और संसाधन व्यक्ति

- आचार्य के.एल. महावर ने एशियाई शैक्षणिक पुस्तकालयों के तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएएल 2025) में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसका विषय था "ज्ञान प्रणाली और पुस्तकालयों में नई प्रौद्योगिकियांः विकसित भारत की ओर@ 2047'' 22–24 मार्च 2025 को एसओएस इन लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस जिवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा स्पेशल लाइब्रेरीज़ एसोसिएशन (एसएलए–यूएसए) एशिया कम्युनिटी एंड सोसाइटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के सहयोग से आयोजित किया गया।
- आचार्य के.एल. महावर ने 18 जनवरी 2025 को जयपुर के राजस्थान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ''पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एलआईएस) डिग्री का विकास और भारत में पाठ्यक्रम में प्रगति'' विषय पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य के.एल. महावर ने 18 जनवरी 2025 को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ''सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 4 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में पुस्तकालयों की भूमिका'' विषय पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य के.एल. महावर ने 06–20 नवंबर 2024 को डॉक्टर हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एमपी में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा ''पुस्तकालय का भविष्य विषय के अंतर्गत ''पुस्तकालय और सूचना विज्ञान (एलआईएस) डिग्री का विकास और भारत में पाठ्यक्रम में प्रगति पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में भविष्यवाणी और रुझान" संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य के.एल. महावर ने 13 "14 नवंबर 2024 को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित "पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एलआईएस) डिग्री का विकास और भारत में पाठ्यक्रम में प्रगति" विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य के.एल. महावर ने 10–11 सितंबर 2024 को कश्मीर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''समुदायों को समृद्ध बनानाः सामाजिक उन्नति और उत्थान की दिशा में पुस्तकालयों में उभरती प्रौद्योगिकियों और तकनीकों की भूमिका" में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- आचार्य के.एल. महावर ने महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा 20–21 मार्च 2024 को आयोजित "सतत पुस्तकालयों के लिए डिजिटल और तकनीकी उन्नति" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- आचार्य के.एल. महावर ने 14 मार्च 2024 को राजर्षि जनक केंद्रीय पुस्तकालय, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार, भारत द्वारा आयोजित 'विकसित भारत@2047 पर राष्ट्रीय ई–सम्मेलनः पुस्तकालय की भूमिका' पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।
- आचार्य के.एल. महावर ने 20–21 फरवरी 2024 को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित ''अभिनव पुस्तकालय प्रौद्योगिकी और सेवाएं (एनसीआईएलटीएस– 2024)'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

आचार्य एम.पी. सिंह

- 17–18 अक्टूबर, 2024 को डीआईआरएफ, भारत और यूके और टीएन गियांग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी मेट्रिक्स पर पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसटीमेट 2024) में भाग लिया और ''डेटा अखंडता और वैज्ञानिक प्रकाशनः भारत से प्रकाशन वापसी का एक साइंटोमेट्रिक अध्ययन'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया जो टीएन गियांग विश्वविद्यालय, माई थो, वियतनाम में किया गया था।
- 24 दिसंबर, 2024 को पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग और डॉ. अंबेडकर सेंट्रल लाइब्रेरी, बैंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''लाइब्रेरी 4.0 में डिजिटल लैंडस्केप पर (डीएलएल 4.0)'' में भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 29 सितंबर 2024 को उत्तरांचल विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी और शिक्षा 5.0 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मेटावर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (AIMLE–2024) में भाग लिया, जिसका आयोजन एमएएसए$^{+}$ विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

आचार्य शिल्पी वर्मा

- आचार्य शिल्पी वर्मा ने 18 मई 2025 को लाइब्रेरी एसोसिएशन ऑफ बिहार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार "इंटरव्यू का सामना कैसे करें: इंटरव्यू को क्रैक करने के लिए कुछ टिप्स" में "इंटरव्यू का सामना करने के लिए टिप्स" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य शिल्पी वर्मा ने 21–22 मार्च 2025 को डीएलआईएस, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार द्वारा आयोजित "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से अगली पीढ़ी के पुस्तकालयों में उन्नत पुस्तकालय सेवाएं" पर मुख्य भाषण दिया
- आचार्य शिल्पी वर्मा ने 18–22 फरवरी, 2025 को डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में लाइब्रेरी ऑटोमेशन पर एक सप्ताह की कार्यशाला में ''डिजिटल लाइब्रेरी और संस्थागत रिपोजिटरी'' और ''पारंपरिक बनाम स्वचालित लाइब्रेरी'' पर व्याख्यान दिया।
- आचार्य शिल्पी वर्मा ने 15 जनवरी 2025 को राजस्थान विश्वविद्यालय के एमएमटीटीसी द्वारा आयोजित पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में दो आमंत्रित व्याख्यान दिए।
- आचार्य शिल्पी वर्मा ने 09–11 जनवरी 2025 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला द्वारा आयोजित अकादमिक पुस्तकालयों में पुनः कल्पना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरएएल, 2025) में ''सांस्कृतिक विरासत के डिजिटल संरक्षण'' पर एक व्याख्यान दिया।
- आचार्य शिल्पी वर्मा ने 12–28 सितंबर, 2024 तक यूजीसी–एमएमटीटीसी, ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, प्रयागराज द्वारा सामाजिक विज्ञान में हालिया प्रगति पर आयोजित एक बहुविषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''अनुसंधान नैतिकता और साहित्यिक चोरी'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आचार्य शिल्पी वर्मा ने 30 अगस्त 2024 को यूजीसी–एमएमटीटीसी और जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित ''एमओओसी पर लघु अवधि पाठ्यक्रम में एमओओसीः शिक्षा का नया आयाम'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- आचार्य शिल्पी वर्मा ने 15 मई से 28 मई 2024 तक बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित प्रायोजित ''युवा सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' में ''शोध पत्र लिखने की क्षमता बढ़ाना/प्रकाशन के लिए पुस्तकों की समीक्षा'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

आचार्य एस. के. सोनकर

- 10–11 मई, 2024 के दौरान आईआईएलएम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में स्मार्ट लाइब्रेरी की नई कल्पनाः उभरती टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और ज्ञान निर्माण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- 22–23 अगस्त, 2024 के दौरान विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश में बदलते शिक्षा और सामाजिक ढांचे में लाइब्रेरी के लिए अवसर और चुनौतियां (OCLCESC–2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- 27–28 सितंबर, 2024 के दौरान उत्तरांचल विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी और शिक्षा 5.0 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मेटावर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- 29 नवंबर–01 दिसंबर, 2024 को गलगोटिया विश्वविद्यालय में 12वें अंतर्राष्ट्रीय लाइब्रेरी सूचना पेशेवर शिखर सम्मेलन (I-LIPS 2024) में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- 02–04 दिसंबर, 2024 को बैंगलोर विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी में डिजिटल लैंडस्केप (DLL 4.0) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

डॉ. विनीत कुमार

- डॉ. विनीत कुमार ने 17–21 मार्च 2025 तक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ में नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 28 फरवरी 2025 को सीईसी, नई दिल्ली द्वारा ईएमआरसी, बीबीएयू, लखनऊ के सहयोग से आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल शिक्षा पर 2–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में ''डिजिटल कंटेंट निर्माण में एआई का महत्व'' विषय पर आमंत्रित भाषण दिया और विभिन्न एआई टूल्स की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा की।
- 18 फरवरी 2025 को आईक्यूएसी, विश्व–भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन शिक्षण और अधिगम प्रणाली–स्वायम और मूक्स' पर एक दिवसीय कार्यशाला में ''स्वायम और मूक्स और सामग्री निर्माणः डिजिटल शिक्षण अनुभवों को बदलना'' विषय पर एक आमंत्रित वार्ता।
- 13 फरवरी 2025 को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित ''ई–सामग्री विकास और मुक्त–शैक्षिक संसाधन'' (ऑफलाइन मोड) पर लघु अवधि पाठ्यक्रम में ''ऑनलाइन शिक्षण और सामग्री निर्माण के लिए डिजिटल उपकरण'' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 13 फरवरी 2025 को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित ''ई–सामग्री विकास और मुक्त–शैक्षिक संसाधन'' (ऑफलाइन मोड) पर लघु अवधि पाठ्यक्रम में ''मूडल का परिचयः एक शिक्षण प्रबंधन प्रणाली'' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 03 फरवरी 2025 को जीएसवी केंद्रीय पुस्तकालय, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा आयोजित विद्वानों के संचार को नेविगेट करने पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशालाः अनुसंधान में उन्नत उपकरण और तकनीकें (3–8 फरवरी, 2025) में ''विद्वानों के प्रकाशन प्रक्रियाः योजना, तैयारी, पूर्व–प्रकाशन और प्रकाशन के बाद'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- 21 अक्टूबर 2024 को दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज, गोरखपुर द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में ''उन्नत खोज और संदर्भ उपकरण'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 08 अक्टूबर 2024 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट (MANAGE) द्वारा आयोजित कृषि पेशेवरों के लिए रिसर्च विजिबिलिटी को अधिकतम करने पर ऑनलाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम में ''आदर्श टारगेट जर्नल का चयनः शोधकर्ताओं के लिए एक गाइड'' विषय पर एक रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 08 अक्टूबर 2024 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट (MANAGE) द्वारा आयोजित कृषि पेशेवरों के लिए रिसर्च विजिबिलिटी को अधिकतम करने पर ऑनलाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम में ''ज़ोटेरो का उपयोग करके संदर्भ प्रबंधन'' विषय पर एक रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित भाषण दिया।
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग और पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "डिजिटल मीडिया टेक्स्ट विश्लेषण" पर दो दिवसीय इन–हाउस कार्यशाला के पहले दिन के दौरान वेब स्क्रैपिंग, ओसीआर, डेटासेट हैंडलिंग और एपीआई का उपयोग करके डेटा प्राप्त करने पर सत्र दिए, डीएसटी–प्रौद्योगिकी सक्षम केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल के सहयोग से। कवर किए गए उपकरणों में टेसेरैक्ट, पोस्टमैन, ब्यूटीफुलसूप और वेबस्क्रेपर शामिल हैं दृ 26 सितंबर 2024।
- 26 सितंबर 2024 को पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग और पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से, डीएसटी–टेक्नोलॉजी इनेबलिंग सेंटर, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल के सहयोग से आयोजित ''डिजिटल मीडिया टेक्स्ट विश्लेषण'' पर दो दिवसीय इन–हाउस कार्यशाला के पहले दिन वेब स्क्रैपिंग, ओसीआर, डेटासेट को संभालना, और एपीआई का उपयोग करके डेटा प्राप्त करने पर संसाधन व्यक्ति के रूप में सत्र दिए जिसमें शामिल टूल्स में टेसरैक्ट, पोस्टमैन, ब्यूटीफुलसूप और वेबस्क्रैपर शामिल थे।
- 16 अगस्त 2024 को मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (MMTTC), बरहामपुर विश्वविद्यालय, बरहामपुर द्वारा आयोजित ''इम्पावरिंग एजुकेशनः टीचिंग और स्कॉलरली पब्लिकेशन्स के लिए अत्याधुनिक आईसीटी टूल्स का लाभ उठाना'' शीर्षक वाले छह–दिवसीय शॉर्ट–टर्म प्रोग्राम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में ''वीओएस व्यूवर का उपयोग करके रिसर्च डेटा का विजुअलाइज़ेशन और ज़ोटेरो के साथ संदर्भों का प्रबंधन'' पर एक आमंत्रित भाषण (ऑनलाइन) दिया।
- 26 जुलाई 2024 को वैद्यनाथ कॉलेज, परली वैजनाथ, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित ओपन एक्सेस होराइजन्सः लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान के भविष्य की खोज पर राष्ट्रीय सेमिनार में ''स्कॉलरली कम्युनिकेशन में ओपन एक्सेसः हाल के रुझान'' पर मुख्य उद्घाटनकर्ता के रूप में कार्य किया और एक आमंत्रित भाषण दिया।
- 20 जुलाई 2024 को श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित यूनिवर्सिटी टीचिंग और रिसर्च में उत्कृष्टता पर ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में ''सामाजिक विज्ञान और मानविकी में रेफरेंसिंग टूल्स'' पर एक भाषण दिया।
- 09 जून 2024 को चक्रेश्वर सैकिया केन्द्रीय पुस्तकालय, नंदनथ सैकिया कॉलेज, टिटाबर, जोरहाट, असम द्वारा आयोजित एक दिवसीय लेक्चर प्रोग्राम में ''साहित्य खोज और व्यवस्थित समीक्षाओं के लिए एआई–आधारित टूल्स'' पर एक ऑनलाइन भाषण दिया।
- 27 मई 2024 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट द्वारा आयोजित ''कृषि पेशेवरों के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन कौशल को बढ़ाना'' पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में वर्चुअल मोड में ''टारगेट जर्नल चयन को समझना'' पर एक आमंत्रित भाषण दिया।

- 27 मई 2024 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट द्वारा आयोजित ''कृषि पेशेवरों के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन कौशल को बढ़ाना'' पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में वर्चुअल मोड में ''ज़ोटेरो का उपयोग करके संदर्भ प्रबंधन'' पर एक आमंत्रित भाषण दिया।

डॉ. नितेश कुमार वर्मा

- नितेश कुमार वर्मा ने 03–05 जनवरी, 2025 अशोक गोयल पुस्तकालय, ऋषिहुड विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा में ''एसडीजी–4 प्राप्त करने में वयस्क साक्षरता की भूमिकारू अनुसंधान प्रकाशनों का एक ग्रंथसूची अध्ययन विकसित भारत 2047ः भारतीय ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण और सामुदायिक पुस्तकालयों में एनईपी 2020 को एकीकृत करने में सार्वजनिक पुस्तकालयों की भूमिका'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 28.06.2024 से 11.07.2024 तक कन्नूर विश्वविद्यालय, केरल एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा प्रायोजित 14 दिवसीय यूजीसी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- 25 अप्रैल 2024 को सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इन्फ्लिबनेट) केंद्र, गांधीनगर, गुजरात द्वारा आयोजित रणनीतिक अनुसंधान डेटा प्रबंधन के माध्यम से खोजों को आगे बढ़ाने पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 23 अक्टूबर 2024 को सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इन्फ्लिबनेट) केंद्र, गांधीनगर, गुजरात द्वारा आयोजित ''डेटा प्रबंधन योजनाओं में महारत हासिल करनाः पहुंच, पुनः प्रयोज्यता और डेटा निरंतरता सुनिश्चित करना'', पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 06.06.2024 से 15.06.2024 तक ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, प्रयागराज द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) के तहत 10 दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 23 से 27 दिसंबर 2024 तक अर्थशास्त्र विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित ''अनुसंधान प्रस्ताव लेखन, बड़े पैमाने पर डेटा विश्लेषण, और अकादमिक पेपर प्रकाशन'' पर पांच दिवसीय शीतकालीन स्कूल कार्यशाला में ''विभिन्न वेब पोर्टलों में ई–संसाधनों तक पहुंच'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- 24 फरवरी 2025 को डीपीएस एल्डिको, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में दिल्ली पब्लिक स्कूल, एल्डिको, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित एसईएफ लाइब्रेरियन मीट में ''राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी पोर्टल और पुस्तकालय स्वचालन'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- केन्द्रीय पुस्तकालय, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या, उत्तर प्रदेश द्वारा 18 से 22 फरवरी 2025 तक आयोजित 05 दिवसीय लाइब्रेरी ऑटोमेशन वर्कशॉप 2025 में ''लाइब्रेरियों में साइबर सुरक्षाः खतरे और निवारक उपाय'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- केन्द्रीय पुस्तकालय, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या, उत्तर प्रदेश द्वारा 18 से 22 फरवरी 2025 तक आयोजित 05 दिवसीय लाइब्रेरी ऑटोमेशन वर्कशॉप 2025 में ''आरएफआईडी टेक्नोलॉजीः बेसिक्स और लाइब्रेरियों में एप्लीकेशन'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य के. एल. महावर

- कुमारी रिंकी ने ''अवेयर्नेस एण्ड यूज ऑफ क्लाउड कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी एमांग लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स इन एनआईआरएफ रैंक्ड यूनिवर्सिटी लाइब्ररीज इन उत्तर प्रदेशः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- प्रदीप कुमार महतो ने ''इन्फार्मेशन लिटरेसी एमांग ट्राइबल स्टूडेंट्स इन द गवर्नमेंट यूनिवर्सिटीज ऑफ झारखंड स्टेटः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- आकांक्षा कुशवाहा ने ''पर्सेप्शन एण्ड अवेयर्नेस ऑफ ओपन एजुकेशनल रिसोर्सस एमांग पोस्टग्रेजुएट स्टूडेंट्स इन द सेंट्रल यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज ऑफ नॉर्थ इंडियाः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- वाई. होर्मियो ने ''ऑब्सलेसेन्सः एन एवॉल्यूयेटिव स्टडी ऑन वीडिंग आउट इन द सेंट्रल यूनिवर्सिटी लाइब्ररीज ऑफ नॉर्थ ईस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सोनी ने ''एक्वज़िशन एण्ड सबस्क्रिपशन प्रोसेस इन द सेंट्रल यूनिवर्सिटी लाइब्ररीज ऑफ नॉर्थ इंडियाः एन एवॉल्यूयेटिव स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- रजनी यादव कोर्सवर्क कर रही हैं।

आचार्य एम.पी. सिंह

- सुश्री अर्शिया ने ''साइंट्रोमेट्रिक स्टडी ऑफ ग्लोबल रिट्रैक्टेड पब्लिकेशन एण्ड स्ट्रैटजीस फॉर मेंटेनिंग रिसर्च इंटीग्रिटी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुश्री सूर्यकला भारती ने ''अप्लिकेशन ऑफ सोशल इंटीलिजेन्स टू इन्हैन्स एक्टिविटीज एण्ड सर्वीसज़ ऑफ इंडियन काउन्सिल ऑफ एग्रिकल्चरल रिसर्च इंस्टिट्यूट्स' लाइब्रेरीज इन नॉर्दर्न इंडियाः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुश्री कोमल गुप्ता ने ''क्रिटिकल एवॉल्यूयेशन ऑफ एफीशियेन्सी एण्ड परफार्मेन्स ऑफ नेशनल लाइब्रेरी वेबसाइट एक्रॉस ग्लोब'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुश्री पिंकी भगत ने ''मैपिंग ऑफ ग्लोबल रिसर्च प्रोडक्टिविटी इन जियोस्पेशियल स्टडीज'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- ऋतिक बाजपेयी कोर्सवर्क कर रहे हैं।
- अंकित कुमार कोर्सवर्क कर रहे हैं।

आचार्य शिल्पी वर्मा

- राजीव रंजन मिश्रा ने ''रोल ऑफ लाइब्रेरी एसोसियेशन्स इन प्रमोटिंग लाइब्रेरियनशिप इन इंडियाः एन एक्सप्लोरेटिव स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- वीरेंद्र कुमार ने ''चैलेंजस, स्ट्रैटजीस, एण्ड लाइसेंसिंग इन ई–बुक कलेक्शन बिल्डिंग एमांग सेलेक्ट लाइब्रेरीज ऑफ नेशनल इनस्टिट्यूट्स ऑफ टेक्नोलॉजीः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- विक्रांत दुबे ने ''एक्सप्लोरिंग इमर्जिंग टेक्नोलॉजी अप्लिकेशन्स इन लाइब्रेरीस ऑफ इंडियन इनस्टिट्यूट्स ऑफ टेक्नोलॉजी इन इंडियाः ऑपर्चुनिटीज एण्ड चैलेंजस'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- बिरग्वेसरी बसुमतारी ने ''हेल्थ लिटरसी एमांग बोडो कम्यूनिटी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू बोडोलंद टेरिटोरियल रीजन इन आसामः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- श्वेता वर्मा ने ''स्टडी ऑफ एन्वाइरन्मेंटल लिटरेसी एमांग यूज़र्स ऑफ सेलेक्ट इंडियन इनस्टिट्यूट्स ऑफ टेक्नोलॉजी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू सस्टेनबल लाइब्रेरी इनिशियेटिव्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

- मनीषा जोशी ने ''रोल ऑफ लाइब्रेरीज इन प्रोवाइडिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स लिटरेसीः ए स्टडी ऑफ रिसर्च स्कॉलर्स एट सेलेक्ट इंडियन इनस्टिट्यूट्स ऑफ टेक्नोलॉजी लाइब्रेरीज इन इंडिया'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- पूर्णिमा कुमारी ने ''यूज़र'स सटिस्फैक्शन टुवर्ड्स ई–रिसोर्सस इन द लाइब्रेरी ऑफ गवर्नमेंट इंजिनियरिंग कॉलेजस ऑफ उत्तर प्रदेशः ए सर्वे'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- अंजलि चौरसिया ने ''डिज़ाइनिंग एन ऑन्टोलॉजी मॉडल फॉर इंडिजेनस मिलेट कल्टिवेशन प्रैक्टिसेसः ए केस स्टडी ऑफ कोडो मिलेट'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

आचार्य एस.के. सोनकर

- सूर्य प्रकाश पटेल ने ''इन्फार्मेशन लिटरेसी एमांग यूज़र्स इन केंद्रीय विद्यालय लाइब्रेरीज ऑफ उत्तर प्रदेशः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुमित कुमार ने ''एसेसमेंट एण्ड एवॉल्यूयेशन ऑफ रिसोर्सस एण्ड सर्वीसेज़ इन द लाइब्रेरीस ऑफ इंडियन काउन्सिल ऑफ एग्रिकल्चरल रिसर्च इन्स्टिट्यूशन्स इन इंडियाः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुनीता कुमारी ने ''जेंडर इम्बैलेन्स एण्ड जॉब सटिस्फैक्शन लेवेल ऑफ विमन लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स इन यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज ऑफ उत्तर प्रदेशः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- ध्रुव कुमार ताम्रकर कोर्सवर्क कर रहे हैं।
- आकांक्षा कोर्सवर्क कर रही हैं।

डॉ. विनीत कुमार

- श्री अमन कुमार कुशवाहा ने ''मैपिंग रिसर्च आउटपुट एण्ड पब्लिशिंग प्रिफरेन्सस ऑफ एकेडेमिक्स इन एनआईआरएफ रैंक्ड मेडिकल इन्स्टिट्यूशन्स इन इंडियाः ए डेकाडेल एनॉलिसिस'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- श्री विनय मनराल ने ''डिज़ाइन एण्ड डेवेलपमेंट ऑफ टेक्स्ट माइनिंग बेस्ड नॉलेज डिस्कवरी सिस्टम फॉर डॉक्टोरल थीसिस इन लाइब्रेरी एण्ड इन्फार्मेशन साइन्सः ए प्रपोज्ड मॉडल'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- श्री अनुज देव ने ''एक्सट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट्स फंडेड बाइ इंडियन काउन्सिल ऑफ सोशल साइन्स रिसर्च इन इंडियाः एन एवॉल्यूयेटिव स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- आकाश कनौजिया कोर्सवर्क कर रहे हैं।

डॉ. सोमीपम आर. शिमरे

- साक्षी तिवारी ने ''रिलेशन्शिप बिट्वीन इमोशनल इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एडॉप्शन एण्ड एकेडेमिक अचीवमेंट एमांग यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्सः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- प्रतीक्षा भारती ने ''डेवेलपमेंट एण्ड वैलिडेशन ऑफ इंडियन लाइब्रेरी एंग्ज़ाइटी स्केल'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- मोहम्मद ज़मीर ने ''ट्रेंड्स इन पेटेंट्स ग्रांटस इन इंडियाः ए बिबलियोमेट्रिक स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

- थानशोकला मुंगकुंग ने ''मीजरिंग द रोल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स लिटरेसी एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन द क्रियेटिविटी एण्ड रिसर्च परफॉर्मेन्स एमांग रिसर्च स्कॉलर्स इन द नॉर्थ ईस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. नितेश कुमार वर्मा

- मिलन सिंह ने ''प्रोफेशनल डेवेलपमेंट ऑफ लाइब्रेरी पर्सनल इन सेंट्रल यूनिवर्सिटीज ऑफ नॉर्दर्न इंडियाः ए स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सागर सिंह कुशवाहा ने "रिसर्च प्रोडक्टिविटी एण्ड कोलेबोरेशन ऑफ जियोसाइंस रिसर्चर्सः ए साइंटिफिक मैपिंग'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- अमित लाल ने ''स्टेटस ऑफ गवर्नमेंट डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरीज ऑफ उत्तर प्रदेशः ए प्रपोज्ड मॉडल फॉर लाइब्रेरी पोर्टल'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- नीरज कुमार ने ''प्रॉब्लम्स इन यूज़िंग इन्फार्मेशन कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी इन यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज ऑफ द ईस्टर्न रीजन ऑफ इंडियाः एन एनलिटिकल स्टडी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी.

आचार्य शिल्पी वर्मा

- सूरज कुमार द्विवेदी को ''प्रिज़र्वेशन एण्ड एक्सेसिबिलिटी ऑफ मैन्युस्क्रिप्ट्स इन यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज एण्ड इन्स्टिट्यूशन्स ऑफ उत्तर प्रदेशः ए स्टडी'' शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- बिपिन किशोर लाकरा को ''नीड अवेयर्नेस एण्ड यूज ऑफ लाइब्रेरी रिसोर्सेस एमांग द यूज़र्स ऑफ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्चः ए स्टडी'' शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- राजेश कुमार पासवान को ''नीड एण्ड अवेयर्नेस, एण्ड यूज ऑफ कलेक्शन एण्ड सर्वीसेज़ इन लाइब्रेरीज ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च इन इंडियाः ए स्टडी'' शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- शिखा पटेल को ''एकेडमिक यूज ऑफ वेब 2.0 टेक्नोलॉजी एमांग एलआईएस रिसर्च स्कॉलर्स इन सेंट्रल यूनिवर्सिटीज ऑफ नॉर्दर्न एण्ड नॉर्थ ईस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया'' शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- प्रतिभा कुमारी को ''एन एसेसमेंट ऑफ सर्वीसेज़ एण्ड फेसिलिटीज रेंडर्ड बाइ सेंट्रल यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज फॉर दिव्यांगजन इन नॉर्दर्न इंडियाः ए स्टडी'' शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः– शून्य

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–

आचार्य के.एल महावर

- महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला।

आचार्य शिल्पी वर्मा

- आचार्य शिल्पी वर्मा को 21–22 मार्च 2025 को महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से अगली पीढ़ी के पुस्तकालयों की उन्नत सेवाओं पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- आचार्य शिल्पी वर्मा (2024) को 75वें गणतंत्र दिवस पर बीबीएयू, लखनऊ द्वारा नैक की संचालन समिति के सदस्य सचिव के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आचार्य एस.के. सोनकर

- अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार मिला।
- सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार मिला।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	10
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	5
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	24
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	–
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	5
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	28
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	33
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	01
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	5
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	11
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	–

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

विभाग का परिचय

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी) की स्थापना 2006–2007 में हुई थी। यह एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी), एम.टेक. (सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग), एम.एससी. (साइबर सुरक्षा–शाम), और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है।

विभाग में कंप्यूटिंग लैब, स्मार्ट क्लासरूम, रिसर्च लैब, सर्वर रूम और विभागीय पुस्तकालय सहित आधुनिक सुविधाएं हैं। वाई–फाई सक्षम परिसर उन्नत आईटी प्रशिक्षण का समर्थन करता है। छात्रों को वास्तविक समय की परियोजनाओं, अनुसंधान, सेमिनारों और समूह चर्चाओं पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पाठ्यक्रम को उद्योग परामर्श के साथ नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

विभाग की ताकत

- उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशन, पेटेंट और उद्धरण के साथ अनुसंधान–संचालित संकाय।
- स्मार्ट क्लासरूम, वाई–फाई और अनुसंधान प्रयोगशालाओं के साथ आधुनिक बुनियादी ढांचा।
- यूजीसी/डीएसटी/यूपीसीएसटी से मजबूत अनुसंधान वित्तपोषण।
- प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकें और अध्याय।
- साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता जागरूकता के माध्यम से समाज में योगदान।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)



1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- उद्योग विशेषज्ञों और चिकित्सकों के परामर्श से तैयार किया गया पाठ्यक्रम।

1.2 पाठ्यक्रम योजना एवं कार्यान्वयन

- अद्यतन पाठ्यक्रम के साथ चार शैक्षणिक कार्यक्रम (पीजी + पीएचडी)।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- साइबर सुरक्षा पर शाम का कार्यक्रम।
- अंतःविषय अनुसंधान के अवसर।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन



1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- पाठ्यक्रम सुधारों के लिए छात्रों और उद्योगों से फीडबैक लिया गया।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

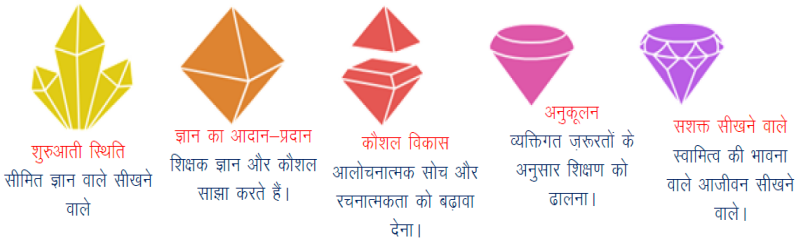

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- 35 पीजी छात्र, 18 से ज्यादा पीएचडी छात्र अध्ययनरत हैं।
- 2024–25 के दौरान 42 पीजी छात्रों ने पढ़ाई पूरी की।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से आईसीटी–सक्षम शिक्षण।
- सेमिनार, समूह चर्चा, परियोजना–आधारित शिक्षा।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता



- 7 योग्य संकाय सदस्य, सभी पीएच.डी. धारक है और उनका शोध प्रोफाइल बहुत अच्छा है।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- प्रोजेक्ट, सेमिनार, वाइवा के ज़रिए लगातार मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- पीजी परिणाम संतोषजनक; कई छात्र उच्च शोध कर रहे हैं।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- फीडबैक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और मजबूत अनुसंधान संस्कृति को दर्शाता है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- प्रयोगशालाओं और परियोजना वित्तपोषण के साथ सक्रिय अनुसंधान संस्कृति।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- यूजीसी, डीएसटी, यूपीसीएसटी द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं जिनकी कीमत रूपये 30 लाख से अधिक है।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- पेटेंट प्रदान किया गया (आईओटी–आधारित ईवी डिवाइस)।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- 2024–25 में 48 शोध प्रकाशन(24 राष्ट्रीय + 24 अंतर्राष्ट्रीय)।
- सीआरसी प्रेस, एल्सेवियर, एकेडमिक प्रेस के साथ प्रकाशित पुस्तकें/पुस्तक अध्याय।

3.5 परामर्शदाता

- संकाय ने एआई, साइबर सुरक्षा, डेटा विज्ञान में परामर्श प्रदान किया।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- एआई, साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता पर जागरूकता कार्यक्रम।

3.7 सहयोग

- राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों और उद्योगों के साथ सहयोग।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

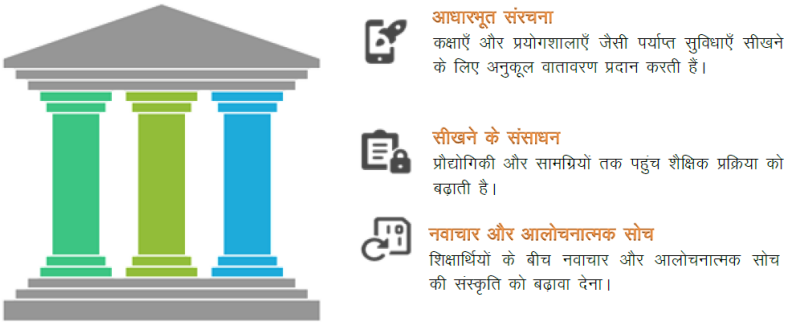

4.1 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट कक्षाएँ, प्रयोगशालाएँ, सर्वर कक्ष और विभागीय पुस्तकालय।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- संदर्भ सामग्री और अद्यतन आईटी संसाधन उपलब्ध हैं।

4.3 आईटी अवसंरचना

- सर्वर, एक्सेस पॉइंट के साथ पूर्णतः वाई–फाई सक्षम।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- आईटी बुनियादी ढांचे का नियमित रखरखाव और उन्नयन।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- सिविल सेवाओं, अनुसंधान फ़ेलोशिप और प्लेसमेंट के लिए मार्गदर्शन।

5.2 छात्र प्रगति

- 2024–25 में 42 पीजी छात्रों ने पढ़ाई पूरी की।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सीमित पाठ्येतर एवं सह–पाठ्यचर्या गतिविधियाँ।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- शिक्षा जगत, अनुसंधान और उद्योग में योगदान देने वाले पूर्व छात्र।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विजनः आधुनिक आईटी शिक्षा और अनुसंधान को उच्चतम स्तर तक बढ़ावा देना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- वित्त पोषित परियोजनाओं, प्रकाशनों और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करें।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को अनुसंधान, पेटेंट और परामर्श के लिए प्रोत्साहित किया गया।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- यूजीसी, डीएसटी, यूपीसीएसटी से वित्त पोषित परियोजनाएं।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- शैक्षणिक लेखापरीक्षा और सतत फीडबैक तंत्र।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

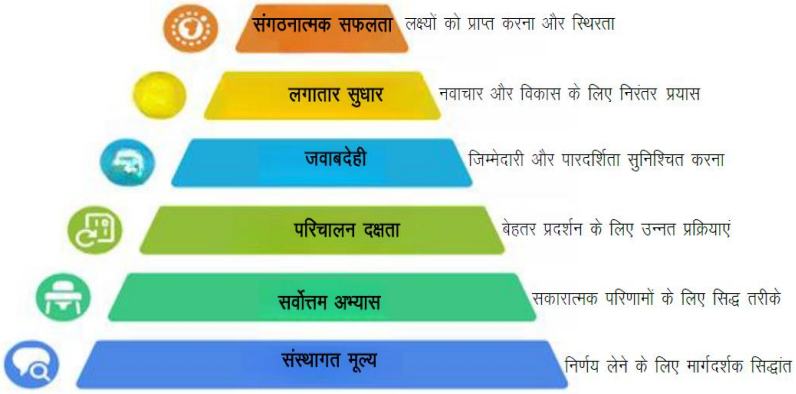

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- नागरिकों के लिए डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा जागरूकता।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- वास्तविक समय परियोजना–आधारित पाठ्यक्रम।
- ज्ञान प्रसार के लिए राष्ट्रीय मीडिया में संकाय की भागीदारी।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- उच्च संकाय अनुसंधान आउटपुट (48 प्रकाशन, पुस्तकें, पेटेंट)।
- एआईआर, दूरदर्शन और सीआईआई वार्ता के माध्यम से राष्ट्रीय मान्यता।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट):

8.1 शैक्षणिक विवरण

- डॉ. राज श्री

उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष
विशेषज्ञताः मोबाइल एड हॉक नेटवर्क, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, रूटिंग, सुरक्षा, इमेज प्रोसेसिंग।
योग्यताः एमसीए, एम.टेक, नेट, पीएच.डी.

- **आचार्य आर.ए. खान**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः सॉफ्टवेयर गुणवत्ता आकलन, सॉफ्टवेयर परीक्षण, सॉफ्टवेयर सुरक्षा।
  योग्यताः एमसीए, पीएच.डी.
- **डॉ. धीरेन्द्र पांडे**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः सॉफ्टवेयर सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, बिग डेटा सुरक्षा, नेटवर्क सुरक्षा।
  योग्यताः एम.एससी. (कंप्यूटर एससी.), एम.फिल. (कंप्यूटर एससी.), पीएच.डी. (कंप्यूटर एससी.), जेआरएफ–नेट।
- **डॉ. पवन कुमार चौरासिया**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग।
  योग्यताः एमसीए, पीएच.डी.
- **डॉ. अल्का**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः डिजिटल फोरेंसिक, कोहरा सुरक्षा, सॉफ्टवेयर सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, बिग डेटा सुरक्षा, नेटवर्क सुरक्षा।
  योग्यताः बीएससी, एमसीए, पीएच.डी. (आईटी), गेट, नेट।
- **डॉ. अमित कुमार सिंह**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः प्रदर्शन मॉडलिंग, संचार नेटवर्क, क्वांटम कंप्यूटिंग।
  योग्यताः एम.टेक, पीएच.डी.
- **डॉ. अभिषेक वर्मा**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सॉफ्टवेयर–परिभाषित नेटवर्किंग, नेटवर्क सुरक्षा, घुसपैठ का पता लगाना, सूचना सुरक्षा।
  योग्यताः बी.टेक., एम.टेक., पीएच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर एवं बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–

डॉ. राज श्री

- विभागाध्यक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।
- एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर, 20 यूपी गर्ल्स बटालियन, एनसीसी, लखनऊ।

आचार्य आर.ए. खान

- मुख्य सतर्कता अधिकारी
- वेब सूचना प्रबंधक
- निदेशक, यूआईईटी बीबीएयू, लखनऊ।

डॉ. धीरेन्द्र पांडे

- विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, यूआईईटी।

- समन्वयक– यूजीसी समर्थ पोर्टल।
- नोडल अधिकारी– यूजीसी सीयू पोर्टल।
- नोडल अधिकारी– यूजीसी एआईएसएचई पोर्टल।
- नोडल अधिकारी– यूजीसी उत्साह पोर्टल।

डॉ. पवन कुमार चौरासिया

- सहायक संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण (छात्रावास आवंटन), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ (2025–अब तक)।
- एनएसएस समन्वयक, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ जनवरी 2021 से अब तक।
- सदस्य, अध्ययन मंडल (बीओएस), कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिस्ती उर्दू अरबी फ़ारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ, 2024।

डॉ. अल्का

- बीबीएयू सोशल मीडिया की सोशल मीडिया टीम में।
- वार्डन (प्रशासनिक), सावित्रीबाई फुले छात्रावास, बीबीएयू।
- सदस्य, छात्र कल्याण समिति, बीबीएयू।
- सहायक समन्वयक, ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा (2018–19), बीबीएयू।
- वार्डन (रखरखाव), चित्रलेखा महिला छात्रावास, बीबीएयू।

डॉ. अमित कुमार सिंह

- समन्वयक, समर्थ सेल।
- विभागीय प्लेसमेंट समन्वयक।
- विभागीय आईक्यूएसी समन्वयक।
- सदस्य, प्रवेश निगरानी समिति।

डॉ. अभिषेक वर्मा

- समन्वयक, एआईएसएचई पोर्टल, बीबीएयू।
- सहायक निदेशक, विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र, बीबीएयू।
- वार्डन, ओबीसी पुरूष छात्रावास, बीबीएयू।
- सदस्य, संस्थान की नवाचार परिषद (आईआईसी), बीबीएयू।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

डॉ. राज श्री

- शुक्ला, ए. के., श्री, आर., और नारायण, जे. (2024), ''कंबाइनिंग फ्यूजन–बेस्ड थ्रेशोल्डिंग एण्ड नॉन–लीनियर डिफ्यूजन फॉर इंप्रूव्ड स्पेकल नॉइज़ मिटिगेशन इन एसएआर इमेजेस'', एप्लाइड साइंसेज, 14(19), 8985 https://doi.org/10.3390/app14198985

आचार्य आर.ए. खान

- ए. अलहरबी, डब्ल्यू. अलोसैमी, एच. अलयामी, एट अल., ''सेलेक्शन ऑफ डाटा एनलिटिक टेक्नीक्स बाइ यूज़िंग फज्ज़ी एएचपी टोप्सिस फ्रॉम ए हेल्थकेयर पर्स्पेक्टिव'', बीएमसी मेडिकल इन्फॉर्मेटिक्स एंड डिसीजन मेकिंग, वॉल्यूम 24, पृष्ठ 240, 2024, Doi: 10.1186/s12911-024-02651-8.
- एस. कुमार, एम. अहमद, एस. के. मौर्य, एट अल., ''सॉफ्ट कंप्यूटिंग–ड्राइवेन फ्रेमवर्क फॉर एनहैन्स्ड सेक्यूरिटी इन मेडिकल इमेज ट्रॉन्समिशन,'' प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द नेशनल एकेडमी ऑफ़ साइंसेज,

इंडिया, सेक्शन एः फिजिकल साइंसेज, वॉल्यूम 95, पृष्ठ 177–189, 2025, Doi: 10.1007/s40010-025-00919-w.

- आर. कुमार, एस. ए. खान, एन. अलहरबी, और आर. ए. खान, ''कोड ऑफ साइलेन्सः साइबर सेक्यूरिटी स्ट्रैटजीस फॉर कंबेटिंग डीप फेक डिसइन्फार्मेशन,'' कंप्यूटर फ्रॉड एंड सिक्योरिटी, वॉल्यूम 2024, नंबर 4, 2024, Doi: 10.12968/S1361-3723(24)70013-X.

डॉ. धीरेन्द्र पांडे

- खान, ए., वारिश, एन., पांडे, डी., रिज़वी, एस. क्यू. ए., मेहरोत्रा, एस., और परवीन, एन. (2024), ''मॉडल–बेस्ड रेकग्निशन इन रोबोट विजन फॉर मॉनिटरिंग बिल्ट एन्वाइरन्मेंट्स'', मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशंस, 84(12), 10137–10154, https://doi.org/10.1007/s11042-024-19323-4
- कुमार साहू, वी., पांडे, डी., सिंह, पी., हक अंसारी, एम. एस., खान, ए., वारिश, एन., और खान, एम. डब्ल्यू. (2024), ''एन एंपिरिकल एनॉलिसिस ऑफ एवॉल्यूशनरी कंप्यूटिंग अप्रोचेस फॉर आईओटी सिक्योरिटी एसेसमेंट'', जर्नल ऑफ़ इंटेलिजेंट एंड फ़ज़ी सिस्टम्स, 1–13, https://doi.org/10.3233/jifs-233759
- जोशी, एम., पांडे, डी., पांडे, वी., और खान, एम. डब्ल्यू. (2025), ''ए फ्यूजन फ्रेमवर्क फॉर हिंग्लिश साइबर बुलिंग डिटेक्शन यूज़िंग एम्बर्ट एण्ड फास्ट टेक्स्ट'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजिनियरिंग इन कंप्यूटर साइन्स, 7(1), 7–14. https://doi.org/10.33545/26633582.2025.v7.i1a.149

डॉ. पवन कुमार चौरसिया

- पी के चौरसिया एट अल. (2025), ''सॉफ्ट कंप्यूटिंग–ड्राइवेन फ्रेमवर्क फॉर एनहैन्स्ड सेक्यूरिटी इन मेडिकल इमेज ट्रॉन्समिशन'', नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया सेक्शन एः फिजिकल साइंसेज, स्प्रिंगर जर्नल, वॉल्यूम 95, अंक 1, आईएसएसएनः 2250–1762, पृष्ठ–177–179 https://doi.org/10.1007/s40010-025-00919-w, इम्पैक्ट फैक्टर (0.8)।
- पी के चौरसिया एट अल (2025), ''ऑथेंटिकेशन स्कीम्स फॉर पोस्ट क्लाउड कंप्यूटिंग–एनेबल्ड आईओटी मॉडल्सः ए सिस्टमेटिक रिव्यू'', इंटरनेशनल जर्नल एसजीएस इंजीनियरिंग एंड साइंस, वॉल्यूम 1, अंक 1, आईएसएसएनः 3048–5010, https://spast.org/techrep/article/view/5220

डॉ. अल्का

- आर. कुमार और ए. अग्रवाल, ''यूज़िंग ब्लॉकचेन टू सेक्यूर बायोमेट्रिक हेल्थकेयर ऐप्स'', बायोमेट्रिक टेक्नोलॉजी टुडे, वॉल्यूम 2024, नंबर 4, अप्रैल 2024।

डॉ. अभिषेक वर्मा

- ए. वर्मा, एस. के. वर्मा, ए. सी. पांडे, जे. ग्रोवर, और जी. शर्मा, ''एलआई–एमएसडीः ए लाइटवेट मिटिगेशन सल्यूशन फॉर डीएओ इनसाइडर अटैक इन आरपीएल–बेस्ड आईओटी'', फ्यूचर जेनरेशन कंप्यूटर सिस्टम्स, वॉल्यूम 159, पृष्ठ 327–339, 2024।
- ए. मुद्गल, ए. वर्मा, एम. सिंह, के. एस. साहू, ई. एल्मरोथ, और एम. भुयान, ''फ्लोराः फ्लो टेबल लो–रेट ओवरफ्लो रिकोनिसेंस एण्ड डिटेक्शन इन एसडीएन'', आईईईई ट्रांजैक्शन ऑन नेटवर्क एंड सर्विस मैनेजमेंट, वॉल्यूम 21, नंबर 6, पृष्ठ 6670–6683, 2024।
- एस. गोयल, ए. वर्मा, और वी. के. जैन, ''डिज़ाइन एण्ड इंप्लिमेंटेशन ऑफ ए लाइटवेट मिटिगेशन सल्यूशन फॉर एड्रेसिंग नेटवर्क पार्टिशनिंग अटैक अगेन्स्ट आरपीएल प्रोटोकॉल'', वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, वॉल्यूम 139, नंबर 4, पृष्ठ 2027–2050, 2024।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें–
आचार्य आर.ए. खान

- एस. अहमद खान, एम. फैसल, एन. अल्हरबे, आर. कुमार, और आर. अहमद खान, संपादक, ''कंप्युटेशनल इंटेलिजेन्स एप्लीकेशन इन साइबर सेक्यूरिटी, पहला संस्करण, बोका रैटन, एफएल, सीआरसी प्रेस, 2024, Doi: 10.1201/9781003514312.

डॉ. पवन कुमार चौरसिया

- पवन कुमार चौरसिया (2025), ''रीसेंट ट्रेंड्स इन साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी, श्री पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली, आईएसबीएनः 978–3–031–88041–4।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

डॉ. राज श्री

- अश्विनी कांत शुक्ला, राज श्री, रवि प्रकाश पांडे, विवेक शुक्ला, कर्म वीर आर्य (2025), ''द फ्यूचर ऑफ डिजिटल ट्विन टेक्नोलॉजी इन हेल्थकेयर'', डिजिटल ट्विन टेक्नोलॉजी फॉर बेटर हेल्थ, सीआरसी प्रेस।

डॉ. धीरेन्द्र पांडे

- मिश्रा, डी., चौरसिया, पी. के., पांडे, डी., अल्का, और वर्मा, वी. आर. (2025), ''बायो–मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंटः डीप लर्निंग अप्रोच'', कम्युनिकेशंस इन कंप्यूटर एंड इंफॉर्मेशन साइंस में (पृष्ठ 94–106)। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड। https://doi.org/10.1007/978-3-031-88042-1_8
- सत्यार्थी, एस., और पांडे, डी. (2024), ''मॉडल–बेस्ड टेस्टिंग फॉर एफीशियेंट सेक्यूरिटी एण्ड वर्क फ्लो फॉर सेक्यूर सॉफ्टवेर डेवेलपमेंट'', इन रीसेंट एड्वान्सेस इन कंप्युटेशनल इंटेलिजेन्स एण्ड साइबर सेक्यूरिटी (पृष्ठ 214–221)। सीआरसी प्रेस https://doi.org/10.1201/9781003518587-22
- साहू, वी. के., पांडे, डी., खान, आर. ए., वारिस खान, एम., और पांडे, वी. (2024), ''एन इनहैन्स्ड लेयर्ड आईओटी–आर्किटेक्चर फॉर आईओटी अप्लिकेशन्स अगेन्स्ट साइबर–अटैक्स'', इन रीसेंट एडवांसेज इन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी (पृष्ठ 222–235)। सीआरसी प्रेस। https://doi.org/10.1201/9781003518587-23

डॉ. पवन कुमार चौरसिया

- पवन कुमार चौरसिया (2025): ''बायो–मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंटः डीप लर्निंग अप्रोच'', सॉफ्ट कंप्यूटिंग एण्ड इट्स इंजीनियरिंग एप्लीकेशन (icSoftComp 2024), छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, icSoftComp 2024, बैंकॉक, थाईलैंड, 10–12 दिसंबर, 2024, आईएसबीएनः 978–3–031–88041–4, संशोधित चयनित पेपर, भाग II, स्प्रिंगर स्कोपस।
- पवन कुमार चौरसिया (2025): ''ट्रांजिशनिंग फ्रॉम इंडस्ट्री 4.0 टू इंडस्ट्री 5.0: एक्सप्लोरिंग द पोटेंशियल एण्ड इम्प्लीकेशन'' एडवांसेज इन साइंस, इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, सीआरसी प्रेस, आईएसबीएनः 9781041076476, पृष्ठ–602 https://doi.org/10.1201/9781003641544
- पवन कुमार चौरसिया (2024): ''डायबिटिक रेटिनोपैथी डिटेक्शन यूज़िंग मशीन लर्निंग अप्रोच'', सीआरसी प्रेस, चैलेंजस एण्ड ऑपर्चुनिटीज इन इनोवेशन इन इंडिया, सीआरसी प्रेस, आईएसबीएनः 978–1–003–60626–0, DOI: 10.1201/9781003606260

डॉ. अल्का

- वी. वर्मा, एस. कुमार, और ए. अग्रवाल, ''इनहैन्सिंग अर्ली डायबिटीज प्रिडिक्शन यूज़िंग एक्स्ट्रा ट्री क्लासिफायरः ए मशीन लर्निंग अप्रोच'', विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हाल के रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, फरवरी 2025।
- ए. अग्रवाल, एट अल., ''क्वांटम सिक्योरिटी इन साइबर रिस्क एनॉलिसिस थ्रु फजी एनालिटिक हायरार्की प्रोसेस'' जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी एंड साइबरक्राइम्स रिसर्च, खंड 7, संख्या 2, पृष्ठ xx–xx, दिसंबर 2024।

- ए. अग्रवाल, एट अल., ''ऑप्टिमल डिस्पैच स्ट्रैटजी फॉर रूफ टॉप सोलर पीवी–बेस्ड ईवी चार्जिंग स्टेशन्स'', 2025 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रोसीडिंग्स में, सिग्नल प्रोसेसिंग और कम्युनिकेशन (ICSC), पृष्ठ 494–499, 2025।

डॉ. अमित कुमार सिंह

- ए. के. शुक्ला, एस. उपाध्याय, आर. श्री, ए. के. सिंह, ''एन इंपैक्ट ऑफ रिलाइयबिलिटी इन हेल्थकेयर इंटरनेट ऑफ थिंग्स (HIOT)'', इन इंटेलिजेंट बायोमेडिकल टेक्नोलॉजीज एंड एप्लीकेशंस फॉर हेल्थकेयर 5.0, पृष्ठ 147–151, 2024।
- ए. आर. दलाबेहेरा, एस. बेबोर्ता, ए. के. सिंह, डी. सेनापति, ''रियल–टाइम क्रिटिकलिटी एवॉल्यूयेशन थ्रु विजन–बेस्ड ह्यूमन–सेंटरिक इमोशन, एक्टिविटी एण्ड ऑब्जेक्ट इंटरैक्शन'' प्रोसीडिंग्स में 2024 पहली अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन कॉग्निटिव, ग्रीन एंड यूबिकिटस कंप्यूटिंग (IC-CGU), पृष्ठ 1–6, 2024।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

डॉ. राज श्री

- 25–27 सितंबर 2025 को डीसीएस एंड ई, आईईटी, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा आयोजित एआई के साथ कंप्यूटर विज्ञान के भविष्यः सिद्धांत, अभ्यास और प्रभाव–2025 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) छवियों में धब्बेदार शोर दमन के लिए बहु–स्तरीय प्रसार विधियां" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. धीरेन्द्र पांडे

- 19 मई 2024 को ऑल इंडिया रेडियो पर "वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल साक्षरता" पर आमंत्रित व्याख्यान (एआईआर एफएमः100.70)।
- 08 अप्रैल 2024 को दूर दर्शन उत्तर प्रदेश रात 09:00 बजे "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. पवन कुमार चौरसिया

- पी के चौरसिया ने 22–23 अगस्त, 2025 को कानपुर में प्रणवीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (PSIT) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नेक्स्ट जेनरेशन टेक्नोलॉजी इन साइंस एंड इंजीनियरिंग (ICNGTSE–2025) में ''स्मार्ट शहरों में सस्टेनेबल बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट के लिए प्रस्तावित फ्रेमवर्कः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकें'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। (स्प्रिंगर नेचरः स्कोपस)।
- पी के चौरसिया ने 10–12 दिसंबर, 2024 के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित 6जी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''सॉफ्ट कंप्यूटिंग एंड इट्स इंजीनियरिंग एप्लीकेशन'' में ''बायो–मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंटरू डीप लर्निंग अप्रोच'', विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। जिसका आयोजन चारोटार यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (icSoftComp2024) द्वारा किया गया।
- पी के चौरसिया ने 8–9 फरवरी 2024 के दौरान पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "वेस्ट रीसाइक्लिंग एंड एनवायरनमेंट टेक्नोलॉजी (WRET–2024)" में ''सस्टेनेबल हेल्थकेयर प्रैक्टिसः आईओटी और मशीन लर्निंग के माध्यम से बायो–मेडिकल वेस्ट सेग्रीगेशन'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- पी. के. चौरसिया ने 8–9 फरवरी 2024 के दौरान पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "वेस्ट रीसाइक्लिंग एंड एनवायरनमेंट टेक्नोलॉजी (WRET–2024)" में ''सोशल फेक न्यूज़ का खुलासाः मशीन लर्निंग अप्रोच'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- पी. के. चौरसिया ने 23–24 फरवरी 2024 को अंबालिका इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी द्वारा द्वारा आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''चैलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटीज फॉर इनोवेशन इन

इंडिया'' में ''मशीन लर्निंग अप्रोच का उपयोग करके डायबिटिक रेटिनोपैथी डिटेक्शन'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

- पी. के. चौरसिया ने 23–24 फरवरी 2024 को अंबालिका इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी द्वारा द्वारा आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''चैलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटीज फॉर इनोवेशन इन इंडिया'' में ''मशीन लर्निंग अप्रोच का उपयोग करके पत्ती रोग का पता लगाना'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 01–03 मई 2025 को लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ़ प्रोफेशनल स्टडीज, विनम्र खंड, गोमती नगर, लखनऊ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन साइबर एथिक्स एंड डेटा प्रोटेक्शन (IC-CEDP 2025)'' में "आज के युग में डिजिटल पर्सनल डेटा और साइबर एथिक्स" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- 07 फरवरी –24 फरवरी 2025 को मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स "भारत में साइबर अपराध और फोरेंसिक कानून" विषय पर भाग लिया।
- 07 फरवरी –24 फरवरी 2025 को मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स "अनुसंधान में डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- 22 मई–08 जून 2025 को मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स "साइबर अपराध और फोरेंसिक कानून" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित यूजीसी–मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स (19–11–2024–04–12–2024) ''साइबर क्राइम और भारत में इसके कानूनों में आईसीटी की भूमिका'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- पी. के. चौरसिया ने 10–12 दिसंबर, 2024 के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में चारोतार यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (icSoftComp 2024) द्वारा सॉफ्ट कंप्यूटिंग और इसके इंजीनियरिंग एप्लीकेशन पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- 23 नवंबर 2024 को मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स ''भारत में साइबर क्राइम और कानून की चुनौतियाँ'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- 26 अक्टूबर 2024 को मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स ''भारत में साइबर क्राइम और कानून में आईसीटी की भूमिका'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- 10–16, सितंबर 2024 को मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित जीएनडीयू, अमृतसर में ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स ''भारत में साइबर क्राइम ट्रेंड्स और सुरक्षा चुनौतियाँ'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- 10–16, सितंबर 2024 को मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित जीएनडीयू, अमृतसर में ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स ''भारत में साइबर फोरेंसिक और कानून की चुनौतियाँ'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- 20 जून 2024 को लखनऊ में साइबर सुरक्षा और डेटा प्रोटेक्शन 2024 के तीसरे एडिशन में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ में, जिसका आयोजन कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII) प्लॉट–ए, विभूति खंड, गोमती नगर लखनऊ ने किया।

डॉ. अल्का

- स्टडी हॉल कॉलेज, लखनऊ में बीसीए छात्रों के लिए ''फॉग कंप्यूटिंग की सुरक्षा चुनौतियाँ'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान (गेस्ट लेक्चर) (20 मार्च 2024)।

डॉ. अभिषेक वर्मा

- 4 फरवरी, 2025 को इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ के कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग में हॉल 2, सेंट्रल ऑडिटोरियम में ''साइबर हमलों के खिलाफ संसाधन–सीमित नेटवर्क की लचीलापन में सुधार'' पर विशिष्ट वक्ता के रूप में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- 13 जून, 2025 को कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र, हरियाणा द्वारा आयोजित ''साइबर सुरक्षा के लिए डेटा साइंस में अनुसंधान और उद्योग रुझान (RITDC–2024)'' पर शॉर्ट–टर्म कोर्स में वक्ता के रूप में एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

डॉ. राज श्री

- अपूर्वा सिंह, डॉ. राज श्री के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से ''ज़ीरो शॉट इमेज क्लॅसिफिकेशन यूज़िंग स्यूडो लेबल'' पर पीएच.डी. कर रही हैं।
- अश्विनी कांत शुक्ला, डॉ. राज श्री के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से ''डिज़ाइन ऑफ ए फ्यूजन–बेस्ड फ्रेमवर्क फॉर डेस्पेककलिंग ऑफ सिंथेटिक अपर्चर रडार (एसएआर) इमेजेस'' पर पीएच.डी. कर रहे हैं।

आचार्य आर.ए. खान

- संदीप कुमार वर्मा, आचार्य आर. ए. खान के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से ''इंडस्ट्री 5.0 हेल्थकेयर पर्सपेक्टिव'' पर पीएच.डी. कर रहे हैं।
- मौसमी देवी, आचार्य आर. ए. खान के मार्गदर्शन में, आरजेएनएफ फेलोशिप के सहयोग से ''ओरल कैंसर अर्ली प्रिडिक्शन यूजिंग मशीन लर्निंग एण्ड डीप लर्निंग'' पर पीएच.डी. कर रही हैं।
- शहाबाज अहमद, आचार्य आर. ए. खान के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच. डी. कर रहे हैं।
- सोनम, आचार्य आर. ए. खान के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी. कर रही हैं।
- साक्षी रस्तोगी, आचार्य आर. ए. खान के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच. डी. कर रही हैं।

डॉ. धीरेन्द्र पांडे

- ऋचा केशरी, डॉ. धीरेन्द्र पांडे के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से ''मशीन एण्ड डीप लर्निंग अप्रोचेस फॉर द इफेक्टिव क्लॉसिफिकेशन ऑफ रिमोट सेंसिंग इमेजेस'' पर पीएच. डी. कर रही हैं।
- दीपांशु मिश्रा, डॉ. धीरेन्द्र पांडे के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी. कर रहे हैं।

डॉ. पवन कुमार चौरसिया

- मधुलिका शर्मा, डॉ. पी. के. चौरसिया के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच. डी. कर रही हैं।
- सावित्री देवी सिंह, डॉ. पी. के. चौरसिया के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच. डी. कर रही हैं।
- आकाश सिंह, डॉ. पी. के. चौरसिया के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से पीएच.डी. कर रहे हैं।

डॉ. अल्का

- विशाल, डॉ. अल्का के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से ''क्लॉसिफिकेशन एण्ड प्रिडिक्शन ऑफ डिसीज़ेस यूज़िंग मशीन लर्निंग टेक्नीक्स इन द हेल्थकेयर डोमेन'' विषय पर पीएच.डी. कर रहे हैं।
- अनुज कुमार, डॉ. अल्का के मार्गदर्शन में, एनएफएससी फेलोशिप के सहयोग से ''सिक्योरिटी इन डिजिटल फोरेन्सिक्स यूज़िंग ब्लॉकचेन'' विषय पर पीएच.डी. कर रहे हैं।

डॉ. अमित कुमार सिंह

- जया यादव, डॉ. अमित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से ''स्टोकासटिक मॉडलिंग फॉर ऑप्टिमाइज़िंग ट्रैफिक स्टियरिंग इन ओ–रान'' विषय पर पीएच.डी. कर रही हैं।
- बलजीत राम, डॉ. अमित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में, एनएफएससी (आरजीएनएफ) फेलोशिप के सहयोग से ''ऑप्टिमाइज़िंग परफार्मेन्स एण्ड एनर्जी इफीशिएंसी इन ओ–रान'' विषय पर पीएच. डी. कर रही हैं।
- विपिन कुमार, डॉ. अमित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से ''क्यूओएस–बेस्ड रिसोर्स एलोकेशन इन मैक्रो/माइक्रो सेल्स अंडर ओ–रान'' विषय पर पीएच.डी. कर रहे हैं।

डॉ. अभिषेक वर्मा

- प्रीति रंजन, डॉ. अभिषेक वर्मा और डॉ. नीरज कुमार तिवारी के सह–मार्गदर्शन में, यूजीसी–जेआरएफ फेलोशिप के सहयोग से ''सिक्योरिटी सॉल्युशन फॉर एसडीएन'' विषय पर पीएच.डी. कर रही हैं।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी.

आचार्य आर.ए. खान

- सुमन ने आचार्य आर. ए. खान के मार्गदर्शन में, गैर–नेट फेलोशिप के सहयोग से "सॉफ्टवेयर सिक्योरिटी टेस्टिंगः वल्नरेबिलिटी असेसमेंट एण्ड पेनिट्रेशन टेस्टिंग सिक्योरिटी चैलेंजस'' विषय पर पीएच.डी. पूरी की।
- मसूद अहमद ने आचार्य आर. ए. खान की देखरेख और डॉ. राजीव कुमार के सह–मार्गदर्शन में, पीडब्लूडी एनएफएसटी फेलोशिप के सहयोग से ''मेडिकल डिवाइस सिक्योरिटी एसेसमेंट थ्रु कंप्युटेशनल टेक्नीक'' विषय पर पीएच.डी. पूरी की।

डॉ. धीरेंद्र पांडे

- संध्या सत्यार्थी ने डॉ. धीरेंद्र पांडे के मार्गदर्शन में, आरजीएनएफ फेलोशिप के तहत ''आइडेंटिफिकेशन एण्ड रिमूवल ऑफ रिक्वायरमेंट स्पेसिफिकेशन डिफेक्ट्स यूज़िंग डीफेक्ट डिटेक्शन रीडिंग टेक्नीक्स एण्ड टूल्स फॉर क्वालिटी सॉफ्टवेयर" विषय पर पीएच.डी. पूरी की।

- मनीष जोशी ने डॉ. धीरेंद्र पांडे के मार्गदर्शन में, आरजीएनएफ फेलोशिप के तहत ''डिटेक्शन ऑफ साइबरबुलिंग इन कोड–मिक्स्ड लैंग्वेज यूज़िंग सॉफ्ट कंप्यूटिंग टेक्नीक्स'' विषय पर पीएच.डी. पूरी की।

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः–

आचार्य आर.ए. खान

- "एड्वान्सिंग हेल्थकेयर ट्रॉन्स्फार्मेशन इन उत्तर प्रदेशः क्राफ्टिंग सिक्योर एण्ड यूज़र–सेंटरिक हेल्थ इन्फार्मेशन सिस्टम थ्रु एआई एण्ड एमएल इन द इरा ऑफ इंडस्ट्री 5.0"।

डॉ. पवन कुमार चौरासिया

- "उत्तर प्रदेश के अस्पतालों में 'स्वच्छ भारत' को ऊपर उठाने के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स और मशीन लर्निंग दृष्टिकोण का उपयोग करके जैव–चिकित्सा अपशिष्ट पृथक्करण के लिए रूपरेखा का डिजाइन और विकास" यूपीसीएसटी, लखनऊ द्वारा तीन साल (2022–2025) की अवधि के लिए रूपये 11.94 लाख के कुल अनुदान के साथ वित्त पोषित है, जो प्रधान अन्वेषक (पीआई) के रूप में कार्य कर रहा है।
- "एड्वान्सिंग हेल्थकेयर ट्रॉन्सफार्मेशन इन उत्तर प्रदेशः क्राफ्टिंग सिक्योर एण्ड यूज़र–सेंटरिक हेल्थ इन्फार्मेशन सिस्टम थ्रु एआई एण्ड एमएल इन द इरा ऑफ इंडस्ट्री 5.0", यूपीसीएसटी, लखनऊ द्वारा तीन साल (2024–2026) की अवधि के लिए–10.72 लाख के कुल अनुदान के साथ वित्त पोषित है, जो सह–प्रमुख अन्वेषक (सह–पीआई) के रूप में कार्य कर रहा है।
- ''एआई–एनेबल्ड डिसीज़ डिटेक्शन मेडिकल डिवाइस" शीर्षक वाला डिज़ाइन पेटेंट पेटेंट संख्या 458924–001 के तहत प्रदान किया गया है। पुरस्कार की तिथि 15 मई 2025 है, और अनुदान की तिथि 1 अगस्त 2025 है।
- "एआई–पावर्ड पर्सनल असिस्टेंट रोबोट" नामक डिज़ाइन पेटेंट पेटेंट संख्या 439370 के तहत प्रदान किया गया है। पुरस्कार की तिथि 3 दिसंबर 2024 है, और अनुदान की तिथि 6 फरवरी 2025 है।
- "ए बायो–मेडिकल वेस्ट सेगरिगेशन सिस्टम एण्ड मेथड देयरऑफ'' शीर्षक वाला पेटेंट आवेदन 10 मई 2024 को आवेदन संख्या 202411022696 के तहत प्रकाशित किया गया था।
- "आईओटी बेस्ड इलेक्ट्रिक वेहिकल एनर्जी कन्संप्शन प्रेडिक्टिंग डिवाइस" शीर्षक वाला डिज़ाइन पेटेंट पेटेंट संख्या 409667 के तहत प्रदान किया गया है। पुरस्कार की तिथि 7 मार्च 2024 है, और अनुदान की तिथि 10 मई 2024 है।

डॉ. अल्का

- "उत्तर प्रदेश के अस्पतालों में 'स्वच्छ भारत' को ऊपर उठाने के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स और मशीन लर्निंग दृष्टिकोण का उपयोग करके जैव–चिकित्सा अपशिष्ट पृथक्करण के लिए रूपरेखा का डिजाइन और विकास" (परियोजना आईडी 1040) यूपीसीएसटी, लखनऊ द्वारा तीन साल (2022–2025) की अवधि के लिए रूपये 11.94 लाख के कुल अनुदान के साथ वित्त पोषित किया गया है।
- ''एड्वान्सिंग हेल्थकेयर ट्रॉन्सफार्मेशन इन उत्तर प्रदेशः क्राफ्टिंग सिक्योर एण्ड यूज़र–सेंटरिक हेल्थ इन्फार्मेशन सिस्टम्स थ्रु एआई एण्ड एमएल इन द इरा ऑफ इंडस्ट्री 5.0" को विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा दो साल (2024–2026) की अवधि के लिए 10.72 लाख के कुल अनुदान के साथ वित्त पोषित किया गया है और यह एक प्रमुख परियोजना है।
- "डिज़ाइन एण्ड डेवेलपमेंट ऑफ पवर ग्रिड स्टेबिलिटी पाइप्लाइन मशीन मेकेनिज्म टू मेक प्रधान मंत्री सूर्या घरः मुफ़्त बिजली योजना मोर वर्सेटाइल" को विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा दो साल (2024–2026) की अवधि के लिए– 7.72 लाख के कुल अनुदान के साथ वित्त पोषित किया गया है।

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–

डॉ. पवन कुमार चौरसिया

- सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल (एसआईएसटी), बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार–2025।
- 25 जनवरी 2024 को एसवीईईपी (सिस्टेमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन प्रोग्राम) में योगदान के रूप में उत्तर प्रदेश के चुनाव आयोग द्वारा प्रदान किया गया प्रशंसा पत्र।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	10
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	5
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	24
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	–
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	5
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	28
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	33
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	01
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	5
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	11
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	–

भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ

विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में महत्तर उद्देश्यों की पूर्ति करता है। इसके अधीन निम्नलिखित विभागों का संचालन प्रस्तावित है– अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू एवं अन्य विदेशी भाषाएँ। विद्यापीठ का लक्ष्य भाषा एवं साहित्य के शिक्षण के माध्यम से अध्येताओं में ज्ञान एवं संवेदना का विकास एवं विस्तार करना है। उच्चतर शिक्षा को केंद्र में रखते हुए विद्यापीठ की संकल्पना का यह प्रधान ध्येय है कि भाषाओं के शिक्षण में अंतर–अनुशासनिक शिक्षण को महत्व दिया जाय एवं उनकी प्रकृति को समावेशी बनाया जाय। विद्यापीठ के माध्यम से विभिन्न भाषाओं और साहित्य के बीच तुलनात्मक शिक्षण एवं शोध को बढ़ावा देना है। इनके साथ ही साथ विद्यापीठ भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में उच्चस्तरीय शोध को अवधारित, विकसित एवं परिमार्जित करता है। भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ परम्परागत अनुसंधान से भिन्न समाज एवं संस्कृति के अप्रकाशित, अनछुए पहलुओं पर अनुसन्धान कार्य को भी प्रोत्साहित करता है। वर्तमान में विद्यापीठ के अंतर्गत हिंदी विभाग एवं अंग्रेजी विभाग (सैटेलाईट कैम्पस) का संचालन हो रहा है। शीघ्र ही अन्य विभागों को स्थापित किये जाने की भी सम्भावना है।

- **विभागों की संख्याः 02–** हिंदी विभाग, अंग्रेजी विभाग (सैटेलाईट कैम्पस)
- **संकाय सदस्यों की संख्या (विभागवार):** हिंदी विभाग 06, अंग्रेजी विभाग, 01

हिंदी विभाग

विभाग का परिचय

हिंदी विभाग 2013 में स्थापित हुआ। यह विभाग भाषा और साहित्य के अध्ययन–अध्यापन तथा शोध को समर्पित है। विभाग में एमए हिन्दी, पीएच.डी. हिंदी, अनुवाद में परास्नातक डिप्लोमा संचालित किए जाते हैं। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषा–संवेदनशीलता, साहित्यिक दृष्टि तथा शोधाभिरुचि विकसित करना है।

विभाग की प्रमुख शक्तियाँ

- अनुभवी एवं शोधमुखी शिक्षकों की टीम (6 स्थायी शिक्षक)।
- नियमित रूप से संगोष्ठियाँ, व्याख्यान एवं कार्यशालाएँ।
- विद्यार्थियों का नेट/जेआरएफ जैसी परीक्षाओं में चयन (08 विद्यार्थी सफल)।
- आधुनिक स्मार्ट क्लासरूम की सुविधा।
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोधपत्र प्रकाशन और सम्मान।
- सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी (वृक्षारोपण, सांस्कृतिक आयोजन, समाजोपयोगी व्याख्यान)।

अगले वर्ष की योजना

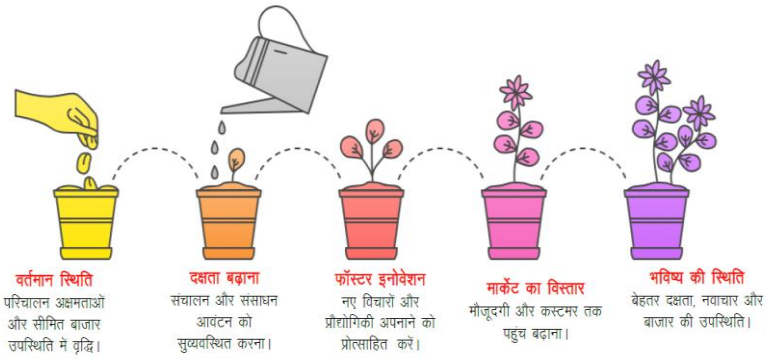

पाठ्यक्रम विस्तार

- अनुवाद अध्ययन, लोकसाहित्य और मीडिया अध्ययन पर नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू करना।

शोध संवर्धन

- यूजीसी/आईसीएसएसआर की शोध परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव भेजना।

बुनियादी ढाँचे का विकास

- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना तथा आईसीटी संसाधनों का विस्तार।

सहयोग व साझेदारी

- अन्य विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों के साथ एमओयू कर शैक्षणिक सहयोग बढ़ाना।

विद्यार्थी उन्नयन

- नेट/जेआरएफ मार्गदर्शन कक्षाएँ, प्लेसमेंट कार्यशालाएँ और कैरियर काउंसलिंग।

अंतर्राष्ट्रीयकरण

- विदेशी विद्वानों को आमंत्रित कर विशेष व्याख्यान व संयुक्त संगोष्ठियों का आयोजन।

1. पाठ्यक्रम संबंधी पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिज़ाइन और विकास



- हिंदी विभाग 2013 में स्थापित हुआ।
- आईजेके–लुकर्ड में राष्ट्रीय सांस्कृति एवं वैचारिकी को समाहित किया गया।
- शोध–पाठ्यक्रम भी संचालित हैं।

1.2 पाठ्यचर्या योजना और क्रियान्वयन

- एमए हिन्दी, पीएच.डी. हिंदी, अनुवाद में परास्नातक डिप्लोमा।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- स्वायम पर मूक्स पाठ्यक्रम (हिंदी साहित्य का इतिहास) विकसित।

1.4 पाठ्यचर्या समृद्धिकरण

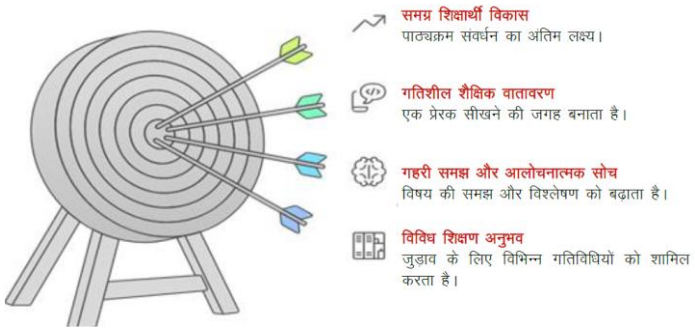

- संगोष्ठियाँ, व्याख्यान एवं अतिथि व्याख्यान (लोककाव्य, शोध पद्धति, उपन्यास आदि विषयों पर)।

1.5 प्रत्युत्तर प्रणाली

- विद्यार्थियों से फीडबैक लेकर सुधार।

2. अध्यापन–अधिगम एवं मूल्यांकन

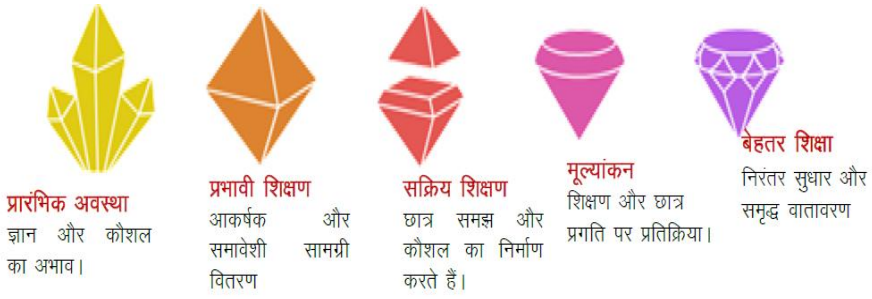

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- कुल परास्नातक छात्र– 36
- नेट/जेआरएफ में सफल विद्यार्थी–08

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट क्लासरूम उपलब्ध।
- विषय–विशेष व्याख्यान नियमित।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

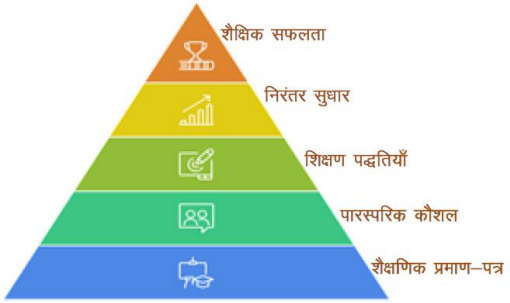

- कुल शिक्षक– 06
- विभागाध्यक्ष– आचार्य राम पाल गंगवार

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- निरंतर एवं समग्र मूल्यांकन प्रणाली।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- 05 विद्यार्थी उच्च शिक्षा हेतु चयनित।
- 05 पीएच.डी. उपाधियाँ प्रदान।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- विद्यार्थियों की संतोषजनक प्रतिक्रियाएँ।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- विभागीय शिक्षकों द्वारा शोधपत्र, पुस्तक एवं अध्याय प्रकाशन।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना : शून्य



शोध के लिए संसाधन जुटाना

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- मूक्स पाठ्यक्रम विकास

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार

- 21 राष्ट्रीय शोधपत्र प्रकाशित।
- कई संकाय सदस्यों को सम्मान।

3.5 परामर्शः शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- वृक्षारोपण, शिक्षक दिवस, सांस्कृतिक कार्यक्रम।

3.7 सहयोग

- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों का भ्रमण।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन



4.1 भौतिक सुविधाएं

- कक्षा–कक्ष–02
- स्मार्ट क्लास–01

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालयः विभागीय पुस्तकालय नहीं।

4.3 आईटी अवसंरचना

- स्मार्ट क्लासरूम।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय स्तर पर।

5. छात्र सहायता और प्रगति

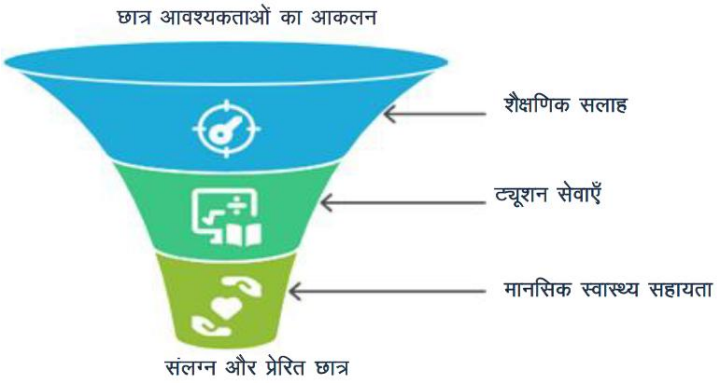

5.1 छात्र सहायता

- नेट/जेआरएफ कोचिंग एवं मार्गदर्शन।

5.2 छात्र प्रगति

- 05 विद्यार्थी उच्च शिक्षा हेतु चयनित।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- संगोष्ठियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता: शून्य

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- हिंदी भाषा व साहित्य का संवर्धन।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- अकादमिक व शोध गतिविधियों को बढ़ावा।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना: शून्य

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली: विश्वविद्यालय स्तर पर।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 सामाजिक उत्तरदायित्व

- वृक्षारोपण, लोकजागरूकता व्याख्यान।

7.2 श्रेष्ठ प्रथाएँ

- अनुवाद अध्ययन, लोकसाहित्य अध्ययन, विशेष व्याख्यान।

7.3 संस्थागत विशिष्टता (

- लोक साहित्य व राष्ट्रीय चेतना के संवर्धन पर बल।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य राम पाल गंगवार**
  संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष
  विशेषज्ञताः मध्यकालीन हिन्दी काव्य, संत काव्यय विमर्शरू दलित, संस्कृतिय आलोचनाय काव्य शास्त्र
  शैक्षणिक योग्यताः डी.लिट, डी.फिल, यू.जी.सी. नेट एम.ए., (हिन्दी, अंग्रेजी), एल.एल.बी.
- **आचार्य सर्वेश कुमार सिंह**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः भक्तिकालीन कविता, आधुनिक कथा साहित्य, समकालीन कविता
  शैक्षणिक योग्यताः नेट., एम.फिल., पीएच.डी.
- **डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः लोकसाहित्य, प्रयोजनमूलक हिन्दी, पत्रकारिता
  शैक्षणिक योग्यताः नेट., पीएच.डी.
- **डॉ. शिवशंकर यादव**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः हिन्दी आलोचना, हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी पत्रकारिता
  शैक्षणिक योग्यताः नेट., पीएच.डी.
- **डॉ. नमिता जैसल**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः हिन्दी नाटक, कथा साहित्य
  शैक्षणिक योग्यताः नेट., पीएच.डी.
- **डॉ. प्रीति राय**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः कथा साहित्य, तुलसी साहित्य, हिन्दी कविता

शैक्षणिक योग्यताः नेट., पीएच.डी.

8.2 संस्थान के भीतर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

आचार्य राम पाल गंगवार

- अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, बी.पी.जी.एस., हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, डी.आर.सी., हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीस., हिन्दी विभाग, कानपुर विश्वविद्यालय।
- सदस्य, पीएच.डी. परीक्षक, श्री सत्यसाँई मेडिकल एण्ड टेक्नोलॉजी सांइसेस विशविद्यालय, सेहोर, मध्य प्रदेश, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, शकुन्तला, मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ, राम मनोहर लोहिया, अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, अंग्रेजी विभाग, सैटेलाईट सेन्टर, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य/परीक्षक, लोक सेवा आयोग, प्रयागराज।
- सदस्य/परीक्षक, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग।
- सदस्य, भारतीय हिन्दी परिषद, प्रयागराज।
- सदस्य, स्थायी आयोजन समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- पीएच.डी. परीक्षक, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, बारासात कोलकाता

आचार्य सर्वेश कुमार सिंह

- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बी.पी.जी.एस. एवं डी.आर.सी. हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, उदय प्रताप कालेज गर्वनिंग बाडी, वाराणसी।
- सदस्य, डी.आर.सी., हिन्दी विभाग साँची वि.वि., म.प्र.।
- सदस्य, डी.आर.सी., हिन्दी विभाग डॉ0 शकुन्तला वि. वि., लखनऊ।
- सदस्य, डी.आर.सी., हिन्दी विभाग हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।

डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव

- सहायक निदेशक राजभाषा, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रचार मंत्री भारतीय हिन्दी परिषद् प्रयाग।
- संपादक, शोध समीक्षा पीयर रिव्यूड एण्ड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल।
- विषय विशेषज्ञ उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ एवं हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज।
- सदस्य, सलाहकार समिति विश्वविद्यालय, अतिथिगृह, बी.बी.ए.यू.
- संयुक्त प्रभारी, विश्वविद्यालय, अतिथि गृह, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- समन्वयक, पीजीडीटी, हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, आई.सी.सी., बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बी.पी.जी.एस., हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सहायक कुलानुशासक, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- आजीवन सदस्य, भारतीय हिन्दी परिषद प्रयागराज।

- विषय विशेषज्ञ– मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर
- सदस्य विद्या परिषद, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

डॉ. शिवशंकर यादव

- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ
- समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी. हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- आजीवन सदस्य, भारतीय हिन्दी परिषद, प्रयाग
- सदस्य, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- समन्वयक, छप्स्थ, हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- समन्वयक, युवान मंच, हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- समन्वयक, प्लेसमेंट सेल, हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सहायक कुलानुशासक, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सहायक अधिष्ठाता (सांस्कृतिक) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बी.पी.जी.एस., हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, क्ल्ब्, अंग्रेजी विभाग, सैटेलाईट सेन्टर, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, ठन्छै, अंग्रेजी विभाग, सैटेलाईट सेन्टर, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

डॉ. नमिता जैसल

- सह–संयोजक, साहित्यिक समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, एन्टी रैगिंग समिति, हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- छात्रावास अधीक्षिका, चित्रलेखा महिला छात्रावास, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

डॉ. प्रीति राय

- सदस्य, डी.आर.सी., हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- समन्वयक, पुरातन छात्र हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, लैंगिक समानता समिति, हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- छात्रावास अधीक्षिका, यशोधरा महिला छात्रावास, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य आर. पी. गंगवार

- स्त्री अस्मिता के संदर्भ में शेष कादंबरी का विश्लेषण, द्विभाषी राष्ट्रसेवक पत्रिका, आई.एस.एस.एन. 2321–4945 पृष्ठ 72–75 जून–जुलाई 2024 यूजीसी केयर लिस्ट।
- रश्मीरथी में मानवतावाद, अगसरा, आईएसएसएन . 2279–3541 पृष्ठ 124–130 जुलाई 2024।
- बण् स्त्री अस्मिता के संदर्भ में शेष कादंबरी का विश्लेषण, द्विभाषी राष्ट्रसेवक पत्रिका, वर्ष–74 अंक–03/04 पृष्ठ 15–18 आईएसएसएन 2321–4945 पृष्ठ 72–75 जून–जुलाई 2024 यूजीसी केयरलिस्ट।

- अरुण कमल की कविताओं में मानवीय संवेदना के स्वर, हिन्दी अनुशीलन, आईएसएसएन 2249–930एक्स, पृष्ठ 38–47 जुलाई–सितम्बर 2024।
- राष्ट्रीय एकता के उन्नायक महाकवि सुभ्रमण्यम भारती, हिंदुस्तानी त्रैमासिक, भाग–85 अंक–4 आई.एस.एस.एन. 0378–391एक्स, पृष्ठ 27–32 अक्टूबर–दिसम्बर 2024।
- दलित स्त्री चेतना के संदर्भ में एक थी कोटेवाली, टाइगर इंटरनेशनल जर्नल, वर्ष 11 अंक 12 आईएसएसएन 2349–9249, पृष्ठ 38–47 दिसम्बर 2024।
- हरित भाषा विज्ञान और साहित्य, सम्मेलन पत्रिका, वर्ष 109 अंक 03 आईएसएसएन, पृष्ठ 38–47 जुलाई–सितम्बर 2024।

आचार्य सर्वेश कुमार सिंह

- जेएनयू का शोक, पाखी, अंक 6–7, 2393–8129।
- विश्व गुरु भारत की स्वप्न दृष्टाः एनी बेसेंट, चेतना, आई.आई.ए.एस. शिमला।

डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव

- दिनकर का काव्य में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के स्वर, पृष्ठ 63–70, हिन्दी अनुशीलन, 2249–930एक्स, वर्ष–66 अंक–04, अक्टूबर से दिसम्बर, 2024 यूजीसी केयर लिस्ट।
- उत्तर–दक्षिण भाषाई एकता का सांस्कृतिक सरोकार, पृष्ठ 241–243, हिंदुस्तानी, हिंदुस्तानी एकेडमी उत्तर प्रदेश, प्रयागराज, 0378–391एक्स, भाग–85 अंक–04, अक्टूबर से दिसम्बर, 2024 यू.जी.सी. केयर लिस्ट।
- विश्व फ़लक पर बढ़ते हिन्दी के कदम, पृ0 118–124, विश्व हिन्दी पत्रिका, विश्व हिन्दी सचिवालय मारीशश, 1694–2477, दिसम्बर, 2024 यूजीसी केयर लिस्ट।
- संत साहित्य परम्परा में रैदास, पृष्ठ 109–116, चौमासा विशेषांक, वर्ष–40, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी भोपाल नवम्बर–फरवरी 2025।
- भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्र–पत्रिकाओं का योगदान, पृष्ठ 19–24 राष्ट्रधर्म, 2581–6176, अगस्त 2024।
- हिन्दी साहित्य में समरसता, पृष्ठ 14–15 शोध उत्कर्ष, 2996–4648, वर्ष–3 अंक–09, जनवरी–मार्च, 2025।

डॉ.. शिवशंकर यादव

- दिकू दृष्टि और आदिवासी साहित्य, पृष्ठ 10–14 जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड कल्चर, 2393–8285, वर्ष–11 अंक–04, अक्टूबर–दिसम्बर, 2024।

डॉ. नमिता जैसल

- हिन्दी साहित्य के विकास में जैन कवियों का योगदान, पृष्ठ 119–123, बोहल शोध मन्ज्जूषा, 2395–7115, वर्ष–19 अंक–04, अप्रैल, 2024।
- श्री अरविन्द और राष्ट्रवाद, पृष्ठ 105–110, जनकृति, 2454–2725, वर्ष–10 अंक–117, जनवरी, 2025।

डॉ. प्रीति राय

- राष्ट्रव्यापी अराजकता का प्रतीकः राग दरबारी, पृष्ठ राष्ट्रसेवक, 2321–4945, वर्ष–74 अंक–08, दिसम्बर, 2024।
- हिन्दी साहित्य के विकास में जैन कवियों का योगदान, पृष्ठ राष्ट्रसेवक, 2321–4945, वर्ष–74 अंक–07, अक्टूबर, 2024।
- प्रसाद की कृति में छायावाद, पृष्ठ अनुकृति, 2321–4945, वर्ष–15 अंक–01, जनवरी, 2025।
- राष्ट्रीय हलचल का अक्स और प्रसाद की कविता, पृ., आईजेसीआर, 2321–4945, वर्ष–15 अंक–03, जनवरी, 2025।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

आचार्य सर्वेश कुमार सिंह

- पार्थ सारथी रॉक, (उपन्यास) 978–93–57754–16–3 वर्ष 2024 वाणी प्रकाशन दिल्ली

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन

डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव

- रामचन्द्र शुक्ल के निबंध– कविता क्या है? की विवेचना, पृ0 154–171, हिन्दी निबंध–दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, 978–81–971904–1–4, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद 2024
- नीरजा माधव रचना धर्मिता के सोपान, पृ0 121–127, भारतीय संस्कृति के संवाहक आदिशंकराचार्य अनुपमेय शंकर, 978–93–5869–44–82, प्रलेख प्रकाशन गाज़ियाबाद, 2024

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

आचार्य राम पाल गंगवार

- आयोजक–कबीर जयंती, कबीररू आज और कल, 22 जून 2024 बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- आयोजक–राष्ट्रीय संगोष्ठी, गुरमति साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, 25–26 जुलाई, 2024, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- मुख्य वक्ता–प्रेम चंद को पढ़ते हुए, 21–22 अगस्त 2024, मारवाड़ी महाविद्यालय दरभंगा, बिहार
- निदेशक–हिन्दी तथा भारतीय भाषाओं का अन्तःसम्बंध, भारतीय भाषा उत्सव 11 दिसम्बर 2024 बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
- वक्ता–घूमन्तु भाषाएं, घूमन्तू भाषा शब्द संचय प्रविधि, 20–22 दिसम्बर 2024, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- मुख्य वक्ता–भारतीय ज्ञान परम्परा और महर्षि अगस्त्य, भारतीय ज्ञान परम्परा और महर्षि अगस्त्यः प्राचीनता से आधुनिकता, 7 फरवरी 2025 बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- आयोजक–अतिथि व्याख्यान, लोक नाट्य का संक्षिप्त परिचय, 11 फरवरी 2025, हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- आयोजक–संत रविदास जयंती, 12 फरवरी, 2025 बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विशिष्ट वक्ता–राष्ट्रभाषा का महत्व, राजभाषा से राष्ट्रभाषा की ओर, पर आयोजित कार्यक्रम 21 फरवरी 2025, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विशिष्ट वक्ता–भक्तिकालीन कविता का सेक्युलर मिजाज, 03 मार्च 2025, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज।
- आयोजक–अतिथि व्याख्यान, शोध प्रविधि, 19 मार्च, 2025 हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्षता–हिन्दी के विकास में ब्रजभाषा का योगदान, हिन्दी के विकास में अवधी, भोजपुरी, ब्रजभाषा और बुंदेलखण्डी का योगदान, साहित्य अकादेमी एवं उत्तर प्रदेश राजश्री टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज 20–21 मार्च 2025।
- मुख्य वक्ता– हिन्दी व पंजाबी भाषाओं का राष्ट्रीय एकता में महत्व, 20 मार्च, 2025 उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादेमी एवं कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, आलमबाग लखनऊ।
- आयोजक–अतिथि व्याख्यान–नारीवादी साहित्य, 28 मार्च, 2025 हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- मुख्य वक्ता–भारतीय ज्ञान परम्परा और गद्य साहित्य, भारतीय ज्ञान परम्परा और हिन्दी, 47वां अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन, भारतीय हिन्दी परिषद एवं बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी।

डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव

- विशिष्ट वक्ता–हिन्दी के विकास में डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा का प्रदेय, हिन्दी का अकादमिक नेतृत्त्व– डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, भारतीय हिन्दी परिषद प्रयाग एवं हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज, प्रयागराज, अप्रैल 2024।
- सह–संयोजक–कबीर आज और कल, कबीर जयंती समारोह, 22 जनू 2024 बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विशिष्ट वक्ता–सियाराम शरण गुप्त के निबंधों में आत्मीयता बोध, हिन्दी साहित्य के विकास में बुंदेलखंड का योगदान, मैथिलीशरण गुप्त जयंती, हिंदुस्तानी अकादेमी प्रयागराज, हिन्दी विभाग, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी 4–5 अगस्त 2024।
- मुख्य वक्तव्य–सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और तुलसी साहित्य, तुलसीदास और उनका साहित्य, हिन्दी विभाग, नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ 10 अगस्त 2024।
- विशिष्ट वक्ता–गुरुनानक देव के काव्य में सामाजिक सांस्कृतिक चेतना, गुरुमति साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, पंजाबी अकादमी, लखनऊ एवं आर.एम.पी. कॉलेज सीतापुर 3 सितम्बर 2024।
- विशिष्ट वक्ता–अवधी काव्य में लोक संस्कृति, अवधी काव्य और लोक संस्कृति, हिंदुस्तानी अकादेमी, प्रयागराज 19 अक्टूबर 2024।
- अध्यक्षता–भारतीय ज्ञान परम्परा और गद्य साहित्य, भारतीय ज्ञान परम्परा और हिन्दी, 47वां अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन, भारतीय हिन्दी परिषद एवं बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी 29–30 नवम्बर, 2024।
- विशिष्ट वक्ता–भारतीय ज्ञान परम्परा और हिन्दी काव्य, भारतीय ज्ञान परम्परा और साहित्य, डी0वी0 कॉलेज उरई 2 दिसम्बर 2024।
- विशिष्ट वक्ता–हिन्दी तथा भारतीय भाषाओं का अन्तःसम्बंध, भारतीय भाषा उत्सव 11 दिसम्बर 2024 बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विषय विशेषज्ञ–घुमंतू भाषा की प्रासंगिकता, घुमंतू भाषा शब्द संचयन शिविर, कार्यशाला 20–22 दिसम्बर 2024 एवं आर.एम.पी. कॉलेज सीतापुर ।
- वक्तव्य–भारतीय ज्ञान परम्परा और महर्षि अगस्त्य, भारतीय ज्ञान परम्परा और महर्षि अगस्त्यः प्राचीनता से आधुनिकता, 7 फरवरी 2025 बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- संयोजक एवं वक्तव्य–राष्ट्रीय एकता का प्रतीकः राष्ट्रभाषा, राजभाषा से राष्ट्रभाषा की ओर, मातृभाषा दिवस पर आयोजित 21 फरवरी 2025 बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विशिष्ट वक्ता–तुलसीदास के काव्य में भारत बोध, रामकाव्य परम्परा और तुलसीदास, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान एवं के0के0वी0 कॉलेज, लखनऊ 10 मार्च 2025।
- मुख्य वक्ता–जैन सम्पदा में ज्ञान सम्पदा, जैन साहित्य परम्परा में ऋषभदेव और राम बी.एन.के.बी. पी.जी. कॉलेज, अकबरपुर एवं जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ 28 मार्च 2025।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी र्प्यवेक्षण

8.3.5.2 पीएच.डी. प्रदान की गई

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्ष/और कोई अन्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राश्ट्रीय/अंतर्राश्ट्रीय)/और कोई अन्य षैक्षणिक उपलब्धियाँ

आचार्य राम पाल गंगवार

- सीएमपी डिग्री कॉलेज (इलाहाबाद यूनिवर्सिटी का एक कॉन्स्टिट्यूएंट कॉलेज), प्रयागराज द्वारा कॉलेज डायमंड जुबली के लिए लिविंग लेजेंड्स का सम्मान।
- 'शिवमंगल सिंह सुमन सम्मान' राजकीय महाविद्यालय, गोसाई खेड़ा, उन्नाव 25 सितम्बर 2024।

बलजीत कुमार श्रीवास्तव

- राम रत्न सम्मान' पद्मनाभ साहित्य परिषद, वैशाली विहार 3 अगस्त 2024।
- 'शिवमंगल सिंह सुमन सम्मान' राजकीय महाविद्यालय, गोसाई खेड़ा, उन्नाव 25 सितम्बर 2024।
- उत्कर्ष समीक्षक सम्मान, भारतीय शिक्षण मण्डल युवा आयाम, विजन फॉर विकसित भारत' विविभा, फाउंडेशन विकसित भारत।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	21
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	00
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	00
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	06
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	05
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	36
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	00
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	08
9.	नियुक्त छात्रों की संख्या	00
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	00
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	00
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	00
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	01
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	08
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	10

विधि अध्ययन विद्यापीठ

संकाय और कर्मचारियों की ओर से मैं आपका बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत के विधि अध्ययन विद्यालय में स्वागत करता हूँ।

विधि अध्ययन विद्यापीठ को अपने निपुण संकाय सदस्यों तथा विधि में बौद्धिक अन्वेषण के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता पर गर्व है, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। विधि अध्ययन विद्यापीठ एक अंतःविषयक दृष्टिकोण प्रदान करता है। हमारे देश और दुनिया के भविष्य के कानूनी दिमागों को आकार देने के लिए बेहतरीन कानूनी शिक्षा देना विधि अध्ययन विद्यापीठ का मुख्य मिशन है।

विधि अध्ययन विद्यापीठ में तीन विभाग हैं,

1. विधि विभाग,
2. मानवाधिकार विभाग
3. स्नातकोत्तर विधि अध्ययन केंद्र।

मानवाधिकार विभाग

विभाग का परिचय

मानवाधिकार विभाग मानवाधिकार और कानून से संबंधित क्षेत्रों में स्नातकोत्तर शिक्षण और शोध कार्यक्रम आयोजित करता है और कानूनी और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से मानवाधिकारों को लागू करने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए उचित उपायों की सिफारिश करने का लक्ष्य रखता है।

वर्तमान में, विभाग पीएच.डी. और एल.एल.एम. (मानवाधिकार) पाठ्यक्रम चला रहा है। मानवाधिकार विभाग में पीएच.डी. पाठ्यक्रम में अभी 25 छात्र है; एलएलएम पाठ्यक्रम में सत्र 2024–25 के दौरान 45 छात्र है।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम में शोधार्थी के लिए एक सेमेस्टर का प्री–पीएचडी होता है। इसके अलावा शोध पद्धति और शोध एवं प्रकाशन नैतिकता को भी अनिवार्य पेपर के रूप में पढ़ाया जाता है।

एलएलएम पाठ्यक्रम में चार सेमेस्टर होते हैं जो दो वर्षों में पूरे होते है। छात्रों को प्रत्येक सेमेस्टर में चार पेपर चुनने होते हैं। ये पेपर कई स्थानीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक पाठ्यक्रमों को कवर करते हैं। एलएलएम पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम में अंतःविषयक दृष्टिकोण वाला है। एलएलएम पाठ्यक्रम कानूनी सहायता, वकालत, सामाजिक न्याय, सामुदायिक सेवाओं और शासन की प्रमुख चिंताओं के अनुरूप है।

छात्रों को विषय के अपने ज्ञान को असल जिंदगी की स्थितियों में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कानून और मानवाधिकारों के प्रासंगिक मुद्दों पर शोध प्रबंध लेखन के अलावा, छात्रों को तीसरे सेमेस्टर में पाठ्यक्रम कार्य के अनिवार्य हिस्से के रूप में कानून और मानवाधिकारों के कई राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों को कवर करने वाले अलग–अलग विषयों पर दस सेमिनार (अनुभवजन्य अध्ययन पर आधारित एक मेगा सेमिनार) प्रस्तुत करने होते हैं।

ताकत

- अंतःविषय विशेषज्ञता के साथ अनुभवी और अनुसंधान–उन्मुख संकाय।
- मजबूत छात्र–शिक्षक अनुपात व्यक्तिगत मार्गदर्शन को सक्षम बनाता है।
- सीबीसीएस के साथ यूजी, पीजी और पीएच.डी. स्तर पर अच्छी तरह से संरचित कार्यक्रम।

- शोध, प्रकाशन और परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी।
- सेमिनारों, कार्यशालाओं, विस्तार और आउटरीच गतिविधियों का नियमित आयोजन।
- शिक्षा जगत, गैर सरकारी संगठनों और विकास क्षेत्रों में प्लेसमेंट के साथ मजबूत पूर्व छात्र नेटवर्क।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)



- एनईपी–2020 के अनुरूप नए मूल्य वर्धित/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करें।
- छात्र इंटर्नशिप और अनुसंधान के लिए उद्योग–शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करें।
- आईसीटी–सक्षम शिक्षण संसाधनों और स्मार्ट कक्षा सुविधाओं को बढ़ाएं।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों के माध्यम से अनुसंधान परियोजनाओं का विस्तार करें।
- ज्यादा राष्ट्रीय सेमिनार, एफडीपी और कौशल–विकास कार्यक्रम आयोजित करें।
- मजबूत सामुदायिक आउटरीच और विस्तार सेवाएँ स्थापित करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- पाठ्यक्रम यूजीसी/आईसीएआर दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है।
- अध्ययन बोर्ड (बीओएस) के माध्यम से पाठ्यक्रम का नियमित संशोधन और अद्यतनीकरण।
- सीबीसीएस और एनईपी–2020 सिद्धांतों को शामिल किया गया।
- हितधारकों (छात्र, पूर्व छात्र, उद्योग विशेषज्ञ) से इनपुट।

1.2 पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन

- शैक्षणिक कैलेंडर का सख्ती से पालन किया जाता है।
- संकाय द्वारा विस्तृत शिक्षण योजनाएँ तैयार की जाती है।
- पाठ्यक्रम वितरण की निरंतर निगरानी की जाती है।
- प्रभावी शिक्षण के लिए आईसीटी–आधारित उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- वैकल्पिक विकल्पों के साथ सीबीसीएस–आधारित पाठ्यक्रम।
- सभी विभागों में ओपेन इलेक्टिव विषय उपलब्ध हैं।
- अंत:विषयक शिक्षण और कौशल संवर्धन बढ़ाने का प्रावधान।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

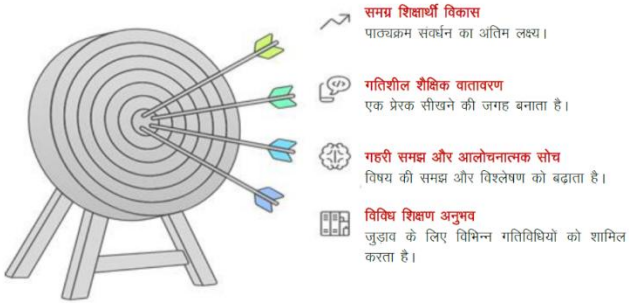

- मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और कौशल विकास कार्यशालाएँ आयोजित किए गये।
- जीवन कौशल, लिंग संवेदीकरण और पर्यावरण जागरूकता को एकीकृत किया गया।
- विस्तार और आउटरीच कार्यक्रम पाठ्यक्रम से जुड़े हुए है।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- छात्रों, पूर्व छात्रों, नियोक्ताओं और संकाय से संरचित प्रतिक्रिया तंत्र।
- हर प्रतिक्रिया चक्र के बाद कार्रवाई रिपोर्ट तैयार की जाती है।
- पाठ्यक्रम में सुधार के लिए फीडबैक का उपयोग किया जाता है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल

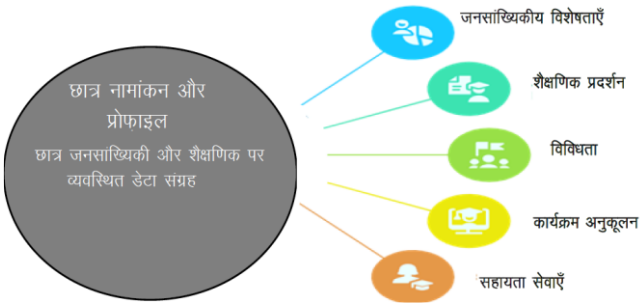

- समानता और विविधता सुनिश्चित करने वाले विश्वविद्यालय मानदंडों के माध्यम से प्रवेश।
- विभिन्न राज्यों और सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमियों से प्रतिनिधित्व।
- आरक्षण नीतियां लागू की गईं।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- प्रथम वर्ष के प्रवेशार्थियों के लिए ब्रिज पाठ्यक्रम।
- धीमी गति से सीखने वालों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं।
- उन्नत शिक्षार्थियों को अनुसंधान अनुभव और अतिरिक्त परियोजनाएं प्रदान की गईं।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- समूह चर्चा, केस अध्ययन, रोल प्ले के साथ शिक्षार्थी–केंद्रित शिक्षण।
- आईसीटी एकीकरण के साथ मिश्रित शिक्षा।
- फील्डवर्क और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

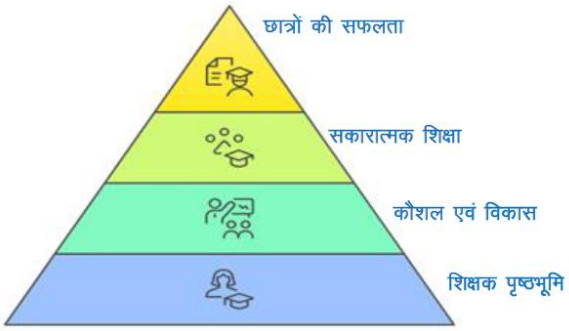

- पीएच.डी. डिग्री के साथ योग्य संकाय।
- संकाय सक्रिय रूप से अनुसंधान, प्रकाशन और परियोजनाओं में लगे हुए हैं।
- एफडीपी, ओरिएंटेशन और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में भागीदारी।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- सतत आंतरिक मूल्यांकन (सीआईए)।
- मॉडरेशन और पुनर्मूल्यांकन के साथ पारदर्शी परीक्षा प्रणाली।
- महामारी के दौरान ऑनलाइन मूल्यांकन शामिल किया गया।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- पीओ/सीओ/पीएसओ को स्पष्ट रूप से परिभाषित और मैप किया गया है।
- सीखने के परिणामों का मूल्यांकन असाइनमेंट, परियोजनाओं और मौखिक बातचीत के माध्यम से किया जाता है।
- बेहतर प्लेसमेंट और उच्च अध्ययन रिकॉर्ड।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- नियमित एसएसएस आयोजित किया गया।

- शिक्षण गुणवत्ता और सुविधाओं में सुधार के लिए उपयोग किया जाने वाला विश्लेषण।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- आईसीएसएसआर, आईसीएआर और अन्य एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं।
- संकाय और शोध अध्येताओं के लिए आंतरिक वित्त पोषण सहायता।

3.2 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- समुदाय–आधारित अनुसंधान से जुड़ी छात्र परियोजनाएँ।
- उद्यमिता और कौशल आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया गया।

3.3 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- पीयर–रिव्युड और यूजीसी केयर पत्रिकाओं में संकाय प्रकाशन।
- पुस्तकें और पुस्तक अध्याय लिखे गए।
- अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए मान्यता और पुरस्कार।

3.4 विस्तार गतिविधियाँ

- नियमित सामुदायिक आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम।
- स्वास्थ्य, पोषण और बाल विकास पहल।
- गैर सरकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग।

3.5 सहयोग

- शैक्षणिक संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन।
- सहयोगात्मक परियोजनाएँ और सेमिनार आयोजित किये गये।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

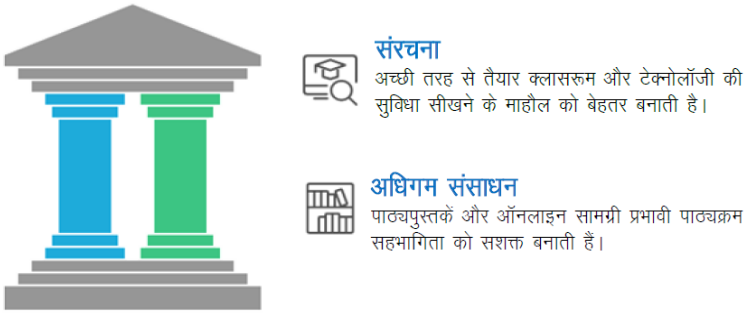

4.1 भौतिक सुविधाएं

- अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएँ और प्रयोगशालाएँ।
- स्मार्ट श्रेणी की सुविधाएं।
- अद्यतन संसाधनों के साथ विभागीय पुस्तकालय।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- इन्फ्लिबनेट, ई–शोध सिंधु के माध्यम से ई–संसाधनों तक पहुंच।
- अद्यतन पाठ्य पुस्तकें, पत्रिकाएँ और संदर्भ सामग्री।

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई सक्षम परिसर।
- आईसीटी आधारित शिक्षण सुविधाएं।
- ऑनलाइन शिक्षण संसाधन एकीकृत।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) लागू।
- भौतिक एवं डिजिटल अवसंरचना का नियमित ऑडिट।

5. छात्र सहायता और प्रगति

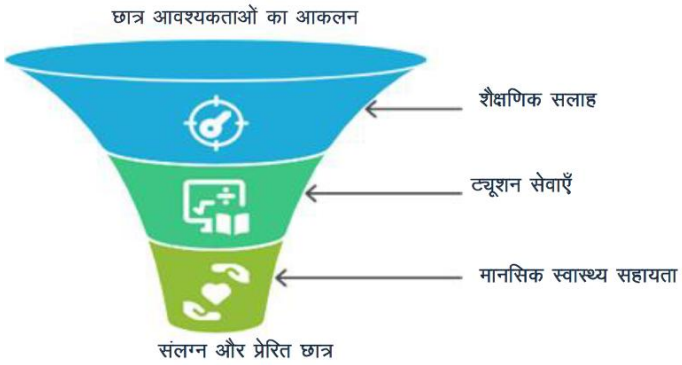

5.1 छात्र सहायता

- एससी/एसटी/ओबीसी और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए छात्रवृत्ति।
- शोध अध्येताओं के लिए वित्तीय सहायता।

5.2 छात्र प्रगति

- संचार, आईसीटी, सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षण।
- रोजगार क्षमता वृद्धि के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र (पीजी/पीएचडी)।

- पूर्व छात्रों को शिक्षा जगत, गैर सरकारी संगठनों और सरकारी सेवाओं में रखा गया।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- सक्रिय पूर्व छात्र संघ।
- सेमिनारों, प्लेसमेंट और मार्गदर्शन में पूर्व छात्रों का योगदान।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विजन विश्वविद्यालय के लक्ष्यों के अनुरूप है।
- संकाय निर्णय लेने और समितियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- शैक्षणिक और अनुसंधान विकास के लिए रणनीतिक योजना।
- विभागीय गतिविधियों की नियमित निगरानी।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय विकास कार्यक्रमों के अवसर।
- सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए सहायता।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- पारदर्शी बजट और संसाधन आवंटन।
- अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से धन जुटाने के प्रयास।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईक्यूएसी दिशानिर्देशों का पालन किया गया।
- नियमित लेखापरीक्षा और स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

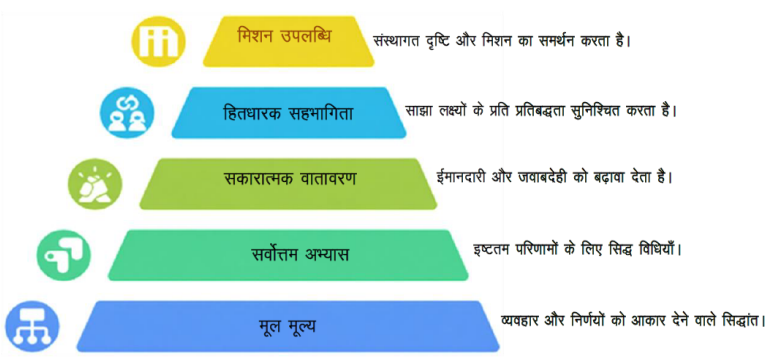

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- लिंग संवेदीकरण कार्यक्रम।
- पर्यावरणीय स्थिरता पहल।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- समुदाय–आधारित विस्तार और आउटरीच कार्यक्रम।
- छात्र मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रणाली।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- अनुसंधान, विस्तार और शिक्षण का मजबूत एकीकरण।
- समावेशी और सतत विकास प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करें।

8.संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग विशेष)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य प्रीति सक्सेना**
  आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)
  विशेषज्ञताः संवैधानिक कानून, प्रशासनिक कानून, टोर्ट, संवैधानिक शासन
  योग्यताः एलएलएम (स्वर्ण पदक विजेता), पीएच.डी. (कानून)
- **आचार्य प्रीती मिश्रा**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मानवाधिकार विभाग
  विशेषज्ञताः आपराधिक कानून, महिला एवं कानून, बौद्धिक संपदा कानून एवं पारिवारिक कानून, आपराधिक कानून, महिला एवं कानून, बौद्धिक संपदा कानून, पारिवारिक कानून एवं मानवाधिकार कानून
  योग्यताः एम.ए. (इको); बी.एड.; एलएलएम; एलएलडी; जर्मन में प्रवीणता
- **आचार्य शशि कुमार**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः मानवाधिकार, भारतीय राजनीति और कानून, राजनीतिक सिद्धांत
  योग्यताः एम.ए. (राजनीति विज्ञान); पीएच.डी. (राजनीति विज्ञान)
- **डॉ. रशीदा अतहर**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून, अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी और शरणार्थी कानून, महिला और बाल अधिकार
  योग्यताः एम.ए. (मानवाधिकार), पीएच.डी. (मानवाधिकार)
- **डॉ. अजय सिंह कुशवाह**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः महिला एवं मानवाधिकार, पर्यावरण एवं मानवाधिकार, सूचना का अधिकार एवं मानवाधिकार, स्वास्थ्य एवं मानवाधिकार
  योग्यताः एम.ए. (मानवाधिकार), पीएच.डी. (मानवाधिकार)
- **डॉ. राश्वत श्रृंखाल**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः स्वदेशी लोगों के अधिकार और अंतर्राष्ट्रीय कानून, कानूनी सिद्धांत, कानून और साहित्य, मानवाधिकार, कानूनी नृविज्ञान
  योग्यताः एलएलएम (मानवाधिकार), एम.फिल.–पीएच.डी. (अंतर्राष्ट्रीय कानून)

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य प्रीती मिश्रा

- मिश्रा, पी. और शुक्ला, एस., ''द मेनेस ऑफ फेक न्यूज़ इन द राइज़ इन द यूज ऑफ सोशल मीडीया", जर्नल ग्लोबल वैल्यूज़, जर्नल अनु बुक्स, एक इंटरनेशनल पीयर रिव्यू जर्नल, दिल्ली/मेरठ" वॉल्यूम XV, नंबर 1 जनवरी से जून 2024, आर्टिकल नंबर 11, पेज 076–83, आईएसएसएनः 2454–8391, 2025 https://anubooks.com/view?file=3632&session_id=jgv-vol-xv-no1-jan-june-2024. ऑनलाइन यहाँ उपलब्ध है।
- मिश्रा, पी. "क्रिटिकल मेथड एण्ड द क्वेस्चन ऑफ लीगल पर्सनॉलिटीः एक्सप्लोरिंग द सब्जुगेशन ऑफ ह्यूमन्स थ्रू पर्सनहुड", आरएमएलएनएलयू जर्नल वॉल्यूम 16 (2024), पेज 306–324 (पीयर रिव्यू, इंडियन साइटेशन इंडेक्स में इंडेक्स, यूजीसी केयर लिस्टेड), आईएसएसएनः 0975–9549।

डॉ. राश्वत श्रृंखाल

- श्रृंखाल, आर., कुमार, एस., शुक्ला, एस. और सिंह, ए. "रिव्यू ऑफ फ्लड हज़ाड्र्स इन कोसी रिवर–ए वे फॉरवर्ड फॉर डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन", वर्ल्ड वॉटर पॉलिसी, वर्ल्ड वॉटर पॉलिसी, [विली पब्लिकेशन], वॉल्यूम 10(4), पेज नंबर 1270–1291, आईएसएसएनः 2639–541X, इम्पैक्ट फैक्टरः 1.5 (2024) (https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/wwp2.12206)।
- श्रृंखाल, आर. "प्रोटेक्शन ऑफ ट्रेडीशनल नालेज (TK) एण्ड ट्रेडीशनल कल्चरल एक्सप्रेशन्स' (TCEs) ऑफ इंडिजेनस पीपल्सः सम रिफ्लेकशन्स", सम्प्रत्यय आसरा का मल्टी–डिसिप्लिनरी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज़, वॉल्यूम 1(3) विशेष अंक, पेज नंबर 24–33, आईएसएसएनः 3048–5851 (ऑनलाइन) (2024) (https://sampratyaya.com/wp-content/uploads/2024/09/Article-3-Dr.Rashwet -1-Spl-3.pdf).
- श्रृंखाल, आर, "रिविज़िटिंग लोहिया'स विजन ऑफ सोशियलिज़्म एण्ड [हिज़] जस्ट वर्ल्ड ऑर्डर", ईस्टर्न बुक कंपनी आरएमएलएनएलयू लॉ जर्नल, वॉल्यूम 16, पेज नंबर 24–33, आईएसएसएनः 0975–9549 (2025)।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व में कोई अन्य प्रकाशन

आचार्य प्रीती मिश्रा

- ब्लॉक 3 न्याय वितरण इकाई 8 न्यायपालिका और न्याय वितरण प्रणाली की भूमिका, प्रवासन और डायस्पोरा में कला स्नातक, अंतःविषय और ट्रांसडिसिप्लिनरी अध्ययन विद्यापीठ के तहत, इग्नू, कार्यक्रम कोड एमडीआई 010– मानव तस्करी और प्रवासन के लिए कानून, नीतियां और संस्थागत प्रतिक्रिया (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
- ब्लॉक 3 न्याय वितरण इकाई 9 कानूनी सहायता, प्रवासन और डायस्पोरा में कला स्नातक, अंतःविषय और ट्रांसडिसिप्लिनरी अध्ययन विद्यापीठ के तहत, इग्नू, कार्यक्रम कोड एमडीआई 010–मानव तस्करी और प्रवासन के लिए कानून, नीतियां और संस्थागत प्रतिक्रिया (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
- ब्लॉक 3 न्याय वितरण इकाई 10 गवाह संरक्षण तंत्र और पीड़ितों के अधिकार, प्रवासन और डायस्पोरा में कला स्नातक, अंतःविषय और ट्रांसडिसिप्लिनरी अध्ययन विद्यापीठ के तहत, इग्नू,

कार्यक्रम कोड एमडीआई 010–मानव तस्करी और प्रवासन के लिए कानून, नीतियां और संस्थागत प्रतिक्रिया (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।

- ब्लॉक 3 न्याय वितरण इकाई 11 मानव तस्करी उन्मूलन की प्रक्रिया में स्टेक धारकों की भूमिका, प्रवासन और डायस्पोरा में स्नातक, अंतःविषय और ट्रांसडिसिप्लिनरी अध्ययन विद्यापीठ के तहत, इग्नू, कार्यक्रम कोड एमडीआई 010–मानव तस्करी और प्रवासन के लिए कानून, नीतियां और संस्थागत प्रतिक्रिया (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

आचार्य प्रीती मिश्रा

- 12 जून 2024 को विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस पर मानवाधिकार विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार की अध्यक्षता की, https://arya-tv.com/online-webinar-organized-at-bbau-on-the-occasion-of-world-day-against-child-labor/.
- बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश के विधि अध्ययन एवं शोध विभाग एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली, 23 और 24 अक्टूबर, 2024 के द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला "एनईपी 2020ः विधि पाठ्यक्रम" के सह–अध्यक्ष।
- बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता 2025 पर एक दिवसीय कार्यशाला (यूपी विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा वित्त पोषित) के अध्यक्ष, 6 फरवरी 2025 को आईपीआर, कानूनी और नैतिक संबंधित समिति (आर एंड डी सेल), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित।
- टीएस मिश्रा लॉ स्कूल, टीएस मिश्रा विश्वविद्यालय, लखनऊ, 20 जुलाई 2024 द्वारा आयोजित "तीन नए आपराधिक कानून" विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 3 मार्च 2025 को लखनऊ विश्वविद्यालय के यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा आयोजित नए आपराधिक कानूनों पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम में "नए आपराधिक कानूनः बीएनएस" के विशेष संदर्भ में'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 20 मार्च 2025 को एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर द्वारा आयोजित "कानूनी भाषा और प्रवचन पर संस्कृति का प्रभाव" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारतीय कानूनी भाषा पर सामान्य कानून संस्कृति का प्रभाव" विषय पर पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

आचार्य शशि कुमार

- मानवाधिकार दिवस' के उपलक्ष्य में "हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 10 दिसंबर, 2024 को आयोजित कार्यक्रम के निदेशक।
- 13 नवंबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित कानूनी सहायता कार्यक्रम पर ''भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाएँ'' विषय के निदेशक।
- 01 अक्टूबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय दौरा और बातचीत सत्र कार्यक्रम में "गरिमा के साथ वृद्धावस्था" विषय के निदेशक।
- 01 अक्टूबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय दौरा और बातचीत सत्र कार्यक्रम में "गरिमा के साथ वृद्धावस्था" विषय के निदेशक।

- 12 जून, 2024 को स्थायी आयोजन समिति (एसओसी), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के तत्वावधान में मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ द्वारा आयोजित 'विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस' के उपलक्ष्य में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में निदेशक।
- 07 और 08 फरवरी 2025 को भारतीय पोषण परिषद और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "पोषण और सार्वजनिक स्वास्थ्य (एनसीआईसीओएन)" पर राष्ट्रीय कांग्रेस में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 18 दिसंबर 2024 को विश्व खाद्य कार्यक्रम और चावल फोर्टिफिकेशन के लिए इनोवेशन हब, आईआईटी दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "फोर्टिफाइड चावल कर्नेल और प्रीमिक्स विनिर्माण में गुणवत्ता को मजबूत करना" पर राज्य सम्मेलन में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।
- एरा विश्वविद्यालय और एरा के लखनऊ मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लखनऊ द्वारा 21–23 नवंबर 2024 को आयोजित स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा में 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन "रोगी सुरक्षा बढ़ानः एचपीई को स्वास्थ्य सेवा से जोड़ना" के अध्यक्ष।
- 26 अक्टूबर 2024 को सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनडीयूएटी) अयोध्या द्वारा आयोजित "चावल फोर्टिफिकेशन और एनीमिया की रोकथाम पर इसका प्रभाव" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 27 अगस्त 2024 को आकाशवाणी केंद्र लखनऊ में "आकाशवाणी केंद्र लखनऊ" पर एक रेडियो वार्ता दी।

डॉ. रशीदा अतहर

- 24 अक्टूबर, 2024 को आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानूनः समकालीन चुनौतियां और उन्नति की संभावनाएं" पर राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता।
- 03 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से विधि विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, लखनऊ द्वारा आयोजित "कैदियों के मानवाधिकार–मुद्दे, चुनौतियां और संभावनाएं" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र की अध्यक्षता की।
- 10 दिसंबर, 2024 को 'मानवाधिकार दिवस' के उपलक्ष्य में "हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संयुक्त सचिव।
- 13 नवंबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित कानूनी सहायता कार्यक्रम के आयोजन सचिव।
- 01 अक्टूबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय दौरा और बातचीत सत्र कार्यक्रम में "सम्मान के साथ वृद्धावस्था" विषय पर आयोजन सचिव।
- 12 जून, 2024 को स्थायी आयोजन समिति (एसओसी), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के तत्वावधान में, विधि अध्ययन विद्यापीठ के मानवाधिकार विभाग द्वारा आयोजित 'बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस' के उपलक्ष्य में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
- एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ 18 अक्टूबर 2024 को एक राष्ट्रीय सम्मेलन "पर्यावरण कानून चुनौतियां और प्रबंधन" विषय पर मेजबानी कर रहा है जिसमें आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह आयोजन महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों, कानूनी ढांचे और टिकाऊ प्रबंधन प्रथाओं पर केंद्रित होगा।

डॉ. अजय सिंह कुशवाह

- 10 दिसंबर, 2024 को 'मानवाधिकार दिवस' के उपलक्ष्य में "हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव, मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित किया गया।
- 13 नवंबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित विषय कानूनी सहायता कार्यक्रम के आयोजन सचिव।
- 01 अक्टूबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय दौरा और बातचीत सत्र कार्यक्रम में "गरिमा के साथ वृद्धावस्था" विषय के संयुक्त सचिव।
- 01 अक्टूबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय दौरा और बातचीत सत्र कार्यक्रम में "गरिमा के साथ वृद्धावस्था" विषय के आयोजन सचिव।
- 12 जून, 2024 को स्थायी आयोजन समिति (एसओसी), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के तत्वावधान में मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ द्वारा आयोजित 'विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस' के उपलक्ष्य में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के आयोजन सचिव।
- बाबासाहेब की राष्ट्र निर्माण और संवैधानिक प्रतिबद्धताओं की अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव ने स्थायी आयोजन समिति (एसओसी), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 13–14 अप्रैल, 2025 को आयोजित ''संविधानवाद और संवैधानिक नैतिकता अंबेडकर के दृष्टिकोण से अवधारणाओं की खोज'' विषय पर बात की।
- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, प्रयागराज द्वारा 07–24 फरवरी, 2024 से सामाजिक विज्ञान और मानविकी में बहुविषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रमः नए रुझान और अवधारणाएं पर ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया।
- जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 14 अप्रैल, 2023 "अंबेडकर के वैज्ञानिक स्वभाव के अप्रकाशित पहलू और राष्ट्र निर्माण में सुधार" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, जिसका शीर्षक 'डॉ. अंबेडकर की वैज्ञानिक विचारधारा और वर्तमान भारतीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. राश्वत श्रृंखाल

- 01.01.2024 से 30.04.2024 तक एनपीटीईएल–एआईसीटीई द्वारा आयोजित "भारत में संविधान कानून और लोक प्रशासन" विषय पर 12–सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रमों में भाग लिया।
- 10 दिसंबर, 2024 को 'मानवाधिकार दिवस' के उपलक्ष्य में "हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयुक्त सचिव, मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित किया गया।
- 13 नवंबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित विषय कानूनी सहायता कार्यक्रम के संयुक्त सचिव।
- 01 अक्टूबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय दौरा और बातचीत सत्र कार्यक्रम में "गरिमा के साथ वृद्धावस्था" विषय के संयुक्त सचिव।
- 12 जून, 2024 को स्थायी आयोजन समिति (एसओसी), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के तत्वावधान में मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ द्वारा आयोजित 'विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस' के उपलक्ष्य में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के संयोजक।

- 23 अप्रैल, 2025 को इलाहाबाद डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के विधि संकाय द्वारा एलएलएम छात्रों के लिए पीजी ओरिएंटेशन कार्यक्रम में ''प्रकाशन और नैतिकताः कुछ विचार'' विषय पर वर्चुअल मोड में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान और विचार–विमर्श हेतु आमंत्रित किया गया।
- जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 13–14 अप्रैल, 2025 को "अंबेडकर के वैज्ञानिक स्वभाव के अप्रकाशित पहलू और राष्ट्र निर्माण में सुधार" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, जिसका शीर्षक 'डॉ. अंबेडकर की वैज्ञानिक विचारधारा और वर्तमान भारतीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 13 फरवरी, 2025 को डिजिटल परिवर्तन, डेटा और एआई के संबंध में उपनिवेशवाद और संप्रभुता पर रिफ्लेक्शन द्वारा आयोजित "स्वदेशी लोगों के परिप्रेक्ष्य से उपनिवेशवाद और डिजिटल संप्रभुता" पर एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

8.3.5. शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य प्रीति सक्सेना

- श्रद्धा श्रीवास्तव ने **''डाटा प्रोटेक्शन लॉ इन इंडियाः ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ इंडिविज्युयलिस्ट एण्ड कलेक्टिविस्ट अप्रोचेस''** शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- रवीश यादव ने **''डिजिटल फाइनेन्शियल क्राइम्स इन इंडियाः ए सोसियो–लीगल स्टडी ऑफ लखनऊ सिटी"** शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

आचार्य प्रीती मिश्रा

- शैलजा शुक्ला ने ''इंडियन डेमोक्रेसी, धर्मा एण्ड कन्स्टिटुशनलिज़्मः ए क्रिटिकल एवॉल्यूयेशन'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- रोहित कुमार चौबे ने ''इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स (आई) एनेबल्ड साइबर क्राइम्स–ए सोसियो लीगल स्टडी इन लखनऊ डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- सौरभ कुमार पांडे ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- संदीप कुमार ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- श्रुति सोनकर ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।

आचार्य शशि कुमार

- दीपक यादव ने "दण्ड के सुधारात्मक सिद्धांत एवं पुर्नस्थापन नीतियाँः लखनऊ जिले के आदर्श कारागार के संदर्भ में एक आलोचनात्मक अध्ययन" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- रत्ना प्रिया ने "ट्राइबल सेल्फ़–गवर्नेन्सः ए केस स्टडी ऑफ दुमका डिस्ट्रिक्ट इन झारखंड" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- अवनीश भारती ने "इन्फोर्स्मेंट मेकैनिज्म ऑफ ह्यूमन राइट्स इन इंडियाः ए सोसियो–लीगल स्टडी विथ रेफरेन्स टू ह्यूमन राइट्स कोर्ट्स इन उत्तर प्रदेश" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री शुभम सिंह ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- श्री चंद्र भूषण कुमार ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- सुश्री अल्का ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।

डॉ. रशीदा अतहर

- प्रांजल खरबंदा ने "राइट अगेन्स्ट डिस्क्रिमिनेशन एण्ड प्रोटेक्शन ऑफ सेक्सुअल माइनोरिटीजः ए स्टडी ऑफ इंटरनेशनल लॉ आंड इंडिया रिस्पॉन्स" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- रजनीश कुमार वर्मा ने "रेग्युलेटरी फ्रेमवर्क ऑफ ओवर–द–टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म्स इन इंडियाः एन एनलिटिकल स्टडी" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- सुजय कुमार लाल ने "ऑनलाइन वाय्लेन्स अगेन्स्ट वुमन एण्ड एक्सेस टू जस्टीस इन इंडियाः ए सोसियो–लीगल स्टडी विथ रेफरेन्स टू लखनऊ डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री हर्षित सिंह ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- श्री रिज़वान सिद्दीकी ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।

डॉ. अजय सिंह कुशवाह

- अखिलेंद्र प्रताप ने "लीगल फ्रेमवर्क गवर्निंग एआई सर्वीलान्स एण्ड प्राइवेसी इन इंडिया–ए क्रिटिकल स्टडी" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- अजय कुमार ने "पॉवर्टी एलिवियेशन एण्ड रोल ऑफ ई–गवर्नेन्स इन इंडिया एन एनालिटिकल स्टडी विथ रेफरेन्स टू लखनऊ डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- अनीता ने "सेक्सुअल हरासमेंट ऑफ वुमन एट वर्कप्लेसः ए सोसियो–लीगल स्टडी विथ रेफरेन्स टू ज्यूडीशियरी इन उत्तर प्रदेश" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री राहुल गुप्ता ने पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।

डॉ. राश्वत श्रृंखाल

- देवेश सिंह ने ''यूज ऑफ फोर्स इन इंटरनेशनल लॉः ए क्रिटिकल एनॉलिसिस फ्रॉम टीडब्ल्यूएआईएल पर्स्पेक्टिव" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- स्पर्श कुमार लाल ने "इवॉल्विंग डिजिटल ह्यूमन राइट फ्रेमवर्क इन द ऐज ऑफ आईसीटीः ए क्रिटिकल लीगल एनॉलिसिस", शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- अंजलि कुमारी ने "लिव इन रिलेशन्शिप इन इंडियाः ए सोसियो लीगल स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू उत्तर प्रदेश", शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 पीएच.डी. प्रदत्त

आचार्य प्रीती मिश्रा

- अनुराग कृष्ण तिवारी को 2025 में "स्टेटस ऑफ वुमेन वर्कर्स इन अन आर्गेनाइज्ड सेक्टर–ए सोसियो–लीगल स्टडी ऑफ राँची, झारखंड" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- जितेंद्र कुमार सरोज को 2025 में ''सामाजिक कुप्रथाएं, अन्धविश्वास और महिला मानवाधिकारः जौनपुर जिले के सन्दर्भ में एक सामाजिक एवं विधिक अध्ययन'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- दिनेश कुमार को 2025 में "स्टेटस एण्ड इंपैक्ट ऑफ इंटर–कॉस्ट एण्ड इंटर रिलिजियस मैरेज–ए सोसियो–लीगल स्टडी विथ रेफरेन्स टू लखनऊ, यूपी'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

आचार्य शशि कुमार

- अशोक कुमार को 2025 में "द स्टेटस ऑफ सैनिटेशन वर्कर्स इन इंडियाः ए सोसियो–लीगल स्टडी इन ह्यूमन राइट्स पर्स्पेक्टिव इन लखनऊ, यूपी" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. रशीदा अतहर

- योगेंद्र नाथ त्रिपाठी को "ए सोसियो लीगल स्टडी ऑफ चाइल्ड बेगर्स इन वाराणसी सिटी ऑफ उत्तर प्रदेश" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- जया चौधरी को "ए सोसियो लीगल स्टडी ऑफ वुमेन विथ डिसबिलिटीज इन हाइयर एजुकेशनल इन्स्टिट्यूशन्स ऑफ लखनऊ सिटी, यूपी'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

- परास्नातक/स्नातक/डिप्लोमा पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या– 45
- सिविल सेवाओं (यूपीएससी/यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या– शून्य
- उच्च शिक्षा में अध्यापन के लिए चयनित छात्रों का विवरण– 07
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या– 03
- अन्य सरकारी नौकरियों/बैंकिंग/स्कूल शिक्षण आदि पर चयनित छात्रों की संख्या–02
- एसएलईटी/एनईटी/जेआरएफ/किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या –14

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य

डॉ. रशीदा अतहर

- अनुसंधान अनुदान आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "द असेसमेंट ऑफ हेल्थ स्टेटस ऑफ एल्डर्ली पर्सन्स इन ओल्ड ऐज होम्स ऑफ मेजर सिटीज ऑफ उत्तर प्रदेश" नामक परियोजना के लिए 2024 में 7,00,000.00/– की धनराशि प्रदान की गई।

डॉ. राश्वत श्रृंखाल

- अनुसंधान अनुदान "ह्यूमन राइट्स ऑफ एल्डर्ली पीपुल इन उत्तर प्रदेशः ए क्रिटिकल स्टडी" नामक परियोजना उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग (यूपी एचआरसी) द्वारा प्रायोजित 2024 में 1,00,000. 00/– प्रदान किए गए।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ

आचार्य प्रीती मिश्रा

- 8 और 9 अप्रैल 2024 को विधि विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ द्वारा आयोजित "भारत में आपराधिक कानूनों में परिवर्तनःभारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली का एक नया युग" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में संरक्षक।
- 12 जून, 2024 को स्थायी आयोजन समिति (एसओसी), बीबीएयू, लखनऊ के तत्वावधान में, विधि अध्ययन विद्यापीठ के मानवाधिकार विभाग द्वारा आयोजित 'बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस' के उपलक्ष्य में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में संरक्षक।
- 3.8.2024 को मां वैष्णो देवी लॉ कॉलेज द्वारा आयोजित स्वर्गीय डॉ. विजय अग्रवाल मेमोरियल इंटर मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2023 में जज।
- 'मानवाधिकार दिवस' के उपलक्ष्य में "हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में संरक्षक, मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बीबीएयू, लखनऊ द्वारा 10 दिसंबर, 2024 को आयोजित।

डॉ. रशीदा अतहर

- डॉ. रशीदा अतहर, मानवाधिकार विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा 08 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के विकास और प्रगति में उनके उत्कृष्ट समर्पण, प्रतिबद्धता और योगदान हेतु सम्मान।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	02
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	03
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	00
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	13
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	06
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	43
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	06
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	00
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	00
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	02
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	13
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	05

विधि विभाग

विभाग का परिचय

विधि विभाग की स्थापना 2008–09 में गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा देने और न्याय, समानता और सामाजिक जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। इसकी शुरुआत एलएलएम कार्यक्रम से हुई और बाद में इसमें पीएच.डी. और बीबीए एलएलबी (ऑनर्स) (5–वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम) को भी शामिल किया गया। विभाग शोध आधारित सीखने, मूट कोर्ट के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव और छात्रों के सर्वांगीण विकास पर जोर देता है, ताकि उन्हें न्यायपालिका, शिक्षा, वकालत, कॉर्पोरेट क्षेत्र और सिविल सेवाओं में करियर के लिए तैयार किया जा सके।

विभाग की ताकत

- विभिन्न विशेषज्ञताओं (संवैधानिक कानून, आईपीआर, आपराधिक कानून, साइबर कानून, पर्यावरण कानून, न्यायशास्त्र, आदि) के साथ योग्य और अनुभवी संकाय।
- स्मार्ट कक्षाएँ, वाई–फाई सक्षम परिसर, विभागीय पुस्तकालय, मूट कोर्ट हॉल और आईसीटी–आधारित शिक्षण के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला।
- **सक्रिय शोध संस्कृतिः** 30 से ज्यादा पीएच.डी. उम्मीदवार, स्कोपस/यूजीसी केयर इंडेक्स पत्रिकाओं में कई प्रकाशन, और संकाय द्वारा लिखित पुस्तकें।
- सिविल सेवाओं (यूपीएससी, यूपीपीएससी), यूजीसी–नेट/जेआरएफ और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की उपलब्धियाँ।
- राष्ट्रीय सेमिनार, सम्मेलन, वेबिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कानूनी जागरूकता कार्यक्रमों का नियमित आयोजन।

- निःशुल्क कानूनी परामर्श, मानवाधिकार जागरूकता अभियान और पर्यावरण अभियानों के माध्यम से सामाजिक जुड़ाव।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

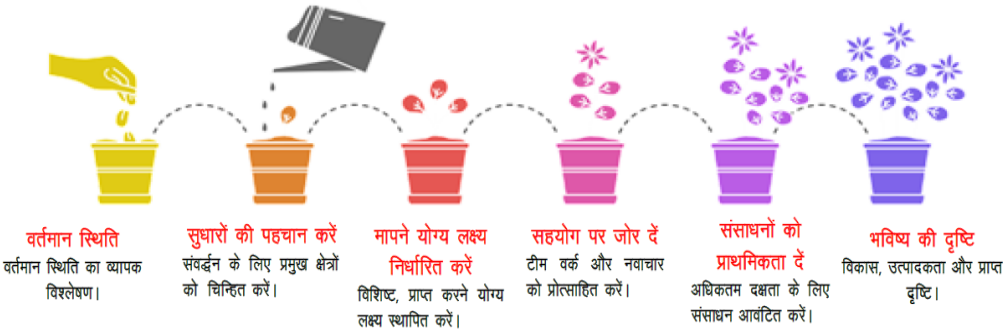

उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना:

- कानून और शासन
- पर्यावरण कानून
- वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर)
- स्वास्थ्य देखभाल कानून
- साइबर कानून और कानून में कृत्रिम बुद्धिमत्ता
- साइबर सुरक्षा कानून, मध्यस्थता एवं पंचाट, तथा आईपीआर प्रबंधन में प्रमाणपत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करें।
- पूर्व छात्रों की सहभागिता और मार्गदर्शन कार्यक्रमों को मजबूत करना।
- विधि विद्यालयों, गैर सरकारी संगठनों, बार एसोसिएशनों और अनुसंधान निकायों के साथ समझौता ज्ञापन/सहयोग बढ़ाना।
- कानून के उभरते क्षेत्रों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास

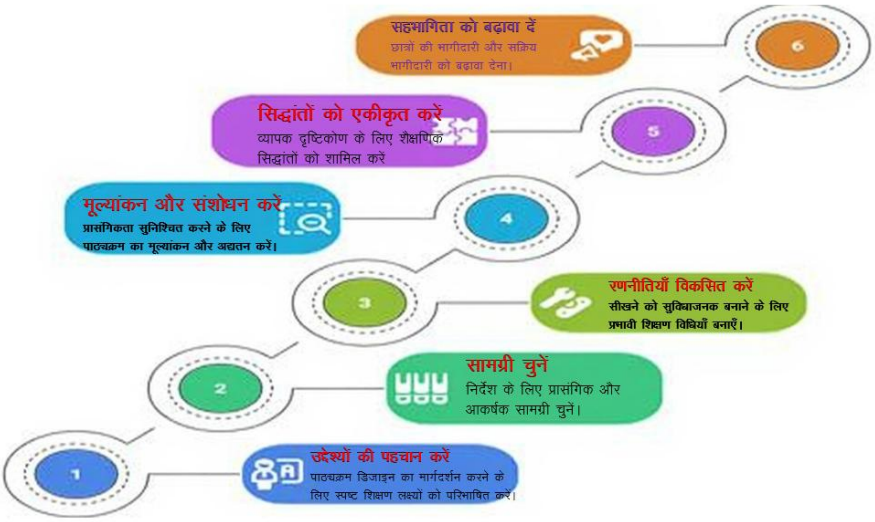

- विभाग का परिचय (2008–09 में एलएलएम, पीएचडी, बीबीए (एच)), एलएलबी के साथ शुरू हुआ।
- उद्देश्यः गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा, वकालत कौशल, अर्ध–कानूनी तर्क, सामाजिक रूप से जिम्मेदार स्नातक प्रदान करना।
- भविष्य की योजनाः उत्कृष्टता केंद्र (कानून और शासन, पर्यावरण कानून, एडीआर, स्वास्थ्य देखभाल कानून, आदि)

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



प्रस्तावित कार्यक्रमः

- एलएलएम (2 वर्ष)
- पीएच.डी.
- बीबीए एलएलबी.(ऑनर्स) (5 वर्ष एकीकृत)

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

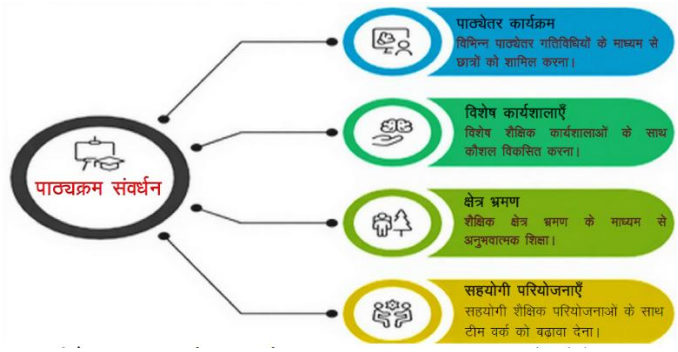

- **विशेष पाठ्यक्रमः** आईपीआर, पर्यावरण कानून, साइबर कानून, एडीआर, जैव प्रौद्योगिकी कानून, आईटी कानून, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून, मानवाधिकार।
- समसामयिक मुद्दों (जलवायु परिवर्तन, निरस्त्रीकरण, संवैधानिक कानून) पर सेमिनार और सम्मेलन।

1.4 प्रतिक्रिया प्रणाली

- स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है–विकसित किया जा सकता है (पाठ्यक्रम वितरण पर छात्र प्रतिक्रिया, पूर्व छात्र इनपुट, आदि)।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- एलएलएम, बीबीए एलएलबी, और पीएचडी में छात्र प्रवेश (विवरण शोध प्रबंध और पीएच.डी. सूचियों में उपलब्ध है)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दों पर ज़ोर (महिलाओं के अधिकार, हाशिए पर पड़े समूह, एससी/एसटी प्रतिनिधित्व, पर्यावरणीय न्याय)।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट कक्षाएँ, कंप्यूटर लैब, वाई–फाई सक्षम विभाग।
- अनुभवात्मक शिक्षा के लिए मूट कोर्ट।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

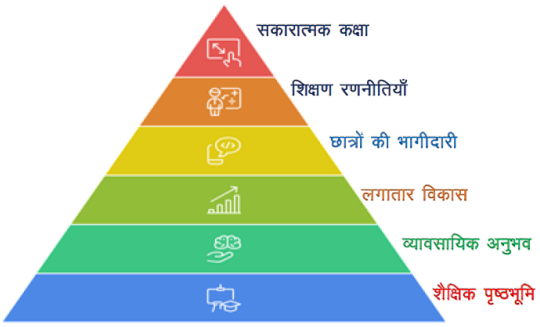

- **संकाय संख्याः** 6 (आचार्य, उपाचार्य, सहायक आचार्य) जिनके पास पीएच.डी., एनईटी/जेआरएफ की योग्यता है।
- विशेषज्ञता में संवैधानिक कानून, आपराधिक कानून, पर्यावरण कानून, आईपीआर, साइबर कानून, न्यायशास्त्र आदि शामिल हैं।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

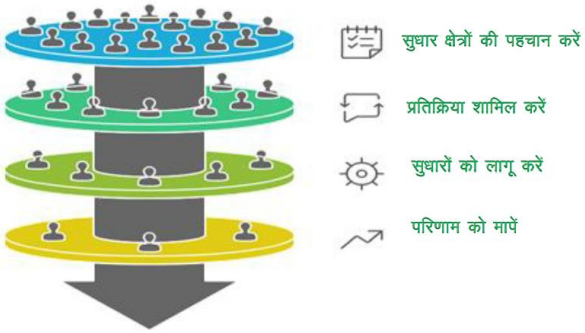

- शोध प्रबंधों, पीएच.डी. प्रगति समीक्षा, मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं के माध्यम से सतत मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम

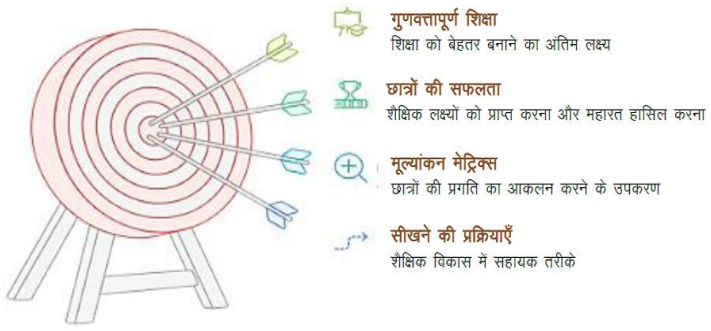

- 2024–25 में 40 एलएलएम छात्र और 68 बीबीए एलएलबी(ऑनर्स) ने पूरा किया।
- सिविल सेवा चयनः यूपीएससी (05), यूपीपीएससी (03)।
- अन्य सरकारी नौकरियाँः 10, उच्च शिक्षाः 30।
- नेट (10), जेआरएफ (02) उत्तीर्ण किया।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है–को अलग से प्रलेखित किया जा सकता है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- विभागीय पुस्तकालय, मूट कोर्ट, कंप्यूटर प्रयोगशाला, स्मार्ट कक्षाएँ।
- मजबूत पीएच.डी. कार्यक्रम (30 से ज्यादा उम्मीदवार अभी काम कर रहे है)।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



शोध के लिए संसाधन जुटाना

- फेलोशिप (जेआरएफ, एसआरएफ, एनएफएसटी, एनएफएससी, नॉन–नेट फेलोशिप) के माध्यम से वित्त पोषित अनुसंधान।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- **अत्याधुनिक क्षेत्रों में शोधः** एआई और कानून, साइबर सुरक्षा, पर्यावरण न्याय, लिंग और कानून, यूसीसी।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- संकाय ने स्कोपस, यूजीसी केयर, एबीडीसी इंडेक्स्ड और सहकर्मी–समीक्षित पत्रिकाओं (2024–25) में 30+ पेपर प्रकाशित किए।

- **लिखित/संपादित पुस्तकः**
  - बौद्धिक संपदा अधिकार, रचनात्मकता और नवाचार की रक्षा (2024) प्रो. एस.के. चड्ढा द्वारा।
  - भारत में जांच की वैज्ञानिक विधि के रूप में डीएनए प्रोफाइलिंग (2024) डॉ. सुफिया अहमद द्वारा।
  - राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संपादित संस्करणों में अनेक पुस्तक अध्याय।

3.5 परामर्श

- विभागीय स्तर पर निःशुल्क कानूनी परामर्श दी जाती है।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- वृक्षारोपण कार्यक्रम, एंटी–रैगिंग जागरूकता, विश्व कैंसर दिवस, विश्व आर्द्रभूमि दिवस, संविधान दिवस, आईपी दिवस, सांस्कृतिक कार्यक्रम।

3.7 सहयोग

- बाह्य संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापनः शून्य (सुधार की गुंजाइश है)।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

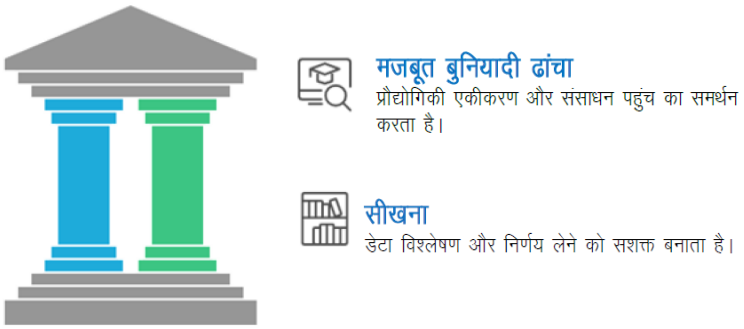

4.1 भौतिक सुविधाएं

- मूट कोर्ट हॉल, कंप्यूटर लैब, विभागीय पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाएँ, वाई–फाई।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त विभागीय पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना

- इंटरनेट, स्मार्ट क्लासरूम, वाई–फाई के साथ कंप्यूटर लैब।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय द्वारा प्रबंधित।

5. छात्र सहायता और प्रगति

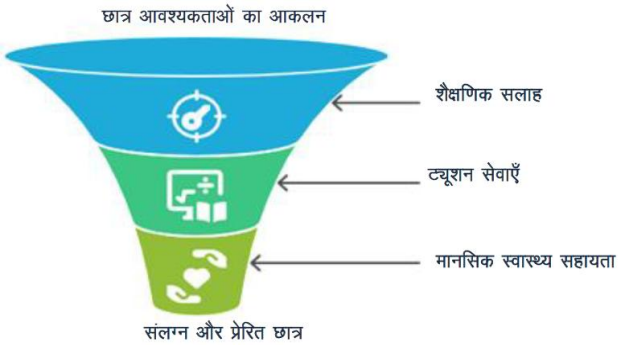

5.1 छात्र सहायता

- कानूनी जागरूकता कार्यक्रम, निःशुल्क कानूनी परामर्श और कैरियर परामर्श।

5.2 छात्र प्रगति

- सिविल सेवाएँः 08 चयन।
- उच्च अध्ययनः 30 छात्र।
- नेट/जेआरएफः 12 छात्र।
- सरकारी नौकरियाँः 10, शिक्षणः 07।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- मूट कोर्ट प्रतियोगित – 01 अन्तर्राष्ट्रीय, 01 राष्ट्रीय।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम कलाओं का कारवा।
- संविधान दिवस समारोह।
- छात्र शोध शोध प्रबंध (एलएलएम, बीबीए एलएलबी(ऑनर्स))।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- न्यायपालिका, शिक्षाविदों, कॉर्पोरेट कानून फर्मों, गैर सरकारी संगठनों में पूर्व छात्रों की उपलब्धियाँ (व्यवस्थित रूप से प्रलेखित नहीं–पूर्व छात्र प्रकोष्ठ को मजबूत करने की गुंजाइश)।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- **विजनः** गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा प्रदान करना, कानून के शासन को बढ़ावा देना और नागरिकों को कानूनी जागरूकता से सशक्त बनाना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- विशिष्ट कानूनी क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों की योजनाएँ।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय सदस्य संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य करते हैं, आमंत्रित व्याख्यान देते हैं, शैक्षणिक/व्यावसायिक निकायों में सदस्यता रखते हैं।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- बाह्य फेलोशिप (जेआरएफ, एसआरएफ, आदि) के माध्यम से वित्त पोषित अनुसंधान।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- सेमिनारों, सम्मेलनों में भागीदारी,
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन;
- पाठ्यक्रम को नए कानूनों (बीएनएसएस, यूसीसी, एआई और कानून) के साथ अद्यतन किया गया।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- कानूनी जागरूकता अभियान, मानवाधिकार सेमिनार, वृक्षारोपण कार्यक्रम।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं।
- न्याय तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए निःशुल्क कानूनी परामर्श।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- सामाजिक रूप से प्रासंगिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंरू लैंगिक न्याय, पर्यावरण कानून, साइबर अपराध, एआई और कानून।
- समकालीन सामाजिक–कानूनी मुद्दों पर काम करने वाले बड़ी संख्या में पीएच.डी. छात्र।
- कानूनी फर्मों, कॉर्पोरेट फर्मों और गैर सरकारी संगठनों के साथ गठजोड़ के माध्यम से छात्र प्लेसमेंट और इंटर्नशिप के अवसरों में वृद्धि करना।

8.संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग विशेष)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य सुदर्शन वर्मा**
  विभागाध्यक्ष, विधि विभाग
  विशेषज्ञताः संवैधानिक कानून, अपकृत्य कानून, प्रशासनिक कानून, महिला और कानून।
  योग्यताः एलएलएम, पीएच.डी. (कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल)
- **आचार्य संजीव कुमार चड्ढा**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः टॉर्ट कानून, प्रशासनिक कानून। बौद्धिक संपदा अधिकार, पर्यावरण कानून।
  योग्यताः एलएलएम (रोहिलखंड विश्वविद्यालय बरेली), पीएच.डी. (बुंडेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी)।
- **डॉ. सुफिया अहमद**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः बौद्धिक संपदा कानून, न्यायशास्त्र, सरोगेसी कानून, स्वास्थ्य देखभाल कानून, कानूनी अनुसंधान पद्धति, पारिवारिक कानून।
  योग्यताः एलएलएम, (बीएचयू) पीएच.डी. (बीबीएयू) (यूजीसी नेट–जेआरएफ)।
- **डॉ. अनीस अहमद**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः पर्यावरण कानून, न्यायशास्त्र, बौद्धिक संपदा कानून।
  योग्यताः एलएलएम (एएमयू अलीगढ़) पीएच.डी. (एमडीयू, रोहतक) (यूजीसी–नेट)।

- **डॉ. प्रदीप कुमार**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः आपराधिक कानून, प्रशासनिक कानून, बौद्धिक संपदा कानून।
  योग्यताः एलएलएम (बीएचयू), पीएच.डी. (बीएचयू), (यूजीसी–नेट)।
- **डॉ. मुजीबुर रहमान**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः आपराधिक कानून, साइबर कानून, संवैधानिक कानून, मानवाधिकार, प्रक्रियात्मक कानून, पारिवारिक कानून।
  योग्यताः एलएलएम (एएमयू अलीगढ़), पीएच.डी. (एएमयू अलीगढ़), (यूजीसी–नेट)।

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

- वर्मा, एस., "सोयिंग सीड्स ऑफ ईक्वालिटीः वुमन फार्मर्स एण्ड लैंड ओनरशिप राइट्स इन इंडिया–लीगल एण्ड सोशल डाइनेमिक्स इन 2024", इंडियन जर्नल ऑफ़ लॉ एंड लीगल रिसर्च, प्पेछरू 2582–8878, मार्च 2025।
- चड्ढा, एस. के., "इकोसाइडः शुड डिस्ट्रक्शन ऑफ एन्वाइरन्मेंट बी पनिशेबल?", जर्नल ऑफ़ हायर एजुकेशन थ्योरी एंड प्रैक्टिस, खंड 24, संख्या 2, पृष्ठ 35–46, 2024, आईएसएसएनः 2158–3595।
- चड्ढा, एस. के., ., "इन्स्यूरिंग साइबर रिसिलियेन्स एण्ड कंप्लाइयेन्स इन इंडिया'स फिनटेक सेक्टरः ए स्टडी ऑन आरबीई'स रेग्युलेटरी फ्रेमवर्क", इंटरनेशनल डेवलपमेंट प्लानिंग रिव्यू, खंड 23, संख्या 1, पृष्ठ 1047–1056, 2024, आईएसएसएनः 1474–6743, ई–आईएसएसएनः 1478–3401।
- चड्ढा, एस. के., "अनसीन सफरिंगः द मिसअप्लिकेशन एण्ड बाइयेसेस ऑफ इंडियन लॉ ऑन क्रूयेल्टी अगेन्स्ट हज़्बेंड्स", इंटरनेशनल डेवलपमेंट प्लानिंग रिव्यू, खंड 23, संख्या 2, पृष्ठ 1319–1329, 2024, आईएसएसएनः 1474–6743, ई–आईएसएसएनः 1478–3401।
- चड्ढा, एस. के., "सेफगार्डिंग द हाइ सीसः ए लीगल एण्ड एन्वाइरन्मेंटल पर्स्पेक्टिव ऑन ग्लोबल कामन्स एण्ड द 2023 बीबीएनजी ट्रीटी", ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट जर्नल, खंड 20, संख्या 2, पृष्ठ 70–86, 2024, आईएसएसएनः 0889–6402।
- चड्ढा, एस. के. (दूसरे लेखक), "टुवर्ड्स सस्टेनबल सल्यूशन्सः लीगल चैलेंजस एण्ड रेस्पॉन्सेस टू माइक्रोप्लास्टिक पॉल्यूशन", देहरादून लॉ रिव्यू (विशेष अंक), पृष्ठ 207–222, सितंबर 2024, आईएसएसएनः 2231–1157।
- चड्ढा, एस. के., "रोल ऑफ ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स इन एड्रेसिंग प्रिज़न एब्यूस", मैन एंड डेवलपमेंट जर्नल, खंड XLVI, संख्या 4, पेज 80–90, दिसम्बर 2024, आईएसएसएनः 0258–0438।
- चड्ढा, एस. के., ''द यूनिफॉर्म सिविल कोडः स्ट्राइकिंग ए बैलेन्स बिट्वीन सेक्यूलेरिज्म, रिलिजियस एटॉनामी, एण्ड जेंडर जस्टीस इन इंडिया", वेगुएटा एनुआरियो डे ला फैकल्टेड डे जियोग्राफिया ई हिस्टोरिया, खंड 24, संख्या 2, पेज 349–359, 2024, ईआईएसएसएनः 2341–1112।
- चड्ढा, एस. के. (दूसरे लेखक), "इलेक्टोरल बॉड्स एण्ड पॉलिटिकल फंडिंग इन इंडियाः ट्रॉन्स्परेन्सी, करप्शन, एण्ड डेमोक्रेटिक इंप्लिकेशन्स", यूरोपियन इकोनॉमिक्स लेटर्स (ईईएल), खंड 15, संख्या 1, पेज 377–384, 2025, आईएसएसएनः 2323–5233।

- चड्ढा, एस. के., "द रोल ऑफ जेनरेटिव एआई इन ट्रॉन्सफॉर्मिंग एजुकेशनः ग्लोबल इनसाइट्स एण्ड इंडिया'स पॉलिसी रिस्पॉन्स", यूरोपियन इकोनॉमिक्स लेटर्स (ईईएल), खंड 15, संख्या 1, पेज 385–393, 2025, आईएसएसएनः 2323–5233।
- चड्ढा, एस. के., "इनक्रीजिंग पॉप्युलेशन वाइलटिंग राइट टू एन्वाइरन्मेंट अंडर आर्टिकल 21", जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च, खंड 5, संख्या 1, पेज 2213–2225, 2025, आईएसएसएनः 1526–4726।
- चड्ढा, एस. के., "रोल ऑफ ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स इन एड्रेसिंग प्रिज़न एब्यूस", मैन एंड डेवलपमेंट, खंड XLVI, संख्या 4, पेज 80–90, दिसम्बर 2024, आईएसएसएनः 0258–0438।
- चड्ढा, एस. के., "कस्टोडीयल वाय्लेन्स, ह्यूमन राइट्स एण्ड द ज्यूडीशियरी", पीरियोडिक रिसर्च, खंड– संख्या 3, फरवरी 2025, आईएसएसएनः 2231–0045 (प्रिंट), 2349–9435 (ई)।
- चड्ढा, एस. के., "आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एण्ड पेटेंट लॉ इन इंडियाः एन एनॉलिसिस ऑफ चैलेंजस बिफोर लॉ", एशियन रेजोनेंस, खंड XIV, संख्या 2, अप्रैल 2025, आईएसएसएनः 0976–8602 (प्रिंट), 2349–9443 (ई)।
- चड्ढा, एस. के., "एवॉल्यूशन ऑफ द लॉ थ्रुआउट टाइम इन रिगार्ड टू सेक्सुअल अफेन्सेस अगेन्स्ट वुमेन", जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च, खंड 5, संख्या 2, पृष्ठ 3757–3778, 2025, आईएसएसएनः 1526–4726।
- चड्ढा, एस. के., "कंपरेटिव एनॉलिसिस ऑफ लेजिस्लेशन परटेनिंग टू सेक्सुअल अफेन्सेस अगेन्स्ट वुमेन इन रीलेशन टू द यूएसए, यूके, एण्ड ईयू", यूरोपियन इकोनॉमिक्स लेटर्स (ईईएल), खंड 15, संख्या 2, पृष्ठ 3565–3584, 2025, आईएसएसएनः 2323–5233।
- अहमद, एस., और सिंह, ए. के., ''निकाह हलाला अंडर मुस्लिम पर्सनल लॉः ए क्रिटिकल अप्रेज़ल", एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशनः थ्योरी एंड प्रैक्टिस, खंड 30, संख्या 5, पृष्ठ 4346–4353, 2024, DOI: 10.53555/kuey. v30i5.3633.
- अहमद, एस., और सिंह, डी., "एन एंपिरिकल स्टडी ऑन द पासिबल एक्सेप्टेन्स ऑफ आर्टिफिशियल वाम्ब टेक्नोलॉजी ओवर ट्रेडीशनल मेथड्स ऑफ प्रेग्नेन्सी", राइटर्स क्रू इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, खंड 1, संख्या 2, अप्रैल 2024।
- पांडेय, एस. आर., और अहमद, एस., "द बायो–मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट कन्सर्निंग कोविड–19 वेस्टः ए केस स्टडी ऑफ बठिंडा, पंजाब'', अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, खंड 6, 4, पृष्ठ 5884–5899, 2024, आईएसएसएनः 2663–2187, DOI: 10.48047/AFJBS.6. Si4.2024.5884-5899.
- अहमद, एस., और सिंह, ए. के., "जेंडर जस्टीस थ्रू यूनिफॉर्म सिविल कोडः ए क्रिटिकल एनॉलिसिस", जर्नल ऑफ़ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ मुंबई, खंड 98, संख्या 2, सितंबर 2024, आईएसएसएनः 0972–0766।
- अहमद, एस., और सिंह, एस., "एआई–जेनरेटेड क्राइम्सः ए क्रिटिकल एनॉलिसिस ऑफ लॉ इन इंडिया", इंडियन जर्नल ऑफ़ लॉ एंड लीगल रिसर्च, खंड VI, संख्या V, 2024, आईएसएसएनः 2582–8878।
- अहमद, एस., और उपाध्याय, एस., "वुमेन'स हेल्थ अंडर एसडीजी 5ः आ नेग्लेक्टेड डिस्कोर्स", फ्रंटियर्स इन लॉ, खंड 3, पृष्ठ 45–60, 2024, आईएसएसएनः 2817–2302।
- अहमद, एस., और उपाध्याय, एस., "जेंडर एण्ड वाय्लेन्स इन इंडियाः एन एनॉलिसिस फ्रॉम ए फेमिनिस्ट पर्स्पेक्टिव", सीपीजे लॉ जर्नल, खंड XVII, जनवरी 2025, आईएसएसएनः 0976–3562।

- अहमद, ए., और कुमार, एन., "प्रोटेक्शन ऑफ जियोग्रॉफिकल इंडिकेशन्स इन उत्तर प्रदेश", इंडियन जर्नल ऑफ़ लॉ एंड लीगल रिसर्च, खंड VI, संख्या II, पृष्ठ 445–455, अप्रैल 2024, आईएसएसएनः 2582–8878।
- पुवेक सिंह चौहान और अनीस अहमद, "भारत में हाथ से मैला ढोने की प्रथा और सामाजिक न्यायः एक विधि विश्लेषण", अंक 52, पृष्ठ 120, अप्रैल–जून 2024, आईएसएसएनः 2322–0724।
- अहमद, ए., और चंद्र, एस., "कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 2019: ए क्रिटिकल लीगल स्टडी", कानून और समाजः एक नई चुनौती, खंड II, संख्या 2, जुलाई–दिसंबर 2024, आईएसएसएनः 2348–4861।
- अहमद, ए., और कुमार, एन., ''ए क्रिटिकल एनॉलिसिस ऑफ द रेग्युलेटरी फ्रेमवर्क रिलेटिंग टू साइबर स्क्वेटिंग इन इंडिया", प्रयागराज लॉ रिव्यू, खंड 2, संख्या 2, पृष्ठ 1–26, नवंबर 2024, आईएसएसएनः 2583–5432।
- अहमद, ए., और फातिमा, एम., "जूडीशियल पाथवे टू यूनिफॉर्मिटीः इंटर्प्रेटिंग इंडिया'स यूनिफॉर्म सिविल कोड फिलॉसफी", इंडियन जर्नल ऑफ लॉ एंड लीगल रिसर्च, खंड VI, संख्या V, पृष्ठ 2679–2697, नवंबर 2024, आईएसएसएनः 2582–8878।
- कुमार, पी., "आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन जस्टीस डेलिवरी मेकेनिज्मः रिस्क एण्ड रिवॉर्ड्स", कानून और समाजः एक नई चुनौती, खंड II, संख्या 2, जुलाई–दिसंबर 2024, आईएसएसएनः 2348–4861।
- कुमार, पी., "द राइट टू प्राइवेसी इन द कंटेंपोररी वर्ल्ड ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स", इंडियन जर्नल ऑफ लॉ एंड लीगल रिसर्च, खंड VI, संख्या IV, 2024, आईएसएसएनः 2582–8878।
- कुमार, पी., "जूडीशियल एक्टिविज्मः ए कॉन्स्टिट्यूशनल नेसेसिटी", इंडियन जर्नल ऑफ लॉ एंड लीगल रिसर्च, खंड VII, संख्या II, जनवरी–जून 2024, आईएसएसएनः 2582–8878।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तक

- आचार्य संजीव कुमार चड्ढा, पहले लेखक, (2024.) "इंटेलेक्चुयल प्रॉपर्टी राइट्स, प्रोटेक्टिंग क्रिएटिविटी एण्ड इनोवेशन" नेशनल प्रेस एसोसिएट्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन 978–93–48843–78–4, पेज 1–224।
- सिंह, दिनेश और अहमद, सूफिया, ''डीएनए प्रोफाइलिंग एज साइंटिफिक मेथड ऑफ इन्वेस्टिगेशन इन इंडिया'', आईएसएसएनः 9783659809729, लैप लैम्बर्ट इंटरनेशनल, 2024।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व में कोई अन्य प्रकाशन

- गोंड, मोहन कुमार और अहमद सूफिया, ''सरोगसीः: ए सोसियो–कल्चरल एण्ड लीगल पर्स्पेक्टिव इन इंडिया, इन सरोगसी अरेंजमेंटः ए सोसियो–लीगल स्टडी इन लखनऊ'', प्रशांत त्रिपाठी द्वारा संपादित, आईएसएसएनः 978–93–94049–10–9 आर्यन पब्लिकेशन, दिल्ली नेशनल 2024।
- सुवेक सिंह चौहान और अनीस अहमद, ''इन्वाइरन्मेंटल जस्टीस वाया नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल इन इंडिया इन इन्वाइरन्मेंटल जस्टीस एण्ड क्लाइमेट चेंज डॉ. बालेश्वर प्रसाद'', सुधाकर शुक्ला और कुलदीप मिश्रा (2024) आईएसबीएनः 978–93–48059–61–1 भारती पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, पेज नंबर 30–42।
- वहल अहमद, निक्की कुमार, भारत में बाल संरक्षण, बाल कल्याण और न्यायिक प्रतिक्रियारू एक विश्लेषण बाल अधिकार सामाजिक विधिक विमर्श, रमेश कुमार प्रजापति, रमेश कुमार भारती, अंजलिका 2024 आईएसबीएनः 978–93–340–7328–7, फिएट जस्टिटिया फाउंडेशन, प्रयागराज, यूपी पेज नंबर 01–10।

- डॉ. प्रदीप कुमार "फिलॉसफी ऑफ रिलिजन अंडर इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन, रिसर्च इन इंडिया" खंड–XI, सितंबर, 2024, रमणशील प्रकाशन, आईएसबीएनः 978–93–92310–95–9।
- डॉ. प्रदीप कुमार "भारत में बाल श्रमिकों की समस्याः कोविड महामारी के समय में मानवाधिकार का हनन बाल अधिकार (सामाजिक विधिक विमर्श)" फिएट जस्टिसिया फाउंडेशन, प्रयागराज, आईएसबीएनः 978–93–92310–95–9।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

- आचार्य संजीव कुमार चड्ढा ने ''कैदियों के मानवाधिकारः मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाए'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में ''सलाखों के पीछे लेकिन अधिकारों से परे नहीं: कैदियों के कानूनी और मानवाधिकारों का एक अध्ययन'' विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया, जिसका आयोजन विधि विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा किया गया था। यह 03 फरवरी 2025 को आयोजित हुआ था।

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला

- डॉ. सूफिया अहमद ने 9 नवंबर 2024 को विधि संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार नए आपराधिक कानूनों: आवश्यकता, फोकस और भविष्य में 'भारत में नए आपराधिक कानूनः एक आलोचनात्मक विश्लेषण' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. सूफिया अहमद ने 3 फरवरी, 2025 को विधि विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित कैदियों के मानवाधिकारों: मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ पर राष्ट्रीय सेमिनार में ''भारत में कैदी के जीवन, गरिमा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. सूफिया अहमद ने विधि संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय आयोजित द्वारा आपराधिक कानूनों आवश्यकता, फोकस और भविष्य विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में भारत नए आपराधिक कानूनों: एक आलोचनात्मक विश्लेषण'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अनीस अहमद ने 8 और 9 अप्रैल, 2024 को विधि विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार भारत में आपराधिक कानूनों में परिवर्तनः भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली का एक नया युग'' में ''भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली में नए आपराधिक कानूनः कुछ विचार'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अनीस अहमद ने 12 और 13 अप्रैल, 2024 को टीआरसी लॉ कॉलेज सतरिख, बाराबंकी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नेक्सस को समझनारू उभरते कानूनी और नैतिक मुद्दों की खोज और समाधान' में ''आईपीआर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव की खोज'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अनीस अहमद ने 27 अप्रैल, 2024 को विधि संकाय और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "स्वास्थ्य का संगमरू कानूनी और मेडिकल दृष्टिकोण की खोज" में "बौद्धिक संपदा अधिकार और दवाओं तक पहुंचरू सतत विकास एजेंडा 2030 के संदर्भ में फिर से विचार करना" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अनीस अहमद ने 28 अप्रैल, 2024 को विधि संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित क दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "मध्यस्थता और मध्यस्थता चौराहे परः वर्तमान से भविष्य तक" में "पारिवारिक विवादों में मध्यस्थता की भूमिकाः एक कानूनी विश्लेषण" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

- डॉ. अनीस अहमद ने 09 नवंबर, 2024 को गीता इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, गीता ग्लोबल लॉ स्कूल, गीता विश्वविद्यालय, करहंस, जी.टी. रोड पानीपत, हरियाणा द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार "वैश्विक शासन और अंतर्राष्ट्रीय कानून चुनौतियाँ और अवसर" में "अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण शासन और सतत विकासः सतत विकास एजेंडा 2030 के संदर्भ में एक विश्लेषण" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अनीस अहमद ने 26–27 नवंबर, 2024 को विधि विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार "राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का महत्व" में "भारतीय संविधान की प्रस्तावना की मूल भावना पर पुनर्विचार" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. अनीस अहमद ने 3 फरवरी, 2025 को विधि विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार "कैदियों के मानवाधिकारः मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ" में भारत में कैदियों के मानवाधिकारः प्राप्ति का परिप्रेक्ष्य" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

आमंत्रित व्याख्यान

- आचार्य संजीव कुमार चड्ढा ने उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून में 24/10/2024 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "इनो सस्टेन 2.0" में "सतत विकास और नई पर्यावरण नीतियां" विषय वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- डॉ. सूफिया अहमद ने 9 अगस्त 2024 को नरवदेश्वर लॉ कॉलेज में ''महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध (बीएनएस के तहत): आईपीसी और बीएनएस की तुलना'' विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. सूफिया अहमद ने 19 सितंबर 2024 को इंटीग्रल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एफडीपी में ''आईपी कानूनों का विकासः अनुसंधान और शैक्षणिक सृजन का संरक्षण" विषय पर व्याख्यान दिया
- डॉ. सूफिया अहमद ने यूजीसी–एमएमटीटीसी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा हैदराबाद एकेडमी ऑफ मीडिएशन एंड पीस स्टडीज (एचएएमपीएस) 2024 के सहयोग से आयोजित आरटीआई पर 12 दिवसीय यूजीसी–प्रायोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स ''मध्यस्थता, सुलह और आरटीआई'' में "आईपी का कॉपीराइट पहलू" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रदीप कुमार ने 26–27 नवंबर, 2024 को विधि विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का महत्व' में ''संवैधानिक व्याख्या और न्यायिक समीक्षा के लिए मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में प्रस्तावना'' विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रदीप कुमार ने 3 फरवरी, 2025 को विधि विभाग द्वारा एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "कैदियों के मानवाधिकारः मुद्दे, चुनौतियां और संभावनाएं" में ''जमानत नियम है, जेल अपवाद हैः एक ऐसा उदाहरण जो बाध्यकारी नहीं है'' विषय पर व्याख्यान दिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य सुदर्शन वर्मा

- मनीषा गौर ने "सोसियो–इकोनामिक स्टेटस ऑफ वुमेन फार्मर्स इन इंडिया वित स्पेशल रेफरेन्स टू लैंड ओनरशिप ऑफ विमन फार्मर'स इन द डिस्ट्रिक्ट ऑफ लखनऊ" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

- काजल सिंह गौतम ने "फॉरेन्सिक इन्वेस्टिगेशन एण्ड इट्स इंप्लिकेशन्स अंडर न्यू क्रिमिनल लॉः ए सोसियो–लीगल स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू लखनऊ डिस्ट्रिक्ट'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- सागरिका सिंह ने "रिज़र्वेशन टू एससी'एस एण्ड एसटी'एस इन पब्लिक एंप्लाय्मेंट एण्ड द कॉन्सेप्ट ऑफ क्रीमी लेयरः ए सोसियो–लीगल स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू लखनऊ सिटी" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- आयुष वर्मा ने "इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ साइबर क्राइम इन इंडिया विथ स्पेशल रेफरेन्स टू डिजिटल अरेस्टः ए सोसियो–लीगल स्टडी इन लखनऊ डिस्ट्रिक्ट" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- उदित मिश्रा ने बिना शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- राजन ने बिना शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

आचार्य संजीव कुमार चड्ढा

- अमित कुमार सिंह ने "राइज़ ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एण्ड प्रोटेक्शन ऑफ ह्यूमन राइट्सः लीगल इश्यूस एण्ड चैलेंजस" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- वर्षा सिंह ने ''द क्राइम ऑफ इकोसाइड इन इंडियाः डेवेलपिंग ए लीगल फ्रेमवर्क फॉर एन्वाइरन्मेंटल राइट्स एण्ड पाथवेज टुवर्ड्स एन्वाइरन्मेंटल जस्टीस" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- कमल राजोरा ने "रेग्युलेशन ऑफ साइबर स्पेस विथ स्पेशल रेफरेन्स टू नेट न्यूट्रेलिटी इन इंडिया" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- रवि शंकर सिंह ने "एनहैन्सिंग ईक्वालिटी एण्ड ओवरकमिंग सोशल बैरियर्स, द स्ट्रगल एण्ड प्रॉस्पेक्ट ऑफ एससी/एसटीः चैलेंजस अहेड" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- कुमार शुभम ने बिना शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. सूफिया अहमद

- शोभित राज पांडे ने "एनलाइज़िंग द सोशल–लीगल डाइमेन्शन्स ऑफ इंडस्ट्रियल कार्बन एमिशन्स इन सेंट्रल उत्तर प्रदेशः चैलेंजस, प्रॉस्पेक्ट्स, एण्ड सल्यूशन्स फॉर सस्टेनबल डेवेलपमेंट" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुनिधि सिंह ने "आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्सः कॉन्स्टिट्यूशनल एण्ड लीगल चैलेंजस एण्ड सल्यूशन्स" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. अनीस अहमद

- निक्की कुमार ने "द प्रोटेक्शन ऑफ जियोग्राफिकल इंडिकेशन्सः ए सोसियो–लीगल स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू स्टेट ऑफ उत्तर प्रदेश" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- हिमालय गौंड ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंटः ए सोसियो–लीगल स्टडी ऑफ गोरखपुर सिटी" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- दीवान जौहर खान ने "एनर्जी कन्जर्वेशन इन इंडियाः ए क्रिटिकल स्टडी ऑन लॉ एण्ड पॉलिसी" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- चंद्रकांत पांडे ने "क्लाइमेट चेंज आंड डिज़ास्टर मैनेजमेंट इन इंडियाः ए क्रिटिकल लीगल स्टडी टू अचीव द सस्टेनबल डेवेलपमेंट गोल" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- यवनिका शर्मा ने थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- लोकेश चंद्र रंजन ने थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. प्रदीप कुमार

- बाबा नसीकोर ने "ज्युरिसप्रुडेन्शियल आस्पेक्ट्स ऑफ कस्टमरी लॉ इन 'गैलो' ट्राइब्सः ए सोसियो–लीगल स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू लोवर सियांग डिस्ट्रिक्ट ऑफ अरुणाचल प्रदेश" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- कार्तिकेय बाजपेयी ने "एकाउंटबिलिटी ऑफ एग्ज़िक्युटिव एण्ड ज्युडीशियरी इन क्रिमिनल जस्टीस एड्मिनिस्ट्रेशनः ए ज्युरिसप्रुडेन्शियल स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू वायलेशन ऑफ राइट टू लाइफ एण्ड पर्सनल लिबर्टी एण्ड प्रपोज्ड फ्रेमवर्क" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- अनुष्का श्रीवास्तव ने "इंस्यूरिंग इंक्लूसिव जस्टीस टू ट्रांसजेंडर इन इंडियाः ए सोसियो लीगल स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू डिस्ट्रिक्ट ऑफ लखनऊ'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- हर्ष कुमार ने ''ए सोसियो–लीगल स्टडी ऑफ अंडर रेप्रेज़ेंटेशन ऑफ वुमेन इन इंडियन पॉलिटिक्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- अमित कुमार ने "एक्सप्लोरिंग द एस्कलेटिंग मेनेस ऑफ डीप फेकः इम्पैक्ट्स ऑन प्राइवेसी, डेमोक्रेसी एण्ड नेशनल सिक्योरिटी इन इंडियन पर्स्पेक्टिव" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- हिमांशु जायसवाल ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है, लेकिन थीसिस आवंटित नहीं की गई है।

डॉ. मुजीबुर रहमान

- स्निग्धा श्रीवास्तव ने ''द प्रोटक्शन ऑफ जियोग्राफिकल इंडिकेशन्सः ए सोसियो–लीगल स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू स्टेट ऑफ उत्तर प्रदेश" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- मारिया मोमिन ने ''इंपैक्ट ऑफ डोमेस्टिक वायलेन्स ऑन चिल्ड्रेन'स वेलफेयरः ए सोसियो–लीगल स्टडी ऑफ लखनऊ सिटी'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सोमेश प्रकाश ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है, लेकिन थीसिस आवंटित नहीं की गई है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी डिग्री

डॉ. मुजीबुर रहमान

- राम चंद्र मीना को "वायलेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स इन चाइल्ड केर होमेरू आ सोसियो–लीगल स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू जयपुर डिस्ट्रिक्ट" शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- शुभ्यंका राव को "राइट्स ऑफ एल्डर्ली पर्सन्सः ए स्टडी ऑफ लॉ एण्ड पॉलिसीज इन इंडिया विथ स्पेशल रेफरेन्स टू लखनऊ सिटी" शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. सूफिया अहमद

- सुश्री ऐश्वर्या काम्या सिंह को "जेंडर इनईक्वालिटी अंडर पर्सनल लॉ इन इंडियाः ए सोसियो–लीगल स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू यूनिफॉर्म सिविल कोड" शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

8.3.6 परियोजना/परामर्श/और कोई अन्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	00

2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	00
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	00
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	03
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	03
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	81
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	283
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	छात्रों की कुल संख्या	10
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	00
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	00
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	00
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	12
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	30

स्नातकोत्तर कानूनी अध्ययन केंद्र

विभाग का परिचय

विधि अध्ययन विद्यापीठ के तहत 2013 में स्थापित स्नातकोत्तर कानूनी अध्ययन केंद्र ने यूजीसी के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक साल का एलएलएम डिग्री कार्यक्रम देने के लिए 2013–14 सत्र से काम करना शुरू कर किया। केंद्र 20 छात्रों के साथ शुरू हुआ था, जिसमें ईडब्ल्यूएस आरक्षण भी शामिल था, अभी छात्रों की संख्या 24 है। शिक्षण विधि अध्ययन विद्यापीठ के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ–साथ संसाधन व्यक्तियों और विजिटिंग संकायों द्वारा की जाती है। वर्तमान में स्नातकोत्तर कानूनी अध्ययन केंद्र में दो समूह (1) संवैधानिक कानून और प्रशासनिक कानून और (2) आपराधिक कानून चल रहे हैं। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विश्व स्तरीय शिक्षाविदों, कॉर्पोरेट वकीलों और अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांतों में के परास्नातक को बढ़ावा देना है।

एक साल का एलएलएम कार्यक्रम, जो उन्नत कानूनी शिक्षा पर केन्द्रित है, विशेष ज्ञान और विश्लेषणात्मक कौशल से लैस है, जो छात्रों को कानूनी विशेषज्ञता बढ़ाने, उनकी निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करने, पेशेवर के नेटवर्क का विस्तार करता है, नवाचार और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में सक्षम बनाता है।

एक वर्ष की एलएलएम की डिग्री उन छात्रों को दी जाती है जो कार्यक्रम के दौरान अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रकाशन/प्रस्तुति के मानदंडों को पूरा करते है।

केन्द्र की ताकत

- वरिष्ठ आचार्यों और अनुभवी संकाय के साथ मजबूत शैक्षणिक आधार।
- मानवाधिकार विभाग और विधि विभाग से इनपुट के साथ अंतःविषय शिक्षण–शिक्षण दृष्टिकोण।
- संसाधन व्यक्ति और विजिटिंग संकाय अनुभव को बढ़ाते हैं।
- **छात्रों की उच्च उपलब्धियां:** 11यूजीसी नेट, 2यूजीसी जेआरएफ, 1 पीएच.डी. के लिए चयनित, और 1 बैंक ऑफ बड़ौदा में विधि अधिकारी के रूप में नियुक्त।
- संकाय सदस्य अनुसंधान परियोजनाओं, प्रकाशनों, संपादकीय मंडल, शैक्षणिक समितियों और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आमंत्रित व्याख्यानों में शामिल हैं।

- शुक्रवार कानूनी सेमिनार जैसे सक्रिय छात्र शैक्षणिक जुड़ाव।
- पेशेवर सदस्यता, आईक्यूएसी भागीदारी, शैक्षणिक मंडलों आदि के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ संकाय नेटवर्क।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)



- उभरते कानूनी मुद्दों पर राष्ट्रीय सेमिनार, वेबिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करें।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग और समझौता ज्ञापन को मजबूत करें।
- छात्रों के प्लेसमेंट के अवसरों को बढ़ाएं और कैरियर मार्गदर्शन तंत्र स्थापित करें।
- वित्त पोषित परियोजनाओं, प्रकाशनों और संयुक्त अनुसंधान पहलों के माध्यम से अनुसंधान आउटपुट का विस्तार करें।
- आईसीटी–सक्षम बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करें (अधिक कक्षाएं, स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल संसाधन)।
- कानूनी सहायता और जागरूकता में विस्तार और आउटरीच कार्यक्रम शुरू करें।
- मेंटरशिप और नेटवर्किंग के लिए पूर्व छात्रों के जुड़ाव के प्लेटफॉर्म विकसित करें।
- केंद्र को उन्नत कानूनी अध्ययन और नीति अनुसंधान के लिए एक केंद्र बनाने की दिशा में काम करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास

1.2 पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन



- यूजीसी के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक साल की एलएलएम डिग्री दी जाती है।
- समूहः संवैधानिक और प्रशासनिक कानून, आपराधिक कानून।
- सम्मेलन में प्रकाशन/प्रस्तुति पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा है।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- छात्र विशेषज्ञता समूहों का चयन कर सकते हैं।
- विजिटिंग और अतिथि संकाय शैक्षणिक लचीलापन प्रदान करते हैं

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

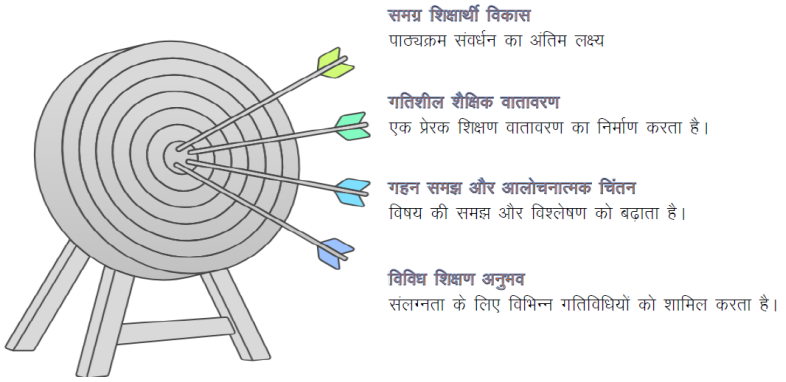

- समकालीन कानूनी मुद्दों पर शुक्रवार को छात्र सेमिनार।
- विशेषज्ञों और अतिथि संकाय द्वारा विशेष व्याख्यान।

1.5 फीडबैक सिस्टम

- अनौपचारिक छात्र प्रतिक्रिया पाठ्यक्रम वितरण में शामिल है।

2 शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- बी.एससी. भूविज्ञानः 203 छात्र
- सीटेंः 24 छात्र (ईडब्लूएस आरक्षण के साथ)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- वरिष्ठ संकाय द्वारा व्यक्तिगत सलाह।
- विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- आईसीटी–सक्षम शिक्षण (लैपटॉप और प्रोजेक्टर)।
- विधि और मानवाधिकार विभाग के समर्थन से अंतःविषय शिक्षण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

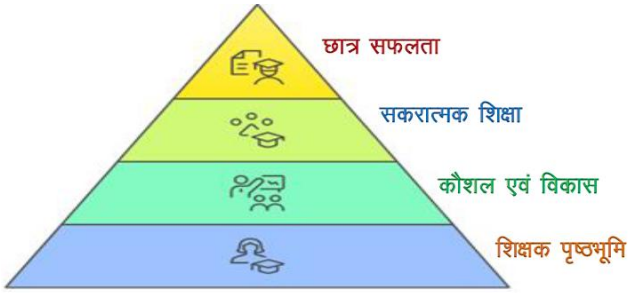

- आचार्य प्रीती मिश्रा (निदेशक, आपराधिक कानून, महिला और कानून, परिवार कानून, मानवाधिकार में विशेषज्ञता)।
- डॉ. राश्वत श्रींखाल (समन्वयक, स्वदेशी अधिकारों में विशेषज्ञता, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून)।
- संसाधन व्यक्तियों से समर्थन।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- डिग्री देने से पहले प्रकाशन/प्रस्तुति जरूरी है।
- छात्र संगोष्ठियों के माध्यम से लगातार आंतरिक मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- 24 एलएलएम छात्रों ने स्नातक किया।
- यूजीसी नेटः 11, जेआरएफः 2, पीएचडी प्रवेशः 1, बैंक ऑफ बड़ौदा में विधि अधिकारीः 1।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- औपचारिक रूप से आयोजित नहीं किया गया है, लेकिन अनौपचारिक प्रतिक्रिया सकारात्मक है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- अनुसंधान परियोजनाः उत्तर प्रदेश में बुजुर्गों के मानवाधिकार (पीआईः डॉ. राश्वत श्रींखाल)।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- रूपये 1.00 लाख यूपीएचआरसी से प्राप्त हुआ है।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- कानूनी अनुसंधान और प्रकाशनों को प्रोत्साहित किया गया।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- संकाय के प्रकाशन यूजीसी केयर–सूचीबद्ध और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं (विले, सेग, आदि) में।
- इग्नू द्वारा स्वीकार किये गये पुस्तक अध्याय।

3.5 परामर्शः

- सशुल्क परामर्श के अवसरों का पता लगाया गया (अभी तक कोई प्रमुख परामर्श नहीं)।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- कानूनी सहायता कार्यक्रमों और मानवाधिकार जागरूकता गतिविधियों में भागीदारी।

3.7 सहयोग

- संकाय का विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग (इग्नू, निरमा, एमिटी, आदि)।
- एमओयू: अभी तक कोई नहीं।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

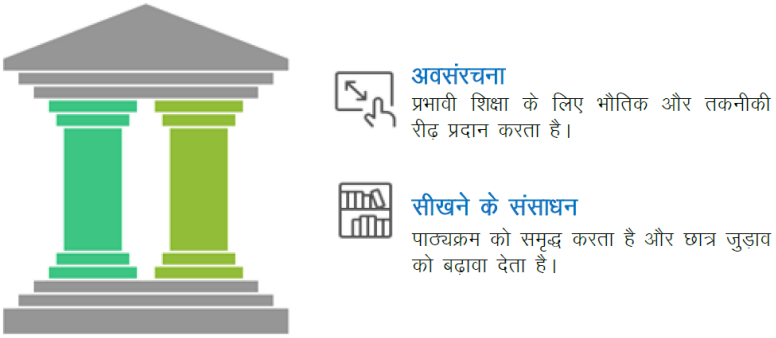

4.2 भौतिक सुविधाएं

- पूरी तरह से वाई–फाई कनेक्टेड भवन।
- एक क्लास रूम, एक संकाय रूम।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- छात्र विश्वविद्यालय की केंद्रीय पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग करते हैं।

4.3 आईटी अवसंरचना

- एक लैपटॉप और प्रोजेक्टर उपलब्ध है।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय कक्षाओं और सुविधाओं के रखरखाव का प्रबंधन करता है।

5. छात्र सहायता और प्रगति

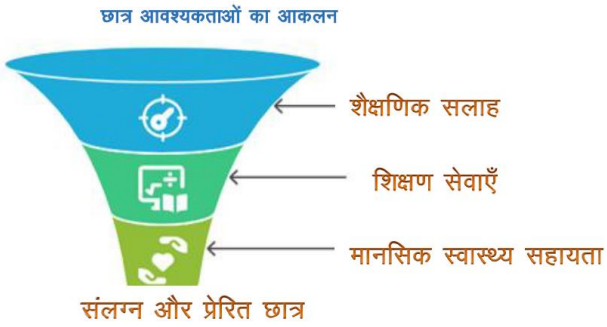

5.1 छात्र सहायता

- महिला प्रकोष्ठ, शिकायत निवारण समिति, रैगिंग रोधी समिति सक्रिय है।

5.2 छात्र प्रगति

- छात्र पीएच.डी., प्रतियोगी परीक्षा और कानूनी पेशे में आगे बढ़ रहे है।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- हर शुक्रवार को छात्रों के नेतृत्व में सेमिनार।
- विश्वविद्यालय स्तर के जागरूकता कार्यक्रमों में भागीदारी।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्रों के साथ अनौपचारिक बातचीत, औपचारिक मंच की योजना बनाई जा रही है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- स्नातकोत्तर कानूनी अध्ययन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए दृष्टि।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- एनईपी 2020 के साथ शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार को संरेखित करने की रणनीति।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय सक्रिय रूप से एफडीपी, संपादकीय मंडलों, अनुसंधान समितियों में भाग लेते है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- यूपीएचआरसी से प्राप्त अनुसंधान परियोजना निधि।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- संकाय सदस्य विधि अध्ययन विद्यापीठ और बाहरी विश्वविद्यालयों के आईक्यूएसी में काम करते हैं।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

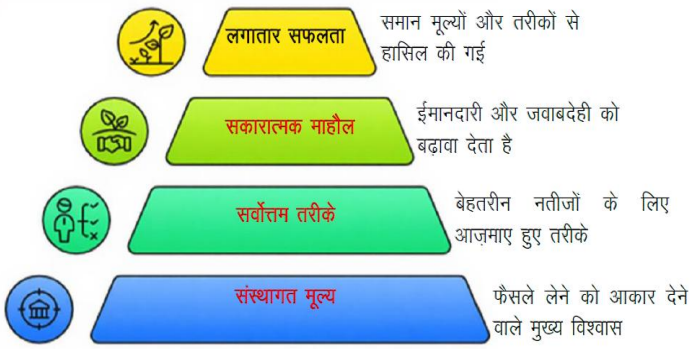

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- मानवाधिकार दिवस, बाल श्रम दिवस और कानूनी सहायता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- एलएलएम डिग्री के लिए अनिवार्य प्रकाशन/प्रस्तुति।
- हर शुक्रवार को छात्रों के लिए नियमित सेमिनार।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- कानून और मानवाधिकार शिक्षण का अनूठा मिश्रण।
- संकाय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बोर्डों और समितियों से जुड़ी हुई है।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.2 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य प्रीती मिश्रा (संकाय मानवाधिकार विभाग)**
  निदेशक, स्नातकोत्तर कानूनी अध्ययन केंद्र
  पूर्व संकायाध्यक्ष, विधि अध्ययन विद्यापीठ

पूर्व विभागाध्यक्ष, मानवाधिकार विभाग
विशेषज्ञताः आपराधिक कानून, महिला और कानून, परिवार कानून, मानवाधिकार कानून।
योग्यताः एमए (इको), एलएलएम, एलएलडी, बीएड, जर्मन में प्रवीणता

- **डॉ. राश्वत श्रींखाल (संकाय मानवाधिकार विभाग)**
  समन्वयक, स्नातकोत्तर कानूनी अध्ययन केंद्र
  विशेषज्ञताः स्वदेशी और जनजातीय अधिकार, कानूनी सिद्धांत, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून।
  योग्यताः एलएलएम (मानवाधिकार), एम.फिल.–पीएचडी (अंतर्राष्ट्रीय कानून)
- संसाधन व्यक्ति– 1
- संसाधन व्यक्ति– 2
- संसाधन व्यक्ति– 3

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य– शून्य

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.2 शोध लेख–

आचार्य प्रीती मिश्रा

- मिश्रा, पी. और शुक्ला, एस., ''द मेनेस ऑफ फेक न्यूज़ इन द राइज़ इन द यूज ऑफ सोशल मीडीया", जर्नल ग्लोबल वैल्यूज़, जर्नल अनु बुक्स, एक इंटरनेशनल पीयर रिव्यू जर्नल, दिल्ली/मेरठ" वॉल्यूम XV, नंबर 1 जनवरी से जून 2024, आर्टिकल नंबर 11, पेज 076–83, आईएसएसएनः 2454–8391, 2025 https://anubooks.com/view?file=3632&session_id=jgv-vol-xv-no1-jan-june-2024. ऑनलाइन यहाँ उपलब्ध है।
- मिश्रा, पी. "क्रिटिकल मेथड एण्ड द क्वेस्चन ऑफ लीगल पर्सनॉलिटीः एक्सप्लोरिंग द सब्जुगेशन ऑफ ह्यूमन्स थ्रू पर्सनहुड", आरएमएलएनएलयू जर्नल वॉल्यूम 16 (2024), पेज 306–324 (पीयर रिव्यू, इंडियन साइटेशन इंडेक्स में इंडेक्स, यूजीसी केयर लिस्टेड), आईएसएसएनः 0975–9549।

डॉ. राश्वत श्रृंखाल

- श्रृंखाल, आर., कुमार, एस., शुक्ला, एस. और सिंह, ए. "रिव्यू ऑफ फ्लड हज़ाड्र्स इन कोसी रिवर–ए वे फॉरवर्ड फॉर डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन", वर्ल्ड वॉटर पॉलिसी, वर्ल्ड वॉटर पॉलिसी, [विली पब्लिकेशन], वॉल्यूम 10(4), पेज नंबर 1270–1291, आईएसएसएनः 2639–541X, इम्पैक्ट फैक्टरः 1.5 (2024) (https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/wwp2.12206)।
- श्रृंखाल, आर. "प्रोटेक्शन ऑफ ट्रेडीशनल नालेज (TK) एण्ड ट्रेडीशनल कल्चरल एक्सप्रेशन्स' (TCEs) ऑफ इंडिजेनस पीपल्सः सम रिफ्लेकशन्स", सम्प्रत्यय आसरा का मल्टी–डिसिप्लिनरी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज़, वॉल्यूम 1(3) विशेष अंक, पेज नंबर 24–33, आईएसएसएनः 3048–5851 (ऑनलाइन) (2024) (https://sampratyaya.com/wp-content/uploads/2024/09/Article-3-Dr.Rashwet -1-Spl-3.pdf).
- श्रृंखाल, आर, "रिविज़िटिंग लोहिया'स विजन ऑफ सोशियलिज़्म एण्ड [हिज़] जस्ट वर्ल्ड ऑर्डर", ईस्टर्न बुक कंपनी आरएमएलएनएलयू लॉ जर्नल, वॉल्यूम 16, पेज नंबर 24–33, आईएसएसएनः 0975–9549 (2025)।

8.3.3 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

आचार्य प्रीती मिश्रा

- ब्लॉक 3 न्याय वितरण इकाई 8 न्यायपालिका और न्याय वितरण प्रणाली की भूमिका, प्रवासन और डायस्पोरा में कला स्नातक, अंतःविषय और ट्रांसडिसिप्लिनरी अध्ययन विद्यापीठ के तहत, इग्नू, कार्यक्रम कोड एमडीआई 010– मानव तस्करी और प्रवासन के लिए कानून, नीतियां और संस्थागत प्रतिक्रिया (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
- ब्लॉक 3 न्याय वितरण इकाई 9 कानूनी सहायता, प्रवासन और डायस्पोरा में कला स्नातक, अंतःविषय और ट्रांसडिसिप्लिनरी अध्ययन विद्यापीठ के तहत, इग्नू, कार्यक्रम कोड एमडीआई 010–मानव तस्करी और प्रवासन के लिए कानून, नीतियां और संस्थागत प्रतिक्रिया (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
- ब्लॉक 3 न्याय वितरण इकाई 10 गवाह संरक्षण तंत्र और पीड़ितों के अधिकार, प्रवासन और डायस्पोरा में कला स्नातक, अंतःविषय और ट्रांसडिसिप्लिनरी अध्ययन विद्यापीठ के तहत, इग्नू, कार्यक्रम कोड एमडीआई 010–मानव तस्करी और प्रवासन के लिए कानून, नीतियां और संस्थागत प्रतिक्रिया (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
- ब्लॉक 3 न्याय वितरण इकाई 11 मानव तस्करी उन्मूलन की प्रक्रिया में स्टेक धारकों की भूमिका, प्रवासन और डायस्पोरा में स्नातक, अंतःविषय और ट्रांसडिसिप्लिनरी अध्ययन विद्यापीठ के तहत, इग्नू, कार्यक्रम कोड एमडीआई 010–मानव तस्करी और प्रवासन के लिए कानून, नीतियां और संस्थागत प्रतिक्रिया (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

आचार्य प्रीती मिश्रा

- 12 जून 2024 को विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस पर मानवाधिकार विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार की अध्यक्षता की, https://arya-tv.com/online-webinar-organized-at-bbau-on-the-occasion-of-world-day-against-child-labor/.
- बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश के विधि अध्ययन एवं शोध विभाग एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली, 23 और 24 अक्टूबर, 2024 के द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला "एनईपी 2020: विधि पाठ्यक्रम" के सह–अध्यक्ष।
- बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता 2025 पर एक दिवसीय कार्यशाला (यूपी विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा वित्त पोषित) के अध्यक्ष, 6 फरवरी 2025 को आईपीआर, कानूनी और नैतिक संबंधित समिति (आर एंड डी सेल), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित।

डॉ. राश्वत श्रृंखाल

- 01.01.2024 से 30.04.2024 तक एनपीटीईएल–एआईसीटीई द्वारा आयोजित "भारत में संविधान कानून और लोक प्रशासन" विषय पर 12–सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रमों में भाग लिया।
- 10 दिसंबर, 2024 को 'मानवाधिकार दिवस' के उपलक्ष्य में "हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयुक्त सचिव, मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित किया गया।
- 13 नवंबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित विषय कानूनी सहायता कार्यक्रम के संयुक्त सचिव।
- 01 अक्टूबर, 2024 को मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय दौरा और बातचीत सत्र कार्यक्रम में "गरिमा के साथ वृद्धावस्था" विषय के संयुक्त सचिव।
- 12 जून, 2024 को स्थायी आयोजन समिति (एसओसी), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के तत्वावधान में मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ द्वारा

आयोजित 'विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस' के उपलक्ष्य में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के संयोजक।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण– शून्य

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण– शून्य

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री – शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –

डॉ. राश्वत श्रृंखाल

- अनुसंधान अनुदान "ह्यूमन राइट्स ऑफ एल्डर्ली पीपुल इन उत्तर प्रदेशः ए क्रिटिकल स्टडी" नामक परियोजना उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग (यूपी एचआरसी) द्वारा प्रायोजित 2024 में 1,00,000.00/– प्रदान किए गए।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः

आचार्य प्रीती मिश्रा

- 8 और 9 अप्रैल 2024 को विधि विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ द्वारा आयोजित "भारत में आपराधिक कानूनों में परिवर्तनःभारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली का एक नया युग" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में संरक्षक।
- 12 जून, 2024 को स्थायी आयोजन समिति (एसओसी), बीबीएयू, लखनऊ के तत्वावधान में, विधि अध्ययन विद्यापीठ के मानवाधिकार विभाग द्वारा आयोजित 'बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस' के उपलक्ष्य में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में संरक्षक।
- 3.8.2024 को मां वैष्णो देवी लॉ कॉलेज द्वारा आयोजित स्वर्गीय डॉ. विजय अग्रवाल मेमोरियल इंटर मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2023 में जज।
- 'मानवाधिकार दिवस' के उपलक्ष्य में "हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में संरक्षक, मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन विद्यापीठ, बीबीएयू, लखनऊ द्वारा 10 दिसंबर, 2024 को आयोजित।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	02
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	03
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	04
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	00
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	00
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	24
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	00
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	छात्रों की कुल संख्या	01
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	02
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	00
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	00
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	01

14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	13
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	01

जीव विज्ञान विद्यापीठ

जीवन विज्ञान विद्यापीठ में जैव प्रौद्योगिकी विभाग और प्राणीशास्त्र विभाग शामिल हैं। जैव प्रौद्योगिकी विभाग सितंबर 2005 से कार्यरत है और स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। प्राणीशास्त्र विभाग ने 2001 से अपना पहला शैक्षणिक सत्र शुरू किया और यह स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। दोनों विभाग आवश्यकतानुसार अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और क्षेत्रीय सुविधाओं से सुसज्जित हैं। विद्यापीठ के छात्र और संकाय सदस्य देश के विभिन्न क्षेत्रों से आते हैं और विशेषज्ञता के विविध क्षेत्रों से संबंधित हैं। चूंकि कार्यक्रम बहुआयामी हैं, विद्यापीठ अपने छात्रों को व्यावसायिक अध्ययन, अच्छे नौकरी के अवसरों के साथ–साथ स्वरोजगार के लिए भी तैयार करता है, जिससे देश के आर्थिक विकास में योगदान होता है। यह दोनों विभागों की पाठ्यक्रम संरचना से स्वतः स्पष्ट है, जिनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी आवश्यक घटक मौजूद हैं, जैसे सीबीसीएस, क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी), मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी), भारतीय ज्ञान प्रणाली आदि। जीवन विज्ञान विद्यापीठ बेहतर शैक्षणिक लचीलेपन के लिए बहु–प्रवेश और बहु–निकास की सुविधा प्रदान करता है और बहु–विषयक शिक्षा तथा छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने वाले शैक्षणिक वातावरण की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

विभाग का परिचय

जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना 2005 में हुई थी। यह जीवन विज्ञान, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, व्यावहारिक अनुसंधान, औद्योगिक आवश्यकताओं और कौशल विकास पर केंद्रित पीजी/पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान के अवसर और उद्योग का अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मजबूतियाँ

- शोध विशेषज्ञता वाले योग्य और अनुभवी संकाय।
- उन्नत उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ।
- बाहरी अनुदान प्राप्त करने वाले अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी और प्रकाशन।
- मार्गदर्शन और कैरियर परामर्श के साथ छात्रों के लिए मजबूत सहायता प्रणाली।
- उद्योगों और अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोग।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

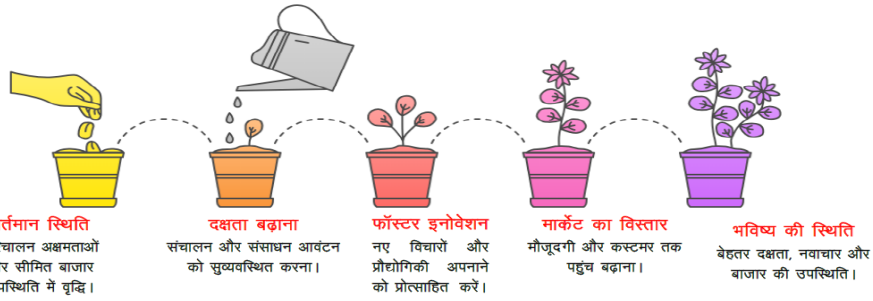

- समय–समय पर जैव प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों को अपडेट करना।
- इंटर्नशिप और परियोजनाओं के लिए उद्योग–शिक्षण संस्थान सहयोग को मजबूत करना।

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आवेदन करना।
- सेमिनार, कार्यशालाएं और कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करना।
- पूर्व छात्रों की भागीदारी और प्लेसमेंट के अवसरों को बढ़ाना।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास

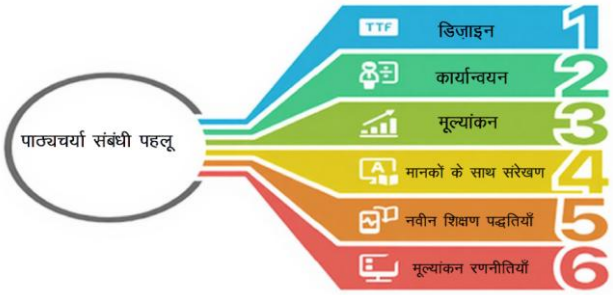

- एनईपी 2020 के अनुसार सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।
- हितधारकों जैसे छात्रों, पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों से सुझाव लिए गए हैं।

1.2 पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन

- शैक्षणिक कैलेंडर तैयार किया गया और उसका पालन किया गया।
- प्रत्येक सेमेस्टर की शुरुआत में शिक्षण योजना और पाठ्यक्रम के परिणाम तय किए गए।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- विकल्प–आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) लागू की गई।
- वैकल्पिक और अंत:विषय पाठ्यक्रम पेश किए गए।
- मूक्स/ऑनलाइन से क्रेडिट प्राप्त करने के विकल्प।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

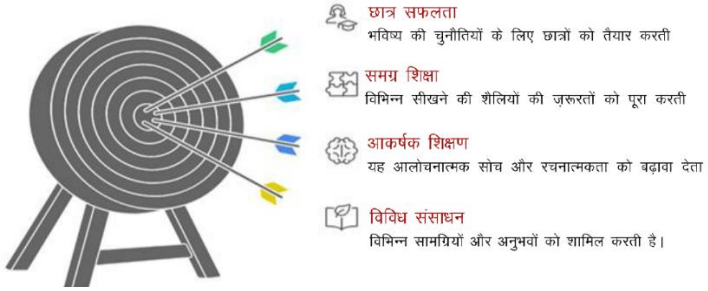

- कई कौशल–आधारित पाठ्यक्रम पेश किए गए

- मूल्य–वर्धित पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र कार्यक्रम शुरू किए गए।
- पाठ्यक्रम में नैतिकता, पर्यावरण और स्थिरता पर विषयों को शामिल किया गया।
- बहु–प्रवेश और बहु–निकास प्रणाली लागू है।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- छात्रों, पूर्व छात्रों और नियोक्ताओं से प्रतिक्रिया एकत्रित किया गया।
- पाठ्यक्रम में सुधार के लिए प्रतिक्रिया का विश्लेषण किया जाता है और उसे शामिल किया जाता है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

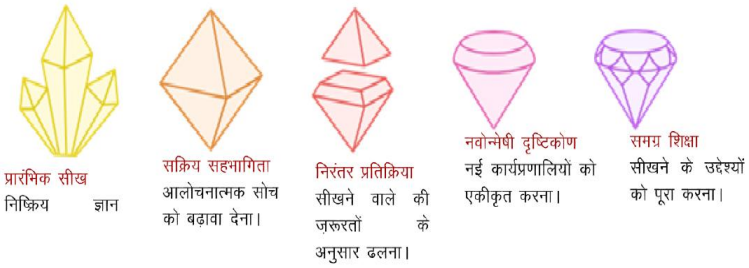

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल

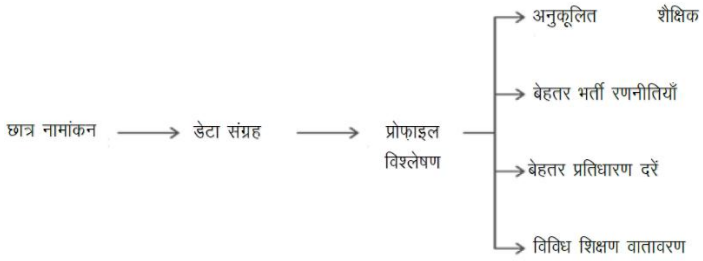

- प्रवेश कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस (सीयूईटी) के माध्यम से।
- अध्यापकों और छात्रों की प्रोफ़ाइल में विविधता (लैंगिक, क्षेत्र, और सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- ब्रिज पाठ्यक्रम, रेमेडियल कक्षाएं, और उन्नत शिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- आईसीटी–सक्षम शिक्षण विधियों का उपयोग।
- परियोजनाओं, क्षेत्र भ्रमण और प्रयोगशाला कार्य के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता



- पीएच.डी. योग्यता और शोध विशेषज्ञता वाले संकाय।
- निरंतर संकाय विकास कार्यक्रमों में भाग लिया।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, प्रस्तुति और प्रयोगशाला के रिकॉर्ड का मूल्यांकन किया गया।
- अंकों और पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रदर्शन के साथ पारदर्शिता बनाए रखी गई।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम

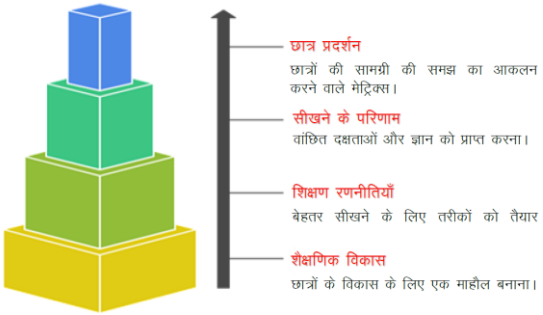

- कार्यक्रम परिणाम (पीओएस) और पाठ्यक्रम परिणाम (सीओएस) परिभाषित और मूल्यांकित किए गए।
- छात्रों ने विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में अच्छे परिणाम प्राप्त किए।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- शिक्षण–अधिगम गुणवत्ता का आकलन करने के लिए नियमित सर्वेक्षण किया जाता है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

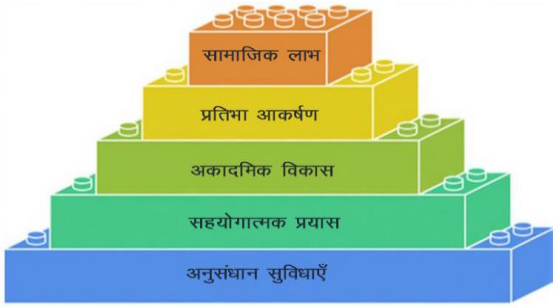

3.1 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- संकाय डीबीटी, डीएसटी, यूजीसी आदि के अंतर्गत अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आवेदन करें।

3.2 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- विभाग इनक्यूबेशन केंद्रों के माध्यम से स्टार्ट–अप और नवाचार को बढ़ावा देता है।

3.3 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- संकाय और छात्र प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशन करते हैं।
- राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी।

3.4 विस्तार गतिविधियाँ

- स्वास्थ्य, पर्यावरण और जैव–सुरक्षा पर जागरूकता जैसे सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम।

3.5 सहयोग

- उद्योगों, संस्थानों और अनुसंधान केंद्रों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

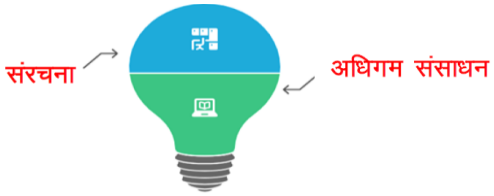

4.1 भौतिक सुविधाएं

- आईसीटी सुविधाओं वाले स्मार्ट कक्ष।
- अच्छी तरह से रखरखाव की गई प्रयोगशालाएं और सेमिनार हॉल।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- ई–संसाधनों और डिजिटल पुस्तकालय तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- हाई–स्पीड इंटरनेट, कंप्यूटर और प्रयोगशाला प्रबंधन प्रणालियाँ।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- प्रयोगशाला के उपकरणों और कक्षा कक्षों का नियमित रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति

5.1 छात्र सहायता



- छात्रवृत्तियाँ, परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

5.2 छात्र प्रगति

- छात्र उच्च शिक्षा और अनुसंधान करते हैं।
- उद्योगों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं में प्लेसमेंट।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- छात्र सेमिनार, बहस, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र मार्गदर्शन, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट प्रदान करते हैं।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विभाग शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता की संस्थागत दृष्टि के साथ जुड़ा हुआ है।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- पाठ्यक्रम, शोध और विस्तार गतिविधियों के लिए रणनीतिक योजनाएँ तैयार की गईं।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- एफडीपी, कार्यशालाओं और शोध प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए संकाय को प्रोत्साहित किया गया।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- कॉलेज और अनुसंधान एजेंसियों से प्राप्त धन का कुशल उपयोग।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली (आईक्यूएस)

- आईक्यूएसी निगरानी के माध्यम से निरंतर सुधार।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- नैतिकता, लैंगिक समानता और स्थिरता पर जागरूकता कार्यक्रम।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- अपनाए गए जैव–अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण–अनुकूल प्रथाएँ।
- विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशालाएँ।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- विभाग अनुसंधान–संचालित शिक्षण और उद्योग सहयोग पर अपने ध्यान के लिए जाना जाता है।

8. संकाय प्रोफ़ाइलः

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य डी. आर. मोदी**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष

जैव प्रौद्योगिकी विभाग
विशेषज्ञताः सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकीः जैव–शोधन
योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.

- **आचार्य संगीता सक्सेना**
  आचार्य, संकायाध्यक्ष
  जैव प्रौद्योगिकी विभाग
  विशेषज्ञताः पादप आणविक जीवविज्ञान, आणविक विषाणु विज्ञान, आरएनए हस्तक्षेप, आणविक मार्कर, पादप एमआईआरएनए द्वारा क्रॉस किंगडम विनियमन।
  योग्यताः एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी., पीडीएफ (स्वीडन)
- **डॉ. सुनील बाबू गोसिपटाला**
  उपाचार्य
  जैव प्रौद्योगिकी विभाग
  विशेषज्ञताः इम्यूनोमॉड्यूलेशन, कैंसर आनुवंशिकी, एमआईआरएनए स्तर पर मेजबान–रोगज़नक़ी की बातचीत, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, नैनोप्रौद्योगिकी
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. मोनिका शर्मा**
  सहायक आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग
  विशेषज्ञताः एंजाइम और सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी, बायोइन्फॉर्मेटिक्स
  योग्यताः एम.एससी. पीएच.डी.
- **डॉ. युसुफ अख्तर**
  सहायक आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग,
  विशेषज्ञताः प्रोटीन संरचनाएं, संरचनात्मक जीवविज्ञान, रोगजनक के खिलाफ दवा की खोज।
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न धारण किये गये विभिन्न पद–

आचार्य दिनेश राज मोदी

- आजीवन सदस्य, एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया।
- आजीवन सदस्य, बायोटेक रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया।
- आजीवन सदस्य, सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स, इंडिया।
- आजीवन सदस्य,एसोसिएशन फॉर द प्रमोशन ऑफ डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड अदर डीएनए टेक्नोलॉजीज (एडीएनएटी)।
- आजीवन सदस्य, इंडियन साइंस कांग्रेस।

आचार्य संगीता सक्सेना

- सदस्य, संस्थागत जैव–सुरक्षा समिति (आईबीएससी) (22–01–2025)।
- सदस्य, संस्थागत विकास योजना (24–06–2024)।
- अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड (जीवन विज्ञान) (03 वर्षों के लिए 2024)।
- संकायाध्यक्ष, एसएलएससी (09.11.2023)।
- अध्यक्ष, एनईपी–2020 के कार्यान्वयन के लिए गठित समिति (08.02.2023)
- बीबीएयू और सीएसजेएमयू के बीच एमओयू के प्रावधानों की जांच के लिए समिति के सदस्य (20. 12.2022)
- सदस्य, प्रबंधन मंडल, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ (19.10.2022)।

- बाहरी विशेषज्ञ, एसआरएमयू, अध्ययन मंडल (08.09.2022)।
- बाहरी विशेषज्ञ, अध्ययन मंडल, इंटीग्रल विश्वविद्यालय(20.08.2022)।
- सदस्य, विश्वविद्यालय की योजना मंडल (27.07.2022)।
- अध्यक्ष, विभागीय अनुसंधान समिति (डीबीटी) (01.02.2022)।
- अध्यक्ष, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल (डीबीटी), (24.11.2021)।
- विभागाध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (08.09.2020)।
- समन्वयक, सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो (08.07.2019)।
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद (2018 से)।

पेशेवर निकायों में सदस्यता

- आजीवन सदस्य, एसोसिएशन फॉर द प्रमोशन ऑफ डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड अदर डीएनए टेक्नोलॉजीज (एडीएनएटी)।
- आजीवन सदस्य, द सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (एसबीसी) भारत।

डॉ. जी. सुनील बाबू

- सदस्य, प्रबंधन मंडल, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, नवंबर 2023 से अब तक।
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, 2021 से अब तक।
- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इरा विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, अनुसंधान एवं विकास समिति; इरा विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य सचिव, संस्थागत आचार समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश– 226025।
- रीडर, जैव रसायन विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी, उत्तर प्रदेश (जनवरी, 2005 से सितंबर 2005)।
- व्याख्याता, जैव रसायन विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी, उत्तर प्रदेश (मई, 2001 से जनवरी 2005)।

पेशेवर निकायों में सदस्यता

- आजीवन सदस्य, भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसायटी।
- आजीवन सदस्य, द सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (एसबीसी) इंडिया।
- आजीवन सदस्य, द साइटोमेट्री सोसायटी ऑफ इंडिया।
- आजीवन सदस्य, एसोसिएशन फॉर द प्रमोशन ऑफ डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड अदर डीएनए टेक्नोलॉजीज (एडीएनएटी)।
- जीवन सदस्य, इंडियन साइंस कांग्रेस।
- सदस्य–इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइटोमेट्री (आईएसएसी–2015)।
- यूरोपियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्शियस डिजीजेज (ईसीसीएमआईडी) 2020 की वार्षिक सदस्यता।

डॉ. मोनिका शर्मा

- आजीवन सदस्य, एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (2005 से)।
- आजीवन सदस्य, ओडब्ल्यूएसडी (डेवलपिंग वर्ल्ड के लिए विज्ञान में महिलाओं का संगठन) (2020)।
- संपादक, विषय 'महिलाएं एक्सट्रीम माइक्रोबायोलॉजी में: 2022' फ्रंटियर्स इन एक्सट्रीम माइक्रोबायोलॉजी, फ्रंटियर्स मीडिया, स्विट्जरलैंड द्वारा प्रकाशित।

- अतिथि सहयोगी संपादक, फ्रंटियर्स मीडिया, स्विट्जरलैंड द्वारा प्रकाशित फ्रंटियर्स इन एक्सट्रीम माइक्रोबायोलॉजी में (2022 से)।
- अतिथि सहयोगी संपादक, फ्रंटियर्स मीडिया, स्विट्जरलैंड द्वारा प्रकाशित फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोटेक्नोलॉजी में (2022 से)।
- समीक्षा संपादक, फ्रंटियर्स मीडिया, स्विट्जरलैंड द्वारा प्रकाशित फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोटेक्नोलॉजी में (2020 से)।

डॉ. यूसुफ अख्तर

- प्रधान संपादक, आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, स्प्रिंगर–नेचर, बर्लिन द्वारा प्रकाशित (2023 से)।
- सह–संपादक, फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, फ्रंटियर्स मीडिया, स्विट्जरलैंड द्वारा प्रकाशित (2021 से)।
- संपादकीय मंडल सदस्य, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, नेचर रिसर्च, यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्रकाशित (2019 से)।
- एसोसिएट एडिटर, फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स (बायोइनफॉर्मेटिक्स एंड कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी), फ्रंटियर्स मीडिया, स्विट्जरलैंड द्वारा प्रकाशित (2018 से)
- सह–संपादक, बीएमसी जेनोमिक्स, बायोमेड सेंट्रल, यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्रकाशित (2018 से)
- सह–संपादक, बीएमसी माइक्रोबायोलॉजी, बायोमेड सेंट्रल, यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्रकाशित (2016 से)
- सदस्य, संपादकीय मंडल, आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित (2016 से)।
- सदस्य, संपादकीय मंडल, कोजेन्ट बायोलॉजी, टेलर एंड फ्रांसिस द्वारा प्रकाशित (2016 से)।
- सदस्य, संपादकीय मंडल, प्रोटीन एंड पेप्टाइड लेटर्स, बेंटहम साइंस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित (2016 से)।
- संपादकीय मंडल में समीक्षा संपादक, फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, फ्रंटियर्स इन मेडिसिन और फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ के (2016 से)।
- आजीवन सदस्य, सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स, इंडिया (2013 से)।
- सदस्य, फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बायोकेमिकल सोसाइटीज (एफईबीएस) (2010– 2012)।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य डी. आर. मोदी

- कौर, एल., और मोदी, डी. आर. (2025), ''द डेवेलपमेंट ऑफ आन एसिटिक एसिड–डिग्रेडिंग माइक्रोबियल स्ट्रेन दैट टॉलरेट्स 4–क्लोरो–2–मिथाइलफेनोक्सीएसिटिक एसिड एण्ड 2, 4–डाइक्लोरोफेनोक्सीएसिटिक एसिड'', फोलिया माइक्रोबायोलॉजिकल, 1–11।
- ''बायोडेग्रेडेशन ऑफ फेनोक्सीएसिटिक एसिड हर्बिसाइड्स (MCPA एण्ड 2, 4–डी) बाइः इनसाइट्स फ्रॉम एचपीएलसी डिटेक्शन एस्चेरिचिया कोलाई'', इंडियन जर्नल ऑफ इकोलॉजी, 52(4), 755–762।
- कौर, एल., भट्टी, एस. और मोदी, डी.आर, ''डेग्रेडेशन ऑफ फेनोक्सीअल्केनोइक एसिड हर्बिसाइड्स बाइ आइसोलेटेड बैक्टीरियल स्ट्रेन LKDC4 स्यूडोमोनास एरुगिनोसा'', बायोडिग्रेडेशन 36, 92 (2025)। https://doi.org/10.1007/s10532-025-10189-3, कौर, एल., और मोदी, डी. आर. (2025)।

- शुभांगी चतुर्वेदी, पूजा, शिवांगी सिंह, त्रिदेव कटियार और दिनेश राज मोदी ''एक्सप्लोरिंग द जेनेटिक एसोसिएशन ऑफ KCNJ11 पॉलीमॉर्फिज्म एण्ड एएमपी; टाइप 2 डाइयबिटीज ससेप्टिबिलिटी (ए केस–कंट्रोल अप्रोच)'', एप्लाइड बायोलॉजिकल रिसर्च (2025)।
- चतुर्वेदी एस, सिंह एस, सिंह एस, कटियार टी, मोदी आर.डी., ''एसोसिएशन स्टडी ऑफ KCNJ11 एण्ड PPARG जेनेटिक वेरियंट्स एज पोटेन्शियल बायोमार्कर फॉर इंप्रूव्ड ट्रीटमेंट आउट्कम्स इन टाइप 2 डाइयबिटीज मेलिटस'', रिसर्च जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, 2025 फरवरी।
- सिंह एस, चतुर्वेदी एस, पूजा, मोदी डी.आर, सिंह एस, सक्सेना एम, कटियार टी., ''एसोसिएशन ऑफ इंटेलेक्टिन जीन पॉलीमॉर्फिज्म विथ टाइप 2 डायबिटीज रिस्क इन द नॉर्थ इंडियन पॉप्युलेशन'', जे क्लिन बायोमेड साइंस 2025;15(1):28–37. https://doi.org/10.58739/jcbs/v15i1.122
- सिंह, शिवांगी; पूजा,; चतुर्वेदी, शुभांगी; कटियार, त्रिदेव[1]; सिंह, शेफाली; मोदी, दिनेश राज, ''एसोसिएशन ऑफ बीएमआई एण्ड इंटरल्यूकिन जीन पॉलीमॉर्फिज्म विथ लाइफस्टाइल रिस्क फैक्टर्स इन डायबिटीज मेलिटस'' एमजीएम जर्नल ऑफ मेडिकल साइन्सेस 12(1): पेज 95–103, जनवरी–मार्च 2025, DOI: 10.4103/mgmj.mgmj_328_24
- पूजा, शिवांगी सिंह, शुभांगी चतुर्वेदी, शेफाली सिंह और दिनेश राज मोदी, ''इंटर रीलेशन ऑफ TCF7L2 जीन पॉलीमॉर्फिज्म विथ टाइप2 डाइयबिटीस पेशेंट्स ऑफ नॉर्थ इंडियन पॉप्युलेशन'' बायोकेमिकल एंड सेलुलर आर्काइव्स 0972–5075(2025)।
- कौर, एल., मोदी, डी. आर., 2025, ''एनहैन्स्ड बायोडिग्रेडेशन ऑफ फेनोक्सीएसिटिक हर्बिसाइड्स 2,4–डी एण्ड 4–क्लोरो–2–मिथाइलफेनोक्सीएसिटिक एसिड बाइ बैक्टीरियल स्ट्रेन्स अंडर वेरियबल एन्वाइरन्मेंटल कंडीशन्स'', जे. एप्लाइड साइंस इनोव. टेक्नोलॉजी 4 (1), 30–36।
- कौर, एल., भट्टी, एस. और मोदी, डी.आर., ''डेग्रडेशन ऑफ फेनोक्सीअल्केनोइक एसिड हर्बिसाइड्स बाइ आइसोलेटेड बैक्टीरियल स्ट्रेन LKDC4 स्यूडोमोनास एरुगिनोसा'', बायोडिग्रेडेशन 36, 92 (2025)। https://doi.org/10.1007/s10532-025-10189-3 कौर, एल., और मोदी, डी. आर. (2025)।

आचार्य संगीता सक्सेना

- माधवी सोनाने, संगीता सक्सेना (2025) ''एंटीऑक्सीडेंट एण्ड न्यूरोप्रोटेक्टिव एक्टिविटी ऑफ व्हीट माइक्रोग्रीन एक्सट्रैक्ट्स अगेन्स्ट रोटेनोन इंड्यूस्ड न्यूरोटॉक्सिसिटी इन केनोरहैब्डाइटिस एलिगेंस'', जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड बायोमेडिकल साइंसेज।
- प्रियंका, विपिन हल्लन, यूसुफ अख्तर, संगीता सक्सेना (2025) ''टॉपिकल अप्लिकेशन ऑफ कन्जर्व्ड dsRNA कन्फर्स सस्टेनबल ब्रॉड–स्पेक्ट्रम रेज़िस्टेन्स अगेन्स्ट लीफ कर्ल डिसीज़ कॉज़िंग बेगोमोवायरस इन क्रॉप्स'', फिजियोलॉजिकल एंड मॉलिक्यूलर प्लांट पैथोलॉजी ऑनलाइन आईएसएसएनः 1096–1178 (लिंक)।
- अनमता रिजवी, शैलेंद्र कुमार, जीएनवी सत्यनारायण, नसरीन गाजी अंसारी, संगीता सक्सेना (2025), एवॉल्यूयेशन ऑफ ग्रोयिंग कंडीशन्स, ऑर्गेनोलेप्टिक प्रॉपर्टीज, एंटीमाइक्रोबियल एक्टिविटीज एण्ड बायोकेमिकल कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ थ्री क्यूलिनरी माइक्रोग्रीन्स'', फूड एंड ह्यूमैनिटी, आईएसएसएनः 2949–8244 (लिंक)।
- शिल्पी यादव, रवि कुमार गुप्ता, शैलेंद्र कुमार, अनमता रिजवी, दिव्या त्यागी, अरुणा सतीश, दिग्विजय वर्मा, आकांक्षा विश्वकर्मा, संगीता सक्सेना (2025) ''लीफ miRNAs ऑफ विथानिया सोम्निफेरा नेगेटिवली रेग्युलेट द एजिंग एसोसिएटेड जीन्स इन सी. एलिगेन्स'', मॉलिक्यूलर न्यूरोबायोलॉजी, आईएसएसएनः 0893–7648 (लिंक)।

- प्रियंका, यूसुफ अख्तर, संगीता सक्सेना (2025) ''एसोसिएशन ऑफ कैथारैंथस येलो मोज़ेक वायरस एण्ड ए नॉवेल टोमैटो लीफ कर्ल लखनऊ बीटासैटेलाइट विथ पपाया लीफ कर्ल डिसीज़ (PvGCM) इन इंडिया'', द माइक्रोब, आईएसएसएनः 2950–1946।
- कृति रूपेंद्र, प्रियंका, अमरेश चंद्र, यूसुफ अख्तर, संगीता सक्सेना (2024) ट्रांसक्रिप्टोम स्केल एनॉलिसिस टू डिकोड द डिफरेन्शियल सुक्रोज एक्क्युम्युलेशन मेकेनिजम्स इन शुगरकेन अंडर द इफेक्ट ऑफ जिबरेलिन (ई14290, वॉल. 176) 2024 फिजियोलोजिया प्लांटारम ऑनलाइन, आईएसएसएनः 1399–3054।
- प्रियंका, अनस हुसैन, मोहम्मद तनवीर, मोनिका शर्मा, संगीता सक्सेना (2024), ''डिज़ाइनिंग ऑफ एन इनोवेटिव मल्टिपलेक्स मॉडल टू कंट्रोल इन्सेक्ट्स/पेस्ट्स (व्हाइट फ्लाई) इन ओक्रा क्रॉप फील्ड्स एण्ड असेसमेंट फॉर इट्स एफिकेसी इन कंट्रोल वायरल डिसीज़ेस'', एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी 42(3):1036–1043।
- अनमता रिज़वी, शैलेंद्र कुमार, मोनिका शर्मा, संगीता सक्सेना (2024), ''फंक्शनल एण्ड एंटीऑक्सीडेंट पोटेन्शियल ऑफ बीटरूट, मस्टर्ड एण्ड रैडिश माइक्रोग्रीन्स यूज़िंग स्पेक्ट्रॉस्कोपिक टेक्नीक्स'', एग्रीकल्चर (पोल्नोहोस्पोडार्स्टवो), आईएसएसएनः 0551–3677।
- ज्योति वर्मा, चित्रंजन कुमार, मोनिका शर्मा, संगीता सक्सेना (2024) ''बायोटेक्नोलॉजिकल एड्वान्सेस इन माइक्रोबियल सिंथेसिस ऑफ गोल्ड नैनोपार्टिकल्सः ऑप्टिमिजेशन एण्ड अप्लिकेशन्स'', 3 बायोटेक, आईएसएसएनः 2190–5738।
- प्रियंका, प्रियंका वरुण, यूसुफ अख्तर, संगीता सक्सेना (2024) ''मॉलीक्युलर एविडेन्स ऑफ नॉवेल बेगोमोवायरस एण्ड एसोसिएटेड बीटासैटेलाइट कॉम्प्लेक्स लिंक्ड टू पपाया लीफ कर्ल डिसीज़ इन इंडियन प्रॉविन्सेस'', इकोलॉजिकल जेनेटिक्स एंड जीनोमिक्स, आईएसएसएनः 2405–9854।
- माधवी सोनाने, शैलेंद्र कुमार, प्रियंका, अनमता रिज़वी, संगीता सक्सेना (2024) '' वायरस इन्फेक्टेड पपाया प्लांट्स डिफरेन्शियली अफेक्ट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड सर्वाइवल कैनेरहाब्डाइटिस एलिगेंस'',एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी, आईएसएसएनः 0970–0420।
- शैलेंद्र कुमार, अनमता रिज़वी, संगीता सक्सेना (2024) ''फाइलोजेनेटिक एण्ड एवॉल्यूशनरी एनॉलिसिस ऑफ पपाया लीफ कर्ल वायरसेस इन्फेक्टिंग ए डाइवर्स होस्ट रेंजः एन इन–सिलिको अप्रोच'', जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी, आईएसएसएनः 2583–505X
- अनमता रिज़वी, शैलेंद्र कुमार, संगीता सक्सेना (2024) ''फिसिकॉकेमिकल एवॉल्यूयेशन ऑफ माइक्रोग्रीन्स एण्ड मेच्यूर लीव्स ऑफ ओसिमम सैंक्टम यूज़िंग मिड–इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी, स्कैनिंग इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोपी एण्ड एनर्जी डिस्पर्सिव एक्स–रे स्पेक्ट्रोस्कोपी'', जर्नल ऑफ़ एप्लाइड साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी, आईएसएसएनः 2583–505X
- प्रियंका, यूसुफ अख्तर, संगीता सक्सेना (2024) ''फर्स्ट रिपोर्ट ऑफ टोमैटो लीफ कर्ल केरला वायरस इन्फेक्टिंग पपाया इन इंडिया'', न्यू डिजीज रिपोर्ट ऑनलाइन आईएसएसएनः 2044–0588, प्रिंट आईएसएसएनः 2044–0588।

डॉ. मोनिका शर्मा

- तिवारी, वी.के., विश्वकर्मा, ए., वर्मा, डी., शर्मा, एम.' (2025) ''माइक्रोबियल डाइवर्सिटी एनॉलिसिस ऑफ म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट लैंडफिल्स स्वायल्स ऑफ दिल्ली (एनसीआर) एण्ड प्लास्टिक डंप साइट्स ऑफ उत्तर प्रदेश रीजन ऑफ इंडिया एण्ड देयर फंक्शन प्रिडिक्शन फॉर प्लास्टिक डिग्रेडिंग एन्ज़ाइम्स'', वर्ल्ड जे माइक्रोबायोल बायोटेक्नोल 41, 187 https://doi.org/10.1007/s11274-025-04404-9 (इम्पैक्ट फैक्टर–4.2)।
- चौहान, जी., बिष्ट, एन., गौतम, पी., आर्य, एम, कुमारी, ए., वर्मा, डी., शर्मा, एम.' (2025) ''क्लोनिंग एण्ड हेटेरोलॉगस एक्सप्रेशन ऑफ ए नॉवेल थर्मो–एल्कलीस्टेबल GH–10 ज़ाइलेनेज़ (rXyn–GM)

रिट्रीव्ड फ्रॉम तपोवन हॉट–स्प्रिंग स्वायल मेटाजीनोम एण्ड इट्स कैरेक्टरिज़ेशन फॉर काइनेटिक पैरामीटर्स'', इंडियन जे माइक्रोबायोल। https://doi.org/10.1007/s12088-025-01480-1 (इम्पैक्ट फैक्टर–1.6)।

- आर्य एम, चौहान जी, फातिमा टी, कुमारी ए, वर्मा डी, शर्मा, एम.' (2025) ''स्टैटिस्टिकल आप्टिमिज़ेशन ऑफ सेल्युलेज प्रोडक्शन बाइ ए नॉवेल थर्मोफिलिक लिग्नोसेल्युलोलाइटिक बैक्टीरियम जियोबैसिलस स्टीयरोथर्मोफिलस TP–3 फ्रॉम तपोवन हॉट स्प्रिंग इन इंडिया'', जे प्योर एप्लाइड माइक्रोबायोल। 2025; 19(2):1085–1100. doi: 10.22207/JPAM.19.2.11 (इम्पैक्ट फैक्टर–0.7)।
- आशा कुमारी, सुशीला कुमारी, शीतल, सावित्री, मोनिका शर्मा' (2025) ''एक्सप्लोरिंग हाइड्रॉक्सिनिट्राइल लाएज़ एक्टिविटी इन सीड सोर्सस एण्ड कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ ए नॉवेल हाइड्रॉक्सिनिट्राइल लाएज फ्रॉम पाइरस कम्युनिस (पेयर)'', साउथ अफ्रीकन जर्नल ऑफ बॉटनी, 181, 14–23। DOI: https://doi.org/10.1016/j.sajb.2025.03.061 (इम्पैक्ट फैक्टर–2.7)।
- अनमता रिज़वी, शैलेंद्र कुमार, मोनिका शर्मा, संगीता सक्सेना (2024), ''फंक्शनल एण्ड एंटीऑक्सीडेंट पोटेन्शियल ऑफ बीटरूट, मस्टर्ड एण्ड रैडिश माइक्रोग्रीन्स यूज़िंग स्पेक्ट्रॉस्कोपिक टेक्नीक्स'', एग्रीकल्चर (पोल्नोहोस्पोडार्स्टवो), 70, 2024 (2): 53–71, DOI: https://doi.org/10.2478/agri-2024-0005 (इम्पैक्ट फैक्टर–1.06)।
- ज्योति वर्मा, चित्रंजन कुमार, मोनिका शर्मा, संगीता सक्सेना (2024) ''बायोटेक्नोलॉजिकल एड्वान्सेस इन माइक्रोबियल सिंथेसिस ऑफ गोल्ड नैनोपार्टिकल्सः ऑप्टिमिजेशन एण्ड अप्लिकेशन्स'', 3 बायोटेक 14:263, आर्टिकल DOI: https://doi.org/10.1007/s13205-024-04110-7 (इम्पैक्ट फैक्टर 3.13)।
- प्रियंका, अनस हुसैन, मोहम्मद तनवीर, मोनिका शर्मा, संगीता सक्सेना (2024), ''डिज़ाइनिंग ऑफ एन इनोवेटिव मल्टिपलेक्स मॉडल टू कंट्रोल इन्सेक्ट्स/पेस्ट्स (व्हाइट फ्लाई) इन ओक्रा क्रॉप फील्ड्स एण्ड असेसमेंट फॉर इट्स एफिकेसी इन कंट्रोल वायरल डिसीज़ेस'', एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी 42(3):1036–1043, जुलाई–सितंबर 2024 आर्टिकल DOI: https://doi.org/10.60151/envec/YLIH9640
- आशा कुमारी, यश वर्धन शुक्ला, गरिमा चौहान, मेघना आर्य, मोनिका शर्मा'(2024) ''बायोप्रोस्पेक्टिंग ऑफ ऑर्नामेंटल एण्ड वीड प्लांट्स फॉर हाइड्रोक्सिनिट्राइल लाइज़ एक्टिविटी एण्ड कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ नॉवेल हाइड्रोक्सिनिट्राइल लाइज़ (HNLs) ऑफ यूफोरबिया मिली एण्ड कैस्केबेलाथेटिया'', वेजिटोस। https://doi.org/10.1007/s42535-024-00949-6 (इम्पैक्ट फैक्टर 1.53)।

डॉ. यूसुफ अख्तर

- गौरी शंकर, यूसुफ अख्तर*, ''आइडेंटिफिकेशन ऑफ IrtAB इनहिबिटर एज नॉवेल थेरप्यूटिक एजेंट्स अगेन्स्ट ड्रग– रेसिस्टेंट माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस'', कंप्यूट बायोल केम। 119:108542. DOI: 10.1016/j.compbiolchem.2025.108542, जून 2025।
- प्रियंका, विपिन हल्लन, यूसुफ अख्तर, संगीता सक्सेना (2025) ''टॉपिकल अप्लिकेशन ऑफ कन्जर्व्ड dsRNA कन्फर्स सस्टेनबल ब्रॉड–स्पेक्ट्रम रेज़िस्टेन्स अगेन्स्ट लीफ कर्ल डिसीज़ कॉज़िंग बेगोमोवायरस इन क्रॉप्स'', फिजियोलॉजिकल एंड मॉलिक्यूलर प्लांट पैथोलॉजी ऑनलाइन 139: 10276, DOI: 10.1016/j.pmpp.2025.102766, सितंबर 2025।
- गौरी शंकर, यूसुफ अख्तर*, ''कंपरेटिव मॉलीक्युलर डाइनेमिक्स रिवील द कन्फर्मेशनल डाइनमिक्स ऑफ द IrtAB-cMBT कॉम्प्लेक्स इन माइकोबैक्टीरियल आयरन अपटेक'', आर्क बायोकेम बायोफिज़िक्स, 770:110477, DOI: 10.1016/j.abb.2025.110477, अगस्त 2025।

- एन के श्रीवास्तव, पी वर्मा, जी सिंह, जे सिंह, ए कुमार, एस यादव, एबी सोनकर, एमएन अंसारी, एस ए सईदन, यूसुफ अख्तर, ए एस एल्डोसरी, जी कैथवास, ''ऑप्टिमाइज़िंग siRNA थेराप्यूटिक्स टार्गेटिंग HIF–1α: कंप्युटेशनल डिज़ाइन, स्क्रीनिंग, एण्ड मॉलीक्युलर डाइनमिक्स सिम्युलेशन स्टडीज'', मोल फार्म, 2025 जून 2;22(6):3179–3188. DOI: 10.1021/acs.molpharmaceut.5c00104, जून 2025।
- दिव्या शर्मा, रज़ाक हुसैन, मुश्ताक अहमद, यूसुफ अख्तर*, ''डीकोडिंग द इंट्रिकेट वेब ऑफ ट्राइकोडर्मा सेकेंडरी मेटाबोलाइट बायोसिंथेसिस रिपर्टरी'', एन्वाइरन्मेंटल सस्टेनबिलिटी, DOI: 10.1007/s42398-025-00356-w, मई 2025।
- सज्जादुल कादिर अकंद, अरीबा रहमान, मोहम्मद मसूद, शम्स तबरेज़, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद ज़ेड. अहमद, यूसुफ अख्तर, मोहम्मद महफूजुल हक, अब्दुर रुब, ''has-miR-330-5p रेग्युलेट्स सेरीन पामिटॉयलट्रांसफरेज़ लॉन्ग चेन बेस सबयूनिट 1 एण्ड आगमेंट्स होस्ट प्रोटेक्टिव इम्यून रेस्पॉन्स अगेन्स्ट लेशमैनिया डोनोवानी इन्फेक्शन'', आर्काइव्स ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजी, DOI: 10.1007/s00203-025-04325-z, अप्रैल 2025।
- ए सेनगुप्ता, डी दास, ए देबनाथ, यूसुफ अख्तर*, ए कुमार, ''एडाप्टिंग टू सेलिनिटी: स्ट्रक्चरल डाइनेमिक्स ऑफ द डीएनए पॉलीमरेज III बीटा सबयूनिट इन सैलिनीबैक्टर रूबर एक्सट्रीमोफाइल्स'', DOI: 10.1007/s00792-025-01384-4, मार्च 2025।
- टी फारूकी, एन अख्तर, एफ शौकत, एमजे डार, यूसुफ अख्तर*, ''आइडेंटिफिकेशन एण्ड एवॉल्यूयेशन ऑफ IGF1R एण्ड इट्स एसोसीयेटेड प्रोटीन्स एज टार्गेट्स एण्ड डिज़ाइन ऑफ नॉवेल इन्हाइबिटर्स फॉर कैन्सर थेरेपी'', जर्नल ऑफ़ सेलुलर बायोकेमिस्ट्री, DOI: 10.1002/jcb.70008, मार्च 2025।
- सुभाष कुमार यादव, मनीषा मेहरा, हर्ष राज मिश्रा, और यूसुफ अख्तर*, इंटर्प्रेटिंग द कोविड–19 इन्फेक्शन डेटा ऑफ इंडियन प्रॉविन्सेस फॉर अल्फा, डेल्टा, एण्ड ओमिक्रॉन वेरियंट्स यूज़िंग एरिमा एण्ड मशीन लर्निंग'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोमैथमैटिक्स, DOI: 10.1142/S1793524525500135, फरवरी 2025।
- कुमार, आर., सिंह, जी., यूसुफ अख्तर, कैथवास, जी., अग्रवाल, ए.के., सिंह, एस, ''स्ट्रक्चरल डाइनेमिक्स ऑफ OATP1A2 इन मीडियेटिंग पैक्लिटैक्सेल ट्रांसपोर्ट मेकेनिज्म इन ब्रेस्ट कैन्सर'', नैनोथेरानोस्टिक्स, 9(1), 52–62, DOI: 10.7150/ntno.103095, फरवरी 2025।
- प्रियंका, यूसुफ अख्तर, संगीता सक्सेना (2025) ''एसोसिएशन ऑफ कैथारैंथस येलो मोज़ेक वायरस एण्ड ए नॉवेल टोमैटो लीफ कर्ल लखनऊ बीटासैटेलाइट विथ पपाया लीफ कर्ल डिसीज़ (PvGCM) इन इंडिया'', द माइक्रोब, 6, 100256 DOI: 10.1016/j.microb.2025.100256 आईएसएसएन: 2950–1946, मार्च 2025।
- पांडे एआर, कुमार ए, श्रीवास्तव एनके, सिंह जे, यादव एस, सोनकर एबी, कुमार डी, कुमार आर, सैदान एएस, अंसारी एमएन, अल्डोसरी एसए, यूसुफ अख्तर, कैथवास जी., ''एडवान्सिंग siRNA थेरप्यूटिक्स टार्गेटिंग MCT-4: आ मल्टिफेसेटेड अप्रोच इंटीग्रेटिंग अर्थमेटिकल डिज़ाइनिंग, स्क्रीनिंग, एण्ड मॉलीक्युलर डाइनेमिक्स वैलिडेशन'', इंट इम्यूनोफार्माकोल। DOI: 10.1016/j.intimp.2024.113980, फरवरी 2025।
- जी सिंह, यूसुफ अख्तर*, ''फ्रॉम एन्सेस्टर टू पैथोजेन: एक्सपॅन्षन एण्ड एवॉल्यूशनरी एडाप्टेशन्स ऑफ मल्टीड्रग रेज़िस्टेन्स कॉज़िंग MFS एफ्लक्स पंप्स इन माइकोबैक्टीरिया'', जीन, DOI: 10.1016/j.gene.2024.149160, फरवरी 2025।
- ए श्रीवास्तव, यूसुफ अख्तर, डी वर्मा, ''ए स्टेप–बाइ–स्टेप प्रोसीजर फॉर एनलाइज़िंग द 16S rRNA बेस्ड माइक्रोबायोम डाइवर्सिटी यूज़िंग PICRUSt2 एण्ड कम्प्रेहेन्सिव QIIME 2 इलस्ट्रेशन

फॉर फंक्शनल प्रिडिक्शन'', आर्क माइक्रोबायोल, DOI: 10.1007/s00203-024-04177-z, नवंबर 2024।

- शम्स तबरेज़, ज़ीशान फातिमा, सज्जादुल, सज्जादुल कादिर अकंद, अरीबा रहमान, सैफ हमीद, सलीम मोहम्मद, यूसुफ अख्तर, ज़ेड अहमद, सुभाष कुमार यादव, यशवंत कुमार, सुरजीत भट्टाचार्जी और अब्दुर रुब, ''लीशमैनिया डोनोवानी मॉड्यूलेट्स मैक्रोफेज लिपिडोम ड्यूरिंग इन्फेक्शन'' पैरासाइट इम्यूनोलॉजी, DOI: 10.1111/pim.13066, अगस्त 2024।
- विनय कुमार, प्रज्ञा आनंद, अंकिता श्रीवास्तव, यूसुफ अख्तर*, और दिग्विजय वर्मा, ''द स्ट्रक्चरल इनसाइट्स ऑफ एल–एस्पाराजिनेज फ्रॉम स्यूडोमोनास एरुगिनोसा CSPS4 एट एलिवेटेड टेंपरेचर्स हाइलाइट इट्स थर्मोफिलिक नेचर'', 3 बायोटेक, DOI:14. 230. 10.1007/s13205-024-04072-w, अक्टूबर 2024।
- प्रियंका, प्रियंका वरुण, यूसुफ अख्तर, संगीता सक्सेना (2024) ''मॉलीक्युलर एविडेन्स ऑफ नॉवेल बेगोमोवायरस एण्ड एसोसिएटेड बीटासैटेलाइट कॉम्प्लेक्स लिंक्ड टू पपाया लीफ कर्ल डिसीज़ इन इंडियन प्रॉविन्सेस'', इकोलॉजिकल जेनेटिक्स एंड जीनोमिक्स, DOI: 10.1016/j.egg.2024.100286, दिसंबर 2024।
- निधि शर्मा, मीनाक्षी गुप्ता, प्रज्ञा आनंद, यूसुफ अख्तर, नौरा अल–दयान, हिंद अब्दुल माजिद, सुब्रजीत विश्वास, शेर अली और मरियम सरवत, ''मेकनिस्टिक इनसाइट इंटो द ऑटोफैजिक एण्ड एपोप्टोटिक एक्टिविटी ऑफ कएम्फेरोल ऑन लिवर कैन्सर सेल्स'', ओनको टार्गेट्स एण्ड थेरेपी, DOI: 10.2147/OTT.S460359, जुलाई 2024।
- गौरी शंकर और यूसुफ अख्तर*, ''स्टीलिंग सर्वाइवलः आयरन एक्वज़िशन स्ट्रैटजीस ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस'', बायोकाइमी, DOI: 10.1016/j.biochi.2024.06.006, दिसंबर 2024।
- शम्स तबरेज, सज्जादुल कादिर अकंद, राहत अली, इरशाद हुसैन नकवी, नेहा सोलेजा, मोहम्मद मोहसिन, मोहम्मद जेड अहमद, सलीम मोहम्मद, यूसुफ अख्तर, सुहेल परवेज, अब्दुर रब, ''लीशमैनिया डोनोवानी मॉड्यूलेट्स होस्ट miRNAs रेग्युलेटिंग कोलेस्टरॉल बायोसिंथेसिस फॉर इट्स सर्वाइवल'', माइक्रोब्स एण्ड इन्फेक्शन, डीओआईः 10.1016/j.micinf.2024.105379, नवंबर–दिसंबर 2024।
- अदनान कौसर, जितेंद्र नारायण, निष्ठा मिश्रा, युसूफ अख्तर, राजीव सिंह, अमनी खलीफा, अमेल बकरी मोहम्मद अल–हाग, रूबा मुस्तफा एलसैद अहमद, नीतू त्यागी, साहिल महफूज, ''स्टडीयिंग ह्यूमन पैथोजेनिक क्रिप्टोकोकस गेट्टि लीनीयेजस बाइ यूटिलाइज़िंग सिंपल सीक्वेन्स रिपीट्स टू क्रियेट डाइयग्नोस्टिक मार्कर्स एण्ड एनलाइज़िंग डाइवर्सिटी'', बायोकेमिकल जेनेटिक्स, DOI:10.1007/s10528-024-10812-7, मई 2024।
- मधुलिका कुशवाहा, धर्म सिंह, यूसुफ अख्तर*, सुभंकर चटर्जी, ''बायोडेग्रेडेशन ऑफ डीईपी, डीआईबीपी एण्ड बीबीपी बाइ ए साइक्रो टालरेंटस स्पिनोबियम यानोकुये स्ट्रेन पी 4: डिग्रेडेशन पोटेन्शियालिटी एण्ड मेकेनिज्म स्टडी'', आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबियालजी, DOI:10.1007/s00203-024-03977-7, मई 2024।
- कृति रूपेंद्र, प्रियंका, अमरेश चंद्र, यूसुफ अख्तर, संगीता सक्सेना (2024) ''ट्रांसक्रिप्टोम स्केल एनॉलिसिस टू डिकोड द डिफरेन्शियल सुक्रोज एक्क्युम्युलेशन मेकेनिजम्स इन शुगरकेन अंडर द इफेक्ट ऑफ जिबरेलिन'', फिजियोलोजिया प्लांटारम, DOI: 10.1111/ppl.14290, मार्च 2024।
- प्रियंका, यूसुफ अख्तर*, संगीता सक्सेना (2024) ''फर्स्ट रिपोर्ट ऑफ टोमैटो लीफ कर्ल केरला वायरस इन्फेक्टिंग पपाया इन इंडिया'', न्यू डिजीज रिपोर्ट ऑनलाइन, DOI:10.1002/ndr2.12257, मार्च 2024।

- इकबाल आजाद, प्रज्ञा आनंद, नसीम अहमद, फिरोज हसन, मोहम्मद फैयाज, यूसुफ अख्तर*, डिटर्मिनेशन ऑफ एंटीकैंसर एक्टिविटी एण्ड मेकेनिज्म ऑफ एक्शन ऑफ बेंज़ोक्ज़ापाइन बेंज़ूक्शज़ेपीनेस (BZOs) डेरिवेटिव्स यूज़िंग मल्टीप्रोजेंड कंप्युटेशनल एण्ड स्ट्रक्चरल अप्रोचेस'', केमिकल फिज़िक्स, DOI: 10.1016/j.chemphys.2024.112243, मई 2024।
- गौरी शंकर और यूसुफ अख्तर*, ''मॉलीक्युलर इनसाइट्स इंटू फेरिक–साइडरोफोर ट्रांसपोर्ट बाइ द प्यूटेटिव TonB–डिपेंडेंट ट्रॉन्सपोर्टर इन माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस'', जर्नल ऑफ बायोमॉलीक्युलर स्ट्रक्चर एण्ड डाइनेमिक्स, DOI:10.1080/07391102.2024.2322639, मार्च 2024।
- सबाहत यासमीन शेख, फिरोज हसन, दीपांजलि शुक्ला, शशि बाला, तबरेज फारुकी, यूसुफ अख्तर, अब्दुल रहमान खान, मलिक नसीबुल्लाह, ''ए रिव्यू ऑन पोटेन्शियल थेरप्यूटिक टार्गेट्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ लीशमैनियासिस'', पैरासाइटोलॉजी इंटरनेशनल, DOI: 10.1016/j.parint.2024.102863, जून 2024।
- सुभाष कुमार यादव, सैफ अली खान, मयंक तिवारी, अरुण कुमार, विनित कुमार, यूसुफ अख्तर*, ''टेकिंग क्यूयेस फ्रॉम मशीन लर्निंग, कंपार्टमेंटल एण्ड टाइम सीरीस मॉडल्स फॉर सार्स–सीओवी–2 ओमिक्रॉन इन्फेक्शन इन इंडियन प्रॉविन्सेस'', स्थानिक और स्थानिक–लौकिक महामारी विज्ञान। DOI: 10.1016/j.sste.2024.100634, फरवरी 2024।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

डॉ. यूसुफ अख्तर

- पुस्तक का शीर्षक ''CAMP रिसेप्टर प्रोटीन्स फ्रॉम माइकोबैक्टीरियाः पोटेन्शियल ड्रग टारगेट अगेन्स्ट ट्यूबर्क्युलोसिस'' डॉ. यूसुफ अख्तर द्वारा लिखित, सारब्रुकन, जर्मनी द्वारा प्रकाशितः एवी एकेडेमिकर वेरलाग जीएमबीएच एंड कंपनी केजी। आईएसबीएन 978–3–639–51177–2।
- पंकज चौधरी, अभय राज, दिग्विजय वर्मा, यूसुफ अख्तर (2020) ''माइक्रोऑर्गेनिज्म फॉर सस्टेनेबल एनवायरनमेंट एंड हेल्थ'' प्रकाशकैः एल्सेवियर, आईएसबीएनः 9780128190012।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व के किसी भी अन्य प्रकाशन–

आचार्य संगीता सक्सेना

- आराधना लकी हंस और संगीता सक्सेना (2025) ''पौधों में आरएनए टीकेरू अनुप्रयोग और भविष्य का दायरा''। मेडिसिनल बायोटेक्नोलॉजी, आईएसबीएनः 978–0–443–22264–1।
- ज्योति वर्मा, चित्रांजन कुमार, मोनिका शर्मा, अमरीतेश सी. शुक्ला, और संगीता सक्सेना (2024) ''पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए जैव–कवकनाशी, बायोपेस्टीसाइड्स और बायोफर्टीलाइजर तैयार करने के लिए माइक्रोबियल कंसोर्टिया का शोषण''। सूक्ष्मजीवों के साथ उद्यमिता आईएसबीएनः 978043190490।
- अनामता रिजवी, शैलेंद्र कुमार, कोमल दीक्षित, आशीष कुमार, एमानुएल देबबर्मा और संगीता सक्सेना (2025) ''बढ़ते फंक्शनल और भविष्य के खाद्य पदार्थों के रूप में फलियां वाले माइक्रोग्रीन्स की संभावनाओं का पता लगाना''। फंक्शनल फूड के रूप में फलियां वाले माइक्रोग्रीन्स के हाल के रुझान और अनुप्रयोग, आईएसएसएनः 9783031756788।

डॉ. सुनील बाबू गोसिपटाला

- गोसिपटाला, एस.बी., दीक्षित, के., सिंह, ए., कुरिल, एस.आर., रेड्डी, पी. (2025), ''फ्लो साइटोमेट्री के बिना हेमेटोटॉक्सिसिटी/इम्यूनोटॉक्सिसिटी की कल्पना'' इसमेंः पंत, ए, खरे, पी., पांडे, ए.के. (संपादक) फ्लो साइटोमेट्रीः सेलुलर और मॉलिक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी में अनुप्रयोग'' स्प्रिंगर, सिंगापुर, https://doi.org/10.1007/978-981-97-9758-5_8

- शालिनी वर्मा, दिव्या पांडे, अदिति अग्रवाल, आशीष श्रीवास्तव और सुनील बाबू गोसिपटाला और रणबीर चंदर सोबती (2024), ''फ्लो साइटोमेट्रिक अनुप्रयोगों के माध्यम से जैविक जटिलताओं को उजागर करना'', फ्लो साइटोमेट्री पर पुस्तक–सिद्धांत, अनुप्रयोग और नैदानिक दृष्टिकोण, रणबीर चंदर सोबती, अवतार कृष्ण और देवेंद्र के अग्रवाल द्वारा संपादित (आईएसबीएन 978–981–97–4552–4)। प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड, पृष्ठ 55–82।

डॉ. यूसुफ अख्तर

- पुस्तक का शीर्षक ''CAMP रिसेप्टर प्रोटीन्स फ्रॉम माइकोबैक्टीरियाः पोटेन्शियल ड्रग टारगेट अगेन्स्ट ट्यूबर्क्युलोसिस'' डॉ. यूसुफ अख्तर द्वारा लिखित, सारब्रुकन, जर्मनी द्वारा प्रकाशितः एवी एकेडेमिकर वेरलाग जीएमबीएच एंड कंपनी केजी। आईएसबीएन 978–3–639–51177–2।
- पंकज चौधरी, अभय राज, दिग्विजय वर्मा, यूसुफ अख्तर (2020) ''माइक्रोऑर्गेनिज्म फॉर सस्टेनेबल एनवायरनमेंट एंड हेल्थ'' प्रकाशकैः एल्सेवियर, आईएसबीएनः 9780128190012।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यान में भागीदारी– आचार्य संगीता सक्सेना

- मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमएमटीटीपी) के तहत आईआईटी रुड़की द्वारा 28 जून से 2 जुलाई तक आयोजित नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (एनएफएलपी) में भाग लिया।
- यूजीसी–एमएमटीटीपी कुमाऊं यूनिवर्सिटी, नैनीताल में 12/06/2025 से 25/06/2025 तक होने वाले बॉटनी पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के प्रतिभागियों को 16 जून, 2025 को जेनेटिकली मॉडिफाइड फूड क्रॉप और इसकी सामाजिक चिंताओं पर एक आमंत्रित भाषण दिया।
- आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला ''विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण'' (13–14 फरवरी, 2025) के लिए ''माइक्रोग्रीन्स पोषण और स्वास्थ्य का पावरहाउस, स्वस्थ भोजन को फिर से परिभाषित करना'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग, गृह विज्ञान विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा किया गया था।

डॉ. यूसुफ अख्तर

- 11 जून, 2025 को डीएएडी द्वारा आयोजित ग्लोबल डिस्कशन "एलुमनाई फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स– डीएएडी वेब टॉक सीरीज़ 2025" में "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में ड्रग एफ्लक्स मैकेनिज्मः एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस और नॉवेल ड्रग डिस्कवरी में अंतर्दृष्टि" शीर्षक पर एक आमंत्रित भाषण दिया।
- 21–27 मई, 2025 के दौरान हिंदू कॉलेज मुरादाबाद (आईक्यूएसी के साथ), दिग्विजय नाथ पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, गोरखपुर, और साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ द्वारा आयोजित "रिसर्च मेथोडोलॉजी में डेटा एनालिटिक्स पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम" में संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 17–23 मार्च, 2025 को रेजिलिएंट फाउंडेशन फॉर एकेडमिक इनोवेशन एंड साइंटिफिक रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "गुड क्लिनिकल प्रैक्टिसेज (जीसीपी) पर एक सप्ताह के ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 8–9 मार्च, 2025 को एसबीबीएस, एआरडीओ, और के एल कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, केएलईएफ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ई–सम्मेलन "फ्रंटियर्स इन एग्रीकल्चरल, वेटरनरी एंड बायोलॉजिकल साइंसेज (एफएवीबीएस–2025)" में ''बायोटेक्नोलॉजी, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, बायोलॉजिकल साइंसेज, और फार्मास्युटिकल साइंसेज में हालिया नवाचार'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- 21–27 फरवरी, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग, एसजीटी विश्वविद्यालय द्वारा रेजिलिएंट फाउंडेशन फॉर एकेडमिक इनोवेशन एंड साइंटिफिक रिसर्च के सहयोग से आयोजित "रिसर्च मेथोडोलॉजी और डेटा एनालिसिस पर एक सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स" में एक आमंत्रित भाषण दिया।
- 16 दिसंबर, 2024 को सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "आयुष के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोगः संभावनाएं और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सेमिनार में एक आमंत्रित भाषण दिया, जो सीसीआरयूएम, लखनऊ में आयोजित हुआ था।
- 22–28 अगस्त, 2024 को रेजिलिएंट फाउंडेशन फॉर एकेडमिक इनोवेशन एंड साइंटिफिक रिसर्च, नई दिल्ली, और बायोस्टैटिस्टिक्स कंसोर्टियम, भारत द्वारा आयोजित बायोस्टैटिस्टिक्स पर एक सप्ताह की ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "रिसर्च राइटिंग" पर एक आमंत्रित भाषण दिया।
- भैषजिक विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में 7–13 मार्च, 2024 को एसईआरबी–डीएसटी द्वारा प्रायोजित कार्यशाला में ''ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण का उपयोग करके ड्रग डिस्कवरी को अनलॉक करनाः पारंपरिक सिंगल ट्रांसक्रिप्ट से सिस्टम स्केल नेक्स्ट–जेन ट्रांसक्रिप्टोमिक्स तक'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. मोनिका शर्मा

- 27–30 नवंबर, 2024 के दौरान सीएसआईआर–इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च, लखनऊ में आयोजित इंटरनेशनल टॉक्सिकोलॉजी कन्वेंशन ऑन इमर्जिंग अप्रोचेज इन रिस्क एनालिसिस एंड ट्रांसलेशनल एस्पेक्ट्स ऑफ हेल्थ एंड एनवायरनमेंट (EARTH) में ''सस्टेनेबल प्लास्टिक रीसाइक्लिंग के लिए माइक्रोबियल स्रोतों से पेटेस (PETase) की औद्योगिक क्षमता'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य संगीता सक्सेना

- श्री शैलेंद्र कुमार, ''केनोर्हाब्डाइटिस एलिगेंस एज ए मॉडेल ऑर्गेनिज्म टू इवॉल्यूयेट द एंटी–एजिंग पोटेन्शियल ऑफ इन सिलिको स्क्रीन्ड फाइटोकेमिकल्स प्रेज़ेंट इन पपाया फ्रूट'' यूजीसी–एनएफओबीसी।
- सुश्री अनमता रिज़वी, ''रोल ऑफ माइक्रोग्रीन्स एज न्यूट्रास्यूटिकल्स अगेन्स्ट न्यूरोडीजेनरेशन यूज़िंग सी. एलिगेन्स एज ए मॉडल'' डीएसटी–इनस्पाइर।
- श्री अंकित कुमार, ''जेमिनीवायरस विथ स्पेशल रेफरेन्स टू वायरस वेक्टर रिलेशन्शिप वेक्टर'' यूजीसी गैर–नेट।
- श्री अंकित कुमार, ''डिसीफेरिंग द इवॉल्यूशनरी एण्ड पैथोजेनिक लैंडस्केप ऑफ जेमिनीवायरस'' यूजीसी गैर–नेट।
- श्री विश्वजीत, संभावित शीर्षकः इन सिलिको स्टडी ऑफ ट्रांसक्रिप्टोम ऑफ कंट्रोल एण्ड बेगोमोवायरस इन्फेक्टेड टोमैटो प्लांट्स'' सीएसआईआर–जेआरएफ।

आचार्य डी.आर.मोदी

- सुश्री शुभांगी चतुर्वेदी, ''जेनेटिक वेरियंट्स एण्ड देयर इफेक्ट अगेन्स्ट एंटी–डायबिटिक ड्रग्स इन टी 2 डीएम''–यूजीसी गैर–नेट।
- सुश्री शिवांगी सिंह, ''एंटी–इंफ्लेमेटरी साइटोकिन जीन पॉलीमॉर्फिज्म एसोसीएटेड विथ टाइप 2 डाइयबिटीज''–यूजीसी गैर–नेट।
- सुश्री पूजा, ''जेनेटिक वैरीयेशन ऑफ डब्लूएनटी सिग्नलिंग पाथवे एण्ड इट्स एसोसिएशन इन द प्रोग्रेशन ऑफ टाइप 2 डाइयबिटीज मेलेट्स''–यूजीसी गैर–नेट।

- सुश्री लवलीन कौर, '' बायोरेमेडिएशन ऑफ 4–क्लोरो–2–मिथाइलफेनोक्सी–एसिटिक एसिड एण्ड 2,4–डाइक्लोरोफेनॉक्सिएसिटिक एसिड बाइ बैक्टीरिया ऑफ कंटेमिनेटेड स्वायल''–यूजीसी गैर–नेट।
- सुश्री दीप्ति धूसिया, ''टार्गेटिंग ड्रग एफ्लुक्स पंप्स इन माइकोबैक्टीरिया टू ओवरकम एंटीबायोटिक रेज़िस्टेन्स''–यूजीसी गैर–नेट।
- श्री चंद्र नाथ हांसदा, प्री–पीएच.डी कोर्स पर काम चल रहा है।

डॉ. युसूफ अख्तर

- सुश्री प्रज्ञा आनंद, ''स्टडीस ऑन इलेक्ट्रान ट्रांसपोर्ट चैन काम्प्लेक्सस ऑफ मायकोबैक्टीरिया''–यूजीसी गैर–नेट।
- सुश्री वर्षा, ''स्ट्रक्चर–फंक्शन स्टडीज ऑन द टाइप VII सेक्रीशन सिस्टम फ्रॉम माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस''–यूजीसी गैर–नेट।
- गरिमा सिंह, ''स्टडीस ऑन एमएफएस प्रोटीन फ्रॉम माइकोबैक्टीरियम स्पीशीस'' सीएसआईआर–एसआरएफ।

डॉ. मोनिका शर्मा

- श्री विरल कुमार तिवारी, ''स्टडीज ऑन पॉलीथिलीन टेरफेथलेट (पीईटी) डिग्रेडिंग बैक्टीरिया एण्ड देयर माइक्रोबियल एन्ज़ाइम्स'' – डीएसटी इंस्पायर।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी.

डॉ. मोनिका शर्मा

- सुश्री गरिमा चौहान "बायोप्रोस्पेक्टिंग ऑफ हॉट स्प्रिंग्स ऑफ इंडिया फॉर थर्मोफिलिक ज़ाइलनेज़ यूज़िंग मेटाजेनोमिक्स अप्रोच''।
- सुश्री मेघना आर्य "इन्वेस्टिगेशनल एनॉलिसिस ऑफ द जियोथर्मल स्प्रिंग्स ऑफ इंडिया फॉर सेल्युलोज डिग्रेडिंग एन्ज़ाइम्स''।

8.3.5.3 वर्ष के दौरान प्रस्तुत पीएच.डी. थीसिस

आचार्य संगीता सक्सेना एवं डॉ. जी. सुनील बाबू

- श्री राज कुमार खालको "आइडेंटिफिकेशन एण्ड फंक्शनल एनॉलिसिस ऑफ एंटी–औटोफैजिक HCMV miRNAs''।

आचार्य संगीता सक्सेना

- सुश्री प्रियंका "स्टडीज ऑन डाइवर्सिटी ऑफ बेगोमोवायरस कॉज़िंग लीफ कर्ल डिसीज़ ऑन पपाया एण्ड इट्स इफेक्टिव मैनेजमेंट यूज़िंग आरएनएआई''।

डॉ. मोनिका शर्मा

- सुश्री आशा कुमारी ''वीड्स, फ्रूटिंग, एण्ड ऑर्नमेंटल प्लांट्स एज पोटेन्शियल सोर्सेस ऑफ हाइड्रोक्सीनिट्रियल लाइजः आइसोलेशन, प्यूरिफिकेशन, एण्ड कैरेक्टरिसेशन''।

डॉ. युसूफ अख्तर

- श्री गौरी शंकर ''स्ट्रक्चरल एण्ड फंक्शनल स्टडीज ऑन आउटर मेंब्रेन प्रोटीन्स इन्वॉल्व्ड इन सिदेरोफोर मीडियेटेड आयरन एक्वज़िशन फ्रॉम माइकोबैक्टीरिया''।

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई अन्य

- इग्ज़ामिनिंग द रेग्युलेटरी रोल(स) ऑफ HCMV miRNAs ऑन प्रोएपोप्टोटिक जीन", यूपी–सीएसटी 30 अगस्त 2022 से 29 अगस्त 2025, 6 लाख, डॉ. सुनील बाबू गोसिपटाला।

- "आइडेंटिफिकेशन एण्ड फंक्शनल एनॉलिसिस ऑफ SARS CoV-2 miRNAs एण्ड देयर रेस्पेक्टिव सेल्युलर टार्गेट्स इन्वॉल्व्ड इन होस्ट इम्यून रेग्युलेशन", डीएसटी–एसईआरबी, 11 मार्च 2022 से 10 मार्च 2025, 40.36 लाख, डॉ. सुनील बाबू गोसिपटाला।
- "हेलिकोबैक्टर पाइलोरी इन्फेक्शन मीडियेटेड एक्सप्रेशन ऑफ इंटरलूकिन–1β एण्ड नोड–लाइक रिसेप्टर पायरिन–3 इन्फ्लेमासोम रेगुलेशन इन द इन्फ्लुयेन्स ऑफ डाइट–डिराइव्ड सिग्नलिंग मॉलिक्यूल्स एण्ड माइक्रोबायोटा इंक्लूडिंग प्रोबायोटिक्स", डीएसटी–एसआरजी, 19 जुलाई 2023 से 26, 62.34 लाख, डॉ. सुनील बाबू गोसिपटाला।
- ''पोर फॉर्मिंग मेकेनिज्म ऑफ नॉवेल साइटोसाइडल पीएफटी कैंडिडेट टू कांम्बेट कैंसर एण्ड एचआइवी'' स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय) 2022–25, 32.00 लाख, मेंटर ऑफ द यंग साइंटिस्ट–मेंटर (डॉ. यूसुफ अख्तर)।
- ''जीनोम–वाइड आइडेंटिफिकेशन एण्ड मॉडलिंग ऑफ फंक्शनल ह्यूमन फ्रैक्टालकाइन रिसेप्टर CX3CR1 बाइंडिंग साइट्स एण्ड एस्टेब्लिश इट एज ए नॉवेल ड्रग टारगेट फॉर टाइप 2 डाइयबिटीज'' स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय) 2022–25, 29. 00 लाख, महिला वैज्ञानिक की मेंटर– मेंटर (डॉ. यूसुफ अख्तर)।
- स्टैटिस्टिकल मॉडलिंग फॉर कोविड–19 स्प्रेड यूज़िंग डिफरेंट अप्रोचेस'' वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद– उत्तर प्रदेश, 2022–2024, 6.8 लाख, को–पीआई (डॉ. यूसुफ अख्तर)।
- ''प्रोटोटाइप डेवेलपमेंट फॉर एक्रिलामाइड डेग्रडेशन इन स्टार्च–बेस्ड फ्राइड फूड प्रोडक्ट्स यूज़िंग थर्मोस्टेबल बैक्टीरियल एल–एस्पाराजिनेज'', वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद– उत्तर प्रदेश, 2023–2026 11.86 लाख, को–पीआई (डॉ. यूसुफ अख्तर)।
- माइक्रोब–असिस्टेड रिकवरी ऑफ रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) फ्रॉम लेटराइट बैड लैंड्स, कोल्स एण्ड लिग्नाइट माइन्स ओवरबर्डन'', अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) 2024–2027, 40 लाख, को–पीआई (डॉ. यूसुफ अख्तर)।
- इन्वेस्टिगेटिंग द रोल ऑफ स्मोकलेस टोबैको मेटाबोलाइट्स इन बायोफिल्म फॉर्मेशन एण्ड एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस'', अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), 2024–2027 52 लाख, को–पीआई (डॉ. यूसुफ अख्तर)।
- ''टॉपिकली एप्लाइड dsRNA–बेस्ड एंटीवायरल थेरेपी फॉर इंप्रूव्ड इम्यूनिटी ऑफ पपाया क्रॉप अगेन्स्ट वायरल इन्फेक्शन्स'' DST WOS-A, DST, 2023–2026, 35.6 लाख।
- ''मॉलीक्युलर कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ एक्सोजेनस miRNAs फ्रॉम विथानिया सोम्निफेरा एण्ड इट्स रोल इन रेग्युलेशन ऑफ अल्जाइमर'स डिसीज़ (AD) यूज़िंग सी. एलिगेन्स एज ए मॉडल'' आईसीएमआर, 2022–2025 22.9 लाख।
- ''इन्वेस्टिगेशन ऑफ प्रोटेक्टिव इफेक्टस ऑफ माइक्रोग्रीन्स ऑन रोटेनोन–इंड्यूस्ड न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसीज़ेस यूज़िंग सी. एलिगेन्स एज ए मॉडल ऑर्गेनिज्म'', डॉ. डी.एस. कोठारी पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप 2021–2024 22 लाख, आचार्य संगीता सक्सेना WOS की मेंटर।

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां

डॉ. सुनील बाबू गोसिपटाला

- फ्रेंडशिप फोरम द्वारा समग्र उत्कृष्टता के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों और राष्ट्र के लिए विशिष्ट सेवाओं के लिए 2025 का भारत के अग्रणी शिक्षाविद पुरस्कार मिला।
- आईएमआरएफ उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भारत (2024) द्वारा संक्रामक रोग जीव विज्ञान में इंडो–एशियन सर्वश्रेष्ठ शिक्षक एवं शोधकर्ता पुरस्कार 2024 प्राप्त किया।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	40
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	00
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	–
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	01
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	02
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	101
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	12
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	10
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	04

प्राणि विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय

प्राणि विज्ञान विभाग स्नातक (बी.एससी. जीवन विज्ञान), स्नातकोत्तर (एम.एससी. प्राणी विज्ञान और एम. एससी. जीवन विज्ञान), और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। एम.एससी. प्राणी विज्ञान में रेशमकीट पालन, मत्स्य पालन, और परजीवी विज्ञान में विशेषज्ञता शामिल है, जबकि पाठ्यक्रम में मधुमक्खी पालन, मोती पालन, झींगा पालन, और वर्मीकल्चर जैसे अनुप्रयुक्त पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। ये कार्यक्रम रोजगार क्षमता को बढ़ाने और सेरीकल्चर और मत्स्य पालन जैसी कृषि–आधारित उद्योगों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। विभाग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान का समर्थन करने के लिए आधुनिक प्रयोगशालाएं, एक केंद्रीय उपकरण सुविधा, पालन घर, रेशम रीलिंग इकाइयां, स्मार्ट कक्षाएं और एक विभागीय पुस्तकालय हैं।

विभाग की ताकत

- **शैक्षणिक विविधता:** अध्ययन के विशेष क्षेत्रों के साथ स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. कार्यक्रम।
- **संकाय उत्कृष्टता:** दशकों के शिक्षण और अनुसंधान अनुभव वाले 5 आचार्य और 2 सहायक आचार्य; राष्ट्रीय पुरस्कारों और फैलोशिप के प्राप्तकर्ता।
- **अनुसंधान उत्पादन:** प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 25 से अधिक प्रकाशन (2023–25), ब्रूब प्रेस और टेलर एंड फ्रांसिस के साथ कई पुस्तक अध्याय, और दायर किए गए पेटेंट।

- **अत्याधुनिक अवसंरचना:** अनुसंधान प्रयोगशालाएं, आईसीटी–सक्षम स्मार्ट कक्षाएं, केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला, पालन–पोषण गृह, और रेशम रीलिंग इकाइयां।
- **विस्तार और पहुंच:** स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, ग्रामीण समुदायों के लिए जलीय कृषि और रेशमकीट पालन प्रशिक्षण।
- **मान्यता:** राष्ट्रीय पुरस्कार (जैसे, एसकेएसएस राष्ट्रीय आजीवन उपलब्धि पुरस्कार 2024), अंतर्राष्ट्रीय समाजों में सदस्यता, प्रतिष्ठित मंचों पर आमंत्रित व्याख्यान।
- **छात्र उपलब्धियाँ:** नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण अध्येता, सीएसआईआर/यूजीसी फेलोशिप प्राप्तकर्ता, और सफल डॉक्टरेट अनुसंधान परियोजनाएँ।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

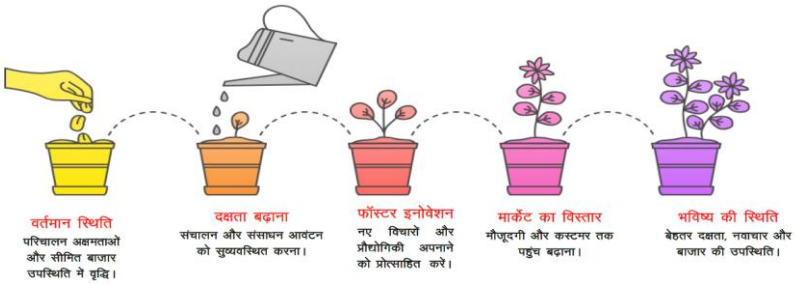

- **शैक्षणिक:** एक्वाकल्चर टेक्नोलॉजी और मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स में नए प्रमाणपत्र/कौशल–आधारित पाठ्यक्रम शुरू करना।
- **अनुसंधान:** पेटेंट और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, और डीएसटी/डीबीटी/आईसीएमआर/आईसीएआर अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आवेदन करना।
- **सहयोग:** छात्र प्रशिक्षण और अनुसंधान साझेदारी के लिए रेशमकीट पालन बोर्डों, मत्स्य संस्थानों और बायोटेक उद्योगों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करना।
- **संरचना:** स्मार्ट क्लासरूम का उन्नयन करें, आणविक जीव विज्ञान के लिए उन्नत प्रयोगशाला उपकरण प्राप्त करें, और एक जीनोमिक्स अनुसंधान प्रकोष्ठ स्थापित करें।
- **छात्र सहायता:** छात्रों की प्रगति में सुधार के लिए कैरियर परामर्श, कैंपस भर्ती ड्राइव, और सॉफ्ट स्किल कार्यशालाओं का आयोजित करना।
- **बाह्य संपर्क:** गैर–सरकारी संगठनों के सहयोग से जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जागरूकता कार्यक्रम शुरू करना।
- **अंतर्राष्ट्रीयकरण:** छात्र/संकाय आदान–प्रदान कार्यक्रम विकसित करें और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त परियोजनाओं पर काम करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- स्नातक, परास्नातक और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान किए जाते हैं।
- एम.एससी. प्राणीशास्त्र में तीन अनुप्रयुक्त विशेषज्ञताएँ हैं: रेशमकीट पालन, मत्स्य पालन, और परजीवी विज्ञान।
- पाठ्यक्रम में व्यावसायिक विषय शामिल हैं: मधुमक्खी पालन, मोती पालन, झींगा पालन, और वर्मीकल्चर।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- स्नातकोत्तर स्तर पर विशेषज्ञता का विकल्प।
- पशु व्यवहार, वन्यजीव जीव विज्ञान, और पर्यावरण जीव विज्ञान जैसे अंतःविषय विषयों का एकीकरण।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

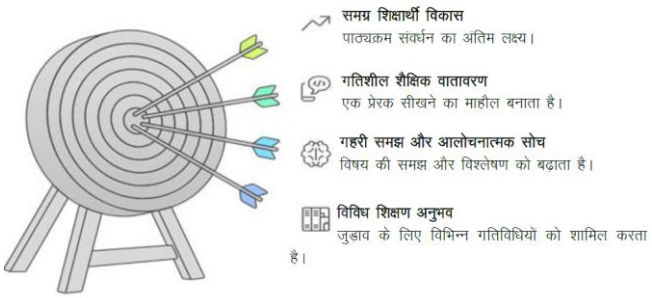

- अनुप्रयुक्त पेपर और उद्योग–संबंधित क्षेत्रों (रेशमकीट पालन, मत्स्य पालन) के माध्यम से कौशल विकास और रोजगार क्षमता पर ध्यान केंद्रित करें।

1.4 प्रतिक्रिया प्रणाली

- सेमिनार, कार्यशालाओं और मूल्यांकन के माध्यम से छात्र प्रदर्शन की समीक्षा की जाती है।
- संकाय पाठ्यक्रम विकास और संशोधन में भाग लेते हैं।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

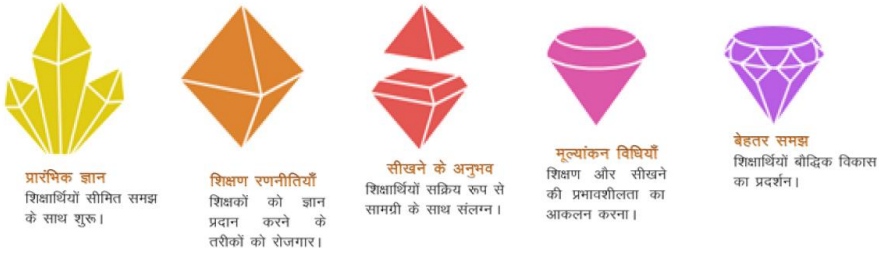

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- परास्नातक छात्रः 90+ (एम.एससी. प्राणीशास्त्रः 57, एम.एससी. जीवन विज्ञानः 33)।
- स्नातक छात्रः 172 नामांकित।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में रोज़गार के लिए डिज़ाइन किए गए कार्यक्रम।
- झुग्गी–झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- आईसीटी–सक्षम स्मार्ट क्लासरूम।
- रेशमकीट पालन, मत्स्य जीव विज्ञान, और पर्यावरण अध्ययन में व्यावहारिक प्रशिक्षण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

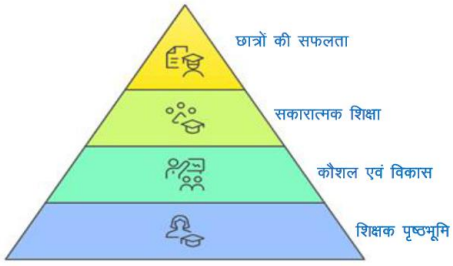

- संकायः 7 (5 आचार्य, 2 सहायक आचार्य)।
- उच्च योग्य, 19–30 वर्षों के शोध/शिक्षण अनुभव के साथ।
- राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मान्यता, पुरस्कार और फैलोशिप।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

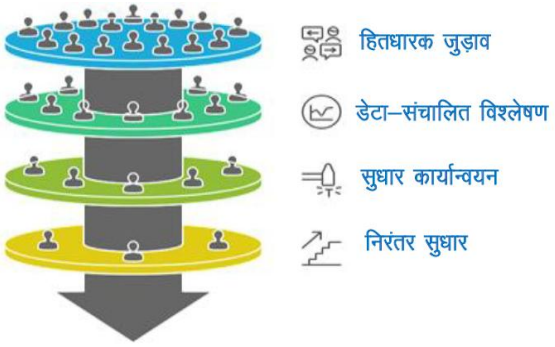

- परास्नातक / पीएच.डी. स्तर पर नियमित आंतरिक परीक्षाएँ, शोध–प्रबंध, और मौखिक परीक्षा।
- सेमिनार, कार्यशालाओं, और परियोजना प्रस्तुतियों के माध्यम से सतत मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम

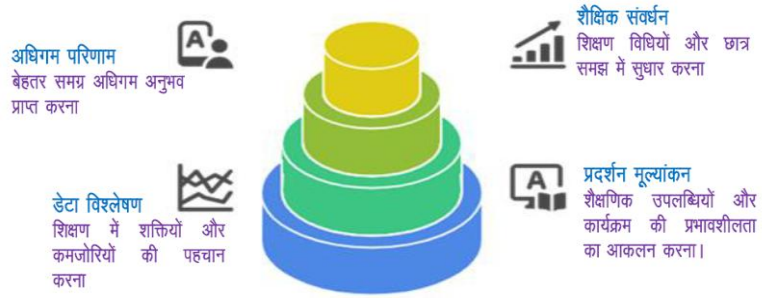

- छात्रों ने नेट / जेआरएफ / पीएच.डी. फेलोशिप अर्जित की।
- कई छात्रों को पीएच.डी. की उपाधियाँ प्रदान की गईं (2024 में 2)।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- कार्यशालाओं और सम्मेलनों में हिस्सा लेना छात्रों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला, रेशम रीलिंग इकाइयाँ।
- परजीवी विज्ञान, मत्स्य पालन, वन्यजीव जीव विज्ञान, और रेशमकीट पालन में डॉक्टोरल शोध।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- दाखिल किए गए पेटेंट (उदाहरण के लिए, जल गुणवत्ता निगरानी उपकरण, रेशम फाइब्रोइन एंटीसेप्टिक हाइड्रोजेल)।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- जैव संसाधनों, आणविक परजीव विज्ञान, और जलीय कृषि स्थिरता पर शोध।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- 25+ प्रकाशन (2023–25)।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों (सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस) के साथ पुस्तक अध्याय।
- पुरस्कारः एसकेएसएस लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2024), मानद सदस्यताएं, फैलोशिप।

3.5 परामर्शदाता

- मत्स्य पालन, रेशम पालन और जलीय कृषि प्रशिक्षण में निःशुल्क परामर्श।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- गैर–सरकारी संगठनों के सहयोग से स्वास्थ्य और स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम।

3.7 सहयोग

- केंद्रीय रेशम बोर्ड और अन्य अनुसंधान केंद्रों के साथ सहयोग।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

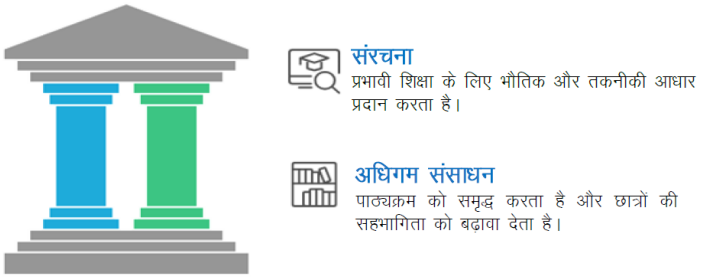

4.1 भौतिक सुविधाएं

- प्रयोगशालाएं, विभागीय पुस्तकालय, पालन–पोषण गृह, और रेशम रीलिंग इकाइयाँ।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- संदर्भ सामग्री के साथ विभागीय पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना

- स्मार्ट कक्षाएं, आईसीटी–सक्षम शिक्षण।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- प्रयोगशालाओं, कक्षाओं और अनुसंधान सुविधाओं का उचित रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- नेट/जेआरएफ कोचिंग, करियर परामर्श और जागरूकता कार्यक्रम।

5.2 छात्र प्रगति

- 2 पीएच.डी. प्रदान किए गए (2024)।
- कई छात्रों को सीएसआईआर/यूजीसी फैलोशिप प्राप्त हुई।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- छात्र कार्यशालाओं और सम्मेलनों में शोध–पत्र प्रस्तुत करते हैं।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- उच्च अध्ययन, शोध और शिक्षण करियर कर रहे पूर्व छात्र।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन

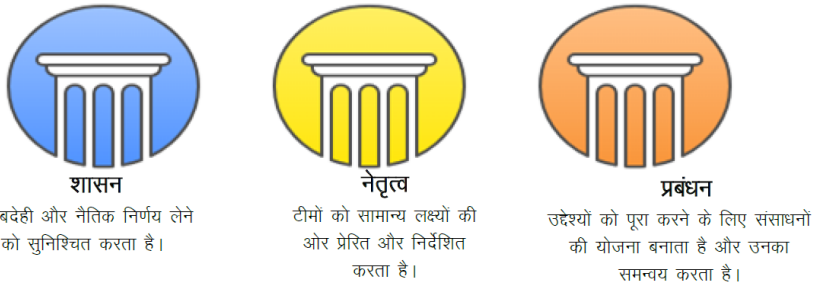

6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- दृष्टिकोण: मत्स्य पालन और रेशम पालन के माध्यम से व्यावहारिक पशु विज्ञान को बढ़ावा देना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- अनुसंधान, रोजगार क्षमता और विस्तार गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करना।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों, एफडीपी (एफडीपी) और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से संकाय विकास।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- परियोजनाओं, पेटेंट और परामर्श के माध्यम से वित्त पोषण।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईसीएसएसआर–प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

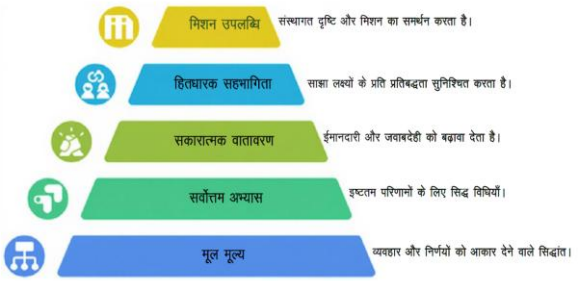

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- झुग्गी–झोपड़ी क्षेत्रों में आउटरीच कार्यक्रम और रेशमकीट पालन प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण रोजगार।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- कौशल–उन्मुख विषयों (वर्मीकल्चर, मधुमक्खी पालन) का एकीकरण।
- जलीय कृषि और परजीवविज्ञान में अनुप्रयुक्त अनुसंधान।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- रोजगार सृजन करने वाले कृषि–उद्योगों के रूप में रेशमकीट पालन और मत्स्य पालन पर विशेष ध्यान।

8. संकाय प्रोफ़ाइलः

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य कमल जायसवाल**
  आचार्य
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी., एफ.जेड.एस.आई., एफ.एस.एल.एससी.
  विशेषज्ञताः पशु विज्ञान, प्राणीशास्त्र, परजीवविज्ञान, रेशमकीटपालन, रेशमकीट रोग विज्ञान, रेशमकीट पालन, रेशम रीलिंग।
- **आचार्य वी. इलांगोवन**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
  विशेषज्ञताः पशु व्यवहार
- **आचार्य वेंकटेश कुमार आर.**
  आचार्य
  योग्यताः एम.एससी. पीएच.डी.
  विशेषज्ञताः रेशम विज्ञान, रेशम जैव प्रौद्योगिकी, कीट विज्ञान, और प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान।
- **आचार्य सुमन मिश्रा**
  आचार्य
  योग्यताः पीएच.डी. (प्राणी विज्ञान)
  विशेषज्ञताः परजीवी विज्ञान
- **आचार्य आभा मिश्रा**
  आचार्य
  योग्यताः पीएच.डी.
  विशेषज्ञताः मछली और मत्स्य पालन

- **डॉ. संध्या**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः पीएच.डी. (प्राणीशास्त्र)
  विशेषज्ञताः मत्स्य जीव विज्ञान
- **डॉ. नीश्मा जायसवाल**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः एम.एससी., डी.फिल., एफ.जेड.एस.आई., एफ.एच.एस.आई., एफएमएसईटी–एफआईसीसीबी
  विशेषज्ञताः आणविक परजीवी विज्ञान, पर्यावरण जीव विज्ञान।

8.2 संस्थान में एवं बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य वी. इलांगोवन

- रामोस, आरएल, और नेमेंजो–कालिका, पी। (2025), ''फ्लाइंग फॉक्स स्पीशीस आइडेंटिफिकेशन एण्ड हैबिटेट एसेसमेंट ऑन लुबन आइलैंड, फिलिपीन्सः एविडेन्स ऑफ इकोलॉजिकल शिफ्ट्स एण्ड कन्जर्वेशन इंप्लिकेशन्स'', दावाओ रिसर्च जर्नल, 16 (2), 117–129।
- नहेदा अंजुम, विजय कुमार, मेहदी अली, वदामलाई इलांगोवन, ''सीज़नल इन्फ्लुयेन्स ऑन द डाइयर्नल बिहेवियर्स ऑफ द इंडियन फ्लाइंग फॉक्स (टेरोपस मेडियस) इन लखनऊ, भारत'', उत्तर प्रदेश जर्नल ऑफ जूलॉजी, 2024, 45 (17), पेज 546–556। (10.56557/upjoz/2024/v45i174399)
- नहेदा अंजुम, देबोप्रिया साहा, पूजा तिवारी, मंजुलेंद्र कुमार, वदामलाई इलांगोवन, ''डिस्ट्रिब्यूशन एण्ड हैबिटेट सेलेक्शन ऑफ इंडियन फ्लाइंग फॉक्स, पेट्रोपस मेडियस (टेम्मिंक, 1825) इन उत्तर प्रदेश, भारत'', उत्तर प्रदेश जर्नल ऑफ जूलॉजी, 2024, 45 (16), पेज 427–437।
- पवन कुमार मिश्रा, सायमा फरहीन, शक्तिवर्धन सिंह, वदामलाई इलांगोवन, ''डाइट कंपोज़िशन एण्ड डाइट च्वाय्स ऑफ लेस्सर माउस–टेल्ड बैट राइनोपोमा हार्डविकी (ग्रे, 1831) (राइनोपोमेटिडीः चिरोप्टेरा)'', जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा, 2024, 16 (11), पेज 26110–26115।
- शक्तिवर्धन सिंह, वदामलाई एलांगोवन, संजय कुमार भारती, पवन कुमार मिश्रा, मलेशियाई जर्नल ऑफ साइंस, 2024, पेज 10–19।

आचार्य वेंकटेश कुमार आर.

- कुमार, आर. वी., श्रीवास्तव, डी., वर्मा, ए., और मिश्रा, ए. (2025), ''बायोसिंथेसिस ऑफ पेक्टिन एण्ड इट्स वाइटल रोल इन द बायोअवेलेबिलिटी ऑफ फाइटोकेमिकल्स एसोसीयेटेड विथ थेरप्यूटिक प्रॉपर्टीज'', फार्माकोलॉजिकल रिसर्च–नेचुरल प्रोडक्ट्स, 100214।
- मिश्रा, ए., वर्मा, ए., श्रीवास्तव, डी., और कुमार रामप्पा, वी. (2025), टेंपरेचर–बेस्ड एक्सट्रैक्शन, कैरेक्टरिज़ेशन बाइ गैस क्रोमेटोग्राफी–मास स्पेक्ट्रोमेट्री एण्ड फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी विथ प्रॉस्पेक्टिव एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज ऑफ एरी (फिलोसेमिया रिसिनी) प्यूपल आयल'', केमिस्ट्री एंड बायोडायवर्सिटी, 22(4), ई202401935।
- सुमन, के. (2024), ''ए कंपरेटिव एनॉलिसिस ऑफ द कैरेक्टरिज़ेशन, एंटीबैक्टीरियल एण्ड एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज ऑफ ओक तसर (एंथराया प्रोइली) एण्ड मलबेरी (बॉम्बिक्स मोरी) प्यूपल आयल्स'', फार्माकोलॉजिकल रिसर्च–नेचुरल प्रोडक्ट्स, 4, 100086।

- श्रीवास्तव, डी., त्रिपाठी, डी. के., सिंह, वी., और पोलुरी, के. एम. (2024), इनसाइट्स इंटू द कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड थेरेप्यूटिक पोटेन्शियल ऑफ तसर सिल्कवर्म प्यूपे आयल'', बायोकैटेलिसिस एंड एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, 55, 102985।
- श्रीवास्तव, डी., पांडे, पी., त्रिपाठी, डी. के., यादव, जे. पी., अली, बी., सिंह, वी., ... और पोलुरी, के. एम. (2024), ''तसर सिल्कवर्म प्यूपे आयलः ए पोटेन्शियल थेरेप्यूटिक एण्ड एडिबल लाइपिड सोर्स टू मिटिगेट द ऑक्साइडेटिव स्ट्रेस एण्ड कोलेस्टरॉल कंप्लिकेशन्स एसोसीयेटेड विथ डाइयबिटीज'', फूड एंड ह्यूमैनिटी, 3, 100418।

आचार्य सुमन मिश्रा

- कमल जयसवाल, सुमन मिश्रा, वंदना और अभिषेक (2025), ''कंपरेटिव एफिकेसी ऑफ इथेनॉलिक एक्सट्रैक्ट्स ऑफ नीम एण्ड तुलसी लीव्स अगेन्स्ट गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल पैरासाइट्स ऑफ गोट जे. एक्स्प. जूल. इंडिया'' वॉल्यूम 28, नंबर 1, पृष्ठ 843–848 आईएसएसएनः 0972–0030, ई–आईएसएसएनः 0976–1780। अंतर्राष्ट्रीय, स्कोपस इंडेक्स्ड जर्नल DOI: https://doi.org/10.51470/jez.2025.28.1. 843
- एस. हुसैन, एफ. अहमद, के. जयसवाल, और एस. मिश्रा (2024), ''ए बेसलाइन स्टडी ऑन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल हेल्मिंथ्स फौना ऑफ क्रॉसबर्ड (CB) कराकुल शीप एण्ड क्रॉसबर्ड (CB) पश्मीना गोट्स ऑफ सम सेलेक्टेड एरीयाज़ ऑफ वेस्टर्न लद्दाख इंडिया'', बुलेटिन ऑफ़ प्योर एंड एप्लाइड साइंसेज–जूलॉजी 43 ए (1): 144–151। आईएसएसएनः 0970–0765, ई–आईएसएसएनः 2320–3188, अंतर्राष्ट्रीय, (यूजीसी केयर सूचीबद्ध) वेब ऑफ़ साइंस।
- शब्बीर हुसैन, फयाज अहमद, कमल जयसवाल और सुमन मिश्रा (2024), ए स्टडी ऑफ द प्रिवलेन्स ऑफ फैसिओलोसिस इन द ओविन पॉप्युलेशन रेज़्ड इन कारगिल, लद्दाख पास्चर लैंड, जे. एक्सपेर. जूल. इंडिया'' 27, 2027–2031, DOI: https://doi.org/10.51470/ jez.2024.27.2.2027, अंतर्राष्ट्रीय, स्कोपस, क्लैरिवेट एनालिटिक्स द्वारा अनुक्रमित, एनएएएस रेटिंग (2024)–4.95। आईएसएसएनः 0972–0030, ई–आईएसएसएनः 0976–1780।
- जयसवाल कमल, सिंह कोमल और मिश्रा सुमन (2024), ''इफेक्ट ऑफ पेरसिटिक इन्फेक्शन ऑन न्यूट्रीशनल पैरामीटर्स ऑफ मीट टिश्यू ऑफ गैलस गैलस डोमेस्टिकस'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जूलॉजिकल इन्वेस्टिगेशन्स, वॉल्यूम 10, नंबर 1, पृष्ठ 960–972 (10.06.2024), आईएसएसएनः 2454–3055 DOI: https://doi.org/10.33745/ ijzi.2024.v10i01.101
- मिश्रा सुमन, जयसवाल कमल, सिंह कोमल. (2024), ''मॉर्फोलॉजी ऑफ एक्टो– एण्ड एंडोपैरासाइट्स ऑफ रियर्ड इन बैकयार्ड पोल्ट्री सिस्टम इन लखनऊ रीजन, उत्तर प्रदेश, इंडिया'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जूलॉजिकल इन्वेस्टिगेशन्स, वॉल्यूम 10, अंक 1, पृष्ठ 455–467, आईएसएसएनः 2454–3055 https://doi.org/10.33745/ijzi.2024.v10i01.050
- मुक्ता मयी कुम्भार और सुमन मिश्रा (2024), ''कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड अल्ट्रास्ट्रक्चरल डेवेलपमेंट ऑफ नोसेमा एसपी. (माइक्रोस्पोरिडिया) इन्फेक्टिंग युरोपियन हनी बी, एपिस मेलिफेरा बाइ स्कैनिंग एण्ड ट्रांन्समिशन इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोपी'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी रिसर्च, वॉल्यूम 9, नंबर 4, पृष्ठ 146–151, इंटरनेशनल, वेब ऑफ साइंस इम्पैक्ट फैक्टरः आरजेआईएफ 8.00 आईएसएसएनः 2455–4758।

आचार्य आभा मिश्रा

- पूजा पांडे, बुलबुल अली और आभा मिश्रा 2024, ''बायोएक्यूमुलेशन एण्ड क्लियरेन्स ऑफ करक्यूमिन फ्रॉम गिल, लिवर, किडनी, एण्ड मसल ऑफ फ्रेशवॉटर कैटफिश, हेटेरोपनिस्टेस फॉसिलिस'' जर्नल ऑफ जूलॉजी। (13), पृ.110–115. (आईएसएसएनः 2319–3883)।
    - बुलबुल अली, पूजा पांडे, ज्योति पांडे और आभा मिश्रा, 2025, ''पाइरीमिडीन एनालॉग इफेक्ट ऑन हेल्थ एण्ड न्यूट्रीशनल वैल्यू ऑफ फ्रेश वॉटर कैटफ़िश, हेटेरोपनिस्टेस फॉसिलिस'', जर्नल ऑफ़ एक्वेटिक एनिमल हेल्थ। https://doi.org/10.1093/jahafs/vsae003

- बुलबुल अली, नीलम शर्मा, रोहित कुमार गौतम, आभा मिश्रा 2025, ''इफेक्ट्स ऑफ पाइरीमिडीन ऑन सेल्युलर एण्ड न्यूरोनल अरेंजमेंट, ऑक्साइडेटिव स्ट्रेस एण्ड एनर्जी कंटेंट इन द ब्रायन ऑफ द फ्रेशवॉटर कैटफ़िश, हेटेरोपनिस्टेस फॉसिलिस'', फिश फिजियोल बायोकेम। 13 मार्च; 51(2):65. doi: 10.1007/s10695-025-01481-3

डॉ. नीश्मा जयसवाल

- रश्मि श्रीवास्तव, नीश्मा जायसवाल, हर्षा खर्कवाल, नीरज कुमार दुबे, और राकेश श्रीवास्तव (2025), ''फाइटो मेडिकल प्रॉपर्टीज ऑफ कैरिका पपाया फॉर बूस्टिंग ह्यूमन इम्यूनिटी अगेन्स्ट वायरल इन्फेक्शन्स'', वायरस, 17(2), 271. https://doi.org/10.3390/v17020271 (इम्पैक्ट फैक्टर–3.8)।
- अनीता यादव, नीश्मा जयसवाल, संदीप कुमार मल्होत्रा (2024), ''ए कंट्रिब्यूशन ऑन फर्स्ट रिपोर्ट ऑफ मॉर्फोजेनेटिक कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ एनिसैकिस टाइपिका पैरासाइटिज़िंग इंडियन सैंड वाइटिंग, सिलागो सिहामा फ्रॉम सेंट्रल वेस्ट कोस्ट ऑफ इंडिया'', हेल्मिंथोलोजिया, 61, 3: 232–243. doi 10.2478/helm-2024-0027 (इम्पैक्ट फैक्टर–1.1)।
- नीश्मा जायसवाल, अनीता यादव, संदीप के मल्होत्रा (2024), ''रिडिस्क्रिप्शन ऑफ एलीयन नेमेटोड, रोस्टेलास्करिस स्पिनिकाडैटम (मल्होत्रा और अनास, 2001) ऑफ एवॉल्यूशनरी सिग्निफिकेन्स विथ रिवाइज़्ड की टू द फैमिली रैफिडास्केरिडोइड हार्टविच 1954'', जर्नल ऑफ पेरसिटिक डिसीज़ेस, 1–14। आईएसएसएनः 09717196 स्प्रिंगर नेचर (इम्पैक्ट फैक्टर–1.0)।
- रेशू, प्रदीप कुमार, नीशमा जयसवाल (2024), ''एसेसमेंट ऑफ लेंथ–वेट रिलेशन्शिप्स एण्ड कंडीशन फैक्टर्स इन रीटा रीटा (हैमिल्टन, 1822) ऑफ गोमती रिवर, लखनऊ, भारत'', जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड जूलॉजी, 45(1): पृष्ठ762। आईएसएसएन 0253–7214।
- रेशू, प्रदीप कुमार, नीशमा जयसवाल (2024), सीज़नल डाइनेमिक्स ऑफ ट्रेमेटोड पैरासाइट, ओपिसथोर्चिस पेडिकेलटा इन्फेक्शनिन रीटा रीटा (हैमिल्टन, 1822) ऑफ गोमती रिवर, लखनऊ, भारत'', जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड जूलॉजी, 45 (1): पी1002। आईएसएसएन 0253–7214।
- रेशू, प्रदीप कुमार, नीशमा जयसवाल (2024), ''पॉप्युलेशन डाइनेमिक्स ऑफ सेस्टोड पैरासाइट, गंगेशिया स्पेशीज इन वालगो अट्टू ऑफ गोमती रिवर, लखनऊ, भारत'', अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च. 27. (9.9.2024) आईएसएसएन 2622 2628 doi.org/10.53555/AJBR.v27i1S.1852

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकेंः कुछ नहीं

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व के अन्य प्रकाशन

आचार्य वेंकटेश कुमार आर.

- 26 फरवरी 2025 को प्राणि विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में एरी रिसर्च एक्सटेंशन सेंटर, सेंट्रल सिल्क बोर्ड, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित टेक्नोलॉजी ओरिएंटेशन प्रोग्राम में ''एरी रेशमकीट में रोग प्रबंधन'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 20 जनवरी 2025 को रेशम उत्पादन निदेशालय, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित टेक्नोलॉजी ओरिएंटेशन प्रोग्राम में ''रेशमकीट प्यूपा तेलः ओमेगा–3 फैटी एसिड का एक नया स्रोत और इसकी भविष्य की संभावनाएं'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 20 जनवरी 2025 को रेशम उत्पादन निदेशालय, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित टेक्नोलॉजी ओरिएंटेशन प्रोग्राम में ''रेशम उत्पादन के उप–उत्पाद'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

आचार्य सुमन मिश्रा

- एस. गुलेरिया, के. सिंह, आर.सी. सोबती, एस. यादव, एस. मिश्रा और के. जयसवाल, ''माइक्रोवार्गेनिजम्स फॉर हैबिटेट रेस्टोरेशन, इन बायोटेक्नोलॉजिकल इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल

बायोडायवर्सिटी एंड डेवलपमेंट, संपादक आर.सी. सोबती, सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, बोका रैटन, लंदन, न्यूयॉर्क, पृष्ठ 107–122। 2025 आईएसएसएनः 9781032697529 (hbk), 9781032697536 (pbk), 9781032697550 (ebk)। DOI: 10.1201/9781032697550

- एन. ठाकुर, पी. कुमारी, एस. यादव, एस. मिश्रा और के. जयसवाल, ''इंट्रोडक्शन टू बायोरिर्सोसेस एण्ड सस्टेनबल यूटिलाइज़ेशन'' इन बायोटेक्नोलॉजिकल इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल बायोडायवर्सिटी एंड डेवलपमेंट, संपादक आर.सी. सोबती, सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, बोका रैटन, लंदन, न्यूयॉर्क, पृष्ठ 123–139, 2025 9781032697529 (hbk), 9781032697536 (pbk), 9781032697550 (ebk)। DOI: 10.1201/9781032697550
- एन. राय, ए. सहगल, डी. सांब्याल, जे.एम. जुल्का, एस. यादव, एस. मिश्रा और के. जयसवाल, ''मरीन बायोसोर्स एण्ड ब्लू इकोनॉमी'' इन बायोटेक्नोलॉजिकल इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल बायोडायवर्सिटी एंड डेवलपमेंट बायोटेक्नोलॉजिकल इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल बायोडायवर्सिटी एंड डेवलपमेंट, संपादक आर.सी. सोबती, सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, बोका रैटन, लंदन, न्यूयॉर्क, पृष्ठ 160–173, 2025, 9781032697529 (hbk), 9781032697536 (pbk), 9781032697550 (ebk)। DOI: 10.1201/9781032697550
- सोनिया, आर. बनर्जी, एस. यादव, एस. मिश्रा और के. जयसवाल, ''बायोप्रोस्पेक्टिंग एण्ड बायोडिस्कवरी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट'' इन बायोटेक्नोलॉजिकल इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल बायोडायवर्सिटी एंड डेवलपमेंट बायोटेक्नोलॉजिकल इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल बायोडायवर्सिटी एंड डेवलपमेंट, संपादक आर.सी. सोबती, सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, बोका रैटन, लंदन, न्यूयॉर्क, पृष्ठ 189–201, 2025, 9781032697529 (hbk), 9781032697536 (pbk), 9781032697550 (ebk)। DOI: 10.1201/9781032697550
- बी. बारसोला, पी. कुमारी, एस. यादव, एस. मिश्रा और के. जयसवाल, ''अप्रोच टू एग्रोबायोडायवर्सिटी प्रिज़र्वेशन एण्ड सस्टेनबल एग्रिकल्चर इन ए चेंजिंग वर्ल्ड'' इन बायोटेक्नोलॉजिकल इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल बायोडायवर्सिटी एंड डेवलपमेंट बायोटेक्नोलॉजिकल इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल बायोडायवर्सिटी एंड डेवलपमेंट, संपादक आर.सी. सोबती, सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, बोका रैटन, लंदन, न्यूयॉर्क, पृष्ठ 292–304, 2025, आईएसबीएनः 9781032697529 (एचबीके), 9781032697536 (पीबीके), 9781032697550 (ईबीके), डीओआईः 10.1201/9781032697550।

आचार्य आभा मिश्रा

- रोहित कुमार गौतम, आशीष साहू, नीलम शर्मा, आभा मिश्रा, महेंद्र सिंह. 2024, ''माइक्रोप्लास्टिक पॉल्यूशन एण्ड देयर इंपैक्ट ऑन एक्वाकल्चर एन्वाइरन्मेंट'' इनः इनोवेशन्स इन फिशरीज साइन्स एण्ड एक्वाकल्चर, पृष्ठ 199–216. संपादकः एन.के. यादव, जे. लाल, ए. वैष्णव, ए. बी. पटेल, पी. बिश्वास, सतीश सीरियल पब्लिशिंग हाउस. दिल्ली, आईएसबीएनः 978–93–95700–99–3।
- हिंदी में मत्स्य संरक्षण विज्ञान में नई दिशाएं, अध्याय 13. गोमती नदी में प्लास्टिक की चिंताजनक उपस्थिति रूजलीय जीवन और मानव स्वासथ्य के लि ए खतरा; रोहित कुमार गौतम 1,2, महेंद्र सिंह 2, बुलबुल अली 1, नीलम शर्मा 1, श्वेता आर्या1 एवं आभा मिश्रा 1' 2025।

डॉ. संध्या

- संध्या भारती और चेतन सिंह (2023), ''टॉक्सिक अफेक्ट्स ऑफ हेवी मेटल्स पॉल्यूशन इन द सेलेक्टेड स्ट्रेचस ऑफ गंगा रिवर ऑन एक्वाटिक फ्लोरा, फौना एण्ड ह्यूमन हेल्थ'', जर्नल ऑफ़ एक्सपेरिमेंटल जूलॉजी, इंडिया 26 (2): पी1453, जुलाई 2023 (इंडेक्स्ड वेब ऑफ़ साइंस, एनएएएस रेटिंगः 5.25), doi: 10.51470/jez.2023.26.2.1453
- संध्या भारती और चेतन सिंह (2023), बायोएक्यूमुलेशन एनालिसिस ऑफ मेटल्स इन फिशेस ऑफ द गंगेस रिवर एण्ड देयर पोटेन्शियल टॉक्सिक इंप्लिकेशन्स ऑन ह्यूमन हेल्थ इन कानपुर, उत्तर प्रदेश, इंडिया'', जर्नल ऑफ़ एक्सपेरिमेंटल जूलॉजी, इंडिया 26 (2): पी1497, जुलाई 2023 (इंडेक्स्ड वेब ऑफ़ साइंस, एनएएएस रेटिंगः 5.25), doi:10.51470/jez.2023.26.2.1497

- संध्या भारती और पूनम (2023), एनॉलिसिस ऑफ पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (PAHs) इन द गंगा रिवर वॉटर इन उत्तर प्रदेश, इंडिया'', नेचर एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन टेक्नोलॉजी, 22 (2): 869–877, जून 2023 (स्कोपस साइट स्कोरः 0.7). https://doi.org/10.46488/NEPT.2023.v22i02.029
- मंजुलेंद्र कुमार, संध्या भारती, और पूनम (2023), एस्टिमेशन ऑफ प्रोटीन एण्ड लिपिड कन्सेंट्रेशन इन लेबियोरोहिता (रोहू) ड्यूरिंग आइस्ड एण्ड सॉल्ट प्रिज़र्वेशन'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ज़ूलॉजी स्टडीज़, 8 (2):1–4, 21 अप्रैल 2023।

डॉ. नीशमा जयसवाल

- प्रदीप कुमार, गीतांजलि, अमर सिंह और नीशमा जयसवाल (2025), ''बायोप्रोस्पेक्टिंग फॉर एंटी–पैरासिटिक एजेंट्स'' बायोप्रोस्पेक्टिंग फ्यूचर रिसर्च फॉर सस्टेनबल डेवेलपमेंट (I), 49–59, एफजी द्वारा संपादित. ऑफ्र. टी. पुरूषोत्तमन, डॉ. डी. अरुण कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. कलैयारासी. के आईएसबीएन नं. 978–93–6163–909–8।
- प्रदीप कुमार, धर्मवीर सिंह गौतम, अवंतिका सिंह और नीशमा जयसवाल (2025), ''हेल्मिंथ बायोडायवर्सिटी इन वेटलैंड फिशः बायोप्रोस्पेक्टिंग पोटेन्शियल्स'', बायोप्रोस्पेक्टिंग फ्यूचर रिसर्च फॉर सस्टेनबल डेवेलपमेंट (I), 18–29. एफजी द्वारा संपादित. ऑफ्र. टी. पुरूषोत्तमन, डॉ. डी. अरुण कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. कलैयारासी. के, आईएसबीएन नं. 978–93–6163–909–8।
- अनिल कुमार, ज्योति, नीशमा जयसवाल और प्रदीप कुमार (2024), ''स्टॉक इनहैन्स्मेंट एण्ड सस्टेनबल मैनेजमेंट स्ट्रैटजीस इन एक्वाटिक ईकोसिस्टम्स'', रिवॉल्यूशनिंग फिशरीज मैनेजमेंट एण्ड कन्जर्वेशनः द रोल ऑफ एआई एण्ड जीपीएस, 175–197, श्री आशीष साहू, श्री देवर्षि रंजन, श्री सागर सत्कार, श्री गौहर इकबाल और डॉ. नीलेश कुमार द्वारा संपादित, आईएसबीएन नंबर 978–81–19105– 48–9।
- श्रेया चौधरी, प्रदीप कुमार, याशिका दलाल और नीशमा जयसवाल (2024), ''एन ओवरव्यू ऑफ बायोटेक्नोलॉजिकल अप्लिकेशन्स इन कोविड–19 पैंडेमिक'' इन जीन्स, ग्रीन्स–मशीन्स–द बायोटेक्नोलॉजी रिवॉल्यूशन, 26–38. एफजी ऑफ्र द्वारा संपादित, टी. पुरूषोत्तमन और डॉ. डी. अरुण कुमार। आईएसबीएन नं. 978–81–19337–93–4।
- प्रदीप कुमार, रेशू, श्रेया चौधरी और नीशमा जयसवाल (2024), इनफेस्टेशन ऑफ हेल्मिंथ पैरासाइट्स एण्ड देयर इफेक्ट ऑन ह्यूमन बीयिंग'' पैरासिटिक एसोसिएशन, 151–167, संपादकः बलवंत सिंह, अनीता सिंह, शिवांगी त्रिपाठी, मुकुल एम. बरवंत और प्रदीप कुमार, आईएसबीएन नं. 978–93–6261–904–4।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/आमंत्रित व्याख्यान में भागीदारी

डॉ. संध्या

- 15–29 दिसंबर 2023 तक आयोजित जूलॉजी में दो–सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया और उसे पूर्ण किया, जिसका आयोजन टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कॉलेज ने शिक्षा मंत्रालय के तहत पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग स्कीम (यूजीसी) द्वारा प्रायोजित किया गया था।
- 23 मार्च से 05 अप्रैल 2024 तक आयोजित "एडवांस्ड रिसर्च मेथोडोलॉजी" पर दो–सप्ताह के इंटरडिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया और उसे पूर्ण किया, जिसका आयोजन टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने शिक्षा मंत्रालय के तहत पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग स्कीम (यूजीसी) द्वारा प्रायोजित किया गया था।
- 10 फरवरी से 11 फरवरी 2025 तक जूलॉजी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित "फंक्शनल बायोलॉजी–एक्सप्लोरिंग न्यू फ्रंटियर्स" पर दो–दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

डॉ. नीशमा जयसवाल

- 18–20 मार्च, 2025 को यूपी एड्स कंट्रोल सोसाइटी द्वारा आयोजित "एनएसीपी के तहत बेहतर पीयर लेड दृष्टिकोण के माध्यम से रोकथाम को मजबूत करना" कार्यशाला में भाग लिया और आयोजन समिति की सदस्य रहीं।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 प्रक्रिया पर्यवेक्षण

आचार्य वी. इलंगोवन

- शिव शंकर ने "इंपैक्ट ऑफ डेमोग्रफी एण्ड डिस्ट्रिब्यूशनल ओवरलैप ऑफ इनसेक्टिवरस बैट्स ऑन फंगल डाइवर्सिटी" शीर्षक वाली थीसिस के साथ 11–07–2022 से पीएच.डी में दाखिला लिया है।
- विजय कुमार ने "इकोलॉजिकल कॉन्सिक्वेन्सस ऑफ आर्टिफिशियल लाइट्स ऑन बिहेवियूरल इकोलॉजी ऑफ स्कॉटोफिलस बैट्स" शीर्षक वाली थीसिस के साथ 11–07–2022 से पीएच.डी में दाखिला लिया है।
- मंजुलेंद्र कुमार ने "ए मेटाजेनोमिक्स इन्वेस्टिगेशन ऑन फूड हैबिट्स एण्ड इकोलॉजिकल सर्वीसेज़ ऑफ इंडियन फ्लाइयिंग फॉक्स, टेरोपस मेडियस (टेमिनक, 1825)" शीर्षक वाली थीसिस के साथ 11–07–2022 से पीएच.डी में दाखिला लिया है।
- अमिता सिंह ने "ए स्टडी ऑन फूड हैबिट्स, हेवी मेटल एक्क्युम्युलेशन, सर्वाइवल एण्ड फिटनेस ऑफ इनसेक्टिवरस बैट्स" शीर्षक वाली थीसिस के साथ 11–07–2022 से पीएच.डी में दाखिला लिया है।
- पल्लवी सिंह ने "आइसोलेशन, कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड आइडेंटिफिकेशन ऑफ गुआनोफिलिक बैक्टीरिया ऑफ बैट्स." शीर्षक वाली थीसिस के साथ 09–02–2024 से पीएच.डी में दाखिला लिया है।

आचार्य वेंकटेश कुमार आर.

- कुसुमाला सुमन ने "एड्वान्सेस इन रिसर्च ऑन द यूटिलाइज़ेशन ऑफ प्यूपल आयल ऑफ मलबेरी सिल्कवर्म बॉम्बेक्स मोरी एण्ड तसर सिल्कवर्म एंथेरिया प्रोइली फॉर फार्मास्युटिकल अप्लिकेशन्स". शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी में दाखिला लिया है।
- आकाश मिश्रा ने "कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड एनॉलिसिस ऑफ द थेरेप्यूटिक प्रॉपर्टीज ऑफ एरी सिल्कवर्म (फिलोसेमिया रिसिनी) प्यूपल आयल" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी में दाखिला लिया है।
- अभिषेक वर्मा ने "रिसर्च ऑन कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड बायोलॉजिकल प्रॉपर्टीज ऑफ तसर सिल्कवर्म (एंथेरिया मायलिट्टा) प्यूपल आयल" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी में दाखिला लिया है।
- आलोक रंजन ने "स्टडीज ऑन केमिकल कम्पोज़िशन प्रोफाइलिंग एण्ड बायोलॉजिकल एक्टिविटीज ऑफ मुगा सिल्कवर्म (एंथेरिया असमेंसिस) प्यूपल आयल" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी में दाखिला लिया है।
- श्रेया श्रीवास्तव ने "स्टडीस ऑन एक्सट्रैक्शन, कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड थेरप्यूटिक प्रॉपर्टीज ऑफ एरी प्यूपा (फिलोसेमिया रिसिनी) एण्ड फ़्लैक्सड (लिनम यूज़िटैटिसिमम) कंपोज़िट आयल" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी में दाखिला लिया है।
- पुष्पराज यादव ने ''एक्सट्रैक्शन, कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड एसेस द पोटेन्शियल थेरप्यूटिक प्रॉपर्टीज ऑफ ए कंपोज़िट आयल डेराइव्ड फ्रॉम तसर सिल्कवर्म प्यूपा (एंथेरिया मुलिता) फ़्लैक्सड (लिनम यूज़िटैटिसिमम)'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी में दाखिला लिया है।

8.3.5.2 प्रदान की गई पीएच.डी

आचार्य वी. इलांगोवन

- कुमारी नहेदा अंजुम को दिसंबर, 2024 में "रोस्टिंग एण्ड रिप्रोडक्टिव इकोलॉजी ऑफ द इंडियन फ्लाइंग फॉक्स, टेरोपस मेडियस (टेम्मिंक, 1825)" शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी प्रदान की गई।

आचार्य वेंकटेश कुमार आर.

- देविका श्रीवास्तव को 2025 में "स्टडीज ऑन आइसोलेशन, प्यूरिफिकेशन एण्ड कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ अल्फा–लिनोलेनिक एसिड ऑफ तसर प्यूपा आयल" शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी प्रदान की गई।

8.3.6 परियोजनाएं/परामर्श/और कोई अन्य

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां

आचार्य सुमन मिश्रा

- मानद सदस्यता, हिमालयन फोरम फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन, शूलिनी यूनिवर्सिटी ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट साइंसेज, सोलन (एचपी), भारत में।

आचार्य आभा मिश्रा

- एसकेएसएस राष्ट्रीय लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार–2024, प्रकृति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधुनिक जीवन शैलीः मुद्दे और परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन लखनऊ में, 28–29 दिसंबर 2024।
- 8 मार्च 2025 को महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाओं की समिति, बीबीएयू, लखनऊ द्वारा उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं प्रशासनिक पेशेवर हेतु सम्मान।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	11
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	14
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	–
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	02
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	07
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	172
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	42
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	–
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	02
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	09
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	07

प्रबंधन एवं वाणिज्य विद्यापीठ

प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ की स्थापना वर्ष 2010 में एक विभाग के साथ की गई थी, जिसका नाम ग्रामीण प्रबंधन विभाग था और इसमें एक परास्नातक पाठ्यक्रम, एमबीए (ग्रामीण प्रबंधन) की पेशकश किया गया था। बाद में, प्रबंधन में पीएच.डी., एमबीए (वित्तीय प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, विपणन प्रबंधन और नवाचार उद्यमिता और उद्यम विकास), बीबीए और बी. कॉम. (ऑनर्स) कार्यक्रमों को प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ में जोड़ा गया। अगस्त 2020 में, विद्यापीठ का नाम बदलकर प्रबंधन एवं वाणिज्य विद्यापीठ कर दिया गया। वर्तमान में दो अलग–अलग विभाग चल रहे हैं, (1) प्रबंधन अध्ययन विभाग (डीएमएस) नवंबर 2022 में, ग्रामीण प्रबंधन विभाग का नाम बदलकर प्रबंधन अध्ययन विभाग और (2) वाणिज्य विभाग (डीसी) प्रबंधन एवं वाणिज्य विद्यापीठ के तहत किया गया।

प्रबंधन अध्ययन विभाग

विभाग का परिचय

प्रबंधन अध्ययन विभाग (डीएमएस) को मूल रूप से 2010 में ग्रामीण प्रबंधन विभाग के रूप में की गई थी और बाद में 2022 में इसका नाम बदल दिया गया। यह प्रबंधन एवं वाणिज्य विद्यापीठ के तहत कार्य करता है और पीएच.डी. (प्रबंधन), एमबीए (विभिन्न विशेषज्ञता), बीबीए (ऑनर्स) सहित कई प्रकार के कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग उद्यमिता, सतत विकास, नवाचार, शोध और सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर देता है, और शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से सेमिनार, एफडीपी, एमडीपी, आमंत्रित वार्ता और विस्तार गतिविधियों का आयोजन करता है।

विभाग की ताकत

- **कार्यक्रमों की पेशकशः** पीएच.डी., एमबीए (कई विशेषज्ञता), बीबीए (ऑनर्स)।
- **संकायः** 8 उच्च योग्य संकाय सदस्य जिनके पास पीएच.डी. एवं मजबूत शोध प्रोफाइल है।
- **बुनियादी ढ़ाचाः** स्मार्ट क्लासरूम, वाई–फाई सक्षम कैंपस, विभागीय और केंद्रीय पुस्तकालय, कंप्यूटर प्रयोगशाला।
- **शोध एवं प्रकाशनः** आईसीएसएसआर–वित्त पोषित परियोजनाएं, स्कोपस/यूजीसी केयर/क्यू 1 इंडेक्स प्रकाशन, स्प्रिंगर और रूटलेज के साथ पुस्तक अध्याय।
- **छात्रों की उपलब्धियांः** 5 सिविल सेवा चयन, 11 नेट/जेआरएफ, 106 छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।
- **उद्योग और सरकारी संबंधः** एमएसएमई, आईसीएसएसआर, यूपीएसएसी के साथ सहयोग।
- **गतिविधियाँः** राष्ट्रीय सेमिनार, उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम, कैरियर कार्यशालाएं, राष्ट्रीय युवा दिवस।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

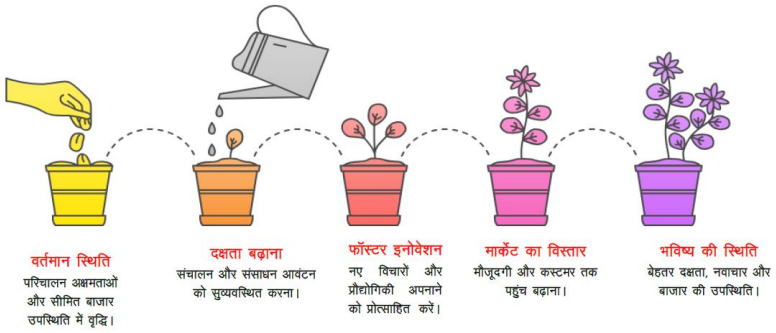

- एआई, बिजनेस एनालिटिक्स, सस्टेनेबिलिटी में ऐड–ऑन प्रमाणन पाठ्यक्रम शुरू करें।
- क्यू1/स्कोपस पत्रिकाओं में शोध प्रकाशनों का विस्तार करें।
- नवाचार एवं उद्यमिता प्रकोष्ठ की स्थापना करें।
- उद्योग सहयोग और समझौता ज्ञापन को मजबूत करना।
- प्लेसमेंट तत्परता मॉड्यूल और पूर्व छात्रों की सहभागिता को बढ़ाना।
- वित्तीय साक्षरता और महिला सशक्तिकरण पर सामुदायिक पहल शुरू करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- कार्यक्रमः बीबीए (ऑनर्स), एमबीए (एकाधिक विशेषज्ञता), पीएच.डी. (प्रबंधन)।
- पाठ्यक्रम एनईपी–2020 और उद्योग आवश्यकताओं के अनुरूप है।

1.2 पाठ्यचर्या योजना एवं कार्यान्वयन

- समय–समय पर संशोधन के साथ विकल्प–आधारित पाठ्यक्रम।
- कार्यशालाओं, सेमिनारों और अतिथि व्याख्यानों को नियमित रूप से शामिल करना।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- कई एमबीए विशेषज्ञताएंः ग्रामीण प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, विपणन, नवाचार और उद्यमिता, रक्षा प्रबंधन।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

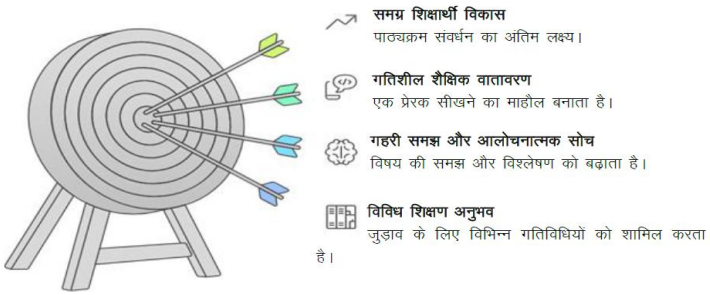

- राष्ट्रीय सेमिनार, उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम, एमडीपी।
- शिक्षण में स्थिरता और एआई का इंटीग्रेशन।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- पाठ्यक्रम सुधार में छात्र और पूर्व छात्रों की प्रतिक्रिया को शामिल किया गया।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

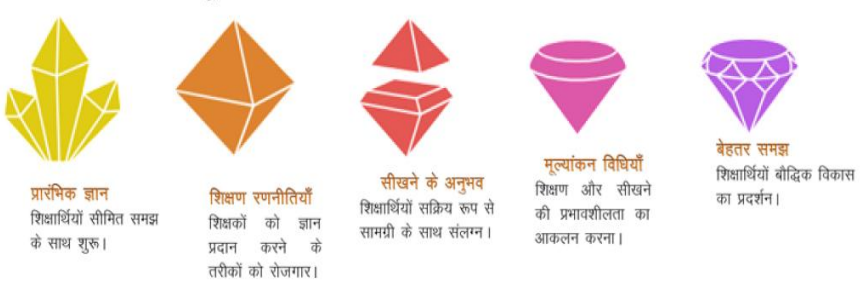

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- यूजी (बीबीए): 284 छात्र।
- पीजी (एमबीए): 272 छात्र।
- पीएच.डी.: जारी है।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- छात्रों को सिविल सेवाओं, उच्च शिक्षा, बैंकिंग, शिक्षण में रखे गए छात्र।
- विशेष मार्गदर्शन और प्लेसमेंट तत्परता कार्यशालाएं।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट कक्षाएँ, वाई–फाई परिसर, विभागीय पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब।
- अतिथि व्याख्यान, एफडीपी और कौशल–आधारित सत्र।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

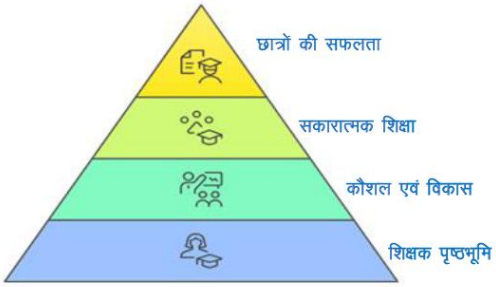

- 8 संकाय सदस्य (आचार्य, उपाचार्य, सहायक आचार्य)।
- सभी संकायों के पास पीएच.डी है; वे सक्रिय शोधकर्ता हैं और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के संपादक हैं।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

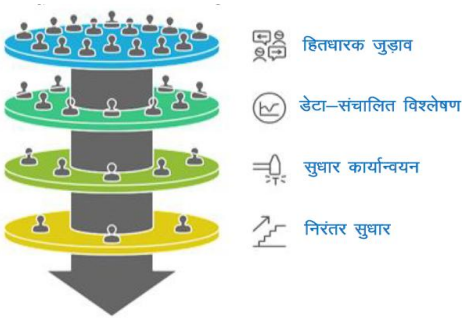

- सीबीसीएस ढांचा, पारदर्शी परीक्षाएं, समय पर परिणाम।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- सिविल सेवा में 5 छात्रों का चयन हुआ।
- 11 छात्रों ने नेट/जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण की।
- 106 छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- फीडबैक प्लेसमेंट, शोध और सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों से संतुष्टि का पता चलता है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- आईसीएसएसआर प्रायोजित अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम (2025)।
- चल रहे वित्त पोषित परियोजनाएं।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- आईसीएसएसआर लघु परियोजना स्वीकृतः रू 9,00,000 (2025–26)।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- एमएसएमई के साथ उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम।
- एआई, ग्रीन एचआरएम, सस्टेनेबल बिजनेस पर शोध।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- क्यू1/स्कोपस/यूजीसी केयर जर्नल्स में संकाय के प्रकाशन।
- स्प्रिंगर, रूटलेज के साथ पुस्तक अध्याय।

3.5 परामर्श

- निःशुल्क परामर्श प्रदान किया गया (जानकारी मांगने पर विवरण दिया जायेगा)।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह, सामुदायिक सहभागिता, सीएसआर पर सेमिनार।

3.7 सहयोग

- एमएसएमई, आईसीएसएसआर, यूपीएसएसी के साथ शैक्षणिक साझेदारी।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

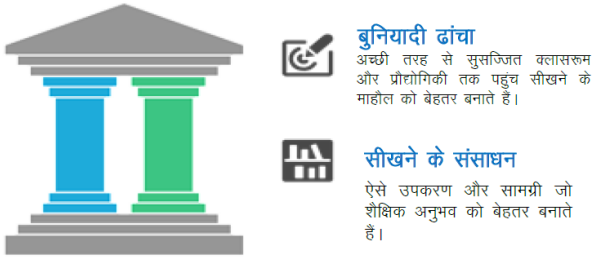

4.1 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट कक्षाएँ, वाई–फाई सक्षम परिसर।
- कंप्यूटर लैब और पुस्तकालय सुविधाएं।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- समृद्ध विभागीय पुस्तकालय और केंद्रीय पुस्तकालय तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- डिजिटल शिक्षण उपकरण और ऑनलाइन शैक्षणिक सत्र।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- केंद्रीय रूप से प्रबंधित रखरखाव और उन्नयन।

5. छात्र सहायता और प्रगति

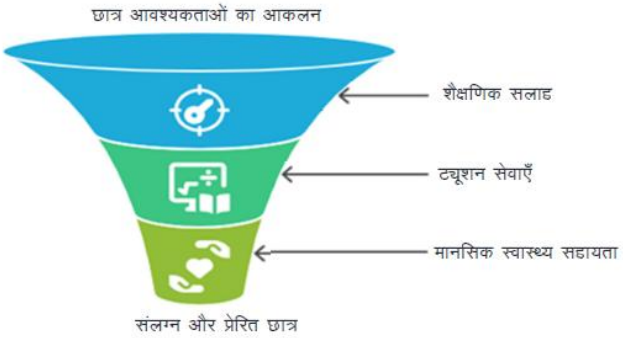

5.1 छात्र सहायता

- प्लेसमेंट प्रशिक्षण, बायोडाटा कार्यशालाएं, मार्गदर्शन।

5.2 छात्र प्रगति

- सिविल सेवाएँः 5
- नेट/जेआरएफः 11
- उच्च शिक्षाः 106

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- युवा दिवस समारोह, कैरियर विकास कार्यक्रम, सांस्कृतिक गतिविधियाँ।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- शिक्षा जगत, उद्योग और सिविल सेवाओं में लगे पूर्व छात्र।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- संकायाध्यक्ष आचार्य अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में।
- उद्यमशीलता, नवाचार, स्थिरता पर जोर।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- संकाय विकास, अनुसंधान फोकस, कौशल विकास कार्यक्रम।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- एफडीपी में संकाय संसाधन व्यक्ति के रूप में।
- संपादकीय और व्यावसायिक निकाय की सदस्यता।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- आईसीएसएसआर और प्रायोजित कार्यक्रमों के माध्यम से संसाधन जुटाना।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईक्यूएसी में संकाय का प्रतिनिधित्व।
- छात्र परिणामों की निरंतर निगरानी।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- स्थिरता, महिला सशक्तिकरण, मानवीय मूल्यों पर केंद्रित।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- प्रबंधन शिक्षा में हरित मानव संसाधन प्रबंधन और एआई का एकीकरण।
- अनुसंधान–संचालित सेमिनार/कार्यशालाएँ का आयोजन।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- ग्रामीण जड़ों और आधुनिक व्यवसाय प्रबंधन का अनूठा मेल।
- अनुसंधान और अभ्यास–उन्मुख शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य कुशेंद्र मिश्रा**
  आचार्य
  विशेषज्ञता: इकोनॉमिक्स, लीगल और रेगुलेटरी फ्रेमवर्क, फाइनेंस
  योग्यता: एमबीए, पीएच.डी. (बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन)
- **आचार्य अमित कुमार सिंह**
  आचार्य, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक
  विशेषज्ञता: ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, पर्सनल मैनेजमेंट और इंडस्ट्रियल रिलेशंस, कार्बन मैनेजमेंट, रिसर्च मेथोडोलॉजी, ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर, स्मॉल स्केल बिजनेस
  योग्यता: पीएच.डी.
- **डॉ. तरुणा**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञता: एचआरएम, ओबी, स्ट्रेस मैनेजमेंट
  योग्यता: एमबीए, पीएच.डी. (बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन)
- **डॉ. कृष्णा मुरारी**
  उपाचार्य

विशेषज्ञताः बैंकिंग और नॉन–बैंकिंग सेक्टर, बिहेवियरल फाइनेंस, फाइनेंशियल इकोनॉमेट्रिक्स, इन्वेस्टमेंट और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, बिजनेस एनालिटिक्स
योग्यताः एमबीए, पीएच.डी.

- **डॉ. रमेश कुमार चतुर्वेदी**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः कंज्यूमर रिसर्च, माइक्रोफाइनेंस
  योग्यताः एमबीए, पीएच.डी., एमडीएसई, एमए (लोक प्रशासन)
- **डॉ. लता बाजपेयी सिंह**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः एचआरएम, ओबी, एम्प्लॉई एंगेजमेंट
  योग्यताः एमबीए, एमए, यूजीसी–नेट (जेआरएफ), पीएच.डी.
- **डॉ. अर्पित शैलेश**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः माइक्रो फाइनेंस, फाइनेंशियल रिपोर्टिंग और एनालिसिस, कॉस्ट और मैनेजमेंट अकाउंटिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, एंटरप्रेन्योरशिप और आईपीआरएस।
  योग्यताः एमबीए, पीएच.डी.
- **डॉ. सलिल सेठ**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः एनवायरनमेंटल (ग्रीन) मार्केटिंग और एडवरटाइजिंग, सस्टेनेबल मार्केटिंग, न्यूरोमार्केटिंग, बायोइकोनॉमिक्स और सस्टेनेबिलिटी, जनरल मैनेजमेंट।
  योग्यताः एम.टेक, एमबीए, पीएच.डी. (प्रबंधन)

8.2 संस्थान के भीतर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

डॉ. तरुणा, उपाचार्य

- तरुणा, "फॉस्टरिंग एंप्लायी लायल्टी इन टूरिज्म सेक्टरः द साइनर्जिस्टिक इंपैक्ट ऑफ साइकोलॉजिकल सेफ्टी, इंक्लूसिव लीडरशिप, एथिकल क्लाइमेट एण्ड रिवॉर्ड रेकग्निशन", अटना जर्नल ऑफ़ टूरिज्म स्टडीज़, वॉल्यूम 19. आईएसएसएनः 0975–3281, जुलाई 2024।
- तरुणा, "ट्रांसफॉर्मिंग ऑर्गेनाइज़ेशन्स फॉर द डिजिटल फ्यूचर बाइ एडाप्टिंग इंडस्ट्री 4.0", संशोधक जर्नल, पेज 220–224. आईएसएसएनः 2394–5990, अप्रैल–जून 2024।
- तरुणा, ''फ्लेक्सिबल वर्क अरेंज्मेंट्सः इम्पॉवरिंग एंप्लायीस थ्रू सूपरवाइज़र सपोर्ट फॉर एनहैन्स्ड वेल–बीयिंग", पैसिफिक बिजनेस रिव्यू (इंटरनेशनल), वॉल्यूम 17, 1–13. आईएसएसएनः 0974–438X. अगस्त 2024।
- तरुणा, "फोरकॉस्टिंग फॉरेन टूरिस्ट एराइवल्स इन इंडियाः ए स्ट्रेटेजिक एनॉलिसिस फॉर सस्टेनबल रिलिजियस टूरिज्म ग्रोथ", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिलीजियस टूरिज्म एंड पिलग्रिमेज, वॉल्यूम 12, 9–18, आईएसएसएनः 2009–7379, दिसंबर 2024।
- तरुणा, "प्रिकर्सर्स ऑफ एंप्लायी एंगेज्मेंट इन ट्रैवेल एजेन्सीज टू एनरिच द रिलिजियस टूरिस्ट एक्सपीरियेन्स", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिलीजियस टूरिज्म एंड पिलग्रिमेज, वॉल्यूम 12, 39–51, आईएसएसएनः 2009–7379, दिसंबर 2024।

डॉ. कृष्ण मुरारी, उपाचार्य

- मुरारी, कृष्ण, "एग्ज़ामिनिंग द लिंकेज ऑफ लार्ज–कैप ईक्विटी म्यूचुयल फंड्स' परफॉर्मेन्स विथ मैक्रोइकोनॉमिक इंडिकेटर्स यूज़िंग पैनल एआरडीएल अप्रोच'', उन्नयन–इंटरनेशनल बुलेटिन ऑफ़ मैनेजमेंट एंड इकोनॉमिक्स (आईएसएसएन नंबर 2349–6622 प्रिंट और आईएसएसएन नंबर 2349–7165 ऑनलाइन) वॉल्यूम XVII (1), पेज 14–37, 2025 https://www.ipsacademy.org/unnayan/jan-25xviiv1/2%20paper%202_%20Krishna%20Murari.pdf
- वांगचुक, एस.; मुरारी, के.; दास, पी.के. "मैनेजीरियल कोचिंग एज एनटेसेडेंट टू एंप्लायी एंगेज्मेंट एण्ड ऑर्गेनाइज़ेशन सिटिज़नशिप बिहेवियर्सः एविडेन्स फ्रॉम इंडिया'', विलक्षण–XIMB जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट (प्रिंट–आईएसएसएनः 0973–1954; ई– आईएसएसएनः 2633–9439) वॉल्यूम 21 (2), पृष्ठ 210–228. 2024 https://doi.org/10.1108/XJM-07-2023-0159
- चौरासिया, ए.; मुरारी, के. "इमोशनल इंटेलिजेन्स एण्ड इनवेस्टमेंट डिसिजन मेकिंगः ए सिस्टमेटिक रिव्यू'', मुद्राः जर्नल ऑफ़ फाइनेंस एंड अकाउंटिंग (आईएसएसएनः 2347–4467; ई– आईएसएसएनः 2395–2598), वॉल्यूम 11(1), पृष्ठ 169–185, 2024 https://doi.org/10.17492/jpi.mudra.v11i1.1112409

डॉ लता बाजपेयी सिंह, सहायक आचार्य

- चौधरी, आर., श्रीवास्तव, एस., और सिंह, एल.बी. ''डज़ वर्कप्लेस ऑस्ट्रसिज्म लीड टू नॉलेज हाइडिंग? मॉडलिंग वर्कप्लेस विथड्रॉल एज ए मीडियेटर एण्ड ऑथेंटिक लीडरशिप एज ए मॉडेरेटर'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, 35(21), 3593–3636। 2024 (प्रभाव कारकः 4. 9)।
- धीर, एस., सिंह, एस., और सिंह, एल.बी. ''ऑर यू रियली सेटिस्फाइड इन लाइफ? डेवेलपिंग ए स्केल ऑन लाइफ सेटिस्फैक्शन'', जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च, 16(4), 452–469। 2024 (प्रभाव कारकः 2.1; स्कोपस–सूचीबद्ध)।
- श्रीवास्तव, एस., सिंह, एल.बी., और मेहदी, एस.ए. "रिवाइटलाइज़िंग इंडियन टूरिज्मः नेविगेटिंग फियर एण्ड प्रोक्रेस्टिनेशन इन द पोस्ट कोविड–19 एरा'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिलिजियस टूरिज्म एण्ड पिलग्रिमेज, 12(3), 5, 2024 (प्रभाव कारकः 1.08; क्यू1 जर्नल, स्कोपस–सूचीबद्ध)।
- अग्रवाल, एस., सिंह, एल.बी., और श्रीवास्तव, एस. "साइकोलॉजिकल इम्पॉवरमेंट एन एनटेसेडेंट टू कैरियर सेटिस्फैक्शनः मॉडलिंग अफेक्टिव कमिटमेंट एज ए मीडियेटर एण्ड रिसिलियेन्स एज ए मॉडरेटर." काइबरनेट्स, 2024 (प्रभाव कारकः 2.4; स्कोपस–सूचीबद्ध)।

डॉ. सलिल सेठ, सहायक आचार्य

- तोमर, एल., सेठ, एस., पठान, एमआई, यादव, पी., महातो, एमके "ग्रीन इनवेस्टमेंट्स एण्ड कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटीः ड्राइविंग फोर्सेस फॉर सस्टेनबल बिजनेस ग्रोथ'', इकोनामिक साइन्सेस ईएस (2024) 20(2), दिसंबर 2024, पेज 329–337, 2024 आईएसएसएन–1505–4683।
- पठान, एमआई, सेठ, एस., तोमर, एल., यादव, पी., महातो, एमके ''क्लाइमेट फाइनेन्सः पायनियरिंग पाथवे टू ससटेनबिलिटी'', इकोनामिक साइन्सेस ईएस (2024) 20(2), नवंबर 2024, पेज 215–226, आईएसएसएन–1505–4683, https://doi.org/10.69889/zghajm28
- सेठ, एस., महातो, एम.के., यादव, पी., पठान, एम.आई., और तोमर, एल, "बूस्टर्स फॉर कार्बन न्यूट्रेलिटीः ए 360° अप्रोच", युरोपियन इकोनामिक लेटर्स, वॉल्यूम 14, संख्या –02, अप्रैल 2024, पेज 656– 665, आईएसएसएन–2323–5233।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन

डॉ. तरुणा

- डॉ. तरुणा, ''ग्रीन एचआरएमः कैटलिस्ट फॉर सस्टेनबल डेवेलपमेंट एण्ड ऑर्गेनाइज़ेशनल सक्सेस पब्लिश्ड रोल ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नालजी फॉर सस्टेनबल फ्यूचर'', अनुप्रयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खंड 2, आईएसबीएनः 978–981–97–5176–1, 2024।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

डॉ. तरुणा

- 30 नवंबर 2024 को विवेकानंद ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रबंधन अध्ययन संकाय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार इनोएचआरवेशन 2.0 सम्मेलन में "योग्यता से अधिक अनुभवरू किसी संगठन के लिए वरदान या अभिशाप" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- ब्राह्मणंद पीजी कॉलेज, कानपुर द्वारा 12–13 फरवरी 2025 के दौरान आयोजित सतत विकास लक्ष्यः रणनीति और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लघु और मध्यम उद्यमों में सतत व्यावसायिक प्रथाओं की खोज" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 13–14 अप्रैल 2025 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित बाबासाहेब की राष्ट्र निर्माण की अवधारणा और संवैधानिक प्रतिबद्धताओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर, नए भारत के वास्तुकार" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 13–14 अप्रैल 2025 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित बाबासाहेब की राष्ट्र निर्माण की अवधारणा और संवैधानिक प्रतिबद्धताओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''श्रम प्रबंधन और सामाजिक समानता के प्रति डॉ. भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण'' शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 25 अप्रैल 2025 को कालीचरण पीजी कॉलेज, लखनऊ द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली के बहुआयामी परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक युग में इसकी प्रासंगिकता" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 14–15 फरवरी 2025 को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित विकसित भारत @2047 विज़न के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी और सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में सीएसआर प्रथाओं की खोजः एक समीक्षा" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 19–21 नवंबर 2024 को स्कूल ऑफ लीडरशिप एंड मैनेजमेंट, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद में आयोजित चौथे प्रीतम सिंह मेमोरियल (PRISM) सम्मेलन में "कर्मचारी लचीलेपन को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कारकों की जांचरू विभेदक विश्लेषण का उपयोग करके आईटी क्षेत्र से अनुभवजन्य साक्ष्य" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 28.02.2025 को पीएसआईटी कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, कानपुर द्वारा आयोजित मानविकी और प्रौद्योगिकी के माध्यम से भविष्य का निर्माणः सतत विकास लक्ष्य और स्थानीय कार्य पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान भाग लिया और ''डिजिटल ऋण को एक नया सामान्य बनानाः रुझान, पैटर्न और भविष्य की संभावनाएं'' शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. लता बाजपेयी सिंह

- 29 जनवरी–1 फरवरी 2025 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ द्वारा आयोजित चौथे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च कॉन्फ्रेंस और डॉक्टोरल वर्कशॉप 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रबंधन और उसके साथ काम करने परः मिलकर दुनिया को आकार देना' में ''कर्मचारियों पर आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस अपनाने का प्रभाव और संगठनात्मक प्रदर्शन पर इसका असरः पूर्ववर्ती कारकों, स्वतंत्र चर और परिणामों की समीक्षा'' शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।

- 29 जनवरी–1 फरवरी 2025 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ द्वारा आयोजित चौथे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च कॉन्फ्रेंस और डॉक्टोरल वर्कशॉप 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रबंधन और उसके साथ काम करने परः मिलकर दुनिया को आकार देना' में "हरित मानव संसाधन प्रबंधन–विभिन्न उद्योगों में हरित संस्कृति को बढ़ावा देना" शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 21 दिसंबर 2024 को जगन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कानपुर द्वारा आयोजित "सतत व्यापार परिवर्तन और उद्यमशीलता विकास के लिए आईटी का लाभ उठाने पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" के दौरान "उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र में महिलाओं की तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देनाः चुनौतियां और रास्ते" शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 21 दिसंबर 2024 को जगन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कानपुर द्वारा आयोजित "सतत व्यापार परिवर्तन और उद्यमशीलता विकास के लिए आईटी का लाभ उठाने पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" के दौरान "डिजिटल एक्सेस के माध्यम से महिला उद्यमियों का सशक्तिकरण" शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 1–2 दिसंबर 2024 को गेटवे इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली– एनसीआर सोनीपत द्वारा आयोजित सतत विकास, "भविष्य को आकार देनाः सतत विकास के लिए रुझान और अंतर्दृष्टि" पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "संघर्ष समाधान पर शिक्षा के प्रभाव की पड़तालः एक वैचारिक अध्ययन" शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 1–2 दिसंबर 2024 को गेटवे इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली– एनसीआर सोनीपत द्वारा आयोजित सतत विकास, "भविष्य को आकार देनाः सतत विकास के लिए रुझान और अंतर्दृष्टि" पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कार्यस्थल को हरा–भरा बनानाः पर्यावरण के अनुकूल संचालन के लिए ग्रीन एचआरएम" शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 29–30 नवंबर 2024 को इंटीग्रल एंड इनोवेटिव सस्टेनेबल एजुकेशन कॉलेज, लखनऊ के सहयोग से इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेशल एजुकेशन द्वारा आयोजित बहु–विषयक अनुसंधान और नवाचार में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "जलवायु अनुकूल समाज बनाने में उच्च शिक्षण संस्थानों की भूमिका" शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 29 नवंबर, 2024 को आईसीएफएआई स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित डेमोग्राफिक ट्रांज़िशन, बदलते परिवार सिस्टम, और जीवन की गुणवत्ता (QOL)'' विषय पर विकसित भारत @2047, 1 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन (हाइब्रिड मोड) के दौरान ''सतत आर्थिक विकास के लिए भारत के डेमोग्राफिक डिविडेंड का उपयोगः 2047 तक 'विकसित भारत' के विज़न की ओर चुनौतियाँ और अवसर'' शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 29 नवंबर, 2024 को आईसीएफएआई स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित डेमोग्राफिक ट्रांज़िशन, बदलते परिवार सिस्टम, और जीवन की गुणवत्ता (QOL)'' विषय पर विकसित भारत @2047, 1 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन (हाइब्रिड मोड) के दौरान "सतत आर्थिक विकास के लिए भारत के डेमोग्राफिक डिविडेंड का इस्तेमालरू 2047 तक श्विकसित भारतश के विजन की ओर चुनौतियाँ और अवसर" ''घर जैसा महसूस होता है या नहींः निवासियों की भलाई और संतुष्टि का आकलन'" शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 25–26 नवंबर, 2024 को अर्थशास्त्र विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित "जलवायु अनुकूल समाज का निर्माणः मुद्दे और चुनौतियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान ''ग्रामीण महिलाओं को उद्यमी बनने और अपनी आजीविका सुनिश्चित करने में स्टैंडअप इंडिया योजना की भूमिका'' शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।

- 25–26 नवंबर, 2024 को अर्थशास्त्र विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित "जलवायु अनुकूल समाज का निर्माणः मुद्दे और चुनौतियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान "जलवायु के प्रति लचीले और टिकाऊ शैक्षणिक संस्थानों को विकसित करने में हितधारकों को शामिल करना" शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 30 अप्रैल, 2024 को श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, बाराबंकी द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर राष्ट्रीय सेमिनार सम्मेलन के दौरान ''रोजगार कौशल विकसित करने में मानवीय मूल्यों की भूमिकाः एक अनुभवजन्य जांच'' शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 30 अप्रैल, 2024 को श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, बाराबंकी द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर राष्ट्रीय सेमिनार सम्मेलन के दौरान "व्यवसाय में एआई का अनुप्रयोग और नैतिक मुद्दे" शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 29 अप्रैल, 2023 को जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदिरापुरम, गाजियाबाद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन व्यापार और आर्थिक परिवर्तन में सतत विकास लक्ष्यों की भूमिका में "सहकर्मी ईर्ष्या के परिणामः भारतीय होटल उद्योग से साक्ष्य" शीर्षक वाला शोध पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. सलिल सेठ

- 18–19 मार्च, 2025 को शिक्षा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'स्वदेशी भाषाएँ और एनईपी–2020ः स्थायी शिक्षा की ओर रास्ते' में ''परंपरा और स्थिरता का अंतर्संबंधः भारतीय ज्ञान प्रणालियों से अंतर्दृष्टि" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- ब्राह्मनंद पीजी कॉलेज, कानपुर द्वारा 12–13 फरवरी 2025 के दौरान आयोजित सतत विकास लक्ष्यः रणनीति और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''स्थिरता प्राप्त करने के लिए हरित नवाचार और कॉर्पोरेट पर्यावरणीय जिम्मेदारी का समूह" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 29–30 नवंबर 2024 को इंटीग्रल एंड इनोवेटिव सस्टेनेबल एजुकेशन कॉलेज, लखनऊ के सहयोग से इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेशल एजुकेशन द्वारा आयोजित बहु–विषयक अनुसंधान और नवाचार में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''सतत विकास के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में हरित निवेशः इसके पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक प्रभावों की एक व्यापक समीक्षा'' शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 29–30 नवंबर 2024 को इंटीग्रल एंड इनोवेटिव सस्टेनेबल एजुकेशन कॉलेज, लखनऊ के सहयोग से इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेशल एजुकेशन द्वारा आयोजित बहु–विषयक अनुसंधान और नवाचार में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "हरित नवाचाररू स्थिरता के लिए अग्रणी मार्ग" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 17–18 अक्टूबर, 2024 को विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीएसएसआर प्रायोजित) द्वारा राष्ट्रीय सेमिनार 'व्यवसाय प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिकाः विकसित भारत के रास्ते पर परिप्रेक्ष्य और निहितार्थ' में "एआई–एनेबल्ड ग्रीन इनवेस्टमेंट टूल्स फॉर बिज़नेस ससटेनबिलिटी इन इंडिया" पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 17–21 मार्च, 2025 तक राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, केंद्रीय जम्मू विश्वविद्यालय, भारत द्वारा आयोजित 5 दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी में ''भारतीय रणनीतिक सोच और युद्धकला–भारतीय ज्ञान प्रणाली'' में भाग लिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य कुशेंद्र मिश्रा

- आयुष साबत ने ''नेविगेटिंग द म्यूजिक इंडस्ट्रीः अनरैवलिंग द ड्राइवर्स एंड चौलेंजेस ऑफ म्यूसिप्रेन्योरशिप'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सूनमो क्वोन ने ''एक्सफ़ोलिएटिंग इंडियन कंज्यूमरश्स वैल्यू परसेप्शन टुवर्ड्स कोरियन ब्रांड्सः ए सेक्टर–वाइज एक्सप्लोरेशन'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- अपलक सिंह ने ''बैड बैंक्स एंड द फ्यूचर ऑफ एसेट रिकवरी इन इंडियाः एन एनालिटिकल पर्सपेक्टिव'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- मयंक कुमार सिंह ने पीएच.डी. प्रोग्राम में प्रवेश लिया है और कोर्स वर्क कर रहे हैं।

आचार्य अमित कुमार सिंह

- अमरप्रीत कौर ने ''पर्सेप्षन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एण्ड डिजिटल एटानॉमी ऑन इनोवेटिव वर्क बिहेवियर ऑफ एंप्लायीसः रोल ऑफ डिजिटल कंपिटेन्स एज ए मीडियेटर'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- अमृता चतुर्वेदी ने पीएचडी प्रोग्राम में दाखिला लिया है और कोर्स वर्क कर रही हैं।

डॉ. तरुणा

- सलाहुद्दीन खान ने ''इंपैक्ट ऑफ सेल्फ़–एस्टीम ओं एमोशनल डिसनेन्स (Ed) ड्राइवेन इमोशनल एग्ज़ॉशन (Ee) एण्ड जॉब एंबेडेडनेस (Je) एमॉग्स्ट द एंप्लायीज ऑफ सेंट्रली फंडेड यूनिवर्सिटीज इन इंडिया'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- असद उल्लाह ज़ाहिर ने "एन एनॉलिसिस ऑफ फाइनेन्शियल मॉडल एण्ड देयर इफेक्टिवनेस इन द अप्रेज़ल ऑफ डेवेलपमेंट प्रोजेक्ट्स अंडर पीपीपी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- कविता सिंह ने "इन्वेस्टिगेटिंग द इंपैक्ट ऑफ पर्सीव्ड ओवर क्वालिफिकेशन ऑन जॉब सेटिस्फैक्शन एण्ड ऑर्गेनाइज़ेशनल सिटिज़नशिप बिहेवियर इन सेलेक्ट इंडियन ऑर्गनाइज़ेशन्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. कृष्ण मुरारी

- शिल्पी पांडे ने "एन एंपिरिकल स्टडी ऑफ इंटेन्शन्स एण्ड इंटरवेन्शन्स इन एडॉप्शन ऑफ डिजिटल लेंडिंगः विथ स्पेशल रेफरेन्स टू एससीआर रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. रमेश कुमार चतुर्वेदी

- श्रेयांशी त्रिपाठी ने "इन्फ्लुयेन्स ऑफ स्पीरिचुवालिटी ऑन एंट्रेप्रोन्योरिलय एथिक्स इन द कंटेक्स्ट ऑफ माइक्रो एंट्रेप्रोन्योर्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- प्रशांत सिंह ने "इफेक्टिव्नेस ऑफ प्रिडिक्टिव मॉडलिंग इन एस्टीमेटिंग म्यूचुयल फंड परफार्मेन्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- रजनीश कुमार ने पीएचडी प्रोग्राम में प्रवेश लिया है और कोर्स वर्क कर रहे हैं।

डॉ. लता बाजपेयी सिंह

- नेहा गौतम ने "आउट्कम्स ऑफ वर्कप्लेस इंसिविलिटी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू इंडियन सर्विस सेक्टर एंप्लायीज'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- चारु वैश ने "एडॉप्शन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एण्ड एंप्लायी सर्विस परफार्मेन्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू सर्विस सेक्टर'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. अर्पित शैलेश

- जियाउलहक जिया ने ''ए कम्परेटिव स्टडी ऑन ग्रीन टेक्नोलॉजी प्रैक्टिसेस'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- वैभव दीक्षित ने ''ए स्टडी ऑन एक्सप्लोरिंग ई–रुपये (CBDC): अवेयर्नेस, एडॉप्शन डाइनमिक्स, एण्ड कंपरेटिव एनॉलिसिस इन द डिजिटल करेन्सी लैंडस्केप विथ रेफरेन्स टू इंडिया" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुनीता अहिरवार ने "एन एंपिरिकल स्टडी ऑफ द फाइनेन्शियल परफॉर्मेन्स ऑफ द सेलेक्टेड म्युचुअल फंड्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू एसबीआई'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- नेहा नाग ने पीएचडी प्रोग्राम में दाखिला लिया है और कोर्स वर्क कर रही हैं।

डॉ. सलिल सेठ

- मोहम्मद इरफान पठान ने "डीकोडिंग द सिनर्जीस बिट्वीन क्लाइमेट फाइनेन्स, कॉर्पोरेट इन्वाइरन्मेंटल रिस्पॉन्सिबिलिटी, एण्ड ग्रीन इनोवेशन टू एक्सेंचूयेट इन्वाइरन्मेंटल परफॉर्मेन्सः एन एंपिरिकल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड रीजनल रूरल बैंक्स ऑफ उत्तर प्रदेश, भारत'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- लोकेश तोमर ने "कॉन्फ्लुयेन्स ऑफ ग्रीन इनवेस्टमेंट एण्ड ग्रीन ह्यूमन रीसोर्स मैनेजमेंटः इवॉल्यूयेटिंग द मीडियेटिंग रोल ऑफ कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी इन इनहैन्सिंग द परफॉर्मेन्स ऑफ सेलेक्टेड इंडियन आईटी फर्म्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री

आचार्य कुशेंद्र मिश्रा

- डी. नीरजा राय को 2024 में "एन एंपिरिकल इन्वेस्टिगेशन ऑन कस्टमर एडॉप्शन इंटेन्शन ऑफ आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) इन कमर्शियल बैंक्स ऑफ लखनऊ'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी।
- शालिनी सिंह को 2024 में "इन्स्टिट्यूशनल फाइनेन्स ओरियेनटेड रूरल एंट्रेप्रोन्योरशिप डेवेलपमेंट इन उत्तर प्रदेश'" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी।
- ऋचा मिश्रा को 2024 में ''एडॉप्शन इंटेन्शन ऑफ ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स बाइ अनऑर्गेनाइज्ड एफएमसीजी सेक्टर वेंडर्स इन लखनऊ रीजन'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी।
- सृष्टि चौबे को 2024 में ''द इफेक्ट ऑफ सेविंग बिहेवियर एण्ड इनवेस्टमेंट पैटर्न्स ऑन द ओरियेंटेशन टुवर्ड्स फाइनेन्स (ओआरटीओएफआईएन) फॉर वर्किंग वुमेन'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी।

डॉ. तरुणा

- शिवानी सिंह को 2024 में ''मीजरिंग द इंपैक्ट ऑफ एंप्लायी हैप्पीनेस ऑन ऑर्गेनाइज़ेशनल सिटिज़नशिप बिहेवियर इन सेलेक्ट इंडियन ऑर्गेनाइज़ेशन्स'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी।
- ज्योति सिंह भारती को 2024 में ''एक्सप्लोरिंग द आनटेसीडेंट्स ऑफ एंप्लायी साइलेन्स एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन ऑर्गेनाइज़ेशनल कमिटमेंट इन सेलेक्ट इंडियन ऑर्गनाइज़ेशन्स'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी।

- शिव कुमार त्रिपाठी को 2024 में "जॉब सेटिस्फेक्शन ऑफ एंप्लायीज वर्किंग इन गवर्नमेंट सेक्टर–ए कंपेरिज़न विथ रेस्पेक्ट टू सेंट्रल एण्ड स्टेट पर्स्पेक्टिव" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी।

डॉ. लता बाजपेयी सिंह

- सचिता श्रीवास्तव को 2024 में ''इन्वेस्टिगेटिंग द इंपैक्ट ऑफ एब्यूसिव सूपरविजन एण्ड वर्कप्लेस इंसिविलिटी ऑन काउंटरप्रोडक्टिव वर्क बिहेवियरः विथ स्पेशल रेफरेन्स टू सर्विस सेक्टर एंप्लायीज'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य

- डॉ. तरुणा को 2024 में को–पीआई के तौर पर "सोसियो–कल्चरल एण्ड इकोनामिक स्टेटस ऑफ डी–नोटीफाइड एण्ड नोमॅडिक ट्राइब्स एण्ड देयर मेनस्ट्रीमिंगः ए सोसियोलॉजिकल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड ट्राइबल कम्यूनिटीज" आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया 9,00,000/– रुपये का रिसर्च ग्रांट दिया गया।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	–
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	10
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	01
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	02
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	08
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	285
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	282
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	50
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	01
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	01
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	01
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	11
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	106

वाणिज्य विभाग

विभाग का परिचय

वाणिज्य विभाग ने 6 जनवरी 2021 को एक स्वतंत्र और पूर्ण विभाग के रूप में कार्य करना शुरू किया। ग्रामीण प्रबंधन विभाग के तहत बी.कॉम (ऑनर्स) कार्यक्रम में पहले से नामांकित सभी छात्रों को नव स्थापित वाणिज्य विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया।

वर्तमान में, विभाग एनईपी 2020 के अनुसार कई निकास विकल्पों के साथ चार वर्षीय बी.कॉम (ऑनर्स) कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें यूआर, एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस श्रेणियों के उम्मीदवारों सहित 90 छात्रों की प्रवेश क्षमता है।

विभाग का नेतृत्व उच्च योग्य, अनुभवी और समर्पित संकाय सदस्यों की एक टीम द्वारा किया जाता है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। व्याख्यान, सेमिनार और क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से छात्रों को वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक प्रथाओं का अनुभव मिलता है। विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता, अंतःविषयक अनुसंधान और समवर्ती फील्डवर्क पर जोर देता है।

छात्रों को आधुनिक शैक्षिक सुविधाओं का लाभ मिलता है, जिसमें वाई–फाई, कंप्यूटर लैब, केंद्रीकृत पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाएं, खेल का मैदान, प्लेसमेंट सेल और समिति कक्ष शामिल है।

विभाग की ताकत

- 2021 में विकास के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ स्थापित युवा और गतिशील विभाग।
- एनईपी 2020 के अनुसार कार्यक्रम (बी. कॉम ऑनर्स) में कई निकास विकल्प हैं।
- संकाय सदस्य पीएच.डी. योग्य, अनुभवी और अनुसंधान–उन्मुख होते हैं।
- आईसीटी–सक्षम कक्षाओं, वाई–फाई, कंप्यूटर लैब और केंद्रीकृत पुस्तकालय तक पहुंच।
- सेमिनारों, व्याख्यानों और क्षेत्र दौरों के माध्यम से अंतःविषयक प्रदर्शन।
- यूआर, एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस श्रेणियों के प्रतिनिधित्व के साथ समावेशी प्रवेश नीति।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

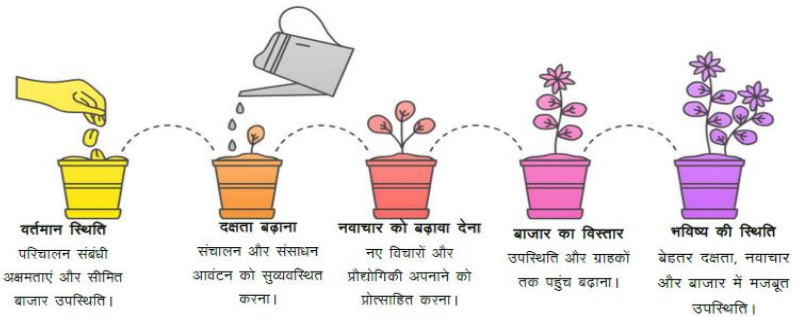

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- एनईपी 2020 के अंतर्गत चार वर्षीय बी.कॉम (ऑनर्स) कार्यक्रम शुरू किया गया।
- पाठ्यक्रम आधुनिक वाणिज्य और व्यवसाय अध्ययन के अनुरूप बनाया गया है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- एनईपी 2020 के अनुसार कई निकास विकल्प।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

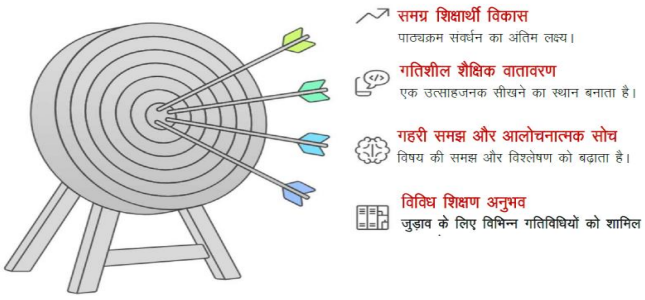

- फील्ड विज़िट, लेक्चर और सेमिनार शामिल हैं।

1.4 प्रतिक्रिया प्रणाली

- कुछ नहीं (पेश किया जाना है)।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

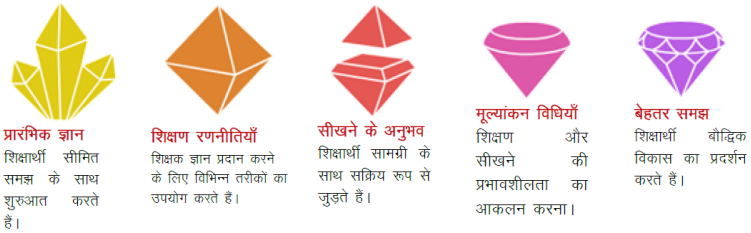

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- वर्तमान यूजी छात्रः 314
- वार्षिक छात्र क्षमताः 90

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- प्रवेश में यूआर, एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस श्रेणियां शामिल हैं।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया

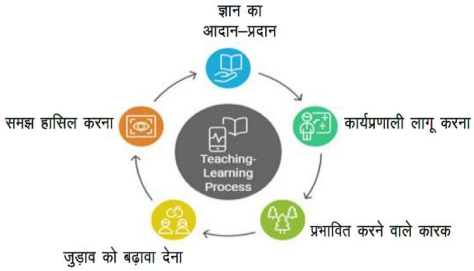

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

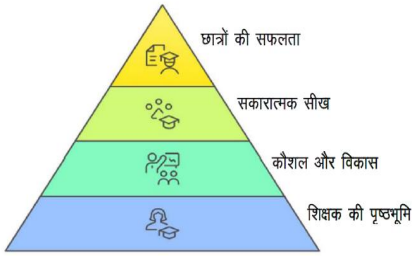

- कक्षा शिक्षण को क्षेत्र दौरों और सेमिनार द्वारा समर्थित किया गया।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



संकाय सदस्य (पीएचडी योग्य):

- आचार्य कुशेंद्र मिश्रा (विभागाध्यक्ष)

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- शून्य (योजनाबद्ध किया जाना है)।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन – शून्य
3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना – शून्य
3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र – शून्य
3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार– शून्य
3.5 परामर्शदाता– शून्य
3.6 विस्तार गतिविधियाँ – शून्य
3.7 सहयोग– शून्य

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

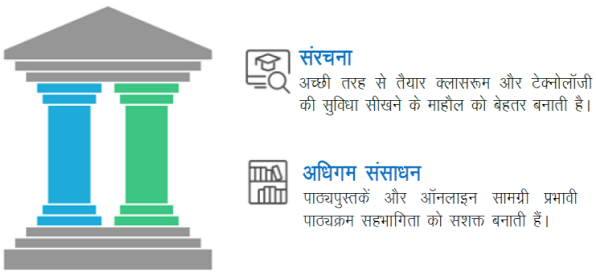

4.1 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट कक्षाएँ, वाई–फाई, कंप्यूटर लैब, खेल का मैदान, समिति कक्ष।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीकृत पुस्तकालय तक पहुंच उपलब्ध है।

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई और कंप्यूटर लैब से सुसज्जित विभाग।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- नियमित रखरखाव की सूचना दी गई।

5. छात्र सहायता और प्रगति

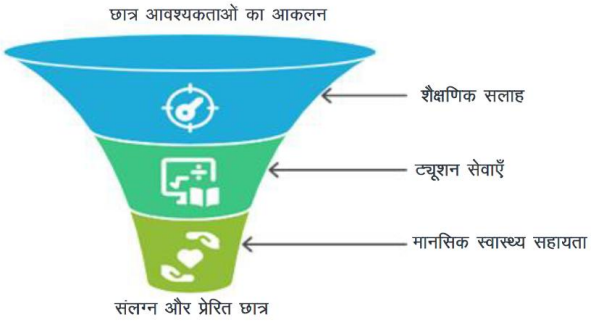

5.1 छात्र सहायता– शून्य

5.2 छात्र प्रगति– शून्य

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ – शून्य

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता– शून्य

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययन में उत्कृष्टता प्राप्त करने का दृष्टिकोण।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- एम.कॉम कार्यक्रम शुरू करने की योजना।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ – शून्य
6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना– शून्य
6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली– शून्य

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

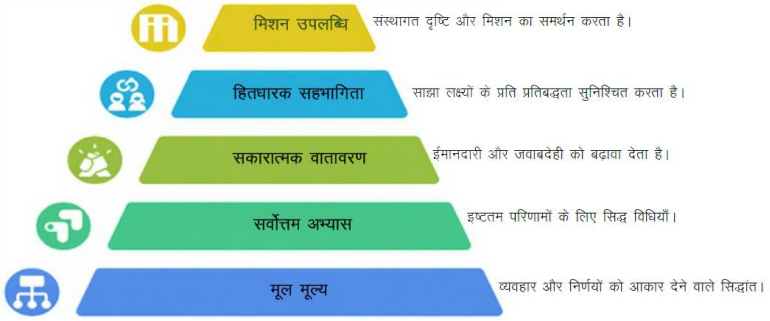

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व– शून्य
7.2 सर्वोत्तम अभ्यास– शून्य
7.3 संस्थागत विशिष्टता

- युवा, गतिशील विभाग जिसमें स्नातकोत्तर अध्ययन में विस्तार की क्षमता है।

8. संकाय प्रोफाइल (विभाग विशिष्ट):
8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य कुशेंद्र मिश्रा**
  आचार्य (विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग)
  विशेषज्ञता: प्रदर्शन प्रबंधन निगरानी, जवाबदेही विश्लेषण। रणनीति और सूक्ष्म योजना, सार्वजनिक नीति और शासन।
  योग्यता: लखनऊ विश्वविद्यालय से प्रबंधन व्यवसाय प्रशासन, स्नातक और स्नातकोत्तर, लखनऊ विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग से पीएच.डी., कॉमन वेल्थ फाउंडेशन के फेलो।
- 04 संसाधन व्यक्ति

8.2 संस्थान के अंदर एवं बाहर धारण किए गए विभिन्न पद–
8.3 शोध प्रकाशन
8.3.1 शोध लेख
आचार्य कुशेन्द्र मिश्रा

- ''म्यूज़िक प्रेन्योरशिप इन ट्रॉन्ज़िशनः ए रिव्यू ऑफ ड्राइवर्स, चैलेंजस, एण्ड इमर्जिंग ट्रेंड्स इन द म्यूज़िक इंडस्ट्री'' ए सबात, के मिश्रा पैसिफिक बिजनेस रिव्यू इंटरनेशनल 18 (2) 2025।
- मिडियेशन इफेक्ट ऑफ द सेविंग्स बिहेवियर बिट्वीन इनवेस्टमेंट पैटर्न एण्ड ओरियेंटेशन टुवर्ड्स फाइनेन्स (ओआरटीओएफआईएन): ए स्ट्रक्चरल ईक्वेशन मॉडलिंग अप्रोच'', पीकेएम सृष्टि चौबे शैक्षिक प्रशासनरू सिद्धांत और व्यवहार 30 (4), 1–18 2024।
- ''म्यूज़िक प्रेन्योरशिप इन ट्रॉन्ज़िशनः ए रिव्यू ऑफ ड्राइवर्स, चैलेंजस, एण्ड इमर्जिंग ट्रेंड्स इन द म्यूज़िक इंडस्ट्री'' एम कुशेंद्र, एस आयुष पैसिफिक बिजनेस रिव्यू (अंतर्राष्ट्रीय) 18 (अंक 2), 157–167 2025।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें–

8.8.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

8.8.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी.

8.3.6 परियोजना/परामर्शदाता/और कोई भी अन्यः– शून्य

8.3.7 पुरस्कार और मान्यता (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)/और कोई भी अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां–

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	–
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	03
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	00
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	–
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	265
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	–
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	–
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	–

मीडिया एवं संचार विद्यापीठ

मीडिया एवं संचार विद्यापीठ की स्थापना वर्ष 2015 में हुई थी और यह 26 मार्च 2018 से पूरी तरह से चालू हो गया। मीडिया एवं संचार विद्यापीठ में वर्तमान में एक विभाग और यूपी का पहला मीडिया सेंटर है।

जनसंचार और पत्रकारिता विभाग जनसंचार और पत्रकारिता के क्षेत्र में एमए, एम.फिल और पीएच.डी कार्यक्रम प्रदान करता है। मीडिया एवं संचार विद्यापीठ सिर्फ एक ऐसी जगह नहीं है जहां छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और डिग्री मिलती है, बल्कि एक ऐसा मंच भी है जो सहयोग को बढ़ावा देता है, नौकरी के अवसरों का प्रसार करता है, रचनात्मकता को बढ़ाता है और छात्रों को वैश्विक प्रदर्शन प्रदान करता है।

मीडिया एवं संचार विद्यापीठ के छात्रों को न सिर्फ पूरे भारत में जानी–मानी प्रतिष्ठित संगठनों में रखा जाता है, बल्कि विद्यापीठ और विश्वविद्यालय के लिए गर्व के कई पल भी लाए हैं। छात्रों की फिल्मों और शोध के कार्य को राज्य और केंद्र सरकार की संस्थाओं ने काफी सराहा है। एक शोधार्थी की एक फिल्म ने न सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान फिल्म महोत्सव भारत में प्रथम पुरस्कार जीता, बल्कि उसे राज्य सरकार और उद्योग से भी तारीफ मिली।

छात्रों को लखनऊ मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, भारतीय सूचना सेवा, टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स, दैनिक जागरण, अमर उजाला आदि जैसी जानी–मानी प्रतिष्ठित संगठनों में रखा जाता है। कई शोध अध्येता केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में सहायक आचार्य के तौर पर काम कर रहे हैं। कई छात्र फ्रीलांसर के रूप में काम कर रहे हैं और अपने स्वयं के उद्यम शुरू किए हैं।

छात्रों ने विज्ञान और साहित्य में कई पुरस्कार जीते हैं। छात्र कई गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और लोगों की राय बनाने के लिए सार्वजनिक चिंता के कई मुद्दों को सामने ला रहे हैं। मीडिया एवं संचार विद्यापीठ में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न सह–पाठयक्रम गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती हैं।

1. विभागों की संख्याः 01 (जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग)
2. प्रत्येक विभाग में संकाय की संख्याः 07

जनसंचार और पत्रकारिता विभाग

विभाग का परिचय

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, जो 2008 में शुरू हुआ था, जनसंचार एवं पत्रकारिता में परास्नातक, एम.फिल. और पीएच.डी. प्रोग्राम प्रदान करता है। विभाग का मूल उद्देश्य मास मीडिया की तेज़ी से बढ़ती दुनिया के लिए कुशल पेशेवर तैयार करना है, चाहे वह प्रिंट मीडिया हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया। विभाग छात्रों को उन्नत और विशेष पेशेवर प्रशिक्षण देने का भी प्रयास करता है और जनसंचार के पेशे में उच्च स्तर की मांगों को भी पूरा करता है, जिसमें मीडिया और संचार शोध और मीडिया और संचार शिक्षा शामिल है। विभाग का लक्ष्य जनसंचार एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनना है और इसके लिए प्रयास करता है। पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम पीएच.डी (2008), एम.ए. (जेएमसी) (2008), बी.ए. (एफटीएमएस (2024)।

विभाग की ताकत

- अनुभवी और अनुसंधान उन्मुख संकाय जिनके पास अंतःविषय विशेषज्ञता है।

- मजबूत छात्र–शिक्षक अनुपात व्यक्तिगत सलाह मिलता है।
- यूजी, पीजी और पीएच.डी. स्तर पर सीबीसीएस के साथ अच्छी तरह से संरचित कार्यक्रम।
- अनुसंधान, प्रकाशन और परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी।
- सेमिनार, कार्यशाला, विस्तार और आउटरीच गतिविधियों का नियमित आयोजन।
- मजबूत पूर्व छात्र नेटवर्क जिनका प्लेसमेंट शिक्षा, गैर सरकारी संगठनों और विकास क्षेत्रों में हुआ है।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

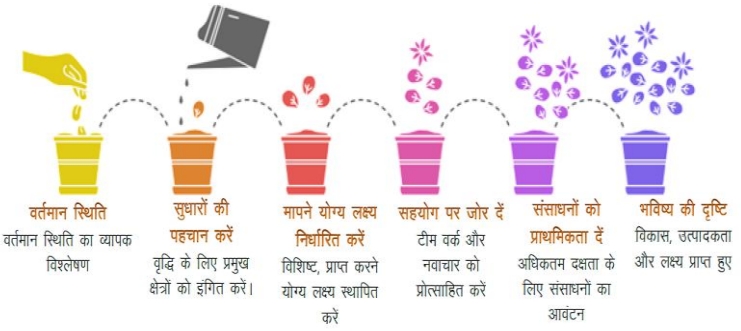

- एनईपी–2020 के अनुरूप नए मूल्य वर्धित/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करें।
- छात्र इंटर्नशिप और अनुसंधान के लिए उद्योग–अकादमिक सहयोग को मजबूत करें।
- आईसीटी–सक्षम शिक्षण संसाधनों और स्मार्ट कक्षा सुविधाओं को बेहतर बनाएं।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों के माध्यम से अनुसंधान परियोजनाओं का विस्तार करें।
- अधिक राष्ट्रीय सेमिनार, एफडीपी और कौशल–विकास कार्यक्रम आयोजित करें।
- मजबूत सामुदायिक आउटरीच और विस्तार सेवाएँ स्थापित करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया गया पाठ्यक्रम।
- अध्ययन मंडल (बीओएस) के माध्यम से पाठ्यक्रम का नियमित संशोधन और अद्यतनीकरण।
- सीबीसीएस और एनईपी–2020 सिद्धांतों को शामिल किया गया।
- हितधारकों (छात्र, पूर्व छात्र, उद्योग विशेषज्ञ) से इनपुट।

1.2 पाठ्यक्रमयोजना एवं कार्यान्वयन

- शैक्षणिक कैलेंडर का सख्ती से पालन किया जाता है।
- संकाय द्वारा विस्तृत शिक्षण योजनाएँ तैयार की जाती है।
- पाठ्यक्रम वितरण की निरंतर निगरानी की जाती है।

- प्रभावी शिक्षण के लिए आईसीटी–आधारित उपकरणों का उपयोग।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- सीबीसीएस–आधारित पाठ्यक्रम जिसमें वैकल्पिक विकल्प शामिल है।
- सभी विभागों में खुले ऐच्छिक विषय उपलब्ध हैं।
- अंतःविषयक शिक्षा और कौशल बढ़ाने का प्रावधान।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

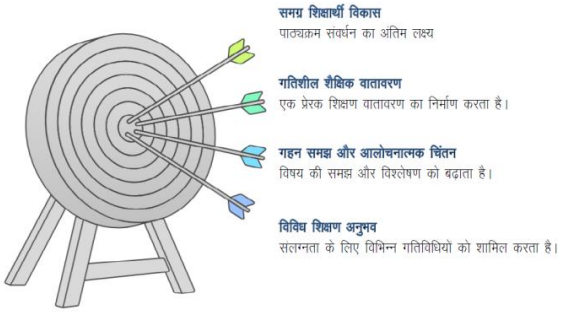

- मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और कौशल विकास कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।
- जीवन कौशल, लिंग संवेदीकरण और पर्यावरण जागरूकता को एकीकृत किया गया।
- पाठ्यक्रम से जुड़े विस्तार और आउटरीच कार्यक्रम।

1.5 फीडबैक सिस्टम

- हर फीडबैक चक्र के बाद कार्रवाई रिपोर्ट तैयार की जाती है।
- फीडबैक का उपयोग पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है।

2 शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

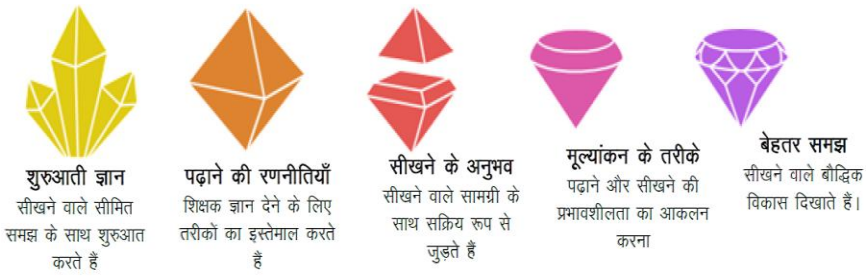

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार प्रवेश, जिसमें समानता और विविधता सुनिश्चित की जाती है।
- अलग–अलग राज्यों और सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमियों के लोगों का प्रतिनिधित्व।
- आरक्षण नीतियां लागू की गईं।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- प्रथम वर्ष के प्रवेशार्थियों के लिए ब्रिज पाठ्यक्रम।
- धीमी गति से सीखने वालों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं।
- उन्नत शिक्षार्थियों को अनुसंधान अनुभव और अतिरिक्त परियोजनाएं दिए जाते है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- समूह चर्चा, केस अध्ययन, रोल प्ले के साथ शिक्षार्थी–केंद्रित शिक्षण।
- आईसीटी एकीकरण के साथ मिश्रित शिक्षा।
- फील्डवर्क और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

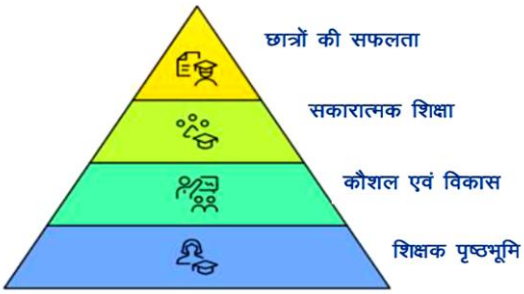

- पीएच.डी. डिग्री वाले योग्य संकाय।
- संकाय अनुसंधान, प्रकाशन और परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल हैं।
- एफडीपी, ओरिएंटेशन और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में भागीदारी।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- सतत आंतरिक मूल्यांकन (सीआईए)।
- मॉडरेशन और पुनर्मूल्यांकन के साथ पारदर्शी परीक्षा प्रणाली।
- महामारी के दौरान ऑनलाइन मूल्यांकन शामिल किए गए।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- सीखने के परिणामों का मूल्यांकन असाइनमेंट, परियोजनाओं और मौखिक बातचीत के माध्यम से किया जाता है।
- बेहतर प्लेसमेंट और उच्च शिक्षा के रिकॉर्ड।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- नियमित एसएसएस आयोजित किया गया।
- शिक्षण गुणवत्ता और सुविधाओं में सुधार के लिए उपयोग किया जाने वाला विश्लेषण।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- आईसीएसएसआर, आईसीएआर और अन्य एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं।
- संकाय और शोध अध्येताओं के लिए आंतरिक वित्त पोषण सहायता।

3.2 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- छात्रों के परियोजनाएँ समुदाय–आधारित अनुसंधान से जुड़े हुए है।
- उद्यमिता और कौशल आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया गया।

3.3 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- सहकर्मी–समीक्षित और यूजीसी केयर पत्रिकाओं में संकाय के प्रकाशन।
- पुस्तकें और पुस्तक अध्याय लिखे गए।
- शोध में बेहतरीन काम के लिए पहचान और पुरस्कार।

3.4 विस्तार गतिविधियाँ

- नियमित सामुदायिक आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम।
- स्वास्थ्य, पोषण और बाल विकास पहल।
- गैर सरकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग।

3.5 सहयोग

- शैक्षणिक संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन।
- सहयोगात्मक परियोजनाएँ और सेमिनार आयोजित किये गये।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

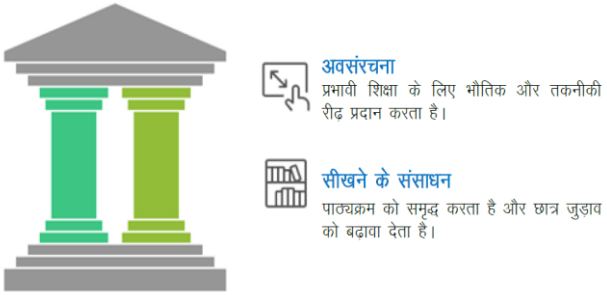

4.3 भौतिक सुविधाएं

- अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएँ और प्रयोगशालाएँ।
- स्मार्ट क्लास की सुविधाएं.
- अद्यतन संसाधनों के साथ विभागीय पुस्तकालय।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- इन्फ्लिबनेट, ई–शोध सिंधु के माध्यम से ई–संसाधनों तक पहुंच।
- अद्यतन पाठ्यपुस्तकें, पत्रिकाएँ और संदर्भ सामग्री।

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई सक्षम परिसर।
- आईसीटी आधारित शिक्षण सुविधाएं।
- ऑनलाइन शिक्षण संसाधन एकीकृत।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) लागू।
- भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे का नियमित ऑडिट

5. छात्र सहायता और प्रगति

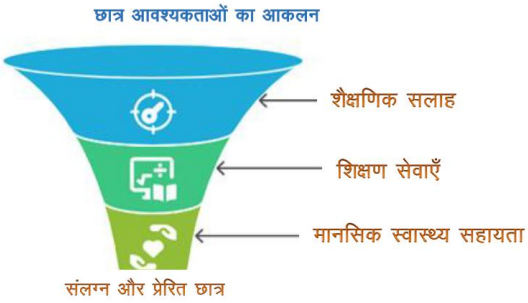

5.1 छात्र सहायता

- एससी/एसटी/ओबीसी और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए छात्रवृत्ति।
- शोध विद्वानों के लिए वित्तीय सहायता।

5.2 छात्र प्रगति

- संचार, आईसीटी, सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षण।
- रोजगार क्षमता वृद्धि के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- उच्च शिक्षा (पीजी/पीएच.डी.) प्राप्त कर रहे छात्र ।
- पूर्व छात्रों को शिक्षा जगत, गैर सरकारी संगठनों और सरकारी सेवाओं में रखा गया।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- सक्रिय पूर्व छात्र संघ।
- सेमिनार, प्लेसमेंट और मार्गदर्शन में पूर्व छात्रों का योगदान।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विजन विश्वविद्यालय के लक्ष्यों के साथ जुड़ा है।
- संकाय निर्णय लेने और समितियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- शैक्षणिक और अनुसंधान विकास के लिए रणनीतिक योजना।
- विभाग की गतिविधियों की नियमित निगरानी।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय विकास कार्यक्रमों के लिए अवसर।
- सम्मेलन और कार्यशाला में शामिल होने के लिए सहायता।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- पारदर्शी बजट और संसाधन आवंटन।
- अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से धन जुटाने के प्रयास।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईक्यूएसी दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है।
- नियमित लेखापरीक्षा और स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- लैंगिक संवेदीकरण कार्यक्रम।
- पर्यावरणीय स्थिरता पहल।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- समुदाय–आधारित विस्तार और आउटरीच कार्यक्रम।
- छात्र मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रणाली।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- अनुसंधान, विस्तार और शिक्षण का मजबूत एकीकरण।
- समावेशी और सतत विकास प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करें।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.3 शैक्षणिक विवरण

- आचार्य गोपाल सिंह
  आचार्य एवं संकायाध्यक्ष
  योग्यताः एम.ए. (अंग्रेजी), प्रमाणपत्र (जापानी भाषा) एमजेएमसी, पीएच.डी., यूजीसी नेट–जेआरएफ।
  विशेषज्ञताः फिल्म और टीवी पत्रकारिता, संचार अनुसंधान, स्वास्थ्य संचार
- **आचार्य गोविंद जी पांडे**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
  योग्यताः एमजे, एलएलबी, पीएच.डी. यूजीसी नेट।
  विशेषज्ञताः टीवी और फिल्म अध्ययन संचार अनुसंधान और विकास संचार
- **डॉ. महेंद्र कुमार पाढ़ी**
  उपाचार्य
  योग्यताः एम.ए. (अर्थशास्त्र), एम.फिल. (अर्थशास्त्र) एमजेएमसी, एम.फिल. (जे एंड एमसी), पीएच. डी. (जे एंड एमसी), जेआरएफ, यूजीसी नेट, यूजीसी पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च अवार्ड विजेता
  विशेषज्ञताः विज्ञापन, जनसंपर्क, विकास संचार, मीडिया अनुसंधान।
- **डॉ. रचना गंगवार**
  उपाचार्य
  योग्यताः पीएच.डी.
  विशेषज्ञताः क्रॉस कल्चरल कम्युनिकेशन, कम्युनिकेशन रिसर्च, कम्युनिकेशन थ्योरी, लोक संचार
- **डॉ. कुंवर सुरेंद्र बहादुर**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः एमए (मनोविज्ञान) एमजेएमसी, पीएच.डी., यूजीसी नेट।
  विशेषज्ञताः विज्ञापन, जनसंपर्क, विकास संचार, नया मीडिया और संचार अनुसंधान
- **डॉ. लोक नाथ**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः एम.ए. (मनोविज्ञान) एमजेएमसी, पीएचडी (जे एंड एमसी), यूजीसी नेट, डॉ. एस. राधाकृष्णन पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप यूजीसी, नई दिल्ली।
  विशेषज्ञताः संचार सिद्धांत और अनुसंधान, नया मीडिया और पीआर
- **डॉ. अरविंद कुमार सिंह**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः एमजेएमसी, पीएचडी, यूजीसी नेट–जेआरएफ।
  विशेषज्ञताः विकास संचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और नया मीडिया।

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

8.3 शोध प्रकाशन–

8.3.4 शोध लेख–

आचार्य गोविंद जी पांडे

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (IJRARA), ''एक्सप्लोर द पोटेन्शियल फॉर कन्नड़ फिल्म्स ऑन प्लेटफॉर्म्स टू प्रमोट क्लाइमेट चेंज मिटिगेशन एण्ड एडाप्टेशन स्ट्रैटजीस'', 23481269 प्रभाव कारक 7, 17, अक्टूबर 2024।

- पूनम पांडे द्वारा ''स्वास्थ्य अभियान के माध्यम से छात्रों के बीच सर्वाइकल कैंसर जागरूकता की खोज'', आईएसएसएन 23938358 प्रभाव कारकः 6.875, खंड 12, संख्या 2, फरवरी 2025।
- ''भारत में पहली टॉकी फिल्म का प्रभावः एक ऐतिहासिक विश्लेषण'', आईएसएसएन 09766650, प्रभाव कारकः 7.0, जनवरी 2025।
- ए स्टडी ऑफ द सोसियो–इकोनामिक पर्स्पेक्टिव ऑफ द डिजिटल डिवाइड एमांग यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स'', आईएसएसएन 25827472, मई 2025।

डॉ. रचना गंगवार

- "न्यू सोशल सिस्टम एण्ड इंटरकल्चरल कम्यूनिकेशन इन द डिजिटल ऐजः एन इंडियन पर्स्पेक्टिव", आईएसएसएन– 2583–973X, शैक्षणिक–बहुविषयक अनुसंधान का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, मार्च 2025।
- "अंडरस्टैंडिंग द नेक्सस ऑफ मीडीया एण्ड इन्फार्मेशन लिटरेसी (एमआईएल) एण्ड क्रिटिकल थिंकिंग (सीटी): ए क्रिटिकल स्टडी", आईएसएसएनः 2327–0063 (प्रिंट) आईएसएसएनः 2327–2457 (ऑनलाइन), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एजुकेशन, अप्रैल 2025।
- ''मीडीया, इन्वाइरन्मेंट कन्सर्वेशन एण्ड एसडीजीएस (एन्वाइरन्मेंट कन्सर्वेशन फॉर ए प्रॉस्परस भारत)'', आईएसएसएनः 2581–6675, प्रैक्सिस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड लिटरेचर, एसजेआईएफ 2023=5.918 के साथ एक सहकर्मी–समीक्षित और ओपन एक्सेस ई–जर्नल, अप्रैल 2025।
- "हिन्दी फिल्मों में महिलाओं का चरित्र–चित्रणः पर्दे पर महिला पात्रों की भूमिका", आईएसएसएन–3048–6041, शोध पत्र–इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड ह्यूमैनिटीज'', मई 2025।

डॉ. कुंवर सुरेन्द्र बहादुर

- ''उच्च शिक्षार्थियों में जल संरक्षण जागरूकताः एक अध्ययन (सोशल मीडिया की भूमिका के सन्दर्भ में)'', आईएसएसएन 2349364X प्रभाव कारक 7.720, वेदंजलि।

डॉ. लोकनाथ

- ''फैंटमाइजेशन ऑफ न्यूज़ मीडीयाः लिबरलाइज़िंग जर्नलिज्म एट रीजनल स्टेज न्यूज़ मीडिया'' पेज संख्या– 01–13, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ न्यू मीडिया स्टडीज़ (IJNMS), वॉल्यूम 11 अंक 2, जुलाई–दिसंबर, 2024, आईएसएसएनः (ऑनलाइन) 2394–4331, पीयर रिव्यू।
- ''एक्सप्लोरिंग द नेक्ससः ए स्टडी ऑन रोल एण्ड यूज ऑफ साइकोलॉजी इन कम्यूनिकेशन'', पेज संख्या–01–14, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च इन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (IJSREM)/वॉल्यूमः 08 अंकः 08। अगस्त–2024, आईएसएसएनः 2582–3930 DOI: 10.55041/IJSREM37127
- यूथ इंगेज्मेंटः ए की ड्राइवर इन द ग्रोथ ऑफ ओटीटी प्लेटफॉर्म'', पेज 534–541, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च इन साइंस, कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी (IJARSCT)/वॉल्यूम 4, अंक 3, अक्टूबर 2024, आईएसएसएनः (ऑनलाइन) 2581–9429/DOI: 10.48175/IJARSCT-19980, इंटरनेशनल ओपेन–एक्सेस, डबल–ब्लाइंड, पीयर–रिव्यूड, रेफरीड, मल्टीडिसिप्लिनरी ऑनलाइन जर्नल।
- ''स्वचालित जलस्तर नियंत्रक के अनुप्रयोगों में जागरूकता का अध्ययन'', पेज संख्या 85–88, संचार माध्यम/खंड 36 (3), अक्टूबर–दिसंबर, 2024, आईएसएसएनः 2321–2608, यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल, पीयर रिव्यू और रेफरीड जर्नल।

डॉ. अरविंद कुमार सिंह

- ''ट्राइबल कल्चर, कम्यूनिकेशन एण्ड एल्कोहॉल यूजः ए स्टडी ऑफ ट्राइबल सोसाइटी इन डिस्ट्रिक्ट ऑफ मध्य प्रदेश'', पेज 8–20 जनमत अप्रैल, 2025 वॉल्यूम 2582–3557।
- ''मीडिया से हो रही सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक जागरूकताः एक अध्ययन'', पेज–18–38, शोध साहित्य मई 2025, वॉल्यूम 3, अंक 5, 2584–2447।
- ''आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन साइन्स कम्यूनिकेशनः सिंप्लीफाइंग कम्प्लेक्सिटी, पर्सनलाइज़िंग लर्निंग एण्ड डेमोक्राइटिज़िंग एक्सेस'', इंडियन जर्नल ऑफ साइन्स कम्यूनिकेशन साइन्स, जुलाई दिसंबर 2024, वॉल्यूम–23(2) 0972–429X

8.3.5 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.6 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

आचार्य गोविंद जी पांडे

- आचार्य गोविंद जी पांडे, ''थ्री पिलर्स ऑफ टुडे'स ऐजः डिजिटाइज़ेशन, आर्टिफिशियल इंटीलिजेन्स एण्ड ऑटोमेशन एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन मैनेजमेंट'', सितंबर 2024 आईएसबीएन 9789358790597।

डॉ. अरविंद कुमार सिंह

- डॉ. अरविंद कुमार सिंह, "डाइवर्स पेडागॉजिकल अप्रोचेस फॉर इफेक्टिव टीचिंग", यूज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन पेडागोजी।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

- प्रो. गोविंद जी पांडे, 9–10 मई, 2024 को कोलंबो, श्रीलंका पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मीडिया और जनसंचार में भाग लिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

आचार्य गोविंद जी पांडे

- आशुतोष कुमार राय ने ''आजादी के बाद हिंदी सिनेमा का राजनितिक दर्शन'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- विजया बाला ने ''ए स्टडी टू एनलाइज़ द इंपैक्ट ऑफ इन्फार्मेशन एण्ड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी इन एलिमेंटरी एजुकेशन इन बिहार'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- रितिका ने "ए स्टडी ऑफ डॉक्युमेंटरी फिल्म इंटरवेन्शन ऑन वुमेन'स हेल्थः विथ स्पेशल रेफरेन्स टू सर्वाइकल कैंसर इन उत्तर प्रदेश'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- अभिषेक राजपूत ने ''ऑनलाइन फिल्म रिव्यूज़ एण्ड बॉक्स ऑफीस रेवेन्यूः ए मल्टीप्लेटफ़ॉर्म सेंटिमेंट एनॉलिसिस ऑफ हिन्दी सिनेमा'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- नरेंद्र सहाय ने ''डेपिक्टिंग कॉस्ट रियलिटीज इन कंटेंपोररी हिन्दी सिनेमाः ए स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू मध्य प्रदेश– बेस्ड फिल्म्स'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- निसर्गा सीए ने ''फ्रॉम स्क्रीन्स टू स्ट्रीम्सः ए स्टडी ऑफ द कन्नड़ फिल्म ऑडियेन्सश्स ट्रान्ज़िशन टू ओटीटी प्लेटफॉर्म्स एण्ड इट्स इंप्लिकेशन फॉर द इंडस्ट्री'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- करुणा सिंह ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।

आचार्य गोपाल सिंह

- स्वपन कुमार रॉय ने शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- अलंक्रिता सिंह ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।
- नीरज अहिरवार ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।
- नितिन राज ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।

- उज्ज्वल श्रीवास्तव ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है, और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।

डॉ. एम.के. पाढ़ी

- साधना सुभद्रसिनी ने "एजुकेशनल इन्फार्मेशन इंटरवेन्शन थ्रू पर्टिसिपेटरी कम्यूनिकेशन फॉर इंक्लूसिव डेवेलपमेंटः एन एंपिरिकल रिसर्च स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू ढेंकनाल एण्ड क्योंझर डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ ओडिशा'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- श्वेता दुबे ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया, और उसका सिनॉप्सिस अभी तैयार किया जा रहा है।
- तरुण कुमार ने ''ग्रामीण भारत में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से सम्बंधित जागरूगता में डिजिटल मीडिया की भूमिकाः उत्तर प्रदेश के जनपद गाज़ियाबाद के विशेष सन्दर्भ में'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- उज्जवल कुमार ने ''सस्टेनबिलिटी लिटरेसी थ्रु मीडीया रेप्रेज़ेंटेशनः एन इंपैक्ट एसेसमेंट स्टडी ऑफ सस्टेनबल डेवेलपमेंट गोल्स इन इंडियन मेनस्ट्रीम न्यूजपेपर्स'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- उपाली मित्रा ने "पब्लिक हेल्थ कम्यूनिकेशन कैंपेन थ्रु सिनिमेटिक स्टोरी टेलिंगः ए सेमीयोलॉजिकल रिसर्च एनॉलिसिस ऑफ इंडियन आंड वेस्टर्न फीचर फिल्म्स" शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- विद्या सागर ने ''साइबर सुरक्षा में लोक सेवा विज्ञापनों की भूमिका का एक अनुभवजन्य अनुसन्धान अध्ययनः लखनऊ के विशेष सन्दर्भ में'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. रचना गंगवार

- प्रिंसी मिश्रा ने बिना शीर्षक वाले थीसिस के साथ पीएच.डी. में नामांकन कराया है।
- प्रियंका पाठक ने ''मीडिया एण्ड इन्फार्मेशन लिटरेसी (एमआईएल) इन द डिजिटल ऐजः ए स्टडी एमांग स्टूडेंट्स पर्सयूयिंग हाइयर एजुकेशन'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- अभिषेक कुमार ने ''नेगोशियेटिंग ग्लोबल एण्ड लोकल आइडेंटिटीजः द रोल ऑफ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स इन शापिंग कल्चरल आइडेंटिटी एण्ड सेन्स ऑफ सोसियो–कल्चरल बिलांगिंग एमांग इंडियन अर्बन यूथ (ए स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू यूथ ऑफ लखनऊ सिटी)'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. कुंवर सुरेंद्र बहादुर

- श्वेता सिंह राठौर ने बिना शीर्षक वाले थीसिस के साथ पीएच.डी. में नामांकन कराया है।
- अरिन ने ''युवाओं को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने में नए मीडिया की भूमिकाः एक अध्ययन'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- निवेदिता सिंह ने ''एन एनलिटिकल स्टडी ऑन द चैलेंजस एण्ड एफिकेसी ऑफ मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सस (मूक्स) इन हाइयर एजुकेशन'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुकांत तिवारी ने ''द डीपफेक डिवाइडः एआई जेनरेटेड पॉलिटिकल वीडियोज एण्ड देयर इंपैक्ट ऑन वोटर्स'स बिहेवियर इन इंडिया'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. लोकनाथ

- साहिब कुमार ने ''रोल ऑफ डिजिटल मीडिया इन द डिलिवरी ऑफ हेल्थकेयर सर्वीसेज़ एण्ड इट्स इंपैक्ट (ए स्टडी विथ स्पेशल रेफरेन्स टू द डेवेलपमेंट ऑफ टेलीमेडिसिन इन इंडिया)'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- मीनू नवारिया ने ''मीडिया शिक्षा में डिजिटल लर्निंग का प्रभाव (जयपुर, राजस्थान के विषय सन्दर्भ में एक अध्ययन)'' शीर्षक थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री –

आचार्य गोपाल सिंह

- शालिनी श्रीवास्तव को 2025 में ''भारत में पत्रकारों की वैचारिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संबंधित कानून एवं सामाजिक आर्थिक तथा राजनैतिक दबावः एक अध्ययन'' शीर्षक थीसिस पर पीएच. डी. प्रदान की गई।
- पूजा आर्य को 2024 में "मीडीया पोरट्रेयल ऑफ सेम–सेक्स लव एण्ड पॉपुलर ओपीनियनः ए स्टडी फोकसिंग ऑन एलजीबीटीक्यू कम्युनिटी'' शीर्षक थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- इमोन श्याम को 2024 में ''ए स्टडी ऑन सोशल मीडिया अब्सेशन एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन बिहेवियरल चेंजेस एमांग पीपुल'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

आचार्य गोविंद जी पांडे

- अरविंद कुमार को 2024 में "इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज़्म इन इंडियाः ए स्टडी टू एनॉलिसिस द रीसेंट ट्रेंड्स एण्ड इंपैक्ट ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज्म ऑन द सोसाइटी'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. महेंद्र कुमार पाढ़ी

- रवि सिंह को 2024 में ''सोशल मीड़िया का राजनीतिक संचार और मतदान व्यवहार पर प्रभावः (उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2017 के विशेष सन्दर्भ मे एक शोध अध्ययन)" शीर्षक थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. अरविन्द कुमार सिंह

- सुषमा देवी को 2025 में ''राजनीतिक संचार में न्यूमीडिया की भूमिका'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- अनुराग गुप्ता को 2024 में ''ए स्टडी ऑफ स्वयं मूक्स प्लेटफ़ॉर्म कंट्रिब्यूशन इन प्रोवाइडिंग ई–लर्निंग ऑपर्चुनिटीज टू द स्टूडेंट्स पर्सयूयिंग हायर एजुकेशन'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच. डी. प्रदान की गई।

- परास्नातक/स्नातक/डिप्लोमा पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या–40।
- सिविल सेवाओं (यूपीएससी/यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या–शून्य।
- उच्च शिक्षा में अध्यापन के लिए चयनित छात्रों का विवरण–02।
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या–02।
- अन्य सरकारी नौकरियों/बैंकिंग/स्कूल शिक्षण आदि पर चयनित छात्रों की संख्या–05।
- एसएलईटी/एनईटी/जेआरएफ/किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या–07।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य– शून्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	13
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	04
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	04
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	–
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	07

6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	73
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	50
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	03
9.	छात्रों की कुल संख्या	05
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	07
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	02

भैषजिक विज्ञान विद्यापीठ

परिचयः भैषजिक विज्ञान विद्यापीठ का गठन 2020 में समग्र समाज के लाभ के लिए अंतःविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। यह विश्वविद्यालय में एक महत्वपूर्ण अंतःविषय संकाय है जिसका लक्ष्य विशेष रूप से ज्ञान विस्फोट के युग में, उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित होना हैं। यह विद्यापीठ भैषजिक विज्ञान के अत्याधुनिक क्षेत्रों में अध्ययन और शोध के लिए समर्पित है।

विभागों की संख्या और नामः 01 **(भैषजिक विज्ञान विभाग)**
विद्यापीठ में संकाय की संख्या (गैर–शिक्षण कर्मचारियों की संख्या भी बताई जा सकती है)

संकायः 06 (छह) आचार्य शुभिनी ए. सराफ (पांच साल की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर)
गैर–शिक्षणः 02 (नियमित कर्मचारी)
02 (संविदात्मक कर्मचारी)

- विद्यापीठ की कोई विशेष विशेषता, यदि कोई हो
- विद्यापीठ का उद्धरण–सूचकांकः
- कोई अन्य जानकारीः

भैषजिक विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय

भैषजिक विज्ञान विभाग (डीपीएस), बीबीएयू की स्थापना 2010 में हुई थी और 2020 में इसे एक पूर्ण विद्यापीठ के रूप में उन्नत किया गया। यह विभाग स्वास्थ्य सेवा और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए भैषजिक विज्ञान में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के लिए समर्पित है। यह अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, केंद्रीय उपकरण सुविधाओं और स्मार्ट कक्षाओं द्वारा समर्थित पीएच.डी., एम.फार्मा (फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिक्स और फार्मास्युटिकल एनालिसिस) कार्यक्रम प्रदान करता है।

इसका दृष्टिकोण भैषजिक शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता का केंद्र के रूप में उभरना है, जो वैश्विक स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों में योगदान देगा।

विभाग की ताकत

- **अनुभवी संकायः** 8 संकाय सदस्य (जिसमें 3 आचार्य शामिल हैं, सभी पीएच.डी. योग्य और उन्हें अंतरराष्ट्रीय अनुभव है)।
- **अनुसंधान उत्कृष्टताः** पिछले 5 वर्षों में उच्च–प्रभाव वाली पत्रिकाओं (प्रभाव कारक 15 तक) में 37 प्रकाशन, कई पेटेंट दायर किए गए।
- **छात्र उपलब्धियाँः** 44 छात्रों ने गेट/जीपीएटी/नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण किया, 2024–25 में 13 पीएच.डी. प्रदान की गई।
- **संरचनात्मक सुविधाएँः** केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला, एम.फार्म लैब, स्मार्ट क्लासरूम, विभागीय पुस्तकालय।
- **सहयोगः** प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ एमओयू; आईआईटी–बीएचयू, पंजाब विश्वविद्यालय, नाईपर, असम विश्वविद्यालय आदि से अतिथि आचार्य।

- **नवाचार पारिस्थितिकी तंत्रः** इनक्यूबेशन और नवाचार सेल में सक्रिय भागीदारी, नैनोप्रौद्योगिकी और एसआईआरएनए थेरेप्यूटिक्स में पेटेंट दायर किए गए।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

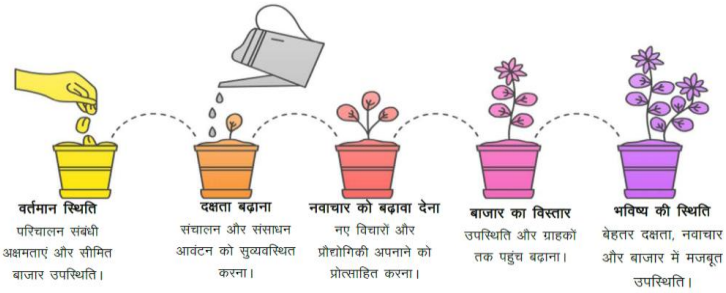

- एआई–संचालित दवा डिजाइन और नियामक विज्ञान में नए वैकल्पिक विषय शुरू करें।
- उद्योगों के साथ संबंधों और अंतःविषय अनुसंधान को मजबूत करें।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाएं और वैश्विक सम्मेलन आयोजित करें।
- केंद्रीय उपकरण सुविधाओं को उन्नत करें।
- प्लेसमेंट और फेलोशिप के माध्यम से छात्रों को मिलने वाली सहायता बढ़ाएँ।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- विभाग 2010 में स्थापित हुआ, 2020 में विद्यापीठ में अपग्रेड किया गया।
- प्रस्तावित कार्यक्रमः पीएच.डी. (फार्मास्युटिकल साइंसेज), एम.फार्म (फार्माकोलॉजी–13 प्रवेश क्षमता, फार्मास्यूटिक्स–13 प्रवेश क्षमता, फार्मास्युटिकल एनालिसिस–4 प्रवेश क्षमता)।
- पाठ्यक्रम वैश्विक स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों, नैनोमेडिसिन, दवा खोज में एआई, और बायोटेक्नोलॉजी के अनुरूप बनाया गया है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- चयन–आधारित पीजी पाठ्यक्रम।
- अनुसंधान–उन्मुख पीएच.डी. कार्यक्रम।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन



- ड्रग डिलीवरी, ऑन्कोलॉजी उपचार, नैनोप्रौद्योगिकी में नवाचार पर ध्यान।
- अतिथि व्याख्यान, सेमिनार, कार्यशालाएँ शैक्षणिक अनुभव बेहतर होता हैं।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- पाठ्यक्रम में बदलाव के लिए छात्रों, पूर्व छात्रों, उद्योग विशेषज्ञों से संरचित प्रतिक्रिया।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

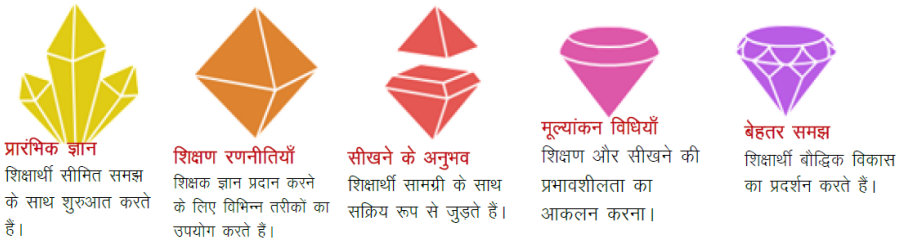

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- 60 छात्रों ने परास्नातक में प्रवेश लिया।
- 2024–25 में 30 छात्रों ने स्नातक पूर्ण किया।
- 44 छात्रों ने गेट/जीपीएटी/नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण किया।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- भारत के अलग–अलग क्षेत्रों के छात्र।
- पुस्तकालय, स्मार्ट क्लासरूम, शोध प्रयोगशाला के ज़रिए सपोर्ट।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- कक्षा + प्रयोगशाला + अनुसंधान–आधारित शिक्षण।
- बाहरी विशेषज्ञों के साथ नियमित मौखिक परीक्षा।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

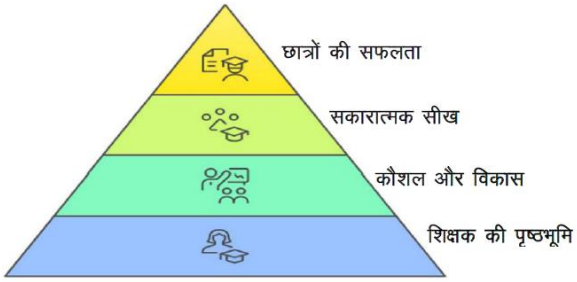

- 8 संकाय सदस्य (3 आचार्य, 3 सहायक आचार्य, 2 अतिथि संकाय)।
- सभी स्थायी संकाय के पास पीएच.डी. की योग्यता है।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- प्रसिद्ध राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा पीएच.डी. वाइवा–वॉस के माध्यम से बाहरी मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- छात्रों का उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियों और शोध में आगे बढ़ना।
- 2024–25 में 13 पीएच.डी डिग्री दी गईं।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में ज्यादा भागीदारी से अच्छे नतीजे मिलतें है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- एम.फार्म एवं अनुसंधान प्रयोगशालाएं, केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- डीएसटी, आईसीएमआर, इनस्पायर, एसआरजी से वित्त पोषित परियोजनाएँ।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- इंक्यूबेशन और इनोवेशन सेल में सक्रिय भागीदारी।
- नैनोटेक्नोलॉजी, एसआईआरएनए थेरेप्यूटिक्स में पेटेंट दायर।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- 2024–25 में 37 प्रकाशन।
- हाई–इम्पैक्ट जर्नल्स में प्रकाशन (प्रभाव कारक 15 तक)।

3.5 परामर्श

- संकाय को नैनोमेडिसिन, ऑन्कोलॉजी ड्रग डेवलपमेंट में विशेषज्ञता हासिल है।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- सेमिनार, कार्यशालाएँ, शैक्षणिक और स्वास्थ्य संस्थानों के साथ सहयोगात्मक गतिविधियाँ।

3.7 सहयोग

- प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।
- अंतर्राष्ट्रीय आमंत्रित व्याख्यान (आचार्य रजनीकांत–अल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा)।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

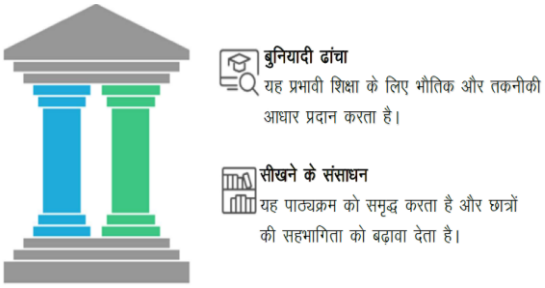

4.4 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट क्लासरूम, एम.फार्म लैब, अनुसंधान प्रयोगशालाएं, विभागीय पुस्तकालय।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- विशेषीकृत संसाधनों के साथ विभागीय पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना

- इंटरनेट–सक्षम लैब, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लर्निंग एक्सेस।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- प्रयोगशालाओं और उपकरण सुविधाओं का नियमित रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति

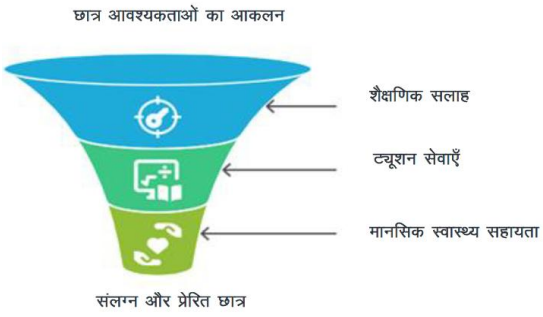

5.1 छात्र सहायता

- फेलोशिपः आईसीएमआर–एसआरएफ, डीएसटी–इंस्पायर, जीपैट, एनएचएफडीसी, यूजीसी–नेट।

5.2 छात्र प्रगति

- 2024–25 में 13 पीएच.डी. की डिग्रियाँ प्रदान की गईं।
- स्नातक छात्र उच्च शिक्षा और अनुसंधान में लगे हुए है।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सेमिनार, सम्मेलन, वाइवा–वॉयस में सक्रिय भागीदारी।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र शिक्षण, फार्मा उद्योग और अनुसंधान संस्थानों में कार्यरत है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- दृष्टिकोणः फार्मास्युटिकल विज्ञान में उत्कृष्टता का केंद्र बनना।
- लक्ष्यः स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान में नवाचार, नैतिकता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- अंतर–विषयक अनुसंधान और उद्योग सहयोग पर ध्यान केंद्रित करना।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय का संपादकीय मंडल, व्यावसायिक समाजों, अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्कों में शामिल होना।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- डीएसटी, आईसीएमआर, यूजीसी परियोजनाओं के माध्यम से वित्त पोषण।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईक्यूएसी, शैक्षणिक परिषद और नवाचार सेल में सक्रिय भागीदारी।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

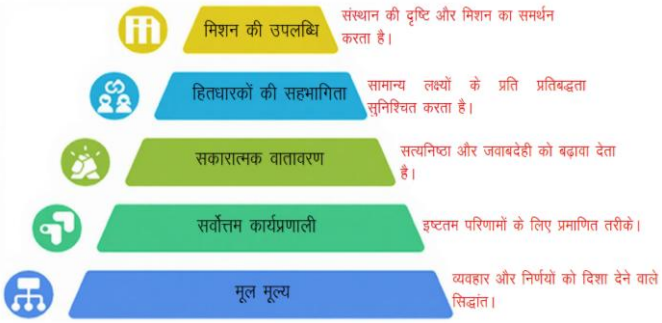

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण के अनुरूप अनुसंधान।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- नैनोप्रौद्योगिकी–संचालित ड्रग डिलीवरी प्रणालियाँ।
- दवा खोजने में एआई का एकीकरण।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- ऑन्कोलॉजी ड्रग डिलीवरी और तनाव–संबंधी विकारों में मान्यता प्राप्त अनुसंधान।
- मजबूत पेटेंट पोर्टफोलियो और वैश्विक प्रकाशन।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.4 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य शुभिनी ए. सराफ**
  आचार्य (05 साल प्रतिनियुक्ति पर)
  विशेषज्ञताः लिपिडल नैनोटेक्नोलॉजी; नई दवा डिलीवरी
  योग्यताः एम.फार्म, पी.एच.डी.
- **आचार्य गौरव कैथवास**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः कैंसर केमोप्रिवेंशन
  योग्यताः एम.फार्म, पी.एच.डी.
- **आचार्य पी. एस. रजनीकांत**
  आचार्य
  संकायाध्यक्ष, भैषजिक विज्ञान विद्यापीठ
  विभागाध्यक्ष, भैषजिक विज्ञान विभाग
  विशेषज्ञताः नैनो–कैरियर–आधारित लक्षित दवा डिलीवरी
  योग्यताः एम.फार्म, पी.एच.डी.
- **डॉ. विकास मिश्रा**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः क्रोनिक स्ट्रेस से जुड़े कार्डियो–वैस्कुलर विकार
  योग्यताः एम.फार्म, पी.एच.डी.
- **डॉ. विजयकुमार एम. आर.**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः माइक्रोनीडल आधारित दवा/वैक्सीन डिलीवरी
  योग्यताः एम.फार्म, पी.एच.डी.
- **डॉ. चिंपिरी स्रुजनी**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः फार्मास्यूटिकल्स के मेथड डेवलपमेंट में क्यूबीडी का एप्लीकेशन
  योग्यताः एम.फार्म, पी.एच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

आचार्य गौरव कैथवास

- श्रीवास्तव एनके, वर्मा पी, सिंह जी, सिंह जे, कुमार ए, यादव एस, सोनकर एबी, अंसारी एमएन, एस सैदान ए, अख्तर वाई, ए. एल्डोसरी एस., ''ऑप्टिमाइज़िंग सिरणा थेरप्यूटिक्स टार्गेटिंग एचआईएफ–1α: कंप्युटेशनल डिज़ाइन, स्क्रीनिंग, एण्ड मॉलीक्युलर डाइनेमिक्स सिम्युलेशन स्टडीस'', मॉलिक्यूलर फार्मास्यूटिक्स, 2025 मई 19।

- पांडे, ए. आर., कुमार, ए., श्रीवास्तव, एन. के., सिंह, जे., यादव, एस., सोनकर, ए. बी., और कैथवास, जी. (2025), ''एड्वान्सिंग SiRNA थेरप्यूटिक्स टार्गेटिंग एमसीटी–4: ए मल्टिफेसेटेड अप्रोच इंटीग्रेटिंग अर्थमेटिकल डिज़ाइनिंग, स्क्रीनिंग, एण्ड मॉलीक्युलर डाइनेमिक्स वैलिडेशन'', इंटरनेशनल इम्यूनोफार्माकोलॉजी, 147, 113980।
- जैदी, ए. के., कुमार, ए., कुमार, आर., सिंह, जे., यादव, एस., सोनकर, ए. बी., और कैथवास, जी. (2025), ''रिपर्पोजिंग ब्रुसीन एज ए कीमोप्रिवेंटिव एजेंट इन मैम्री ग्लैंड कार्सिनोमाः रेग्युलेटिंग लैक्टेट ट्रांसपोर्ट थ्रु एमसीटी–4'', टॉक्सिकोलॉजी रिपोर्ट्स, 14, 101902।
- सोनकर, ए. बी., वर्मा, ए., यादव, एस., सिंह, जे., कुमार, आर., केशरी, ए. के., और साहा, एस. (2024), ''एंटीप्रॉलीफ़ेरीटिव, एपोप्टोटिक एण्ड एंटी–इनफ्लामेटरी पोटेन्शियल ऑफ 5एच–बेंज़ो [h] थियाज़ोल [2, 3-b] क्विनज़ोलिन एनालॉग्सः नॉवेल सीरीज ऑफ एंटीकैंसर कम्पाउंड्स'', इंटरनेशनल इम्यूनोफार्माकोलॉजी, 137, 112496।
- यादव, एस., अरमान, एम., कुमार, ए., सोनकर, ए. बी., श्रीवास्तव, एन. के., सिंह, जे., और कैथवास, जी. (2025), ''एंटीप्रोलिफेरेटिव इफेक्ट ऑफ कीटोजेनिक डाइयेट ऑन हॉर्मोन इनडिपेंडेंट मैम्री ग्लैंड कार्सिनोमा वाया हारनेस्सिंग ग्लूकोज मेटबॉलिज्मः इन–विट्रो एण्ड इन–वीवो इन्वेस्टिगेशन्स'', जर्नल ऑफ़ जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी, 23(2), 100480।
- सोनकर, ए. बी., वर्मा, ए., यादव, एस., कुमार, आर., सिंह, जे., केशरी, ए. के., और साहा, एस. (2024), ''एंटीप्रोलिफेरेटिव इफेक्ट ऑफ इंडेनो [1, 2-d], थियाज़ोलो [3, 2-a], पाइरीमिडीन एनालॉग्स ऑन आईएल–6 मीडियेटेड स्टैट 3 एण्ड रोल ऑफ द एपोप्टोटिक पाथवे इन एल्बिनो विस्टार रैट्स ऑफ एथिल कार्बामेट–इंड्यूस्ड लंग कार्सिनोमाः इन–सिलिको, इन–विट्रो, एण्ड इन–वीवो स्टडी'', कैंसर सेल इंटरनेशनल, 24(1), 219।
- सिंह, जे., यादव, एस., सोनकर, ए. बी., कुमार, ए., श्रीवास्तव, एन. के., कुमार, आर., और कैथवास, जी. (2024), ''डिज़ाइन, सिंथेसिस, मॉलीक्युलर डाइनेमिक्स एण्ड जीन साइलेंसिंग स्टडीज ऑफ नॉवेल थेरप्यूटिक एचआईएफ–1α siRNAs इन हाइपॉक्सिक कैन्सर सेल्स'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलीक्यूल्स, 282, 136943।
- कुमार, आर., सिंह, जी., अख्तर, वाई., कैथवास, जी., अग्रवाल, ए. के., और सिंह, एस. (2025), ^^स्ट्रक्चरल डाइनेमिक्स ऑफ OATP1A2 इन मीडियेटिंग पैक्लिटैक्सेल ट्रांसपोर्ट मेकेनिज्म इन ब्रेस्ट कैन्सर'', नैनोथेरानोस्टिक्स, 9(1), 52।
- रानी, एस., त्रिवेदी, आर., अंसारी, एम. एन., सईदान, ए. एस., कुमार, डी., सिंह, एस. के., और कैथवास, जी. (2024), ''ए नॉवेल क्विनाज़ोलिन डेराइवेटिव एग्ज़िबिट्स पोटेंट एंटीकैंसर साइटोटॉक्सिसिटी वाया एपोप्टोसिस एण्ड इन्हिबिशन ऑफ एंजियोजेनेसिस इन डीएबीए–इंड्यूस्ड मैम्री ग्लैंड कार्सिनोमा'', जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड मॉलिक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी, 38(11), ई70016।
- कुमार, आर., कुमार, ए., कुमार, डी., यादव, एस., श्रीवास्तव, एन. के., सिंह, जे., और सिंह, एस. (2024), ''हारनेस्सिंग पोटेन्शियल ऑफ ω–3 पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड विथ नैनोटेक्नोलॉजी फॉर इनहैन्स्ड ब्रेस्ट कैन्सर थेरेपीः ए कंप्रेहेन्सिव इन्वेस्टिगेशन इंटू एएलए–बेस्ड लिपोसोमल पीटीएक्स डिलिवरी'', फार्मास्यूटिक्स, 16(7), 913।
- रास्तोगी, एस., अंसारी, एम. एन., सईदान, ए. एस., यादव, एस., कुमार, डी., सिंह, एस. के, और कैथवास, जी. (2024), ''नॉवेल कार्बामोडीथियोएट रेग्युलेट्स सेल्युलर हाइपोक्सीया थ्रु केमिकल एक्टिवेशन ऑफ प्रोलाइल हाइड्रॉक्सिलेज–2 फॉर ब्रेस्ट कैन्सर कीमोप्रिवेंशन'', केमिकल बायोलॉजी एंड ड्रग डिज़ाइन, 103(5), ई14531।
- रानी, एस., अंसारी, एम. एन., सईदान, ए. एस., और कैथवास, जी. (2024), ''नॉवेल क्विनाज़ोलिन डेरिवेटिव एक्टीवेट्स एफआईएच–1 इन एमसीएफ–7 सेल्स एण्ड 7, 12–डाइमिथाइलबेन्ज [a]-एन्थ्रासीन इंड्यूस्ड मैम्री ग्लैंड कार्सिनोमा इन एल्बिनो रैट्स'', जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल रेगुलेटर्स एंड होमियोस्टेटिक एजेंट्स, 38(5), 4153–4170।
- रास्तोगी, एस., अंसारी, एम. एन., सईदान, ए. एस., सिंह, एस. के., मुखर्जी, ए., और कैथवास, जी. (2024), ''नोवेल फुरान चालकोन मॉड्यूलेट्स पीएचडी–2 इंडक्शन टू इमपार्ट एंटीनियोप्लास्टिक

इफेक्ट इन मैम्री ग्लैंड कार्सिनोमा'', जर्नल ऑफ़ बायोकेमिकल एंड मॉलिक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी, 38(4), ई23679।

- यादव, एस., सिंह, जे., कुमार, आर., सोनकर, ए. बी., कुमार, ए., कुमार, डी., और कैथवास, जी. (2024), ''LC-mHTT-AN2 ओवरसीज लैक्टेट ट्रांसपोर्ट, हाइपोक्सीया, एण्ड ग्लूकोज होमियोस्टेसिस थ्रु ड्युयल रेग्युलेशन ऑफ एमसीटी–1/4 इन द ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट'', वाईएमईआर, 23(12), 1477–1482।
- जहाँन, आई., पांडे, एम., पाल, एस., जाबी, बी., खान, एम. वाई., और कैथवास, जी. (2024), ''प्रीवेन्शन एण्ड ट्रीटमेंट ऑफ हाइपोक्सिया–इंड्यूस्ड कोलोरेक्टल कैन्सर डैमेज इन एल्बिनो विस्टर रैट्स'', लाइफ रिस, 7(1), 4।

आचार्य पी. एस. रजनीकांत

- शाह, एस., फमता, पी., वांभुरकर, जी., कुमार, आर., पांडे, जी., सिंह, जी., श्रीवास्तव, एस. (2025), ''डोसेटक्शेल एण्ड निकलोसामाइड–लोडेड नैनोफाइबर सिस्टम्स फॉर इंप्रूव्ड कीमो–थेराप्यूटिक एक्टिविटी एण्ड रेज़िस्टेन्स रिवर्सल इन प्रोस्टेट कैन्सर'', ड्रग डेवलपमेंट एंड इंडस्ट्रियल फार्मेसी, 51(2), 132–143।
- ज़ेहरा, एफ., द्विवेदी, एस., अली, एम.ए. एट अल. ''कार्सिनोजेनिक एण्ड नॉन–कार्सिनोजेनिक रिस्क एस्टिमेशन ऑफ इनडोर TVOCs, RSPM, FPM एण्ड SFPM ऑन यंग वुमेन ड्वेल्लर्सः ए केस स्टडी फ्रॉम द कैपिटल सिटी ऑफ उत्तर प्रदेश, इंडिया'', डिस्कवर एप्लाइड साइंस 7, 86 (2025)।
- पांडे, पी., आर्य, डी.के., कुमार, ए., कौशिक, ए., मिश्रा, वाई.के. और रजनीकांत, पी.एस., (2025), ''ड्युयल लिगंड फंकशनलाइज्ड पीएच–सेन्सिटिव लिपोसोम फॉर मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैन्सर ट्रीटमेंटः इन–विट्रो एण्ड इन–वीवो एसेसमेंट'', जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स केमिस्ट्री बी.।
- कनौजिया, एस. एट अल. (2024), ''रेस्वेराट्रोल–एम्पीसिलीन ड्युयल–ड्रग लोडेड पॉलीविनाइलपाइरोलिडोन/पॉलीविनाइल अल्कोहल बायोमिमिक इलेक्ट्रोस्पन नैनोफाइबर एनरिच्ड विथ कोलेजन फॉर एफीशियेंट बर्न वाउंड रिपेयर'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नैनोमेडिसिन, 19, पेज 5397–5418।
- श्रीवास्तव, डी., पांडे, पी., त्रिपाठी, डी.के., यादव, जे.पी., अली, बी., सिंह, वी., वर्मा, ए., मिश्रा, ए., कुमार, डी., मिश्रा, ए. और रजनीकांत, पी.एस., (2024), ''तसर सिल्कवर्म प्यूपा आयलः ए पोटेन्शियल थेरप्यूटिक एण्ड एडिबल लाइपिड सोर्स टू मिटिगेट द ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड कोलेस्ट्रॉल कंप्लिकेशन्स एसोसीयेटेड विथ डाइयबिटीज'', फूड एंड ह्यूमैनिटी, 3, पी.100418।
- फाम्टा, पी., शाह, एस., श्रीनिवासराव, डी.ए., शर्मा, ए., कुमार, आर., वंभुरकर, जी., पांडे, जी., प्रसाद, एस.बी., शिंदे, ए., अस्थाना, ए. और रत्ना, पी.के., (2024), ''सिम्वास्टैटिन–लोडेड जिलेटिन–कैप्ड पॉलीकैप्रोलैक्टोन नैनोपार्टिकल्स फॉर द पोस्ट–ऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ ब्रेस्ट कैन्सर'', जर्नल ऑफ़ ड्रग डिलीवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 101, पृष्ठ 106163।
- ऋषभ चौधरी, मुजीबा रहमान, विपुल अग्रवाल, आनंद कुमार, अर्जुन सिंह कौशिक, सिद्धि श्रीवास्तव, सुकृति श्रीवास्तव, राजकुमार वर्मा, पी.एस. रजनीकांत, विकास मिश्रा, ''टेरा इन्कोग्निटा ऑफ ग्लियल सेल डाइनेमिक्स इन द एटियोलॉजी ऑफ ल्यूकोडाइस्ट्रोफीः ब्रोडेनिंग डिसीज़ एण्ड थेरप्यूटिक पर्स्पेक्टिव्स'', लाइफ साइन्सेस, वॉल्यूम 354, 2024, 122953।
- पांडे, पी., चौधरी, आर., त्रिपाठी, डी., लावुडी, के., दुआ, के., वेनफेल्ड, एम., लवासनिफर, ए. और रजनीकांत, पी.एस., (2024), ''पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट अप्रोच फॉर HER2–पॉज़िटिव मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैन्सर'', मेडिकल ऑन्कोलॉजी, 41(11), पेज 252।
- आर्या, डी.के., देशपांडे, एच., कुमार, ए., चिदंबरम, के., पांडे, पी., अंजुम, एस., दीपक, पी., कुमार, वी., कुमार, एस., पांडे, जी. और श्रीवास्तव, एस., (2024), ''HER2 रिसेप्टर एण्ड $\alpha v\beta_3$ इंटरग्रिन ड्युयल–लिगंड सर्फेस–फंक्शनलाइज्ड लाइपोसोम फॉर मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैन्सर थेरेपी'', फार्मास्यूटिक्स, 16(9), पेज 1128।
- पांडे, पी., आर्या, डी.के., दीपक, पी., अली, डी., अलारिफ़ी, एस., श्रीवास्तव, एस., लवासनिफर, ए. और रजनीकांत, पी.एस., (2024), ''$\alpha v\beta_3$ इंटरग्रिन एण्ड फोलेट–टारगेटेड पीएच–सेन्सिटिव लाइपोसोम विथ ड्युयल लिगंड मॉडिफिकेशन फॉर मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैन्सर ट्रीटमेंट'', बायोइंजीनियरिंग, 11(8), पेज 800।

- अंजुम, एस., वांग, वाई., शिन, वाई., ली, एक्स., ली, टी., झांग, एच., क्वान, एल., ली, वाई, आर्य, डी.के., रजनीकांत, पी.एस. और एओ, क्यू., (2024), ''बायोइंस्पायर्ड कोर–शेल नैनोफाइबर ड्रग–डेलिवरी सिस्टम मॉड्यूलेट्स ऑस्टियोजेनिक एण्ड ऑस्टियोक्लास्ट एक्टिविटी फॉर बोन टिश्यू रीजेनरेशन'', मैटेरियल्स टुडे बायो, 26, पेज 101088।
- जैसवाल, एस., अंजुम, एम.एम., आर्य, डी.के., ठाकुर, एस., पांडे, पी., दीपक, पी., कनौजिया, एस., आनंद, एस., कौशिक, ए.एस., मिश्रा, वी. और रजनीकांत, पी.एस., (2024), सर्फेस एनट्रेंच्ड β–सिटोस्टेरॉल नियोसोम फॉर इनहैन्स्ड कार्डियोप्रोटेक्टिव एक्टिविटी अगेन्स्ट आइसोप्रोटेरेनॉल इंड्यूस्ड कार्डियोटॉक्सिसिटी इन रैट्स'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिक्स, 653, पेज 123872।
- कनौजिया, के.ए., मिश्रा, एन., रजनीकांत, पी.एस. और सर्राफ, एस.ए., (2024), ''एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड्स एज एंटीमाइक्रोबियल फॉर वाउंड केयर मैनेजमेंटः ए कम्प्रेहेन्सिव रिव्यू'', जर्नल ऑफ ड्रग डिलीवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पेज 105570।
- नंदा, ए., पांडे, पी., रजनीकांत, पी.एस. और सिंह, एन., (2024), रिवॉल्यूशन ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी इन फूड पैकेजिंगः हारनेस्सिंग इलेक्ट्रोस्पन ज़ीन नैनोफाइबर्स फॉर इंप्रूव्ड प्रिज़र्वेशन–ए रिव्यू'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, पेज 129416।

डॉ. विकास मिश्रा

- ऋषभ चौधरी, मुजीबा रहमान, विपुल अग्रवाल, आनंद कुमार, अर्जुन सिंह कौशिक, सिद्धि श्रीवास्तव, सुकृति श्रीवास्तव, राजकुमार वर्मा, पी.एस. रजनीकांत, विकास मिश्रा, ''टेरा इन्कोग्निटा ऑफ ग्लियल सेल डाइनेमिक्स इन द एटियोलॉजी ऑफ ल्यूकोडाइस्ट्रोफीः ब्रोडेनिंग डिसीज़ एण्ड थेरप्यूटिक पर्स्पेक्टिव्स'', लाइफ साइन्सेस, वॉल्यूम 354, 2024, 122953।
- जैसवाल, एस., अंजुम, एम.एम., आर्य, डी.के., ठाकुर, एस., पांडे, पी., दीपक, पी., कनौजिया, एस. , आनंद, एस., कौशिक, ए.एस., मिश्रा, वी. और रजनीकांत, पी.एस., (2024), सर्फेस एनट्रेंच्ड β–सिटोस्टेरॉल नियोसोम फॉर इनहैन्स्ड कार्डियोप्रोटेक्टिव एक्टिविटी अगेन्स्ट आइसोप्रोटेरेनॉल इंड्यूस्ड कार्डियोटॉक्सिसिटी इन रैट्स'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिक्स, 653, पेज 123872।
- रहमान, एम.; अग्रवाल, वी.; चौधरी, आर.; कौशिक, ए. एस.; श्रीवास्तव, एस.; श्रीवास्तव, एस.; कुमार, ए.; सिंह, एस.; मिश्रा, वी., ''फार्मकोलॉजिकल इन्हिबिशन ऑफ हिस्टोन डीएसेटाइलेज अलीवियेट्स क्रोनिक अनप्रिडिक्टेबल स्ट्रेस इंड्यूस्ड एथेरोस्क्लेरोसिस एण्ड एंडोथेलियल डिसफंक्शन वाया अपरेगुलेशन ऑफ बीडीएनएफ'', बायोकेमिकल एंड बायोफिजिकल रिसर्च कम्युनिकेशंस 2024, 735, 150485।
- चौधरी, आर.; आज़म, एम. ए.; डोवंड, बी.; सिंह, ए.; रहमान, एम.; अग्रवाल, वी.; कुमार, ए.; कौशिक, ए. एस.; श्रीवास्तव, एस.; श्रीवास्तव, एस.; मिश्रा, वी., ''क्रोनिक स्ट्रेस–मीडियेटेड डीरेगुलेशन्स इन इनफ्लामेटरी, इम्यून एण्ड ऑक्सीडेटिव सर्क्यूट्री इम्पर्स द थेरप्यूटिक रेस्पॉन्स ऑफ मेथोट्रेक्सेट इन एक्सपेरिमेंटल ऑटोइम्यून डिसीज़ मॉडल्स'', नौनिन–श्मीडेबर्ग आर्काइव्स ऑफ फार्माकोलॉजी 2024, 398 (4), 4305–4334।

डॉ. विजयकुमार एम. आर.

- ए.के. गौतम, पी. कुमार, वी. कुमार, ए. सिंह, टी. महाता, बी. मैती, एस. यादव, डी. कुमार, एस. सिंह, एस. साहा, एम.आर. विजयकुमार, ''प्रिक्लिनिकल एवॉल्यूयेशन ऑफ डलबर्गिन लोडेड पीएलजीए– गैलेक्टोज–मॉडिफाइड नैनोपार्टिकल्स अगेन्स्ट हेपेटोसेल्ल्युलर कार्सिनोमा वाया इन्हिबिशन ऑफ द AKT/NF-κB सिग्नलिंग पाथवे'', इंटरनेशनल इम्यूनोफार्माकोलॉजी, 140 (2024) 112813।

डॉ. चिंपिरी स्रुजनी

- सीएच. स्रुजनी, के.एस. नटराज, ए. कृष्णमंजरी पवार, आदिनारायण, ''क्यूबीडी ड्राइवेन अप्रोच फॉर मेथड डेवेलपमेंट एण्ड वैलिडेशन फॉर द डिटर्मिनेशन ऑफ गिल्टेरिटिनिब बाइ आरपी–एचपीएलसी'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फार्मास्युटिकल क्वालिटी एश्योरेंस, वॉल्यूम 15, नंबर 4, पेज 2129–2138, दिसंबर 2024।

- सीएच. स्रुजनी, राज बाजपेयी, अनन्या मिश्रा, शशिकांत गौतम, आदित्य कुमार शर्मा, ''फाइटो नैनोकम्पोजिट्सः सिंथेसिस, कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड अप्लिकेशन्स'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फार्मास्युटिकल साइंसेज, वॉल्यूम 2, नंबर 9, पेज 1236–1250, सितंबर 2024।
- सीएच. स्रुजनी, देवा रानी, डी. माधुरी, एसके. मस्तानम्मा, अंकित गुप्ता, "रिस्पॉन्स सर्फेस मेथेडोलॉजी एज ए टूल फॉर स्टेबिलिटी–इंडिकेटिंग मेथड डेवेलपमेंट एण्ड वैलिडेशन फॉर द डिटर्मिनेशन ऑफ सेलेक्टिव EZH2 इन्हाइबिटर'', इंडियन जर्नल ऑफ़ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, वॉल्यूम 59, नंबर 2, पेज 1–11, जून 2025।

8.3.7 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें :

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

आचार्य पी. एस. रजनीकांत

- किताब ''कॉन्सेप्ट्स ऑफ़ कॉम्बैटिंग कीमोरेसिस्टेंस इन कैंसर थेराप्यूटिक्स'' में ''नॉन–सॉलिड ट्यूमर में कैंसर सेल्स का री–सेंसिटाइजेशन''शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

आचार्य पी.एस. रजनीकांत

- यूनिवर्सिटी ऑफ़ अल्बर्टा, कनाडा द्वारा 3–सितंबर–2024 को आयोजित ''नैनोफाइबर–बायोमेडिकल एप्लीकेशन के लिए एक बहुमुखी तकनीक'' शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. विकास मिश्रा

- फार्मास्यूटिक्स विभाग, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च–रायबरेली द्वारा 06 मई, 2025 को आयोजित ''ब्रेन टारगेटिंग के लिए नोवेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम'' पर एक दिवसीय कार्यशाला में ''न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के लिए स्टेम सेल थेरेपीः वर्तमान प्रगति, चुनौतियाँ और अवसर'' शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) के तहत एनईपी 2020 ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया, जिसका आयोजन एमएमटीटीपी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 06 जनवरी से 15 जनवरी 2025 तक किया गया।

डॉ. विजयकुमार एम. आर.

- एप्लाइड मैकेनिक्स विभाग, एमएनएनआईआई इलाहाबाद, और बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंजीनियरिंग विभाग, गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा संयुक्त रूप से 14 से 19 जुलाई 2025 तक आयोजित ''स्मार्ट हेल्थ इनोवेशनः इमेजिंग, सेंसर और बायोमटेरियल का एकीकरण'' पर एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) में ''माइक्रोनीडल्सः ट्रांसडर्मल ड्रग डिलीवरी सिस्टम में एक हालिया प्रगति'' शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- फार्मेसी विभाग, एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ में 29 नवंबर, 2024 को ''ट्रांसडर्मल ड्रग डिलीवरी सिस्टम में हालिया प्रगतिः माइक्रोनीडल्स पर विशेष ध्यान'' शीर्षक पर आमंत्रित आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. चिंपिरी स्रुजनी

- निर्मला कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी, गुंटूर द्वारा 22 और 23 जनवरी, 2025 को आयोजित सीएसआईआर और डीबीटी प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''सतत दवा डिजाइन और नैनो–पार्टिकल विकासः क्वांटम और कम्प्यूटेशनल परिप्रेक्ष्य'' में ''डाइक्लोर्फेनामाइड के अनुमान के लिए बॉक्स–बेहनकेन डिजाइन असिस्टेड आरपी–एचपीएलसी विधि विकास और सत्यापन'' शीर्षक पर मौखिक पत्र प्रस्तुत किया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

आचार्य शुभिनी ए. सर्राफ

- श्री अभिषेक वर्मा ने ''अप्रेज़ल ऑफ रिसेप्टर मीडियेटेड टार्गेटिंग फॉर द इनहैन्स्ड एंटीप्रोलिफेरेटिव एक्टिविटी ऑफ सर्फेस इंजिनीयर्ड नैनो–फॉर्मूलेशन(स) अगेन्स्ट लंग कार्सिनोमा'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

आचार्य गौरव कैथवास

- श्री रोहित कुमार ने ''इनहैन्स्मेंट ऑफ एंटीकैंसर पोटेन्शियल ऑफ पैक्लिटैक्सेल यूज़िंग पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री धर्मेंद्र कुमार ने ''इनहैन्स्मेंट ऑफ एंटीकैंसर पोटेन्शियल ऑफ पैक्लिटैक्सेल यूज़िंग γ–लिनोलेनिक एसिड'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव ने ''डेवेलपमेंट ऑफ सिस्टेमिक HIF–1अल्फा–siRNA/PHD2 एक्टीवेटर को डिलिवरी वेहिकल बाइ पीएलजीए बेस्ड फॉर्मुलेशन फॉर द इंटरवेन्शन ऑफ मैम्री ग्लैंड कार्सिनोमा'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री अनुराग कुमार ने ''एक्सट्रैक्शन, प्यूरिफिकेशन, कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ α–लिनोलेनिक एसिड डेराइव्ड फ्रॉम प्लांट सोर्स एण्ड इट्स एवॉल्यूयेशन अगेन्स्ट मैम्री ग्लैंड कार्सिनोमा'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री सिद्धांत निकम ने ''ऑर्केस्ट्रोल रोल ऑफ HIF–1α एण्ड HIF–2α इन ब्रेस्ट कैन्सर'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- सुश्री प्रतिभा वर्मा ने ''डेवेलपमेंट ऑफ सिस्टेमिक HIF–1अल्फा–siRNA/FIH-1 एक्टीवेटर को डिलिवरी वेहिकल बाइ पीएलजीए बेस्ड फॉर्मुलेशन फॉर द इंटरवेन्शन ऑफ मैम्री ग्लैंड कार्सिनोमा'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

आचार्य पी. एस. रजनीकांत

- श्री अनित कुमार ने ''डेवेलपमेंट एण्ड एवॉल्यूयेशन ऑफ फंक्शनलाइज़्ड नैनोकैरियर बेस्ड ड्रग डिलिवरी सिस्टम फॉर टार्गेटिंग ब्रेन ट्यूमर'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री शुभम कनौजिया ने "मल्टिफंक्शनल कोर–शेल नैनोफाइबर इम्प्लान्ट लोडेड विथ एंटी–कैन्सर एजेंट्स फॉर एफीशियेंट थेरपी इन ब्रेस्ट कैन्सर" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्रीमती माधुरी वर्मा ने "डेवेलपमेंट एण्ड एवॉल्यूयेशन ऑफ ए मिसेल्स–बेस्ड ड्रग डिलिवरी सिस्टम्स लोडेड विथ एंटी–कैन्सर ड्रग फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ ग्लियोब्लास्टोमा'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्रीमती कंच कुमारी गोंड ने "फॉर्मुलेशन एण्ड एवॉल्यूयेशन ऑफ ड्युयल–ड्रग लोडेड इलेक्ट्रोस्पन नैनोफाइबर्स स्काफल्ड फॉर ट्रीटमेंट ऑफ ब्रेस्ट कैन्सर'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

डॉ. विकास मिश्रा

- श्री अर्जुन कौशिक ने ''ए स्टडी ऑन द रोल ऑफ सिरटुइन–6 एण्ड इट्स मॉडुलेशन इन क्रोनिक स्ट्रेस इंड्यूस्ड मेटाबॉलिक सिंड्रोम'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री ऋषभ चौधरी ने ''ए स्टडी ऑन इम्यून सिस्टम एण्ड इट्स मॉडुलेशन इन क्रोनिक स्ट्रेस एग्रीवेटेड ऑटोइम्यून कंडीशन" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

- सुश्री सुकृति श्रीवास्तव ने ''इन्वेस्टिगेटिंग द रोल ऑफ JAK STAT पाथवे एण्ड इट्स मॉडुलेशन इन क्रोनिक स्ट्रेस इंड्यूस्ड कोलिटिस इन रैट्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- सुश्री सिद्धि श्रीवास्तव ने ''ए स्टडी ऑन द रोल ऑफ विटामिन डी एण्ड इट्स रिसेप्टर मीडियेटेड स्टेरॉयडोजेनेसिस इन क्रोनिक स्ट्रेस इंड्यूस्ड मेल इनफर्टिलिटी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

डॉ. विजयकुमार एम. आर.

- सुश्री अमिता सिंह ने ''डेवेलपमेंट ऑफ बेटुलिन एण्ड गेफिटिनिब को–लोडेड लैक्टोफेरिन डेकोरेटेड पीएच सेन्सिटिव लिपोसोम अगेन्स्ट हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच. डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री विपिन कुमार ने ''अप्रेज़ल ऑफ निकोसामाइड लोडेड मैनोज एण्ड हाइलूरोनिक एसिड ग्राफ्टेड लिपोसोम अगेंस्टट बिसफेनॉल ए–इंड्यूस्ड हेपेटिक फाइब्रोसिस'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- सुश्री केएम प्राची ने ''डेवेलपमेंट ऑफ बेटुलिन लोडेड नैनोकैरियर्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

डॉ. चिम्पिरी सुजानी

- श्री अंकित गुप्ता ने ''आइडेंटिफिकेशन, आइसोलेशन एण्ड कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ स्ट्रेस डेग्रडेशन प्रोडक्ट्स ऑफ सम सेलेक्टेड एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- श्री आकाश शर्मा ने ''ड्युयल टार्गेटिंग मिसेल्स लोडेड विथ लैपैटिनिब एण्ड कैपेसिटाबाइन फॉर ब्रेस्ट कैन्सर'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री –

आचार्य गौरव कैथवास

- श्री शुभम रस्तोगी को 2024 में ''नोवेल फुरान चालकोन मॉड्यूलेट्स PHD–2 इंडक्शन टू इम्पार्ट एंटीनियोप्लास्टिक इफेक्ट इन मैम्री ग्लैंड कार्सिनोमा'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- सुश्री सोनिया रानी को 2024 में ''नोवेल क्विनाज़ोलिन डेरिवेटिव एक्टीवेट्स FIH–1 इन MCF–7 सेल्स एण्ड 7, 12–डाइमिथाइलबेन्ज[a]-एंथ्रासीन इंड्यूस्ड मैम्री ग्लैंड कार्सिनोमा इन एल्बिनो रैट्स'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- सुश्री अर्चना भारती सोनकर को 2024 में ''एंटीप्रोलिफेरेटिव, एपोप्टोटिकएण्ड एंटी–इंफ्लेमेटरी पोटेन्शियल ऑफ 5H-बेंज़ो[h]थियाज़ोलो[2,3-b] क्विनाज़ोलिन एनालॉग्सः नोवेल सीरीज ऑफ एंटीकैंसर कंपाउंड्स'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- सुश्री स्नेहा यादव को 2025 में ''ड्युयल टार्गेटिंग ऑफ MCT–1 एण्ड MCT–4 एण्ड इन्वेस्टिगेशन ऑफ देयर रोल इन ब्रेस्ट कैन्सर'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

आचार्य पी. एस. रजनीकांत

- पायल दीपक को 2024 में ''लिगेंड बेस्ड नैनोकैरियर थेरपी फॉर हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (HCC)'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- सुनीता ठाकुर को 2024 में ''प्रेपरेशन एण्ड एवॉल्यूयेशन ऑफ नैनोकैरियर बेस्ड ड्रग डिलिवरी फॉर द मैनेजमेंट ऑफ सोरायसिस'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

- श्वेता जायसवाल को 2024 में ''फॉर्मुलेशन एण्ड एवॉल्यूयेशन ऑफ लिगेंड नैनोकैरियर्स टारगेटेड डिलिवरी फॉर इनहैन्स्ड कार्डियोवॅस्क्युलर थेरेपी'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- दिलीप कुमार आर्य को 2024 में ''ट्रैस्टुजुमाब एण्ड iRGD डेकोरेटेड ड्युयल टारगेटेड लिपोसोम डिलीवरी ऑफ लाइकोरिन एण्ड जेफिटिनिब फॉर HER-2 पॉज़िटिव ब्रेस्ट कैन्सर एण्ड इट्स ब्रेन मेटास्टेसिस'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- प्रशांत पांडे को 2025 में ''डेवेलपमेंट ऑफ मल्टिफंक्शनल नैनोकैरियर फॉर डिलीवरी ऑफ ऑप्टिमल ड्रग्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ ब्रेस्ट कैन्सर एण्ड इट्स ब्रेन मेटास्टेसिस'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. विकास मिश्रा

- श्री आनंद कुमार को 2024 में ''इफेक्ट ऑफ फार्मकोलॉजिकल इंटरवेन्शन(स) इन स्केलेटल मसल ऑफ डाइयेबेटिक रैट'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- श्री विपुल अग्रवाल को 2024 में ''ए स्टडी ऑन द रोल ऑफ प्रोइन्फ्लेमेटरी साइटोकिन्स एण्ड देयर मॉडुलेशन बाइ कोलीनर्जिक एक्टिविटी इन क्रोनिक स्ट्रेस इंड्यूस्ड कार्डियक डिसफंक्शन'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- सुश्री मुजीबा रहमान को 2025 में ''ए स्टडी ऑन द रोल ऑफ ब्रेन डिराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर एण्ड इट्स मॉडुलेशन इन क्रोनिक स्ट्रेस इंड्यूस्ड एथेरोस्क्लेरोसिस एण्ड एंडोथेलियल डिसफंक्शन'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. विजयकुमार एम. आर.

- श्री अनुराग कुमार गौतम को 2024 में ''डेवेलपमेंट ऑफ टारगेटेड नैनो फॉर्मूलेशन(स) फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ कैन्सर एण्ड इन्वेस्टिगेशन ऑफ द मॉलीक्युलर मेकेनिजम्स'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –

आचार्य गौरव कैथवास

- सीएसटी–यूपी द्वारा प्रायोजित किए गए ''टू क्वांटिफाइ ऑफ मेजर फार्मसूटिकल पॉल्यूटेंट्स इन रिवर गंगा एण्ड इंप्रूव द अंडरस्टैंडिंग ऑफ द इफेक्ट्स ऑफ प्रोलांग्ड एक्सपोजर ऑन फ्रेशवॉटर ईकोसिस्टम'' शीर्षक वाले परियोजना के लिए 13,86,000/– रुपये का शोध अनुदान 2025 में प्राप्त हुआ।

आचार्य पी.एस. रजनीकांत

- सीएसटी–यूपी द्वारा प्रायोजित किए गए ''डेवेलपमेंट ऑफ नोवेल बायोडिग्रेडेबल नैनोफाइबरस मैट फॉर रैपिड हीलिंग ऑफ डायबिटिक वाउंड्स'' शीर्षक वाले परियोजना के लिए 14.97 लाख रुपये का शोध अनुदान 2024 में प्राप्त हुआ।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ:

आचार्य गौरव कैथवास

- 2024 में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया द्वारा फार्माकोलॉजी और टॉक्सिकोलॉजी के क्षेत्र में दुनिया भर में शीर्ष 2% वैज्ञानिक के रूप में सूचीबद्ध।
- एसपीएसआर अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार– 2025, सोसाइटी फॉर फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च, झांसी, भारत।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	3

2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	34
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	1
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	2
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	13
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	60
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	22
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	10
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	3
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	2
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	30
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	44
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	10

भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ

विद्यापीठ का संक्षिप्त विवरणः प्रारंभ में (2010), भौतिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत चार विभाग थे, जिनके नाम थे अनुप्रयुक्त रसायन विभाग, गणित विभाग, अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग और सांख्यिकी विभाग। हालांकि, छात्रों के लिए रोजगार और अवसरों को ध्यान में रखते हुए, विद्यापीठ और विभाग का नाम, चल रहे शैक्षणिक सत्र 2018 से बदल दिया गया है। इसके बाद, हमारे विद्यापीठ को भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ (एसपीडीएस) के नाम से जाना जाता है और एसपीडीएस के तहत अलग–अलग विभाग को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया हैः –

रसायन विज्ञान विभाग
गणित विभाग
भौतिक विभाग
सांख्यिकी विभाग

रसायन विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय

रसायन विज्ञान विभाग, रसायन विज्ञान के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं पर ध्यान देने के साथ स्नातकोत्तर (एमएससी), डॉक्टरेट (पीएच.डी.) और अनुसंधान कार्यक्रम प्रदान करता है। इसमें एफटीआईआर, यूवी–विस के स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, बीईटी सरफेस एनालाइजर, रियोमीटर और एनएमआर जैसी आधुनिक उपकरण सुविधाओं वाली अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। संकाय सदस्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अनुसंधान, प्रकाशन और विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। विभाग छात्रों और अध्येताओं के बीच शैक्षणिक विकास और शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से सेमिनार, कार्यशालाएं और सम्मेलन आयोजित करता है।

ताकत

- मजबूत शोध पृष्ठभूमि वाले योग्य और अनुभवी संकाय।
- उन्नत उपकरणों के साथ अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ।
- प्रतिष्ठित पीयर–रिव्यूड पत्रिकाओं में प्रकाशनों का लगातार रिकॉर्ड।
- सफल डॉक्टोरल अनुसंधान आउटपुट के साथ सक्रिय पीएच.डी. कार्यक्रम।
- शैक्षणिक एवं विस्तार गतिविधियों का नियमित आयोजन।
- स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर पर मजबूत छात्र नामांकन और प्रगति।
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग एवं समझौता ज्ञापन।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

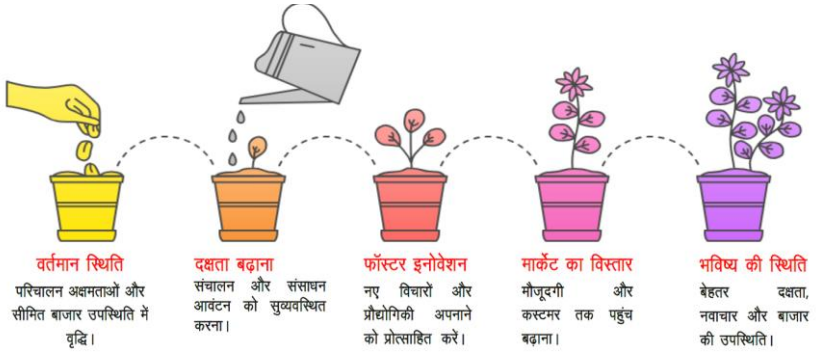

- नये अंत:विषयक एवं कौशल–उन्मुख पाठ्यक्रम शुरू करना।
- अनुसंधान सुविधाओं को बेहतर बनाना और आधुनिक उपकरणों को शामिल करना।
- वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं और पेटेंट के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करना।
- रासायनिक विज्ञान में उभरते रुझानों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
- परामर्श और प्लेसमेंट के लिए उद्योग–अकादमिक संबंधों को मजबूत करना।
- विभागीय पुस्तकालय में डिजिटल संसाधनों का विकास।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास/पाठ्यचर्या योजना और कार्यान्वयन



- **प्रस्तावित कार्यक्रम:** एम.एस.सी. रसायन विज्ञान, पीएच.डी. रसायन विज्ञान।
- पाठ्यक्रम यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार गया है, जिसमें संकाय, छात्रों और बाहरी विशेषज्ञों से इनपुट लिए गए हैं।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- चॉइस–बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू किया गया।
- विभिन्न विशेषज्ञताओं में वैकल्पिक पाठ्यक्रम उपलब्ध किए गए।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

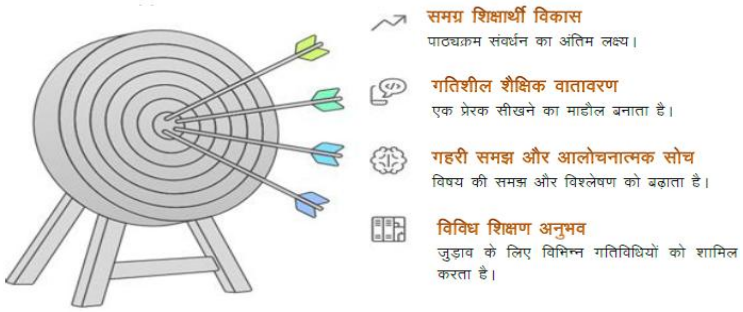

- हरित रसायन विज्ञान और टिकाऊ प्रथाओं को शामिल किया गया है।

- कार्यशाला/सेमिनार नवीनतम प्रगति को शामिल किया जाता हैं।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- छात्रों, संकायों और पूर्व छात्रों से संरचित प्रतिक्रिया तंत्र।
- पाठ्यक्रम सुधार के लिए प्रतिवर्ष समीक्षा की जाती है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

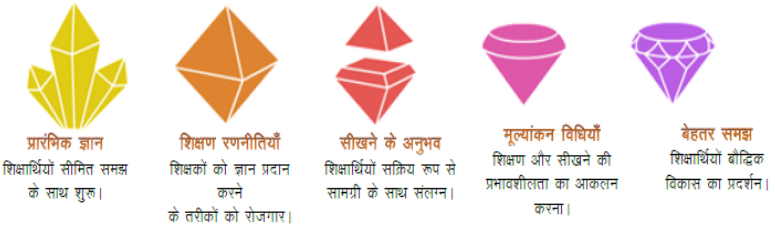

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- वर्तमान नामांकनः 107 स्नातकोत्तर छात्र।
- राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करता है

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- शैक्षणिक और व्यक्तिगत मार्गदर्शन के लिए सलाह प्रणाली।
- धीमी गति से सीखने वाले छात्रों के लिए ब्रिज कोर्स और उपचारात्मक सहायता।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- आईसीटी–सक्षम स्मार्ट कक्षाएँ।
- उन्नत उपकरणों के साथ व्यावहारिक प्रयोगशाला प्रशिक्षण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

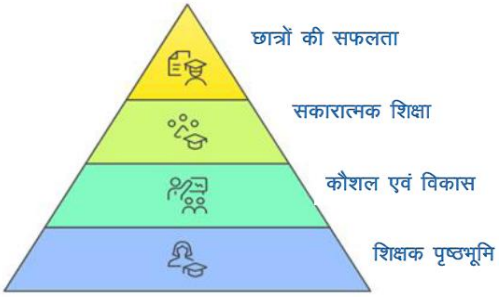

- **संकाय संख्या:** 7 (3 आचार्य, 2 उपाचार्य, 2 सहायक आचार्य)।
- औषधीय रसायन विज्ञान, भौतिक रसायन विज्ञान, नैनोमटेरियल, सतत रसायन विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में विशेषज्ञता।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- निरंतर आंतरिक मूल्यांकन, सेमिनार, प्रैक्टिकल और शोध प्रबंध।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- 4 पीएच.डी. डिग्रियां प्रदान की गईं।
- कई छात्रों ने यूजीसी/सीएसआईआर फेलोशिप के लिए अर्हता प्राप्त की।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- खास तौर पर शोध सुविधाओं और संकाय सलाह के मामले में, संतुष्टि का लेवल बहुत ज़्यादा बताया गया है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- विभाग में एनएमआर, एफटीआईआर, बीईटी, रियोमीटर जैसे परिष्कृत उपकरण हैं।
- फेलोशिप और वित्त पोषित परियोजनाओं के माध्यम से अनुसंधान सहायता।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



शोध के लिए संसाधन जुटाना

- संकाय बाहरी रूप से वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं में लगे हुए हैं।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- **शोध के मुख्य क्षेत्रः** नैनोमटेरियल्स, ग्रीन केमिस्ट्री, मेडिसिनल केमिस्ट्री।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 30 से अधिक प्रकाशन।
- संकाय और छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पेपर प्रस्तुत किये।

3.5 परामर्श

- संकाय रासायनिक विश्लेषण और अनुसंधान सहयोग में विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- आउटरीच गतिविधियों में सामाजिक जागरूकता और पर्यावरण कार्यक्रमों में छात्रों की भागीदारी शामिल है।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

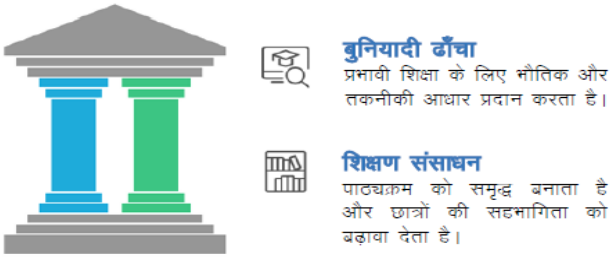

4.5 भौतिक सुविधाएं

- अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएँ, सेमिनार हॉल और अनुसंधान प्रयोगशालाएँ।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- पुस्तकों, पत्रिकाओं और डिजिटल पहुंच के साथ विभागीय पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी उपकरणों के साथ स्मार्ट कक्षाएँ।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- प्रयोगशालाओं और उपकरणों का वार्षिक रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- छात्रवृत्ति और फेलोशिप (यूजीसी/सीएसआईआर)।

5.2 छात्र प्रगति

- अनुसंधान और उच्च शिक्षा की ओर प्रगति करने वाले स्नातक।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियां

- कार्यशालाओं, सेमिनारों और विज्ञान दिवस समारोहों में सक्रिय भागीदारी।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र नेटवर्क प्लेसमेंट और अनुसंधान सहयोग का समर्थन करता है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- रासायनिक विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- पाठ्यक्रम नियोजन एवं समीक्षा के लिए विभागीय बैठकें।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- एफडीपी और प्रशिक्षण के माध्यम से संकाय विकास के अवसर।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- अनुसंधान परियोजनाओं और विश्वविद्यालय आवंटन के माध्यम से वित्त पोषण।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईक्यूएसी और विभागीय समितियों द्वारा नियमित समीक्षा।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

पर्यावरणीय स्थिरता और हरित रसायन को बढ़ावा देता है।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- उन्नत उपकरणों में व्यावहारिक प्रशिक्षण।
- पाठ्यक्रम में स्थिरता अवधारणाओं को शामिल करना।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- अंतःविषयक और व्यावहारिक अनुसंधान पर मजबूत ध्यान।
- शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों का एकीकरण।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य अंजनी कुमार तिवारी**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग
  विशेषज्ञताः रेडियोकेमिस्ट्री, केमिकल काइनेटिक्स, बायोमेडिकल साइंसेज, कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाइन (सीएडीडी) और मेडिसिनल केमिस्ट्री।
  योग्यताः एम. एससी.; पीएच.डी.
- **आचार्य कमान सिंह**
  आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग
  विशेषज्ञताः फिजिकल केमिस्ट्री, एडवांस सरफेस केमिस्ट्री
  योग्यताः एम. एससी.; पीएच.डी.
- **आचार्य गजानन पांडे**
  आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग
  विशेषज्ञताः मैटेरियल्स केमिस्ट्री, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, एनवायर्नमेंटल केमिस्ट्री
  योग्यताः एम. एससी.; पीएच.डी।
- **डॉ. ज्योति पाण्डेय**
  उपाचार्य, रसायन विज्ञान विभाग
  विशेषज्ञताः सस्टेनेबल ग्रीन केमिस्ट्री, बायो पॉलीमर केमिस्ट्री और बायो ऑर्गेनिक केमिस्ट्री।
  योग्यताः एम. एससी.; पीएच.डी.
- **डॉ. शैलेश कुमार**
  उपाचार्य, रसायन विज्ञान विभाग

विशेषज्ञताः सिंथेटिक मेडिसिनल केमिस्ट्री, मेडिसिनल महत्व के हेट्रोसाइकिल का डायवर्सिटी ओरिएंटेड सिंथेसिस, ऑर्गेनोकैटलिसिस।
योग्यताः एम. एससी.; पीएच.डी.

- **डॉ. प्रीति गुप्ता**
  सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग
  विशेषज्ञताः सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री और मेडिसिनल केमिस्ट्री।
  योग्यताः एम. एससी.; पीएच.डी.
- **डॉ. जवाहर लाल जाट**
  सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग
  विशेषज्ञताः सस्टेनेबल ऑर्गेनिक सिंथेसिस और मेडिसिनल केमिस्ट्री
  योग्यताः एम. एससी., पीएच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

आचार्य कमान सिंह

- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति।

आचार्य गजानन पांडे

- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति।
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, केंद्रीय प्लास्टिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार) लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल और डीआरसी, रसायन विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान विभाग, मदन मोहन मालवीय टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, गोरखपुर।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार।
- सदस्य, रासायनिक और औषधि विज्ञान के लिए सलाहकार/विशेषज्ञ समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, यूपी।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ, लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, एमआईटीएस, ग्वालियर।
- सदस्य, प्रवेश समिति, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।
- इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, बीबीएयू, लखनऊ के समन्वयक के रूप में कार्य किया।

डॉ. अंजनी कुमार तिवारी

- अध्यक्ष, अध्ययन मंडल, भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ, बीबीएयू, लखनऊ।
- अध्यक्ष, विभागीय अनुसंधान समिति।
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ, बीबीएयू, लखनऊ।
- विजिटिंग प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर क्वांटम एंड–कमीशन रेडियोलॉजिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी शोधकर्ता।

डॉ. ज्योति पांडे

- सदस्य, अध्ययन मंडल, भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति।
- सदस्य, प्रवेश समिति, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, बीएसआर, एनआईपीईआर, रायबरेली।
- सदस्य, प्रवेश निगरानी समिति, बीबीएयू, लखनऊ।

डॉ. शैलेश कुमार

- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य (आमंत्रित), विभागीय अनुसंधान समिति, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, प्रवेश समिति 2024–25, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।
- आजीवन सदस्य, रसायन विज्ञान शिक्षक संघ। –
- आजीवन सदस्य, भारतीय विज्ञान कांग्रेस।
- आजीवन सदस्य, विज्ञान भारती अवध प्रांत।
- सदस्य, डिग्री स्क्रीनिंग, सत्यापन और वितरण समिति, बीबीएयू, 2022 के 10वें दीक्षांत समारोह।
- समन्वयक, आईक्यूएसी, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, नैक समिति रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।

डॉ. प्रीति गुप्ता

- सदस्य (आमंत्रित), स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, प्रवेश निगरानी समिति 2024–25।
- सदस्य, प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला समिति।
- सदस्य, महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाओं की समिति।

डॉ. जवाहर लाल जाट

- सदस्य (आमंत्रित), विभागीय अनुसंधान समिति।
- सदस्य (आमंत्रित), स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ।
- सदस्य, प्रवेश निगरानी समिति 2024–25।
- सदस्य, यूएसआईसी, सलाहकार समिति।
- सदस्य, अनुसंधान एवं विकास, सलाहकार समिति।
- संयोजक, आईपीआर, कानूनी और नैतिक संबंधित समिति (आर एंड डी सेल)।
- सदस्य, सहायक डीएसडब्ल्यू (पुरूष)।

8.3 शोध प्रकाशन

- उपाध्याय, डी. डी., सिंह, एस., बहादुर, आई., कबाने, बी., और पांडे, जी. (2025), ''ग्रीन मेथड प्रोड्यूस्ड एफीशियेंट जेड–स्कीम ZnS@ g-C3N4 हेटेरोजंक्शनः एलपीजी सेन्सिंग एण्ड ऑक्सीजन एवॉल्यूशन'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हाइड्रोजन एनर्जी, 142, 257–268।
- गौतम, ए. के., शंखवार, आर., गुप्ता, आर. के., श्रीवास्तव, एस. के., और पांडे, जी. (2025), ''द स्टडी ऑफ द ग्रीन सिंथेसिस ऑफ Co3O4 नैनोमटेरियल्स एण्ड Co3O4/Ce24Co11/CeO2 नैनोकम्पोजिट यूज़िंग किगेलिया पिन्नाटा फ्रूट एक्सट्रैक्ट एण्ड देयर एंटीबैक्टीरियल पोटेन्शियल'', जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1327, 141170।
- सकलानी, एम., झा, सी. बी., बैद्य, ए. टी., सिंह, एस., कुमार, आर., माथुर, आर., और वार्ष्णेय, आर. (2024), ''लैमिनिन मिमेटिक एंजियोजेनिक एण्ड कोलेजन पेप्टाइड हाइड्रोजेल फॉर इनहैन्स डर्मल वाउंड हीलिंग'', बायोमटेरियल्स एडवांसेज, 158, 213761।
- खरवार, ए., मिश्रा, ए., सिंह, वी. के., और तिवारी, ए. के. (2024), ''इन सिलिको अप्रोच टू डिज़ाइन न्यू साइक्लोऑक्सीजिनेज–2 (कॉक्स–2) इन्हाइबिटर्स बेस्ड ऑन एमएम/क्यूएम एण्ड एडमेट एनॉलिसिस'', केमिकल फिजिक्स इम्पैक्ट, 8, 100509।
- श्रीवास्तव, पी., कौल, ए., यादव, पी., ओझा, एच., और तिवारी, ए. के. (2024), ''डिज़ाइन, सिंथेसिस, कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड एवॉल्यूयेशन ऑफ मेथियोनीन–एबीओ बेस्ड टीएसपीओ लिगेंड'', जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1310, 138188।
- मिश्रा, ए., गोंड, सी., सिंह, वी. के., और तिवारी, ए. के. (2024), ''एक्सप्लोरिंग डाइमेथॉक्सी नेफ्थलेनिल मेथॉक्सीफेनिल क्विनाज़ोलिनिल एमीन एज ए PDE10A इन्हाइबिटरः इन–सिलिको

स्टडीज, सिंथेसिस एण्ड बाइंडिंग इंटरैक्शन्स विथ सीरम एल्ब्यूमिन'', जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स, 412, 125788।

- गोंड, सी., कुमार, एन., सिंह, वी. के., दत्ता, ए., और तिवारी, ए. के. (2024), ''एक्सप्लोरिंग नॉवेल लिगेंड्स फॉर mGluR5: डिज़ाइन, कंप्युटेशनल एनॉलिसिस, एण्ड प्रोटीन–लिगेंड इंटरैक्शन स्टडीज'', केमिकल फिजिक्स इम्पैक्ट, 9, 100691।
- सिंह, पी., सिंह, वी. के., गोंड, सी., सिंह, डी., और तिवारी, ए. के. (2025), ''करेंट एड्वान्सेस इन द स्ट्रक्चर–एक्टिविटी रिलेशन्शिप (एसएआर) एनॉलिसिस ऑफ द ओल्ड/न्यू 18–केडीए ट्रांसलोकेटर प्रोटीन लिगेंड्स'', मॉलिक्यूलर डाइवर्सिटी, 29(3), 2639–2689।
- गोंड, सी., कुमार, एन., मिश्रा, ए., दक्ष, एस., सिंह, वी. के., दत्ता, ए., और तिवारी, ए. के. (2025), टारगेटेड डेलिवरी ऑफ mGluR1 लिगेंड RMGOH वाया लाइपिड नैनोपार्टिकल्स: ए नॉवेल अप्रोच फॉर इनहैन्सिंग सीन्स ड्रग एक्सेसिबिलिटी'', न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री।
- सिंह, वी. के., आज़ाद, पी., और तिवारी, ए. के. (2025), ''कंप्युटेशनल एनॉलिसिस ऑफ न्यू जेनरेशन TSPO लिगेंड्स'', डिस्कवर मॉलिक्यूल्स, 2(1), 3।
- कुमारी, एन., अधिकारी, ए., भगत, एस., मिश्रा, ए. के., और तिवारी, ए. के. (2025), बेंज़ोक्साज़ोलोन–बेस्ड FITC–कांजुगेटेड फ्लोरोसेंट प्रोब फॉर लोकेटिंग इन–वीवो एक्सप्रेशन लेवेल ऑफ ट्रांसलोकेटर प्रोटीन (TSPO) ड्यूरिंग लंग इनफ्लामेशन'', मॉलिक्यूलर डाइवर्सिटी, 1–14.
- गोंड, सी., कुमार, एन., मिश्रा, ए., दक्ष, एस., दत्ता, ए., और तिवारी, ए. के. (2025), ''रेशनल कंप्युटेशनल डिज़ाइन ऑफ न्यू–जेनरेशन EGFR टायरोसिन काइनेज (EGFR–TK) इन्हाइबिटर्स'', रिजल्ट्स इन केमिस्ट्री, 15, 102239।
- सिंह, डी., सिंह, वी. के., कुमारी, एन., ओझा, एच., और तिवारी, ए. के. (2025), ''एक्सप्लोरिंग द बाइंडिंग मेकेनिज्म ऑफ 5–HT7 स्पेसिफिक बेंज़ोक्साज़ोलोन एल्काइल पिपेराज़िनियम डेरिवेटिव्स: ए कम्प्रेहेन्सिव एनॉलिसिस यूज़िंग स्पेक्ट्रोस्कोपिक आंड कंप्युटेशनल अप्रोचेस'', जर्नल ऑफ़ फ्लोरेसेंस, 35(6), 4491–4511।
- गोंड, सी., दक्ष, एस., मिश्रा, ए., कुमार, एन., दत्ता, ए., और तिवारी, ए. के. (2025), ''एक्सप्लोरिंग द बाइंडिंग डाइनेमिक्स ऑफ एंटीकैंसर डाइहाइड्रोपाइरीमिडिनोन डेरिवेटिव्स विथ सीरम एल्ब्यूमिन: ए मल्टिस्पेक्ट्रल अप्रोच'', केमिकल फिजिक्स इम्पैक्ट, 10, 100851।
- सिंह, पी., सिंह, वी. के., गोंड, सी., सिंह, डी., और तिवारी, ए. के. (2025), ''करेंट एड्वान्सेस इन द स्ट्रक्चर–एक्टिविटी रिलेशन्शिप (एसएआर) एनॉलिसिस ऑफ द ओल्ड/न्यू 18–केडीए ट्रांसलोकेटर प्रोटीन लिगेंड्स'', मॉलिक्यूलर डाइवर्सिटी, 29(3), 2639–2689।
- सिंह, वी. के., आज़ाद, पी., और तिवारी, ए. के. (2025), ''कंप्युटेशनल एनॉलिसिस ऑफ न्यू जेनरेशन TSPO लिगेंड्स'', डिस्कवर मॉलिक्यूल्स, 2(1), 3।
- कुमारी, एन., अधिकारी, ए., भगत, एस., मिश्रा, ए. के., और तिवारी, ए. के. (2025), बेंज़ोक्साज़ोलोन–बेस्ड FITC–कांजुगेटेड फ्लोरोसेंट प्रोब फॉर लोकेटिंग इन–वीवो एक्सप्रेशन लेवेल ऑफ ट्रांसलोकेटर प्रोटीन (TSPO) ड्यूरिंग लंग इनफ्लामेशन'', मॉलिक्यूलर डाइवर्सिटी, 1–14.
- गोंड, सी., कुमार, एन., मिश्रा, ए., दक्ष, एस., दत्ता, ए., और तिवारी, ए. के. (2025), ''रेशनल कंप्युटेशनल डिज़ाइन ऑफ न्यू–जेनरेशन EGFR टायरोसिन काइनेज (EGFR–TK) इन्हाइबिटर्स'', रिजल्ट्स इन केमिस्ट्री, 15, 102239।
- सिंह, डी., सिंह, वी. के., कुमारी, एन., ओझा, एच., और तिवारी, ए. के. (2025), ''एक्सप्लोरिंग द बाइंडिंग मेकेनिज्म ऑफ 5–HT7 स्पेसिफिक बेंज़ोक्साज़ोलोन एल्काइल पिपेराज़िनियम डेरिवेटिव्स: ए कम्प्रेहेन्सिव एनॉलिसिस यूज़िंग स्पेक्ट्रोस्कोपिक आंड कंप्युटेशनल अप्रोचेस'', जर्नल ऑफ़ फ्लोरेसेंस, 35(6), 4491–4511।

- खरवार, ए., वर्मा, ए., और तिवारी, ए. के. (2025), ''इन सिलिको स्टडी ऑफ PDE10A इन्हाइबिटर्स फॉर सिज़ोफ्रेनियाः मॉलिक्यूलर डॉकिंग, ADMET एण्ड DFT एनॉलिसिस'', डिस्कवर केमिस्ट्री, 2(1), 151।
- खानम, एच., सिंह, आर., कंचन, पी., फातिमा, एस., मिश्रा, ए., बिश्नोई, ए., और पांडे, जे. (2025), ''सिंथेसिस एण्ड डीएफटी स्टडीज ऑफ नॉवेल एथिल 2-((4, 6-bis ((E)-3, 4–डाइमेथोक्सीस्टाइरिल)–2–वाईएल) ऑक्सी) एसीटेट'', नेक्स्ट मैटेरियल्स, 8, 100659।
- खानम, एच., परवीन, एस., गौतम, ए. के., गुप्ता, ए. के., बनर्जी, एम., पांडे, जे., और गौतम, वाई. (2025), ''सिंथेसिस, क्रिस्टलोग्राफिक, स्पेक्ट्रोस्कोपिक, क्वांटम केमिकल स्टडीज एण्ड एंटीकैंसर एक्टिविटी ऑफ नॉवेल पाइराज़ोलिन डेरिवेटिव'', जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 142742।
- खानम, एच., पांडे, जे., सिंह, बी. डी., फातिमा, एस., पाठक, ए., शर्मा, ए., और बिश्नोई, ए. (2025), सिंथेसिस एण्ड फोटोफिजिकल प्रॉपर्टीज ऑफ D-π-A-π-D 2–हाइड्रॉक्सी–4, 6–बिस–(एरीलविनाइल)–पाइरिमिडीन बेस्ड पुश–पुल फ्लोरोफोर्सः डीएफटी स्टडीज एण्ड एंटीबैक्टीरियल एक्टिविटी'', जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1338, 142334।
- गुप्ता, एन., पांडे, डी., पांडे, जे., नकवी, एस., और शर्मा, ए. (2025), ''टेरपाइरिडीन–बेस्ड फ्लोरोसेंट सेंसरः इन्वेस्टिगेटिंग द एनलिटिकल प्रॉपर्टीज फॉर डाइवर्स अप्लिकेशन्स'', क्रिटिकल रिव्यूज़ इन एनालिटिकल केमिस्ट्री, 1–26।
- डंसेना, सी., चौधरी, पी. ए., विनायक, बी. पी., गुप्ता, पी., अरोड़ा, टी., प्रकाश, जे., और शर्मा, ए. (2025), ''डिज़ाइन, सिंथेसिस, बायो–एवॉल्यूयेशन, मॉलीक्युलर डॉकिंग एण्ड सिम्युलेशन स्टडी ऑफ टेट्राज़ोल–थियाज़ोल हाइब्रिड्स एज एंटी–अल्जाइमर एजेंट्स'', केमिस्ट्री अफ्रीका, 1–13।
- मिश्रा, ए., कौर, एल., शर्मा, एम., शर्मा, पी., मुरब, एस., ओझा, एच., और पाठक, एम. (2025), ''मैग्नेटिक बायोचार फ्रॉम मेरिगोल्ड फ्लोरल वेस्टः सिंथेसिस, कैरेक्टरिज़ेशन, एण्ड एडसार्प्टिव रिमूवल ऑफ मेथिलीन ब्लू'', जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 142657।
- अली, बी., पांडे, पी., पांडे, जे., और मिश्रा, ए. (2025), ''पाइरीमिडीन एनालॉग इफेक्ट ऑन हेल्थ एण्ड न्यूट्रीशनल वैल्यू ऑफ फ्रेशवॉटर स्टिंगिंग कैटफिश हेटेरोप्यूस्टेस फॉसिलिस'', जर्नल ऑफ़ एक्वेटिक एनिमल हेल्थ, 37(1), 11–20।
- अली, बी., शर्मा, एन., गौतम, आर. के., और मिश्रा, ए. (2025), ''इफेक्ट्स ऑफ पाइरीमिडीन ऑन सेल्युलर एण्ड न्यूरोनल अरेंजमेंट, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड एनर्जी कंटेंट इन द ब्रायन ऑफ द फ्रेशवॉटर कैटफ़िश, हेटेरोप्यूस्टेस फॉसिलिस'', फिश फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री, 51(2), 1–14।
- रिजवान, एस. के., और कुमार, एस. (2025), ''ग्रीन एण्ड सस्टेनबल अप्रोचेस इन द सिंथेसिस ऑफ फार्मास्युटिकली रेलवेंट क्विनाज़ोलिनोन'', टेट्राहेड्रॉन, 172।
- द्विवेदी, ए., वर्मा, एस., चंद्र, डी., भार्गव, एस., वर्मा, वी. पी., और जाट, जे. एल. (2025), ''मेटल–फ्री डाइरेक्ट सिंथेसिस ऑफ सेकेंडरी एमाइड्स एण्ड नाइट्रिल्स यूज़िंग ओ–(2–पाइरीमिडिनिल)–NBoc हाइड्रॉक्सिलमाइन'', यूरोपियन जर्नल ऑफ़ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 28(8), ई202401229।
- कुमार, पी., द्विवेदी, ए., चंद्र, डी., रंजन डे, एस., और जाट, जे. एल. (2024), ''हाइड्रॉक्सिलमाइन–ओ–सल्फोनिक एसिड (HOSA): ए रीसेंट सिंथेटिक ओवरव्यू'', केमिस्ट्री सेलेक्ट, 9(35), ई202401805।

8.3.1 शोध लेख–

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें :

- हितकारी, जी., सिंह, एस., पांडे, जी., ''नैनोपार्टिकल्सः एन इमर्जिंग विपन फॉर मिटिगेशन/रिमूवल ऑफ वेरियस एन्वाइरन्मेंटल पॉल्यूटेंट्स फॉर एन्वाइरन्मेंटल सेफ्टी'' इनः भार्गव, आर., चौधरी, पी. (संपादक) इमर्जिंग एण्ड ईको–फ्रेंड्ली अप्रोचस फॉर वेस्ट मैनेजमेंट, 359–395, 2019 स्प्रिंगर, सिंगापुर।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन––

- हितकारी, जी., सिंह, एस., पांडे, जी., ''नैनोपार्टिकल्सः एन इमर्जिंग विपन फॉर मिटिगेशन/रिमूवल ऑफ वेरियस एन्वाइरन्मेंटल पॉल्यूटेंट्स फॉर एन्वाइरन्मेंटल सेफ्टी'' इनः भार्गव, आर., चौधरी, पी. (संपादक) इमर्जिंग एण्ड ईको–फ्रेंड्ली अप्रोचस फॉर वेस्ट मैनेजमेंट, 359–395, 2019 स्प्रिंगर, सिंगापुर।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी – आचार्य गजानन पांडे

- 18–20 जुलाई, 2025 को सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री और मेटीरियल्स में प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलनः वायुमंडलीय रसायन विज्ञान पर जोर (ASSCM–2025) में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में उन्नति और सतत विकास को सशक्त बनाने पर 16वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जो ''विकसित भारत'' की ओर ले जा रहा है, बीबीएयू, लखनऊ, यूपी में आयोजित।

डॉ. ज्योति पांडे

- आमंत्रित व्याख्यानः मॉलिक्यूलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स लेबोरेटरी, जूलॉजी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 27 फरवरी–03 मार्च 2025 को आयोजित ''मानव रोगों में बुनियादी और उन्नत तकनीकों के अनुप्रयोग और जीवन विज्ञान में अंतर–विषयक अनुसंधान'' पर सेमिनार सह प्रयोगशाला प्रशिक्षण/कार्यशाला में ''पॉलीसेकेराइड–आधारित बायो पॉलीमर का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और बहुआयामी अनुप्रयोग'' विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- आमंत्रित व्याख्यानः सीआईपीईटी पीटी लखनऊ द्वारा 08–10 मार्च 2025 के दौरान आयोजित 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में उन्नति और सतत विकास को सशक्त बनाना जो ''विकसित भारत''–एपीएम 2025 की ओर ले जाता है'' में ''पॉलीसेकेराइड–आधारित बायो पॉलीमरः संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उनके अनुप्रयोग'' विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- आमंत्रित व्याख्यानः महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार द्वारा 19–20 मार्च 2025 के दौरान आयोजित रसायन विज्ञान के सीमांत क्षेत्रों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पॉलीसेकेराइड–आधारित बायो पॉलीमरः अलगाव, संशोधन, लक्षण वर्णन और उनके अनुप्रयोग'' विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. शैलेश कुमार

- 06 फरवरी, 2025 को आईपीआर, लीगल और एथिकल रिलेटेड कमेटी (आर एण्ड डी सेल) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ द्वारा आयोजित इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स अवेयरनेस 2025 (आईपीआर 2025) पर एक दिवसीय वर्कशॉप में भाग लिया।
- 19–20 मार्च, 2025 को महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) बिहार–845401, भारत में आयोजित केमिस्ट्री के फ्रंटियर एरिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICFAC–2025) में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

- 24–25 मार्च, 2025 को रसायन विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित ग्रीन एंड सस्टेनेबल अप्रोचेज इन केमिकल साइंस (GSACS–2025) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सह–संयोजक।
- 24–25 मार्च, 2025 को रसायन विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित ग्रीन एंड सस्टेनेबल अप्रोचेज इन केमिकल साइंस (GSACS–2025) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र के अध्यक्ष।

डॉ. जवाहर लाल जाट

- आमंत्रित व्याख्यानः 28–29 नवंबर 2024 को रसायन विज्ञान विभाग, शिव नादर इंस्टीट्यूट ऑफ़ एमिनेंस, दिल्ली–एनसीआर में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''ग्रीन और सस्टेनेबल ऑर्गेनिक सिंथेसिस के आधुनिक पहलू'' में आमंत्रित वक्ता के रूप में ''एनोन के एमिडेशन'' पर व्याख्यान दिया।
- आमंत्रित व्याख्यानः 19 दिसंबर 2024 को इंस्टीट्यूट ऑफ़ फार्मास्युटिकल साइंसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय, यू.पी. में आयोजित इनोवेशन और स्टार्टअप पर एमिनेंट लेक्चर में आमंत्रित वक्ता के रूप में ''एमिडेशन के लिए अभिनव दृष्टिकोणः स्टार्टअप के गुप्त हथियार के रूप में बेकमैन पुनर्व्यवस्था'' पर व्याख्यान दिया।
- आमंत्रित व्याख्यानः 24–29 अक्टूबर 2024 को नेशनल पी.जी. कॉलेज, लखनऊ, यू.पी. में आयोजित केमिकल साइंसेज के लिए बहु–विषयक दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (InCoMACS–2024) में आमंत्रित वक्ता के रूप में ''एन–बॉक–ओ–टॉसिलहाइड्रॉक्सिलमाइन अभिकर्मक का उपयोग करके कीटोन का धातु मुक्त एमिडेशन'' पर व्याख्यान दिया।
- 19–20 मार्च 2025 को महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) बिहार–845401, भारत, में आयोजित केमिस्ट्री के फ्रंटियर क्षेत्रों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICFAC–2025) में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

विभाग द्वारा अन्य गतिविधियाँ

- रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ में "उन्नत स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक और एनएमआर इंस्ट्रूमेंटेशन में व्यावहारिक प्रशिक्षण" पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 सितंबर से 9 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित किया गया (अध्यक्षः आचार्य अंजनी कुमार तिवारी, संयोजकः डॉ. शैलेश कुमार)।
- 24–25 मार्च 2025 को रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ में "रासायनिक विज्ञान में हरित टिकाऊ दृष्टिकोण" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया (अध्यक्षः आचार्य अंजनी कुमार तिवारी, संयोजकः डॉ. ज्योति पांडे)।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

आचार्य गजानन पांडे

- चंदन शर्मा ने "फैब्रिकेशन ऑफ इनओर्गेनिक–ऑर्गेनिक हाइब्रिड नैनोकम्पोजिट्स एण्ड देयर अप्लिकेशन्स इन फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल वॉटर स्प्लिटिंग एण्ड डेग्रडेशन ऑफ ऑर्गेनिक पॉल्यूटेंट्स" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- नितिका ने "सिंथेसिस ऑफ हेटेरोजंक्शन नैनोकम्पोजिट्स एण्ड इट्स अप्लिकेशन्स इन फोटोकैटलिसिस'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

- सृष्टि द्विवेदी ने "नैनोकैटलिस्टः फैब्रिकेशन, स्ट्रक्चर एलुसिएडेशन एण्ड इट्स अप्लिकेशन्स इन स्टीरियोसेलेक्टिव ऑर्गेनिक ट्रॉन्सफार्मेशन्स" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

आचार्य अंजनी कुमार तिवारी

- आशुतोष खरवार ने "डिज़ाइन एण्ड एवॉल्यूयेशन ऑफ नॉवेल मार्कर्स फॉर स्पेसिफिक रिसेप्टर्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- आकांक्षा वर्मा ने "इनोवेटिव केमिनफॉर्मेटिक स्टडीज एण्ड मेटल–बेस्ड अप्रोचेस फॉर बायोलॉजिकल/एलाइड अप्लिकेशन्स" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- आकांक्षा मिश्रा ने ''डिज़ाइन, सिंथेसिस एण्ड बायोलॉजिकल एवॉल्यूयेशन ऑफ स्पेसिफिक प्रोब्स फॉर सीएनएस रिसेप्टर्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुश्री सोनम ने "डिज़ाइन एण्ड डेवेलपमेंट ऑफ पेंटापेप्टाइड–पॉलीमर कंजुगेट्स एज एड्वॉन्स्ड बायोमेटीरियल्स फॉर वाउंड हीलिंग" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- श्री रघुवेंद्र सिंह यादव सोनम ने "डिज़ाइन एण्ड मेकेनिस्टिक इन्वेस्टिगेशन ऑफ नॉवेल केमिकल एंटिटीस फॉर थेरप्यूटिक अप्लिकेशन्स" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. ज्योति पांडे

- सुश्री प्रीति कंचन ने "मॉडिफिकेशन ऑफ पॉलीसैकराइड–बेस्ड मेटीरियल्सः सिंथेसिस, कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड अप्लिकेशन्स" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुश्री रुचि सिंह ने "सिंथेसिस एण्ड कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ बायोपॉलीमर–बेस्ड हाइड्रोजेल एण्ड देयर अप्लिकेशन" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुश्री काजल ने "डिज़ाइन एण्ड डेवेलपमेंट ऑफ पॉलीसैकराइड–बेस्ड नैनोमटेरियल्स फॉर डाइवर्स अप्लिकेशन्स" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. शैलेश कुमार

- मरियम अख्तर ने "सिंथेसिस, कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड बायोलॉजिकल अप्लिकेशन्स ऑफ काइटोसन बेस्ड" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. जवाहर लाल जाट

- आशीर्वाद द्विवेदी ने "डेवेलपमेंट ऑफ न्यू सिंथेटिक मेथेडोलॉजी फॉर द सिंथेसिस ऑफ नाइट्रोजन कंटेनिंग कम्पाउंड यूज़िंग अमीनेटिंग एजेंट एण्ड देयर बायोइवॉल्युशन'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- शिवम भार्गव ने "डेवेलपमेंट ऑफ नॉवेल सिंथेटिक मेथेडोलॉजीस फॉर द सिंथेसिस ऑफ एन एण्ड ओ–कंटेनिंग मोटिफ्स यूज़िंग इलेक्ट्रोफिलिक हाइड्रोक्सिलैमाइन'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. प्रीति गुप्ता

- आकाश सिंह ने "डिज़ाइन, सिंथेसिस एण्ड बायोलॉजिकल स्टडीज ऑफ नॉवेल थियाडियाज़ोल–बेस्ड ट्रायज़ोल हाइब्रिड्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री

आचार्य कमान सिंह

- श्री उत्कर्ष दीक्षित को ''एडसॉर्प्शन इक्विलिब्रियम स्टडीज ऑफ डाइ एडसॉर्प्शन आंटू मॉडिफाइड'' शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

- श्री प्रेसेनजीत को ''एवॉल्यूयेशन ऑफ शिफ्फ बेस ऑफ डी एण्ड एफ ब्लॉक एलिमेंट्स फॉर बायोलॉजिकल एक्टिविटीस" शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

आचार्य गजानन पांडे

- सुश्री स्निग्धा को "ग्रीन सिंथेसिस, कैरेक्टरिज़ेशन एण्ड कैटलिटिक एक्टिविटी ऑफ नैनोमटेरियल्स मेटीरियल्स" शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- श्री अनिल कुमार गौतम को "ग्रीन सिंथेसिस ऑफ नैनोमटेरियल्स/ नैनोस्ट्रक्चर एण्ड देयर साइटोटॉक्सिसिटी एण्ड एटीबैक्टीरियल एवॉल्यूयेशन" शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

आचार्य अंजनी कुमार तिवारी

- श्री चंद्रप्रकाश गोंड को "केमिनफॉर्मेटिक्स (QSAR एण्ड डॉकिंग) स्टडी फॉर स्क्रीनिंग ऑफ नॉवेल लिगंड्स फॉर न्यूरो/ओंको टार्गेट्स" शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- श्री विजय कुमार सिंह को "सिंथेसिस एण्ड बायोलॉजिकल एवॉल्यूयेशन ऑफ प्यूरिनर्जिक रिसेप्टर लिगेंड'' शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- सुश्री मीनाक्षी सकलानी को "पेप्टिडिक एजेंट फॉर एंजियोजेनेसिस'' शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच. डी. प्रदान की गई।

डॉ. ज्योति पांडे

- श्री बल देव सिंह को ''डेवेलपमेंट ऑफ न्यू कीमोथेराप्यूटिक एजेंट्स बेस्ड ऑन एरोमेटिक एण्ड हेट्रोसाइक्लिक स्कैफोल्ड'' शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।
- सुश्री आयुषी मिश्रा को ''रेलवेन्स ऑफ एडसॉर्प्शन मॉडल फॉर द रिमूवल ऑफ कारसिनोजेनिक पॉल्यूटेंट्स बाइ मॉडिफाइड एडसॉर्बेंट्स'' शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	0
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	31
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	0
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	04
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	9
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	107
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	01
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	

गणित विभाग

विभाग का परिचय

गणित विभाग की स्थापना जुलाई 2010 में भौतिकी विज्ञान विद्यापीठ के अन्तर्गत की गई थी और 2017 में इसका नाम बदल दिया गया। यह एम.एससी. गणित और पीएच.डी. गणित कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग फ्लूइड मैकेनिक्स, नैनोफ्लुइड्स, क्रिप्टोग्राफी, नंबर थ्योरी, अलजेब्रा, वेवलेट एनालिसिस और कॉम्प्लेक्स डायनामिक्स जैसे क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शोध और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है। इसने 20 पीएच.डी. स्नातक और 90 से अधिक परास्नातक छात्र तैयार किए हैं, जिनमें शोध प्रकाशनों, वित्त पोषित परियोजनाओं और पेटेंट पर विशेष जोर दिया गया है।

विभाग की ताकत

- प्रतिष्ठित संस्थानों (आईआईटी, बीएचयू, डीयू, पुणे) से पीएच.डी. के साथ उच्च योग्य संकाय।
- स्कोपस/एससीआई पत्रिकाओं और स्प्रिंगर, सीआरसी प्रेस, एल्सेवियर, विली के साथ पुस्तकों में प्रकाशनों के साथ सक्रिय अनुसंधान संस्कृति।
- अंतर्राष्ट्रीय मान्यता (स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा संकाय को विश्व स्तर पर शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया)।
- 52 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों (2024–25) और यूजीसी/एनबीएचएम द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएँ।
- **शोध पेटेंटः** तापमान नियंत्रित मेडिकल बॉक्स (2024)।
- विभागीय पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षा और आईसीटी–सक्षम बुनियादी ढांचा।
- **छात्रों की मजबूत प्रगतिः** एनईटी/जेआरएफ/एसआरएफ पुरस्कार, उच्च शिक्षा और प्लेसमेंट।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

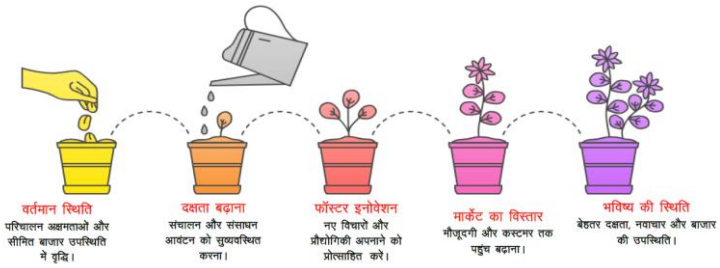

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान और गणितीय मॉडलिंग पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुप्रयुक्त गणित में एक नई विशेषज्ञता शुरू करें।
- संयुक्त शोध और परामर्श के लिए उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाएँ।
- क्रिप्टोग्राफी और फ्लूइड मैकेनिक्स में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/कार्यशाला आयोजित करें।
- औपचारिक पूर्व छात्र संघ के माध्यम से पूर्व छात्र नेटवर्क को मजबूत करें।
- वित्त पोषण के लिए डीएसटी/यूजीसी/सीएसआईआर को नई अनुसंधान परियोजनाओं का प्रस्ताव दें।
- एम.एससी. छात्रों के लिए कैरियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल गतिविधियों को शुरू करें।
- उन्नत कंप्यूटिंग लैब और अधिक ई–संसाधनों के साथ बुनियादी ढांचे का विस्तार करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- विभाग की स्थापना जुलाई 2010 में हुई, जिसका नाम 2017 में गणित विभाग रखा गया।
- **प्रस्तावित कार्यक्रमः** एम.एस.सी. गणित, पीएच.डी. गणित।
- पाठ्यक्रम को यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है और उभरते क्षेत्रों (जैसे, क्रिप्टोग्राफी, गणितीय मॉडलिंग, जटिल गतिशीलता) को शामिल करने के लिए नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- एम.एससी. और पीएच.डी. प्रोग्राम कई अलग–अलग क्षेत्रों में विशेषज्ञता का मौका देते हैं: फ्लूइड मैकेनिक्स, नैनोफ्लूइड्स, वेवलेट एनालिसिस, क्रिप्टोग्राफी, नंबर थ्योरी, कॉम्प्लेक्स डायनामिक्स, इत्यादि।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

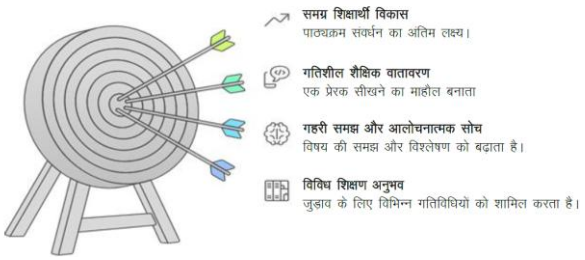

- अनुसंधान परियोजनाओं और उन्नत इलेक्टिव विषयों का एकीकरण।
- स्मार्ट क्लासरूम और कंप्यूटर प्रयोगशाला के माध्यम से आईसीटी–सक्षम शिक्षण।

1.4 प्रतिक्रिया प्रणाली

- छात्रों से फीडबैक लिया गया और पाठ्यक्रम विकास (विश्वविद्यालय स्तर पर औपचारिक प्रणाली) में शामिल किया गया।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

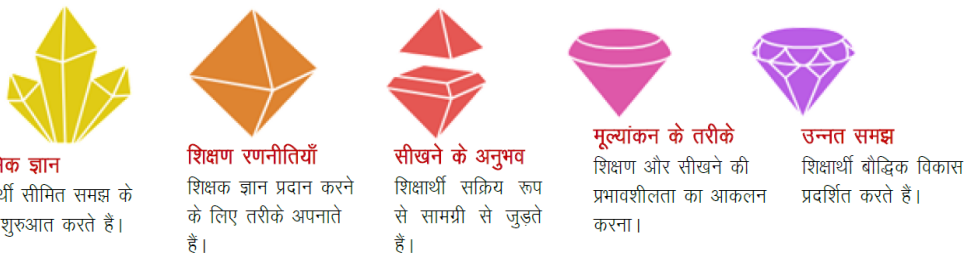

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- कुल पीजी छात्रः 93
- पीएच.डी. छात्रः 20+ (पुरस्कार प्राप्त/जारी)

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से प्रवेश मिलता है।
- ब्रिज पाठ्यक्रमों और मार्गदर्शन के माध्यम से विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले छात्रों को सहायता दिया जाता है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- आईसीटी–सक्षम शिक्षण (स्मार्ट कक्षा, विभागीय पुस्तकालय, आईसीटी सुविधाएं)।
- शोध–आधारित शिक्षण में विशेषज्ञता वाले संकाय।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

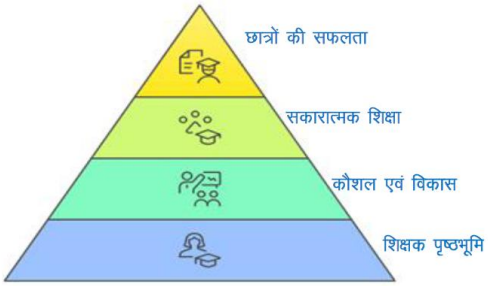

- 7 संकाय सदस्य (आचार्य और सहायक आचार्य)।
- प्रतिष्ठित संस्थानों (आईआईटी रुड़की, बीएचयू, पुणे विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय) से पीएच.डी. प्राप्त संकाय।
- परियोजनाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त शोधकर्ता (एनबीएचएम, यूजीसी)।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं के साथ सतत आंतरिक मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- 20 पीएच.डी. अध्येताओं को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई।
- छात्रों ने नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण किया और फेलोशिप प्राप्त की।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित किया गया।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- फ्लूइड मैकेनिक्स, नैनो फ्लूइड, बीजगणित, क्रिप्टोग्राफी, जटिल गतिशीलता में समर्पित शोध।
- पीएच.डी. कार्यक्रम सक्रिय रूप से चल रहा है।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- यूजीसी और एनबीएचएम द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- पेटेंटः तापमान नियंत्रित मेडिकल बॉक्स (डॉ. मुकेश कुमार अवस्थी, 2024)।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- 52 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन (2024–25)।
- सीआरसी प्रेस, विली, स्प्रिंगर, एल्सेवियर के साथ पुस्तकें।
- संकाय को विश्व स्तर पर शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया (स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय अध्ययन)।

3.5 परामर्श

- उपलब्ध नही।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- उपलब्ध नही।

3.7 सहयोग

- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (अमेरिका, ओमान, आदि) के साथ शोध प्रकाशन।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

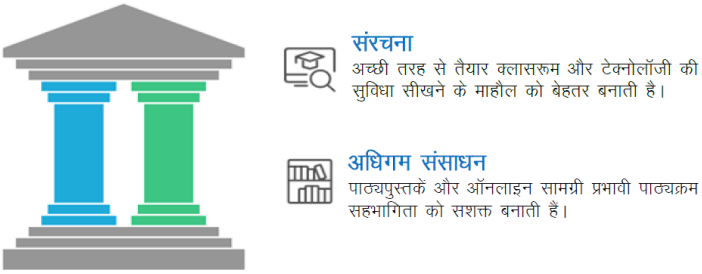

4.1 भौतिक सुविधाएं

- विभागीय पुस्तकालय
- कंप्यूटर प्रयोगशाला
- स्मार्ट क्लासरूम

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- संदर्भ सामग्री, आईसीटी–सक्षम संसाधनों के साथ विभागीय पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी सुविधाएं, स्मार्ट कक्षाएं, अनुसंधान के लिए कंप्यूटिंग सुविधाएं।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित; विभाग सुविधाओं का रखरखाव सुनिश्चित करता है।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- फेलोशिपः यूजीसी–जेआरएफ, सीएसआईआर–एसआरएफ, नॉन–नेट फेलोशिप।

5.2 छात्र प्रगति

- 37 छात्रों ने पीजी डिग्री पूरी की।
- 2 छात्र उच्च अध्ययन कर रहे है।
- 1 सरकारी क्षेत्र में कार्यरत।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- छात्र राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेते हैं।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- अनौपचारिक पूर्व छात्र संपर्क; विकास में संरचित प्रणाली।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- शिक्षण में बेहतरीन प्रदर्शन और शोध को आगे बढ़ाने पर जोर।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- शोध के क्षेत्रों का विस्तार (नैनोफ्लुइड्स, क्रिप्टोग्राफी, बीजगणित, पर्यावरण मॉडलिंग)।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, अनुसंधान परियोजना और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- एनबीएचएम परियोजना (2023–2026) मूल्य रूपये 3.75 लाख।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- नैक द्वारा संचालित सुधार तथा पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान की समय–समय पर समीक्षा।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

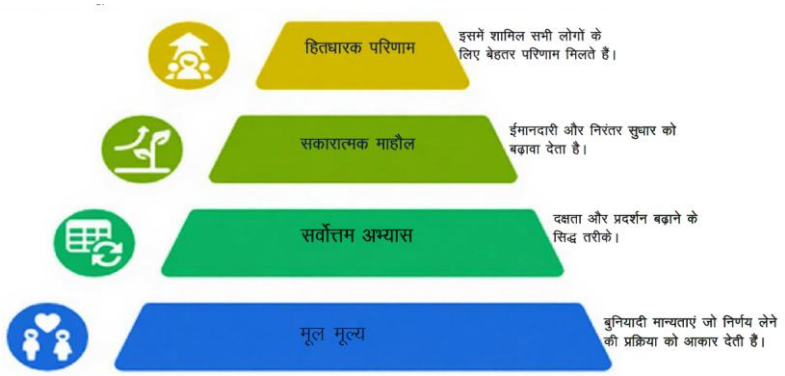

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- संकाय आमंत्रित व्याख्यान दे रहे हैं और ज्ञान प्रसार में योगदान दे रहे हैं।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- मजबूत शोध संस्कृतिः स्कोपस/एससीआई अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशन।
- वैश्विक रैंकिंग वाले संकाय सदस्य (शीर्ष 2% वैज्ञानिक)।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- विभाग को नैनोफ्लुइड्स, क्रिप्टोग्राफी, वेवलेट विश्लेषण, बीजगणित, जटिल गतिशीलता में उन्नत शोध के लिए मान्यता प्राप्त है।
- लगातार डॉक्टरेट आउटपुट के साथ उच्च गुणवत्ता वाला पीएच.डी. मार्गदर्शन।

8.संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग विशेष)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य बीर सिंह भदौरिया**
  वरिष्ठ आचार्य
  योग्यताः एम.एससी., जेआरएफ (नेट), पीएच.डी., डी.एससी.
  विशेषज्ञताः द्रव यांत्रिकी, नैनो द्रव, गणितीय मॉडलिंग, संख्यात्मक विधियाँ
- **आचार्य सुनील कुमार सिंह**
  आचार्य
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी. (बीएचयू, वाराणसी)
  विशेषज्ञताः वेवलेट विश्लेषण, इंटीग्रल ट्रांसफॉर्म्स, वितरण सिद्धांत
- **आचार्य जगमोहन तांती**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
योग्यताः पीएच.डी. (पुणे विश्वविद्यालय)
विशेषज्ञताः बीजगणित, संख्या सिद्धांत

- **डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः पीएच.डी. (आईआईटी, रुड़की)
  विशेषज्ञताः क्रिप्टोग्राफी
- **डॉ. मैत्री वर्मा**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी. (बीएचयू, वाराणसी)
  विशेषज्ञताः पर्यावरण और पारिस्थितिक प्रणालियों का गणितीय मॉडलिंग
- **डॉ. मुकेश कुमार अवस्थी**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः एम.एससी., जेआरएफ (नेट), पीएच.डी. (आईआईटी, रुड़की)
  विशेषज्ञताः इंटरफेसियल अस्थिरता, ऊष्मा और द्रव्यमान स्थानांतरण, मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक्स
- **डॉ. गोपाल दत्त**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः एम.एससी., जेआरएफ (नेट), पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)
  विशेषज्ञताः एक और कई जटिल चर, जटिल गतिशीलता का विश्लेषण

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

आचार्य बीर सिंह भदौरिया

- कई व्यवसायिक सोसाइटियों के आजीवन सदस्य, जिनमें शामिल हैं:
- फोरम फॉर इंटरडिसिप्लिनरी मैथमेटिक्स (यूएसए), इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी (आईएमएस), इंडियन साइंस कांग्रेस, इंडियन सोसाइटी ऑफ मैथमेटिक्स एंड मैथमेटिकल साइंसेज (ISMAMS), कलकत्ता मैथमेटिकल सोसाइटी, ग्वालियर एकेडमी ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज, इंडियन एकेडमी ऑफ मैथमेटिक्स, विज्ञान परिषद ऑफ इंडिया, आदि।

आचार्य सुनील कुमार सिंह

- आजीवन सदस्य, मैथमेटिकल सोसाइटी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

आचार्य जगमोहन तांती

- विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर, एनबीएचएम परियोजना (रूपये 3,75,000)।
- आजीवन सदस्य, इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी एवं द मैथमेटिक्स कंसोर्टियम।

डॉ. मैत्री वर्मा

- आजीवन सदस्य, इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, बायोमैथमेटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, और इंडियन सोसाइटी फॉर मैथमेटिकल मॉडलिंग एंड कंप्यूटर सिमुलेशन।

डॉ. मुकेश कुमार अवस्थी

- सदस्य, स्कूल बोर्ड, भौतिक एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

- आजीवन सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स (IAENG) और इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IACSIT)।

डॉ. गोपाल दत्त

- सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल (बीपीजीएस) और स्नातक अध्ययन मंडल (बीयूजीएस), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- आजीवन सदस्य, रामानुजन मैथमेटिकल सोसाइटी, इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी (अमेरिकन मैथमेटिकल सोसाइटी से संबद्ध)।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

- इस्माइल और बी. एस. भदौरिया, "इफेक्ट ऑफ थर्मल इनस्टेबिलिटी ऑन हीट ट्रान्स्फर ऑफ माइक्रोपोलर नैनोफ्लुइड सैचुरेटेड इन पोरस मीडियम विथ रोटेशन," न्यूमेरिकल हीट ट्रान्स्फर, भाग बी, खंड 86, संख्या 1, पृष्ठ 43–68, 2025।
- इस्माइल, बी. एस. भदौरिया, और ए. श्रीवास्तव, "इफेक्ट ऑफ थ्री टाइप्स ऑफ मैग्नेटिक फील्ड मॉडुलेशन ऑन द इनस्टेबिलिटी ऑफ हीट ट्रान्स्फर इन माइक्रोपोलर नैनोफ्लुइड फिल्ड विदिन हेले–शॉ सेल" न्यूमेरिकल हीट ट्रांसफर, भाग ए, खंड 86, संख्या 8, पृष्ठ 2219–2243, 2025।
- शिल्पी, बी. एस. भदौरिया, ए. कुमार, और ए. श्रीवास्तव, "इफेक्ट ऑफ इंटर्नल हीटिंग/कूलिंग ऑन हीट ट्रान्स्फर यूज़िंग डिफरेंट टाइप्स ऑफ ग्रेविटी/मैग्नेटिक मॉडुलेशन्स इन ($H_2O + CuO$) नैनोफ्लुइड सैचुरेटेड विथ पोरस मीडीया," न्यूमेरिकल हीट ट्रांसफर, भाग बीः फंडामेंटल्स, खंड 86, संख्या 5, पृष्ठ 1483–1505, 2025।
- शिल्पी और बी. एस. भदौरिया, "कंबाइंड इफेक्ट ऑफ लोकल थर्मल नॉन इक्वीलिबिरियम एण्ड ग्रेविटी मॉडुलेशन ऑन थर्मल इनस्टेबिलिटी इन माइक्रोपोलर नैनोफ्लुइड सैचुरेटेड पोरस मीडीया," जर्नल ऑफ पोरस मीडिया, खंड 27, संख्या 2, पृष्ठ 81–99, 2024।
- इस्माइल, बी. एस. भदौरिया, और ए. श्रीवास्तव, ''इफेक्ट ऑफ रोटेशन ऑन थर्मल इनस्टेबिलिटी अंडर हेले–शॉ सेल सैचुरेटेड बाइ कैसन नैनोफ्लुइड,"" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स बी, खंड 38, संख्या 29, पृष्ठ 2450405, 2024।
- इस्माइल, बी. एस. भदौरिया, ए. कुमार, एस. के. रावत, और एम. यासीन, "थर्मल इनस्टेबिलिटी ऑफ ट्री–हाइब्रिड कैसन नैनोफ्लुइड विथ थर्मल रेडिएशन सैचुरेटेड पोरस मीडियम इन डिफरेंट इनक्लोजर्स," चाइनीस जर्नल ऑफ फिज़िक्स, चाइनीज जर्नल ऑफ फिजिक्स, खंड 87, पृष्ठ 710–727, 2024।
- बी. एस. भदौरिया, एम. यासीन, एस. के. रावत, और एम. पंत, "डिज़ाइनिंग मशीन लर्निंग–बेस्ड इंटेलिजेंट नेटवर्क फॉर एसेसमेंट ऑफ हीट ट्रान्स्फर परफार्मेन्स ऑफ टेनरी हाइब्रिड नैनोफ्लूइड फ्लो बिट्वीन ए कोन एण्ड ए डिस्कः केस ऑफ एमएलपी फीड–फॉरवर्ड न्यूरल नेटवर्क," कंप्यूटर्स एंड मैथमेटिक्स विद एप्लीकेशंस, वॉल्यूम 169, पृष्ठ 17–38, 2024।
- शिल्पी, बी. एस. भदौरिया, और ए. कुमार, "स्टडी ऑफ हीट ट्रान्स्फर इन ट्राईहाइब्रिड नैनोफ्लूइड ($Cu/Ag/Al_2O_3$ with H_2O) इन हेले–शॉ सेल एण्ड स्क्वायर एनक्लोजर विथ थ्रूफ्लो," न्यूमेरिकल हीट ट्रांसफर, पार्ट एः एप्लीकेशंस, पृष्ठ 1–24, 2024।
- पी. सिंह, जे. कुमार, और बी. एस. भदौरिया, "वीक्ली नॉन–लीनीयर स्टेबिलिटी एनॉलिसिस ऑफ जी–जिटर इंड्यूस्ड रेले–बेनार्ड कन्वेक्शन अंडर इंक्लाइंड सर्फेसेस," चाइनीज जर्नल ऑफ फिजिक्स, वॉल्यूम 91, पृष्ठ 525–537, 2024।

- शिल्पी, बी. एस. भदौरिया, और ए. श्रीवास्तव, "स्टडी ऑफ हीट/मास ट्रान्स्फर ऑफ ट्राईहाइब्रिड नैनोफ्लूइड ($(Cu+Ag+Al_2O_3)+H_2O$ (बेस फ्लूइड)) इन हेले–शॉ सेल विथ थ्रू–फ्लो," जर्नल ऑफ नैनोफ्लूइड्स, वॉल्यूम 13, पृष्ठ 940–953, 2024।
- ए. कुमार, बी. एस. भदौरिया, और एस. एन. राय, "थर्मल इनस्टेबिलिटी ऑन हीट एण्ड मास ट्रान्स्फर ऑफ ओल्ड्रॉयड–बी नैनोफ्लूइड विथ सेवरल टाइप्स ऑफ ग्रेविटी मॉडुलेशन इन वेरियस एनक्लोजर्स," चाइनीज जर्नल ऑफ फिजिक्स, वॉल्यूम 92, पृष्ठ 564–578, 2024।
- ए. कुमार, एस. के. सिंह, और एस. के. सिंह, "ए नोट ऑन मोरिटोह ट्रांसफॉर्म्स" क्रिएटिव मैथमेटिक्स एंड इन्फॉर्मेटिक्स, वॉल्यूम 33, नंबर 2, 2024।
- डी. ल्हामू, एस. के. सिंह, और सी. पी. पांडे, "द कंटीन्यूअस क्वाटरनियन वेवलेट ट्रांसफॉर्म ऑन फंक्शन स्पेसेस," बोलेटिम दा सोसिएडेड परानाएन्से डे मैथमेटिका, वॉल्यूम 42, 2024।
- जे. सैकिया, सी. पी. पांडे, और एस. के. सिंह, "द कंटीन्यूअस क्वाटरनियन वेवलेट ट्रांसफॉर्म फॉर ए लैगुएरे टाइप ऑपरेटर ऑन द हाफ लाइन," बोलेटिम दा सोसिएडेड परानाएन्से डे मैथमेटिका, वॉल्यूम 42, 2024।
- ए. कुमार, एस. के. सिंह, और एस. के. सिंह, ''द ऑक्टोनियोनिक मोरिटोह ट्रांसफॉर्म ऑन ऑक्टोनियोनिक फंक्शन स्पेस," रशियन मैथमेटिक्स (इज़्वेस्टिया विश्शिख उचेबनीख ज़ावेडेनी, मटेमाटिका), संख्या 2, पृष्ठ 61–73, 2025।
- डी. ल्हामू, ए. दास, और एस. के. सिंह, "द कंटिन्युवस क्वाटरनियन वेवलेट ट्रांसफॉर्म ऑन डिस्ट्रिब्यूशन स्पेसेस," रेंडिकोंटी डेल सिर्कोलो मातेमाटिको डि पालेर्मो, सेर, 74, 21, 2025।
- ए. कुमार, एस. के. सिंह, और एस. के. सिंह, "द ऑक्टोनियोनिक रिपलेट ट्रांसफॉर्म ए मैथमेटिकल पर्स्पेक्टिव," जर्नल ऑफ़ स्यूडो–डिफरेंशियल ऑपरेटर्स एंड एप्लीकेशंस, खंड 16, 2025।
- जे. तांती, "कंप्युटेशन्स फॉर इनवेरिएंट बिलिनियर फॉर्म्स अंडर आन इनवर्टिबल लीनीयर ट्रांसफॉर्मेशनः एन एक्सपोज़िटरी आर्टिकल," कंटेम्परेरी मैथमेटिक्स, एएमएस, खंड 811, पृष्ठ 201–208, 2025।
- डी. यादव, एम. के. अवस्थी, आर. राघोजू, के. भट्टाचार्य, ए. महाजन, और जे. वांग, "इंपैक्ट ऑफ विस्कस डिसिपेशन, थ्रू फ्लो एण्ड रोटेशन ऑन द थर्मल कन्वेक्टिव इनस्टेबिलिटी ऑफ जेफरी फ्लूईड इन ए पोरस मीडियम लेयर," यूरोपियन जर्नल ऑफ़ मैकेनिक्स/बी फ्लूइड्स, खंड 109, पृष्ठ 55–65, 2025।
- डी. यादव, एम. के. अवस्थी, आर. राघोजू, के. भट्टाचार्य, आर. कोडी, एम. हसन, और जे. वांग, "इंपैक्ट ऑफ टेंपरेचर–रिलाइयेंट थर्मल कंडक्टिविटी एण्ड विस्कॉसिटी वेरीयेशन्स ऑन द कन्वेक्शन ऑफ जेफरी फ्लूईड इन ए रोटेटिंग सेल्युलर पोरस लेयर," प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द रॉयल सोसाइटी ए, खंड 480, संख्या 2301, 2024।
- आर. अस्थाना, जेड. उद्दीन, एम. के. अवस्थी, ए. भारद्वाज, और डब्ल्यू. इब्राहिम, "इनस्टेबिलिटी एण्ड सेन्सिटिविटी एनॉलिसिस ऑफ स्ट्रीमिंग नैनोफ्लुइड–एयर इंटरफेस," जर्नल ऑफ़ कम्प्यूटेशनल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स, खंड 55, पृष्ठ 663–682, 2024।
- एम. के. अवस्थी, ए. के. शुक्ला, और पी. पांडे, "रेल–टेलर इनस्टेबिलिटी इन ए कैसन फ्लूईड लेयर विथ हीट एण्ड मास ट्रान्स्फर," फिजिक्स ऑफ फ्लूइड्स, खंड 36, पृष्ठ 102132, 2024।
- एन. दत्त, ए. हेडौ, ए. कुमार, एम. के. अवस्थी, और वी. पी. सिंह, "इफेक्ट ऑफ डक्ट लेंग्थ वेरीयेशन ऑन सोलर एयर हीटर परफार्मेन्स फॉर स्मूथ एण्ड डी–शेप्ड रफेंड अब्ज़ॉरबर प्लेट," हीट ट्रांसफर, खंड 53, संख्या 7, पृष्ठ 3902–3930, 2024।

- आर. श्रीजा, ए. के. सिंह, एम. के. अवस्थी, डी. यादव, और एस. बी. नायर, "इनस्टेबिलिटी एनॉलिसिस ऑफ स्वर्लिंग सिलिंडरिकल रिवलिन–एरिकसेन विस्कोइलास्टिक फ्लूईड–विस्कस फ्लूईड इंटरफेस विथ हीट एण्ड मास ट्रान्स्फर," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स बी, खंड 38, संख्या 31, पृष्ठ 2450416, 2024।
- एम. के. अवस्थी, ए. के. शुक्ला, ए. कुमार, डी. यादव, और एन. दत्त, "विस्कस करेक्शन टू द पोटेन्शियल फ्लो एनॉलिसिस ऑफ रेल–टेलर इनस्टेबिलिटी इन ए रिवलिन–एरिकसेन विस्कोयिलास्टिक फ्लूईड लेयर विथ हीट एण्ड मास ट्रान्स्फर," हीट ट्रांसफर, खंड 53, पृष्ठ 3072–3088, 2024।
- डी. यादव, एम. के. अवस्थी, आर. राघोजू, के. भट्टाचार्य, आर. कोडी, और जे. वांग, "द इंपैक्ट ऑफ रोटेशन ऑन द ऑनसेट ऑफ सेल्युलर कन्वेक्टिव मूवमेंट इन ए कैसन फ्लूईड सैचुरेटेड पर्मीयबल लेयर विथ टेंपरेचर–डिपेंडेंट थर्मल कंडक्टिविटी एण्ड विस्कॉसिटी डिवियेशन्स," चाइनीस जर्नल ऑफ फिज़िक्स, खंड 91, पृष्ठ 262–277, 2024।
- ए. एस. राणा, एस. गुप्ता, एस. के. गर्ग, वी. कुमार, और एम. के. अवस्थी, "इरोटेशनल फ्लो एनॉलिसिस ऑफ रेल–टेलर इनस्टेबिलिटी इन नैनोफ्लूइड लेयर विथ टैन्जेन्शियल मैग्नेटिक फील्ड'' एप्लाइड एंड कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स, वॉल्यूम 18, पृष्ठ 111–124, 2024।
- डी. यादव, एम. के. अवस्थी, ए. एम. मोहम्मद, आर. राघोजू, के. भट्टाचार्य, और एम. हसन, "द ऑनसेट ऑफ कैसन फ्लूईड कन्वेक्शन इन ए पर्मीयबल मीडियम लेयर प्रोड्यूस्ड बाइ प्यूर्ली इनर हीटिंग विथ मैग्नेटिक फील्ड," जर्नल ऑफ़ कम्प्यूटेशनल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स, वॉल्यूम 55, पृष्ठ 340–354, 2024।
- डी. यादव, एम. के. अवस्थी, ए. कुमार, और एन. दत्त, "स्वर्लिंग कैपिलरी इनस्टेबिलिटी ऑफ रिवलिन–एरिकसेन लिक्विड विथ हीट ट्रान्सफर एण्ड आक्सीयल इलेक्ट्रिक फील्ड," फिजिक्स, वॉल्यूम 6, पृष्ठ 828–844, 2024।
- आर. श्रीजा, ए. के. सिंह, एम. के. अवस्थी, और डी. यादव, "इंपैक्ट ऑफ स्वर्लिंग ऑन केपिलरी इनस्टेबिलिटी ऑफ वॉल्टर'स बी विस्कोयिलास्टिक फ्लूईड–विस्कस फ्लूईड इंटरफेस विथ हीट एण्ड मास ट्रान्स्फर," प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंस्टीट्यूशन ऑफ़ मैकेनिकल इंजीनियर्स, पार्ट सीः जर्नल ऑफ़ मैकेनिकल इंजीनियरिंग साइंस, वॉल्यूम 238, नंबर 11, पृष्ठ 5359–5368, 2024।
- जी. दत्त, ""ऑन लैपन फाइव–वैल्यूड थिरेम फॉर φ–नॉर्मल फंक्शन्स ऑफ सेवेरल वेरियबल्स," यूक्रेनियन गणितीय जर्नल, वॉल्यूम 74, पृष्ठ 1463–1470, 2023।
- जी. दत्त, "इंप्रूवमेंट्स टू द मोंटेल–कैराथोडोरी थिरेम फॉर फैमिलीज ऑफ P^n–वैल्यूड होलोमॉर्फिक कर्व्स," कॉम्प्लेक्स वेरिएबल्स एंड एलिप्टिक इक्वेशंस, 2024।
- एम. वर्मा और ए. के. वर्मा, "मैथमेटिकल मॉडलिंग एण्ड एनॉलिसिस ऑफ एमिशन एण्ड मिटिगेशन ऑफ मीथेन फ्रॉम द इंटीग्रेटेड राइस–लाइवस्टॉक फार्मिंग सिस्टम," मैथमेटिकल मेडिसिन एंड बायोलॉजीः ए जर्नल ऑफ़ द आईएमए, 2025।
- एम. वर्मा, के. के. त्रिपाठी, और ए. के. मिश्रा, "मॉडलिंग द इफेक्ट्स ऑफ साइकोलॉजिकल फियर, टीवी एण्ड सोशल मीडिया एड्वर्टाइज़्मेंट्स ऑन द कंट्रोल ऑफ इन्फेकियियस डिसीज़ेस," जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल सिस्टम्स, खंड 33, पृष्ठ 553–592, 2025।
- एम. वर्मा और ए. के. वर्मा, "मॉडलिंग द इंपैक्ट ऑफ रिन्यूअबल एनर्जी टेक्नोलॉजीस ऑन एटमॉस्फियरिक कार्बन डाइआक्साइड मिटिगेशन," जर्नल ऑफ अप्टिमिज़ेशन थियरी एण्ड अप्लिकेशन्स, खंड 203, पृष्ठ 1027–1053, 2024।

- सी. गौतम और एम. वर्मा, "मैथमेटिकल मॉडलिंग ऑफ एमिशन एण्ड कंट्रोल ऑफ कार्बन डाइआक्साइड फ्रॉम इनफ्रास्ट्रक्चर एक्सपैन्शन एक्टिविटीज," फिज़िका डीः नॉनलाइनियर फेनोमेना, खंड 470, पृष्ठ 134387, 2024।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तक

- रेशू गुप्ता, एम. के. अवस्थी, डी. यादव और वाई. सिंह "नैनोफ्लुइड डायनेमिक्स एंड ट्रांसपोर्ट फेनोमेनन" सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), दिसंबर 2024 (स्कोपस इंडेक्स्ड)। DOI: https://doi.org/10.1201/9781003527251
- अश्वनी कुमार, नितेश दत्त, और एम. के. अवस्थी, "हीट ट्रांसफर एन्हांसमेंट टेक्निक्सः थर्मल परफॉर्मेंस, ऑप्टिमाइजेशन एंड एप्लीकेशन्स" विली–स्क्रिवनर (यूएसए) नवंबर 2024 (स्कोपस इंडेक्स्ड)। DOI: https://doi.org/10.1002/9781394270996
- एम. के. अवस्थी, अश्वनी कुमार, नितेश दत्त और सत्यवीर सिंह "कम्प्यूटेशनल फ्लूइड फ्लो एंड हीट ट्रांसफरः डिज़ाइन, एक्सपेरिमेंट एंड एप्लीकेशन" सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप) अप्रैल 2024 (स्कोपस इंडेक्स्ड)। DOI: https://doi.org/10.1201/9781032712079

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व में कोई अन्य प्रकाशन

- एम. कुमारी और जे. तांती, ''ऑन द रोल ऑफ द फाइबोनैचि मैट्रिक्स एज की इन मॉडिफाइड ईसीसी, अल्जेब्रा एण्ड इट्स अप्लिकेशन्स'' के. पटेल एट अल. (संपादक), स्प्रिंगर, 2025।
- ए. के. शुक्ला, एम. के. अवस्थी, धर्मेंद्र, "इंपैक्ट ऑफ विस्कस करेक्शन ऑन द विस्कोइलास्टिक पोटेंशियल फ्लो एनॉलिसिस ऑफ द रेल–टेलर इनस्टेबिलिटी" एडवांसेज इन कम्प्यूटेशनल मेथड्स एंड मॉडलिंग फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एल्सवियर) में।
- एम. के. अवस्थी, ए. के. शुक्ला, ए. कुमार, एन. दत्त, डी. यादव, "इनस्टेबिलिटी ऑफ कैसन फ्लूइड–विस्कस फ्लूइड इंटरफेसेस" एडवांसेज इन कम्प्यूटेशनल मेथड्स एंड मॉडलिंग फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एल्सवियर) में।
- बी. सिंह, पी. कौर, ए. के. यादव, एम. के. अवस्थी, ए. कुमार, "डिज़ाइन एण्ड एनॉलिसिस ऑफ सोलर ट्रेकिंग सिस्टम फॉर पीवी थर्मल परफार्मेन्स एनहैन्समेंट" हीट ट्रांसफर एन्हांसमेंट टेक्निक्सः थर्मल परफॉर्मेंस, ऑप्टिमाइजेशन एंड एप्लीकेशंस विली–स्क्रिवनर (यूएसए) में।
- वी. पी. सिंह, ए. कुमार, एम. के. अवस्थी, "आग्मेनटेशन ऑफ सोलर, जियोथर्मल, एण्ड अर्थ–एयर हीट एक्सचेंजर इन सस्टेनबल बिल्डिंग्स" हीट ट्रांसफर एन्हांसमेंट टेक्निक्सरू थर्मल परफॉर्मेंस, ऑप्टिमाइजेशन एंड एप्लीकेशंस विली–स्क्रिवनर (यूएसए) में।
- ए. कुमार, एम. के. अवस्थी, एन. दत्त और वी. पी. सिंह, "रीसेंट इनोवेशन इन हीट ट्रान्सफर एन्हांसमेंट टेक्निक्स" हीट ट्रांसफर एन्हांसमेंट टेक्निक्सरू थर्मल परफॉर्मेंस, ऑप्टिमाइजेशन एंड एप्लीकेशंस विली–स्क्रिवनर (यूएसए) में।
- एम. के. अवस्थी, ए. कुमार, एन. दत्त, डी. यादव "नैनोफ्लुइड डायनेमिक्स प्रॉपर्टीज एण्ड अप्लिकेशन्स" नैनोफ्लुइड्स डायनामिक्स एंड ट्रांसपोर्ट फेनोमेनन सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप) यूएसए में।
- ए. कुमार, एम. के. अवस्थी, एन. दत्त, "नैनोफ्लुइड्स अप्लिकेशन्स इन सस्टेनबल फूड टेक्नोलॉजी एण्ड एग्रिकल्चर" नैनोफ्लुइड्स डायनामिक्स एंड ट्रांसपोर्ट फेनोमेनन सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप) यूएसए में।
- एम. के. अवस्थी, ए. कुमार, एन. दत्त, "रीसेंट इनोवेशन, टेक्नोलॉजिकल डेवेलपमेंट, एण्ड फ्यूचरिस्टिक अप्लिकेशन ऑफ नैनोफ्लुइड्स'' नैनोफ्लुइड्स टेक्नोलॉजी फॉर थर्मल साइंसेज एंड

इंजीनियरिंगः रिसर्च, डेवलपमेंट, एंड एप्लीकेशंस'' सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप) यूएसए में।

- ए. कुमार, एस. थंगावेल, एम. के. अवस्थी, वी. पी. सिंह, एन. दत्त, "सेफ्टी एण्ड एन्वाइरन्मेंटल कन्सिडरेशन्स इन नैनोफ्लुइड्स–बेस्ड सिस्टम्स" नैनोफ्लुइड्स टेक्नोलॉजी फॉर थर्मल साइंसेज एंड इंजीनियरिंगः रिसर्च, डेवलपमेंट, एंड एप्लीकेशंस'' सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप) यूएसए में।
- ए. के. शुक्ला, एम. के. अवस्थी, धर्मेंद्र, "इंपैक्ट ऑफ वर्टिकल मैग्नेटिक फील्ड ऑन द रिवलिन–एरिकसेन फ्लूइड इंटरफ़ेसः एन इरोटेशनल फ्लो अप्रोच" इन एडवांसेज इन मैथमेटिकल मॉडलिंग, एप्लाइड एनालिसिस एंड कंप्यूटेशन, स्प्रिंगर नेचर, स्विट्जरलैंड में।
- एम. के. अवस्थी, एन. दत्त, ए. कुमार, ए. हेडौ, "इंट्रोडक्शन टू मैथमेटिकल एण्ड कंप्युटेशनल मेथड्स" इन कंप्युटेशनल फ्लूईड फ्लो आंड हीट ट्रान्स्फरः डिज़ाइन, एक्सपेरिमेंट एण्ड अप्लिकेशन, सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप),यूएसए में।
- एम. के. अवस्थी, ए. कुमार, एन. दत्त, "मॉडलिंग रेल–टेलर इनस्टेबिलिटी इन नैनोफ्लुईड लेयर्स" इन कंप्युटेशनल फ्लूईड फ्लो एण्ड हीट ट्रान्सफरः डिज़ाइन, एक्सपेरिमेंट एण्ड अप्लिकेशन, सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), यूएसए में।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

- डॉ. गोपाल दत्त ने जम्मू मैथमेटिकल सोसाइटी के 30वें वार्षिक सम्मेलन और गणित विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा 04 से 06 मई, 2023 तक आयोजित विश्लेषण और संबंधित क्षेत्रों में हालिया विकास पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और ''कॉम्प्लेक्स मैनिफोल्ड्स पर सामान्य परिवार'' शीर्षक से एक आमंत्रित भाषण दिया।
- डॉ. मैत्री वर्मा ने 27–28 जून, 2024 के दौरान एमएएनआईटी भोपाल में आयोजित ''गणित और डेटा साइंस में हालिया प्रगति'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, और एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. गोपाल दत्त ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः गणित में हालिया रुझान में ''P^n–वैल्यूड होलोमॉर्फिक कर्व्स के परिवारों के लिए मोंटेल–कैराथोडोरी प्रमेय'' शीर्षक से एक भाषण दिया, जो 4–6 मार्च, 2024 को सुल्तान काबूस विश्वविद्यालय, मस्कट, ओमान में आयोजित किया गया था।
- प्रो. बी.एस. भदौरिया ने 14 फरवरी, 2025 को भौतिक विज्ञान में हालिया प्रगति पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित भाषण दिया, जिसका आयोजन गणित विभाग, डीआईटी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा किया गया था।
- आचार्य बी.एस. भदौरिया ने 18.11.2024 को गणित और उसके अनुप्रयोगों में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''बाउंड्री वैल्यू प्रॉब्लम्स को हल करने के लिए उन्नत सैद्धांतिक और संख्यात्मक तकनीकें'' विषय पर एक व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन गणित विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था।
- आचार्य सुनील कुमार सिंह ने 14 अक्टूबर से 26 अक्टूबर, 2024 तक यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय दक्षिण बिहार (एमएमटीसी–सीयूएसबी) गया– 824236 (बिहार) द्वारा आयोजित 'गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान में हालिया प्रगति' शीर्षक से दो–सप्ताह के अंतर–विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक आमंत्रित भाषण दिया।
- जे. तांती ने 21–12–2024 को राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, कन्नौज में ''रामानुजन के जीवन और योगदान पर'' शीर्षक से एक आमंत्रित भाषण दिया।

- मुकेश कुमार अवस्थी ने 19–21 नवंबर, 2024 के दौरान विज्ञान विभाग, महर्षि विज्ञान एवं मानविकी विद्यापीठ, महर्षि सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित ''सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार'' पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''दो–चरण द्रव प्रणालियों में अस्थिरता घटना'' विषय पर एक आमंत्रित भाषण दिया।
- मुकेश कुमार अवस्थी ने 16–17 नवंबर, 2024 के दौरान गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित ''गणित और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति (एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक)'' पर भारत गणित परिषद के 71वें वार्षिक सम्मेलन में ''दो–चरण प्रवाह में अस्थिरता का सिद्धांत'' विषय पर एक आमंत्रित भाषण दिया।
- मुकेश कुमार अवस्थी ने 14–18 अक्टूबर, 2024 के दौरान गणित प्रभाग, स्कूल ऑफ एडवांस साइंसेज, वीआईटी, चेन्नई द्वारा आयोजित ''वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों को संबोधित करने में गणितीय मॉडलिंग की भूमिका'' पर पांच–दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) में ''मुक्त–सतह प्रवाह प्रणालियों में अस्थिरता गतिशीलता'' विषय पर एक आमंत्रित भाषण दिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

आचार्य बी.एस. भदौरिया

- **अंगद कुमार**
  विषयः ''स्टडी ऑफ नानलिनीयर थर्मल इनस्टेबिलिटी कन्सिडरिंग वेरियस फिज़िकल मॉडल्स''
  अध्येतावृत्तिः विश्वविद्यालय फेलोशिप
- **रोहित कन्नौजिया**
  विषयः ''हीट एण्ड मास ट्रान्सफर अंडर वेरियस फिज़िकल कंफिगरेशन्स''
  अध्येतावृत्तिः यूजीसी–जेआरएफ फेलोशिप
- **प्रदीप पाल**
  अध्येतावृत्तिः विश्वविद्यालय फेलोशिप
- **सान्यम**
  अध्येतावृत्तिः विश्वविद्यालय फेलोशिप

आचार्य सुनील कुमार सिंह

- **सौम्या सिंह**
  सह–पर्यवेक्षकः डॉ. कर्म वीर सिंह
  शीर्षकः ''वेवलेट ट्रांसफॉर्म एण्ड इट्स जेनरलाइज़ेशन विथ अप्लिकेशन्स''
  अध्येतावृत्तिः विश्वविद्यालय फेलोशिप
- **ज्योति**
  शीर्षकः जेनरलाइज़्ड वेवलेट ट्रांसफॉर्म ऑन फंक्शन एण्ड डिस्ट्रिब्यूशन स्पेसेस''
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति
- **प्राची राठी**
  शीर्षकः स्टडी ऑफ वेवलेट ट्रांसफॉर्म्स एण्ड देयर अप्लीकेशन्स''
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति
- **शुभम कुमार तिवारी**
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति

आचार्य जगमोहन तांती

- **आकांशा**

शीर्षकः ''जैकोबी सम्स एण्ड साइक्लोटोमिक नंबर्स ऑफ ऑर्डर एल 3 विथ एल ए प्राइम''
अध्येतावृत्तिः राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति

- **सोनम**
  शीर्षकः ''कंप्युटेशन्स ऑफ इन्वेरियेंट बायोलीनियर फॉर्म्स अंडर द रेप्रेज़ेंटेशन्स ऑफ ए फाइनाइट ग्रूप''
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति
- **सत्यम शुक्ला**
  शीर्षकः ''इरेड्युसिबल रिप्रज़ेंटेशन्स ऑफ फाइनाइट सॉल्वेबल ग्रूप्स''
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति
- **वासु देव**
  शीर्षकः ''ए स्टडी ऑफ डायोफैंटाइन एम– टपल एण्ड देयर अप्लिकेशन्स''
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति
- **राम निवास यादव**
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति
- **राशि देवल**
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति

डॉ. मैत्री वर्मा

- **चेरी गौतम**
  शीर्षकः ''मैथमेटिकल मॉडलिंग एण्ड एनॉलिसिस ऑफ द कंट्रोल ऑफ एट्मॉस्फियरिक कार्बन डाइआक्साइड कन्सेंट्रेशन''
  अध्येतावृत्तिः यूजीसी–जेआरएफ अध्येतावृत्ति
- **कुलदीप कुमार त्रिपाठी**
  शीर्षकः ''मैथमेटिकल मॉडलिंग एण्ड एनॉलिसिस ऑफ द इफेक्ट्स ऑफ फियर एण्ड अवेयर्नेस प्रोग्राम्स ऑन द डाइनेमिक्स ऑफ इन्फेकियियस डिसीज़ेस''
  अध्येतावृत्तिः यूजीसी–एसआरएफ

डॉ. मुकेश कुमार अवस्थी

- **प्रगति पांडे**
  शीर्षकः इंटरफेशियल इनस्टेबिलिटीज इन नॉन–न्यूटोनियन फ्लूईड लेयर''
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति
- **प्रिया भारती**
  सह–पर्यवेक्षकः डॉ. गोपाल दत्त
  शीर्षकः स्टडी ऑफ इनस्टेबिलिटी इन काम्प्लेक्स फ्लो सिस्टम्स
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति
- **सचिन सिंह**
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति

डॉ. गोपाल दत्त

- **रितेश पाल**
  शीर्षकः ''नॉर्मल फैमिलीज एण्ड नॉर्मल फंक्शन्स इन वन एण्ड सेवरल काम्प्लेक्स वेरियबल्स''
  अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति
- **प्रिया भारती**
  सह–पर्यवेक्षकः डॉ. मुकेश कुमार अवस्थी

शीर्षकः ''स्टडी ऑफ इनस्टेबिलिटी इन काम्प्लेक्स फ्लो सिस्टम्स''
अध्येतावृत्तिः गैर–नेट अध्येतावृत्ति

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी डिग्री

आचार्य बी. एस. भदौरिया

- **अनीश कुमार–**''हीट ट्रान्सफर इन नैनोफ्लुइड्स अंडर वेरियस कॉन्फ़िगरेशन'' (सीएसआईआर–एसआरएफ अध्येतावृत्ति)
- **शिल्पी–**हीट ट्रान्सफर इन नैनोफ्लुइड्स अंडर एलटीई एण्ड एलटीएनई (विश्वविद्यालय अध्येतावृत्ति)
- **इस्माइल–** ''कन्वेक्टिव इनस्टेबिलिटी इन नैनोफ्लुइड्स अंडर वेरियस कॉन्फ़िगरेशन'' विभिन्न के तहत में कन्वेक्टिव अस्थिरता (यूजीसी–एसआरएफ अध्येतावृत्ति)

डॉ. मैत्री वर्मा

- आलोक कुमार वर्मा– मैथमेटिकल मॉडलिंग एण्ड एनॉलिसिस ऑफ एमिशन एण्ड मिटिगेशन ऑफ ग्लोबल वॉर्मिंग गैसेस'' (सीएसआईआर–एसआरएफ अध्येतावृत्ति)

डॉ. मुकेश कुमार अवस्थी

- अतुल कुमार शुक्ला–''इंटरफेशियल स्टेबिलीटीज इन कन्फाइंड जियामेट्रीज'' (यूजीसी–एसआरएफ अध्येतावृत्ति)

8.3.6 परियोजना/परामर्श/और कोई अन्य

आचार्य जगमोहन तांती

- **परियोजना का शीर्षकः** राष्ट्रीय उच्च गणित मंडल (एनबीएचएम)
  निधिदाता एजेंसीः राष्ट्रीय उच्च गणित मंडल (एनबीएचएम)
  अवधिः 3 साल (अनुदान 12 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुआ)
  कुल अनुदानः रूपये 3,75,000.00
  भूमिकाः प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर (पीआई)

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ

- आचार्य बी.एस. भदौरियाः स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ऑफ यूएसए में एक अध्ययन में दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में स्थान पाने के लिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक और अनुसंधान योगदान के लिए 26 जनवरी 2024 को उत्कृष्ट अनुसंधान उपलब्धि पुरस्कार।
- आचार्य बी.एस. भदौरियाः संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन द्वारा विश्वविद्यालय को सराहनीय नैक ग्रेड दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए 26 जनवरी 2024 को उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार।
- डॉ. मुकेश कुमार अवस्थीः स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ऑफ यूएसए में एक अध्ययन में दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में स्थान पाने के लिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक और शोध योगदान के लिए 26 जनवरी 2024 को उत्कृष्ट अनुसंधान उपलब्धि पुरस्कार।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	00
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	36
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	13

4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	00
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	05
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	93
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	00
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	छात्रों की कुल संख्या	00
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	03
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	01
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	01
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	00
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	00

भौतिक विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय

भौतिक विज्ञान विभाग की स्थापना 2010 में हुई थी और यह एम.एस.सी. (भौतिकी) और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग के पास संघनित पदार्थ भौतिकी, पदार्थ विज्ञान, नैनो–विज्ञान और नैनो–प्रौद्योगिकी, परमाणु भौतिकी, अंतरिक्ष भौतिकी, अनुप्रयुक्त प्रकाशिकी और कम्प्यूटेशनल बायोफिज़िक्स में मजबूत शोध है। इसमें शिक्षण और शोध के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, स्मार्ट कक्षाएँ, एक कंप्यूटर प्रयोगशाला और एक विभागीय पुस्तकालय है। संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है, और छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं, शोध फेलोशिप और उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

सामर्थ्य

- पाठ्यक्रम एनईपी 2020 के अनुरूप और शोध–उन्मुख है।
- अंतर्राष्ट्रीय मान्यता और फेलोशिप के साथ मजबूत संकाय; वैश्विक स्तर पर शीर्ष 2% वैज्ञानिक।
- शिक्षण और उन्नत शोध (नैनो–सामग्री, अनुप्रयुक्त प्रकाशिकी, कम्प्यूटेशनल बायोफिज़िक्स) के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ।
- **उच्च शोध आउटपुटः** 17 राष्ट्रीय और 47 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन (2024–2025)।
- **सक्रिय छात्र प्रगतिः** नेट/जेआरएफ, गेट, पीएच.डी. और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पोस्ट डॉक्टोरल प्लेसमेंट।
- सेमिनार, पूर्व छात्र बैठक और विशेष व्याख्यान के साथ छात्र–केंद्रित शैक्षणिक वातावरण।
- नैनो–सामग्री, ऊर्जा संचयन, सेंसर, अंतरिक्ष भौतिकी और सैद्धांतिक/अनुप्रयुक्त भौतिकी को कवर करने वाला प्रभावी अंतःविषय अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र।
- पेटेंट दायर और प्रकाशित; राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मजबूत सहयोग।
- पारदर्शी शासन और संकाय विकास कार्यक्रमों के साथ गुणवत्ता आश्वासन।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

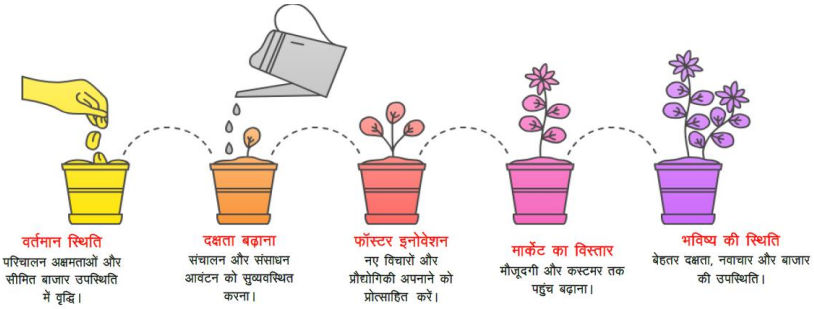

- क्वांटम सामग्री, फोटोनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा में वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू करें।
- औपचारिक छात्र फीडबैक और मार्गदर्शन कार्यक्रम लागू करें।
- अंतर्राष्ट्रीय छात्र का नामांकन बढ़ाएँ और वैश्विक शोध सहयोग को मजबूत करें।
- अधिक अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए आवेदन करें और पेटेंट फाइलिंग बढ़ाएँ।
- उन्नत उपकरणों के साथ प्रयोगशालाओं को उन्नत करें और आभासी प्रयोगशाला संसाधनों को बढ़ाएं।
- मार्गदर्शन, शोध और उद्यमिता के लिए पूर्व छात्रों की सहभागिता को मजबूत करें।
- राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएँ, सेमिनार और अंतरविभागीय अनुसंधान कार्यक्रम आयोजित करें।
- औपचारिक आंतरिक गुणवत्ता ऑडिट स्थापित करें और संकाय प्रशिक्षण को बेहतर बनाएं।
- सामुदायिक आउटरीच और स्थायी प्रौद्योगिकी अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



1.2 पाठ्यचर्या योजना और कार्यान्वयन

- विभाग की स्थापना 2010 में हुई; प्रारंभ में इसका संचालन समन्वयक और अतिथि संकाय द्वारा किया जाता था।
- 2011 में नियमित संकाय की नियुक्ति; पूरे भारत से छात्रों की रुचि बढ़ रही है।
- विभाग चला रहा है:
  - एम.एससी. (भौतिकी)–प्रवेश 60 छात्र
  - पीएच.डी. (भौतिकी)–शैक्षणिक अध्यादेश के अनुसार प्रवेश
- दोनों कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को एनईपी 2020 के अनुसार पुनर्गठित किया गया।
- छात्र यूजीसी/सीएसआईआर नेट, गेट, जेईएसटी के लिए अर्हता प्राप्त कर रहे; आईआईएससी, आईआईटी, आईआईएसईआर में प्रवेश प्राप्त कर रहे हैं।
- प्रयोगशालाएँ नैनो–सामग्री, संघनित पदार्थ भौतिकी, अनुप्रयुक्त प्रकाशिकी, कम्प्यूटेशनल बायोफिज़िक्स आदि में व्यावहारिक प्रशिक्षण और शोध में मदद करती हैं।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन

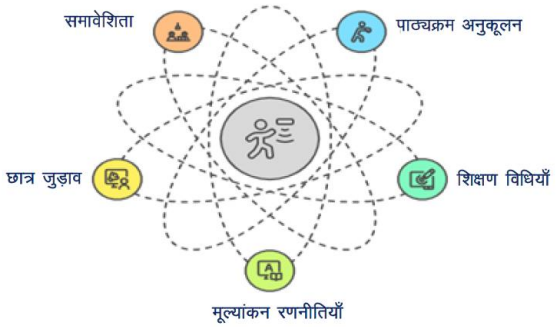

- अंतःविषय अनुसंधान (नैनो–विज्ञान, सामग्री विज्ञान, परमाणु भौतिकी, अंतरिक्ष भौतिकी, कम्प्यूटेशनल बायोफिज़िक्स) के लिए प्रोत्साहन।
- पीएच.डी. छात्र अनुसंधान विशेषज्ञता से जुड़े अपने परियोजनाओं पर काम करते हैं।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

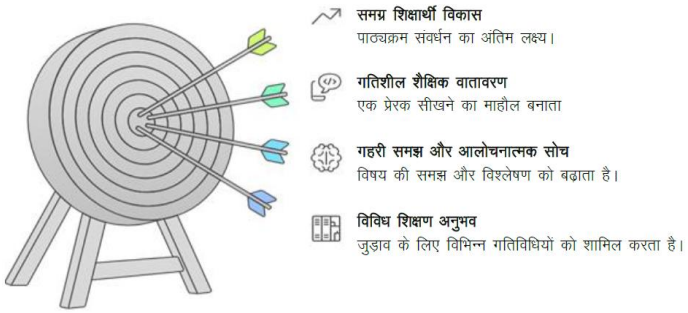

- अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँः एम.एस.सी. प्रयोगशालाएँ, उन्नत ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, अनुप्रयुक्त प्रकाशिकी, संघनित पदार्थ, एफआईएसटी प्रयोगशाला, नैनोमटेरियल और सेंसर प्रयोगशाला।
- विभागीय पुस्तकालय एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला।
- इंटरैक्टिव शिक्षण के लिए स्मार्ट कक्षाएँ।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- पूर्व छात्रों की बैठकों, अभिभावक–शिक्षक बैठकों और विशेष व्याख्यानों के माध्यम से फीडबैक इकट्ठा किया जाता है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

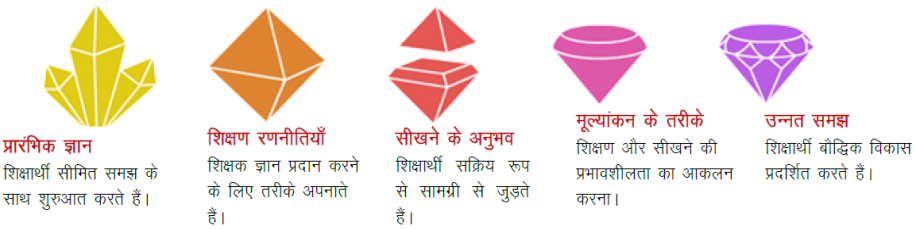

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- 81 परास्नातक छात्र (एम.एससी. भौतिकी), वर्तमान में 14 पीएच.डी. छात्र नामांकित हैं।
- अब तक 43 पीएच.डी. डिग्रियां प्रदान की गईं।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों को आकर्षित करना; विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के बाद अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने की योजना।
- अनुसंधान परियोजनाओं और अध्येतावृत्ति (सीएसआईआर, यूजीसी, आरजीएनएफ) में भाग लेने वाले विविध पृष्ठभूमि के छात्र।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- प्रयोगशाला आधारित शिक्षण और कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन पर जोर।
- नियमित सेमिनार, विशेष व्याख्यान और विभागीय बातचीत।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

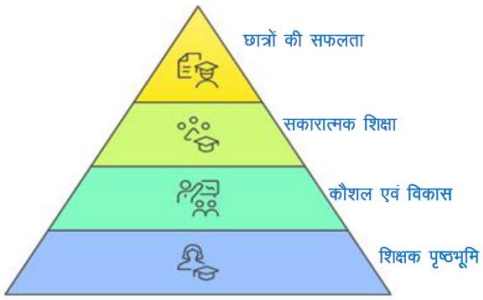

संकाय विवरणः

- आचार्य बाल चंद्र यादव–नैनोसाइंस, मैटेरियल्स साइंस, ऑप्टो–इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर।
- आचार्य देवेश कुमार–आणविक सिमुलेशन, कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान।
- डॉ. अनिल कुमार यादव– पदार्थ विज्ञान, नैनो विज्ञान।
- डॉ. देवेंद्र सिंह–एप्लाइड ऑप्टिक्स, कम्प्यूटेशनल फिजिक्स।
- डॉ. खेम बहादुर थापा– फोटोनिक क्रिस्टल, संघनित पदार्थ भौतिकी।
- डॉ. अजीत कुमार मौर्य–अंतरिक्ष और वायुमंडलीय भौतिकी।
- डॉ. राजेश कुमार सिंह– पदार्थ विज्ञान, नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी।
- संकाय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है; कई के पास व्यावसायिक निकायों में फेलोशिप, पुरस्कार और सदस्यता है।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- मूल्यांकन अकादमिक नियमों के अनुसार होते हैं; प्रैक्टिकल, कम्प्यूटेशनल और रिसर्च–ओरिएंटेड असेसमेंट को शामिल किया जाता है।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- नेट/जेआरएफ, गेट, पीएच.डी. प्रवेश, पोस्टडॉक्टोरल पद प्राप्त करने वाले छात्र।
- 2024–2025 के दौरान प्रदान की जाने वाली पीएच.डी.: 6; एम.एससी., स्नातकः 45।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- पूर्व छात्रों की बैठकों, अभिभावक–शिक्षक बैठकों और विशेष व्याख्यानों के माध्यम से प्राप्त फीडबैक।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- संकाय नैनो–सामग्री, ऊर्जा संचयन, सेंसर, आणविक मॉडलिंग, सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त भौतिकी में शोध में लगे हुए हैं।
- संश्लेषण, लक्षण–वर्णन और कम्प्यूटेशनल अध्ययन के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित शोध प्रयोगशालाएँ।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- यूजीसी, डीएसटी, यूपीसीएसटी द्वारा वित्त पोषित प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएं।
- सक्रिय पेटेंटः आचार्य बी.सी. यादव (1 दायर/1 प्रकाशित), आचार्य देवेश कुमार (1 प्रकाशित)।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- उन्नत सामग्री, सेंसर, स्व–संचालित उपकरण, कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग पर ध्यान केंद्रित करें।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- प्रकाशन (2024–2025): 17 राष्ट्रीय, 49 अंतर्राष्ट्रीय।
- संकाय को विश्व स्तर पर टॉप 2% वैज्ञानिकों में मान्यता मिली (स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए)।
- अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप और पोस्टडॉक्टोरल प्रोग्राम।

3.5 परामर्श

- उपलब्ध नही।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन; पूर्व छात्र बैठक, अभिभावक–शिक्षक बैठक, विशेष व्याख्यान।

3.7 सहयोग

- समझौता ज्ञापनः शून्य; संकाय अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और संयुक्त शोध कार्यक्रमों में शामिल हैं।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

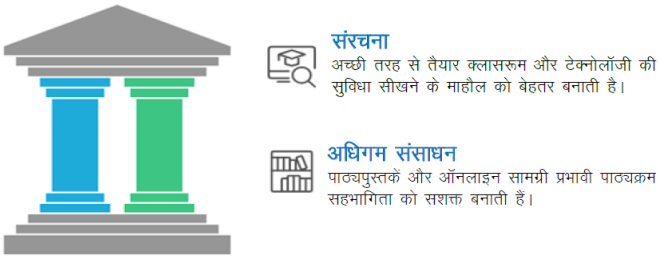

4.1 भौतिक सुविधाएं

- एम.एससी. और पीएच.डी. प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लासरूम, विभागीय पुस्तकालय।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- विभागीय पुस्तकालय पाठ्यक्रम और अनुसंधान आवश्यकताओं का समर्थन करता है।

4.3 आईटी अवसंरचना

- विभागीय कंप्यूटर लैब; अनुसंधान के लिए कम्प्यूटेशनल सॉफ्टवेयर।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- प्रयोगशालाओं और कक्षाओं का रखरखाव मानकों के अनुसार किया जाता है।

5. छात्र सहायता और प्रगति

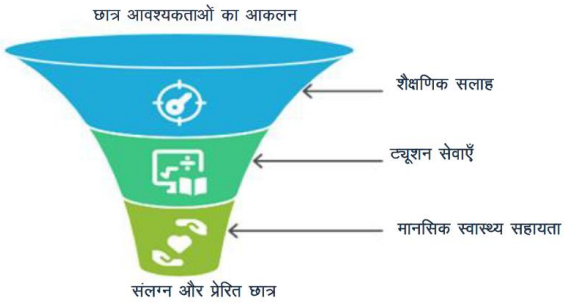

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विभाग शिक्षण, शोध और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- पाठ्यक्रम एनईपी 2020 के अनुरूप; शोध और वैश्विक दृश्यता पर ध्यान केंद्रित।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- शोध सहायता, फेलोशिप, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और वित्तपोषण सहायता।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- यूजीसी, डीएसटी और यूपीसीएसटी ने अनुसंधान परियोजनाओं को वित्त पोषित किया।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- शोध आउटपुट, छात्र उपलब्धियों और शैक्षणिक प्रदर्शन का नियमित मूल्यांकन।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

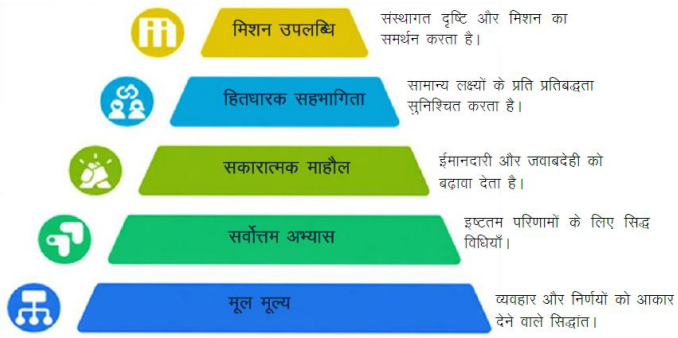

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व

- सामाजिक आवश्यकताओं पर केंद्रित शोध और शिक्षण (जैसे, स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सेंसर)।

7.2 सर्वोत्तम अभ्यास

- कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक शोध का एकीकरण।
- अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के साथ छात्र–केंद्रित शिक्षण वातावरण।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- नैनो–मटेरियल्स, एनर्जी हार्वेस्टिंग, एप्लाइड ऑप्टिक्स, कम्प्यूटेशनल बायोफिजिक्स और स्पेस फिजिक्स पर फोकस।
- संकाय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है; दुनिया भर के टॉप 2% वैज्ञानिकों में शामिल।

8.संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग विशेष)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य देवेश कुमार**
  आचार्य, विभागाध्यक्ष
  विशेषज्ञताः मेसोजेन्स और जैविक अणुओं में अंतर–आणविक अंतःक्रियाओं का सिमुलेशन
  योग्यताः बी.एससी., एम.एससी., पीएच.डी.।
- **आचार्य बाल चंद्र यादव**
  आचार्य
  विशेषज्ञताः नैनोमटेरियल/नैनोकंपोजिट का संश्लेषण, लक्षण वर्णन, पतली फिल्म/मोटी फिल्म सेंसर, आर्द्रता सेंसर, एलपीजी सेंसर और दबाव सेंसर, नवीकरणीय ऊर्जा, सौर सेल, अपशिष्ट पीवी मॉड्यूल का पुनर्चक्रण
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. अनिल कुमार यादव**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः कार्यात्मक नैनोमटेरियल, कम्प्यूटेशनल संघनित पदार्थ और बायोफिज़िक्स, पर्यावरण और ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए सामग्रियों का हरित संश्लेषण, एनडीई
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.

- **डॉ. देवेंद्र सिंह**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः आणविक मॉडलिंग, अनुप्रयुक्त प्रकाशिकी
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. खेम बहादुर थापा**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः फोटोनिक क्रिस्टल, मेटामटेरियल्स और संघनित पदार्थ भौतिकी
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. अजीत कुमार मौर्य**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः रेडियो संचार, अंतरिक्ष मौसम, वायुमंडल–आयनमंडल युग्मन, भूकंपीय–विद्युत चुंबकीय, जलवायु परिवर्तन
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.
- **डॉ. राजेश कुमार सिंह**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः ईंधन कोशिकाओं, सुपर कैपेसिटर, लिथियम–आयन बैटरियों के लिए नैनो–कण, धातु और धातु ऑक्साइड से सुसज्जित कार्बन नैनोस्ट्रक्चर (सीएनटी, सीएनएफ और ग्रेफीन)।
  योग्यताः एम.एससी., पीएच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

आचार्य बाल चंद्र यादव

- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, भौतिक विज्ञान स्कूल, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, पूर्वी चंपारण, बिहार।
- सदस्य, डीआरसी, भौतिकी विभाग, डॉ. शकुनतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय (डीएसएमएनआरयू), लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, भौतिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय शोध समिति, भौतिकी विभाग, एसपीडीएस, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

आचार्य देवेश कुमार

- विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग

डॉ. अनिल कुमार यादव

- सहायक परीक्षा नियंत्रक,
- प्रशासनिक वार्डन (कनिष्का पुरूष छात्रावास)

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

आचार्य देवेश कुमार

- मृत्युंजय मिश्रा, मनीष कुमार, देवेंद्र सिंह, खेम बी. थापा, गजानन पांडे, देवेश कुमार, डीएफटी स्टडी ऑफ डिफ्लुओरो एण्ड ट्राइफ्लुओरो बाई–साइक्लोहेक्सेन बेस्ड डाइमर फॉर अप्लिकेशन इन इलेक्ट्रॉनिक एण्ड ऑप्टिकल डिवाइसेस'', जर्नल ऑफ ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स, 414 (2024) 126109।

आचार्य बाल चंद्र यादव

- आर गौतम, एस चौधरी, वीके नौटियाल, बीसी यादव, यू कुमार, अनवेलिंग द रूम–टेंपरेचर केमरीसिस्टव NH3 एड्सॉर्प्शन केपबिलिटी ऑफ NiO डोप्ड पीपीवाई नैनोकंपोजिट विथ डफ्त इंटर्प्रेटेशन्स'', नैनो एक्सप्रेस 6 (3), 035001, 2025।
- पी कुमार, जेडवाई डेंग, वाईसी हुआंग, जेवाई चांग, सीवाई चिउ, बीसी यादव, एचके सिजू, ''साइनर्जिस्टिक इफेक्ट्स ऑफ Au/Ag–मॉडिफाइड Fe_3O_4@MoS_2 नैनोकंपोजिट इन फोटोकैटलिटिक मेथिलीन ब्लू डेग्रडेशन अंडर ग्रीन लाइट, सर्फेसेस एण्ड इंटरफेसस', 107059, 2025।
- ए सिंह, बी मोहन, वी प्रताप, डब्ल्यू सन, एजेएल पोम्बेइरो, बीसी यादव, ''ह्यूमिडिटी रेज़िस्टेंट CeO_2/In_2O_3 नैनोकंपोजिट बेस्ड केमरीसिस्टर फॉर सेलेक्टिव डिटेक्शन ऑफ फॉर्मेल्डिहाइड स्मॉल'' 21 (22), 2410023, 2025।
- ए रानी, ए वर्मा, बीसी यादव, प्लाजमोन रेज़ोनेंस एन्हांस्ड पीडी–डेकोरेटेड हाइब्रिड टंगस्टन डाइसल्फ़ाइड (WS2) मल्टी–वेवलेंथ अल्ट्रा–रिस्पॉन्सिव फोटोडिटेक्टर, टंगस्टन 7 (2), 374–392, 2025।
- एस यादव,पी चौधरी, एन यादव, बीसी यादव, ''हाइली सेन्सिटिव ह्यूमिडिटी सेन्सर बेस्ड ऑन ए कंपोज़िट ऑफ MoS2 एण्ड मल्टी–वॉल्ड कार्बन नैनोट्यूब सेंसिंग फिल्म, फिजिका स्क्रिप्टा 100 (5), 055945, 2025।
- एन अहलावत, एम गुप्ता, ए वर्मा, बीसी यादव, ''मेकेनिस्टिक इनसाइट्स एण्ड इंटरफेस इंजिनियरिंग इन Bi2O3/Ti3C2TX फॉर एनहैन्स्ड CO_2 सेन्सर परफार्मेन्स'', ईसीएस जर्नल ऑफ़ सॉलिड–स्टेट साइंस एंड टेक्नोलॉजी 14 (4), 047008, 2025।
- यू कुमार, जेडवाई डेंग, बीसी यादव, एमडब्ल्यू ली, सीएच वू, ''एड्वान्सेस इन 0डी क्वांटम डॉट्स एण्ड हाइब्रिड नैनोआर्किटेक्चर फॉर हाइ– परफार्मेन्स गैस सेनसिंग डिवाइसेस'', नैनोटेक्नोलॉजी 36 (18), 182001, 2025।
- ए रानी, ए वर्मा, बीसी यादव, ''ह्यूमिडिटी–इंड्यूस्ड सेल्फ़–पॉवर्ड फोटोडिटेक्शन थ्रू Bi2Te3/MoS2 नैनोहाइब्रिड मेटीरियल डिपॉज़िटेड ऑन ए फ्लेक्सिबल सबस्ट्रेट'', मेटीरियल्स टुडे एनर्जी 48, 101753, 2025।
- एस गंगवार, पी यादव, ए रानी, ए वर्मा, एसके झा, बीसी यादव, ''2डी मेटीरियल्स इंटीग्रेटेड विथ पॉलिमर्स फॉर मेटीरियल्स साइन्स एण्ड इंजिनियरिंगः बी 312, 117859, 2025।
- ए.के. यादव, यू. कुमार, बी.सी. यादव, ''सोल–जेल प्रोसेस्ड सी.एन.टी.–डोप्ड LaFeO3 एण्ड इट्स अप्लिकेशन एज एल.पी.जी. सेन्सर, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंसः मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स 36 (1), 54, 2025।
- ए वर्मा, डी यादव, एस नतेसन, एम गुप्ता, बीसी यादव, हेटेरोस्ट्रक्चर्ड बाइनरी/टर्नरी MoO3/Bi2MoO6 मेटल ऑक्साइड–बेस्ड एसीटोन सेंसिंग डिवाइसेस रेलवेंट टू नॉन–इन्वेसिव डिसीज़ मॉनिटरिंग'', जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री सी, 13, अंक 7, 3226–324, 2025।
- एम गुप्ता, पी चौधरी, डीके मौर्य, बीसी यादव, ''2D-$MoO_3/Ti_3C_2T_x$ नैनोकंपोजिट डिपॉज़िटेड ऑन बोरोसिलिकेट ग्लास एण्ड कॉटन यार्न सबस्ट्रेट्स फॉर एसीटोन सेंसिंग'', सर्फेस एण्ड इंटरफेसेस 56, 105497, 2025।
- ए कौशल, ए वर्मा, ए रानी, बीसी यादव, ''एन अल्टर्नेटिव मेथेडोलॉजी फॉर द डिटक्शन ऑफ बेंजीन रिंग कंटेनिंग हज़ार्डस कम्पाउंड्स बाइ ज़ीटा पोटेन्शियल एण्ड आब्जर्बेन्स एनॉलिसिस'', अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार, 113744, 2024।

- आर गौतम, ए सिंह, ए वर्मा, वीके नौटियाल, बीसी यादव, वी च ए सिंह, बीसी यादव ''ए नॉवेल नैनोपार्टिकल्स स्पिल्ड–ओवर In_2O_3 माइक्रोब्स–एनेबल्ड सस्टेनबल केमिरेसिस्टर फॉर एन्वाइरन्मेंटल कार्बन डाइआक्साइड मॉनिटरिंग'', नैनोटेक्नोलॉजी 35(43), (2024) 435502।
- ए सिंह, बीसी यादव ''एक्सलेंट ट्राइएथिलमाइन (TEA) केमिरेसिस्टर बेस्ड ऑन ज़िफ–8 डेराइव्ड Ag सेन्सिटाइज़्ड ZnWO4/ZnO ब्रांच्ड हेटरोस्ट्रक्चर फॉर इनडोर एन्वाइरन्मेंट'', माइक्रोकेमिकल जर्नल, (2024) 112056।
- पी.आर. तिवारी, आरपी सिंह, के भारती, एसी यादव, बी भारद्वाज, बीसी यादव, ''सिंथेसिस एण्ड अप्लिकेशन ऑफ स्ट्रोंटियम–डोप्ड जिंक फेराइट नैनोमटेरियल इन ह्यूमिडिटी सेनसिंग'', जर्नल ऑफ द इंडियन केमिकल सोसाइटी, (2024) 101439।
- राहुल प्रताप सिंह, प्रभात रंजन तिवारी, केवल भारती, बाला भारद्वाज, कुवर अंकुर सिंह, बीसी यादव, संतोष कुमार ''ह्यूमिडिटी सेनसिंग स्टडी ऑफ कोबाल्ट–डोप्ड कैडमियम सल्फाइड नैनोमटेरियल्स, जर्नल ऑफ सॉलिड–स्टेट इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, 28 (7) 2385–2396, 2024।
- मोनू गुप्ता, अर्पित वर्मा, प्रियंका चौधरी, बीसी यादव, ''MoO_3/V_2CTx नैनोकंपोजिट–बेस्ड वेरिबल सेन्सर विथ हाइ सेन्सिटिविटी फॉर एसीटोन एण्ड हैंड सैनिटाइज़र डिटेक्शन एट रूम टेंपरेचर विथ डीएफटी एनॉलिसिस'',एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 6(8) 5626–5639, 2024।
- प्रियंका चौधरी, चीह–जूई ली, टोटन हलदर, यू. ची–हुआ; बीसी यादव, लिन, मेंग–फैंग; ''अनवेलिंग केपासिटीव ह्यूमिडिटी कैरेक्टरिस्टिक ऑफ CdSe क्वांटम डॉट्स सिंथेसाइज़्ड बाइ फॅसिल रूट'', सेन्सर्स एण्ड एक्ट्यूएटर्स एः फिज़िकल 377, 115759, 2024।
- सविता कुमारी, अजाज हुसैन, सर्वेश कुमार अविनाशी, रजत कुमार मिश्रा, अजीत सिंह, बीसी यादव, चांदकीराम गौतम, ''फैब्रिकेशन, स्ट्रक्चरल, मॉर्फलॉजिकल, एण्ड मेकेनिकल बिहेवियर ऑफ फ्लाई ऐश डोप्ड क्ले सिरेमिक बेस्ड CO_2 गैस सेन्सर'', 22. फिजिका स्क्रिप्टा, 99 (9) 95907, 2024।
- उत्कर्ष कुमार, बीसी यादव, कुलदीप कुमार, टोटोन हालदार, वीवी रवि कांत कुमार, ''एक्सप्लोरिंग द रूम टेंपरेचर केमीरेसिस्टिव एलपीजी एण्ड ह्यूमिडिटी सेसिंग प्रॉपर्टीज ऑफ MWCNT/TiO_2 नैनोकंपोजिट विथ डीएफटी इंटर्प्रेटेशन्स, वेन–मीं हुआंग, चू–शाइयन वू.'' सेंसर एण्ड एक्ट्यूएटर्स एः फिजिकल, 115851, 2024।
- एसके अविनाशी, ए सिंह, एस कुमारी, आरके मिश्रा, ए सचन, बीसी यादव, ''मॉनिटरिंग ऑफ CO_2 यूज़िंग MWCNTs फंक्शनलाइज्ड क्ले पोरस कंपोजिट फॉर क्लीन रूम फेसिलिटी, सेंसर एण्ड एक्ट्यूएटर्स बीः केमिकल, 136145, 2024।
- ए सिंह, पी चौहान, ए वर्मा, बीसी यादव, ''इंटरफेशियल इंजिनियरिंग एनेबल्स पॉलीएनिलिन–डेकोरेटेड बिस्मथ सल्फाइड नैनोरोड्स टुवर्ड्स अल्ट्राफास्ट मेटल–सेमिकंडक्टर–मेटल यूवी–विज ब्रॉड स्पेक्ट्रा फोटोडिटेक्टर'', एडवांस्ड कंपोजिट्स एंड हाइब्रिड मैटेरियल्स 7 (3), 1–17, 2024।
- ए वर्मा, आई अरेबिया, यूएस मेडा, आई रावल, एस रुस्तगी, बीसी यादव, ''हाइ सेलेक्टिविटी एण्ड सेन्सिटिविटी थ्रु नैनोपार्टिकल सेंसर फॉर क्लीनरूम CO_2 डिटेक्शन, एम चौननेगौड़ा, नैनोटेक्नोलॉजी 35 (31), 315501, 2024।
- पी चौधरी, ए वर्मा, एस चौधरी, एम कुमार, एमएफ लिन, वाईसी हुआंग, बीसी यादव, ''डिज़ाइन ऑफ ए ह्यूमिडिटी सेन्सर फॉर ए पीपीई किट यूज़िंग ए फ्लेक्सिबल पेपर सबस्ट्रेट'', लैंगमुइर 40 (18), 9602–9612, 2024।
- ए.के. शुक्ला, वी. वर्मा, पी. गोरियां, ए. रानी, ए. वर्मा, ए. सिंह, बी.सी. यादव, $Zr_6O_4(OH)4$ बेस्ड मेटल–ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स फॉर द एनहैन्स्ड केमिरिसेस्टिव सेंसिंग ऑफ इथेनॉल, जर्नल ऑफ

इनऑर्गेनिक एंड ऑर्गेनोमेटेलिक पॉलिमर्स एंड मैटेरियल्स, https://doi.org/10.1007/s10904-023-02986-1, 1–16, 2024।

लेखों की समीक्षाः

- निकिता अहलावत, मोनू गुप्ता, अर्पित वर्मा और बाल चंद्र यादव, एमएक्सीन सिंथेसिस टेक्नीक्स एण्ड देयर वीओसीएस सेंसिंग अप्लिकेशन्स'', जर्नल ऑफ द इलेक्ट्रोकेमिकल सोसाइटी, वॉल्यूम। 172, संख्या 4, 16 अप्रैल 2025, DOI 10.1149/1945-7111/adc8d8.
- शिवराज सिंह, अर्पित वर्मा, सृष्टि चौहान, रवि कांत त्रिपाठी, सिद्धार्थ सिरोही, बीसी यादव, रवि कांत चौबे और तेजेंद्र के. गुप्ता, फ्लेक्सिबल एण्ड एफीशियेंट अल्ट्रावायलेट फोटोडिटेक्टर्स बेस्ड ऑन वन डाइमेन्शनल MWCNT फिल्ड थर्मोप्लास्टिक पॉलीयूरेथेन नैनोकंपोजिट फ्रीस्टैंडिंग फिल्म्स, जर्नल ऑफ इनऑर्गेनिक एंड ऑर्गेनोमेटेलिक पॉलिमर्स एंड मैटेरियल्स, वॉल्यूम 35, पृष्ठ 470–479, 05 अगस्त 2024।
- अर्पित वर्मा, बाल चंद्र यादव, कम्प्रेहेन्सिव रिव्यू ऑन टू डाइमेन्शनल नैनोमटेरियल्स फॉर ऑप्टिकल बायोसेंसरः प्रेज़ेंट प्रोग्रेस एण्ड आउटलुक'', सस्टेनबल मेटीरियल्स एण्ड टेक्नोलॉजीस, वॉल्यूम 40, जुलाई 2024, ई00900, https://doi.org/10.1016/j.susmat.2024. e00900.

डॉ. अनिल कुमार यादव

- प्रशस्ति सिन्हा और अनिल कुमार यादव, '' रीपर्पजिंग इंटीग्रेज इनहिबिटर्स अगेन्स्ट ह्यूमन टी–लिम्फोट्रोपिक वायरस टाइप–1: ए कम्प्यूटेशनल अप्रोच'', जर्नल ऑफ़ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स 2025, वॉल्युम. 43, नंबर 9, 4686–4697।
- प्रशस्ति सिन्हा और अनिल कुमार यादव, '''अनरवेलिंग द एंटी–ब्रेस्ट कैंसर एक्टिविटी ऑफ सिमिसिफ्यूगा राइज़ोम यूज़िंग बायोलॉजिकल नेटवर्क पाथवे एण्ड मॉलिक्यूलर डायनामिक्स सिम्युलेशन''. मॉलिक्यूलर डायवर्सिटी (2025) 29:241–254।
- प्रशस्ति सिन्हा और अनिल कुमार यादव, ''मॉलिक्यूलर डॉकिंग, मॉलिक्यूलर डायनामिक्स एण्ड बाइंडिंग फ्री एनर्जी बेस्ड आइडेंटिफिकेशन ऑफ नॉवेल पोटेन्शियल मल्टीटारगेट इनहिबिटर्स मुलतिटरगेट इन्हाइबिटर्स ऑफ निपाह वायरस'', जर्नल ऑफ़ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स 2024, वॉल्युम 42, नंबर 24, 13663–13679।
- प्रशस्ति सिन्हा और अनिल कुमार यादव, ''कंप्युटेशनल एनॉलिसिस ऑन मॉलिक्यूलर स्टेबिलिटी एण्ड बाइंडिंग एफिनिटी ऑफ 3–(अमीनोथियाज़ोलिल) क्विनोलोन डेरिवेटिव एज मल्टीटार्गेटिंग एंटीबैक्टीरियल एजेंट्स थ्रू एब इनिशियो मेथड'', पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक कंपाउंड्स 2024, वॉल्युम 44, नंबर 9, 5829–5850।
- प्रशस्ति सिन्हा और अनिल कुमार यादव, ''आइडेंटिफिकेशन ऑफ 3,4–डायहाइड्रॉक्सी कॉम्प्लेक्स एज पोटेन्शियल एंटीवायरल वाया डीएफटी, मॉलिक्यूलर डॉकिंग, मॉलिक्यूलर डायनामिक्स एण्ड MM/PBSA अगेन्स्ट रेबीज एण्ड डेंगू रिसेप्टर्स'', जर्नल ऑफ़ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स 2024, वॉल्युम 42, नंबर 13, 7037–7053।
- प्रशस्ति सिन्हा और अनिल कुमार यादव, ''पीडी–डोप्ड SWCNT एज नैनो बायोसेंसर फॉर फेनिलएलनिन हाइड्रोलेस'', एआईपी कॉन्फ. प्रोक. 3149, 030014 (2024)।
- प्रशस्ति सिन्हा और अनिल कुमार यादव, ''इन सिलिको आइडेंटिफिकेशन ऑफ साइक्लोस्पोरिन डेरिवेटिव्स एज पोटेन्शियल इन्हाइबिटर्स फॉर RdRp ऑफ रोटावायरस बाइ मॉलीक्युलर डॉकिंग एण्ड मॉलीक्युलर डाइनेमिक स्टडीज'', जर्नल ऑफ़ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स 2024, वॉल्यूम 42, नंबर 10, 5001–5014।

डॉ. देवेंद्र सिंह

- मृत्युंजय मिश्रा, मनीष कुमार, देवेंद्र सिंह, खेम बी. थापा, गजानन पांडे, देवेश कुमार, डीएफटी स्टडी ऑफ डिफ्लुओरो एण्ड ट्राइफ्लुओरो बाई–साइक्लोहेक्सेन बेस्ड डाइमर फॉर अप्लिकेशन इन इलेक्ट्रॉनिक एण्ड ऑप्टिकल डिवाइसेस'', जर्नल ऑफ ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स, 414 (2024) 126109।

डॉ. खेम बहादुर थापा

- एस चौधरी, ए.के. मलिक, ए. कुमार, के.बी. थापा, वी.के. नौटियाल ''अल्ट्रासेंसिटिव हाइ क्वालिटी टेराहट्ज़ बायोसेंसर बेस्ड ऑन 1डी फ़ोटोनिक क्रिस्टल फॉर द डिटेक्शन ऑफ ब्रेस्ट कैन्सर सेल्स, सेंसिंग एण्ड इमेजिंग 25 (1), 73, 2024। https://doi.org/10.1007/s11220-024-00521-1.

डॉ. अजीत कुमार मौर्य

- दयानंद भास्कर, रजत त्रिपाठी, एमएन श्रीवास्तव, आर. सिंह, सुदीप्त सासमल, अभिरूप दत्ता, अजीत कुमार मौर्य (2025), ''लोवर आयनोस्फेरिक पर्टरबेशन्स एसोसीयेटेड विथ लाइटनिंग एक्टिविटी ओवर लो एण्ड इक्वेटोरियल रीजन्स'', एट्मॉस्फियर 2025, 16(7), 832;https://doi.org/10.3390/atmos16070832
- सहारन, एस., पुरोहित, जे., श्रीवास्तव, एमएन दुबे ए., सासमल एस., दत्ता, ए., मौर्य ए.के., और शर्मा एच., (2025), ''सीज़नल डिपेंडेन्स ऑफ सोलर फ्लेयर इंड्यूस्ड टोटल इलेक्ट्रान कंटेंट ओवर लो लैटिट्यूड आयनोस्फेयर'', एस्ट्रोफिज स्पेस साइंस 370, 71 (2025)। https://doi.org/10.1007/s10509-025-04464-1
- मौर्य, ए.के., एस. सहारन, एस. कन्नौजिया, एम.एन. श्रीवास्तव, यू. पांडे, (2025), ''जीएनएसएस डिराइव्ड टोटल इलेक्ट्रान कंटेंट वेरीयेशन एलांग द एन्नुअलेरिटी पाथ एसोसीयेटेड विथ O/N2 रेशियो चेंज ड्यूरिंग द एन्नुलर सोलर इक्लिप्स ऑफ 21 जून 2020'', एस्ट्रोफिजिक्स. स्पेस साइ. 370(6), 1–15।
- पाल, एस.के., एस. सरकार, के. नंदा, ए. सान्याल, बी. ब्रावर, ए. दत्ता, एस.एम. पोटिराकिस, ए.के. मौर्य एट अल. (2025), ''ग्लोबल रिस्पॉन्स ऑफ वर्टिकल टोटल इलेक्ट्रान कंटेंट टू मदर'स डे जी5 जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म ऑफ मई 2024: इनसाइट्स फ्रॉम इग्ज़ एण्ड जीआईएम ऑब्ज़र्वेशन्स'', वायुमंडल, 16(5), 529।
- सान्याल, ए., बी. ब्रावर, एस.के. मैती, एस. जना, जे.एम. पोलार्ड, पी. न्यूटन, जी.एस. विलियम्स, ए. के. मौर्य एट अल. (2025), ''इन्वेस्टिगेशन ऑफ द आयनोस्फेरीक इफेक्ट्स ऑफ द सोलर एक्लिप्स ऑफ अप्रैल 8, 2024 यूज़िंग मल्टी–इन्स्ट्रुमेंट मीजरमेंट्स'', वायुमंडल, 16(2), 1।

डॉ. राजेश कुमार सिंह

- नितिका देवी, राजेश कुमार, राजेश कुमार सिंह', स्टैनिस्लाव ए मोश्कालेव, ''रिसेंट डेवलपमेन्ट्स ऑफ एम ज़ेनेस एण्ड देयर कंपोजिट इन इलेक्ट्रोकेमिकल एनर्जी स्टोरेज: करेंट स्टेटस, चैलेंजस एण्ड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स'', जर्नल ऑफ़ पावर सोर्सेज 636 (2025 236538 इम्पैक्ट फैक्टर– 9.794 आईएसएसएन: 0378–7753।
- रितेश कुमार, रितिका शर्मा, एएल शर्मा, राजेश कुमार सिंह', दिलबाग सिंह, ''माइक्रोवेव–असिस्टेड फेसिल सिंथेसिस ऑफ MnO_2-rGO नैनोकंपोजिट एज इलेक्ट्रोकेमिकल सेन्सर फॉर द डिटेक्शन ऑफ मर्क्युरी एण्ड लेड (II) आयन्स'', डायमंड एंड रिलेटेड मटीरियल्स, 155 (2025), 112299, इम्पैक्ट फैक्टर– 4.3 ऑनलाइन आईएसएसएन: 1879–0062 प्रिंट आईएसएसएन: 0925–9365।
- रितेश कुमार, एएल शर्मा, राजेश कुमार सिंह, अरविंद कुमार, प्रमोद के सिंह, एमजेडए याह्या, एसएनएफ यूसुफ, मार्कस डिएंटोरो, मनोज के सिंह, ''सिंथेसिस एण्ड कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ लिथियम

ट्रांज़िशन ऑर्थोसिलिकेट्स $Li_2FexMn_{1-x}SiO_4$ एज कैथोड मेटीरियल'', केमिकल फिजिक्स इम्पैक्ट, 10 (2025), 100814, इम्पैक्ट फैक्टर– 3.8 ऑनलाइन आईएसएसएनः 2667–0224।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तक

आचार्य बाल चंद्र यादव

- ''काम्प्लेक्स एण्ड कम्पोजिट मेटल ऑक्साइड्स फॉर गैस, वीओसी एण्ड ह्यूमिडिटी सेन्सर्स'', वाल्युम–2, एल्सेवियर पब्लिशर, आईएसबीएनः 9780323954761।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व में कोई अन्य प्रकाशन

आचार्य बाल चंद्र यादव

- ए रानी, ए वर्मा, बी सी यादव, ''मेटल–ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क फॉर ल्यूमिनसेंट थर्मामीटर'' 44–62, 2024, ईआईएसबीएनः 9781032661537, सीआरसी प्रेस।
- अर्पित वर्मा, बाल चंद्र यादव, ''रीसेंट एड्वान्सेस इन सेल्फ़–हीलिंग इलेक्ट्रॉनिक मेटीरियल्स फॉर एनर्जी हार्वेस्टिंग डिवाइसेस, रोल ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनबल फ्यूचर'', 08 जनवरी 2025 पेज 609–628, स्प्रिंगर।

डॉ. अजीत कुमार मौर्य

- श्रीवास्तव, एम. एन., ए. के. मौर्य, एफ. सांचेज़, और एस. एल. गुएरेरो (2025), ''मॉनिटरिंग ऑफ कैल्बुको वॉल्कॅनिक एरप्शन यूज़िंग जीएनएसएस–डिराइव्ड टेक पर्टरबेशन'', इन जीएनएसएस अप्लिकेशन्स इन अर्थ एण्ड स्पेस ऑब्ज़र्वेशन्स, 114–123।
- सहारन, एस., ए. के. मौर्य, एम. एन. श्रीवास्तव, और आर. सिंह (2025), जीएनएसएस एज ए कॉस्ट–इफेक्टिव टूल फॉर कंटिन्युवस मॉनिटरिंग ऑफ सोलर फ्लेयर इफेक्ट ऑन द आयनोस्फीयर, इन जीएनएसएस अप्लिकेशन्स इन अर्थ एण्ड स्पेस ऑब्ज़र्वेशन्स, 251–264।

डॉ. राजेश कुमार सिंह

- आर. कुमार, दीक्षा, एस. कालिया, राजेश कुमार सिंह' और ए. एल. शर्मा, ''सिंथेसिस एण्ड इलेक्ट्रोकेमिकल परफार्मेन्स ऑफ माइक्रोवेव–असिस्टेड रेड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड एट डिफरेंट कॉन्सेंट्रेशन्स ऑफ कोह'', मल्टीफंक्शनल मटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड बायोमेडिकल डिवाइसेस (2025) स्प्रिंगर सिंगापुर आईएसबीएनः 978–981–96–7605–7, 978–981–96–7606–4, आईएसएसएनः 2662–3161।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

आचार्य बाल चंद्र यादव

- विकसित भारत 2024 के लिए भौतिक विज्ञान में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, बीबीएयू, लखनऊ, यूपी, भारत।
- 5वीं दिव्य युवा जागरण कार्यशाला, 15/12/2024, गायत्री परिवार, आलमबाग, लखनऊ, यूपी, भारत।
- एनएएसआई फेलो की वार्षिक बैठक 2 दिसंबर, 2024 को आईआईएसईआर, भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत में निर्धारित।
- जूरी सदस्यः सेठ जयपुरिया कॉलेज, 25 अगस्त 2025, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

डॉ. अनिल कुमार यादव

- 14 अप्रैल बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जयंती–2025, बीबीएयू लखनऊ।
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस–2025, बीबीएयू लखनऊ।

डॉ. खेम बहादुर थापा

- अनुप्रयुक्त भौतिकी और पदार्थ विज्ञान में हालिया रुझानों पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (RAM2024) बीकानेर राजस्थान में भाग लिया।

डॉ. अजीत कुमार मौर्य

- 01 (प्लाज्मा भौतिकी पर 8वां एशिया–प्रशांत सम्मेलन, 3–8 नवंबर, 2024 मलक्का, मलेशिया में)।

डॉ. राजेश कुमार सिंह

- भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) प्रभाग, शिक्षा मंत्रालय और सीएसआईआर–पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) इकाई, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 4 से 8 और 11 अगस्त, 2025 तक आयोजित आईकेएस–टीकेडीएलः पारंपरिक ज्ञान–बौद्धिक संपदा और लोगों के अधिकार पर 8वीं ऑनलाइन कार्यशाला योग्यता के साथ पूरी हुई।
- 6 फरवरी 2025 को आरएंडडी सेल, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता 2025 पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 03–04 फरवरी 2025 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित "सरकारी ई–मार्केट (जीईएम) स्थान और ई–खरीद पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षणः 14+2

डॉ. राजेश कुमार सिंह

- श्री रितेश कुमार (हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, हि.प्र.)
- सुश्री दीक्षा पठानिया (हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, हि.प्र.)

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी डिग्रीः 04

8.3.6 परियोजना/परामर्श/और कोई अन्य

परियोजना का शीर्षकः ''फंड फॉर इंप्रूवमेंट ऑफ एस एण्ड टी इनफ्रास्ट्रक्चर इन यूनिवर्सिटीज एण्ड हाइयर एजुकेशनल इन्स्टिट्यूशन्स (फिस्ट)''

निधि दाता संस्थाः विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

अवधि (विशिष्ट तिथियां): 2020–2025

कुल अनुदानः 78,00,000/– रुपये

भूमिका (पीआई/को–पीआई): पीआईऔर समन्वयक

संदर्भः सीयु 1300, पेटेंट आवेदन संख्या 202111010716

आवेदकः चंडीगढ़ विश्वविद्यालय

शीर्षकः पोर्फिरिन कंटेनिंग कोवैलेंट ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क एण्ड मेटल ऑफ सिंथेसिस देयर ऑफ

आविष्कारकः अतुल पी. सिंह, राजेश के यादव, चांदनी सिंह, पूजा सिंह, सुरभि चौबे, अभिषेक के गुप्ता, बी. सी. यादव।

अनुदान की तारीखः 28/01/2025

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ

आचार्य देवेश कुमार

- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा एल्सेवियर के सहयोग से तैयार की गई विश्व की शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल।

आचार्य बाल चंद्र यादव

- चित्रलेखा भट्टाचार्य लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड्स–2024 पीपीएसएसटी, लखनऊ, यूपी, भारत द्वारा।
- उत्कृष्ट शोध उपलब्धि पुरस्कार–2024, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- शोध और शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार 2024, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा एल्सेवियर के सहयोग से तैयार की गई विश्व की शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में चयनित –2020, 2021, 2022, 2023 और 2024।

डॉ. अनिल कुमार यादव

- सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार–2025, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

डॉ. राजेश कुमार सिंह

- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा एल्सेवियर के सहयोग से तैयार की गई विश्व की शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	00
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	49
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	05
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	02
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	04
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	75
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	00
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	छात्रों की कुल संख्या	421 पिछले 5 वर्षों में
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	09
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	02
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	03
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	05
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	11

सांख्यिकी विभाग

विभाग का परिचय

सांख्यिकी विभाग की स्थापना 2010 में अनुप्रयुक्त गणित एवं सांख्यिकी विभाग के रूप में हुई थी और मार्च 2012 में यह एक स्वतंत्र सांख्यिकी विभाग बन गया। यह सांख्यिकी में एम.एससी. और पी.एच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। संकाय सदस्य अत्यधिक योग्य हैं और विश्वसनीयता और अनुक्रमिक विश्लेषण, अर्थमिति, नमूनाकरण तकनीक, प्रतिगमन मॉडलिंग, गणितीय प्रोग्रामिंग, कृषि सांख्यिकी, स्टोकेस्टिक ऑर्डर, एआई और एमएल और सॉफ्ट कंप्यूटिंग सहित अलग–अलग शोध क्षेत्रों में काम करते है।

विभाग का उद्देश्य छात्रों में विश्लेषणात्मक और निर्णय लेने की योग्यता विकसित करना, अन्य विषयों के शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को मार्गदर्शन देना और सांख्यिकीय शिक्षा और अनुसंधान में बेहतरीन काम करके समाज में योगदान देना है।

विभाग की ताकत

- उच्च योग्य और अनुभवी संकाय।
- राष्ट्रीय स्तर के प्रकाशनों के साथ अनुसंधान–उन्मुख।
- शिक्षा, सिविल सेवाओं और प्लेसमेंट में छात्रों की उपलब्धियाँ।
- अच्छा बुनियादी ढांचा और सुविधाएं।
- मजबूत पेशेवर जुड़ाव।
- सक्रिय शैक्षणिक संवर्धन कार्यक्रम।
- वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

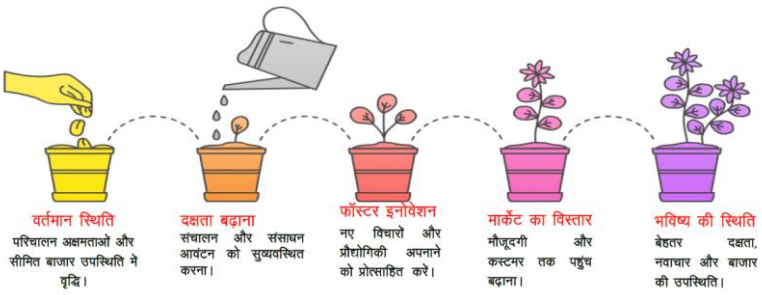

- एआई और एमएल में नए ऐच्छिक विषय शुरू करें और उन्नत सांख्यिकीय मॉडलिंग में अनुसंधान परियोजनाओं का विस्तार करें और अतिरिक्त धन के लिए आवेदन करें।
- छात्रों के लिए कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें।
- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और प्रशिक्षण में संकाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करें।
- बुनियादी ढांचे और सॉफ्टवेयर की उपलब्धता को उन्नत करें।
- उद्योग सहयोग और समझौता ज्ञापन स्थापित करें।
- मार्गदर्शन और प्लेसमेंट के लिए पूर्व छात्रों के नेटवर्क को मजबूत करें।
- प्रतियोगिताओं और सामाजिक परियोजनाओं में छात्रों की भागीदारी बढ़ाएँ।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास/पाठ्यचर्या योजना और कार्यान्वयन



- विभाग सांख्यिकी में एम.एससी. और पी.एच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है।
- विश्लेषणात्मक और निर्णय लेने के कौशल विकसित करने के लिए पाठ्यक्रम डिज़ाइन किए गए हैं।
- पाठ्यक्रम उन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अन्य विषयों के वैज्ञानिकों के लिए है जो सांख्यिकीय अनुसंधान में मार्गदर्शन चाहते है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- स्नातकोत्तर कार्यक्रम (सांख्यिकी में एम.एससी.)।
- सांख्यिकी में पीएच.डी.।
- विभाग कार्यशाला, आमंत्रित व्याख्यान और पूर्व छात्रों के साथ बातचीत के माध्यम से पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने में सक्रिय रूप से शामिल है।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

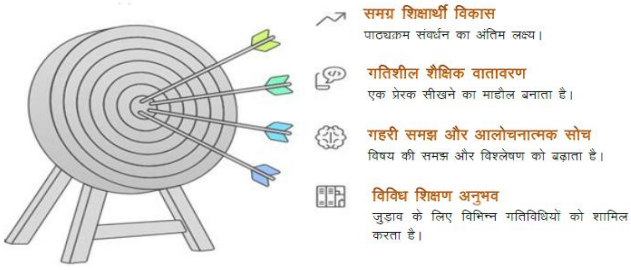

- विशेषज्ञों द्वारा आमंत्रित वार्ताः आचार्य शालभ (26 नवंबर, 2024)।
- पूर्व छात्र बैठक 11 मई, 2024 को आयोजित की गई।
- सह–पाठ्यक्रर्म गतिविधियाँः पोस्टर प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (14 नवंबर, 2024)।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- पाठ्यक्रम डिजाइन और विभागीय गतिविधियों में छात्रों की प्रतिक्रिया को शामिल किया गया (शैक्षणिक गतिविधियों और पूर्व छात्रों के बीच बातचीत के माध्यम से विवरण दिया गया)।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- एम.एस.सी. छात्रः द्वितीय सेमेस्टर–20, चतुर्थ सेमेस्टर–18 (कुल= 38)
- पीएचडी छात्रः 13
- पीएच.डी. प्रदान की गईः 3
- **छात्र उपलब्धियांः**
  - सिविल सेवाएँः 10
  - उच्च शिक्षा शिक्षणः 2
  - उच्च अध्ययनः 5
  - सरकारी/बैंकिंग नौकरियाँः 4
  - एसएलईटी/नेट/जेआरएफ/गेटः 8

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- एनएफएसटी–एसआरएफ, यूजीसी–नॉन नेट जैसी फेलोशिप के माध्यम से छात्रों को सहायता प्रदान की जाती है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- विशेषज्ञता के विविध क्षेत्रों वाले संकायः अर्थमिति, विश्वसनीयता सिद्धांत, नमूनाकरण तकनीक, प्रतिगमन मॉडलिंग, एआई और एमएल, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, समय श्रृंखला विश्लेषण।
- आधुनिक शिक्षण उपकरणों का उपयोगः स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर, कंप्यूटर लैब।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

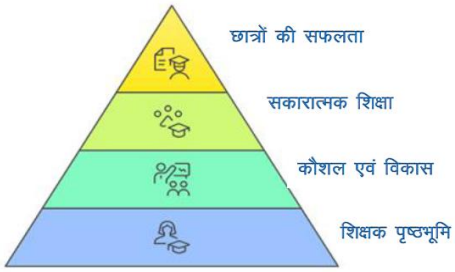

- **संकाय संख्याः** 7 (3 आचार्य, 2 उपाचार्य, 2 सहायक आचार्य)।
- शिक्षण अनुभव 7 से 39 वर्ष तक है; अनुसंधान अनुभव 12 से 41 वर्ष तक है।
- संकाय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर समाजों, संपादकीय मंडल में शामिल हुए और आमंत्रित भाषणें में शामिल है।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- परियोजना कार्य, अनुसंधान पर्यवेक्षण और स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रदर्शन के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- छात्रों द्वारा प्रकाशनः शून्य
- पीएच.डी. पूर्ण करना और सिविल सेवाओं, प्लेसमेंट और अनुसंधान फेलोशिप में उच्च उपलब्धि।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- यह अप्रत्यक्ष रूप से उपलब्धियों, गतिविधियों में भागीदारी और प्लेसमेंट की सफलता के माध्यम से झलकता है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- अनुसंधान परियोजनाएंः "विभिन्न दृष्टिकोणों का उपयोग करके कोविड–19 प्रसार के लिए सांख्यिकीय मॉडलिंग" सीएसटी–यूपी द्वारा वित्त पोषित (2022–2024,रूपये 6,80,000)।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



शोध के लिए संसाधन जुटाना

- संकाय सदस्य सक्रिय रूप से शोध पेपर प्रकाशित करते हैं और पीएच.डी छात्रों को मार्गदर्शक करते हैं।
- गूगल स्कॉलर उद्धरणः संकाय सदस्यों की सामूहिक रूप से उच्च उद्धरण संख्या और एच–इंडेक्स है।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- अनुसंधान में अनुप्रयुक्त और सैद्धांतिक सांख्यिकी, एआई और एमएल, पूर्वानुमान मॉडलिंग शामिल हैं।
- आधुनिक कम्प्यूटेशनल उपकरणों और सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- राष्ट्रीय प्रकाशनः शून्य
- अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनः 62
- कम्युनिकेशन इन स्टैटिस्टिक्स, जियोजर्नल, ओपी सर्च, हेलियोन, सॉफ्ट कंप्यूटिंग आदि पत्रिकाओं में संकाय में चयनित उल्लेखनीय प्रकाशन।

3.5 परामर्श

- भुगतान परामर्शः शून्य
- मुफ्त परामर्शः शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- सेमिनार, आमंत्रित वार्ता, पूर्व छात्रों के साथ बातचीत, पोस्टर और क्विज़ प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।

3.7 सहयोग

- समझौता ज्ञापनः शून्य
- सोसाइटी और संपादकीय मंडलों में सदस्यता के माध्यम से व्यावसायिक सहयोग।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

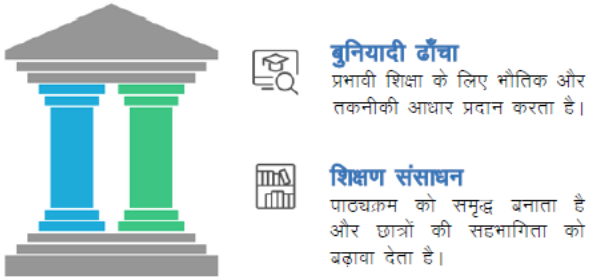

8.2 भौतिक सुविधाएं

- कंप्यूटर प्रयोगशाला (5 कंप्यूटर चालू, 15 कंप्यूटर पूरी तरह से चालू नही, 1 प्रोजेक्टर, 1 स्मार्ट बोर्ड)
- कक्षाएँ और संकाय कक्ष
- शोध अध्येता कक्ष
- विभागीय पुस्तकालय

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- छात्रों और शोध अध्येताओं के लिए विभागीय पुस्तकालय उपलब्ध है।

4.3 आईटी अवसंरचना

- प्रयोगशालाओं में कंप्यूटर, स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर।
- सांख्यिकीय गणनाओं के लिए सॉफ्टवेयर सहायता।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- नियमित रूप से अनुरक्षित कक्षाएँ, प्रयोगशालाएँ और संकाय कक्ष (उपलब्ध सुविधाओं से पता चलता है)

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- पीजी और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शन।
- शोध छात्रों के लिए फेलोशिप सहायता।
- पूर्व छात्र और प्लेसमेंट सहायता।

5.2 छात्र प्रगति

- सिविल सेवाओं, उच्च शिक्षा शिक्षण, सरकारी और निजी नौकरियों और प्रतियोगी परीक्षाओं में उपलब्धियाँ।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियां

- पूर्व छात्र बैठक, पोस्टर प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता।
- कार्यशालाओं और आमंत्रित वार्ताओं में भाग लेना।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित।
- मार्गदर्शन और सलाह के लिए पूर्व छात्रों की बातचीत।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- **मिशनः** सामाजिक योजना और कल्याण के लिए सांख्यिकीय सोच विकसित करना।
- **विजनः** सांख्यिकीय शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- अनुसंधान, प्रकाशन और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी।
- विश्लेषणात्मक और निर्णय लेने के कौशल के लिए डिज़ाइन किया गया पाठ्यक्रम।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- पेशेवर समाजों, संपादकीय बोर्डों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भागीदारी।
- स्वयं पाठ्यक्रमों के लिए मार्गदर्शन और विभागीय समन्वय।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- अनुसंधान परियोजनाओं के लिए सीएसटी–यूपी से फंडिंग प्राप्त हुई।
- विभाग शैक्षणिक और अनुसंधान संसाधनों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करता है।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- विभाग अनुसंधान पर्यवेक्षण, प्रकाशनों और छात्र उपलब्धि ट्रैकिंग के माध्यम से शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखता है।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- विभाग सांख्यिकीय शिक्षा, अनुसंधान और छात्रों के मार्गदर्शन के माध्यम से समाज में योगदान देता है।
- सामाजिक प्रभाव वाले अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित (जैसे, कोविड–19 मॉडलिंग, कृषि सांख्यिकी)।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- आमंत्रित वार्ता, पूर्व छात्रों की सहभागिता, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, आधुनिक शिक्षण उपकरणों का उपयोग और कम्प्यूटेशनल सहायता।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- अनुप्रयुक्त एवं सैद्धांतिक सांख्यिकी पर मजबूत अनुसंधान फोकस।
- व्यावसायिक समाजों और संपादकीय बोर्डों में सक्रिय संकाय।
- सिविल सेवाओं और प्लेसमेंट में छात्रों की उच्च उपलब्धि।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.4 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. सुरिंदर कुमार**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
  योग्यता: एम. एससी., पी.एच.डी.
  शिक्षण और शोध अनुभव: शिक्षण– 25 वर्ष, शोध–29 वर्ष
  विशेषज्ञता का क्षेत्र: विश्वसनीयता सिद्धांत, अनुक्रमिक परीक्षण, बायेसियन विश्लेषण।
- **डॉ. मधुलिका दुबे**
  आचार्य
  योग्यता: एम. एससी., पी.एच.डी.
  शिक्षण और शोध अनुभव: शिक्षण– 39 वर्ष, शोध–41 वर्ष
  विशेषज्ञता का क्षेत्र: अर्थमिति, बायोस्टैटिस्टिक्स/मेडिकल स्टैटिस्टिक्स, रिग्रेशन मॉडलिंग।
- **डॉ. सुभाष कुमार यादव**
  उपाचार्य
  योग्यता: एम. एससी., पी.एच.डी.
  शिक्षण और शोध अनुभव: शिक्षण– 15 वर्ष, शोध–18 वर्ष
  विशेषज्ञता का क्षेत्र: सैंपलिंग सिद्धांत, रिग्रेशन विश्लेषण, वितरण सिद्धांत, रोग मॉडलिंग।
- **डॉ. राहुल वार्ष्णेय**
  सहायक आचार्य

योग्यताः एम. एससी., एम. फिल., पी.एच.डी.
शिक्षण और शोध अनुभवः शिक्षण– 12 वर्ष, शोध–18 वर्ष
विशेषज्ञता का क्षेत्रः सैंपलिंग सिद्धांत, गणितीय प्रोग्रामिंग, अनुकूलन।

- **डॉ. अमित कुमार मिश्रा**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः एम. एससी., पी.एच.डी.
  शिक्षण और शोध अनुभवः शिक्षण– 13 वर्ष, शोध–18 वर्ष
  विशेषज्ञता का क्षेत्रः स्टोकेस्टिक ऑर्डरिंग, विश्वसनीयता सिद्धांत, रिडंडेंसी आवंटन, सैंपलिंग सिद्धांत।
- **डॉ. मीनाक्षी मिश्रा**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः एम. एससी., पी.एच.डी.
  शिक्षण और शोध अनुभवः शिक्षण– 7 वर्ष और 5 महीने, शोध–12 वर्ष
  विशेषज्ञता का क्षेत्रः सॉफ्ट–कंप्यूटिंग तकनीकें (।छछ, फजी लीनियर रिग्रेशन), लीनियर और नॉन–लीनियर रिग्रेशन विश्लेषण, महत्वपूर्ण सांख्यिकी, टाइम सीरीज़ विश्लेषण।
- **डॉ. प्रयास शर्मा**
  सहायक आचार्य
  योग्यताः एम. एससी., पी.एच.डी.
  शिक्षण और शोध अनुभवः शिक्षण– 9 वर्ष, शोध–11 वर्ष
  विशेषज्ञता का क्षेत्रः सैंपलिंग, प्रेडिक्टिव मॉडलिंग, ।प और डस, अनुप्रयुक्त सांख्यिकी।

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

आचार्य सुरिंदर कुमार

- आजीवन सदस्य, भारतीय सांख्यिकी संघ (JISA), पुणे।
- आजीवन सदस्य, भारतीय संभाव्यता एवं सांख्यिकी सोसायटी (आईएसपीएस)।
- आजीवन सदस्य, भारतीय कृषि सांख्यिकी सोसायटी (आईसीएआर)।
- आजीवन सदस्य, भारतीय विश्वसनीयता एवं सांख्यिकी एसोसिएशन (आईएआरएस)।
- आजीवन सदस्य, केरल सांख्यिकी एसोसिएशन (केएसए)।
- आजीवन सदस्य, भारतीय चिकित्सा सांख्यिकी सोसायटी।
- सदस्य शासी निकाय, अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और विकास अध्ययन संस्थान (आईएएसडीएस), लखनऊ, 2015–2018।
- विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग विभाग, यूआईईटी, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- निदेशक, आवासीय कोचिंग अकादमी (आरसीए), यूजीसी स्वीकृत, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, डीआरसी सदस्य, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, बीपीजीएस सदस्य, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्ययन मंडल सदस्य, भौतिकी एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- आरडीसीयू सदस्य, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- बीपीजीएस सदस्य, सांख्यिकी विभाग, बीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
- डीआरसी सदस्य, गणित विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

- डीआरसी सदस्य, ग्रामीण प्रबंधन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, फर्नीचर खरीद समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अध्यक्ष, छात्र शिकायत समिति, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डीआरसी सदस्य, सांख्यिकी विभाग, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ।

डॉ. मधुलिका दुबे

- समन्वयक, अंतर्राष्ट्रीय मामलों का कार्यालय, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ 2019 से आज तक।
- विषय विशेषज्ञ, सांख्यिकी अध्ययन मंडल, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर (2025–2027)।
- बाहरी सदस्य, पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज इन स्टैटिस्टिक्स, गणित और सांख्यिकी विभाग, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा (2023–2025)।
- मानद सलाहकार एवं विशेषज्ञ, संस्थागत अनुसंधान एवं विकास समिति, सरस्वती डेंटल कॉलेज, लखनऊ (2020–आज तक)।

डॉ. सुभाष कुमार यादव

- भारतीय विज्ञान कांग्रेसः सदस्यता संख्या एल14913।
- भारतीय गणित और गणितीय विज्ञान सोसायटीः सदस्यता संख्या 270।
- आजीवन सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय भौतिक विज्ञान अकादमी।
- अंतर्राष्ट्रीय भारतीय सांख्यिकी संघः आईएन–00–2728।
- भारतीय कृषि सांख्यिकी सोसायटीः एनएलएम/23–24।
- भारतीय चिकित्सा सांख्यिकी सोसायटीः 202334/एलएम।
- सांख्यिकी, कंप्यूटर और अनुप्रयोग सोसायटीः आईएम 20230494।
- आजीवन सदस्य, भारतीय संभाव्यता एवं सांख्यिकी सोसायटी।
- सदस्य, डीआरसी, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- बीपीजीएस, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, भौतिकी एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, आरडीसीयू, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

डॉ. राहुल वार्ष्णेय

- सहायक आचार्य, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- अनुसंधान सह सांख्यिकी अधिकारी, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- वार्डेन, कनिष्क पुरूष छात्रावास, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- संयोजक, सीआईआईई, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, सीआईआईई, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, एक भारत श्रेष्ठ भारत, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सहायक कुलानुशासक, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, डीआरसी, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, डीएसी, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, डीआरसी, यूजी एवं पीजी प्रवेश समिति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, आरएसी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, आरएसी, सांख्यिकी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- आजीवन सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय भारतीय सांख्यिकी संघ (आईआईएसए)।
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स (आईएसपीएस) के आजीवन सदस्य (आईडीः एलएम/2010/49/833)।
- आजीवन सदस्य, केरल सांख्यिकी एसोसिएशन।

- आजीवन सदस्य, ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (ओआरएसआई) (आईडीः1128 / आर / 15 / एमएल)।
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स।

डॉ. अमित कुमार मिश्रा

- 'भारतीय एक्चुअरीज संस्थान' के छात्र सदस्य।
- आजीवन सदस्य, 'इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स' के आजीवन सदस्य।
- आजीवन सदस्य, 'भारतीय विज्ञान कांग्रेस'।
- आजीवन सदस्य, 'इंडियन बायेसियन सोसाइटी'।
- सदस्य, छात्र शिकायत समिति, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय परिषद, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय खरीद समिति, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, विभागीय आईक्यूएसी, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विभागीय समन्वयक, पूर्व छात्र प्रकोष्ठ, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विभागीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट समन्वयक, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- स्वयंम पाठ्यक्रमों के लिए समन्वयक और सलाहकार, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बीपीजीएस, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

डॉ. मिनाक्षी मिश्रा

- सहायक आचार्य, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, भारत (स्थायी)।
- अतिथि व्याख्याता, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्याल, जबलपुर, मध्य प्रदेश, भारत (संविदात्मक)।
- ऑब्जर्वर, सीबीएसई, नई दिल्ली, भारत द्वारा सीटीईटी परीक्षा 2021।
- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा नामित केवीएस शिक्षक साक्षात्कार बोर्ड 2023 के सदस्य।
- एनटीए, नई दिल्ली, भारत में मई 2025 में सामान्य योग्यता परीक्षा प्रश्न पत्र की जांच / मॉडरेशन के लिए नामांकित।
- 21 जनवरी, 2025 से 20 दिसंबर, 2027 तक दो साल की अवधि के लिए संघमित्रा महिला छात्रावास की प्रशासनिक वार्डेन, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, आरडीसीयू (2024–2026), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बीपीजीएस (2025–2027), सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, डीएसी, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, आरएसी, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, डीपीसी, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

- विभागीय परिषद के सदस्य, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विभागीय सांस्कृतिक एवं खेल समन्वयक, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- विभिन्न विश्वविद्यालयों में बाह्य पेपर सेटर (2023– आज तक)।
- एमिटी विश्वविद्यालय, शकुंतला विश्वविद्यालय में सांख्यिकी विभाग के यूजी और पीजी छात्रों के बाहरी परीक्षक।

डॉ. प्रयास शर्मा

- सहायक आचार्य, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सहायक आचार्य, भारतीय प्रबंधन संस्थान सिरमौर (स्थायी), हिमांचल प्रदेश, भारत।
- सहायक आचार्य, गति शक्ति विश्वविद्यालय, वडोदरा, भारत (स्थायी)।
- सहायक आचार्य, यूपीईएस, देहरादून, भारत।
- आजीवन सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय भारतीय सांख्यिकी संघ (आईआईएसए)।
- आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स (आईएसपीएस)–एलएम/37/1497/2023।
- एपिडेमियोलॉजी फाउंडेशन ऑफ इंडिया (एलएम–01753) के आजीवन सदस्य
- जीआईएएन कार्यक्रम के समीक्षक, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पर्यवेक्षक, एनईईटी, यूजीसी–सीएसआईआर नेट–जेआरएफ, आईआईटी आदि।
- सदस्य, आरडीसीयू (2024–2026), बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सहायक कुलानुशासक, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ (2025–आज तक)।
- सदस्य, बीपीजीएस, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ (2025–2027)।
- सदस्य, डीआरसी, सांख्यिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ (2024–2026)।
- विभागीय सदस्य, डीएसी।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

डॉ. सुरिंदर कुमार

- एस. कुमार, आर. शुक्ला, बी. मीना और एस. पी. सिंह द्वारा लिखित ''लेव्रेजिंग रैंक सेट सैंपलिंग फॉर इनहैन्स्ड स्ट्रेस–स्ट्रेंथ एस्टिमेशन इन द कांटेक्स्ट ऑफ नाकागामी डिस्ट्रीब्यूशन'' शीर्षक वाला पेपर, रिलायबिलिटीः थ्योरी एंड एप्लीकेशंस जर्नल, 20(1(82), 500–514 में आईएसएसएनः 1932–2321/2025 के साथ प्रकाशित।
- एस. कुमार, बी. मीना, आर. शुक्ला और एस. पी. सिंह द्वारा लिखित ''स्ट्रेस–स्ट्रेंथ मॉडलिंग;रैंक सेट एण्ड सिंपल रैंडम सैंपलिंग जनरलाइज्ड इनवर्स वीबुल एनालिसिस'' नामक पेपर शीर्षक, जर्नल रिलायबिलिटीः थ्योरी एंड एप्लीकेशंस जर्नल, 20(1(82)), 67–79, आईएसएसएनः 1932–2321/2025 के साथ प्रकाशित।
- एस. कुमार, एस. पी. सिंह, बी. मीना और आर. शुक्ला द्वारा लिखित ''लेंथ–बायस्ड डिस्ट्रीब्यूशन फॉर फैमिली ऑफ लाइफ–टाइम–टेस्टिंग मॉडल्स एण्ड इट्स प्रापर्टीज'' शीर्षक वाला पेपर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन मैथमेटिकल एंड स्टैटिस्टिकल साइंसेज जर्नल, वॉल्यूम 11 अंक 03 पेज 06–13 में आईएसएसएनः –2348–4519/2024 के साथ प्रकाशित।

- एस. पी. सिंह, एस. कुमार, एन. सी. कबडवाल द्वारा लिखित ''द लेंथ–बायस्ड वेटेड विल्सन हिल्फर्टी डिस्ट्रीब्यूशन एण्ड इट्स अप्लीकेशन्स'' शीर्षक वाला पेपर, रिलायबिलिटीः थ्योरी एंड एप्लीकेशंस जर्नल, 19(2(78)), 232–246 में आईएसएसएनः 1932–2321 / 2024 के साथ प्रकाशित।

डॉ. मधुलिका दुबे

- त्रिवेदी, आर. और दुबे, एम. द्वारा लिखित ''मॉडिफाइड टोप्सिस मॉडल एनहैन्स्ड बाइ शैनन शॅनन'स एंटरोपी वेटिंग फॉर इवॉल्यूयेटिंग एग्रेरियन एड्वान्स्मेंट एक्रॉस मल्टिफेरियस इंडियन स्टेट्स (2025)'' शीर्षक वाला पेपर, जियोजर्नल जर्नल (स्प्रिंगर नेचर), 90:75 में प्रकाशित https://doi.org/10.1007/s10708-025-11321-9. इम्पैक्ट फैक्टर 2.5।

डॉ. सुभाष कुमार यादव

- ज़ागन, ए.ए., शर्मा, डी.के., महनाशी, ए.एम., मीतेई, एम.जेड., यादव, एस.के., शर्मा, ए. और शर्मा, पी. द्वारा लिखित ''ऑप्टिमल स्ट्रैटजी फॉर इंप्रूव्ड एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन मीन ऑफ सेन्सिटिव वेरियबल यूज़िंग नॉन-सेन्सिटिव ऑक्शीलियरी वेरियबल'' शीर्षक वाला पेपर जर्नल ऑफ़ बिग डेटा, 12, 108, DOI: 10.1186/s40537-024-01045-x में आईएसएसएनः 2196–1115 / 2025 के साथ प्रकाशित।
- यादव, एस.के., मेहरा, एम., मिश्रा, एच.आर. और अख्तर, वाई. द्वारा लिखित इंटरप्रेटिंग द कोविड–19 इन्फेक्शन डाटा ऑफ इंडियन प्रॉविन्सेस फॉर अल्फा, डेल्टा, एण्ड ओमिक्रॉन वेरियंट्स यूज़िंग एरिमा एण्ड मशीन लर्निंग'' शीर्षक वाला पेपर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोमैथमैटिक्स, https://doi.org/10.1142/S1793524525500135 में आईएसएसएनः 1793–7159 / 2025 के साथ प्रकाशित हुआ।
- वर्मा, एम.के., यादव, एस.के., वार्ष्णेय, वी. और विश्वकर्मा, जी.के. द्वारा लिखित ''कंप्युटेशन स्ट्रैटजी फॉर पॉप्युलेशन मीन इन स्ट्रेटिफाइड रैंडम सैंपलिंगः ए प्राब्लम ऑफ बजट कन्स्ट्रेंट'' शीर्षक वाला पेपर स्टैटिस्टिकल जर्नल ऑफ़ द आईएओएस, DOI: 10.1177/18747655251335756 में आईएसएसएनः 1874–7655 के साथ 2025 में प्रकाशित।
- यादव, एस.के., विश्वकर्मा, जी.के. और सिंह, ए. द्वारा लिखित ''एफीशियेंट सेरल्स प्रिडिक्टिव एस्टिमेटर्स फॉर द कंप्युटेशन ऑफ मीन अंडर रैंक्ड सेट सैंपलिंगः एन अप्लिकेशन टू कोविद-19 डाटा'' शीर्षक वाला पेपर द्वारा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जर्नल, DOI:10.1007/s13198-024-02673-5 आईएसएसएनः 0976–4348 / 2025 के साथ प्रकाशित।
- वर्मा, एम.के., यादव, एस.के., वार्ष्णेय, आर. और विश्वकर्मा, जी.के. द्वारा लिखित ''इंप्रूव्ड ''एस्टिमेशन स्ट्रैटजी ऑफ मीन यूज़िंग लीनीयर कॉस्ट फंक्शन अंडर स्ट्रेटिफाइड सैंपलिंग'' शीर्षक वाला पेपर क्वालिटी एंड क्वांटिटी जर्नल में DOI: 10.1007/s11135-024-02021-6 आईएसएसएनः 1573–7845 / 2025 के साथ प्रकाशित।
- यादव, वी.के., प्रसाद, एस. और यादव, एस.के. द्वारा लिखित ''जेनरलाइज़्ड फैक्टर–टाइप एक्स्पोनेन्शियल एस्टिमेटर्स ऑफ पॉप्युलेशन मीन इन सैंपल सर्वेस'' शीर्षक वाला पेपर बोलेटिम दा सोसाइडेड परानान्से डे मैथमेटिका, 43, 1–23 में DOI:10.5269/bspm.66504, आईएसएसएनः 2175–1188 / 2025 के साथ प्रकाशित
- यादव, एस.के., विश्वकर्मा, जी.के. और शर्मा, डी.के. द्वारा लिखित ''ए कंप्युटेशनल स्ट्रैटजी फॉर एस्टिमेशन ऑफ मीन यूज़िंग ऑप्टिमल इंप्युटेशन इन प्रेज़ेन्स ऑफ मिस्सिंग आब्ज़र्वेशन'' शीर्षक वाला पेपर साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 14, 6433 में, DOI: 10.1038/s41598-024-57264-y आईएसएसएनः 2045–2322 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- शर्मा, आर., सिंह, एल., यादव, एस.के., कुमार, एम. और कुमार, ए. द्वारा लिखित ''एन एफीशियेंट रेशियो एस्टिमकटर ऑफ पॉप्युलेशन मीन फॉर सिंपल रैंडम सैंपलिंग'' शीर्षक वाला पेपर जर्नल ऑफ़ माउंटेन रिसर्च, 19(2), 443–454 में आईएसएसएनः 2582–5011 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- शर्मा, आर., सिंह, एल., यादव, एस.के. और कुमार, एस. द्वारा लिखित ''एन इनहैन्स्ड एक्स्पोनेन्शियल ड्युयल टू रेशियो–कम–प्रोडक्ट टाइप एस्टिमेटर ऑफ पॉप्युलेशन मीन अंडर स्ट्रैटिफाइड रैंडम

सैंपलिंग'' शीर्षक वाला पेपर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एंड स्टैटिस्टिकल साइंसेज, 20(2), 575–586 में आईएसएसएनः 0976–3392 / 2024 के साथ प्रकाशित।

- मलिक, डी., सिंह, एल., शर्मा, आर., यादव, एस.के. और कुमार, एम. द्वारा लिखित ''ए न्यू जेनरलाइज्ड एस्टिमेटर ऑफ पॉप्युलेशन मीन यूटिलाइज़िंग ऑक्शीलियरी पैरामीटर्स'' शीर्षक वाला पेपर जर्नल ऑफ माउंटेन रिसर्च, 19(1), 319–327 में आईएसएसएनः 2582–5011 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- ज़ागन, ए.ए., वर्मा, एम.के., महनाशी, ए.एम., यादव, एस.के., अहमदीनी, ए.ए.एच., मीतेई, एम.जेड. और वार्ष्णेय, आर. द्वारा लिखित ''एन इफेक्टिव एण्ड इकोनामिक एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन मीन इन स्ट्रैटिफाइड रैंडम सैंपलिंग यूज़िंग ए लीनीयर कॉस्ट फंक्शन'' शीर्षक वाला पेपर हेलियन, 10 (2024) ई31291 में आईएसएसएनः 2405–8440 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- यादव, एस.के. और शर्मा, डी.के. द्वारा लिखित ''इंट्रोड्यूसिंग न्यू ऑप्टिमल क्लास ऑफ सेरल्स एस्टिमेटर्स ऑफ पॉप्युलेशन मीन यूज़िंग पॉवर्ड ऑक्शीलियरी पैरामीटर्स'' शीर्षक वाला पेपर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 49(3), 311–325 में आईएसएसएनः 1745–7653 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- सिंह, एल., मलिक, डी., कुमार, एम. और यादव, एस.के. द्वारा लिखित ''रिफाइंड बैच ऑफ एस्टिमेटर्स फॉर एस्टीमेटिंग पॉप्युलेशन मीन विथ द हेल्प ऑफ नॉन ऑक्शीलियरी पैरामीटर्स'' शीर्षक वाला पेपर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एंड स्टैटिस्टिकल साइंसेज, 20(1), 299–307 में आईएसएसएनः 0976–3392 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- ज़ागन, ए.ए., मीतेई, एम.जेड., सिंह, एस., गुप्ता, आर., यादव, एस.के. और वर्मा, एम.के. द्वारा लिखित ''कंप्यूटिंग द पॉप्युलेशन मीन इन स्ट्रैटिफाइड सैंपलिंग यूज़िंग एन ऑक्शीलियरी एट्रिब्यूट'' शीर्षक वाला पेपर, जर्नल ऑफ़ ऑटोनॉमस इंटेलिजेंस, 7(5), 12–21 में आईएसएसएनः 2630–5046 / 2025 के साथ प्रकाशित।
- शम्स तबरेज़ एट अल. द्वारा लिखित ''लेशमैनिया डोनोवानी मॉड्यूलेट्स मैक्रोफेज लिपिडोम ड्यूरिंग इन्फेक्शन'' शीर्षक वाला पेपर, पैरासाइट इम्यूनोलॉजी जर्नल, 46: ई13066, https://doi.org/10.1111/pim.13066 में आईएसएसएनः 1365–3024 / 2025 के साथ प्रकाशित।
- वर्मा, एन.के., यादव, एस.के. और वर्मा, एम.के. द्वारा लिखित ''एक्सप्लोरिंग ऑनलाइन कम्यूनिटी सर्च इंटेरेस्ट ऑन टेंपोरल डाइनेमिक्स ऑफ अयोध्याः ए केस स्टडी ऑफ द राम मंदिर बेस्ड ऑन गूगल सर्च ट्रेंड्स इनसाइट'' शीर्षक वाला पेपर एनल्स ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन स्टडीज़ जर्नल, 71, 331–340, DOI: 10.56042/alis. v71i3.10117 में आईएसएसएनः 0972–5423 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- सिंह, वी., वर्मा, एम.आर. और यादव, एस.के. द्वारा लिखित ''प्रिडिक्टिव मॉडलिंग फॉर शुगरकेन प्रोडक्शनः ए कमप्रेहेन्सिव कंपेरिज़न ऑफ एरिमा एण्ड मशीन लर्निंग एल्गोरिदम्स'' शीर्षक वाला पेपर एप्लाइड बायोलॉजिकल रिसर्च जर्नल, 26(1), 173–183 में आईएसएसएनः 0974–4517 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- यादव, एस.के., वर्मा, एम.के. और वार्ष्णेय, आर. द्वारा लिखित ''ऑप्टिमल स्ट्रैटजी फॉर एलिवेटेड एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन मीन इन स्ट्रैटिफाइड रैंडम सैंपलिंग अंडर लीनीयर कॉस्ट फंक्शन'' शीर्षक वाला पेपर एनल्स ऑफ़ डेटा साइंस जर्नल में DOI: 10.1007/s40745-024-00520-9 के साथ आईएसएसएनः 2198–5804 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- पाल, ए., वार्ष्णेय, आर., यादव, एस.के. और ज़मान, टी. द्वारा लिखित ''इंप्रूव्ड मेमोरी–टाइप रेशियो एस्टिमेटर फॉर पॉप्युलेशन मीन इन स्ट्रैटिफाइड रैंडम सैंपलिंग अंडर लीनीयर एण्ड नॉन–लीनीयर कॉस्ट फंक्शन्स'' शीर्षक वाला पेपर सॉफ्ट कंप्यूटिंग जर्नल में DOI: 10.1007/s00500-023-09598-4 के साथ आईएसएसएनः 1433–7479 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- यादव, एस.के., आर्य, डी., कोक, टी. और ज़मान, टी. द्वारा लिखित ''एन एफीशियेंट फैमिली ऑफ रेशियो टाइप एस्टिमेटर्स फॉर सिंपल रैंडम सैंपलिंग'' शीर्षक वाला पेपर जर्नल ऑफ़ साइंस एंड आर्ट्स, 24(1), 69–94 में आईएसएसएनः 2068–3049 / 2024 के साथ प्रकाशित।

डॉ. राहुल वार्ष्णेय

- गुप्ता, एस., हक, ए. और वार्ष्णेय, आर. द्वारा लिखित ''प्राब्लम ऑफ कंप्रोमाइज़ अलोकेशन इन मल्टिवेरीयेट स्ट्रैटिफाइड सैंपलिंग यूज़िंग इनटुटीओनीस्टिक फ़ज़ी प्रोग्रामिंग'' शीर्षक वाला पेपर,एनल्स ऑफ़ डेटा साइंस जर्नल, 11, 425–444 में प्रकाशित https://doi.org/10.1007/s40745-022-00410-y
- ज़गन, एए, वर्मा, एमके, महनाशी, एएम, यादव, एसके, अहमदिनी, एएएच, मीतेई, एमजेड और वार्ष्णेय, आर द्वारा लिखित ''एन इफेक्टिव एण्ड इकोनामिक एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन मीन इन स्ट्रैटिफाइड रैंडम सैंपलिंग यूज़िंग ए लीनीयर कॉस्ट फंक्शन'' शीर्षक वाला पेपर, हेलियोन, 10 (2024) ई31291 जर्नल में आईएसएसएनः 2405–8440 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- पाल, ए., वार्ष्णेय, आर., यादव, एस.के. और ज़मान, टी. द्वारा लिखित ''इंप्रूव्ड मेमोरी–टाइप रेशियो एस्टिमेटर फॉर पॉप्युलेशन मीन इन स्ट्रैटिफाइड रैंडम सैंपलिंग अंडर लीनीयर एण्ड नॉन–लीनीयर कॉस्ट फंक्शन्स'' शीर्षक वाला पेपर सॉफ्ट कंप्यूटिंग जर्नल में DOI: 10.1007/s00500-023-09598-4 के साथ आईएसएसएनः 1433–7479 / 2024 के साथ प्रकाशित।
- यादव, एस.के., वर्मा, एम.के. और वार्ष्णेय, आर. द्वारा लिखित ''ऑप्टिमल स्ट्रैटजी फॉर एलिवेटेड एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन मीन इन स्ट्रैटिफाइड रैंडम सैंपलिंग अंडर लीनीयर कॉस्ट फंक्शन'' शीर्षक वाला पेपर एनल्स ऑफ़ डेटा साइंस जर्नल में DOI: 10.1007/s40745-024-00520-9 के साथ आईएसएसएनः 2198–5804 / 2024 के साथ प्रकाशित।

डॉ. अमित कुमार मिश्रा

- कुमार, एस., कुमार, ए., मिश्रा, ए.के., किशुन, जे., और सिंह, यू. द्वारा लिखित ''एड्जस्टमेंट ऑफ ट्रंकेशन इफेक्ट इन फर्स्ट बर्थ इंटर्वल यूज़िंग करेंट स्टेटस डाटा टेक्नीक'' शीर्षक वाला पेपर, जर्नल ऑफ बायोस्टैटिस्टिक्स एंड एपिडेमियोलॉजी, 10(2), 192–208 में प्रकाशित। https://doi.org/10.18502/jbe.v10i2.17644 /2024.

डॉ. मिनाक्षी मिश्रा

- राना, एल., बनर्जी, एच., मिश्रा, एम., राजपूत, जे. और कुमार, एन. द्वारा लिखित ''ए स्टडी ऑफ द फजी लीनियर रिग्रेशन मॉडल एण्ड द लीस्ट स्क्वेयर अप्रोच फॉर डिपिक्टिंग द एसोसियेशन बिट्वीन पोटैटो (सोलनम ट्यूबरोसम एल.) यील्ड एण्ड ग्रोथ एट्रिब्युटिंग कैरेक्टर्स'' शीर्षक वाला पेपर, एडवांसेज इन एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी एंड प्लांट साइंसेज, 7(1): 180100 / 2024 पत्रिका में प्रकाशित।
- मिश्रा, एम. और कुमार, ए. द्वारा लिखित ''अप्लिकेशन ऑफ जीएमडीएच–टाइप एएनएन मॉडल फॉर प्रिडिक्शन ऑफ टोटल फर्टिलिटी रेटः ए केस स्टडी ऑफ इंडिया'' शीर्षक वाला पेपर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, 46: 12–24 / 2025 में प्रकाशित।
- यादव, एम., मिश्रा, एम., श्रीवास्तव, आर. और जायसवाल, एन. द्वारा लिखित ''इंपैक्ट ऑफ हेल्मिंथ पैरासाइट ऑन लेंग्थ एण्ड वेट रिलेशनशिप इन कैटफ़िश हेटेरोपनेस्टस फॉसिलिस (ब्लोच, 1794) ऑफ गोमती रिवर, लखनऊ'' शीर्षक वाला पेपर, जर्नल ऑफ पैरासिटिक डिजीज़, 49: 524–532 / 2025 में प्रकाशित।

डॉ. प्रयास शर्मा

- शर्मा, पी., पूसा, एन., कुमारी, एम., और सिंह, पी. द्वारा लिखित ''बैलेन्सिंग एक्युरेसी एण्ड कॉस्टः ए न्यू एस्टिमेटर फॉर स्ट्रैटिफाइड रैंडम सैंपलिंग'' शीर्षक वाला पेपर, कम्युनिकेशंस इन स्टैटिस्टिक्स–सिमुलेशन एंड कंप्यूटेशन जर्नल, 1–17 पत्रिका में प्रकाशित। https://doi.org/10.1080/03610918.2025.2552216 (एससीआईई, इम्पैक्ट फैक्टर–1.2, क्यू2) / 2025।

- शर्मा, पी., सिंह, पी. और कुमारी, एम. द्वारा लिखित ''एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन वेरियन्स यूज़िंग ईडब्ल्यूएमए इन सिंपल रैंडम सैंपलिंग'' शीर्षक वाला पेपर क्वाल क्वांट पत्रिका में प्रकाशित https://doi.org/10.1007/s11135-025-02392-4 (क्यू1) / 2025।
- शर्मा, पी., कुमारी, एम. और सिंह, पी. द्वारा लिखित ''एडवांसिंग स्ट्रेटिफाइड सैंपलिंगः ऑप्टिमाइज्ड मीन एस्टीमेशन वाया लीनियर कॉस्ट स्ट्रक्चर्स'' शीर्षक वाला पेपर जर्नल जे स्टेट थ्योरी प्रैक्टि 19 (55) में प्रकाशित। https://doi.org/10.1007/s42519-025-00470-2/2025
- सिंह, पी., मौर्य, पी., और शर्मा, पी. द्वारा लिखित ''एनहैन्स्ड एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन मीन वाइया एक्स्पोनेन्शियल–टाइप एस्टिमेटर यूज़िंग ड्युयल ऑक्शीलियरी इनपुट्स'' शीर्षक वाला पेपर, एप्लाइड मैथमेटिक्स इन साइंस एंड इंजीनियरिंग, 33(1) पत्रिका में प्रकाशित। https://doi.org/10.1080/27690911.2025.2554121 (एससीआईई, क्यू1, इम्पैक्ट फैक्टर–2.5)।
- सिंह, पी., शर्मा, पी., सिंह, ए., और कुमारी, ए द्वारा लिखित ''मॉडर्न टेक्नीक्स इन वेरियन्स एस्टिमेशन विथ ऑक्शीलियरी इन्फार्मेशनः एल्गोरिथमिक पर्स्पेक्टिव'' शीर्षक वाला पेपर, अरब जर्नल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज, 32(1), 304–319 पत्रिका में प्रकाशित। https://doi.org/10.1080/25765299.2025.2546205./2025
- पूनम सिंह, प्रयास शर्मा, अंजलि सिंह, तोल्गा ज़मान, वालिद इमाम द्वारा लिखित ''लांग–ट्रॉन्सफॉर्म्ड अप्रोचेस टू वेरियन्स एस्टिमेशन यूज़िंग ऑक्शीलियरी डाटा'' शीर्षक वाला पेपर जर्नल ऑफ रेडिएशन रिसर्च एंड एप्लाइड साइंसेज, 18(4), 101913, आईएसएसएन 1687–8507 में प्रकाशित, https://doi.org/10.1016/j.jrras.2025.101913./2025
- कुमारी, एम., शर्मा, पी., और सिंह, पी. द्वारा लिखित ''वेरियन्स एस्टिमेशन टेक्नीक्स इन टाइम स्केल सर्वे यूज़िंग ड्युयल ऑक्शीलियरी वेरियबल्सः मैथमेटिकल एण्ड सिम्युलेशन अप्रोच'' शीर्षक वाला पेपर REVSTAT–सांख्यिकीय जर्नल में प्रकाशित। https://revstat.ine.pt/index.php/REVSTAT/article/view/922 /2025
- शर्मा, पी., लता, ए., यादव, एस. के., और नूर–उल–अमीन, एम. द्वारा लिखित ''फैमिली ऑफ एस्टिमेटर्स फॉर एस्टीमेटिंग पॉप्युलेशन मीडियन यूज़िंग ऑक्शीलियरी इन्फार्मेशन इन सर्वे सैंपलिंग'' शीर्षक वाला पेपर, जर्नल ऑफ़ रिलायबिलिटी एंड स्टैटिस्टिकल स्टडीज़, 18(02), 343–370 में प्रकाशित, https://doi.org/10.13052/jrss0974-8024.1824 /2025
- शर्मा, पी., और कुमारी, एम. द्वारा लिखित '' वेरियन्स एस्टिमेशन यूज़िंग बर्नोली ऑक्शीलियरी वेरियबल फॉर टाइम–स्केल्ड सर्वे'' शीर्षक वाला पेपर, हैकेटपे जर्नल ऑफ़ मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, 54(2), 779–796 में प्रकाशित, https://doi.org/10.15672/hujms.1580875 /2025
- शर्मा, पी., कामथान, वी., सिंह, ए. एट अल. द्वारा लिखित ''ऑप्टिमाइज़िंग सप्लाइ चेन ऑफ एवियेशन आर्म ऑफ डिफेन्स सर्विसः हारनेस्सिंग प्रिडिक्टिव अनलायटिक्स फॉर एनहैन्स्ड स्पेयर फोरकॉस्टिंग एक्युरेसी'' शीर्षक वाला पेपर, जर्नल इंट जे सिस्ट एश्योर इंजी मैनेज में प्रकाशित, https://doi.org/10.1007/s13198-025-02860-y/2025
- सिंह, पी., सिंह, ए. और शर्मा, पी. द्वारा लिखित ''ए न्यू क्लास ऑफ लॉगरिदमिक एस्टिमेटर्स यूज़िंग सबसिडियरी इन्फार्मेशनः रियल–वर्ल्ड अप्लिकेशन्स एण्ड सिम्युलेशन इनसाइट्स'' शीर्षक वाला पेपर, सांख्या जर्नल बी 87, 319–345 में प्रकाशित, https://doi.org/10.1007/s13571-025-00356-0 /2025
- सिंह, पी., मौर्य, पी. और शर्मा, पी. द्वारा लिखित ''एड्रेसिंग नॉन–रिस्पॉन्स एण्ड मीजरमैंट एरर्स इन टाइम–स्केल्ड सर्वेस'' शीर्षक वाला पेपर, डिस्कवर एप्लायड साइंस जर्नल 7, 374 में प्रकाशित, https://doi.org/10.1007/s42452-025-06676-0/2025

- सिंह, पी., शर्मा, पी., और सिंह, ए. द्वारा लिखित ''एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन मीन यूज़िंग जेनरलाइज्ड न्यूट्रोसोफिक एक्सपोनेंशियल एस्टिमेटर्स'' शीर्षक वाला पेपर रिसर्च इन मैथमेटिक्स जर्नल, 12(1) में प्रकाशित, https://doi.org/10.1080/27684830.2025.2474774 /2025
- कुमारी, एम., शर्मा, पी., सिंह, पी., और ओज़ेल, जी. द्वारा लिखित ''इनहैन्स्ड मीन एस्टिमेशन यूज़िंग मेमोरी टाइप एस्टिमेटर्स विथ ड्युयल ऑक्शीलियरी वेरियबल्स'' शीर्षक वाला पेपर, REVSTAT–सांख्यिकीय जर्नल में प्रकाशित, https://doi.org/10.57805/revstat.vi.892/2025
- शर्मा, प्रयास, कुमार, आशीष, अफुल, बेनेडिक्ट, अग्रवाल, भारती, कुमार, गोपाल द्वारा लिखित ''ए स्टैटिस्टिकल न्यूट्रोसोफिक एनॉलिसिस टू मीजर व्हाट्सएप अफेक्ट इन इंप्रूविंग द एकेडेमिक परफार्मेन्स'' शीर्षक वाला पेपर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ न्यूट्रोसोफिक साइंस, 26(3), 366–377 में प्रकाशित, DOI: https://doi.org/10.54216/IJNS.260327/2025
- सिंह, आर., यादव, एस. के., और शर्मा, पी. द्वारा लिखित ''ऑलमोस्ट अनबायस्ड एस्टिमेटर फॉर अननोन पॉप्युलेशन मीडियन यूज़िंग ऑक्शीलियरी इन्फार्मेशन'' शीर्षक वाला पेपर जर्नल पाक जे. स्टैटिस्ट, में प्रकाशित 41(2), 139–150. / 2025।
- सिंह, अंजलि, सिंह, पूनम, शर्मा, प्रयास और अलोराइनी, बद्र द्वारा लिखित ''एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन मीन यूज़िंग न्यूट्रोसोफिक एक्सपोनेंशियल एस्टिमेटर्स विथ अप्लिकेशन टू रियल डाटा'' शीर्षक वाला पेपर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ न्यूट्रोसोफिक साइंस, 25(3), 322–338 में प्रकाशित, DOI: https://doi.org/10.54216/IJNS.250329/2025
- सिंह, पी., शर्मा, पी., और मौर्य, पी. द्वारा लिखित ''इनहैन्सिंग एक्युरेसी इन पॉप्युलेशन मीन एस्टिमेशन विथ एड्वॉन्स्ड मेमोरी टाइप एक्स्पोनेन्शियल एस्टिमेटर्स'' शीर्षक वाला पेपर, जर्नल ऑफ़ रिलायबिलिटी एंड स्टैटिस्टिकल स्टडीज़, 17(02), 417–434 में प्रकाशित, https://doi.org/10.13052/jrss0974-8024.1728 /2025
- सिंह, पी., शर्मा, पी., सिंह, आर., अलोराइनी, बी., और अख्तर, ए. द्वारा लिखित ''ऑप्टिमाइज़िंग पॉप्युलेशन मीन एस्टिमेशन इन स्ट्रैटिफाइड सैपलिंग यूज़िंग लीनीयर कॉस्टः ए सिम्युलेशन स्टडी'' शीर्षक वाला पेपर, हेलियन, 10(24), ई40878 में प्रकाशित, https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2024.e40878/2024
- शर्मा, पी., सिंह, पी., कुमारी, एम. एट अल. द्वारा ''एस्टिमेशन प्रोसीजर्स फॉर पॉप्युलेशन मीन यूज़िंग ईडब्लूएमए फॉर टाइम स्केल्ड सर्वे टाइम स्केल्ड सर्वे'' शीर्षक वाला पेपर, सांख्य बी जर्नल में प्रकाशित, https://doi.org/10.1007/s13571-024-00347-7 /2024
- ज़मान, टी., इफ्तिखार, एस., सोज़ेन, सी., और शर्मा, पी. द्वारा ''ए न्यू लॉगरिदमिक टाइप एस्टिमेटर्स फॉर एनॉलिसिस ऑफ नंबर ऑफ आफ्टरशॉक्स यूज़िंग पॉइसन डिस्ट्रिब्यूशन'' शीर्षक वाला पेपर, जर्नल ऑफ़ साइंस एंड आर्ट्स, 24(4), 833–842 / 2024 में प्रकाशित।
- सनाउल्लाह, ए. चौधरी, ए.एम., हनीफ़, एम. और शर्मा, पी. द्वारा ''ईडब्लूएमए कंट्रोल चार्ट्स बेस्ड ऑन रोबस्ट एस्टिमेटर्सः ए पावरफुल टूल फॉर मॉनिटरिंग ए प्रोसेस विथ ए नॉन–नॉर्मल डिस्ट्रिब्यूशन'' शीर्षक वाला पेपर, जर्नल ऑफ़ कम्प्यूटेशनल एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स, वॉल्यूम 449, 115919, आईएसएसएन 0377–0427 में प्रकाशित, https://doi.org/10.1016/j.cam.2024.115919 /2024
- सनाउल्लाह, ए., हुसैन, ए. और शर्मा, पी. द्वारा ''एनहैन्सिंग प्रोसेस मीन मॉनिटरिंग एफीशियेन्सी यूज़िंग एक्सटेंडेड– ईडब्लूएमए कंट्रोल चार्ट विथ ऑक्शीलियरी इन्फार्मेशन'' शीर्षक वाला पेपर, इंट. जे. सिस्ट. एश्योर. इंजी. मैनेज., 15, 3522–3537 में प्रकाशित, https://doi.org/10.1007/s13198-024-02360-5./2024

- सिंह, आर., शर्मा, पी., और मिश्रा, आर. द्वारा ''जेनरलाइज़्ड लॉग टाइप एस्टिमेटर ऑफ पॉप्युलेशन मीन इन एडॉप्टिव क्लस्टर सैंपलिंग'' शीर्षक वाला पेपर, जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स एप्लीकेशन्स एंड प्रोबेबिलिटी लेटर्स, 11(2), 73–79 / 2024 में प्रकाशित।
- असलम, आई., अमीन, एम. एन., महमूद, ए., और शर्मा, पी. द्वारा (2024) ''न्यू मेमोरी–बेस्ड रेशियो एस्टिमेटर इन सर्वे सैंपलिंग'' शीर्षक वाला पेपर, नेचुरल एंड एप्लाइड साइंसेज इंटरनेशनल जर्नल (NASIJ), 5(1), 168–181 में प्रकाशित। https://doi.org/10.47264/idea.nasij/5.1.11 /2024

8.3.2 पुस्तकें / संपादित पुस्तकें :

डॉ. अमित कुमार मिश्रा

- डॉ. अमित कुमार मिश्रा ने विलियम फेलर की किताब 'एन इंट्रोडक्शन टू प्रोबेबिलिटी थ्योरी एंड इट्स एप्लीकेशंस, वॉल्यूम 1, 3 एडिशन, एन इंडियन एडैप्टेशन' में योगदान दिया है, आईएसबीएन–13: 978–9363868496, आईएसबीएन–10: 9363868494।

8.3.3 पुस्तक अध्याय / सम्मेलन / कार्यवाही / शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन––

डॉ. मधुलिका दुबे

- पुस्तक अध्याय जिसका शीर्षक है ''सिंपल एंड मल्टीपल लीनियर रिग्रेशन'' जिसे दुबे, एम. और एन.एम.पी. वर्मा ने लिखा है, यह अध्याय ''रिसर्च मेथोडोलॉजी फॉर सोशल साइंसेज'' नामक पुस्तक में है, जिसे देवयानी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने प्रकाशित किया है, आईएसबीएन: 978939 3751362।

8.3.4 राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं / आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी –

डॉ. सुरिंदर कुमार

- विभिन्न व्यावसायिक / शैक्षणिक निकायों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशाला / प्रशिक्षण कार्यक्रम / एफडीपी में 02 आमंत्रित व्याख्यान दिए।

डॉ. सुभाष कुमार यादव

- विभिन्न व्यावसायिक / शैक्षणिक निकायों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशाला / प्रशिक्षण कार्यक्रम / एफडीपी में 14 आमंत्रित व्याख्यान दिए।

डॉ. राहुल वार्ष्णेय

- विभिन्न व्यावसायिक / शैक्षणिक निकायों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशाला / प्रशिक्षण कार्यक्रम / एफडीपी में 05 आमंत्रित व्याख्यान दिए।

डॉ. अमित कुमार मिश्रा

- 06–08 जनवरी, 2025 के दौरान सांख्यिकी विभाग, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित 'बायेसियन प्रतिमान की तकनीकों में हालिया विकास' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मोक्ष–पटम के खेल पर' एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 03–05 जनवरी, 2025 के दौरान सांख्यिकी विभाग, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित 'बायेसियन फ्रंटियर्स: सांख्यिकीय मॉडलिंग और अनुमान के भविष्य का अनावरण' पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एक सत्र में भाग लिया और अध्यक्षता की।
- 21–23 दिसंबर, 2024 के दौरान सांख्यिकी विभाग, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित विश्वसनीयता सिद्धांत और उत्तरजीविता विश्लेषण (आईडब्ल्यूआरटीएसए–2024) पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एक सत्र में भाग लिया और अध्यक्षता की।

- विभिन्न व्यावसायिक/शैक्षणिक निकायों द्वारा आयोजित विभिन्न सेमिनार/संगोष्ठियों/कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम/एफडीपी में 3 आमंत्रित व्याख्यान दिए।

डॉ. मिनाक्षी मिश्रा

- 14 नवंबर, 2024 को श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, लखनऊ, यूपी में "सांख्यिकी का परिचय" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. प्रयास शर्मा

- 11–12 अप्रैल, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित ''दोहरे सहायक चर के साथ मेमोरी प्रकार अनुमानकों का उपयोग करके उन्नत माध्य अनुमान'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन "अंतःविषय क्षेत्रों में सांख्यिकीय विधियां और अनुप्रयोग" (एसएमएआईए–2025) में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 27 जून, 2025 को सांख्यिकी विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित ''सांख्यिकी में अनुसंधान की अवधारणा'' पर एक दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 29 जून, 2025 को सांख्यिकी विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित ''अनुसंधान, थीसिस लेखन की नैतिकता की अवधारणा'' पर एक दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 4 और 5 नवंबर, 2024 को ''एसपीएसएस का उपयोग करके डेटा विश्लेषणः रिग्रेशन विश्लेषण'' पर एक आमंत्रित भाषण दिया, जो इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स, कानपुर, भारत द्वारा 7 अक्टूबर से 8 नवंबर, 2024 तक अनुसंधान और विकास योजना के तहत आयोजित एसपीएसएस का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर एक महीने के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कार्यक्रम का हिस्सा था।
- 02–14 जून, 2025 के दौरान आईआईआईटी नया रायपुर, छत्तीसगढ़ में "मैटलैब (MATLAB) का उपयोग करके डेटा साइंस और मशीन लर्निंग के लिए गणितीय फाउंडेशन (MFDSMLM 2025)" पर शिक्षकों के लिए अनुदेशात्मक स्कूल (IST) में भाग लिया।
- 1–13 जुलाई, 2024 तक भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), कोलकाता द्वारा आयोजित ''सांख्यिकीय शिक्षण तकनीकों का परिचय'' विषय पर एनसीएम कार्यशाला में भाग लिया।
- 04–09 जून, 2024 को आईआईआईटी नया रायपुर, छत्तीसगढ़, सेंटर ऑफ़ एप्लाइड मैथमेटिक्स, द्वारा आयोजित "मैथमैटिकल फाउंडेशन ऑफ डेटा साइंस एंड मशीन लीनिंग (एमएफडीएसएमएल–2024)" पर एक समर स्कूल में भाग लिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

आचार्य सुरिंदर कुमार

- भूपेंद्र मीना ने ''वेरियस लाइफ टेस्टिंग मॉडल्स एण्ड देयर एस्टिमेशन थ्रु न्यू टेक्नीक्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- कविता केसरवानी ने ''वेरियस इन्फरेन्शियल प्रोसीजर्स फॉर रिलाइयबिलिटी मॉडल्स बेस्ड ऑन एड्वॉन्स्ड सेंसोरिंग स्कीम्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- राहुल शुक्ला ने "इन्फरेन्शियल प्रोसीजर्स फॉर वेरियस लाइफ टेस्टिंग मॉडल्स थ्रु क्लासिकल एण्ड बायसियन टेक्नीक्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

- आनंद कुमार कशौधन ने ''क्लॉसिकल एण्ड बायसियन अप्रोचेस टू रिलाइयबिलिटी एस्टिमेशनः ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ लाइफटाइम मॉडल्स अंडर वेरियस सेंसोरिंग स्कीम्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

आचार्य मधुलिका दुबे

- रितांशी त्रिवेदी ने ''अनकवरिंग द लेटेंट स्ट्रक्चर ऑफ स्पेटिओटेम्पोरल डिसपेरिटीस इन रीजनल डेवेलपमेंट इन इंडियाः स्टैटिस्टिकल एवॉल्यूयेशन एण्ड मॉडलिंग'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. सुभाष कुमार यादव

- सैफ अली खान ने ''इन्फेकियियस डिसीज़ मॉडलिंग थ्रु डिस्टिंक्ट स्टैटिस्टिकल एण्ड मशीन लर्निंग टेक्नीक्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- मेहदी अली ने ''इंप्रूव्ड एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन पैरामीटर्स इन सैंपलिंग थियरी'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- मानसी मोहन ने ''ए स्टडी ऑन डिफरेंट डिसीज़स यूज़िंग वेरियस स्टैटिस्टिकल एण्ड मशीन लर्निंग मॉडेल्स" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. राहुल वार्ष्णेय

- श्री मुकेश कुमार वर्मा ने ''सम कॉट्रिब्यूशन्स टू द सैंपलिंग थियरी यूज़िंग नॉन–लीनीयर प्रोग्रामिंग टेक्नीक्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- श्री सत्यम आर. शर्मा ने ''ए स्टडी ऑन मल्टीवेरिएट–मल्टीऑब्जेक्टिव सैंपल सर्वेसः मैथमेटिकल प्रोग्रामिंग प्रॉब्लम्स एण्ड सल्यूशन्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. अमित कुमार मिश्रा

- श्री शिवेंद्र प्रताप सिंह ने ''ऑन सम कॉट्रिब्यूशन्स इन रिलायबिलिटी थ्योरी एण्ड स्टोकेस्टिक ऑर्डर्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है, और को–सुपरवाइजर आचार्य सुरिंदर कुमार हैं।
- सुश्री धैर्या त्रिपाठी ने ''स्टोकेस्टिक मॉडलिंग एण्ड एस्टिमेशन ऑफ ह्यूमन फर्टिलिटी पैरामीटर्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है, और को–सुपरवाइजर डॉ. अनूप कुमार, एडिशनल प्रोफेसर, एसजीपीजीआई, लखनऊ हैं।

डॉ. मिनाक्षी मिश्रा

- सुश्री प्रियंका निगम ने ''इन्फ्लुयेन्स ऑफ सोसियो–डेमोग्राफिक फैक्टर्स ऑन फीमेल लिटरेसी इन वेरियस ज़ोन्स ऑफ इंडियाः ए स्टैटिस्टिकल एनॉलिसिस'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच. डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. प्रयास शर्मा

- सुश्री ममता कुमारी ने ''रोल ऑफ ऑक्शीलियरी इन्फार्मेशन इन एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन पैरामीटर(स) इन सर्वे सैपलिंग'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- सुश्री अनुपम लता ने "एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन पैरामीटर(स) यूज़िंग सूटेबल ऑक्शीलियरी इन्फार्मेशन इन सर्वे सैंपलिंग'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री

डॉ. सुभाष कुमार यादव

- दीक्षा आर्य को ''ए सर्टन स्टडी ऑन एस्टिमेशन ऑफ पॉप्युलेशन पैरामीटर्स इन सर्वे सैंपलिंग'' शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. मीनाक्षी मिश्रा

- अनुज कुमार को "प्रिडिक्शन ऑफ फर्टिलिटी मीजर्स फॉर इंडिया: ए कंपरेटिव एनॉलिसिस" शीर्षक वाली थीसिस पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य

डॉ. सुभाष कुमार यादव

- ''काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, उत्तर प्रदेश'' द्वारा प्रायोजित किए गए ''स्टैटिस्टिकल मॉडलिंग फॉर कोविड–19 स्प्रेड यूज़िंग डिफरेंट अप्रोचेस'' शीर्षक वाले परियोजना के लिए 6,80,000.00/– रुपये का रिसर्च अनुदान 2022 में दो साल की अवधि के लिए दिया गया था।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ:

डॉ. प्रयास शर्मा

- बाबसाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2025।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	–
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	58
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	–
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	–
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	02
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	38
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	28
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	02
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	08
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	05

एकीकृत बी.एससी.– एम.एससी. (बुनियादी विज्ञान)

पाठ्यक्रम के बारे में

एकीकृत बुनियादी विज्ञान कार्यक्रम 2013 में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर, लखनऊ में अभिनव और समकालीन कार्यक्रम के तहत शुरू किया गया था। यह पांच वर्ष का एकीकृत कार्यक्रम है जिसे आईआईएसईआर के पैटर्न पर तैयार किया गया हैं, जिसमें तीन वर्ष बाद बीएससी डिग्री के साथ बाहर निकलने का विकल्प भी है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भौतिक, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान में एक मजबूत आधार प्रदान करना है, जिससे उन्नत क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त हो सके। यह पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति के अनुरूप है और अंत:विषयक और पार–विषयक सीखने पर जोर देता है।

विभागीय ताकत

- प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशन के साथ उच्च योग्यता प्राप्त और अनुसंधान–उन्मुख संकाय।
- लचीलापन और अनुसंधान अनुभव प्रदान करने वाली विविध पाठ्यक्रम संरचना।
- छात्र उपलब्धियों का मजबूत रिकॉर्ड (गेट, पीएच.डी. चयन)।
- सेमिनार, विशेष व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सक्रिय शैक्षणिक संस्कृति।
- राष्ट्रीय संस्थानों के प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा सहयोग एवं अतिथि व्याख्यान।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

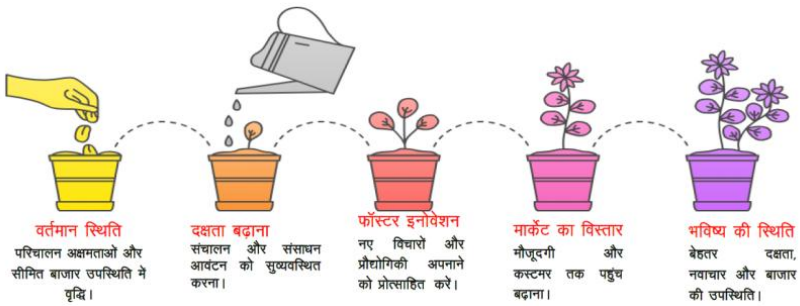

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास/पाठ्यचर्या योजना और कार्यान्वयन



एकीकृत बुनियादी विज्ञान पाठ्यक्रम भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित को मिलाकर एक बहु–विषयक मॉडल पर बनाया गया है। पाठ्यक्रम एनईपी दिशानिर्देशों और आईआईएसईआर पैटर्न का पालन करता है, जिससे लचीलेपन, नवाचार और समग्र शिक्षा को बढ़ावा मिलता है।

1.2 पाठ्यचर्या योजना और कार्यान्वयन

हाल के वैज्ञानिक विकास के साथ तालमेल बिठाने के लिए पाठ्यक्रमों को नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। संकाय सदस्य पाठ्यक्रम संशोधन और शिक्षण रणनीतियों के लिए शैक्षणिक परिषदों में भाग लेते हैं। यह कार्यक्रम परियोजना–आधारित और सहयोगात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से छात्र–केंद्रित शिक्षा सुनिश्चित करता है।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



विभाग तीसरे और चौथे वर्ष में वैकल्पिक विकल्प प्रदान करता है, जिससे छात्रों को उनकी रुचि के आधार पर विशेषज्ञता हासिल करने का अवसर मिलता है। बी.एससी. डिग्री के साथ तीन साल के बाद निकास विकल्प अलग–अलग शैक्षणिक मार्गों के लिए लचीलापन देते हैं।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

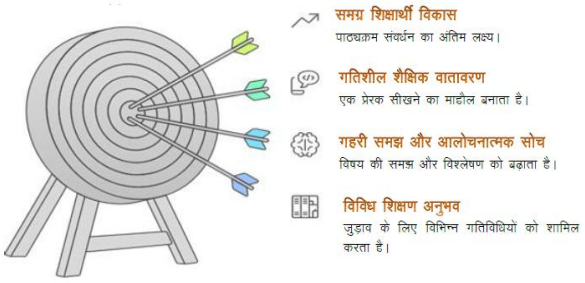

पाठ्यक्रमों में अंत:विषय घटक शामिल हैं, जैसे कम्प्यूटेशनल कौशल, वैज्ञानिक जांच और वैचारिक जांच। ट्रांसडिसिप्लिनरी लर्निंग और उन्नत अनुसंधान परियोजनाओं के संपर्क में आने से छात्रों की शिक्षा समृद्ध होती है।

1.5 फीडबैक सिस्टम

पाठ्यक्रम सामग्री और शिक्षण पद्धतियों में सुधार के लिए छात्रों, पूर्व छात्रों और संकाय से फीडबैक एकत्र किया जाता है और समय–समय पर उसका विश्लेषण किया जाता है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल

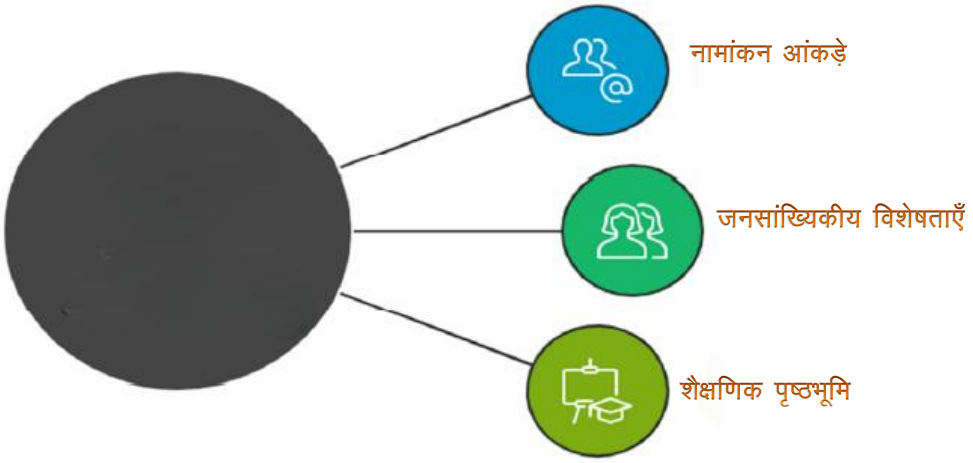

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



शिक्षण व्याख्यान, प्रयोगशाला सत्र और परियोजना–आधारित शिक्षण के मिश्रण के माध्यम से आयोजित किया जाता है। सहभागिता बढ़ाने के लिए आईसीटी–सक्षम शिक्षण सहित नवीन शैक्षणिक उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

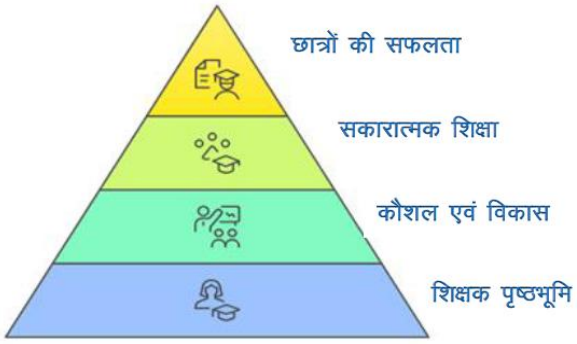

संकाय सदस्य उच्च योग्य और अनुभवी शोधकर्ता हैं।

- आचार्य राजेश कुमार– पीएच.डी (माइक्रोबायोलॉजी)– बायोरेमेडिएशन और हाइड्रोकार्बन नैनोजेल में विशेषज्ञता।
- डॉ. शबनम खान– पीएच.डी, एक्वेटिक माइक्रोबायोलॉजी में विशेषज्ञता।
- डॉ. रंजन सिंह– एनवायर्नमेंटल मॉडलिंग और वॉटर पॉल्यूशन प्रेडिक्शन में में विशेषज्ञता।
- डॉ. मनोज कुमार– ऑर्गेनिक सिंथेसिस और एप्लाइड केमिस्ट्री पर शोध केन्द्रित है।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

विभाग मध्य सेमेस्टर परीक्षाओं, व्यावहारिक मूल्यांकन और अंतिम मूल्यांकन के साथ एक सतत आंतरिक मूल्यांकन मॉडल का पालन करता है। पारदर्शिता और समय पर प्रतिक्रिया बनाए रखा जाता है।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं (जैसे, गेट, पीएच.डी प्रवेश) के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत ज्यादा रहा।

- 33 छात्रों ने एम.एस.सी. पूरी की
- उच्च अध्ययन कर रहे हैं; 3 सरकारी नौकरियों में चयनित हैं।
- गेट आल इंडिया रैंक 4019 सुश्री आस्था प्रियदर्शिनी (2024) द्वारा प्राप्त किया गया।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- फीडबैक से पता चलता है कि पाठ्यक्रम की गुणवत्ता, शिक्षक की पहुंच और प्रयोगशाला समर्थन के प्रति बहुत संतुष्टि है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- शोध को पाठ्यक्रम में एकीकृत किया गया है और पांचवें वर्ष में थीसिस की जरूरत होती है।
- संकाय अनुसंधान परियोजनाओं का मार्गदर्शन करते हैं और समकक्ष–समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित करते हैं।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



शोध के लिए संसाधन जुटाना

- बाहरी फंडिंग पाने की कोशिश की जा री हैं। संकाय सदस्य राष्ट्रीय संस्थानों के शोधकर्ताओं के साथ सहयोग करते हैं।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- छात्रों को नवीन परियोजनाएं शुरू करने और अंतःविषयक अनुसंधान गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं (स्प्रिंगर, एल्सेवियर, आदि) में कई उच्च प्रभाव वाले प्रकाशन।
- आचार्य राजेश कुमार और उनकी टीम ने 2024–25 में कई शोध पत्र प्रकाशित किए।
- बीबीएयू से प्राप्त "उत्कृष्ट अनुसंधान उपलब्धि पुरस्कार" (2024) में मिला।

3.5 परामर्श

- 2024–25 के दौरान कोई परामर्श कार्य रिपोर्ट नहीं किया गया।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- सांस्कृतिक और खेल गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं (जैसे, शिक्षक दिवस, स्वागत, विदाई, मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच)।

3.7 सहयोग

- लखनऊ विश्वविद्यालय, आईईटी, सीएसआईआर–सीआईएमएपी, एनबीआरआई, आईसीएआर–आईआईएसआर और सीएफटीआरआई लखनऊ के प्रोफेसरों के साथ विभागीय दौरों और अतिथि व्याख्यानों के माध्यम से शैक्षणिक बातचीत।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

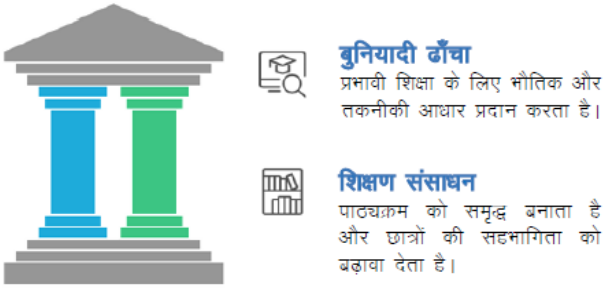

8.4 भौतिक सुविधाएं

- शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए पर्याप्त कक्षाएँ, प्रयोगशालाएँ और सुविधाएँ। विभागीय पुस्तकालय छात्रों की आवश्यकताओं का समर्थन करता है।

8.5 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ सामग्री और डिजिटल संसाधनों तक पहुंच के साथ विभागीय पुस्तकालय।

8.6 आईटी अवसंरचना

- शिक्षण में आईसीटी का उपयोग; डिजिटल संसाधनों और आभासी प्रयोगशाला पहुंच का विस्तार करने की योजना।

8.7 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय स्तर के समर्थन से कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और आईटी प्रणालियों का नियमित रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास के लिए संकाय सदस्यों द्वारा प्रदान किया गया मार्गदर्शन और सलाह।
- गेट और उच्च शिक्षा गतिविधियों के लिए सहायता।

5.2 छात्र प्रगति

- छात्रों ने शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्रों में काफी अच्छी प्रगति की है। कई पूर्व छात्र शिक्षण, अनुसंधान और सरकारी नौकरियों में लगे हुए हैं।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियां

- छात्र सह–पाठ्यचर्या और सांस्कृतिक कार्यक्रमों (शिक्षक' दिवस, फ्रेशर्स', विदाई) में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। विभाग सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- विभाग ने मार्गदर्शन, नेटवर्किंग और सहयोगात्मक पहल के लिए पूर्व छात्रों के बीच बातचीत को औपचारिक बनाने की योजना बनाई है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- यह विभाग शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के संस्थागत दृष्टिकोण के अनुरूप है।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- शैक्षणिक गुणवत्ता, संकाय अनुसंधान और छात्र प्रदर्शन को बढ़ाने पर रणनीतिक ध्यान।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को सेमिनारों में भाग लेने, अनुसंधान प्रकाशित करने और एमओओसी सामग्री विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- आचार्य राजेश कुमार ने ऑनलाइन एमओओसी सामग्री विकसित किया।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- विभाग शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए आवंटित धन का कुशलतापूर्वक उपयोग करता है।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- नियमित समीक्षा बैठकें शिक्षण और अनुसंधान में निरंतर गुणवत्ता सुधार होता हैं।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- विभाग अपने पाठ्यक्रम और आउटरीच के माध्यम से वैज्ञानिक स्वभाव, नैतिक मूल्यों और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- अनुसंधान और शिक्षण का एकीकरण।
- पर्यावरणीय स्थिरता और जैव–उपचार अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करें।
- प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा सहयोगात्मक व्याख्यान।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षा को मिलाकर अद्वितीय एकीकृत संरचना; अध्ययन के प्रारंभिक वर्षों से ही अनुसंधान और नवाचार पर जोर।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य राजेश कुमार**
  आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
  संकायाध्यक्ष (एसईईएस)
  विशेषज्ञता: पर्यावरणीय सूक्ष्मजीव विज्ञान, अजैविक तनाव प्रबंधन
  अनुभव: शिक्षण एवं शोध 25 वर्ष
  योग्यता: एम.एससी., पीएच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

- भार्गव, पी.के., तिवारी, श्वेता, कुमार, सरोज और कुमार राजेश (2025), इंटीग्रेटेड ट्रीटमेंट ऑफ टेक्सटाइल वेस्टवॉटर एण्ड मिथाइल ऑरेंज एज़ो डाई: कन्स्ट्रक्टेड वेटलैंड–बेस्ड रिमिडियेशन एनहॅन्स्ड बाइ बैक्टीरियल ट्रीटमेंट'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एन्वायरो रिसर्च 19, 84 (2025). https://doi.org/10.1007/s41742-025-00755-1
- भारती एस, सिंह बी, कुमार एस, कुमार आर, कुमार जे. ''सिंथेसिस ऑफ बायो–स्टेबिलाइज्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूज़िंग रोसेला मोंटेगनी, देयर एंटीकैंडिडल केपासिटीज एण्ड पोटेन्शियल टू इन्हाइबिट द वायरुलेन्स फैक्टर्स इन फ्लुकोनाज़ोल–रेज़िस्टेंट कैंडिडा एल्बिकेंस'', वर्ल्ड जे माइक्रोबायोल बायोटेक्नोलोजी, 2024;40, doi:10.1007/s11274-024-03928-w
- सुमन यू, दिव्या बी., संगीता डी., राजेश के. और राम सी (2024), ''हेल्थ बेनिफिट्स एण्ड एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज ऑफ प्रोबायोटिक्स आइसोलेटेड फ्रॉम फर्मेंटेड फूड प्रोडक्ट्स'', ओपन एक्सेस जे माइक्रोबायोल, जैव प्रौद्योगिकी, आईएसएसएन: 2576–7771. डीओआई: 10. 23880/ओएजेएमबी–16000289।
- कुमार एम., कुमार राजेश, मौर्य आदित्य, त्रिपाठी अचलेश और त्रिपाठी जाह्नवी (2025), ''सिंथेसिस ऑफ बेंज़िमिडाज़ोल यूजिंग हाई यील्ड थर्मल मेथड'', इंटरनेशनल जे मल्टीडिसिप्लिनरी रिस. 7(3): 1–25, ई–आईएसएसएन: 2582–2160।
- खान, एस., यादव, जी., सिंह, ए., कुमार, आर. 2024, ''अप्लिकेशन ऑफ सम एसेन्शियल बैक्टीरियल प्रोबायोटिक्स इन एक्वाकल्चर: ए रिव्यू, रिसर्च एण्ड रिव्यूज़: ए जर्नल ऑफ़ लाइफ साइंसेज, वॉल्यूम 14 (1): पेज 22–30। आईएसएसएन: 2249–8656 http://doi.org/10.37591
- खान, एस., सिंह, ए., यादव, जी., जुली, कुमार, आर. 2024, ''ए कॉप्रेहेन्सिव रिव्यू ऑन द इंपैक्ट ऑफ एक्वाटिक पॉल्यूशन ऑन फिश'', रिसर्च एंड रिव्यूज़: ए जर्नल ऑफ़ वेटरनरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम 13 (1): पेज 1–12, आईएसएसएन: 2319–3441, http://doi.org/10.37591
- खान, एस., सिंह, आर.आर., प्रियदर्शिनी, ए., कुमार, आर. 2024, ''एक्सप्लोरिंग द साइनर्जिस्टिक इफेक्ट्स ऑफ हेवी मेटल कंटैमिनेंट्स ऑन एक्वाटिक ऑर्गेनिजम्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मरीन लाइफ'' वॉल्यूम.1 (2): पेज 17–20, आईएसएसएन: 3048–8885, http://doi.org/10.37591

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तक

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व में कोई अन्य प्रकाशन

- रत्ना, एस., कुमार, ए., कुमार, एस., कुमार, जी., कुमार, आर. (2025), ''माइक्रोबियल पॉप्युलेशन डाइनेमिक्स इन कन्स्ट्रक्टेड वेटलैंड्स एण्ड देयर रोल इन वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट'', इनः कुमार, एम., सिंह, एन.के., मथुरिया, ए.एस. (संपादक) इंटीग्रेटेड बायोइलेक्ट्रो केमिकल–कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड सिस्टम फॉर फ्यूचर सस्टेनेबल वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट, स्प्रिंगर ट्रांजैक्शन्स इन सिविल एंड एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-2814-8_5. पेज नं. 121–140।
- शील रत्न, मोनिका सिंह, आदर्श कुमार और राजेश कुमार (2024), पीजीपीआर असिस्टेड
- फाइटोरिमेडिएशन ऑफ इंडस्ट्रियल वेस्टवॉटर फॉर एन्वाइरन्मेंटल सस्टेनबिलिटी इन नेचर–बेस्ड वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट सिस्टम्स (आदर्श कुमार, सरोज कुमार एण्ड शील रत्ना, संपादक) सीआरसी प्रेस 06 दिसंबर 2024, डीओआईः https://doi.org/10.1201/9781003441144, आईएसबीएनः 9781003441144, अध्याय 10, 16 पृष्ठ।
- त्रिपाठी ए, कुमार एम, कुमार राजेश और शुक्ला ए. (2025), ''ट्यूबरकुलोसिस बेस्ड कीमोथेरेप्यूटिक्सः ए फ्रंटियर इन ड्रग डिस्कवरी एण्ड डेवलपमेंट'', शाश्वत पब्लिकेशन्स (मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच टू केमिकल साइंसेज –वॉल्यूम 1)। आईएसबीएन 978–93–6087–681–4।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–

- शील रत्न, राजेश कुमार; ''आइसोलेशन एण्ड स्क्रीनिंग ऑफ प्लांट ग्रोथ प्रमोटिंग बायोसर्फेक्टेंट एण्ड लिग्निनोलिटिक प्रोड्यूसिंग बैक्टीरिया फॉर बायोरेमेडिएशन ऑफ डिसटिल्लरी वेस्टवॉटर'' 3–7 जनवरी 2023 को 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में राष्ट्रसंत तुकदोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर में आयोजित ।
- अजय प्रकाश, राजेश कुमार, ''बायोसर्फेक्टेंट असिस्टेड बायोरेमेडिएशन ऑफ क्रूड ऑयल एण्ड पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन कंटेमिनेटेड साइट'', 3–7 जनवरी 2023 को 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में राष्ट्रसंत तुकदोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर में आयोजित ।
- राजेश कुमार (2024), ''इंडस्ट्रियल वेस्ट टू वेल्थः ए सस्टेनबल फ्यूचर इन इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी'', ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय 566/6, बेल रोड, सोसाइटी एरिया, क्लेमेंट टाउन, देहरादून, उत्तराखंड।

आचार्य राजेश कुमार

- मुख्य भाषण, ''इंडस्ट्रियल वेस्ट टू वेल्थः ए सस्टेनबल फ्यूचर इन इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी'', 3 मई, 2024 को माइक्रोबियल इनोवेशन एण्ड चैलेंजस इन रिसर्चः आपर्चुनिटीज फार सस्टेनबिलिटी 2024 (माइक्रोस 2024) 3–4 मई, 2024 को ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में आयोजित किया गया और जीईयू, डीबीटी, एनएसईआरबी–डीएसटी द्वारा प्रायोजित किया गया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी डिग्री

8.3.6 परियोजना/परामर्श/और कोई अन्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	00
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	00
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	00
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	00
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	00
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	86
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	111
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	छात्रों की कुल संख्या	05
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	02
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	00
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	00
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	01
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	05

प्रदर्शन कला विद्यापीठ

संगीत विभाग

विभाग का परिचय

संगीत विभाग की स्थापना प्रबंधन मंडल 69वीं बैठक के प्रस्ताव और अधिसूचना संख्या 2484/बीबीएयू/18, दिनांक 23.02.2018 और संख्या 609/बीबीएयू/20 दिनांक 19.03.2020 के अनुसार की गई थी। विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2022–23 से संगीत में अपना पहला प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया।

यह भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के साथ–साथ समकालीन रूपों से भी परिचित कराने के प्रतिबद्ध है। प्रशिक्षण, सेमिनार, सांस्कृतिक प्रदर्शन और आमंत्रित व्याख्यानों के माध्यम से, विभाग छात्रों को शैक्षणिक और प्रदर्शन–आधारित उत्कृष्टता दोनों विकसित करने के अवसर प्रदान करता है।

विभाग की ताकत

- योग्य और समर्पित संकाय (डॉ. बबीता पांडे (डीसीएस, अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई))।
- संगीत में सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण का मिश्रण।
- शैक्षणिक और सांस्कृतिक दोनों तरह के विश्वविद्यालय की कार्यक्रमों में भागीदारी।
- प्रख्यात संगीतकारों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान और कार्यशालाएं।
- प्रशिक्षण के लिए मुख्य संगीत वाद्ययंत्रों की उपलब्धता।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

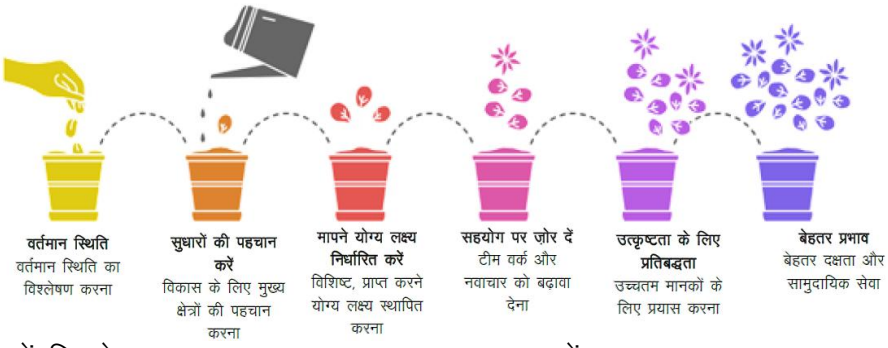

- संगीत में डिप्लोमा/उन्नत प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करें।
- राज्य और राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक कार्यक्रमों आयोजित करें।
- संगीत संस्थानों के साथ सहयोगात्मक गतिविधियां शुरू करें।
- संगीतशास्त्र में अनुसंधान और प्रकाशनों को बढ़ावा दे।
- अंतर–विश्वविद्यालय/राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सवों में छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा दे।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- प्रस्तावित कार्यक्रमः संगीत में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

- पाठ्यक्रम को सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- प्रमाणपत्र स्तर पाठ्यक्रम संरचना विभिन्न पृष्ठभूमि से शिक्षार्थियों के लिए लचीलापन देता है।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन



- छात्रों को आधिकारिक समारोहों में विश्वविद्यालय कुलगीत प्रदर्शन करने के लिए प्रशिक्षित किया।
- सांस्कृतिक और सह–पाठयक्रम कार्यक्रमों में भागीदारी।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- छात्र–शिक्षक बातचीत के माध्यम से एकत्र की गई अनौपचारिक प्रतिक्रिया।

2 शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- नामांकन सत्र 2022–23 से शुरू हुआ।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- सांस्कृतिक और सह–पाठयक्रम गतिविधियों में भागीदारी के लिए समान अवसर।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- संकाय के नेतृत्व में हारमोनियम, तबला और इलेक्ट्रॉनिक गिटार का उपयोग करके प्रशिक्षण सत्र।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

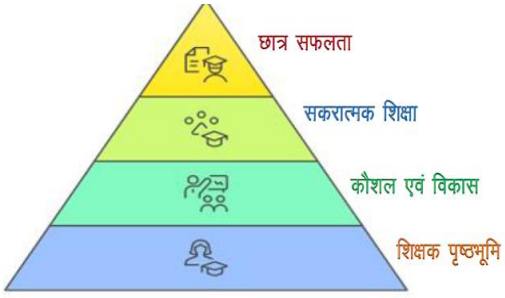

संकाय:

- डॉ. बबीता पांडे, उपाचार्य, समन्वयक।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

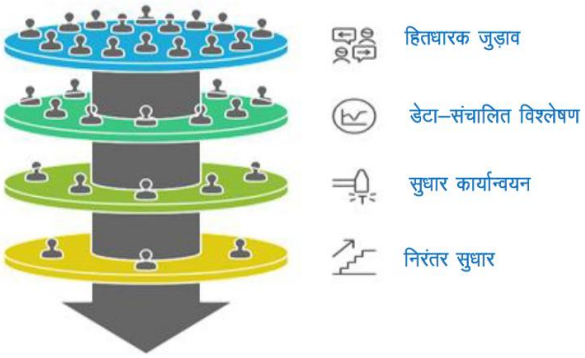

- प्रदर्शन आधारित गतिविधियों और सांस्कृतिक भागीदारी के माध्यम से मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- छात्रों ने नैक यात्रा, शिक्षक दिवस, स्वागत और विदाई कार्यों में प्रदर्शन किया।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सकारात्मक छात्र संतुष्टि को दर्शाती है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- अभी तक कोई शोध परियोजना शुरू नहीं हुई है।

3.2 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- संगोष्ठी का आयोजन (2023): मेरी माटी मेरा देश के तहत ''गुरुकुल से विश्वविद्यालय तक संगीत''।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार

- शून्य

3.5 परामर्श:

- शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आधिकारिक कार्यक्रमों में योगदान।

3.7 सहयोग

आगंतुक / विशेषज्ञः

- श्री एस एस उपाध्याय (उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल के पूर्व कानूनी सलाहकार)।
- पं. चेतन जोशी (प्रसिद्ध बंसुरी वादक)।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

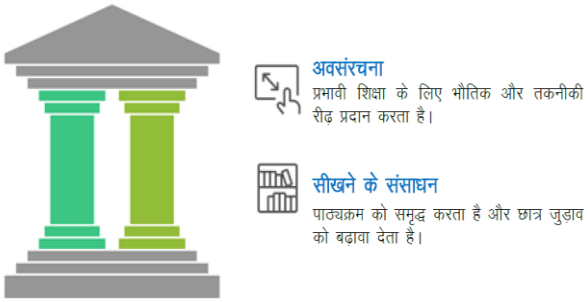

8.8 भौतिक सुविधाएं

- उपलब्धः हारमोनियम, तबला, इलेक्ट्रॉनिक गिटार।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी सुविधाएं उपलब्ध।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार प्रबंधित।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- अंतर–विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट (कांस्य पदक, 2023) में भागीदारी।

5.2 छात्र प्रगति

- मंच प्रदर्शन के लिए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सांस्कृतिक योगदानः नैक यात्रा, शिक्षक दिवस, स्वागत, विदाई समारोह।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- लागू नहीं (नया विभाग)।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- प्रदर्शन कला और संगीत संस्कृति को बढ़ावा देना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- शैक्षणिक कार्यक्रम का धीरे–धीरे विस्तार।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- विश्वविद्यालय के बजट के माध्यम से समर्थित।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की निगरानी करता है।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- संगीत के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देना।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- संस्थान के कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय कुलगीत का प्रदर्शन।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- पारंपरिक और आधुनिक संगीत पद्धतियों का एकीकरण।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण– पीएच.डी (आईआईटी, बीएचयू)

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

- समन्वयक संगीत विभाग, प्रदर्शन कला विद्यापीठ

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री –

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ:

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	0
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	0
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	0
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	0
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	0
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	0
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	0
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	2023 में 15
9.	छात्रों की कुल संख्या	0
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	0
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	0
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	0
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	0
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	0
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	0
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	0
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	0

संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्यापीठ

संस्कृत और वैदिक अध्ययन विभाग की स्थापना के साथ 2020 में स्थापित, संस्कृत और भारतीय अध्ययन विद्यापीठ उच्च शिक्षा के लिए एक गतिशील केंद्र के रूप में खड़ा है। इसका मुख्य मिशन संस्कृत और हमारे समकालीन दुनिया में विशाल अंतःविषय अनुप्रयोगों के अध्ययन को बढ़ावा देना, संरक्षित करना और नवाचार करना है। संकायाध्यक्ष, आचार्य राम पाल गंगवार के प्रतिष्ठित नेतृत्व में, विद्यापीठ को शिक्षा, अनुसंधान और आउटरीच में उत्कृष्टता का वैश्विक मानक स्थापित करने के लिए समर्पित एक जीवंत शैक्षणिक केंद्र के रूप में देखा गया है। हम छात्रों और शोधकर्ताओं को भारत की समृद्ध दार्शनिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और तकनीकी विरासत में गहराई से उतरने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करते हैं, जिसे संस्कृत और इसकी संबद्ध भाषाओं में सावधानीपूर्वक संरक्षित किया गया है।

शैक्षणिक दर्शन और केन्द्रि क्षेत्रः हमारा शैक्षणिक दृष्टिकोण दोहरे–केंद्रित वाला है, जो संस्कृत और भारतीय ज्ञान प्रणालियों के पारंपरिक और उभरते दोनों क्षेत्रों को बढ़ावा देता है। हम प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विषयों के बीच की खाई को पाटने में विश्वास करते हैं। विद्यापीठ सक्रिय रूप से अंतःविषय अध्ययन को प्रोत्साहित करता है, पारंपरिक संस्कृत ज्ञान को कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान, प्रबंधन, पर्यावरण विज्ञान और तुलनात्मक धार्मिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों से जोड़ता है। यह अभिनव एकीकरण प्राचीन ग्रंथों के नए दृष्टिकोण और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए अनुमति देता है।

पाठ्यक्रम से परे, विद्यापीठ गतिविधियों का एक केन्द्र है। हमने सफलतापूर्वक संगोष्ठियों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन किया है, जिनकी शैक्षणिक समुदाय और मीडिया द्वारा व्यापक रूप से सराहना की गई है। हम लगातार छात्रों को सह–पाठयक्रम और विस्तार गतिविधियों में छात्रों को शामिल करते हैं, उन्हें प्राचीन ज्ञान के दृष्टिकोण से दबाव वाले सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को समझने और उन पर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित करते हैं।

आगे देखते हुए, संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्यापीठ कई प्रमुख पहलों के लिए प्रतिबद्ध हैः राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के विविध समूह को आकर्षित करने के लिए हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों का विस्तार करना, वैश्विक विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करना, और संस्कृत सीखने के लिए हमारे डिजिटल और कम्प्यूटेशनल संसाधनों को बढ़ाना। अंततः, हमारा लक्ष्य पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक ज्ञान प्रणालियों के साथ सहज एकीकरण के लिए एक मंच के रूप में कार्य करना है, यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय अध्ययनों की विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए फलती–फूलती रहे और विकसित होती रहे। संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्यापीठ के तहत विभागः

I. संस्कृत और वैदिक अध्ययन विभाग

संस्कृत एवं वैदिक अध्ययन विभाग

विभाग का परिचय

संस्कृत और वैदिक अध्ययन विभाग वर्ष 2020 में अस्तित्व में आया। यह विभाग ''संस्कृत में भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटेशनल संस्कृत, धर्म–शास्त्र, पांडुलिपियों, संस्कृत बौद्ध धर्म, तुलनात्मक धर्म, प्राचीन भारतीय पारिस्थितिकी, वैदिक प्रबंधन, संस्कृत में अनुसंधान के लिए तरीके, भारतीय दर्शन, शैव दर्शन, संस्कृत भाषा और साहित्यिक सिद्धांत, नाट्यशास्त्र, संस्कृत व्याकरण, पाली और प्राकृत अध्ययन''

जैसे उभरते क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्यापीठ का निर्माण संस्कृत विभाग को अपग्रेड करने के लिए किया गया है, साथ ही छात्रों जैसे कुछ पारंपरिक क्षेत्रों में विद्वता को भी बनाए रखा गया है। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग में दो शिक्षक हैं। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग अपने शिक्षण के साथ–साथ सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में वैश्विक मानकों को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अब तक, इसने संगोष्ठियों का आयोजन किया है जिन्हें शिक्षा जगत और मीडिया में बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसके शिक्षक और छात्र अपने आस–पास की प्रशासनिक और सामाजिक समस्याओं को समझने में गहरी रुचि रखते हैं। विभाग इस विषय में शिक्षण विधियों और अनुसंधान क्षेत्रों को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह विभाग इस विषय अद्वितीय अवसर प्रदान करता है क्योंकि यह संस्कृत और वैदिक अध्ययन विभाग है, जो संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्यापीठ में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। वर्तमान में, विभाग एमए संस्कृत कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। विभाग शैक्षणिक गतिविधियों और सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों के आयोजन में अत्यधिक सक्रिय रहा है

विभाग की ताकत

- अनुभवी और अनुसंधान उन्मुख संकाय जिसमें अंतःविषय विशेषज्ञता है।
- मजबूत छात्र–शिक्षक अनुपात जो व्यक्तिगत मार्गदर्शन को सक्षम बनाता है।
- सीबीसीएस के साथ पीजी, और पीएच.डी. स्तरों पर अच्छी तरह से संरचित कार्यक्रम।
- अनुसंधान, प्रकाशन और परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी।
- सेमिनार, कार्यशालाओं, विस्तार और आउटरीच गतिविधियों का नियमित आयोजन।
- शिक्षा जगत, गैर सरकारी संगठनों और विकास क्षेत्रों में प्लेसमेंट के साथ मजबूत पूर्व छात्र नेटवर्क।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

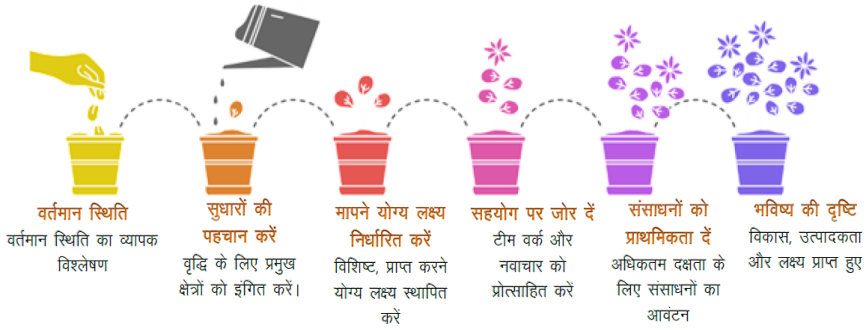

- एनईपी–2020 के साथ संरेखित नए मूल्य वर्धित/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करें।
- छात्र इंटर्नशिप और अनुसंधान के लिए उद्योग–अकादमिक सहयोग को मजबूत करें।
- आईसीटी–सक्षम शिक्षण संसाधनों और स्मार्ट कक्षा सुविधाओं को बेहतर बनाएं।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों के माध्यम से अनुसंधान परियोजनाओं का विस्तार करें।
- अधिक राष्ट्रीय सेमिनार, एफडीपी और कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करें।
- ज्यादा मजबूत सामुदायिक आउटरीच और विस्तार सेवाएं स्थापित करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- यूजीसी/आईसीएआर दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया गया पाठ्यक्रम।
- बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) के माध्यम से पाठ्यक्रम का नियमित संशोधन और अद्यतन करना।
- सीबीसीएस और एनईपी–2020 सिद्धांतों को शामिल किया गया।
- हितधारकों (छात्रों, पूर्व छात्रों, उद्योग विशेषज्ञों) से इनपुट।

1.2 पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन

- शैक्षणिक कैलेंडर का सख्ती से पालन किया जाता है।
- संकाय द्वारा तैयार विस्तृत शिक्षण योजनाएं तैयार किए जाते है।
- पाठ्यक्रम वितरण की निरंतर निगरानी की जाती है।
- प्रभावी शिक्षण के लिए आईसीटी–आधारित उपकरणों का उपयोग।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- वैकल्पिक विकल्पों के साथ सीबीसीएस–आधारित पाठ्यक्रम।
- सभी विभागों में उपलब्ध खुले ऐच्छिक।
- अंतःविषय सीखने और कौशल बढ़ाने के लिए प्रावधान।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

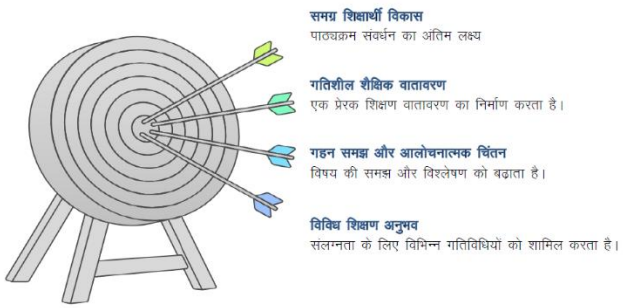

- मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और कौशल विकास कार्यशालाएं आयोजित किये गए।
- जीवन कौशल, लिंग संवेदीकरण और पर्यावरण जागरूकता को शामिल किया गया।
- विस्तार और आउटरीच कार्यक्रम पाठ्यक्रम से जुड़े हुए है।

1.5 फीडबैक सिस्टम

- छात्रों, पूर्व छात्रों, नियोक्ताओं और संकाय से संरचित प्रतिक्रिया तंत्र।
- प्रत्येक प्रतिक्रिया चक्र के बाद कार्रवाई रिपोर्ट तैयार की जाती है।
- प्रतिक्रिया का इस्तेमाल पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है।

2 शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार प्रवेश, जिसमें समानता और विविधता सुनिश्चित हो।
- विभिन्न राज्यों और सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि के लोगों का प्रतिनिधित्व।
- आरक्षण नीतियां लागू की गई।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वालों के लिए ब्रिज पाठ्यक्रम।
- धीमी गति से शिक्षार्थियों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं।
- तेज सीखने वाले शिक्षार्थियों ने शोध का अनुभव और अतिरिक्त परियोजनाएं दिये जाते है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- समूह चर्चा, केस अध्ययन, रोल प्ले के साथ शिक्षार्थी–केंद्रित शिक्षण।
- आईसीटी एकीकरण के साथ मिश्रित शिक्षा।
- फील्डवर्क और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

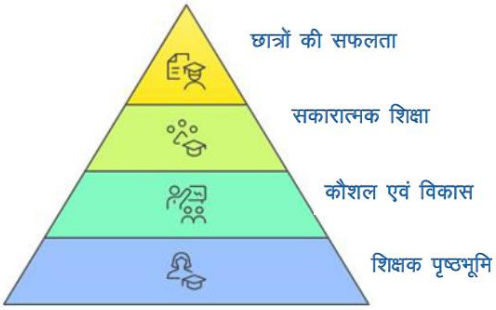

- पीएच.डी. डिग्री के साथ योग्य संकाय।
- संकाय सक्रिय रूप से अनुसंधान, प्रकाशन और परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल है।
- एफडीपी, ओरिएंटेशन और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में भागीदारी।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- सतत आंतरिक मूल्यांकन (सीआईए)।
- मॉडरेशन और पुनर्मूल्यांकन के साथ पारदर्शी परीक्षा प्रणाली।
- महामारी के दौरान ऑनलाइन मूल्यांकन शामिल किया गया।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- पीओ/सीओ/पीएसओ को स्पष्ट रूप से परिभाषित और मैप किया गया है।
- सीखने के परिणामों का मूल्यांकन असाइनमेंट, परियोजनाओं और मौखिक बातचीत के माध्यम से किया जाता है।
- बेहतर प्लेसमेंट और उच्च शिक्षा के रिकॉर्ड।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- नियमित एसएसएस आयोजित किया गया।
- शिक्षण गुणवत्ता और सुविधाओं में सुधार के लिए उपयोग किया जाने वाला विश्लेषण।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- आईसीएसएसआर, आईसीएआर और अन्य एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं।
- संकाय और शोध अध्येताओं के लिए आंतरिक वित्त पोषण सहायता।

3.2 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- छात्रों के परियोजनाएँ समुदाय–आधारित अनुसंधान से जुड़े हुए है।
- उद्यमिता और कौशल आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया गया।

3.3 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- सहकर्मी–समीक्षित और यूजीसी केयर पत्रिकाओं में संकाय के प्रकाशन।
- पुस्तकें और पुस्तक अध्याय लिखे गए।

- शोध में बेहतरीन काम के लिए पहचान और पुरस्कार।

3.4 विस्तार गतिविधियाँ

- नियमित सामुदायिक आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम।
- स्वास्थ्य, पोषण और बाल विकास पहल।
- गैर सरकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग।

3.5 सहयोग

- शैक्षणिक संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन।
- सहयोगात्मक परियोजनाएँ और सेमिनार आयोजित किये गये।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

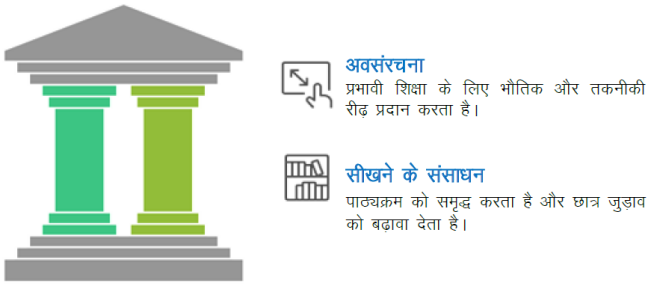

8.4 भौतिक सुविधाएं

- अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएँ और प्रयोगशालाएँ।
- स्मार्ट क्लास की सुविधाएं.
- अद्यतन संसाधनों के साथ विभागीय पुस्तकालय।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- इन्फ्लिबनेट, ई–शोध सिंधु के माध्यम से ई–संसाधनों तक पहुंच।
- अद्यतन पाठ्यपुस्तकें, पत्रिकाएँ और संदर्भ सामग्री।

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई सक्षम परिसर।
- आईसीटी आधारित शिक्षण सुविधाएं।
- ऑनलाइन शिक्षण संसाधन एकीकृत।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) लागू।
- भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे का नियमित ऑडिट

5. छात्र सहायता और प्रगति

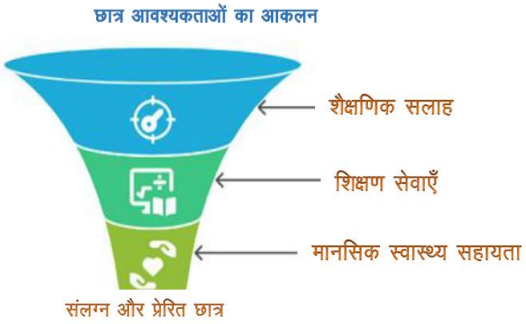

5.1 छात्र सहायता

- एससी/एसटी/ओबीसी और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए छात्रवृत्ति।
- शोध विद्वानों के लिए वित्तीय सहायता।

5.2 छात्र प्रगति

- संचार, आईसीटी, सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षण।
- रोजगार क्षमता वृद्धि के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- उच्च शिक्षा (पीजी/पीएच.डी.) प्राप्त कर रहे छात्र ।
- पूर्व छात्रों को शिक्षा जगत, गैर सरकारी संगठनों और सरकारी सेवाओं में रखा गया।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- सक्रिय पूर्व छात्र संघ।
- सेमिनार, प्लेसमेंट और मार्गदर्शन में पूर्व छात्रों का योगदान।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विजन विश्वविद्यालय के लक्ष्यों के साथ जुड़ा है।
- संकाय निर्णय लेने और समितियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- शैक्षणिक और अनुसंधान विकास के लिए रणनीतिक योजना।
- विभाग की गतिविधियों की नियमित निगरानी।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय विकास कार्यक्रमों के लिए अवसर।
- सम्मेलन और कार्यशाला में शामिल होने के लिए सहायता।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- पारदर्शी बजट और संसाधन आवंटन।
- अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से धन जुटाने के प्रयास।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईक्यूएसी दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है।
- नियमित लेखापरीक्षा और स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- लिंग संवेदीकरण कार्यक्रम।
- पर्यावरणीय स्थिरता पहल।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- समुदाय–आधारित विस्तार और आउटरीच कार्यक्रम।
- छात्र मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रणाली।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- अनुसंधान, विस्तार और शिक्षण का मजबूत एकीकरण।
- समावेशी और सतत विकास प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करें।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.5 शैक्षणिक विवरण

- **आचार्य रिपु सूदन सिंह**
  आचार्य (राजनीति विज्ञान)
  विभागाध्यक्ष, संस्कृत और वैदिक अध्ययन विभाग
  विशेषज्ञताः अंतर्राष्ट्रीय संबंध, पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका की जातीयता और राजनीति, शांति और संघर्ष अध्ययन, समकालीन भारत में अधीनस्थ राजनीति, यूपी की राजनीति
  योग्यताः एम.ए., एम. फिल, पीएच.डी.
- **डॉ. बिपिन कुमार झा**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः संस्कृत भाषा और साहित्यिक सिद्धांत, कम्प्यूटेशनल संस्कृत, भारतीय दर्शन, बौद्ध अध्ययन, तुलनात्मक धर्म
  योग्यताः एम.ए., एम. फिल, पीएच.डी.
- **डॉ. रमेश चंद्र नैलवाल**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः संस्कृत साहित्य, काव्यशास्त्र, शैव दर्शन
  योग्यताः एम.ए., एम. फिल., पीएच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

- **डॉ. बिपिन कुमार झा**
  बीओएस–दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (एसएयू, सार्क देश) के सदस्य, डॉ. शकुंतला मिश्रा एनआरयू, लखनऊ।

विषय विशेषज्ञ–सीएसटीटी (एमओई), एनआईओएस (एमओई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस)।

- **डॉ. रमेश चंद्र नेलवाल**–शून्य

8.4 शोध प्रकाशन– शून्य

8.3.1 शोध लेख–शून्य

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

डॉ. बिपिन कुमार झा

- पुस्तक अध्याय शीर्षक "कोरोना कथा, जीवन तत्वसंदर्शिका–कोरोना, कथाभारती, कोलकाता" डॉ. बिपिन कुमार झा द्वारा "कथाभारती कोलिकाटा " शीर्षक पुस्तक में 2024 में प्रकाशित (पेज नं. 157)।

डॉ. रमेश चंद्र नेलवाल

- पुस्तक अध्याय शीर्षक "भारतीय वाङ्मय में व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण की प्रमुख अवधारणाए" डॉ. रमेश चंद्र नेलवाल द्वारा लिखित पुस्तक का शीर्षक है "व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण" प्रकाशित शासकीय संस्कृत महाविद्यालय देवेन्द्रनगर पन्ना, मध्यप्रदेश, आईएसबीएन 978–93–340–7435–3 पद 2024 के साथ।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

डॉ. बिपिन कुमार झा

- 15 फरवरी, 2025 को श्री भगवान महावीर जैन इवनिंग कॉलेज बेंगलुरु द्वारा संस्कार भारती बेंगलुरु के सहयोग से प्रायोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली पर संगोष्ठी में "संस्कृत ग्रंथों में धर्म और राजनीति" विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

डॉ. बिपिन कुमार झा

- चक्रदत्त शुक्ला को पीजी कार्यक्रम के लिए सम्मानित किया गया है और उन्होंने पीजी शोध प्रबंध में पर्यवेक्षण किया है जिसका शीर्षक है **"श्रीमद्भागवद्गीता के शब्द प्रबंधन और समानार्थक शब्दों की प्रासंगिकता का एक अध्ययन (2003–25)"।**
- प्रिया वर्मा को पीजी कार्यक्रम के लिए सम्मानित किया गया है और उन्होंने पीजी शोध प्रबंध **"एसटीईएम शिक्षा पर वैदिक गणित का प्रभाव (2003–25)"** में पर्यवेक्षण किया है।

डॉ. रमेश चंद्र नेलवाल

- शालिनी पांडे ने पीजी कार्यक्रम के लिए सम्मानित किया गया है और पीजी शोध प्रबंध शीर्षक से पर्यवेक्षण किया है, जिसका शीर्षक है **''ज्यौतिषशास्त्र में वर्णित भौगोलिक विमर्श (शिद्धान्तशिरोमणि के विशेष सन्दर्भ में)"।**
- सुनीता देवी ने पीजी कार्यक्रम के लिए सम्मानित किया गया है और पीजी शोध प्रबंध शीर्षक से पर्यवेक्षण किया है, जिसका शीर्षक है **"भारतीय ज्ञान परम्परा में क्रिषि विषयक अवधारणाएं: एक तुलनात्मक अध्ययन"।**

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

डॉ. बिपिन कुमार झा

- विश्वेश्वर कुमार पांडे ने ''भारतीय ज्ञान परम्परा में तरङ्ग की अवधारणा: दार्शनिक एवं वैज्ञाननक नवश्लेषण'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- पूजा ने ''भावप्रकाश-निघण्टुगत औषधीय-पादपों का विश्लेषण एवं डेटाबेस-आधारित डिजिटल कोश निर्माण'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. रमेश चंद्र नेलवाल

- रोहित सुंदरियाल ने ''पद्मसुन्दरसूरि की कृतियों में ऐतिहासिक एवं दार्शनिक तत्त्वों का विश्लेषणात्मक अध्ययन'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- प्रीती कुमारी ने ''आधुनिक संस्कृत साहित्य में विप्रलम्भकाव्य-परम्परा: एक काव्यशास्त्रीय विश्लेषण'' थीसिस शीर्षक के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री – शून्य

- परास्नातक/स्नातक/डिप्लोमा पूरा करने वाले छात्रों की संख्या–05
- सिविल सेवाओं (यूपीएससी/यूपीपीएससी) में चयनित छात्रों की संख्या–शून्य
- उच्च शिक्षा में अध्यापन के लिए चयनित छात्रों का विवरण–शून्य
- उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या–01
- अन्य सरकारी नौकरियों/बैंकिंग/स्कूल शिक्षण आदि में चयनित छात्रों की संख्या–शून्य
- एसएलईटी/एनईटी/जेआरएफ/किसी अन्य फेलोशिप से सम्मानित छात्रों की संख्या–शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य–

डॉ. बिपिन कुमार झा

- अनुसंधान अनुदान रु. 4,50,000.00/– के साथ "भारतीय ज्ञान परम्परा में नाथ पंथ का योगदान" नामक परियोजना, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित मार्च–2025 में प्रदान किया गया था।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ: शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	–
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	–
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	–
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	37
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	21
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	–
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	–
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	1

योग, प्राकृतिक चिकित्सा और संज्ञानात्मक अध्ययन विद्यापीठ

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ में योग, प्राकृतिक चिकित्सा और संज्ञानात्मक अध्ययन स्कूल की स्थापना 2019 में योग, प्राकृतिक चिकित्सा और संज्ञानात्मक विज्ञान को समग्र स्वास्थ्य और मन–शरीर अनुसंधान के व्यापक ढांचे में एकीकृत करने के उद्देश्य से की गई थी।

पहले संकायाध्यक्ष, आचार्य बाल चन्द्र यादव को 2022 में नियुक्त किया गया था, जिनके नेतृत्व में विद्यापीठ ने अपनी मूलभूत शैक्षणिक संरचना विकसित की और महत्वपूर्ण शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियाँ शुरू कीं। अगस्त 2025 में, आचार्य पीएस रजनीकांत ने संकायाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला, जिससे विद्यापीठ के शैक्षणिक दृष्टि और अनुसंधान पहलों को और मजबूत किया गया।

वर्तमान में, विद्यापीठ में एक विभाग–योग विभाग, जो पारंपरिक योग प्रथाओं और कल्याण के आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोणों में शैक्षणिक कार्यक्रम, कौशल–आधारित प्रशिक्षण और अनुसंधान के अवसर प्रदान करता है।

विद्यापीठ अंतःविषयक शिक्षा और साक्ष्य–आधारित प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकसित हो रहा है, जो स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है।

योग विभाग

विभाग का परिचय

योग विभाग की स्थापना 2020 में विश्वविद्यालय और पूरे देश में योग शिक्षा और शोध को मजबूत करने की दृष्टि से की गई थी। विभाग प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों से लेकर डॉक्टरेट अध्ययन तक विभिन्न कार्यक्रम प्रदान करता है, जो योग को केवल आसन के बजाय समग्र जीवन जीने के विज्ञान के रूप में देखता है। योग को स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान, शिक्षाशास्त्र और जीवनशैली में एकीकृत करने पर है ताकि मनोदैहिक और जीवनशैली से संबंधित बीमारियों का समाधान किया जा सके।

विभाग की ताकत

- योग के विविध अंतःविषयक क्षेत्रों में संकाय विशेषज्ञता।
- एक प्रमुख योग संस्थान (एस–व्यासा, बेंगलुरु) के साथ सहयोग।
- प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 20 से अधिक प्रकाशनों के साथ मजबूत शोध परिणाम।
- व्यापक सामुदायिक पहुँच (योग महोत्सव, कार्यशालाएं, सूर्यथॉन)।
- योग का आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान के साथ एकीकरण।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)



- स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए योग थेरेपी में डिप्लोमा शुरू करें।
- अनुसंधान और विनिमय के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाएं।

- योग और तंत्रिका विज्ञान पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करें।
- योग चिकित्सा और ध्यान में एमओओसी/ऑनलाइन पाठ्यक्रम विकसित करें।
- स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों के प्लेसमेंट के अवसरों को मजबूत करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- पाठ्यक्रम की पेशकशः एम.एससी. योग, एम.ए. योग, प्रमाणपत्र कार्यक्रम (6 महीने), पीएच.डी. योग, योग फाउंडेशन कोर्स (200 घंटे)।
- पाठ्यक्रम में पारंपरिक दर्शन, थेरेपी, अनुसंधान विधियों के तरीकें और सर्वांगीण विकास के लिए व्यावहारिक अनुप्रयोग शामिल है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- विभिन्न स्तरों पर विकल्प आधारित पाठ्यक्रम (डॉक्टरेट से प्रमाण पत्र)।
- शैक्षिक बेहतरी के लिए एस–व्यासा, बेंगलुरु के साथ सहयोग।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन



- योग चिकित्सा, ध्यान और निवारक स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान देना।
- मानसिक स्वास्थ्य, महिलाओं के स्वास्थ्य, आध्यात्मिक कल्याण पर कार्यशालाएं और सेमिनार।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- नियमित रूप से छात्र प्रतिक्रिया कार्यशालाओं और कक्षा बातचीत के माध्यम से लिया जाता है।

2 शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- 22 परास्नातक छात्रों ने प्रवेश लिया (2023–2025 बैच)।
- 11 पीएचडी अध्येता अभी शोध कर रहे है।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- बच्चों, महिलाओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और अनाथों के लिए खास कार्यशालाएँ डिज़ाइन की गई है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट कक्षाओं, योग हॉल, प्रयोगशालाओं, और आईसीटी उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

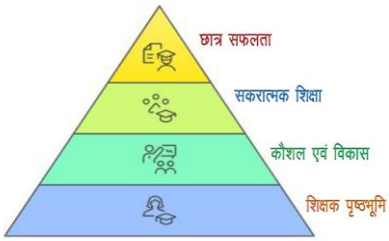

- विविध विशेषज्ञता वाले तीन संकाय सदस्य (योग चिकित्सा, संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान, भारतीय दर्शन, मनोरोग)।
- संकाय राष्ट्रीय समितियों, संपादकीय मंडल और पाठ्यक्रम डिजाइन में शामिल है।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- कार्यशालाओं और वाइवा–वाइस के माध्यम से सेमेस्टर–आधारित परीक्षाएं और निरंतर मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- 11 छात्रों ने परास्नातक (2023–25) पूरा किया।
- 2 छात्रों को पीएच.डी. डिग्री प्रदान किया गया; 1 छात्र ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण किया।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- विभागीय कार्यक्रमों और शैक्षणिक सत्रों के दौरान सकारात्मक प्रतिक्रिया।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला और मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला उन्नत अनुसंधान को सहायता प्रदान करते हैं।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- संकाय राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग में शामिल हैं।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- जीवन शैली और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग चिकित्सा नवाचारों पर कार्यशाला।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- 20 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन (2024–2025)।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में संकाय मुख्य वक्ता।

3.5 परामर्श:

- विभाग सार्वजनिक स्वास्थ्य (एनएएसी साक्ष्य) के लिए योग चिकित्सा कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- सामुदायिक पहुँच: ''सूर्यथॉन 2024,'' अनाथों, महिलाओं के स्वास्थ्य आदि के लिए योग।

3.7 सहयोग

- एस–व्यासा, बेंगलुरु के साथ समझौता ज्ञापन।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन



8.5 भौतिक सुविधाएं

- सामान्य कक्षाएं, स्मार्ट कक्षा, योग हॉल।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- योग से संबंधित संसाधनों के साथ केंद्रीय पुस्तकालय का उपयोग।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी–सक्षम कक्षाएं, ऑनलाइन अनुसंधान पहुंच।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- योग हॉल और प्रयोगशालाओं का नियमित रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- नेट/जेआरएफ, उच्च अध्ययन और अनुसंधान गतिविधियों के लिए मार्गदर्शन।

5.2 छात्र प्रगति

- अनुसंधान और शैक्षणिक करियर के लिए प्रगति करने वाले छात्र।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, योग महोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- प्रारंभिक बैच विभाग के साथ सक्रिय संपर्क बनाए हुए है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- स्वास्थ्य देखभाल, जीवन शैली और आध्यात्मिकता के लिए योग को एक समग्र विज्ञान के रूप में बढ़ावा देना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- वार्षिक योग महोत्सव, विषयगत कार्यशालाएं, सेमिनार।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय संपादकीय मंडल, यूजीसी–एनटीए समितियों, एनसीईआरटी पाठ्यक्रम विकास में शामिल है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- विश्वविद्यालय और सहयोग के माध्यम से समर्थन।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- विभागीय आईक्यूएसी और एक्यूएआर समन्वय।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- वंचित समुदायों, अनाथों और महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए आउटरीच कार्यशालाएं।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- 300 प्रतिभागियों के साथ बड़े पैमाने पर सामुदायिक कार्यक्रम ''सूर्यथॉन 2024''।
- माइग्रेन, चिंता, महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए योग पर विशेष कार्यशालाएं।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- विभाग प्राचीन योग ज्ञान को आधुनिक तंत्रिका विज्ञान और चिकित्सा अनुसंधान के साथ जोड़ता है।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.6 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. दीपेश्वर सिंह**

  उपाचार्य, योग विभाग, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और संज्ञानात्मक विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

विशेषज्ञताः योग थेरेपी, योग दर्शन, संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान में योग अनुसंधान, न्यूरोसाइकिक फिजियोलॉजी, और ऑप्टिकल न्यूरोइमेजिंग।
योग्यताः पीएच.डी. (योग), एम.एससी. (एप्लाइड योग और समग्र स्वास्थ्य), यूजीसी–नेट।

- **डॉ. नरेंद्र सिंह**

  सहायक आचार्य, योग विभाग, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और संज्ञानात्मक विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
  विशेषज्ञताः हठ योग, योग दर्शन, भारतीय दर्शन, योग चिकित्सा, श्रीमद भगवद गीता।
  योग्यताः बी.ए., एम.ए, पीएच.डी. योग।

- **डॉ. नवीन जी हलप्पा**

  सहायक आचार्य, योग विभाग, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और संज्ञानात्मक विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
  विशेषज्ञताः योग और मनोचिकित्सा, योग और प्राकृतिक चिकित्सा
  योग्यताः बीएनवाईएस, एमएससी (योग थेरेपी), पीजीडीडब्ल्यूएम, पीएच.डी. योग और मनोचिकित्सा (निमहांस)।

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

डॉ. दीपेश्वर सिंह

सदस्य अध्ययन बोर्ड/स्कूल बोर्ड

- स्कूल बोर्ड सदस्य, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और संज्ञानात्मक विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ–वर्षवार जिम्मेदारियां।
- डीओवाई, एलएनआईपीई, ग्वालियर के बीओएस सदस्य–वर्षवार जिम्मेदारियां।
- एलएनआईपीई, ग्वालियर के डीआरसी सदस्य; 23 जनवरी 2025 को आयोजित बैठक–वर्षवार जिम्मेदारियां।

विश्वविद्यालय समितियों के सदस्य/समन्वयक

- बीबीएयू के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के सदस्य–वर्षवार जिम्मेदारियां।
- समन्वयक, विभागीय आईक्यूएसी प्रकोष्ठ।
- समन्वयक, विभागीय एक्यूएआर।
- समन्वयक, विभागीय जीईएम पोर्टल।
- सदस्य, क्रय समिति–वर्षवार जिम्मेदारियां।

राष्ट्रीय समितियों

- विषय विशेषज्ञ, राष्ट्रीय यूजीसी–एनटीए समिति।
- विषय विशेषज्ञ, मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग।
- विषय विशेषज्ञ, राजस्थान लोक सेवा आयोग।
- विषय विशेषज्ञ, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग।

संपादकीय मंडल सदस्य

- सदस्य, संपादक मंडल– इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योगा 2017।
- सदस्य, संपादक मंडल– जर्नल ऑफ एप्लाइड कॉन्शियसनेस स्टडीज 2019 से।
- संपादक, बीएमसी स्प्रिंगर नेचर– 2025।

डॉ. नरेंद्र सिंह

सदस्य अध्ययन बोर्ड/स्कूल बोर्ड

- सदस्य, स्कूल बोर्ड, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और संज्ञानात्मक विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, बीपीजीएस, योग विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

- सदस्य, डीआरसी, योग विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

राष्ट्रीय समितियों में सदस्य

- (पाठ्यक्रम विकास समिति के सदस्य–एनसीईआरटी) ने एनसीओई, एनएसएससी, भारतीय खेल प्राधिकरण, दक्षिणी मुख्यालय, बैंगलोर, कर्नाटक में 16–18 दिसंबर, 2024 तक ''शारीरिक शिक्षा और कल्याण में पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक के विकास'' पर तीन दिनों की कार्यशाला में टीडीटी सीआईवी के सदस्य के रूप में भाग लिया।
- (पाठ्यक्रम विकास समिति के सदस्य–एनसीईआरटी) ने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 24 से 28 फरवरी, 2025 तक ''कक्षा 7 शारीरिक शिक्षा और कल्याण पुस्तक का हिंदी भाषा में अनुवाद'' पर पांच दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। इस कार्यशाला का आयोजन सामाजिक विज्ञान में शिक्षा विभाग (एनसीईआरटी), नई दिल्ली द्वारा किया गया था

पाठ्यक्रम समन्वयक

- समन्वयक, पीएच.डी. पाठ्यक्रम।
- समन्वयक, योग में प्रमाणपत्र कार्यक्रम।
- समन्वयक, योग फाउंडेशन पाठ्यक्रम।
- सदस्य, विभागीय क्रय समिति–वर्षवार जिम्मेदारियां।

डॉ. नवीन जी. हलप्पा

सदस्य अध्ययन बोर्ड/स्कूल बोर्ड

- सदस्य, स्कूल बोर्ड, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और संज्ञानात्मक विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ–वर्षवार जिम्मेदारियां।
- सदस्य (विशेष आमंत्रित), बीपीजीएस, योग विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- सदस्य, डीआरसी, योग विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

विश्वविद्यालय समितियों के सदस्य/समन्वयक

- विभागीय समन्वयक, एमए और एमएससी।
- विभागीय समन्वयक, सीबीसीएस।
- विभागीय समन्वयक, एमपीडीसी।

चिकित्सा लाइसेंस

- 2004–कर्नाटक स्टेट काउंसिल फॉर इंडियन मेडिसिन के तहत वर्तमान पंजीकृत प्राकृतिक चिकित्सा और योग चिकित्सा व्यवसायी (पंजीकरण संख्याः 174)।
- 2018–सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी (पंजीकरण संख्याः 131) के तहत वर्तमान केंद्रीय पंजीकरण–प्राकृतिक चिकित्सा और योग विभागीय खरीद समिति सदस्य– वर्षवार जिम्मेदारियां

व्यावसायिक सदस्यता

- 2009–इंडियन नेचुरोपैथी एंड योगा ग्रेजुएट्स मेडिकल एसोसिएशन की वर्तमान राष्ट्रीय समिति के सदस्य।
- 2023–आजीवन सदस्य, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआई)।

8.3 शोध प्रकाशन

8.5ण्1 शोध लेख–

डॉ. दीपेश्वर सिंह

- ए पाइलट स्टडी, एड्वान्सेस इन माइंड–बॉडी मेडिसिन, 39(1), 14–18, https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/40064005/ 2025
- यादव, एस. एस., थापा, आर., सोमानाधपाई, एस., और सिंह, डी. (2025), ''इफेक्ट ऑफ योगा एण्ड नेचुरोपैथी इन द मैनेजमेंट ऑफ मेलास्माः ए केस रिपोर्ट'',यूरोपियन जर्नल ऑफ़ इंटीग्रेटिव मेडिसिन, https://doi.org/10.1016/j.eujim.2025.102522
- माझी, एम., दीपेश्वर, एस., मंडल, एस., और चटर्जी, एस. (2025), ''इफेक्ट्स ऑफ प्रोप्रियोसेप्टिव न्यूरोमस्कुलर फैसिलिटेशन (PNF) एण्ड योगा पोस्चर्स ऑन द हेमोडायनामिक्स ऑफ द प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स'', जर्नल ऑफ़ बॉडीवर्क एंड मूवमेंट थेरेपीज़, 43, 344–352, https://doi.org/10.1016/j.jbmt.2025.05.012
- सिंह, जी., सलीमा, जे. एस., द्विवेदी, के., और सिंह, डी. (2025), ''इंपैक्ट ऑफ हार्टफुलनेस मेडिटेशन ऑन ईईजी अल्फा बैंड पावर एक्रॉस डिफरेंट मेडिटेशन एक्सपीरियेन्स लेवेल्स'', रिसर्च स्क्वायर, https://doi.org/10.21203/rs.3.rs-6440427/v1
- कांथी, ए., दीपेश्वर, एस., चिदानंद, के., विद्याश्री, एम., और कृष्णा, डी. (2025), ''इवेंट–रिलेटेड पोटेन्शियल चेंजेस फॉलोयिंग 12–वीक योगा प्रैक्टीस इन T2DM पेशेंट्सः ए रैंडमाइज़्ड कंट्रोल्ड ट्रायल'', क्लिनिकल ईईजी एंड न्यूरोसाइंस, 56(2), 150–158, https://doi.org/10.1177/15500594241249511
- नवीन, के. एच., सिंह, डी., श्रीनिवासन, एस., भारद्वाज, पी., मित्रा, पी., शुक्ला, के. के., टोमो, एस., द्विवेदी, के., शर्मा, पी. पी., बास्करन, पी., शुक्ला, आर., व्यास, एच., कुमार, ए., मिधा, एन., गर्ग, एम. के., शर्मा, पी., और मिश्रा, एस. (2024), ''इफेक्ट ऑफ टेली–योगा ऑन बर्नआउट, मेंटल हेल्थ एण्ड इम्यून मार्कर्स ऑफ हेल्थ केयर वर्कर्स ऑन कोविड–19 ड्यूटीः एन ओपेन–लेबल पैरालेल ग्रूप पाइलट रैंडमाइज़्ड कंट्रोल्ड ट्रायल'', कॉम्प्लिमेंट्री थेरेपीज़ इन मेडिसिन, 87, 103109, https://doi.org/10.1016/j.ctim.2024.103109
- मोहंत्या, एस. के., सिंघा, ए. के., कृष्णा, डी., मोहंत्या, एस. एस., और सिंह, डी., एक्सप्लोरिंग द इफेक्ट्स ऑफ मेडिटेशन ऑन स्ट्रेस एण्ड इमोशन मैनेजमेंट एमांग स्टूडेंट्सः एन इलेक्ट्रोफोटोनिक इमेज स्टडी'', https://doi.org/10.5281/zenodo.14403131
- मोहंती, एस., सिंह, डी., सिंह, ए., कृष्णा, डी., मोहंती, एस., और विंचुरकर, एस. (2024), ''इंप्रूविंग प्रिफ्रंटल ऑक्सिजेनेशन एण्ड कार्डियक ऑटोनोमिक एक्टिविटी फॉलोयिंग मेडिटेशनः ए फंक्शनल नियर–इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (fNIRS) स्टडी'', क्यूरियस, 16(8), e65978. https://doi.org/10.7759/cureus.65978
- सैनी, आर., उपाध्याय, बी. आर., और सिंह, डी. (2024), ''ब्रह्मा कुमारीज राजा योगा मेडिटेशन एण्ड हाइपरटेन्शनः ए होलिसटिक पर्स्पेक्टिव'', जर्नल ऑफ़ एप्लाइड कॉन्शसनेस स्टडीज़, 12(2), 142–143, DOI: 10.4103/jacs.jacs_18_24

डॉ. नरेंद्र सिंह

- यादव, ए., कुमारी, आर., गोयल, ए., सिंधवानी, जी., सिंह, एन., और खंडूरी, आर. (2024), ''एफिकेसी ऑफ ए स्ट्रक्चर्ड योगा इंटरवेन्शन इंटीग्रेटेड विथ रुटीन केर वर्सेस एक्सर्साइज़ ऑन पल्मनरी फंक्शन एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ अस्थमा पेशेंट्सः ए रैंडमाइज़्ड कंट्रोल्ड ट्रायल''।
- एडवांसेज इन माइंड–बॉडी मेडिसिन, 38(2), 10–15, https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/38837777/

डॉ. नवीन जी. हलप्पा

- हलप्पा, एन. जी., और सिंह, एच. (2025), '' एविडेन्स–बेस्ड योगा थेरपी एज मोनो आर एड्ज्यूवेंट थेरपी फॉर मेजर डिप्रेसिव डिसॉर्डरः ए नैरेटिव लिटरेचर रिव्यू'', अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, वॉल्यूम 28(1एस), 1460–1468, DOI: https://doi.org/10.53555/AJBR.v28i1S.6453

8.5ण्2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.5ण्3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

डॉ. दीपेश्वर सिंह

- पूजा स्वामी साहनी, कनुप्रिया शर्मा, दीपेश्वर सिंह, सत बीर सिंह खालसा (2024), योग के तंत्रिका विज्ञानः सिद्धांत और अभ्यासः भाग II 293–310 आईएसबीएन–978–981–97–2854–1 https://doi.org/10.1007/978-981-97-2855-8
- श्री नरेंद्र एस, दीपेश्वर एस, हरिशंकर एस., ''यूजफुलनेस ऑफ हठ योगा इन हेल्थ प्रमोशन एण्ड रिज्यूवेनेशन साइंटिफिक एक्सप्लोरेशन ऑफ योगा'', 978–81–967415–2–5।
- दीपेश्वर एस, नरेंद्र एस, हरिशंकर एस., ''करेंट डेवेलपमेंट इन साइंटिफिक रिसर्च ऑन योगाः ए रिव्यू साइंटिफिक एक्सप्लोरेशन ऑफ योगा'' 978–81–967415–2–5।

डॉ. नरेंद्र सिंह

- 10–11 अगस्त, 2023 को शिक्षा विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ द्वारा आयोजित और भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ''सामाजिक मानक में श्री अरविंद का शेख चिंतन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति –2020'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की सम्मेलन कार्यवाही में ''श्री अरविंद घोष जी के शेख विचार में योग की प्रसांगिकता'' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत और प्रकाशित किया।
- 29–30 मई 2023 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (MDNIY), आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित समग्र स्वास्थ्य के लिए योग पर दूसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''दैनिक जीवन में योग की प्रासंगिकता'' पर एक शैक्षणिक पेपर का योगदान दिया और आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. नवीन जी. हलप्पा

- योग फॉर क्रोनिक डिजीज एंड स्पोर्ट्स पर्सन्स–हिंदी दैनिक समाचार पत्र, 28 सितंबर, 2024 में प्रकाशित।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

- योग और तंत्रिका विज्ञान, 2025 पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''12–सप्ताह के योग अभ्यास के बाद घटना–संबंधित संभावित परिवर्तन'' शीर्षक से एक शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- योग विभाग, बीबीएयू, लखनऊ, 2025 द्वारा आयोजित योग और मानसिक स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान ''योग और संज्ञानात्मक विनियमन'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- एकीकृत स्वास्थ्य और कल्याण, योग और मस्तिष्क पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सत्र 2024 में योगदान दिया और भाग लिया।
- ''योग अनुसंधान में ईईजी अनुप्रयोग'' बीबीएयू, लखनऊ, 2024 पर एक संकाय विकास कार्यशाला में भाग लिया।
- योग और संबद्ध विज्ञान में अनुसंधान पद्धति, 2024 पर कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

डॉ. नरेंद्र सिंह

- 10–11 अगस्त, 2023 को शिक्षा विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ द्वारा आयोजित और भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, ''सामाजिक मानक में श्री अरविंद का शेख चिंतन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''श्री अरविंद घोष जी के शेख विचार में योग की प्रसांगिकता'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 29–30 मई 2023 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणबीर कैंपस, जम्मू द्वारा मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (MDNIY), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY–2023) के संबंध में आयोजित समग्र स्वास्थ्य के लिए योग पर दूसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (हाइब्रिड मोड) के दौरान ''दैनिक जीवन में योग की प्रासंगिकता'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 22 अक्टूबर से 20 नवंबर 2023 तक शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में टीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी), रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित

विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय के लिए एक ऑनलाइन चार सप्ताह का अभिविन्यास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. नवीन जी. हलप्पा

- 3–6 जनवरी 2024 को 25वां इन्कोफायरा, एसवीवाईएएसए विश्वविद्यालय द्वारा ''मस्कुलोस्केलेटल चोटों/विकारों और मानसिक विकारों के लिए व्यायाम और खेल विज्ञान में योग का एकीकरण–एक समीक्षा'' पर आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- 18 से 20 नवंबर 2024 तक आयोजित केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, कर्नाटक द्वारा नेचुरोपैथी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''नेचुरोपैथिक मेडिसिन में हालिया प्रगति'' सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

डॉ. दीपेश्वर सिंह

- अभिषेक मौर्य ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- अक्षय कुमार ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- भावना शर्मा ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- प्रणव पांडे ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- कमलेश बिश्वास ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

डॉ. नरेंद्र सिंह

- डोली देवी ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- प्रतीक रॉय ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- कुमार मधुरंजन ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- राहुल कुमार उके ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

डॉ. नवीन जी. हलप्पा

- सुधांशु ने ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- सागर नवरंग ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।
- जयवर्धन राजपुरोहित ने पीएच.डी. के लिए प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री –

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –

डॉ. दीपेश्वर सिंह

- डीएसटी–सत्यम वित्त पोषित परियोजना ''बच्चों में ध्यान अवधि और शैक्षणिक प्रदर्शन पर भगवद गीता जप और आसन का प्रभाव'' (2024–2026) पर सह–प्रधान अन्वेषक के रूप में कार्य करना।
- डीएसटी–सत्यम योजना (भारत सरकार) के तहत योग आधारित अनुसंधान प्रस्तावों के लिए सलाहकार और समीक्षक के रूप में कार्य किया।
- संज्ञानात्मक और भावनात्मक विनियमन अध्ययन के लिए योग चिकित्सा मॉड्यूल के सत्यापन में शामिल (2024–2025)।

डॉ. नरेंद्र सिंह

- डीएसटी–सत्यम योजना, भारत सरकार के तहत ''बच्चों में ध्यान अवधि और शैक्षणिक प्रदर्शन पर भगवद गीता जप और आसन का प्रभाव'' (2024–2026) नामक अनुसंधान परियोजना में सह–अन्वेषक के रूप में कार्य कर रहे है।
- छात्रों और सामुदायिक कल्याण के लिए योग–आधारित आउटरीच और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने वाली विभागीय और संस्थागत पहलों में भाग लिया (2023–2024)।

डॉ. नवीन जी हलप्पा

- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में संस्कृत और आयुर्वेद के माध्यम से योग के संस्कृत परियोजना मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया (जून 2025)।

- अनुसंधान और नैदानिक अनुप्रयोग के लिए मान्य सात योग चिकित्सा मॉड्यूल किया गया (2024–2025)।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः

डॉ. दीपेश्वर सिंह

- योग और तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान में योगदान के लिए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (2024) से सम्मानित।
- 12–सप्ताह के योग अभ्यास के बाद घटना से संबंधित संभावित परिवर्तनों पर काम के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पेपर पुरस्कार (2024) से सम्मानित।
- योग, तंत्रिका विज्ञान और संज्ञानात्मक मनोविज्ञान पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया (2024–2025)।
- बच्चों में योग और संज्ञानात्मक वृद्धि के क्षेत्र में पीएच.डी. पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन जारी रखा (2024–2025)।

डॉ. नरेंद्र सिंह

- योग शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 5 सितंबर 2021 को आयोजित शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया।
- बीबीएयू, लखनऊ द्वारा आयोजित सेमिनार और कार्यशाला के दौरान शैक्षणिक और अनुसंधान योगदान के लिए सराहना और पहचान मिली (2023–2024)।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में अतिथि वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया, जिसमें समग्र स्वास्थ्य के लिए योग पर द्वितीय वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और एमडीएनआईवाई, 2023) शामिल है।
- ओरिएंटेशन प्रोग्राम और फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (टीएलसी रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2023) सफलतापूर्वक ग्रेड ए के साथ को पूरा किया, जिसे शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के योग विभाग में संकाय सदस्य और संसाधन व्यक्ति के रूप में संस्थागत विकास और आउटरीच कार्यक्रमों में योगदान दिया (2023–2024)।

डॉ. नवीन जी. हलप्पा

- एकीकृत खेल चिकित्सा और पुनर्वास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (25 वें इन्कोफायरा), एसवीवाईएएसए विश्वविद्यालय, जनवरी 2024 के दौरान योग और प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में योगदान के लिए पहचान मिली।
- हिंदी दैनिक समाचार पत्र सितंबर 2024 में, ''योग फॉर क्रोनिक डिजीज एंड स्पोर्ट्स पर्सन्स'' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया, जिसमें योग के चिकित्सीय लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई।
- चिंता, नींद की गुणवत्ता और न्यूरोकॉग्निटिव कार्यों के लिए योग–आधारित हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पीएच.डी. और एम.एससी. शोध प्रबंधों का शैक्षणिक पर्यवेक्षण जारी रखा। (2024–2025) ।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	4
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	16
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	18
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	27

7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	13
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
सिविल इंजीनियरिंग विभाग

विभाग का परिचय

सिविल इंजीनियरिंग विभाग सैद्धांतिक ज्ञान, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अनुसंधान अभिविन्यास के संयोजन से समग्र छात्र विकास पर जोर देता है। पाठ्यक्रम उद्योग, अनुसंधान, उद्यमिता और सार्वजनिक सेवा में करियर के लिए स्नातक तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जल संसाधन इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग और भू–स्थानिक प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ, विभाग का उद्देश्य नागरिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से एक स्थायी भविष्य का निर्माण करना है।

विभाग की ताकत

- सक्रिय अनुसंधान योगदान के साथ उच्च योग्य संकाय (सभी पीएचडी धारक)।
- प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में अनुसंधान प्रकाशनों पर मजबूत ध्यान।
- प्रयोगशालाओं और स्मार्ट कक्षाओं लागू सीखने का समर्थन करने के लिए।
- प्रतियोगी परीक्षा (गेट) और उच्च अध्ययन में सफलता प्राप्त करने वाले छात्र।
- जल संसाधनों, भू–स्थानिक तकनीकों और संरचनात्मक इंजीनियरिंग में अनुसंधान अभिविन्यास।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)



- उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग और समझौता ज्ञापन स्थापित करना।
- कौशल वृद्धि के लिए अधिक सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजित करना।
- जल संसाधन और संरचनात्मक इंजीनियरिंग में परामर्श परियोजनाओं को विकसित करना।
- संकाय को प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं और पेटेंट के लिए प्रोत्साहित करना।
- उद्योग संबंधों के माध्यम से छात्रों के प्लेसमेंट के अवसरों को मजबूत करना।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- विभाग बी.टेक (सिविल इंजीनियरिंग) और पीएच.डी. (सिविल इंजीनियरिंग) कार्यक्रम प्रदान करता है।
- पाठ्यक्रम सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों तरह की शिक्षा पर केंद्रित है, जिसमें अनुसंधान अभिविन्यास और उद्योग प्रासंगिकता पर जोर दिया जाता है।

- संकाय सदस्य शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में रिमोट सेंसिंग, जीआईएस, संरचनात्मक डिजाइन, हाइड्रोलिक्स और जल संसाधन इंजीनियरिंग जैसे आधुनिक तकनीकों को सक्रिय रूप से शामिल करते हैं।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- परियोजना कार्य और ऐच्छिक में विकल्प–आधारित दृष्टिकोण।
- सिविल इंजीनियरिंग के अलावा अलग–अलग क्षेत्रों में अनुसंधान के अवसर।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन



- विभाग सेमिनार आयोजित करता है (जैसे 06.02.2025 ''सीएडी का परिचय और अनुप्रयोग'')।
- संकाय शिक्षण में आधुनिक उपकरण और अंत:विषयक दृष्टिकोण को शामिल करती है।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- पाठ्यक्रम वितरण और पाठ्यक्रम में सुधार पर छात्रों से प्रतिक्रिया लिया गया।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- 141 स्नातक छात्र वर्तमान में नामांकित हैं।
- पीएच.डी. छात्र कोर्सवर्क कर रहे है (यूजीसी फेलोशिप धारकों)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- विभाग उच्च अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को सहायता प्रदान करता है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट कक्षाओं और प्रयोगशाला–आधारित शिक्षा का उपयोग।
- संकाय आईसीटी–सक्षम शिक्षण विधियों का इस्तेमाल करते हैं।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता



- **संकाय संख्या:** 3 संकाय सदस्य (सभी पीएच.डी. धारक)।
- **विशेषज्ञता के क्षेत्र:** जल संसाधन, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- असाइनमेंट, सेमिनार और प्रयोगशाला कार्य के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम

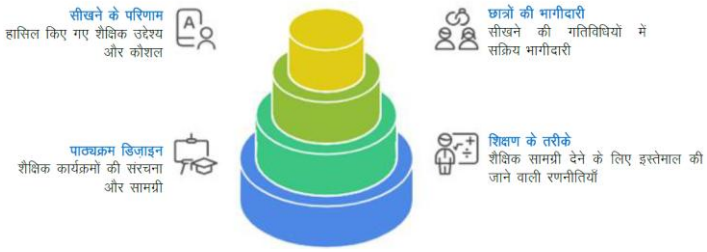

- बी.टेक स्नातक (2024–25): 21
- गेट योग्य छात्र: 03
- कैम्पस प्लेसमेंट: 01

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- व्यावहारिक अभिविन्यास और सहायक संकाय के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- विभाग सिविल इंजीनियरिंग में पीएच.डी. अनुसंधान को बढ़ावा देता है।
- प्रयोगशालाएँ जल संसाधनों, भू–तकनीकी विज्ञान और संरचनात्मक इंजीनियरिंग में व्यावहारिक अनुसंधान का समर्थन करती हैं।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- अवधि (2024–25) के दौरान कोई प्रायोजित परियोजना नहीं।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- भू–स्थानिक तकनीकों, भूजल प्रबंधन, मृदा क्षति पूर्वानुमान और जल विज्ञान मॉडलिंग पर अनुसंधान।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार

शोध के लिए संसाधन जुटाना



- 05 अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित (2024–25)।
- संकाय उद्धरण: डॉ. उमर (721), डॉ. चौहान (255), डॉ. प्रसाद (10)।

3.5 परामर्श

- शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- शून्य

3.7 सहयोग

- शून्य (2024–25 में कोई समझौता ज्ञापन नहीं किया गया है।)

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

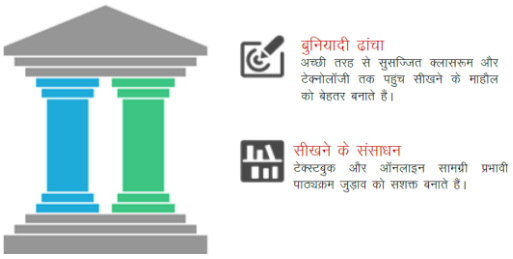

4.1 भौतिक सुविधाएं

- प्रयोगशालाएँ और स्मार्ट कक्षाएँ उपलब्ध हैं।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीय विश्वविद्यालय पुस्तकालय और ई–संसाधनों तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी–सक्षम शिक्षण सुविधाएं।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- प्रयोगशालाओं एवं कक्षाओं का नियमित रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- संकाय मार्गदर्शन और शैक्षणिक मार्गदर्शन।

5.2 छात्र प्रगति

- उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले और राष्ट्रीय परीक्षा (जैसे, गेट) उत्तीर्ण करने वाले छात्र।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सीमित सह–पाठ्यचर्या/पाठ्येतर गतिविधियों की सूचना दी गई।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र उच्च शिक्षा और अनुसंधान में आगे बढ़ रहे हैं।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- **दृष्टिकोणः** टिकाऊ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सक्षम सिविल इंजीनियरों को तैयार करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान संवर्धन और उद्योग–प्रासंगिक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- विभागीय स्तर पर किसी स्वतंत्र वित्तीय संग्रह की सूचना नहीं दी गई है।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- छात्र परिणामों और शैक्षणिक प्रगति की नियमित समीक्षा।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- पाठ्यक्रम और अनुसंधान के ज़रिए पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- नदी प्रबंधन और भूजल अध्ययन में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का एकीकरण।
- प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए छात्रों का मार्गदर्शन।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- जल संसाधन और हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग में मज़बूत अनुसंधान पर ध्यान, जो वैश्विक ज्ञान में योगदान देता है।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. मानवेंद्र सिंह चौहान**
  उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग
  विशेषज्ञताः जल संसाधन इंजीनियरिंग, नदी हाइड्रोलिक्स, हाइड्रोलिक मॉडलिंग।
  योग्यताः एम. टेक. पीएच.डी.
- **डॉ. पदम जी उमर**
  सहायक आचार्य
  सिविल इंजीनियरिंग विभाग
  विशेषज्ञताः भूजल प्रबंधन, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, इमेज प्रोसेसिंग, रिवर इंजीनियरिंग।
  योग्यताः एम. टेक. पीएच.डी.
- **डॉ. अर्जुन प्रसाद**
  सहायक प्रोफेसर
  सिविल इंजीनियरिंग विभाग
  विशेषज्ञताः स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, सामग्री की ताकत, स्टील स्ट्रक्चर का डिज़ाइन (लिमिट स्टेट), आरसीसी डिज़ाइन, सिंचाई और हाइड्रोलॉजी।
  योग्यताः एम. टेक. पीएच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

- **डॉ. मनवेंद्र सिंह चौहान–** विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग (यूआईईटी, बीबीएयू) – सहायक प्रॉक्टर (बीबीएयू)
- **डॉ. पदम जी उमर–**समन्वयक (मानविकी और अनुप्रयुक्त विज्ञान) (यूआईईटी, बीबीएयू)।
- **डॉ. अर्जुन प्रसाद–** एसीओई (बीबीएयू)

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

- चौहान एम. एस., उमर पी. जे., दीक्षित पी. के. एस., द्विवेदी, एस. बी. (2025), ''डेवेलपमेंट एण्ड वैलिडेशन ऑफ ए रेटिंग कर्व फॉर रिवर गंगा एट वाराणसी बेंड'', जर्नल ऑफ़ हाइड्रोइन्फ़ॉर्मेटिक्स, jh2025146 https://doi.org/10.2166/hydro.2025.146
- राणा, एम. एच., पटेल, डी. पी., वखारिया, वी., जोधानी, के. एच., गुप्ता, एन., सिंह, एस. के. , उमर, पी. जे. (2025), ''यूएवी–डेराइव्ड डीईएम बाथिमेट्री फॉर इनहैन्सिंग 1डी हाइड्रोडायनामिक मॉडलिंग फॉर नॉन–पेरेनियल रिवर'', जर्नल ऑफ़ द इंडियन सोसाइटी ऑफ़ रिमोट सेंसिंग, https://doi.org/10.1007/s12524-025-02254-4.
- सिंह, वी. के., कुमार, एन., अचारकी, एस., सिंह, एस. के., कुलुमुशी, एल. सी., ओलुसोला, ए. ओ., चौधरी, पी., रावत, के. एस., जोधानी, के. एच., गुप्ता, एन., उमर, पी. जे. (2025), ''इन्फ्लुयेन्स ऑफ लैंड यूज एक्टिविटीस ऑन प्रिडिक्टेड स्वायल लॉस इन ए सेमी–एरिड रिवर बेसिन'', जर्नल ऑफ़ हाइड्रोइन्फ़ॉर्मेटिक्स, https://doi.org/10.2166/hydro.2025.216.
- चत्रभुज, मेश्राम, के., मिश्रा, यू. उमर पी. जे. (2024), ''इंटीग्रेशन ऑफ रिमोट सेंसिंग डाटा एण्ड जीआईएस टेक्नॉलजीज इन रिवर मैनेजमेंट सिस्टम'', डिस्कवर जियोसाइंस, 2, 67, https://doi.org/10.1007/s44288-024-00080-8.
- गनी, ए., हुसैन, ए., पाठक, एस., अहमद, एस., उमर, पी. जे. (2025), इंपैक्ट ऑफ पॉल्यूटेंट्स ऑन ग्राउंडवॉटर क्वालिटी एण्ड हेल्थ रिस्क एसेसमेंट ऑफ क्वाटरनरी एक्विफर, नॉर्दर्न इंडिया'', जर्नल ऑफ़ हैज़र्डस, टॉक्सिक, एंड रेडियोएक्टिव वेस्ट, 29(1), 04024039, 10.1061/JHTRBP.HZENG-1401.
- गुप्ता, एन., गोंड, एस., पटेल, जे., उमर, पी. जे., त्रिपाठी, आर. पी. (2025), ''ऑब्ज़र्व्ड इंटरन्यूयल वैरियबिलिटी एण्ड प्रोजेक्टेड सिनॉरियोज ऑफ ड्राउट यूज़िंग ड्राउट इंडिकेटर्स'', जर्नल ऑफ़ वॉटर मैनेजमेंट मॉडलिंग, 33. https://doi.org/10.14796/JWMM.H536.

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

- ओमर पी. जे., सिंह एस., महतो पी. के., राय एस. पी., तिवारी एच., त्रिपाठी आर. पी. (2025), ''एसेसमेंट ऑफ साइट सुटेबिलिटी फॉर सर्फेस वॉटर रिटेन्शन एण्ड स्प्रिंगशेड रिज्यूवेनेशन यूज़िंग जियोस्पेशियल टेक्नीक्सः ए केस स्टडी ऑफ मिज़ोरम स्टेट'', इन एस. एस. एस्लामियन (संपादक) 4–वॉल्यूम हैंडबुक ऑफ़ हाइड्रोसिस्टम रेस्टोरेशन (एचएचआर) पेज 17–37, https://doi.org/10.1016/B978-0-443-29802-8.00002-9

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

- ओमर, पी. जे., चौहान, एम. एस., कश्यप, ए. के. "जल संसाधन इंजीनियरिंग के लिए मशीन लर्निंग को इंटीग्रेट करनाः एलयूएलसी डायनामिक्स और हाइड्रोलॉजिकल प्रभावों का अध्ययन"

5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ट्रेंड्स एंड रीसेंट एडवांसेज इन सिविल इंजीनियरिंग (TRACE–2024) एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा 15–16 अक्टूबर, 2024 को आयोजित।

- ओमर, पी. जे., चौहान, एम. एस., कुमार, एस., सिंह, एच. एस. "रियल–टाइम आग का पता लगाने और विस्फोट जोखिम मूल्यांकन में यूएवी'एस और सैटेलाइट इमेजरी की भूमिका", पर 'प्रोसेस प्लांट इंस्टॉलेशन और सुविधाओं में सुरक्षा और संरक्षा' पर अखिल भारतीय सेमिनार में राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, बरेली में 12–13 जून 2025 को आयोजित।
- प्रसाद, ए. "बैराज के इष्टतम लागत डिजाइन पर एनिसोट्रोपिक हाइड्रोलिक कंडक्टिविटी का प्रभाव", पर 'प्रोसेस प्लांट इंस्टॉलेशन और सुविधाओं में सुरक्षा और संरक्षा' पर अखिल भारतीय सेमिनार में राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, बरेली में 12–13 जून 2025 को आयोजित।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण– 02

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री – शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ:

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	0
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	16
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	2
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	3
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	0
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	0
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	182
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	0
9.	छात्रों की कुल संख्या	01
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	0
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	0
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	0
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	0
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	0
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	0
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	03
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	02

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग

विभाग का परिचय

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग 2013 से काम कर रहा है। यह चार वर्षीय बी.टेक कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसे कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पाठ्यक्रम को आधुनिक विकास के साथ अद्यतन किया जाता है और सेमिनार, प्रस्तुतियों और वाइवा–वोस के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा पर जोर दिया गया जाता है। विभाग कक्षा शिक्षण को कौशल–आधारित शिक्षा के साथ मिलाकर छात्रों की विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

विभाग की ताकत

- व्यावहारिक अभिविन्यास के साथ अद्यतन पाठ्यक्रम।
- प्रौद्योगिकी–सक्षम शिक्षा के लिए स्मार्ट कक्षा।
- छात्रों की बढ़ती संख्या (225 यूजी छात्र)।
- छात्र–केंद्रित शिक्षण गतिविधियों (सेमिनार, प्रस्तुतियाँ, वाइवा–वोस) पर ध्यान केंद्रित।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

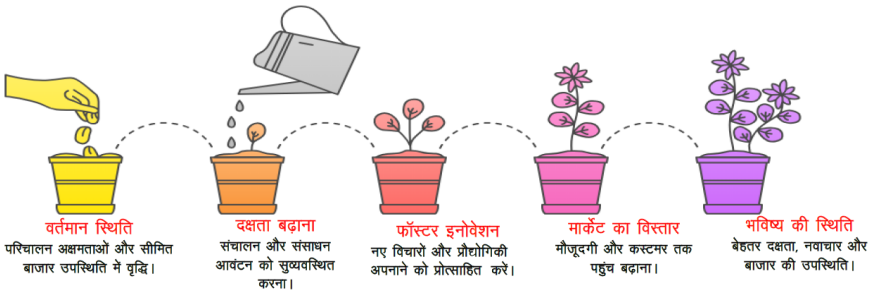

- शिक्षण–सीखने और अनुसंधान को मजबूत करने के लिए संकाय की भर्ती करें।
- छात्रों की सहभागिता बढ़ाने के लिए सह–पाठ्यक्रम/पाठ्येतर गतिविधियों की शुरु करें।
- शैक्षणिक संवर्धन के लिए सेमिनार/कार्यशालाएं/वेबिनार आयोजित करें।
- शैक्षणिक/उद्योग साझेदारों के साथ सहयोग और समझौता ज्ञापन विकसित करें।
- प्लेसमेंट और उच्च शिक्षा मार्गदर्शन के लिए छात्र सहायता गतिविधियाँ शुरु करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास/पाठ्यचर्या योजना और कार्यान्वयन



- कंप्यूटर इंजीनियरिंग में चार वर्षीय बी.टेक कार्यक्रम।
- पाठ्यक्रम व्यापक एवं अद्यतन है तथा इसमें कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के उभरते क्षेत्रों पर पाठ्यक्रम शामिल हैं।
- सेमिनारों, प्रस्तुतियों और वाइवा–वोस के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा पर जोर।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- केवल एक कार्यक्रमः कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बी.टेक.।
- किसी अतिरिक्त ऐच्छिक या अंतःविषयक पाठ्यक्रम की जानकारी नहीं दी गई है।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

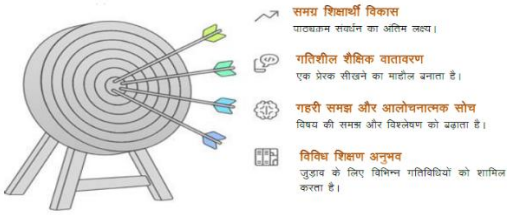

- कंप्यूटर विज्ञान में आधुनिक विषयों से परिचय।
- स्मार्ट कक्षा सुविधाएं उपलब्ध हैं।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- किसी औपचारिक फीडबैक सिस्टम की जानकारी नहीं मिली।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक नामांकनः 225 छात्र।
- 2023–24 में स्नातकः 42 छात्र।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- कोई विवरण नहीं बताया गया।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- सेमिनार, प्रस्तुतियों और वाइवा–वोस के माध्यम से छात्र विकास को सहायता प्रदान किया जाता है।
- स्मार्ट कक्षा–आधारित शिक्षण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

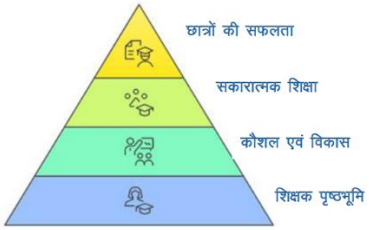

- **संकाय संख्याः** शून्य

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

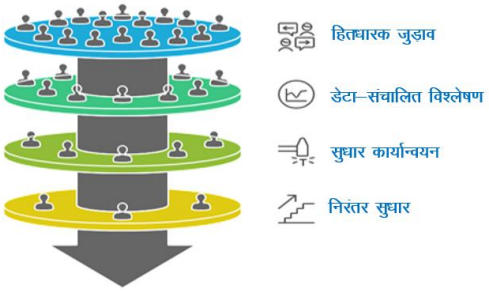

- नियमित वाइवा–वोस और प्रस्तुति मूल्यांकन का हिस्सा हैं।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- यूजी स्नातकः 2023–24 में 42 छात्रों ने डिग्री पूरी की।
- उच्च शिक्षा/प्लेसमेंट/सरकारी चयनः शून्य।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- कोई सूचना नही।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन – शून्य
3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना – शून्य
3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र – शून्य
3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार – शून्य
3.5 परामर्श – शून्य
3.6 विस्तार गतिविधियाँ – शून्य
3.7 सहयोग – शून्य

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

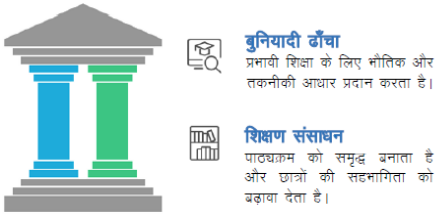

4.1 भौतिक सुविधाएं

- 1 प्रयोगशाला, 1 कक्षा।
- 2 वॉशरूम (पुरुष और महिला)।
- 3 वाटर कूलर।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- किसी विशिष्ट विभागीय पुस्तकालय सुविधा की सूचना नहीं दी गई।

4.3 आईटी अवसंरचना

- स्मार्ट कक्षाएं उपलब्ध है।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- कोई जानकारी नही।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता– शून्य

5.2 छात्र प्रगति

- 42 यूजी स्नातक (2023–24)।

- उच्च शिक्षा, प्लेसमेंट या प्रतियोगी परीक्षाओं का कोई रिकॉर्ड नहीं।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ – शून्य

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता– शून्य

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- **उद्देश्य:** कक्षा शिक्षण को व्यावहारिक विकासोन्मुख शिक्षा के साथ मिश्रित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन – शून्य

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ – शून्य

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना – शून्य

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली – शून्य

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां – शून्य

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ – शून्य

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- सीमित बुनियादी ढांचे के बावजूद व्यावहारिक–आधारित शिक्षा पर जोर देना ही इसकी विशिष्टता है।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण – शून्य

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य – शून्य

8.4 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख– शून्य

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–– शून्य

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी – शून्य

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण– शून्य

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री – शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य – शून्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः – शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	–
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	–
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	–
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	–
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	225
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	–
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	–
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	–

विद्युत इंजीनियरिंग विभाग

विभाग का परिचय

विद्युत इंजीनियरिंग विभाग, जिसकी स्थापना 2014 में हुई थी, जो बी.टेक और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। यह तकनीकी ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव और अनुसंधान के अवसरों का मिश्रण प्रदान करता है, जो छात्रों को शैक्षणिक, उद्योग और उद्यमिता में करियर के लिए तैयार करता है।

सामर्थ्य

- शोध में बेहतरीन प्रदर्शन वाले उच्च योग्य संकाय।
- मजबूत प्रकाशन रिकॉर्ड (2024–25 में 15 अंतर्राष्ट्रीय पेपर)।
- सक्रिय पेटेंट पोर्टफोलियो (6 दायर/पुरस्कृत किये गए)।
- वित्तपोषित परियोजनाएँ (>₹15 लाख)।
- नए क्षेत्रों में डॉक्टरेट अनुसंधान(एआई, नवीकरणीय ऊर्जा, ईवी)।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

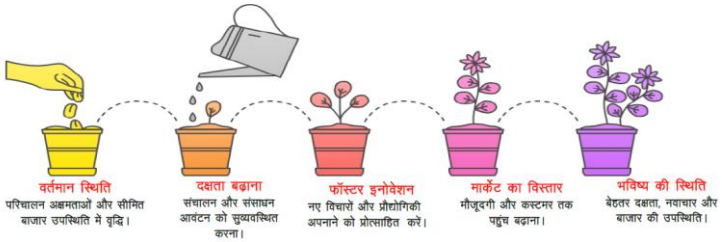

- प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ एमओयू स्थापित करें।
- विभागीय सम्मेलन, एफडीपी और कार्यशालाएँ आयोजित करें।
- प्लेसमेंट के लिए उद्योग–अकादमिक साझेदारी को मजबूत करें।
- उन्नत उपकरणों के साथ प्रयोगशालाओं को अपग्रेड करें।
- अनुसंधान और नवाचार परियोजनाओं में छात्रों की भागीदारी बढ़ाएँ।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास/पाठ्यचर्या योजना और कार्यान्वयन



- विभाग बी.टेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) और पीएच.डी. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) कार्यक्रम प्रदान करता है।
- पाठ्यक्रम को अनुसंधान, उद्योग और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करते हुए मजबूत सैद्धांतिक और व्यावहारिक बुनियादी बातें प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- विज़नः मजबूत वैज्ञानिक, इंजीनियरिंग, मानवतावादी और सामाजिक आधारों के साथ संतुलित शिक्षा ताकि नेतृत्व भूमिका और सामाजिक योगदान दिया जा सके।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- पीएच.डी. कार्यक्रम अंतःविषयक और लचीले अनुसंधान के लिए कार्य क्षेत्र प्रदान करता है।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

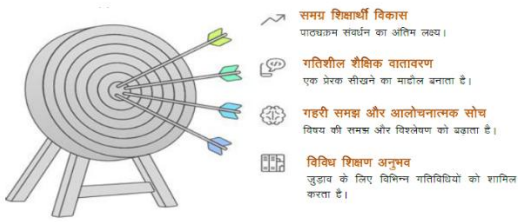

- उभरते हुए क्षेत्र से समृद्ध पाठ्यक्रम और अनुसंधान गतिविधियाँः नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर सिस्टम में एआई/एमएल, ईवी टेक्नोलॉजी।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- कोई औपचारिक विभागीय स्तर की फीडबैक प्रणाली की सूचना नहीं दी गई।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्रः 122।
- परास्नातक छात्रः शून्य।
- पीएच.डी. अध्येताः 3 जारी + 1 सम्मानित (2024–25)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- पीएच.डी. छात्रों को अलग–अलग क्षेत्रों में मार्गदर्शन किया गयाः लिथियम–आयन बैटरी, सोलर सेल, पावर कन्वर्टर।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- संकाय नियमित रूप से पूरे भारत में प्रतिष्ठित संस्थानों में विशेषज्ञ व्याख्यान देते हैं।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

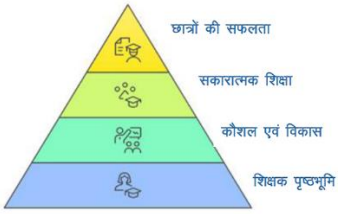

- **संकाय सदस्यः**
  - डॉ. अंशुल अग्रवाल–विशेषज्ञताः पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, स्मार्ट ग्रिड्स।
  - डॉ. भीम सोनकर–विशेषज्ञताः कंट्रोल सिस्टम, मेकाट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल सोर्स।
  - डॉ. ईशान श्रीवास्तव–विशेषज्ञताः पावर सिस्टम ऑप्टिमाइजेशन, एआई/एमएम एप्लीकेशन।
- संकाय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करने और अनुसंधान सहयोग में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- विश्वविद्यालय मानक मूल्यांकन और आकलन प्रक्रिया का पालन किया गया।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- 2024–25 में 30 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की।
- 1 छात्र को फेलोशिप (एसएलईटी/नेट/जेआरएफ) से सम्मानित किया गया।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- कोई सूचना नही।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन –

- विभाग डॉक्टरेट और प्रायोजित अनुसंधान को सहायता करता है।
- वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं:
  - ₹15.08 लाख (यूपीसीएसटी)।
  - ₹0.50 लाख (बीबीएयू सीड मनी)।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- यूपीसीएसटी और संस्थागत समर्थन के माध्यम से बाहरी धन जुटाया गया।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- संकाय अनुसंधान नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, हाइब्रिड ऊर्जा कन्वर्टर्स, एआई–आधारित अनुकूलन में।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन (2024–25): 15
- लिखी गई किताबें: 1 (सीआरसी प्रेस)।
- किताबों के अध्याय: 4 (स्प्रिंगर, आईजीआई ग्लोबल, आदि)।
- सिग्मा–2024 में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार

3.5 परामर्श

- सशुल्क परामर्श (विवरण निर्दिष्ट नहीं)।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- किसी ने रिपोर्ट नहीं की।

3.7 सहयोग

- किसी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं (2024–25)।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

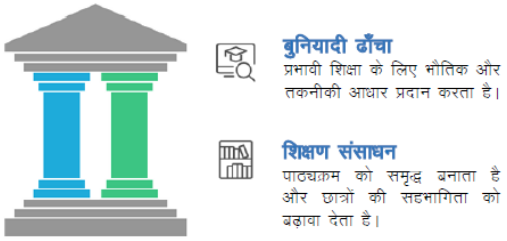

4.1 भौतिक सुविधाएं

- प्रयोगशाला, 2 व्याख्यान कक्ष, 2 वॉशरूम (पुरुष और महिला), 3 वाटर कूलर।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीय पुस्तकालय सुविधाओं तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- रिपोर्ट नहीं की गई।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- संस्थागत ढांचे के तहत रखरखाव किया जाता है।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- एक फेलोशिप प्रदान की गई (एमएचआरडी द्वारा समर्थित पीएच.डी. छात्र)।

5.2 छात्र प्रगति

- उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र।
- 2024–25 के लिए कैंपस ड्राइव के माध्यम से प्लेसमेंट की सूचना नहीं दी गई।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियां

- विभागीय स्तर पर कोई सह–पाठ्यचर्या/पाठ्येतर गतिविधियाँ रिपोर्ट नहीं की गईं।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- रिपोर्ट नहीं की गई।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विज़नः तकनीकी विशेषज्ञता और सामाजिक जिम्मेदारी वाले अग्रणी छात्रों का निर्माण करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- विभाग नवीकरणीय ऊर्जा, विद्युत प्रणालियों में एआई और ईवी एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करता है।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय आमंत्रित व्याख्यान, विशेषज्ञ वार्ता देते हैं और तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता करते हैं।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- विभाग ने बाह्य परियोजनाओं और बीज अनुदानों के रूप में ₹15 लाख से अधिक धनराशि जुटाई।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- रिपोर्ट नहीं की गई।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- संकाय अनुसंधान टिकाऊ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देता है।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- ''गैलिमॉफ़री रीकॉन्फ़िगरेशन का उपयोग करके शेड फैलाव के माध्यम से आंशिक छायांकन प्रभावों को कम करने की विधि'' पर भारतीय पेटेंट प्रदान किया गया।
- ''एक लेड–फ्री डबल एब्जॉर्बर लेयर पेरोव्स्काइट सोलर सेल डिवाइस'' पर भारतीय ऑनलाइन प्रकाशित।
- ''एक डुअल गेन स्यूडो स्क्वेर्ड बक–बूस्ट कनवर्टर और उसकी एक विधि'' पर भारतीय ऑनलाइन प्रकाशित।
- ''अनुकूलनीय डुअल–सोर्स पावर कनवर्टर सिस्टम'' पर भारतीय ऑनलाइन प्रकाशित।
- एआई–आधारित वायरलेस बिजली खपत निगरानी और बचत उपकरण, डिज़ाइन संख्या 412434–001।
- एआई–आधारित स्ट्रीट लाइट–बदलने वाला रोबोट, डिज़ाइन संख्या 6392357।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- विद्युत इंजीनियरिंग में नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, स्मार्ट ग्रिड और एआई अनुप्रयोगों में विशिष्ट विशेषज्ञता।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. अंशुल अग्रवाल (उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष)**

  विशेषज्ञता: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम, एसी/एसी पावर कन्वर्जन, कन्वर्टर्स की मॉडलिंग, स्मार्ट ग्रिड, पावर क्वालिटी, एफपीजीए मॉडलिंग और पावर कन्वर्टर्स का डिज़ाइन।

  योग्यता: एम.टेक. (गोल्ड मेडलिस्ट, एमएनएनआईटी इलाहाबाद, प्रयागराज), पीएच.डी एमएनएनआईटी इलाहाबाद, प्रयागराज)।

- **डॉ. भीम सोनकर (सहायक आचार्य)**
  विशेषज्ञता: कंट्रोल सिस्टम, सिस्टम इंजीनियरिंग, इंटरनल मॉडल कंट्रोल, पावर सिस्टम का लोड फ्रीक्वेंसी कंट्रोल, मॉडल ऑर्डर रिडक्शन का एप्लीकेशन, फिजिकल सिस्टम की मॉडलिंग, मेकाट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स।
  योग्यता: बी.टेक. (केएनआईटी सुल्तानपुर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) एम.टेक. (आईआईटी–बीएचयू वाराणसी, सिस्टम इंजीनियरिंग (ईईडी)), पीएच.डी (एमएनएनआईटी इलाहाबाद, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)
- **डॉ. ईशान श्रीवास्तव (सहायक आचार्य)**
  विशेषज्ञता: पावर डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम, पावर सिस्टम ऑप्टिमाइजेशन, पावर सिस्टम एप्लीकेशन के लिए मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकें, सॉफ्ट–कंप्यूटिंग और बायो–इंस्पायर्ड ऑप्टिमाइजेशन तकनीकें, पावर सिस्टम में फॉल्ट एनालिसिस, पेटेंट सर्चिंग, पेटेंट एनालिसिस।
  योग्यता: एम.टेक. (पावर सिस्टम), पीएच.डी (आधुनिक पावर डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के मैनेजमेंट के लिए डिस्ट्रीब्यूशन ऑटोमेशन स्ट्रेटेजी)।

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य

- **डॉ. अंशुल अग्रवाल:** विभागाध्यक्ष–इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, सहायक कुलानुशासक, समन्वयक– प्लेसमेंट यूआईईटी, अध्यक्ष–बीयूजीएस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, अध्यक्ष–डीआरसी, सदस्य– तकनीकी सलाहकार समिति, इंजीनियरिंग अनुभाग, सदस्य–संस्थान नवाचार परिषद (आईआईसी), समन्वयक–विभागीय एनईपी, सदस्य–एसईटी स्कूल बोर्ड, कोर ग्रीन समिति के सदस्य।
- **डॉ. भीम सोनकर:** सहायक कुलानुशासक, सदस्य–विभागीय प्रवेश समिति, सदस्य–बीयूजीएस समिति, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, सदस्य–बीयूजीएस समिति, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, सदस्य–प्रवेश समिति, सिविल इंजीनियरिंग, सदस्य–प्रवेश समिति, मैकेनिकल इंजीनियरिंग।
- **डॉ. ईशान श्रीवास्तव:** प्लेसमेंट प्रभारी–इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, यूआईईटी, सदस्य–संस्थान नवाचार परिषद (आईआईसी), सदस्य–विभागीय प्रवेश समिति, सदस्य–बीयूजीएस समिति, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, सदस्य–बीयूजीएस समिति, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, सदस्य–बीयूजीएस समिति, मैकेनिकल और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग विभाग।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

डॉ. अंशुल अग्रवाल

- वी. एम. आर. तातावटला, वी. अग्रवाल, ए. अग्रवाल और ए. के. सिंह, "रेड्यूस्ड पार्शियल शेडिंग इफेक्ट एण्ड इनहैन्समेंट ऑफ परफॉर्मेन्स मीट्रिक्स यूज़िंग ए फिबोनाची बेस्ड एल्गोरिदम'', इन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ न्यूमेरिकल मॉडलिंगः इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क्स, डिवाइसेस एंड फील्ड्स, विली, वॉल्यूम 37, अंकः 3, मई/जून 2024।
- एन. अग्रवाल, ए. अग्रवाल और के. तिरुपतिराजू, "3–लेवेल इनवर्टर बेस्ड कम्पेन्सेटर फॉर पावर क्वालिटी एनहैन्स्मेंट यूज़िंग प्रपोज्ड ट्रायंगुज़ॉइडल पीडब्लूएम टेक्नीक" वॉल्यूम 99, फिज़िका स्क्रिप्टा, आईओपी पब्लिशिंग, जून 2024।
- एस. कुमार और ए. अग्रवाल, "एनॉलिसिस एण्ड एक्सपेरिमेंटल वैलिडेशन ऑफ प्रपोज्ड ड्युयल गेन स्यूडो स्क्वेर्ड बक–बूस्ट कन्वर्टर", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सर्किट थ्योरी एंड एप्लीकेशंस, विली, सितंबर 2024।

- एन. अग्रवाल, ए. अग्रवाल और के. तिरुपतिराजू, "एड्वॉन्स्ड पावर टेक्नीक फॉर पावर क्वालिटी अप्टिमिज़ेशन इन 5–लेवेल सीएचबी इनवर्टर सिस्टम्स'', इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर, नवंबर 2024।
- एन. अग्रवाल, ए. अग्रवाल और के. तिरुपतिराजू, "ए ड्युयल–पर्पस नॉवेल कन्वर्टर फॉर ऑप्टिमाइज्ड हाइब्रिड एनर्जी सिस्टम" इन इंजिनियरिंग रिसर्च एक्सप्रेस, आईओपी साइन्स, वॉल्यूम 7, नंबर 1, पृष्ठ 1–14, जनवरी 2025।
- एन. अग्रवाल, ए. अग्रवाल और के. तिरुपतिराजू, "ए नेक्स्ट–जेनरेशन हाइब्रिड एनर्जी कन्वर्टर इम्पॉवर्ड बाइ मशीन लर्निंगः पायनीयरिंग सस्टेनबल इंटीग्रेशन ऑफ फोटोवोल्टिक एण्ड ग्रिड पावर'', न्यूरल कंप्यूटिंग एंड एप्लीकेशंस, स्प्रिंगर, पृष्ठ 1–24, फरवरी 2025।

डॉ. भीम सोनकर

- के. कंचन, डी. कुमार, और बी. सोनकर, "फिक्टिशियस इनपुट–आउटपुट मेट्रिसस–बेस्ड फ्रीक्वेन्सी लिमिटेड मॉडेल रिडक्शन ऑफ कंटिन्युवस–टाइम सिस्टम्स", जनवरी 2025।

डॉ. ईशान श्रीवास्तव

- बी. के. डोरा, एस. भट, एस. हल्दर, और आई. श्रीवास्तव, "मल्टी–ऑब्जेक्टिव ऑप्टिमल पावर फ्लो प्राब्लम यूज़िंग नेल्डर–मीड बेस्ड प्रेरी डॉग अप्टिमिज़ेशन एल्गोरिथम'', सॉफ्ट कंप्यूटिंग, नवंबर 2024।
- बी.वी.एस. वर्धन, ए. स्वैन, एम. खेड़कर, आई. श्रीवास्तव और एन.डी. बोकडे, "एन ओवरव्यू ऑफ इंडियन पावर सेक्टर एण्ड इट्स एनर्जी मैनेजमेंट", रिन्यूएबल एनर्जी फोकस, वॉल्यूम 50, 2024।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें :

डॉ. अंशुल अग्रवाल

- ए. अग्रवाल, ए. तोमर, और वी. एम. आर. तातावटला, "फोटोवोल्टिक पार्शियल शेडिंगः प्रिंसिपल एण्ड मेथड्स'' सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन––

डॉ. अंशुल अग्रवाल

- ए. मौर्य, डी. कुमार, एस. यादव, ज्योति, एस. प्रताप, ए. सागर, एस. विश्वकर्मा, एन. अग्रवाल और ए. अग्रवाल, "सोलर–पावर्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन" लेक्चर नोट्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, एक स्प्रिंगर पब्लिकेशन में तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन सिग्नल्स, मशीन्स एंड ऑटोमेशन (SIGMA–2024) में प्रकाशित होने के लिए स्वीकार किया गया है", इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी (NSUT), नई दिल्ली, भारत, 20–22 दिसंबर 2024 को आयोजित। (सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार)
- एन. अग्रवाल, जी. कुमार, ई. गुगलानी और ए. अग्रवाल, "हारनेसिंग वेव एनर्जीः ए रिग्रेशन मॉडेल अप्रोच टू पॉवर प्रिडिक्शन" लेक्चर नोट्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, एक स्प्रिंगर पब्लिकेशन में तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन सिग्नल्स, मशीन्स एंड ऑटोमेशन (SIGMA–2024) में प्रकाशित होने के लिए स्वीकार किया गया है", इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी (NSUT), नई दिल्ली, भारत, 20–22 दिसंबर 2024 को आयोजित।

डॉ. ईशान श्रीवास्तव

- ए. भट, ए. कुमार, एस. अग्रवाल और आई. श्रीवास्तव, "प्रिडिक्शन ऑफ डाइयबिटीज यूज़िंग डिफरेंट मशीन लर्निंग एल्गोरिदम'' इनः चौधरी, टी., कताल, ए. (संपादक) मशीन लर्निंग फॉर डिसीज़ डिटेक्शन, प्रिडिक्शन, एण्ड डाइयग्नोसिस, स्प्रिंगरर, सिंगापुर, 2025।

- पीडी सक्सेना और एस. विश्वकर्मा, "ट्रांन्सफॉर्मिंग हेल्थकेयर बिजनेस स्ट्रैटजीसः ए होलिस्टिक अप्रोच टू प्रिडिक्ट लाइफ एक्सपेक्टेन्सी ऑन वेंटिलेटर, थ्रू रियल टाइम, सूपरवाइज़्ड, री–एन्फोसर्मेंट मशीन लर्निंग", इंटीग्रेटिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स, सिक्योरिटी फॉर एन्वाइरन्मेंटल एण्ड बिजनेस सस्टेनबिलिटी वॉल. 2 स्प्रिंगरर नेचर, (ICSPBT–2024) ओमान।
- ए. जगदेसन, ए.एस.एम. एंटनी, के. मणिकंदन, पी.एम. राव, एस. विश्वकर्मा और आर. सेथुरमन, "एआई–इनहैन्स्ड फ्रीक्वेन्सी कंट्रोल इन इंटीग्रेटेड वाइंड एण्ड सोलर पॉवर सिस्टम्स फॉर एफीशियेंट एनर्जी जेनरेशन", इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन साइंस टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (ICSTEM), कोयंबटूर, भारत।
- ए. रमेश, एन. हेमलता, एस. विश्वकर्मा, जी. एस. कुमार, वी. श्रीनिवासन, और एम. सुधाकर, "द एवॉल्यूशन ऑफ इलेक्ट्रिक वेहिकल मार्केट डाइनेमिक्स" इन एम. शेख (इडि.), सॉल्विंग फंडामेंटल चैलेंजस ऑफ इलेक्ट्रिक वेहिकल्स (पेज 157–178), आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग., 2024।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी –

डॉ. अंशुल अग्रवाल

- 03–07 मार्च, 2025 तक राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, कन्नौज, यूपी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में ''आधुनिक पावर सिस्टम में अवसर और चुनौतियाँ (OCMPS)'' पर एक सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में ''ग्रीन एनर्जी के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कनवर्टर का डिज़ाइन और उसका नियंत्रण'' विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता दी।
- 12 दिसंबर, 2024 को ज़ाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU), अलीगढ़, यूपी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में ''एफपीजीए का उपयोग करके फ़्रीक्वेंसी कन्वर्टर्स में हालिया प्रगति और सतत ऊर्जा और समाज में इसके अनुप्रयोग'' विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता दी।
- 10 दिसंबर, 2024 को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, कन्नौज, यूपी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में ''नवीकरणीय ऊर्जा अनुप्रयोग के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर्स की मॉडलिंग'' विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता दी।
- 20 नवंबर, 2024 को इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में ''एसी/एसी पावर कन्वर्टर्स में हालिया प्रगति और ग्रीन एनर्जी में इसके अनुप्रयोग'' विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता दी।

डॉ. ईशान श्रीवास्तव

- 20 जनवरी से 29 जनवरी, 2025 के दौरान एनआईटी जमशेदपुर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित एसटीटीपी, "माइक्रोग्रिड और ईवी'एस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन" में विशेषज्ञ के तौर पर व्याखान दिया।
- 21 फरवरी और 22 फरवरी, 2025 के दौरान यशवंतराव चव्हाण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर में यूजी और पीजी छात्रों के लिए मेंटरशिप सपोर्ट प्रोग्राम में एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- 9 और 10 मई, 2025 को यशवंतराव चव्हाण कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, नागपुर में यूजी स्टूडेंट्स के लिए आईपीआर मेंटरशिप प्रोग्राम में एक एक्सपर्ट लेक्चर दिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

क्रम सं.	छात्र	मार्गदर्शक	सह–मार्गदर्शक	शीर्षक

1.	प्रदीप सोनकर	डॉ. भीम सोनकर	———	एसओसी, एसओएच एण्ड आरयूएल ऑफ लिथियम–आयन बैटरी फॉर पावर स्टोरेज एण्ड ईवी अप्लिकेशन।
2.	प्रेम नारायण	डॉ. अंशुल अग्रवाल	———	इंपैक्ट ऑफ पार्शियल शेयरिंग ऑन सोलर सेल
3.	सुशील कुमार	डॉ. अंशुल अग्रवाल	डॉ. ईशान श्रीवास्तव	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कन्वर्टर

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री

डॉ. अंशुल अग्रवाल

- शुभम कुमार सिंह को "इंटेलिजेंट कंट्रोल ऑफ हाइब्रिड एनर्जी सिस्टम फॉर एनहैन्स्ड सस्टेनबिलिटी एण्ड एनहैन्स्ड पावर क्वालिटी" शीर्षक वाले थीसिस पर पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य

डॉ. अंशुल अग्रवाल

- यूपीसीएसटी से अनुसंधान परियोजना प्राप्त हुई जिसका शीर्षक है "एक्सप्लोरेशन एण्ड डिज़ाइन आप्टिमिज़ेशन ऑफ पेरोव्स्काइट सोलर सेल्स थ्रु द इंटीग्रेशन ऑफ एन्वाइरन्मेंटली फ्रेंड्ली चार्ज ट्रांसपोर्ट लेयर्स यूज़िंग मशीन लर्निंगः ए विजन फॉर एनहैन्स्ड पावर जेनरेशन एण्ड सस्टेनबल एड्वान्स्मेंट", (पीआईडी–3479) 3 साल की अवधि के लिए रूपये 15.08 लाख।
- बीबीएयू, लखनऊ से एक वर्ष की अवधि के लिए "डिज़ाइन एण्ड मॉडलिंग ऑफ नॉवेल पावर कन्वर्टर फॉर हाइब्रिड एनर्जी सिस्टम" नामक परियोजना के लिए 50,000 रुपये की प्रारंभिक धनराशि प्राप्त हुई।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः

डॉ. अंशुल अग्रवाल

- 22 मार्च, 2025 को राजकिया इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में "इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में हालिया उन्नति पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआरएईटी–2025)" पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- 20–22 दिसंबर, 2024 के दौरान नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "सिग्नल, मशीन और स्वचालन पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (SIGMA–2024)" पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- 29 नवंबर से 01 दिसंबर, 2024 के दौरान श्री रामस्वरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, लखनऊ में "11वें आईईईई यूपी सेक्शन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग (UPCON 2024)" पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- 21–23 जून, 2024 के दौरान इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग एमएनएनआईटी इलाहाबाद, प्रयागराज में "2024 आईईईई छात्र सम्मेलन इंजीनियरिंग और सिस्टम (एससीईएस–2024)" पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- 14–15 जून, 2024 के दौरान एनआईटी कुरुक्षेत्र के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में "स्मार्ट ऊर्जा प्रणालियों और बुद्धिमान स्वचालन में हालिया प्रगति पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (RASESIA–2024)" पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- 24–26 मई, 2024 के दौरान एनआईटी जमशेदपुर में "5वें विद्युत शक्ति और नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन (ईपीआरईसी–2024)" पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	0
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	9
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	6
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	0
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	0
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	0
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	122
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	0
9.	छात्रों की कुल संख्या	1
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	0
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	6
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	2
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	0
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	0
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	0
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	0
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	1

इलेक्ट्रॉनिक और संचार इंजीनियरिंग विभाग

विभाग का परिचय

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग की स्थापना 2013 में हुई थी और यह निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रदान करता है:

- बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग)
- पीएच.डी. (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग)–2024–25 में शुरू हुआ।

विभाग कक्षा शिक्षण, प्रयोगशाला–आधारित शिक्षा, सेमिनार, प्रस्तुतियाँ और वाइवा–वोस के मिश्रण पर जोर देता है। यह अनुसंधान–उन्मुख है और नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, वीएलएसआई, आरएफ एवं माइक्रोवेव इंजीनियरिंग, और क्रिप्टोग्राफी जैसे क्षेत्रों पर इसका विशेष ध्यान है।

संकाय संख्या: 3 (सभी पीएच.डी. योग्य)।
छात्र संख्या: 143 परास्नातक छात्र और 2 पीएच.डी. अध्येता।
बुनियादी ढांचा: 1 प्रयोगशाला, 1.5 कक्षाएं, 1 स्मार्ट कक्षा, 2 वॉशरूम (पुरूष/महिला), 3 वाटर कूलर।

शोध आउटपुट (2024–25):

- 8 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन
- 1 पुस्तक लिखी गई
- 2 पेटेंट दायर किए गए (1 स्वीकृत)
- एसईआरबी (₹30 लाख) और सीएसटी–यूपी (₹15 लाख) द्वारा वित्त पोषित प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएं।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

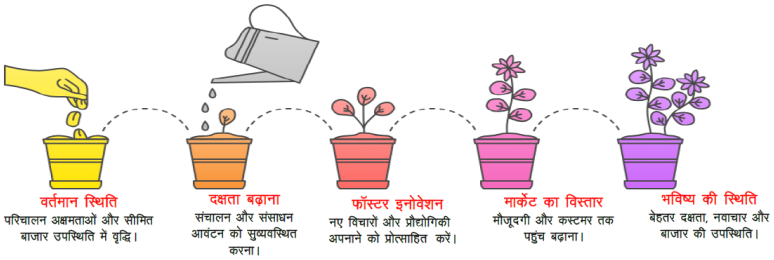

- **शैक्षणिक विकासः** अधिक पीएच.डी. अध्येताओं को नामांकित करें, संचार के लिए एआई, 5जी/6जी प्रौद्योगिकियों और सेमीकंडक्टर उपकरणों में ऐच्छिक कोर्स शुरू करें।
- **अनुसंधान लक्ष्यः** कम से कम 10 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, 2 नए पेटेंट, डीएसटी/डीआरडीओ/एआईसीटीई के तहत परियोजनाओं का विस्तार करें।
- **छात्र विकासः** 1 राष्ट्रीय सम्मेलन और 2 एफडीपी आयोजित करें, प्लेसमेंट और उद्योग इंटर्नशिप बढ़ाएं, यूजी शोध पेपर को प्रोत्साहित करें।
- **बुनियादी ढांचे में वृद्धिः** उन्नत वीएलएसआई और आईओटी अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित करें, कक्षाओं को आईसीटी–सक्षम स्मार्ट बोर्डों से उन्नत करें, एक नवाचार सेल बनाएं।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- ईसीई विभाग की स्थापना 2013 में हुई थी।
- **पेशकशः**
  i. बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग)
  ii. पीएच.डी. (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग)–2024–25 से शुरू हुआ।
  iii. पाठ्यक्रम में प्रयोगशाला, सेमिनारों, प्रस्तुतियों और वाइवा–वोस के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा पर जोर दयिा जाता है।
  iv. वीएलएसआई, आरएफ और माइक्रोवेव, क्रिप्टोग्राफी और नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स में अनुसंधान फोकस के साथ नियमित अपडेट।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- **प्रस्तावित कार्यक्रमः** बी.टेक. और पीएच.डी. जिसमें उद्योग/अनुसंधान की जरूरतों के हिसाब से ऐच्छिक विषयों को चुनने का विकल्प है।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

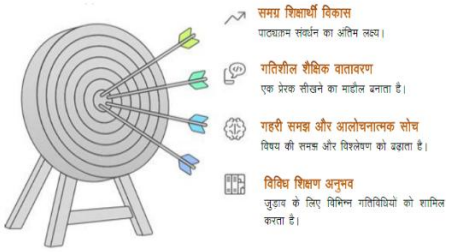

- संकाय प्रतिष्ठित संस्थानों (आईआईटी, एनआईटी, बीआईटी मेसरा, आदि) में विशेषज्ञ व्याख्यान, एफडीपी और एसटीटीपी प्रदान करते हैं।
- परियोजनाओं के माध्यम से अनुसंधान अभिविन्यास और उन्नत अर्धचालक उपकरण, आरएफ और वीएलएसआई प्रौद्योगिकियों का अनुभव।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- सेमिनार, वाइवा–वोस और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से फीडबैक एकत्र किया गया।
- इसका इस्तेमाल शिक्षण–सीखने और प्रयोगशाला प्रथाओं को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्रः 143
- पीएच.डी. छात्रः 2 (अध्ययनरत)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- स्मार्ट कक्षाओं, प्रयोगशाला–आधारित शिक्षा और व्यक्तिगत संकाय मार्गदर्शन के माध्यम से छात्र–केंद्रित शिक्षण।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- कक्षा व्याख्यान, प्रयोगशाला–आधारित परियोजनाओं और सेमिनार का मिश्रण।
- संकाय आधुनिक शिक्षण उपकरण का इस्तेमाल करते है, जिसमें आईसीटी और एफपीजीए–आधारित व्यावहारिक कार्यान्वयन शामिल है।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

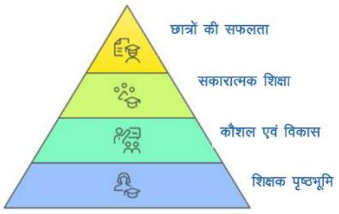

- **संकाय संख्याः** 03 (सभी पीएच.डी धारक)
  - डॉ. बलराज सिंह (विभागाध्यक्ष)–नैनोस्केल एफईटीएस में विशेषज्ञता।
  - डॉ. मंगल दीप गुप्ता–वीएलएसआई और क्रिप्टोग्राफी में विशेषज्ञता।
  - डॉ. अनुराधा–आरएफ और माइक्रोवेव, एंटीना इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता।
- आईईईई के सदस्य, उच्च एच–इंडेक्स उद्धरण वाले सक्रिय शोधकर्ता।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- सेमिनार, प्रस्तुतियों, वाइवा–वोस, आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से छात्र मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- स्नातक छात्र (2024–25): 16

- छात्र प्लेसमेंट / उपलब्धिः 1
- पीएच.डी. थीसिस जमा / पुरस्कृतः शून्य

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- छात्र–केन्द्रित विभाग जिसमें निरंतर मार्गदर्शन और व्यावहारिक अनुभव पर जोर दिया जाता है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन –

- पीएच.डी. कार्यक्रम 2024–25 में शुरू किया गया।
- वीएलएसआई, आरएफ / माइक्रोवेव, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स और क्रिप्टोग्राफी में शोध पर जोर।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



शोध के लिए संसाधन जुटाना

प्राप्त अनुसंधान अनुदानः

- रूपये 30 लाख (एसईआरबी, 2023–26)–नेगेटिव कैपेसिटेंस नैनोशीट एफईटी पर परियोजना (डॉ. बलराज सिंह)।
- रूपये 15 लाख (सीएसटी–यूपी, 2024–26)–एमएल अनुकूलन के साथ पेरोव्स्काइट सौर कोशिकाओं पर परियोजना।
- रूपये 50,000 (सीड मनी, बीबीएयू)–एफपीजीए–आधारित वीएलएसआई क्रिप्टोग्राफी परियोजना (डॉ. मंगल दीप गुप्ता)।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

फोकस क्षेत्रः क्रिप्टोग्राफिक हार्डवेयर डिजाइन, आरएफ एंटीना डिजाइन, नैनोडिवाइस मॉडलिंग।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन (2024–25): 4
- प्रकाशित पुस्तक: ''कीज़ एंड सिमेट्रिक क्रिप्टोग्राफी'' डॉ. मंगल दीप गुप्ता और आर.के. चौहान द्वारा (2024)।

3.5 परामर्श

- 2024–25 के दौरान कोई परामर्श कार्य नहीं।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- बीआईटी मेसरा, एसएमवीडीयू कटरा, एनआईटी त्रिची और आरईसी राजकोट में विशेषज्ञ व्याख्यान दिए गए।

3.7 सहयोग

- शून्य औपचारिक समझौता ज्ञापन (2024–25)।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन



8.4 भौतिक सुविधाएं

विभाग की बुनियादी ढ़ांचा

- 1 प्रयोगशाला
- 2 व्याख्यान कक्ष
- 2 वॉशरूम
- 3 वाटर कूलर

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- संस्थागत केंद्रीय पुस्तकालय और ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी सुविधाओं से सुसज्जित स्मार्ट कक्षा।
- एफपीजीए किट, प्रयोगशालाओं में उपलब्ध सिमुलेशन उपकरण।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विभाग आईसीटी–सक्षम शिक्षण और प्रयोगशाला बुनियादी ढांचे के रखरखाव किया जाता है।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- उच्च अध्ययन और अनुसंधान के लिए संकाय सलाह और मार्गदर्शन।

5.2 छात्र प्रगति

- स्नातक (2024–25): 26
- प्लेसमेंट प्राप्तः 1 छात्र
- उच्च शिक्षाः डेटा की प्रतीक्षा है।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियां

- सीमित विभागीय पाठ्येतर गतिविधियाँ दर्ज की गईं (2024–25 में शून्य)।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र नेटवर्क प्रगति पर है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विज़नः शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान के लिए सक्षम इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरों का विकास करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- पीएच.डी. कार्यक्रम की शुरूआत (2024–25)।
- वित्त पोषित परियोजनाओं के माध्यम से अनुसंधान बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को एफडीपी, एसटीटीपी और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- एसईआरबी, सीएसटी–यूपी और संस्थागत सीड मनी के माध्यम से वित्तपोषण हासिल की गई

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- संकाय के शोध आउटपुट (प्रकाशन, पेटेंट) को विभागीय गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शामिल किया गया।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- जलवायु न्याय, नवीकरणीय ऊर्जा और समाज के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स सेमिनार में भागीदारी।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- शोध–आधारित शिक्षण मॉडल जो कक्षा को प्रयोगशाला एवं परियोजना–आधारित शिक्षण के साथ मिलाता है।
- छात्रों पर केंद्रित मार्गदर्शन और सेमिनार।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, वीएलएसआई और आरएफ शोध में विशिष्ट ताकत।

- वैश्विक उद्धरण और पेटेंट के साथ मजबूत प्रकाशन रिकॉर्ड।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

- **डॉ. बलराज सिंह**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञताः नैनोस्केल एफईटी में विशेषज्ञता
  योग्यताः पीएच.डी.
- **डॉ. मंगल दीप गुप्ता**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः वीएलएसआई और क्रिप्टोग्राफी में विशेषज्ञता
- **डॉ. अनुराधा**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञताः आरएफ और माइक्रोवेव, एंटीना इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता

8.1 शैक्षणिक विवरणः बी.ई (ईसीई), एम.ई (ईसीई), पीएच.डी.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

डॉ. बलराज सिंह

- जोशी, टी., बलराज सिंह, सिंह, वाई., द्वारा ''डोपिंगलेश एक्सटेंडेड सोर्स टीएफईटी फॉर स्विचिंग एण्ड एनालॉग/आरएफ अप्लिकेशन्स" शीर्षक वाला पेपर ट्रांस. इलेक्ट्र. जर्नल में प्रकाशित। इलेक्ट्रॉन. मैटर." आईएसएसएन के साथः 1229–7607, 2024।
- गर्ग, ए., बलराज सिंह, सिंह, वाई., द्वारा ''वर्टिकल डोपिंगलेश डुअल–गेट जंक्शनलेस एफईटी फॉर डिजिटल एण्ड एनालॉग/आरएफ अप्लिकेशन्स'' शीर्षक वाला पेपर "सिलिकॉन" जर्नल में प्रकाशित, आईएसएसएन के साथ 1876–9918, 2024।

डॉ. मंगल दीप गुप्ता

- मंगल दीप गुप्ता और आर. के. चौहान द्वारा "रिकन्फिगरेबल इमेज कन्फ्यूजन स्कीम यूज़िंग लार्ज पीरियड स्यूडो–रैंडम बिट जेनरेटर बेस्ड ऑन कपल्ड–वेरियबल इनपुट एलसीजी एण्ड क्लॉक डिवाइडर" शीर्षक वाला पेपर "जर्नल ऑफ़ सर्किट्स, सिस्टम्स, एंड कंप्यूटर्स" में आईएसएसएनः 1793–6454 के साथ, 2024 में प्रकाशित हुआ।
- मंगल दीप गुप्ता, एम. सरिम, ए. एस. चौहान, और एस. सारस्वत द्वारा ''एएसआईसी इंप्लिमेंटेशन ऑफ वेंडिंग मशीन फॉर ब्लड प्रेशर मेडिसिन'' शीर्षक वाला पेपर, जर्नल "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ माइक्रोसिस्टम्स एंड आईओटी'' में आईएसएसएनः 2584–0495 के साथ, 2024 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. अनुराधा

- अनुराधा सोनकर, तुषार, और अमलेंदु पटनायक द्वारा ''डिज़ाइन एण्ड एक्सपेरिमेंटल वैलिडेशन ऑफ कस्टमाइज्ड फ्रैक्टल एफएसएस'' शीर्षक वाला पेपर, ''इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स लेटर्स'' में आईएसएसएनः 2168–1732 के साथ, 2024 में प्रकाशित हुआ।
- अनुराधा सोनकर, अनिल कुमार नायक, तुषार और अमलेंदु पटनायक द्वारा ''मल्टिफंक्शनल एंटीना डिज़ाइन फॉर वाइर्ले कन्ज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स'' शीर्षक वाला पेपर, ''आईईईई कैनेडियन जर्नल

ऑफ़ इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग'' में आईएसएसएनः 0840–8688 के साथ, 2024 में प्रकाशित हुआ।

- तुषार गोयल, अनुराधा सोनकर, ए. के. गौतम और अमलेंदु पटनायक द्वारा ''ए थियरेटिकल डिज़ाइन ऑफ एंगुलर–फेज्ड ब्रॉडबैंड एंटीना ऐरे फॉर सब–मिलीमीटर वेव एप्लीकेशन'' शीर्षक वाला पेपर, ''इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ आरएफ एंड माइक्रोवेव कंप्यूटर–एडेड इंजीनियरिंग'' में आईएसएसएनः 1759–0795 के साथ, 2024 में प्रकाशित हुआ।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें :

डॉ. मंगल दीप गुप्ता

- मंगल दीप गुप्ता और आर. के. चौहान द्वारा ''कीज़ एंड सिमेट्रिक क्रिप्टोग्राफी'' शीर्षक वाला पेपर ''टेकसार प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली'' में आईएसएसएनः 978–81–971909, 2024 के साथ प्रकाशित हुआ।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन––

डॉ बलराज सिंह

- ए. गर्ग, बी. सिंह और वाई. सिंह द्वारा ''परफॉर्मेन्स एवॉल्यूयेशन ऑफ नैनोशीट जंक्शनलेस एफईटी फॉर स्विचिंग अप्लिकेशन्स'' शीर्षक वाला पेपर ''एडवांसेज इन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड कम्युनिकेशन'' पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीआईसी), पुडुचेरी, भारत 2023 में।
- एस. कुमार, बी. सिंह और वाई. सिंह द्वारा ''परफॉर्मेन्स एनॉलिसिस ऑफ ए हाइली सेन्सिटिव डबल–गेट–ऑल–अराउंड जंक्शनलेस एफईटी बायोसेंसर'' शीर्षक वाला पेपर, ''सस्टेनेबल इमर्जिंग इनोवेशन इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईसीएसईआईईटी), गाजियाबाद, भारत, 2023 में।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी –

डॉ. बलराज सिंह

- डॉ. बलराज सिंह ने 7–11 मार्च, 2024 के दौरान बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची के इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित ''न्यूरोइवोल्यूशन–आधारित एडवांस्ड सेमीकंडक्टर डिवाइस (NASD–2024)'' पर एक सप्ताह के शॉर्ट–टर्म कोर्स में ''एफईटी आधारित बायोसेन्सर'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. बलराज सिंह ने 2–6 अप्रैल, 2024 के दौरान बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची के इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई डिज़ाइन (एमवीडी–2024) पर अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीटीपी) में एमओएस ट्रांजिस्टर में प्रगतिः एक अवलोकन पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. बलराज सिंह ने 11–15 मार्च, 2024 को एसएमवीडीयू कटरा (जम्मू एवं कश्मीर) में श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी (SMVDU), कटरा के इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इलेक्ट्रॉनिक्स में कौशल विकास कार्यक्रम में ''कौशल विकास के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. बलराज सिंह ने 29–30 जून, 2024 को होने वाले ऑल इंडिया सेमिनार ऑन सोर्सेज ऑफ प्लैनेट एनर्जी, एनवायरनमेंटल एंड डिजास्टर साइंस (SPEEDS–2024): क्लाइमेट जस्टिस एंड इक्विटी में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

डॉ. मंगल दीप गुप्ता

- राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र द्वारा आयोजित एक सप्ताह के अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम ''नेक्स्ट जेनरेशन टेक्नोलॉजीज (NGT–2025)'' के दौरान 06–07 मार्च 2025 को ''एफपीजीए आधारित इमेज और सिग्नल प्रोसेसिंग'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

डॉ. बलराज सिंह

- प्राची सोनकर ने माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई के क्षेत्र में पीएच.डी में प्रवेश लिया है।
- प्रेम नाथ वर्मा ने माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई के क्षेत्र में पीएच.डी में प्रवेश लिया है।

डॉ. मंगल दीप गुप्ता

- प्रेम नाथ वर्मा ने माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई के क्षेत्र में पीएच.डी में प्रवेश लिया है।

डॉ. अनुराधा

- प्राची सोनकर ने माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई के क्षेत्र में पीएच.डी में प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रीः शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य : शून्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	0
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	7
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	2
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	0
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	0
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	0
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	143
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	0
9.	छात्रों की कुल संख्या	1
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	0
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	3
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	3
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	0
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	0
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	0
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	0
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	0

यांत्रिक और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग विभाग

विभाग का परिचय

यांत्रिक और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग विभाग, जिसकी स्थापना 2013 में हुई थी (और 2018 में इसका नाम बदला गया), यह बी.टेक. और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। यह विभाग अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला, कार्यशाला और स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण दोनों पर जोर देता है। शोध गतिविधियों में प्रकाशन, पुस्तक अध्याय और पेटेंट फाइलिंग शामिल हैं। संकाय सदस्य शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए उन्नत अनुसंधान, एफडीपी और सम्मेलन में शामिल रहते हैं।

विभाग की ताकत

- पीएच.डी. और पोस्टडॉक्टरल अनुभव वाले योग्य संकाय सदस्य।
- अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ और केंद्रीय कार्यशाला सुविधाएँ।
- थर्मल सिस्टम के क्षेत्र में पेटेंट फाइल किया गया।
- प्रकाशनों और पुस्तक अध्यायों सहित सक्रिय अनुसंधान आउटपुट।
- उद्योग प्रासंगिकता के लिए मैकेनिकल और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों का एकीकरण।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

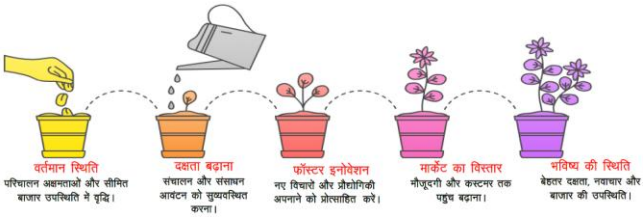

- अनुक्रमित पत्रिकाओं और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध प्रकाशनों में वृद्धि करना।
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग/समझौते स्थापित करें।
- छात्रों के लिए नए मूल्य वर्धित/कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करें।
- मार्गदर्शन और प्लेसमेंट के लिए पूर्व छात्रों की भागीदारी को मजबूत करना।
- सह–पाठ्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं (गेट/नेट) में अधिक छात्रों की ज्यादा भागीदारी को प्रोत्साहित करें।
- अनुसंधान परियोजनाओं के लिए बाह्य वित्तपोषण के अवसरों का पता लगाएं।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- बी.टेक. (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) और पी.एच.डी. (मैकेनिकल और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग) की पेशकश की जाती है।
- पाठ्यक्रम को मैकेनिकल और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के मुख्य और व्यावहारिक पहलुओं को कवर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें व्यावहारिक शिक्षा पर ज़ोर दिया गया है।

1.2 पाठ्यक्रम योजना और कार्यान्वयन

- संकाय सदस्य पाठ्यक्रम को पढ़ाने में सक्रिय रूप से शामिल हैं।
- लगातार सुधार के लिए संकाय सदस्यों ने कार्यशाला और एफडीपी में भाग लिया।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- पीएच.डी. कार्यक्रम अनुसंधान क्षेत्रों (थर्मल, विनिर्माण, सामग्री) में लचीलापन प्रदान करता है।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

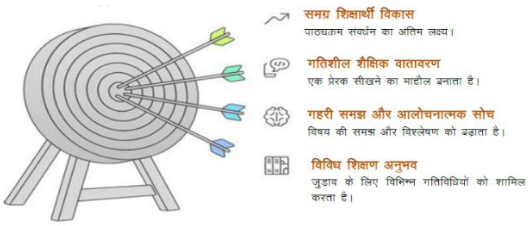

- आमंत्रित वार्ताएँ:
  - मेटल मैट्रिक्स कम्पोजिट्स का विकास (ICRTMD–2023)।
  - अपशिष्ट ऊष्मा रिकवरी के लिए कुशल टेक्नोलॉजी (संदीप विश्वविद्यालय)।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- विभाग विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित फीडबैक तंत्र का पालन करता है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्र: 84
- पीएच.डी. छात्र: 1 (अध्ययनरत)।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- प्रयोगशालाओं, कार्यशालाओं और स्मार्ट कक्षाओं तक समान पहुंच।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- सुविधाएंः केंद्रीय कार्यशाला, द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला, मापन एवं माप विज्ञान प्रयोगशाला, स्मार्ट कक्षाएं।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

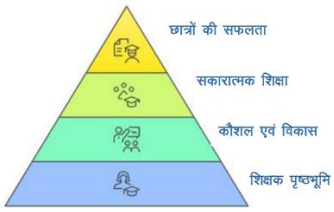

- **स्थायी संकाय संख्याः** 02 (सभी पीएच.डी धारक)
  - डॉ. गौरव बाजपेयी (मैन्युफैक्चरिंग और मटीरियल्स)।
  - डॉ. अखिलेश सिंह (थर्मल इंजीनियरिंग)।
- 5 संसाधन पर्सन जिनके पास पीएच.डी या एम.टेक की योग्यता है।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- विश्वविद्यालय द्वारा संचालित लगातार एवं सेमेस्टर–अंत मूल्यांकन प्रणाली।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- स्नातक हुए छात्र (2024–25): 84
- छात्र प्लेसमेंट / उपलब्धि: शून्य
- पीएच.डी. थीसिस जमा / पुरस्कृत: शून्य

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- आईक्यूएसी / विश्वविद्यालय द्वारा केन्द्रीय रूप से आयोजित।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन –

- एफडीपी, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और अनुसंधान परियोजनाओं में संकाय की भागीदारी।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- किसी भी फंडेड रिसर्च प्रोजेक्ट की रिपोर्ट नहीं मिली।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- पेटेंट फाइल किया गया: एक बेहतर घरेलू हीट पंप फूड ड्रायर।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- 2 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन (एआईपी प्रोसीडिंग्स, लेक्चर नोट्स इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग)।
- स्प्रिंगर एलएनएमई में प्रकाशित पुस्तक अध्याय।

3.5 परामर्श

- सशुल्क / निःशुल्क परामर्श: शून्य।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- रिपोर्ट नहीं की गई।

3.7 सहयोग

- किसी सक्रिय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किए गए (2023–24)।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

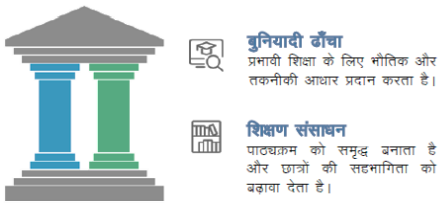

4.1 भौतिक सुविधाएं

- 3 व्याख्यान कक्ष, 2 वॉशरूम, 3 वाटर कूलर, स्मार्ट क्लास

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय उपलब्ध है।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी–सक्षम शिक्षण के साथ स्मार्ट कक्षाएँ।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय के मानदंडों के तहत बनाए रखा गया।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- 2024–25 के दौरान छात्रवृत्ति/फेलोशिप का कोई रिकॉर्ड नहीं।

5.2 छात्र प्रगति

- उच्च अध्ययन/गेट/नेटः शून्य।
- रोजगार (सरकारी/निजी): शून्य।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियां

- विभाग ने एक कार्यशाला आयोजित कीः "ट्राइबोलॉजी और सामग्री चरण परिवर्तन का विज्ञान"।
- कोई सह–/पाठ्येतर गतिविधियों की सूचना नहीं दी गई।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र नेटवर्क की औपचारिक रूप से रिपोर्ट नहीं की गई।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विभाग उद्योग–उन्मुख तकनीकी शिक्षा के संस्थागत दृष्टिकोण के अनुरूप है।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- अनुसंधान, एफडीपी और सम्मेलनों में सक्रिय संकाय भागीदारी।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय ने एफडीपी, प्रेरण कार्यक्रमों और सम्मेलनों में भाग लिया।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- वर्ष के दौरान कोई बाहरी धनराशि प्राप्त नहीं हुई।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- विभाग का डेटा नियमित रूप से आईक्यूएसी को प्रस्तुत किया जाता है।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- टिकाऊ प्रौद्योगिकी अनुसंधान (अपशिष्ट ताप पुनर्प्राप्ति, कंपोजिट) को बढ़ावा देना।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- केंद्रीय कार्यशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण।
- पेटेंट दाखिल करने की संस्कृति शुरू की गयी।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- मैकेनिकल+ऑटोमोबाइल क्षेत्रों के एकीकरण पर जोर।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण:

- **डॉ. गौरव बाजपेयी**

  योग्यता: बी.टेक, एम.टेक, पीएच.डी. (आईआईटी इंदौर)

  विशेषज्ञता: पाउडर मेटलर्जी, कम्पोजिट मटेरियल, डायनामिक फ्रैक्चर मैकेनिक्स, फंक्शनली ग्रेडेड कम्पोजिट, नैनो–मटेरियल, ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस एप्लीकेशन के लिए मेटल और पॉलीमर मैट्रिक्स नैनो कम्पोजिट, नैनो कम्पोजिट का मैकेनिकल व्यवहार, नैनोटेक्नोलॉजी, मटेरियल की टेस्टिंग, स्मार्ट मटेरियल, मटेरियल साइंस, मैन्युफैक्चरिंग, मटेरियल कैरेक्टराइजेशन तकनीकें।

- **डॉ. अखिलेश सिंह**

  योग्यता: एम.टेक. (आईआईटी–बीएचयू, वाराणसी), पीएच.डी. (आईआईटी–बीएचयू, वाराणसी), पीडीएफ–आईआईटी दिल्ली

  विशेषज्ञता: थर्मल और फ्लूइड्स इंजीनियरिंग, हीटिंग वेंटिलेशन और एयर–कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन (HVAC-R), हीट पंप सिस्टम, हीट पंप ड्रायर, रिन्यूएबल एनर्जी (सौर), सौर–थर्मल एनर्जी, थर्मल एनर्जी स्टोरेज, पंप्ड थर्मल एनर्जी स्टोरेज सिस्टम, वेस्ट हीट रिकवरी, थर्मल एनर्जी स्टोरेज मटेरियल (च्ब्ड और थर्मोकेमिकल मटेरियल)।

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

डॉ. गौरव बाजपेयी

- समन्वयक, मैकेनिकल और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग विभाग।
- सदस्य, अध्ययन मंडल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसईटी)।
- सदस्य, बी.टेक. में प्रवेश समिति, यूआईईटी, बीबीएयू।
- सदस्य, स्नातक अध्ययन मंडल, एमएई।
- सदस्य, अनुसंधान समिति, एमएई।
- सदस्य, सतत विकास लक्ष्य, समिति।
- सदस्य, शिकायत समिति

डॉ. अखिलेश सिंह

- विभागीय प्लेसमेंट समन्वयक (वर्तमान)

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

डॉ. गौरव बाजपेयी –

डॉ. अखिलेश सिंह

- यादव सी., सिंह बी., सक्सेना ए., पासवान के., सिंह ए., मिश्रा ए., ''ए रिव्यू ऑन नैनोजेनरेटरः वर्किंग प्रिन्सिपल, मेटीरियल्स सुटेबिलिटी'', परफॉर्मेन्स इनहैन्स्मेंट एण्ड अप्लिकेशन्स (रिविजन सबमिटेड)''।
- यादव सी., सिंह बी., सक्सेना ए., पासवान के., सिंह ए., मिश्रा ए., ''ए कम्प्रेहेन्सिव रिव्यू ऑफ हाइब्रिडाइजेशन स्ट्रैटजीस फॉर नैनोजेनरेटर परफॉर्मेन्स इनहैन्स्मेंट'' (सबमिटेड)।
- राय आर.के., साहू आर.आर., सिंह ए., ''एक्सपेरिमेंटल स्टडी ऑन ड्राइयिंग कैरेक्टरिस्टिक्स फॉर आंवला एण्ड एप्पल ड्राइयिंग प्रोडक्ट्स अंडर ड्युयल–मोड हीट पंप ड्राइयर'' (सबमिटेड)।
- सिंह ए., यादव सी., सिंह एम.सी., ''पैराबोलिक ट्रफ सोलर कलेक्टर इंटीग्रेटेड पंप्ड थर्मल इलेक्ट्रिसिटी स्टोरेज (PTES) सिस्टमः ए न्यूमेरिकल एनॉलिसिस'' (सबमिटेड)।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें :

8.3.3 **पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन––**

- बाजपेयी जी., नामदेव ए., मिश्रा वी., राजपुरोहित एच. और पुरोहित आर., ''इफेक्ट ऑफ वॉटर एब्ज़ॉर्प्शन ऑन द इंटर–लैमिनर शीयर स्ट्रेंथ ऑफ ग्लास फाइबर रीइन्फोर्स्ड एपॉक्सी कम्पोजिट अंडर स्टैटिक लोडिंग'' लेक्चर नोट्स इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग (2024) में स्वीकार किया गया।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी –

- सामग्री और विनिर्माण प्रौद्योगिकी में प्रगति पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICAMMT–2024) में प्रस्तुत शोध पत्र।
- प्रस्तुत शोध पत्र ''सतत भविष्य के लिए उन्नत सामग्रियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएमएसएफ–2025)'', 28 –29 मार्च 2025 को आयोजित किया गया।
- 06–10 जनवरी, 2025 तक ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़ के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा उन्नत और सतत विनिर्माण प्रौद्योगिकी पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया।
- ऊर्जा परिवर्तन के लिए सतत समाधान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरिंग स्कूल, आईआईटी गुवाहाटी में भाग लिया।
- मैकेनिकल और मैटेरियल साइंस इंजीनियरिंग पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय ई–सम्मेलन में नवाचार और अनुसंधान 2024 (ICMMSE:2024) में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, बीएचयू, वाराणसी द्वारा संकाय प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

- एक पीएच.डी. छात्र (अहमद हसन) के पर्यवेक्षक।
- एक पीएच.डी. छात्र (अहमद हसन) के सह–पर्यवेक्षक।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रीः शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य : शून्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	.....
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	.....
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	02
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	01
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	.....
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	.....
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	84
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	.....
9.	छात्रों की कुल संख्या	03
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	04
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	.....
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	.....
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	.....
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	.....
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	.....
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	.....
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	.....

व्यावसायिक एवं भविष्यवादी अध्ययन विद्यापीठ

कौशल एवं व्यावसायिक अध्ययन विभाग

विभाग का परिचय

कौशल और व्यावसायिक अध्ययन विभाग की स्थापना 2021 में व्यावसायिक एवं भविष्यवादी अध्ययन विद्यापीठ के तहत की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य बहु–प्रवेश और बहु–निकास शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से चुने हुए व्यापार में कुशल, उद्योग के लिए जनशक्ति तैयार करना है। यह विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार भारत के कुशल कार्यबल को मजबूत करने के लिए उद्यमिता, शिक्षा के व्यावसायीकरण और सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग पर जोर देता है।

विभाग की ताकत

- राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप विविध व्यावसायिक कार्यक्रम।
- मजबूत सहयोग (एएमसी सेंटर, एसजीपीजीआईएमएस)।
- राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मान्यता और सक्रिय अनुसंधान प्रोफ़ाइल वाले संकाय।
- पेटेंट दायर किए गए और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशन।
- उद्यमिता और रोजगार पर ध्यान।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

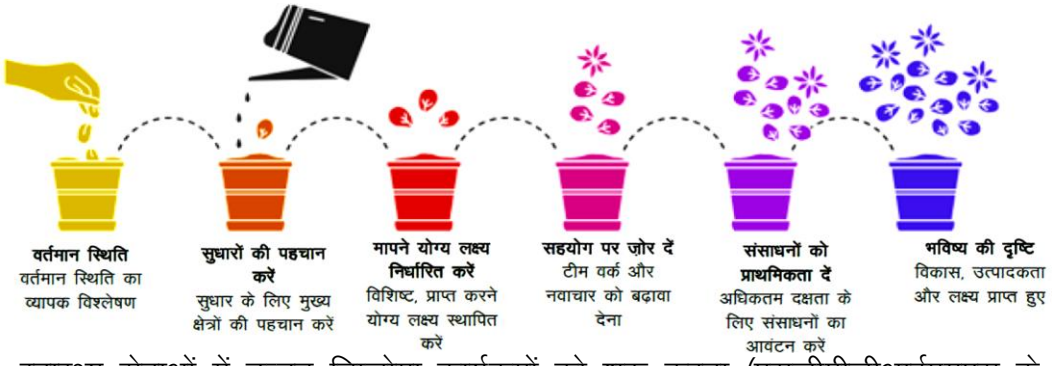

- स्वास्थ्य सेवाओं में उन्नत डिप्लोमा कार्यक्रमों को शुरू करना (एसजीपीजीआईएमएस के माध्यम से)।
- छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण का औपचारिक परिचय।
- कौशल आधारित पाठ्यक्रमों में छात्रों का नामांकन बढ़ाएं।
- प्रशिक्षण के लिए डिजिटल/आईटी बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना।
- सलाह और प्लेसमेंट सहायता के लिए एक सक्रिय पूर्व छात्र नेटवर्क बनाना।
- छात्र इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के लिए उद्योग के साथ टाई–अप को मजबूत करना।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- मल्टीपल एंट्री/एग्जिट सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा प्रोग्राम शुरू किए गए।

- एएमसी सेंटर एंड कॉलेज, लखनऊ के साथ उद्योग सहयोग।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



पेश किए गए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमः

- आधुनिक कार्यालय प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।
- आधुनिक कार्यालय प्रबंधन में डिप्लोमा; सूची और स्टोर प्रबंधन।
- पत्रकारिता, आईटी हार्डवेयर, कानूनी प्रारूपण, खाद्य सूक्ष्म जीव विज्ञान, बागवानी, कढ़ाई, आदि में प्रमाण पत्र/उन्नत डिप्लोमा।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

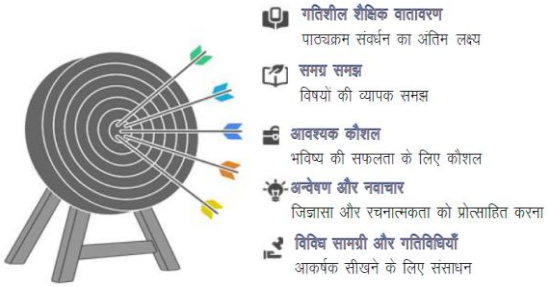

- हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग, वर्कशॉप और अंतःविषयक पहुँच।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- अनौपचारिक प्रतिक्रिया प्रणाली; विकास के तहत औपचारिक तंत्र।

2 शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

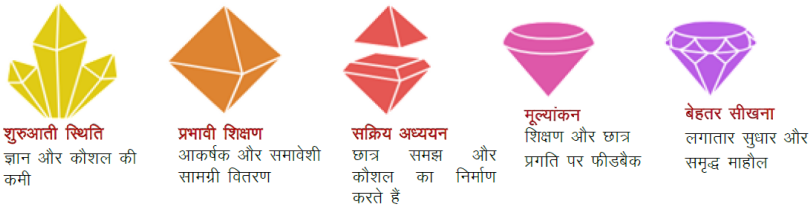

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- कुल डिप्लोमा छात्र (2023–24): 29।

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रम।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- व्यावहारिक प्रदर्शनः कौशल सेट प्रशिक्षण (2023), बोन्साई कार्यशाला (2024)।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता



- आचार्य मनीष कुमार वर्मा (संकायाध्यक्ष, समाजशास्त्र; संकायाध्यक्ष, एसवी एंड एफएस)
- आचार्य दीपा एच. द्विवेदी (आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कौशल एवं व्यावसायिक अध्ययन)

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- एनईपी के अनुसार, सेमेस्टर–आधारित मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- उद्योग–प्रासंगिक व्यावसायिक कौशल में प्रशिक्षित छात्र।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- अगले शैक्षणिक वर्ष से आयोजित करने की योजना है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- संकाय सक्रिय रूप से अनुसंधान और प्रकाशनों में लगे हुए हैं।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- समझौता ज्ञापनों के माध्यम से सहयोगात्मक समर्थन (जैसे, एसजीपीजीआईएमएस)।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- पेटेंट दायर (2024): ग्रीन सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स फॉर एग्रिकल्चर।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- कई राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशन और पुस्तक अध्याय।

3.5 परामर्श:

- कोई भुगतान परामर्श नहीं; अकादमिक सहयोग चल रहा है।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- कार्यशालाएं: कौशल सेट प्रशिक्षण, बोन्साई संस्कृति।

3.7 सहयोग

- स्वास्थ्य प्रबंधन में उन्नत डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए एसजीपीजीआईएमएस के साथ समझौता ज्ञापन।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन



8.4 भौतिक सुविधाएं

- विभाग व्यावहारिक प्रशिक्षण सुविधाओं के साथ एसवी एंड एफएस में स्थित है।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीय पुस्तकालय और ई–संसाधनों तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- हार्डवेयर/नेटवर्किंग और कार्यालय प्रशासन के लिए आईटी–सक्षम शिक्षण।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रणाली द्वारा रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- स्व–रोजगार और प्लेसमेंट के लिए डिज़ाइन किए गए व्यावसायिक कार्यक्रम।

5.2 छात्र प्रगति

- छात्रों की प्रगति का डेटा संकलन किया जा रहा है।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- कार्यशालाएं आयोजित की गईं; किसी खेल/सह–पाठयक्रम गतिविधियों की सूचना नहीं मिली।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्रों का नेटवर्क विकसित किया जा रहा है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विजनः उद्योग के लिए तैयार कुशल जनशक्ति और भविष्य के उद्यमी तैयार करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- एएमसी सेंटर और कॉलेज, एसजीपीजीआईएमएस के साथ साझेदारी।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय शैक्षणिक निकायों, संपादकीय बोर्डों और अनुसंधान सहयोग में शामिल है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- समझौता ज्ञापनों और संस्थागत सहायता के माध्यम से संसाधन जुटाए गए।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- पाठ्यक्रम और गतिविधियों की नियमित निगरानी।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

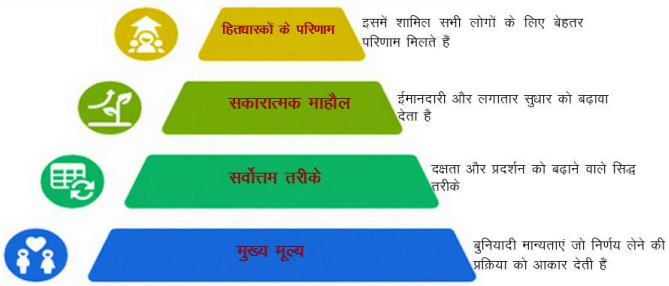

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्धता।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- उद्योग–अकादमिक सहयोग और हैंड्स ऑन कौशल कार्यशाला।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- एनईपी 2020 के साथ संरेखित अद्वितीय बहु–प्रवेश/निकास प्रणाली।
- रक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों के साथ अलग–अलग सहयोग।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण–

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

8.3 शोध प्रकाशन – शून्य।

8.3.1 शोध लेख – शून्य।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन– शून्य।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी–शून्य।

8.3.5. जारी पर्यवेक्षण– शून्य।

8.3.5.1 शोध पर्यवेक्षण–शून्य।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री –शून्य।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –शून्य।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ: शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	–
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	–
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	–
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	02
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	29
9.	छात्रों की कुल संख्या	–
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	–
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	–

सैटेलाइट केन्द्र, अमेठी

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय ने 16 जून, 2016 को लखनऊ से लगभग 130 किलोमीटर दूर अमेठी के टीकरमाफी में अपना सैटेलाइट केन्द्र बनाया। विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण और मिशन के अनुसार, केन्द्र का मकसद आम लोगों, खासकर समाज के पिछड़े और वंचित तबकों की पढ़ाई–लिखाई और आर्थिक भलाई को बढावा देना है।

सैटेलाइट सेंटर की स्थापना अमेठी और उसके आसपास के जिलों के लोगों को पढ़ाई–लिखाई, सामाजिक और आर्थिक उत्थान पर विशेष ध्यान देने के साथ बनाया गया था। इसका प्रमुख दृष्टिकोण है उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और आस–पास के समुदायों के लिए तेजी से बढ़ने सीखने के केंद्र के रूप में उभरना, जिससे आस–पास के छात्रों के लिए आसान और सबको साथ लेकर चलने वाली उच्च शिक्षा सुनिश्चित हो सकें।

वर्तमान में, सैटेलाइट सेंटर निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करता हैः–
एक डिप्लोमा कार्यक्रमः डी. फार्मा
आठ स्नातक कार्यक्रमः
सूचना प्रौद्योगिकी में बीएससी
बीसीए
बी.कॉम
बी. ए. (अंग्रेजी, इतिहास और समाजशास्त्र)
बी. फार्मा
खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में बीएससी
दो स्नातकोत्तर कार्यक्रमः
अंग्रेजी में एम.ए.
इतिहास में एम.ए.
सात विभागों में डॉक्टरेट कार्यक्रम

अभी सैटेलाइट केन्द्र में कुल 653 छात्र हैं और इसे 12 स्थायी संकाय सदस्यों द्वारा सहायता प्रदान किया जाता है।

केंद्र में आधुनिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें 24×7 वाई–फाई इंटरनेट सेवाएं, खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी और फार्मेसी के लिए अच्छी तरह से स्थापित प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब, महिला छात्रावास, एक अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय, एक खेल का मैदान और एक स्मार्ट पैनल से सुसज्जित सभागार शामिल है। केंद्र एक आधुनिक कंप्यूटर केंद्र विकसित करने की प्रक्रिया में भी है जिसमें 60 कम्प्यूटर और विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 33 केवी इन–हाउस सबस्टेशन होगा ताकि बिना रूकावट विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकें।

सैटेलाइट केन्द्र अपने छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने, उन्हें ज्ञान, कौशल और मूल्यों से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे जिम्मेदार नागरिक और मूल्यवान बन सकें।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (सैटेलाइट केंद्र, अमेठी)

विभाग का परिचय

सूचना प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.एससी. आईटी) कार्यक्रम का संचालन शुरू में कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के तहत चलाया जाता था। 2020 में सूचना प्रौद्योगिकी, व्यापार और उद्योग के मूलभूत ज्ञान को प्रदान करने के लिए एक अलग सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापित किया गया। यह विभाग सूचना प्रौद्योगिकी में पूर्णकालिक स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें समग्र शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर दिया जाता है।

विभाग सेमिनार, कार्यशालाएं, हैकथॉन, बहस और सामाजिक पहलों जैसी कई शैक्षणिक, सह–पाठ्यक्रम और सांस्कृतिक गतिविधियों आयोजित करता है। छात्रों को न केवल तकनीकी कौशल में बल्कि संचार, नवाचार और टीम वर्क में भी प्रशिक्षित किया जाता है।

विभाग की ताकत

- **योग्य संकायः** साइबर सुरक्षा, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, ग्रीन कम्युनिकेशन और एडवांस्ड सिस्टम डिजाइन में विशेषज्ञता वाले दो पीएच.डी. धारक।
- **छात्र संख्याः** वर्तमान में 103 स्नातक छात्र नामांकित है।
- **बुनियादी ढ़ांचाः** स्मार्ट क्लासरूम, ट्यूटोरियल रूम, लेक्चर हॉल, विभागीय पुस्तकालय, केंद्रीकृत पुस्तकालय, वाई–फाई और मनोरंजक सुविधाएं।
- **कौशल विकास गतिविधियांः** नियमित हैकथॉन, कार्यशालाएं (आईओटी, यूआई/यूएक्स, वेब डिज़ाइन), पोस्टर–मेकिंग और तकनीकी प्रतियोगिताएं।
- **छात्र जुड़ावः** सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद–विवाद, निबंध प्रतियोगिता, खेल और इंजीनियर्स दिवस समारोह।
- **मूल्य–आधारित शिक्षाः** जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए यूएचवी कक्षाएं और सामाजिक समावेश गतिविधियां।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

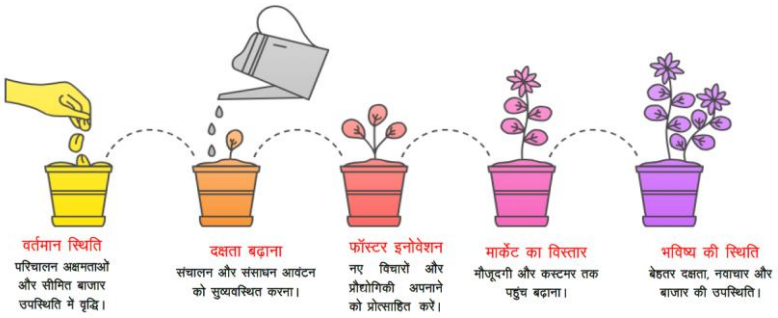

शैक्षणिक पहल

- उद्योग/शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से कम से कम 2 राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार/कार्यशालाओं आयोजित करें।
- आईटी पेशेवरों और शोधकर्ताओं द्वारा अतिथि व्याख्यान श्रृंखला शुरू करें।

अनुसंधान और नवाचारः

- संकाय अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- छात्रों को इंटर–यूनिवर्सिटी सम्मेलनों में पेपर/पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करें।

- साइबर सुरक्षा और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में लघु अनुसंधान/परामर्श परियोजनाएं शुरू करें।

छात्र विकास

- डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और एआई टूल्स में प्रमाणन पाठ्यक्रम शुरू करें।
- निरंतर सहकर्मी सीखने के लिए एक नवाचार और कोडिंग क्लब स्थापित करें।
- रिज़्यूमे–बिल्डिंग और मॉक साक्षात्कार कार्यशालाओं के माध्यम से प्लेसमेंट समर्थन को मजबूत करें।

विस्तार और आउटरीचः

- आस–पास के ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक आईटी साक्षरता अभियान आयोजित करें।
- सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रम (रक्तदान शिविर, डिजिटल जागरूकता अभियान) आयोजित करें।

बुनियादी ढांचे का उन्नयन

- अद्यतन सॉफ्टवेयर और क्लाउड–आधारित टूल के साथ आईटी लैब को बेहतर बनाएं।
- ई–पुस्तकों और अनुसंधान पत्रिकाओं के साथ विभागीय पुस्तकालय संसाधनों का विस्तार करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास

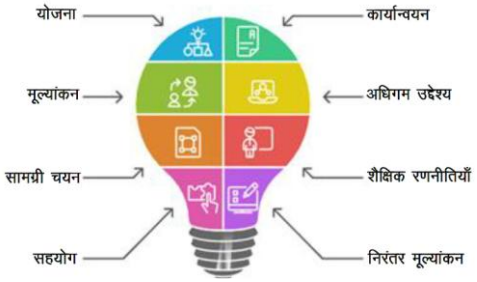

- बी.एससी. (आईटी) कार्यक्रम शुरू में कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के तहत चलाया गया था, बाद में 2020 में एक अलग विभाग के रूप में स्थापित किया गया।
- **उद्देश्यः** एक समग्र सीखने के माहौल के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी, व्यापार और उद्योग के ज्ञान प्रदान करना।
- पाठ्यक्रम का उद्देश्य कंप्यूटर विज्ञान और आईटी अनुप्रयोगों पर ध्यान देने के साथ सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान के बीच संतुलन बनाना है।

1.2 पाठ्यचर्या योजना एवं कार्यान्वयन

- सूचना प्रौद्योगिकी में पूर्णकालिक स्नातक कार्यक्रम की पेशकश किया जाता है।
- विभाग सेमिनार, प्रस्तुतियों, आमंत्रित वार्ता, बहस और चर्चा जैसे शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करता है।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- स्नातक कार्यक्रमः बी.एससी. सूचना प्रौद्योगिकी (बी.एससी. आईटी)।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

- **छात्रों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए गतिविधियाँः** कार्यशाला, हैकथॉन, ई–खेल टूर्नामेंट, पोस्टर डिजाइन, यूआई/यूएक्स डिजाइन, व्यक्तिगत वित्त वर्ग, यूएचवी सत्र, वेबमेनिया प्रतियोगिता।
- चैरिटेबल इवेंट्स के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा दिया जाता है।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- प्रतिक्रिया प्रणाली के बारे में स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्रों की कुल संख्या (2024–25): 103

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- वाद–विवाद, पोस्टर प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसी गतिविधियां अलग–अलग पृष्ठभूमि के छात्रों को जोड़ने में मदद करती हैं।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट कक्षाएं, ट्यूटोरियल रूम, पुस्तकालय संसाधन, और आईटी बुनियादी ढांचे इंटरैक्टिव सीखने का समर्थन करते हैं।
- छात्र केंद्रित गतिविधियों में प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं और सेमिनार शामिल हैं।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

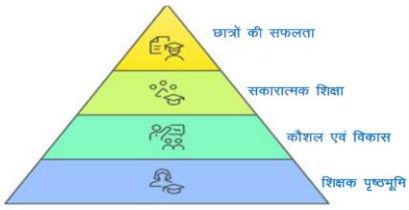

संकाय सदस्यः

- डॉ. संदीप कुमार नायक– उपाचार्य, पीएच.डी. (विशेषज्ञताः साइबर सुरक्षा, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, ई–गवर्नेंस)।
- डॉ. नीरज कुमार तिवारी– सहायक आचार्य, पीएच.डी. (विशेषज्ञताः ग्रीन कम्युनिकेशन, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, एडवांस्ड सिस्टम डिजाइन)।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया है।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- कोई विस्तृत डेटा प्रदान नहीं किया गया; गतिविधियाँ आईटी, कोडिंग, डिजाइन और संचार में कौशल विकास का संकेत देती हैं।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- सूचना नहीं की।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- किसी बड़ी/छोटी शोध परियोजना की सूचना नहीं दी गयी है।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- कोई नही।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- हैकथॉन, आईओटी, यूआई/यूएक्स पर कार्यशालाओं और वेबमेनिया नवाचार और व्यावहारिक अनुभव को बढ़ावा देते हैं।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- वर्ष के दौरान किसी प्रकाशन की सूचना नहीं किया गया है।

3.5 परामर्श

- कोई नही।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- छात्र सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों (चौरिटी इवेंट्स, इंजीनियर्स डे, राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह, विज्ञान दिवस) में शामिल होते हैं।

3.7 सहयोग

- किसी एमओयू या सहयोग की कोई रिपोर्ट नहीं है।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

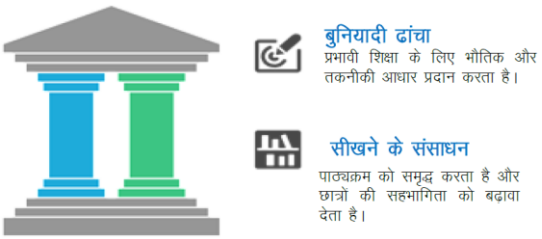

4.1 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट क्लासरूम
- लेक्चर हॉल
- ट्यूटोरियल रूम
- रीडिंग हॉल
- बॉथरूम (लड़के और लड़कियाँ)
- पीने के पानी की सुविधा

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- विभागीय पुस्तकालय
- केंद्रीकृत पुस्तकालय

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई सक्षम कैंपस
- विभागीय संकाय द्वारा संचालित समर्पित आईटी सेल।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- सामान्य रखरखाव केंद्रीय रूप से संभाला जाता है; खास विभागीय प्रयासों का उल्लेख नहीं किया गया है।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- कार्यशालाएं, हैकथॉन, यूएचवी क्लासेज और पर्सनल फाइनेंस सेशन कौशल आधारित शिक्षण प्रदान करते हैं।

5.2 छात्र प्रगति

- प्लेसमेंट/प्रगति पर डेटा रिपोर्ट नहीं किया गया।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- **शैक्षणिक कार्यक्रमः** आईओटी कार्यशाला, हैकथॉन, वेबमेनिया, पोस्टर प्रस्तुति।
- **सह पाठयक्रम कार्यक्रमः** वाद–विवाद, भाषण, निबंध प्रतियोगिताएं।
- **सांस्कृतिक कार्यक्रमः** फ्रेशर, विदाई, शिक्षक दिवस समारोह।

- **खेल आयोजनः** क्रिकेट, कबड्डी, बैडमिंटन, ई–स्पोर्ट टूर्नामेंट।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- कोई डेटा रिपोर्ट नहीं किया गया।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- दृष्टिकोणः सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आईटी शिक्षा के जरिए छात्रों का सर्वांगीण विकास।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- कौशल विकास, प्रतियोगिताओं और व्यावहारिक अनुभव पर फोकस।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय प्रशासनिक और आईटी सेल जिम्मेदारियों में शामिल।
- सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भागीदारी (आईसीएसएसआर सम्मेलन, एनईपी संगोष्ठी)।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- कोई डेटा रिपोर्ट नहीं किया गया।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- छात्र केंद्रित गतिविधियों गुणवत्ता प्रथाओं को दिखाती है, हालांकि आईक्यूएसी–विशिष्ट इनपुट का उल्लेख नहीं किया गया है।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- विद्यार्थियों ने धर्मार्थ कार्यक्रमों और सामाजिक समावेश गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- तकनीकी कौशल के लिए हैकथॉन और वेबमेनिया।
- टीम बिल्डिंग के लिए ई–स्पोर्ट टूर्नामेंट।
- मूल्य आधारित शिक्षा के लिए यूएचवी कक्षाएं।
- जीवन–कौशल विकास के लिए व्यक्तिगत वित्त कक्षाएं।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- विभाग समग्र छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आईटी ज्ञान को सांस्कृतिक, सामाजिक और सह–पाठ्यचर्या के साथ मिलाता है।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. संदीप कुमार नायक**
  उपाचार्य
  निदेशक प्रभारी और समन्वयक–सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, बीबीएयू–सैटेलाइट सेंटर अमेठी
  विशेषज्ञताः साइबर सुरक्षा में उभरते रुझान और प्रगति, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, साइबर सुरक्षा, ई–गवर्नेंस, ई–क्रांति।
  योग्यताः पीएच.डी.
- **डॉ. नीरज कुमार तिवारी**
  सहायक आचार्य
  प्रभारी आईटी सेल, बीबीएयू–सैटेलाइट सेंटर अमेठी।
  विशेषज्ञताः ग्रीन कम्युनिकेशन, ई–हेल्थ, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, एडवांस सिस्टम डिजाइन।
  योग्यताः पीएच.डी.

8.2 संस्थान के भीतर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद– शून्य

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख– शून्य

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन– शून्य

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

डॉ. नीरज कुमार तिवारी
(सहायक आचार्य),

- 13–14 फरवरी, 2025 मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग, लखनऊ, जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया और भारतीय शिक्षण मंडल (अवध प्रांत) के सहयोग से आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला "विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण" में भाग लिया।
- 3–4 नवंबर, 2023 समाजशास्त्र विभाग, अंबेडकर सामाजिक अध्ययन विद्यापीठ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, सतत विकास लक्ष्य और राष्ट्र निर्माणः परिप्रेक्ष्य, मुद्दे, चिंताएं और चुनौतियां पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण– शून्य

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण– शून्य

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री – शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य – शून्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	–
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	–

3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	–
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	02
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	103
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	–
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	–
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	–

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग (सैटेलाइट केंद्र, अमेठी)

विभाग का परिचय

बीबीएयू सैटेलाइट केन्द्र, अमेठी में कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (2016–2019) से पुनर्गठन के बाद 2020 में कंप्यूटर विज्ञान विभाग की स्थापना की गई थी। इसका उद्देश्य छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान, व्यापार और उद्योग उन्मुख ज्ञान में एक मजबूत नींव प्रदान करना है।

यह विभाग पढ़ाई को नवाचार, अनुसंधान, सांस्कृतिक गतिविधियों और सामाजिक आउटरीच के साथ मिलाकर छात्रों के समग्र विकास पर जोर देता है। यह नियमित रूप से नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यशालाओं, हैकथॉन, वाद–विवाद, सेमिनारों और धर्मार्थ कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

विभाग की ताकत

- **शैक्षणिक शक्तियां**
  - एआई, नेटवर्क, एल्गोरिदम और सीएसई में पीएच.डी. योग्यता के साथ अनुभवी संकाय।
  - उभरते हुए क्षेत्रों में प्रकाशित पुस्तकें (5जी संचार, सी++ का उपयोग कर डेटा संरचनाएं)।
  - राष्ट्रीय स्तर के हैकथॉन, पोस्टर डिजाइन और प्रतियोगिताओं में छात्रों की सक्रिय भागीदारी।
- **अवसंरचना क्षमताएँ**
  - स्मार्ट क्लासरूम, ट्यूटोरियल रूम, लेक्चर हॉल, वाई–फाई–सक्षम कैंपस और सेंट्रल लाइब्रेरी।
  - शैक्षिक और सांस्कृतिक विकास के लिए अच्छी तरह से बनाए रखा सुविधाओं.
- **छात्र और सह पाठयक्रम ताकत**
  - स्नातक नामांकनः 160 छात्रों.

- विज्ञान दिवस, इंजीनियर्स दिवस, युवा दिवस प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल में छात्रों की मजबूत भागीदारी।
- हैकथॉन, वेबमेनिया और यूआई/यूएक्स घटनाओं के माध्यम से वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों का अनुभव।

- **मूल्य–आधारित शिक्षा:** जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए यूएचवी कक्षाएं और सामाजिक समावेश गतिविधियां।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

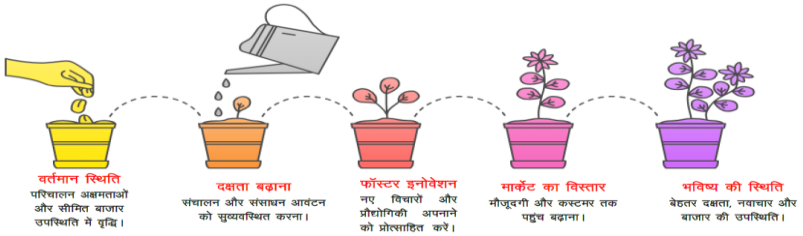

शैक्षणिक विकास

- डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा और क्लाउड कंप्यूटिंग में प्रमाण पत्र/ऐड–ऑन पाठ्यक्रम शुरू करें।
- उद्योग संचालित लघु परियोजनाओं के माध्यम से परियोजना आधारित सीखने को मजबूत करें।

अनुसंधान और नवाचार

- संकाय और छात्रों को प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- उभरती प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाएं।
- स्टार्टअप्स और कोडिंग क्लबों के लिए एक नवाचार कक्ष स्थापित करें।

छात्र विकास

- प्लेसमेंट प्रशिक्षण मॉड्यूल (सॉफ्ट स्किल्स, एप्टीट्यूड, कोडिंग टेस्ट) शुरू करें।
- मेंटरशिप और प्लेसमेंट का समर्थन करने के लिए एक सक्रिय पूर्व छात्र सेल का निर्माण करें।
- अंतर–कॉलेज प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों का विस्तार करें।

सहयोग और आउटरीच

- इंटर्नशिप और कौशल विकास के लिए आईटी कंपनियों/शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करें।
- स्थानीय स्कूलों के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों के साथ सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत करें।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास

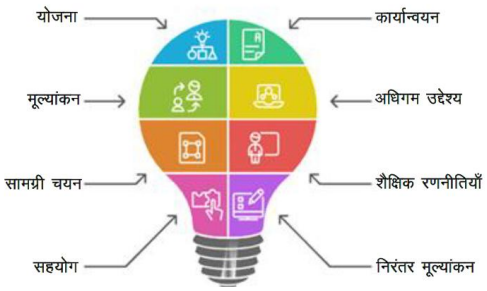

- यह विभाग कंप्यूटर विज्ञान, व्यापार और उद्योग की प्रासंगिकता में मजबूत नींव प्रदान करने के उद्देश्य से बीसीए और बीसीए (ऑनर्स) पाठ्यक्रम प्रदान करता है।
- सेमिनार, हैकथॉन, बहस, आमंत्रित वार्ता और कार्यशालाओं के माध्यम से समग्र सीखने पर ध्यान केंद्रित।
- सामाजिक जिम्मेदारी सिखाने के लिए नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियों से पाठ्यक्रम को बेहतर बनाया गया है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- स्नातक कार्यक्रमः बीसीए (4 वर्ष) और बीसीए (ऑनर्स)।
- अंतःविषय कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं का अनुभव।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

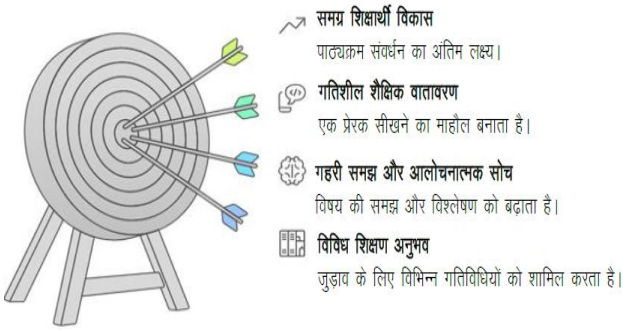

- **अतिरिक्त गतिविधियां:** वेबमानिया (वेबसाइट बनाना), हैकथॉन, यूआई/यूएक्स डिज़ाइन, आईओटी कार्यशालाएं, पोस्टर प्रतियोगिताएं आदि।
- सार्वभौमिक मानव मूल्य (यूएचवी) कक्षाओं को शामिल करना।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- छात्र सक्रिय रूप से शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं।
- प्रतिक्रिया कार्यक्रम की योजना और कौशल निर्माण गतिविधियों में झलकता है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

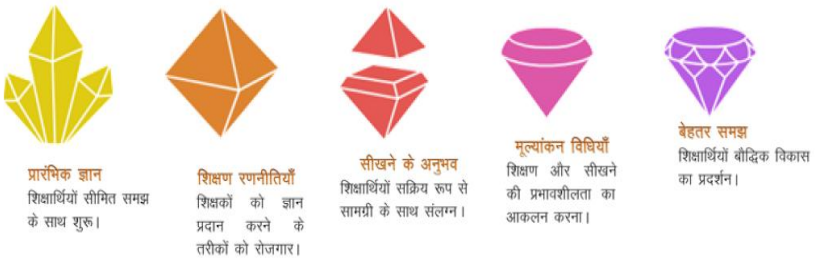

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्रों की कुल संख्या (2024–25): 103

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- सामाजिक जागरूकता और कौशल वृद्धि के लिए गतिविधियां (जैसे, धर्मार्थ कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम)।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट कक्षाएं, ट्यूटोरियल रूम, केंद्रीय पुस्तकालय का उपयोग, और आईसीटी उपकरण।
- अनुभवात्मक शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करें (हैकथॉन, प्रतियोगिताओं, पोस्टर डिजाइन, आदि)।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

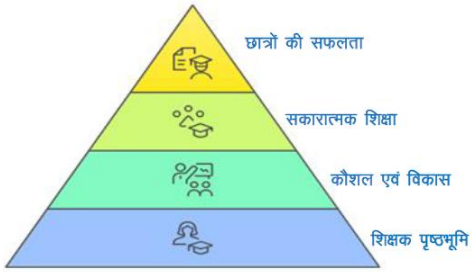

संकाय सदस्यः

- डॉ. रवींद्र नाथ (उपाचार्य)–पीएच.डी. (सीएसई)–विशेषज्ञताः अल्गोरिदम, नेटवर्क।
- डॉ. आदित्य खम्पारिया (सहायक आचार्य)–पीएच.डी.–विशेषज्ञताः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस।
- डॉ. योगधर पांडे (सहायक आचार्य)–पीएच.डी.–(सीएसई)– विशेषज्ञताः कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

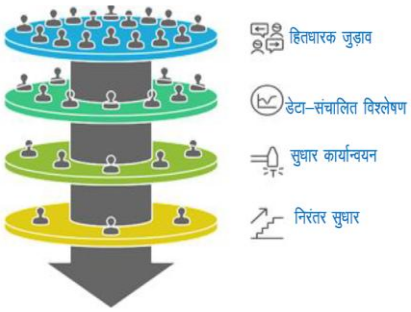

- प्रतियोगिताओं, प्रस्तुतियों और परियोजना–आधारित मूल्यांकन के माध्यम से आंतरिक मूल्यांकन।
-

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- प्लेसमेंट/उपलब्धिः 2 छात्रों को प्लेसमेंट मिला और विशिष्टता हासिल की।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- छात्र सक्रिय रूप से एक्स्ट्राकुलर्स (खेल, सांस्कृतिक, शैक्षणिक कार्यक्रमों) में भाग लेते हैं, जो सकारात्मक जुड़ाव का संकेत देते हैं।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- संकाय प्रकाशन और पुस्तक में योगदान।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- वर्तमान में कोई वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना नहीं है।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- हैकथॉन कोड@बीबीएयू वेबमेनिया और यूआई/यूएक्स प्रतियोगिताओं जैसे आयोजन नवाचार के बढ़ावा देते हैं।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- पुस्तकें: 5जी संचार, सी++ का उपयोग करके डेटा संरचनाएं।
- शोध पत्र–एनईपी 2020 बनाम एनपीई 1986 पर ई–लर्निंग सूचना का तुलनात्मक विश्लेषण।
- कुल प्रकाशनः राष्ट्रीय– 02, अंतर्राष्ट्रीय–02।

3.5 परामर्श

- कोई नही।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक पहुंच।

3.7 सहयोग

- किसी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

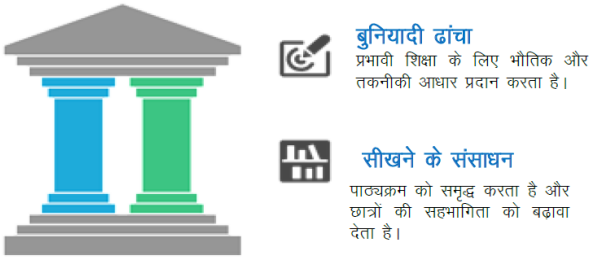

4.1 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट कक्षाएँ, व्याख्यान कक्ष, ट्यूटोरियल कक्ष, पुस्तकालय, वाचनालय, शौचालय, पेयजल, वाई–फाई।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीय पुस्तकालय और डिजिटल संसाधनों तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई सक्षम परिसर, आईसीटी–आधारित शिक्षण।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- कक्षाओं, वाचनालयों और छात्र सुविधाओं का नियमित रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति

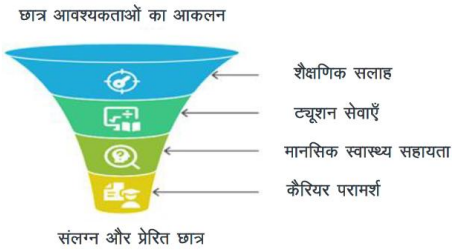

5.1 छात्र सहायता

- कार्यशालाएँ, हैकथॉन, यूएचवी कक्षाएं और वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम।

5.2 छात्र प्रगति

- परास्नातक नामांकनः 160 छात्र।
- प्लेसमेंटः 2 छात्रों को मिला है।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- कार्यक्रमः इंजीनियर' दिवस, विज्ञान दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम (शिक्षक' दिवस, फ्रेशर्स, विदाई), खेल (क्रिकेट, कबड्डी, बैडमिंटन)।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र नेटवर्क प्रगति पर है; कोई औपचारिक संरचना नहीं बताई गई।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- **लक्ष्य:** मजबूत नैतिक और सामाजिक मूल्यों वाले उद्योग के लिए तैयार स्नातक छात्रों को तैयार करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक+पाठ्येतर गतिविधियों का एकीकरण।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को पुस्तकें, शोध पत्र प्रकाशित करने और नवाचार गतिविधियों का मार्गदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- विश्वविद्यालय के मानदंडों के तहत प्रबंधित; किसी स्वतंत्र लामबंदी की सूचना नहीं है।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- विभागीय कार्यक्रमों में छात्रों की भागीदारी सहभागी गुणवत्ता संस्कृति सुनिश्चित होता है।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ

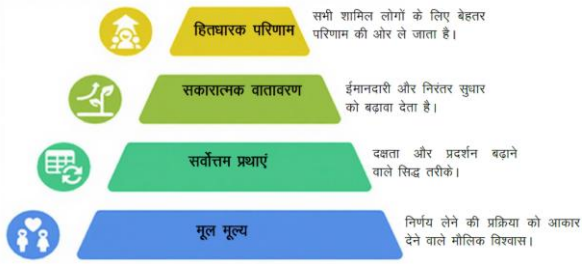

7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नुक्कड़ नाटक और चैरिटी वाली गतिविधियों के जरिए सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा दिया जाता है।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- नवाचार–केंद्रित प्रतियोगिताएं (हैकथॉन, वेबमेनिया, यूआई/यूएक्स)।
- समग्र शिक्षा के लिए तकनीकी + सामाजिक कार्यक्रमों का एकीकरण।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- बीबीएयू सैटेलाइट सेंटर का एकमात्र कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जो स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है। जिसमें शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी पर संतुलित ध्यान होता है।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. रवीन्द्र नाथ**
  उपाचार्य
  विशेषज्ञता: एल्गोरिदम, कंप्यूटर नेटवर्क, एचएमएम
  योग्यता: बीई, एम.टेक, पीएच.डी.
- **डॉ. आदित्य खम्पारिया**
  सहायक आचार्य
  विशेषज्ञता: कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence)
  योग्यता: बीई, एम.टेक, पीएचडी, पोस्ट–डॉक

8.2 संस्थान के भीतर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

- **डॉ. रवीन्द्र नाथ**
  समन्वयक (बीसीए) सैटेलाइट सेंटर, अमेठी 2024 से वर्तमान तक
- **डॉ. आदित्य खम्पारिया**
  समन्वयक (बीसीए) सैटेलाइट सेंटर, अमेठी 2021 से 2024 तक

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

डॉ. रवीन्द्र नाथ

- रवींद्र नाथ[1], देवराज[2], ''2025 स्मार्ट वॉयस असिस्टेंट यूजिंग पायथन एमएमएनएस'' लिबर्टे जर्नल (आईएसएसएनः 0024–2020) खंड 13 अंक 10 2025 आईएसएसएन ईएसएसएन 0024–2020।
- रवींद्र नाथ, शाची मल, ''बुक–2025–हैंडबुक ऑफ पायथन प्रोग्रामिंग पीएस'' नेशनल अल्फा एम पब्लिशर्स, 1, 128।
- आरएनके विवेक प्रताप, प्रिंस प्रिंस, सोनू विश्वकर्मा, राजेश कटियार, मोहित, ''सिंथेसिस एण्ड कैरेक्टरिज़ेशन ऑफ एमसीएफ डोप्ड Zn सब्स्टिट्यूटेड हेक्साफेराइट बैलेन्स एनेबल्स माइक्रोवेव अब्ज़ॉर्बिंग कंपोजिट फॉर सी–बैंड टू कू–बैंड'', क्यूरियस जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग।
- आर नाथ, आई प्रशांत श्रीवास्तव, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर, एस मल, ''पैटर्न मैचिंग ऑफ जीन सीक्वेन्सिंग यूज़िंग एलसीएस एण्ड स्ट्रिंग–मैचिंग आल्गारिदम्स'' 2025 तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संचार, सुरक्षा और कृत्रिम पर।
- डॉ. रवींद्र नाथ, डॉ. योगधर पांडे, डॉ. नीरज कुमार तिवारी, ''पुस्तक 2025– डाटा स्ट्रक्चर यूज़िंग सी++''
- ए कंपरेटिव एनॉलिसिस ऑफ ई–लर्निंगस इन्फ्लुयेन्स ऑन द नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 एण्ड द नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन 1986 इन द कंटेक्स्ट ऑफ टेक्नोलॉजिकल एड्वान्स्मेंट्स'' एकेए[1]रतनारतुह मिश्रा[1], नीरज कुमार तिवारी[2], संदीप कुमार नायक[3], रवींद्र।
- लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल https://doi.org/10.48165/bapas.2024.44.2.1 …
- पुरस्कार–आई2ओआर अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 रवींद्र नाथ

डॉ. आदित्य खम्पारिया

- कुमार, रवि, अमृतपाल सिंह, और आदित्य खम्परिया, ''विजुयल फीचर रिफाइन्मेंट विथ MECNET फॉर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैन्सर क्लॉसिफिकेशन'' जर्नल ऑफ़ करेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी 15, नं. 3 (स्कोपस, इम्पैक्ट फैक्टर= 0.6) (2025): 126–126।
- खम्परिया, आदित्य, और चंदन सिंह, ''एडवॉन्स्ड सेफ्टी सिस्टम्सः सीट बेल्ट एण्ड ऑक्युपेन्सी डिटेक्शन यूज़िंग अटेन्शन स्पाइकिंग न्यूरल नेटवर्क्स'', इंटरनेशनल जर्नल ऑन इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मैनेजमेंट, डिसीजन सपोर्ट, एंड पॉलिसीज़ 2, नं. 1 (2025): 1–13।
- अलखोनैनी, मिमौना अब्दुल्ला, अलनौद अल मज़रोआ, मोहम्मद अलजेबरीन, सिवर बेन हज हसीन, रंडा अल्लाफ़ी, आशित कुमार दत्ता, श्टवाई अलसुबाई, और आदित्य खम्परिया, ''हाइब्रिड साइन–कोसाइन चिम्प ऑप्टिमाइज़ेशन–बेस्ड फीचर सेलेक्शन विथ डीप लर्निंग मॉडल फॉर थ्रेट डिटेक्शन इन ईयोट सेन्सर नेटवर्क्स'' अलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल 102 (एससीआई–ई, इम्पैक्ट फैक्टर= 6.2) (2024): 169–178।

- खम्परिया, आदित्य, दीपक गुप्ता, मेशेल माशी, और हनान अब्दुल्ला मेंगाश, ''कॉग्निटिव ड्राइवेन गैट फ्रीज़िंग फेज़ डिटेक्शन एण्ड क्लॅसिफिकेशन फॉर न्यूरो–रीहैबिलिटेटेड पेशेंट्स यूज़िंग मशीन लर्निंग आल्गरिदम्स'', जर्नल ऑफ़ न्यूरोसाइंस मेथड्स 409 (2024) (एससीआई–ई और स्कोपस, इम्पैक्ट फैक्टर= 2.7): 110183।
- सिंह, संजय कुमार, मामून राशिद, सुल्तान एस. अलशमरानी, मृम एम. अलनिफ़ियाई, प्रांशु सक्सेना, और आदित्य खम्परिया, ''एफीशियेंट ट्रान्सफर लर्निंग अप्रोच फॉर एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया डाइयग्नोसिसः क्लॅसिफिकेशन ऑफ लिम्फोसाइट्स एण्ड लिम्फोब्लास्टिक सेल्स'', ट्रीटमेंट डू सिग्नल 41, नं. 4 (2024) (एससीआई–ई और स्कोपस, इम्पैक्ट फैक्टर= 1.2): 1749।
- सिंह, अमृतपाल, आदित्य खम्परिया, और फादी अल–तुर्जमान, ''ए हाइब्रिड इवॉल्यूशनरी अप्रोच फॉर मल्टी–ऑब्जेक्टिव यूनिट कमिटमेंट प्राब्लम इन पावर सिस्टम्स'', एनर्जी रिपोर्ट्स 11 (एससीआई–ई और स्कोपस, इम्पैक्ट फैक्टर= 6.36) (2024): 2439–2449।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें :

डॉ. रवींद्र नाथ

- रवींद्र नाथ, शाची मल, ''बुक–2025–हैंडबुक ऑफ पायथन प्रोग्रामिंग पीएस'' नेशनल अल्फा एम पब्लिशर्स, 1, 128।
- डॉ. रवींद्र नाथ, डॉ. योगधर पांडे, डॉ. नीरज कुमार तिवारी, ''पुस्तक 2025– डाटा स्ट्रक्चर यूज़िंग सी++''

डॉ. आदित्य खम्परिया

- खम्परिया, आदित्य, और दीपक गुप्ता, संपादक, ''एक्सप्लेनेबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स फॉर बायोमेडिकल एण्ड हेल्थकेयर अप्लिकेशन्स'' सीआरसी प्रेस, आईएसबीएनः 9781003220107, 2024।
- खम्परिया, आदित्य, और दीपक गुप्ता, संपादक, ''जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स फॉर बायोमेडिकल एण्ड स्मार्ट हेल्थ इन्फॉर्मेटिक्स'', जॉन विली एंड संस, आईएसबीएनः 978–1–394–28071–1, 2025।
- पांडेय, बबीता, देवेंद्र पांडे, आदित्य खम्परिया, वेंकटेश दत्ता, और वैलेंटिना ई. बालास। ''आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन माइक्रोबियल रिसर्च'', आईएसबीएनः 978–981–96–3448–4, 2025।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

डॉ. आदित्य खम्परिया

- खम्परिया, आदित्य, और चंदन सिंह, ''न्यूरोमस्कुलर रोग वर्गीकरणः डीप लर्निंग फीचर एक्सट्रैक्टर और अनुप्रयोगों का लाभ उठाना'', आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन माइक्रोबियल रिसर्च5 ब्रिजिंग द गैप में, पृष्ठ 437–450, सिंगापुर5 स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 2025।
- कुमार, रवि, अक्षय कंवर, अमृतपाल सिंह, और आदित्य खम्परिया, ''डीप लर्निंग में इमेज ऑग्मेंटेशन के लिए जेनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क का लाभ उठाना'' बायोमेडिकल और स्मार्ट हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स के लिए जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (2025): 401–416।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी
डॉ. आदित्य खम्परिया

- 28–29 मार्च 2025 को स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय में शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, दिल्ली, भारत के सहयोग से आयोजित कंप्यूटिंग सिस्टम और इंटेलिजेंट एप्लिकेशन पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (कॉमसिया 2025) में संयोजक।
- 28–29 मार्च 2025 को स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय; इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी लखनऊ, भारत का एक घटक कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलाब्रिया, इटली के सहयोग से आयोजित 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन डॉक्टोरल सिम्पोजियम ऑन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस (DoSCI 2025) में संयोजक।
- 17–18 अक्टूबर 2024 को मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित कंप्यूटिंग और कम्युनिकेशन नेटवर्क पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICCCNet–2024) में टेक्निकल प्रोग्राम चेयर।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण– शून्य
8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण– शून्य
8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री – शून्य
8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (एसवाईएसटी) के अंतर्गत प्रधान अन्वेषक के रूप में 14,23,000 रुपये का परियोजना अनुदान प्राप्त किया, परियोजना अवधि (24 महीने) अर्थात 2022–2024।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ: शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	11
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	5
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	00
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	00
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	00
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	00
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	177
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	0
9.	छात्रों की कुल संख्या	99
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	0
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	0
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	1
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	0
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	0
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	0
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	5

17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	12

इतिहास विभाग (सैटेलाइट सेंटर, अमेठी)

विभाग का परिचय

बीबीएयू सैटेलाइट सेंटर, अमेठी में इतिहास विभाग की स्थापना 2020 में सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य विभाग से पुनर्गठन के बाद की गई थी। यह इतिहास, व्यापार और उद्योग का मूलभूत और उन्नत ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से कला स्नातक (इतिहास ऑनर्स), एम.ए. (इतिहास) और पीएच.डी. कार्यक्रम, प्रदान करता है। विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता, छात्रों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक समावेशन पर ध्यान केंद्रित करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्र उच्च अध्ययन, अनुसंधान और रोजगार के लिए अच्छी तरह तैयार हों।

विभाग की ताकत

संकाय की संख्याः 02 (1 उपाचार्य, 1 सहायक आचार्य)।

छात्रों की संख्याः

- स्नातक छात्रः 07
- परास्नातक छात्रः 01
- पीएच.डी. छात्रः शून्य

सुविधाएंः केंद्रीकृत पुस्तकालय, रीडिंग हॉल, ट्यूटोरियल रूम, वाई–फाई, पेयजल।

शैक्षणिक माहौलः सेमिनार, वाद–विवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों के साथ छात्र–केंद्रित शिक्षण।

मजबूत क्षेत्रः

- आधुनिक भारतीय इतिहास और प्राचीन संस्कृति में समर्पित और योग्य संकाय।
- मूल्यों को विकसित करने के लिए सांस्कृतिक और राष्ट्रीय कार्यक्रमों पर जोर।
- समावेशी एवं सहायक सीखने का माहौल।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)



शैक्षणिक विकासः

- स्नातक और परास्नातक स्तर पर प्रवेश बढ़ाएं।
- सहयोगी विभागों के सहयोग से अधिक अंतःविषयक वैकल्पिक पेपर शुरू करें।

अनुसंधान एवं प्रकाशनः

- संकाय को शोध पत्र और पुस्तक अध्याय प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

- लघु/प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करें।

विस्तार एवं आउटरीचः

- कम से कम 2 राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन आयोजित करें।
- शैक्षणिक आदान–प्रदान के लिए आस–पास के कॉलेजों/विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग बढ़ाएं।

छात्र विकासः

- कौशल–आधारित कार्यशालाएँ आयोजित करें (जैसे, ऐतिहासिक अनुसंधान पद्धति, विरासत अध्ययन)।
- वाद–विवाद, निबंध लेखन और अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में छात्रों की भागीदारी बढ़ाएँ।

डिजिटल एवं बुनियादी ढांचे में वृद्धिः

- आईसीटी–सक्षम शिक्षण को मजबूत करें।
- ई–संसाधनों और डिजिटल इतिहास अभिलेखागार तक पहुंच बढ़ाएं।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- बीबीएयू सैटेलाइट सेंटर, अमेठी में सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य विभाग पुनर्गठन के बाद 2020 में इतिहास विभाग की स्थापना गई थी।
- यह बीए (इतिहास ऑनर्स), एम.ए. (इतिहास), और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। जिन्हें इतिहास, व्यापार और उद्योग का ज्ञान देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
- पाठ्यक्रम में सर्वांगीण विकास और प्रभावी सीखने के माहौल पर जोर दिया जाता है।

1.2 पाठ्यचर्या योजना एवं कार्यान्वयन

- पाठ्यक्रम छात्र–केंद्रित शिक्षण और निरंतर मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करते हुए लागू किये जाते है।
- शैक्षणिक गतिविधियों में सेमिनार, आमंत्रित वार्ता, वाद–विवाद, चर्चा और प्रस्तुतियाँ शामिल हैं।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन



- इतिहास में स्नातक, परास्नातक और पीएच.डी. कार्यक्रमों का चयन।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

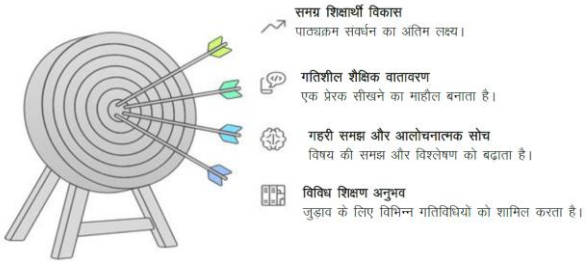

- गतिविधियों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद–विवाद, निबंध प्रतियोगिताएं और राष्ट्रीय उत्सव दिवस शामिल हैं।
- छात्रों को शैक्षणिक और सह–पाठ्यचर्या दोनों तरह से ज्ञानवर्धक अनुभव मिलते हैं।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्रों की भागीदारी अप्रत्यक्ष रूप से फीडबैक का काम करती है। (कोई संरचित फीडबैक प्रणाली रिपोर्ट की जानकारी नहीं मिली।)

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्रः 07
- परास्नातक छात्रः 01
- पीएच.डी. छात्रः शून्य

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- सर्वांगीण और समावेशी विकास के लिए गतिविधियाँ (जैसे, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद–विवाद, निबंध प्रतियोगिता, राष्ट्रीय दिवसों का उत्सव)।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- कक्षा व्याख्यान, ट्यूटोरियल, वाद–विवाद, सेमिनार और सांस्कृतिक प्रदर्शन।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

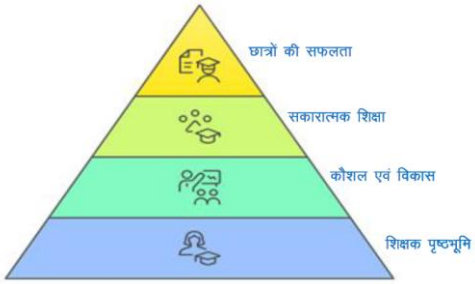

संकाय सदस्यः

- **डॉ. राजेश कुमार–उपाचार्य, समन्वयक**
  विशेषज्ञताः आधुनिक भारतीय इतिहास
  योग्यताः एमए,पीएच.डी.।
- **डॉ. सुशील कुमार पांडे–सहायक आचार्य,**
  विशेषज्ञताः आधुनिक भारतीय इतिहास, प्राचीन संस्कृति और दर्शन
  योग्यताः एमए,पीएच.डी.।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- विश्वविद्यालय के मानदंडों का पालन किया गया; किसी विभागीय सुधार की सूचना नहीं दी गई।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- किसी विशेष छात्र की उपलब्धि की सूचना नहीं दी गई।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- दस्तावेज़ में नहीं है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- उपलब्ध सुविधाएंः केंद्रीकृत पुस्तकालय, रीडिंग हॉल, वाई–फाई, ट्यूटोरियल रूम, पेयजल।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- शून्य।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- शून्य।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- विभाग के संकाय द्वारा प्रकाशनः शून्य

3.5 परामर्श

- शून्य।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- छात्र सामाजिक समावेशन गतिविधियों और धर्मार्थ कार्यक्रमों में शामिल हुए हैं।

3.7 सहयोग

- राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ कोई समझौता ज्ञापन नहीं।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन



4.1 भौतिक सुविधाएं

- पुस्तकालय, रीडिंग हॉल, ट्यूटोरियल रूम, पेयजल, वाई–फाई।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीकृत पुस्तकालय उपलब्ध है।

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई सुविधा।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय प्रबंधित।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी।

5.2 छात्र प्रगति

- परास्नातक छात्रः 01

- स्नातक छात्रः 07
- पीएच.डी. छात्रः शून्य

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

आयोजित कार्यक्रमः

- स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2024)।
- विश्वविद्यालय दिवस (10 जनवरी 2024)।
- गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2024)।
- भाषण और निबंध प्रतियोगिताएं (23 जनवरी 2024–राष्ट्रीय युवा दिवस)।
- शिक्षक दिवस, फ्रेशर्स पार्टी, विदाई पार्टी पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- डॉ. बी आर. अंबेडकर जयंती एवं स्थापना दिवस (14 अप्रैल 2025)।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- रिपोर्ट नहीं की गई।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- दृष्टिकोणः समग्र विकास के साथ इतिहास, व्यापार और उद्योग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संवर्धन पर जोर।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- शिक्षण–अधिगम और मार्गदर्शन में भागीदारी।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- शून्य

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- विभाग विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी दिशानिर्देशों का पालन करता है।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- राष्ट्रीय त्योहारों, विश्वविद्यालय कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों का आयोजन नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देता है।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- वाद–विवाद, भाषण, निबंध प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना।
- सामाजिक समावेश में छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा देना।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- इतिहास को व्यापार, वाणिज्य और छात्रों के सर्वांगीण विकास से जोड़ने पर ध्यान देना।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग विशेष)

8.1 शैक्षणिक विवरणः

- **डॉ. राजेश कुमार**
  उपाचार्य,
  समन्वयक, इतिहास विभाग
  विशेषज्ञताः आधुनिक भारतीय इतिहास, दलित इतिहास, महिला इतिहास
- **डॉ. सुशील कुमार पांडे**
  सहायक आचार्य
  इतिहास विभाग
  विशेषज्ञताः आधुनिक इतिहास

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

डॉ. राजेश कुमार

- समन्वयक, इतिहास विभाग, बीबीएयू सैटेलाइट सेंटर अमेठी (2023 से अब तक)।
- प्रभारी, रखरखाव, बीबीएयू सैटेलाइट सेंटर अमेठी।
- एससी/एसटी कल्याण संघ, बीबीएयू के सदस्य (2023 से अब तक)।
- उन्नत भारत अभियान के सदस्य (2023 से अब तक)।
- प्रभारी, कुलानुशासक मंडल, बीबीएयू सैटेलाइट सेंटर, अमेठी (2023 से अब तक)।
- समन्वयक, बीए–बी.एड 4 वर्ष एकीकृत पाठ्यक्रम (आईटीईपी)।
- सदस्य, मेस–समिति।

डॉ. सुशील कुमार पांडे

- प्रभारी, खेल–कूद
- सदस्य, मेस–समिति।

8.3 शोध प्रकाशन

डॉ. राजेश कुमार

- शंकर कुमार लाल, संजय श्रीवास्तव, विभूति नारायण, निशा पाल, राजेश कुमार और समीक्षा सिन्हा द्वारा लिखित ''इंडियन नॉलेज सिस्टमरू चैलेंजेस एंड इट्स एप्लीकेशन इन हायर एजुकेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर डेवलपमेंट'' शीर्षक वाला एक रिसर्च पेपर जर्नल लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल (स्कोपस इंडेक्स्ड) में प्रकाशित हुआ, पृष्ठ 11931–11941 https://bpasjournals.com/library-science/index.php/journal/article/view/2546

8.3.1 शोध लेख

डॉ. राजेश कुमार

- भारतीय ज्ञान प्रणाली

डॉ. सुशील कुमार पांडे

- अखिल भारतीय इतिहास संकल्प योजना
- ज्ञान विद्वान

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

डॉ. राजेश कुमार

- भारतीय ज्ञान प्रणाली

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशनः शून्य

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

डॉ. राजेश कुमार

- 50 से ज्यादा पेपर प्रस्तुत/कॉन्फ्रेंस।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

डॉ. राजेश कुमार

शोध अध्येता का नाम

- प्रीति मौर्य ने बिना शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- स्वेता कुमारी खेरालिया बिना शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. के लिए नामांकन कराया है।
- अंकित सिंह ने "द हिस्टरी ऑफ इंडियन रेलवेंस फॉर्म ब्रिटिश राज टिल–2024: बिल्डिंग ऑफ ट्रांसपोर्टेशन ऑफ नेटवर्क एण्ड इंपैक्ट ऑन इंडिया'स इकोनॉमी" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- प्रभाकर कुमार गुप्ता ने "कोलोनियल वॉटर मैनेजमेंट एण्ड इट्स सोसियो–इकोनामिक इंपैक्टः ए स्टडी ऑफ केनाल इरिगेशन इन द युनाइटेड प्रॉविन्सेस (1854–1947)" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- ब्रजेंद्र अहिरवार ने "वॉटर मैनेजमेंट इन बुंदेलखंड रीजन ड्यूरिंग द चंदेल इरा (स्पेशल रेफरेन्सः ललितपुर एण्ड टीकमगढ़)" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

डॉ. सुशील कुमार पांडे

शोध अध्येता का नाम

- अदिति द्विवेदी–शून्य
- आलोक सिंह ने ''द रोल ऑफ द बंधलगोटी राजपूत इन द पॉलिटिकल लैंडस्केप ऑफ अवध": एनालाइज़िंग देयर इन्फ्लुयेन्स एण्ड इंटरैक्शन विथ कंटेंपोररी पावर्स'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- प्रशांसा भारती ने "अनवेलिंग द वाय्सस ऑफ मार्जिनलाइज्डः कंडीशन ऑफ दलित वुमेन इन इंडियन नेशनल मूवमेंट विथ स्पेशल रेफरेन्स टू यूपी (1857–1947)" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- निहारिका कुमारी ने "एक्सप्लोरिंग द सोसियो–कल्चरल हिस्टरी ऑफ गोंड ट्राइब इन उत्तर प्रदेश (ब्रिटिश पीरियड टू प्रेज़ेंट)" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रीः शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य : शून्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	–
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	–
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	–
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	–
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	05
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	–
9.	छात्रों की कुल संख्या	–
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	–
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	09

समाजशास्त्र विभाग (सैटेलाइट सेंटर, अमेठी)

विभाग का परिचय

बीबीएयू सैटेलाइट सेंटर, अमेठी में 2020 में स्थापित समाजशास्त्र विभाग ग्रामीण, सांस्कृतिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए समाजशास्त्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता, सामाजिक जिम्मेदारी और भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) को शिक्षण एवं अनुसंधान में शामिल करने पर जोर देता है। यह छात्रों को अनुसंधान, विस्तार गतिविधियों और सामुदायिक सेवा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे शास्त्रीय समाजशास्त्रीय विचार और स्वदेशी भारतीय दृष्टिकोण दोनों पर आधारित समाज की समग्र समझ विकसित होती है।

विभाग की ताकत

- समाजशास्त्र के मुख्य क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले समर्पित संकाय।
- सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी।
- केंद्रीकृत पुस्तकालय और डिजिटल शिक्षण संसाधन।

- स्नातक और पीएच.डी. कार्यक्रम उच्च शोध के लिए अवसर प्रदान करते हैं।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)



- अधिक मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम और कौशल–आधारित कार्यशालाएँ शुरू करें।
- शोध गतिविधियों को मजबूत करें और अन्य संस्थानों के साथ सहयोग शुरू करें।
- कम से कम एक राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन आयोजित करें।
- औपचारिक पूर्व छात्र संघ स्थापित करें।
- छात्र मार्गदर्शन और कैरियर मार्गदर्शन सहायता को बेहतर बनाएं।
- स्नातक और पीएच.डी. कार्यक्रमों में छात्र नामांकन बढ़ाएँ।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- समाजशास्त्र विभाग की स्थापना 2020 में सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य विभाग से अलग होने के बाद की गई थी।
- **उद्देश्यः** समाजशास्त्र का बुनियादी ज्ञान देना और समाजशास्त्रीय शोध को भारतीय सामाजिक और ज्ञान के नजरिए के साथ जोड़ना।

प्रस्तावित कार्यक्रमः

बी.ए. समाजशास्त्र (ऑनर्स)

पीएच.डी. कार्यक्रम

- पाठ्यक्रम को एनईपी–2020 के अनुरूप तैयार किया गया है, जो भारतीय शैक्षणिक कठोरता सुनिश्चित करता है और समाजशास्त्रीय जांच को सामाजिक और ज्ञान के दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करता है, जिससे सामाजिक समझ के लिए शास्त्रीय और स्वदेशी दृष्टिकोणों के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण बनता है।
- विभाग पाठ्यक्रम को बेहतर करने के लिए सेमिनार, आमंत्रित वार्ता, बहस, चर्चाएं आयोजित करता है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- स्नातक (बीए ऑनर्स) और पीएच.डी. कार्यक्रम शोध की गुंजाइश वाले ।
- छात्रों को पाठ्यक्रम से हटकर शैक्षणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

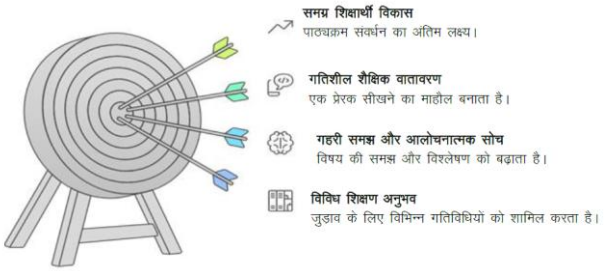

आयोजित गतिविधियाँ:

- स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, विश्वविद्यालय दिवस समारोह।
- निबंध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिताएं।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम (शिक्षक दिवस, फ्रेशर दिवस, विदाई दिवस, अंबेडकर जयंती)।
- **सामाजिक पहुंच:** धर्मार्थ कार्यक्रम और जागरूकता अभियान।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- अनौपचारिक छात्र प्रतिक्रिया और संकाय के साथ इंटरैक्टिव चर्चा।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

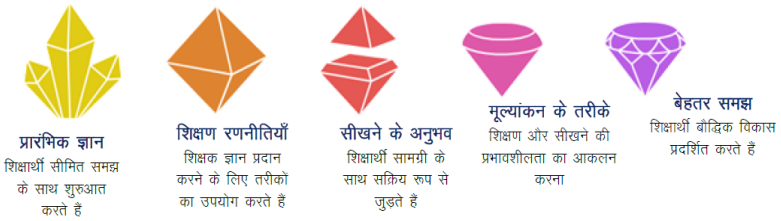

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्र: 07

- पीएच.डी. छात्रः 03

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- समावेशी विकास के लिए छात्रों को शैक्षणिक और पाठ्येतर दोनों गतिविधियों में प्रोत्साहित किया गया।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- सहभागी सीखने पर ध्यान दें: वाद–विवाद, सेमिनार और समूह चर्चा।
- सम्मेलनों/सेमिनारों के माध्यम से एनईपी–2020 विषयों से परिचय।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

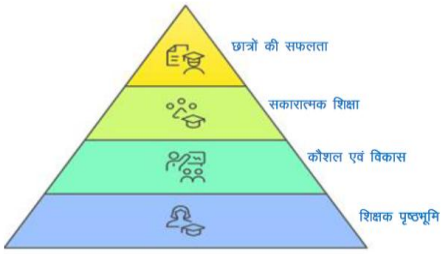

संकाय सदस्यः
संकायः

- **डॉ. शंकर कुमार लाल (सहायक आचार्य, समन्वयक)**
  विशेषज्ञताः ग्रामीण समाजशास्त्र, लैंगिक अध्ययन, दलितों का समाजशास्त्र, आईकेएस।
  योग्यताः पीएच.डी., पी.डी.एफ.

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- मूल्यांकन एवं आकलन के लिए विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों का पालन किया गया।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- स्नातकः 100% उत्तीर्ण दर (प्लेसमेंट/उपलब्धियों पर डेटा अभी रिपोर्ट किया जाना बाकी है)।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- विभागीय बैठकों के दौरान अनौपचारिक फीडबैक एकत्र किया गया।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- विभाग अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- शून्य।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- एनईपी से संबंधित सेमिनारों में संकाय की भागीदारी नवीन शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देती है।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद पुरस्कार, 2025, नोरबुलिंग रिग्टर कॉलेज, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ़ भूटान, पारो।
- सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार, 2025, नोरबुलिंग रिग्टर कॉलेज, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ़ भूटान, पारो।

3.5 परामर्श

- शून्य।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- समाज की सेवा के लिए छात्रों द्वारा धर्मार्थ कार्यक्रम।

3.7 सहयोग

- विभाग को साहस से एक एमओयू का अनुरोध मिला है, और औपचारिक सहयोग के लिए प्रक्रिया अभी चल रही है।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन



4.1 भौतिक सुविधाएं

उपलब्ध सुविधाएं:

- केन्द्रीय पुस्तकालय
- पेयजल
- वाई–फाई

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीकृत विश्वविद्यालय पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच।

4.3 आईटी अवसंरचना

- संकाय और छात्रों के लिए वाई–फाई सक्षम विभाग।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय स्तरीय रखरखाव प्रणाली।

5. छात्र सहायता और प्रगति

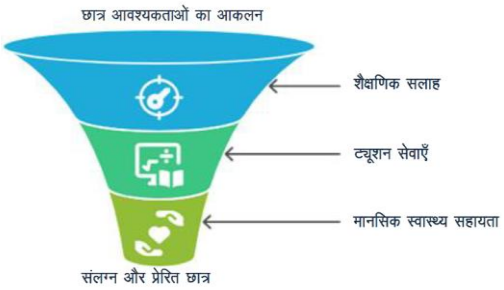

5.1 छात्र सहायता

- उच्च अध्ययन और अनुसंधान अभिविन्यास के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

5.2 छात्र प्रगति

- स्नातक छात्रों को परास्नातक और शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- स्नातक छात्रः 07
- पीएच.डी. छात्रः शून्य

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

आयोजित कार्यक्रमः

- स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस विश्वविद्यालय दिवस (15 अगस्त 2024)।
- वाद–विवाद, निबंध लेखन, भाषण कला।
- सांस्कृतिक कार्यक्रमः शिक्षक दिवस, फ्रेशर दिवस, विदाई दिवस।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र नेटवर्क को मजबूत किया जाएगा (औपचारिक तंत्र अभी तक स्थापित नहीं हुआ है)

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- दृष्टिकोणः समाजशास्त्र के माध्यम से समग्र शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी।
- संकाय समन्वयक के नेतृत्व में।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- शिक्षण और अनुसंधान में एनईपी–2020 रणनीतियों को अपनाना।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को शोध पेपर प्रस्तुत करने, सत्रों की अध्यक्षता करने, सेमिनारों का संचालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- विश्वविद्यालय द्वारा प्रबंधित।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- विभाग विश्वविद्यालय स्तरीय आईक्यूएसी दिशानिर्देशों का पालन करता है।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- छात्र सामाजिक, धर्मार्थ और सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल है।
- राष्ट्रीय दिवस मनाना और सामाजिक समावेशन अभियान।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- अंतःविषय चर्चाएँ, बहसें, सांस्कृतिक समावेशिता।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- 2020 में स्थापित, समाजशास्त्र विभाग ने समाजशास्त्रीय जांच को भारतीय सामाजिक और ज्ञान दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करके एक विशिष्ट पहचान विकसित की है, जो सामाजिक समझ के लिए शास्त्रीय और स्वदेशी दृष्टिकोणों का मिश्रण है।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग विशेष)

8.1 शैक्षणिक विवरणः

- **डॉ. शंकर कुमार लाल**
  सहायक आचार्य
  समन्वयक, समाजशास्त्र विभाग
  विशेषज्ञताः भारतीय ज्ञान प्रणाली, ग्रामीण समाजशास्त्र, लैंगिक अध्ययन, दलितों का समाजशास्त्र।
  योग्यताः एम.ए., पी.एच.डी., पी.डी.एफ.

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

डॉ. शंकर कुमार लाल

- समन्वयकः समाजशास्त्र विभाग
- समन्वयकः लोक प्रशासन विभाग
- कार्यक्रम अधिकारीः राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)
- प्रभारीः हिंदी प्रकोष्ठ

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

- शंकर कुमार लाल, संजय श्रीवास्तव, विभूति नारायण, निशा पाल, राजेश कुमार और शिक्षा सिन्हा द्वारा "इंडियन नालेज सिस्टमः चैलेंजस एण्ड इट्स अप्लिकेशन इन हाइयर एजुकेशन फॉर सस्टेनबल फ्यूचर डेवेलपमेंट" शीर्षक से एक शोध पेपर लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल (स्कोपस इंडेक्स्ड) पत्रिका में प्रकाशित किया, पेज 11931–11941 https://bpasjournals.com/library-science/index.php/journal/article/view/2546
- रत्नारतुह मिश्रा, नीरज कुमार तिवारी, संदीप कुमार नायक, रवींद्र नाथ, शंकर के. लाल, प्रिया तिवारी, खुशबू रावत और अरुणेश कुमार अवस्थी द्वारा "ए कंपरेटिव एनॉलिसिस ऑफ ई–लर्निंग इन्फ्लुयेन्स ऑन द नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 एण्ड द नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन 1986 इन द कंटेक्स्ट ऑफ टेक्नोलॉजिकल एड्वान्स्मेंट्स" शीर्षक से एक शोध पेपर लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल (स्कोपस इंडेक्स्ड) पत्रिका में प्रकाशित किया, पेज 12836–12852, https://bpasjournals.com/library-science/index.php/journal/article/view/2645
- डॉ. एस. बृंदा, शिल्पा सचदेवा, शंकर कुमार लाल, राजेश कुमार, निशा पाल, नरेंद्र चिंतमु और अनुराग श्रीवास्तव द्वारा "द इंपैक्ट ऑफ सोशल एंट्रेप्रोन्योरशिप ऑन इकोनामिक डेवेलपमेंट इन रूरल एरीयाज़" "ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास पर सामाजिक उद्यमिता का प्रभाव" शीर्षक से

एक शोध पेपर लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल (स्कोपस इंडेक्स्ड) पत्रिका में प्रकाशित किया, पेज 52–62। https://bpasjournals.com/library-science/index.php/journal/article/view/307

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें

- शंकर कुमार लाल, निशा पाल और राजेश कुमार द्वारा लिखी गई एक पुस्तक ''एसेन्शियल्स ऑफ इंडियन ट्रेडिशनल नॉलेज'' है, आईजीआई ग्लोबल पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित की गई है, जिसका आईएसबीएन 978–93–6736–584–7 है।

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशनः

- शंकर कुमार लाल द्वारा लिखी गई किताब ''भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध संदर्भ'' में ''दलित आख्यान और भारतीय ज्ञान परंपराएं'' शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय, जिसे निखिल पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने आईएसबीएनः 978–93–5552–566–6 के साथ प्रकाशित किया है।
- शंकर कुमार लाल द्वारा लिखी गई किताब ''खेती बिना खेतों केः भूमिहीनता और कृषि आजीविका'' में ''वंचित समुदाय और भूमिहीन मजदूरः बिहार में भूमि अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष'' शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय, जिसे द मार्जिनलाइज्ड पब्लिकेशन, पटना ने आईएसबीएनः 978–81–977558–5–9 के साथ प्रकाशित किया है।
- निशा पाल, शंकर कुमार लाल द्वारा लिखी गई किताब ''सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक मूल्य; उत्तराखंड जनजातियों में लोक साहित्य और शिक्षा की भूमिका'' में ''अलगाव से एकीकरण तकः उत्तराखंड में आदिवासी समाजों पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव'' शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय, जिसे पैसिफिक बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली ने आईएसबीएनः 978–93–48285–79–9 के साथ प्रकाशित किया है।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

- 10 से 13 मई 2025 तक पारो, भूटान के रॉयल यूनिवर्सिटी के नोरबुलिंग रिग्टर कॉलेज द्वारा आयोजित ''एक स्थायी और न्यायसंगत भविष्य की ओरः सामाजिक परिवर्तन में प्रौद्योगिकी, राजनीति और अर्थशास्त्र की भूमिका'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''विविधता ही शक्ति हैः भारत और भूटान में स्वदेशी ज्ञान प्रणालियाँ और समावेशी विकास'' शीर्षक से एक शोध पेपर प्रस्तुत किया।
- 10 से 13 मई 2025 तक पारो, भूटान के रॉयल यूनिवर्सिटी के नोरबुलिंग रिग्टर कॉलेज द्वारा आयोजित ''एक स्थायी और न्यायसंगत भविष्य की ओरः सामाजिक परिवर्तन में प्रौद्योगिकी, राजनीति और अर्थशास्त्र की भूमिका'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 10 मार्च 2025 कोए.एन. कॉलेज, पटना द्वारा आयोजित ''भूमि, भूमिहीन और कृषि'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 13–14 फरवरी 2025 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ द्वारा आयोजित ''विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला में ''युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर सामाजिक कारकों का प्रभाव'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 23 अप्रैल 2025 को लुधियाना के जीएचजीएच कॉलेज ऑफ एजुकेशन फॉर विमेन द्वारा आयोजित ''शिक्षा को बदलने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में ''ग्रामीण

समाज और संस्कृति के परिवर्तन में एआई की भूमिका'' शीर्षक से एक ऑनलाइन पेपर प्रस्तुत किया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

- अनिल कुमार रावत ने ''धर्म, विकास और परिवर्तनः चंद्रिका देवी पर्यटन स्थल लखनऊ का एक सामाजिक अध्ययन'' शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- श्रेया आर्य ने पीएचडी के लिए नामांकन किया है, और उनका सारांश अभी तैयार किया जा रहा है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रीः शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य :

- आईसीएसएसआर के लिए सह–प्रमुख अन्वेषक (सह–पीआई) के रूप में कार्य करते हुए, नई दिल्ली ने आईसीएसएसआर प्रमुख अनुसंधान परियोजना को वित्त पोषित किया, जिसका शीर्षक है "कैमूर जनपद की कला, स्थानत्य अवम पुरात्विक समाज का संकल्पः समाजस्त्रिया और संस्कृ तिक अधीन", कुल अनुदान रूपये 16,00,000 के साथ, मार्च 2025 से फरवरी 2027 (24 महीने) की अवधि।
- आईसीएसएसआर के लिए परियोजना निदेशक के रूप में कार्य करते हुए, नई दिल्ली ने आईसीएसएसआर के सामाजिक और मानव विज्ञान अनुसंधान परियोजना में अनुदैर्ध्य अध्ययन को वित्त पोषित किया, जिसका शीर्षक "ए लांगीट्यूडिनल एथ्नोग्रॅफिक स्टडी ऑफ सोसियो–इकोनामिक शिफ्ट्स, यूथ आस्पिरेशन्स, जेंडर एजेन्सी, एण्ड इंडिजेनस नालेज एमांग बिरहोर पीवीटीजीएस इन बिहार एण्ड झारखंड", कुल अनुदान रूपये 1,20,00,000 के साथ, जुलाई 2025 से जून 2029 (48 महीने) की अवधि।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः शून्य

- 10 से 13 मई 2025 तक नोरबुलिंग रिग्टर कॉलेज, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान, पारो द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "एक सतत और न्यायसंगत भविष्य की ओरः सामाजिक परिवर्तन में प्रौद्योगिकी, राजनीति और अर्थशास्त्र की भूमिका" में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समिति से सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद का पुरस्कार प्राप्त किया।
- 10 से 13 मई 2025 तक नोरबुलिंग रिग्टर कॉलेज, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान, पारो द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "एक सतत और न्यायसंगत भविष्य की ओरः सामाजिक परिवर्तन में प्रौद्योगिकी, राजनीति और अर्थशास्त्र की भूमिका" में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समिति से सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	

7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	
9.	छात्रों की कुल संख्या	
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	

वाणिज्य विभाग (सैटेलाइट केन्द्र, अमेठी)

विभाग का परिचय

वाणिज्य विभाग की स्थापना 2020 में वाणिज्य, व्यापार और उद्योग का बुनियादी ज्ञान देने के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान में, यह छात्रों को वाणिज्य एवं व्यापार के क्षेत्र में ज्ञान बढ़ाने और उन्हें सक्षम बनाने के लिए एक प्रभावी और समग्र शिक्षण वातावरण के माध्यम से पूर्णकालिक (बी.कॉम ऑनर्स) और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है, विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता, छात्र विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें आमंत्रित वार्ता, सेमिनार और प्रस्तुतियां, वाद–विवाद और चर्चाएं, उनके कौशल में सुधार आदि शामिल हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्र उच्च अध्ययन, अनुसंधान और रोजगार के लिए अच्छी तरह से तैयार हों।

संकाय संख्याः 01 (01 उपाचार्य)

छात्र संख्याः

स्नातक छात्रः 41

पीएच.डी. छात्रः 05

सुविधाएंः केंद्रीकृत पुस्तकालय, रीडिंग हॉल, ट्यूटोरियल रूम, वाई–फाई, पेयजल।

शैक्षणिक माहौलः सेमिनार, वाद–विवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों के साथ छात्र–केंद्रित शिक्षण।

विशिष्ट क्षेत्रः

- वाणिज्य के क्षेत्र में समर्पित और योग्य संकाय (उद्यमिता, वित्तीय समावेशन, लागत और प्रबंधन लेखांकन, उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी), एमएसएमई क्षेत्र (वित्तपोषण और पुनर्वास), और बैंकिंग प्रदर्शन मापन।
- मूल्यों को विकसित करने के लिए सांस्कृतिक और राष्ट्रीय कार्यक्रमों पर जोर।
- समावेशी एवं सहायक सीखने का माहौल।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

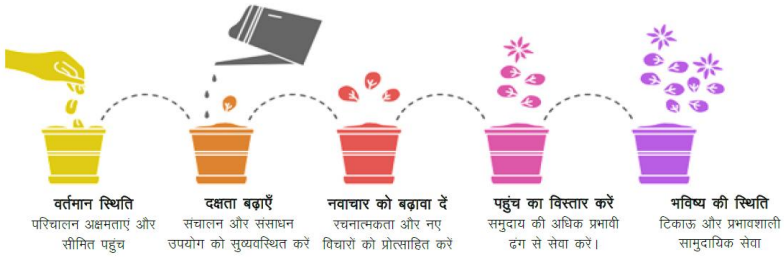

शैक्षणिक विकास

- स्नातक स्तर पर प्रवेश बढ़ाएँ।
- लेखांकन सॉफ्टवेयर, वित्तीय विश्लेषण और डिजिटल कॉमर्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करें।
- सहयोगी विभागों के सहयोग से अधिक अंतःविषयक वैकल्पिक पेपर शुरू करें।
- परियोजना–आधारित शिक्षण और व्यवसाय सिमुलेशन अभ्यास शामिल करें।

शोध एवं प्रकाशनः

- संकाय को शोध पत्र और पुस्तक अध्याय प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- लघु/प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करें।
- छात्रों को अंतर–विश्वविद्यालय सम्मेलनों में पेपर/पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करें।

विस्तार एवं आउटरीचः

- एमएसएमई के सहयोग से उद्यमशीलता सीखने को बढ़ावा देने/आयोजित करने की योजना बनाएं।
- परिसर के पास के स्थानीय युवाओं और उद्यमियों के लिए वित्तीय साक्षरता अभियान आयोजित करें।
- शैक्षणिक आदान–प्रदान के लिए आस–पास के कॉलेजों/विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग बनाएं।

छात्र विकास

- सॉफ्ट स्किल्स, संचार और उद्यमिता में कौशल–आधारित कार्यशालाएँ/कार्यक्रम आयोजित करें।
- वाद–विवाद, निबंध लेखन और अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में छात्रों की भागीदारी बढ़ाएँ।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- वाणिज्य विभाग वाणिज्य, व्यापार, वित्त और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हुए बी.कॉम (ऑनर्स) और पीएच.डी. प्रदान करता है।
- पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुरूप है, जिसमें बहुविषयक और कौशल–आधारित शिक्षा पर जोर दिया गया है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- ऐसे कार्यक्रम जो व्यापारिक विश्लेषणात्मक, प्रबंधन अध्ययन और अर्थशास्त्र जैसे अंतःविषय क्षेत्रों में अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

1.3 पाठ्यक्रम योजना एवं कार्यान्वयन

- वाणिज्य में पूर्णकालिक स्नातक कार्यक्रम पेश किया जाता है।
- विभाग सेमिनार, प्रस्तुतियाँ, बहस और चर्चा जैसी शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित करता है।

1.4 पाठ्यक्रम संवर्धन

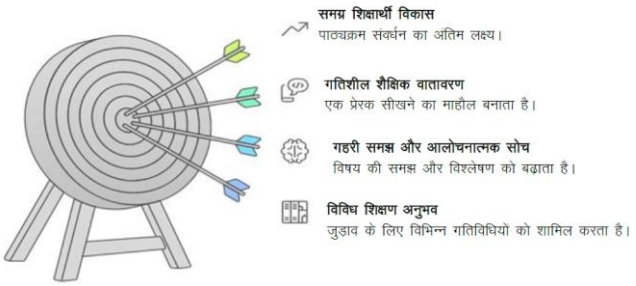

- अतिरिक्त नियोजित गतिविधियोंः जीएसटी, निवेश जागरूकता, वित्तीय समावेशन पर कार्यशालाएं और केस स्टडी प्रतियोगिताएं।
- छात्रों को शैक्षणिक और सह–पाठ्यचर्या दोनों तरह की चीजों का अनुभव मिलता है।

1.5 प्रतिक्रिया प्रणाली

- शैक्षणिक योजना और सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए छात्रों और संकाय के फीडबैक के लिए एक प्रणाली विकसित किया जा रहा है।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

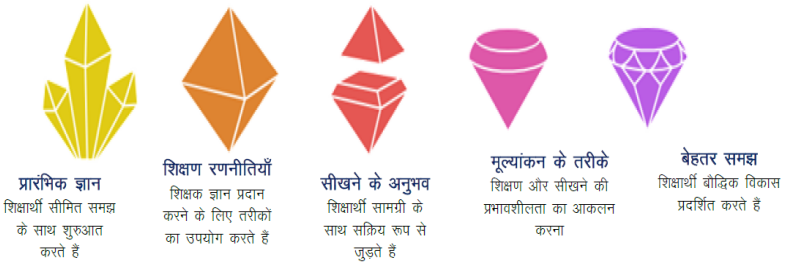

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्रः 41
- पीएच.डी. छात्रः 05

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- नामांकन शुरू होने के बाद ब्रिज पाठ्यक्रम और सुधारात्मक सत्र लागू करने की योजना है।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- केस अध्ययन, चर्चा और प्रस्तुतियों से युक्त इंटरैक्टिव शिक्षण विधियां।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता



संकाय सदस्यः
संकायः

- **डॉ. लीना शरद शिम्पी, उपाचार्य, सह–समन्वयक**
  विशेषज्ञताः रणनीतिक लागत प्रबंधन, उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) प्रणाली, वित्तीय समावेशन, एमएसएमई क्षेत्र (वित्तपोषण और पुनर्वास), बैंकिंग प्रदर्शन मापन (पीएच.डी; एफसीएमए; एमबीए (एफ); एम कॉम; यूजीसी–नेट)।

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- विश्वविद्यालय के मानदंडों का पालन किया गया; किसी विभागीय सुधार की सूचना नहीं दी गई।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- किसी खास छात्र की उपलब्धि की कोई रिपोर्ट नहीं मिली।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- दस्तावेज नहीं है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- **उपलब्ध सुविधाएं:** केंद्रीकृत पुस्तकालय, रीडिंग हॉल, वाई–फाई और ट्यूटोरियल रूम।
- संकाय को शोधपेपर प्रकाशित करने, पुस्तकें लिखने और सम्मेलनों में भाग लेने को प्रोत्साहित किया जाता है।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- शून्य।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- शून्य।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- विभाग के संकाय द्वारा प्रकाशन।

3.5 परामर्श

- शून्य।

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- समाज की सेवा के लिए छात्रों द्वारा धर्मार्थ कार्यक्रम।

3.7 सहयोग

- राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ कोई एमओयू नहीं है।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन



4.2 भौतिक सुविधाएं

- पुस्तकालय, वाचनालय, ट्यूटोरियल कक्ष, पेयजल, वाई–फाई।पेयजल

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- केंद्रीकृत पुस्तकालय उपलब्ध है।

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई सुविधा उपलब्ध है।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय स्तरीय रखरखाव प्रणाली।

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी।

5.2 छात्र प्रगति

- स्नातक छात्रः 41
- पीएच.डी. छात्रः 05

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

आयोजित कार्यक्रमः

- स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2024)।
- विश्वविद्यालय दिवस (10 जनवरी 2024)।
- गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2024)।
- भाषण और निबंध प्रतियोगिताएं (23 जनवरी 2024–राष्ट्रीय युवा दिवस)।
- सांस्कृतिक कार्यक्रमः शिक्षक दिवस, फ्रेशर दिवस, विदाई दिवस।
- डॉ. बी. आर. अंबेडकर जयंती एवं स्थापना दिवस (14 अप्रैल 2025)।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- कोई रिपोर्ट नहीं।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- दृष्टिकोणः समग्र विकास के साथ लेखांकन, वित्त, व्यापार, व्यवसाय और प्रबंधन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक उत्तरदायित्व को मिलाकर एकीकृत दृष्टिकोण।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- शिक्षण–अधिगम और मार्गदर्शन में भागीदारी।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- शून्य

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- विभाग विश्वविद्यालय स्तरीय आईक्यूएसी दिशानिर्देशों का पालन करता है।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.2 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- वित्तीय जागरूकता, नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- बहस, भाषण, निबंध प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना।
- शैक्षणिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के वित्तीय अनुप्रयोगों के साथ एकीकृत करना।
- सामाजिक समावेशन में छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा देना।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- विभाग व्यवसाय और वित्त विषयों में शिक्षण, अनुसंधान और सामुदायिक आउटरीच का व्यापक मिश्रण प्रदान करता है

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग विशेष)

8.1 शैक्षणिक विवरणः

- **डॉ. लीना शरद शिम्पी, उपाचार्य, सह–समन्वयक**
  विशेषज्ञताः रणनीतिक लागत प्रबंधन, उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) प्रणाली, वित्तीय समावेशन, एमएसएमई क्षेत्र (वित्तपोषण और पुनर्वास), बैंकिंग प्रदर्शन मापन
  योग्यताः पीएच.डी; एफसीएमए; एमबीए (एफ); एम कॉम; यूजीसी–नेट)।

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख

- श्रीनाते एस., इति, शिम्पी एसएल, और कुमार ए., "सिक्योरिंग द डिजिटल फाइनेन्शियल फ्रंटियरः एड्वान्सिंग 'एसडीजी' थ्रू इंक्लूसिव फिनटेक एण्ड रोबस्ट साइबर सिक्योरिटी–ए मिक्स्ड मेथड अप्रोच", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन इंजिनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट, आईएसएसएनः 2582–3930, 2025।
- श्रीनाते एस., इति, शिम्पी एस.एल., और कुमार ए., "ब्रिड्जिंग इंक्लूजन विथ सिक्योरिटी– ए केस स्टडी–ड्राइवेन फ्रेमवर्क फॉर सस्टेनबल डिजिटल बैंकिंग इन इंडिया'स अर्बन सेंटर्स", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लेटेस्ट टेक्नोलॉजी इन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड एप्लाइड साइंस, 14(6), 609–622, 2025. https://doi.org/10.51583/IJLTEMAS.2025.140600069
- इति, श्रीनाते एस., और शिम्पी एसएल, "ट्रान्सफॉर्मिंग वुमेन'स फ्यूचर्सः ए केस स्टडी ऑन द रोल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन डिजिटल एजुकेशन इन स्टेट ऑफ उत्तर प्रदेश, इंडिया", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लेटेस्ट टेक्नोलॉजी इन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड एप्लाइड साइंस, 14(6), 115–120, 2025. https://doi.org/10.51583/IJLTEMAS.2025.140600014
- शिम्पी एसएल, "स्पेसिफाइयिंग द स्टडी ऑफ ट्रेड एण्ड कन्वर्जेन्स ऑफ ब्रिक्स इकोनॉमीज इन पोस्ट पैंडेमिक एरा", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट साइंस, आईएसएसएन 2581–4621, 2024।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशनः

- डॉ. लीना एस. शिम्पी और श्रेया श्रीनाथ द्वारा लिखित "एलाइनिंग प्रॉफिट विथ पर्पजः कॉर्पोरेट गवर्नेन्स एण्ड सीएसआर एज ड्राइवर्स ऑफ सस्टेनबल डेवेलपमेंट इन इमर्जिंग इकोनॉमीज" शीर्षक वाला एक पुस्तक अध्याय, भारती पब्लिकेशन, नई दिल्ली–110002 द्वारा प्रकाशित "ग्लोबल बिज़्नेसः चैलेंजस एण्ड ऑपर्चुनिटीज" नामक संपादित पुस्तक में, आईएसबीएन– 978–93–49566–46–0 के साथ, 2025 में प्रकाशित हुआ।

- श्रेया श्रीनाथ और डॉ. लीना एस. शिम्पी द्वारा लिखित "इमोशनल इंटेलिजेन्स इन साइबर सिक्योरिटीः पेविंग द पाथ टुवर्ड्स ए रिसिलियेंट डिजिटल फ्यूचर" शीर्षक वाला एक पुस्तक अध्याय, पी.के. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली–110053 द्वारा प्रकाशित ''इमोशनल इंटेलिजेन्स इन एन्शियेंट इंडिया" नामक संपादित पुस्तक में, आईएसबीएन–978–93–49060–05–0 के साथ, 2025 में प्रकाशित हुआ।
- इति और डॉ. लीना एस. शरद द्वारा लिखित "वुमेन एंट्रेप्रोन्योर्स ग्लोबली विथ ए फोकस ऑन मेन्यूफैक्चरिंग एंटरप्राइज़ेसः केस स्टडी" शीर्षक वाला एक पुस्तक अध्याय, भारती पब्लिकेशन, नई दिल्ली–110002 द्वारा प्रकाशित "ग्लोबल बिज़्नेसः चैलेंजस एण्ड ऑपर्चुनिटीज" नामक संपादित पुस्तक में, आईएसबीएन– 978–93–49566–46–0 के साथ, 2025 में प्रकाशित हुआ।
- इति और डॉ. लीना एस. शिम्पी द्वारा लिखित "द एवॉल्यूशन ऑफ इमोशनल इंटेलिजेन्सः एन्शियेंट इंडियन रूट्स एण्ड मॉडर्न रेलेवेन्स" शीर्षक वाला एक पुस्तक अध्याय, पी.के. पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली–110053 द्वारा प्रकाशित ''इमोशनल इंटेलिजेन्स इन एन्शियेंट इंडिया" नामक संपादित पुस्तक में, आईएसबीएन–978–93–49060–05–0 के साथ, 2025 में प्रकाशित हुआ।
- डॉ. लीना एस. शिम्पी द्वारा लिखित "इकोनॉमिक एण्ड सोशल डेवेलपमेंट ऑफ इंडियाः एन ओवरव्यू ऑफ सस्टेनबल डेवेलपमेंट गोल (एसडीजी 8)" शीर्षक वाला एक पुस्तक अध्याय, भारती पब्लिकेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित "इकोनॉमिक एण्ड सोशल डेवेलपमेंट ऑफ इंडिया" नामक संपादित पुस्तक में, आईएसबीएन– 978–93–89657–99–9 के साथ, 2024 में प्रकाशित हुआ।

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

- इति और डॉ. लीना एस. शिम्पी को उनके पेपर ''फाइनेंशियल लिटरेसी एंड इंक्लूसिव इन्वेस्टमेंट्सः पाथवेज़ फॉर विमेन इन माइक्रो एंटरप्राइजेज'' के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर का दिया गया। यह प्रबंधन अध्ययन विभाग, प्रबंधन एवं वाणिज्य विद्यापीठ, बीबीएयू द्वारा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के सहयोग से और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 7 अक्टूबर 2025 को दिया गया।
- श्रेया श्रीनाथ और डॉ. लीना एस. शिम्पी को उनके पेपर ''निवेशक सुरक्षा के लिए एक उपकरण के रूप में वित्तीय साक्षरताः पोंजी योजनाओं और धोखाधड़ी के प्रति भेद्यता को कम करना'' के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर का दिया गया। यह प्रबंधन अध्ययन विभाग, प्रबंधन एवं वाणिज्य विद्यापीठ, बीबीएयू द्वारा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के सहयोग से और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 7 अक्टूबर 2025 को दिया गया।
- इति, श्रेया श्रीनाथ और डॉ. लीना एस. शिम्पी ने 13–14 फरवरी 2025 को मानव विकास विभाग, मानव विकास एवं परिवार विद्यापीठ, बीबीएयू द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला में जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया और भारतीय शिक्षण मंडल (अवध प्रांत) के सहयोग से आयोजित ''मानसिक स्वास्थ्य, वित्तीय साक्षरता और महिला सशक्तिकरणः विकसित भारत को साकार करने के रास्ते'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- इति और डॉ. लीना एस. शिम्पी ने 17–18 जुलाई 2025 को स्वदेशी नवाचार और उद्यमिता केंद्र (सीएचई), आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), कलिंग सामाजिक विज्ञान संस्थान (केआईएसएस), डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एआई द्वारा संचालित बिजनेस मॉडल में इनोवेशनः भारतीय महिला–स्वामित्व वाले माइक्रो–एंटरप्राइजेज में वर्तमान प्रभाव और भविष्य के रुझान" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 13–14 फरवरी 2025 को बीबीएयू में जूलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया और भारतीय शिक्षा मंडल (अवध प्रांत) के सहयोग से आयोजित सेमिनार में इति, श्रेया श्रीनाते एवं डॉ. लीना एस. शिम्पी द्वारा "मानसिक स्वास्थ्य, वित्तीय साक्षरता एवं महिला सशक्तिकरणः विकसित भारत को साकार करने के मार्ग" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- इति और डॉ. लीना एस. शिम्पी ने 17–18 जुलाई 2025 को स्वदेशी नवाचार और उद्यमिता केंद्र (सीएचई), आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), कलिंग सामाजिक विज्ञान संस्थान (केआईएसएस), डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''एआई द्वारा संचालित बिजनेस मॉडल में इनोवेशनः भारतीय महिला–स्वामित्व वाले माइक्रो–एंटरप्राइजेज में वर्तमान प्रभाव और भविष्य के रुझान'' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- श्रेया श्रीनाथे और डॉ. लीना एस. शिम्पी ने 30 जून, 2025 को डीपीएसएस के फोरसाइट कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स, पुणे और आरजेएसपीएम के इंस्टीट्यूट ऑफ़ कंप्यूटर एंड मैनेजमेंट रिसर्च, दुदुलगा, पुणे द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और ब्राइट हॉक इन्फोटेक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित कॉमर्स, मैनेजमेंट, आर्ट्स, इंजीनियरिंग और कंप्यूटर एप्लीकेशन में मुद्दे और चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिजिटल युग में वित्तीय समावेशनः विकासशील एशियाई अर्थव्यवस्थाओं से तुलनात्मक सबक" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- श्रेया श्रीनेट और डॉ लीना एस शिम्पी द्वारा 17–18 जुलाई 2025 को स्वदेशी नवाचार और उद्यमिता केंद्र (सीएचई), आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), कलिंग सामाजिक विज्ञान संस्थान (केआईएसएस), डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय उद्यमों में डिजिटल परिवर्तन और उद्योग 4.0: डिजिटल वित्तीय समावेशन और साइबर सुरक्षा तालमेल की एक साहित्य समीक्षा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- इति और डॉ लीना एस शिम्पी द्वारा 29–30 नवंबर 2024 को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेशल एजुकेशन द्वारा इंटीग्रल एंड इनोवेशन सस्टेनेबल एजुकेशन कॉलेज, लखनऊ के सहयोग से आयोजित मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन (आईसीएमआरआई) में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "उत्तर प्रदेश राज्य में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए डिजिटल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- श्रेया श्रीनेट और डॉ लीना एस शिम्पी द्वारा 29–30 नवंबर 2024 को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेशल एजुकेशन द्वारा इंटीग्रल एंड इनोवेशन सस्टेनेबल एजुकेशन कॉलेज, लखनऊ के सहयोग से आयोजित मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन (आईसीएमआरआई) में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सुरक्षा के साथ समावेशन को जोड़ना– भारत के शहरी केंद्रों में सतत डिजिटल बैंकिंग अपनाने की रणनीतियां" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. लीना एस. शिम्पी द्वारा 28–29 मार्च 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और दिल्ली के शहीद राज गुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन द्वारा आयोजित कंप्यूटिंग सिस्टम और इंटेलिजेंट एप्लीकेशन पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्मार्ट मनीः एआई कैसे वित्त को बदल रहा है" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. लीना एस. शिम्पी द्वारा 21–23 अक्टूबर, 2024 को पीजी कॉलेज, न्यू टिहरी, उत्तराखंड, जेडएसआई और आईएईएस के सहयोग से आयोजित भारत में गंगा बेसिन के जलीय जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के संरक्षण पर प्राणि विज्ञान विभाग, सरकार द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत मत्स्य प्रबंधनः संरक्षण और उद्योग आवश्यकताओं में संतुलन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 29–05–2025 को यूजीसी–एमएमटीटीसी, अर्थशास्त्र विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित "सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में नैतिकता" पर सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति में 2 सप्ताह के ऑनलाइन अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- 23–05–2025 को हिंदू कॉलेज मुरादाबाद द्वारा आईक्यूएसी, दिग्विजय नाथ पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, गोरखपुर और साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के साथ संयुक्त रूप से आयोजित "अनुसंधान डिजाइन और प्रकार, गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा विश्लेषण के बारे में समझ विकसित करना" पर अनुसंधान पद्धति में डेटा एनालिटिक्स पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 21–07–2025 को गोविंद वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झांसी, इलाहाबाद द्वारा आयोजित "सामाजिक विज्ञानरू सिद्धांत, विधियां और लेखन कौशल" पर शोध प्रस्ताव लेखन में भाग लिया।
- महात्मा हंसराज मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएच–एमएमटीटीसी) हंसराज कॉलेज, दिल्ली द्वारा 24–06–2025 को आयोजित "भारत में उच्च शिक्षा परिदृश्य" पर संकाय प्रेरण कार्यक्रम (गुरु दक्ष) में भाग लिया।
- 07–08–2025 को इंटीग्रल बिजनेस स्कूल, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा आयोजित एलटी ब्लॉक, चरण III, नए परिसर में "अंतर्राष्ट्रीय विपणन रणनीतियों का अवलोकन" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 9 फरवरी 2024 को यूजीसी–एमएचआरडी लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "एमओओसी का परिचय" पर प्रेरक कौशल में रिफ्रेशर कोर्स (आरसी) में भाग लिया।
- 02–06 जनवरी 2024 को हापुड़, यूपी के श्री माधव कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी में इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर्स एजुकेशन (बीएचयू) और विद्या भारती उचा शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित "संस्थानों को उद्योग और समाज से जोड़ना" पर कॉलेज के प्रधानाचार्यों और संकायों के लिए 5 दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. लीना एस. शिम्पी द्वारा 18–20 अक्टूबर, 2024 को जीजीटीयू, बांसवाड़ा और पैसिफिक अकादमी, उदयपुर द्वारा आयोजित 75वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन 2024 में "डिजिटल युग में उच्च शिक्षा के लिए रोडमैप के रूप में ऑनलाइन शिक्षाः वादे और नुकसान" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. लीना एस. शिम्पी द्वारा 18–20 अक्टूबर, 2024 को जीजीटीयू, बांसवाड़ा और प्रशांत अकादमी, उदयपुर द्वारा आयोजित 75वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन 2024 में "वीयूसीए समुद्र में नेविगेट करनाः अनुपालन से रणनीति में मानव संसाधन को बदलना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- बिंदु भारती और डॉ लीना एस शिम्पी द्वारा 23–24 मई, 2025 को एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा के वाणिज्य और प्रबंधन संकाय द्वारा आयोजित बिजनेस इनोवेशन, ट्रांसफॉर्मेशन एंड सस्टेनेबिलिटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत शहरी विकास प्राप्त करने में स्मार्ट सिटी पहल की भूमिकाः एक कॉर्पोरेट जिम्मेदारी" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- अनिल कुमार और डॉ. लीना एस. शिम्पी द्वारा 23–24 मई, 2025 को एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा के वाणिज्य और प्रबंधन संकाय द्वारा आयोजित बिजनेस इनोवेशन, ट्रांसफॉर्मेशन एंड सस्टेनेबिलिटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कॉलेज के छात्रों की खर्च करने की आदतों पर फिनटेक का प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण

- श्रेया श्रीनाथ (बैच 2024) ने "बैलेन्सिंग डिजिटल फाइनेन्शियल इंक्लूजन एण्ड साइबर सिक्योरिटी इन इंडियाः डेवेलपिंग ए रिसिलियेंट फ्रेमवर्क फॉर सिक्योर मास एडॉप्षन ऑफ डिजिटल बैंकिंग विथ स्पेशल रेफरेन्स टू स्टेट कैपिटल रीजन" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- मिस इति (बैच 2024) ने "इनहैन्स्ड फाइनेन्शियल लिटरेसी एण्ड टेक्नोलॉजिकल इंटीग्रेशनः ट्रांन्सफॉर्मिंग द लैंडस्केप फॉर वुमेन एंट्रेप्रोन्यर्स इन स्टेट ऑफ उत्तर प्रदेश" शीर्षक वाली थीसिस के साथ पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।
- बिंदु भारती (बैच 2025) ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है, और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।
- अनिल कुमार (बैच 2025) ने पीएच.डी. में प्रवेश लिया है, और उनका सिनॉप्सिस अभी तैयार हो रहा है।
- बिमल हांसदा ने (बैच 2025) हाल ही में पीएच.डी. में प्रवेश लिया है।

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रीः

डॉ. लीना शरद शिम्पी (सह–पर्यवेक्षक के रूप में)

- रवि कुमार तोलानी को लखनऊ विश्वविद्यालय में "एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ द चेंजिंग ट्रेंड्स ऑफ इंडिया'स फॉरेन ट्रेड ड्यूरिंग द पोस्ट–मिलेनीयम पीरियड" शीर्षक वाले थीसिस पर 2024 में पीएच.डी प्रदान की गई।
- प्रशांत श्रीवास्तव को लखनऊ विश्वविद्यालय में "एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ कॉस्ट एफीशियेन्सी ऑन परफार्मेन्स ऑफ इंडियन बैंकिंग इंडस्ट्री" शीर्षक वाले थीसिस पर 2024 में पीएच.डी प्रदान की गई।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य :

- डॉ. लीना शरद शिम्पी, को–पीआई "मल्टीसेंसरी एन्वाइरन्मेंट्स एण्ड इट्स इंपैक्ट ऑन मेमोरी रिट्राइवल, कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी एण्ड वेल–बीयिंगः एन इंटरवेन्शनल रिसर्च ऑन यूथ इन नॉर्दर्न इंडिया" शीर्षक वाले परियोजना रु. 20,00,000.00/– के साथ आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 2024 में प्रदान किया गया।

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः शून्य

- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय शिक्षाविद् पुरस्कार 'उत्कृष्ट प्रोफेसर' 02 सितंबर, 2024 को वेलरेड फाउंडेशन, पश्चिम बंगाल में आयोजित किया गया।

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	00
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	04
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	00
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	00
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	02
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	00
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	21
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	छात्रों की कुल संख्या	–
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	01
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	–

12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	00
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	–
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	02

खाद्य एवं पोषण विभाग (सैटेलाइट केन्द्र, अमेठी)

विभाग का परिचय

खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक सेवाएं प्रदान करने के लिए बीबीएयू, अमेठी सैटेलाइट सेंटर में 2016 में खाद्य एवं पोषण विभाग की स्थापना की गई थी। यह उच्च शिक्षा और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करके समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विभाग की ताकत

- विविध विशेषज्ञता वाले योग्य एवं समर्पित संकाय सदस्य।
- नवीन खाद्य प्रौद्योगिकियों में सक्रिय पीएचडी शोध।
- पारदर्शी एवं छात्र–केंद्रित मूल्यांकन प्रणाली ("देखा और संतुष्ट")।
- पुस्तकालय, आईटी और वाई–फाई सुविधाओं के साथ सहायक सीखने का माहौल।
- सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों में छात्रों की मजबूत भागीदारी।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

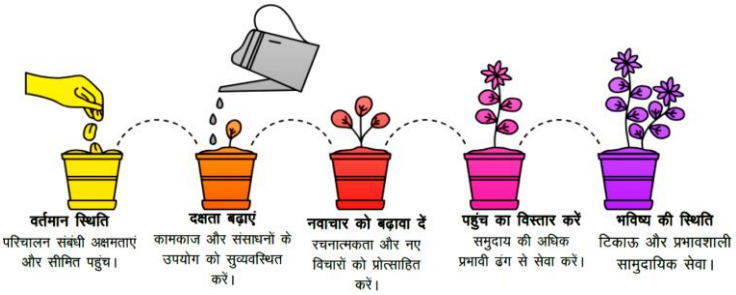

- खाद्य प्रसंस्करण में नए अल्पकालिक प्रमाणपत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करना।
- आईसीएआर/यूजीसी/डीबीटी परियोजनाओं के लिए आवेदन करके अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ाना।
- उद्योग के साथ सहयोग मजबूत करना और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना।
- खाद्य प्रौद्योगिकी पर कम से कम एक राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला आयोजित करना।
- उद्योगों के साथ प्लेसमेंट संबंध विकसित करना और छात्रों की रोजगार क्षमता में सुधार करना।
- संकाय और छात्रों को ज्यादा प्रकाशनों और पेटेंट के लिए प्रोत्साहित करना।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- खाद्य क्षेत्र में पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 2016 में स्थापित किया गया।
- विजनः खाद्य प्रसंस्करण और संबद्धित उद्योगों के लिए सक्षम व्यक्तियों को प्रशिक्षित करना और खाद्य संसाधन उपयोग में शोध को बढ़ावा देना।

1.2 पाठ्यक्रम योजना एवं कार्यान्वयन

प्रस्तावित कार्यक्रमः

- बी.एससी. ऑनर्स (खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)।
- पीएच.डी. (खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)।

1.3 शैक्षणिक लचीलापन

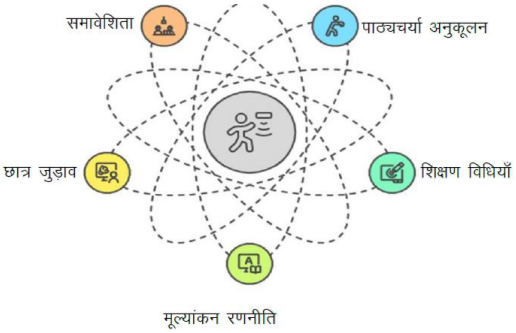

- स्नातक और डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रदान किया जाता है।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

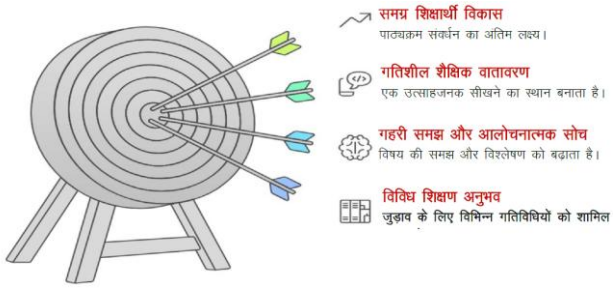

- सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों का एकीकरण।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- छात्रों को सत्रीय प्रतियां साझा की जाती हैं और उन पर चर्चा की जाती है।
- अंतिम सेमेस्टर की उत्तर पुस्तिकाएं छात्रों को "देखा और संतुष्ट" प्रणाली के अंतर्गत दिखाई जाती हैं।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्र (2024–25): 16

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- परीक्षा की कॉपियों पर चर्चा के माध्यम से उपचारात्मक सहायता प्रदान की गई।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- केंद्रीकृत पुस्तकालय और वाई–फाई सुविधा का उपयोग।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

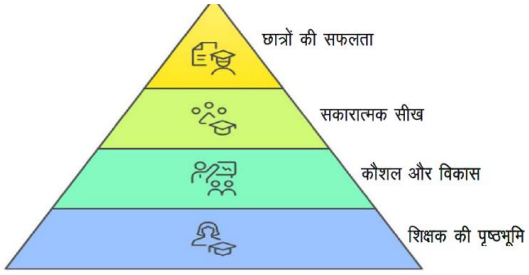

संकाय:

- डॉ. कोमल सिंह–सहायक आचार्य (समन्वयक), **विशेषज्ञता:** खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खाद्य गुणवत्ता एवं विश्लेषण।
- श्री के. मुरली नाइक–सहायक आचार्य, **योग्यता:** बी.टेक., एम.टेक.

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार

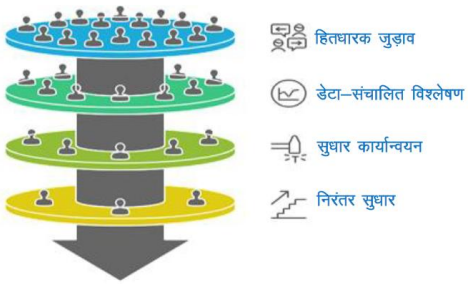

- अंतिम परीक्षा के 30 दिनों के भीतर परिणाम घोषित किए जाएंगे।
- छात्रों के साथ उत्तर पुस्तिका की समीक्षा के माध्यम से पारदर्शी मूल्यांकन।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- स्नातक (बी.एससी. एफएसटी): 16
- उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र: 15
- नौकरी में छात्र: 01

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- सत्रीय परीक्षा चर्चा के माध्यम से अनौपचारिक समीक्षा।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार



3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

- शोध का ध्यान खाद्य प्रसंस्करण, गुणवत्ता और नई प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित है।

जारी पीएच.डी. शोधः

- रिया गौतम–बायोपॉलीमेरिक एक्टिव पैकेजिंग मेटीरियल फॉर फ्रूट्स एण्ड वेजिटेबल्स।
- मृणालिनी तिवारी– प्रोडक्शन एण्ड प्रिज़र्वेशन टेक्नोलॉजी फ्रॉम ग्रीन टोमैटो।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- कोई नही।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- पेटेंट फाइल/अवार्डः 01।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- पेपर प्रकाशन (2024–25): 01
- लिखी गई किताबें: 1
- पुस्तक अध्यायः 1

3.5 परामर्श

- सशुल्क परामर्श– शून्य
- निःशुल्क परामर्श–शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, विश्वविद्यालय स्थापना दिवस मनाया गया।
- छात्रों ने शिक्षक दिवस, फ्रेशर पार्टी, विदाई आदि का आयोजन किया।

3.7 सहयोग

- समझौता ज्ञापनः शून्य।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

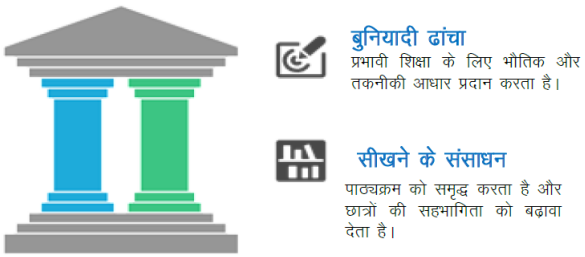

8.5 भौतिक सुविधाएं

- लेक्चर हॉल, रीडिंग हॉल, पीने के पानी की सुविधा, वाई–फाई।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- छात्रों के लिए सुलभ केंद्रीकृत पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना

- वाई–फाई सक्षम विभाग।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- विश्वविद्यालय द्वारा रखरखाव में सहायता।

5. छात्र सहायता और प्रगति

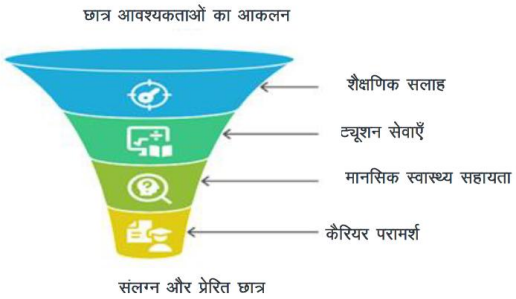

5.1 छात्र सहायता

- छात्रों को पारदर्शी मूल्यांकन के माध्यम से मार्गदर्शन दिया जाता है।

5.2 छात्र प्रगति

- उच्च अध्ययनः 15 छात्र
- सरकारी नौकरियाँः 1 छात्र
- नेट/जेआरएफ/स्लेटः शून्य
- कैम्पस प्लेसमेंटः शून्य

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सांस्कृतिक एवं सह–पाठ्यचर्या कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- प्रगति पर; पूर्व छात्रों का डेटा संग्रह इकट्ठा किया जा रहा है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- दृष्टिकोणः खाद्य प्रसंस्करण शिक्षा और अनुसंधान में अग्रणी संस्थान बनना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- विभाग स्थानीय समुदाय के उत्थान में सक्रिय रूप से योगदान देता है।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- संकाय को सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- 2024–25 में कोई बाहरी फंडिंग नहीं जुटाई गई।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- पारदर्शी मूल्यांकन प्रथाएँ जवाबदेही सुनिश्चित करती हैं।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- राष्ट्रीय समारोहों में भाग लेने से देशभक्ति और समावेशिता को बढ़ावा मिलता है।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- ''देखा और संतुष्ट'' परीक्षा समीक्षा प्रणाली।
- 30 दिनों के भीतर पारदर्शी परिणामों की घोषणा।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- खाद्य प्रसंस्करण में शिक्षा के साथ स्थानीय समुदाय के उत्थान को एकीकृत करने पर जोर।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. कोमल सिंह**
  योग्यताः बीएससी बी.एड., एम.एससी. एम.एड., पीएचडी.
- **श्री के मुरली नाइक**
  योग्यताः पीएच.डी आईआईटी रूढ़की से कर रहें है

8.2 संस्थान के भीतर और बाहर धारण किये गये विभिन्न पद–

डॉ. कोमल सिंह

- समन्वयक, खाद्य एवं पोषण विभाग, बीबीएयू सैटेलाइट केन्द्र, अमेठी।

श्री के मुरली नाइक

- नोडल अधिकारी, बीबीएयू सैटेलाइट केन्द्र, अमेठी।

8.3 शोध प्रकाशन

8.3.1 शोध लेख–

- **श्री के मुरली नाइक–** 14

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें :

- डॉ. कोमल सिंह– 01
- श्री के मुरली नाइक– 02

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

- श्री के मुरली नाइक– 06

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

- डॉ. कोमल सिंह– 03

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण–

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री –

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ: शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	05
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	09
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	–
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	06
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	88
9.	छात्रों की कुल संख्या	–
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	–
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	01
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	–
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	–
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	–
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	–
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	–
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	15

अंग्रेजी विभाग (सैटेलाइट केन्द्र, अमेठी)

विभाग का परिचय

बीबीएयू सैटेलाइट केन्द्र, अमेठी में अंग्रेजी विभाग की स्थापना 2020 में भाषा और व्यावसायिक अध्ययन विभाग (जो 2016 में स्थापित हुआ था) के पुनर्गठन के बाद एक विशिष्ट इकाई के रूप में की गई थी। यह बीए (अंग्रेजी ऑनर्स) और एम.ए. (अंग्रेजी) कार्यक्रम प्रदान करता है। यह विभाग अंतःविषय शिक्षा पर जोर देता है, जिसमें साहित्य, संस्कृति, दर्शन, भाषा विज्ञान और संचार अध्ययन को एकीकृत किया जाता है।

विभाग की ताकत

- भारतीय अंग्रेजी साहित्य, उत्तर–औपनिवेशिक साहित्य और लिंग अध्ययन में विशेषज्ञता वाले उच्च योग्य स्थायी संकाय।
- सेमिनार, सम्मेलन और साहित्यिक गतिविधियों के साथ मजबूत शैक्षणिक संस्कृति।
- एनईपी–2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम जो समग्र और कौशल–आधारित शिक्षा पर केंद्रित है।
- सह–पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी।
- छात्रों की लगातार उपलब्धियाँ, जिसमें एमए अंग्रेजी (2024–25) में 100% प्रथम श्रेणी परिणाम और यूजीसी–नेट योग्यताएं शामिल है।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

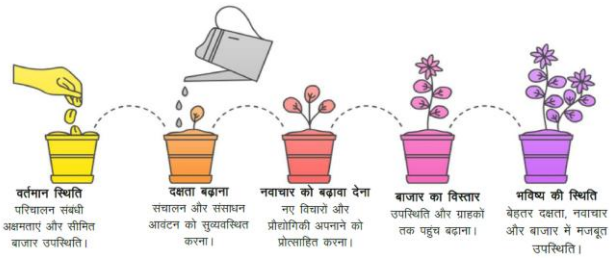

- अंतःविषय प्रमाणपत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करना (अनुवाद अध्ययन, रचनात्मक लेखन, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए अंग्रेजी)।
- ज्यादा प्रकाशनों, सहयोगी परियोजनाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से शोध संस्कृति को बेहतर बनाना
- विभागीय साहित्यिक पत्रिका/पत्रिका की स्थापना।
- छात्र प्लेसमेंट और कैरियर परामर्श पर ज्यादा ध्यान देना।
- तुलनात्मक साहित्य और संस्कृतियों पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन (2026 के लिए योजनाबद्ध किया गया है)।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- एनईपी–2020 के अनुसार डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रमः बीए अंग्रेजी (ऑनर्स–4 वर्ष) और एमए अंग्रेजी (2 वर्ष)।
- पाठ्यक्रम में अनुवाद अध्ययन, सांस्कृतिक सिद्धांत, लैंगिक अध्ययन, भाषाविज्ञान और दलित साहित्य जैसे अंतःविषय क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के साथ विकल्प–आधारित शिक्षा।
- दर्शनशास्त्र, भाषा विज्ञान और सांस्कृतिक अध्ययन के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करने वाला अंतःविषय दृष्टिकोण।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

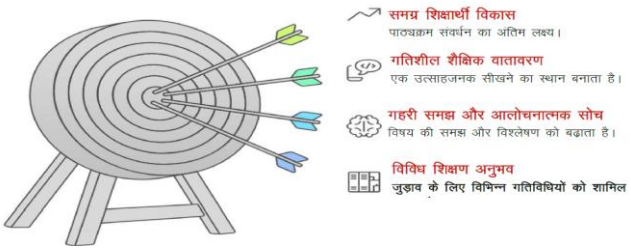

- अतिथि व्याख्यान, वाद–विवाद, फिल्म स्क्रीनिंग, रंगमंच और सांस्कृतिक उत्सव।
- सामाजिक–राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दों को कवर करने वाले विषय।

1.4 फीडबैक सिस्टम

- विभागीय सेमिनार और छात्र–संकाय बातचीत के दौरान फीडबैक एकत्रित किया गया।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन

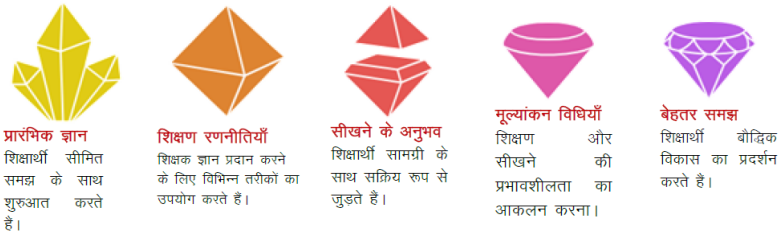

2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- स्नातक छात्र : 10
- परास्नातक छात्र : 20

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- सेमिनार/कार्यशाला के माध्यम से धीमी गति से सीखने वाले छात्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है (जैसे, संचार कौशल सेमिनार 2022)।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- स्मार्ट क्लासरूम का उपयोग (केंद्रीकृत)।
- साहित्यिक और गैर–साहित्यिक संसाधनों (उपन्यास, नाटक, सिनेमा, संगीत, वास्तुकला) का एकीकरण।

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

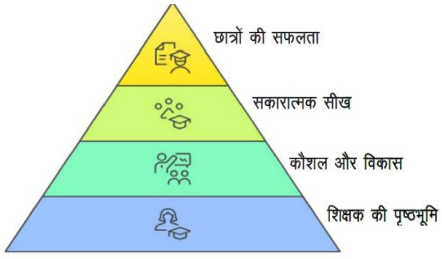

संकाय:

- **डॉ. बी. पात्रा (विभागाध्यक्ष एवं उपाचार्य)।**
  विशेषज्ञता: भारतीय अंग्रेजी साहित्य, उत्तर–औपनिवेशिक साहित्य, लैंगिक अध्ययन।
  योग्यता: एम.ए., पीएच.डी.

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



- लगातार मूल्यांकन, आंतरिक प्रतियोगिताएं, और सेमिनार का इस्तेमाल मूल्यांकन में मदद के लिए किया जाता है।

2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- एमए अंग्रेजी 2024–25: 100% प्रथम श्रेणी के साथ पास।
- 3 छात्रों ने यूजीसी नेट योग्यता प्राप्त की।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- विभागीय और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी; सकारात्मक शैक्षणिक परिणाम।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन



- संकाय शोध और पब्लिकेशन में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना



- व्यक्तिगत संकाय द्वारा किए गए शोध प्रकाशन (स्कोपस, यूजीसी–लिस्टेड जर्नल)।

3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र

- एआई, रोबोटिक्स, लैंगिक गतिशीलता, दलित अध्ययन और अंतर–सांस्कृतिक तुलनात्मक अध्ययन जैसे समकालीन विषयों पर शोध।

3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार



- 7 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन (2024–25)।
- किताबें: भाषा और समाज, समावेशी शिक्षा।
- पुस्तक अध्याय: 2 खंड।
- संपादित जर्नल: आईजेईएलटी।

3.5 परामर्श

- शून्य

3.6 विस्तार गतिविधियाँ

- सामाजिक/पर्यावरणीय विषयों पर वाद–विवाद, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताएं।
- वृक्षारोपण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और राष्ट्रीय एकीकरण अभियानों में छात्रों की भागीदारी।

3.7 सहयोग

- डीयू, बीएचयू, बीबीएयू और पतंजलि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलनों में भागीदारी।

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

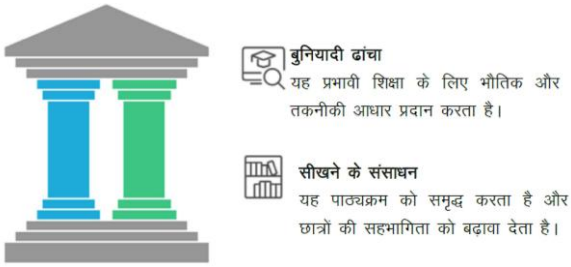

8.6 भौतिक सुविधाएं

- स्मार्ट क्लासरूम (केंद्रीकृत)
- आईसीटी सहायता के साथ स्मार्ट क्लासरूम

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय

- साहित्यिक संसाधनों से युक्त केंद्रीकृत पुस्तकालय सुविधाएं।

4.3 आईटी अवसंरचना

- आईसीटी सहायता के साथ स्मार्ट क्लासरूम

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव

- केंद्रीय प्रशासन द्वारा रखरखाव

5. छात्र सहायता और प्रगति



5.1 छात्र सहायता

- छात्रों को पारदर्शी मूल्यांकन के माध्यम से मार्गदर्शन दिया जाता है।

5.2 छात्र प्रगति

- उच्च अध्ययनः 15 छात्र
- नेट/जेआरएफ/एसएलईटीः 03

उच्च शिक्षा और शैक्षणिक करियर का अनुसरण कर रहे पूर्व छात्र

- उच्च अध्ययनः 05 छात्र
- सरकारी नौकरियाँः 01 छात्र
- कैंपस प्लेसमेंटःशून्य

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ

- सांस्कृतिक और सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी।
- वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- अवलोकनः शिक्षक दिवस, स्वागत समारोह, विदाई समारोह, वृक्षारोपण अभियान।
- साहित्यिक क्लब, लेखन कार्यशालाएं, पुस्तक क्लब, नाटक और वाद–विवाद।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता

- पूर्व छात्र नेटवर्क प्रगति पर है; अनौपचारिक मार्गदर्शन मौजूद है।
- प्रगति पर है; पूर्व छात्रों का डेटा एकत्र किया जा रहा है।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- एनईपी–2020 के अनुरूप दृष्टिकोण; अंतःविषय और बहुलतावादी दृष्टिकोणों पर ध्यान।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- विभाग सीखने को समृद्ध करने के लिए पाठ्यचर्या और पाठ्येतर रणनीतियों में संलग्न है।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

- सेमिनारों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय की भागीदारी के अवसर।

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

- बीबीएयू के माध्यम से केंद्रीकृत प्रबंधन।

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- विभागीय स्तर पर आवधिक शैक्षणिक और सांस्कृतिक समीक्षाएं।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- राष्ट्रीय एकीकरण, सांस्कृतिक विविधता और पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- साहित्य के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण (सिनेमा, वास्तुकला, संगीत का एकीकरण)।
- साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की सक्रिय भागीदारी।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

- तुलनात्मक साहित्य, बहुभाषी दृष्टिकोण और समावेशिता पर ध्यान।

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. बी पात्रा**
  विभागाध्यक्ष एवं उपाचार्य
  विशेषज्ञताः अंग्रेजी तुलनात्मक साहित्य और भाषाविज्ञान
  योग्यताः एम.ए. अंग्रेज़ी, भाषाविज्ञान और एम.एड., तुलनात्मक अध्ययन में पीएच.डी., ई.एफ.एल.यू, हैदराबाद से पी.जी.डी.टी.ई.।

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य–

- विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, बीबीएयू सैटेलाइट केन्द्र।
- समन्वयक, फाउंडेशन कोर्स
- हॉस्टल वार्डेन।
- सचिव, ईएलटी, भुवनेश्वर।
- सदस्य, विज्ञान भारती, लखनऊ।
- सदस्य, असमिया साहित्य सभा, गुवाहाटी।

8.3 शोध प्रकाशन

- डॉ. बी. पत्रा ने वर्ष 2024–25 में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 05 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

8.3.1 शोध लेख–

- डॉ. बी. पात्रा और आकर्षी श्रीवास्तव, (2025), हांटेड बॉडीज एण्ड फ्रेगमेंटेड माइंड्सः ए पोस्ट ह्यूमन रीडिंग ऑफ मेमोरी एण्ड ट्रामा इन इंडियन पारटिशन लिटरेचर", एसेरवो जर्नल https://acervojournal.com/volume-10-issue-7-2025/, 10, 241-257, 2025, 20. 17001.ACERVO. 2025.V10I6.14.21320, यूजीसी सूचीबद्ध स्कोपस अनुक्रमित।
- डॉ. बी. पात्रा, (2025), "दलित'स/अनटचेबल्सः पास्ट, प्रेज़ेंट एण्ड फ्यूचर.", एसेरवो 2025 10, 303–311, 2025, 20. 17001. V10I6.14.21326 यूजीसी सूचीबद्ध स्कोपस अनुक्रमित।
- डॉ. बी. पात्रा, (2024), "एनलाइज़िंग प्रिवलेन्स ऑफ इंग्लीश कम्यूनिकेशन इन द वर्कप्लेस फॉर ग्लोकल एण्ड ग्लोबल पर्स्पेक्टिव्स", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी–यूजीसी अनुमोदित जर्नल, 11, 539–548, 2024, https://ijirt.org/Article?manuscript=168347 यूजीसी सूचीबद्ध स्कोपस अनुक्रमित।
- डॉ. बी. पात्रा और आकर्षी श्रीवास्तव, (2024), वाय्सस एण्ड विसागेसः एन एनॉलिसिस ऑफ जेंडर डाइनेमिक्स इन एआई एण्ड रोबेटिक्स रेप्रेज़ेंटेशन्स'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी–यूजीसी द्वारा अनुमोदित जर्नल, 11, 2388–2394, 2024, https://ijirt.org/Article?manuscript=168889 यूजीसी सूचीबद्ध स्कोपस अनुक्रमित।
- डॉ. बी. पात्रा, (2024), ''ए कंपरेटिव एनॉलिसिस ऑन मेटाफिज़िकल पोवेट्स ऑफ वेस्टर्न एण्ड ईस्टर्न विथ स्पेशल रेफरेन्स टू मेटाफिज़िकलएलिमेंट्स इन द पोइट्री ऑफ भीमा भोई'', इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (IJFMR), 06, 01–18, 2024, https://doi.org/10.36948/ijfmr.2024.v06i05.29583, सहकर्मी समीक्षित स्कोपस सूचीबद्ध।

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें :

- डॉ. बी पात्रा और डॉ संतोष बेहरा– ''इनविजनिंग इनक्लूसिविटी एण्ड इंडिजेनिटी इन एजुकेशन फॉर सस्टेनबल डेवेलपमेंटः ए स्टडी ऑन एनईपी 2020 इन इंडिया'' ऑथर इंटरनेशनल 2024 , डीओआईः 10.4018/979-8-3693-2802-6.ch014

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन–

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

- 19.03.2024 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय झारखंड द्वारा आयोजित भारतीय भाषा सम्मेलन झारखंड में ''टेक्नोलॉजी के माध्यम से ओडिया को एक शास्त्रीय भाषा के रूप में आगे बढ़ानाः एक भाषाई विश्लेषण'' अंतर्राष्ट्रीय (देश के भीतर) सेमिनार में डॉ. बी पात्रा ने पेपर प्रस्तुत किया।
- 17.10.2024 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय (देश के भीतर) सेमिनार में ''भारतीय अंग्रेजी साहित्य में विकलांगता का प्रतिनिधित्वः सुष्मिता बागची की ''चिल्ड्रेन ऑफ़ ए बेटर गॉड'' पर एक अध्ययन'' डॉ. बी पात्रा ने पेपर प्रस्तुत किया।

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–

- पीएच.डी शोध अध्येताः 03

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण– 02

- सुश्री आकर्षि श्रीवास्तव (नेट) और मास्टर संतोष कुमार भारती (जेआरएफ)

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री –

- एक शोधार्थी का शोध–प्रबंध शीघ्र प्रस्तुत किया जाएगा।

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –

पेटेंट राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीयः राष्ट्रीय

- डॉ. बी. पत्रा और डॉ. नीरज तिवारीः शीर्षकः डिवाइस फॉर ऑनलाइन टीचिंग, संदर्भ संख्याः 398427–001, प्रायोजक संस्थाः बौद्धिक संपदा भारत, परिणामः

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँः

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	00
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	02
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	02
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	02
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	0
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	26
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	12
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	00
9.	छात्रों की कुल संख्या	2
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	1
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	1
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	0
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	0
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	0
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	0
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	03
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	03

भैषजिक विज्ञान विभाग (सैटेलाइट केन्द्र, अमेठी)

विभाग का परिचय

यह विभाग फार्मेसी में डिप्लोमा (डी.फार्म) पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह 2 वर्षीय पाठ्यक्रम है, जो उन उम्मीदवारों के लिए सबसे उपयुक्त है जो फार्मेसी के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं। डी.फार्म में, हम फार्मेसी की बुनियादी शिक्षा प्रदान करते हैं, जिसमें फार्मास्युटिकल उत्पादों, प्राकृतिक दवाओं, जैव रसायन, फार्माकोलॉजी और विष विज्ञान, सामाजिक फार्मेसी और फोरेंसिक फार्मेसी की सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ शामिल है। विभाग के पास शिक्षण के लिए एक सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचा और व्यावहारिक प्रयोगों के लिए आवश्यक उपकरण मौजूद हैं। पुस्तकालय में छात्रों की किताबों, पत्रिकाओं और मैगजीनों संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध है। छात्रों की शिक्षा को सुविधाजनक बनाने के लिए हमारे परिसर में कई ऑनलाइन पुस्तकें और पत्रिकाएँ भी उपलब्ध हैं।

विभाग की ताकत

- **अनुभवी संकायः** 5 संसाधन व्यक्ति।
- **बुनियादी ढांचाः** केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, एम.फार्म लैब्स, स्मार्ट क्लासरूम, विभागीय पुस्तकालय।
- **सहयोगः** प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन; आईआईटी–बीएचयू, पंजाब विश्वविद्यालय, एनआईपीईआर, असम विश्वविद्यालय आदि से विजिटिंग प्रोफेसर।

अगले वर्ष की योजना (2025–26)

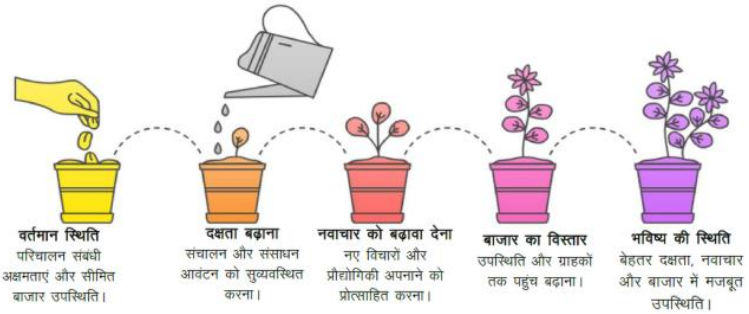

- एआई–आधारित दवा डिजाइन और नियामक विज्ञान में नए वैकल्पिक विषय शुरू करें।
- उद्योग के साथ संबंधों और अंतःविषयक अनुसंधान को मजबूत करें।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का विस्तार करें और वैश्विक सम्मेलनों की मेजबानी करें।
- केंद्रीय उपकरण सुविधाओं को उन्नत करें।
- प्लेसमेंट और फेलोशिप के माध्यम से छात्रों को मिलने वाले सहयोग को बढ़ाएँ।

1. पाठ्यक्रम के पहलू

1.1 पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास



- प्रस्तावित कार्यक्रमः फार्मेसी में डिप्लोमा (डी.फार्मा)।
- पाठ्यक्रम वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों, नैनोमेडिसिन, दवा खोज में एआई और जैव प्रौद्योगिकी के अनुरूप है।

1.2 शैक्षणिक लचीलापन



- दवा वितरण, ऑन्कोलॉजी उपचार और नैनो प्रौद्योगिकी में नवाचार पर ध्यान केंद्रित करें।

- अतिथि व्याख्यान, सेमिनार और कार्यशालाएँ शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध बनाती हैं।

1.3 पाठ्यक्रम संवर्धन

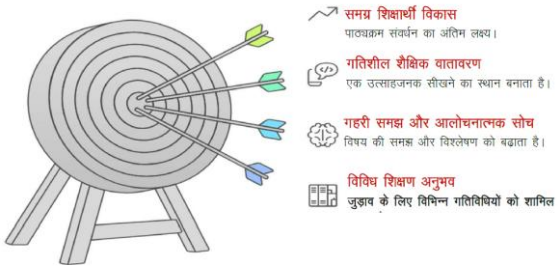

1.4 फीडबैक सिस्टम

- पाठ्यक्रम संशोधन के लिए छात्रों, पूर्व छात्रों, उद्योग विशेषज्ञों से व्यवस्थित प्रतिक्रिया।

2. शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन



2.1 छात्र नामांकन और प्रोफ़ाइल



- 83 यूजी छात्र
- डिप्लोमा/प्रमाणपत्र छात्रों की संख्या 56

2.2 छात्र विविधता को ध्यान में रखते हुए



- भारत के विभिन्न क्षेत्रों के छात्र।

- पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाओं, अनुसंधान प्रयोगशालाओं के माध्यम से सहायता।

2.3 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया



- 5 संसाधन व्यक्ति

2.4 शिक्षक प्रोफ़ाइल और गुणवत्ता

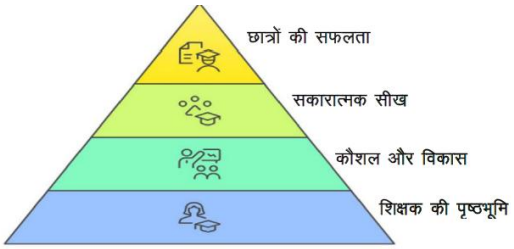

2.5 मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार



2.6 छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम



- उच्च अध्ययन, सरकारी नौकरियों और अनुसंधान में छात्रों की प्रगति।

2.7 छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण

- शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में उच्च भागीदारी सकारात्मक परिणामों का संकेत देती है।

3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

3.1 अनुसंधान और सुविधाओं का संवर्धन

3.2 अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना
3.3 नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र
3.4 शोध प्रकाशन और पुरस्कार
3.5 परामर्श
3.6 विस्तार गतिविधियाँ
3.7 सहयोग

4. अवसंरचना और शिक्षण संसाधन

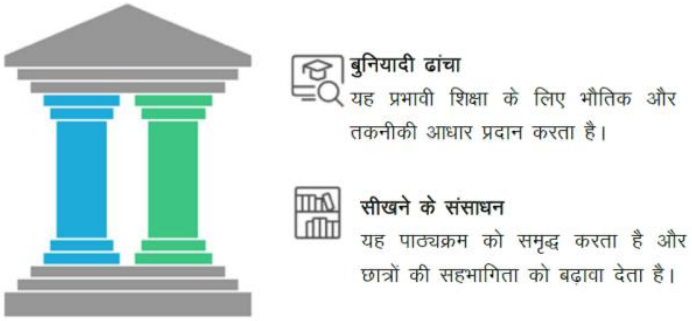

4.1 भौतिक सुविधाएं
- स्मार्ट कक्षाएँ, एम.फार्म लैब्स, रिसर्च लैब्स, विभागीय पुस्तकालय।

4.2 शिक्षण संसाधन के तौर पर पुस्तकालय
- विशिष्ट संसाधनों के साथ विभागीय पुस्तकालय।

4.3 आईटी अवसंरचना
- इंटरनेट–सक्षम प्रयोगशालाएँ, स्मार्ट कक्षाएँ, डिजिटल शिक्षण पहुँच।

4.4 कैंपस अवसंरचना का रखरखाव
- प्रयोगशालाओं और उपकरण सुविधाओं का नियमित रखरखाव।

5. छात्र सहायता और प्रगति

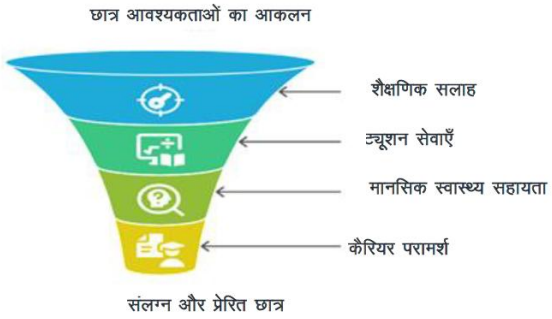

5.1 छात्र सहायता
5.2 छात्र प्रगति
- उच्च शिक्षा और अनुसंधान करने वाले स्नातक।

5.3 छात्र भागीदारी और गतिविधियाँ
- सेमिनारों, सम्मेलनों, मौखिक भाषणों में सक्रिय भागीदारी।

5.4 पूर्व छात्रों की सहभागिता
- पूर्व छात्रों को शिक्षा जगत, फार्मा उद्योग और अनुसंधान संस्थानों में रखा गया।

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन



6.1 संस्थागत दृष्टि और नेतृत्व

- विज़नः फार्मास्युटिकल विज्ञान में उत्कृष्टता का केंद्र बनना।
- मिशनः स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान में नवाचार, नैतिकता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।

6.2 रणनीति विकास और क्रियान्वयन

- अंतःविषय अनुसंधान और उद्योग सहयोग पर ध्यान केंद्रित करें।

6.3 संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ

6.4 वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

6.5 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली

- आईक्यूएसी, अकादमिक परिषद और इनोवेशन सेल में सक्रिय भागीदारी।

7. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएँ



7.1 संस्थागत मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियां

- सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़ा अनुसंधान।

7.2 सर्वोत्तम प्रथाएँ

- दवाओं की खोज में एआई का एकीकरण।

7.3 संस्थागत विशिष्टता

8. संकाय प्रोफ़ाइल (विभाग–विशिष्ट)

8.1 शैक्षणिक विवरण

- **डॉ. विजय कुमार एम.आर.**
  सहायक आचार्य एवं समन्वयक
  और 05 संसाधन व्यक्ति

8.2 संस्थान के अंदर और बाहर विभिन्न पदों पर कार्य– शून्य

8.3 शोध प्रकाशन– शून्य

8.3.1 शोध लेख– शून्य

8.3.2 पुस्तकें/संपादित पुस्तकें : शून्य

8.3.3 पुस्तक अध्याय/सम्मेलन/कार्यवाही/शैक्षणिक महत्व का कोई अन्य प्रकाशन– शून्य

8.3.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी– शून्य

8.3.5 शोध पर्यवेक्षण–शून्य

8.3.5.1 जारी पर्यवेक्षण– शून्य

8.3.5.2 प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री – शून्य

8.3.6 परियोजनाएँ/परामर्श/और कोई अन्य –शून्य

8.3.7 पुरस्कार एवं मान्यता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/और कोई अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ: शून्य

9. विभाग/केंद्र का विवरण

क्रम सं.	विवरण	कुल
1.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (राष्ट्रीय)	03
2.	विभाग द्वारा जर्नल प्रकाशनों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय)	34
3.	सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशनों की कुल संख्या	00
4.	विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों/आदि की कुल संख्या	00
5.	विभाग द्वारा पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की कुल संख्या	–
6.	परास्नातक छात्रों की कुल संख्या	–
7.	स्नातक छात्रों की कुल संख्या	83
8.	डिप्लोमा/प्रमाण पत्र छात्रों की कुल संख्या (यदि कोई हो)	56
9.	छात्रों की कुल संख्या	35
10.	पुरस्कार और पदकों की कुल संख्या	00
11.	पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या दर्ज/प्रदान की गई	00
12.	अनुमोदित प्रायोजित शोध परियोजना की कुल संख्या	00
13.	अनुमोदित की गई कुल कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या	00
14.	कुल एमओओसी पाठ्यक्रम विकसित	00
15.	छात्रों द्वारा पूर्ण किए गए एमओओसी पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	00
16.	राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	00
17.	उच्च अध्ययन के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या	12

महिला बुनियादी सुविधा समिति (सीबीएफडब्ल्यू)

1. परिचय

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधा प्रकोष्ठ (बीएफडब्ल्यूसी) ने शैक्षणिक वर्ष 2024–2025 में परिसर समुदाय में महिलाओं के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और सशक्त वातावरण को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी।

इस वर्ष, प्रकोष्ठ ने महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने, महिलाओं के कल्याण के लिए आवश्यक सुविधाओं का आकलन करने और भविष्य के सहायता तंत्रों के लिए आवश्यकता–आधारित संस्थागत योजना शुरू करने पर ध्यान केंद्रित किया।

2. प्रकोष्ठ के उद्देश्य

i. लैंगिक संवेदनशीलता और समावेशिता को बढ़ावा देना।
ii. महिला हितधारकों के योगदान को मान्यता देना और उसका सम्मान करना।
iii. महिला छात्राओं और कर्मचारियों की अवसंरचनात्मक और कल्याणकारी आवश्यकताओं का आकलन करना।
iv. महिलाओं के लिए सुरक्षित और सहायक परिसर सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

3. गतिविधियों का सारांश (2024–2025)

i. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

दिनांकः 8 मार्च, 2025 (सुबह 10:30 बजे से)
स्थानः काउंसिल हॉल, पुराना प्रशासनिक भवन

प्रकोष्ठ ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक औपचारिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष का विषय **"सभी महिलाओं और लड़कियों के लिएः अधिकार, समानता, सशक्तिकरण"** था।

कार्यक्रम में शामिल थेः

अ. महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाओं के प्रकोष्ठ की अध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण।
ब. लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के महत्व पर ब्रिगेडियर (डॉ.) जसविंदर कौर भाटिया, कमांडेंट बीएच लखनऊ द्वारा संबोधन।
स. संस्थान में उनकी समर्पित सेवा और योगदान के लिए महिला संकाय सदस्यों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों का सम्मान समारोह।
द. कार्यक्रम के बाद जलपान और नेटवर्किंग सत्र।

परिणामः

इस कार्यक्रम में संकाय और कर्मचारियों की उत्कृष्ट भागीदारी रही, जिससे पूरे विश्वविद्यालय परिसर में अभिज्ञान, एकजुटता और प्रेरणा की भावना पैदा हुई।

ii. **छात्रावास सुविधाओं का सर्वेक्षणः सैनिटरी पैड डिस्पेंसर और इंसिनेरेटर यात्रा की तिथिः अप्रैल और मई 2025**

टीमः छात्रावास वार्डन के समन्वय में प्रकोष्ठ के सदस्य

लड़कियों के छात्रावास में निम्नलिखित की उपलब्धता, पहुँच और स्थिति का आकलन करने के लिए एक भौतिक सर्वेक्षण किया गयाः

क. सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें

ख. अपशिष्ट निपटान और भस्मक इकाइयाँ

निष्कर्षः

क. कुछ छात्रावासों में कार्यात्मक सैनिटरी पैड डिस्पेंसर का अभाव था।

ख. निपटान डिब्बे मौजूद थे, लेकिन भस्मक या तो काम नहीं कर रहे थे या अनुपस्थित थे।

प्रस्तुत सुझावः

क. प्रत्येक ब्लॉक में सैनिटरी पैड डिस्पेंसर की स्थापना।

ख. पर्यावरण–अनुकूल भस्मक इकाइयों की मरम्मत या खरीद।

ग. नियमित रखरखाव कार्यक्रम और छात्र जागरूकता सूचनाएँ।

iii. विश्वविद्यालय परिसर में क्रेच और डेकेयर आवश्यकताओं पर डिजिटल सर्वेक्षण मोडः गूगल फॉर्म

अवधिः अप्रैल 2025

लक्ष्य समूहः महिला संकाय, शोधार्थी और कर्मचारी

परिसर में क्रेच या डेकेयर सुविधा के प्रति रुचि और माँग का आकलन करने के लिए विश्वविद्यालय के सभी संकाय, अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच एक डिजिटल सर्वेक्षण प्रसारित किया गया।

कृत कार्रवाईः

सर्वेक्षण के आँकड़े संकलित किए जा रहे हैं और संस्थागत कल्याण योजना के तहत विचारार्थ प्रशासन को भेजे जाएँगे। प्रकोष्ठ अगले विकास बजट में संभावित एकीकरण का पता लगाने के लिए संपदा और अनुभागों के साथ एक व्यवहार्यता बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखता है।

4. उपलब्धियाँ और प्रभाव

i. महिला दिवस कार्यक्रम के माध्यम से समावेशिता और मान्यता को बढ़ावा दिया।

ii. मासिक धर्म स्वच्छता संबंधी बुनियादी ढाँचे की कमियों के बारे में जागरूकता पैदा की।

iii. डेकेयर सर्वेक्षण के माध्यम से महिलाओं के लिए कार्य–जीवन संतुलन पर संस्थागत चर्चा शुरू की।

iv. छात्रों, कर्मचारियों और महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाओं के प्रकोष्ठ के बीच विश्वास को मजबूत किया।

5. भविष्य की योजनाएँ (2025–2026)

i. छात्रों के लिए आत्मरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाओं का आयोजन।

ii. छात्रावास की स्वच्छता संबंधी बुनियादी संरचना और डेकेयर प्रस्ताव पर अनुवर्ती कार्रवाई।

iii. लैंगिक समानता विषयों पर एक मासिक समाचार पत्र शुरू करना।

iv. पुरुष छात्रों और शिक्षण एवं गैर–शिक्षण समुदाय तथा कर्मचारियों के लिए संवेदीकरण कार्यशालाएँ आयोजित करना।

6. आभार

महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाएँ प्रकोष्ठ माननीय कुलपति, प्रशासनिक कर्मचारियों, संकाय सदस्यों, छात्र स्वयंसेवकों और बाहरी सहयोगियों को उनके समर्थन और उत्साही भागीदारी के लिए हार्दिक धन्यवाद देता है।

गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय

1.0 केंद्रीय पुस्तकालय के बारे में संक्षिप्त जानकारी

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के केंद्रीय पुस्तकालय का नाम भगवान गौतम बुद्ध के नाम पर गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय (चित्र–1) रखा गया है। इस पुस्तकालय की स्थापना जनवरी 1998 में सूचना और ज्ञान के प्रभावी प्रसार के माध्यम से ज्ञान और उसके अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।



चित्र 1: गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय

पुस्तकालय का संचालन एलएसी (पुस्तकालय समिति) द्वारा किया जाता है। एलसी एक सर्वोच्च नीति–निर्धारक निकाय है जो कुलपति की अध्यक्षता में कार्य करता है। वर्ष के दौरान, निम्नलिखित एलसी के सदस्य थे:

1. आचार्य डी. आर. मोदी (जैव प्रौद्योगिकी विभाग) – अध्यक्ष (माननीय कुलपति द्वारा नामित)
2. आचार्य के. एल. महावर (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग) – सदस्य
3. आचार्य सर्वेश कुमार सिंह (हिंदी विभाग) – सदस्य
4. डॉ. सुनील कुमार सिंह (गणित विभाग) – सदस्य
5. डॉ. विजयकुमार, एम. आर. (औषधि विज्ञान विभाग) – सदस्य
6. छात्र नामित/प्रतिनिधि – शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित
7. डॉ. सुनील गोरिया – सदस्य एवं सचिव

पुस्तकालय विश्वविद्यालय के शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सूचना सेवाएँ और सुविधाएँ प्रदान करता है। इस अवधि के दौरान, पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए 271 दिनों के लिए खुला था। पुस्तकालय की वर्तमान बैठने की क्षमता एक समय में 400 से अधिक उपयोगकर्ताओं की है। पुस्तकालय सेवाएं विश्वविद्यालय के छात्रों, संकायों, शोधकर्ताओं, कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए खुली हैं। केंद्रीय पुस्तकालय पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को वेब–आधारित सूचना सेवाएं प्रदान करने के लिए रणनीतिक रूप से नई तकनीकों को अपना रहा है। पुस्तकालय 'ई–शोध सिंधु (ईएसएस)' और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) नेशनल कंसोर्टियम फॉर हायर एजुकेशन इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज ऑफ इनफ्लिबनेट (सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क), गांधीनगर और नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया का सदस्य है। वर्तमान में, पुस्तकालय का संग्रह 72446 प्रिंट दस्तावेज़ है और यह

ईएसएस के माध्यम से 13236 पूर्ण–पाठ ऑनलाइन पत्रिकाओं, 2511 सतत पहुंच ई–पुस्तकों और 21000+ ई–पुस्तकों तक पहुंच प्रदान करता है।



चित्र 2: स्टैक क्षेत्र

1.1 स्थान

पुस्तकालय चार मंजिला भवन की दो मंजिलों में कार्यरत है, जो विश्वविद्यालय का केंद्रीय स्थान है। पुस्तकालय भवन का क्षेत्रफल 7917 वर्ग मीटर है।

1.2 खुलने का समय

पुस्तकालय अपने पाठकों के लिए प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 8:00 बजे से शाम 8:00 बजे तक खुला रहता है। शनिवार को यह सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुला रहता है। पुस्तकालय के वाचनालय प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से रात 11:00 बजे तक खुले रहते हैं और परीक्षा अवधि के दौरान यह दिन में 18 घंटे खुला रहता है।

2.0 पुस्तकालय के अनुभाग

2.1 अधिग्रहण अनुभाग: यह अनुभाग विश्वविद्यालय के शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों की आवश्यकताओं से संबंधित सभी पुस्तकों, मोनोग्राफ, सरकारी दस्तावेजों, उपहारों और अन्य पठन सामग्री के अधिग्रहण के लिए जिम्मेदार है। यह अनुभाग नवीनतम घोषणाओं, प्रकाशकों की सूची और ग्रंथसूची के माध्यम से पुस्तकालय में खरीद के लिए नए दस्तावेजों का चयन करने में संकाय सदस्यों की सहायता करता है। वर्ष 2024–25 के दौरान, अनुभाग ने 2297 मुद्रित पुस्तकें खरीदी हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में उपलब्ध कुल मुद्रित दस्तावेज़ों का संग्रह 72446 है। संग्रह का विवरण तालिका–1 में दिया गया है।

तालिका 1: 2024–2025 के दौरान खरीदी गई पुस्तकें

क्रम संख्या	वस्तुएँ	कुल
1.	खरीदी गई मुद्रित पुस्तकें	2297
2.	अमेठी सैटेलाइट सेंटर के लिए मुद्रित पुस्तकें खरीदी गईं	164
3.	खरीदी गई ई–पुस्तकें	Nil
4.	वर्ष में क्रय की गयी हिन्दी/संस्कृत पुस्तकों की संख्या	289
5.	निःशुल्क/दान द्वारा प्राप्त पुस्तकें	124
6.	थीसिस (पिछले तीन वर्षों के दौरान)	679

7.	पुस्तकों पर व्यय (रु. में)	3205353
8.	अमेठी सैटेलाइट सेंटर के लिए पुस्तकों पर व्यय (रुपये में)	228678
9.	ई–संसाधनों पर व्यय (सतत पहुंच) (रुपये में)	Nil
10.	प्राप्त दान की गई पुस्तकों का अनुमानित मूल्य (रुपये में)	312404
11.	तकनीकी रूप से संसाधित दस्तावेज़ों की कुल संख्या	3520
12.	पुस्तकालय में मुद्रित दस्तावेज़ों की कुल संख्या	72446

2.1.1 पुस्तक क्रय की प्रक्रिया: पुस्तकालय के लिए पुस्तकों की खरीद हेतु निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है।

अनुशंसा के माध्यम से: विश्वविद्यालय के संकाय द्वारा विधिवत भरा गया पुस्तक अनुशंसा प्रपत्र/सूची, विभाग(ओं) के 50% संकायों के हस्ताक्षर सहित और संबंधित विभागाध्यक्ष द्वारा विधिवत अग्रेषित, पुस्तकों की खरीद हेतु अनुकूलित प्रक्रिया है।

पुस्तक प्रदर्शनी के माध्यम से: गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा समय–समय पर पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है। संकाय, शोधार्थी और छात्र प्रदर्शनी के दौरान पुस्तकों का चयन करते हैं। इसके अतिरिक्त, संबंधित विभाग चयनित पुस्तकों की खरीद के लिए अनुशंसा संबंधी औपचारिकताएँ पूरी करते हैं।

विक्रेताओं का पैनल: पुस्तकालय कुछ नियमों और शर्तों पर हर दो साल में विक्रेताओं को सूचीबद्ध करता है। अनुशंसित पुस्तकें सूचीबद्ध विक्रेताओं से खरीदी जाती हैं।

ई–संसाधन: ई–पुस्तकें, ई–पत्रिकाएँ (ईएसएस और ओएनओएस पत्रिकाओं को छोड़कर) और डेटाबेस संबंधित प्रकाशकों से बातचीत के बाद खरीदे जाते हैं।

2.2 तकनीकी अनुभाग: दस्तावेज़ों के अधिग्रहण के बाद, तकनीकी अनुभाग द्वारा दस्तावेज़ों तक आसान पहुँच के लिए तकनीकी प्रसंस्करण कार्य, अर्थात् वर्गीकरण और सूचीकरण का कार्य किया गया है। दस्तावेज़ों का वर्गीकरण डीडीसी के 23वें संस्करण के माध्यम से किया गया है। दस्तावेज़ों के वर्गीकरण और सूचीकरण के लिए इंडकैट/वर्ल्डकैट का भी उपयोग किया गया है। वर्ष के दौरान, अनुभाग द्वारा पुस्तक, निःशुल्क पुस्तकें और शोध–प्रबंधों सहित 3520 दस्तावेज़ों का प्रसंस्करण किया गया है। इसके अतिरिक्त, इन दस्तावेज़ों को आरएफआईडी टैगिंग और ईएम स्ट्रिप्स चिपकाकर सेल्फ–चेक–इन/चेक–आउट कियोस्क के माध्यम से जारी–वापसी के लिए भी संसाधित किया गया है। पुस्तकालय ने इंफ्लीबनेट की इंडकैट यूनियन कैटलॉग परियोजना में भाग लिया है और जीबीएल कैटलॉग के ग्रंथसूची रिकॉर्ड इंडकैट को प्रस्तुत किए हैं।



चित्र 3: पुस्तकों का तकनीकी प्रसंस्करण और अभिगम



चित्र 4: परिसंचरण अनुभाग

2.3 संचलन अनुभाग: यह अनुभाग विश्वविद्यालय के छात्रों, संकायों और अन्य कर्मचारियों को दस्तावेज़ जारी करने–वापस करने हेतु सदस्यता प्रदान करता है। इस अनुभाग ने वर्ष 2024–25 में पुस्तकालय के 2593 सदस्यों (विश्वविद्यालय के छात्रों, संकायों और कर्मचारियों सहित) का नामांकन/नवीनीकरण किया है और पुस्तकालय के कुल सदस्यों की संख्या 6708 है। पुस्तकालय की सदस्यता का विवरण तालिका–2 और तालिका–3 में दिया गया है।

तालिका 2: 31/03/2025 तक पुस्तकालय की कुल सदस्यता

क्र. सं.	सदस्यता का प्रकार	पुरुष	महिला	कुल
1.	यू.जी. छात्र	1666	1101	2767
2.	पी.जी. छात्र	1424	1431	2855
3.	पीएच.डी. छात्र	448	388	836
4.	संकाय	146	40	186
5.	गैर–शिक्षण	57	7	64
	कुल योग	**3741**	**2967**	**6708**

तालिका 3: 2024–2025 में नई सदस्यता

क्र. सं.	सदस्यता का प्रकार	पुरुष	महिला	कुल
1.	यू.जी. छात्र	559	342	901
2.	पी.जी. छात्र	762	646	1408
3.	पीएच.डी. छात्र	112	76	188
4.	संकाय	52	12	64
5.	गैर–शिक्षण	30	2	32
	कुल योग	**1515**	**1078**	**2593**



चित्र 5: परिसंचरण अनुभाग पर सुरक्षा द्वार

सभी कार्य दिवसों में सुबह 8:30 बजे से शाम 7:30 बजे तक, तालिका–4 में दिए गए उनके विशेषाधिकारों के अनुसार, संचलन अनुभाग से पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को पुस्तकें जारी की जाती हैं। पुस्तकालय उपयोगकर्ता स्वयं–निर्गम–वापसी कियोस्क का भी उपयोग करते हैं।

तालिका 4: निर्गम सुविधा

क्र. सं.	श्रेणी	सुविधा	दिनों की संख्या
1.	संकाय	8	एक सेमेस्टर
2.	समूह ''ए'' अधिकारी	3	30
3.	शोधार्थी पीएचडी	4	15
4.	स्नातकोत्तर/स्नातकोत्तर छात्र	2	15
5.	अन्य	2	15

वित्तीय वर्ष 2024–2025 के दौरान जारी और परामर्शित पुस्तकें तालिका–5 में उल्लिखित हैं।

तालिका 5: 2024–25 के दौरान संचलन लेनदेन

क्र. सं.	वस्तुएँ	कुल
1.	जारी की गई पुस्तक	**18397**
2.	पुस्तकालय में देखी गई पुस्तकें	**388676**
3.	पुस्तकालय में देखी गई पुस्तकों की संख्या	**85698**
4.	विविध शुल्क (रुपये में)	**90892**



चित्र 6: पठन अनुभाग, दूसरी मंजिल

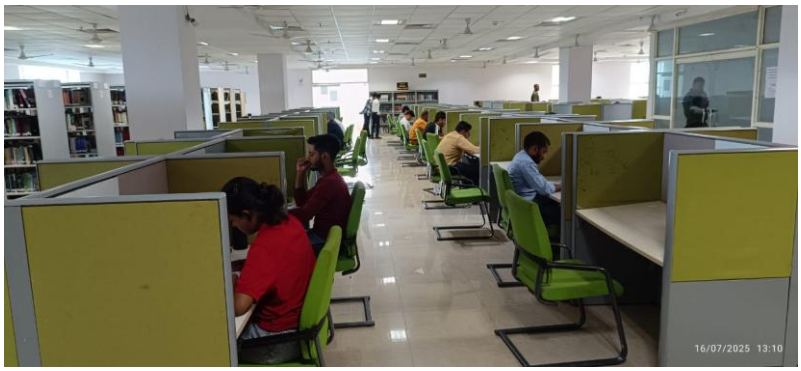

चित्र 7: पठन अनुभाग प्रथम तल

2.4 आवधिक अनुभाग: यह अनुभाग पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और मैगजीन की खरीदारी करता है। इस अनुभाग ने वर्ष 2024–25 के लिए 68 प्रिंट जर्नल, 25 मैगजीन और 19 समाचार पत्रों की खरीदारी की। इस अवधि के दौरान समाचार पत्रों पर 36638 रुपये खर्च किए गए। इस अनुभाग में एक समय में 50 छात्रों के बैठने की क्षमता है, जहाँ उन्हें विभिन्न पत्रिकाओं, रिपोर्टों, संकाय प्रकाशनों, मैगजीन और समाचार पत्रों तक ऑफ़लाइन पहुँच प्राप्त होती है। इस अवधि के दौरान, 13115 उपयोगकर्ताओं ने अनुभाग का दौरा किया। पुस्तकालय को उपहार के रूप में 39 जर्नल प्राप्त हुए हैं। पुस्तकालय ने 12650 रुपये खर्च करके जर्नल और मैगजीन खरीदीं। आवधिक पत्रिकाओं का विवरण तालिका–6 में दिया गया है।



चित्र 8: आवधिक अनुभाग

तालिका 6: वर्ष 2024–25 के लिए प्रिंट पत्रिकाएँ, समाचार पत्र और जर्नल

क्र. सं.	उपलब्ध वस्तुएँ	भाषा			कुल
		हिंदी	अंग्रेजी	उर्दू	
1.	समाचार पत्र	10	7	2	19
2.	पत्रिकाएँ	7	18	-	25
3.	मुद्रित पत्रिकाएँ	-	68	-	68
4.	मुद्रित पत्रिकाएँ (उपहार में)	22	19	-	41
5.	वार्षिक रिपोर्ट और सर्वेक्षण	2	05	-	07
6.	संकाय प्रकाशन	02	95	-	97

2.5 ई–लाइब्रेरी अनुभाग: ई–लाइब्रेरी अनुभाग में कुल 12 कंप्यूटर हैं। पुस्तकालय में वाई–फाई सुविधा उपलब्ध है जहाँ उपयोगकर्ता पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई–संसाधनों तक पहुँच सकते हैं। वर्ष के दौरान, 13836 छात्रों और संकाय सदस्यों ने इस अनुभाग का दौरा किया।



चित्र 9: ई–लाइब्रेरी अनुभाग में ई–संसाधनों तक पहुँच प्राप्त करते छात्र

2.6 शोध प्रबंध एवं शोध प्रबंध अनुभाग: विश्वविद्यालय के शोध प्रबंध संग्रह को व्यवस्थित करने के लिए पुस्तकालय में एक अलग शोध प्रबंध अनुभाग है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के कुल 2388 शोध प्रबंध (935) और शोध प्रबंध (1453) इस अनुभाग में उपलब्ध हैं। वर्ष 2024–25 के दौरान कुल 89 शोध प्रबंध एवं शोध प्रबंध संसाधित किए जा चुके हैं और इसी अवधि के दौरान 503 छात्र एवं शोधार्थी इस अनुभाग में आ चुके हैं। इस अनुभाग ने इनफ्लिबनेट के शोधगंगा संग्रह में कुल 602 (वर्ष 2024–25 में 82) ई–शोध प्रबंध प्रस्तुत किए हैं।



चित्र 10: थीसिस अनुभाग

2.7 ब्रेल अनुभागः केंद्रीय पुस्तकालय दिव्यांगजनों (च्वे) के छात्रों और कर्मचारियों के लिए सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। पुस्तकालय के प्रवेश द्वार के दोनों ओर दिव्यांगजनों के लिए दो रैंप हैं। पुस्तकालय में दिव्यांगजनों को सुविधानुसार एक मंजिल से दूसरी मंजिल पर जाने के लिए दो लिफ्ट हैं। पुस्तकालय में दृष्टिबाधित और अल्पदृष्टि वाले छात्रों के लिए एक ब्रेल अनुभाग स्थापित किया गया है, जहाँ उन्हें निम्नलिखित उपकरणों, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की सहायता से पढ़ने और सुनने की सुविधा प्रदान की जाती है। ब्रेल अनुभाग अन्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रों/लोगों के लिए भी खुला है।

तालिका 7: ब्रेल उपकरण

क्र. सं.	केंद्रीय पुस्तकालय में ब्रेल उपकरण उपलब्ध हैं	संख्या
1.	ब्रेलर	2
2.	अगली पीढ़ी का ब्रेलर	2
3.	सुपर नोवा सॉफ्टवेयर के साथ स्क्रीन रीडर, स्पीच मैग्निफायर और बुक रीडर के लिए।	3 यूजर्स
4.	बड़ा प्रिंट कीबोर्ड	5
5.	क्लेवी कीबोर्ड	5
6.	स्पीच डेस्कटॉप वीडियो मैग्निफायर (17 इंच या उससे बड़े रंगीन मॉनिटर के साथ)	1
7.	रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले (40 सेल) 32 जीबी एसडीएचसी कार्ड के साथ	1
8.	डेज़ी प्लेयर और हिंदी टीटीएस रिकॉर्डर	5
9.	क्लोज़–अप और निकट दूरी डिजिटल मैग्निफायर, इमेज सेविंग 5 एचडी के साथ	4
10.	माउस मैग्निफायर	4
11.	शीट पर 200 ब्रेल के साथ थर्मोफॉर्म मशीन	1

12.	इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ स्पीच सॉफ्टवेयर की स्थापना वाला कंप्यूटर सिस्टम।	5



चित्र 11: ब्रेल कंप्यूटर लैब

2.8 आरएफआईडी प्रणाली: केंद्रीय पुस्तकालय में रेडियो–फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक (ईएम) सिस्टम लागू किए गए हैं। पुस्तकालय में आरएफआईडी और ईएम उपकरण हैं (तालिका 8)। हाइब्रिड सिस्टम (आरएफआईडी + ईएम) में आधुनिक पुस्तकालयों में पुस्तकालय स्वचालन और दस्तावेजों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण कार्यात्मक लाभ है। पुस्तकालय में सभी दस्तावेजों की आरएफआईडी टैगिंग की गई है। सुरक्षा टैग के लिए सभी दस्तावेजों पर बीबीएयू का लोगो भी चिपकाया गया है। सभी दस्तावेजों पर ईएम स्ट्रिप्स लगाकर पुस्तकालय के दस्तावेजों को ईएम सुरक्षा स्ट्रिप्स की मदद से पूरी तरह से सुरक्षित किया जाता है। आरएफआईडी प्रणाली को एसआईपी 2 प्रोटोकॉल द्वारा नवीनतम कोहा लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया है। पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को आरएफआईडी सेल्फ–चेक–इन और सेल्फ–चेक–आउट कियोस्क और लाइब्रेरी स्मार्ट कार्ड के माध्यम से सशक्त बनाया गया है आरएफआईडी कियोस्क और लाइब्रेरी सुरक्षा गेट को चित्र–12 में दिखाया गया है।

तालिका 8: आरएफआईडी उपकरण

क्र. सं.	आरएफआईडी समर्थित वाह्य उपकरण	संख्या
1.	आरएफआईडी स्टाफ वर्कस्टेशन	2
2.	ईएम स्टाफ वर्कस्टेशन	1
3.	टैटल टेप के लिए लाइब्रेरी सुरक्षा द्वार	1
4.	हाइब्रिड (आरएफआईडी+ईएम) सेल्फ चेक–इन और चेक–आउट कियोस्क	1
5.	एंटीना के साथ पोर्टेबल हैंडहेल्ड आरएफआईडी रीडर, कॉर्डलेस डिजिटल लाइब्रेरी असिस्टेंट	1
6.	आरएफआईडी कार्ड प्रिंटर	2



चित्र 12: आरएफआईडी उपकरण

2.8.1 स्मार्ट आईडी सह लाइब्रेरी कार्ड: आरएफआईडी प्रणाली में दस्तावेज़ों के स्व–जारी–वापसी हेतु सभी पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए लाइब्रेरी स्मार्ट कार्ड आवश्यक हैं। केंद्रीय पुस्तकालय ने छात्र स्मार्ट पहचान (आईडी) कार्डों को स्मार्ट लाइब्रेरी कार्डों के साथ जोड़ने की पहल की है। अब विश्वविद्यालय में पुस्तकालय के छात्रों और संकायों के लिए स्मार्ट आईडी सह लाइब्रेरी कार्ड तैयार कर रहा है। वर्ष के दौरान, पुस्तकालय द्वारा 2593 स्मार्ट आईडी सह लाइब्रेरी कार्ड तैयार किए गए और पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को वितरित किए गए। स्मार्ट कार्ड प्रिंटर और स्मार्ट आईडी सह लाइब्रेरी कार्ड चित्र–13 में दर्शाए गए हैं।



चित्र 13: स्मार्ट कार्ड प्रिंटर और कार्ड का प्रारूप

3.0 पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाएँ और सेवाएँ

3.1 रिप्रोग्राफी या ज़ेरॉक्सिंग: पुस्तकालय निजी फर्म के माध्यम से पुस्तकालय परिसर में 0.80 रुपये प्रति पृष्ठ की मामूली लागत पर ज़ेरॉक्स सुविधा प्रदान करता है। इस सेवा के माध्यम से डिजिटल फ़ाइलों से प्रिंटआउट भी उपलब्ध कराए गए हैं।

3.2 सर्कुलेशनः दस्तावेज़ जारी करने और वापस करने की सेवा उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय के स्व–निर्गम वापसी कियोस्क और सर्कुलेशन काउंटर से प्रदान की जाती है। सर्कुलेशन अनुभाग के कर्मचारी आरएफआईडी सिस्टम के माध्यम से दस्तावेज़ों को स्व–निर्गम–वापसी में उपयोगकर्ताओं की सहायता करते हैं।

3.3 दस्तावेज़ वितरण सेवा (डीडीएस): पुस्तकालय डीडीएस के अंतर्गत उपयोगकर्ताओं को लेखों की हार्ड/सॉफ्ट कॉपी प्रदान करता है।

3.4 हिंदी प्रकाशनः पुस्तकालय ने हिंदी पुस्तक संग्रह के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए शहिंदी प्रकाशनश के रूप में भी अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं।

3.5 ईमेल अलर्टः पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को पुस्तकों की अतिदेयता आदि जैसी अलर्ट सेवाएँ प्रदान करने के लिए ईमेल librarian@email.bbau.ac.in का उपयोग करता है।

3.6 ई–संसाधनों तक पहुँच सेवाः पुस्तकालय के ई–लाइब्रेरी अनुभाग के माध्यम से वाई–फाई सक्षम इंटरनेट का उपयोग करके विश्वविद्यालय समुदाय को ई–संसाधनों तक पहुँच की सुविधा प्रदान की गई है। सभी ई–संसाधन बीबीएयू परिसर में, अर्थात् विभागों, प्रयोगशालाओं, कार्यालयों आदि से और दूरस्थ पहुँच प्रणाली के माध्यम से परिसर के बाहर भी उपलब्ध हैं।

3.7 संदर्भ सेवाः यह संदर्भ सेवा छात्रों, संकाय सदस्यों और अन्य उपयोगकर्ताओं को आवश्यक दस्तावेज़ों की खोज और पुस्तकालय के विभिन्न डिजिटल संसाधनों के परामर्श हेतु प्रदान की जाती है।

3.8 शोध तलः यह सेवा विश्वविद्यालय के शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए शुरू की गई है। वर्तमान में, इस अनुभाग में 50 शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के बैठने की क्षमता है। यह अनुभाग सभी दिनों में रात्रि 11:00 बजे तक खुला रहता है।

3.9 टॉपर्स कॉर्नरः यह सेवा अपनी प्रकृति में अनूठी है। अपने विभाग में टॉप करने वाले छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएँ पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं द्वारा परामर्श के लिए इस अनुभाग में रखी जाती हैं।

3.10 नव आगमनः पुस्तकालय नए प्राप्त दस्तावेज़ों के प्रदर्शन के माध्यम से नव आगमन सुविधा प्रदान कर रहा है। नव आगमन की जानकारी भी ओपीएसी के माध्यम से प्रदान की गई है।

3.11 संकाय प्रकाशनः यह सेवा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को समर्पित है, जहाँ वे अपने शोध प्रकाशन प्रदर्शित कर सकते हैं। वर्ष के दौरान इस अनुभाग में पुस्तक अध्यायों सहित 156 लेख प्रदर्शित किए गए हैं।

3.12 साहित्यिक चोरी/समानता जाँचः पुस्तकालय इनफ्लिबनेट की 'शोधगंगा' परियोजना का सदस्य है। इनफ्लिबनेट के माध्यम से केंद्रीय पुस्तकालय को साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर (अर्थात पीडीएस– ड्रिलबिट) सुविधा प्रदान की गई है। पुस्तकालय द्वारा संकाय सदस्यों और शोधार्थियों के लिए आईथेनटिकेट की सदस्यता ली गई है। सभी संकाय सदस्यों को आईथेनटिकेट और ड्रिलबिट के माध्यम से साहित्यिक चोरी का पता लगाने के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड प्रदान किया गया है। पुस्तकालय विश्वविद्यालय समुदाय के ई–शोध प्रबंधों और ई–लेखों की साहित्यिक चोरी/समानता की भी जाँच कर

रहा है। वर्ष के दौरान, पुस्तकालय द्वारा कुल 13820 दस्तावेजों (ड्रिलबिट से 6227 और आईथेनटिकेट के माध्यम से 7593 दस्तावेज) की साहित्यिक चोरी/समानता की जाँच साहित्यिक चोरी जाँच उपकरणों द्वारा की गई।

3.13 सूचना साक्षरता कार्यक्रमः सूचना साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत, पुस्तकालय द्वारा छात्रों और शोधार्थियों को पुस्तकालय सेवाओं और पुस्तकालय संसाधनों के बारे में पुस्तकालय अभिमुखीकरण प्रदान किया गया है। सूचना साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत, पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधार्थियों और संकायों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं। इस अवधि के दौरान, पुस्तकालय द्वारा निम्नलिखित सूचना साक्षरता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

30 अप्रैल, 2024 को बलानी इन्फोटेक, नोएडा, उत्तर प्रदेश और इनफ्लिबनेट के सहयोग से बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के संकायों और शोधार्थियों के लिए ''ड्रिलबिट साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले उपकरण का उपयोग कैसे करें'' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम।

सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र (इनफ्लिबनेट), गांधीनगर और केंद्रीय पुस्तकालय, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से 10 अगस्त, 2024 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में ''विद्वान समुदायों के लिए व्ब्ब्क और इनफ्लिबनेट सेवाओं पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम'' का आयोजन किया। देश के विभिन्न हिस्सों से 125 से अधिक पुस्तकालय पेशेवरों, शोधार्थियों और संकायों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जैसा कि निम्नलिखित चित्रों में दिखाया गया है।





चित्र 14: आर्किड प्रशिक्षण

21 अगस्त, 2024 को पियर्सन इंडिया एजुकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई के सहयोग से बीबीएयू के संकायों, शोधार्थियों और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 'पियर्सन के ई–बुक्स प्लेटफॉर्म तक कैसे पहुँचें' विषय पर ऑनलाइन उपयोगकर्ता अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आईएलएमएस पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमः पुस्तकालय ने 17 अक्टूबर, 2024 को सेंगेज लर्निंग द्वारा निर्धारित ई–बुक के लिए सेंगेज लर्निंग इंडिया, नई दिल्ली के सहयोग से बीबीएयू के शोधार्थियों और

स्नातकोत्तर छात्रों के लिए गूगल मीट के माध्यम से ''सेंगेज के ई–बुक्स प्रशिक्षण सत्र'' पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया है।

विश्वविद्यालय में ई–जर्नल्स के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 19 मार्च, 2025 को सभी ओएनओएस सदस्यों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा, जिसका विषय होगा ''स्प्रिंगर नेचर प्लेटफॉर्म को आसानी से नेविगेट करना सीखें'' ताकि स्प्रिंगर नेचर, नई दिल्ली के सहयोग से सभी जर्नल्स तक पहुंच बनाई जा सके।

3.14 पुस्तकालय स्वचालनः पुस्तकालय को कोहा नामक एक ओपन–सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करके स्वचालित किया गया है। कोहा की सहायता से संचलन, तकनीकी और पत्रिका अनुभाग जैसे कई अनुभागों में स्वचालन कार्य किया गया है। कोहा पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से एमएआरसी–21 के सभी दस्तावेजों का पूर्वव्यापी रूपांतरण, पुस्तकालय के कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। पुस्तकालय वेब–ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपेक) पुस्तकालय की वेबसाइट के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ है। पुस्तकालय ने पुस्तकालय में आरएफआईडी प्रणाली और स्मार्ट लाइब्रेरी कार्ड प्रणाली लागू की है।

3.15 गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय की वेबसाइटः पुस्तकालय ने लिनक्स वातावरण के अंतर्गत जूमला–5 ओपन सोर्स में गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय की एक वेबसाइट विकसित की है। पुस्तकालय के सभी ई–संसाधनों को उपयोगकर्ताओं की आसान पहुँच के लिए पुस्तकालय की वेबसाइट के साथ एकीकृत किया गया है। वेबसाइट https://www.gbl.bbau.ac.in/ के माध्यम से सुलभ है जैसा कि चित्र–14 में दिखाया गया है। पुस्तकालय की वेबसाइट उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए बीबीएयू वेबसाइट से जुड़ी हुई है। इस अवधि के दौरान 18300 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने वेबसाइट का उपयोग किया है।

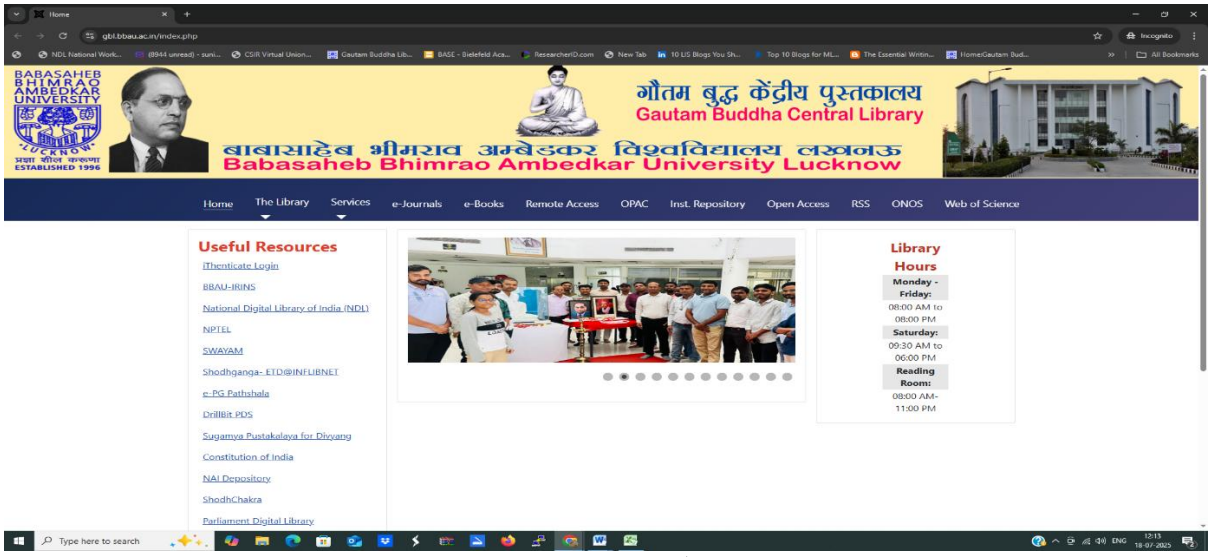

चित्र 15: पुस्तकालय वेबसाइट

3.16 बीबीएयू संस्थागत रिपॉजिटरीः बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) का संस्थागत रिपॉजिटरी, बीबीएयू के शोध प्रकाशनों, जैसे लेख, थीसिस, शोध प्रबंध, वार्षिक रिपोर्ट आदि को शामिल करके विकसित किया गया है। इस रिपॉजिटरी में 602 ई–थीसिस और शोध प्रबंध अपलोड किए गए हैं। वर्ष के दौरान, इस रिपॉजिटरी में 82 ई–थीसिस और शोध प्रबंध अपलोड किए गए। उपयोगकर्ता इस रिपॉजिटरी को वेब पते http://14.139.228.232/home. से एक्सेस कर सकते हैं।

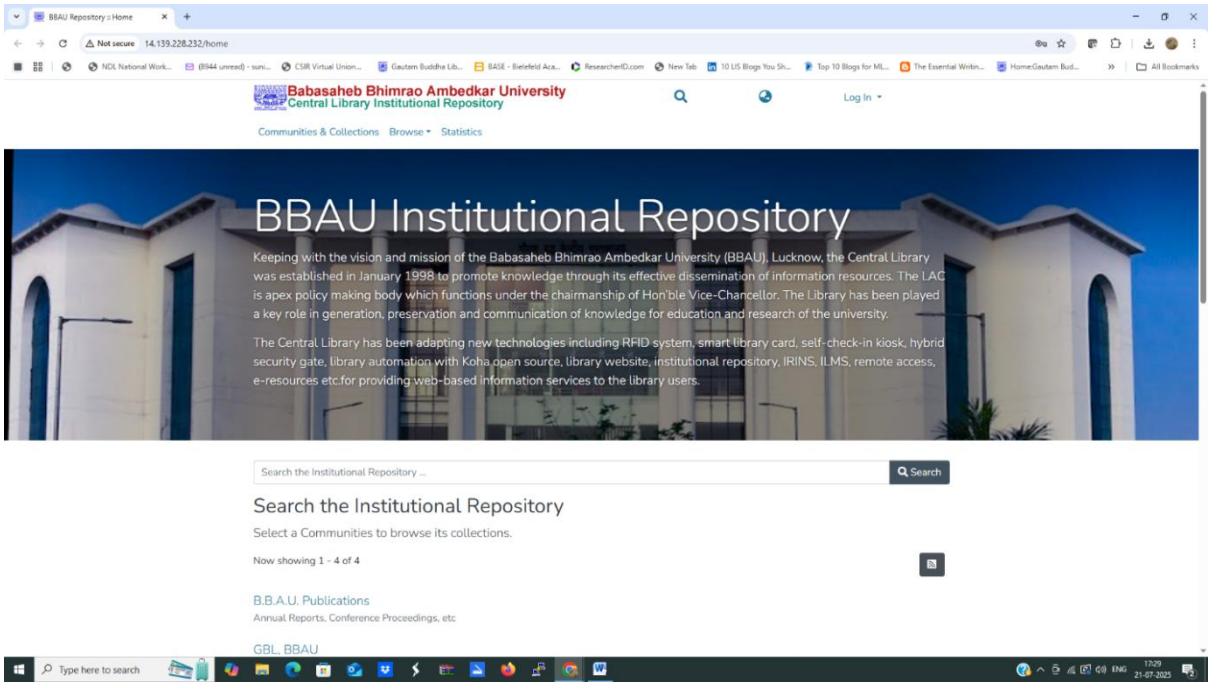

चित्र 16: बीबीएयू संस्थागत रिपॉजिटरी

3.17 ई–संसाधनों का उपयोग: ई–संसाधनों के उपयोग के आँकड़े इनफ्लिबनेट के इन्फिस्टेट्स से प्राप्त किए गए हैं। ई–पुस्तकों के उपयोग के आँकड़े संबंधित प्रकाशकों से प्राप्त किए गए हैं। आँकड़ों से पता चलता है कि इस अवधि के दौरान, इनफ्लिबनेट द्वारा ई–शोधसिंधु कंसोर्टियम और पुस्तकालय की सदस्यता के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए विभिन्न ई–संसाधनों से विश्वविद्यालय में 240377 दस्तावेज़/लेख डाउनलोड/उपयोग किए गए हैं (तालिका–9)।

तालिका 9: ई–संसाधनों का उपयोग

संसाधन	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल
एएएएस													
एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी													
अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी													
अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स												8	8
कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस	1473	1186	610	663	882	544	598	569	395	647	732	634	8933
आईईईई जर्नल्स										134	124	384	642
इंडियनजर्नल.कॉम										38	110	140	288
इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स										38	110	256	404
सेज जर्नल्स										1328	1736	1040	4104
एसपीआईई डिजिटल लाइब्रेरी											6	20	26
अमेरिकन केमिकल सोसाइटी	43	37	58	77	67	105	88	56	34	174	82	244	1065
जेएसटीओआर	3300	2776	954	1875	2267	2738	2512	2602	1555	2045	2500	1991	27115

नेचर	314	309	130	281	362	209	219	253	139				2216
ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस	1127	1041	693	1127	1124	1131	852	867	411	623	814	748	10558
प्रोजेक्ट म्यूज	42	236	10	88	48	310	50	44	62		10	46	946
साइंस डायरेक्ट	1854	1302	426	1017	1161	881	798	678		5302	15084	15492	43995
स्प्रिंगर लिंक	11872	9290	5268	7954	9450	7148	7794	6906	6126	8280	8304	9322	97714
टेलर एंड फ्रांसिस	2970	2415	951	2315	2802	2293	2302	1792	1427	2246	2939	2833	27285
विली–ब्लैकवेल	946	773	405	600	831	647	538	583	481	2728	3192	3354	15078
कुल	**23941**	**19365**	**9505**	**15997**	**18994**	**16006**	**15751**	**14350**	**10630**	**23583**	**35743**	**36512**	**240377**

3.18 इनफीड रिमोट एक्सेस सिस्टमः केंद्रीय पुस्तकालय, इनफीड के माध्यम से बीबीएयू समुदाय को 13000 से अधिक ई–जर्नल्स (ओएनओएस के अंतर्गत) और हजारों ई–पुस्तकों (ओपन एक्सेस + सब्सक्रिप्शन) की रिमोट एक्सेस प्रदान करता है। इन ई–संसाधनों तक पहुँचने के लिए वेबसाइट https://idb.bbau.ac.in है, जो क्लाउड–आधारित सर्वर पर संचालित है। परिसर के बाहर से भी उपयोगकर्ता की आसान पहुँच के लिए ई–संसाधनों को इस वेबसाइट से जोड़ा गया है। 5230 उपयोगकर्ताओं को ई–संसाधनों तक 24X7 पहुँच के लिए ई–मेल के माध्यम से उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड प्रदान किए गए हैं। यह सेवा छात्रों और संकायों के लिए घर बैठे सब्सक्राइब्ड और ईएसएस/ओएनओएस ई–संसाधनों तक पहुँचने के लिए बहुत उपयोगी साबित हुई है।

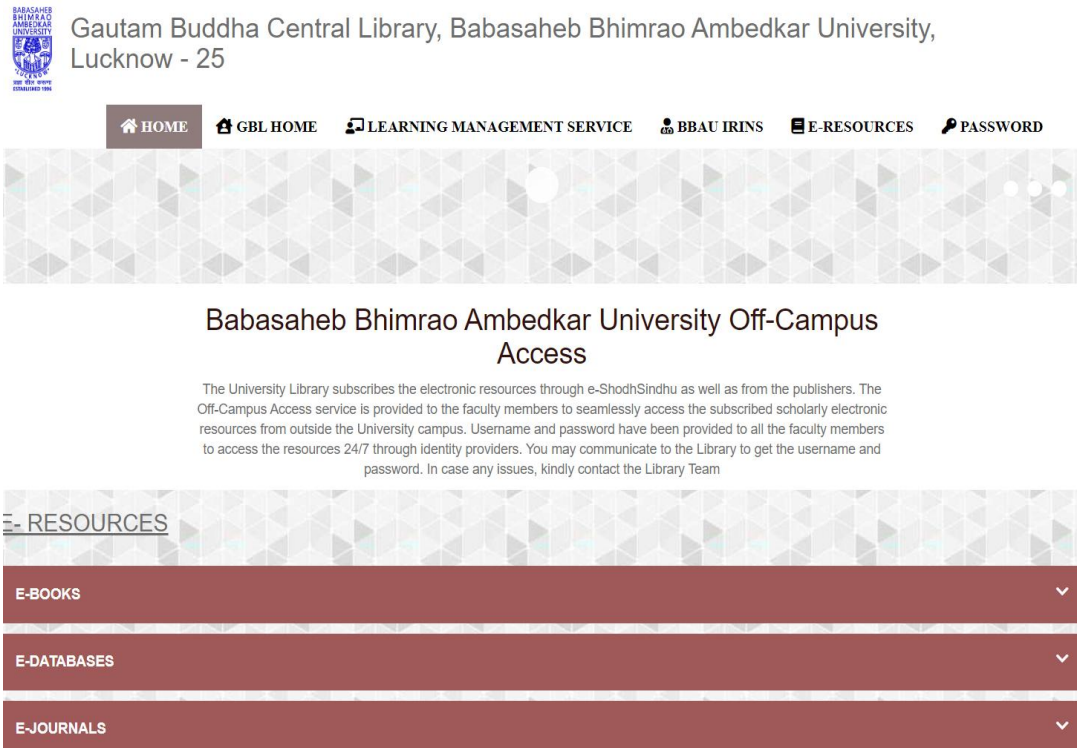

चित्र 17: इनफीड रिमोट एक्सेस वेबसाइट

4.0 ऑनलाइन ई–संसाधन

पुस्तकालय ई–शोधसिंधु और वर्तमान में ओएनओएस (वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन) के माध्यम से विश्वविद्यालय समुदाय को विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला एवं मानविकी, इंजीनियरिंग, विधि आदि जैसे विभिन्न विषयों में दो ग्रंथसूची डेटाबेस (तालिका–10) और 30 पूर्ण–पाठ ई–जर्नल डेटाबेस (तालिका–11) तक पहुँच प्रदान करता है। इस अवधि के दौरान, उपयोगकर्ताओं को लगभग 13236 पूर्ण–पाठ ई–जर्नल तक पहुँच प्रदान की गई है। पुस्तकालय के अन्य सब्सक्राइब्ड/खरीदे गए ई–संसाधन तालिका–12 में उल्लिखित हैं।

तालिका 10: ग्रंथसूची डेटाबेस

क्रम संख्या	ग्रंथसूची डेटाबेस का नाम
i.	औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान (आईएसआईडी) डेटाबेस
ii.	जे–गेट प्लस (जेसीसीसी)

तालिका 11: पूर्ण–पाठ ऑनलाइन डेटाबेस

क्रम संख्या	प्रकाशक (व्छवै)	पत्रिकाओं की संख्या	क्रम संख्या	प्रकाशक (व्छवै)	पत्रिकाओं की संख्या
1	एएएएस– विज्ञान	1	17	एमराल्ड पब्लिशिंग जर्नल्स	311
2	एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी	158	18	आईसीई पब्लिशिंग जर्नल्स	34
3	अमेरिकन केमिकल सोसाइटी जर्नल्स	90	19	आईईईई जर्नल्स	210
4	अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स (एआईएए) जर्नल्स	8	20	इंडियनजर्नल.कॉम	253
5	अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स जर्नल्स	28	21	इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स जर्नल्स	90
6	अमेरिकन मैथमैटिकल सोसाइटी जर्नल्स	9	22	लिपिनकॉट विलियम्स एंड विल्किंस (वोल्टर्स क्लूवर) जर्नल्स	305
7	अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी – सभी	15	23	ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस जर्नल्स	376
8	अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी जर्नल्स	16	24	प्रोजेक्ट म्यूज़	751
9	एनुअल रिव्यूज़ जर्नल्स	51	25	सेज पब्लिशिंग जर्नल्स	1097
10	एएससीई जर्नल्स ऑनलाइन	36	26	एसपीआईई डिजिटल लाइब्रेरी	16
11	एएसएमई जर्नल्स ऑनलाइन	38	27	स्प्रिंगर नेचर जर्नल्स	2404
12	बेंथम साइंस जर्नल्स	118	28	टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल्स	2548
13	बीएमजे जर्नल्स	36	29	थाइम जर्नल्स	47
14	कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस जर्नल्स	442	30	विली जर्नल्स	1333
15	कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लेबोरेटरी प्रेस जर्नल्स	8	31	सीएसआईआर–एनआईएससीपीआर (इंडियन ओपन एक्सेस सोसाइटी जर्नल्स)	18
16	एल्सेवियर साइंस डायरेक्ट जर्नल्स	2389	**कुल संख्या**		**13236**

तालिका 12: सब्सक्राइब्ड/खरीदे गए अन्य ई–संसाधन

क्रम संख्या	सदस्यता प्राप्त/खरीदे गए ई–संसाधनों का नाम	उपयोगकर्ताओं/ई–पुस्तकों की संख्या
1	आईथेनटिकेट एंटी प्लेगियरिज्म सॉफ्टवेयर	1000 यूजर्स
2	ई–पुस्तकें (सतत पहुँच)	2511
3	मनुपत्र	विधि डाटाबेस

5.0 वर्ष 2024–25 के लिए पुस्तकालय व्यय

केंद्रीय पुस्तकालय को विश्वविद्यालय से पुस्तक एवं पत्रिका बजट मद में 40.0 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई, जिसमें से पुस्तकालय द्वारा 40.95 लाख रुपये व्यय किए गए। व्यय का विस्तृत विवरण तालिका–14 में दिया गया है।

तालिका 13: वर्ष 2024–25 के लिए पुस्तकालय व्यय

क्र. सं.	वस्तुओं का नाम	व्यय (रुपये में)
i	पुस्तकें छापें	3434031
ii	पत्रिकाएँ और पत्रिकाएँ छापें	12650
iii	इनफीड रिमोट एक्सेस	49560
iv	आरएफआईडी कियोस्क को कोहा से जोड़ने वाला सॉफ़्टवेयर	24779
v	(एनबीएचएम अनुदान) के लिए पुस्तकें छापें	38900
vi	टर्निटिन–पीडीएस	535374
	कुल अनुमानित व्यय राशि	**4095294**

6.0 पुस्तकालय पर एक नज़र

वर्ष 2024–2025 के लिए पुस्तकालय पर एक नज़र निम्नलिखित तालिका–14 में दी गई है।

तालिका 14:वर्ष 2024–2025 के लिए पुस्तकालय पर एक नज़र

क्रम संख्या	वस्तुएँ	कुल	अनुभाग
1	मुद्रित पुस्तकें खरीदी गईं	2297	अधिग्रहण और तकनीकी अनुभाग
2	अमेठी सैटेलाइट सेंटर के लिए मुद्रित पुस्तकें खरीदी गईं	164	
3	ई–पुस्तकें खरीदी गईं	शून्य	
4	वर्ष में क्रय की गयी हिन्दी/संस्कृत पुस्तकों की संख्या	289	
5	निःशुल्क/दान द्वारा प्राप्त पुस्तकें	124	
6	पुस्तकों पर व्यय (रुपये में)	3205353	
7	अमेठी सैटेलाइट सेंटर के लिए पुस्तकों पर व्यय (रुपये में)	228678	
8	ई–संसाधनों (सतत पहुँच) पर व्यय (रुपये में)	शून्य	
9	प्राप्त दान की गई पुस्तकों का अनुमानित मूल्य (रुपये में)	312404	
10	तकनीकी रूप से संसाधित कुल दस्तावेज़ों की संख्या	3520	
11	पुस्तकालय में मुद्रित दस्तावेज़ों की कुल संख्या	72446	
12	पूर्ण–पाठ ऑनलाइन पत्रिकाएँ सुलभ	13236	आवधिक अनुभाग
13	ग्रंथसूची डेटाबेस	2	
14	प्रिंट जर्नल्स की सदस्यता ली गई	68	
15	प्रिंट समाचार पत्रों की सदस्यता ली गई	19	
16	प्रिंट पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई	25	
17	आवधिक अनुभाग में आगंतुकों की संख्या	13115	
18	समाचार पत्रों पर खर्च	36638	
19	संकाय प्रकाशन प्रदर्शित	156	
20	प्राप्त निःशुल्क/ उपहार स्वरूप प्राप्त पत्रिकाओं की संख्या	39	
21	प्रिंट पत्रिकाओं पर व्यय (रु. में)	12650	
22	पुस्तकालय के पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या	712	परिसंचरण अनुभाग
23	उपयोगकर्ताओं को जारी की गई पुस्तकें	18397	
24	पुस्तकालय में देखी गई पुस्तकों की संख्या	388676	
25	पुस्तकालय में देखी गई उपयोगकर्ताओं की संख्या	85698	

26	उपयोगकर्ताओं का नया पंजीकरण/तैयार किए गए स्मार्ट आईडी कार्ड	2497	
27	एकत्रित विविध शुल्क (रुपये में)	90892	
28	ड्रिलबिट पीडीएस में अपलोड किए गए दस्तावेज़	1889	साइबर अनुभाग
29	आईथेनटिकेट पीडीएस में अपलोड किए गए दस्तावेज़	4593	
30	ई–लाइब्रेरी अनुभाग में आगंतुकों की संख्या	13836	
31	साइबर अनुभाग में कंप्यूटरों की संख्या	12	
32	शोधगंगा पर अपलोड किए गए शोध–प्रबंधों की संख्या	602	
33	लाइब्रेरी वेबसाइट पर हिट्स की संख्या	18304	
34	उपयोगकर्ताओं को प्रदान किए गए रिमोट लॉगिन आईडी और पासवर्ड	5689	
35	ई–संसाधनों से डाउनलोड/प्रयुक्त लेखों/दस्तावेजों की संख्या	240377	
36	पुस्तकालय में प्राप्त शोध प्रबंध और शोध प्रबंध	235	थीसिस अनुभाग
37	प्रसंस्कृत शोध प्रबंध और शोध प्रबंध	89	
38	शोध प्रबंध अनुभाग में आगंतुक	503	
39	उपलब्ध शोध प्रबंधों की संख्या	935	
40	सूचना साक्षरता कार्यक्रम/वेबिनार/कार्यशाला आयोजित	5	अन्य
41	पुस्तकालय खुले दिनों की संख्या	271	
42	31/03/2024 तक पुस्तकों की कुल संख्या	72446	
43	उपयोगकर्ताओं की बैठने की क्षमता	400	

7.0 पुस्तकालय कर्मचारी

i. डॉ. सुनील गोरिया, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष–विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली का समग्र प्रशासन, पर्यवेक्षण और प्रबंधन, पुस्तकालय में आईसीटी का कार्यान्वयन, आदि।

ii. डॉ. ओम प्रकाश सैनी, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष–पुस्तकालय के अर्जन, आवधिक अनुभाग, संचलन अनुभाग, फोटोकॉपी सेवा, ब्रेल अनुभाग और रखरखाव के प्रभारी।

iii. श्री आर.के. गुप्ता, पुस्तकालयाध्यक्ष के निजी सचिव–पुस्तकालय कार्यालय और पुस्तकालय फाइलों के प्रबंधन से संबंधित सभी कार्य।

iv. श्री अमित कुमार वर्मा, व्यावसायिक सहायक–संचलन अनुभाग से संबंधित सभी कार्य, जैसे सदस्यता स्मार्ट आईडी कार्ड, संदर्भ सेवाएँ, और आरएफआईडी सिस्टम संचालन आदि।

v. श्रीमती रीना कुमारी, पुस्तकालय सहायक–अर्जन और तकनीकी प्रसंस्करण में सहायता।

vi. श्रीमती अविनाश कौर, पुस्तकालय सहायक–पुस्तकों का रखरखाव और प्राधिकरण द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य।

vii. श्रीमती सतविंदर कौर, पुस्तकालय सहायक–संचलन अनुभाग की सभी गतिविधियों में सहायता।

viii. श्री दया शंकर, पुस्तकालय परिचारक–पुस्तकों का प्रतिस्थापन।

ix. श्रीमती सुनीता, एमटीएस

8.0 प्रकाशन/सदस्यता

i. गोरिया, सुनील। सरकारी पुस्तकालय अनुभाग के स्थायी समिति सदस्य, द्वितीय कार्यकालः 2024–2027, अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकालय संघ एवं संस्थाएँ महासंघ (आईएफएलए)। नीदरलैंड।

ii. सैनी, ओ. पी. (2024)। रंगनाथन'स फाइव लॉ' इन चेंजिंग सिनॉरियो. लाइब्रेरी हेराल्ड. खंड 62 (जून–सितंबर, 2024)। आईएसएसएनः 0976–2469।

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ 10.01. 1996 को अस्तित्व में आया (भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग की अधिसूचना संख्या 8–16/भारत सरकार/डेस्क/यू–1 दिनांक 05.01.1996 देखें) जिसे संसद द्वारा 1994 में पारित एक अधिनियम द्वारा लागू किया गया था। वास्तुकला, इंजीनियरिंग, परियोजना प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों में अपनी पेशेवर विशेषज्ञता और भवन निर्माण एवं रखरखाव के व्यापक अनुभव के माध्यम से, इंजीनियरिंग अनुभाग विश्वविद्यालय की स्थापना से ही सेवा प्रदान कर रहा है और विश्वविद्यालय के कठिन एवं चुनौतीपूर्ण स्थानों पर विभिन्न प्रकार के कार्यों को अंजाम दिया है। अब यह एक व्यापक निर्माण प्रबंधन विभाग के रूप में विकसित हो गया है, जो परियोजना की अवधारणा से लेकर उसके पूरा होने और रखरखाव प्रबंधन तक की सेवाएँ प्रदान करता है।

1. कार्यः

i. विश्वविद्यालय निर्माण विभाग, भवन परियोजनाओं, सड़कों आदि के निष्पादन के लिए ई–निविदा और कोटेशन आमंत्रित करके और केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की निर्माण एजेंसियों के साथ पत्राचार करके विश्वविद्यालय परिसर में नई परियोजनाओं की योजना एवं निर्माण तथा रखरखाव कार्यों पर कार्य करता है।

ii. विश्वविद्यालय निर्माण विभाग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/शिक्षा मंत्रालय तथा भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के अन्य मंत्रालयों से अनुदान प्राप्त करने के लिए बजटीय प्रस्ताव तैयार करता है।

iii. आवश्यकता के आधार पर, समय–समय पर यूडब्ल्यूडी (इंजीनियरिंग अनुभाग) द्वारा सिविल एवं विद्युत संबंधी रखरखाव कार्य किए जाते हैं।

iv. विश्वविद्यालय परिसर के शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं आवासों को जलापूर्ति भूमिगत जल लाइन नेटवर्क के साथ ओएचटी एवं यूजीटी के माध्यम से की जाती है और इसी प्रकार, विश्वविद्यालय भवनों/परिसर की विद्युत आपूर्ति 03 विश्वविद्यालय विद्युत उप–स्टेशनों के माध्यम से की जाती है।

v. विश्वविद्यालय निर्माण विभाग समितियों की विभिन्न बैठकों की सूचना देता है और विश्वविद्यालय की वैधानिक समितियों, अर्थात् भवन समिति एवं अन्य के लिए एजेंडा एवं कार्यवृत्त तैयार करता है।

ये सभी उपलब्धियाँ इंजीनियरिंग अनुभाग में अत्यंत सीमित कर्मचारियों के साथ प्राप्त की गईं।

2. अधिकारी/कर्मचारी का विवरणः

क्रम संख्या	नाम	पदनाम
1.	प्रतीक कुमार	अधिशासी अभियंता
2.	विशाल सिंह	सहायक अभियंता (विद्युत)
3.	बी.एस. सैनी	अनुभाग अधिकारी
4.	धर्मेश कुमार	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
5.	विनय कुमार अवस्थी	इलेक्ट्रीशियन
6.	पवन मिश्रा	पंप ऑपरेटर
7.	आदर्श सक्सेना	इलेक्ट्रीशियन

3. वित्तीय वर्ष 2024–25 में विश्वविद्यालय निर्माण विभाग द्वारा किए गए विभिन्न कार्यः–

i. बीबीएयू में मुख्य सड़क के किनारे खेल मैदान और गेट संख्या 02 पर ए टाइप से गेट संख्या 2 तक जल बिंदु का निर्माण।
ii. बीबीएयू परिसर लखनऊ सीडब्ल्यूआर के विभिन्न भवनों में सीडब्ल्यूआर और जल भंडारण टैंक की सफाई।
iii. बीबीएयू के गेस्ट हाउस में एएल विभाजन दरवाजे और खिड़कियां।
iv. बीबीएयू लखनऊ में संघमित्रा गर्ल्स हॉस्टल न्यू अशोका में क्षतिग्रस्त अलमारी शटर को डब्ल्यूपीसी बोर्ड से बदलना और अशोका बॉयज हॉस्टल में डब्ल्यूपीसी फ्लश डोर शटर को बदलना। यशोधरा आदि में क्षतिग्रस्त फ्लश डोर शटर और डब्ल्यूपीसी डोर शटर को बदलना।
v. बीबीएयू लखनऊ की केंद्रीय जल आपूर्ति में स्लुइस वाल्व और एयर वैल्यू को नए से बदलना।
vi. एसबीबीटी चरण 3 के सामने सड़क के किनारे इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक पिचिंग का निर्माण।
vii. लिफ्ट, डीजी सेट, सेंट्रलाइज्ड एसी प्लांट, रूफटॉप आरओ और वाटर कूलर का वार्षिक रखरखाव अनुबंध।
viii. विविध छोटे–मोटे कार्य जो रखरखाव प्रकृति के हैं।

4. उपलब्ध बुनियादी ढाँचाः

संस्थान में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और ऊर्जा संरक्षण उपायों के लिए सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

सौर ऊर्जा

विश्वविद्यालय ने मेसर्स क्लीनमैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस के साथ 25 वर्षों के लिए एक समझौता ज्ञापन/पीपीए (बिजली खरीद समझौता) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अंतर्गत भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) द्वारा जारी बोली/निविदा के विजेता के रूप में किया गया था। यह समझौता ''भारत के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सरकारी भवनों के लिए पूंजीगत व्यय/रेस्को मॉडल के अंतर्गत 1000 मेगावाट ग्रिड से जुड़े सौर पीवी सिस्टम योजना के कार्यान्वयन'' के लिए किया गया था। यह समझौता आरएफएस संख्याःएसईसीआई/सीएंडपी/एमएनआरई/1000 मेगावाट आरटी/इंड/122016 दिनांकः 09–12–2016 के तहत प्रतिस्पर्धी बोली के अनुसार किया गया था।

एसईसी/एमएनआरई की इस योजना के तहत, विश्वविद्यालय ने रेस्को मॉडल के लाभों का उपयोग किया, जहां सौर विकिरण द्वारा बिजली उत्पादन की सीमा का जोखिम कम किया गया और साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा कोई अग्रिम पूंजीगत व्यय करने की आवश्यकता नहीं थी।

पूरी परियोजना लागत पूरी तरह से डेवलपर यानी मेसर्स क्लीनमैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस द्वारा वहन की गई थी और विश्वविद्यालय को इन सौर संयंत्रों से उत्पन्न सौर इकाइयों के लिए पीपीए (बिजली खरीद समझौते) के आधार पर 3.91 रुपये प्रति यूनिट की दर से 25 वर्षों के लिए भुगतान करना था। 25 वर्षों के बाद, संयंत्र बिना किसी अतिरिक्त व्यय के पूरी तरह से विश्वविद्यालय को सौंप दिया जाएगा।

संयंत्र का मुख्य विवरण

i.	विश्वविद्यालय द्वारा किया गया पूंजीगत व्ययः	शून्य
ii.	कार्यान्वयन का तरीकाः	रेस्को मॉडल
iii.	परियोजना लागतः	4.5 करोड़ (लगभग)

iv.	कुल रूफटॉप सौर क्षेत्रः	7500 वर्ग मीटर
v.	स्थापित क्षमताः	750 किलोवाट घंटा
vi.	प्रयुक्त छतों की संख्याः	9 छतें और 2 पार्किंग क्षेत्र
vii.	सौर मॉड्यूलः	2300 (निर्माता – अदानी)
viii.	इन्वर्टरः	18 (निर्माता – डेल्टा)
ix.	डिज़ाइन किया गया नाममात्र उत्पादनः	3000 यूनिट/दिन (लगभग)
x.	सेसी से सब्सिडीः	कुल परियोजना लागत का 30%
xi.	डिज़ाइन किया गया वार्षिक उत्पादनः	10,31,250 किलोवाट घंटा
xii.	उत्पादन की मूल्यह्रास दरः	1.0% प्रति वर्ष
xiii.	ओ एंड एम सहित परियोजना लागत वसूली अवधिः	25 वर्ष

भवनवार सौर पीवी स्थापना विवरण

भवन	कुल स्थापित क्षमता (किलोवाट पावर पॉइंट में)	सौर संयंत्र द्वारा कवर किया गया कुल क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)
चित्रलेखा छात्रावास	31.2	315
यशोधरा छात्रावास	31.2	315
संघमित्रा छात्रावास	101.4	1000
अशोक छात्रावास	50.7	510
एसबीबीटी 1	50.7	510
एसबीबीटी 3	62.4	625
विधि अध्ययन	50.7	510
केंद्रीय पुस्तकालय	71.5	715
यूआईईटी	50.7	510
कार पार्क–पुस्तकालय	118.625	1200
कार पार्क–सभागार	128.375	1300
कुल	**747.5**	**7510**

वित्तीय वर्षवार ऊर्जा/मौद्रिक बचत और स्वच्छ ऊर्जा उपयोग

क्रमांक	वित्तीय वर्ष	कार्य दिवस	उत्पन्न/बचत ऊर्जा	प्रत्यक्ष मौद्रिक बचत
1.	2018– 2019	151*	3,03,660.2* KWH (Units) ** परिचालन की तिथि से अर्थात अक्टूबर 2018 के बाद*	Rs.14,18,093.13*
2.	2019– 2020	365	9,93,799.08 KWH (Units)	Rs. 46,39,781.22
3.	2020–2021	365	9,48,768.53KWH (Units)	Rs. 66,57,053.10
4.	2021–2022	365	9,87,447.22 KWH (Units)	Rs. 63,99,064.33
5.	2022–2023	305	7,77,556.72 KWH (Units) **अप्रैल 2022 से 30 जनवरी 2023 तक*	Rs. 39,52,339.28 ** अप्रैल 2022 से 30 जनवरी 2023 तक*

सेंसर–आधारित ऊर्जा संरक्षण

स्थापित सेंसर–आधारित ऊर्जा संरक्षण फिटिंग की कुल संख्या – 65

क्रमांक	फिटिंग का प्रकार	खरीदी गई एलईडी की संख्या	प्रत्येक एलईडी फिटिंग की वाट क्षमता	प्रत्येक पारंपरिक ट्यूब लाइट की वाट क्षमता	एलईडी फिटिंग द्वारा बिजली की बचत (वाट में)	चलने के घंटों की संख्या	कुल बिजली बचत (वाट में)
1	एलईडी ट्यूब लाइट फिटिंग	65	12	70	58	10	37,700.00
				कुल ऊर्जा बचत (वाट घंटा/दिन में)			**37,700.00**

उपरोक्त आँकड़ों के आधार पर, प्राप्त वार्षिक मौद्रिक बचत नीचे उल्लिखित गणनाओं के अनुसार है:

- प्रति वर्ष कुल ऊर्जा बचत – 37,700.00 वाट घंटा
- प्रति वर्ष ऊर्जा बचत – 37700X365 = 13760500 वाट घंटा = 13760.5 यूनिट
- वार्षिक मौद्रिक बचत – 13760.5 यूनिटX ₹10/यूनिट = ₹137605.00 प्रति वर्ष (लगभग)

एलईडी बल्बों/ऊर्जा कुशल उपकरणों का उपयोग

विश्वविद्यालय ने पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था के स्थान पर एलईडी लाइटों का उपयोग करने की पहल की है। एलईडी लाइटों के कई फायदे हैं, जैसे कि उनकी लंबी उम्र और ऊर्जा दक्षता। नीचे दिए गए आँकड़े इस प्रकार हैं:

क्रमांक	फिटिंग का प्रकार	खरीदी गई एलईडी की संख्या	प्रत्येक एलईडी फिटिंग की वाट क्षमता	प्रत्येक पारंपरिक ट्यूब लाइट की वाट क्षमता	एलईडी फिटिंग द्वारा बिजली की बचत (वाट में)	चलने के घंटों की संख्या	कुल बिजली बचत (वाट में)
i.	एलईडी ट्यूब लाइट फिटिंग	1000	20	40	20	12	2,40,000
ii.	एलईडी स्ट्रीट लाइट	150	70	150	80	10	1,20,000
iii.	एलईडी पैनल लाइट	30	36	3X36=108	72	12	25,920
iv.	एलईडी बल्ब	100	9	100	91	12	1,09,200
				कुल ऊर्जा बचत (वाट घंटा/दिन में)			**4,95,120**

उपरोक्त आँकड़ों के आधार पर, प्राप्त वार्षिक मौद्रिक बचत नीचे उल्लिखित गणनाओं के अनुसार है:

- प्रति वर्ष कुल ऊर्जा बचत–495120.00 वाट घंटा/दिन
- प्रति वर्ष ऊर्जा बचत–495120.00X365=180718800 वाट घंटा=180719.00 यूनिट (लगभग)
- वार्षिक मौद्रिक बचत–180719.00 यूनिटX ₹10/यूनिट=₹1807190.00 प्रति वर्ष (लगभग)

संस्थान में उपलब्ध जल संरक्षण सुविधाएँ:

1. वर्षा जल संचयन

विश्वविद्यालय का क्षेत्रफल 10,15,586.94 वर्ग मीटर (251 एकड़) है, जिसमें सड़कों और पैदल मार्गों को छोड़कर कुल निर्मित क्षेत्रफल 34973.15 वर्ग मीटर (8.64 एकड़) है। हरी–भरी वनस्पतियाँ और विशाल खुली भूमि विश्वविद्यालय परिसर में वर्षा जल के अच्छे जल–निक्षेपण में सहायक हैं। विश्वविद्यालय में तीन छतों पर वर्षा जल संचयन प्रणालियाँ भी स्थापित की गई हैं। ये सभी प्रणालियाँ विश्वविद्यालय में भूजल पुनर्भरण में सहायक हैं।

विश्वविद्यालय में तीन छत वर्षा जल संचयन प्रणालियाँ (आरडब्ल्यूएच) स्थापित की गईं

i. एसईएस भवन के पीछे
ii. एसबीबीटी चरण 2 भवन
iii. अम्बेडकर भवन के पीछे

कुल वार्षिक वर्षाः 896 मिमी/वर्ष **कुल क्षेत्रफलः** 1015586.94 वर्ग मीटर (251 एकड़) भवनों का निर्मित **क्षेत्रफलः** 34973.15 वर्ग मीटर सड़कों का निर्मित **क्षेत्रफलः** 88083.96 वर्ग मीटर
सड़कों और फुटपाथों सहित निर्मित क्षेत्रफलः 34973.15 वर्ग मीटर+88083.96 वर्ग मीटर=123057.11 वर्ग मीटर सड़कों और फुटपाथों सहित निर्मित क्षेत्रफल का कुल जलग्रहण क्षेत्रफलः 123057.11 वर्ग मीटर सड़कों और फुटपाथों सहित निर्मित क्षेत्रफल से अपवाह=110259 वर्ग मीटर
जलग्रहण क्षेत्र में जल की कुल मात्राः 1015586.94 वर्ग मीटर×896 मिमी=909966 वर्ग मीटर अपवाह नाली में मिलने वाले जल की मात्राः 110259 एम3
बिना पक्की सतह के माध्यम से पुनर्भरण के लिए उपलब्ध जल की मात्राः (909966 एम3–110259 एम3) = 799707 एम3 प्रति वर्ष

2. परिसर में जल निकायों और वितरण प्रणाली का रखरखाव

बीबीएयू में जल की आवश्यकताएँ परिसर में स्थित गहरे कुओं से प्राप्त भूजल स्रोतों से पूरी होती हैं। भूजल 19.80 लाख लीटर क्षमता वाले भूमिगत जलाशय में संग्रहित किया जाता है और फिर 10 लाख लीटर क्षमता वाले ओवरहेड टैंक (ओएचटी) में पहुँचाया जाता है। यह जल अन्य सभी प्रशासनिक और आवासीय भवनों को आपूर्ति किया जा रहा है। कई शैक्षणिक भवनों के अपने ओएचटी हैं। विश्वविद्यालय परिसर में, विश्वविद्यालय के विकास के प्रारंभिक चरण के दौरान छोटे पंप भी लगाए गए हैं। सभी ओएचटी की सूची और स्थापित पंपों की वर्तमान स्थिति तालिका 1 में नीचे दी गई है।

तालिका 1: बीबीएयू परिसर में ओएचटी की सूची और उनकी क्षमता

ओएचटी का स्थान	टैंकों की संख्या	क्षमता	कुल क्षमता (लीटर में)
मुख्य ओएचटी	1	1000000 लीटर	1000000
एसईएस	2	5000 लीटर	10000
एसएएस	1	1000 लीटर	1000
	1	500 लीटर	500
	1	2000 लीटर	2000
	2	5000 लीटर	10000
विधि अध्ययन	19	1000 लीटर	19000
	2	5000 लीटर	10000

आरसीए	2	500 लीटर	1000
	10	1000 लीटर	10000
कनिष्क छात्रावास	2	2500 लीटर	5000
	5	1000 लीटर	5000
	8	3000 लीटर	24000
कैंटीन	3	500 लीटर	1500
पुस्तकालय	2	5000 लीटर	1000
अशोक छात्रावास	8	3000 लीटर	24000
	4	1000 लीटर	4000
	2	2500 लीटर	5000
अशोक विस्तार	20	2000 लीटर	40000
	1	1000 लीटर	1000
सिद्धार्थ छात्रावास	13	1000 लीटर	13000
	2	500 लीटर	1000
स्वास्थ्य केंद्र	8	500 लीटर	4000
	2	1000 लीटर	2000
यूआईईटी	3	1000 लीटर	3000
	1	500 लीटर	500
	3	2000 लीटर	6000
एसबीबीटी–I	5	5000 लीटर	25000
	4	2000 लीटर	8000
एसबीबीटी–II	12	2000 लीटर	24000
एसबीबीटी–III	1	2500 लीटर	2500
	1	1000 लीटर	1000
	12	2000 लीटर	24000
सभागार	1	1000 लीटर	1000
	4	2000 लीटर	8000
पुराना प्रशासनिक ब्लॉक	1	1000 लीटर	1000
पुराना प्रशासनिक ब्लॉक (बैंक)	1	500 लीटर	500
आरसीए छात्रावास	13	1000 लीटर	13000
	2	500 लीटर	1000
चित्रलेखा बालिका छात्रावास	6	500 लीटर	3000
	8	1000 लीटर	8000
यशोधरा बालिका छात्रावास	5	5000 लीटर	25000
	2	1000 लीटर	2000
	3	2000 लीटर	6000
	1	200 लीटर	200
संघमित्रा बालिका छात्रावास	4	5000 लीटर	20000
	1	1000 लीटर	1000
	2	3000 लीटर	6000
	1	2000 लीटर	2000
पालन गृह	2	500 लीटर	1000

	1	1000 लीटर	1000
कुलपति आवास	4	200 लीटर	800
	1	2000 लीटर	2000
टाइप ए–1	6	200 लीटर	1200
	6	1000 लीटर	6000
टाइप ए–2	6	200 लीटर	1200
	6	1000 लीटर	6000
अतिथि गृह	5	500 लीटर	2500
	3	150 लीटर	450
	1	1000 लीटर	1000
सांख्यिकी	4	500 लीटर	2000
टाइप सी–1	16	500 लीटर	8000
टाइप सी–2	16	500 लीटर	8000
टाइप बी–1	16	1000 लीटर	16000
टाइप बी–2	16	1000 लीटर	16000
जीबीएस	1	200 लीटर	200
अभियंत्रण अनुभाग	1	500 लीटर	500
कुल			**1461550 लीटर**

विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित ट्रांसफार्मरों का विवरणः

क्रम संख्या	सबस्टेशन का नाम	संख्या
i.	सबस्टेशन संख्या 1 – 1250 केवीए	01
ii.	सबस्टेशन संख्या 2 – 1250 केवीए	01
iii.	सबस्टेशन संख्या 3 – 1250 केवीए	02
	कुल स्थापित क्षमताः	**5 एमवीए**

विश्वविद्यालय परिसर में डी.जी. सेट का विवरणः

क्रम संख्या	सबस्टेशन का नाम	संख्या
i.	5 के.वी.ए	एसएएस बिल्डिंग पोर्टेबल जेनरेटर
ii.	5 के.वी.ए	एसईएस बिल्डिंग पोर्टेबल जेनरेटर
iii.	20 के.वी.ए	विश्वविद्यालय अतिथि गृह
iv.	20 के.वी.ए	कुलपति निवास
v.	62.5 के.वी.ए	पुराना प्रशासनिक भवन
vi.	200 के.वी.ए	अटल बिहारी वाजपेयी सभागार
vii.	250 के.वी.ए	गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय
viii.	20 के.वी.ए	एसईएस सम्मेलन कक्ष
ix.	61.5 के.वी.ए	एसबीबीटी चरण–1
x.	320 के.वी.ए	अंबेडकर भवन

विश्वविद्यालय परिसर में पंप सेटों का विवरणः

क्रम संख्या	पंप सेट का प्रकार	स्थापित स्थान	संख्या
i.	50 अश्वशक्ति (3 फेज़ सबमर्सिबल पंप)	भूमिगत जलाशय	**03**

ii.	20 अश्वशक्ति (3 फेज़ सबमर्सिबल पंप)	सी.डब्ल्यू.आर. के पास,	**04**
iii.	10 अश्वशक्ति (3 फेज़ सबमर्सिबल बूस्टर पंप)	टाइप–बी आवास के पास,	**02**
iv.	03 अश्वशक्ति (3 फेज़ सबमर्सिबल पंप)	यशोधरा छात्रावास	**01**
v.	02 अश्वशक्ति (1 फेज़ सबमर्सिबल पंप)	टाइप–बी आवास और टाइप–बी आवास	**02**
vi.	02 अश्वशक्ति (1 फेज़ मोनोब्लॉक बूस्टर पंप)	विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय	**01**
vii.	02 / 1.5 अश्वशक्ति (1 फेज़ सबमर्सिबल पंप)	संघमित्रा छात्रावास–1, कुलपति शिविर कार्यालय, अतिथि गृह, आम उद्यान (बागवानी) और यूएसआईसी	**05**
		कुल स्थापित क्षमता:	**303 एचपी (लगभग)**

लिफ्टों का विवरण और उनके स्थान

क्रम संख्या	संख्या	स्थापित स्थान
i.	06 (जॉनसन लिफ्ट)	अंबेडकर भवन
ii.	01 (जॉनसन लिफ्ट)	एसबीबीटी फेज–2
iii.	02 (ओटीआईएस)	गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय

विश्वविद्यालय परिसर में आरओ संयंत्र का विवरण

क्रम संख्या	स्थान	शुद्धिकरण क्षमता (एलपीएच)
i.	अशोका पुरूष छात्रावास	500
ii.	सिद्धार्थ पुरूष छात्रावास	500
iii.	यशोधरा महिला छात्रावास	500
iv.	संघमित्रा महिला छात्रावास	500
v.	चित्रलेखा महिला छात्रावास	500
	कुल क्षमता (एलपीएच)	3000

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र सभी छात्रों, प्रशासनिक कर्मचारियों, आश्रितों सहित संकाय सदस्यों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों के साथ–साथ विश्वविद्यालय के संविदा कर्मचारियों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सेवाएँ 2005 में शुरू हुईं और प्रशासनिक ब्लॉक में स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए एक चिकित्सा पेशेवर की नियुक्ति की गई। छात्रों और कर्मचारियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, एक समर्पित अलग भवन का निर्माण किया गया, जो 2013 में चालू हो गया। बाद में, स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए वर्ष 2014 और 2022 में दो चिकित्सा अधिकारियों, डॉ. (मेजर) विकास श्रीवास्तव और डॉ. हर्षिता सिंह की नियुक्ति की गई। वर्तमान में, यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार औषधालय की व्यवस्था की जा रही है।

स्थान

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र विद्या विहार परिसर में गेट संख्या 3 के पास स्थित है।

कर्मचारी

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में निम्नलिखित कर्मचारी कार्यरत हैं:–

1. डॉ. (मेजर) विकास श्रीवास्तव – मुख्य चिकित्सा अधिकारी
2. डॉ. हर्षिता सिंह – चिकित्सा अधिकारी

आउटसोर्सिंग एजेंसी द्वारा निम्नलिखित अतिरिक्त कर्मचारी उपलब्ध कराए गए हैं:–

1. फिजियोथेरेपिस्ट – 01
2. नर्स – 03
3. फार्मासिस्ट – 01
4. चिकित्सा परिचारक – 03
5. सफाईवाला – 01
6. मल्टीटास्किंग स्टाफ (आधा दिन) – 01

सेवाएँ

निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान की जाती हैं:–

i. **ओ.पी.डी. सेवाएँ–** डॉक्टर अपने कार्य–समय के अनुसार हमेशा उपलब्ध रहते हैं। ज़रूरतमंद मरीज़ परामर्श और उपचार के लिए आ सकते हैं।

ओ.पी.डी. समय –

सुबह ओ.पी.डी. – सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

शाम ओ.पी.डी.– दोपहर 1:30 बजे से शाम 7रू30 बजे तक (सोमवार से शनिवार)

रविवार को स्वास्थ्य केंद्र बंद रहता है।

ii. **आपातकालीन सेवाएँ–**किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी कार्य दिवसों में एक योग्य और अनुभवी पैरामेडिकल स्टाफ़ हमेशा उपलब्ध रहता है। एम्बुलेंस अनुभाग के अंतर्गत एक

एम्बुलेंस वाहन और एक एम्बुलेंस चालक उपलब्ध रहते हैं ताकि मरीज़ों को जल्दी से जल्दी बाहर निकाला जा सके और निकटतम सरकारी अस्पताल तक सुरक्षित पहुँचाया जा सके।

iii. **दवाइयाँ–** सभी मरीज़ों को दवाइयाँ निःशुल्क वितरित की जाती हैं और प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से प्राप्त की जाती हैं। विभिन्न सामान्य बीमारियों के लिए केवल बुनियादी दवाइयाँ ही उपलब्ध हैं। विशेष दवाओं के लिए, रोगी को विशेषज्ञ के परामर्श से उच्चतर केंद्रों से दवाएँ प्राप्त करनी पड़ सकती हैं।

iv. **निरोध कक्ष–** स्वास्थ्य केंद्र उन रोगियों को निरोधित करने की सुविधा भी प्रदान करता है जिन्हें अल्पावधि के लिए निगरानी की आवश्यकता होती है।

v. **रेफरल प्रणाली –** जिन रोगियों को भर्ती/जांच/विशेष उपचार की आवश्यकता होती है, उन्हें अधिकृत उच्चतर केंद्रों में रेफर किया जाता है।

vi. **दूरसंचार प्रणाली–** आपातकालीन और एम्बुलेंस सेवाओं के लिए संपर्क करने हेतु एक केंद्रीय लैंडलाइन उपलब्ध है– 9450876853

vii. **शिविरों का आयोजन–** स्वास्थ्य केंद्र समय–समय पर विभिन्न रक्तदान शिविरों और स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहता है। स्वास्थ्य केंद्र जिला प्रशासन के साथ मिलकर अपने कर्मचारियों, छात्रों और आसपास के निवासियों के लिए आरटीपीसीआर परीक्षण के साथ–साथ कोविड–19 टीकाकरण शिविर भी आयोजित करता है।

- स्वास्थ्य शिविर (टेंडर पाम अस्पताल)–13/04/2024
- स्वास्थ्य शिविर (मनोचिकित्सा)–28/04/2024
- रक्तदान शिविर (एसजीपीजीआईएमएस)–30/07/2024
- स्वास्थ्य शिविर (हड्डी एवं स्त्री रोग)–23/08/2024
- स्वास्थ्य जागरूकता शिविर (वेल्सुनसिटी)–18/10/2024
- स्वास्थ्य शिविर (मेदांता)–21/02/2024

viii. नियमित ओ.पी.डी. और आपातकालीन सेवाओं के अलावा, हम अपने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न खेल आयोजनों, सेमिनारों और संगोष्ठियों के दौरान सभी प्रतिभागियों और अतिथियों को स्वास्थ्य सेवाएँ भी प्रदान करते हैं।

ix. डॉक्टर प्राथमिक चिकित्सा, आईएमओवाई, एनीमिया पर जागरूकता अभियान चलाकर, आस–पास के गाँवों का दौरा करके और समय–समय पर विभिन्न विभागों, एनसीसी और एनएसएस के साथ मिलकर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करके सामुदायिक सेवाओं में भी शामिल होते हैं।

x. एक फिजियोथेरेपी कक्ष स्थापित किया गया है जहाँ एक योग्य फिजियोथेरेपिस्ट चिकित्सीय और पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करता है।

xi. चिकित्सा प्रतिपूर्ति– चिकित्सा प्रतिपूर्ति सीएसएमए नियमों के अनुसार की जाती है।

xii. विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के साथ–साथ स्वास्थ्य केंद्र परिसर में योगा वेलनेस सेंटर जैसी वैकल्पिक चिकित्सा भी संचालित होती है।

xiii. मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास श्रीवास्तव के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप विभिन्न बड़े सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- टेंडर पाम सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के साथ समझौता ज्ञापन – 10/10/2024
- वेलिसन मेडिसिटी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के साथ समझौता ज्ञापन – 10/10/2024
- मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के साथ समझौता ज्ञापन – 13/11/2024

- मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के साथ समझौता ज्ञापन – 30/01/2025

xiv. बीबीएयू स्वास्थ्य केंद्र को समय–समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करने और सामुदायिक सेवाओं में योगदान देने के लिए एसजीपीजीआईएमएस ब्लड बैंक द्वारा मान्यता दी गई थी।



उद्देश्य–

हमारा मूल लक्ष्य विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र की एक ही छत के नीचे सभी चिकित्सा अर्थात सभी निवारक और चिकित्सीय सुविधाओं के साथ–साथ वैकल्पिक दवाएं उपलब्ध कराना है।

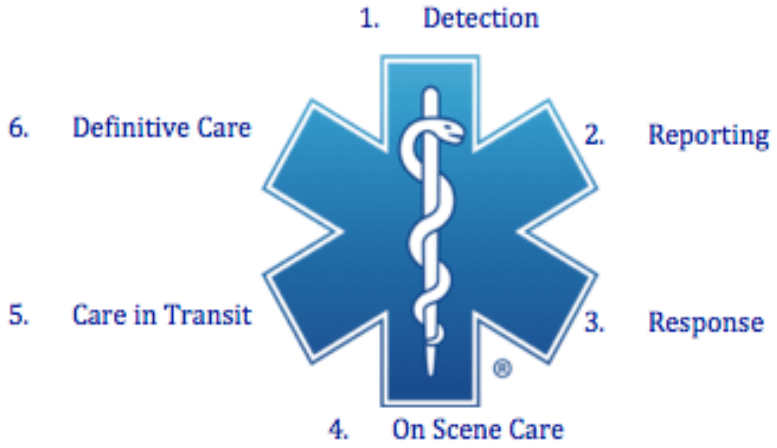

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र



ओ.पी.डी. सेवाएं

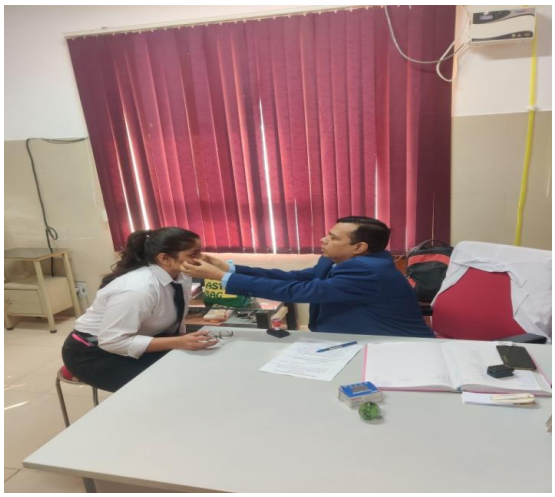





निरोध कक्ष



एम्बुलेंस सेवाएं



टेंडरपाम अस्पताल द्वारा 13/04/2024 को स्वास्थ्य शिविर





डॉ. ज़ैन, मनोचिकित्सक द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर व्याख्यान (28/04/2024)





ओस्टियोगाइनेक क्लिनिक द्वारा स्वास्थ्य शिविर (23/08/2024)





वेलसन सिटी हॉस्पिटल द्वारा स्वास्थ्य शिविर (18/10/2024)



एसजीपीजीआई के साथ रक्तदान शिविर (30/07/2024)





मेदांता अस्पताल द्वारा स्वास्थ्य शिविर (21/02/2025)





सीपीआर प्रशिक्षण





मैक्स सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के साथ समझौता ज्ञापन (30/01/2025)



हिन्दी प्रकोष्ठ

हिंदी प्रकोष्ठ का गठन संवैधानिक प्रावधानों एवं राजभाषा अधिनियम 1963 व राजभाषा नियम 1976 के तहत राजभाषा संबंधी प्रावधानों को लागू करने के लिए भारत सरकार के प्रत्येक विभागों, कार्यालयों, स्वायत्तर संस्थानों एवं उपक्रमों में अनिवार्य है। राजभाषा के इसी प्रावधान के अनुपालन में भारत सरकार ने प्रत्येक केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में हिंदी प्रकोष्ठ का गठन किया गया है।

विश्वविद्यालय में हिंदी प्रकोष्ठ् का गठन राजभाषा नीति के अनुपालन एवं राजभाषा के संबंध में भारत सरकार के आदेशों को लागू करने के उद्देश्य से किया गया है। इस दिशा में हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं। जैसे–

- हिंदी पत्राचार के प्रतिशत को बढ़ाना
- राजाभाषा अधिनियम 1963 के धारा 3(3) का अनुपालन।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक।
- तिमाही हिंदी कार्यशाला, गोष्ठी का आयोजन।
- राजभाषा विभाग को तिमाही प्रगति रिपोर्ट का ऑनलाइन प्रेषण।
- हिंदी में कार्य को बढ़ावा देने के लिए कम्प्यूटरों पर यूनिकोड को इंस्टाल करना।
- हिंदीत्तर भाषी कर्मी को हिंदी प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

हिन्दी प्रकोष्ठ–

1.	सहायक निदेशक (राजभाषा)	डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव
2.	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी	श्रीमती सन्ध्या दीक्षित
3.	हिन्दी टंकक	रिक्त पद

1.हिन्दी प्रकोष्ठ की नवीनतम गतिविधियां

i. विभागीय राजभाषा समिति की बैठक का नियमित आयोजन ।
ii. इसके साथ ही विश्वविद्यालय में राजभाषा अधिनियम एवं नियम का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु सभी विभागों को आदेश जारी करना एवं इसके अनुपालन हेतु प्रयास करना।
iii. विश्वविद्यालय की हिन्दी प्रगति की तिमाही प्रगति रिपोर्ट मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं राजभाषा विभाग को नियमित रूप से क्रमशः डाक एवं ऑनलाइन नियमित रूप से भेजा जाना।
iv. कार्यशाला/गोष्ठी का नियमित आयोजन होता है।
v. ई–मेल के माध्यम से यूनीकोड का लिंक भेजकर विश्वविद्यालय के समस्त विभागों/ अनुभागों के कम्प्यूटरों पर यूनीकोड संस्थापन सुनिश्चित किया जाना। http://www.bhashaindia.com/ilit/HindiPreInstall.aspx
vi. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में सक्रिय भागीदारी।
vii. दैनिक कार्यो में प्रशासनिक शब्दों के उपयोग हेतु ई–मेल के माध्यम से सरल शब्दावली का समस्त विभागों/अनुभागो में प्रेषण किया गया।
viii. प्रतिवर्ष हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन करना।
ix. हिंदीत्तर भाषी कर्मी को हिंदी प्रशिक्षण दिलाना।
x. प्रतिवर्ष मातृभाषा दिवस का आयोजन करना।

2.हिन्दी प्रकोष्ठ की नवीनतम गतिविधियां–

i. दैनिक कार्यो में प्रयोग होने वाले प्रपत्रों का अनुवाद जैसे– अवकाश, मेडिकल आदि।
ii. विश्वविद्यालय के सभी नामपट्ट एवं साईन बोर्ड को द्विभाषी किया जाना ।
iii. विश्वविद्यालय में प्रशासनिक एवं अन्य कार्यो में प्रयोग किये जाने वाले सभी प्रपत्रों का अनुवाद हिन्दी में किया गया एवं उसे वेबसाईट पर अपलोड किया गया।
iv. विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखा प्रतिवेदन का अनुवाद । (प्रत्येक वर्ष लगभग 100 पृष्ठ)
v. विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन का अनुवाद (प्रत्येक वर्ष लगभग 600 पृष्ठ)।
vi. विश्वविद्यालय की विभिन्न सामग्रियों का प्रत्येक वर्ष लगभग 40 पृष्ठ का अनुवाद हिन्दी में किया गया।
vii. विश्वविद्यालय की वेबसाईट को हिंदी में किया गया।
viii. परीक्षा अनुभाग एवं अन्य विभागों एवं अनुभागों से आने वाली सामग्री का अनुवाद हिन्दी में किया जाना।
ix. विभिन्न कार्यक्रमों की सामग्री का अनुवाद हिन्दी में होना।

3.राजभाषा कार्यान्वयन से सम्बन्धित कार्य–

i. हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट (आख्या) का ऑनलाइन प्रेषण।
ii. विभागों/कार्यालयों से तिमाही हिंदी प्रगति रिपोर्ट (आख्या) प्राप्त करना एवं उसे समेकित कर शिक्षा मंत्रालय एवं राजभाषा विभाग को ऑन लाइन भेजना ।
iii. मंत्रालय द्वारा राजभाषा से सम्बन्धित माँगी गई सूचना का प्रेषण करना ।
iv. प्रत्येक तिमाही में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित करना एवं उसमें राजभाषा कार्यन्वयन संबन्धी विषयों पर चर्चा करना।
v. राजभाषा कार्यान्वयन हेतु कुलपति महोदय के अनुमोदन से आदेश जारी करना एवं अनुपालन सुनिश्चित करना जैसे–धारा 3(3) का अनुपालन एवं सभी नामपट्ट, नामपट्टी, मोहर आदि को द्विभाषी करना।
vi. सभी कम्प्यूटरों पर हिंदी में कार्य करने के लिए यूनीकोड उपलब्ध कराना।
vii. सरल शब्दावली का ई– मेल के माध्यम से प्रेषण करना।
viii. दैनिक प्रयोग में आने वाली टिप्पणियों का प्रेषण करना ।
ix. पत्रावली प्रबन्धन हेतु आइ.एस.ओ. प्रणाली का प्रयोग किया जा रहा है।
x. हिन्दीत्तर भाषी शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों को भारत सरकार के हिन्दी शिक्षण
xi. योजना के तहत प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

4.हिन्दी प्रकोष्ठ के समक्ष चुनौतियॉ

i. हिन्दी पत्राचार का प्रतिशत बढ़ाना।
ii. हिन्दी वेबसाइट एवं कार्यालय आदेश का नियमित अनुवाद करना।
iii. मंत्रालय एवं यूजीसी को भेजने हेतु हिन्दी तिमाही रिपोर्ट को विभिन्न विभागों/अनुभागों से समय पर प्राप्त करना।
iv. वार्षिक प्रतिवेदन, लेखा प्रतिवेदन एवं विभिन्न बैठकों के कार्यवृत्त का समय पर अनुवाद करना।

आयोजन

v. प्रत्येक वर्ष सितम्बर माह में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन एवं पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं और गोष्ठियों आयोजन।

vi. प्रत्येक तिमाही राजभाषा कार्यशाला का आयोजन करना।
vii. प्रत्येक तिमाही राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन करना।

5.राजभाषा कार्यक्रमों में भागीदारी

i. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के बैठकों में सक्रिय भागीदारी।
ii. अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी में भागीदारी।
iii. विश्व हिन्दी सम्मेलन में भागीदारी।

6. हिन्दी प्रकोष्ठ की उपलब्धियां

i. प्रत्येक वर्ष सितम्बर माह में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन करना।
ii. वार्षिक प्रतिवेदन, लेखा प्रतिवेदन, सीएजी रिपोर्ट एवं बैठकों के कार्यवृत्त का शीघ्र अनुवाद करना।
iii. हिन्दी वेबसाइट एवं कार्यालय आदेश का नियमित अनुवाद करना।
iv. कोड, मैनुअल, प्रपत्र, प्रकिया और अन्य साहित्य का अनुवाद करना।
v. हिंदीत्तर भाषी कर्मचारियों को हिंदी प्रशिक्षण हेतु नामित करना।

7. प्रशिक्षण–

i. हिंदीत्तर भाषी शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों को भारत सरकार की हिंदी शिक्षण योजना के तहत हिंदी का प्रशिक्षण दिलाया गया।
ii. प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

8. हिंदी प्रकोष्ठ की भावी योजनाएं –

i. हिंदीत्तर भाषी शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों को भारत सरकार की हिंदी शिक्षण योजना के तहत हिंदी का प्रशिक्षण दिलाना।
ii. हिंदी पत्राचार के प्रतिशत को बढ़ाना।
iii. सभी शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों को राजभाषा नीति से अवगत कराना।
iv. विश्वविद्यालय के प्रकाशन कार्य में सहयोग करना ।
v. कार्यशाला/संगोष्ठियों का आयोजन करना।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

1. पृष्ठभूमिः

आईक्यूएसी विश्वविद्यालय का एक अभिन्न अंग रहा है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार देश के मिशन 2047 के अंतर्गत वैश्विक क्षमता हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शासन, छात्र रोज़गार और सामाजिक समानता सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। यह विश्वविद्यालय के कामकाज के विभिन्न पहलुओं में सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक सुधार हेतु एक प्रणाली विकसित करके लक्ष्यों को साकार करने और समग्र गुणवत्ता वृद्धि की दिशा में कार्य करता है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना विश्वविद्यालय में 2009 के दौरान संस्थान के समग्र प्रदर्शन में व्यवस्थित सुधार सुनिश्चित करने और प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के मुख्य उद्देश्य से की गई थी। यह विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक कामकाज को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। आईक्यूएसी विश्वविद्यालय में एनएएसी जैसी मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों और मापदंडों के अनुसार कार्य कर रहा है। आईक्यूएसी विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मामलों के डीन, विभिन्न विद्यालयों, विभागाध्यक्षों और अमेठी स्थित सैटेलाइट कैंपस सहित केंद्रों के सहयोग से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने और पाठ्यक्रम को अद्यतन करने हेतु गुणवत्ता सुधार में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। वर्ष 2022–23 के दौरान विश्वविद्यालय एक्यूएआर, आईआईक्यूए, एसएसआर डेटा और डीवीवी प्रश्नों के संकलन हेतु विभागीय शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यप्रणाली की निरंतर निगरानी और लेखापरीक्षा करके संचालन समिति के सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा और विश्वविद्यालय को 3. 73 के उच्चतम स्कोर के साथ ए++ रैंक प्राप्त हुई। इसके अलावा, समिति ने एक्यूएआर 2023–24 संकलित और प्रस्तुत किया और वर्तमान सत्र के लिए हमारे शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार प्रक्रियाधीन है।

2. उद्देश्यः

आईक्यूएसी का प्राथमिक उद्देश्य विश्वविद्यालय के समग्र प्रदर्शन में निरंतर सुधार सुनिश्चित करना है। इसका उद्देश्य संस्थान के शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए सचेत और उत्प्रेरक कार्रवाई हेतु एक सुसंगत प्रणाली विकसित करना है। इसके अतिरिक्त, इसका उद्देश्य गुणवत्ता संस्कृति के अभ्यास और सर्वोत्तम प्रथाओं के संस्थागतकरण के माध्यम से गुणवत्ता वृद्धि की दिशा में संस्थागत कार्यप्रणाली के उपायों को बढ़ावा देकर संस्थान के भीतर एक गुणवत्ता संस्कृति को बढ़ावा देना है।

3. दृष्टिः

समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से हाशिए पर पड़े वर्ग सहित सभी हितधारकों के लिए ज्ञान के अनुप्रयोग के साथ शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार की गुणवत्ता को बढ़ाना।

4. मिशनः

शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध गतिविधियों, नवाचारों, लैंगिक संवेदनशीलता, पर्यावरण संबंधी चिंताओं, कौशल विकास और समाज के हाशिए पर पड़े वर्ग को सहायता पर विशेष जोर देते हुए, आउटरीच में उल्लेखनीय सुधार के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना और छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को प्रेरित करना तथा विभिन्न हितधारकों से समीक्षा और प्रतिक्रिया के माध्यम से उपलब्धियों की प्रगति के मूल्यांकन हेतु तंत्र विकसित करना।

5. आईक्यूएसी संरचना

आईक्यूएसी की संरचना उद्योग विशेषज्ञों सहित संस्थान के गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने के लिए विविध दृष्टिकोणों और विशेषज्ञता को शामिल करने के लिए डिज़ाइन की गई है। समिति की वर्तमान संरचना इस प्रकार हैः–

6. आईक्यूएसी समितिः

क्रम संख्या	नाम	पदनाम
1.	आचार्य राज कुमार मित्तल, कुलपति	अध्यक्ष
2.	आचार्य सनातन नायक	सदस्य
3.	आचार्य बी.एन. दुबे	सदस्य
4.	आचार्य आर.ए. खान	सदस्य
5.	आचार्य यू.वी. किरण	सदस्य
6.	आचार्य सुमन मिश्रा	सदस्य
7.	डॉ कृष्ण मुरारी	सदस्य
8.	डॉ. लीना शरद शिम्पी	सदस्य
9.	डॉ. मोनिका शर्मा	सदस्य
10.	आचार्य बी.सी. यादव	प्रबंधन मंडल से सदस्य
11.	कुलसचिव	सदस्य
12.	परीक्षा नियंत्रक	सदस्य
13.	वित्त अधिकारी	सदस्य
14.	टॉपर (कुल मिलाकर स्नातकोत्तर में)	छात्र से सदस्य
15.	डॉ. शिशिर कुमार गंगवार	पूर्व छात्र से सदस्य
16.	डॉ. संजय कुमार पाठक, सागर (म.प्र.)	बाहरी सदस्य–नियोक्ता
17.	सुश्री प्रगति अग्रवाल, निदेशक, एग्रीम मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड, एलकेओ	बाहरी सदस्य–उद्योग
18.	डॉ. अनुपम विद्यार्थी, उप–प्रिंसिपल सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	बाहरी सदस्य–स्थानीय समुदाय
19.	आचार्य राम चंद्र, निदेशक, आईक्यूएसी	सदस्य सचिव

गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रिया में विभिन्न हितधारकों को शामिल करके, आईक्यूएसी ने 2024–25 के दौरान संस्थागत कार्यप्रणाली के सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता वृद्धि के लिए एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित किया। संचालन समिति ने शैक्षणिक और प्रशासनिक लेखा परीक्षा के लिए निरंतर प्रयास जारी रखे है।

7. संचालन समितिः

क्रम संख्या	नाम	पदनाम
i.	आचार्य राम चंद्र, निदेशक, आईक्यूएसी	अध्यक्ष
ii.	आचार्य शिल्पी वर्मा, उप. निदेशक, आईक्यूएसी	सदस्य
iii.	आचार्य डी.आर. मोदी	सदस्य
iv.	आचार्य बी.एस. भदौरिया	सदस्य
v.	आचार्य शिशिर कुमार	सदस्य
vi.	आचार्य राज शरण शाही	सदस्य
vii.	डॉ. शालिनी चंद्रा	सदस्य
viii.	डॉ. प्रयास शर्मा	सदस्य
ix.	डॉ. नितेश कुमार वर्मा	सदस्य
x.	डॉ. सलिल सेठ	सदस्य
xi.	डॉ. महेंद्र कुमार पाढ़ी	सदस्य सचिव

i. संचालन समिति की मुख्य भूमिका व्यवस्थित, आवधिक समीक्षा और डेटा संग्रह, संकलन और तृतीय चक्र मान्यता (2023–28) के लिए एक्यूआर को नैक पोर्टल पर अपलोड करना है।
ii. विभाग में जमीनी स्तर के डेटा के नियमित रखरखाव के लिए विभागीय आईक्यूएसी के कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग का आवधिक शैक्षणिक और प्रशासनिक ऑडिट करना।
iii. विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को सेमेस्टरवार छात्र प्रतिक्रिया विश्लेषण और की गई कार्रवाई की जानकारी देना।
iv. सभी विभागों/विद्यालयों द्वारा ष्श्रमदानष् सुनिश्चित करना और विश्वविद्यालय को स्वच्छ और हरा–भरा बनाने में उनके योगदान का आकलन करने के लिए एक तंत्र विकसित करना।
v. नैक दिशानिर्देशों के अनुसार संस्थान की वेबसाइट पर सभी जानकारी अपलोड करना।
vi. समिति के प्रत्येक सदस्य की ज़िम्मेदारियाँ नैक के सातों मानदंडों के अनुसार आवंटित की जाती हैं।

8. आईक्यूएसी के सहायक कर्मचारी:

i. श्री रिशु राज सिंह (डी.ई.ओ.)
ii. श्री विवेक कुमार (एम.टी.एस.)

9. 2024–25 में आईक्यूएसी गतिविधियों की मुख्य विशेषताएँ:

i. पिछले पाँच वर्षों के दौरान, 12 आईक्यूएसी और 68 संचालन समिति की बैठकें आयोजित की गईं, साथ ही नैक मूल्यांकन और मान्यता के संबंध में अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।
ii. स्थापना, वित्त और परीक्षा अनुभाग सहित विभाग और विद्यापीठ स्तर के कामकाज के लिए शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी के अलावा, आईक्यूएसी की टीम द्वारा 50 बैठकें और लेखा परीक्षाएँ आयोजित की गईं।
iii. आवश्यकतानुसार आईक्यूएसी गतिविधियों को सुदृढ़ करने और विश्वविद्यालय के समग्र शैक्षणिक विकास के लिए संचालन समिति की कई बैठकें आयोजित की गईं।

संचालन समिति की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ	
दिनांक	**बैठकें**
16.05.2024	i. फीडबैक फॉर्म के नए प्रारूप को अंतिम रूप दिया गया। ii. श्रमदान के मूल्यांकन की रूपरेखा तैयार करने के लिए समिति का गठन किया गया।
08.07.2024	i. नैक द्वारा उत्तरी क्षेत्र के लिए एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला के आयोजन की तैयारी और व्यवस्था के बारे में चर्चा करें।
02.08.2024	i. समिति ने अकादमिक परिषद को प्रस्ताव दिया कि सृजित निधि से बजट का 50% अकादमिक परिषद की पूर्व स्वीकृति के अनुसार संबंधित विभागों के अकादमिक विकास के लिए प्रदान किया जाए। ii. समिति ने शिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार नियमित विभागों के प्रमुख/डीन के रोटेशन के अनुरूप स्व–वित्त पाठ्यक्रमों के प्रमुख/समन्वयक के रोटेशन का प्रस्ताव भी भेजा।

iv. विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था और कार्यप्रणाली की निगरानी एवं मूल्यांकन हेतु। शैक्षणिक लेखा परीक्षा समिति ने सभी अनुभागों का दौरा किया और सुधार हेतु आवश्यक गुण–दोष प्रस्तुत किए। गठित समितियाँ इस प्रकार थीः–

शैक्षणिक लेखा परीक्षा समिति–I

1. आचार्य राम चंद्र–अध्यक्ष
2. आचार्य मनीष कुमार वर्मा
3. आचार्य प्रीति मिश्रा
4. आचार्य बी.एन. दुबे
5. डॉ. एम.के. पाढ़ी–एम.एस.

शैक्षणिक लेखा परीक्षा समिति–II

1. आचार्य प्रीति सक्सेना – अध्यक्ष
2. आचार्य एस. विक्टर बाबू
3. आचार्य डी.आर. मोदी
4. आचार्य हरि शंकर सिंह
5. आचार्य राज शरण शाही – एम.एस.

v. आईक्यूएसी ने नवनियुक्त शिक्षकों की सहायता के लिए सीड मनी अनुदान की प्रक्रिया की निगरानी की और उसे गति प्रदान की।

vi. सुचारू संचालन और गुणवत्ता वृद्धि के लिए विभिन्न उप–समितियों का भी गठन किया गया।

vii. समिति ने स्मार्ट क्लास के लिए उपकरणों की खरीद की भी सिफारिश की।

viii. संरचित फीडबैक तंत्र के माध्यम से छात्रों, संकाय, पूर्व छात्रों, नियोक्ताओं और अभिभावकों सहित सभी हितधारकों से व्यापक फीडबैक एकत्र करने का प्रयास किया गया है।

ix. श्रेणी–I के तहत मान्यता के बाद, विश्वविद्यालय विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों के साथ ओपन डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन लर्निंग (ओएल) के तहत विभिन्न नए कार्यक्रम शुरू करने के लिए पात्र है।

x. विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी ने 26 जुलाई, 2024 को उत्तरी क्षेत्र में एक दिवसीय एनएएसी सुधार 2024 क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन एनएएसी मान्यता प्रक्रिया में नवीनतम संशोधनों पर ज्ञान का प्रसार करने के लिए किया गया था, जिसमें संशोधित मैनुअल, परिणाम–आधारित मूल्यांकन दृष्टिकोण और डेटा सत्यापन और सत्यापन (डीवीवी) प्रक्रियाओं पर जोर दिया गया था।

10. नैक सुधार कार्यशाला और अन्य नैक संबंधी कार्यशालाओं की एक झलक

i. समन्वयक, नैक सुधार– 2024 भारत के उत्तरी क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला, बीबीएयू में 25–26 जुलाई, 2024 को आयोजित।



ii. आचार्य राम चंद्र ने 04 सितंबर, 2024 को आईएनएसए, नई दिल्ली में यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित संस्थागत विकास कार्यक्रम (आईडीपी) पर एक दिवसीय कार्यशाला में नोडल अधिकारी और बीबीएयू के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।



iii. आचार्य राम चंद्र ने 03–05 मार्च, 2024 को उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "एआई संचालित डिजिटल लर्निंग के माध्यम से एनएएसी मान्यता और परिणाम आधारित शिक्षा" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

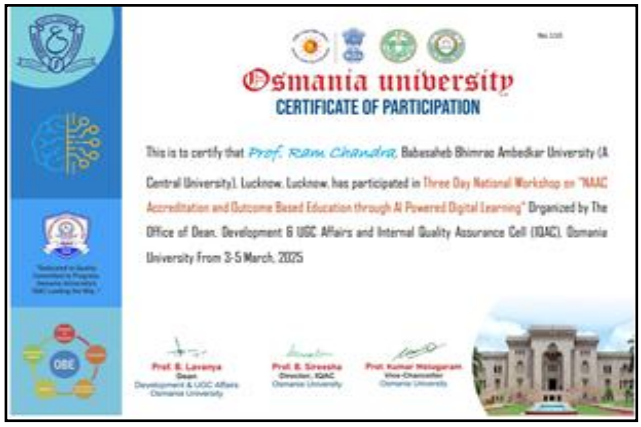
Osmania university
CERTIFICATE OF PARTICIPATION
This is to certify that Prof. Ram Chandra, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (A Central University), Lucknow, Lucknow, has participated in Three Day National Workshop on "NAAC Accreditation and Outcome Based Education through AI Powered Digital Learning" Organized by The Office of Dean, Development & UGC Affairs and Internal Quality Assurance Cell (IQAC), Osmania University From 3-5 March, 2025



11. कोई अन्य जानकारी:

विश्वविद्यालय ने अपने आसपास के कमजोर वर्गों के सामाजिक जागरूकता और उत्थान के लिए बड़े पैमाने पर विभिन्न विस्तार गतिविधियों का भी आयोजन किया, जिनमें उन्नत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, आज़ादी का अमृत महोत्सव, एक भारत, श्रेष्ठ भारत और एनएसएस आदि प्रमुख विस्तार गतिविधियाँ शामिल थीं।

12. आभार:

जब आईक्यूएसी पिछले वर्ष की उपलब्धियों पर नज़र डालता है, तो प्फ।ब अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सभी हितधारकों के समर्पण और सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना करता है। आगे बढ़ते हुए, आईक्यूएसी पारदर्शिता, जवाबदेही और निरंतर सुधार के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित, विश्वविद्यालय और मान्यता एजेंसी द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानदंडों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) का कार्यालय

मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) के बारे में

- भारत सरकार सभी केंद्रीय सरकारी संगठनों में संगठन प्रमुख को ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखने तथा सतर्कता कार्यों के निर्वहन में सहायता हेतु अधिकारियों की नियुक्ति करती है। सीवीओ मुख्य कार्यकारी अधिकारी के सलाहकार के रूप में कार्य करता है और सीधे उन्हें रिपोर्ट करता है। वे संगठन के सतर्कता प्रभाग का नेतृत्व करते हैं और संगठन, केंद्रीय सतर्कता आयोग और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के बीच एक कड़ी का काम करते हैं।
- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय ने यूजीसी, भारत सरकार के नियमों के अनुसार एक सीवीओ की नियुक्ति की है ताकि आधिकारिक कार्यों पर कड़ी नज़र रखी जा सके ताकि वे भ्रष्टाचार के कृत्यों में लिप्त न हों।

प्रमुख कार्यः

सीवीओ मुख्य रूप से विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार के मामलों की रोकथाम और पता लगाने और आवश्यकतानुसार कानूनी कार्रवाई करने के लिए ज़िम्मेदार होता है। विभिन्न अनुभागों और विभागों को अनुदानों के आवंटन और वितरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और सरलता लाने के लिए निवारक उपायों की शुरुआत। सीवीओ सीवीसी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सतर्कता जागरूकता सप्ताह भी मनाते हैं।

- मुख्य सतर्कता अधिकारी किसी संगठन के सतर्कता प्रभाग का प्रमुख होता है और सतर्कता से संबंधित सभी मामलों में संस्था प्रमुख के सलाहकार के रूप में कार्य करता है। वह सीवीसी और सीबीआई के साथ बातचीत के लिए संगठन का नोडल अधिकारी भी होता है।
- मोटे तौर पर, मुख्य सतर्कता अधिकारी के कार्यों को निम्नानुसार विभाजित किया जा सकता हैः
  i. निवारक सतर्कता
  ii. दंडात्मक सतर्कता
  iii. निगरानी और पता लगाना

- **निवारक पक्ष**

मुख्य सतर्कता अधिकारियों को भ्रष्टाचार या कदाचार की गुंजाइश को समाप्त करने या न्यूनतम करने के उद्देश्य से संगठन के मौजूदा नियमों और प्रक्रियाओं की विस्तृत जाँच जैसे कई निवारक उपाय करने का दायित्व सौंपा गया है। उन्हें संगठन में संवेदनशील/भ्रष्टाचारग्रस्त स्थानों की पहचान करनी होती है और ऐसे क्षेत्रों में तैनात कर्मियों पर नज़र रखनी होती है।

- **दंडात्मक पक्ष**

दंडात्मक सतर्कता के संबंध में, मुख्य सतर्कता अधिकारियों को सतर्कता मामलों का शीघ्र और प्रभावी अंतिम निपटान सुनिश्चित करना होता है। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जाँच का दस्तावेज़ीकरण और रिपोर्ट, आरोप–पत्र और आदेशों का प्रारूपण इस प्रकार हो कि वे जाँच के दायरे में आ सकें।

- **निगरानी और पता लगाने पर**

मुख्य सतर्कता अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे संगठन की गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखें ताकि कदाचार या दुर्व्यवहार की संभावना को कम किया जा सके। उन्हें संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित और औचक निरीक्षण करना चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि लोक सेवकों द्वारा भ्रष्ट या अनुचित आचरण के कोई मामले तो नहीं हुए हैं।

कार्य विवरण

मुख्य रूप से मुख्य सतर्कता अधिकारी कार्यालय उन कर्मचारियों की सतर्कता मंजूरी की फ़ाइलें प्राप्त करता है जो आंतरिक या बाह्य संस्थानों/संगठनों में किसी भी पद के लिए आवेदन करते हैं।

i. सतर्कता मंजूरी प्रदान करने के लिए यह अनिवार्य पूर्व शर्त है कि अधिकारी/संकाय से प्रत्येक वर्ष 31 जनवरी तक वार्षिक अचल संपत्ति विवरणी (आईपीआर) जमा करने का अनुरोध किया जाता है।
ii. मुख्य सतर्कता अधिकारी विभागीय जाँचों और सीबीआई जैसी बाहरी एजेंसियों द्वारा की गई जाँचों का भी निरीक्षण करते हैं।
iii. मुख्य सतर्कता अधिकारी कार्यालय में कोई भी शिकायत दर्ज कराने के लिए एक मेल है और समिति निर्धारित समय सीमा के भीतर उस शिकायत पर विचार करती है।

अन्य कार्य विवरण

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, सीवीओ हर साल ष्सतर्कता जागरूकता सप्ताहष् भी मनाता है।

''सतर्कता जागरूकता सप्ताह'' के आयोजन के अंतर्गत, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए सीवीसी द्वारा दिए गए विषय पर विश्वविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, ग्राम सभा, वाद–विवाद प्रतियोगिता, राष्ट्रीय एकता शपथ आदि जैसी विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ/कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय का अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ 22/11/2019 को कार्यालय आदेश संख्या 1905/बीबीएयू/2019 द्वारा गठित किया गया था। अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, संस्थानों के ओबीसी छात्रों और कर्मचारियों के मामलों को देखने के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ है, जिसका गठन यूजीसी की ग्यारहवीं योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया था।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय का अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ भारत के संविधान के प्रावधानों के अनुसार ओबीसी के सदस्यों सहित सभी को सशक्त और संरक्षित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

1. इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ा वर्ग वर्ग के छात्रों और कर्मचारियों को शिक्षित, प्रबुद्ध और सशक्त बनाना है। यह सुनिश्चित करता है कि सरकार और अन्य एजेंसियों द्वारा उनके शैक्षिक और व्यावसायिक जीवन के लिए सुविधाएँ प्रदान की जाएँ।
2. यह विश्वविद्यालय में प्रवेश, शिक्षण और गैर–शिक्षण पदों पर नियुक्ति से संबंधित नीतियों के कार्यान्वयन के संबंध में आँकड़े एकत्र करता है और आवश्यक कोटा पूरा करने की दिशा में रुझानों और परिवर्तनों को दर्शाने वाले आँकड़ों का विश्लेषण करता है।
3. ओबीसी प्रकोष्ठ, ओबीसी के पक्ष में समय–समय पर जारी आरक्षण आदेश का समुचित अनुपालन सुनिश्चित करेगा और ओबीसी वर्ग के कर्मचारियों एवं छात्रों की शिकायतों का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करेगा।
4. विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ा वर्ग वर्ग के अभ्यर्थियों का डेटाबेस बनाए रखना ताकि प्लेसमेंट सेवा में सुविधा हो।
5. विश्वविद्यालय के अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों एवं कर्मचारियों की शिकायतों के लिए एक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के रूप में कार्य करना और उनकी शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक समस्याओं के समाधान में आवश्यक सहायता प्रदान करना।
6. विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) एवं अभ्यर्थियों के प्रवेश, छात्रवृत्ति, भर्ती, पदोन्नति एवं इसी प्रकार के अन्य मामलों से संबंधित अभ्यावेदनों का निपटान करना।
7. माननीय कुलपति महोदय ने पत्र संख्या 533/स्था./बीबीएयू/2020 दिनांक 06/03/2020 द्वारा अर्थशास्त्र विभाग के आचार्य सनातन नायक को विश्वविद्यालय के अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का संपर्क अधिकारी नियुक्त किया है।

अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के कार्य

i. विश्वविद्यालय में आरक्षण नीति का निरंतर कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन करना तथा भारत सरकार और यूजीसी की नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उपायों की योजना बनाना।
ii. विश्वविद्यालय/भारत सरकार और यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) द्वारा जारी आदेशों और अन्य परिपत्रों को प्रसारित करना। विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के पाठ्यक्रमवार प्रवेश के संबंध में निर्धारित समय के भीतर निर्धारित प्रपत्र में नियमित रूप से/वार्षिक आधार पर जानकारी एकत्र करना और आवश्यकतानुसार अनुवर्ती कार्रवाई करना।
iii. विश्वविद्यालय में शिक्षण और गैर–शिक्षण पदों पर नियुक्ति और पदोन्नति के संबंध में भारत सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी आदेशों और परिपत्रों को उपयुक्त प्रपत्रों में निर्धारित तिथि तक प्रसारित करना और आवश्यकतानुसार अनुवर्ती कार्रवाई करना

iv. नई नीतियों को विकसित करने या मौजूदा नीतियों को संशोधित करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों की शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के विभिन्न पहलुओं पर भारत सरकार और यूजीसी द्वारा जारी रिपोर्ट, आदेश और जानकारी एकत्र करना।

v. ओबीसी छात्रों और कर्मचारियों के बीच उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर सौंपे गए अन्य कार्य।

vi. ऐसे वातावरण की व्यवस्था सुनिश्चित करना जहाँ ऐसे सभी छात्र सुरक्षित महसूस करें।

vii. परिसर में किसी भी घटना के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी भावनात्मक आपात स्थिति के लिए त्वरित परामर्श प्रदान करना।

viii. विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से उनके प्रवेश, छात्रवृत्ति, भर्ती, पदोन्नति और इसी तरह के अन्य मामलों के संबंध में प्राप्त अभ्यावेदनों का निपटारा करना।

ix. यह विश्वविद्यालय के ओबीसी छात्रों और कर्मचारियों की शिकायतों के लिए एक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के रूप में कार्य करता है और उनकी शैक्षणिक, शोध और प्रशासनिक समस्याओं के समाधान में आवश्यक सहायता प्रदान करता है।

x. प्लेसमेंट सेवा को सुविधाजनक बनाने के लिए विश्वविद्यालय में ओबीसी से संबंधित उम्मीदवारों का एक डेटाबेस बनाए रखना।

xi. एकत्रित जानकारी का विश्लेषण करना और शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और आवश्यकतानुसार अन्य प्राधिकारियों को अग्रेषित करने के लिए रिपोर्ट और डाइजेस्ट तैयार करना।

xii. ओबीसी और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए छात्रवृत्ति/अन्य वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय के माध्यम से सरकार (राज्य और केंद्र), यूजीसी और ऐसे अन्य संगठनों के साथ समन्वय करना।

9. कार्यालय अवसंरचना

i. ओबीसी प्रकोष्ठ को विश्वविद्यालय के अंबेडकर भवन की तीसरी मंजिल पर कमरा संख्या 308 आवंटित किया गया है, जिसमें फर्नीचर और कार्यालय उपकरण उपलब्ध हैं।

ii. प्रकोष्ठ के लिए आधिकारिक ई–मेल आईडी बनाई गई है।

iii. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आधिकारिक ओबीसी सेल लिंक बनाया गया है।

iv. ओबीसी प्रकोष्ठ के कार्यालय में शिकायत/सुझाव पेटी लगाई गई है।

ओबीसी प्रकोष्ठ का गठन

नाम	पदनाम	योग्यता	विवरण
आचार्य सनातन नायक	अर्थशास्त्र विभाग	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (अर्थशास्त्र)	अध्यक्ष/संपर्क अधिकारी
आचार्य डी. आर. मोदी	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	एम.एससी., पीएच.डी.	सदस्य
डॉ. रविशंकर वर्मा	बागवानी विभाग	पीएच.डी., नेट–आईसीएआर	सदस्य
डॉ. शिव शंकर यादव	हिंदी विभाग	एम.ए. (नेट), यूजीसी (पीएच.डी., हिंदी)	सदस्य
डॉ. नितेश कुमार वर्मा	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	पीएच.डी., यूजीसी–नेट, एम.एलआईएससी, बी.कॉम (ऑनर्स)	सदस्य
श्री भगवान सहाय सैनी	अनुभाग अधिकारी (इंजीनियरिंग अनुभाग)	एम.ए. (राजनीति विज्ञान, इतिहास)	सदस्य/संयोजक

ओबीसी के लिए सलाहकार समिति का गठन 21/08/2023 से प्रभावी

क्रम संख्या	नाम	दायित्व
i.	कुलपति	अध्यक्ष
ii.	आचार्य सनातन नायक	सदस्य
iii.	आचार्य एस. के. पांडे	सदस्य
iv.	आचार्य राजेश कुमार	सदस्य
v.	आचार्य बी.एस.भदौरिया	सदस्य
vi.	आचार्य बाल चंद्र यादव	सदस्य
vii.	आचार्यएम. रवि कुमार वेजेन्दला	सदस्य
viii.	डॉ. बी.एस. गुप्ता	सदस्य
ix.	डॉ. सूफिया अहमद	सदस्य
x.	डॉ. प्रीति चौधरी	सदस्य
xi.	श्री बी.के.कश्यप	सदस्य
xii.	आरएसओ	समन्वयक

ओबीसी पुरूष एवं महिला छात्रावास

ओबीसी पुरूष छात्रावास

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में ओबीसी छात्रों के लिए नवनिर्मित बालक छात्रावास का उद्घाटन उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा ने किया। इस अवसर पर माननीय कुलपति, बीबीएयू, आयोग के सदस्य और बीबीएयू के कुलसचिव सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वार्डेन की सूची

क्रम संख्या	नाम	दायित्व
i.	डॉ. ओ. पी. सैनी	वार्डेन, प्रशासन, ओबीसी पुरूष छात्रावास
ii.	डॉ. अभिषेक वर्मा	वार्डेन, ओबीसी पुरूष छात्रावास

सावित्री बाई फुले बालिका छात्रावास

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में ''सावित्री बाई फुले'' नामक महिला छात्रावास है, जो विशेष रूप से ओबीसी छात्राओं के लिए है। सावित्री बाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका हैं। माननीय कुलपति, बीबीएयू द्वारा ओबीसी बालिका छात्रावासों का भी उद्घाटन किया गया।

वार्डेन की सूची

क्रम संख्या	नाम	दायित्व
i.	डॉ. अल्का	वार्डेन, प्रशासन, सावित्री बाई फुले महिला छात्रावास
ii.	डॉ. नमिता जयसवाल	वार्डेन, सावित्री बाई फुले महिला छात्रावास
iii.	डॉ. अनुराधा	वार्डेन, सावित्री बाई फुले महिला छात्रावास

राष्ट्रीय कैडेट कोर

राष्ट्रीय कैडेट कोर एक त्रि–सेवा संगठन है, जिसमें थल सेना, नौसेना और वायु सेना शामिल हैं, जो देश के युवाओं को अनुशासित और देशभक्त नागरिक बनाने के लिए समर्पित है। एनसीसी का प्रशिक्षण राष्ट्रवाद, देशभक्ति, अनुशासन, टीम भावना, सामूहिक भावना, नेतृत्व और आत्मविश्वास जैसे गुणों का विकास करता है और समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देता है। एनसीसी जाति, पंथ, धर्म या आर्थिक स्थिति से परे सभी को बेहतरी के लिए एक अद्भुत अवसर प्रदान करता है। एनसीसी के उद्देश्यों के आधार पर, संगठन ने कैडेटों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्धारित किया है। वरिष्ठ श्रेणी के कैडेटों के लिए पाठ्यक्रम तीन वर्ष की अवधि का होता है। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की एनसीसी (गर्ल्स) विंग 12 अगस्त, 2010 को 70 कैडेटों की ताकत के साथ शुरू हुई, जो सेना की 20 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी से जुड़ी है और एनसीसी (बॉयज) डिवीजन 2016–17 सत्र से 50 कैडेटों की ताकत के साथ शुरू हुई, जो सेना की 67 यूपी बटालियन एनसीसी से जुड़ी है। 20 यूपी गर्ल्स बीएन के कमांडिंग ऑफिसर और एडम ऑफिसर क्रमशः कर्नल रत्नाकर त्रिवेदी और मेजर पी सुरेखा राव हैं। 67 यूपी बीएन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पुनीत श्रीवास्तव हैं। वर्तमान में, नामांकित कैडेटों (गर्ल्स और बॉयज) की कुल ताकत 120 है। विश्वविद्यालय परिसर में सभी एनसीसी गतिविधियाँ, बीबीएयू के कुलपति, कैप्टन (डॉ।) राज श्री, एसोसिएट प्रोफेसर, डीआईटी और लेफ्टिनेंट (डॉ।) मनोज कुमार ढडवाल, सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा की देखरेख में आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष के दौरान कैडेटों ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, वार्षिक प्रशिक्षण शिविर और सेना अटैचमेंट शिविर जैसे कई शिविरों में भाग लिया है। हमारे एनसीसी कैडेट सामाजिक गतिविधियों जैसे स्वच्छता पखवाड़ा, विश्व पृथ्वी दिवस, मतदाता जागरूकता अभियान, विश्व साइकिल दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, एनसीसी श्सीश प्रमाणपत्र वितरण, वृक्षारोपण, कारगिल विजय दिवस आदि में भाग लेकर अन्य छात्रों के लिए आदर्श बन गए हैं।

2024–2025 के दौरान सभी गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है।

1. 13/04/2024 को स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।
2. 22/04/2024 को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया।
3. 04/05/2024 को मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया।
4. 03/06/2024 को विश्व साइकिल दिवस मनाया गया।
5. 05/06/2024 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।
6. 12/06/2024 को एनसीसी श्सीश प्रमाणपत्र का वितरण किया गया।
7. 18/06/2024 को वृक्षारोपण किया गया।
8. 26/07/2024 को कारगिल विजय दिवस मनाया गया।
9. 15/08/2024 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।
10. 23/08/2024 को विश्व अंतरिक्ष दिवस मनाया गया।
11. 24/08/2024 को नशीली दवाओं और शराब की लत से मुक्ति विषय पर सेमिनार।
12. 29/08/2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया।
13. 5/09/2024 को स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।
14. 17/09/2024 से 30/09/2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया।
15. 01/10/2024 को स्वच्छता ही सेवा मनाया गया।
16. 02/10/2024 को गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती मनाई गई।
17. 31/10/2024 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।
18. 22/11/2024 को जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया।
19. 12/01/2025 को स्वामी विवेकानन्द जयंती मनाई गई।

20. 23/01/2025 को सुभाष चंद्र बोस जयंती मनाई गई।
21. 25/01/2025 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया।
22. 26/01/2025 को गणतंत्र दिवस मनाया गया।
23. 22/03/2025 को विश्व जल दिवस मनाया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

डॉ. पवन कुमार चौरसिया, समन्वयक एनएसएस

कार्यक्रम अधिकारी

1. डॉ. तरूणा
2. डॉ प्रणव कुमार आनंद
3. डॉ. अर्पित शैलेश
4. डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह
5. डॉ. मीना विश्वेश्वर
6. डॉ. शंकर कुमार लाल

विषय सूची

क्रम संख्या	आयोजन का नाम	
•	विश्वविद्यालय के बारे में	
•	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का संक्षिप्त विवरण	
•	उद्देश्य	
•	नियमित गतिविधि	
	i.	शहादत दिवस
	ii.	विश्व तंबाकू निषेध दिवस कार्यक्रम
	iii.	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
	iv.	एक पल माँ के नाम कार्यक्रम
	v.	खाद्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम
	vi.	बजट पर चर्चा
	vii.	खाद्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम
	viii.	पंचप्राण कार्यक्रम
	ix.	हर घर तिरंगा कार्यक्रम
	x.	साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम
	xi.	पोषण एवं शिक्षा कार्यक्रम
	xii.	स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम
	xiii.	यह दिवाली मेरे भारत की है
	xiv.	राष्ट्रीय एकता दिवस
	xv.	संविधान दिवस
	xvi.	राष्ट्रीय युवा दिवस
	xvii.	यातायात जागरूकता कार्यक्रम
	xviii.	मतदाता दिवस जागरूकता कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के बारे में

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना 10 जनवरी 1996 को हुई थी। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने अपने जीवनकाल में ही राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक तरीके से काम करने के उद्देश्यों के साथ इसकी स्थापना की और विश्व के संविधान का भी अध्ययन किया। यह विश्वविद्यालय स्नातक, स्नातकोत्तर और अनुसंधान को बढ़ावा देने वाला विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक अध्ययन, अंतःविषय अध्ययन और अनुसंधान एवं विकास

गतिविधियों को बढ़ावा देना है। शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए, पिछले 25 वर्षों में व्यापक विकास के कारण बीबीएयू की शैक्षणिक गतिविधियों में अत्यधिक गति आई है। विश्वविद्यालय का अमेठी में एक शाखा उपग्रह परिसर भी है, जिसकी स्थापना 2016 में हुई थी।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का संक्षिप्त विवरण

राष्ट्रीय सेवा योजना जिसे एनएसएस के नाम से जाना जाता है, गांधीजी के शताब्दी वर्ष 1969 में शुरू की गई थी। सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्र के व्यक्तित्व को विकसित करने के उद्देश्य से, एनएसएस कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और एक परिसर के लिए +2 स्तर पर काम करने वाले युवाओं का एक स्वैच्छिक संघ है। राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस सेल। सत्र 2015–16 से लखनऊ के बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में एक इकाई के साथ शुरू हुआ, यह वर्तमान में 06 इकाइयों 600 स्वयंसेवकों और 06 कार्यक्रम अधिकारियों और समन्वयकों के साथ काम कर रहा है। खेल मंत्रालय और उन्नत भारत अभियान मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो भारत के प्रधान मंत्री द्वारा आदर्श ग्राम के रूप में गांवों को विकसित करने के लिए एक विशेष पहल है। एनएसएस प्रकोष्ठ बीबीएयू स्वयंसेवक नियमित रूप से परिसर के गोद लिए गए गांव औरंगाबाद खालसा/जागीर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हैं।

- ग्रामीणों के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता
- स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जागरूकता
- जिस समुदाय में वे काम करते हैं उसे समझें
- अपने समुदाय के संबंध में खुद को समझें
- समुदाय की ज़रूरतों और समस्याओं की पहचान करें और उन्हें समस्या–समाधान में शामिल करें
- सामाजिक और नागरिक ज़िम्मेदारी की भावना विकसित करें
- व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने में अपने ज्ञान का उपयोग करें
- समूह में रहने और ज़िम्मेदारियों को साझा करने के लिए आवश्यक क्षमता विकसित करें
- सामुदायिक भागीदारी को संगठित करने के कौशल हासिल करें
- नेतृत्व क्षमता और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण हासिल करें
- नशा–मुक्त वातावरण

प्रगति रिपोर्ट

(1) शहादत दिवस कार्यक्रम

दिनांक–14 और 15 मई, 2024 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयास से दो दिवसीय शहीदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इन दो दिनों में स्वच्छता और मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बुधवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ए.एस. कबीर ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एनएसएस देश के हर हिस्से में काम कर रहा है। हमारे स्वयंसेवक सभी क्षेत्रों में आगे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य एन.एम.पी. वर्मा ने कहा कि मतदान हमारी जिम्मेदारी है, इसमें सभी को बढ़–चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। एनएसएस समन्वयक डॉ. पवन चौरसिया ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की जानकारी साझा की। ए.के. हाशमी ने कहा कि शहीदों के बलिदान को याद रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। एनएसएस स्वयंसेविका सदफ खान ने कहा कि हमारे सामने हमेशा दो टेबल होती हैं, एक टेबल पर मनोरंजन होता है और दूसरे

पर देश के लिए करने वाली चीजें होती हैं, हमें हमेशा आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। हमारे पास अच्छी जानकारी होनी चाहिए। डॉ. राजशरण शाही, विभागाध्यक्ष, शिक्षा ने कहा कि देश के पुनर्निर्माण की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भारत के युवाओं पर है। उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर से जुड़े तथ्य साझा करते हुए कहा कि एक पत्रकार ने डॉ. अंबेडकर से पूछा कि संविधान की आत्मा क्या है, तो बाबा साहेब ने कहा कि यह स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व है। तब पत्रकार ने कहा कि यह फ्रांस से लिया गया है, तब उन्होंने कहा कि मैंने बुद्ध के विचारों से स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भावना ली है। वोट के अधिकार से हम शिक्षा, कानून व्यवस्था और विकास को गति दे सकते हैं। भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान अवश्य करें। महापुरुषों के सपनों को साकार करने के लिए मतदान बहुत जरूरी है। राष्ट्रधर्म पत्रिका के निदेशक मनोज कांत कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेंद्र सिंह ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की क्षेत्रीय समिति के राजेश तिवारी, अश्वनी कुमार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रणव आनंद, डॉ. तरुणा, डॉ. अर्पित शैलेश, डॉ. मीना विश्वेश्वर आदि उपस्थित रहे तथा विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाइयों के स्वयंसेवक और शिक्षकों के साथ–साथ एनएसएस अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य– इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाना और युवाओं को मतदान के महत्व को समझाना है कि आपका वोट हमारे देश में एक मजबूत सरकार चुनेगा जो देश के विकास, रोजगार और जनहित के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले सकेगी। रैली के माध्यम से ग्रामीणों और दुकानदारों को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित करना।

(2) विश्व तंबाकू निषेध दिवस

दिनांक–31/05/2024, बीबीएयू। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष, एसओसी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। जिसमें विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाइयों के स्वयंसेवकों और शिक्षकों के साथ–साथ एनएसएस अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य– इस समस्या का समाधान हम सभी की ज़िम्मेदारी है। हमें समाज के हर वर्ग को साथ मिलकर काम करना होगा। हमारे संविधान में पहले से ही नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ सख्त कदम उठाने का प्रावधान है। हमें इसे लागू करने और इसका पालन करने की आवश्यकता है। यदि हम सभी मिलकर काम करें, तो नशा मुक्त समाज की स्थापना संभव है। हमारे सामूहिक प्रयास इस महत्वपूर्ण मिशन को सफल बना सकते हैं।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा–तंबाकू के सेवन से कई स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कैंसर, हृदय रोग, श्वसन संबंधी समस्याएं और मानसिक समस्याएं। इसके अलावा, तंबाकू का सेवन पर्यावरण को भी नुकसान पहुँचाता है।

एनएसएस समन्वयक डॉ. पवन कुमार चौरसिया ने सभी को शपथ दिलाई और कहा–हम सभी यहाँ गंभीरता से यह शपथ लेते हैं कि हम तंबाकू का सेवन नहीं करेंगे और किसी भी प्रकार के तंबाकू से संबंधित उत्पादों का उपयोग नहीं करेंगे। हम इसी दृढ़ संकल्पित पथ पर अपने कार्य को आगे बढ़ाएंगे और अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प लेंगे। हम अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य सदस्यों को भी तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने और उन्हें तंबाकू छोड़ने या कम करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करेंगे। हम अपने आसपास के समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने में सहयोग करेंगे और नशामुक्त समाज की ओर बढ़ने का प्रयास करेंगे। हम

सब मिलकर नशामुक्त जीवन की ओर बढ़ेंगे और एक स्वस्थ, सकारात्मक और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ेंगे। यही आज हमारा संकल्प है और यही हमारा भविष्य होगा।

(3) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक–21/06/2024, बीबीएयू विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (स्वयं एवं समाज के लिए योग) मनाया गया। कुशल प्रशिक्षित योग विभाग के शिक्षक एवं कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस डॉ. नरेंद्र सिंह ने सभी स्वयंसेवकों को योग के माध्यम से शरीर को स्वस्थ बनाने के गुण सिखाए। उक्त कार्यक्रम की फोटो रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया गया है।

कार्यक्रम का उद्देश्य– इस कार्यक्रम का उद्देश्य सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश देना एवं उन्हें निरोगी बनाना है क्योंकि योग भारत की एक प्राचीन ऋषि परंपरा है। जिसे मानव जीवन में उतारना है और इसका लाभ सम्पूर्ण विश्व को देना है, ताकि पुनः एक स्वस्थ समाज की स्थापना हो सके।

(4) 100 दिवसीय पहल कार्यक्रम ''एक पेड़ माँ के नाम अभियान''

दिनांक–18 जुलाई, 2024 को युवा खेल कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के क्षेत्रीय निदेशालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के पत्र के संदर्भ में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्पित शैलेश के मार्गदर्शन में ष100 दिवसीय पहल कार्यक्रमष के अंतर्गत ष्एक पेन माँ के नाम अभियानष का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पर्यावरण, वृक्षारोपण एवं पौधों के वितरण पर व्याख्यान दिए गए।

कार्यक्रम का उद्देश्य–''एक **पेड** माँ के नाम'' कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. पर्यावरण संरक्षणः वृक्षारोपण एवं संरक्षण, जिससे पर्यावरण में सुधार हो और हरियाली बढ़े।
2. माताओं का सम्मानः प्रत्येक पौधा माताओं को समर्पित करके उनके योगदान और प्रेम का सम्मान करना।
3. जागरूकता बढ़ानाः समाज में पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना।
4. सामाजिक भागीदारीः समुदाय को एकजुट करना और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करना।
5. भावी पीढ़ियों के लिए संसाधन संरक्षणः भावी पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करना।

इस प्रकार, ''एक **पेड** माँ के नाम'' कार्यक्रम पर्यावरण सुधार और समाज में महिलाओं के सम्मान को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

(5) "खाद्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम"

दिनांक–31 जुलाई, 2024 को क्षेत्रीय युवा खेल कार्यक्रम निदेशालय एवं खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के पत्र के संदर्भ में, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तरुणा के मार्गदर्शन में "100 दिवसीय पहल कार्यक्रम" के अंतर्गत "खाद्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं:

1. खाद्य पदार्थों में मिलावट और संदूषण को रोकना।
2. खाद्य पदार्थों का सुरक्षित भंडारण और परिवहन सुनिश्चित करना।

3. खाद्य पदार्थों के उत्पादन और प्रसंस्करण में स्वच्छता मानकों का पालन करना।
4. उपभोग से पहले खाद्य पदार्थों की जाँच और परीक्षण करना।
5. लोगों में खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना।
6. खाद्य सुरक्षा मामलों में त्वरित कार्रवाई हेतु एक प्रणाली स्थापित करना।
7. यह सुनिश्चित करना कि खाद्य पदार्थों का उत्पादन और वितरण सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से हो, ताकि लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा की जा सके।

(6) "बजट चर्चा कार्यक्रम"

दिनांक–06 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष कार्यकारी अधिकारी एवं राज्य संपर्क अधिकारी, उत्तर प्रदेश सरकार के पत्र के संदर्भ में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में "100 दिवसीय पहल कार्यक्रम" के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रणव कुमार आनंद के नेतृत्व में "बजट चर्चा 2024 कार्यक्रम" का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के उद्देश्य– भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत बजट का देश की जनता पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इसके क्या लाभ और हानियाँ हैं।

प्रो. देवेंद्र यादव ने कहा–यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि बजट का प्रभाव विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जैसे अर्थव्यवस्था की स्थिति, राजनीतिक स्थिरता और वैश्विक परिस्थितियाँ। बजट में घोषित परियोजनाएँ और योजनाएँ रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकती हैं। बजट में दी गई शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी योजनाएँ इन क्षेत्रों में सुधार ला सकती हैं। बजट में दी गई कृषि संबंधी योजनाएँ किसानों की आय में सुधार और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा दे सकती हैं। बजट में दी गई आर्थिक नीतियों से मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

(7) खाद्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक–06 अगस्त, 2024 को, क्षेत्रीय निदेशालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र के संदर्भ में, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रणव कुमार आनंद के नेतृत्व में ''100 दिवसीय पहल कार्यक्रम'' के अंतर्गत ''खाद्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया।

(8) पंचप्राण कार्यक्रम

दिनांक–07 अगस्त, 2024 को, क्षेत्रीय निदेशालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के पत्र के संदर्भ में, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में ''100 दिवसीय पहल कार्यक्रम'' के अंतर्गत ''अपनी विरासत और विरासत पर गर्व'' विषय पर एक पोस्टर एवं निबंध कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः लोगों में देश की विरासत और धरोहर के प्रति गौरव और जागरूकता को बढ़ावा देना ताकि वे इसके महत्व को समझें और इसका सम्मान करें। इन उद्देश्यों के माध्यम से, देश की विरासत और धरोहर जागरूकता कार्यक्रम लोगों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

(9) ''हर घर तिरंगा अभियान'' और विभाजन की विभीषिका

दिनांक–14 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष कार्यकारी अधिकारी एवं राज्य संपर्क अधिकारी, उत्तर प्रदेश सरकार के पत्र के संदर्भ में, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में ''हर

घर तिरंगा अभियान एवं विभाजन विभीषिका कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्पित एवं डॉ. नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में रैली, रंगोली प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देनारू तिरंगा हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। इसे हर घर पर फहराने से राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा मिलेगा। देश के नागरिकों में देशभक्ति की भावना जागृत करनारू तिरंगा हमारे देश के नागरिकों में देशभक्ति की भावना जागृत करने में मदद करेगा। इसका उद्देश्य हर घर पर तिरंगा फहराने को प्रोत्साहित करना है, ताकि देशभक्ति की भावना जागृत हो और एकता का संदेश दिया जा सके। इस कार्यक्रम के तहत लोगों को प्रोत्साहित किया जाता है। सभी को अपने घरों पर तिरंगा फहराना चाहिए ताकि वे अपने देश के प्रति गर्व और सम्मान प्रदर्शित कर सकें। इसके अलावा, इस कार्यक्रम के तहत तिरंगे के महत्व और इतिहास के बारे में जागरूकता फैलाने का भी प्रयास किया जाना चाहिए।

(10) साइबर सुरक्षा जागरूकता

दिनांक–22 अगस्त, 2024 को, भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के क्षेत्रीय निदेशालय के पत्र के संदर्भ में, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में ''100 दिवसीय पहल कार्यक्रम'' के अंतर्गत, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीना विश्वेश्वर के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से ''साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैंः डिजिटल सूचना और प्रणालियों को अनधिकृत पहुँच, उपयोग, प्रकटीकरण, व्यवधान, परिवर्तन या विनाश से बचाना। साइबर सुरक्षा के उद्देश्यों में शामिल हैंः
मुख्य वक्ता डॉ. पवन कुमार चौरसिया ने कहा– साइबर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है जो कंप्यूटर सिस्टम, नेटवर्क और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। साइबर सुरक्षा के कुछ महत्वपूर्ण पहलू इस प्रकार हैंः

1. नेटवर्क सुरक्षाः नेटवर्क को अनधिकृत पहुँच से बचाने के लिए फ़ायरवॉल, वीपीएन और अन्य सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना।
2. डेटा सुरक्षाः डेटा की गोपनीयता और अखंडता की रक्षा के लिए एन्क्रिप्शन और बैकअप का उपयोग करना।
3. एंडपॉइंट सुरक्षाः कंप्यूटर और मोबाइल उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एंटीवायरस और एंटीमैलवेयर का उपयोग करना।
4. एप्लिकेशन सुरक्षाः सॉफ़्टवेयर और एप्लिकेशन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित कोडिंग और परीक्षण का उपयोग करना।

(11) पोषण माह अभियान ''पोषण के साथ–साथ शिक्षा''

दिनांक–10 सितंबर, 2024 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में युवा खेल कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशालय के पत्र के संदर्भ में ''पोषण अभियान जागरूकता कार्यक्रम'' के अंतर्गत योग विभाग के डॉ. नवीन जी. हलप्पा द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तरुणा के मार्गदर्शन में सुपोषित किशोरी सशक्त महिला एवं पोषण भी पढ़ाई भी विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैंः

1. पोषण संबंधी विकारों, जैसे कुपोषण, एनीमिया और विटामिन की कमी को रोकना।

2. कुपोषण को दूर करना, ताकि बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार हो सके।
3. स्वस्थ आहार को बढ़ावा देना, ताकि लोगों को पोषण की कमी से बचाया जा सके।
4. समुदाय को शिक्षित करना, ताकि वे पोषण के महत्व को समझ सकें और अपने आहार में सुधार कर सकें।

पोषण और पढ़ाई पर डॉ. तरुणा ने कहा– किशोरियों के जीवन में पोषण और पढ़ाई दोनों ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(12) स्वच्छता अभियान कार्यक्रम ''स्वच्छता ही सेवा''

दिनांक–17 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2024 तक स्वच्छता अभियान के अंतर्गत, स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता कार्यक्रम का सभी कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत गोद लिए गए गाँव की सफाई, तालाबों की सफाई और विश्वविद्यालय परिसर के अंदर सफाई का आयोजन किया गया।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का उद्देश्यः स्वच्छता के महत्व को समझाना और स्वच्छता को बढ़ावा देना। यह कार्यक्रम समुदाय को स्वच्छ रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

(13) ''ये दिवाली मेरे भारत वाली''

दिनांक–27 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, 2024 तक, ये दिवाली मेरे भारत वाली कार्यक्रम के अंतर्गत, सभी कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में स्वच्छता, अस्पताल में रोगी सहायता, सड़क सुरक्षा, शपथ आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम का उद्देश्यः दिवाली मेरे भारत वाली कार्यक्रम का उद्देश्य दिवाली के त्यौहार को मनाने के साथ–साथ देशभक्ति और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को दिवाली के महत्व के बारे में शिक्षित करने के साथ–साथ देश की एकता और अखंडता के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया जाता है। साथ ही, इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराना और उन्हें अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए प्रेरित करना है।

(14) राष्ट्रीय एकता दिवस

विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा 31–10–2024 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीना वी रक्षा ने स्वयंसेवकों को देश के प्रति सच्ची भावना से राष्ट्र सेवा करने की शपथ दिलाई। यह कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य–सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करना, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना और देश के प्रति समर्पण की भावना पैदा करना। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य देश के नागरिकों को एकता के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें देश की एकता और अखंडता के लिए काम करने के लिए प्रेरित करना है।

(15) संविधान दिवस

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशन में दिनांक 26/11/2024 को विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संविधान दिवस के पावन अवसर पर संविधान शपथ एवं पद यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

(16) राष्ट्रीय युवा दिवस

दिनांक–13/01/2025, बी.बी.ए.यू. विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा भाषण, निबंध एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय की एन. एस.एस. इकाइयों के स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों के साथ–साथ एन.एस.एस. अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा प्रमाण पत्र एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य– इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत सरकार द्वारा देश की युवा भावी पीढ़ी को यह बताना है कि जीवन छोटा हो या लंबा, लेकिन मातृभूमि एवं देश के लिए समर्पित होना चाहिए। स्वामी विवेकानंद जी ने शिकागो में अपने वक्तव्यों के माध्यम से विदेशियों पर जो प्रभाव छोड़ा, उसे देश आज भी याद करता है। हम सभी चाहते हैं कि देश की युवा पीढ़ी स्वामी विवेकानंद के विचारों का अनुसरण करे और विश्व पटल पर भारत का नाम रोशन करे।

(17) यातायात जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक–17/01/2025 से 23/01/2025 तक, राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष कार्यकारी अधिकारी एवं राज्य संपर्क अधिकारी, उत्तर प्रदेश सरकार के पत्र के संदर्भ में, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के निकटवर्ती चौराहों पर सभी इकाइयों द्वारा यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जो एक सप्ताह तक चला।

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं:

1. सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
2. यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देना।
3. सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाना।
4. यातायात नियमों के बारे में शिक्षित करना।
5. सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच सहयोग और अनुशासन बढ़ाना।

(18) मतदान दिवस जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 23/01/2025 को विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों द्वारा के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम से हजरतगंज चौराहे तक मतदाता दिवस जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसमें 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया और पोस्टरों एवं नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। मतदाता दिवस जागरूकता रैली का विषय था ''वोट से बढ़कर कुछ नहीं, हम ज़रूर वोट देंगे'' ''वोट से बढ़कर कुछ नहीं, मैं ज़रूर वोट दूँगा'' इस कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य चुनाव अधिकारी नवदीप रिनवा ने संबोधित किया।

मतदान कार्यक्रम का उद्देश्य–इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करना था ताकि वे अपना सारा काम छोड़कर लोकतंत्र के इस महान कार्य में भागीदार बन सकें और अपने लिए एक सही प्रतिनिधि चुन सकें।

एनएसएस 2024–25 की उपलब्धि– संस्कृति जायसवाल इकाई–2 की स्वयंसेविका ने दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया जो विश्वविद्यालय परिसर के लिए गौरव की बात है।

विशेष शिविर 2024–25 विश्वविद्यालय मुख्य परिसर की 5 एनएसएस इकाइयों और अमेठी परिसर की 1 इकाई ने 7 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जिसमें प्रत्येक इकाई से 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

उपचारात्मक कोचिंग कार्यक्रम (आरसीपी)

विश्वविद्यालय कोचिंग केंद्र (आरसीपी) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अल्पसंख्यक और अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर–क्रीमी लेयर) के उम्मीदवारों के लिए निम्नलिखित कोचिंग योजनाएँ प्रदान करता है।

1. उपचारात्मक कोचिंग कार्यक्रमः आरसीपी कार्यक्रमों, जैसे कि स्पोकन इंग्लिश और बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण, के माध्यम से विभिन्न विषयों के छात्रों के शैक्षणिक कौशल और भाषाई दक्षता में सुधार करना।

2. नेट कोचिंगः यह सुनिश्चित करने के लिए कि अधिक से अधिक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अल्पसंख्यक और अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर–क्रीमी लेयर) उम्मीदवार शिक्षण पदों के लिए आवेदन करने के योग्य बनें।

3. सेवा में प्रवेश के लिए कोचिंगः अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर–क्रीमी लेयर) और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों को समूह श्एश, श्बीश या श्सीश केंद्रीय सेवाओं, राज्य सेवाओं या निजी क्षेत्र में समकक्ष पदों पर लाभकारी रोजगार पाने के लिए तैयार करना।

4. विभिन्न कोचिंग योजनाओं के उद्देश्य

i. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अल्पसंख्यक और महिला वर्ग के उम्मीदवारों को गुणवत्तापूर्ण कोचिंग कार्यक्रम प्रदान करना।
ii. विभिन्न विषयों में छात्रों के शैक्षणिक कौशल और भाषाई दक्षता में सुधार करना।
iii. बुनियादी विषयों की उनकी समझ के स्तर को बढ़ाना ताकि आगे के शैक्षणिक कार्य के लिए एक मज़बूत आधार प्रदान किया जा सके।
iv. ऐसे विषयों में उनके ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को मज़बूत करना, जहाँ मात्रात्मक और गुणात्मक तकनीकें और प्रयोगशाला गतिविधियाँ शामिल हैं, ताकि कार्यक्रम के तहत प्रदान किया गया आवश्यक मार्गदर्शन और प्रशिक्षण छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए आवश्यक स्तर तक कुशलतापूर्वक पहुँचने में सक्षम बना सके और उनकी असफलता और पढ़ाई छोड़ने की दर को कम कर सके।
v. ज़रूरतमंद लोगों को क्षमता निर्माण हेतु करियर मार्गदर्शन और मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान करना।

5. भविष्य की योजनाएँः–

i. **यूजीसी नेट/जेआरएफ के लिए अभिविन्यास कार्यक्रमः–**
   - इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा की तैयारी के लिए सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना है। यह छात्रों को उच्च शिक्षा और शोध के लिए प्रोत्साहित करने हेतु परीक्षा पैटर्न, पाठ्यक्रम, तैयारी रणनीतियों और प्रासंगिक अध्ययन संसाधनों की जानकारी प्रदान करेगा।

ii. **सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण कार्यक्रमः–**
   - यह सत्र छात्रों में आवश्यक व्यावसायिक कौशल जैसे संचार कौशल, नेतृत्व, टीमवर्क, समय प्रबंधन और साक्षात्कार तकनीक विकसित करने पर केंद्रित होगा, जिससे उनकी करियर संबंधी तैयारी में वृद्धि होगी।

iii. **व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमः–**

- क. इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करना, सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना, पेशेवर व्यवहार अपनाना और उनकी समग्र भावनात्मक और सामाजिक बुद्धिमत्ता में सुधार करना है।

6. आरसीपी की सलाहकार समितिः पात्र छात्रों के लिए योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए हाल ही में एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है।

1.	कुलपति	अध्यक्ष
2.	आचार्य एस. विक्टर बाबू	सदस्य
3.	आचार्य के.एल. महावर	सदस्य
4.	आचार्य नरेंद्र कुमार	सदस्य
5.	आचार्यएम.एल. मीणा	सदस्य
6.	आचार्य दीपा राज	सदस्य
7.	आचार्य एम. रवि कुमार वेजेंदला (समन्वयक, आरसीपी)	सदस्य सचिव

7. आरसीपी का प्रशासनिक स्टाफ

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1.	आचार्य एम. रवि कुमार वेजेंदला	समन्वयक	एम.ए., पीएच.डी.	आधुनिक भारतीय इतिहास, पर्यावरण इतिहास, आदिवासी इतिहास, दलित इतिहास, चिकित्सा का इतिहास
2.	धर्मेंद्र	डी.ई.ओ. सह एमटीएस (आधा दिवसीय) (आउटसोर्सिंग)	स्नातक, सीसीसी,	एमएस ऑफिस, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और टाइपिंग।

8. केंद्र में उपलब्ध सुविधाएँः

पंजीकृत छात्र केंद्र में आवश्यक जानकारी के लिए पुस्तकालय और इंटरनेट सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

9. आरसीपी द्वारा जारी बकाया राशि का विवरण (2024–25)

क्रम संख्या	विभाग का नाम	जारी किए गए नो–ड्यूज़ की संख्या
1.	सभी विश्वविद्यालय विभाग	केंद्र द्वारा अब तक 1520 नो–ड्यूज प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

10. विभिन्न कोचिंग कार्यक्रमों हेतु सत्र 2024–2025 हेतु आवंटित धनराशि का विवरण

क्रम संख्या	खाता प्रमुख का नाम	आवंटित धनराशि (लाख रुपये में)
1.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर–क्रीमी लेयर) और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए उपचारात्मक कोचिंग	शून्य
2.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर–क्रीमी लेयर) और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए सेवा में प्रवेश	शून्य
3.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर–क्रीमी लेयर) और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए नेट की कोचिंगं	शून्य
	कुल	**शून्य**

11. सत्र 2024–2025 के लिए व्यय विवरण

क्रम संख्या	खाता प्रमुख का नाम	व्यय धनराशि (लाख रुपये में)
1.	स्पोकन इंग्लिश प्रोग्राम	शून्य
2.	कंप्यूटर कोचिंग प्रोग्राम	शून्य
3.	नेट कोचिंग प्रोग्राम	शून्य
4.	आरसीपी के लिए अग्रिम भुगतान	शून्य
5.	आरसीपी के लिए टेलीफोन बिल	शून्य
6.	आरसीपी समन्वयक के लिए मानदेय	शून्य

कुलानुशासक कार्यालय

1. परिचय

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) ने विश्वविद्यालय अधिनियम 1994, संख्या 53/1994 के प्रावधानों के अंतर्गत कुलानुशासक कार्यालय की स्थापना की, जो 10.01.1996 से लागू हुआ और फरवरी 1997 में अधिसूचित किया गया। कुलानुशासक विश्वविद्यालय का एक वैधानिक अधिकारी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड का प्रमुख होता है। प्रॉक्टोरियल बोर्ड का प्राथमिक उद्देश्य अनुशासन लागू करना और छात्र समुदाय के कानून और व्यवस्था को नियंत्रित करना है। प्रॉक्टर कार्यालय में प्रॉक्टोरियल बोर्ड, एंटी–रैगिंग समिति, एंटी–रैगिंग स्क्वाड और एंटी–रैगिंग सेल शामिल हैं जो अनुशासन को नियंत्रित करने वाली प्राथमिक समिति हैं। इस प्रकार, प्रॉक्टर कार्यालय में तीन–स्तरीय संगठन गठित किए गए हैं, यानी प्रॉक्टोरियल बोर्ड, दूसरे स्तर पर सुरक्षा अधिकारी, तीसरे स्तर पर पर्यवेक्षक, गार्ड और चौकीदारों के साथ आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारी हैं। विश्वविद्यालय के दो परिसर हैं, यानी लखनऊ में मुख्य परिसर और अमेठी में उपग्रह परिसर। प्रॉक्टर कार्यालय को विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में कानून–व्यवस्था और पूर्ण सुरक्षा बनाए रखने के लिए अनुशासन सुनिश्चित करना होता है।

2. बोर्ड द्वारा गठित समितियाँ और उप–समितियाँः

प्रॉक्टोरियल बोर्ड में तीन सक्रिय उप–समितियाँ हैं। समिति का विवरण इस प्रकार हैः

प्रॉक्टोरियल बोर्ड

क्रम संख्या	सदस्यों का नाम	पदनाम	संपर्क संख्या/ईमेल आईडी
1.	आचार्य एम.पी. सिंह	कुलानुशासक	7985625310, mpsinghdlis@gmail.com
2.	आचार्य राज शरण शाही	उप कुलानुशासक	9450482196, rajsharanshahi@gmail.com
3.	आचार्य शालिनी अग्रवाल	उप कुलानुशासक	9411195938, drshaluagarwal@gmail.com
4.	डॉ. अनीस अहमद	सहायक कुलानुशासक	9453287957, anisbbau@gmail.com
5.	डॉ. रचना गंगवार	सहायक कुलानुशासक	9648434415, rachanagangwar17@gmail.com
6.	डॉ धीरेंद्र पांडे	सहायक कुलानुशासक	9453170609, prof.dhiren@gmail.com
7.	डॉ. बलराज सिंह	सहायक कुलानुशासक	9457166920, balraj.bits@gmail.com
8.	डॉ.अंशुल अग्रवाल	सहायक कुलानुशासक	9910119013, agw.anshul@gmail.com
9.	डॉ. ब्रजेश कुमार	सहायक कुलानुशासक	7518402301, bksocio@gmail.com
10.	डॉ.मनोज कुमार	सहायक कुलानुशासक	9758558385, mkjnuiitr@gmail.com
11.	डॉ. मोनिका शर्मा	सहायक कुलानुशासक	9717386785, monashimla@gmail.com
12.	डॉ. संगीता चौहान	सहायक कुलानुशासक	9935266721, c.sangita27@gmail.com
13.	डॉ. लता बाजपेयी सिंह	सहायक कुलानुशासक	9899666257, drlatabajpai@gmail.com
14.	डॉ शिव शंकर यादव	सहायक कुलानुशासक	9450568073, shivshankar5jul@gmail.com
15.	डॉ. रेनू पांडे	सहायक कुलानुशासक	8090712312, renupandeybbau@gmail.com

16.	डॉ रविशंकर वर्मा	सहायक कुलानुशासक	9453966994,ravihort.009@gmail.com
17.	डॉ विभूति नारायण	सहायक कुलानुशासक	7839143385, vnarayanbhu@gmail.com
18.	डॉ. भीम सोनकर	सहायक कुलानुशासक	9451265577, bheemsonker@gmail.com
19.	डॉ. मनोज कुमार ढडवाल	सहायक कुलानुशासक एवं संयोजक	7376209992, bbausportssection@gmail.com

रैगिंग विरोधी समिति

क्रम संख्या	सदस्यों का नाम	पदनाम	संपर्क संख्या/ईमेल आईडी
1.	आचार्य शिल्पी वर्मा	अध्यक्ष	9450110690, shipoo.lko@gmail.com
2.	डॉ. ओ. पी. बी. शुक्ला	सदस्य	9450209517, opbshukla4@gmail.com
3.	डॉ. नीतू सिंह	सदस्य	9336458933, neetubbau@gmail.com
4.	डॉ. राजश्री	सदस्य	8562988463, rajshree.bbau2009@gmail.com
5.	डॉ. तरूणा	सदस्य	9415765841,drtaruna@gmail.com
6.	डॉ. प्रदीप कुमार	सदस्य	9415992968,pradeepbbau@gmail.com
7.	डॉ.ब्रजेश कुमार	सदस्य	7518402301,bksocio@gmail.com
8.	डॉ. रमेश चंद्रा	सदस्य	9956509449,ramesh.luphy@gmail.com
9.	डॉ.मनोज कुमार	सदस्य	9758558385 mkjnuiitr@gmail.com
10.	डॉ. खेम बहादुर थापा	सदस्य	9450871807, khem.bhu@gmail.com
11.	डॉ मुजीबुर रहमान	सदस्य	7084459912,m.rehmanbbaulaw@gmail.com
12.	डॉ. संगीता चौहान	सदस्य	9935266721, c.sangita27@gmail.com
13.	डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव	सदस्य	9451087259, drbaljitsrivastava@gmail.com
14.	डॉ. कुँवर सुरेंद्र बहादुर	सदस्य	8005228697, ksbahadurvns@gmail.com
15.	डॉ. अमित कुमार सिंह	सदस्य	9873306857,amit.scss@gmail.com
16	डॉ. अजय सिंह कुशवाह	सदस्य	7805016632,mahakal.ajay@gmail.com
17	डॉ. अर्पित शैलेश	सदस्य	9453029113, arpit.shailesh1992@gmail.com
18	डॉ. सुदर्शन चक्रधारी	सदस्य	9935427700, schakradhari1987@gmail.com
19	डॉ. रविशंकर वर्मा	सदस्य एवं संयोजक	9453966994,ravihort.009@gmail.com

एंटी–रैगिंग स्क्वाड

क्रम संख्या	सदस्यों का नाम	पदनाम	संपर्क संख्या/ईमेल आईडी
1.	प्रोफेसर एम.एल. मीना	अध्यक्ष	9651893336,maheriari@rediffmail.com
2.	डॉ. ओ. पी. बी. शुक्ला	सदस्य	9450209517, opbshukla4@gmail.com
3.	डॉ.नीतू सिंह	सदस्य	9336458933, neetubbau@gmail.com
4.	डॉ. राजश्री	सदस्य	8562988463, rajshree.bbau2009@gmail.com
5.	डॉ. तरूणा	सदस्य	9415765841,drtaruna@gmail.com
6.	डॉ. प्रदीप कुमार	सदस्य	9415992968,pradeepbbau@gmail.com
7.	डॉ.ब्रजेश कुमार	सदस्य	7518402301,bksocio@gmail.com
8.	डॉ. रमेश चंद्रा	सदस्य	9956509449,ramesh.luphy@gmail.com
9.	डॉ.मनोज कुमार	सदस्य	9758558385 mkjnuiitr@gmail.com
10.	डॉ. खेम बहादुर थापा	सदस्य	9450871807, khem.bhu@gmail.com
11.	डॉ मुजीबुर रहमान	सदस्य	7084459912,m.rehmanbbaulaw@gmail.com
12.	डॉ. संगीता चौहान	सदस्य	9935266721, c.sangita27@gmail.com
13.	डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव	सदस्य	9451087259, drbaljitsrivastava@gmail.com
14.	डॉ. कुँवर सुरेंद्र बहादुर	सदस्य	8005228697, ksbahadurvns@gmail.com
15.	डॉ. अमित कुमार सिंह	सदस्य	9873306857,amit.scss@gmail.com
16	डॉ. अजय सिंह कुशवाह	सदस्य	7805016632,mahakal.ajay@gmail.com
17	डॉ. अर्पित शैलेश	सदस्य	9453029113, arpit.shailesh1992@gmail.com
18	डॉ. सुदर्शन चक्रधारी	सदस्य	9935427700, schakradhari1987@gmail.com
19	डॉ रविशंकर वर्मा	सदस्य एवं संयोजक	9453966994,ravihort.009@gmail.com

एंटी–रैगिंग प्रकोष्ठ

क्रम संख्या	सदस्यों का नाम	पदनाम	संपर्क संख्या/ईमेल आईडी
1.	डॉ. ओ. पी. बी. शुक्ला	अध्यक्ष	9450209517, opbshukla4@gmail.com
2.	डॉ.नीतू सिंह	सदस्य	9336458933, neetubbau@gmail.com
3.	डॉ. राजश्री	सदस्य	8562988463, rajshree.bbau2009@gmail.com
4.	डॉ. तरूणा	सदस्य	9415765841,drtaruna@gmail.com
5.	डॉ. प्रदीप कुमार	सदस्य	9415992968, pradeepbbau@gmail.com
6.	डॉ. ब्रजेश कुमार	सदस्य	7518402301, bksocio@gmail.com

7.	डॉ. रमेश चंद्रा	सदस्य	9956509449,ramesh.luphy@gmail.com
8.	डॉ.मनोज कुमार	सदस्य	9758558385 mkjnuiitr@gmail.com
9.	डॉ. खेम बहादुर थापा	सदस्य	9450871807, khem.bhu@gmail.com
10.	डॉ मुजीबुर रहमान	सदस्य	7084459912, m.rehmanbbaulaw@gmail.com
11.	डॉ. संगीता चौहान	सदस्य	9935266721, c.sangita27@gmail.com
12.	डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव	सदस्य	9451087259, drbaljitsrivastava@gmail.com
13.	डॉ. कुँवर सुरेंद्र बहादुर	सदस्य	8005228697, ksbahadurvns@gmail.com
14.	डॉ. अमित कुमार सिंह	सदस्य	9873306857, amit.scss@gmail.com
15.	डॉ. अजय सिंह कुशवाह	सदस्य	7805016632,mahakal.ajay@gmail.com
16.	डॉ. अर्पित शैलेश	सदस्य	9453029113, arpit.shailesh1992@gmail.com
17.	डॉ. सुदर्शन चक्रधारी	सदस्य	9935427700, schakradhari1987@gmail.com
18.	डॉ रविशंकर वर्मा	सदस्य एवं सचिव	9453966994, ravihort.009@gmail.com

i. प्रॉक्टोरियल बोर्ड की सात उप–समितियाँ हैः–
ii. एंटी–रैगिंग सेल और एंटी–रैगिंग स्क्वॉड की 24X7 के लिए सात उप–समितियाँ हैंः–
iii. लड़कियों और लड़कों के छात्रावासों के लिए तीन उप–समितियाँ गठित की गई हैंः–

3. कुलानुशासक का प्रोफ़ाइल

नाम	**:**	आचार्य एम. पी. सिंह
पदनाम	:	कुलानुशासक
योग्यता	:	पीएचडी (एलआईएस), एम.कॉम, एम.बी.ए., एम.एससी. (आईटी) और एम.एल.आई.एस.
शिक्षण एवं शोध अनुभव	:	25+ वर्ष
शोध रुचि	:	• ग्रंथसूची अध्ययन, विज्ञानमितीय विश्लेषण • उपयोगकर्ता अध्ययन, आदि
पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन	:	18
संपर्क	:	9415951864

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कल्याण हेतु विशेष प्रकोष्ठ

1. उद्देश्य

i. विश्वविद्यालय में एससी/एसटी के लिए भारत सरकार/एमएचआरडी/यूजीसी/बीबीएयू की आरक्षण नीति को लागू करना।
ii. विश्वविद्यालय में प्रवेश, शिक्षण एवं गैर–शिक्षण पदों पर नियुक्तियों से संबंधित नीतियों के कार्यान्वयन से संबंधित आंकड़े एकत्र करना और आवश्यक कोटा पूरा करने की दिशा में रुझानों और परिवर्तनों को दर्शाने वाले आंकड़ों का विश्लेषण करना।
iii. भारत सरकार और यूजीसी द्वारा इस उद्देश्य के लिए निर्धारित उद्देश्यों और लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु अनुवर्ती उपाय करना।
iv. विश्वविद्यालय में आरक्षण नीति का निरंतर कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन करना तथा भारत सरकार की नीति और कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उपायों की योजना बनाना।

2. एससी/एसटी प्रकोष्ठ की संरचना

i. **आचार्य राजेश कुमार**
संयोजन अधिकारी
ii. **आचार्य सार्तिक बाग**
भेदभाव–विरोधी अधिकारी
iii. प्रभारी वैज्ञानिक/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ
iv. अनुसंधान एवं सांख्यिकी अधिकारी
v. अनुसंधान सहायक
vi. डाटा एंट्री ऑपरेटर
vii. परिचारक

3. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण सलाहकार समिति का गठन, दिनांक 21/08/2023 से प्रभावी

क्रम संख्या	नाम	पदनाम
i.	कुलपति	अध्यक्ष
ii.	आचार्य राजेश कुमार	सदस्य
iii.	आचार्य एस. के. पांडे	सदस्य
iv.	आचार्य वी. एलंगोवन	सदस्य
v.	आचार्य एल.सी. मल्लैया	सदस्य
vi.	आचार्य बी.एस.भदौरिया	सदस्य
vii.	आचार्य जया श्रीवास्तव	सदस्य
viii.	आचार्य सार्तिक बाग	सदस्य
ix.	डॉ. राजेश कुमार	सदस्य
x.	डॉ. मंजरी राज उराँव	सदस्य
xi.	श्री गोकरन प्रसाद	सदस्य
xii.	प्रभारी (एससी/एसटी सेल)	संयोजक/सदस्य–सदस्य

4. 21/08/2023 से प्रभावी दिव्यांगजनों के लिए सलाहकार समिति का गठन

क्रम संख्या	नाम	पदनाम
i.	कुलपति	अध्यक्ष
ii.	प्रो. बी.बी. मलिक	सदस्य
iii.	प्रो. एस. के. पांडे	सदस्य
iv.	प्रो राजेश कुमार	सदस्य
v.	प्रोफेसर सनातन नायक	सदस्य
vi.	प्रोफेसर संजीव कुमार चड्ढा	सदस्य
vii.	प्रो. बी.एस.भदौरिया	सदस्य
viii.	प्रोफेसर शिखा	सदस्य
ix.	डॉ. लोकनाथ	सदस्य
x.	डॉ.ब्रजेश कुमार सिंह	सदस्य
xi.	डॉ. विवेक नाथ त्रिपाठी	सदस्य
xii.	डॉ. यूसुफ अख्तर	सदस्य
xiii.	श्री सलाउद्दीन खान	सदस्य
xiv.	आरएसओ	संयोजक / सदस्य–सदस्य

5. 21 / 08 / 2023 से ओबीसी के लिए सलाहकार समिति का गठन

क्रम संख्या	नाम	पदनाम
i.	कुलपति	अध्यक्ष
ii.	प्रोफेसर सनातन नायक	सदस्य
iii.	प्रो. एस. के. पांडे	सदस्य
iv.	प्रो राजेश कुमार	सदस्य
v.	प्रो. बी.एस.भदौरिया	सदस्य
vi.	प्रो बाल चंद्र यादव	सदस्य
vii.	प्रो. एम. रवि कुमार वेजेन्दला	सदस्य
viii.	डॉ. बी.एस. गुप्ता	सदस्य
ix.	डॉ. सूफिया अहमद	सदस्य
x.	डॉ. प्रीति चौधरी	सदस्य
xi.	श्री बी.के.कश्यप	सदस्य
xii.	आरएसओ	संयोजक / सदस्य–सदस्य

.

6. सांख्यिकीय डेटाः–

i. **2023–24 के दौरान कुल नामांकन**

	डिप्लोमा	यूजी	पीजी	5 वर्षीय एकीकृत	एम.टेक	पीएच.डी	कुल योग
सामान्य	53	647	775	48	8	199	1730
ओबीसी	1	403	449	30	3	84	970
एससी	8	957	898	93	12	234	2202
एसटी	1	110	170	3	1	42	327
ईडब्ल्यूएस	0	262	292	23	3	40	620
दिव्यांगजन	0	2	14	0	0	4	20

विदेशी	0	1	3	0	0	18	22
कुल	**63**	**2382**	**2601**	**197**	**27**	**621**	**5891**

ii. श्रेणीवार छात्र प्रवेश (प्रतिशत में)

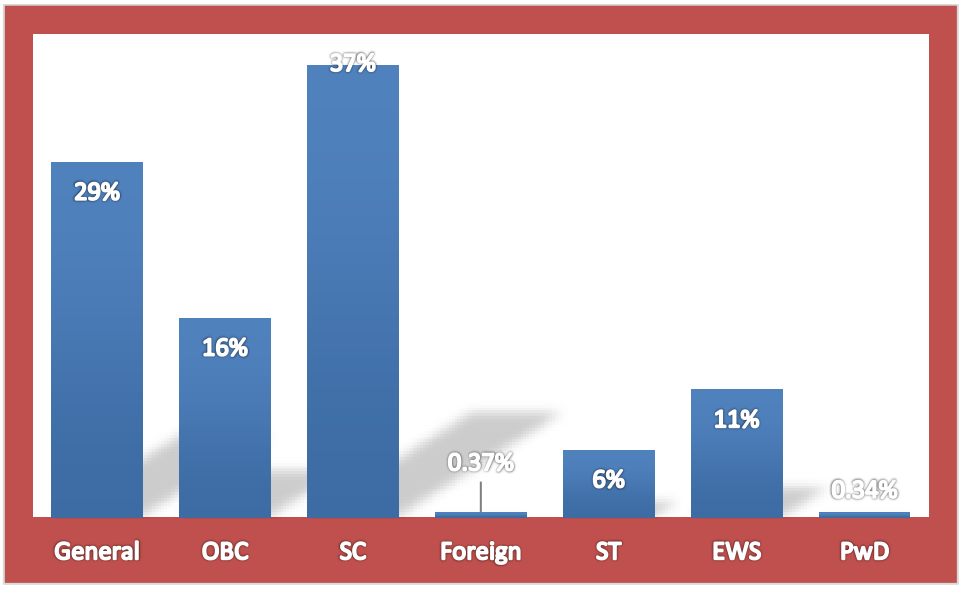

iii. छात्रावासी छात्रों का विवरण (2024–25)

छात्रावास का प्रकार	विश्वविद्यालय छात्रावासों में कमरों की संख्या	विश्वविद्यालय छात्रावासों में निवासियों की संख्या	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	ईडब्ल्यूएस	दिव्यांग	टीजी	विदेशी	कुल
पुरूष छात्रावास	303	407	107	159	42	42	36	17	0	4	407
महिला छात्रावास	481	658	205	243	51	77	77	5	0	0	658
कुल योग	**784**	**1065**	**314**	**401**	**93**	**118**	**113**	**22**	**0**	**4**	**1065**

7. वर्ष 2024–25 के दौरान समाज कल्याण कार्यालय, लखनऊ को प्रेषित दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति ऑनलाइन आवेदनों की स्थिति (संख्या में)

	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	माइनॉरिटी	कुल
विश्वविद्यालय द्वारा डीआईओएस को भेजे गए कुल आवेदन	606	932	18	395	65	**2016**

8. विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और दिव्यांगजन छात्रों को प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं की स्थितिः

i. विश्वविद्यालय भारत के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित इस विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अध्यादेश के अनुसार 50% आरक्षण प्रदान कर रहा है।

ii. इन श्रेणियों के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक विभाग में स्नातकोत्तर स्तर पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों में से सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र को अलग से स्वर्ण पदक प्रदान किया जा रहा है।

iii. स्नातकोत्तर स्तर पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को शोध प्रबंध तैयार करने के लिए 2000/– रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

iv. स्नातकोत्तर स्तर पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को अध्ययन भ्रमण के लिए 3000/– रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

v. पीएच.डी. थीसिस तैयार करने के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के शोधार्थियों को 3000/– रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

भर्ती एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ

1. विश्वविद्यालय के भर्ती प्रकोष्ठ का नाम सितंबर 2023 में बदलकर भर्ती एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ कर दिया गया।
2. विश्वविद्यालय का भर्ती एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ यूजीसी की करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत शिक्षकों की पदोन्नति हेतु सीधी भर्ती एवं मूल्यांकन के अंतर्गत शिक्षण एवं गैर–शिक्षण पदों की भर्ती से संबंधित गतिविधियों का संचालन कर रहा है।
3. भर्ती प्रक्रिया 2020 से शिक्षा मंत्रालय के समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल हो गई है। रिक्त पदों के लिए आवेदन पत्र ऑनलाइन आमंत्रित किए जाते हैं और स्क्रीनिंग समिति के सदस्यों द्वारा समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन स्क्रीनिंग का कार्य किया जाता है।
4. रिक्त शिक्षण एवं गैर–शिक्षण पदों पर नियुक्ति के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है और निम्नानुसार हैः

विश्वविद्यालय रोस्टर और यूजीसी/विश्वविद्यालय के नियमों व विनियमों के अनुसार रिक्त पदों का विज्ञापन

↓

विधिवत गठित स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा आवेदन पत्रों की स्क्रीनिंग

↓

स्क्रीनिंग कमेटी की रिपोर्ट, यदि कोई हो, तो 10 दिनों के भीतर उम्मीदवारों की टिप्पणियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाती है।

↓

प्राप्त अभ्यावेदन, यदि कोई हों, तो उनके समाधान हेतु स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं।

↓

अंतिम स्क्रीनिंग कमेटी की रिपोर्ट पुनः विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाती है।

↓

योग्य उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलावा पत्र विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार भेजे जाते हैं।

ईएमआरसी (मीडिया केन्द्र)

मीडिया केंद्र, ईएमआरसी लखनऊ, की स्थापना दृश्य–श्रव्य और मल्टीमीडिया कार्यक्रमों के निर्माण और प्रसार, प्रासंगिक शोध करने, कुशल जनशक्ति को प्रशिक्षित करने और विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और आईसीटी के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने वाली संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

यह केंद्र अनुसंधान और नवीन पाठ्यक्रम डिजाइन पर आधारित शिक्षण–अधिगम संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला विकसित करने में सक्रिय रूप से संलग्न है। वर्तमान में, यह दो मूक (MOOC) का निर्माण कर रहा है, और अगस्त तक, हिंदी भाषा और साहित्य से संबंधित दो अतिरिक्त मूक (MOOC) निर्माण के लिए केंद्र को सौंपे जाने की उम्मीद है। ये मूक (MOOC) स्वयंप्रभा चौनल पर प्रसारित किए जाएँगे।

इसके अलावा, केंद्र ने अतीत में शैक्षिक वृत्तचित्रों, विज्ञान–प्रसारणों और ई–व्याख्यानों के निर्माण के माध्यम से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

1. मीडिया केंद्र के कर्मचारीः

निदेशक (प्रभारी)– आचार्य गोपाल सिंह, संकायाध्यक्ष, मीडिया एवं संचार विद्यापीठ, बीबीएयू, लखनऊ।
सह निदेशक– डॉ. महेंद्र कुमार पाढ़ी, उपाचार्य, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग।

मीडिया सेंटर में छह नियमित कर्मचारी कार्यरत हैं–

i. अनुराग कुमार, कैमरामैन
ii. दुर्गेश मौर्य, कैमरामैन
iii. अभिलाष दास, कैमरामैन
iv. मयंक थपलियाल, प्रोडक्शन सहायक
v. अनूप कुमार, प्रोडक्शन सहायक
vi. अरुण वर्मा, यूनिट चपरासी

2. कार्य प्रगतिः

वर्ष 2024–25 में केंद्र ने स्वयंप्रभा चौनल के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम तैयार किए हैं–

i. मीडिया केन्द्र, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ गृह विज्ञान संकाय के सहयोग से, मानव पोषण पर 4–क्रेडिट का एक मूक कार्यक्रम तैयार कर रहा है, जिसमें 80 मॉड्यूल शामिल हैं। इन मॉड्यूल की रिकॉर्डिंग लगभग पूरी होने वाली है।
ii. इसके अतिरिक्त, केंद्र, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के हिंदी विभाग के साथ साझेदारी में हिंदी साहित्य पर 5–क्रेडिट का एक मूक कार्यक्रम तैयार कर रहा है। इस पाठ्यक्रम की रिकॉर्डिंग प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है।

3. प्रशिक्षण और कार्यशालाएँः

मीडिया केन्द्र, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने शैक्षिक संचार संघ (सीईसी), नई दिल्ली के सहयोग से, शिक्षकों और शिक्षार्थियों के लिए 'डिजिटल शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (दिनांक 27–28 मार्च, 2025) का आयोजन किया, जिसे सीईसी, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया।

4. भावी संभावनाएँ एवं योजनाएँः

एमओओसी के निर्माण हेतु रुचि की अभिव्यक्ति– मीडिया केंद्र ने एमओओसी के निर्माण हेतु निम्नलिखित रुचि की अभिव्यक्तियाँ विकसित की हैं–

i. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के माननीय कुलपति ने 'भारतीय ज्ञान प्रणाली और पर्यावरण' विषय पर एक एमओओसी विकसित करने में गहरी रुचि दिखाई है। इस प्रस्ताव के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), नई दिल्ली से प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है।

ii. डॉ. महेंद्र कुमार पाढ़ी, उपाचार्य, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने 'पर्यावरण संचार' शीर्षक से 4–क्रेडिट स्नातक स्तर के एमओओसी के विकास हेतु एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

iii. प्रो. आर.पी. गंगवार ने हिंदी साहित्य के क्षेत्र में 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र' शीर्षक से एक एमओओसी के विकास हेतु आवेदन किया है।

iv. डॉ. शिवशंकर यादव, सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने हिंदी साहित्य पर दो मूक्स (MOOC) के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं, जिनका विषय है– 'भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा' और 'हिंदी की सांस्कृतिक पत्रकारिता'।

v. डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव, हिंदी विभाग ने 'लोक साहित्य' पर एक मूक्स (MOOC) के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

मीडिया केन्द्र वर्तमान में उपर्युक्त मूक्स प्रस्तावों के लिए प्रस्तुत रुचि–अभिव्यक्तियों पर सक्षम प्राधिकारियों–यूजीसी और सीईसी, नई दिल्ली–से अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रहा है।

5. लाभार्थीः

मीडिया केन्द्र की पहल के प्राथमिक लाभार्थी देश भर के छात्र, शिक्षक और आजीवन शिक्षार्थी हैं। इन मूक्स और शैक्षिक संसाधनों का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण सामग्री तक पहुँच बढ़ाना, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के डिजिटल शिक्षण उद्देश्यों का समर्थन करना है। संकाय सदस्य भी सामग्री निर्माण और शैक्षणिक जुड़ाव के अवसरों के माध्यम से लाभान्वित होते हैं। ये पहल विश्वविद्यालय प्रणाली के डिजिटल बुनियादी ढांचे को और मजबूत करती हैं।

i. आचार्य राम पाल गंगवार स्वयंप्रभा चौनल के लिए हिंदी साहित्य पर मूक (MOOC) के लिए अपना व्याख्यान रिकॉर्ड करते हुए।

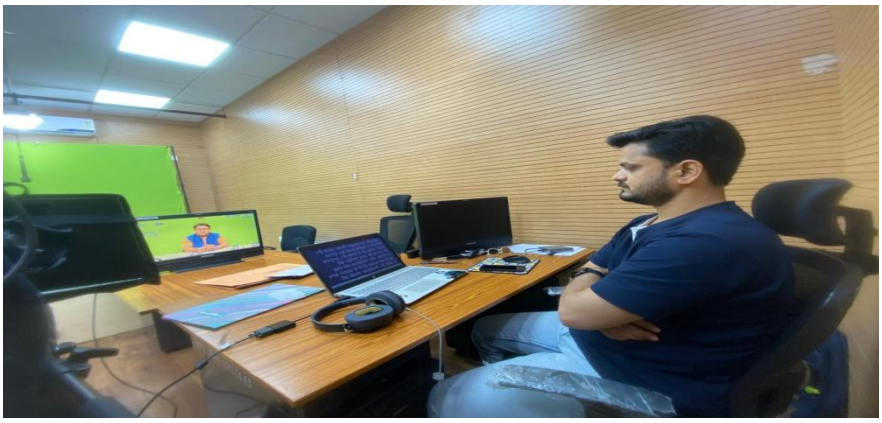

ii. मूक के निर्माण के दौरान रिकॉर्डिंग व्यवस्थाः

iii. डॉ. पूनम शर्मा, आचार्य, खाद्य एवं पोषण विभाग, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, मानव पोषण पर एमओओसी के लिए अपना व्याख्यान देते हुए (चित्र रिकॉर्डिंग सत्र में)।



iv. आचार्य राज कुमार मित्तल, माननीय कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ भारतीय ज्ञान प्रणाली पर एमओओसी के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के रिकॉर्डिंग सत्र के दौरान।



v. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र के विषय विशेषज्ञ इस विषय पर अपने विचार–विमर्श देते हुए। डिजिटल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला की तस्वीरें।





vi. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र के विषय विशेषज्ञ इस विषय पर अपने विचार–विमर्श देते हुए। डिजिटल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला की तस्वीरें।

खेल–कूद अनुभाग

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत है और साथ ही विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को प्रायोजित करता है जो छात्रों के व्यक्तित्व के समग्र विकास और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में योगदान देंगी। खेलकूद और खेलकूद विश्वविद्यालय द्वारा छात्र समुदाय के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रोत्साहित किया जाने वाला एक ऐसा क्षेत्र है। विश्वविद्यालय के आंतरिक और बाह्य खेल कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए, विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2007 में खेल अनुभाग की स्थापना की गई थी।

खेल अनुभाग बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के सभी विभागों और विद्यापीठों के छात्रों की खेल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है।

1. उद्देश्यः

i. छात्रों की खेल भागीदारी को बढ़ावा देना और शारीरिक शिक्षा एवं खेल के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा छात्रों में खेल संस्कृति का प्रसार करना।
ii. स्कूल/विभाग स्तर पर खेल प्रतिभाओं की खोज करना और उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने वालों के रूप में तैयार करना।
iii. राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट आयोजित करके विश्वविद्यालय की क्षमताओं का आकलन करना।
iv. छात्रों में खेलों में भाग लेने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए निरंतर रुचि बनाए रखने हेतु खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार प्रदान करना।
v. खेल अवसंरचना के विकास हेतु धन जुटाने हेतु पूर्व छात्रों, राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआरआई) और अन्य खेल एजेंसियों को शामिल करना।
vi. अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए समूह/व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना विकसित करने के उपाय आरंभ करना।
vii. खेल मैदान, व्यायामशाला, स्विमिंग पूल, ट्रैक और फील्ड जैसी पर्याप्त और मानक खेल अवसंरचना सुविधाएं विकसित करना और गुणवत्तापूर्ण उपकरण खरीदना।
viii. विश्वविद्यालय की टीमों और खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए योग्य एवं सक्षम कर्मियों को शामिल करके व्यवस्थित कोचिंग कार्यक्रम प्रदान करना।

2. संकाय (अतिथि/अनुबंधित/प्रेरित सहित):
डॉ. मनोज कुमार धडवाल

3. विभाग में उपलब्ध सुविधाएँ:

i. 2 वॉलीबॉल कोर्ट, 1 बास्केटबॉल कोर्ट,
ii. 1 फुटबॉल ग्राउंड, 2 लॉन टेनिस कोर्ट,
iii. 1 बैडमिंटन कोर्ट, 1 कबड्डी कोर्ट,
iv. 1 खो–खो कोर्ट, व्यायामशाला,
v. इम्प्रोवाइज़ क्रिकेट और ट्रैक एंड फील्ड,
vi. 6 टेबल टेनिस, कैरम और शतरंज बोर्ड, 1 एरोबिक्स हॉल।

4. पाठ्यक्रम संशोधन की नवीनतम तिथि (पाठ्यक्रमवार): बीपीएड कार्यक्रम के लिए नया पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

5. पिछले तीन वर्षों में संकायों की उपलब्धियाँ (संकायवार) (प्रभाव कारक के साथ प्रकाशन पुनर्मुद्रण, पुरस्कार, मान्यताएँ, प्रेरित फेलोशिप, पेटेंट, सम्मेलन/कार्यशालाओं में भाग लेना आदि): 01 पुस्तक, 07 पत्रिकाएँ और 01 पेटेंट।

6. शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के लिए आयोजित कार्यक्रम

i. खेल कोटे के अंतर्गत स्नातकोत्तर प्रवेश हेतु 16 अगस्त, 2024 को शारीरिक एवं खेल कौशल परीक्षा आयोजित की गई।
ii. 29 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया।
iii. खेल कोटे के अंतर्गत स्नातक प्रवेश हेतु 11 अक्टूबर, 2024 को शारीरिक एवं खेल कौशल परीक्षा आयोजित की गई।
iv. सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 148वीं जयंती, श्राष्ट्रीय एकता दिवस 2023श मनाया गया और 'यूनिटी रन/वॉक' का आयोजन किया गया।
v. उत्तर–क्षेत्र अंतर–विश्वविद्यालय टूर्नामेंट/एआईयू के लिए ओपन चयन ट्रायल आयोजित किया गया।
vi. बीबीएयू की विभिन्न टीमों के चयन के लिए।
vii. बीबीएयू की विभिन्न टीमों के चयन के लिए उत्तर–क्षेत्र अंतर– विश्वविद्यालय टूर्नामेंट/एआईयू के लिए ओपन चयन ट्रायल आयोजित किया गया।
viii. 12 नवंबर से 25 नवंबर, 2024 तक अंतर–विद्यालय खेल आयोजन 2024–25 (भाग–1) का आयोजन किया गया।
ix. बीबीएयू वॉलीबॉल टीम ने 21 नवंबर से 26 नवंबर 2024 तक गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर–विश्वविद्यालय पुरुष वॉलीबॉल में भाग लिया।
x. बीबीएयू फुटबॉल टीम ने 22 नवंबर से 28 नवंबर 2024 तक सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाले सेंट्रल ज़ोन इंटरवर्सिटी पुरुष फुटबॉल में भाग लिया।
xi. बीबीएयू बास्केटबॉल टीम ने 24 नवंबर से 30 नवंबर 2024 तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र (एचआर) में आयोजित नॉर्थ ज़ोन इंटरवर्सिटी पुरुष बास्केटबॉल टूर्नामेंट 2024–25 में भाग लिया।
xii. बीबीएयू खो–खो टीम ने 05 दिसंबर से 8 दिसंबर 2024 तक एलपीयू, जालंधर में आयोजित नॉर्थ ज़ोन महिला इंटर यूनिवर्सिटी खो–खो चौंपियनशिप में भाग लिया।
xiii. बीबीएयू की क्रिकेट पुरुष टीम के चयन के लिए नॉर्थ–ज़ोन इंटर–यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट/एआईयू के लिए ओपन चयन ट्रायल आयोजित किया गया।
xiv. बीबीएयू क्रिकेट टीम ने 10 फरवरी से 19 फरवरी 2025 तक दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर–विश्वविद्यालय पुरुष क्रिकेट में भाग लिया।
xv. 7 अप्रैल से 15 अप्रैल, 2024 तक अंतर–विद्यालय खेल आयोजन 2024–25 (भाग–2) का आयोजन किया।
xvi. भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर, खेल अनुभाग ने ''भीम रन/वॉक'' का आयोजन किया।
xvii. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर ने साई और पीईएफआई के सहयोग से 15 जून, 2025 को ''संडे ऑन साइकिल'' फिट इंडिया मूवमेंट का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय परिष्कृत उपकरण केंद्र (यूएसआईसी)

विश्वविद्यालय परिष्कृत उपकरण केंद्र (यूएसआईसी) एक केंद्रीय प्रयोगशाला सुविधा के रूप में स्थापित है और पर्यावरण विज्ञान विद्यालय भवन के भूतल पर स्थित है। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के सभी संकायों, शोधकर्ताओं और छात्रों को सेवाएँ प्रदान करना है। यह सुविधा बाहरी शोधकर्ताओं और छात्रों को भी भुगतान के आधार पर उपलब्ध कराई जाती है। उपयोगकर्ताओं में जागरूकता लाने के लिए संकायों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए विभिन्न उपकरणों और विश्लेषणात्मक तकनीकों के उपयोग और अनुप्रयोग पर नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ/सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। यूएसआईसी में निम्नलिखित उपकरण उपलब्ध हैं:

i. स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (SEM), मॉडलः JSM 6490 स्ट, निर्माताः जीओएल, जापान।
ii. एक्स–रे डिफ्रैक्टोमीटर (XRD), मॉडलः D8 एडवांस इको, निर्माताः ब्रूकर, जर्मनी।
iii. इन्वर्टेड लेज़र स्कैनिंग कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप (ILSCM), मॉडलः LSM900, निर्माताः Zeiss, जर्मनी
iv. प्रिपेरेटिव HPLC, मॉडलः LC-20AP, निर्माताः SHIMADZU, जापान।
v. फास्ट परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफ (FPLC), मॉडलः AKTA 10, निर्माताः GE–हेल्थकेयर बायो–साइंस, हांगकांग।
vi. फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रा–रेड स्पेक्ट्रोमीटर (FTIR), मॉडलः निकोलेट 6700, निर्माताः थर्मो–साइंटिफिक, अमेरिका।

उपरोक्त उपकरणों के अलावा, यूएसआईसी में निम्नलिखित छोटे उपकरण भी उपलब्ध हैं:

i. हाई स्पीड सेंट्रीफ्यूज मशीन (सीएम12–प्लस रेमी)
ii. वोर्टेक्स मिक्सर (सीएम101–प्लस रेमी)
iii. डबल डिस्टिलेशन यूनिट
iv. हॉट एयर ओवन, डीप फ्रीजर (–40°C)
v. डीप फ्रीजर (–40°C)
vi. इलेक्ट्रोफोरेसिस, यूवी लैंप
vii. अल्ट्रासोनिक क्लीनर
viii. माइक्रोवेव ओवन
ix. हॉट प्लेट के साथ मैग्नेटिक स्टिरर
x. फोटोरेसिस्ट स्पिनर
xi. रिसर्च माइक्रोस्कोप
xii. रेफ्रिजरेटर

1. स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (SEM)

एक स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (श्रैड 6490) किसी सतह पर केंद्रित इलेक्ट्रॉन किरणपुंज को स्कैन करके उसका प्रतिबिम्ब बनाता है। किरणपुंज में उपस्थित इलेक्ट्रॉन नमूने के साथ क्रिया करते हैं और विभिन्न संकेत उत्पन्न करते हैं जिनका उपयोग सतह की स्थलाकृति और संरचना के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है। नमूनों की प्रकृति के आधार पर इसका उपयोग निम्न और उच्च निर्वात दोनों में किया जा सकता है। कम kV (ऊर्जा) वाला निम्न निर्वात उपयोगकर्ता को पदार्थ, अर्थात् कार्बनिक नमूनों को आवेशित करने से पहले, स्कैन करने के लिए अधिक समय प्रदान करता है। इस उपकरण को एक वैकल्पिक सहायक उपकरण, अर्थात् OXFORD instruments, UK के EDS 133, EV

ड्राई डिटेक्टर (INCA x-act) के साथ जोड़ा गया है, जिसने इसके अनुप्रयोग क्षेत्र को इस प्रकार बढ़ाया है कि जैविक पदार्थ से संबद्ध, पृथक रूप में या मिश्रधातु के रूप में किसी भी धातु की पहचान और मात्रा का निर्धारण किया जा सकता है। एसईएम सुविधा को दो महत्वपूर्ण तैयारी इकाइयों, अर्थात जेईओएल, जापान के स्पटर कोटर (जेएफसी 1600, ऑटो फाइन कोटर) और यूके के क्वोरम टेक्नोलॉजी के क्रिटिकल प्वाइंट ड्रायर (सीपीडी) एमिटेक के 850, से भी समर्थन प्राप्त है।



चित्र 1. जेईओएल (जेएसएम 6490 एलवी) का स्कैनिंग

2. एक्स–रे विवर्तनमापी (XRD):

एक्स–रे विवर्तन (ग्त्व) क्रिस्टलीय पदार्थों के अभिलक्षणन हेतु एक शक्तिशाली तकनीक है। यह संरचना, प्रावस्था, बनावट और अन्य संरचनात्मक मापदंडों, जैसे औसत कण आकार, क्रिस्टलीयता, विकृति और क्रिस्टल दोषों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। यह प्रणाली गोनियोमीटर, एक्स–रे स्रोत, ट्यूब हाउसिंग, माउंट, सैंपल होल्डर और ऑप्टिक्स एवं स्लिट सिस्टम के साथ डिटेक्टर से सुसज्जित है। इस प्रणाली में DIFFRAC-EVA मूल्यांकन सॉफ्टवेयर, विवर्तन विश्लेषण के लिए DIFFRAC-TOPAS सॉफ्टवेयर और ICDD PDF-4 Axiom 2020 डेटाबेस है।



चित्र 2. ब्रुकर का एक्स–रे डिफ्रैक्टोमीटर (D8 एडवांस इको)

3. इन्वर्टेड लेज़र स्कैनिंग कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप (ILSCM):

इन्वर्टेड लेज़र स्कैनिंग कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप एक प्रतिदीप्ति–इमेजिंग तकनीक है जो नमूने पर लेज़र की क्रिया द्वारा, बिंदु–दर–बिंदु उत्सर्जन डेटा एकत्र करके और कंप्यूटर द्वारा पुनर्निर्माण करके, जैविक नमूनों में अत्यंत तीक्ष्ण प्रकाशीय खंड उत्पन्न करती है, जिससे स्थलाकृतिक रूप से जटिल वस्तुओं का त्रि–आयामी पुनर्निर्माण संभव होता है। ILSCM (ZEISS, LSM 900) मल्टीचौनल प्रतिदीप्ति इमेजिंग जेड–स्टैक, कोलोकलाइज़ेशन, टाइम–लैप्स इमेजिंग, FRET, FRAP, फोटो एक्टिवेशन और रूपांतरण से

सुसज्जित है। यह स्थिर और सजीव जैविक नमूनों की अत्यधिक संवेदनशील स्पेक्ट्रल कॉन्फोकल इमेजिंग करने में सक्षम है।



चित्र 3. ज़ीस का उल्टा लेजर स्कैनिंग कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप (LSM900)

4. प्रिपेरेटिव एचपीएलसीः

प्रिप एचपीएलसी का उपयोग मिश्रित विलयन से उच्च–शुद्धता वाले लक्ष्य यौगिकों को पृथक और परिष्कृत करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग बाद के मूल्यांकन, विश्लेषण और प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक उच्च–शुद्धता वाले यौगिकों को कम से कम समय में विभाजित करने के लिए किया जाता है। प्रिपेरेटिव एचपीएलसी (शिमादजू, मॉडलरू एलसी–20 एपी) एसपीडी–एम 40ए फोटोडायोड ऐरे डिटेक्टर से सुसज्जित है जिसकी तरंगदैर्ध्य रेंज 190–800 एनएम है, सीबीएम 20ए सिस्टम कंट्रोलर, फ्रैक्शन कलेक्टर एफआरसी–10ए, सी18 और सी8 कॉलम और लैबसोल एडीडी पीडीए कनेक्ट सीएस रेडी सॉफ्टवेयर।

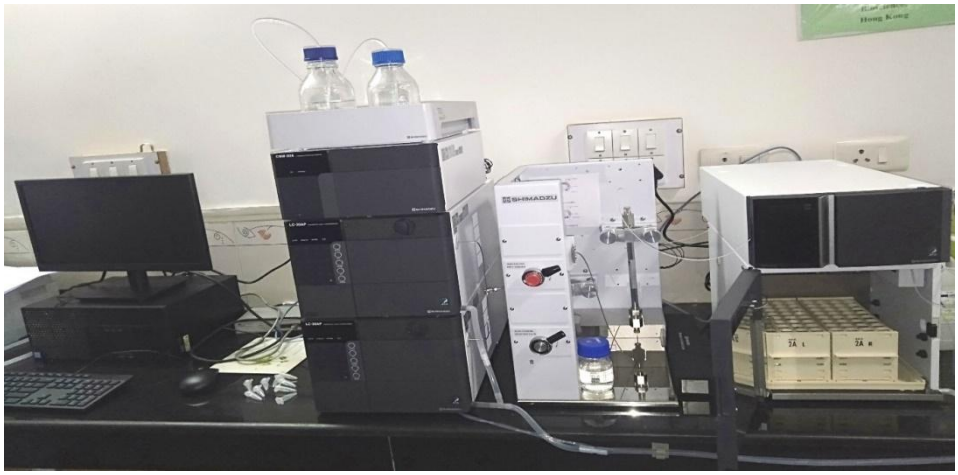

चित्र 4. शिमादजू (एलसी–20 एपी) की प्रारंभिक एचपीएलसी

5. फ़ास्ट परफ़ॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफ़ (FPLC):

फ़ास्ट परफ़ॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफ़ (FPLC) मध्यम दाब क्रोमैटोग्राफी का एक रूप है जिसका उपयोग प्रोटीन और अन्य जैव–अणुओं के मिश्रण का विश्लेषण या शुद्धिकरण करने के लिए किया जाता है। FPLC (मुख्य AKTA 10) के साथ अन्य सहायक उपकरण भी दिए गए हैं जिनमें सेफ़ैडेक्स G75,

सेफ़ैक्राइ1 S-200, डीईई सेफ़रोज़ फ़ास्ट FL, CM सेफ़रोज़ फ़ास्ट फ़्लो शॉर्ट और लॉन्ग कॉलम होल्डर, AKTA यूज़र किट आदि शामिल हैं ताकि इस सुविधा का व्यापक उपयोग किया जा सके।

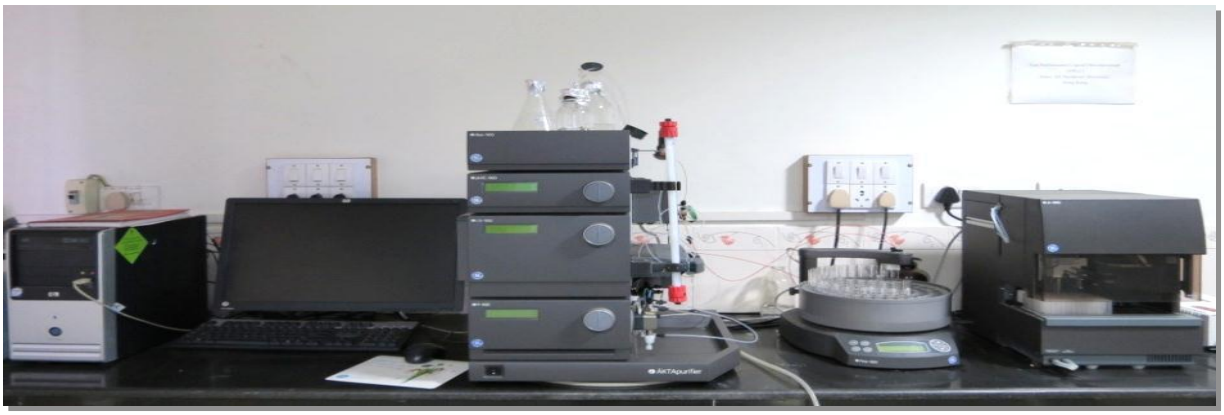

चित्र 5. जीई–हेल्थकेयर (AKTA 10) का तेज़ प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफ़

6. फूरियर ट्रांसफ़ॉर्म इन्फ़रा–रेड स्पेक्ट्रोमीटर (FTIR):

फूरियर ट्रांसफ़ॉर्म–इन्फ़रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (FTIR) एक विश्लेषणात्मक तकनीक है जिसका उपयोग कार्बनिक (और कुछ मामलों में अकार्बनिक) पदार्थों के अवशोषण या उत्सर्जन का अवरक्त स्पेक्ट्रम प्राप्त करने के लिए किया जाता है। FTIR को एटेन्यूएटेड टोटल रिफ़्लेक्टेंस (ATR) नामक एक सहायक उपकरण से पूरक किया गया है ताकि इस उपकरण के उपयोग और अनुप्रयोग को इस प्रकार बढ़ाया जा सके कि इस सुविधा से किसी भी प्रकार के पदार्थ, जैसे कि फिल्मी/पेलेट; द्रव, जिसमें ज्वलनशील प्रकृति के द्रव भी शामिल हैं, का अध्ययन किया जा सके; बल्कि इसका सीमित उपयोग केवल ठोस पदार्थों के स्पेक्ट्रा को हाइड्रॉलिक प्रेस के तहत झठत के साथ मिलाकर पाउडर के रूप में प्राप्त करने तक सीमित है।



चित्र 6. थर्मो–साइंटिफिक का फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रा–रेड स्पेक्ट्रोमीटर (निकोल 6700)

उपकरणों का उपयोग:

विश्वविद्यालय के शोधार्थियों और संकाय सदस्यों द्वारा अत्याधुनिक उपकरणों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। विश्लेषण का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम संख्या	उपकरण का नाम	अप्रैल 2024 से मार्च 2025		
		आंतरिक उपयोगकर्ता	बाहरी उपयोगकर्ता	कुल
i.	स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	1,80,800/-	2,72,500/-	4,53,300/-
ii.	फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रा–रेड स्पेक्ट्रोमीटर	72,200/-	32,800/-	1,15,000/-
iii.	एक्स–रे डिफ्रैक्टोमीटर	73,300/-	26,200/-	99,500/-
iv.	प्रीप एचपीएलसी	27,750/-	3,000/-	30,750/-
v.	आईएलएससीएम	22,800/-	99,300/-	1,22,100/-
vi.	फोटोरेसिस्ट स्पिनर	1150/-	1000/-	2150/-

प्रोफ़ाइलः

विश्वविद्यालय के यूएसआईसी में एक निदेशक/प्रभारी और विज्ञान संकाय के 5 प्रोफेसरों वाली एक सलाहकार समिति भी कार्यरत है।

व्यावहारिक प्रशिक्षण/कार्यशाला

विश्वविद्यालय परिष्कृत उपकरण केंद्र (यूएसआईसी) नियमित रूप से बीबीएयू और गैर–बीबीएयू के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए उपकरण निर्माण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण/कार्यशाला कार्यक्रम आयोजित करता है।

संपर्क हेतुः

आचार्य (डॉ.) बाल चंद्र यादव

निदेशक/प्रभारी

विश्वविद्यालय परिष्कृत उपकरण केंद्र (यूएसआईसी)

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय,

विद्या विहार, रायबरेली रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

मोबाइलः 9450094590

ईमेलः usicbbau@yahoo.com bcyadava@bbau.ac.in

सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो

सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो प्रकोष्ठ के बारे में

1. सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो समितिः

i. आचार्य संगीता सक्सेना (डीबीटी) समन्वयक
ii. डॉ. रवि कुमार गुप्ता (डीईएम) सह–समन्वयक
iii. डॉ. वी. एम. रवि कुमार (डीएच) सदस्य
iv. डॉ. रशीदा अथर (एचआर) सदस्य
v. डॉ. ज्योति पांडे (डीएसी) सदस्य
vi. डॉ. प्रणव कुमार आनंद (डीई) सदस्य
vii. डॉ. लता बाजपेयी (डीआरएम) सदस्य
viii. डॉ. विनीत कुमार (डीएलआईएससी) सदस्य

2. अवलोकन

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ को देश में अपनी तरह के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक बनाने की सतत प्रक्रिया में एक और कदम के रूप में, परिसर में एक सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो (आई एंड जीबी) स्थापित करने का निर्णय लिया गया। अपना करियर बनाने के लिए, छात्रों को यह जानना आवश्यक है कि उनके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और वे उन्हें कहाँ और कैसे प्राप्त कर सकते हैं। छात्रों की इन विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो (I&GB) 27. 08.07 से अस्तित्व में आया और यह परिसर के छात्रों, पूर्व छात्रों और विद्वानों के लाभ के लिए आवश्यक कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह प्रकोष्ठ समय–समय पर मलिन बस्तियों और गांवों में महिलाओं, साक्षरता, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर जागरूकता अभियान चलाकर समाज की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

अपना करियर बनाने के लिए, छात्रों को यह जानना आवश्यक है कि उनके लिए क्या विकल्प उपलब्ध हैं और वे इसे कहाँ और कैसे प्राप्त कर सकते हैं। छात्रों की इन विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, अगस्त 2007 में सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो (I&GB) की शुरुआत की गई और यह छात्रों और पूर्व छात्रों के लाभ के लिए आवश्यक कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो (I&GB) छात्र समुदाय को उनकी योग्यता और अभिरुचि के अनुरूप विभिन्न प्लेसमेंट, शिक्षा ऋण, उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, छात्रवृत्ति, फेलोशिप और भारत और विदेशों में उपलब्ध सहायक पदों को प्राप्त करने के मामलों में सार्थक सेवाएं प्रदान करने में लगा हुआ है।

ब्यूरो का मुख्य कार्य विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए रोजगार सूचना का प्रसार करना है। छात्रों को विभिन्न रोजगार अवसरों, योग्यताओं, आयु सीमा, प्रतियोगी परीक्षाओं की योजना और भारत एवं विदेश में उच्च शिक्षा के बारे में जानकारी दी जाती है। ब्यूरो का कार्य करियर सम्मेलनों का आयोजन करना है जहाँ विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियाँ छात्रों को संबोधित करेंगी, करियर संबंधी विभिन्न जानकारी एकत्रित और प्रदर्शित करेंगी, छात्रों के संदर्भ के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों की हैंडबुक, समाचार पत्र, सहयोगी ब्यूरो के बुलेटिन, रोजगार समाचार और व्यावसायिक सूचना फ़ाइलें उपलब्ध कराएँगी। इसके अलावा, यह छात्रों को व्यक्तिगत रूप से या समूहों में व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा और भारत एवं विदेश में उपलब्ध व्यावसायिक जानकारी, प्रशिक्षण सुविधाओं और वित्तीय सहायता को एकत्रित और प्रसारित करेगा।

3. उद्देश्य एवं लक्ष्य

i. कैरियर मार्गदर्शनः

- छात्रवृत्ति, फेलोशिप, प्रशिक्षण सुविधाओं, प्रवेश और विभिन्न व्यवसायों आदि के बारे में जानकारी एकत्र करना और उसका प्रसार करना।
- ब्यूरो में विभिन्न कैरियर मार्गदर्शन साहित्य पत्रिकाओं की उपलब्धता के बारे में छात्रों की सहायता करना।

ii. प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी

- विभिन्न लोक सेवा आयोगों और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी प्रदान करना।

iii. विदेशों में छात्रवृत्ति और उच्च शिक्षा के बारे में जानकारी।

- भारत और विदेशों में उच्च अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी देना।

iv. रोजगार मार्गदर्शन और सहायता।

- उपयुक्त अवसर आने पर रोजगार सहायता के लिए स्नातकोत्तर छात्रों और अन्य विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों को सामान्य और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में पंजीकृत करना।

v. रोजगार और व्यावसायिक जानकारी।

- कैंपस साक्षात्कार आयोजित करने में विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल की सहायता करना।

vi. स्व–रोजगार।

- छात्रों को व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान करना।
- पंजीकृत बेरोजगारों के लिए स्व–रोजगार योजना के अंतर्गत उद्यमी बेरोजगार युवकों को सुविधाओं और प्रोत्साहनों से परिचित कराना।

vii. व्यक्तिगत मार्गदर्शन

- विद्यार्थियों को उनके व्यक्तित्व लक्षणों का बोध कराना। तथा उन्हें उनकी रुचियों, आकांक्षाओं, योग्यताओं, शक्तियों और कमजोरियों से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों की विशिष्ट व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान।
- उपरोक्त के अतिरिक्त, विद्यार्थियों को विभागीय स्तर पर शिक्षकों से निरंतर शैक्षणिक परामर्श भी प्राप्त होता है।

4. 2024–2025 में गतिविधियाँ

आई एंड जीबी द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

i. **विषयः** ''वैश्विक विद्वान कार्यक्रम के लिए युवा मस्तिष्कों को प्रेरित करना''
दिनांक और समयः 24 फ़रवरी–2025, सुबह 11:00 बजे
स्थानः सम्मेलन कक्ष, एसईईएस

निष्कर्षः सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो ने उक्त तिथि और समय पर स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी शोधार्थियों के लिए उपरोक्त विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के छात्रों ने वेबिनार का भरपूर स्वागत किया और उन्होंने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। वेबिनार में 40 से अधिक छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ नीचे दी गई हैं:

- आई एंड जीबी के सह–समन्वयक डॉ. रवि कुमार गुप्ता ने वक्ता सुश्री पूजा अग्रवाल, प्रबंधक, मानव संसाधन, आयरन सिस्टम इंक. का स्वागत किया। उन्होंने वेबिनार में उपस्थित अन्य संकाय सदस्यों, प्रो. डी. आर. मोदी और छात्रों का भी स्वागत किया।
- बीबीएयू के विभिन्न विभागों के छात्र वेबिनार में उपस्थित थे। उनके नाम गतिविधि उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज हैं और तस्वीरें संलग्न हैं।
- सुश्री पूजा अग्रवाल ने उपरोक्त विषय पर व्याख्यान की शुरुआत की और छात्रों को साक्षात्कार कौशल, साक्षात्कारकर्ता के सामने खुद को कैसे प्रस्तुत करें, साक्षात्कारकर्ताओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के बारे में जानकारी न होने पर अपना बचाव कैसे करें, इन विषयों पर बहुत ही उपयोगी ज्ञान और जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से प्रश्न पूछकर व्याख्यान को बहुत ही संवादात्मक बना दिया।
- उन्होंने छात्रों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के साक्षात्कार के बारे में पूछे गए प्रश्नों और वे अपने संचार कौशल को कैसे सुधार सकते हैं, इस बारे में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बहुत संवादात्मक व्यवहार किया।
- छात्रों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली, वह बहुत ही रोचक और विचारशील है। कुछ छात्रों ने वक्ता से पूछा कि हमें साक्षात्कार पैनल के सामने संवाद कैसे शुरू करना चाहिए, हम डर से कैसे छुटकारा पा सकते हैं और हम आत्म–प्रबंधन कैसे कर सकते हैं।
- कुल मिलाकर, यह बीबीएयू के विभिन्न विभागों के छात्रों के लिए बहुत ही जानकारीपूर्ण और उत्साहपूर्ण वेबिनार था। डॉ. रवि कुमार गुप्ता ने अतिथियों और छात्रों को धन्यवाद ज्ञापन दिया और सेमिनार का समापन किया।

ii. विषयः ''सिविल सेवा की पहेली सुलझाना''

दिनांक एवं समयः 10 फ़रवरी 2025, प्रातः 11:00 बजे

स्थानः सम्मेलन कक्ष, एसईईएस

निष्कर्षः

बीबीएयू, लखनऊ के सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो ने उन्नत अध्ययन संस्थान (आईएफएएस), पुणे के सहयोग से स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच.डी शोधार्थियों के लिए उक्त तिथि और समय पर उपरोक्त विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के छात्रों ने वेबिनार का भरपूर स्वागत किया और इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया। वेबिनार में लगभग 100 छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैंः

- सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो के सह–समन्वयक डॉ. रवि कुमार गुप्ता ने आईएफएएस, पुणे के संसाधन व्यक्ति, आईएफएएस के वक्ता का स्वागत किया। उन्होंने वेबिनार में उपस्थित अन्य संकाय सदस्यों और छात्रों का भी स्वागत किया।
- बीबीएयू के विभिन्न विभागों के छात्र वेबिनार में उपस्थित थे। उनके नाम गतिविधि उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज हैं और तस्वीरें संलग्न हैं।
- संसाधन व्यक्ति ने उपरोक्त विषय पर व्याख्यान शुरू किया और साक्षात्कार कौशल, परीक्षा के लिए खुद को कैसे तैयार करें, अपने अध्ययन के लिए कैसे शेड्यूल बनाएं, इस बारे में छात्रों को बहुत उपयोगी ज्ञान और जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से प्रश्न पूछकर व्याख्यान को बहुत इंटरैक्टिव बना दिया।

- विभिन्न क्षेत्रों में सीएसआईआर परीक्षा के बारे में छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर और वे अपने अंकों को कैसे बेहतर बना सकते हैं, इस बारे में छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ वे बहुत संवादात्मक थे।
- छात्रों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली, वह बहुत ही रोचक और विचारशील है। कुछ छात्रों ने वक्ता से पूछा कि हमें सीएसआईआर परीक्षा की तैयारी कैसे शुरू करनी चाहिए और इसके लिए कितने घंटे अध्ययन की आवश्यकता है।
- कुल मिलाकर, यह बीबीएयू के विभिन्न विभागों के छात्रों के लिए बहुत जानकारीपूर्ण और उत्साहजनक वेबिनार था। डॉ. रवि कुमार गुप्ता ने अतिथियों, छात्रों को धन्यवाद दिया और सेमिनार का समापन किया।

iii. विषयः "यूपीएससी के लिए युवा मस्तिष्क को प्रेरित करना"

दिनांक एवं समयः 25–09–2024, प्रातः 12रू00 बजे

स्थानः एसईईएस सम्मेलन हॉल, बीबीएयू

निष्कर्षः

सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो ने उक्त तिथि एवं समय पर स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी शोधार्थियों के लिए उपरोक्त विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के छात्रों ने संगोष्ठी का भरपूर स्वागत किया और इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया। संगोष्ठी में 300 से अधिक छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ नीचे दी गई हैंः

- आचार्य संगीता सक्सेना ने वक्ता डॉ. पूनम (एसडीएम, लखनऊ) और दृष्टि आईएएस के संकाय श्री अभिषेक मिश्रा का स्वागत किया। उन्होंने सेमिनार में उपस्थित अन्य संकाय सदस्यों, आई एंड जीबी समिति के सदस्यों और छात्रों का भी स्वागत किया।
- सेमिनार में बीबीएयू के विभिन्न विभागों के छात्र उपस्थित थे। उनका नाम, संपर्क विवरण गतिविधि उपस्थिति रजिस्टर में मौजूद है।
- श्री अभिषेक मिश्रा ने व्याख्यान शुरू किया और छात्रों को यूपीएससी की तैयारी के बारे में बहुत ही उपयोगी ज्ञान और जानकारी दी। प्रो. संगीता सक्सेना ने अतिथि का स्वागत किया और डॉ. पूनम को मंच सौंपा। उन्होंने अपने उत्कृष्ट व्यक्तित्व से छात्रों का मनोबल बढ़ाया और परीक्षा में प्रतिस्पर्धा करने के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। उन्होंने यूपीएससी के लिए अनुशासन, कड़ी मेहनत और अध्ययन की निरंतरता पर जोर दिया। उन्होंने बचपन से आईपीएस तक की अपनी यात्रा के बारे में बताया कि कैसे उन्होंने इस परीक्षा को पास किया और उनकी सफलता के मुख्य बिंदु क्या हैं शैक्षणिक।
- वे छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ उनकी पसंद और उनके करियर की प्रगति से संबंधित प्रश्न पूछकर बहुत संवादात्मक थे।
- छात्रों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली वह बहुत रोचक और विचारोत्तेजक थी। कुछ छात्रों ने इसे एक अद्भुत और ज्ञानवर्धक सेमिनार बताया।
- कुल मिलाकर, यह बीबीएयू के विभिन्न विभागों के छात्रों के लिए बहुत ही ज्ञानवर्धक और उत्साहवर्धक सेमिनार था। सूचना और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सह–समन्वयक डॉ. रवि कुमार गुप्ता ने अतिथियों और छात्रों को धन्यवाद ज्ञापन दिया और सेमिनार का समापन किया।

iv. विषयः "यूपीएससी के लिए युवा मस्तिष्क को प्रेरित करना"

दिनांक एवं समयः 12–08–2024, प्रातः 11रू00 बजे

स्थानः एसईईएस सम्मेलन हॉल, बीबीएयू

निष्कर्षः

सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो ने उक्त तिथि एवं समय पर स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी शोधार्थियों के लिए उपरोक्त विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी को विश्वविद्यालय के छात्रों से भरपूर प्रतिक्रिया मिली और उन्होंने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। संगोष्ठी में 300 से अधिक छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ नीचे दी गई हैंः

- आचार्य संगीता सक्सेना ने वक्ता श्री चौतन्य मिश्रा, आईपीएस (बैचः 2022) और कुमार अमित, दृष्टि आईएएस के संकाय का स्वागत किया। उन्होंने संगोष्ठी में उपस्थित अन्य संकाय सदस्यों, सूचना एवं जीबी समिति के सदस्यों और छात्रों का भी स्वागत किया।
- बीबीएयू के विभिन्न विभागों के छात्र संगोष्ठी में उपस्थित थे। उनके नाम और संपर्क विवरण गतिविधि उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज हैं।
- श्री कुमार अमित ने व्याख्यान की शुरुआत की और छात्रों को यूपीएससी की तैयारी के बारे में बहुत ही उपयोगी ज्ञान और जानकारी दी। प्रो. संगीता सक्सेना ने अतिथि का स्वागत किया और श्री चौतन्य मिश्रा को मंच सौंपा। उन्होंने अपने उत्कृष्ट व्यक्तित्व से छात्रों का मनोबल बढ़ाया और परीक्षा में प्रतिस्पर्धा करने के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। उन्होंने यूपीएससी के लिए अनुशासन, कड़ी मेहनत और अध्ययन की निरंतरता पर जोर दिया। उन्होंने बचपन से लेकर आईपीएस तक के अपने सफर के बारे में बताया कि कैसे उन्होंने इस परीक्षा को पास किया और उनकी सफलता के मुख्य बिंदु क्या हैं। छात्रों के उत्साह के संदर्भ में यह एक उत्कृष्ट सेमिनार था और उन्होंने अतिथि से कई सवाल पूछे। कई छात्रों ने अपनी बाधाओं और जीवन और शैक्षणिक में उन बाधाओं का सामना करने के तरीके के बारे में विविध प्रश्न पूछे।
- उन्होंने छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ उनके करियर की प्रगति के बारे में उनकी पसंद और प्रश्न पूछकर बहुत बातचीत की।
- छात्रों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली वह बहुत ही रोचक और विचारशील थी। कुछ छात्रों ने इसे अद्भुत और ज्ञानवर्धक सेमिनार बताया।
- कुल मिलाकर, यह बीबीएयू के विभिन्न विभागों के छात्रों के लिए बहुत ही जानकारीपूर्ण और उत्साहवर्धक सेमिनार था। आई एंड जीबी के सह–समन्वयक डॉ. रवि कुमार गुप्ता ने अतिथियों, छात्रों को धन्यवाद दिया और सेमिनार का समापन किया।

कार्यक्रम की तस्वीरेंः





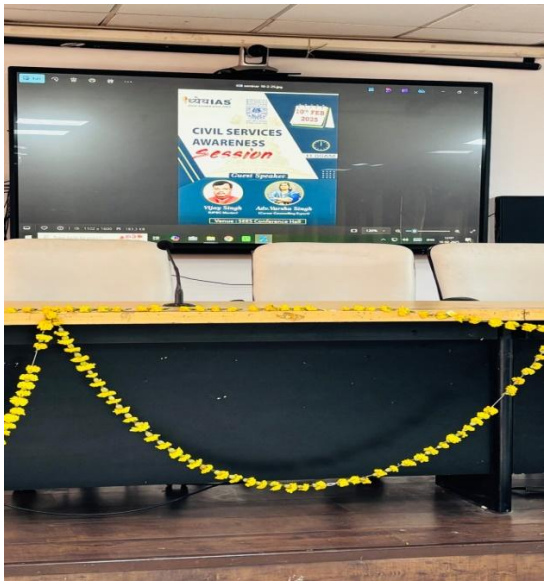
CIVIL SERVICES
AWARENESS
Session






CIVIL SERVICES
AWARENESS
Session

छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय

छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) अनुभाग छात्रों के समग्र कल्याण के लिए समर्पित है। वर्तमान में, वैं परिसर में नौ (09) छात्रावासों का प्रबंधन करता है, जो मुख्य रूप से मेधावी और बाहरी छात्रों को आवास प्रदान करते हैं। ये सुव्यवस्थित छात्रावास आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित हैं, जिनमें भोजनालय, मनोरंजन कक्ष, वाचनालय और पाठ्यचर्या व सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों के अवसर शामिल हैं। प्रत्येक छात्रावास की देखरेख एक प्रशासनिक वार्डन द्वारा की जाती है, जिसे छात्रावास की क्षमता के आधार पर अतिरिक्त वार्डन द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। लड़कियों के छात्रावासों की देखरेख सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध एक मेट्रन द्वारा की जाती है। छात्रावास का जीवंत वातावरण छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक आरामदायक और अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार, कल्याणकारी गतिविधियों के सुचारू प्रबंधन में छात्रों की सक्रिय भागीदारी और छात्रों की चिंताओं का समाधान करने के लिए प्रतिवर्ष एक छात्र परिषद का गठन किया जाता है।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण और टीम के सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं:

- आचार्य नरेंद्र कुमार, छात्र कल्याण अधिकारी
- आचार्य शरद कुमार सोनकर, उप–छात्र कल्याण अधिकारी (पुरुष)
- डॉ. तरुणा, उप–छात्र कल्याण अधिकारी (महिला)
- आचार्य दीपा राज, सहायक छात्र कल्याण अधिकारी (आवंटन) (महिला)
- डॉ. पवन चौरसिया (आवंटन) (पुरुष)
- डॉ. जवाहर लाल जाट, सहायक छात्र कल्याण अधिकारी (रखरखाव) (पुरुष)
- डॉ. शिखा तिवारी, सहायक छात्र कल्याण अधिकारी (रखरखाव) (महिला)
- डॉ. मोनिका शर्मा, सहायक छात्र कल्याण अधिकारी (सांस्कृतिक) (महिला)
- डॉ. शिव शंकर यादव (सांस्कृतिक) (पुरुष)
- एक डाटा एंट्री ऑपरेटर (डीईओ)
- एक मल्टी–टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)

छात्र कल्याण अधिकारी और उनकी टीम द्वारा की जाने वाली प्रमुख सामाजिक एवं कल्याणकारी गतिविधियाँ

i. लड़कियों के लिए छात्रावास से सुबह बाहर निकलने का समय सुबह 6:30 बजे से बदलकर 5:30 बजे कर दिया गया।
ii. कुलपति विवेकाधीन कोष की स्थापना की गई और आर्थिक रूप से जरूरतमंद छात्रों को वितरित किया गया।
iii. राज्य के बाहर के 100% छात्रों को सफलतापूर्वक छात्रावास आवास आवंटित किया गया।
iv. छात्रावास आवंटन के दौरान बेंचमार्क विकलांग व्यक्ति (PwBD) छात्रों को प्राथमिकता दी गई, आसान पहुँच के लिए शौचालयों के पास भूतल पर कमरे आवंटित किए गए।
v. अधिकांश छात्राओं को छात्रावास आवास प्रदान किया गया।
vi. समग्र छात्र विकास के लिए, स्थापना दिवस, गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के दौरान शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें एडीएसडब्लू सांस्कृतिक (M&W) के मार्गदर्शन में उत्साहपूर्वक भागीदारी की गई।
vii. पहली बार, अगस्त 2019 में सभी लड़कियों और लड़कों के छात्रावासों में छात्र परिषद के सदस्यों को शामिल करते हुए लैंगिक संवेदनशीलता सत्र आयोजित किए गए।

viii. छात्रों के लिए साप्ताहिक परामर्श सत्र प्रत्येक बुधवार को एक पेशेवर परामर्शदाता द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

ix. छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें शामिल हैं:
क. प्रेरक वक्ताओं के भाषण।
ख. ''परीक्षा पे चर्चा'' के दौरान भारत के प्रधानमंत्री के साथ लाइव बातचीत।

x. टैबलेट और स्मार्टफ़ोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का वितरण समय–समय पर किया गया है, जिससे विश्वविद्यालय के कई छात्र लाभान्वित हुए हैं।

विश्वविद्यालय के छात्रावासों की वार्षिक रिपोर्ट भी उपलब्ध है और नीचे सूचीबद्ध है:

1. अशोका पुरूष छात्रावास

यह छात्रावास एक आधुनिक और ताज़ा इमारत है, जिसका निर्माण एक प्रेरक और समृद्ध अनुभव प्रदान करने के स्पष्ट उद्देश्य से किया गया है जहाँ छात्र श्जीवन के लिए सीखनाश सीख सकें। सहायक, हाउसकीपर, माली और रखरखाव कर्मचारी, वार्डन और निश्चित रूप से डीन छात्र कल्याण सहित देखभाल करने वाले और समझदार सहायक कर्मचारी छात्रावास के छात्रों पर विशेष ध्यान देते हैं।

उद्देश्य

छात्रावास में जीवन का अर्थ है अनुभवों का एक संपूर्ण परिदृश्य, जो श्जीवन भर के दोस्तश बनाने से लेकर स्वतंत्र रूप से जीवन का सामना करने का आत्मविश्वास हासिल करने तक फैला हुआ है। इसीलिए हमने अपने छात्रावास में एक गर्मजोशी भरा, स्वागतयोग्य, स्फूर्तिदायक और घर जैसा माहौल बनाने पर बहुत ज़ोर दिया है। छात्रावास घर से दूर एक घर है, जहाँ रहने वाले श्स्वतंत्र होने का आत्मविश्वास विकसित करते हैं, चाहे वह दोस्ती हो, खाना हो, सामान हो, कमरे हों, खुशियाँ हों, दुःख हों, चुनौतियाँ हों या साथ–साथ पले–बढ़े अनगिनत अनुभव हों।

छात्रावास, निवासियों में वैश्विक नागरिकता की सोच विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने विभिन्न प्रयासों के माध्यम से, यह निवासियों को स्थानीय, क्षेत्रीय और विभाजनकारी सीमाओं से परे सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

सुविधाएँ

छात्रावास में चार मंजिला इमारत है, जिसका परिसर हरा–भरा, शांत और प्रदूषण–मुक्त है। कमरे हवादार और विशाल हैं, जिनमें अच्छी प्राकृतिक रोशनी और बालकनी है, जो दो लोगों के रहने के लिए उपयुक्त है। कमरों में बिस्तर, स्टडी टेबल, वार्डरोब, लाइट और पंखे लगे हैं। छात्रावास में कर्मचारी हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सुचारू रूप से चले और निवासियों के कल्याण का ध्यान रखें। छात्रावास के विज़िटिंग लाउंज में एक नोटिस बोर्ड लगा है ताकि निवासियों को भेजे गए किसी भी नोटिस की जानकारी मिल सके। छात्र अनुशासन और छात्रावास प्रशासन का संपूर्ण प्रभार वार्डन, डीएसडब्ल्यू और प्रॉक्टर के पास है। छात्रों के विश्वविद्यालय प्रवेश योग्यता के आधार पर डीन छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा आवास प्रदान किया जा रहा है।

छात्रावास में साठ छात्रों के बैठने की क्षमता वाला एक भोजन कक्ष है। मेस का निजीकरण कर दिया गया है। छात्रावास में मेस में शामिल होना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय की संस्कृति को बनाए रखने के लिए, मेस में रहने वालों को अच्छा और स्वास्थ्यवर्धक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए रहने वालों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, मेस का मेनू हर महीने बदला जाता है।

अन्य सुविधाएँ हैं

- एसी कॉमन रूम
- अध्ययन कक्ष
- एसी अभिभावक अतिथि कक्ष
- वाटर गीजर
- आरओ युक्त वाटर कूलर
- वाशिंग मशीन
- एचडी सेट–टॉप बॉक्स युक्त एलईडी टीवी
- इनडोर गेम्स रूम
- बैडमिंटन कोर्ट
- वाई–फाई
- चिकित्सा सुविधा उपलब्ध
- माँग पर एम्बुलेंस सुविधा
- विकलांग कैदियों के लिए शौचालय
- समाचार पत्र, पत्रिकाएँ उपलब्ध
    i. अमर उजाला
    ii. टाइम्स ऑफ इंडिया
    iii. दैनिक जागरण

छात्रावास कार्यालय

प्रशासन और अन्य दैनिक कार्यों को सुगम बनाने के लिए, छात्रावास में एक कार्यालय है जिसमें एक जिला शिक्षा अधिकारी (डाटा एंट्री ऑपरेटर), एक केयरटेकर, चार हाउसकीपर और 24 घंटे सुरक्षा गार्ड सहित सहायक कर्मचारी कार्यरत हैं।

प्रशासनिक वार्डनः डॉ. मुजीबुर रहमान

वार्डनः डॉ. सुरेंद्र सिंह जाटव
डीओईः श्री मोहम्मद अजहरुद्दीन
केयरटेकरः श्री प्रशांत सिंह

2. कनिष्क बालक छात्रावास

उद्देश्य –

कनिष्क बालक छात्रावास 2012 से कार्यरत है। यह छात्रावास स्थानीय, क्षेत्रीय और विखंडित सीमाओं से परे तर्कसंगत सोच और तार्किक समझ विकसित करके छात्रों की मानसिकता बदलने और उन्हें श्सांस्कृतिक सापेक्षवादश के मूल्यों की ओर उन्मुख करने के लिए प्रतिबद्ध है। सार्वभौमिक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए, छात्रावास प्रशासन छात्रों को स्वस्थ जीवन और वैश्विक सोच प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित और समर्पित है।

सुविधाएः–

कनिष्क बालक छात्रावास में निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध हैंः–

- भोजन कक्ष
  एक समय में साठ छात्रों के बैठने के लिए फर्नीचर और कीटनाशक मशीन उपलब्ध कराई गई है। छात्र सहकारी मेस छात्रों को बहुत ही उचित दरों पर अच्छा और स्वस्थ भोजन प्रदान कर रहा है।
- पेयजल
  छात्रों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आर.ओ. प्लांट से सुसज्जित नौ वाटर कूलर लगाए गए हैं।
- कॉमन हॉल
  कॉमन हॉल में 36 इंच का एलईडी एचडी टीवी और सेंटर टेबल के साथ एक सुंदर सोफ़ा दिया गया है।
- अभिभावक/अतिथि कक्ष
  छात्रावास में एक पूर्णतः वातानुकूलित अभिभावक/अतिथि कक्ष और गद्दे, चादर, कंबल, तकिये के साथ एक सुंदर बिस्तर, सेंटर टेबल के साथ सुंदर सोफ़ा और अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
- छात्रावास
  एक छात्रावास भी है जिसमें पूर्णतः वातानुकूलित है और गद्दे, चादर, कंबल, तकिये के साथ दो सुंदर बिस्तर, सेंटर टेबल के साथ सुंदर सोफ़ा और अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
- खेलकूद
  छात्रावास में इन–डोर और आउटडोर खेलों की सुविधाएँ उपलब्ध हैं जिनमें टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, लूडो, वॉलीबॉल, फुटबॉल और क्रिकेट आदि शामिल हैं।
- सुरक्षा
  एक सुरक्षा गार्ड 24 घंटे उपलब्ध रहता है।
- इंटरनेट
  छात्रावास में वाई–फाई की सुविधा है। यह पिछले चार वर्षों से उपलब्ध है और यह प्रणाली अच्छी तरह से काम कर रही है।
- छात्रावास कार्यालय
  छात्रावास कार्यालय में एक डेटा एंट्री ऑपरेटर–सह–मल्टी–टास्किंग स्टाफ और दो हाउसकीपर सहित सहायक कर्मचारी शामिल हैं।
- वाशिंग मशीन
  छात्रों की सुविधा के लिए कपड़े धोने हेतु छात्रावास में एक वाशिंग मशीन लगाई गई है।

अन्य गतिविधिः–

- पौधारोपण अभियान
  पौधारोपण अभियान नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं और परिणामस्वरूप पिछले एक वर्ष में हमारे पास 200 से अधिक पौधे हैं।

- स्वच्छता अभियान
  स्वच्छता अभियान नियमित रूप से आयोजित किया जाता है और विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों जैसे ''स्वच्छता पखवाड़ा'' और ''स्वच्छ परिसर अभियान'' आदि का आयोजन किया जाता है।

- जागरूकता अभियान
  हम नियमित रूप से ''लिंग संवेदीकरण; पर्यावरण जागरूकता, जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन और एकल उपयोग प्लास्टिक'' आदि जैसे जागरूकता अभियान आयोजित करते हैं।

3. सिद्धार्थ पुरूष छात्रावास

यह छात्रावास बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना के अंतर्गत समाज कल्याण मंत्रालय की वित्तीय सहायता से निर्मित एक आधुनिक भवन है। इसमें सैकड़ों छात्र रहते हैं और उन्हें अच्छी पेयजल, स्वच्छता, उद्यान, कमरे और उपकरण जैसी अधिकांश बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह भारतीय समाज के सबसे गरीब वर्ग की आवश्यकताओं को पूरा करता रहा है। छात्रावास का दर्शन ''समाज के सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन का वाहक बनना'' है।

उद्देश्य

छात्रों के शैक्षणिक जीवन और उनके व्यक्तित्व विकास को आकार देने में छात्रावास की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए, छात्रावास निम्नलिखित तीन उद्देश्यों पर केंद्रित है:

- छात्रों के समग्र जीवन के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना।
- परिसर में रहने वाले छात्रों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करना।
- प्रेम, करुणा और सकारात्मक कार्यों के मानवीय मूल्यों का संचार करना।

सुविधाएँ

छात्रावास में एक विशाल भवन है जिसमें हरा–भरा, शांत और प्रदूषण–मुक्त परिसर है। छात्रों के रहने के लिए कुल पचास कमरे उपलब्ध हैं। कमरे हवादार और विशाल हैं, जिनमें अच्छी प्राकृतिक रोशनी आती है, जो दोहरे आवास के आधार पर छात्रों की ज़रूरतों को पूरा करते हैं। कमरों में बिस्तर, स्टडी टेबल, कुर्सियाँ, वार्डरोब, लाइट और पंखे हैं। छात्रावास में कर्मचारी हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सुचारू रूप से चले और छात्रों के कल्याण का ध्यान रखें। छात्रों को भेजे जाने वाले किसी भी नोटिस की सूचना देने के लिए एक नोटिस बोर्ड लगाया गया है। छात्र अनुशासन और छात्रावास प्रशासन का संपूर्ण प्रभार वार्डन (प्रशासनिक वार्डन और वार्डन), डीएसडब्ल्यू और प्रॉक्टर के पास है। आवास डीन, छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) कार्यालय द्वारा प्रदान किया जा रहा है।

छात्रावास में पचास छात्रों के बैठने की क्षमता वाला एक भोजन कक्ष है। इस छात्रावास में छात्रों द्वारा विभिन्न समितियों के माध्यम से प्रबंधित एक सहकारी मेस है। छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वस्थ भोजन उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास किया गया है।

छात्रावास में रहने वाले छात्रों को विभिन्न सह–पाठयक्रम गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा छात्रावास में नए छात्रों के लिए विदाई दिवस, नशामुक्त भारत, आईसीसी जागरूकता कार्यक्रम आदि जैसे कार्यक्रम छात्रों द्वारा सुंदर सांस्कृतिक गतिविधियों, पोस्टर प्रस्तुति, भाषण विचार–विमर्श आदि के साथ मनाए गए हैं। विभिन्न समितियों के गठन और प्रत्यक्ष बातचीत के लिए आम सभा की बैठकें आयोजित की गई हैं।
अन्य सुविधाएँ इस प्रकार हैं:

- प्रत्येक मंजिल और प्रत्येक ब्लॉक में वाशरूम
- वाटर गीजर
- वाटर कूलर

- वाशिंग मशीन
- छत पर आरओ प्लांट
- एचडी सेट–टॉप बॉक्स के साथ एलईडी टीवी
- इनडोर गेम्स की सुविधा
- बैडमिंटन कोर्ट
- विभिन्न खेल सामग्री जैसे क्रिकेट किट, बास्केटबॉल, फुटबॉल आदि।
- निःशुल्क वाई–फाई कनेक्टिविटी
- बुनियादी चिकित्सा सुविधाएँ
- ऑन–डिमांड एम्बुलेंस सुविधा
- अभिभावकों के लिए एक अतिथि कक्ष
- एक कॉमन रूम
- समाचार पत्र सुविधा
    i. दैनिक जागरण
    ii. अमर उजाला
    iii. द हिंदू

छात्रावास कार्यालय

छात्रावास कार्यालय में एक डाटा एंट्री ऑपरेटर सह एमटीएस, एक डीपीडब्ल्यू कर्मचारी, एक हाउसकीपर (स्वच्छता अनुभाग द्वारा प्रदान किया गया) और 24 घंटे सुरक्षा गार्ड सहित सहायक कर्मचारी कार्यरत हैं।

प्रशासनिक वार्डनः डॉ. सुतनु माजी
वार्डनः डॉ. मनोज कुमार धडवाल
डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं एम.टी.एस.: श्री मनीष कुमार
डीपीडब्ल्यू: श्री राजेंद्र कुमार

4. आरसीए पुरूष छात्रावास

यह छात्रावास उच्च शिक्षा मंत्रालय की वित्तीय सहायता से निर्मित एक आधुनिक भवन है। इसमें सौ छात्र रहते हैं और अच्छी पेयजल, स्वच्छता, उद्यान, कमरे और उपकरण जैसी अधिकांश बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह भारतीय समाज के सबसे गरीब वर्ग की आवश्यकताओं को पूरा करता रहा है। छात्रावास का दर्शन 'समाज के सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन का वाहक बनना' है।

उद्देश्य

छात्रों के शैक्षणिक जीवन और उनके व्यक्तित्व विकास को आकार देने में छात्रावास की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए, छात्रावास निम्नलिखित तीन उद्देश्यों पर केंद्रित हैरू

- छात्रों के समग्र जीवन के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना।
- परिसर में छात्रों के प्रवास के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करना।
- प्रेम, करुणा और सकारात्मक कार्यों के मानवीय मूल्यों का संचार करना।

सुविधाएँ

छात्रावास में एक विशाल भवन है जिसमें हरा–भरा, शांत और प्रदूषण–मुक्त परिसर है। छात्रों के रहने के लिए कुल 50 कमरे उपलब्ध हैं। कमरे हवादार और बड़े हैं, जिनमें अच्छी प्राकृतिक रोशनी आती है, और

ये दोनों कमरों में रहने वाले छात्रों की ज़रूरतों को पूरा करते हैं। कमरों में बिस्तर, स्टडी टेबल और कुर्सियाँ, वार्डरोब, लाइट और पंखे लगे हैं। छात्रावास में कर्मचारी हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सुचारू रूप से चले और छात्रों के कल्याण का ध्यान रखें। छात्रावास में एक नोटिस बोर्ड लगा है ताकि छात्रों को भेजे जाने वाले किसी भी नोटिस की सूचना दी जा सके। छात्र अनुशासन और छात्रावास प्रशासन का संपूर्ण प्रभार वार्डन (प्रशासनिक वार्डन और वार्डन), अधिष्ठाता छात्र कल्याण और कुलानुशासक के पास है। छात्रों के विश्वविद्यालय प्रवेश योग्यता के आधार पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा आवास उपलब्ध कराया जा रहा है।

छात्रावास में 50 छात्रों के बैठने की क्षमता वाला एक भोजन कक्ष है। इस छात्रावास में छात्रों द्वारा विभिन्न समितियों के माध्यम से प्रबंधित एक सहकारी मेस है। छात्रावास में मेस में शामिल होना अनिवार्य है। छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए स्वस्थ भोजन उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास किया गया है।

अन्य सुविधाएँ इस प्रकार हैं:

1. वाटर गीजर
2. वाटर कूलर
3. वॉशिंग मशीन
4. एचडी सेट–टॉप बॉक्स के साथ एलईडी टीवी
5. इनडोर गेम्स रूम
6. वाई–फाई कनेक्टिविटी
7. बुनियादी चिकित्सा सुविधाएँ
8. माँग पर एम्बुलेंस सुविधा

छात्रावास कार्यालय

छात्रावास कार्यालय में सहायक कर्मचारी शामिल हैं जिनमें एक डाटा एंट्री ऑपरेटर (एमटीएस), एक हाउसकीपर और 24 घंटे सुरक्षा गार्ड शामिल हैं।
प्रशासनिक वार्डनः डॉ. गोपाल दत्त
वार्डनः डॉ. शैलेंद्र कुमार यादव

5. संघमित्रा महिला छात्रावास

छात्रावास का संक्षिप्त विवरणः

शैक्षणिक संस्थानों में छात्रावास परिसर जीवन की गतिशीलता के केंद्र होते हैं। विशाल क्षेत्र में फैला और हरियाली व उद्यानों से घिरा संघमित्रा महिला छात्रावास विश्वविद्यालय की उदार लोकतांत्रिक शैक्षणिक संस्कृति के जीवन और गतिशीलता को ऊर्जा और ऊर्जा प्रदान करता रहा है। कुलपति आवास के बगल में स्थित, यह छात्रावास एक चार मंजिला इमारत है जिसमें बालकनी और अच्छे वेंटिलेशन वाले 84 कमरे हैं। यह एक विशाल, सुसज्जित छात्रावास है जिसके चारों ओर सुंदर झाड़ियाँ और झाड़ियाँ हैं। यह छात्रावास विश्वविद्यालय की वास्तविक स्नातकोत्तर और स्नातक छात्राओं को आवासीय सुविधाएँ प्रदान करता है। छात्रावास में भोजनालय की सुविधा उपलब्ध है। भोजनालय का निजीकरण किया गया है, लेकिन इसका संचालन छात्रावास प्रशासन की देखरेख में होता है। यहाँ रहने वालों को पौष्टिक और

स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाता है। यहाँ रहने वालों को शुद्ध आरओ जल उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक मंजिल पर पाँच वाणिज्यिक एक्वागार्ड सह प्यूरीफायर लगाए गए हैं।

विश्वविद्यालय का मार्गदर्शक सिद्धांत लोकतांत्रिक और समतावादी मूल्यों को बनाए रखना और बौद्धिक उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना रहा है। इसलिए, संघमित्रा गर्ल्स हॉस्टल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संवासिनी अपनी पढ़ाई और शोध के लिए पर्याप्त समय दे सकें और साथ ही संवासिनी की पाठ्येतर और सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण विकसित कर सकें। सभी छात्रावास संवासिनी से सौहार्द और गरिमा की भावना बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। छात्रावास परिसर के भीतर स्थित छात्रावास कार्यालय छात्रावास का अभिन्न अंग है। छात्रावास में दैनिक काम–काज की देखभाल के लिए कई कर्मचारी हैं। विश्वविद्यालय परिसर के अंदर स्थित विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा रहने वाले छात्राओं को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। मनोरंजक और इनडोर खेल सुविधाओं जैसे कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस, शतरंज बोर्ड आदि से सुसज्जित पूरी तरह सुसज्जित कॉमन रूम छात्रावास की जीवंतता को बढ़ाते हैं।

छात्रावास में उपलब्ध सुविधाएः

- आरामदायक और उपयोगी फ़र्नीचर वाले सुसज्जित कमरे।
- 5 आरओ शुद्ध पेयजल कूलर।
- प्रत्येक 8 बाथरूम में 1 गीज़र।
- हिंदी और अंग्रेजी में समाचार पत्र उपलब्ध हैं।
- छात्रों के लिए आगंतुक–सह–वाचनालय।
- प्रत्येक मंजिल पर वाचन क्षेत्र।
- 1 एसी और 1 गैर–एसी अतिथि कक्ष।
- पौष्टिक और स्वच्छ भोजन।
- मेस किचन के लिए एक्वा गार्ड (काम नहीं कर रहा है)।
- मेस किचन के लिए रोटी बनाने की मशीन (काम नहीं कर रही है)।
- मेस किचन के लिए आटा गूंथने की मशीन।
- मेस किचन के लिए फूड वार्मर मशीन (काम नहीं कर रही है)।
- पूरी तरह से सुसज्जित और विशाल भोजन कक्ष।
- भोजन कक्ष में इन्वर्टर सुविधा (काम नहीं कर रही है)।
- अच्छी तरह से निर्मित पार्किंग सुविधा।
- स्वास्थ्य सेवा और एम्बुलेंस सुविधाएँ।
- मनोरंजन कक्ष की सुविधा।
- एलईडी टीवी की सुविधा।
- छात्रों के लिए स्पीकर सहित वायरलेस माइक्रोफ़ोन (माइक) (काम नहीं कर रहा है)।
- अच्छी तरह से निर्मित बैडमिंटन कोर्ट की सुविधा।
- पूर्णकालिक मेट्रन।
- वाई–फाई कनेक्टिविटी की सुविधा।
- सुव्यवस्थित उद्यान।
- प्रोजेक्टर की सुविधा।
- दूध और पानी गर्म करने के लिए इंडक्शन स्टोव की सुविधा।
- फायर अलार्म कंट्रोल पैनल की सुविधा।

- आरओ प्लांट की सुविधा।
- सैनिटरी नैपकिन जलाने की मशीन की सुविधा (काम नहीं कर रही है)।
- वॉशिंग मशीन की सुविधा।

छात्रावास में कर्मचारियों का विवरणः

1. प्रशासनिक वार्डनः

i. डॉ. ज्योति पांडे, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ। (अवधिः 19.07.2019 से 15.01.2025)।

ii. डॉ. मीनाक्षी मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, बीबीएयू, लखनऊ। (अवधिः 15.01.2025 से अब तक)।

2. वार्डनः

i. डॉ. संध्या, सहायक आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग (अवधिः 09.01.2023 से 15.01.25)।

ii. डॉ. मीनाक्षी मिश्रा, सहायक आचार्य, सांख्यिकी विभाग, बीबीएयू, लखनऊ। (अवधिः 19.07.2019 से 15.01.25)।

iii. डॉ. रूबी लता, सहायक आचार्य, उद्यान विभाग (अवधिः 09.01.2023 से अब तक)।

iv. डॉ. प्रियंका शंकर, सहायक प्रोफेसर, एचडीएफएस विभाग (अवधिः 09.01.2023 से आज तक (मातृत्व अवकाश पर),।

v. डॉ. रेणु पांडे, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग (अवधिः 07.03.25 से डॉ. प्रियंका शंकर के मातृत्व अवकाश पूरा होने के बाद वापस कार्यभार ग्रहण करने तक)।

3. संविदा कर्मचारीः

i. डीईओः श्रीमती मालती

ii. मैट्रनः सुश्री रेणु सिंह

iii. सफाई कर्मचारीः 02 (श्रीमती सरोज और श्रीमती सविता)।

iv. सुरक्षा गार्डः 03 (सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक 1 सुरक्षा गार्ड), (दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक 1 सुरक्षा गार्ड) और (रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 1 सुरक्षा गार्ड)।

संघमित्रा महिला छात्रावास में रहने वाली छात्राओं का श्रेणीवार विवरण (सत्र 2024–25)

श्रेणी, राज्य एवं देशवार (वर्ष 2024–25)										
	राज्य और देश		श्रेणीवार							
क्रम संख्या	राज्य	देश	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	ईडब्ल्यूएस	यूआर	विकलांग	कुल
	उत्तर प्रदेश	–	16	23	46	2	11	3	1	**102**
	असम	–	–	–	1	1	–	–	–	**2**
	बिहार	–	2	7	1	2	3	–	1	**16**
	दिल्ली	–	1	–	3	–	1	–	–	**5**
	मध्य प्रदेश	–	3	–	–	–	–	–	–	**3**
	हरयाणा	–	1	–	1	–	–	–	–	**2**
	झारखंड	–	.	2	1	1	–	–	–	**4**
	केरल	–	1	–	-	1	–	–	–	**2**

	नई दिल्ली	–	3	–	-	-	–	1	–	**4**
	ओडिशा	–	1	–	-	2	1	2	–	**6**
	उत्तराखंड	–	1	–	2	–	–	2	–	**5**
	पश्चिम बंगाल	–	1	–	1	–	–	–	1	**3**
	हरयाणा	–	–	–	–	–	–	–	–	**0**
	मेघालय	–	–	–	–	1	–	–	–	**1**
	चंडीगढ़	–	–	–	–	–	–	1	–	**1**
	कोलकाता	–	–	–	–	–	–	1	–	**1**
	महाराष्ट्र	–	–	–	–	–	–	1	–	**1**
		कुल छात्र	**30**	**32**	**56**	**10**	**16**	**11**	**3**	**158**

छात्रावास में रहने वालों की क्षमताः छात्रावास की क्षमता 158 है। (79 कमरे आवंटित किए गए थे)।

6. संघमित्रा महिला छात्रावास विस्तारित

छात्रावास का संक्षिप्त विवरणः

शैक्षणिक संस्थानों में छात्रावास परिसर जीवन की गतिशीलता के केंद्र होते हैं। विशाल क्षेत्र में फैला और हरियाली व उद्यानों से घिरा संघमित्रा महिला छात्रावास विस्तार विश्वविद्यालय की उदार लोकतांत्रिक शैक्षणिक संस्कृति के जीवन और गतिशीलता को ऊर्जा और ऊर्जा प्रदान करता रहा है। कुलपति आवास के बगल में स्थित, यह छात्रावास एक चार मंजिला इमारत है जिसमें बालकनी और अच्छे वेंटिलेशन वाले 166 कमरे हैं। यह एक विशाल, सुसज्जित छात्रावास है जिसके चारों ओर गुलाब की क्यारियाँ और झाड़ियाँ हैं। यह छात्रावास विश्वविद्यालय की वास्तविक स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्राओं को आवासीय सुविधाएँ प्रदान करता है। छात्रावास में भोजनालय की सुविधा उपलब्ध है। भोजनालय का निजीकरण किया गया है, लेकिन इसका संचालन छात्रावास प्रशासन की देखरेख में होता है। संवासिनियों को पौष्टिक और स्वास्थ्यकर भोजन उपलब्ध कराया जाता है। छात्रावास में रहने वाले छात्राओं को शुद्ध जल उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक तल और भोजन कक्ष में आरओ युक्त 06 वाटर कूलर लगाए गए हैं।

विश्वविद्यालय का मार्गदर्शक सिद्धांत लोकतांत्रिक और समतावादी मूल्यों को बनाए रखना और बौद्धिक उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास करना रहा है। इसलिए, संघमित्रा महिला छात्रावास विस्तार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्राओं को अपनी पढ़ाई और शोध के लिए पर्याप्त समय दे सकें और साथ ही संवासिनियों की पाठ्येतर और सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण विकसित करना है। सभी छात्रावास संवासिनियों से सौहार्द और गरिमा की भावना बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। छात्रावास परिसर में स्थित छात्रावास कार्यालय, छात्रावास का अभिन्न अंग है। छात्रावास के दैनिक कार्यों की देखभाल के लिए कई कर्मचारी हैं। विश्वविद्यालय परिसर में स्थित विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा रहने वाले छात्राओं को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

छात्रावास में उपलब्ध सुविधाएँः

- आरामदायक और उपयोगी फ़र्नीचर वाले सुसज्जित कमरे।
- 6– आरओ शुद्ध पेयजल कूलर।
- प्रत्येक मंजिल पर 2 गीज़र।
- छात्रावास में हिंदी और अंग्रेजी समाचार पत्र उपलब्ध हैं।

- 3– अतिथि कक्ष।
- पौष्टिक और स्वच्छ भोजन।
- पूरी तरह से सुसज्जित और विशाल भोजन कक्ष।
- अच्छी तरह से निर्मित पार्किंग सुविधा।
- स्वास्थ्य सेवा और एम्बुलेंस सुविधाएँ।
- मनोरंजन कक्ष की सुविधा।
- पूर्णकालिक मेट्रन।
- वाई–फाई कनेक्टिविटी सुविधा।
- अच्छी तरह से बनाए रखा बगीचा।
- दूध और पानी गर्म करने के लिए इंडक्शन स्टोव की सुविधा।
- सैनिटरी नैपकिन जलाने की मशीन की सुविधा।
- सैनिटरी वेंडिंग मशीन सुविधा
- वॉशिंग मशीन सुविधा।

छात्रावास में स्टाफ का विवरण:

4. प्रशासनिक वार्डन

i. डॉ. ज्योति पांडे, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ। (अवधिः 19.07.2019 से 15.01.2025)।

ii. डॉ. मीनाक्षी मिश्रा, सहायक आचार्य, सांख्यिकी विभाग, बीबीएयू, लखनऊ। (अवधिः 15.01.25 से अब तक)।

5. वार्डन:

- डॉ. संध्या, सहायक आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग (अवधिः 09.01.2023 से 15.01.25)।
- डॉ. मीनाक्षी मिश्रा, सहायक आचार्य, सांख्यिकी विभाग, बीबीएयू, लखनऊ। (अवधिः 19.07.2019 से 15.01.25)।
- डॉ. रूबी लता, सहायक आचार्य, सांख्यिकी विभाग बागवानी विभाग (अवधिः 09.01.2023 से आज तक)।
- डॉ. प्रियंका शंकर, सहायक आचार्य,एचडीएफएस विभाग (अवधिः 09.01.2023 से आज तक (मातृत्व अवकाश पर),।
- डॉ. रेणु पांडे, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग (अवधिः 07.03.25 से जब तक डॉ. प्रियंका शंकर मातृत्व अवकाश पूरा होने के बाद वापस कार्यभार ग्रहण नहीं कर लेतीं)।

6. संविदा कर्मचारीः

i. डीईओः श्रीमती मालती

ii. एमटीएसः श्री विनय कुमार

iii. मैट्रनः सुश्री रेणु सिंह

iv. सफाई कर्मचारीः 02 (श्रीमती सरोज और श्रीमती सविता)।

v. सुरक्षा गार्डः 03 (सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक 1 सुरक्षा गार्ड), (दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक 1 सुरक्षा गार्ड) और (रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 1 सुरक्षा गार्ड)।

संघमित्रा महिला छात्रावास विस्तार में रहने वाली छात्राओं का श्रेणीवार विवरण (सत्र 2024–25)

श्रेणी, राज्य एवं देशवार (वर्ष 2024–25)										
	राज्य और देश		श्रेणीवार							
क्रम संख्या	राज्य	देश	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	विकलांग	ईडब्ल्यूएस	यूआर	कुल
1.	उतार प्रदेश	–	25	17	83	5	3	17	21	171
2.	बिहार	–	5	7	11	1	-	9	2	35
3.	गुजरात	–	-	-	-	-	-	-	-	0
4.	राजस्थान	–	-	-	-	3	-	-	-	3
5.	आंध्र प्रदेश	–	1	-	2	2	-	-	-	5
6.	अरूणाचल प्रदेश	–	-	-	-	5	-	-	-	5
7.	असम	–	2	-	1	3	-	2	-	8
8.	नगालैंड	–	-	-	-	5	-	-	1	6
9.	केरल	–	-	-	-	-	-	-	-	0
10.	चंडीगढ़	–	-	-	-	-	-	-	1	1
11.	दिल्ली	–	1	-	3	-	-	1	2	7
12.	हरयाणा	–	-	-	1	-	-	-	-	1
13.	झारखंड	–	1	1	2	6	-	-	-	10
14.	कर्नाटक	–	1	-	-	1	-	-	-	2
15.	एमपी	–	1	-	3	4	-	-	-	8
16.	मेघालय	–	-	-	-	-	-	-	-	0
17.	नई दिल्ली	–	-	-	-	-	-	-	-	0
18.	ओडिशा		2	-	4	5	-	-	1	12
19.	महाराष्ट्र		1	-	3	-	-	-	-	4
20.	पंजाब		1	-	-	-	-	-	1	2
21.	पश्चिम बंगाल		1	-	4	-	-	-	5	10
22.	उत्तराखंड		5	1	1	1	-	1	1	10
23.	अंडमान निकोबार		-	-	-	-	-	-	-	0
24.	छत्तीसगढ़		1	-	-	3	-	-	-	4
25.	हिमाचल प्रदेश		-	-	-	-	-	-	1	1
26.	जम्मू एवं कश्मीर		-	-	-	-	-	-	-	0
27.	तमिलनाडु		1	-	-	-	-	-	-	1
28.	तेलंगाना		-	1	1	4	-	1	-	7
29.	नेपाल		1	-	-	-	-	-	-	1
30.	राजस्थान		-	1	-	-	-	1	-	2

31.	पश्चिमी दिल्ली		-	-	-	-	-	-	1	1
32.	मणिपुर		-	-	-	1	-	-	-	1
33.	मिजोरम		-	-	-	1	-	-	-	1
34.	त्रिपुरा		-	-	-	1	-	-	-	1
		कुल छात्र	**50**	**28**	**119**	**51**	**3**	**32**	**37**	**320**

छात्रावास में रहने वालों की क्षमताः छात्रावास की क्षमता 314 है। (आवंटित कमरों में 157)।

7. चित्रलेखा महिला छात्रावास

चित्रलेखा बालिका छात्रावास का संक्षिप्त विवरणः

विशाल क्षेत्र में फैला और हरियाली व बगीचों से घिरा चित्रलेखा बालिका छात्रावास विश्वविद्यालय के जीवन और गतिविधियों को ऊर्जा और ऊर्जा प्रदान करता रहा है। यह छात्रावास एक दो मंजिला इमारत है जिसमें 92 कमरों की क्षमता वाले 52 कमरे हैं। यह छात्रावास विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में पूर्णकालिक स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्राओं को आवासीय सुविधाएँ प्रदान करता है। छात्रावास के मेस में मेस की सुविधा भी उपलब्ध है, जो निजीकृत है लेकिन छात्रावास प्रशासन की देखरेख में संचालित होता है। स्वस्थ रहने वालों को सुनिश्चित करने के लिए पौष्टिक और स्वच्छ भोजन प्रदान किया जाता है। छात्रावास में दैनिक कार्यों की देखभाल के लिए कई कर्मचारी हैं। विश्वविद्यालय परिसर में स्थित विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा निवासियों को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

चित्रलेखा महिला छात्रावास में उपलब्ध सुविधाएँः

1. एयर कंडीशनर अतिथि कक्ष–01
2. गैर–वातानुकूलित अतिथि कक्ष– 01
3. भोजन कक्ष–01.
4. विकलांग कैदियों के लिए शौचालय–01
5. प्राथमिक उपचार सुविधाएँ।
6. खेलकूद सुविधाएँ (बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, टेनिस)।
7. एचडी सेट–टॉप बॉक्स के साथ एलईडी टीवी–01.
8. ऑन–डिमांड एम्बुलेंस सुविधा।
9. आरओ प्लांट के साथ वाटर प्यूरीफायर युक्त वाटर कूलर।
10. वाटर गीजर–05
11. वाई–फाई कनेक्टिविटी।
12. सुरक्षा गार्ड (24 घंटे)।
13. स्वच्छता सुविधा।
14. समाचार पत्र, पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने की सुविधा, जैसेः
    - दैनिक जागरण
    - द हिंदू
15. स्वचालित वाशिंग मशीन।

छात्रावास कार्यालय एवं प्रशासनः

प्रशासन और दैनिक कार्यों को सुगम बनाने के लिए, छात्रावास में एक कार्यालय है जिसमें एक जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), एक एमटीएस, एक मैट्रन, एक हाउसकीपर और एक महिला सुरक्षा गार्ड सहित सहायक कर्मचारी कार्यरत हैं।

- छात्रावास वार्डन (प्रशासन): डॉ. शालिनी चंद्रा
- छात्रावास वार्डनः डॉ. मैत्री वर्मा
- छात्रावास वार्डनः डॉ. सृजनी चिम्पिरी

8. ओबीसी महिला छात्रावास

ओबीसी महिला छात्रावास का संक्षिप्त विवरणः

ओबीसी बालिका छात्रावास एक नवनिर्मित छात्रावास है, जो विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है और हरियाली तथा बगीचों से घिरा हुआ है, जो विश्वविद्यालय के जीवन और गतिविधियों को ऊर्जा प्रदान करता रहा है। छात्रावास एक तीन मंजिला इमारत है जिसमें 100 लोगों के बैठने की क्षमता वाले 20 कमरे हैं। यह छात्रावास विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में पूर्णकालिक स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को आवासीय सुविधाएँ प्रदान करता है। छात्रावास के मेस में भोजनालय की सुविधा भी उपलब्ध है, जो निजीकृत है लेकिन छात्रावास प्रशासन की देखरेख में संचालित होता है। स्वस्थ रहने वालों को सुनिश्चित करने के लिए पौष्टिक और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाता है। छात्रावास में दैनिक कार्यों की देखभाल के लिए कई कर्मचारी हैं। विश्वविद्यालय परिसर में स्थित विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा छात्राओं को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

ओबीसी महिला छात्रावास में उपलब्ध सुविधाएँः

- वाचनालय–01।
- कंप्यूटर कक्ष–01।
- वार्डन कक्ष–01।
- कार्यालय–01।
- चिकित्सा कक्ष–01।
- भोजन कक्ष–01।
- विकलांग रहने वालों के लिए शौचालय–01।
- प्राथमिक उपचार सुविधाएँ।
- माँग पर एम्बुलेंस सुविधा।
- आर.ओ. युक्त वाटर कूलर।
- वाटर गीजर–06।
- वाई–फाई कनेक्टिविटी।
- सुरक्षा गार्ड (24 घंटे)।
- स्वच्छता सुविधा।
- स्वचालित वाशिंग मशीन।

छात्रावास कार्यालय एवं प्रशासनः

प्रशासन और दैनिक कार्यों को सुगम बनाने के लिए, छात्रावास में एक कार्यालय है जिसमें सहायक कर्मचारी जैसे जिला शिक्षा अधिकारी, एमटीएस, एक मैट्रन, एक हाउसकीपर और एक महिला सुरक्षा गार्ड कार्यरत हैं।

- छात्रावास वार्डन (प्रशासन): डॉ. शालिनी चंद्रा

- छात्रावास वार्डनः डॉ. मैत्री वर्मा
- छात्रावास वार्डनः डॉ. श्रुजानी चिम्पिरी

बागवानी एवं सौंदर्यीकरण अनुभाग

बागवानी एवं सौंदर्यीकरण अनुभाग (जी.बी.एस.) सजावटी वृक्षों, झाड़ियों, लताओं और सड़क किनारे वृक्षों का रोपण करके परिसर की जैव–सौंदर्यपरक योजना बनाने, परिसर के रखरखाव, पारिस्थितिक संतुलन बनाने, ग्लोबल वार्मिंग को कम करने और शिक्षकों एवं छात्रों के लिए हरित एवं सुखद वातावरण को बढ़ाने में संलग्न है। इसकी स्थापना विश्वविद्यालय के अवसंरचनात्मक सहयोग से वर्ष 2010 में हुई थी।

1. स्थापनाः– 2010
2. अनुभाग का अधिदेशः– विश्वविद्यालय परिसर में विशेष अवसरों जैसे अंबेडकर जयंती, स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस आदि पर बागवानी और भूनिर्माण गतिविधियों और पुष्प सज्जा का विकास एवं रखरखाव
3. प्रभारी आचार्यः– आचार्य दीपा एच. द्विवेदी,
उद्यान निरीक्षकः – डॉ. समीर कुमार दीक्षित

4. कर्मचारी (अनुबंधित/प्रेरित):

i. डीओई सह एमटीएसः– 01
ii. चालकः– 01
iii. प्रधान माली/क्षेत्र पर्यवेक्षकः– 01
iv. कर्मचारीः– 20

5. उपकरण/वस्तुएँः –

इस अनुभाग में निम्नलिखित वस्तुओं सहित अच्छा बुनियादी ढाँचा हैः

i. ट्रैक्टर 02
ii. ट्रॉली 01
iii. टैंकर 01
iv. हैरो 01
v. कल्टीवेटर 01
vi. लेवलर 01
vii. ट्रैक्टर माउंटेड ग्रास कटर 01
viii. रोटावेटर 01
ix. डिस्क हल 01
x. ऑगर 01
xi. इलेक्ट्रिक लॉन मोवर 07
xii. ब्रश कटर 05
xiii. हेज शीयर 02
xiv. राइड ऑन लॉन मोवर 01
xv. डिग ऑगर 01

6. अनुभाग द्वारा विकसित सुविधाएँः–

i. विभिन्न विश्वविद्यालय समारोहों में भूनिर्माण, वृक्षारोपण और फूलों की सजावट की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने वाली छोटी नर्सरी।

ii. छाया घर
iii. लाठ घर
iv. कम्पोस्ट पिट
v. परिसर की आवश्यकताओं के अनुसार भूनिर्माण और सौंदर्यीकरण का रखरखाव।

7. उद्देश्यः–

i. सजावटी वृक्षों, झाड़ियों, लताओं और एवेन्यू वृक्षों के रोपण द्वारा परिसर की जैव–सौंदर्यपरक योजना बनाना।
ii. परिसर का रखरखाव और पारिस्थितिक संतुलन बनाना, ग्लोबल वार्मिंग को कम करना और विश्वविद्यालय के समुदाय के लिए हरित और सुखद वातावरण को बढ़ाना।
iii. हरित और स्वच्छ परिसर के लिए नियमित वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान के माध्यम से भागीदारी को बढ़ावा देना।

शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के लिए आयोजित कार्यक्रम

शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के लिए गतिविधियाँ

i. अनुभाग ने एक हरित परिसर बनाने और पौधों तथा समाज के लिए उनके लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ''वृक्षारोपण पखवाड़ा'' का आयोजन किया।







ii. अनुभाग ने हरित एवं स्वच्छ परिसर के लिए तथा सतत विकास और पर्यावरण के प्रति भावनात्मक लगाव को बढ़ावा देने के लिए "एक पेड़ माँ के नाम अभियान" का आयोजन किया।







iii. अनुभाग ने एक हरित परिसर बनाने और पौधों और समाज के लिए उनके लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने और पर्यावरण के महत्व को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से "एक वृक्ष एक छात्र" का आयोजन किया।







5. विकास कार्यः–

i. अनुभाग ने विश्वविद्यालय नर्सरी की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु ''वर्मीकम्पोस्ट इकाई'' विकसित की।

ii. विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न उद्यानों, भवनों और सड़क की हरित पट्टी आदि का विकास और रखरखाव।

iii. अपशिष्ट स्ट्रीट लाइटों को उद्यान गमलों के रूप में उपयोग करके ई–कचरा प्रबंधन ''कबाड़ से जुगाड़ थीम''

10. रखरखाव कार्यः–

अनुभाग ने निम्नलिखित रखरखाव किया

i. परिसर में 55 एकड़ लॉन।

ii. 35 एकड़ खुली भूमि की सफाई की गई।

iii. स्वच्छ परिसर बनाए रखने के लिए 11000 रनिंग मीटर हेज।

iv. पूर्व में किए गए संपूर्ण वृक्षारोपण का रखरखाव अनुभाग द्वारा नियमित छंटाई, घास प्रबंधन और गमलों आदि के रखरखाव के माध्यम से किया जाता है।

v. विश्वविद्यालय के सभी भवनों और उद्यानों जैसे छात्रावास/विद्यालय/प्रशासनिक/अतिथि गृह/सभागार का रखरखाव और सौंदर्यीकरण।

vi. यह अनुभाग सभी छात्रावासों, प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय आदि के लिए गमलों, वार्षिक पौधों, पौध–रोपण की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु एक छोटी नर्सरी का रखरखाव करता है।

vii. पुष्प सजावट जैसे–मीटिंग हॉल की सजावट।

viii. विश्वविद्यालय समारोह के दौरान मंच की सजावट जैसे
स्थापना दिवस।
दीक्षांत समारोह।
अम्बेडकर जयंती।
स्वतंत्रता दिवस।
गणतंत्र दिवस और अन्य विश्वविद्यालय समारोह।
डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा की पुष्प सजावट।

6. भावी योजनाः–

i. उत्तर प्रदेश वन विभाग के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में "आयुष वन", एकता वन की स्थापना करना।

ii. विश्वविद्यालय के विभिन्न उद्यानों जैसे कुलपति कार्यालय, पर्यावरण भवन के पीछे का भाग, मुख्य मुख्य मार्ग और गुलाब उद्यान आदि में स्थायी सिंचाई प्रणाली की सुविधा प्रदान करना।

iii. विश्वविद्यालय की आय बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध वनस्पतियों से विभिन्न आयुर्वेदिक, हर्बल गार्डन फार्मों के साथ सहयोग करना।

iv. विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक गतिविधियों के लिए अनुकूल सुखद एवं स्वस्थ वातावरण हेतु हरित पट्टी विकसित करना।

v. भूजल पुनर्भरण हेतु विश्वविद्यालय परिसर में जल तालाबों का विकास करना।

vi. पौध विक्रय केंद्र के लिए स्थान बढ़ाना ताकि बिक्री हेतु अधिक से अधिक पौधे वहाँ रखे जा सकें।

vii. विश्वविद्यालय परिसर में वर्टिकल गार्डन विकसित करना।

viii. अतिथि गृह के सामने गुलाब उद्यान का पुनर्विकास करना।

ix. नव प्रवेशित पीएच.डी. शोधार्थियों द्वारा वृक्षारोपण हेतु "शोध छात्र वाटिका'' का प्रस्ताव।

केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ (सीटीपीसी) किसी भी सभ्य समाज का सबसे महत्वपूर्ण संसाधन उसकी प्रशिक्षित और कुशल जनशक्ति होती है। समकालीन प्रतिस्पर्धी दुनिया में, शिक्षा केवल ज्ञान का प्रसार ही नहीं, बल्कि छात्रों को समकालीन व्यावसायिक कौशल और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने की क्षमता से लैस करने, साथ ही समाज में और अधिक योगदान देते हुए उनकी करियर संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने का भी माध्यम है। छात्रों को प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के लिए संगठनों की पहचान करने में मदद करना। इसके अतिरिक्त, छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और देश–विदेश के विभिन्न संगठनों में नियुक्ति का अवसर प्रदान करने के लिए कैंपस साक्षात्कार आयोजित किए जाते हैं। विश्वविद्यालय प्लेसमेंट प्रकोष्ठ प्रतिष्ठित संगठनों में नौकरी खोजने में छात्रों की सहायता के लिए समर्पित है। इसके अलावा, छात्रों को अपनी–अपनी ऊँचाइयों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न मंच प्रदान करने हेतु विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएँ और रोजगार मेले आयोजित किए जाते हैं।

1. केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ का गठन

अध्यक्षः आचार्य राज कुमार मित्तल, माननीय कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
संयोजकः डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, कुलसचिव, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
समन्वयकः आचार्य अमित कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विद्यापीठ, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग और प्रबंधन अध्ययन विभाग।
सहायक समन्वयकः डॉ. मनोज कुमार, उपाचार्य, कंप्यूटर विज्ञान विभाग।
सहायक समन्वयकः डॉ. लता बाजपेयी सिंह, सहायक आचार्य, प्रबंधन अध्ययन विभाग।
प्रत्येक विभाग से एक नामित संकाय सदस्य

विभागीय प्लेसमेंट समन्वयक का नाम		
क्रम संख्या	विभाग का नाम	नाम
1.	इतिहास विभाग	डॉ. एम. रवि कुमार वेजेन्दला
2.	राजनीति विज्ञान विभाग	डॉ. प्रीति चौधरी
3.	लोक प्रशासन विभाग	डॉ. प्रदीप कुमार सिंह
4.	समाजशास्त्र विभाग	डॉ. अजय कुमार
5.	अर्थशास्त्र विभाग	डॉ. देवेन्द्र कुमार यादव
6.	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	डॉ. मोनिका शर्मा
7.	प्राणीशास्त्र विभाग	डॉ आभा मिश्रा
8.	कंप्यूटर विज्ञान विभाग	डॉ शालिनी चंद्रा
9.	आईटी विभाग	डॉ. अमित कुमार सिंह
10.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	डॉ. शरद कुमार सोनकर
11.	पर्यावरण विज्ञान विभाग	डॉ. शैलेन्द्र कुमार यादव
12.	पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	डॉ.दिग्विजय वर्मा
13.	भूविज्ञान विभाग	डॉ. नरेंद्र कुमार
14.	शिक्षा विभाग	डॉ. सुभाष मिश्रा
15.	मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग	डॉ. के. शर्मिला
16.	खाद्य एवं पोषण विभाग	डॉ. के. शर्मिला
17.	मानवाधिकार विभाग	डॉ. रशीदा अतहर
18.	विधि विभाग	डॉ. सूफिया अहमद
19.	स्नातकोत्तर विधि अध्ययन केंद्र	आचार्य प्रीति मिश्रा

20.	प्रबंधन अध्ययन विभाग	डॉ. लता बाजपेयी सिंह
21.	वाणिज्य विभाग	डॉ अप्रित शैलेश
22.	रसायन विज्ञान विभाग	डॉ. जवाहर लाल जाट
23.	गणित विभाग	डॉ जगमोहन तांती
24.	भौतिकी विभाग	डॉ. खेम बहादुर थापा
25.	सांख्यिकी विभाग	डॉ. अमित कुमार मिश्रा
26.	एकीकृत बी.एससी.–एम.एससी. मूल विज्ञान विभाग	आचार्य राजेश कुमार
27.	हिंदी विभाग	डॉ शिव शंकर यादव
28.	जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग मीडिया सेंटर	डॉ. महेंद्र कुमार पाढ़ी
29.	बागवानी विभाग	डॉ. एम. एल. मीना
30.	औषध विज्ञान विभाग	डॉ. चिंपिरी श्रुजानी
31.	सिविल इंजीनियरिंग विभाग	डॉ अर्जुन प्रसाद
32.	कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग	पी.डी. सक्सेना
33.	विद्युत इंजीनियरिंग विभाग	डॉ ईशान श्रीवास्तव
34.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग	डॉ. मंगल दीप गुप्ता
35.	यांत्रिक एवं ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग विभाग	डॉ.अखिलेश सिंह
36.	संस्कृत एवं वैदिक अध्ययन विभाग	आचार्य रिपु सूदन सिंह (एचओडी)
37.	कौशल एवं व्यावसायिक अध्ययन विभाग	आचार्य दीपा एच. द्विवेदी (एचओडी)
38.	योग विभाग	डॉ. दीपेश्वर सिंह (एचओडी)
39.	संगीत विभाग	डॉ. बबिता पांडे (समन्वयक)
40.	अमेठी सैटेलाइट सेंटर	डॉ. संदीप कुमार नायक (निदेशक (प्रभारी))

2. 2024–2025 के दौरान प्लेसमेंट विवरण का सामान्य अवलोकन

प्लेसमेंट विवरण (01 जुलाई 2024–30 जून 2025)

1. प्लेसमेंट की पेशकश करने वाली कंपनियों की संख्याः 57
2. इंटर्नशिप की पेशकश करने वाली कंपनियों की संख्याः 28

इंटर्नशिप विवरण (01 जुलाई 2024–30 जून 2025)

क्रमांक	कंपनी का नाम	इंटर्नशिप	अधिसूचना की तिथि	नियुक्त छात्र	पाठ्यक्रम का नाम
1.	एक्रुअल इंटेलिजेंस मैनुअल ग्रुप	इंटर्नशिप	8–जनवरी–25	9	बीबीए / बी.कॉम / एमबीए
2.	लुलु इंडिया शॉपिंग मॉल	इंटर्नशिप	21–जनवरी–25	3	स्नातक या व्यवसाय में कोई भी व्यावसायिक डिग्री
3.	ओपन विंग्स फ़ाउंडेशन	इंटर्नशिप	23–जनवरी–25	5	एमबीए
4.	स्वदेश मिल्क प्रोडक्ट	इंटर्नशिप	27–जनवरी–25	22	बीबीए / एमबीए
5.	एजाइल कैपिटल सर्विसेज़	इंटर्नशिप	28–फ़रवरी–25	31	बीबीए / बी.कॉम / एमबीए
6.	सेवा सत्कार फ़ाउंडेशन	इंटर्नशिप	11–अप्रैल–25	13	स्नातकोत्तर / स्नातकोत्तर
7.	स्वदेश मिल्क प्रोडक्ट	इंटर्नशिप	11–अप्रैल–25	10	कृषि / डेयरी प्रौद्योगिकी रसायन विज्ञान / खाद्य विज्ञान में बीएससी / एमएससी
8.	वॉल्युम 9	इंटर्नशिप	13–अप्रैल–25	7	स्नातकोत्तर / स्नातकोत्तर
9.	एयरवे मीडिया	इंटर्नशिप	16–अप्रैल–25	9	बीबीए / एमबीए
			कुल इंटर्नशिप की संख्या	**116**	

प्लेसमेंट विवरण (01 जुलाई 2024–30 जून 2025)					
क्रमांक	कंपनी का नाम	प्लेसमेंट	अधिसूचना की तिथि	नियुक्त छात्र	पाठ्यक्रम का नाम
1.	एक्सेंचर	प्लेसमेंट	19–जुलाई–24	10	सभी पाठ्यक्रम
2.	ब्रिमो सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन	प्लेसमेंट	22–अगस्त–24	3	सीएस, सीई, आईटी में यूजी और पीजी
3.	इंटर्न एलीट एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड	प्लेसमेंट	3–अक्टूबर–24	15	एमबीए / बीबीए / बी. टेक / बीसीए / एमसीए / बी.कॉम / बी.ए.
4.	टीचनुक	प्लेसमेंट	4–अक्टूबर–24	20	यूजी / पीजी
5.	ब्रिमो सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस	प्लेसमेंट	23–जनवरी–25	5	बी.टेक / एमसीए / एमएससी. (आईटी) / एम. टेक (आईटी) / एम.टेक (सीएस)
6.	स्वदेश दूध उत्पाद	प्लेसमेंट	5–जनवरी–25	8	यूजी / पीजी
7.	अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन	प्लेसमेंट	24–फ़रवरी–25	15	एमए / एमएससी या एकीकृत बी. एससी–एमएससी
8.	मोमेंटम टेकसिस प्राइवेट लिमिटेड	प्लेसमेंट	25–मार्च–25	1	यूजी / पीजी
9.	हीरोफिन कॉर्प	प्लेसमेंट	22–अप्रैल–25	1	यूजी / पीजी
10.	पढ़लो इंडिया ट्यूटोरियल	प्लेसमेंट	22–मई–25	6	भौतिकी, रसायन विज्ञान में मास्टर डिग्री और पीएचडी, जीवन विज्ञान, गणित में एमएससी
11.	एसएलएमजी पेय (कोका कोला)	प्लेसमेंट	2–जून–25	3	एमबीए / बी.टेक / बी.ई. / एमएससी
12.	टैलेंट गम	प्लेसमेंट	2–जून–25	2	बीबीए / एमबीए
13.	प्लैनेट स्पार्क	प्लेसमेंट	6–जून–25	5	यूजी / पीजी
14.	डिजिकैप्टन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	प्लेसमेंट	19–जून–25	1	बीबीए / एमबीए
			प्लेसमेंट की कुल संख्या	**95**	

डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई)

डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) का उद्घाटन श्री असीम अरुण, माननीय राज्य मंत्री, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2022 को किया गया।

1. डीएसीई प्रोफ़ाइल

समन्वयक, डीएसीईः– आचार्य शशि कुमार
सहायक समन्वयकः– डॉ. अजय सिंह कुशवाह

2. प्रस्तावित पाठ्यक्रम

डीएसीई कार्यक्रम केवल अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के लिए है, जो उन्हें यूपीएससी/राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए **'निःशुल्क कोचिंग'** प्रदान करता है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अंतर्गत डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन ने 22 अप्रैल 2022 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) की स्थापना की है। हमारा विश्वविद्यालय देश के उन तीस केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है जहां मंत्रालय ने डीएसीई की स्थापना की है। डीएसीई, यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के लिए अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को विशेष मुफ्त कोचिंग प्रदान करता है। सिविल सेवाओं के उम्मीदवारों को पोषित करने के लिए, केंद्र सामान्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय से संबंधित 100 चयनित उम्मीदवारों को सर्वोत्तम कोचिंग सुविधा प्रदान करता है।

केंद्र छात्रों को देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए पुस्तकालय, हाई–स्पीड इंटरनेट, वाचनालय जैसी अच्छी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करता है। डीएसीई ने कक्षा शिक्षण, सेमिनार, विशेषज्ञ बातचीत, मॉक टेस्ट और साक्षात्कार आदि के माध्यम से छात्रों को सर्वोत्तम कोचिंग प्रदान करने के लिए योग्य, पेशेवर संकाय और संसाधन व्यक्तियों को समर्पित किया है।

3. कार्यालय कर्मचारी

i. श्री अभिषेक कुमार श्रीवास्तवः सहायक
ii. श्री हर्ष शुक्लाः एमटीएस

4. डीएसीई, बीबीएयू में संविदा शिक्षक/संसाधन व्यक्ति

i. डॉ. अंशु सिंहः	सामाजिक विज्ञान
ii. डॉ. इमरान अलीः	सामाजिक विज्ञान
iii. श्री सौरभ चक्रवर्तीः	सामाजिक विज्ञान
iv. डॉ. अमित द्विवेदीः	विज्ञान
v. सुश्री श्रुति मौर्यः	पर्यावरण विज्ञान
vi. श्री मनोज राम त्रिपाठीः	इतिहास

vii. श्री विश्वजीत चौधरीः राजनीति

viii. सुश्री कृतिका पारीकः अर्थशास्त्र एवं भूगोल

5. डीएसीई के उद्देश्य

i. यूपीएससी द्वारा आयोजित अत्यधिक प्रतिस्पर्धी सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सर्वोत्तम कोचिंग सुविधा प्रदान करना।

ii. इच्छुक सिविल सेवकों को एक सफल प्रशासक बनने के लिए प्रशिक्षित करना जो देश में सुशासन प्रदान कर सकें।

iii. ऐसे अच्छे उम्मीदवारों को सिविल सेवक बनने के लिए तैयार करना जो स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व के गुणों को अपने अंदर समाहित कर सकें।

iv. नामांकित छात्रों में ईमानदारी, प्रतिबद्धता और सामाजिक न्याय के मूल्यों का संचार करनारू और उनमें राष्ट्र और समुदाय की सेवा करने की संस्कृति का विकास करना।

6. निःशुल्क कोचिंग के लिए छात्रों के लिए पात्रता मानदंड और चयन प्रक्रिया

i. वांछित विषय में केंद्र में प्रवेश के लिए विचार किए जाने हेतु, उम्मीदवारों को योग्यता परीक्षा में आवश्यक न्यूनतम प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

ii. यह योजना अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए खुली है। विश्वविद्यालय संबंधित अभ्यर्थी/छात्र से उसके संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों या जैसी भी स्थिति हो, के सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जारी अपेक्षित जाति प्रमाण पत्र सत्यापित करेगा।

iii. इस योजना के अंतर्गत कोचिंग लाभों का उपयोग कोई भी विद्यार्थी केवल एक बार ही कर सकता है, चाहे उसे किसी विशेष प्रतियोगी परीक्षा में कितने भी बदलाव करने हों। विद्यार्थी को विश्वविद्यालय को एक हलफनामा प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह बताया गया हो कि उसे भारत सरकार, राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों या किसी वित्त पोषण एजेंसी द्वारा संचालित किसी अन्य योजना से कोई आर्थिक लाभ नहीं मिला है।

iv. इस योजना के अंतर्गत नामांकित अभ्यर्थियों को सभी कक्षाओं में उपस्थित होना होगा। बिना किसी वैध कारण के 15 दिनों से अधिक अनुपस्थित रहने, या सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति के बिना कोचिंग बीच में ही छोड़ने की स्थिति में, अभ्यर्थी पर किया गया कुल व्यय संबंधित विश्वविद्यालय/छात्र/अभ्यर्थी से वसूल किया जाएगा। विश्वविद्यालय इस वसूली के लिए उत्तरदायी होगा।

v. प्रति केंद्र कोचिंग के लिए कुल सौ सीटें (100) स्वीकृत हैं। कोचिंग के लिए कुल स्वीकृत सीटों का 33% अनुसूचित जाति वर्ग की पात्र महिला अभ्यर्थियों को दिया जाना बेहतर होगा। अनुसूचित जाति के छात्रों का प्रतिशत 70% से कम नहीं होगा। अनुसूचित जाति वर्ग में पर्याप्त संख्या में उम्मीदवार उपलब्ध न होने की स्थिति में, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय इस अनुपात में छूट दे सकता है। हालाँकि, किसी भी स्थिति में 50% से कम अनुसूचित जाति के छात्रों को अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही, प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत 30% स्लॉट महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगे। यदि किसी श्रेणी के अंतर्गत पर्याप्त संख्या में महिला उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं, तो मंत्रालय द्वारा उसी श्रेणी के पुरुष उम्मीदवारों पर विचार किया जाएगा। विश्वविद्यालय खुले विज्ञापन के माध्यम से इस योजना का व्यापक प्रचार करता है और डीएसीई में प्रवेश के लिए एक सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के लिए एक सार्वजनिक सूचना जारी करता है। छात्रों

का चयन प्रवेश परीक्षा, योग्यता के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साक्षात्कार के माध्यम से किया जाता है।

vi. विश्वविद्यालय कोचिंग कक्षाओं के लिए नामांकित सभी उम्मीदवारों के लिए उपस्थिति रजिस्टर के साथ–साथ अभ्यास परीक्षणों या किसी अन्य मूल्यांकन के विषयवार परिणाम भी रखता है।

7. डीएएफ और बीबीएयू के बीच समझौता ज्ञापन

डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार और बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के बीच 26–10–2023 को "अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए निःशुल्क कोचिंग योजना" प्रदान करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

कोचिंग पाठ्यक्रमः– संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा।

8. छात्रों का प्रवेश

i. 14–08–2022 को आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा 2022–2023।
ii. सामान्य प्रवेश परीक्षा में आवेदनों की संख्याः–978
iii. 25–02–2024 को आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा 2024–2025
iv. प्रवेशित छात्रों की संख्याः–100
v. सामान्य प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार में आवेदनों की संख्याः– 377
vi. अनुसूचित जाति पुरुषः–(48), अनुसूचित जाति महिलाः–(27)
vii. ओबीसी पुरुषरू–(16), ओबीसी महिलाः–(09)
viii. 06–07–2025 को आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा 2025–2026
ix. सामान्य प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार के लिए आवेदनों की संख्याः– 434

9. डीएसीई विभाग में उपलब्ध सुविधाएँ

डीएसीई पुस्तकालय आरसीए पुस्तकालय में संचालित है जहाँ लगभग 3000 पुस्तकें उपलब्ध हैं। यूपीएससी के लिए प्रतियोगी पुस्तकों का नवीनतम संस्करण प्राप्त किया जाता है। पत्रिकाएँ और समाचार पत्र उपलब्ध हैं। डीएसीई के छात्रों के पास बीबीएयू के केंद्रीय पुस्तकालय तक पहुँच है जहाँ छात्रों को 24X7 घंटे खुले रहने वाले रीडिंग हॉल में अध्ययन करने की सुविधा है।

10. डीएसीई अवसंरचना

i. छात्रों को उच्च गति वाई–फाई सुविधा प्रदान की जाती है।
ii. कक्षाः–02
iii. सम्मेलन कक्षः–01

11. डीएसीई योजना की विशेषताएँ

i. डीएसीई कार्यक्रम केवल अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के लिए है जो उन्हें यूपीएससी/राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए 'निःशुल्क कोचिंग' प्रदान करता है।

ii. स्वीकृत 100 सीटों में से 70% सीटें अनुसूचित जाति के लिए और 30% सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के लिए आरक्षित हैं। मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी में 33: सीटें योग्य महिला उम्मीदवारों द्वारा भरी जाएंगी।
iii. मंत्रालय द्वारा सभी छात्रों को प्रति माह 4000/– (चार हजार रुपये) का वजीफा प्रदान किया जाएगा।
iv. कक्षा 1 पद के लिए केंद्रीय सिविल सेवा परीक्षा के मुख्य चरण में सफल होने के बाद साक्षात्कार की तैयारी के लिए सभी सफल छात्रों को 15,000/– (पंद्रह हजार) रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।
v. भुगतान का तरीका: सभी स्वीकार्य भुगतान छात्रों को उनके आधार सक्षम बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से जारी किए जाएंगे। शुल्क और वजीफा स्वीकार्य राशि के 50–50% की दो किस्तों में जारी किया जाएगा। पहली किस्त पाठ्यक्रम शुरू होते ही जारी की जाएगी और दूसरी किस्त पाठ्यक्रम अवधि के 75% से अधिक पूरा होने के तुरंत बाद जारी की जाएगी। छात्रों को संस्थान शुल्क का यह हिस्सा तुरंत और किसी भी स्थिति में 15 दिनों से अधिक नहीं, उस विश्वविद्यालय को जमा करना होगा जहाँ वे कोचिंग प्राप्त कर रहे हैं।

यूपीएससी/राज्य सिविल सेवा आवेदकों के लिए पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष होगी।

12. उपलब्धियाँ

i. अंकित प्रसाद: सीजीएल 2022
ii. जितेंद्र कुमार सोनकर: एलआईसी 2022
iii. सुबेश कुमार: पीएच.डी. 2022
iv. प्रिंस कुमार: बिहार पीसीएस मुख्य परीक्षा (2022)
v. बलराम: यूपी पीसीएस मुख्य परीक्षा (2022)
vi. रवि रावत: चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी 2023
vii. आलोक कुमार: ग्राम पंचायत अधिकारी, यूपी 2024
viii. राहुल आनंद: नेट–जून 2024
ix. राजेंद्र कुमार जायसवाल: यूपी प्रांतीय सिविल सेवा (प्रारंभिक)–2024
x. कविता वर्मा: यूपी प्रांतीय सिविल सेवा (प्रारंभिक)–2024
xi. किरण मौर्य: यूपी प्रांतीय सिविल सेवा (प्रारंभिक)–2024

वित्तीय विवरण

वित्तीय विवरण का सार					
1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक					
		2024-2025		2023-2024	
क्रम सं.	विवरण	राशि	राशि	राशि	राशि
1	प्राप्ति एवं भुगतान खाते का कुल प्राप्ति पक्ष		2,627,435,023		2,365,850,739
	क) वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	1,115,994,586		1,377,458,616	
	ख) निर्धारित निधि	36,443,310		13,389,048	
	ग) प्राप्त ब्याज	43,963,258		13,783,594	
	घ) ईएमएफ प्राप्तियां	0		0	
	ङ) अन्य आय	345,426,962		200,711,269	
	च) कोई अन्य प्राप्तियां	915,594,172		519,631,857	
	छ) नकद और बैंक में आरंभिक शेष	170,012,735		240,876,355	
2	प्राप्ति एवं भुगतान खाते का कुल भुगतान पक्ष		2,627,435,023		2,365,850,739
	क) गैर–योजना खाते के व्यय	1,153,826,071		1,127,264,896	
	ख) योजना खाते के व्यय	50,513,535		52,550,863	
	ग) निर्धारित निधि	22,544,368		11,776,634	
	घ) निवेश	899,429,116		552,822,418	
	ङ) अन्य भुगतान	374,207,038		451,423,193	
	च) नकद और बैंक में समापन शेष	126,914,895		170,012,735	
3	आय योजना / बारहवीं योजना		0		96,445,784
	क) अनुदान / सब्सिडी	0		96,445,784	
	ख) अर्जित ब्याज	0		0	
4	व्यय योजना		0		69,842,784
	क) स्थापना व्यय	0		22,757,443	
	ख) प्रशासनिक व्यय	0		45,290,554	
	ग) शैक्षणिक व्यय	0		556,851	
	घ) मरम्मत एवं रखरखाव	0		1,237,936	
	ङ) परिवहन व्यय	0		0	
	च) वित्तीय लागत	0		0	
	छ) अन्य व्यय	0		0	
	ज) पूर्व अवधि व्यय	0		0	
5	आय – गैर–योजनागत		1,428,297,305		1,202,615,546
	क) अनुदान/सब्सिडी	1,030,000,000		978,104,960	
	ख) शुल्क/सदस्यता	341,692,962		200,711,269	
	ग) अर्जित ब्याज	6,335,219		7,336,273	
	घ) अन्य आय	50,269,125		16,463,044	
	ङ) पूर्व अवधि की आय	0		0	
6	व्यय – गैर–योजनागत		1,908,262,685		1,126,896,999
	क) स्थापना व्यय	1,630,962,069		862,153,270	
	ख) प्रशासनिक व्यय	107,955,104		107,477,141	
	ग) शैक्षणिक व्यय	39,437,846		38,238,147	
	घ) मरम्मत एवं रखरखाव	36,254,262		18,252,227	
	ङ) परिवहन व्यय	1,085,987		975,801	
	च) वित्तीय लागत	830		22,977	

	छ) अन्य व्यय	0		21,928,000	
	ज) पूर्व अवधि व्यय	0		0	
7	अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास	92,566,587		77,849,436	
8	वर्ष के दौरान अर्जित लाभ/(हानि)		-479,965,380		102,321,548
	गैर–योजना खाता लाभ	-479,965,380		75,718,548	
	योजना खाता लाभ	0		26,603,000	
9	अचल संपत्तियां और पूंजीगत कार्य–निष्पादन (WIP)		2,680,647,750		2,724,378,680
10	निवेश		934,692,833		0
11	चालू संपत्तियां, ऋण और अग्रिम		358,140,092		1,104,347,497
12	निर्धारित निधि		88,227,319		32,866,392
13	चालू देनदारियां और प्रावधान		1,489,329,983		770,907,640
14	पूंजीगत निधि		2,395,923,372		3,024,952,146
नोटः– पिछले वर्ष की राशि के आंकड़े चालू वर्ष के खाता शीर्ष राशि के खुलासे के अनुसार पुनर्निर्धारित किए गए हैं।					

वार्षिक रिपोर्ट समिति

1.	आचार्य रिपु सूदन सिंह (अध्यक्ष, प्रकाशन समिति)	:	अध्यक्ष
2.	आचार्य गोपाल सिंह (निदेशक, मीडिया सेंटर)	:	सदस्य
3.	आचार्य सुरिंदर कुमार (सांख्यिकी विभाग)	:	सदस्य
4.	आचार्य गौरव कैथवास (भैषजिक विज्ञान विभाग)	:	सदस्य
5.	डॉ. सुरेंद्र मेहर (अर्थशास्त्र विभाग)	:	सदस्य
6.	डॉ. मनोज कुमार (कंप्यूटर विज्ञान विभाग)	:	सदस्य
7.	डॉ. बी. पात्रा (अंग्रेजी विभाग, सैटेलाइट सेंटर) (बैठक में ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया)	:	सदस्य
8.	डॉ. प्रीति चौधरी (राजनीति विज्ञान विभाग)	:	सदस्य
9.	डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव, सहायक निदेशक (राजभाषा):		सदस्य
10.	डॉ. रचना गंगवार, जनसंपर्क अधिकारी	:	सदस्य
11.	डॉ. राहुल वार्ष्णेय, प्रभारी, आरएसओ	:	संयोजक

उप–समिति

1.	डॉ. राम प्रवेश पाल	:	संकलन हेतु
2.	श्री पंकज कुमार	:	हिंदी टाइपिंग हेतु
3.	श्री अवधेश कुमार	:	अंग्रेजी टाइपिंग हेतु
4.	एक ग्राफिक कलाकार/सहायक *(निदेशक, मीडिया सेंटर द्वारा नामित)*	:	ग्राफिक्स एवं डिजाइनिंग हेतु

BABASAHEB
BHIMRAO
AMBEDKAR
UNIVERSITY

•LUCKNOW•

प्रज्ञा शील करूणा

ESTABLISHED 1996

वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(नैक द्वारा ए++ प्रत्यायित)

विद्या विहार, रायबरेली रोड, लखनऊ–226025

उत्तर प्रदेश, भारत